# মুশ্ববোধ ব্যাকরণ ।

#### অর্থাৎ

শ্রীবোপদেব গোস্বামি ক্বতং মূলং শ্রীদুর্গাদাস
রিদ্যাবাগীশ ক্বত সম্পূর্ণ টীকা সহিতং।
শ্রীরাম তর্কবাগীশ ক্বত স্ত্রীত্য, কারক
সমাস, তদ্ধিত টীকা সহিতঞ্চ।

শ্রীরাধামাধব শীলেন বহুপরিশ্রমেণ বহুবিধু পণ্ডিতৈঃ পরিশোধা।

### কলিকাতা

চৈতন্যচন্দ্ৰোদয় যন্ত্ৰে মুক্তিতমভূং।
ভাহীরীটোলানং ৯ বাটা।
ভাষাদাঃ ১৭৮৩।
(মূল্য ৮ টাকা মাত্ৰা)

# मूक्तरवायर वाकत्रमम्।

### সম্সঃ।

) ! .रेपकार भारता।

দ্বার্ব হুনায়া দানামৈক্যং সসংজ্ঞং স্যাৎ। ভচ্চাশ্বরে সতি কার্যাং। যথা বল্দাী চরণো ক্লফস্যেত্যর্থে ক্লফ্চরণো বন্দ্যা বিতি স্যাৎ নতু ক্লফবন্দ্যো চরণাবিতি।

मामीनां मर्था ति त्रभा मामाखानारमकभनीकत्रभार्थमाह रेमका मिछा मि ! দং পদং তচ্চ স্যাদ্যন্তমের অম্যুগা ত্যাদিপ্রকরণং হিছা অত্র এতিছিধান-মনর্থং সাঁাৎ এবং লিবভিচ পঠভিচ ইত্যানাবপি সমাসাপত্তিঃ স্যাৎ। অত-এব নায়াং সমাংসাযুক্তার্থতংস্থা নোপ্যা বিভক্তয় ইতি সর্ববর্ষা। নায়াং न्যामास्त्रिकानामिकार्यः। প্রণমতি নিষেধতীত্যাদে সমাসস্ত বাস্য গাসুকা-रत्रकां मिविधास्तरार । नम् धानमकि । निरम्धकौकारमी ममारमध्यभाकर्कुरताः रेरेश्व माणिखजामाखरबाध ममारम्ध विश्वीवजारः। विश्वजिङ পঠजिङ रेजारिको সমাসাভাবস্ত ব্যস্যগোভ্যাদিনা নিয়মেন গ্যন্থকার ভাজাদি ভিন্নানাং ভ্যাদ্য-खन ममामनिरवधार इं जि रहत्र क्लिन् क्रिडारहकात मामाखका। माखरा। क्निमां क् ममाश्चिर्को रविरविद्यापित ममारम धानमञ्जेजारमी विद्यारकम्भ देजापि বং প্রত্যয়ে পচত্তিকম্পমিত্যাদাবপি তিবাদেশ্চ লোপাপস্তেঃ। দেচ দানিচ ইত্যেকশৈষে দানি দানামৈকাং দৈকাং। দয়োঃ স্যাদ্যন্তয়োঃ বহুনাং मामास्रानार वा खेकार ममरब्बर मामिकार्यः। मह ममामः। असुब्रस्त भर्मानार পরস্পারাকাভ্কা বোগাভাচ। যথা বস্দো চরণো কৃষ্ণস্য ইত্যর্থে চরণাবিজি অবয়বপদং বঠাত্তমবয়বিপদমাকাঙ্কতি। কৃষ্ণসোতি বঠাত্তমবয়বিপদঞ্চ কর চরণাদিকমবয়বপদমাকাঙ্কতি। তেন কৃষ্ণচরণাবিতি সমাসঃ। বক্ষাধিবিত্তি क्पीनि घानखः भार कर्जुनेमदमेनाक्ष्कि। उनामीनाः कर्जुति वंशामिन

বৌহাডায়া অভাবাৎ কৃষ্ণােডিপদং নাকাড্ক্ডি। ভিন কৃষ্ণসাবিভি नमारमा न मामिडार्थः। अत्र कार्रिः ज्ञानारमामनः भव्छोडाळ भवन ক্রিরারাঃ করণং কাঠং এবং পর্চনক্রিরারা অধিকরণং ভালী পচনক্রিরারাঃ কর্ম ওচনঃ। তেন কাঞ্চিঃ স্থানিয়ামোদনমিতি ত্রয়াণাং পরস্পরাকাভ্কাভা-বার সমাসঃ। অভিপ্রেভার্থবোধকত্বমন্ত্রমুমিতি কেচিং। হরিহরাবিভ্যাদি ধন্দেতু পরস্পরসাহিত্যমেবাল্লয়ঃ। ক্রিঞ্চ বত্র প্রতিবোগি কার্কভিন্ন পদা-পেব্দা বর্ত্ততে তত্ত্র সমাসোন সাথে। মধা রাক্ষো মাতকা ইতাত্র কন্ধসোতি। বিশেষণস্য রাজ ইতি বিশেষ্যেণ সমাসাভাবে রাজ ইতি প্দস্য মাতৃত্বা ইতি পদেন সমাসোন সাথে। তেন ঋদ্ধস্য রাজ্যাতকা ইতি ন সাদিতি। যত ध्येष्ठिरवां शिशव कांत्रकशवरतां तरशकां वर्द्धत्छ एक बग्राटवर । यथा तांमण नाम মহিমা কৃষ্ণাশ্রিতমনাঃ। বাণেন ভিত্তক্ষরঃ বামেও হতভর্ত্তকা । বিপ্রায় দত্ত **ष्ट्रिकः गांखालक्षक्रकः। जिल्को निमधमर्कत्र दे**खानि। खशां अखिरवानिभनाम-ন্যৎ যদন্যৎ কারকাদপি। বৃদ্ধিশকৈদেশুন্য সম্বন্ধন্তেন নেহাতে ইতি প্রাঞ্চঃ। এবং বৃদ্ধস্য বাহোরপতামিতাত্ত বৃদ্ধস্য বাহবিরিতি ন স্যাৎ। বীরং পুত্রমিচ্ছতী-তাত্র বীরং পুত্রকামাজীতাপি ন স্যাৎ। মর্কাঃ সমাসো বিকল্পিতঃ েতেন হরিশ্চ হরশ্চ অরতি হরিহয়র জ্বতঃ। চল্লারোভুজা বস্য তব্ম মমঃ চতু-क् बाब नमः। नीनपूरशनिमः नीत्नांश्शनिमः। विकार्ककाश्यः विकृ-ভজোহয়ং। পঞ্চতির্বোতিঃ কৃতোহয়মখঃ পঞ্চঃ। কুঞ্চমধিকৃত্য কথা অধি-কৃষ্ণ কথা ইত্যাদি। কচিন্নিতাঃ। বগ্না কৃষ্ণদর্পঃ লোহিতশালিঃ ইত্যাদে সমাসবোগ্য বাকাং দ ডিগ্নতীতি। কচিৎ সমাসো ন স্যাৎ তেন রামে। আম-দল্লাঃ। ব্যাসঃ পারাশর্যাঃ। অনুনিঃ কার্ক্তবীর্যাঃ। শথঃ পাঞ্চর ইত্যাদি। তথাচ নিডোহনিডো বিকশাত সমাসঃ কর্ডুরিছমেতি প্রাঞ্চঃ। অনিভা ইতি নিডা সমাসাভাব ইডার্বঃ। এবং বিশেষজ্ঞানং মহাকবিপ্রারগাসুসারাং। অত-এব কৃত্তবিত সমাসানামভিধানং নিমামক্ষিতাদি স্বয়ং বক্সতি।

रेमकामिन मध्य मध्य एउ एम मध्य मध्य मध्य प्रांति मानि एम मर्गनि छोनि मानि एक्वारेनकार अक्षण छाव क्षेकार ब्राच्यशानिष्ठार काउ अक्रम्भर महारमार्थ शाह महार्काहरू मानिन । मानामिनि वह्यमिविक्विनिएकारक उशाह जातक-मानारमक्षमपुर रेमकार अगरखर गामिकार्थः । उक्र क्षेकार जावण गिन् कार्यार जावरमा शहरकार अगरखर गामिकार्थः । उक्र क्षेकार जावरम् मार्गर जावरम् ।

### २ । जिल्लारेनाकार्यज्ञापितः थान्यानीनाः हर्यवशवाः।

जिन्नार्थानाः नीनाः त्रकारकारनार्थानाः नानाः क्रास्क अर्कोर्थानाः नानाः यमः खा खानिकास्य व्यक्तिनाः यमः कः मःथा भूकनानाः गमः कार्यका वार्यक्तिनाः वमः कः मार्।

ৰীবেশংপলমিত্যাদাবপি ৰক্ষাপতিঃ। জুত্র পদার্থয়োরভেদেহপি ভেদবিব-क्त्री बन्दः। अञ्जव'विनाम्यक विश्वताक दिमाजूत श्रवाधिशा देखामतः। किस क्षम् उच्याशमार्थाथायार्थाः श्री श्री श्री श्री विकर उच्चे छोडि । यथा घरेक कन् विकत्त कन् विकार विकार के विवार हो। जीव भूट्योव जीभूखाः। जनगर्वाताः नमनामानभाषनार्थानाः भगानाः नमात्ना इनः कः नार । त्रावस्त्रीहिः। সতুভয়প্দার্থাপ্রধানঃ। তেন পীতাশ্বর ইত্যক্ত পীত শব্দেন ধৌরত্বর্ব উচ্যতে অন্তর্শব্দেন বন্তমুচ্যতে সমুদারেন পীতাশ্বরপরিধায়ী কৃষ্ণ উচ্যতে। সচ দিবিধঃ। তদ্যুণ সন্বিজ্ঞানোহতদ্যুণসন্বিজ্ঞানত। বত্র সমস্যানপুদার্থঃ সমানবাচ্চো বৰ্ত্ততে স তদ্ধণ সন্মিজ্ঞানঃ। বধা ত্রিলোচনঃ শিবঃ। তদফ্যোহ **उप्**श्रेनमञ्ज्ञानः। यथा रु करनः कृकः हेजि। এकार्यानार विष्मग्रंबिष्णवन ভাবাপরানাং পদানাং সমানো ব্যংজঃ স্যাৎ। यः कर्मधात्रशः प्रज्ञतं-भम अधानः। यथा नोत्नारभनर। विजीमामिविचकास्त्रभम शूर्वकानार् পদানাং সমাসঃ ধসংজ্ঞঃ সাহ। বস্তংপুরুষঃ সচোত্তরপদ প্রধানঃ। वशा কুফাঞ্রিত ইত্যাদি। সংখ্যাপুর্বদানামিত্যাদি। তদ্যার্থে ইত্যাদি বক্ষ্য-মাণ বিল্লমাৎ তদ্বিতার্থে সমাহারে উত্তরপদে পরেচ সংখ্যাবাচরুপ্দ পূর্ব-কানাং পদানাং সমাদো গদংজঃ স্যাৎ ইত্যর্থঃ। অন্যথা দিযুদ্ধঃ দিপাৎ इंड्यानि वस्त्रीरशे अकारः मश्रतीः इंड्यानि कर्मधात्रप्रश्री विश्वषाणिकः। न इ उद्भवशाम शंद्र (या विश्वः म वह्ने विष्युत्त वास वामार्थमार्थवा विश्वामिति रुद्ध। अक्षेत्रवध्न ইত্যাদৌ গোরতার্বে ইত্যাদীনাম**্প্রাপ্তেঃ। গো**ছিলঃ। বথা বৈমাতুরঃ পঞ্জঃ ত্রিসখং পঞ্গবধনঃ। ত্ত্তিতার্থে উদ্ভর্পদে পরেচ বিঞ क्रच्यशमार्थ ध्यथानः। नमारात विश्वक्रस्तरूप ध्यथानः। वाश्रृद्धमानी[मञापि। वः क्तामोरभाजापि निम्मार कादकामावर्ष खवाम्रभम्भूर्वकानाः भमानाः সমাসো বসংজঃ সাং ইতার্থঃ। অনাধা অসক্ধঃ সুঅজাঃ সুপাৎ নির্দ্ধনঃ ইত্যাদাবপি অব্যয়ীভাবাপত্তিঃ। বোহবায়ীভাবঃ। সর্চ পুর্বেপদ প্রধানঃ। যথা অধিকৃষ্ণ মিত্যাদি।

खिन्नण खनाण अकण एउ एउ खर्ष। त्यार एउ हो खानिर्यागार छाः छाण्ठ मरनााठ राक्ष छानि छानामत्या त्यार एउ भण्ठाखिन्नारेनाकार्थण्ठ हानि मरनातामत्रण्ठ एउ एउदीर ठण्ठ रण्ठ यण्ठ यण्ठ रण्ठ दण्ठ एउ स्कारभेदः खन्नमानः जन्मः थएछाक्रमख्मिरदधाएउ हेछि नामार। मरक्किमरखानार् मममरनाषाक्र स्था मरनार फर्मसन्नार जिन्नार्थानार मानार हेछि भन्नम्भद्र खन्नार्थानार मानार সন্টসংক্রঃ পদার্থোহি জাত্যাকৃতিব্যক্তরঃ জাতিঃ ধর্মঃ আকৃতিরবন্নবদং স্থান नार्निः वास्तिः चक्रभः अस्त्रव नीनयष्टेरास्त्रभ्भ भवार्यस्वरम्बद्याः गंत्रन्भव्यक्तिषार अञ्चलविवकाबार जू वह नैग्राप्टेंमव अवर हतिहताविछा**त**ः वश्रराधरखरमध्मि अमार्थजायरम्भ करयाः श्रिष्ठि সংहातकरप्रारखमारसम् ইত্যেকে। তথাচ পদজনা, প্ৰতিপজ্ঞিবিষয়ভেদেচ ইতি পৰ্ব্যবসিভোহৰ্থ। অন্যার্থানানিতি অসমস্যমানদার্থ পরাণাঃ সমস্যমানানাং দানাং সোহসংজঃ वर्षा जात्राण वानदत्र। वर् जात्रण्यानदत्र। त्रकः। मृक्तः क्रका रवन मृक्तक्रकः পুরুষ ইত্যাদি। সমস্যমানপদার্থোপি অন্যদার্থ: স্যাৎ ব্যপদেশ্য ব্যপদে শিরস্তাবাৎ বথা শোভন শরীরঃ শেনাপুত্তঃ অনার্দ্দনশ্চাত্মচতুর্বঃ এবেড্যাদি। এकार्यनामिष्ठि भव्रम्भव ममानाधिकवनानाः ता यमः छः यथा नीतनाः भनः পূर्वामानि शामिकीनारमक जमासानि खरसि उम्। एवरार मानार भः वमररका ভবতি। বথা কৃষ্ণমাঞ্জিতঃ কৃষ্ণাশ্রিতঃ মাসেনপূর্বঃ মাসপূর্বঃ যূপার দারুঃ वृभनामः भाभास्तः भाभासः क्ष्मा तथा क्षमथः भूकारक्रः भूकारक्र मिलापि। मश्याभूर्वपानामिकि। मममामानानार पानार भूर्वपानि यपि मश्यावाह्नानि ভवस्ति जना रजवार जार्थाएमी त्या गमश्कः। यथा शक्षकः जित्माकी शक्ष्मवश्व । देंजाणि राभूर्वमानांमिकि ममनामानाः मानाः यमि পूर्वमानि वामः खनानि केविछ ज्ञा जिया कारमे मः वमः जः यथा अधिक्ष মিত্যাদি। ইহ একত্র সংজ্ঞাদম সমাবেশাভাবাৎ বিশেষণবেদ্ধিতানামেবৈতাঃ সংজ্ঞা জ্ঞেয়াঃ তেন পঞ্চভার্য্যাঃ সপ্তর্ধরঃ স্বঃপতিতঃ পঞ্জঃ অধিহরিরিত্যাদৌ হাদি সংজ্ঞা নতু গাদয় ইভ্যাদি অন্যধা সর্বেষাং দানাং ভিন্নার্বদন্ধাৎ চ সংজ্ঞা थारक्षः। का चरम्। दृ वस्त्रोहिः वः कर्मधात्रमः वस्तरभूत्रवः भाविकः (दार-वाबीखावः वत्त्री विविध्यवाविष्ठि शत्त्रं। अवार नामानांत्ज्ञा नक्त्राक्रांनि বিশেষ্ঠ ভদ্ধৎ প্রকরাম্ বিশেষ্য বক্ষামঃ।

া কেলুক্ভোচ।

সে স্থিতারাঃ ক্তেলু ক্সা । তো চ পরে ।

সর্ক্ষাদের স্থিতারাঃ স্যাদেঃ জেপু ক্ স্যাৎ। সর্কপ্রতারের পারের চ স্যাদেপু ক্ স্যাদিতার্থঃ। ম্যাসে বধা হরিহরে পীতাশ্বঃ পর্বাম। কৃষ্ণাঞ্জিতঃ পঞ্জঃ উপকৃষ্ণ। প্রতারে বধা শ্রীমানু পুত্রকাস্তি বাচিকং

च्ह्यित्रः माथूतः रेहमः श्रामाः देखारमे ध्रायमारममू क्। किथ खन्नजाः नार्क-जिनः रेजाएमी जारमभाग मानाचारत गामि अकत्रनः हिचा एकिज्यंक-রবে আবেশবিধানসামর্ব্যাং । স্যাদিবিভক্ষেরিভি কিং প্রাণমভি নিবেশভি ইভ্যাদৌ ব্যস্যব্যেভ্যাদিনা সমানেহপি ভিবাদ্ধে বাৈপঃ। পচভিডরাং পচভি कंग्मिकारिक थेठाराइश्मि जियारमर्तनामः। मुक्कद्रतम जातनात्म जानकन-মিতি ন্যায়াৎ প্রাপ্তবাং বিভক্তিনিশিক্তকং কার্যাং লুকি ম ডত্রৌত নিবেধান্ত্রসা দিভি। ভেন কন্য পুত্রঃ কিংপুত্রঃ ইত্যাদৌ টেরকার্মে ন ন্যাৎ। ধাতারং नजः शक्तजः रेजामो न वृक्तिः। यजानामो विथाणिक यज्ञविथ रेजामो ন দীর্ঘঃ। বিরামবিহিতত্ত স্যাদেব। তেন ব্রহ্মাচ্যুতেশাঁইভাত্ত নোলুপ্কেগ্রা-বিভি ৰস্য সুপ্। পদ্নলোবিকারঃ প্রোবিকার ইত্যাদে সৃস্য বিদর্গঃ ১ জ্ঞান-**जूरणमा अमजूकमा दे**जारमी अधामिश। किश्व चत्राकुछ १ चरकुछ शमाकुछ १ मरकृष्ठिमिजारमो विख्यक्तर्मृकि कृष्ण्यशि वृत्त्वमस्मादतकरप्रदर्श प्रसाम खरणः কৰ্মোরর্থন্যাপি এহণাদিত্যজেগ। যুবীবাদেশৌতু বিবচনে পরে এব স্যাতাং नकू विरव्धार्थ। एउन प्राष्ट्राः कृष्डः तृष्यरकृष्डः चार्वाष्ट्राः कृष्डः चन्नारकृष्ठ-मिछि। खुत् विववनमा मुकि युवावारमणा स्रोतमखद्य चत्रराभावद्यान्। जना बीखः भूत्रानिविज्रः।

অধিবারাৎ স ইত্যকুরপ্ততে ইত্যাহ সেন্থিতার। ইতি সে কর্তুব্যে সমম্যানামেতাঃ ক্রেরিতার্থঃ প্রকরণাৎ স্যাদিক্তেরের তেন পচতিরপং পচতিত রামিতি ন ত্যে কে পূর্ক। যততাঃ অক্রত্য ইত্যাদে তু স্যাদি স্থান অস্থেহপি স্বাদিপাঠান্তদন্তানাং তদ্ধিতান্তর্গতত্বাং ন ত্যাদিপুক্। সুত্তরণাৎ ন্যাদিনিমিন্তং ক্যার্যাং ন স্যাৎ বথা সবিপ্রাপ্তঃ গ্রাপ্তিত ইত্যাদে ন ঘৌরিঃ আ
অম্বাদেশিরতি বাক্তিং রাজপুর্ব ইত্যাদে তু বিরাম্মাপ্রিত্য কুণ্ডনোলুপ্স্যাদেব।

हैज्दत्रजत्रयारिक ह नमाहारत ह रहा बिथा। हतिक हत्रक छो हतिहरतो। बन्ता ह खहू।जन्ह केन्निक छि बन्ताहारजनाः।

रेखरत्रकरत्निः। को वन्तृ रेखरत्रखत्नद्दवार्गक नवाशृत्त्रक छत्म् विश्रा छवछि रेखरत्रखत्नद्विः। क्षेत्रकार्वारगीदग्रद्धश्चित्रका । अना-

ঁইডরেগুরবোধে চেভি। চোরিধারি একারিঃ তত্ত্র এক ইডরেজর বোর্গঃ ইতরস্য ইতরেণ সহ বোগ ইতি পরস্পরাপেকাব্যবভেষাকুগততত্ত্ব বর্ষোঃ धौधौनग्री पर बहुनार धौधीनग्री ववर नगरमव यथा हत्रिहरू ब्रे ब्रक्का हास्त्रभा ইত্যাদি অন্যঃ সমাহারঃ সচ তিরোহিতাবরবতেদঃ কিন্তু সমুদিত ভিন্নতেদ-खरैमाकबाद ४२। यथा भमीवृश्वपर्वाकबहर धरथवित्रश्यामः देखावि मञ्-দায়ীভোচ,নাঃ সমুদায় ইতি দর্শনাং। জেলু কভো চেভি একং স্ক্রমিতি ষোগবিভাগঃ কর্দ্তব্যঃ ডমাদিউসিন্ধিঃ। "কচিৎ নিসিন্ধং স্যাৎ তথাহি। নৌৰঃ সহস্তমেছিছোহল্পভাপসঃ পৃর্বাৎ জ্ঞাঃ। পৃর্বদভূতেভা এভাজ্ঞা লুক্ ৰ-সাৎ। ওজসাদৃতঃ পুদ্রঃ সহসাভুক্তং ভমসাপিহিতং অন্তসাগ্লৃতং অপ্প্রসাবিস্পাদিতং তপ্দাকৃতং তথাচ তমোজদানিজিতদেবরাজং দৃষ্টারথন্থ তপদাপ্তনি 🗨 মিভি বোধা। তপঃ শব্দাৎ বিকশ্পরস্তানো তথাচ তপঃফুলাঃ শান্তাদকুত্তহতা ইভি ভঞ্জিঃ। পূর্বাৎ বৃং সহ ওজ্না বর্ত্ততে ইত্যর্থে সোজঃ কৃতং সভত্তম भठारमावृष्ठमिष्ठि ভারবিঃ। উদস্বদ্ধঃপরিণীতমুর্জিরিতি নাখঃ। পুং**জতু**শো २.पूजारती जांजारमनदांश केमार क्यां भूक् न गार पूरमासू**कः** पूरम्जा मूक्विश्वनारम्यः चार्च जी भूबाध्मः अंज्यम्बर्धम भूश्रमारहज्जारसर्जना जीकि। चम्बाक्कः चम्बन्धः उनाकः। मन्रामाश्राक्षात्रिनितः। मनमञ्जा मूक् न नगर मध्कातार जाकामिनि चल्पन भटत मननाक्यी मननाक्यी मनना नक्ष ७२ । नाम्नि किश्म दनाक्ष का का वामा का का कर भी नममा मन ना का की र्याती जनश्कार्थः शृथक्षशामानः । जाननः शृत्रतः । जानना गृक् न गृर् পুরণভাজ পরে। , আত্মনা বঠঃ আত্মনা পঞ্চনঃ। জনার্দ্দশ্রাত্ম চতুর্ব এব ইতি पु जोका ह्यूर्वीक्रागुक्ति हर। वहांकृत्वीकावाचावाचावाचात्राह्या हार हो। देशक्रीन- অৰ্জিয়নাৰা ব সংজ্ঞা জন্যাৎ গম্যবান্যাং আত্মপরাভ্যাৎ চ্যালুক্ ল স্যাৎ। আন্ধনেপদং পূর্বৈশ্বদং অ্বানেপদে ভাষা উক্তিৰ্যস্য আন্ধনেভাষঃ। স্তোকা ভিক দুরার্থকৃদ্ধাৎ কে প্যার। ভোকাদ্যর্থেভ্যঃ কৃদ্ধান্ত কান্তে পরে প্যা লুক্ न् नार। त्वाकामुकः अलेगियुकः अखिकामुकः अछानामानवः मृत्रामा-গতঃ विश्वकृषीमांगजः कृष्ट्रामुक देखि जू वी गार। एक किः खाकलप्तर। वन ব্ৰাহ্মণাভ্যাং কারশংসিনোঃ। আভ্যাং প্যা লুক্ৰ স্যাৎ ক্ৰমান্ৰজায়। বলা-मरनोठिजार कर्त्रशः वनारकातः बाक्तर्भा संरोधकरमभवं के केष्ठ्रज्ञ भःत्रिक्तः শীলমস্য ব্ৰাহ্মণাৎ শংসী ঋদ্দিকবিশেষঃ। ক্ষেপে ষ্যা বাতু পুত্তে। ক্ষেপে প্ৰা-মানে বাা লুক্ ন স্যাৎ পুল্রশব্দেতু বা ৷ চৌরস্য কুলং নাস্যাঃ পভিঃ শাস্মাঃ পুত্রঃ দাসীপুত্রঃ। কেপে কিং বিপ্রকুলং বিপ্রপুত্রঃ। বাক দিক পশ্যতো वृक्ति मस्ट्रहा अन्त अट्यू क्रैमार या मूक् न गार टाटावृक्तिः निर्मापस्ट श्रमार्ट्डाहरः श्रमास्वरानामृहा हद्रडीडार्थः। अन्तरः अन्तर नीननकास कूनः नकांख भूटल्यू। जनमः या नृक् न मार्थ भाग्रतन नीननकांख कूरत नकांखभूटल् চ। অর্বাপিতাং নভাদিবাৎ কারনঃ আয়ুবারণঃ বিখ্যাত্পিতৃকঃ অর্বা কুলে সাধুং আমুবাকুলীনঃ অমুধা কুলসা ভাবঃ মনোজভাৎ পকং আমুবা-কুলিকা এবশামুবাপুল্ৰিকা ইতি ভাৰাৰ্থভূত্বদন্ধীকারাৎ পকান্ত ইভি বিলে-वर्गः। श्रेट्डाविमारवानिमश्रदेशः। क्ष्मस्रोरः यो मुक् न भारः भूटकीस्तर-দলোবিদ্যাবোনিসম্বন্ধবাচিত্বে সভি। হোক্তঃ শিব্যঃ হোক্তঃ পুক্রঃ পিভূর-खरांनी चनुः भूलः। यठ देखि किश् माजूनभूकः। विमारयांनिमचरफ किश् হোতৃধনং। বা সম্পত্ত্যাঃ পিজুত্ত পিডরি। ঋদস্তাৎ বা। সূক্ ন সাাৎ বা অনয়োঃ পিতুর পিতরি। সাতুঃবদা মত্ত্বদা হোতঃ বদা হোতৃবদা ছহিতঃ পড়িঃ ছহিতৃপতিঃ পিতুঃ পিতা পিতৃপিতা। পিতাম্হঃ পিতৃপিতা ভংপিতা প্রশিক্ষার ইত্যারঃ। দিবোদানে নায়। দিবঃ বা লুক্ ন স্যাৎ দানে নায়ি। দিবোদাসঃ দৃশতি ভেদঃ। খনঃপুক্ লাজ্ন লেকলেকসি। খনঃ वा नुक् न नारमयू नाम्नि शरका। अनः शृक्तः सरमा नाज्यः समः स्वतः समः (नकाः धवीगाः नात्रहज्ञेतः। क्षिपत्राद्धांनिः छेळनकरेगृत्रधारश्चितः ষ্ঠা সুক্ৰ ন্যাং। বাচন্দভিঃ বাজোন্দভিঃ দ্বন্দভিঃ গুনন্ধৰ্ণ দেবানাং, থেরঃ ইত্যাদি প্ররোগাসুমানুরণ জেরং। গোহ্রদন্তাৎ স্থা নামি। গো-भक्तांप्रमाखाखनखांक भवनां। श्रा सूक् म मार्थ मरखावार । श्रविष्ठ मेनिवेतर वरित्रीविचार मध्। जनस्योखः। वरमकिश्यकाः वरमकृत्यास्माधः वरमवस्नुजाः। भारतेथारीत रेखानि। इनांक युविहित्रः त्रस्तितिक्षेत्र वह वहिनात्रः। स्वरः

षक्नात ইতি তু पक्नारत। यरगाতि হঃ। 🗫।ঃ বিং নদী কুকুটিকা নামি ইতি কিং জক্ষণৌশুঃ। অস্ট্রো বমতিযোনিষু। যে তে; মতে বোনে চ পরে অস্ট্রেঃ প্রা বুক্ ন স্যাৎ। অপস্তবঃ দিগাদিত্বাৎ বঃ অপর্বাঃ অপস্মতিঃ অপস্বোনিঃ বংজ্ঞায়ামিতি সঃ। অপুর্ব্যদিতি কিং প্রমীমতিঃ। মধ্যান্তাভ্যাৎ গুরের। প্থিয়িনাম্নায়ি। মধ্যে একঃ অন্তেওকঃ অপূর্বাদিত্যের সন্মধ্য ওকঃ কথং মধাপ্তরঃ অন্তঞ্জরিতি মধ্যে গুরুর্বন্য ইতি হঃ মধ্যগুরুঃ অন্তঞ্জরঃ গণ ইতি ছान्मगः। अमूर्कमलकार वाकामकारम। मूर्क मलक वर्जार वाकवाठकार श्रम পুক্ ন সাৎ নতু কাম শব্দে পরে। কণ্ঠে কালঃ উর্দি লোমা শত্রুৎ চকারে। त्रनिवान मास । अमूर्क मसकापि जिल्मूर्क्ति मिथा यहा मूर्किणियः मसक-শিখঃ। অকানে কিং মুখকানঃ অজ্বসন্তাদিভোব অসুনিত্রাণঃ গোচরঃ স্বাঙ্গ:-দিতি কিং ধর্মাবৃত্তিঃ ধর্মানতিঃ। ঘঞ্জবদ্ধে বাঁ। ঘঞ্জবদ্ধে পরে স্বাঙ্গাদ- 🖰 আক্সাচ্চ প্রা। লুক্ নস্যাৎ বাবেসভি। "করেবন্ধঃ করবন্ধঃ টক্রেবন্ধঃ চক্রবন্ধঃ উরসিবল্বঃ উরোবল্বঃ। অজ্বসন্তাদিত্যের। মণিবল্বঃ গুপ্তিবল্বঃ। বহুলং যে কুদত্তেহক্ষে ৮অক্টে কৃদত্তে প্রাণ লুকু দ স্যাৎ তৎপুক্ষেসতি। বহুণ্গ্রহণং নিতা विकल्ल निरम्यार्थः उरम्बरमः कर्णकलः लरक्ष्यः १ ८४ हरः खरशहतः क्षप्रतकानः কাত্তের হঃ ইত্যালে বিতাৎ সরসির হং সর্বোর হং বনেচরঃ বনচরঃ দিবিষদঃ ছাষদঃ ইত্যাদে। বিৰুপাঃ কুরুচরঃ স্থবিলশায়ী সাঞ্চাসাসন্ধ ইত্যাদ্ধে লুগেব অস্থ ইতি কিং সমস্থঃ বিধমস্থঃ কূটস্থঃ কায়স্থঃ উদরস্থা হয়ীতকী তথাচ কপা-নেন করত্তেনেন্দুশেখর ইতি দণ্ডী অনোঁতু অসাধুরিত্যান্তঃ কথং হৃদিন্ত ইতি वाह्नार मर्वाक्षः वर्शिषा भाषाची चुश्र्यारमय एवन नीनमरवायः स्रायनम्ब ইত্যাদি। ছাশরং প্রাবৃট্ কালাজ্জে বর্ষক্ষরশরবরাজুবা। এভাঃ স্থ্যালুক্নস্যুৎ (काश्राद वर्शामञ्जव) पिविकाः भविकाः आव्यविकाः कार्यकाः वर्षकाः, वर्षकाः करत् आ के के देखाः भारत आ के भारत आ के वर्ष आ के वर्ष आ के कि का चूला श्रह्ण के श्रुतकः। कातनामः कारतज्ञारमोह। दिखान् वर्त्वट कातनामः श्राम्कृ ननार वा कानभाव्य भारत खत्रजगर्जनहरूताः हरू मारश्रह । शूर्वारक कारन कुछः भूवाक কালক্তং পুর্বাচ্ছেতরঃ পূর্বাহ্ছতরঃ পূর্বাচ্ছেতমঃ পূর্বাচ্ছতমঃ পূর্বাচ্ছেতনঃ পুর্ব্বাহ্নতনঃ পুর্বাহ্নতরাং পুর্বাহ্নতরাং পূর্বাহ্নতনাং প্রবাহন রাচ্ছেকালে কৃতং অপরা্ছকালক্তমিত্যাদি। অল্বসন্তাদিত্যের রাত্তিত-बाबार बानर्छि। अकानाचामनवनामियु। अकाननिधिनः श्रानुक् मन्त्राचा वामणव्यामिषु । वरनवामः वनवामः (यणग्रः यणग्रः आरमवाने आमदानी

आरखरामी अखरामी अकानामि कि कि शृद्धारु भग्न अखम खामिर छात धरीभन्नः पृत्रिभन्नः। कान्नमिन्न पार्षि। विनिक् कर्य कर्म खानारिमाः 'शान मार्थर 
नारक्कार प्रदा यः मकरः कर्ज कर्म कर्मातः छमा नाम कान्न नाम छिमान् वार्षा 
हमारि शर्म खान् कि मार्थ । इरमिन्न भिन्न हमिन्न । यो दि । इरमिन्न भिन्न । यो दि । इरमिन्न भिन्न । यो दि । यो दि । असिन भिन्न । यो दि । यो

৪। পুষৎ ফ্রেঃ।

সে স্থিতায়াঃ ভ্রেঃ পুষৎ স্থাৎ তাৈ চ। পূর্বপশ্চিম।

পুমানিব পুন্থং। ভ্যে চাত্রর্ত্তে। কিঞ্চ ভাশব্দেনাত্র পিভ্জি ভিন্ন প্রতায়ো থাছঃ। অন্যথা সর্কনামুশব্দানাং দ্রীলিকে প্রয়োগো ন্স্যাদিতি। কিঞ বিভক্তেঃ স্থানে ভল্তিভ প্রভায়োজানামাদেশে পুংবৎ স্যাদেব। যথা সর্ব্বস্থাং দিশি সর্ব্বতঃ এবং সর্ব্বস্থাঃ দিশঃ সর্ব্বতঃ ইত্যাদি। সর্ব্বস্থানে সর্বপ্রতান্মে চ পরে সর্বনামঃ পুংবদ্ভাবঃ স্যাদিতি। কিঞোপস্থিত প্রথামান্তং হিছা স্রেরিডি বিপ্রকৃষ্ট ষঠান্তগ্রহণ্থ জ্ঞাপয়তি। পুর্বেপদস্য স্লেঃ পুস্বস্ভাবঃ স্যাদিতি। তেন পশ্চিমাচ পূর্বোচ পশ্চিমা পূর্বে ইত্যাদে পরপদ্স্য ব্রেঃ भूबुद्धारदा म गार देखि। नह न त्रीगारिशाङ्यात्मन हत्स्य खिमः छ। निरवधार পুৰ্ব্ব পশ্চিমে ইভাত্ত কথং পুস্বদ্ভাব ইতি বাচাং ন গোণ্যাখ্যেত্যনেৰ দ্বন্দ্ব সমাদেকুতেএৰ প্ৰিসংজ্ঞানিষিধাতে পুস্থৎ মেরিছানেন দেস্থিতসৈয়ব বর্ত্তমানে জবিধানাৎ সমাসে ক্রিয়মাণে সর্বাদেঃ পুস্তাবো বিধীয়তে ইতি বিরোধা-खाबाद। ममारमा यथा পूर्वताह शन्दिमाह श्रृव्वशन्दिम् अवर मृद्धा थिया यमा म मर्खियाः। भूत्रगीथित्यछामि ख्रुतमा भूष्यश्चारक्रछामिन। ख्रुत्वविहिछ পুষ্ট্রার নিষেধার্থকত্বাৎ। এবঞ্চ সর্ব্বাচাদে জ্রীচেতি সর্ব্বস্ত্রী সর্বাসাংপতিঃ নিৰ্ম্মপতিঃ ইত্যাদি। প্ৰতায়ে বধা সৰ্ম্বা মিচ্ছতি সৰ্মীকাম্যতি ভবতীমিবা চরতি ভবতাতি ইত্যাদি। কিঞ্চ সর্বাদি শব্দদা জিলাং সপ্তমাজাদেশে नर्वरक्षज्यारमी भूष्रहारव कर्जुरवा जिल्लामानार शामिनञ्जानमीकातार ।

সেজ্যেচামুরস্তুতে দেহিত্সোতি সর্ক্ষিম্ সে ছোচ স্রেঃ পুদ্ধ স্যাৎ ইক্ট্রব্ रक्षत भूर्वभिष्ठतम नर्कनााः शिवाः नर्विशवः » भूर्वभिष्ठतम दें जात्मे जू न গৌণ্যাখ্যাতেতি চে প্রিসংজ্ঞা নিষেধস্য ক্ষমাদেরিকারাদ্যাদেশাভাষ্কলকত্বা-इक्दरमरेगाव खिनःका निरयथ रखन शृक्षममा श्रुत्रहावः हरमशृक्षममा खिनःकी নিষেধাভাবাৎ অভএব পূর্ব্বোভরে ইত্যাদে নোভরপদস্য পুষদ্ভাবঃ ভস্য ক্রি-সংজ্ঞা নিষেধাৎ। মধা সে কর্জবোবাকান্তিত্সা স্রেঃপুরদ্ধার পৃর্কোত্তরে ই-ভাগে जू विश्वित्मयनदावाि शृटकां खटेंद्र देखानि । एक यथा नर्कमाः नर्वछः সর্বন্যাৎ সর্বাত্র একস্যাভাবঃ একত্বং সর্বামিছতি সর্বাকাম্যতি পূর্বা পুর-खाँ रेडों मि। चार मुमाम रेडात जशर्न खाननार मानित्य न भूत्रहातः **एक नर्का**,नर्क्य नर्का देखार्षा न गार। अक्वावः। देवपञ्चाकामञ्जालमात् **उत्रदेश पर्शार्म एक्षाः। तूरिधः शूर्याः श्राकः वार्षः वर्श्मामिन शृक्तिः । ममा-**करानार छर्जुनार यन्त्रद शूर्वर करमन छर। मरयानामण्यक्रभानामर्थनमानिमु षयर। वाधापुर वाधकपुष एक्यार शूर्वाश्वत क्यार। यथा रुतिहरती मखुक्रको অচ্যত শব্দরৌ শিব গোর্ব্যো পিতা পুজৌ মাতৃতাতত মুক্টনাঃ। ভরণী কৃত্তিকে শ্রীঅ বর্ষা বিংশতিসপ্ততী। ধর্মাবেশ গুণবৃদ্ধীচ কামাবেশ মধুদর্পিষী। আদ্য-स्थावर्ष में को व अर्था की शतिकी दिल्छ। शत्कर्य धर्मा विख्या कि स्मर स्कार প্রয়োগতঃ। মাতৃতাত তন্দ্রাঃ ইতাত্র তাতাপেক্ষমা মাতৃরভাহিতছং। গর্ভধারণপোষাভ্যাৎ তাতান্মাতা গরীয়দীভ্যুক্তেঃ। এবং মাতা পিভরাবিতি। बुधिष्ठिताक्ष्र्रांनी विश्व कालिय विषे शृक्षां है छापि निकार बाजाका यान् वर्व ह ক্রমেণেতি স্ট্রান্তমং কুর্বস্তানো। তদমানাতেতু জনাবর্ণকৃতাদাহিতত্বাৎ সিদ্ধং এতৎ সর্ব্বং প্রায়িকং ধূদাগ্লীলক্ষণ হেতু। সমুদ্রাদ্রী কাকশুকো কাশকুশবলুক্ত মিত্যাদি শিষ্টপ্রয়োগতঃ।

৫। ঋতোঙা তঁৎপুজে সগোত্রবিদ্যে চে।

চে·স্থিত ঋদস্তস্থ ঙা স্থাদৃদত্তে পুজে চ পরে সংগাত্রবিদ্যে। মাতাপিতহরী পিতাপুজৌ হোতাপোতারৌ।

স চ পুদ্রত তৎপুত্রং তিমিন্। তৎশক্ষেনেছি পূর্বস্থিত ক্ষমন্ত এবো-চাতে। সমানে গোজাবিদ্যে বস্য তৎ সগোত্রবিদাং তিমিন্। সাতাপিতরো পিতা পুত্রো ইত্যুত্তরত সমানগোত্রত্বং। হোতা পোতারো ইত্যক্ত সমান বিদাবং। সগোত্রবিদ্যে কিং দাতৃতোজারো আমাতৃপুত্রো মাতা পিতরো ইর্জুগাহরতাপ্রামেণ দদ্দে জীলিক্স সৈর্ব পূর্বক্তিরিতি স্কৃতিতং। তেন পার্বকী পর্মেশ্বরৌ কৃদ্দী নারায়ণে বধুবরো ইত্যাদি। কচিল্পস্যাচ্চ তেন সোহতবদ্ধরবধুসমাগমঃ প্রত্যয় প্রকৃতি সমন্ত্রিত ইতি রচ্চে।

ं সচ পুক্রণ্ড তত্ত্বিষ্ গোত্রঞ্চ বিদ্যাচতে স্মানেগোত্র বিদ্যে বস্য তত্ত্বিষ্ তংশক্ষেন ঝদন্তঃ পরাধ্যাত ইত্যত আহু ঋদন্তে পুক্রেচেত্যাদি। তথাচ ঋদ-खानाः (চ छ। नक्क अपछ भू ळाट्याः। भू ट्वराख त्र प्रदर्शातिमान्यानि नम्बन्धतिहिष् সতীতার্থঃ। তত্ত্রাদে বোনিসম্বন্ধোদাহরণ মাত মাতাপিতরাবিতি মাতাচ শিতাচ তৌ পিতাচ পুল্রখ্য তৌ ইত্যাদি বাক্যং এবং মাতা পুক্রাবিত্যাদি পুত্রার্থ থ্যজ্গাৎ প্ত্রোচ ছহিতাপ্তজা ইতি স্যাদিতি কশ্চিৎ হোতা পোঠারাবিতি হোতাচ পোতাচেতি বাক্যং। এবং নেষ্টাচ উদ্যাতাচ নেষ্টোদ্যাভারে হোতা পোতারে লেক্টোলাভারে তে হোতালোভানে ফীলাভারঃ হোতাচ পোতাচ নেষ্টাচ হোতৃ পোতৃ নেকীরঃ ইতাত্র নস্যাৎ সে সর্বাদিদং আদিদং সর্ব্বান্তসমুক্তরদমিতি পূর্ব্বাচার্টেয় ব্যবস্থিত মতঃ পোতৃশব্দেন ব্যবহিতত্বাৎ। হোভৃ পোভৃ নেফারীক উলাভাচ তে হোভ় পোভ্ নেফোলাতার ইতাত্ত ভু मारिमव ममलाममलैरग्राक्तियाः शूनण देखि शूर्य्यास्त वावसायाः अविक्रक-ত্বাৎ। শেষ বাচিনাং সমান বিদ্যাসন্তম্পঃ কাত্যায়নেন দশিতঃ যথা ব্ৰক্ষো-দ্যাতৃ হোত্রধন্য বাক্ষণাচ্ছংনিপ্রস্তোত্ মৈত্রাবরণপ্রতিষ্ণাতৃপোতৃ প্রতিষ্কৃত্ অছাবাক্তনফূ অগ্নগু আব্রহ্মণাথাবস্ত্রৎ উল্লেভ্প্রবৃণীতা ইতি। স্বাধার-বিদ্যো কিং বক্তৃ শ্রোতারো। অবায়ু দেবতার্থস্য তিমানু। বায়ুভিন্নস্য দেব-তার্থন্য চে ভান্যাৎ অবায়ু দেবতার্থে শব্দেপরে। ইন্দ্রা নোমৌ ইন্দ্রা পুষণে ইস্রাইইস্পতী মিত্রা বরুণে অগ্নাবিষ্ণু সূর্যাচক্রমদো। ইহ দেবতাশব্দেন বেষা মেকেন মত্ত্বপথ্যঃ পদৈবাবেদেসহদানমুক্তং তেবামের গ্রহণং তেন ব্রহ্মপ্রস্থান পভीनिवरिव्यवरणी ऋनविभारभी विविद्या हेजारमी नमार उथांठ द्विह्या-विभाग विकास कि विकास क्षी (मामवक्रगत्त्राः। ज्यस्त्रक्षीमग्रार (मामवक्रग मक्रास्त्र (प्रविकार विद्यासी অগ্নীবক্লণে। লবেকুশস্য। আদরার্থায়ং আরম্ভঃ কুশস্য ভীস্যাৎ লবশব্দে পরে। कूणीनवावि विव्योकि প্রয়োগঃ। पित्वामावाभव्रम्भिवार पित्रम् छ। अतरम भरत मिथ्यामाया मार शृथिया छ माया चिमयरमोछ। मार्गण **ज्भिक भारता ज्**मी मार्गा करम एवडा**र्वर**माय विधानार क्रामद्रमी डेडााफी न गार । स्ननीवंत्र प्रमानकार्य (यामग्रहणाटनाकार्यन (ययज्यक्षिपानीवास्त्र न

गांद छथारेक्काः जिम्मस्काज्रामार्तिजि स्र्रामज्वः। भवमश्रद्भाद मर्वास्व-मज्ञव जिम्मस्या हेजारमे न गांद। अमिनक शृथिवीक मिवन्नश्थिरवा मावा शृथिरवा मिवनिजि अविकुछ निर्द्धमाद निवः। जैरारावमः। एवजार्थ-रमावमः भवरमभरत जेवामामादिक। जेवामानकः जेवामास्ट्रिं।। अस्तर्भ जोशिक्षण रेवस्ववः। रेवस्ववंजिक्ष जिम्मिक्षण भरत्र अस्तर्भ क्षिक न मादि कि। अभिक्षमक्रकालो एवराज अमा आसिमार्केडः हविः असिवाक्कामनज्ञाहीमान-जिज्ञ। रेवस्ववज्ञ आद्या रेवस्ववैः क्षाः जिम्ह जिम्ह कर्षाः।

७। ' हरेभकावः क्रीवः।

**एरियकः गरेयकः वन्ध क्रीवः स्राप्ट ।** 

क्रियोदिकाः व्रेषकाः व्रेषकाः वर्षकाः वर्षकाः वर्षकाः वर्षकाः क्रीविक क्रिये क्रये क्रिये क्रये क्रिये क्र

কথনে। উপজ্ঞানত ইত্যুপজা আভোহন্তঃ আদোরিভিডঃ। উপক্রমাত ইত্যু-পক্তমঃ ঢেঘঞ্ উপজ্লোপক্রমান্তং যে क्रीवर স্যাৎ তয়োরপজ্লোপক্রময়োঃ धोधनामा धोजिभोपत मजि। नर्कस्याभाषा मर्कस्थाभाषः रवषः मर्कस्य-নাধাবুপজ্ঞায়তে ইতার্বঃ। জাল্যন্যোপক্রমঃ জাল্যোপক্রমং বজ্ঞঃ জাল্যে-नामानात्रका देखार्थः। त्कक्षृाभद्धाः वष्टुवस्त्रनर्थः। छत्तामिष्कस्यत्न किः (मय-मरसाभक्षाधाकर्वः। ছात्रा वन्नार्ः इत्रास्त्रश्य क्रीवर् न्यार मारव्यन्नार मश्वतिनी। दृक्षांगार छोत्रा दृक्षेष्टात्रर विष्टात्रर वहूनार किर दृक्षमाछोत्रा বৃশক্ষারা। সংযে সভা প্রেহমমুষ্যারাজরাজার্থাভ্যাংচ। রভাত্তং যে ক্লীবং স্যাৎ সংঘে পৃষ্ঠেতু মসুষ্য ভিল্লেভ্যো রক্ষঃ পিশাচাদিভ্যো রাজ ভিন্নরাজা-**र्थकान्छ। (मरकोनारमका (मरकामकर मामीनारमक) मामीमकर क्रीनारमका** সংকৃতিঃ জ্রীসভং সংঘে কিং দাসীলাং সভা পূহং দাসীসভা পৃহেতু রকঃ সভং পিশাচসভং অমতুর্বাশব্দেন রকঃ ঝিশাচাদৌ রুঢ়্বাথ নৃপসভং ইনসভং। কীচকবধে ৰূপতিসভাগমূদ্বেপমানা ইত্যত্ত নূপতিশক্ষোর্জিবিশেষবাচী নতু বুংলসামান্যবাচী অতএব চক্ৰগুপ্তসভা ইত্যত্ৰ নস্যাৎ। নৃণাৎপতি বৃঁত্ৰ•সভায়াৎ সা নৃপতিসভেতি কশ্চিৎ অরাজেতি কিং রাজসভা গৃহে কিং-রাজসভমিতি পুর্বেন। উশীনরাখ্যাসুকস্থা। উশীনরাখ্যজ্ঞনপদপ্রতিবন্ধগ্রামাণাংসংজ্ঞাসু विवत्र कृष्ठाजुक इश्वर (व क्रीवर आर। त्रीमभी नार केन्द्र। त्रीमभिकन्दर चास्तवकष्टः जेणीनवाधान् किं पाक्तिक्या। वाजू हावारमनान्वाणाना-तिणाः। ছারাল্যস্তানি যে ক্লীবানি সূর্যবা। বৃক্ষস্য বৃক্ষয়োর্বাছার। বৃক্ষছারং দুসেনং ষবসুরং গোশালং অখনিশং পক্ষে ব্কছায়েত্যাদি। বাসংখ্যাভ্যাং পথোষগেচ। বাসংখ্যাভ্যাং পরঃ কৃত্যান্তপথঃ ক্লীবং স্যাৎ ষেষেদেচ্বিশিটঃ পস্থাঃ বিপথৎ উৎকৃষ্টঃ পস্থাঃ উৎপথৎ বিরক্ষার্থবিশদাৎ কুশব্দাচ্চান্যত্ত্রতি চাম্রাঃ তথাত ব্যধান্তরধেতিপথঃ কমধা কাপথঃ সমা ইত্যমরঃ। বাদীঃ পথ-দ্বাধদেতি ত্রিকাশুশেষেহদন্ত পুংলিক্সপ্রদর্শনাথ তেনৈর সমাসেসিদ্ধ বিভিন্নারঃ। একশ্চাসে পস্থাশ্চতি একপথং বয়োঃ পস্থাঃ বিপথং চতুর্বাং **बैहाफ्ट्रुव्मधः। आ**खाः किः मश्रिधः। श्रथ देखि किः अश्रष्टाः। अर्क्षक्री-मिवादिएमयरन । अर्फ्कामिवानिएमयनः ह क्रीवरः नार । अर्फ्कामि वंशा। **अक्तर्छर् नत्रकर विभाग मिलनर मानर शृहर मानकर धर्मार मर्ग्य मृ**वर्ग वर्ग ক্লচকং শ্বং ক্লমং গোমনং। বজাং ছত্ত্র পবিত্র পদ্মচবকং শেষং ভদালা-छेकर मातर माक छे कर्वर हो तु न न एर शिनगांक करका निषर । का नात्र बुख राम ब्रा-.

श्यम नथे को निर्ण कल्कनः मीर्य हा क्रियान त्व वृत्त म् श्री कि क्रियान मात्या प्रमास का मात्र कर का ला मात्र कर का ला मात्र का मात्र का मात्र का मात्र का मात्र का मात्र म

## . १। टिकाछि मयटहार्दे।

চবর্গান্তাদ্ধহান্তাইজক্যাদঃ স্থাং । বাক্ চ বক্ চ বয়োঃ সমাহারঃ বাক্ত্বচং প্রীপ্রজং সমীদৃশদং বাক্ত্বিং পীঠচ্ছত্রোপানহং।
উর্বন্ধীবং পদন্ধীবং ধেম্বনভুহো অহোরাত্রঃ স্ত্রীপুংসৌ বাজ্মনসে
খিক্সামে। দারগবাক্ষিক্রবাশ্বরঃ সাধ্যাঃ।

कृषयर देखि श्रक्षः प्रारुष् । कृष्ठ मण्ड मुर्त्तना यण कर्वि कृषयर उन्नार । जानिस्त देखानि अविकार अविकार विद्यान कार्याकार । विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान विद्यान । विद्यान । विद्यान विद्य

जायें कर्त्राद्य। मोतान्त गावन्त मात्रभवर। आकिनीत खरवीत अक्रिक्चर ইত্যাদরঃ সাধ্যা নিপাত্যা ইতার্থঃ। অত্রাদিশকের ধট্সমাসেহসূজা উচাত্তে। তত্ৰ সমাসান্তরেহস্কাং ওত্তৈৰ বক্ষাসি। ৰন্দেহস্কানিত বিৰ্-ণোমি। যথা **নজক দি**বাচে<mark>ত্তি নজন্দিবং হাত্রিন্চ দিবাচ হাত্রিন্দিবং</mark> अवसर्गिवरः। अन्त वकुण कर्वकृष्यः। अवर इत्यु (ववना (वर्वनीर्चः। अही নোমৌ সুর্ব্যা চক্সমন্দী ইত্যাদি। ইতঃ স্বামিত্রাবরূণৌ কিমেতৌ ইতি ভট্টিঃ। त्रवीव्यामाविष्माभविष्क्रजाविष्ठि यहे कश्रीतः। अन्भूश्मकानार् यञ्च्याका क्कं कृतार नमाराव्यत । अर्केन्छ अमारमधन्छ अर्काम्यत्मधर्। "न शूर्ने कानी छ । बाक्यम वाकल्परवा। वक्रदरमाक हे किए। मर्ग लीर्नमारमे। नवायामी-নাঞ্চ। গৌষ্ট অস্ত্ৰণ্ট গৰাস্থ। এবং গৰাবিকং। কুক্ত বামনং। পুত্ৰ পৌৰ্ত্ৰণ উষ্ট্র খরং দর্ভশর্মিড্যাদ্। मिकंडे পাঠানাং। নিকটঃ পাঠো বেষাং ভেষানপি ,সমাহার এব। পদঞ্চ ক্রম চ পদক্রমং পদমধীতে ইতি কপ্রতায়ঃ। र्वाष्ट्रि भवस्यीज क्रम्भीष्ठ । भवक्रमस्या निक्रेभाष्ट्रा ७९ भाष्ट्रसाद्रभि নিকটপাঠছং। গুণকর্মবর্জানামপ্রাণিজাতীনাং। আরাচ মন্ত্রীচ আরা-সক্তি। প্রাণিক্ষাতেস্ত। ব্রাক্ষণ ক্ষরির শূরোঃ। গুণুকর্মণোস্ত। রূপরসগন্ধ न्लर्भाः উৎক্ষেপণাবক্ষেপণা कृष्ये अञ्चात्रग गमनानि । जिन्न विकानार नमी দেশনগরাণাং। শোণশ্রপদাচ শোণগদং । কুরুণ্ট ক্ষৈত্রঞ্চ কুরুক্ষেত্রং মথু-রাচ পাটনিপুত্রত মথুরাপাটনিপুত্রং। অভির্নিকানান্ত। গলাযমুনে। সক্র কেকংয়ী। অংযাধ্যা মথুরে। নিতাবৈরিণাং। অহি নকুলং। অস্বসহিবং। কাকোলুকং। শিল্পিনাং। তক্ষাচ অয়ুস্কারণ্ট তক্ষায়স্কারং। রক্তক তন্ত্রবারং প্রাণাক্ষনাং। পাণিত পাদত পাণিপাদং। মুখঞ ন(সিক্চ মুখনাসিকং। जुर्गाजवामकानाः। गार्किकम्ठ भागविकम्ठ गार्किकभागविकः। प्रक-श्मविमिष्ठि । **अक्षा**विद्यारिषय । (समाजानीश वस्त्व । श्विनण प्रियान হস্তাখং। বহুত্বে কিং.হস্তীচ অখন্চ হস্তাখো। কুদ্ৰুজন্ত ফ্লানাং। অত্তাপি वृङ्द्राप्तव । परमाण्ड मणकाण्ड परममण्डर । वङ्ग्द्र किर्र परमण्ड्मणकण्ड परम मण्डि। क्षाक्षस्त्रविक नाम्बरा क्षा अवसः। धान्य १ वा नज्य (वन **क्विहर। वमदानिक जामनाकातिक वमदामनाकर है वस्य किए वमद्रक्ष जामन** क्षक् वमुत्रामनत्क । वृक्षकृत्थानामृत शक्तिविष्णवानाः वा। अवार वस्त्व नमा-हातः जाचा। अक्राण्डं नाट्याधाण अक्रनाट्याधर् अक्षनाट्याबाः। अदेर कूण-স্বাশং কুপনাপাঃ তিলমাবং তিলমাবাঃ ক্লক্তমসভং কল্পানভাঃ। হংসচজ-

বাকং হংস চক্রবাকাঃ। বছবে কিং প্লক্ষ স্যাত্যোগে ইত্যাদি। বাঞ্জনবিশেষাণাং বহুত্বা বহুত্বলোঃ সমাহারঃ স্যাৰা। দ্ধিগৃতং দ্বি গৃতানি দ্ধিগৃতে ইতি পুংস্কং বৈদিক মিত্তোকে। অন্ত্রব্যাণাং বিব্রোধিনাং, সমাহারঃ ইতরেতর্যোগণ্ড। সুধ ছঃধং সুধ ছঃধে সহান্বস্থানমিহ বিরোধু । বিরোধিনামিতি কিং কার্ম-कारभी कामार्ज्यस्य कारभार छोजि न विद्वाधः। **এ**वश्च मधिशवनी मर्शिर्मभूमी-ভ্যাদে । ন সমাহারঃ। অত্র প্রয়োগাসুসারেণ ইত্রেভরবোগঃ সমাহার চ ইতি। পুংসা সরপজ্রিয়ালুক্। পুংলিজেন সহ দদ্দে সমানরপ জীলিজস্য मुक् बार। अशोह अमण्डे अत्थी। इश्मीह इश्मण्ड इश्तो। ब्राखात्मण ब्राखी-क्रण प्रत्यांकः। युवजीव युवाव युवात्नी। अक्रशिवाश देखि किए। गडा वृत्को ভাতা। বৃদ্ধঃ পুত্রেণ ছৃহিভুঃ। ভ্রাভাচ বসাচ ভাতরে পুত্রেণ ছুহিভাচ পুত্রে। স্থূঞ্যঃ খণ্ডরেণ মাডুঃ পিত্রা বা। স্বশ্রুত স্বশুরেত স্থতরে। পক্ষে স্থা স্বশুরে। মাতাচ পিতাচ পিতরে মাতা পিতরে এবং মাতর পিতরে ইতি। অমস্তোহ-র্ক্ত নিপাত্যতে। তেন মাতা পিতৃভ্যাং মাতর পিতৃষ্ঠ্যাং মাতৃপিতৃভ্যাং ইভি রপত্রয়ং এবঃ জায়াচ পতিশ্চ ইত্তি ৰদ্ধে জম্পতী দম্পতী ইতি রপৰয়ং নিপা-ভাতে বা। পক্ষে স্বায়াপতী ইতি। গোত্র ভদ্ধিভান্তেন ভদ্ধিভান্তো গোপাঃ। शार्गाण्ड गौर्गावशण्ड गार्पो। वार्विण्ड वार्वाफ्रनण्ड वार्वी। छामामीनाः गर्वाः। ষচ দৈকামিতাত্র দেঁচ দালীতোক শেষ দর্শনাৎ। সরপাণাদেশকলিকানামপ্যে-কোহবুলিয়াতে ইতি বোধাং। তেনাজু নশ্চ অজু নশ্চাজু নো। রামশ্চ রামশ্চ द्रामण द्रामाः मक्रभ देखि किश द्रामण क्रमण द्रामक्रम।

हमा क्षेका रेटिका र उमार हुंग्ह मण्ड यण्ड इह उद्धमार एवन मयद्या तका त्र जिला त्राविश्व । टेटिका पिछि क्र ममाहात हा पिछा थे। वाक्ष हिम्ह । वाक्ष हिम्ह । वाक्ष है ।

मानिका बाह क्षरप्रका देकि हथी। देकिक प्रतिशत आधियार निक्रमिकि। अथवा मूबनहिट्छ नार्निटक मूबनांनिटक हेकि भाक लोखिशक्तिवार मधानवरनां लक्ष बन्नरक्षारे विषर। बरर श्रीरा कृष्णि महिलानि नुनाहीनि हेलापि मध्। श्रीनि-(र्डमाझनां गिष्म स्वर हक्षाञ्च चौर्यः जूर्या भाष्माश्वाम जानिया मजास छात्र जुर्रायर धोगार्थः मृतक वाममः निष्णममा मार्किकः अवर भागविकः (ह मार्कि-বিকপাণবিকং দ্দক পণবমিতি অ্পাণিজাতিবাচিত্বাং।" অন্যেভু পৃথক पूर्वाक ७९ ध्वीनरप्रार्थहन१ वाजिकत नित्रांमार्थ१ एव मञ्जिमधाविजारमी ने স্যাৎ। প্রাণ্যক্ষস্যাপ্রাণ্যক্ষেমাপিস্যাদের যথা বাক্তব্যুচনাতি সর্ব্বেণেতি ভট্টিঃ। रेजाएः। गर्य्यारि परम्वाविजायस्य कवस्त्वविज्ञ रेजि नामार। वाक्षरहत्विज পরে। রংথন চরন্তি রণিকাঃ পদাতীনাৎ সমুহাঃ পাদাড়ানি ভিক্লাদিত্বাৎ কঃ রথিকাল্ড পাদাতানিচ রথিকপাদাত্ত হত্তি ঘোটকং হত্তাশ রথ পাদাতং. সেনাকং সাচিত্রভারমিতামরঃ। ইবাস্তে পুতরাকানি হতাশ্বরপপঞ্জরঃ ইতিভূ चरक्रक राजनांचानारेमका निर्देशाय। शांत्रिकाविक राजनांच्यक्नारे बरतांक्र णांति णित्रज्ञांगार न शहगर । एक्टना क्यानसूर्यास हत्रगानार । हत्रक णांचा जर्भ व्यानियानशः व्यक्तारम अभागारम ठत्रनांशांत्रि व्यानिताहिनां एत क्षेकाः मार টীপরমোঃ ছেনোঃ প্রয়োগে সন্তি। প্রমাণাস্তরাবগতস্যার্থসর শক্ষের সংকী-র্ভনং অফুবাদঃ। কঠাত কালাপাত কঠকালাপং অভ্যাপ্ত কঠাত কোথুমাত क ठेटकीश्रम भूमगाए। यमा क ठामीनार श्रीजित्रीमत्त्री भटकनाकृत्मार् जिल्लान মুদাহরণং বদা প্রথমমেবোপদেশবদা উদ্ভঃ কঠকালাপা ইত্যাদি। স্থেদোঃ কিং অনিশিষুঃ কঠকালাপাঃ। ট্যাং কিং ডিঠন্তি কঠকোথুমাঃ। জত্লীবৰজুঃ সোমুষাগানাং। ক্লীবলিক ভিন্নানাং ৰজুর্বেদবিহিত সোমপানোপলকিত ষাগবাচিনাং চে ঐকাৎ ন্যাৎ। অর্কণ্ড অশ্বদেশণ্ড অর্কাশ্বদেশং সাহ্লাণ্ড অভিরাত্রান্চ সাহলাভিরাত্রং। অক্লীবেভি নিং রাক্তক্স বাজপেয়ে। বজু-রিভি কিং ইযুবজ্ঞে। সোম্বাগেভি কিং দর্শ পৌর্ব্যাসেট। পাঠ নিক-छोनार । अधारत्मन थेछानज्ञानार ह क्रेकार नगर। वस्रावत्ममर्वस्थानर विना कमार शर्रे ज कमकः अध्यमशात्री वन्त उरितावार्यमधीएउ न वार्जिकः क्यमन वार्किक्र भावक्यमक्र भागार क्रममा ह भा है। हार्जा-পাধায়ং শুক্ল শিব্য প্ৰভ্যাসন্তে পাঠ এব নিমিন্তং পাঠেতি কিং পিতা পুজে। निकंग्रेनिश किर वांकिकमीमाश्मरकी। अथानि कांजीनार। आनिकिमनिश वा

আতি তথাচিনাং চে ঐক্যং স্যাৰ্থ। আরা চর্মভেদিকাশনাকা শস্ত্রীচুরিকা জারা চ শক্তীচ আরাশক্তি ধানা ভৃষ্টবরাঃ শুন্ধুলিঃ পিউকভেদঃ ধানাশুন্ধুনি व्यमरेणनः। त्रञ्जिञाष्ट्रविविधाखकरेणना हे छिकू छक्त अधानाः रेणना खक्ररेणना हे छि भाक्षार्थिवामिषार वाक्षिप्रतर्षेत्र निर्म्भाषिष्ठि शस्त्र। अविभिष्ट कूर्ण वम्बी-মনকানি সন্তীতি। অপ্রাণি ইতি কিং বিপ্রশক্ষতিয়োঁ। জাতীতি কিং বিদ্ধা হিমালয়ে এবং রপুরসগন্ধস্পর্শাঃ। গমলাকুঞ্চনে ইতি গুণক্রিয়ানিপ্তায়া জাতে রভাবাৎ। ভিন্ন লিক নদী দেশ নগরাণীং। নদ্যাদিবাচিনাং চে ঐক্যং স্যাৎ। नमीनां निकाखीतिकदार नरेमः गरु रह जना विवयः। शकाह रमानक শৌণং উদ্বোরাবতি রাঢ়া সগধং বারেক্সী মগধং পৃথক্ নদীগ্রহণাৎ দেশোহত্ত व्यन भाषा था। (जन देकनां मण शक्त मानन क्ष देकनाम शक्त मानन हे जा दिन मारि । मथुता कार्गकुक्तः मथुत्री भावेति भूत्वः । नगतुमु अमनत्विभ शहरार शामवाहिनाः আম নগরবাচিনাং নস্যাৎ তেন জ্বাহ্মবশ্চ আমঃ সাহ্মক্রিনীচ নগরী জ্বাহ্মব সাম্বকিনে) দৌন্তং নগরংকেডকব্রতো গ্রামঃ সৌম্বকেডব্রতৌ। কশ্চিজু দৌন্ত-কেতকত্রতমিত্যাহ। ভিন্নলিকানাং কিং গলাযমুদে রাঢ়া বারেঞ্জো কাণ্যকুঞ্জ পাটলিপুত্রে। অবহিষ্ণত খৃদ্র কুঁদ্রজন্ত নিতাবিরোধিনাং। এবাং চে ঐকাং স্যাৎ। রক্ষক তপ্সবায়ং-ভক্ষারস্কারং ভিল্লখীবেরং। ইতি মেষাস্তি দিবসাঃ সমহ রক্ষক নাপিতৈঃ ইতি ত্বেকশেষাং। ধ্যন ভুক্তে পাত্রং পুনর্গঠনেন বিনা ন ভদ্ধাতি দ বহিন্দৃত শুমো বথা চাঙাল হডিডপৌ। দংশসসকং বৃকালিকং কুদ্র-बाक्त द्वैनश्चिः ग्रामथयो कुल अवयः। শতঃ বা প্রাস্ত তি বেষাং কেচিদানকু नामिशि देखि कूमज्ञ व देखि वक्रमृश्च देखार्थः। अप महिष्य मन गृगानः। निखाविद्या-धिमार किर प्रवासूत्राः कूत्रभा खवाः दें छाळ टेनमिखिक विद्याधः। गवाश्वामीनार। গবাখাদীনাং চে ঐক্যং নিত্যং স্যাৎ। গবাখাদৌ গবাখং স্যাৎ পুত্ৰ পৌত্ৰঃ গবা বিকং। শক্ষেদঃ খচাঞালং গবৈড়ক মঞ্জৈড়কং। ভূণোলপং জ্রীকুমারং দাসী मामः कृषी क्रेर। ভागरैंडी ভागरण्य मर्जाख् भत्रशृष्टिकः। क्खादामन रेकताज मुख्यार बदमारंगी उथा। बाश्माखु (नानिजर माह्याः निक्रिटेर भूक्रवार्क्य् नार। भकूद भूतीक मृताक भवर छात्रर खात्रागडः। गराचिमडामि निर्ण्यनाद গোহখং গোহখৌ ইত্যাদৌপশুৰান্তিকল্পঃ ইছ কেষাঞ্চিত্তিকল্পে প্ৰাপ্তে দাসী দাসানাং একলেষ নিরাসার্থঃ কেয়াঞ্চিদপ্রাপ্তে পাঠঃ। খচাঞালবিত্যসা নিত্য विद्याधिषा नित्क अविद्याधार्यः भाष्टः। मर्छमतः मर्छभू छिकः कु वहननः কুন্ধকৈরাতং উক্রখরং উক্র শশং মাংন খোণিডং খাটি পিচচেইং অঞ্জুন পুরুষং मूर्जमक् मूर्ज भूतीयमिछि। आकृष्ठिनत्वायः। शकि वृक्त मृत शक्ष धाना ज्न वाक्षमांनाः व। शक्तांमिवां विनाः ए क्षेकाः नाम्। इत्म ठक्तवांकः भवसमित्रश लागर क्रक्रश्यकर तो महियर बीहियवर कूमकानर प्रधिष्ठ हर । विवासकास्त्रानार मधिशत्र आएमी शाह रखवार खार्खीनारमय बाकार शत्क हरमहक्कवाका हैजामि। बुंगांगार शंखरद्दिनविरिक्त शृथश्यक्षाद बृगवाहिनाः शंबछ्द्रवाहिना नक् हि न সাাৎ তেন রূর্মহিষা ইত্যাদি। অত্রাপ্রাণিকাতীনাং নিত্যেপ্রাপ্তে বিকস্পার্থঃ (वहार नर्द्वाहि बटन्याविভायरेय्यकवस्त्रवजीजि नगामार विकल्पाः राज्यार भारती-ব্যতিকর নিরাদার্থঃ তথাচ হতুমন্ কীদৃশং দখ্যং নরবানর রক্ষসামিতি ভট্টিঃ। विक्रका ज्ववानार । महानवश्चितुनार अज्ञवाविनार ह केकार माना। भीरकारु भीरकारक अन्यमद्रवर् अन्यमद्रव। विक्रास्त्रिकिर काम टकारधी অদ্রব্য ইতি কিং স্বর্গ নরকৌ শীতোঁকে উদকে। অশ্বরভ্র পূর্ববাপরাধরোত্ত-রাণাং। ইহাশ্বশক্তেনৰ পাচাৎ হয়বড়বে ইভাত্ত ন স্যাৎ। অশ্ববড়বং পূর্বা-পরং অধরোক্তরং পক্ষে অধ্বড়বো ইত্যাদি। ন সেনাক্ষণ ক্ষুদ্রজন্ত পক্ষি বৃক্ষ वृग थाना जुनानामकास्वानार्। अकासामार्थमयार हा अकार न मार। व्रति-काचारतारकी वनतामन क मूनानिए था दश्म हळावारकी अक नार्थारधी सन्नू यट्डी बीहियट्डी कूनकाट्नी । मधिलम्र आमीनाः। अक्तास्त्रानाः मधिलम् आमी-নাং চে প্রক্তি ন স্যাৎ। দ্ধিপ্র আদি র্যা। দ্ধিপ্রসী অক্ সামে ক্ষরিশার। বাদ্যবসাৰে চ। সর্পির্মধুনীপ্রজানেধি স্বর্গাপবর্গো চ ব্রক্ষপ্রস্থাপতী মেধা উপসী हिंदिकी विद्या अभवत्र्याभिवयां अदिवृद्धिक रेमचिटकी निव रेव अवना विध्ना वर्हियो पश्चिमार्थियो। सङ्ग कृटको छथा वाँख्यनसम्बद्धमास्त्रभा छपूर्यनास्त्र মুবলং প্রোক্তা অন্তোদবিংশতিঃ। ইহ কেষাঞ্চিদ্ধকপ্পে কেষাঞ্চিদ্ধিত্যে প্রাপ্তে একে। নিষেধঃ। অধ্যয়নান্তপ ইতি অধ্যয়ন তৃপণী উদুধন মুঘলে। ইংগ্রাবহিষী ইতি গণপাঠাৎ র্ঘ ইতি। চাবয়বানামিষভায়াৎ বাভুসামীপো। চসাবয়বী जुजानार मानामिह्छाग्रार भगगानाग्रार धार्श्वरेगकार न नगर नगामीलाग्रामि-यञ्चात्रार ভূ'বা। দল দভ্জোঠ্যাঃ সপ্ত মাৰ্দ্দকিপাণবিকাঃ উপদশা দস্ত্যোষ্ট্যাঃ উপদশং দত্ত্যোষ্ঠ্যং উপদশাঃ ইতি হসঃ সমীপি প্রধানাৎ বংং। উপদশ্মিতি वमः मामीभा वाधानार कर । हेनर व्यवद्वार निग्नमार्थर । व्यानामानीनार मना-शंत्रहत्व मधिशय जामीनामि उद्युख्य ह बन जिल्लामाश विकल्लार्थ बदवित। छर्च ।

উরুচ অঞ্চীবড়ে চি তৎ পাদে। চ অঞ্চীবস্তোচ তৎ গেমুণ্চ অনজাংশ্চ ভৌ ১২ শ রাত্রিশ্চ শঃ জ্রীচ পুমাংশ্চ ডৌ বাক্চ মনশ্চ তে প্রাক্চ দামচ তে দারাশ্চ পৌশ্চ ७९ अकिनी ह करती ह ७९ देखि वाकार मटलमः मैमाहो द्वाउद्वाउदाका वा उद्याजन नार्थः। आमिना नक्कश्च मिवार नक्कश् मिवश् षद्मात्रधिकत्रगार्थायस्य नारशः-ক্ষমাদসামর্থেহপি সঃ রাজিশ্চ দিবাচ রাজিন্দিবং অহণ্চ দিবাচ অহর্দিবং প্রতি पिनिमिडार्थः। श्रेक्ष वस्त्रुष्ठ वस्त्रुष्ठ सार्वास्त्रुष्ट स्टिन्थन पूर्वतः उक्तिसः विद्यवश्रक বাহলীকং বিশ্বক্ষেনাহ্লুনো ৰিজানাতী ভার্যাপতী পুত্র প্রস্বো কেশ শার্জ বিশ্বেষণবিশেষ্যে ইক্যুপি কশ্চিৎ স্নাতক রাজানো প্রতিঠানিকে সুর্য্যাচার্ত্র্যা मर्रेगामां छिविशे मित्रा बाल् शाखु वृङ्ता छो। छमून नानीनाः प्रवनानि छिः সহ চে পূর্ব্বিপাতঃ এবং জায়াচ পতিত জম্পুতী দম্পতী। জায়ায়া জং দঞ্চা-দেশোব। পক্তে জারাপতী মাতাচ পিতাচ মুতর পিতরৌ মাতুর্মাতরাদেশো বা পিতুশ্চ পিডরঃ ইতি ক্ষপণকস্তমতে মাতর পিতরাভ্যাণ্ড মাতর পিতরয়ো-রিতি। পক্ষে মাতা পিতরৌ ইত্যাদি সংগ্রহঃ শেষং শিফীপ্রয়োগাসুসারেণ বোধ্যং। অহোরাত্র ইতি নির্দ্দেশাৎ অহো রাত্রাদীনাঁৎ পুংস্থমপি নিপাত্যতে। অহোরাজাদি র্যথা অহো রাত্রাদিনু প্রোক্তা রাত্রাহ্নান্তা অহান্তকাঃ। পুণাহ मुमिनाव्यक्तार विनार्क्तकामग्रख्या। स्रक्तवादना श्रूवाकण व्यव ख्यार প্রােগতঃ। অঁহদ রাত্রিত অহাের ম্রাবিপ ইতরেতর যােগাৎ তথাচ অহাে-রাত্রাবিদৌপুণ্যে ইতি এবং পুর্বরাত্তঃ অপররাত্তঃ পূর্ব্বাহ্নঃ অপরাহ্নঃ ছাহ্নঃ काक देजानि भूगार जूनिनांरका वंकनार भूगारं जूनिनारं खर्कार अठः অর্জ চর্চঃ ইত্যাদি পুর্বেণ ক্লীবত্বঞ অর্জ চেরাকৃতিগণত্বাৎ পুণ্যরাত্রং প্রিয়াগমে ইত্যাদি। বচধোর্যঞ্বাকঃ অসুক্রান্তো বাকো হনয়া অনেন কুলেন বা অসুবাৰঃ এবং , স্কুবাৰঃ ইত্যাদি এষাং পাঠসামৰ্থ্যাৎ চ সভিষ্দেপ্ পুংজ্বং। পুংগ্রিয়ে জ্যভিদ্ধয়েঃ শিবেগ না। তামাত্রকৃতভেদয়েঃ পুংগ্রিয়েঃ পুমান্ শিষাতে। দেবশ্চ দেবীচ দেবে গোরয়ং গৌরয়ং ইমৌ গাবৌ ইতাত্র ভাকৃত ভেদাভাবেপি অর্থকৃত ভেদাৎ সাদেব। তাভিন্নয়োঃ কিং হরগোর্যো इत्यक्षारको। नित्रमाञ क्डल्डल विभागामित्राविष्ठि कन्ति एक्षाह वक्ष्मा-विट्या छदो मदको इए इछामि। शाक्य द्वार्भावः। छाछि इत्यार्भाकः যুৰত্যান্তকো পোত্ৰতান্তং শিষ্যতে। গাৰ্প্যন্তু গাৰ্পান্থণত গাৰ্প্যে। গোত্ৰযুৰোঃ किए नर्न नार्नामार्ग नर्न नार्नो छाण्डियरमाः किः नार्नामार्ग छन्ति छन

माञ्चर जार्विकः शाट्यश्रकार सिन्। जार्विकमालकार सूर्व क्रमा সৌনীর গোতাং কিকঃ ভাগবিভিকঃ ভাগবিভিক্ত ভাগবিভিক্ত ভাগবিভি ভাগবিভিকে ইত্যত্ত ন সাং তাতিরিক্ত কুৎসার্থকৃত ভেগাং ভাগবিস্তী ইতি কুলিং। স্বীপুস্বজ। ভাভিন্নরো র্ণোত্র বুনো র্ণোত্তভাস্তা স্বীশিব্যতে ব্রিরাঃ भूच्छावण्ठ । नानीठ नार्नाम्यण्ठ नार्यात्रे नार्याह नार्याहरूके भयाः मान्नीह अक्लाबन क माक्नी छालिब एबाई किंद शांत्री वादमावटनी। क्रीवाक्रीवटबाई क्रीवट বাতুকঞ। ক্লীবাক্লীবয়োঃ ক্লীবং শিষাতে ভন্মাৎ ক্লঞ্চবা। শুক্লণ্ড শুক্লাচ শুক্লঞ্চ শুক্লং পক্ষে শুক্লানি তাভিন্নযোঃ কিং সিতঁখবল শুক্লানি হিম হিমানেটা। আতৃ ৰবোঃ পুত্ৰছহিতো ভাতৃপুত্ৰো। ভাতৃপবোৰাতা পুত্ৰ ছহিতোঃ পুত্ৰঃ শিষাতে। অত্যিচ স্বসাট আতরে ছিহতাচ পুল্রেণ পুল্রে। অতরণানেক খুর शामालक मश्यम् औ। अंबद्रग्मा मत्मकथुतानार शामालभूनार मंश्यम् औ শিষাতে। ইমে অঞ্জাত ইমা অঞ্জাত ইমা অঞাঃ। ইমে গাবলচ ইমা গাবলচ हेमा नावः। जाउन्नर्वि किए हेरम वरमाण्ड हेमा वरमाण्ड हेरम वरमाः हेमा বর্করাশ্চ ইমে বর্করাশ্চ ইমে বর্করাঃ জ্ঞানেকখুরেতি কিং ইমে জ্বশাশ্চ ইমা काशांक हेरम लाशाः आर्था कि किश हेरम ऋत्रवृष्ठ हेमा ऋत्रवक हेरम ऋत्रधः मश्रम किए शोण्ठात्रए शोष्ट्रत्रए रेटमी शार्वी। जानामानारत्राखानामः। जानामा-नारब्राखानामिः শিষাতে। সাশ্চ চৈত্রশচক্রেটা। সচ মৈত্রশ্চ ক্রেই বঁশ্চ বিপ্রশচ শ্লে छामामीनाः वरभातः ७९ मियारछ। माण्ठ महरखो मह यण्ड स्वा यण्ड अवह अरखो मह दक्ष वृतीर मह दक्ष जर्भ वयर मह कण्ड (को। छामामि र्यथा। छाम् उम्बद् देषम् अपन् अञ्च अविवि यूचापमाम् ७४९ किम् हेि । नद्गानातमकात्वकः । जूनाक्रशांगारमंतः भियार् अकनाः (को । वृक्षण वृक्षण वृक्षण वृक्षण वृक्षण वृक्षणः वृक्षाः । शार्याणः शार्याणः शार्याणः शार्याः मात्याबीहिः मात्यासूर्यः मात्या মাবক তে নাবাঃ জক্ষো বিভীতকঃ অক্ষো র্থাবয়বঃ প্লকঃ পাশক তে অকাঃ भाषाः त्रभारिक्ष पूर्वगरभाः अव। मर्वट्ल्एमश्रि मात्रभारमकाञ्जू सिक्बार। हर मत्रभागार नीनारन करणवा है जि मर्त पू वृक्त वृक्त वृक्त वृक्त वृक्त कर्म है जि न्द्रिर७ अक्नाटियो जामिकाटियकः निवाद्ध ज्ञानिवर्द्धत्ति मतल मधुन्-मार क्जाबारमकनााः (को शवज बकः निष्के निष्के विश्वेषाम् मञ्जाब मिल्या नक्रभनपूर्वायाचि विकक्ति र्या विशेषात् । अक्षुतार्थवाम् निष्कः नक्षायार्थ-वाहकः हैं जि। वृक्षण वृक्षण वृक्षाविकानि वानवारशकुद्व कारलनार्धकथनध

**छतारकामार्थाक्यरंदभारमक्षांछारीर दरसंखरछ अर नज् कमिछि। यहाँकः ।** সহভাব বিবক্ষায়াং বৃত্তির্দ্ধ শৈষক শেষরোঃ। ক্রেমেণার্থ প্রতীত্তো হি মস্যাৎ ৰিবচৰাদিক্ষিতি। জ্ঞান্তানাদেক শেষ ইতি মতেতু জিবিভজিবিভজাতে ন্যবোহনেয়েতি বিভক্তিঃ কারকং তথাচ একম্মিনু কারকে বিব্লিতে সতি সরপাণায়েকশেষ ইতার্থঃ। এবঞ্চ মর্বাৎ সিদ্ধাতি কিন্তু বৃক্ষয়োর্ফাণাখা भुष्णिमिण्यामारकरेष्मि मक्रभागारमकरणैय निर्द्धाणारमय गारि नह अकरणवर्ष ৰন্দ্ৰ বিশেষ ইভি বাচ্যৎ পৰিভাগ স্থাভ্যামিভ্যাদে অকারপ্রভান্ন প্রদান। চ विराप्त अकंटनव देखि अणिर खनार श्रीखार श्रीखा मिछारमी जू मास्विरिध-রনিত্বাৎ ইতি চেৎ বুপ্লাবিভ্যত্র বৃজাবিভি সাব। পূর্ব্বোক্তানামেকশেষ মডে **पिं**ठ मन्निर डानि मानि देखारमी जू खारखन्मर्थकथवर । उथांठ क्लामखारा ধব্যেকভেডোইনেকবুদ্দিদহিতেভো নিষ্পত্তিরপেকা বুদ্দেভদিনাশাদিনাশ ইভি। একত্বেচ একত্বানিচ ইভোক শেষং বিধার ব্যাখ্যাভর্মুদরনাচার্যারিভি। একজে কিং ব্ৰাহ্মণাভ্যাং ব্ৰাহ্মণাভ্যাং দত্তা গৌঃ ব্যক্তো ব্যক্তে পদার্থে धारकाकर मसाखिनियमार वात्रसास्त्रभगांशीखांवकार मसामार धारग्रारम थाश्च **बकं**रमरत। विधीयरछ। उशांत थेछार्थः भक्षां छिनिरत्म दैछि छाराः। এবং পঞ্চপুনীচ পঞ্চপুনীচ পঞ্চপুনীচ পঞ্চপুনাঃ ইত্যাদি স্যাৎ। ইহ সমান-निकानाः मत्रभागीमित्काव एक माठा कननी माठा ध्रानामा एक माठ्माठरती हेजारूको न नगर। नगर्थानार्छ। नगर्थानार विक्रभागरमकः निवारक। বক্রদত্ত কুটিলদশুল্চ তৌ বক্রদত্তে কুটিলদত্তো বা। মাতা পিত্রোঃ শুঞ্জ ক্ষম্বরেরঃ পিতৃ মুখরে বা। মাতা পিত্রোঃ পিতা মুক্স মুখররেরঃ মুখরঃ শিষ্যতে বা। মাতাচ পিতাচ পিতরো মাতাপিতরো মুক্সণ্ট মুখুরের यथा पश्चरती।

পীতমন্বরং যন্তাসোঁ পীতান্বরো ছরিঃ। নীলমুজ্জুলং বপু-র্যন্তাসোঁ নীলোজ্জুলবপুঃ ক্ষাঃ। '[ যুর্ণোহ্লান্তে ইতি ] হরি-ভারিণী ছুরিভারিনা ঞীভাবেণ শ্রীভাবেন রমারিণা শ্রীকামেণ রমাপকেন রমামূনা রমাাহা।

সচ তুল্যাধিকরণারাং পদারাং অন্যার্থত্বে স্যাদিতি বোধ্যং। বর্মা পীতা-স্বরাদিঃ। ভিন্নাধিকরণানান্ত। পুত্রায় ধনসম্য শিবায় বিদ্যাহ্ম তীত্যর্থে,

वारगारमा देखारण न मार । ममाजूक द्रैकाणस्त्रत्वन कर्णाविकताधिकत्रनाक नार। धर्म वृक्ति र्यनारमो धर्मवृक्तिः जिक्तानवृक्तिः छेत्रनि लामा कर्छ काल ইত্যাদি। এবং পীতাম্বর ইত্যুদাহরতাং বিশেষণ বিশেষ্যয়ে। সমাসে বিশে-বণুদৈর পূর্বাং স্যাদিভি স্থাচিঙ্থ। তেন পীতাম্বর ইডত্রাম্বর পীত ইভি ন नार। এবং तित्नाहन हकूकू कः मीर्घटकणीकां मि। এवश भश्रक्ति देकू-किकारियामि केमाहतका कठिर कास्तित्मवनः श्रुवर गार शतर्वा गामिकि স্থাটিতং। তেন অব্যাহতবৈরগতেরিতি। অধেপ্সিতং ভর্তুরুপস্থিতোদয়মিতি স্বৃত্তিত্ শ্চল কাকপ্ককৈরিভ্যাদি চ রছঃ। স্থজাতঃ স্রাপীভো স্কঞ্চো সাল্যধারম ইতি ভটিঃ। এবং জাতদন্তঃ দন্তজাতঃ জাতখালেঃ খালজাতঃ পীত তৈলঃ তৈলপীতঃ পীভয়তঃ মূৰপীতঃ উঢ়ভার্যাঃ। ভার্যোঢ় স্তমরজ্ঞায়েতি ভট্টিঃ। গভভার্য্যঃ ভার্য্যাগতঃ গতার্থঃ অর্থগতঃ অগ্নাহিতঃ আহিতাগ্নিঃ পুল্র-জাতঃ জাতপুত্ৰঃ বৰ্ণত্যামঃ যাম্যাতঃ হঃধঞ্চাতঃ জাতহঃখঃ এবং গতকঞুঃ ক্ঞু-গতঃ ইত্যাদি বোধাং এবমুদাতচক্রঃ চক্রোদাতঃ উদাতাদিঃ অসাদাতঃ উদাত-. थड़तः थड़तामाउः ইडामि यूटक्षडा निडाः भूकिनिडि (कोमताः । वरशामाउ-ठक देखानि । बदर नर्सर नमानदनार श्रृद्धरे । नर्स्तरमुखः । नरशा नर्सनात्माः সংখ্যা। দিপরঃ। পুর্বং সপ্তমান্তমচন্দ্রাদেঃ। সপ্তমান্তং পদং পুর্বং স্যারতু ठाक्कारमा: । धरम्बद्ध र्यमाहमी धर्मदृष्डिः छत्रजित्नामा करश्रेतीन देखारमी नत-निकाद विकारक त्रमूक्। क्रमारमञ्च क्रमारण वेतः क्रम कूषः श्वामाणः श्वाभाविः कूणहत्तः। बिद्या वा। खड़िबियः बिय्रस्डः। किश्वात्रद्वा वागद्वा यः म आकृ বানরো বৃক্ষঃ। দৃষ্টঃ কৃষ্ণো বেন স দৃষ্টকৃষ্ণো ভক্তঃ দ্ভা ভূমি ধ্যো স দৃত্তভূমি বিঞাঃ নিৰ্বভাঃ পক্ষিণে। যন্ত্ৰাৎ স নিৰ্বভপক্ষী বৃক্ষঃ চছাব্যোভুক্ষা বস্যাসে हरूर्ज्या विक्रुः वह्नि नक्कतानि वता उपस्मकता माकीणः देखि विजीपासा माना श्रमार्थ। यस्त्रीहतः देखि मर्स्य मनारसाः समरख्यू ध्रथमास्रानाश्रमार्था-হপি ৰথা সহ মাত্রা বৰ্ত্তকে যো সে সমাভূকর এবং সপক্ষকঃ সন্সক। ব্ৰাহ্মণ मानिनीजानि । इतिकारिगीजानि इतिश्कार विकृश्मीनमना देखि पूर्व अवि हिखदा दिकामार अस्मनीकि निनि कृष्ड (कार्नार्श नांसवामीनि नर्मादन)-खद्रविहिष्क (बन्धा महिक्रमा बना नवः। विद्याः अदिवा बनागरमी अधादः एउन **बिडाद्यक्त मार्टमाञ्च इ विहिष्ठ मानि मञ्चित्र मान नगा विदः উভয়ত একাচ্ कर्य** असमध्यितिलम् वा विकल्माः। तरमा विः शक्ती बळ खन तमानिन। व्यित्रार

কালো খদা তৈন গ্রীকামেণ উভয়ত্র একাচ্ কর্ব শব্দসন্ধিতা নিত্যং পত্ত দিভি। রমাপকেনেত্যাদি। প্রযুবাহ বর্জনা স্বাগ্রমিতি।

ইদানীং হসংবিশেষতো নিরূপয়ন্নাহ পীতান্তর ইত্যাদি। অত্তাভঃ। জঞ্চ **इंडोनार्थिनाः बकार्थानाः हः। चानिकाछानार्थिनतानाः नर्मानिकत्नानाः** দানাং হঃ ব্যাব। আরচ্চোবানরো যং সু আরচ বানরো বৃক্ষঃ। আরচ্চু বৃদ্ধা वरुटवा वानता वर " म आदिए वृक्ष वह वृत्तिद्वा वृक्षः। निर्क्षिकः कारमा (वन म নিজিত কামঃ উপনীতং ভোজনং বলৈ স উপনীত ভোজনঃ নিস্তো জনো বস্থাৰ স নিঃস্তঞ্জনঃ শুক্লঃ পটো যদা স শুক্লপটঃ উবিতো বিহুগো বিমানু সং উষিত্বিহণ ইত্যাদি। উচ্চৈমুখঃ নীচৈমুখঃ উৰাহুরিত্যাদৌ উচ্চেরাদীনাং হসত্ত विविधः भागानाधिकद्रगाভादिशि गमकदार मामानाधिकद्रगमञ्जाभगस्य। মিতি কশ্চিৎ'। অতিক্ষীরা নাল্ডি দোষ ইত্যাদোঁ হুল্ডি নাল্ডি শব্দো ক্যান্ত প্রতি রপক নিপাতে । প্রান্তান্যার্থানান্ত বৃষ্টে দেবে গতঃ। একর্থিানাং কিং পঞ্চতি র্ভুক্ত মস্য। পঞ্চ ভুক্তবস্থো হস্য ইভাত্রানভিধানাৎ ন'স্যাৎ। তথাচ কৃষ্ণবিত সমাসাশ্চাভিধানগমাঃ ইতি ভাষাং। সংখ্যা দুরাধিকা সন্ধ্রানাং সংখ্যের मरश्रम। मरशावाहिना मनूतामीनार वर्गनाथ मरत्यामवृत्वि मरशावाहिना मह हः मार। वीका जात्यां वा विजाः जिहुलूताः शक्ष्याः नक कांगाः। अकवास् णिवमार खिष्ठ । मश्रारिके क्तिंन यामामि । वार्य बवाबर मह । वार्याशक मरणा न विकल्भः সংশয়সৈয়ব উভয়পক পরামর্শিছেন কবিষয়ত্বাৎ অনুরে দশানাৎ ইনে অদূরদশাঃ অধিকা দশানাং ইনৈ অধিকদশাঃ আসলা দশানাং ইমে आंत्रज्ञवलाः त्रभीत्शवलानाः इत्यं उश्वनभाः उश्वित्लाः यवा मभीश धांधानाः **७मा इम ইভি वना ममील धांधानाः उना बम देखि। मः थात्र देखि किः अधिका** विश्मिक विवार । विक्षांत्रीर विविधि । विक्षांत्रारकः मार विक्षमधासाह। भूकि . স্যাপ্ত দক্ষিণস্যাপ্ত দিলো মধ্যে বা দিক্ সা পুর্বাদক্ষণা পুর্বোভর। উভরপশ্চিমা দিশোর্মধ্যে বাদিক্ইতার ন সাাং। ত্রীপ্তান্তয়োঃ সরপরো বুদ্ধে ব্তীহারে। পর্বশর প্রহরণাদিরপক্রিয়াকরণং বাজীহারতত্ত তুলারপয়ো জীপ্তান্তরোষু ত্ত বাচ্চে হঃ স্যাৎ। দৰ্শৈচ দক্ষিণ্ট প্ৰস্তা ইদং যুদ্ধং বৃত্তং দঞ্জাদ্ভি কেশেষু क्टानयू गृहीदा आक्षा वा देवर युक्र वृक्ष र्क्शार्किन अस्तिविक आर्थदार বৰ্দ্ধিত মিতাৰ্থঃ মুক্ষমিতি উক্ত চং অন্যথা ভিন্ন যথাং ক্ৰাচ্ন স্যাৎ। অন-

ভिश्रामा कि कि जिस्मा कि जिस्मा के जिल्ला है मेरे वृष्ट देखार है कि एका एक न गारि। अदर अहत्रना कर्यन अहना हमा किया राजीहारत म गारि। छिन तरध त्रत्थ हिन्ता हेमर बुखर वृक्ष मिछि नक्रभावाह सिर हरेनफ मूपरेनफ बुखर वृक्ष-निकारमा न नार। वृत्क किर्'हरखन हरखन शृहीया कीएनर वृत्तः। पूना-रशार्थ महना कारखन । जूनारवार्थ वर्खमानमा मह भक्तमा कारखेन यह हा नार পুरत्वर्गं मह जानेषः मभूतः मक्तिः हेट्हा छत्राञ्जना मानवनः। जूनारयाति কিং সহৈব দশভিঃ পুল্লৈভারং বহতি গর্জভাতি বিদানালৈঃ পুলেবিভার্থঃ। नर्शकः नशक्षा नरमाकः नकक्षा नमर्भः नमम देखारमी कू नीरेव्यू व देखि दृद शूर्व्वरेवर मः। जुलाहि। मह विषामात्मी शत्कीवमा हेजि वाकार। जुनार्थ প্রারিকভাৎ দ ইভি পরে। প্রান্তান্যার্ধভাদপ্রাপ্তে স্তত্ত্ত্ত্মসূক্তংন বিশেষণ মি জান্তং প্রাক্। এতানি পূর্বাণি সৃ হেঁ। পীতাশ্বরং চিত্র**ভঃ।কুলান কর্তৃ**-কো ষটঃ গিরি অধিনোদেশঃ সমুদ্রান্তা মহী বিপ্রপূর্বনা বর্ণাঃ চূতাদয়ো বৃষ্ণাঃ कर्माभंद्रोः मखः मृत्डाखादा मृभः कृक वामिका शोभी देखामि पू कूनानामियू घष्ठोतीनार माधारवन ध्याधानावित्मगावर, जाला न ध्याधारक । मस्य १५७३ সর্বাকৃষ্ণ। यद्ध श्रीभाष्मिन गह गः সোহস্য বিষয়ঃ জবাবাচিনা गह म्ह विश्ववन-ছেনৈব সিদ্ধছাৎ। কৃতস্কাকটা 'কৃতস্কভিক্লঃ প্রিবিচ্লিবণাজ্ঞাৎ সঁচ বত্র সঃ (मार्मा विषयः कांज ग्राम देखारमी क्यांजारमर्तिरभक्तरचर्मित निक्वार। वि সংখ্যয়োঃ সংখ্যা সংখ্যামাৎ ছহল্পাঃ। ফ্রি সংখ্যয়ো হেঁসে সংখ্যা আৰু মাণি। সংখ্যানাং হদ্দেশসরপাঃ। খাবনে)। বন্ধাৎ স হান্যঃ ল্যান্যঃ সপ্তগাবো বন্য मश्रकतिकानि विरमयनचार शृरक्रिनेव वित्तृत्र भंक्षवाः। श्रास्त्रां भच्चानि कास्रांक প্রহরণার্বঃ। हে भवानि श्रास्तार প্রাক্ স্যাৎ প্রহরণার্বস্ত श्रीकासास्त्रार। नार्ट्श व्रिडः शबः यगा म शबनाजः गर्द्ध व्रिडा कृतिका यमा। मा क्रिक्शर्द्धा शंचरुखः कम्थमुशांनिः शंक्रकेः ज्ञक्षत्र निवाद हेकानि शचानि किः करकेनाः উরসিলোসা ধর্মবৃত্তয়ঃ। দঙ্পাণিঃ প্রপাণিঃ চক্রপাণিঃ অসুস্ততঃ চক্রে।-দাতঃ ইস্তাদি প্রারিকোরং পরনিপাতঃ তথাচ তমুদাত নিশাতাসিং প্রভাবাচ জিলীবিষু রিভি ভটিঃ। উকার্ব লোক লঙাড়ঃ পরিভোষুবিশ ইভি মানঃ। कालाकािक कान न्यामगः। आवि कान न्यामग्रं कालार थाक् न्राः। সারসক্ষমী প্রাপুত্সিতী মাসকাঁতা সহৎসরকাতা সুধকাতা ছঃধকাতা অনীক জাতা ইন্ডাদি। প্রায়োদকঃ উপাক্ত পশুরিতি ত প্রারিকছাব। জাইতার্যা

দিযুবা ৷ প্ৰাপ্ত পূৰ্ববিপাডো ৰা সাং ৷ আহিডায়িঃ জাতপুত্ৰঃ জাতদন্তঃ আভিশাক্রঃ পীততৈবঃ পীত্যুতঃ উচ্চার্যাঃ গতার্থঃ পকে অর্মাহিত ইস্তাদি। श्वारखालमानारम मंत्रा लाट्या (म । श्वारखालमान भूर्वेत्रा मना लालः नार দে হে। কণ্ঠেন্থিত ইতি বছনং সে কৃদন্তে ইতি প্র্যা অলুক কণ্ঠেন্থিতঃ কালোইস্য কণ্ঠেকালঃ,। উরসি স্থিতানি লোমানি অস্য উরসি লোমা উট্রমুধমির মুধং वना न উक्रेग्न्यः जेलमानावव्रदेनात्वाक्रीत्मक्रलमानत्वालानात्वा (वज् नालः नं कूर्विष्ठि তেতু देव्यधिकत्रांशि करधेकां में इक्षादिको छू रमुक्ताविकामिशमः অন্তর্তনিভাতঃ। এবং উইসুধনিভাদে তু উইাদি শদেন লক্ষায়া বুব श्रुठाटक अंदर श्रद्धांशि (वाक्तनार । विकात मञ्जूषात्र शात्मः । विकात मञ्जूषात्रता र्विहिडा या यी उपल शूर्विमा लालः मार्कः। मूवनीनारः विकादः मूवनीवकादः मुवर्वविकादत्त श्नकादत्त श्मा भूवर्गानकातः। किमममूहः हुए। जमा कमहूएः। বিকার সুদায়ে কিং রাজছহিতা ভাষ্যা ষদ্য দ রাজছহিত্ভাষ্যঃ। শাস্তধন ইক্সত্র শাস্ত্রশব্দেন লক্ষণয়া শাস্ত্রজ্ঞান মুচ্যতে। প্রাদ্রে ক্দন্তস্য বা। প্রপত্তিতং পর্বং যক্ষাং, স প্রপর্বঃ প্রপতিত পূর্বঃ। নঞোহতার্থানাং। নঞঃ পরাণামন্তার্থ वाहिनार मानार हर लाभः माना । अविमामानः भूत्लाश्मा अर्थुलः अविमा-মান পুর্ত্তীঃ। রুমাবিণেজ্ঞাদি। রুমাোবিঃ পক্ষী বত্র বনে তৎ প্রেয়াং স্থিতঃ कारमाञ्जा। इतिर ভादविजूर भीन मनाह ना मानारमकाविधारनृति धाद क्लोंडा मिळामि . क्लानकार माहारेन एकः धार्गनि कानार म दे जिन्ड भाव कृष्डि-কারকোপদানাং কৃদ্ভিঃ সমাসবচনং প্রাক্ সুবুৎপত্তেরিতি ভাষাং। ঞ্জীভারেক ইতি গ্রীস্থিতো ভাবো যসোতি বাকাং

৮। नत्था श्रानी वा क्वरमाः।

নঞো ২চি পরে ২ন্ হসে চ অঃ স্থাৎ সে বা। নাস্তারৈ যা যাস্থানো অনস্তঃ নাস্তঃ নচুড়িং নচুড়েঃ।

अम्ह अने जानी। ज्ञाक इन्ह अक्षामी उत्याह। नमाम विज्ञा नक्षा व्यादन अहि श्रीत श्रेष्ट श्रेष्ट

জতুদরী অপোদরীতার্ধঃ। জরেশী অপ্রাণস্তকেশীতার্থঃ। জসুরঃ সুরবিরো-রীতার্থঃ। জত্র বাশন্দন্য ব্যবস্থারা চিত্তাৎ নাকাদিযু আদেশোন ন্যাৎ। বথা নাকো নবেদা মকুলন্ড নক্রো নাসত্য নক্ষত্র নপাত্য নতাট্। নপুংসকং বৈ নস্চি র্মাঞ্চ নাদেশ মেতেযু বদন্তি ধীয়া ইতি নপাতীতি নপাৎ উণাদিকত প্রত্যয়ঃ। ক্ষেপে গ্রমান্ত তিবাদান্তে নিত্যমাদেশঃ। বথা অপচনি আনু ইত্যাদি অন্ত স্বাসো বক্তবাঃ। নগক্তীতি র্বগঃ অগঃ ইত্যাদি বিরুপ্রঃ।

অমুচ অক্ত তৈ অচ হন্ত তে ত্রোঃ নাস্তি অস্ত ইতাদি অস্তো মাশঃ চ্যুতং চাঙিঃ ইদং निष्ठा मिकि शरद। एवरान्ड नान्ड नहाजावनमारक। जिना नामाना ন এববিষয়ঃ হে পুরণীশুত্র হ্রহণাৎ তেৰ অব্রাক্ষণ অনীশ্বরঃ ইত্যাদাবপি স্যাৎ। ৰাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ। অগঃপ্রাণিনি নিতাং। নগছতি ইতি ক্লগো বৃধঃ भीতেন অড়ীকৃত ইহার্থঃ। প্রাথনি জু শৈল বৃংক্ষা নগাবংগী। স্থাদ্যান্তে हारऋर्भ। ज्यानाद्व भरत अर्थने मार्जाः निजः आक्रिम नेमामारन । अभ-চতি জালাঃ জনেখন্থ পাপু ইতি জাকেপে কিংল পচতি চৈত্ৰঃ। ন নক্ষত্ৰাদিবু। मक्क वार्षी नरका श्रमो नै नगाजार। नक ब्रामि र्यथा। नक बर् नुसृ ि नीरका नभानत्वा नेभूश्मकः। नदमा नक्रमा न आश्रामका नथ देखि। नेकरि न कीवरक वा नक्ताः कत्रक्या अध्यक्षाः कवारम् । नैमूक्कीकि নমুচিঃ মুচথোঃ কিঃ নাল্ডাকং ছঃখং° যত্ৰ নাকঃ নুপাতীতি নপাৎ পাগোঃ শত্। তম্বপান্তং প্রস্কুহোভীতি ভাষ্টঃ। ন পাতরতীতি নপাদিতি কিবস্তু ইতি क किर न काम की जि नकः कमत्था र्गमानि दाँ ९ छः। न खी न शूमान् न शूर-मक्र ममीयामिद्वार जीमना लाला अक दिशानका। नरवक्की करशमाः विमर्शं बुन्। बालि कुनमना नकूंनः। न जाकार्ष्ण नजाऐ। तरमू नाधवः नजाः न नजा অস্থান অস্তা নাস্তা নিজং কবিষয় ত্রশায়মিতি পরে। ত্রিকাণ্ডেড্ नामरको (परिजयस्मे हेजिलू सूर्गाभद्गी मध्या जमा नामा विनिध्य उद्दार दूरि-পঞ্জান্তরেণেতি। नांखि अभिक्षित्रममा नवशी रैंनकः यरणा यमा म रेनेक यणाः टैनकक्ष्माः रेनक कीर्खिदिकारमी ज्ञथानां माना रह मरका समारमाम न मार भवनगाञ्चारमा विधानां एत मर्स्वाख्वनरेगारवाख्वनदा ।

ন। মহক্তেকার্থে জাতীয় যাস কর বিশিষ্টে তু তীচ। মহত্ত আ স্থাৎ একার্থে জাতীয়াদৌ তু তীচ।

महर देखि मूथ मार्शकर उदेखि मूथ धावरेमकर आ देखि मूथ धावरेमकर।

একোহণো বস্য স একার্থঃ তিমার্য। জাতীয়ণ্ট ঘাসণ্ট করণ্ট বিশিষ্ট শেট্ডি তিমিন্। মহততকার আকারঃ স্যাদেকার্থে বিশেষাশন্দে পরে ইন্তর্থঃ। জাতী রাবদা পরে তু মহত তীকারণ্ট আকারঃ স্যাদিন্তর্থঃ। মহরনমস্য মহাবদঃ। এবং মহতী কীর্ত্তি র্বস্যাদের মহাকীর্ত্তিরিস্তাদের পুস্বস্ভাবাদীপে। নির্ভ্তে তকারসৈয়বাকারঃ। পরে বিশেষাপদত্ত বহুরীহের কর্মধাররেহিলি সম্ভবতি। তেন
মহতী চাসে কীর্ত্তিশ্টেতি মহাকীর্ত্তিরিতি একার্থে ইতি কিং মহাংশ্ট পিঙ্কল্ট
মহৎপথিতে মহতঃ পুল্রঃ মহৎপুল্র ইন্তাদো ন স্যাৎ। এবং মহপুজ্বেত্তমাদ্যিকরণেই বি ক্রীবাদাপি মহতেহস্যামিতি মহা। ততো মহাচাসে জক্ত্রী
চেতি কর্মধাররে পুরণপ্রস্তায়ান্তে পুস্কাবনিবেধেহিলি মহান্টমী মহানবমীতি
নিক্ষং। জাতীয়াদো তু। মহতো মহন্তাবা প্রকার ইন্তর্থে জাতীয়প্রতায়ে
মহাজাতীয়ঃ। মহতো মহন্তাবা ঘাসো মহাম্বাক্তর মহতো মহন্তাবা করে। মহাক্ত্রির মহতো মহন্তাবা বিশিন্টঃ মহাবিশিন্টঃ। চ্রেত্ত নেষ্টে তা অমহান্ মহান্ত্রির মহন্ত্রণচন্দ্রঃ অন্তর্কে কেচিং একার্থে স্নামান্ত্র পদে পরে এব মহত্ত জ্বানাহা। তেন মহৎস্করং বপুর্বির্যার স্যাদের ইত্যান্তঃ।

১০ ৷ পুষ্ স্থ্যুক্তপুংক্ষঃ স্তিয়াং ঙা মানি ত ত্ব শসন্ত তরাদৌ চাৰপো ৷

উक्ত श्रुकः खोलिकः श्रुष्य छाय वकार्य खोलिक आदमे ह

় পুষানিব পুৰং। উক্তঃ পুষামু ধেন স উক্তপুংকঃ দস্ভান্তে ৰস্য ট্ৰাশসন্তঃ

. উর আদি র্যন্য স ভরাদিঃ শসস্তস্চানে তরাদিশ্চেতি শসস্ত ভরণদিঃ। ভাস্চ মানিন্চ ওড<sup>়ে</sup>র্ড শসন্তভরাদিলেডি ও**ভন্মিন্।** নরপ্যোহরপাঃ ওবিন্। উक्त शूरकः जीवित्रणकः शूचर मारमकार्त्य विरमाया जीविरक मार्च भाव ভাবেদী চ পরে নতু রবেণা ইভার্বঃ। যথা সৃক্ষরী ভার্বা। বদা স সৃক্ষরভার্যঃ। ate मुक्त वारमो जार्या (ठाउ मुक्त जार्या) । जारमोजू मुक्त वी वा ठेव जि मुक्त-त्रांत्ररु । आञ्चानः मृक्ततीः मनारु वी मा मृक्तत्रमानिनी ! सृक्तर्या ভारः मृक्-রতা সৃষ্ণরত্বং। শসস্ত তরাদিস্ত। তর্জনশ্চ রপশ্চ চতরাং চতমাস্তথা। ইঠে-क्रक्ट्रमेन् करण्यी (मरमा) (मनीय हेडालि। वहः लाम करता तला कंपन रेहरङ তরাদরঃ। যথা ইয়মনয়ো রতিশয়েন শুল্রা শুল্রতরা। এবং শুল্রতমা অভিশ-রেন শুল্রা শুলুরপা। এবং বিস্তরাং কিন্তমাং উজিন্চ। অভিশব্লেন লম্বী नचित्रा नचीत्रती नचुग ভाবো नचित्रा जैयनूनांश्रेजा अजनक्त्री अजदमनां **अञ्चलमोग्ना नेयन्त्रः अञा वर्षाया। अञ्च वरहाः शत्रिकामञ्चलाम् शृत्रस्थावः।** বহোষ্ট শসন্ত তরাদা বুপ্নাাুসন্ত অর্থ প্রসন্থাৎ। কুৎসিতা গঙ্কা গঙ্কপাশা ভূত-পূर्वा अञा अञ्जाती। अञात्री पृष्ठभूर्वातिशः अञात्रभाः अञ्ज त्रभावस्त्रनात्रभूत्र-ह्यावः। वक्ती धर्महि वहरणा प्रिह छक शूःऋश्किः शशाक्षार्थाः। किथे बक्ति-রবে যাত্রী পুংসয়ে। বর্ত্ততে স উক্ত পুংস্কঃ। তেন দ্রোণী সম্পত্তিঃ অত্র পুস্বর স্যাৎ। যতো দ্রোণীশব্দঃ কাঠান্মুবাছিল্যাং জিয়াৎ পরিষ্ণাণে শুংসীতি। একার্থে किं मुर्मार्गा, वृष्तिः मूमातीवृष्तिः। জीनियां कि मृमातीधनः। ভরাদৌ চেভি हकार्यमान्नक मञ्चलत्रार्वेदार उद्भिजार्थराटका विर्त्ती वालार कृरशाद्रीलार क्वींजः विकृत्शांशः अवर कूकूंहे। अथर कूकूंहों थर। प्रशांशकीतर प्रक्रीकर भुगाः भार भूगभार काकाः भावः काकणांवः अविभ भूचछावः मार।

এক প্রবৃত্তি নিমিছেন উক্তঃ পুনানু বেন সঃ শস্ অন্তে বস্য স তর আদি বিস্য সঃ শস্ত শানে তরাদিশেততি সং ভাশ্চ মানীচ ভশ্চ ঘণ্ড অন্য ভরাদিশ্চ ভক্তনিনু পুংস্তং স্ত্রভাং। নরপ্যো হরপান্তনিন্ । একার্থ ইতাকুবর্ত্তে ইভ্যান্থ একার্থে জীলিক ইতি চিক্তের বিভাগি বক্ষাতি একার্থছাৎ বৃদ্ধাচাসৌ ভার্যাইভ্যানে যে পি স্যাং। এক প্রবৃদ্ধি নিমিছেন একবৃদ্ধি আইংছ্নোক্র মার্থস্য সন্ধিক্তাদেক প্রকৃতিনিমিছেনোক্ত পুংক্তম্য পুন্ধাবঃ। তেন দ্রোণী ভার্যাইভ্যাদেন ব্যক্তিনিমিছেনাক্ত পুন্ধান্য পুন্ধাবঃ। ভেন দ্রোণী ভার্যাইভ্যাদেন ল স্থাৎ লোপশকং পরসাণে পুন্দি কান্তাম্বাহিন্যাং জিয়াং বর্ত্তে ক্রতো ভিন্ন প্রবৃদ্ধিনিমিছেন বৃদ্ধিন য় গ্রাহ্বেনোভয়ার্থাভিধানস্য

विध्वकृष्ठेषारः अकार्व जित्रांश किश' छत्रनी धार्यानश तमा म छत्रनी धार्यानश्च खारमी वर्षा। भोत्रीवाठत्रिक भीत्रात्ररक। मुर्झनीत्रार मनारक कार्यार रेठरता मर्भनीवमानी ভार्यावाः পद्गां छातः अपूं । श्रेषः। श्रेपनत्वाविभव्यन ওত্রা ওত্রতরা ওত্রতনা পটুরপা পটিগ্রা পটীয় দী।ও ক্লিমা বৃদ্ধকণপু। বৃদ্ধদেশু। বৃদ্ধদ 'দেশীয়া বৃদ্ধপাশা পটুচরী বহবীভোগ দেহি বহুশ ইত্যাদি। অরপো কিং শুল্লা-রপাঃ। একদ্যা আগতং একরপাং ভষ্যাঃ ভডঃ ভদ্যাং ভত্ত ভদ্যা প্রকৃত্যা তথা তদ্যাং বেলায়াং ওদা তর্হি ইঙ্যাদে তুঁ পুত্বৎ স্তেরিতি পুত্রন্তাবঃ। তত্ত্বে দ্বজা-ত্যাথা ইতি পটুড়া পটুত্বনিত্যাদো সিদ্ধে কচিদনাত্রাপি তেন অপত্যার্থ 🖛 ম জিলে তাঁচ্যে জাতীয়েতোচ পুন্তৰ। যথা হস্তিনীনাং সংঘঃ হাত্তিকং শুেন্যাইদং ভৈতং ব্দেঃ অগ্নায়ী দেবতা অস্য আব্যেয়ঃ স্থানীপাক ইত্যাদি। অপত্যার্থ ক্ষেরেডু রোহিণ্যা অপত্যং রোহিণেরঃ ভৈনেরঃ। অজারৈ হিতা জঞ্জণা ভূমি রিভি। কুফুট্যাদের ধাদে। কুফুট্যাদেঃ পুত্তৎ স্যাৎ অধাদে। পরে। অসামা-नाधिकत्रत्वा अमा विषयः। कूकूछ। अधः कूकूषा अः मृगाः क्षीतः मृगक्षीतः मृगाः शमर पृत्रशमर काकाः भावकः काकभावकः धाँछ। स्रीविकार धाछसीविका ৰিতীয়ারী ভিক্ষা বিতীয়ভিক্ষা উঁত্তানা শেতে উত্তানশয়া প্রস্তাভার্ব্যা বস্য প্রস্লাত ভার্যাঃ প্রস্থতা ভার্যা যস্য স প্রস্তুত্বি ইত্যাদি শিষ্টপ্রয়োগাসুসা-রেণ জেয়ং প্রজাতা প্রস্তা শক্ষাপর্কতিবিমোচক প্রবৃদ্ধি নিমিছেন জিয়াং वृत्कु में शूरित निका खोषामळ शी के न

১১। নো প্রাক কোছ পুরণ্যাখ্যা ২বুমজেবিকারার্থ ণিত্তং জাতি স্বীক্লেপ্ত মানিনি।

উবস্তং ততাকজ বা কেন ককারোঙ্ পুরণীত্যান্তং সংজ্ঞাভূত মিয়-অক্তার্থ বিকারার্থ বর্জং ণিভাত্তঞ্চ পুষন ভাৎ। জাতি স্বাক্ত বিহিতেবস্তু মানিন্বজে।

 উण्ड सकण (ड) डांकरग्रांश कः डांककः म डेंध् यमा मः व हेर यमा म विरक्षा यमार छर देण उण्ड (डो यूजार म यूरमी जनमना शिक्षः नक्षकं निका-नण (डो डांगरवी (स्वरार (ड क्रूपमी नक्षिन निवास (ड न निवास (ड क्रूपमी नक्षिन निवास (ड क्रूपमी नक्षिन निवास (ड क्रूपमी नक्षिण डांकरका इन विकास है क्रूपमी है आप पा क्ष्म निकास (ड डांकरा क्रिया क्रिया है क्रूपमी नक्षिक डर क्रांडिण चांकक (ड डांडार में क्रूप्डर न मानी समानी डिकाम । डेंबाहनकडू । नारमांकडांगा हेडार्गर्मा नक्षांड ।

১২। পুরণী প্রিয়া মনোজ্ঞা স্কৃতগা ক্ষান্তা কাস্তা বামনা বামা চপলা বালা সমা সচিবা তনরা ছহিতৃ স্থা কল্যাণী ভক্তৌ। এবু পরেষু পুষর স্থাৎ।

পৃরণীট প্রিয়াট মনোজ্ঞাট সূভগাট ছুর্ভগাট ক্ষান্তাট কান্তাট বাস্নাট
বাস্ট্র চপলাট বালা ট সমাট সচিবাট তদয়াট ছহিতাট স্থাট কল্যাণীট ভজিশ্চেতি তিম্মিন্ পূরণী পূরণীপ্রভাষান্ত স্ত্রীনিক্রশস্কঃ বিতীয়াদিঃ ভজিশব্দোহন্দ্র
কর্মবিহিত জিপ্রভায়াল্ডো বোদ্ধবাঃ ভাবসাধিতে তু পুস্বৎ স্যাদেব। এরু
অফ্টার্কশস্ পরেমু পুস্কাবপরিহার ইতি। দৃতভজিরিতি জ্যোষ্ঠে,বাজ্ঞাতৃক্যা
পরাঙ্মুবঃ ইতি রস্কঃ। প্রাভক্তজননী প্রস্তভনয়া জাসাভ্গেহং গতা ইতি তু
প্রস্তুৎ তনয়য়া বস্যা ইতি ব্যধিকরণ বছরীহিঃ।

পূরণীচ প্রিয়াচেতি বন্ধঃ। এন্থিতি পূরণার্থতান্তে প্রিয়াদি সপ্তদশশকেষু
চেতার্থঃ। অন্যেতু কান্তা তনমনোঃ স্থানে কমা তরণাবাহঃ বালা বামা শক্ষে
নাহঃ ইহ দ্রাবার্থ প্রিয়াদি শাহচর্যাৎ চত্যান্তম্য উজ্ঞামান দ্রবার্থস্য ভক্তিশক্ষ্যা গ্রহণাৎ ভাব তাহন্ত ন নিষেধঃ। তথা মেখদুতে দৃষ্টভক্তি ভবাবোতি
রুষো দৃচ্ভক্তিরিতি। কোড্ পুরণাদীত্যাদীনাং ব সে পুসং ভাবাৎ হ্ম ধ্বা-

নজোর্বিষয়ঃ । সপত্নাদীনাঞ্চ। সপত্নাদীনাং প্রাপ্ত পুসন্ধ্যাং। সপত্নীভার্ষ্যঃ। সপত্নীবৃন্দারিকা । সপত্নানভূহী রোহিণ্য নভাৃহী চ রেবভী। পৃথিবীচ সপত্নাদা-বিহু প্রোক্তা গ্রহায়ণী।

## अवावादमः स्थारुख क्षीत्मः ।

खरख विख्य, तो ताल केल छेलक यः छा । खर्थानत्व मिक्
न चीत्रमः। नीजकः धरखंगातः कालज्यः। केत्रमञ्ज तक्ष्यत्रमी।
छेति देश । वार्यां कार्याः तिमका छा । लोकि । वार्यां के छित्र । वार्यां कार्याः तिमका छा । लोकि । वार्यां कार्याः वार्यां । व्यां निम्
किर । बाद्धां भानिनी। यूमा देश । देश कित्र । छोकि । कार्यां कार्याः कार्यां कर्यां क्षेत्र क

গৌশ্চ আবাদিশ্চেতি তম্য। ন ঈয়স্ অনীয়স্ তম্য'পুন্দ্ভাবস্যবিধিনিষেথে নিরপা উদীহরতি। শীতগুরিতাপুদিঃ। শীতা শীতনাগোঃ কিরুণো বস্যাসে। শীতঞ্চক্সঃ। ধন্তামায়। যদা স্ধন্তমায়ঃ উভয়ত্র পূর্বন্য পুন্তাবঃ পরসা इसः नेरखः रक्षीहर्श कथालायन वाशिष्वातीमाञ्चः। कामी पसूर्यगारमी কাৰতমুঃ পূর্ব্বদা পুষ্দ্রাবঃ অৰভিধানাদূপঃ কপ্রভায়াভাবে হ্রস্কঃ। অনাত্রাপি গৌণত্বে পঞ্জঃ অতিমায়ঃ অতিপ্রিঃ অতিতত্মরিত্যাদি। ঈয়সস্ত বহ্বাঃ প্রেয়-স্মোষদ্য স বৃহুপ্রেয়দী কৃষ্ণঃ। পূর্বিদ্য পুষদ্ধাবঃ পর্ম্য ঈয়দো বর্জনাদীপো ন হুৰ্টঃ। সাধন্যানাং স্থিদিয়ে ইতাঞ্জীপ্ৰত্যয়াভাবো জ্ঞাপয়তি স্মাসন্তিবিদে-রনিতাত্বিতি। তেন দ্যুতঃ ক ইত্যনেন কপ্রতায়ে। ন স্যাৎ। এবঞ্চ নাঞ্জান তमान पंच्यत्रमत्री ज्ञांिश भाषावतीखि विख्डनीय देखि क्रिंग काक्षा देखि । বিলুলিত কবরী শবরীতি। খরমঞ্রীত্যাদিযু কপ্রতায়াভাবেহপি অনভিধানাং इत्या न मारि। अनीयम ट्रेंडि न कार्रिश क्षीर वहाती ह बनाज इयः मारिक्द ষ্পতিপ্রের্মির পঞ্চতিঃ প্রের্মীভিঃ ক্রীতঃ পঞ্চপ্রের্মিরিতি। তথাচ ঈর্মের্ম ন বিছব্রীছো কল্চ সৃত্পেরসীকুলং। সুপ্রেরসীযুবান্যক্রাতি প্রেরসিরিতি প্রাঞ্চঃ। বামোক্সভার্যা ইতি বামে সুন্দরে উর বসাঃ সেতি বামলক্ষণেতি উপ্। রসং विक्वीिक् विका एएकामिकि किकः। शव्कीिक शाहिका जुन्न किए देखि नकः। सशार शूत्री वकी हजूर वज्ज के जिल्ला के विश्व में कि निया में प्रकार किया में किया में किया में किया में किया में देगिर्शि एरंचकाणिक कः अव भूर्वलमाना वृरस्तामीनाः भूषस्वातं निरम्धः भन्नभमानाः इषः। व्राक्षानीस्थारं न्हेलि स्नालितिहिर्छ्यसः न भूषः। स्नानिनि
किः स्नानाः व्राक्षानेः मनार्छ या मा व्राक्षानानिनी अहनिक् भगापिति।
नास्त्रप्ताने । स्नेत्र मनार्छ या मा व्राक्षानािनी अहनिक् भगापिनी। युमारमस्
वाक्रियापिशः। स्नेत्रप्ति वादेवसांकर्ती पृष्यकािकि सः युग्नुं निर्छ हेस्। मृत्रू स्नाप्ति
वमा म स्वाः स्वारमादः रिवाकिति प्रिः एर्काविकादः रिक्मी विकादमः प्रिम् कि स्वाः युम् स्वः विकादमः प्रमुखः विकादमः प्रमुखः विकादमः प्रमुखः विकादमः प्रमुखः विकादमः प्रमुखः विकादमः प्रमुखः विकादार्थं विकादमः प्रमुखः विकादार्थं विकादमः प्रमुखः विकादार्थं विकादमः स्वाः स्वः

আবাদি র্বস্য সং গৌশ্চ আবুদিশ্চ ভক্তস্য । পুদ্ধৎ স্থত্তত্ত্বাৎ । গুণসাভাবো গৌণ্যং তক্ষিশু। ন ঈয়োহনীর চু ভুষাৎ নত্তীয়দ ইতি ঈরদঃ পর্দোপঃ প্রাপ্ত ষো ন স্যাৎ ইতার্ধ্য। তেন সুপুঞ্জরসীকুলু মিত্যাদৌ ক্লীবেশ্ব ইতি শ্বোন স্যাৎ। नार्कि शिक्षनारमः। अर्कि शिक्षनारमः श्रीश त्या न गार । अर्कः शिक्षनारः अर्क পিপানী অর্দ্ধধারী পূর্ববর্ষরীভাদি। অর্দ্ধপিপালাদেঃ কিং প্রাপ্তো জীবিকাং ध्याश्वकीविकः धार्शक्कीविकः। जेग्रताहरी जेग्रता ह अव त्यान गाए। वस्ताः (धामरमा। यमा म वहर धामनी भूतमाः कूनचा। (भीनरप्रिभ नेभः दमरमांभः স্যাদেব। হে কিং অতিপ্রেয়সিঃ খলঃ উপপ্রেয়সি প্রেম। লাঘ্বাদেকত্র স্থত্ত-ৰয়োদাইরণমাহ শীতগুরিত্যাদি। শীতাগো র্যান্যতি বাকাং শীতা শৈত্যগুণ শ্বজ্ঞেত্যর্থঃ। পট্টিচ মুখীর্চ পট্টীমুছ্জার্গ তে ভার্যো মদ্য য পট্টীমুছ্জার্যাঃ ইভাত্ত পট্টী मक्त्रभु न श्रेत्रखांदः এकार्थ जीनित्माखुद्रदेन छविधानार। यह पू शर्पेश्ड ভাষ্যত্ত र गर्छ हः। একার্থে কিং কল্যাণ্যা মাতা। ক্রিয়ামিতি কিং তর্নণী প্রধারং বেষাং তে তরুণীপ্রধানাঃ। ধন্তমার ইতি ধন্তা নটা ইতার্থঃ। কানতমু রিভি কালী কুফেভার্যঃ। গবাবাদেঃ কিং অভিলক্ষ্মীঃ বামোরভার্যাঃ ইডি वारमाञ्जीका बेमा हे जि वाकार। अवर धीवकुण्डारमी वाना छि धीवकृवारन-ত্যাদি। রসিকাভার্য্য ইতি রসোহদ্যা অব্তি ইত্যর্থে ইকঃ। রসিকৈতি ত ককা-বোঙ্। পাচিকা ভাষা ইভি পচভীভ্যবে ।কঃ পাচিকেভি অৱ ককারোঙ্। তাককোঙ্ কিং পাকা ভাৰ্যক্ষুদ্য পাকভাৰ্যঃ গুছভাৰ্যঃ। ষৰ্কীকায় ইতি ঘুঁৱাং. পুরণীতার্থে থট্ এবং পঞ্চমীভার্যাঃ ইত্যাদি। দক্তা জায় ইতি ধদাপি সংজ্ঞা-मजानार अक्रमताञ्चितितविभवार छक शूरक्रवाजात तेव शूचलाथा थि-. खशानि भारक निधूमश्कानि भनवक्तकानीनाः अत्नक क्रवां जिनित्विषां

১৪।, 'হে পুরণী প্রমাণীক্রা মঃ।

আব্যা মঃ হাদ্ধে। [ যুয়োর্লোপো হবুকৌ পৌ ] কল্যানী পঞ্চমা রাত্ত্রঃ কল্যানীপ্রিয়ঃ মুখ্যাত পুরনী গ্রাহা তেন।

পূর্ণী विजीयां किः। প্রমীয়তে ইনয়েতি প্রমাণা পঞ্চানাং পূর্ণী পঞ্চমী নোহ
সংখ্যাদেরিতি মট্। কল্যাণী প্রশস্তা পঞ্চমী রাত্রি বাস্ রাত্রিয়ু তা রাত্রয়ঃ
কল্যাণী পঞ্চমাঃ। অত্র পঞ্চমী শব্দে পরে পুস্কাবো নাভূছ। পঞ্চশকাদপ্রতায়ে যয়েলেপি ইতি ঈপো লোপে জিয়ামত আপ্। এবং কল্যাণীপ্রিয়ঃ কল্যাণী মনোজ্ঞ ইত্যাদি। মুখ্যাত্রেতি অত্র পূরণ প্রভায়াত্তে পদ্রে পূর্
ভাবি নিষেধে পূরণপ্রতায়ায়্রা দপ্রতায় বিধানেচ উভয়ত্র মুখ্যা পূরণীয়ায়া
তেন হেতুনা কল্যাণী পঞ্চমী রাত্রি র্যিক্ষান্ পক্ষে সপক্ষঃ কল্যাণ পঞ্চমীকঃ
ইত্যত্র পঞ্চমী শক্ষ্মা গৌল্ডাক্তিক্ষন্ পরে পুস্কাব নিষেধানাভূছ তন্মাদ প্রভারোম্পি নাভূছ। ততো দ্যতঃ ক ইতি কঃ প্রতায়ঃ। নন্ধ সমাসবাচ্যভ্রেরবমুখ্যত্বং। নমু তথাপি পঞ্চনরান্তি ভিন্নানাং রাজ্রীণাং সমাসবাচ্যত্রাহ পঞ্চময়াত্রেঃ কণ্ড মুখ্যত্বং ইতি চেই সত্যং সমাসকাচ্যানাং বোহসাধারণধর্মঃ ভন্তত্বং
মুখ্যত্বং। তত্রত সমাসবাচ্যানাং রাত্রীণাং অসাধারণ ধর্মো রাক্রিত্বং তত্ত্

त्रामतः गरहामतः ष्रामात्रगाणि मरमाखेलगा हेलि छोतः। रह हेलि किरः। मह
क्षा। ता। हम वेद तम हाणियि। अस्वाणियि भ्रमामानावार महमा त्मानागारकः।
चिल्रिक हेल्लाय मगतः महमाय महहमाय महस्माय महददमाय। असू किर
चिल्रिक हेल्लाय। महस्माय सिक्राम्यस्य अस्ममाशिय निजाः। अस्वियुं
महमा ता। निजाः मारखा सिक्राम्यस्य अस्ममाशियु निजाः। अस्वियुं
महमा ता। निजाः मारखा सिक्राम्यस्य अस्ममाशियु निजाः। अस्वियुं
महमा ता। निजाः मारखा सिक्राम्यस्य अस्ममाशियु निजाः। अस्वियुं
महमा ता। निजाः मारखा। अस्विकाम्यस्य अस्माशिक सिक्रामाशिक सिक्रिकारा। असिक हेलाविः
माशिः कर्लालः गृत्ह कर्लाल्लालार छाता सिक्रिकारा स्वाविकारः।
मिक्षणाः। नाष्ट्रामा त्रामान् त्यानशिक्ष स्वावाय स्वाविकारः।

### ১१। मक्षाकः यः स्राटम।

आजाः (इ यः छाद स्राह्म। मोर्घनक्थः পুঞ্রोकवनक्तिनी यष्ठारमो পুঞ্রীকাক্ষঃ। स्रोह्म किः। मोर्घनक्थि भक्छेः।

नक्षि চ श्रीक्ष कि नक्षाकि जमार। मीर्घ नक्षिनी बना न मीर्घनक्षक व श्रादा बरहार हो देखि है का इ रना लाई। पूछती का कि है जा के पूछती का कि है जा के पूछती का कि है जा के पूछती का कि हो जिस है जिस के कि हो जिस है जिस है। विश्व विश्व के प्राप्त के प्रा

সক্থিত অক্তিত তন্ত্ৰমাৎ শেষদাকণমুক্তং স্বাস্বাভিডাং আন্তাং ইতাৰ্থঃ।
পুশ্বীকৰ্ণতি পুশ্বীকং সিতপন্থ প্ৰান্তোপমানেত্যাদিনা বং শন্ধনোপঃ
বিস্তাৎ ক্ৰিয়াং দাৰ্শসক্ৰী পুশ্বীকাকী। দীৰ্ঘসক্ৰীতি শক্ষম্য প্ৰাণিদ্বান্তাবাং
ইতি ভাবঃ। হে কিং দীৰ্ঘসক্থি দেবদন্তম্য।

१८। मिक्निश कुटलः।

शक्षाकुतः माङ्ग ।

অঙ্গুলেঃ যাজনাৰত্ত্ৰীহো দাৰুণি বাচ্যে। পঞ্জ অনুৰ্নয়ঃ পরিমাণমস্য পঞ্চাৰ্চ্ন এবং দক্ষাসূৰং দাৰু। বিত্তাদীপিপঞ্চাসূলী সমিৎ। দাৰুণীতি কিং পঞ্চাসূলা শিলা। অতএব তদ্ধিতাৰ্থ দিগো সংখ্যাব্যাদিতি অগ্ৰতায়ে জ্বিয়ামত আপ্। জন্যদার্থে দারুণি অনুনেঃ বঃ স্যান্তে। পঞানুনমিতি পঞানুনয়ে। যদ্মিন্ ইতি বাকাং। অনুনিত্নাবৈশ্বযুক্তং ধান্যাক্ত্যুৎক্ষেপণকাঠযুতাতে। দারুণি কিং পঞানুনির্ভন্ত ইতাত্র ন স্যাৎ।

১৯। দ্বিতে মুক্রি।

विकिछीर भर्जाम्कृ श्वः मा वस्त्रीरही।

ৰিশ্চ ত্রিশ্চ তস্তকাৎ। আড্যাং পরীকান্ মুক্তি যঃ স্যাৎ চে।

.२ । ंश्वि ध्वांत्भी (को एक २८६।।

নক্ত লোপঃ ক্সা ত্বর্ণক্ত ওৎ ক্সা দচি যে চ তে। দ্বিমূর্দ্ধ।

निष्ठ स् उर्दाक्षः। लालग्ह स्ट नालगिष्ठ। अक्र यण अहार उसिम् एको स्कारनो यमा म विस्कार। भूकार यश्राहताला स्वारनाला स्ट स्वारनाला । बदः विस्कार विस्कार विस्कार वास्ति। विष्ठ किर वर्ष्यका। बदः वास्तिः वास्तिः। वास्ति। वास्तिः वास्तिः। वास्तिः।

नि छेण को उर्याः नांभ्रम अक को बक्त वण उसमिन् उ देउामा विष्मादगः। विभूक्त देउ को मूक्तानो यमा देउ वाकाः अवः ज्ञामूक्ताना रमा जिम्मूक्तः। आखार किर वेस्मूक्ता। अवश्वा वाह्यिः वाख्या देउामि। शृथक् मकद्र-गाद कैंडिसमार। जूतामाहर शूरताथास्थाम चास्रकृतर वयुति कि कुमादमखरव।

'२५। बःथाप्ता (७। २ वदश्ः।

বছবর্জারাঃ সংখ্যারা ডঃ স্থাতির। পঞ্চ ষট্ পরিমাণং যেষাং ডে পঞ্চষাঃ। উপগতাদশ যেষাং তে উপদশাঃ। বহোস্তা। উপবহ্বঃ।

नास्ति वह र्रात ना स्ववहः स्वनाः। शक्ष्या हेलि स्थानाद रिमांशः। शक्ष्या हेल्लाह्यका न्रथावा क्यानाः नमार्त्र स्वन्धरम् शृद्धर् नामिलि स्वितः। एक रहोत्। तार्वाता शिवमानरमयाः एक विवाध अवर हक्ष्य शक्षाः हिल्लाह अवर हेल्लाह स्वतः स

বছবর্জায়। ইতি বহোরপলক্ষবতাৎ উপীগণা ইত্যক্ত ন স্যাৎ তেনাকৃত সাস্তাৎ উপগণকা ইতাপি। বলুবর্জনাৎ সংখ্যেয়বৃত্তি সংখ্যারাএবএইণঙ তেনা- ই ভিঃ সহ বর্দ্ধতে সাফী পঞ্চাশ দিন্তাক্র ন দ্যাৎ। পঞ্চবা ইতি পঞ্চবা বড্বা ইতি বাকামিতি পদ্মে। এবমুপদশা ইন্ডাক্র দশানাং সমীপে যে তে উপদশাঃ নব একাদশ বা ইন্ডার্যঃ। সংখ্যাদুরেন্ডাদিনা বক্র সঃ ভক্রৈবায়ং বিধিন্তেন শোভনা দশা বেবাং হক্র সৃদশান ইন্ডাক্ত ন সাং ইন্ডার্পি পরে। উপবহব ইতি সংখ্যা বড়ভীতি সংখ্যাদ্বাভিদেশাৎ প্রাপ্তে নিষেধঃ। সোঃ খঃ প্রভেজাং। সোঃ পরাভ্যামান্ডাং ভা স্যাৎ হে। শোভনং খো হস্য স্বস্থঃ সুপ্রাভঃ স্প্রাভাঃ দিবসাঃ। তথাচ স্প্রাভমাসাদিত সম্মাৎ তৎ ইতি ভটিঃ।

# रर। नाट्य नीमि।

#### পত্মনাভঃ।

নাভেঃ পরো তঃ স্যাৰ্ছবীকো সংজ্ঞায়াং। পৰাং নাভো বস্যাস পদ্মনাভঃ জপবা পদ্মং পদ্মবৎ। এবং বজ্ঞানাভঃ। নামি কিং গভীরনাভিঃ। প্রজ্ঞা ইবাঙ্গাল দরবিন্দনাভেরিতি স্মাসাস্ত বিধেরনিতাছাৎ।

সংজ্ঞানাং গদ্যদানানাং নাভে ডঃ স্যাৎ হে। পদ্মনাভ ইতি,নাভিস্থিতং পদ্মং মস্য ইতি বাক্যং। প্রজ্ঞা ইবজানরবিশনাভে রিতি তু নান্তবির্ধেরনিত্য-ত্বাৎ অসংজ্ঞাত্বাদা এবং নাভিস্থিতা উর্ণা যদ্য দ্বীয়াদিত্বাৎ স্বে উর্ণাভো দর্কটঃ উর্ণনাভিরিত্যনাে। তথাচ প্রবৃত্তিনাে বিনা কার্য্য দুর্ণনাভেরপীয়াতে ইতি ভট্টবার্দ্রিকং।

२०। त्नारमा श्रेष्ठ वंशिर्छा । श्रेष्ठ त्नामः वश्तिमाः।

পৃথগ্যোগারামীতি নাস্বর্ততে। অন্ত বহিত্যাং পরা লোম্নে তঃ মাা বছ-ব্রীহো। অন্তর্লোমানাসা অন্তর্লোমঃ এবং বহিলোমঃ।

অন্তর্গেন ইত্যাদি অন্তর্গতানি লোমানি বন্য বহির্গতানি লোমানি বন্য স ইতি বাকাং। অত নামীতি নামুবর্ত্ততে পৃথ্যুবোগাং। আভাগং কিং দীর্ঘনোমা ক্রিতঃ।

২৪। নঞ্চঃ সোঃ সক্থো বা। , অসক্থঃ অসক্থিঃ। न প্ৰচ ক্ল স্তেতি ভকাৰ। এভাঃ পরাৰ সক্থো ভঃ স্যা বহুবীহোঁ বা। मोखि সক্ৰি ৰস্য নোহসক্ৰঃ অসক্ৰিঃ এবং ছঃসক্ৰঃ ছঃসক্ৰিঃ সুসক্ৰঃ সুসক্ৰিঃ

২৫। অস্প্রজায়াঃ। অপ্রকাঃ।

नक् द्वः मृजाः शतमाः श्रमात्र। जम् मावस्तीरशे। नाष्टि श्रमा यमारमो अश्रमाः जिन्दि राष्ट्र वर्षार्त्ताश ग्रेजाकात राम्भः जन्मारभिति भीषः। अतः द्वल्युकाः मृश्रमाः। देश नकार्षत्रतातिहरणकत्वमशिक्तः। एतन मृश्रमाः। देश नकार्षत्रतातिहरणकत्वमशिक्तः। एतन मृश्रमा स्वाप्तिक देशारमो न मार्थः।

বেতি নাসুবর্ত্ততৈ বাতীহারে চিরিতাত্ত বা গ্রহণাওঁ। নঞ্ গুংসুভাই প্রসায়। অস্ সীত্ত্বে। অপ্রসাইতি এবং মুশুস্থাঃ সুপ্রসাঃ অম্বোধোরিতি র্ঘঃ।

२७। कष्मांन्भांक जू त्मश्राहाः। ज्ञात्मश्राहे सुरुष्धाः मन्मत्मश्राहे।

मक्षाण्यां हकोटत्र नक्षत्रः मृज्यक शत्रमा स्थामी कम् माम्बर्दीट्शे। स्कारमध्य बमारमे बमारमे मक्षेटमधाः । अवर जन्मदमधाः जरमधाः पूरमधाः प्रकारि मृक्षाण्यादम्बर्द्रविद्याक्षत्रक्षम् विक्राप्ति मृक्षाण्यादम्बर्द्रविद्याक्षत्रक्षम् विक्राप्ति स्वाप्ति स्वाप्त

চকারাস্থ্র সোরিভাতুবর্ত্তে নঞ্জঃ সোর্মাপাচ পর্যা মেধারা অস্ স্যাক্ষে। অনেধা ইতি এবং চুর্মেধাঃ সূমেধাঃ অপ্সনেধাঃ। পরেতু নঞ্ছঃ নোর্মোয়া অস্ নিভাং অন্যমাজুবেভ্যাতঃ ভন্মতে মন্দ্রেধাঃ মন্দ্রেধঃ অপ্স-মেধাঃ অপ্সন্ধঃ ইভাপি।

२१। धर्मा मन्। सूधर्मा।

ুপ্রবিপদাত পরাৎ ধর্মা দমু স্যা ছছবীকো। সমানধর্মা কুধর্মা বিধর্মা স্থর্মা বহুগর্মা। জ্ঞাপি পৃর্ববিদা দব্যবহিতোজ্যুত্বমপেক্ষিতৃং। তেন মুনে ধর্মো মুনিধর্মঃ কৃত্যে মুনিধর্মো যেন স কৃত্যুনিধর্ম ইত্যাদো ন স্যাৎ। জ্ঞা কৃত সমাস প্রবিপদাৎ পরাক্ষ্মাদ্দ্ স্যাদিতি বক্ষব্যং। তেন পরমহিতোধর্মো বস্যুস পরমহিত ধর্ম ইত্যাদো ন স্যাৎ।

प्रस्वाक्रमां क्षां मानू वर्त्ता एक माना गार्टि हुए विशिष्ट । मुध्रे प्रिक्ष । मुद्र प्रिक्ष । मुद्र प्रिक्ष । स्वर मिक्ष प्रमी हे छा कि हे ह क्ष्य के धर्म रेगार के स्वर के धर्म प्रमार के स्वर के धर्म प्रमा के स्वर के धर्म प्रमा है जि वा स्वर के धर्म प्रमा है जि ना एक दिन धर्म प्रमा के स्वर के

২৮। নঞ্ সুত্রি ব্যুপা চচতুরো ২ঃ। এভা শচতুরো২ঃ স্থান্ধে। অচতুরঃ স্কচতুরঃ।

নঞ্চ সৃশ্চ ব্রিশ্চ বিশ্চ উপশ্চেতি তঝাৎ। এতাঃ পরা চতুরো হং সাাৰছ-ব্রীহোঁ। নসন্তি চন্দারি বস্যাসে অচতুরঃ সৃষ্টু চন্দারি বস্যাসে সৃচতুরং। ত্রীণি চন্দারি মানং বেষাং তে ব্রিচতুরাঃ বিগতাশ্চন্দারেরা বস্যা স বিচতুরঃ উপগতাশ্চ-ন্দারো বস্যাঃ সা উপচতুরা। সংখ্যায়া ইতি ভপ্রতায়ে,টি লোপাদনিষ্টং স্যা দিতি অপ্রত্যায়ঃ।

নঞ্চ সৃশ্চ ত্রিশ্চ বিশ্চ উপশ্চ ভক্তর্মাৎ। আচতুর হাত আবিদ্যদানা ধন্ধ থি কাদ মোক্ষাশুদ্ধারো বস্য সোহচভুরী সৃচভুরঃ ইতি শোভনাশুদ্ধারো বস্য সং এবং ত্রেগ্নছদ্ধারো বা মানং বেধাং ত্রেগো চন্ধারোবা ইতি ক্রিচ্ছুরাঃ বিগভাশু-, স্থারেঁদ্বস্য সাবিচ্ছুরঃ উপগতাশুদ্ধারে। বেবাং চন্ধাং সমীপে বা উপচন্ধুরাঃ। ২৯। ভানেতুঃ।

নক্ষতা ক্ষেতৃ শব্দ। দঃ ভাদ্ধে। মৃগনেতা রাতিঃ।

মুগো মুগশিরো নেতা প্রাথকো বসাঃ সারাত্রি মুগনেত্রা অপ্রভারে জিরা মত আপ্। এবং পুরানেত্রা রাত্রিরিস্তাদি। যফ্মিদ্ধকতে রাত্রিঃ প্রবর্ত্ততে তম্মকত্রং ভাং রাত্রিং নয়তি।

ুষ্গনেত্রেতি ঘূর্ণো মৃগশিবের নেডা ষদ্যাঃ দা এবং হস্তনেত্রা পুষ্যনেত্রা-রাত্রিরিস্তাদি। বস্ম নক্ষরসা উদয় সমকালং রাত্রিঃ প্রবর্ততে ভস্তসা নেতৃ ইতি। গে নাসিকায়া নস্চ। গেঃ পরস্যা দাসিকায়া জঃ স্যাৎ ভিন্মিন্ নসা-দেশত হে। প্রগতা নাসিকা হস্য প্রণসং উল্লসং মুধং। নাসিকাং প্রতিপ্রা-**प्रमृत्रिक्ट्रि** ग्रेडिकियां पूर्गडवार गिष्ड । ताः किः भाजना नामिका वर्गा স সুনাসিকঃ। অসু পশ্চায়াগিকা যস্য সং অসুনাসিকঃ। অসুনায়ায়ি ধরখুরা-ভ্যান্ত বাতালুক্। সুলভিন্নাৎ পরস্যা নাসিকায়া অঃ স্যান্তে সংজ্ঞায়াৎ তন্মিন্ नमारम नम्भवस्थू वां ভাাং পরসাস্তি ভাষা বা লুক্ সাাং। জ্ঞারিব নামিকা যস্য স क्कानः वाक्क्षीनमः। नामि किः जूनन्। निकः। जुनाल् जूननानित्का वतारः। चता ভীক্ষা নালিকা অস্য খরণাঃ খরণসঃ খুরণাঃ খুরণসঃ। বেঃ খু এৌচ। বেঃ পরস্যা নাসিকারাঃ জঃ'স্যাতে তিমান্ খু থো, আদেশো চকারাৎ ন্সাদেশত। বিগতা नानिका अमा विश्वः विश्वेष विनमः। তথাচ। विनमी २७ वासवा ইজি ভটিঃ। বিশু, বিভেতেক। সুদিবাদ্যাঃ। সুদিবাদ্যা অদস্তা নিপাক্ততে। শোভনং দিবা ষদ্যা স সৃদিবঃ শারিকুক্ষিরিব কুক্ষিরস্য শারিকুক্ষঃ চতত্রোহত্রয়ে। ষদ্যা স চতু-রুলঃ এণাইব পাদা ষদ্য দ এণীপদঃ অজপদঃ প্রেষ্টিপদঃ গোর্থ লি র্যা দ গোধুল ইভানো।

৩০। সংখ্যা স্থানাৎ পাৎ পদে। ২২স্তাদেঃ।
এক্তঃ পাদ্য পাৎ যাৎ হে নতু হস্তাদেঃ। দিপাৎ স্থাৎ
ব্যান্ত্রপাৎ। হস্তাদেক্ত। হস্তিপাদঃ।

- अश्याह मून्ह छेलमान त्थि हि जमार। नहस्तानि इहसानिः जमार। अख्यः लद्गा जकादास लाममा जनकादास लार मायस्वीरको नजू क्सारमः लद्गा। छेलमान जम्मा खारको क्सारम निरंदयः। यो लामा यगा म विलाद त्यास्त्वी कारमे वमा म माखली क्या मृत्यास्त्रीकि বজ্কবাং গৃঢ়পাৎ সর্পঃ। হস্তাদেশ্ত হতিন ইব পাদে ৰস্যাসে হস্তিপাদো-জনঃ। হত্যাদিশ্চ হত্তী সহামু , বৈ গণিকা কটোল কঞোন গণ্ডাল কুপুন দাস্য ইতি ক্টোগণ্টাঞ্চাঃ কঞোলো ধান্যাদ্যাধার বিশেষোভোল ইতি খাভঃ। গণ্ডোজা বাটুল ইতি খাতিঃ।

সংখ্যাত সুশ্চ উপমানক ওজন্মাৎ বিপাদিজাদি। বৌপাদাৰ্বস্য ৯ শোজনে পাদাৰস্য। ব্যাজ্ঞপাদাইৰ পাদা বহিন্যতি বাক্যং। হক্তাদেশ্ব হতিপাদঃ। হক্তাদি বঁথা। হক্তী কটোলঃ কংশুলো গংখালোঁ গণিকা মহামু। দাসী কুগ্ন ইতাহকী হক্তাদে পরিকীর্ত্তিডাঃ। ইহ মহৎ শব্দস্যাত্মপ্রমানকে পি পাঠাৎক্তি দক্ষপমানদি পাদস্য পাৎ তের গুড়ে পাদা বস্য গুড়পাৎ পাদসমানার্থ পাৎ শক্ষেনেতানঃ।

## **७३। कुछारम ती**शि।

কুন্তাদেঃ পরস্থাদ্য পাৎ ষ্ঠাৎ হে ঈপি পরে। [ পাৎপৎ পৌ] কুন্তপদী শতপদী। ঈপি কিং। কুন্তপাদঃ।

सैनीडि विषय मक्षमी उनाहः जियामनै। मार्थक्रांगः क्यारमः भवमा भाषमा भार मारक्षः क्यारमः भवमा भाषमा भार भाषमा क्या है जियामनै। मारक्षः क्यारमः क्याययः क

थर। वाजीशात कि श्रूत्सा धीशमना वा।

বাভীহারে যোহ জন্মানিঃ ভাৎ পুর্বনত চর্য ভাদা বা নত্ব চি। কেশেরু কেশের গৃহীত্বা যালুদ্ধং প্রবৃত্তং কেশাকেশি। দুটুওশ্চ দুটেওশ্চ প্রকৃত্য যালুদ্ধং প্রবৃত্তং দুওাদুপ্তি মুন্তীমুন্তি বাহাবাহবি বাহ্বাহবি। ত্বাচিতু অভাসি।

পরস্পর মেকজাতীয় ক্রিয়াকরণং বাডীহারঃ তক্ত্রেবা বছরী হি জন্য পর-भूमारे हिंह गार पहाँ कृटक भूर्यभागा आकांतह भरक मीर्घण्ड। बदर वाहा शहरी প্তত্ত স্বোর্লোপোভাবিত্যুকার্ম্য ওকারঃ অদ্যসীতি চৌক্তে পুর্বস্য জনঃ পরিছান্ধ ব্যাকারঃ অভিধানাৎ তত্ত্ত গৃহীত্বা ধ্তন প্রহান্ত যুদ্ধে ব্যতীহারে যো নহুত্রীহি স্তবৈবায়ং বিধিরিতি। তত্ত্র গৃহীছেতি কিং কায়ঞ্চ কায়ঞ্চ পৃহীত্বা युक्त निकारिन न नमानः। গৃহীত্বা প্রক্তেতি কিং রথেচ রথেচ স্থিতা যুক্তমি-कारिमो न नमानः। धुरक्ष किः हरखह हर्रेड गृहीदान्त्रशामिकारमो न नमानः। ব্যতীহারে কিং কেশেষু কেশেষু গৃহীত্বা যুদ্ধমিস্তাদে ন সমাসঃ। কিঞ কর্ণা-कर्ति अनुष्ठि इस निज्जः भन्न अग्रस्नुग्रा हेजि महानामे कि। वृक्षामनातानि पृष्णरण । आग्रांगं आंतिः। युवकानि र्यक्रणानिति जि जिल्हे । अक्रांग धन्ना অধিজ্ঞাং ধকু র্মনান অধিজ্ঞাধরা। অধিজ্ঞাধরা বিচচারদাব মিডি এছঃ। এবং পুল্পানস্থা ইত্যাদি। যতু ষতীঞার ইতি শ্বরমুক্তং তৎ সমান্দান্ত বিধেরনি-তাত জ্ঞাপনার্থং। তেন ধৃতধকুষ মহুবার তৃণবদিতাদি সিদ্ধং। প্রসন্থাং আকু নোজ্যু প্রশংগারাং। প্রকৃত্তে জাবুরী বস্য স প্রজ্ঞুঃ সংজ্ঞুঃ। উদ্ধাৰা। উদ্ধৃত্তুঃ উদ্ধৃত্বাসুঃ। অভুনাত্বাসিকাকা নসোনায়ি। ক্রেরিব নাসিকা বসাস ক্রেণসঃ। नव् था ७ छ । जूनी खू जून ना निकः । धूत बता छा १ मन् वा । धूत्र । धूत्र । चत्रनाक चत्रनमः। উरश्चीरमण्डा • जेवनः श्रनमः। श्र मरळार्यर निष्ठार्थरक्षमरः। বের্প্রঃ। বৈঃ, পরুয়া নালিকায়া এঃ স্যাধ্ত্রীছো। বিগতা, নালিকা যদ্য দ বিএঃ। বন্ধনি সংখ্যাসুজ্ঞাং দস্তদাদভৃঃ। ঋদিত্তারুণীপৌ। ছৌদন্তৌ ৰস্য স विवय विवेटको खित्रार विषठी। ज्वेम स्वटको ज्वे । वस्ति कि र विषक्षः করী সুদত্তো নটঃ। জঁথান্তিদে র্বা। পূপণেবাগাবরদীতি নায়াতি। জঁথান্তা দিভাঃ পরসা দন্তসা দত্ঃ সাাধা। কুশাগ্রদমূকুশাগ্রদন্তঃ। দ্বগ্রানার কুশাগ্র कूछे। नाश अब अब वृत बदार कि मूर्विक अप भिषेत्र गर्मिक नेमाः। अबीठ পিবজা এবং খাদত মোদতেজাদি। অগীতপিবতীয়ন্তীতি ভট্টিং। অতএব কিব্যালাভন্ত ভাদান্তেদ সমাস্থ লাদিতি কেচিং। এবং অভি জীবং যস্যাঃ সা অভিজীৱা গৌঃ নাভি দোবো ফল্যাঃ না নাভি দোবা ইক্সাদো জাদ্যন্ত প্রক্রিপ্রকাতসংখ্যাত নাভীক্তবারাভ্যাং সমাসঃ

ঁ পরস্পরং প্রহরণাদিরপ ক্রিয়াকরণং বাতীহারস্তব্দিশ্। ত্রীপ্তান্তরোরি-আদিনা বত্র হতত্ত্ববায়ং বিধিঃ। দথাদুঙীআদি। চিত্তাব্যাৎ জের্লুক্। মুক্তা-মুক্টাতি। পরেতু পূর্ববিদাবং নেছন্তি। ভেষাং মতেতু মুক্টীমুক্টাজ্যেব। বিদশ্তা मग्रः ' विमक्षानग्रणां विभाषारख। को मक्षा वनगर 'कियातार विमक्षि প্রহরতি। দিদভাদি র্যথা। দিদভি উভয়াপাণি দিমুষলোকপদাপি। উভা-ह्लाजमा हिं छेजाभागू जमाञ्चनि । छेजान र्वा जमान वि छेजमान लूग्ला श्वनि । সংহত পুচ্ছু।ভাদন্তি নিকুচা কর্ণি ইতাপি। উভাবাহূভয়াবাহ প্রোষ্ঠপদাত্র मग्रडः। चत्तां चय्र मञ्जाधारं यात्राशिक्षे चयात्राति हे चार्या छ उत्र भन्द्रमा ভয়াদেশঃ। উভাবান্থ উভয়াবান্থ ইতাত্র চে লুক্ নিপাতনাং। কর্ণো নিকুচ্চ ধাবতি প্রোষ্টস্য গোঃ পদং সৃহীতা ধাবতি ইত্যর্পে নিকুচাকর্নি প্রোষ্টপদি ইতি त्य कि र्गनभाष्टीय कियाविष्णंगनायमवान्त्रियानाय विषया भागा इंड्यादमी न नगर। धनूरवाद् धारवाराज् नाम्नि,। धनूरवा श्वु धावः नगरकः मृश्कार्वास्त वा। গাঞ্চীবং ধমু ৰ্যন্য গাঞ্চীবধন্ব। গৃহীত ধন্ধা ইত্যাদি। প্ৰায় ইতি কিং। ধৃত ধমুক मकात देखि। अप्राथमा भूष्मध्यः कमर्भः। गर्थाच्छाम्रामाख्रुर्वाष्ट्रकृति। गर-প্রাভ্যাং জাসুনোজুঃ ন্যাৎ হে উদ্ধৃতি বান সংহতং জাসু বন্য সংজুঃ। প্রগতং कारु यमा अब्रुः। উर्द्धाः कारु यमा छर्द्धाः छर्द्धाः छर्द्धाः मुमःशाङ्गाः वद्रमि मान्य संदेश। (भाष्ट्रना मण्डा खना मृषम् वाष्ट्रभमम् कूमातः विषम् वरमः । वस्रि কিং। বিদত্তো গব্দঃ। জিয়াং নামি। জিয়াঃ আন্যদার্থভূতায়াং দস্তয়া দক্ত मार (ह मः आवार भगमानावार। भूषठी कानपडी। नावि किः। भूपछ।। जशासमावानिकार वा। जशासारमावादमक भवता मस्त्रा मक् मार रह वा। कुन कूष्रानाश्चवसंख। यता क्षेत्रनाश्चनस् कुन्मकूष्रानाश्चनखः । भागविष्य भागकः षञ्जः। "শ্যাৰাতকাক বরাহাহি বৃষ মুখিক গর্জভাঃ"। শিধরঃ শুদ্ধ শুজৌচ. भगावारमो नृभकीर्खिजाः। क्कूमगाः क्कूमबृष्टाग्राः रेगरमञ्जू (अः। अवश्रामारः **र्गमानाबार करूपमा करूर मार (रु। (खन्ड टेमरन) अव्याउर करूपमम**क

ইভি বছবীহিসমাদঃ সুমাপ্তঃ।

## কর্মধারর সমাসঃ।

পরম শ্চাস। বাআ চেতি পরমাআ। সংশ্চাসো চিচ্চাস। বানন্দ শ্চেতি সঁচিদানন্দঃ।

मि विष्णियं विष्णिया विष्णिया विष्णिया विश्व कि विश्व विश्व

हेडानीः यमाह। প्रश्निक्तिः हेडामि। यावर याखः। हेडाभावः सूर्त्व यर याखः निर्द्धिः इद्यावर मार खिडिम्मावाः शृर्वः शृर्विनिभाजः। विष्मव-गानाः विष्मदेगाः। विष्मयगानाः विष्मदेगाः मह यः मार। अकार्यानाः पानाः स्था य मः छैं। हेट्युक्तः उत्व अकार्यजा क'मामानाधिकत्रगाः उक्त छित्र ध्यवृक्ति निमि-खानारमक स्त्रावर्ष वृक्तिः "मारु विष्मयग विष्मयाक्रभागाय खवछि। उत्व यर-मामानाम्भाद्यग श्रव्यक्तमस्य श्रकात्रक्ष श्रकात्राख्यात् । अन्तर्भाद्यु-द्व वावस्त्राभवि उत्यक्तिकः विष्मयगः अवः वाद्यमाः उत्तिष्माः। अन्तर्भाद्यु- জ্ঞাদি। পরম শব্দস্যাৎকর্যার্থস্য জীবাত্মউঃ পরমাত্ম ব্যাবর্ত্তকত্বাদ্বিশেষ্ণছং। আল্পনো ভেদাখাদ্বিশেষাত্বং এবং নীলোৎপলং পুত্রবংগৃহী পাচক পুরুষ ই-छामि । यमालि नीनामितर উरलनामीना यलि इंडत्रगावर्श्वकष्ट उथालि नीना माश्चम्रत्वतार्भ्यनामीनार धाक्षनावित्नग्रवर नीनामीनामूर्थनामाश्चिउ-ष्ट्रना आधाना दिल्मयन दृश । अछ बय नीला मीना मूर्ण लामाधीन दां छ छ जिल्ला नि नषः। कूळकूर्धः कूर्धकूळाः विष्णिकेलपूरः পर्वे विष्णके हेळारमी बरशार्वित्वयन-(ख्लि विस्मिव विस्मिव) छावमा कामहावासकमा विस्मिवाद्द कल्मा छ अछिधा-নাদ্যকঃ কচিল্লিভাঃ কচিল্ল স্যাৎ কচিদ্বিকণ্পঃ। ষথা কৃষ্ণসূপঃ লোহিভশানিঃ রামো জামদগ্ন্যঃ অজুনিঃ কার্ত্তবীর্যাঃ নীলোৎপলং নীলমুৎপলমিতাদি। বিশে ধণদা ইতরব্যাবর্ত্তকভ্তেন বিশেন্ত্রাণৈবসহ ষঃ। তেন বৃক্ষঃ শিংশপ্রা.লোহিড তক্ষকঃ ইতাদে। ন স্যাৎ। আযুক্ষঃ শিংশপাবৃক্ষঃ ইতাদে। আযুদিনিং যদা विष्मय वृक्षिनीवधार्यप्रदेख उदेवव कनवृक्तरम्भा वर्ज्जभानदार मामानामकारत्रन श्रवृक्त জ্বেন বিশেষণত্বাৎ স ইতি কৃশ্চিৎ ধীস এবেক্তান্যঃ। বহুনাৎ দানামপি ষসং কুর্বন নাহ সংশ্চাসে ইত্যাদি। অন্যেতু বহু নাং দানা গুছানাসং ন কুর্বস্থি। মহচ্চত-क्रीमथ्डब्र ९ ९ म एक्षेडि । अधिहारिमो श्रामारमी 'के नाकारहि बारकारनी क्रीब-মিত্যাদৌ মহরীলোৎপর্বং পঁট্রিস্থামকন্যকা রাজগোক্ষীরমিত্যাদিওারোগা-পতেঃ। সে দর্কান্তদলৈয়ৰ প্রদত্ত্বেন ভদ্য পুস্তদ্ভাবাকারাভাব প্রদক্ষাৎ য গর্ত্ত यत्नार्श महानीत्नार्शनर अपूर्णामकनाका वीवनर्द्धवीत्व ब्राञ्जनती कीव्रमिष्ठि তু স্যাদের। বহুনাং দানাং হসৌ স্বীক্ত্যাপি। রাজ্ঞোগৌল্চ অস্বল্চ পুরুষল্চেতি পঞ্জুজবন্তে। ব্রাহ্মণা অস্যেত্যাদে ব্রাহ্মগরাম্ব পুরুষাঃ পঞ্জুজব্রাদাণ ইত্যাদি ন স্যাদনভিধানাদিত্যাহঃ ৷ গ্রন্থকুলতেতু । মহন্নালোৎপলং ইত্যাদি রূপা-ভাবনিস্তয়শ্চেদন্তি ভদা রাজ্ঞো গৰাশ্ব পুরুষা ইত্যাদিবস্তাদৃশ প্রয়োগাভাবো-হনভিধানাদিতিপ্রত্যাখ্যাতং। তথাচ কালাঃ পুরিমানেনেতি পাণিনীরস্থত্তে কাৰা ইতি ক্ৰনিৰ্দ্দেশাল্ৰিদোপাধং সন্তেন ধে অহনীঞ্চাতে অসোতি বিগ্ৰহে ছাফ্লাত ইত্যাদি ন্যাসকৃতোক্তমিতি। অভিধানাথ কচিদন্যত্রাপি। একা-भीनार यह। अकानीनार ग्रामारखन मह यह गार। अकांगरंगे भाषाराज अब्ह णाति अकारमः शूर्विनिभाउः अवः मर्व दिमाः अकार्यामि र्यथा। अक मर्व अतः পूर्व ममान नव मधामाः। अध्यना छत्रामी वीत भूतांग शत (कवनाः। मधा अध्यम अकामातिङ् शक्ष्मण माजाः। भागानाभाष्मरनांशासुदार कार्यालगार्थ श्रुदांग

भक्तमा भ-अहन । বিশেষণ বিশেষাত্বাদেন দিছে এক পশুতঃ দর্বে গুক্লঃ জরৎ পাচক ইত্যাদৌ পূর্ববিপাতার্থোয়মাপ্তঃ। পূর্বকালীয়। পূর্বকাল कियाविकिश श्रदकान कियाविका गर यह गारि। आदमीबाउ श्राम्य-লিপ্তঃ স্নাতশ্চাবাৰ সুলিপ্তংশত স্নাতা সুলিপ্তঃ লূনপ্রকৃতঃ লিপ্তবাসিতঃ বঁদ্ধ-छाड़िङः आर्थिक छोक्किकः देवमिथ शूर्विनिथा छोर्थः। पिक्मः बाद्या नामि। দিগ্রাচিনঃ সংখ্যাবাটিনশ্চ সাাদ্যভেল বৃঃ স্যাৎ লাগ্নি গম্যমালে। পুর্ববা চাসে इ सूकां मणभी दृष्टि शृर्व्व सूकां मणभी हु विष्णाः शक्षामुाः मधर्मग्रः अत म अव সঞ্জ্যাপ্রতীতেঃ বাক্যাভাবেপি বাল বোধনার্থ দর্থকথনং। নামি কিং উল্করা वृक्षाः अपि वाक्षाः। विरम्यनदारमव निरम्न नियमार्थ मिष्ट्। उनानामि न मां १। श्रेष्णूदानानाः प्रमामिकः श्रिश्तक्षशिक्षा हेजामरमा रुगानव हेजारना শিক্টপ্রয়োগ দর্শনাৎ উৎদর্গত্বেন কচিদ নামাপ্রিভানাঃ। চতুর্দ্দিগীশানবমন্য মানী বিচফ্রজান মিড্যাকোতু চতত্ত্ণাং দিশাং সমাহারণচ পুর্দিক্ বয়োশচফ্রেয়োঃ সমাহারঃ দিচন্দ্র মিতি গদাং। পুর্বাস্ বর্ষাস্ ভবঃ পৌর্বার্ষিকঃ ইতাত্রতু कागवाहि शूर्व्य गम्देगाका पिषा १ महा । कडत कडम त्यां आं डिश्राम कडतकडम स्मा র্জাতিপ্রসারব যঃ স্যাৎ। কতর্কটঃ কত্মকটঃ। জাতিপ্রমে কিং কতরঃ शाहिकः। किमः क्लाली क्लाली निका उनाद शमामानामा किमा वः ना १। কিং রাজা যোল রক্ষক্তি প্রজাঃ কিং গৌঃ যোল বছতি ভারং। কেপে কিং কো রাজা পাটলিপুতে প্রশে হত কিং শকঃ। নিন্দানাং নিন্দে। নিন্দা तियवांगां निकाकत्रते मह यह मार। रेत्यांकव्रणणांकी चस्र्हिएणा रेत्यां-করণধন্মতিঃ নিষ্পুতিভ ইতার্থঃ পু নাজিক কিতবঃ প্রযাক্ষাবান্ধনাঃ ভূষণপরা ইতার্থঃ। তার্কিক তুর্ত্ত ক্রড়ঃ নাস্তিক ইতার্থঃ নিন্দ্যানাং কিং বৈয়াকরণল্চৌরঃ নছত্র বৈশ্লকরণত্বং নিন্দাতে কিন্ত চৌরত্বং। নিন্দনৈঃ কিং কুৎসিতো শিপ্রঃ विद्रभ्यक्ता भूर्विमिलाखीर्थः इसर्व পাপানকয়ে। নি কৈয়ঃ। নিন্দাবিষয়ৈঃ সহ পাপানকলো ৰঃ সাং। পাপনাপিতঃ অনকনাপিতঃ ইহ পাপানক শংখী अबुका शति आन निकारिकतो निकामा शूर्वनिशास्त शत निशास्त्र मिन्। উপনানস্সামান্ বাচিনা। উপনীয়তে যেন তঁহুপুনানং সাদৃভেন স ভিন भनार्थ शिविहासकः देखाँथ । जिलमारना श्रम्य स्मारत नाथावरनाधर्मा । नामानाः उनाहिन। तर उलमानवाहित्न। यह नगर। भाजीव स्थामा भाजीभगमा (नवनस) इश्तरभानी भागि मामानायाहिना किंश शक्ताहैय वनाहकाः। उलमानदमाजः

কিং। দেবদক্তাইবভাদা কশ্চিৎ ভামত্বং গুণমুপাদার শস্ত্রীশব্দো দেবদক্তারাৎ বৰ্ত্ততে অভঃ সামানাধিকরণা মিতাাহ তন্মতে শস্ত্রীচাসে ভামাচেতিবাকাং। বচুন সামর্থা হৈরধিকরণোপি যুস ইতানাঃ। এবং পর্ত্রাপি। উপমেয়স্যঃ वांखिरिगः गौगाना अत्यादन छेंशरमयवाहित्ना वांखिरिगः मरु, यह मार मामा-নাস্যাপ্রয়োগেস্তি। পুরুষোহয়ং ব্যাক্তইব পুরুষব্যাত্রঃ। ব্যাক্তাদির্ঘথা। ব্যাক্ত পুत्रव भाष्मृ न निःह कर्श वदर्यखाः। वदारु महियाकर्य शचा कूळाद रखिनः। क्मनः পল্লবং নাগঃ কেশরী বৃষভো হরিঃ। বৃষশ্চন্দ্রঃ কিশলয়ং কড়ারোহন্যে প্রয়ো-গভঃ। সামান্যা প্রয়োগে কিং পুরুষোব্যাক্ত ইব শূরঃ শূরত্বমিহ উপমেল্লোপ-মানয়োঃ পুরুষব্যান্তব্যাঃ সাধারণোধর্মঃ। শ্রোগাদেঃ কৃতাদিনাচ্যুর্বে। শ্রেণ্যা-দেঃ ক্তাদিনা সহ ষঃ স্যাৎ জাভূত ভদ্তাবে। অত্থেশয়ং খেণয়ঃ কৃতাঃ প্রেণী-ক্তাঃ। শ্রেণ্যাদির্যথা। শ্রেণিঃ কুঁকু ম মুদকং পুগঃ কুশলং নিধনং কুসুমং কুটঃ। ইন্দ্রঃ কুঞ্জিম পঞ্জিত মুগুং নিচয়ো নিপুণো দেববিশিষ্টং৷ আমণশ্চপলোরাশি দূ শদো ধাপিকঃ পটুঃ। ব্রাহ্মণঃ ক্ষত্রিয়োভূতো বদানাঃ কৃপণো মৃদ্ধঃ। কুকুম বিশিষ্টয়োঃ স্থানে পদার্থবিষয় শব্দে পঠতুদ্যঃ। ক্তাদি র্থা। কৃতভূত সমা জ্ঞাত সস্তাৰিত নিরাক্তাঃ। গত উচ্চ সম্ভাত সমাধ্যত বিকশ্পিত্াঃ। মতা বধারিতা খ্যাত মুক্তস্নাত বুডানিচ'। কলিতোপক্তা জ্ঞাতাব্ধারিত মুপাকৃডঃ। একবিংশতিরত্রোক্তাঃ পেষং জ্ঞেরং প্রয়োগতঃ। শ্রেণীভূতঃ পুনীভূত ইত্যাদৌ তু শ্রেণ্যাদিরাৎ সং। চ্যুর্থে কিং শ্রেণয়ঃ কৃতাঃ। অন্ঞ্রুসা নঞ্জেন। অনঞ্জান্তনা নঞ্জান্তেন সহ যঃ সাং। কৃতঞ্চ তদক্তঞ্চেতি কৃতাকৃতং कुछ ভাগদ सन्नार कुछ र अकु छ छा गम सन्नार अकु छ र अवस्व व धर्मा ममू पाम मा छ था বাপদেশাং। এবং ক্লিফীক্লিউং ভুজাভুজনিত্যাদি। কুতাদেরপ্রতাদিনা। ক্তাদৈরপক্তাদিনা সহ যঃ স্যাৎ। কৃতঞ্চ তৎ অপকৃতঞ্চেত্ত অস্পৃত্তং কৃতাপ कुउ९ अভिनजान जिमाज जागरमाः कर्तनार जरूक जमजार्हिजवार विजक्तका শোভনত্বাৎ ভক্তবিভক্তং কিয়দাতং কিয়ৎ প্রভ্যাগতং যদা তু পুর্বেগতং পশ্চাৎ প্রত্যাগতমিতি বাক্যং তদু। পূর্বকালস্যেতি সং। ক্রয়ন্চাসৌ ক্রুদ্ধিকাচেতি क्षक्रकशिका मनीवानिषा इर्धः। क्षश्रावर्श्वतषा क्षश्र क्षश्रिकाव स्वत्रकाव क्षिका ইতি অবয়ব ধর্মেণ সমুদায়দা তথা বাপদেশাদভেদঃ। এবং পুটাপুটিকা ফলা-ফলিকা। মালা মালিকা ইতি। সঁদাদি পুজামানুরোঃ পুজামান নাগাদিভাং। मनारमः शृक्षामानवाहिना शृक्षामानवाहित्ना नानानिना मह वह मार। मः ना

সৌ পুরুষদেটতি সংপুরুষঃ। সদাদি বিথা। সন্মহৎ প্রমোৎকৃট্টোভুমাঃ পঞ সদাদয়ঃ। পুজামানেন কিং সন্ভূতাঃ বিদামান ইতার্বঃ। উৎকৃষ্টাগোঃ পক্ষা-ছফুড ইতার্থঃ। নিতা সাপেকে সভাবস্থাপনীয় এব। গৌশ্চাসে নাগশ্চেতি গোনাগঃ। নাগাদি র্থা। নাগো বৃন্দারকলৈত্ব কুঞ্বরাছক্র জ্বোমতাঃ। वाधामिक (पंरति का गामान) श्राद्यारम् शि वनविधानार्थ मिष्रः। एक नाम-ৰুন্দারকঃ স্থারা নরস্থারকো বুষঃ। পুর্তামানস্যেতি কিং। মৈত্রো নাগঃ মুর্খ-ত্বাৰ। ক্লাতেঃ পোটাদি প্রশংসার্থাভ্যাহ। জ্ঞাতিবাচিনঃ পোটাদিনা প্রশংসা বর্চনা চ নহ ঘঃ সাাং। ইভাকেরেণুঃ পোটা গ্রীপুৎসলকণা ইভাাচাসে পোটা চেতি ইভা পোটা গোবেহৎ। পোটাদি র্যপা। পোটাবেহৎ বশা গুর্ত্ত স্তোক শ্রোক্রিয় ধেন্তঃ। প্রবক্তা যুবতি সৃষ্টি স্থাবক্ষয়নীত্যপি। অধ্যাপকঃ ক্রতিপয়ো দশত্রিভিরিহেরিডাঃ। বকইব বকঃ পুরুষঃ সচাসৌ ধূর্ত্তগেতি বক-পুর্ত্তঃ ইতাত্রনিম্যানাং নিন্দনৈ ব্রিডানেনৈন সিদ্ধে কঠপূর্ত্তঃ ইত্যাদৌ জনি-ন্দার্থং বচনং পুর্ত্তক ঠঃ অসময়তি কুমুদলান্তিং পূর্ত্তবকোছি মৎদ্যানামিত্যাদয়ো হসাধব ইত্তানো উৎসর্গত্বাৎ বিশেষণ বিশেষ্যত্তেনৈর সাধুত্বমিতাপরঃ। অত্ত ध्यभः मार्थ भाष्यन क्रिनिमानार में उल्लिकामीनार अवधर्गर। की कार्मा मठ-लिकारिंड वर्षाम्छलिका विभिष्ठिका। व्यवस्थित विद्यालयः विश्वजल्यः। ষুনঃ পলিতাদিনা । যুবন্ধশক্ষা প্ৰিতাদিনা সহ বঃ স্যাৎ। যুবাচাদৌ পৰিত-শ্চেত্রি যুবপলিতঃ। পলিতাদৌতু পলিতঃ খলিতো বলিনো অভ্নন্। প্রায়ে। नामश्रह्त निक्रविनिक्छेमाि श्रह्मः एवन युर्छीहारमी शनिखारहि युरशिवछा भूर कारजीर्ड। ना जूनार्थरयात्रकाता। नामरञ्जकातानार जूनार्थानाक्ष জাতিভিন্ন বাচিভিঃ সহ যঃ স্যাৎ। ভোজ্যোকং পানীয়শীতং শীতপানীয়োম-পানীরাক্তরাহসাধবঃ ইত্যানো। শীতগুণযুক্তং পানীয় মিত্যাদি বাকেই শাক भार्थियां विद्यार निक्रमिकानाः। जूनात्युवः नर्कत्युवः जूना महान् मन्या महान् ইত্যাদে তু সদাদিত্বাৎ প্রাপ্তিনাহনের বাধ্যতে পরত্বাৎ তস্য তুমহাপুরুষ इंडारमी विषयः। अवांका किर (कांका अमनः। वर्गनार वर्रेनः। वर्गनार चर्न्द्वाहि छि । मह यह गारि । क्ष्मतात्रक क्षमतनह नात्रक्रमतन नास्त्री सूरावृष्ठा। সমুদায়বৃত্তী অবয়ব প্রসিক্ষেঃ সমুদায় সিচ্ছে বঁলীয়সীতি ন্যায়াৎ কৃষণকোহি कृष्णावश्रवमञ्चलार मञ्जलारम वर्खटङ है जि लीन मामानाधिकत्रनगर भूटर्यन। প্রাপ্তে হলেন বে বিধীয়তে। তত্র গৌণছাবিশেষণত্বেন কৃষ্ণশন্ধবৈত্বৰ পূর্বন নিপতিঃ বত্তত্ত অবয়বসম্বন্ধাৎ ধাবেব সমুদায়বৃত্তী ভত্ত কামচারাৎ প্রাঞ্চাবঃ ৰণা কৃষ্ণজ্ঞঃ শুক্রকৃষ্ণ ইতি। কুদার্যাঃ আমণাদিনা। কুমারীশন্স্যা আমণাদিনা नई यह ना। १। कूमात्री हारनी व्यमना रहिं कूमाती व्यमना । व्यमरधार्मना मिषा-দনঃ। আমণাদিস্ত। আমণাতাপদীদাদী বন্ধকী কুল্টেতাপি। তথা অব্ৰক্ষিতা গর্ত্তিগাত্র সপ্ত প্রকীর্ত্তিভাঃ। কুমারসাচ মুদাদিনা। কুমারশব্দসা কুমারীশব্দসা চ ম্বাদিনা সহ যঃ স্যাৎ। কুমার চাসে মৃত্তেতি কুমার হৃতঃ কুমারীচাসো मृंशीरकि कूमावस्वी। म्दानि रथा। मृद्रलि प्रशिक कलना निश्रुनः कूमना-धार्भकं में भारिक क्रिक्ष । मृद्यामी मां क्रिकारी मां माना शिक र त्या औष स्मर्व विस्थान द्वार। ठलूळामार गिर्जिना। ठलूळामार खांकितां हिमार गेर्जिना। मह यह मारि। গোগর্ত্তিণী। অঞ্চগর্ত্তিণী চতুস্পদাং কিং ব্রাহ্মণীগর্ত্তিণী শরভীগর্ভিণী। ময়-द्वेदाः भक्षामाहि । भग्नृतवांः भक्षांमाहि भक्षाः यमः क्रकाः निशाखारख । वा श्ममंखि ছলম্বতি ব্যংসকো ধুইঃ। বিপূর্ববিদং স পো ব্ৰুঃ। সমূরশচাসে ব্যংসকথেচতি मंग्रुतं १ श्रकः इतं छ । त्र १ राज्य विश्व कार्या व्यक्त कार्या व्यक्त है। विश्व विष्य विश्व विष বৰ্ত্তমালা এহীহাৰ্দ্যাঃ ময়ূৰবাঁৎ সকাদিত্বাৎ এসে নিপাত্যন্তে। এটি ইহ যত্ৰ कर्मानिवर्द्धां करीहर बर्द्धां कि विविद्यानिक ये कर्मानि जर कि विविद्यानिक জ্যে ইতি যস্যাং ক্রিয়ায়াং সা এছিবাণিজ্ঞা এছিবাগত মিতি বস্যাং ক্রিয়ায়াং সা এহি স্বাগতা। প্রোহকটমিতি যস্যাং ক্রিয়ায়াই সাংগ্রোহকটা প্রোহকর্দ্দা আহরবসনা আহরচেলা আহরবিত লা উদ্ধরচুড়া কৃষ্ণিবিচকণা ভিক্লিববণ মিজুচ্চাতে যস্যাৎ ক্রিয়ায়াং সা ভিন্দিল্বণা পচলবণা উদ্ধর উৎস্থান্তে যস্যাং ক্রিয়ায়াং সা উদ্ধরোৎসূজা উদ্ধাবিধমা উৎপত্নিপতা অপেহি প্রঘদা উদক্ষ व्यवाकृत केलावन्द केलिक नीरेन्फ केलनीन्द ब्यान्डिक केलिन्डक बारनालन्द আচিতঞ্চ পরাচিতঞ্চ আচপরাচং নিশ্চিতঞ্চ প্রচিতঞ্চ নিশ্চঞচং শান্তি কিঞ্জি मगा अकिथनः न किथनः श्रीदाश्चितकः जुक्ता मृहिउकः (প্রায়া পাপীয়ान ইह-পঞ্জমী ইহ্দিতীয়া স্বাত্মকালকঃ উৎপত্য লাক্ষণিকজাতা নিপতা ব্যোহণী লাতি বিষয় খাদাজাতা ইড়াদি উদ্ধরোৎস্থাজভাদীনাং ড্যাদিতাদিনা ক্রিয়াসা ততা ইত্যাদিনা সিচ্ছে হ্যাতত্যার্থে। গণেপাঠঃ। পীত্বাস্থিরক ইত্যাদেশিয়ে সভ্যেক দত্বাৎ পীত্বা স্থিরকস্য ইদং ইভ্যার্থে ফে পৈত্বাস্থিরকং ভৌজ্ঞাসুট্টিকং প্রোধাপাপায়সং ইত্যাদি নিজে আদাচোবিঃ। হাতং চেনাতীক্ষেত্র। হাতং एन मह आञी एका गमागारन मयुत्रकार भाषितार वरम निभाकारक विनवरमाध

৩০। কোঙাদিঃ পুষ দাকাতীয় দেশীয়ে তত্ত্ব বজাত্যাখাঃ।
কোঙ্ পুরণ্যাদিঃ পুষৎ স্থাৎ যাদৌ তত্ত্বোস্ত কাতিসংজ্ঞা বর্জং।
পাচকন্ত্রী পঞ্চমভার্যা।

কোন্ত আদি বঁসা র কোণ্ডাদিঃ। ষশ্চ আতীয়শ্চ দেশীয়শ্চেতি য আতীয় দেশীয়ং তিমান্। তশ্চ ত্বং তবং তিমান্। আতিশ্চ আথাচ আতাথো ন বিদ্যেতে জাতাথো বঁত্ৰ কোণ্ডাদো সেহজাতাখিঃ। পুৰ্ংজুজ পুংক ইতাদিনা উক্ত পুংক্ষসাতু কোণ্ডাদেঃ পুৰন্ধাবস্থানতে নাপ্তাককোণ্ডিতাাদিনা উক্ত পুংক্ষসাতু কোণ্ডাদেঃ পুৰন্ধাবস্থানতে নাপ্তাককোণ্ডিতাাদিনা নিষেধে কর্মধাবয়াদে পুনরনেন বিধিঃ ক্রিয়তে। তেনায়মর্থঃ। তাককোণ্ড পুরণ্যাখা যু মুক্তবিকারার্থ নিজ আতিখাক্ষেবন্তং পদং বছাক্ত পুংক্ষং ভবতি তদা একার্থে স্থাকিবে পরে কর্মধারয়ে পুর্ৎ স্যাৎ জাতীয় দেশীয় প্রত্যায়ে পার্যায় জাতিসংজ্ঞা বর্জ উক্ত পুংক্ষঃ কোণ্ডাদিঃ পুর্ৎ স্যাদিতি। জাতীয়প্রত্যয়েতু পুর্দ্ধাব,প্রস্কাভাবেপি কোণ্ডাদিঃ পুর্ৎ স্যাদিতি। জাতীয়প্রত্যয়েতু পুর্দ্ধাব,প্রস্কাভাবেপি কোণ্ডাদিঃ পুর্ৎ স্যাদিতি। জাতীয়প্রত্যয়েতু পুর্দ্ধাব,প্রস্কাভাবেপি কোণ্ডাদিঃ পুর্ৎ স্যাদিতি। কাতীয়প্রত্যয়েতু পুর্দ্ধাব,প্রস্কাভাব্যা এবং পাচকভাব্যা প্রস্কাভাব্যা দিন্তার্যা বৈথিলভাব্যা বাক্ষণভাব্যা স্কেশভাব্যা বসিক দেশীয়া পুরিক্তা বিধিলজাতীয়া ব্যাক্ষণভাব্যা স্কেশভাব্যা ক্রিজাভীয়া বিধিলজাতীয়া ব্যাক্ষণভাতীয়া স্কেশভাতীয়া কোণ্ডাদিতিস্ক্র স্থিক ক্রাভাব্যা ক্রিক্তাগানিহে পুন্ত স্থা স্থাক পুংকঃ কিং গলিকাভাব্যা গ্রিক্ষাজাতীয়া বিজিকতাগিলিং পুন্ত স্থাব্য ইতি কিং ব্রাক্ষণীত্ব দিন্তার্যা গ্রিক্ষাভাব্য হিতি কিং ব্রাক্ষণীত্ব দিন্তার্য গ্রিক্ষাভাব্য হিতি কিং ব্রাক্ষণীত্ব দিন্তার্য স্কিক্তাগিলিং দিন্তার্যা ব্যাক্ষাত্যাথা ইতি কিং ব্রাক্ষণীত্ব দিন্তার্য ক্রিক্তাগিলং।

কেচিজু কোঙাদি শব্দেশার যেষাং পুস্ত্রাবৈ নিষিদ্ধ স্তেগ্ছন্ত। তেন পূরगাদেঃ পূর্বস্থিত পুস্ত্রাব্যোলা শব্দাঃ। পূর্ণীত্যাদিনা নিষেধ্ছেপি কর্মধারয়ে পুস্ত সুতঃ। বথা কল্যাণ পঞ্চমী মহানব্মী কল্যাণিপ্রিয়া
কল্যাণ্মনোজ্ঞী ইত্যাদি ইত্যান্তঃ।

কোঙ্চ পুরণীচ তে আদী যসাসঃ। যশ্চ জাতীয়শ্চ দেশীয়শ্চতভাষিত্র তশ্চ অশ্চ তক্তমিন্ জাতিশ্চ আখ্যাচ তে নতো বত্র সঃ। কৈন্তুপুরণ্যাদি রি-ভ্যাদি। কোভাদয়ো নোপ্তাক কোও ইভ্যাদি সুদ্রে যে পঠিভাঃ পুরণ্যাদয়ঃ পুরণী প্রিয়েভ্যাদি সুত্তে যে পৃষ্টিভা তে পুদ্ধৎ স্থাঃ র্যে আভীয়েদশীয়েচ পরে। পাচৰস্ত্ৰীতি পাচিৰাচামে স্ত্ৰীচেতি ইতি বাৰুণ্ এবং বসিৰভাৰ্য্যা ইত্যাদি পঞ্চমীচামো ভার্যাচেতি বাক্তং এবং দক্তভার্য্যা মৈপিলভার্য্যা সুখেশভার্য্যা महाकिमी महानवभी मुन्दा अद्या कन्मानमत्ना छ। हेजानि। देवबाकद्रवर्णां সৌरचंडार्या कार्यायंकछ। रिममूक्तिका उंच्यानानिनीज्यापि जू निरयधांकातांद পুর্বেণিৰ সিন্ধং। নোপ্তা ক্রোড্ ইত্যাদিনা বেষাং নিষেধঃ প্রাপ্ততেষামেবা-र्यम श्रुष्ठ एवन मक्तिका दुनि विका क्षिणी क्षिणा हे जारको न गाए। आठीरब शृर्खन। थारश्रमणीरम (कांडामिचामथारश्र विधि यंथा তार्किककाजीमः कात्रक আভীয়ঃ তার্কিকদেশীয়া ইত্যাদি অজাত্যাখ্য ইত্যস্য বিশেষণত্বাৎ গুণবচুন-বৈদ্যৰ ভৰ্মনাঃ পুশ্বৎ ভেদ পঢ়্যাভাবঃ পটুৱা পটুৱংশ্মূতা মৃদ্ধবং ইত্যাদি স্যাৎ নতু কঠাত্বং দস্তাত্বং পাচিকাত্বং ব্যক্তিচারিণীত্বং ইত্যাদে বৈতৃক্তিয়াপি-গুণঃ ইত্যান্থঃ ভন্মতে পাচকত্বং ব্যক্তিচারিত্বমিতি ভন্নীত্ব মিত্যাদে তু নোপ্তা ককোড় ইত্যাদিনা নিষেধঃ উবিভানেন যন্তাৎ উপ্সম্ভবস্তবৈদ্যৰ এছণং। কোড় भूतनामि किर बक्ताकृताना। यात्मी किर त्रिमिका छार्याः भक्षमीयराज आसानर পাচিকাং মন্যতে পাচিকামানিনী দ্বাপশা পাচিকাকপণা হৈমীরপ্যা ব্রাহ্মণী-দেখা সুকেশী কম্পেত্যাদি।

৩৪। দ্বিত্রাফীধিকা দ্বা ত্রেরো ২ফী স্ত্রিদশাদো হন্তাবট্কে স্থন-শীতৌবা।

थवारमण्ड क्रमां स्मानिकित्क हज्ञातिः भनित यहेत्क श्नीिख वर्ज जूता। श्राधिका मन बागन क्रायामन अधीनन खाहजातिः न ६ चिहजुर्तिः न । जनीिखो किः। जानीिखः।

ৰিচ ত্ৰিষ্ট অফীচ ৰিত্ৰাফীনঃ দ্বিত্ৰাফীভিঃ সহিতা অধিকাঃ দ্বিত্ৰাফীৰিকাঃ শাৰুপার্থিবাদিছাৎ সহিত পদ্যা লোপঃ धन्दाৎ পর্য্যাধিকশক্ষ্যা প্রত্যে-কেন সম্বন্ধাৎ বাধিক ত্ৰাধিক অন্তাধিকা ইত্যৰ্থঃ। বাশ্চ ত্ৰয়সূচ অন্তাশ্চ বা क्रायाकीः। मण जातमा (वर्षाः एक मणामाः क्रियांनाः मणामानाः সমাहातः ত্রিদশাদ্দ তিমান্। পাত্রাদিন্ধারেপ্,। ত্রিদশাদ্যে ইত্যেক বচনালিমিত্তে यथा मरथा छार्यः । यशार ममूद्रः यहेकर् । अञ्चाक छर यहेकरक्छि अञ्चायहेकर তিমান। পূর্বতো ৰ জাতীয় দেশীয়ানাং অসুবৃত্তাবপি ইছ ত্রিদশাদ্যে ইতি श्रत्विमिखना উ'एको आजीवारमत्रवृक्षाजारत (कत्रना व এवासूवर्ज्डरज। "राजन षाधिक वाधिक असीधिकानाः श्रांत्न क्रमान् वा त्राम् असी हेटलाट आरम्भाः मूं। मण्या विश्म जिल्म जिल्म हिल्म हिलम हिल्म हि পঞাশৎ ষষ্টি সপ্ততি -নবভীতি পঞ্চমু পরেষুঁবা স্থারিতার্থঃ। ষধা ঘাধিকাক্ত তে . मण टि वामण तार्यामण अधीमण अवश्व वाविश्मेष्ठिः तार्याविश्मिष्ठिः असीविः गि त्रि त्रि त्रिक्ष असीतिः गर। असी वहेत्क प्रविकाति । तिश्म टक्कृ खि चाठवातिश्मर। अद्भ माक शार्थिता मिवार अधिक अमना तारश विठ्यातिश्मर भाके शार्थिवानि र्यशे। भाके श्रेथान भागि शार्थिव एक जिन् পার্থিবঃ। অত্র প্রধানশব্দস্য লোপঃ শাকঃ শক্তিঃ। এবং দ্বামিশ্রিত ওদনঃ দংখ্যাদন ইত্যাদি এবং দাপঞাশং দিপঞাশং দাবস্তঃ দিবস্তঃ দাসপ্লতঃ দিস श्विष्ठ बानविक बिनविक देखानि । अनमीरक किः बामीकि क्रामीकि अके। भौजिः। कर्म्मधात्रदत्र किश् षाधिका मण'यत् म षाधिकम्भ हेजाएमी न मारि।

(क्षेठ त्रंयण अक्षोठ (छ। मण आमा) (वर्याः (छ मणामा)ः त्र्यां गानाः मानाः त्र्यां प्रकार अक्षित्र व्यानाः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः व्यानः

०६। देवदकानदेशकाटेमुकाटमा मःशापाराः।

একাদু বিংশক্তিঃ একান্নবিংশক্তিঃ একোনবিংশক্তিঃ।

একোনসা স্থানে একা দুকালো স্যাভাং বাসংখ্যাবাচকে পরে কর্মধারয়ে।
একোনাচাসে বিংশভিদেভি একাদুবিংশভিরিভাদি। বাশস্বা, ব্যবস্থা
সংখ্যাশব্দেনেই বিংশভাদি রেবোচাভে। তেন একোনালভে দশচেভি
একোনদশ। কর্মধারয়ে কিং একোনাবিংশভি ইত্র স একোনবিংশভিঃ।

র্কাদৃশ্চ একাক্সণ্ট তেই। বা বন্ধ মধ্যবর্ত্তিত্বাৎ নিত্যেপ্রাইপ্র'বা গ্রহণং। পরে তু উনার্ধ নঞঃ প্রকৃতিবৎ ভাবং বিধায় একশব্দসাদনাগদং কুর্বস্তি। একাদু বিংশতিঃ একাক্সবিংশতিঃ। একোনবিংশতিস্ত উন্দর্কেকে।

ওঙ। সখাহে রাজ্ঞ सः यरেগ চ।

এভাঃ যঃ ক্তাৎ যে রে গে চ। প্রিয়স্থঃ পরমাহঃ মহারাজঃ।

সবিশ্চ অহন্ত রাজনু চেতি সখাহো রাজনু তথাং। প্রিরশানের সখা-চেতি প্রিরসর্থঃ জনেন বপ্রতায়ে যয়েলেপি ইতীকার লোপঃ। যিত্রাদীপি প্রিরস্থী। পরমাহ ইতি স্নোলেচিপৌতাবিতি ন লোপে যয়েলেপি ইতাকার লোপঃ। অহাস্তানাং পুংস্ক্র্নভিধানাং সহারাজ ইতাক্র মহত ত্রসা আকার ন-লোপাদি। এবং কৃষ্ণ্যা স্থা কৃষ্ণস্থঃ। ত্রয়াণাং স্থীনাং স্মাহারঃ ক্রিস্থাং।

वर्त्तरहिष्ठ वः क्रमश्रीशः हकात्रः वर्ता मंत्रिष्ठिताक्ष्ठः मनमसूकर्वजीष्ठाष्ठ आहे। वि य (१) (हिष्ठ सकात्ररमावर्षपार श्रद्ध (१) अखाः व देखार्थः (छन मिन्न् देखाएमी न सार। श्रित्रमय देखानि । श्रिक्षण्ठारमी मथारहिष्ठ श्रद्धमञ्च उपह-एक्टि सहारण्ठारमी ताखारहिष्ठ वाकार।

७१। गर्देन करमण मः था। ज मः था। ता। देन का देन दका ६ दका २ कः ।

अ अ । गर्देन करमण महन् है जास हारन २ कः स्वाप्य वारमी नरवकान ह

সর্বশ্চ একদেশত সংখ্যাতত সংখ্যাত ব্যঞ্জে জন্মাৎ। ন একো নৈকঃ জন্মাৎ। ন এক্যং নৈক্যং ভিন্মিন্। অফ্ একৈক্ছাগে বর্জনানঃ পূর্ব্বাদিরেক-দেশুঃ। এভাঃ পর্মা অহন্শক্ষা অফ্, ইভাকারান্তঃ স্যা দ্বাদেশীন ছেকাৎ পরস্য নচ দ্মাহারে। সর্বাঞ্চ তৎ অহলেডি সর্বাফ্ট অহানাং পুংস্থ মন্তি ধানাৎ মধ্যাক্ট সংখ্যাতাক্ট দে অহনী প্রিয়ে যস্য স দ্বাফ্ প্রিয়ঃ প্রকৃষ্টিন্তঃ প্রাক্ট। নৈকাৎ কিং একাইঃ। নৈকো কিং তাত্ঃ।

मर्खण्ड शकरमण्ड मेरथा उण्ड मरथा ह वाक उक्ष मार । न शका रैनक समार न क्षेत्र हैनकार उम्मिन । अन्य रेजामि । मर्खण्यार शकरमणा किन अपूर्वा एक मर्था जिल्ला किन अपूर्वा एक मर्था किन अपूर्वा किन प्रति । मर्खण्या किन प्रति । मर्खण्या किन प्रति । मर्खण्या किन प्रति । मर्थण्या किन प्रति । किन प्रति । मर्थण्या किन प्रति । मर्थण्या किन प्रति । किन मर्थण्या किन ।

ওচ। এগ্র নো গো হতোহক্ত।

সর্কাহঃ পুর্কাহঃ। একাত্ব। একাহং। অভ ইতি কিং। ত্রিভি-রহোভি জাতঃ ত্রাহঃ।

নিমিত্তবভোহকারাত্তপদাৎ পরস্য অফ ইত্যেকারস্ত্রস্য নদ্য গঃ স্যাৎ অবকুপ্রস্তরেইপি সর্ব্যাহ্নঃ পূর্ব্বাহ্নঃ। অদস্তাৎ পরস্য কিং ত্রিভিরহোভির্ম্বাত্তঃ
ত্রাহ্নঃ অদস্তাহ্নস্যতি কিং দীর্ঘাণ অহানি যদ্যাৎ সা দীর্ঘাহী প্রার্ট।

आर्था मिडा देन सु ३ अवक् अखदा शीं जिथेश उपाठ सक्ता दाय स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्ग स्वर्ग स्वर्य स्वर्ग स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्वर्य स्

তন কোট গ্রামা জক্ষত। কোটতক্ষঃ।

ুআভাং পরাং তক্ষঃ সঃ স্যাদ্যাদে। কেটি চাসে তক্ষাচেতি কোটতক্ষঃ। এবং গ্রামস্য তক্ষা গ্রামতক্ষঃ।

আৰু গে পরা জন্ম মঃ সাং যাদে। কেটিডক্লঃ ইতি কুটাং ভরঃ কেটিং কোটশ্চামৌ ভক্ষাচেতি বাকাং।

#### ৪১। জাত মহ জনা তক্ষঃ।

#### জাতোকঃ।

ু-এড্যঃ পরা ছক্ষঃ ষঃ স্যাদ্যাদে। জ্বাতশ্চাসে উক্ষাচেতি জাতোক্ষঃ এবং মহোক্ষঃ বৃদ্ধোক্ষঃ।

এভ্যঃ পরা তুক্ষঃ ষঃ স্যাৎ যাদো। জ্বাতোক্ষঃ ইতি জাকশ্চাসে উক্ষাচেতি বাক্যং। এবং মহোক্ষঃ বুজোক্ষঃ। যাদো কিং মহোক্ষা শিবঃ।

৪১। ভানো ২তা প্রাণু প্রমানাৎ।

অতেঃ প্রাণিবর্জাত্পমানাত শুনঃ ষঃ স্থাদ্ধাদৌ। আকর্ষইব শ্বা আকর্ষশ্বঃ। প্রাণিনস্ত। ব্যাঘ্র ইব শ্বা ব্যাঘ্রশ্ব।

নপ্রাণী অপ্রাণী অপ্রাণীচাসে উপমানপ্তেতি অপ্রাণ্যুপমানং অভিশ্চ
অপ্রাণ্যুপমানপ্তেতি তথাং। আকর্ষ ইতি। আক্ষাতে হনেনেতি আকর্ষঃ।
আকৃড্যী ইতি খ্যাতঃ। আকর্ষঃ আকর্ষতুল্যঃ ইতি জ্ঞাপনার্থ ইব শৃশঃ। আকর্যন্ত ইতি অপ্রাণ্যুপমানাং পরাং শুনঃ ষঃ। অতেম্ব শ্বানমতিক্রান্তঃ অভিশ্বঃ।
প্রাণ্যুপমানান্তু ব্যান্ত্রো ব্যান্তবুল্যকাসে শ্বাচেতি ব্যান্তশা।

উপমীয়তে যথ তত্বপশানং উপমেয় মিতার্থঃ। অপ্রাণিচ তত্বপমানং চেতি তথ অভিন্য অপ্রাণ্যপমানঞ্চ তথ তথাং। আকর্ষঃ খেবে ভি উপমেয়স্য বাজ্রাদৈয় রিতানেন যঃ। আক্রম্যে দৃয়ত ইন্দ্রিয়ে। পাশকে শারিফলকে কোদণাভ্যাসবস্থনি। আকর্ষণে হলি পৃথিন স্যানিতি মেদিনী। খুমুশকো ব্যাজ্রাদো
দ্রুট্ব্যঃ আকৃতিগণত্বাথ যদ্যপি আকর্ষ শব্দোপি ব্যাজ্রাদো বর্ত্ততে তথাপি
খুমুশক্ষ্য নাকর্ষ শব্দেন সহ যঃ। উপমেয়বাচিনঃ উপমনবাচিভি র্যাজ্রাদ্যৈঃ
সহ যবিধানাথ। ইহতু উপমেয়বাচ্যাকর্ষ শকঃ। এবং বাশজ্রখেতি প্রভ্রাদাহরণেপি। পরে তু অপ্রাণিনি বর্ত্তমানাথ উপমানবাচিনঃ জ্বনঃ যঃ ইত্যান্তঃ।
একেতু আকর্ষ ইব আকর্ষঃ আকর্ষ শ্রামের খাচেতি আকর্ষশ্ব ইত্যান্তঃ। মুলে
আকর্ষ ইবশ্বতি দর্শনাথ তম্মতে উপমীয়তে হনেন ইতি ধে অন্ট্।

৪২। পুর্বেতির মৃগা ছা নতেঃ সক্থাঃ।

এভাঃ পুর্বোক্তাচাতি বর্জাৎ সক্থাঃ ষঃ স্থাদ্ধাদৌ। পুর্বসক্থা।

পূর্বিশ্চ উত্তরশ্চ মৃগণেচতি পূর্বেষিত্র মৃগং তন্মাৎ। নান্তি জতি র্যন্ত্র সোহনতিঃ তন্মাৎ। পূর্বেষিত্র মৃগেভো হপ্রাণ্য পমানাচ্চ পরাৎ সক্ণঃ ষঃ স্যান্ধাদে পূর্বেঞ্চ তৎ সক্থিচেতি পূর্বেসকৃথং এবং উত্তবসক্থং মৃগস্য সক্থি মৃগসক্থং ফলক্ষিব সক্থি ফলক্ষিক্ প্রথি আনতেঃ কিং সক্ষি অতিক্রান্তঃ অতিসক্থিঃ।

পূর্বেশ্চ উন্তর্গত মৃণশত তন্তকাং ল অভিঃ অনভিঃ ভদাং পুর্ব্বোজানিতি অপাণুপদেয়বাচিন ইভার্থঃ পূর্ব্বদক্ণমিতি পূর্বে শব্দঃ সক্থাঃ পূর্ব্বাহনী সক্থি শব্দোপি ভদবয়ববাচী পূর্বেঞ্চ তৎ দক্থিচেতি বাকাং পূর্বহে সক্থ ইতি পরে। এবমুন্তরসক্থমিতি শরাবরণং চর্মা ফলকং ফলকং সক্থি ইবেতি বাকাং তন্ত্রাপি সর্বাহ পূর্ববিদ্হাং।

৪০। দেশা জুদ্দাণঃ কু মহন্তা ন্ত বা।

কুঁৎসিতে। ব্ৰহ্ম। কুব্ৰহ্ম। ।

দেশবাচকাৎ পর ব্রহ্মণঃ ষঃ স্যাদ্বাদে কুমহদ্ভাং পরাজুরা। অবস্তের ব্রহ্মা অবস্তি ব্রহ্মঃ কুংসিতো ব্রহ্ম কুব্রহ্মা। এবং মহাব্রহ্মা ঘারসা।

(मरामा स्वनलपुः उपाठिनः পরাৎ दुक्तमंगिष यः मार यार्म) तालू कूमहस्तार। कूरिता दिक्ति द

৪৪। সরোনোয়ো ২শ্মনঃ সংজ্ঞাজাতোঃ।

মহানসং উপানসং লোহিতায়সং কালায়সংপি গ্রামঃ অমৃতীক্ষঃ।

সর্স্চ অনস্চ অবস্চ অথস্চ অথাশ্চেতি সরোহনোয়ো শান্তসাং। সংজ্ঞাত জাতিত সংজ্ঞাজাতী তয়োঃ। এডাঃ বঃ সাদ্যানে সংজ্ঞায়াং জাতেচ। জাসলাসরঃ জালস্বসং ইতি সংজ্ঞা। এবং মণ্ডুক সরস্মিতি জাতিঃ মহচ্চ তং অনশেচত মহানস্মিতি সংজ্ঞা। এবং উপগত মনঃ উপানস্মিতি জাতিঃ। লোহিত ময়ঃ লোহিতায়সমিতি সংজ্ঞা এবং কালায়স্মিতি জাতিঃ পিশুইব জালা পিশালা ইতি সংজ্ঞা এবং অমৃতাশা ইতি জাতিঃ। সংজ্ঞাজাতোঃ কিং দীর্ঘনরঃ দুটানঃ হুলায়ঃ ভয়ালা।

সরস্ অনস্ অয়স্ অশান্ ইত্যে তেওাঃ নামি আতেচি ষঃ সাং বাদী।
সহানসমিতি মহচচ তৎ অনশ্চেতি উপগত্থ তদনশ্চেতি লোহিতথ তৎ অয়ীশেচতি কাল্য তদয়শ্চেতি পি শুশ্চাসা বিখাচেতি বাকাং সরঃ শক্ষা তুম প্রকসরসং জালসরসমিতি বক্ষাতি এয়ু জালসরস মহানস গোহিতায়স পিগুলাঃ
সংজ্ঞায়াং। মঞ্ক সরসো পানস কালায়সা মৃতাশাঃ জাতৌ অন্যাঃ কিং
সংসরঃ মহাশা। চক্ষ্রসরঃ বৈত্বনগর ইত্যাত্র চক্ষ্র হৈত্বন শক্ষে সংজ্ঞান

৪৫। সর্বৈকদেশ সংখ্যাত পুণা বর্ষা দীর্ঘা জাত্তে:।

রাত্তে রেকৈকদেশে বর্ত্তমানঃ পুর্কাদি রেকদেশঃ। পুর্কারাত্তঃ
অপররাত্তঃ।

সর্বশ্চ একদেশনত সংখাওশ্চ পুনাঞ বর্ষাশ্চ দীর্ঘশ্চিতি ভক্ষাৎ। এভাঃ প্রসা রাত্রেঃ বঃ স্যাদ্যাদ্যে। সর্বচোসে রাত্রিশ্চেতি সর্বরাত্রঃ। রাত্রা-স্তানাং পুংস্থ্যভিধানাৎ। পুর্বোচাসে রাত্রিশ্চেতি পুর্বরাত্রঃ রাত্রেঃ পুর্বভাগ ইত্যর্থঃ এবং সংখ্যাভরাত্রঃ পুনারাত্রঃ বর্যাণার্থ রাত্রিঃ বর্যারাত্রঃ দীর্ঘরাত্রঃ।

मर्सनमा (मकरमनवाहि भूर्वारमः मश्यां भूग वैमी मी एर्च छान्छ भवमान वात्तः यः माम्यापो। भूर्ववात है जि व्राक्तिन स्व व्यक्त माम्यापो। भूर्ववात है जि व्राक्तिन स्व व्यक्त व्

৪৬। গোরতার্থে।

গোশব্দাৎ यः স্থাৎ যাদৌ নতু তাথে। পরমগবঃ।

পরমশ্চাসো গোশ্চেতি পরমগবঃ রাজ্ঞোগেঃ রাজ্ঞগবঃ ত্রিগবং পঞ্জাব ধনঃ। অতার্থে কিং পঞ্জঃ।

ৰাদাৰিতি বে যে তাৰ্থভিন্নগে চেন্তাৰ্থঃ। প্রমণ্য ইতি প্রমণ্চাগৌ-শৌ-

শ্চেতি বাকার্। এবং পুমাংশ্চাসে গোল্চেতি পুল্পঃ ষণ্ণার্থ সমাহাঁরঃ ষত্গবং রাজ্যোগেঃ রাজ্যবঃ ব্রিয়াং প্রমগ্রীতাদি। অতার্থে কিং পঞ্জ র্ণোভিঃ ক্রীতঃ পঞ্চঃ তার্থ ইতি বাচ্য এব তেন পঞ্জ্যা গ্রেছাঃ আগতঃ পঞ্চাব রূপ্য ইতি স্যাৎ পর্স্থারে গগ্রহণ জ্ঞাপকাৎ।

89। 'नात्। १कीएका ह।

श्रुकीर भेता को नवार यह मान्यामा। অত্র পরত্রচ যাদের সুবৃষ্ট্র পি অর্দ্ধশন্য নাবি ধার্যাঞ্চ অভিধানাৎ কর্মধার মুগ্রব। চকারাকো শব্দাৎ ষঃ সাদভিদ্ধভারে দিগোই ভাপরে ক্রিবর। অর্দ্ধগ্রহ। অর্দ্ধগ্রভং নোশ্চেভি অর্দ্ধনাবং অত্র্রে ক্রিবর মভিধানাৎ। অর্দ্ধাৎ কিং দীর্ঘনোঃ এবং ত্রিনাবং দিনাবধনঃ। ভদ্ধিতারে প্রথাভি নোভিঃ ক্রীতঃ পঞ্নোঃ।

অৰ্দ্ধনাবমিতি অৰ্দ্ধঞ্চ তৎ নৌশ্চেতি বাকাং অৰ্দ্ধং নাব ইতি পৰে। এবং -দ্বয়োনীবোঃ সমাহারঃ দিনাবং ত্রিনাবং। অতার্থে কিং পঞ্চতি নৌভিঃ জীতঃ পঞ্চনৌঃ বাচ্যএব নিষেধাং। দ্বাভ্যাং নৌভ্যামাগতঃ দিনাবরূপীঃ ইতি।

৪৮। থার্যা বা। অর্ক্ষারং অর্ক্কথারী

জঁদ্ধি পরাং খারীশক্ষাং ষঃ সাাং বা ষাদৌ ইত্তেকোহর্থঃ। খারীশক্ষাধাষঃ সাাদ্ভদ্মিতার্থে দিগৌ ইত্যপরোহর্থঃ। অর্দ্ধর্ম তৎ খারীচেতি অর্দ্ধধারং
ক্রীব্রমভিগানাং পক্ষে অর্দ্ধধারী। এবং ত্রিখারং ত্রিখারি দিখারং দিখার
ধনঃ। তৃদ্ধিতার্থে জু দ্বাভ্যাং খারীভ্যাং ক্রীতঃ দিখারিবিতি।

অর্দ্ধাৎ পরস্যাঃ খার্যাঃ ষঃ স্যাদ্ধা যে যে তার্থ ভিদ্ধ গেচ। অর্দ্ধার্মিতি অর্দ্ধার তৎ খারীচেতি বাকাং অর্দ্ধং খার্যাইতি পরে। গে দ্যোঃ খার্যাঃ সমাহারঃ দ্বিধারং দিখারি ত্রিখারং ত্রিখারি দেঁ খার্যাধনমস্য দ্বিধারখনঃ দ্বিধারীরকঃ ইত্যাদি। বাভাবপকে, দিখারিঃ ত্রিধারিঃ ক্রিয়ামিতি ন্যাসঃ শোক্ষম্য ব্যবস্থানি ছাৰ অর্দ্ধধার মিতাত্র ক্রীবৃত্বং অর্দ্ধনাবঃ অর্দ্ধনাবী অর্দ্ধনাব সিতাত্র ত্রিণিক্স্থামিতি।

इंडियः भूतिवर।

# তৎপুরুষ সমাসঃ।

# क्षमाञ्जिङः कृष्णञ्जिङः।

অথ তৎপুরুষঃ। কৃষ্ণাশ্রিতঃ কৃষ্ণাশ্রিতঃ এবং ক্রিয়াবিশেষণস্য নিত্তাং ভীরুঃ নিত্তভীরুঃ মন্দ্র্গামীত্যাদি।

ইদানীং ষমাহ কৃষ্ণমাশ্রিত ইত্যাদি। দ্যা আব্রিতাদৈ দঃ। দান্তস্যাব্রি-তালৈঃ সহ ষঃ স্যাৎ। কৃষণাশ্রত ইতি এবং কট্টংশ্রিতঃ কট্টশ্রিতঃ বেদংবিদ্বান্ বেদ্বিনামু বিপ্রায় বেদ্বিহুষে ইতি ভারতে। আঞ্রিতাদি র্যপা। আঞ্রিত-শ্রেত বিদ্বাংসো হতীতাহতাস্ত বুভুৎসবঃ। জ্বাপন্নপতিত প্রাপ্ত গমিগামি বুভু-ক্ষবঃ। গৃমিল্ গামিন্ ইত্যুভদ্ন শাঠাৎ ভব্যার্শ ণিনাপি বা ব্রিরিস্তান্য। উনা-দিক ইনিগমীতি পরে। আকৃতিগণছাৎ সুখমীপ্সুঃ সুখেপ্সুঃ ছিব দীর্ব্য, নিরা-করিঞুঃ হংসম্প্রলত্যতি জিঞুরিতাদি। খদ্বীয়াঃ জেন কেপে। দাস্তায়াঃ " খদ্বারাঃ কেপে গদ্যমানে জ্ঞান্তেন সহ ষঃ স্যাৎ। খদ্বারতো জাল্মঃ খদ্বাপ্পতো काबा উৎপথ স্থিত ইতার্থঃ। न কেবলং খটারোহণ মাত্রেণ যদ্য নিকা সোহ-ভিধীয়তে কিন্তু যেন কেনাপাসু চিতাচরণেন যুগা নিন্দা স ইতি। ইহ বাকো নিশা ন গ্ৰাতে ইতি বাক্যাভাবাৎ নিজোহয়ং সঃ। স্বাক্যোষঃ স্মাসঃ স্যাৎ স বিকল্পঃ সুসন্মতঃ। বাক্যাভাবে তু নিছ ক্রান্দিতি শব্দ বিদোবিছঃ। কেপে কিং খদ্বামারতে। অধ্যাপকঃ শিষ্যানু অধ্যাপীয়তি। কালানাং ছান্তানাং कांनवीर्विनार क्लास्त्रम वह यह मार। 'मिनर मरकांस्त्र मिनमरकांस्त्र ब्रूहर्स्वाः রাত্রি মার্চা রাজ্যার্চাঃ কিরণাঃ মাসংপ্রমিতঃ মাস্প্রমিত শুস্তুঃ মাসংপ্রমা-ন্তুমারক ইত্যর্থঃ। মাদদৈ।কদেশদ্য প্রতিপদতন্দ্রেণ দহ সম্বন্ধাত্মতান্তসং-বোগান্তা ব্যাপ্তা ববৈশৃষ্ঠ । অজ্ঞান্তসংযোগে দ্বান্তস্য কালবাচিনঃ ক্রান্তেন্য নৈশ্চ नामारेखः मह यः मार। मारमोख्टिकः मामख्टिकः वर्यराखानाः वर्यराखानाः মুত্র্ত্বসুখং দর্বরাত্র কল্যাণী দর্ববরাত্র শোভনা। ইতি দীবঃ। অথ ত্রীবঃ। ক্র্যাঃ সমালৈঃ। ত্রান্তস্য সমালৈঃ সহ ষঃ স্যাৎ। পিত্রাসমঃ পিতৃসমঃ ধানো-बार्यः धानगर्यः। সমাদি र्यथा। সমাহর্থে। निপুনঃ পুর্ব্ব উনার্থ সদৃশ। বরঃ। शकः कनह मधामाश्यामि मिट्यी मजावित्। छेनार्थ श्रहनारी अत्कान्। भूना-হীনঃ বিকাররহিতঃ ইত্যাদি প্রায়ে নামগ্রহণে বিক্রবিশিষ্ট্যাপি গ্রহণ ইতি ন্যায়াং এরসদৃশীহাপি। সপ্রাদ্য প্রাদিমিশ্র ইতি ধান্যপ্রমিশ্রঃ গুড়মিশ্র

ইস্তাদি। অস্যাক্তি গণত্বাৎ ভয়বিহ্বলঃ অন্ত্রপূল্য প্রকটন্ধরা প্রমন মুন্তরঃ বয়োজে। ত্রিহক্শঃ স্বেদার্জঃ গুণাধিকঃ ব্রুবিধুরঃ ছাল বিকলঃ গুরুত্ব্য ইস্তাদি। ত্রীকৃতগুণ বচনেন। ত্র্যাকৃতঃ ত্রীকৃতঃ ত্রীকৃতভাসো ওণবচনশ্চেতি खनमू क्वान् खनवहनः कलार्वं मीजूरकर्घ रहाऐ यः शृर्वः छत्न र्वार्ड्या शकार দ্রব্যে বর্ত্তুতে স গুণবচনো নতু গুণসাত্রাভিধারকঃ গুণেনেজ্যকরণাৎ তেন ছ্যুতেন পাটব মিছ্যত্র র ফ্র্যাৎ। ত্রান্তস্য ত্রান্তার্থ কৃতগুণ বচনেন সহ যঃ স্যাৎ। শঙ্কু-লরা কৃতঃ খণ্ডঃ শঙ্কুলাখণ্ডঃ গিরিণা কৃতঃ কাণঃ গিরিকাণঃ প্রমাদেন কৃতো মুর্খঃ প্রসাদমুর্খঃ। এওকাণালয়ঃ খণন নিমীলনাদৌ বর্ত্তিবা তদ্বতি ক্রিবো বঁৰ্ত্তব্যে"। শঙ্কুলা শস্ত্ৰভেদঃ। গিরিঃ শিশুক্রীড়নদ্রষ্ঠাং প্রমাদোহনবধানতা খঞা দন্ত ব্যান্ত শকুলাদিবাচাকৃতা ইতি। ত্রীকৃত্তেতি কিং অক্ষাকাণঃ নহত্র অক্ষা চাণত্বং কৃতঃ কিন্তুহবৈচন কেনাপি। ভাগবৃত্তিপ্ত ক্রান্তেনাক্ষা কাণত্ব করণাদক্ষি कांवः मार्गित्वकांह। खन्तिहत्नन किए त्रां किर्स्त शांत्रां मृ त्रां भारकन नक्ष्रा গাবা মুচ্যতে পরভূতধনি মুখরঃ শরদ্ভরঃ ইত্যাদয়স্ত্ ধীবেণ মুখর দভরশক্ষয়ে।∢ त्र श्वनं वहन यूष्ट । विरम्भ वार्या वर्गा छिः भक्त मिर्फा कृष्ठ मर्था वर्ग छिनि मिन्न मर्थनिय मर মঞ্জাদিবদতিক্রামতীতি ত্রীষ্টেশ্যর বাক্যার্থব্যবস্থা ঘটকত্বাৎ ইতালো। সমা-দেরাকৃতিগণতাৎ ত্রীক ইজালাঃ। ধঘয়োয় কৃতা বহুলং। ধঘয়োর্বিহিতা যা ত্রী তদন্তসা কুদভেদ সহ যোৱছদং পাৎ। নথলুনঃ চক্রছিরঃ অহিহতঃ হরি-ক্রাতঃ ইত্যাদি। বহুলগ্রহণীৎ গলৈচোপকঃ পাদ্হারক ইত্যাদে জান্তরসাপি यः। माত্রেণ লূনবান্ পরঙনা ছিন্নবান্ ইস্তাদৌ ন স্যাৎ। ধ্যয়োঃ কিংভিক্ষা-ভিক্লবিতঃ। অত্র হেভৌ ত্রী। স্বর্তি নিন্দরো বৈল্যঃ। স্তর্ভিনিন্দরো র্বমামানয়ো र्थच विहिञ्ज कालमा नामरक्षकारेला मह यह मारि। कत्र दहन्यानि भूष्णानि वाष्ण-ছেদ্যারি তৃণানি বিশ্বৈরূপাদ্যো বিশ্বোপাদ্যঃ শস্তুঃ শুনাবেছঃ খলেছঃ কুপঃ। অনয়োঃ কিং কাকেন পাতবৃঃ, জলং নৈত্রেণ গদ্যোগ্রামঃ বহুলাসুধৃজেস্থা-পেন্ধ্যং ভূণেন উপেন্ধাং জননং ইজাদি দ্যাৎ। নাত্ৰ স্ততি নিন্দাৰগমাতে পূৰ্ব্ব-देमावाग्नेरे व्यंभर्क ইস্তান্যে। সংস্কারমা সংস্কার্যোগ। ত্রাস্তমা সংস্কারবাচিনঃ সংস্কার্য্যক চিলা সহ্ , यह স্থাৎ। দপ্পা উপসিক্ত ওদনঃ দংখ্যা দনঃ ওড়েন মি আধানা -ওড়ধানাঃ ওড়পুপা ইস্থাদি। অশ্বরথঃ গোবানং মণিমুক্টং কুকুমবস্তাং স্কল-ার্ণর সৈধিভাওং ধান্যকুষ্ণ ইত্যাদয়স্ত অসমুজ্যেরথ ইতি ষদে শাক পার্থিবা-দি**ত্বাৎ ম**ধাপদ লোপ ইতি ত্রীয়ঃ। অথ চীষঃ। চাবিলাক্ষিঃ। চান্তদা **রলাট্রনাঃ** 

मरु कः महार । कूलकांग्र वनिः कूलकुरवानः। वनहामि र्यथा। वनि र्दिख मुस्बरेहव রক্ষিভোহন্যে প্রয়োগতঃ। আফ্তিগণভাৎ বরপ্রদেয়া কন্যা। গুরুপ্রদেয়াহধিক নিস্পৃংহাহথী পিতৃদান মিস্তাদি। বিকৃতেঃ প্রকৃতা ভাদর্থ্যে। ভাদর্থ্যবিহিত চান্তন্য বিকৃতিবাচিনঃ প্রকৃতিবাচিনা সহ বঃ দ্যাৎ। যূপায় দারু যপদারু কুঞ-লায় হিরণ্যং কুগুলহিরণাং। অনাত্র রন্ধনায় স্থালী। অখায় খানঃ। খুঞাখুগুরঃ রন্ধনস্থানীতি তু ষীষেণ। নিষ্ঠাৎ প্রয়োজনার্থার্থেন বাচালিক্ষতাচ। প্রয়ো-জনবাচিনা অর্থশব্দেন সহ চান্তস্য যঃ স্যাৎ নিতাং বাচ্যলিঙ্গতাচ। ব্রাহ্মণার্থং পরঃ ক্রোক্ষণার্থঃ সুপঃ ব্রাক্ষণার্থা যবাগৃঃ বাচ্যলিক্ষতা বিধানাৎ,বত্র বাচ্যলিক্ষতা নাব্তি তক্ত ন স্যাৎ তেন নৃপায় অর্থঃ। নুশকার্থো ধূনঃ ইস্তক্ত মশক শব্দেন नकाया मनकित्रिक तिनिरीय्दे अर्थनमञ्ज अरमास्रामार्थः। अञ्च अध्यान क्रनार्थार्थ मजरप्रारंग गौविधानाजात्वरुषि अत्याक्रनार्थ शहनर निवृश्विक्रण প্রয়োজনবাচ্যর্থশক্ষেন চীষ্বিধানার্থমিতি কশ্চিং। মশক্ষ্যার্থো নিবৃত্তি র্থমাং ইতি ব্যধিকরণ হেনেজানাঃ। ইতি চীবঃ। অপ পীবঃ। পা। মুক্তাদ্যৈঃ। भारतमा मुकारिमाः मह यः मारि। भाभायाकः भाभमूखः। मुकापि र्यभा। मुका ভীতি রপত্রন্থো জুগুপা ভীতনির্ণতাঃ। ইতরঃ পতিতোহপেতোভয়া পেত্রে মভাবিহ। অস্যাকৃতি গণতাৎ বুল্লিকভীঃ অধর্ম জুগুস্মুঃ তদ্ন্যঃ বৃক্ষচ্যুতঃ ভাস্বলাবোদনতঃ বেদবহিষ্ক ইত্যাদি। অনভিধানাৎ কচিন্ন স্যাৎ মহাপ্রাসা-দাৎ পতিতঃ মহাভোজনা দপত্রত ইত্যাদি। ইতি পীবঃ। অথ বীবঃ। স্মৃত্য क्ञाह बााः मनाष्ट्रक्न कुछि। स्त्रीविकत्याः। मन्त्रत्स क्रम्यात्म विविधा या यी जनसमा मामारेसः महर्यः मार कीड़ा खोर्विक स्मार्विहरू नकारसम् निर्मा রাজ্ঞঃ পুরুষঃ রাজপুরুষঃ। বিপ্রবস্ত্রং। গোলামী গণীশ্বর ইত্যাদৌ স্বামীশবেতা। দিনা বিহিতত্ত্বপি সম্বন্ধেষেৰ সম্বন্ধ ধীৰাধক প্ৰীৰিধানে ধাঞাপ্তেই চুকারেণ ভদসুকর্ষণাৎ। কুদেয়ারে যথা। এথসো ব্রন্ডনঃ এখে। ব্রন্ডনঃ পলাশানাং শাভনং পৰাশ শাতনং ইত্যাদি। ক্ৰীড়ায়াং পুষ্পতঞ্জিকা মদনভঞ্জিকা পুষ্পপ্ৰচা-ব্লিকা। জীবিকারাং দন্তধেখকঃ নধলেখকঃ চিত্রলেখকঃ নিতাসাঘাক্যাভাবঃ। कोड़ा बोदिकरमा र्वाकानकार कोड़ा बोदिकरमा दिखें किः अमनमा एवा बकः। ন নির্দ্ধারণে সভ্তার্থ ক্ষেন চ। নির্দ্ধারণে বর্ত্তমান তয়ে:বিহিত ক্তেন যোগেচ বিহিতা যা ষী ভদন্তানাং যো ন দ্যাং। নরাণাং ক্ষতিয়ঃ পূরতমঃ গবাং কৃষণা कोदिनी अक्षतानाः पावस्यः भीखनमाः बाखाः खाउः नत्रानाः शृष्टिः करारःन

রামদহিতঃ.. ক্তবানিতি তু অতীত জান্তেন ঘ ত্রাঃ সাং সমৃদ্ধাঃ সাদা। हेन स्मयामूल गंडर। एच थारक्षी एए। एए एए ए याहि थारक्षी मंडार एवं यो बीडन छम। (या न मारि। शर्वार (मार्ट्स (शंशीनरकन ममुख्या वरक्का वानरेवः। ड्रेड्ड थारश्ची ঢে ইত্যানেন যত্ৰ নিয়মঃ তত্ৰৈবায়ং নিষেধ শুেন ইক্ষুভক্ষিকা বিশ্ৰস্য অৰ্থেই।-দরিদ্রদা ইতাত্র যাাঃ সাাং। ওদনপাকঃ স্থপকারদা ইতাত্র তু ওদনদাতি সম্বন্ধ বিবক্ষায়াৎ শী ততোহনেন ন নিষেধঃ। তৃগকাভ্যা মহোত্রাদিভ্যাং। হোত্রাদি ভিন্নাভ্যাং ভৃণন্ত গকাস্তাভ্যাং সহ ষ্যন্তম্য যো ন স্যাৎ। পুরাংভেন্ত। জ্পাংস্পৃষ্ট। ওদনসা ভোজকঃ ত গুলসাপাচকঃ। অংহাত্রাদিভাাং কিং হবিহিন্ত। শচীভর্ত্ত। পতার্থ ভর্ত্ গ্রহণাৎ বক্রসা ভর্ত্ত। ধারক ইতাত্র নিষেধঃ। ক্ষত্রিয়যাঞ্চক ইঙ্যাদি ৷ হোতা পতার্থ ভর্ত্তাচ হস্তা যাজক পূক্ষকে। গণকো রগপঙ্জিভ্যাৎ ুসাপকঃ পরিচারকঃ। উৎদাদকোণত্তিকাহণদপকাশ্চ পরিবেশকঃ। প্রয়ো-আকু ইমে প্রোক্তাঃ শেষং জ্ঞেয়ং এয়েয়াগতঃ। রথপংক্তিভাাং পরসা গণক-সৈয়বেহ পাঠাৎ এহাণাং গণক ইতাত্র ষ প্রতিষেধঃ। স্বাক্তিগণত্বীৎ চিত্তগ্রাহকঃ সম্প্রদানবাধক ইত্যাদি। তৃণ্দাহচর্যাৎ ঘবিহিত ণকাস্তব্যৈবেহথহণং তেন ं, रमारक मिका हस्तरमा जारमी यह गार जावविहिं ज्जार। वाक् ऋँ कान भू तरेनः। সংজ্ঞ ক ক্দভেৰ শভূশানাভাং পুরণতাল্ভেনচ মহ যান্তমা যোৰ মাাৎ। ব্ৰাক্ষাস্য কৃষা বিপ্ৰসাপ্ৰকৃত্য প্ৰদ্ৰম্য কুঁৰ্বন্ ব্ৰাক্ষণস্য কুৰ্বনিং সৰ্বত্ৰ সম্বন্ধবিব-ক্ষায় হৈ যী। বিপ্রাণাৎ দশমঃ ছাত্রাণাৎ পঞ্চমঃ এতিঃ কিং তছুগরি মছপরি। তথাচ যংকৃতেরীনু বাগৃঞ্চীম সমুদ্র সতরামচেতি ভৃটিঃ। বদ্যাঃ কৃতে ইতি বাকাং। দ্রব্যাক্সপ্তবৈঃ। যে গুণা-গুণে গুণিনিচ বর্ত্তে তে দ্রব্যাক্সপ্তণাঃ তৈঃ সহ ষান্তস্য ধোন স্যাৎ। পট্স্য শুক্লং অনস্য শীত মিত্যাদি। বছজং। কদাটিয় প্রারোক্তি গো শুরুঁগুণ ইত্যয়ং। তেনৈবমাদিষু প্রাপ্তঃসমাসোহয়ং নিধিখতে ইতি। •ইত বৈশেষিকশান্তীয়াগাম সংখ্যা সূত্ৰ ছুঃখাদীনাং ন এছণং তেন গো-भाउर महमूबः चुन्रथमिकामि। वक्करः। देवरंगविक्छनात्नरं मरथा। प्रथ्य मूथा-দয়ঃ। গৃহীতা গো শৃতং শীতা ছঃখমিত্যাদি দর্শনাৎ। দ্রব্যান্মেতি কিং চন্দন-শাক্ষঃ কনা কুপং নদীঘোষঃ ফলরসঃ কুচম্পর্শ ইত্যাদি। গন্ধাদিশদানাং কেবল গুণস্তাৎ। ষ্তুজ্জং। 'ন কঁদাচিৎ প্রয়োগোহতি চন্দনং গন্ধ ইভায়ং। চন্দন-সৈাব গিন্ধোহি অপ্রধানং প্রতীয়তে। এবং রপাদয়ন্তমাৎ সমাসোন বিহ-নাতে ইতি পটপৌক্লাং অর্থগোরবং বচন কৌশলং গাত্রমার্দ্দব মিত্যাহৃদী ভাব ত্যান্তানাং কেবল গুণকুক্তিবাৎ সং স্যাদেব। তথাচ ষ্পা গন্ধাদ্যঃ শব্দ গুণ নাত্র

ুশার্থকত্বাৎ বিধেঃ প্রাধান্যৎ প্রতিষেধাংশে তাৎপর্য্যাভাবাৎ প্রক্তিষেধস্যা-ুধান্য**্ অভ**এব প্যুদাস<sup>্</sup>নঞঃ প্রদেন সহপ্রস্পার সাপেকজ্বাৎ সঃ। কি: ঝিং ন কুর্বাণ ইতাদে বিধাংশে তাৎপর্যাভারাৎ বিধেরপ্রাধানাং প্রতিষে-ধাংশৈ শক্ষয়োগাং তদ্য প্রাধান্যং অভ এবোস্তরদেন সহ প্রদক্ষ্য প্রতিষেধ নঞঃ করোতীতার্থ ক্রিয়য়া দহ দল্পন্ধেন্ পরস্পর সাপেকছাভাবাদ্ধসঃ। নবেবং স্তি সুৰ্বাং ন পশুন্তি ইতাৰ্থে অসুৰ্বাং পৃখানি মুধানি পুন ৰ্ন গীয়ন্তে অপুন-েরা লোকাঃ। প্রাদ্ধং ন ভুঙ্কে অপ্রাদ্ধভোজী ব্রাহ্মণ ইত্যাদে। কথং স ইতি ্তং সভাং। নহি ক্রিয়য়া সৃহ সম্বন্ধঃ স নিষেধ করণং কিন্তু জগকত্বং তথাতি অসুর্যাৎ পঞানীত্যাদো গমকত্বাৎ সঃ কিঞ্জিল কুর্ববাণ ইত্যাদাবগমকত্বান্ধ-ইতি। যদ্বা **অসু**ৰ্যাং পশুনি মুখানি সুৰ্ব্যবিষয়ক দর্শনবদ্ধিল্লানি মুখানি মৈত্ৰ কর্তৃকপুনর্গেয়ভিন্না শ্লোকাঃ শ্রান্ধর্ণমক ভোজনবস্তিন্নো ব্রাহ্মণ ইভার্থাৎ পযুৰ্ব দাস এবেতি অত্যন্তাভাববৎ কালভেদাৎ ভেদস্যাব্যাপ্যবৃদ্ধিঃ। দেবদন্তেন ন ভূরতে ইত্যাদে ক্রিয়য়া মহ সম্বন্ধ প্রসঞ্জা প্রতিষেধ ইতি দিক্। প্রাঞ্জ 'तक्षी याज्या । यह कर । जर्मामृत्य मञावण जमनावर जमन्या। वाञा न छः । । বিশ্ব নিজ্বাঃ ষট্ প্রকীর্ত্তি । যথা অবাক্ষাঃ অপাপং অষ্টঃ পটঃ অসুদরী না। অকেশী বেভা অসুর ইত্যান্তঃ। অসিতং অধর্মঃ ইত্যাদৌ রুঢ়ি-বিষয়ত্বাৎ ন সাদৃভাদাবগমঃ। কেচিজ্ব নঞ্সংয়েঞ্জলিকান্তি তন্মতে উচ্চৈমুখ इंडांनिवर विध्ययन विष्याञ्चयवश्चवार । ननीरला श्नील इंडांर्फा करका দ্যোতকত্বাদ প্রাধান্যেন বিশেষণত্বাৎ ন পূর্ব্বনিপাত্তোহনিয়ম ইতি। অন্যেতু उपगरमत्वजाएः। नेयर्ज धनवहरिनः। धनमूख्ना धनिन वर्खस्य स्वर्ण धनवह-নাজ্যৈ সহ ঈবদিতি বাসা বঃ সাাং। ঈবং পিল্পলস্তস্যাপতাং ঐবং পিল্পলিল। এবং ঈৰ্ষাধিকটঃ ঈষৎপীতঃ ঈষত্বস্তুতঃ ইত্যাদি। ইল্পার্গট ইত্যক্ত গার্পাক্রব্যা-শ্রিত গুণক্রিরয়োরপ্পদ্ববোধকত্বেপি ঈষতো গার্ক্য শব্দেন সহ নযো দ্রব্যবাচি प्र<sup>र</sup> । श्रुत्वारमत्रश्मिटेनकर्ष । अञ्च वर्डमार्टननाश्मिना सह श्रुर्वारमः यः मन्द। পूर्वाश्वाम भूर्वेकामः अभवकामः উত্তরक्षेत्रः भूर्वाञः मधाञ्ड মায়াক্তঃ পশ্চিমরাত্রঃ। উপারতাঃ পশ্চিমরাত্রগোচরাদিতি ভারবিঃ। यक्तं-প্যেকদেশে সমুদায়োপাচারাৎ বিশেষণ বিশেষ্যয়ে বঁনেবৈব পূর্বকা্র ইতি সিখাতি তথাপাবয়বাবমবিগল্প বাাঃ যে কায়পূর্বে ইত্যাদানিউরপ নিরীনার্থ बिनः। বাঁষেপি রাজদন্তাদিত্বাং পরনিপাত ইতি কলিং তক্ষতেতুনেদং सं तिष्ठि । अक्टब किः भूक्तः होजानाः भूक्तः वर्षाना अभूक्तवर्षा हो उंदू वर्षा था-

বোধাবাঃ। গাঙ্কার্থেন। ধাঙ্কার্থেন সহ প্রান্তদা বঃ দাবে। तिस्पादार গম; মানায়াং । তীর্থে ধাতৃক্ষইব তীর্থধাত্কঃ তীর্থকাকঃ নগরবায়দঃ ধাতৃক্ষইন .স্থিত ইতার্থঃ। পাত্রে সমিতাধয়ঃ। কেপে গ্রামানে পাত্রে সমিকাদ্যঃ স্থীতে নিপাভ্যক্ত। প্লাত্তে এব সমিভাঃ সঙ্গতা ন পুনঃ কচিৎ কার্য্যে পাত্তে সমিভাঃ আধনিকে খাতে বক ইব আখনিক বকঃ যথা খাতগতমেব ভক্ষয়তি ভদ্ধ যো গৃহগুত্মের ভক্ষর তি নানাত্র গছেতি সং। মাত্রিপুরষঃ প্রতিষিদ্ধদেবীতার্থঃ। ুদ্ধরে মশকাইব একস্থা উভূপরমশকাঃ। যথা উভূত্তর মধ্যে মশকাঃ 🍁 🕫 ं अर नीना९ পर्णांख उथा (य २ मृखे (फणांखद्रारख-इंडार्थः। পिशास्मर मूद्रः ্ত্রীপূরঃ অন্যত্র কার্য্যাক্ষম ইতার্থঃ। এবং গ্রেছে বিষ্ণীতীত্যাদাবলি নিন্দা গ্যানতে। পাঁত্রে সনিতা আখনিক বকা মাত্রি পুরুষোভুম্বর মশকাঃ। পিঞী ृत्ता (शरहतिखिको शरहनम्दी (गरहनकी । श्रीदहमाही (शरहमुखा (शरहरमही ে বৃদ্ধঃ। গোঠে পঞ্জিত গোঠে পূরো গৈছে ক্ষেড়ী গেছেবাড়িঃ এউভুদ্বরকৃদিঃ প 📺 বহুলাঃ কুপকছপেঃ। কর্ণে চুরুচুরাশ্যের কুপমগুক ইত্যাপি। কর্ণে টিটি-রিকা গেছে অগে এতাহলো প্রয়োগতঃ। যেষাং গলে কান্ততা ভেদাং প্রয়োগে-্হপি কান্ততা। তথাচ ব্ৰুতস্ত্ৰং পাত্ৰে সনিতৈ রিভি ভট্টিঃ। পাত্রে সনিতা-দীনাং হাতিরিজ ুসান্তরং ন ভবতীতোতদ্পি জ্বেরং। তেন পরমান পাত্রে সমিতা ইত্যাদৌ ন যঃ বঁহুপাট্টে সমিতা ইত্যাদৌ হং স্যাদেব। বনে কশের-কাদ্যানামি। বনেকশেরকাদাাঃ গুটিযেনিপাভাত্তে সংজ্ঞায়াং। বনে কশেরকাঃ ংল কিংশকৃঃ পুরুষোক্তমঃ নগাবিরাজ ইত্যাদি। বর্ষে কলোরকাদীনাং পাত্রে गिर जानास्तर्गेकटच जिल्क शृथियोगीनैमिनिकार्थः। श्रीकट्यांस्तर नगीथितांस ইত্যত্ত্ত্ত্ত্তি নিষেধে প্রাপ্তে বনে কলেরকারি পাচাৎ সংজ্ঞায়াং ম ইত্যান্যে পরেতু সংজ্ঞায়া মি। ত স্থত্রয়িত্বা বলে কিংশুকাঃ বলে কশেককা ইত্যা-দাহরন্তি। তেতু যত্র সমুদায়ো নির্দ্ধার্যামাণো নির্দ্ধারণহেতুশেচতি বয়ং তবৈ ন নির্দারণ ইতি নিষেধ স্তেন পুরুল্যান্তম ই ু দৌ ন নিষেধ ইত্যাভঃ। যদ্যাপি দ্যাদি জ্ঞান্ত, পূর্মেদানানেষ গ্রন্থকা বৃত্তিক তথাপি প্রান্তপূর্মেদানামপাতি-, श्रीनोज्द एक प्रमिष्ठि उथोइ। निक्छि। निक्छि नामा मामि। एक मह यह मारि। न ব্ৰাহ্মণ্যে। নঞোহর্থোহি দিবিধঃ পযু (দাসঃ প্রসজ্ঞা প্রতিষেধশ্চেতি। ৰত্বজ্হ। প্ৰধানত্বং বিধে হত্ত প্ৰতিষেধেহপ্ৰধানতা। পৰ্যুদাসঃ স বিজেয়ো ষত্রোস্তরপদেন নঞ্। অপ্রাধানাৎ বিধে র্বত্র প্রতিষেধে প্রধানতা। প্রসন্ধা 'প্রতিষেধাহমে ক্রিয়য় সঁহ যত্র নঞ্। ইতি। অবাক্রণ ইত্যাপে পরপরার্থ

বাবস্থিতাঃ। তপা শৌক্লাদয় তেন পটশৌক্লাদয়ঃ সূতাঃ। ইতি ভাগুরিঃ। অন্যেতু ভাৰত্যান্তেনাপি কাৰ্ফ্যাদিনা নিষেধ তেন কাৰ্ক্য্য কাৰ্ক্যং বলাকায়াঃ শৌক্লামিতান্ত্র নিষেগঃ অর্থগৌরবমিত্যাদৌ তু স্যাদেবেত্যান্তঃ। এবং পুরুষো স্কম দেবেনাপুল্ডং ন্যাসকারাদিভিস্ত নোজমিতি। সমানাধিকরণৈঃ। সমা-লাধিকরণৈঃ স্যাদ্যান্তৈঃ সহ যান্তস্য বোন স্যাৎ। সুক্ষরস্য দেবদন্তস্য ধনৎ ঝদ্ধস্য রাজ্যোমাতকাঃ। সমানাধিকরণৈঃ কিং রাজজ্বিয়ে গৌরবং কৃষ্ণচরণো বন্দেরে। মৃত্সা তীরো গন্ধঃ চন্দ্রস্য মৃত্র্যন্ধঃ ইত্যাদে ত্রুত্বাভাবান্ন স্যাৎ। ইতি বীবঃ। অথ श्वीवः। প্রায়ঃ শৌশুদ্যৈঃ। প্রাস্তস্য শৌশুদ্রিঃ সহ ষঃ স্টাৎ। অকেষু শৌৰঃ অকশোৰঃ শৌৰশন্তঃ সুরাপে রঢ়ঃ ইহতুপচারাৎ অকগুর্ত্ত ইত্য-ভিনীয়তে। নমুহক্ষেম্বিতি ক্রিয়াভাবাদ্ধিকরণত্বাভাবেন কথং প্রী ইতি চেৎ সতাং প্রসক্তিক্রিয়ায়াবৃদ্ধাবস্ত ভোবাদিষয়প্তী। শৌ 🖲 কিতব সম্বীত প্রবীণ ব্যাড় পশ্বিতাঃ। সিদ্ধঃ সাহসিকো দক্ষণতভুরো নিপুণঃ পটুঃ। কুশলশ্পলো ধূর্ত্তঃ <del>ত্ত</del> জ পকাবধীতাপি। মধ্যার্থান্ত তথা বন্ধঃ পরে শিফীপ্রয়োগতঃ। অধিশদ-স্যাধেয়া প্রাধান্যহত্র পাঠঃ। যথা ব্রাক্ষণেহধি ব্রাক্ষণাহধীনঃ। পচরত্বধি পরা-थीनः अधाखतमार मरेमव नेनः क्वाधिधामां गांखावार। मधार्थमाछः मज-স্যাধিকরণ প্রাধান্যেপাঠঃ। যথা বলাস্তর্বসতি বনসংখ্য বসতীতার্থঃ। অধি-করণা প্রাথান্যে হ্রিশঝস্য পূর্বরপদার্থ প্রাঞ্জন্যে ছ্নতঃ শব্দস্য তু বসঃ ষ্ণা হধিত্রি অন্তর্বনমিতি। আকৃতিগণোহয়ং। ল্যা যেন নিয়মে। ল্যাসংজ্ঞক যকার ভাাত্তেন মহ প্রান্তমা বিঃ সাৎ অবশুকরণীয়ত্বে গদ্যমানে সতি। মাসে-এবদেয় মূণং মাসদেয়ং মাসে সমাপ্তে সভি ঋণং অবঞ্ছ দাতবামিতার্থঃ। এবং বর্ষদের মূণং পূর্ব্বাহ্নগেরং দাম মাসকরণীরং দিব্দকরণীরং। অংশকু ভমিভ্যাদৌ তু শৌপ্তাদেরাকৃতিগণত্বাৎ। ষেনেতি কিং পর্বনি স্থাতব্যং। তত্রাইনারাক বয়বানাং জেন ক্ষেপে চ। তত্ত্বেতাদ্য দিনবৈশ্বর রাজ্যবয়বাচিনত 'প্রান্তদ্য ক্ষান্তেন সহ যঃ সাাৎ নিন্দায়াঞ্চ। তত্ৰকুতং তদ্যেদং তাত্ৰকুতং আদ্যুচোব্ৰিঃ মগাহুগতঃ পূর্বেরাত্রক্তঃ। অবয়বেতি কিং অহি কৃতং রাত্রো কৃতং দিন কৃতাঃ সিপ্যেয়ুঃ রাত্রিবৃত্ত মাবেদয়ত ইত্যাদি ধঘয়োঃ কৃত্য বহুলমিতানেন ত্রীসগাৎ। নিন্দায়াং প্রবাহে মূত্রিতং প্রবাহমূত্রিতং ভন্মনি হুতং ভন্মহতং উদক্ বিশীর্ণং অন্ধকারনটিত নিত্যাদি। প্রবাহাদিনা মূত্রিতাদিনাচ মুখ্যার্থমপহায়ার্থাস্তর-শভিধীয়তে। তথাহি। প্রবাহইব জনাদেয়ে কার্ব্যে মৃত্তিতমিব নিক্ষনং প্রব-र्जन मिङ्ग एयम रयादित यूथार्थ छातार निन्ता तमादे हेडा कि करमनार थी

বোধাবাঃ । ধাঙ্কার্থেন। ধাঙ্কার্ফেন সহ প্রান্তদা দঃ गাবি। নিন্দায়াৎ গ্লমা-মানায়াং। তীৰ্পে ধাঙ্কইব তীর্থধাঙ্কঃ তীর্থকাকঃ নগরবালসঃ ধাঙ্কইব স্থিত ইতার্থঃ। পাত্রে সমিতাদয়ঃ।কেপে গ্রমানানে পাত্রে সমিতাদয়ঃ প্রীবে নিপাত্যস্তে। পাত্রে এব সমিতাঃ সঙ্গতা ন পুনঃ কচিৎ কার্য্যে পাত্রে দ্মিতাঃ আধনিকে খাতে বক ইব আখনিক বকঃ যগা খাতগতমেৰ ভক্ষয়তি ভদ্ধ যো পৃহগতমেব ভক্ষর 🔊 নানাত্র গচ্ছতি সঃ । মাতরিপুরুষঃ প্রতিধিদ্ধদেবীতার্ধঃ। উডুস্বরে দশকাইব একস্থা উভুস্বরদশকাঃ। যথা উভুস্বর মধ্যে দশকাঃ একস্তা। এব নান্যং পঞ্জি তথা যে হদৃষ্ট দেশান্তরাত্তে ইতার্থঃ। পিশ্রামে গুরঃ পি ভী পূরঃ অন্যত্র কার্য্যাক্ষম ইত্যর্থঃ। এবং গেহে বিজ্ঞীভীত্যাদাব পি নিন্দা গদ্যতে।, প্লাত্তে দমিতা আখনিক বকা মাতব্লিপুরুষোভুম্বর মলকাঃ। পিঞী भूंदता त्राट्टिविकिकी त्राट्टनकी त्राट्टनकी । त्राट्टमाही त्राट्टम्रथा त्राट्टमही গর্ব্ভেদ্প্রঃ। গোপ্তে পঞ্জিত গোপ্তে পূর্বে গেছে ক্ষেড়ী গেছেগাড়ঃ। উভুম্বরক্মিঃ পাত্রে বহুলাঃ কুপকছপঃ। কর্বে চুক্রচুরালেচর কুপুমগুক ইতালি। কর্বে টিটি-त्रिका (शरह व्यश्वता व्यव्याशिकः। ययाः शर्व व्याख्न (उवाः व्यव्यादान হপি ক্ষীস্ততা। তথাচ বৃতজ্বং পাত্রে সমিতৈ রিতি ভট্টিঃ। পাত্রে সমিতা-দীনাং<sup>e</sup> হাতিরিক্ত সান্তরং ন তবতীত্যেত্রদূপি জ্বেমং। তেন প্রমাঃ পাত্রে সমিতা ইত্যাদৌ ন ষঃ বহুপুটুক্তে স্থিতা ইত্যাদৌ হঃ স্যাদেব। বনে কশের-কাল্যা নামি। বনেকশেক্লকাদ্যাঃ প্রীধে নিপাত্যন্তে সংজ্ঞায়াং। বুনে কশেক্লকাঃ বনে কিংশকাঃ পুরুষোক্তমঃ নগাধিরাজ ইত্যাদি। বনে কশেরকাদীনাং পাত্রে 'সমিতাদাত্তর্গতত্তে সিজে পৃথপ্রিধানমনিক্দার্থং । পুরুষোত্তম নগাধিরা**জ** इंडाज न निर्म्तादन इंडि निरम्राय और वरन करमक्रकां मि शांघार मरखांबार म ইতান্যে পরেতু সংজ্ঞায়া মিতি স্ক্রিয়িত্বা বনে কিংশুকাঃ বনে কশেরুকা ইত্যু-षाहत्रुखि। তেতু ষক্র সমুদায়ে। নির্দ্ধার্যামাণো নির্দ্ধারণুহেতুশ্চেতি ধরং তক্তৈব ন নির্দারণ ইতি নিষেধ স্তেন পুরুষোক্তম ইন্ডাাদে ন নিষেধ ইত্যাহঃ। ষদাপি দাাদি জান্ত পুর্বনানাদেব গ্রন্থ্তা ব উক্ত তথাপি প্রান্তপূর্বদানামপাতি-. খানাজ্ঞেয়মিতি তথাচ। নঞঃ। রুঞিতি বাদা দ্যাদ্যস্তেন সহ ষঃ দ্যাৎ। ন বান্ধণো হবান্ধাঃ। নত্যোহর্থোহি ছিবিধঃ পযু দাসঃ প্রসঞ্জা প্রতিষেধশেচতি। ৰহুদ্ধেই। প্রধানত্তং বিধে বৃত্ত প্রতিষেধেহুপ্রধান্তা। প্রযুগদাসঃ স বিজ্ঞেয়ো ষরোভরপদেন নঞ্। জপ্রাধানাং রিগে র্যত্র প্রভিষেপে প্রধানতা । প্রসঞ্জা প্রতিত গোহনো ক্রিয়ায়া সহ যত্ত নঞ্। ইতি। অবাক্ষর ইত্যাদে পিরপদার্থ

বাবস্থিতাঃ। তথা শৌক্লাদয় তেন পটশৌক্লাদয়ঃ মূতাঃ। ইতি ভাঞ্জিঃ। অন্যেতু ভাৰতপত্তিনাপি কাৰ্ফ্যাদিনা নিষেধ তেন কাক্স্য কাৰ্ফ্যং বলাকায়াঃ শৌক্লামিতাক্র নিষেধঃ অর্থগৌরবিমিত্যাদৌ তু স্যাদেবেত্যাভঃ। এবং পুরুষো कः., (प्रदिनाश्री कः नामकावा पिलिख नाक्रमिकि। ममानाधिकवरेनः। ममा-শাধিকর গৈঃ সাদ্যন্তিঃ সহ যাস্তস্য ধোন স্যাৎ। সুন্দরস্য দেবদ্ভস্য ধনং ্শালা রাজ্যোমাতসাঃ। স্থানাধিকরণৈঃ কি**ং** রাজস্তিয়ো,গৌরবং কুফ্চরণো । एउमा जीदा भक्षः हम्पनमा मृद्यभक्षः ইত্যাদে द्वायां जाता मार। हैं। भीषः। अथ श्रीयः। श्रााः भीकारेमाः। श्रान्तमा भीकारेमाः मध्यः मार्गः। অঃ ু শৌৰঃ অকশোৰঃ শৌৰশদঃ সুরাপে রুঢ়ঃ ইহতুপচারাৎ অকণ্ ইতা-ভিধীয়তে। নত্তহক্ষেত্রিভি ক্রিয়াভাবাদধিকরণদ্বাভাবেন কথং গ্রী ইতি চেৎ সতাং প্রসক্তিক্রিয়ায়াবৃত্তাবস্ত ভা্বাদিষয়প্তী। শৌও কিতর সন্ধীত প্রবীণ ব্যাড় পশুতাঃ। সিলঃ সাহসিকো- সক্ষততুরো নিপুনঃ পটুঃ। কুশন দপলে। পুর্ভঃ **শুক্ষ প্রকার্যীতঃপি। মধ্যার্থান্ত তথা বন্ধঃ পরে শিফ্টপ্রয়োগতঃ। অ**ধিশক্ষ-স্যাধেয়া প্রাধান্যেহত্র পাঠঃ। যথা ব্রাহ্মণেম্বধি ব্রাহ্মণাহ্ধীনঃ। পরেম্বধি পরা-थीनः अशास्त्रत्वार गरेनव जेनः एकवलाधि आधार्षाणां जावार । मधार्थमाञ्चः भाज-স্যাধিকরণ প্রাধান্যেপাঠঃ। যথা বনান্তর্নতি বন্মধ্যে বসতীভার্থঃ! অধি-করণ প্রাধান্যে হধিশক্ষ্যা পুর্বর্পদার্থ প্রাধান্যে হস্তঃ শক্ষ্য তু বসঃ যথা হধিন্তি জন্তর্নমিতি। অফ্তিগণোহয়ং। লা খেন নিয়মে। লাসংজ্ঞক যকার তাান্তেন সহ প্রান্তম্য ষঃ ন্যাৎ অবশুকর্ণীয়ত্বে গ্রামানে সতি। মাসে-এবং দয় মূণ্য মাসদের্থ মাৃধ্য সমাপ্তে সতি ঋণ্য অবশুও দাতবামিতার্থঃ। এবং ্র মূণং পুর্ববাঞ্লেরং দাম মাসকরণীয়ং দিবসকরণীয়ং। অক্ষক্তমিতাাদে 🖟 াঞাদেরাকৃতিগণত্বা্ৎ। যেনেতি কিং পর্কাণ স্থাতব্যং। তত্রাহ্যেরাত্রা-বয়বানাং জেন ক্ষেপে চ। তত্ত্বেভাস্য দিনাবয়ব রাজ্রবয়বাচিনশ্চ প্রান্তস্য জ্ঞান্তেন সহ ষঃ ন্যাৎ নিন্দায়াঞ। তত্রকৃতং কম্যেদং তাত্রকৃতং আদ্যুটোব্রিঃ মধ্যাক্ষগতঃ পূর্ব্বরাত্রকৃতঃ। অবয়বেতি কিং অফি কৃতঃ রাত্রো কৃতং দিদকৃতাঃ সিধে।য়ুঃ রাজিবৃত্ত মাবেদয়ত ইত্যাদি ধল্যোঃ কৃতা বহুলশিত্যনেন ত্রীস্যাৎ। নিন্দায়াং প্রবাহে মুক্তিতং প্রবাহমুক্তিতং ভ্রমনি হুতং ভ্রমহুতং উদক বিশীর্ণং অন্ধকারনটিত মিত্যাদি। প্রবাহাদিনা মূত্রিতাদিনাচ মুখ্যার্থনপহায়া 📢 ন্তর-মভিথীয়তে। তথাহি। প্রবাহইব অনাদেয়ে কার্য্যে মূত্রিতমিব নিক্ষলং প্রব-र्जन मिक्राक्षप्रमस्त्राद्वत म्थार्थ छातार निम्ना तमार्छ हेछानि करमनार्था

রামমহিতঃ .কৃতবানিতি তু অতীও জ্ঞান্তেন ঘ ত্রাঃ দ্যাৎ দল্প ধ্যাঃ দ্যাদা। हेम स्मयामू भगजः। एच थारक्षी एए। एए एवं ह माहि आदि मजार एए माबी जनसमा বোন সাাৎ। গবাং দোহো গোপালকেন সমুদ্রস্য বক্ষোবানরৈঃ। উভয় প্রাঞ্জী চে ইতাৰেন ধত্ৰ নিয়মঃ তত্ৰৈবায়ং নিষেধ স্তেন ইক্ষুভক্ষিকা বিশ্ৰস্য অংই।-দরিদ্রদা ইতাত্র বাাঃ দাাং। ওদনপাকঃ সুপকারদা ইতাত্র তু ওদনদ্যে । সন্তব্য বিবক্ষায়াং • ধী ততোহৰেন ন নিষেগঃ। তৃগকাভ্যা মহোত্রাদি— होजानि ভिन्नाভार ज्वल वैकालाडा कर राजमा या न मार। भूता অপাংস্পূর্ফী ওদনদ্য ভোজকঃ তণ্ডুলসাপাচকঃ। অহোত্রাদিভাাং কিং হর্তি 🗯 🖂 শচীভর্ত্তা পত্যর্থ ভর্তৃগ্রহণাৎ বক্সদ্য ভর্ত্তা ধারক ইত্যক্র নিষেধঃা ক্ষক্রিয়না ধক ইত্যাদিন হোতা পতার্থ ভর্ত্তাচ হস্তা যাজক পুঞ্জকো। গণকো রথপড্জিন্ডাং ্রসাপকঃ পরিচারকঃ। উৎসাদকোর্ধর্তুকাহয়াপকাশ্চ পরিবেশকঃ। প্রয়ো-**জ্ঞাক ইমে প্রোক্তাঃ শে**ষং জ্ঞেয়ং ঐয়োগতঃ <sup>™</sup>রপপথক্তিভাণি পর্মা গণক-সৈয়বেহ পাঠাৎ গ্ৰহাণাং গণক ইতাত্ৰ ষঞ্জিষেধঃ। আক্তিগণত্বাৎ চিন্তগ্ৰাহকঃ मञ्जामानद्वाधक हेजामि। जुन्माहर्क्या घितिहेज नकास्वरेमारवहश्रहनः उन ভমোভে দিকা চফ্রন্যেত্যাদে। মঞ্চল্যাৎ ভাববিহিতথাং। ব্যক্ষ্তান পূরণৈঃ। বাসংজ্ঞাঁক কৃদ্ভেন শতৃশানভাগং পুরণত্যাত্তেনচ সহ যাস্তস্য যো ন স্যাৎ। ব্রাক্ষণস্য কৃষা বিপ্রসাপ্রকৃত্য দেবস্য কুর্বন্ ব্রাক্ষণস্য কুর্বাণঃ সর্বাত্র সন্দ রবিব-ক্ষায়াং যী। বিপ্রাণাং দশমঃ ছাত্রাণাং পঞ্চমঃ এতিঃ কিং তদ্পরি ম পরি। তথাচ ষংকুতেরীনু বাগৃহীম সমুদ্র মতরামচেতি ভটিঃ। যায়াঃ কৃতে ইতি বাক্যং। স্ত্রব্যাত্মগুণৈঃ। যে গুণা গুণে গুণিনিচ বর্ত্তত্ত্বে তে দ্রব্যাত্মগুণাঃ বৈ ষাস্তস্য বোৰ সাং। পটস্য শুক্লঃ জনস্য শীত মিত্যাদি। यছজং। কং 📆 প্রায়োহগান্তি গো শুক্লগুণ ইত্যয়ং। তেনৈবমাদিষু প্রাপ্তঃ সমাদোহয়ং নিষিব 🙉 ইতি। ইহ বৈশেষিকশান্তীয়াণাং সংখ্যা সূথ ছঃখাদীলাং ন এহণং তেন গো-শতং মৎসূধং জ্দুংধমিত্যাদি। যত্নজং। বৈশেষিকগুণানেই সংখ্যা তুঃধ সুধ দরঃ। পৃহীতা গো শতংশীতা ছঃখমিত্যাদি দর্শনাৎ। দ্রব্যাত্মেতি কিং চন্দন-গল্লঃ কন্যী রূপং নদীঘোষঃ ফলরসঃ কুচম্পর্শ ইত্যাদি। গন্ধাদিশদানাং কেবল ঞাস্থ্রাৎ। যতুক্তং। ন কদাচিৎ প্রয়োগোহতি চক্ষনং গন্ধ ইতায়ং। চক্ষন-•বৈস্থ গলোহি স্বপ্রধানং প্রতীয়তে। এরং রপাদয়ন্তমাৎ সমাসোন বিহ-ন্যতে ইতি পটলোক্সং অর্ধনোরবং বচন কৌশনং গাত্রমার্দ্দব মিড্যাদৌ ভাব ত্যান্তানাং কেবল গুণুর্তিতাৎ সঃ স্যাদেব। ছপাচ যণা গলাদয়ঃ শক্ষী গুণ সাত্র

मम्मोर्थकष्रां विरथः श्रीधानार श्रवित्यधारण जारभर्याां जातार श्रवित्यधमा-প্রাধানাং অভ্তর পর্মানাশ নঞঃ পরদেন সহ পরস্পার সাপেকত্বাৎ সঃ। কিঞ্জিং ন কুর্বাণ ইতাদে বিধাংশে তাংপর্যাভারাৎ বিধের প্রাধানাং প্রতিষে-ষাংশৈ শক্ষপ্রয়োগাৎ তদ্য প্রাধান্যং অত্রবোক্তরদেন দহ প্রদক্ষ্য প্রতিষেধ ৰঞঃ করোতীত্যর্থ ক্রিয়য়া দহ সম্বন্ধেন পরম্পর সাপেকছাভাবাদ্দসঃ। নবেবং সতি সুৰ্যাৎ ন পশুন্তি ইতাৰ্থে অসুৰ্বাং পশুনি মুধানি পুন ন গীয়ন্তে অপুন-র্বেরা<sub>রি:</sub>শ্লোকাঃ। প্রাদ্ধং ন ভুঙ্কু অশ্রাদ্ধিভোক্সী ব্রাহ্মণ ইত্যাদে কথং স ইতি চেৎ সভাং। নহি ক্রিয়য়া সহ সম্বন্ধঃ স নিষেধ করণং কিন্তু অগকত্বং তথাহি অসুর্ব্যং পশ্রানীত্যাদো গমকতাৎ সঃ কিঞ্জিয় কুর্বনাণ ইত্যাদাবগমকতার্ম ইতি। यहा असूर्याः शंक्षांनि सूर्वानि सूर्वानिषयक पर्यनिक्ति मानि सूर्वानि रेगले কর্তৃক পুনর্বেরভিন্না লোকাঃ আদ্ধিদর্মক ভোজনবদ্ভিন্নো ব্রাক্ষণ ইভার্থাৎ পযুত্ত . माप्र बर्वि अञ्चाखां अववर काना उनार (अम्माना भाव्यक्रिः। (मवमाखन न ভূমতে ইত্যাদৌ ক্রিয়মা সহ সম্বন্ধাৎ প্রসন্ধ্যা প্রতিষেধ ইতি দিক্। প্রাঞ্জ নঞহর্থঃ বজিবঃ। যত্তকং। তৎদাদৃশুনভাবশ্চ তদনাত্বং তদল্পতা। লঞ্চাশন্তাং বিরোধশত নঞ্থাঃ ষট্ প্রকীর্ত্তিতাঃ। যথা অব্রাক্ষণঃ ভাপাপং অঘটঃ পটঃ অসুদরী কন্যা অকেশী বেশু। অসুব ইত্যান্থঃ। অসিতং অধর্মঃ ইত্যাদো রুঢ়ি-বিষয়ত্বাৎ নু সাদৃশ্ভাদ্যবগম্ঃ। কেচিজু নঞ্সংযেহ; ভাবস্বস্তি তন্মতে উচ্চৈৰ্মুখ इंड्रांनियर विरम्पय विरमयाष्ट्रमवर्गखवार। ननीरना श्नीन रंड्यांरमी नरका দ্যোতকত্বাদ প্রাধান্যেন বিশেষণত্বাৎ ন পূর্ব্বনিপাতোহনিয়ম ইতি। অন্যেভু ভদসংদ্বেত্যাভঃ। ঈষতে। গুণবচনৈঃ। গুণসূক্তা গুণিনি বর্ত্তত্তে যে তে গুণবচ-নাক্তঃ সহ ঈষদিতি ব্যস্য ষঃ স্যাৎ। ঈষৎ পিঙ্গলস্তন্যাপত্যং ঐষৎ পিঙ্গলিঃ। এবং ঈন্ধিকটঃ ঈষ্পাতঃ ঈষ্তুমতঃ ইত্যাদি। ঈষ্ণার্গী ইতাত্র গার্গান্তব্যা-শ্রিত গুণক্রিয়য়োরণপত্রবোধকত্বেপি ঈষতো পার্গ্য শব্দেন সহ নযো দ্রব্যবাচি षा । श्रृत्वारमद्रश्मिटेनक एष्। এक एष वर्त्त मार्गनाश्मिन। मृङ् श्रृत्वारमः यः मारि। পূर्वारकाम्रमा भूविकामः अभन्नकामः উত্তরকাमः পূর্ববাহন মধ্যাহন সায়াফঃ পশ্চিমরাত্রঃ। উপারভাঃ পশ্চিমরাত্রগোচরাদিভি ভারবিঃ। ষদ্য-🗥 পোকদেশে সমুদায়োপাচারাৎ বিশেষণ বিশেষায়ো র্যনৈবৈব পূর্ব্যকায় ইতি সিখাতি তথাপাৰয়বাৰয়বিসম্বন্ধ যাাঃ যে কায়পূর্ত্ব ইত্যাদানিষ্টরূপ নির্নাাঞ্চ মিদং। বীবেপি রাজ্বদন্তাদিত্বাৎ পরনিপাত ইতি কশ্চিৎ তন্মতেতুনেদং স্ক্রমিতি। একত্বে কিং পুর্ববং ছাত্রাণাং পূর্ববং বর্যাণাং পূর্ববর্ধা ইভিতু বর্ষাণ্য-

স্যাৎশিন একছাৎ। ক্লীবাৰ্দ্ধ ভুৰ্ব্য দিতীয় ভৃতীয় চতুৰ্থ ভুরীয়নাৎ বা। ক্লীব-निकान। रमयारमकरष वर्छमारन नाश्मिन। मृत्रु वह माहि। अर्क्षश्काग्रमा अर्क्ष-কায়ঃ ভূর্যাভিকা দ্বিতীয়ভিকা তৃতীয়ভিকা চতুর্বভিকা ভুরীয়ভিকা। পক্ষে কায়ার্ক মিত্যাদি। তথাচাহপুপার্কাং ভক্ষিতংশয়েতি ভাষ্যং। এবং ভিকাভুর্যা মিত্যাদি। একত্বে কিং অর্দ্ধং ধান্যানাং। অর্দ্ধণিপান্য ইতি তু অর্দ্ধপিপা-লীচ অন্ধপিপাণীত অন্ধিপিপাণীত ইতি এক শেষাৎ অস্য নিত্যসত্বাৎ অন্ধং কাঁয় দ্যৈত্যাদি বাকাসত্ত্বহপি বা গ্ৰহণ পাক্ষিক মীষ জ্ঞাপনাৰ্থং। তেন ব্যুক্ত खान পুরণৈরিতি म यीय निध्यवः। কালানাং পরিমাণিভিঃ। কালবः \$6 নাং পরিমাণবাচিভিঃ সহ ষঃ গ্যাৎ। সাসোজাত্যা মাসজাতঃ ছে অহনী জাত্রা ছাস্পাতঃ বদাপি ফ্রোণাড়কাদীনামের পরিস্থানবাচকত্বং প্রসিদ্ধং তথাপাত্র .कानमा राजित शतिगांवधमवरण्डम रङ्जूषा उवाहि मारमाञ्चाज्याजारणी মানাদয়ো জাতদল্পানঃ সুর্বাগভিক্রিয়া গময়ন্তি ইতাবচ্ছেদ হেতব ইনি ' का आक्षाल सरमाः। जनत्म का एउन मह यह गार । आक्षाकी विकार आह ন্দীবিকঃ অপেরন্দীবিকঃ জীবিকাপ্রাপ্তঃ জীবিকাপর ইতি দ্যা আশ্রিতাদিত্বাৎ। আ প্তান্ধীবিকাং আগুন্ধীবিকা জাপন্ন জীবিকা ইত্যত্ৰতত্বগ্ৰহণ জ্ঞাপকাৎ গুন্থ-দ্ভাবঃ এবং দ্বিতীয়া ভিকায়া দিতীয়ভিকা ইতাপ্রি! স্বয়ং নাম্যোঃ জেন। স্বয়ং সামি ইত্যেত্রে ব্যস্তুঞ্জেরা; জেন সহ यह স্যাৎ। স্বয়ং ধৌতঃ তস্যেদং স্বায়ং ধৌতঃ সামিক্তং সানিশকেহিদ্ধিপর্যায়ঃতেন ভদর্থন্য গ্রহণাৎ নেনিক্তং অর্দ্ধ কৃত মিতাপি কশ্চিং। কৃদন্তগ্রহণ্ণে কারকোপদর্গ পূর্ব্বদ্যাপি গ্রহণমিতি ন্যায়াৎ স্বয়ং চিরবিলীনঃ স্বয়ং ধর্ম্মগত ইত্যাদি। কুপ্রাদ্যোনিতাং। কুইতাসা আদেশ্চ ব্যসংজ্ঞকস্য স্যাদাস্তেন সঁহ বঃ স্যাক্ষিত্যং। নিতানে স্বপদ্বিগ্রহতা-বাৎ পদ্মান্তারণার্থ কথনং। কুৎসিতঃ পুরুষঃ কুপুরুষঃ ঈষজ্জলং কাজণুঃ, প্রকৃষ্ট-গতঃ পুগতঃ প্রপজ্তিতা বা পুরুষঃ প্রপুরুষঃ। বিশিটে বিরুদ্ধে বা পুরুষঃ বিপুরুষঃ ছুটোঞ্চনঃ ছুর্জনঃ শোভনোজনঃ সুঞ্জনঃ ইত্যাদয়ঃ শিক প্রয়োগা সু-माद्रिन छाउँ वाहै। कालामावजारम द्या। कालामावर्थ वर्त्तभानमाजारम ষ্মুত্তেৰ সহ নিভাঁং ষঃ সাং। অভিক্রান্তো বেলা মভিবেল উদ্গভো বিদ্যাং छेविषाः। कुकीषा क्वारम छ।। कुकीषावर्थ वर्खमानमावारम छ। एउन मह ন ৩৯০ খঃ সাং। অবকুটং কোকিলয়া অবকোরিলং বনং অবকুটঃ কোকি-রেন অর্কোকিলো বৃক্ষঃ। সশন্দ ইতার্যঃ। সক্সজোবর্মণা সংবক্ষা পুরিণজো-বির্ভিঃ পরিক্রিরং সম্ভুত মশনেন সমশনং প্রতীতেহিকেণ প্রত্যক্ষে ঘটঃ সুন। দনঃ দর্রানিশ্রিতাঃ শজবঃ দিশিক্তবঃ গুড়েনমিশ্রিতা ধানা গুড়গানাঃ হস্তিনা
যুক্তোরণঃ হস্তিরথঃ এবং অশ্বরথঃ দরাপুর্নোঘটঃ দিঘটঃ ইত্যাদো শাকপার্থি
নাদিজ্মধাপদ লোপং। অবাদয়ঃ কুন্টাদার্থে তৃতীয়ান্তেন সমসান্তে। কোকিলয়া অবকুন্টং অবকোকিলং বনং অবসা পুর্বনিপাতঃ। গবাবাদেরিতি হুদঃ।
এবং অবময়ুরং বংসবেন পরিণতঃ পরিবংসরঃ। অকেন আইগতঃ অধ্যক্ষঃ
আকেনপ্রতীতঃ প্রত্যক্ষঃ অকমিশ্রিয়ং। চতুর্থীমাই। বিফবেহন্তং বিফুদন্তং এবং
গোল্টোহিতঃ গোহিতঃ যুপায় দাক্র যুপদাক্ত এবং অশ্বর্যাসঃ বাসগৃহং শয়নপর্যাই, ইত্যাদি। এবু ষ্ঠীসমাস ইতি নি চিং। এবঞ্চ প্রানাদ্যর্থে পর্যাদিনা
চত্রীসমাসঃ। যথা অধ্যয়নীয় পরিপ্রানঃ প্র্যায়নঃ যুদ্ধায় উদ্যক্তঃ উচ্যুদ্ধঃ

প্রধং অলফু শারিঃ গরাবাদেরিতি হ্রস্বঃ গোভোইলং অলংগ্রঃ গোন্ত ত বিশেষ বিধিনা ষঃ। প্রাঞ্চমীমাহ। অচ্যুতাজ্জাতং অচ্যুতজাতং এবং হঃ ধর্মঃ - ক্রিক্টিঃ সর্পরিক্ষিতঃ ইত্যাদি

মপূক্গতা। যাদাবিতানুবর্ত্ততে ইতি তত্র যদে সংখ্যাবাচিনো রাত্রেঃ ধবিধা নাৎ ধণয়োরেবাস্য বিষয়ঃ ইতাত আহ ধাদাবিতি নচ তত্র যিত্বাৎ জীয়ামীবিব-ধানাৎ সংখ্যাগ্রহণং কর্ত্তব্যমিতি বাচাং রাত্রান্তানামহো রাত্রাদিত্বাৎ সদৈব পুংস্থাং। সংখ্যাব্যাদিতি কনির্দ্দোক্ষ যথা সংখ্যমিত্যত আহ' অতিরাত্তঃ অত্যক্ষুণ মিতি। গেতু ছয়োঃ রাত্রোঃ সমাহারঃ দিরাত্রঃ ত্রিরাত্ত ইতি। এবং নির্বত মম্মুলিভ্যো নির্মুণং দেওজুণী পরিমাণ্যস্য দ্বাস্কুণং ক্ষেত্রং দ্বাস্কুলী নির্মাণ্যস্থ দ্বাস্কুল বিবাহি ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা হিতি মহান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্র মহান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্র মহান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্রা ক্ষান্ত্র ক্ষান্ত্রা ক্য

সধাহো রাজ্ঞ যঃ যগেচ ইতি ষঃ বিত্তাদীপ্। অতিশ্বীতাত্র শুনোহতা প্রাণুাপ মানাৎ ইতি যঃ। অত্যক্ষঃ ইত্যক্ত সংগ্ৰেহারাজ্ঞ ইতি যে সর্বৈকদেশেত্যাদিনা হক্ষোফাদেশঃ পুর্ববদার্থ প্রাধান্যহপি ধরিধানস্যতি ফলং। এবং অতিনদিঃ অতিভর্ত্তা অতিধর্ম ইত্যাদো কাদয়ে। নদ্যঃ অহ্বাৎ। অতিস্তিরিতি পরদার্থ-স্যাহপ্রাধ্বন্যাদৈন্যীণাত্তেন গব বাদেরিতি স্বঃ। রাজ্বদন্তাদিষু পরং। প্রাপ্ত-পূর্ব্ব নিপাতং দংরাজ দন্তাদিয়ু পঠিতং চৈৎ পরং गা। । দন্তানাং রাজা রাজ দশুঃ লিপ্তবাসিতং নিজ্ঞসংষ্টিং নগ্নমুখিতং ভৃট্টলুঠিতং অব্জিন্নপকং অপুৰ্পতে: দত্তং উপ্তগাঢ়ং। সঞ্জাসু পূর্বকালসা । ১৭ সা বিষয়ঃ। উদূধল মুবলং তণ্ডু ক্লিলং চিত্ররপ বাহলীকং বিলক্দেনাজুনৌ চিত্রা স্বাতী পুল্র প্রয়ো কেশখাক্স বিশেন यन दिरमुद्धा खांडक बोखारमी अভिप्रालिएक शृंखागर्वा मर्यामा छिविशी শিরোজার পাঞ্ ধৃতরাফ্রী অনাবুশ্চ কর্ত্বনূশ্চ তে অনাবুকর্কন্ ঈদূতে র্বা পরদে ইতি সং তেচ দৃন্ভূশ্চ তা অর্শা কেবির দৃন্ভূঃ উপ্রাদিভি মুষ্কা। দীনাং চেপর নিপাতঃ। বিশেষ্য বিশ্বে সূত্রাপুর বা েডি কশ্চিং। এবং বনসাথে অভেবনৎ রাজীণাৎ গণো গণরাজং 🧸 নাবারো বারবাণঃ অন্তর্ত্ত গৃহ গৃহান্তরং। অন্তর শকোত্রীন্যার্থঃ খঃ পর ারখঃ ইত্যাদি শেষং শিট-প্রয়োপাসুসারেণ জেরং।

## ৫০। সংখ্যা ব্যা দ্রাজ্যসূলিভা। মঃ।

সংখ্যারা ব্যাচ্চ পরাভাং রাত্রাঙ্গুলিভা মঃ ফাছোদৌ নতু তার্থে। অভিরাত্তঃ অত্যঞ্জা হরিণা তাতো হরিত্রাতঃ বিষ্ণা দত্তং বিষ্ণুদত্তং অচ্যতাজ্জাতং অচ্যতজাতং রুফ্স সথা রুফ্সথঃ মহাঘাসঃ গ্রামতক্ষঃ মগসকথং জালসরসং মণ্ডকসরসং রাজণবঃ বর্ষারাতঃ।

সংখ্যার বাঞ্চ সংখ্যারাং ভদ্মাৎ। একবচনং যথা সংখ্যা নিরাসার্থং। অত্র মঞ্কপ্পতানিকারাক যাবদর সূত্রিঃ। রাত্তিমতিকান্তোহতিরাত্রঃ এবং অত্য-সুলঃ এবং ত্রিরাত্রং ছামূলং। তৃতীয়ামাহ। হরিণ ত্রাভঃ ইতি। এবং খড়ন-ছিনঃ রথব্রজ্যা হর্ষজাগরা মাস পূর্বাঃ পর্যাবরঃ মাসোনঃ অসিকলহঃ বাঙ্নিপুণঃ গুড়মিশ্রং ইত্যাদি। বদ্যাহ্যতবানু শাস্তেণজ্ঞাত্বা মনসা কর্তৃমিচ্ছতি। হস্তেন কুর্বানু বলেন কুর্বাণ ইত্যাদবনভিগানাল স্যাৎ। এবং দল্লামিশ্রিত ওইনঃ দ স্পতোবেলয়া সুবেলঃ অধিগতোহকেণ অধ্যক্ষে ঘট ইত্যাদি। প্লানাদো পর্যাদেশ্যা। প্লানাদাবর্থে বর্ত্তমানস্যাপ্র্যাদেশ্যন্তেন সহ নিত্যং মাং স্যাই। পরিপ্লানোহধ্যয়নায় পর্যাধ্যয়নঃ পর্যাধ্যই কুমার্ব্য অলংকুমারি অলং শব্দম
পাক্ষিক স ইতি কল্চিং তন্মতে হলংকুমার্ব্য ইতি বাক্যমপি। উদ্মুক্তায়ুদ্ধায়
উদ্মুদ্ধঃ অভিগতঃ শ্রুতায় হতিশ্রুতঃ। ক্রাক্তীদেনি নিরাদেঃ প্যা। ক্রাত্তাদাবর্বে বর্ত্তমানস্য নিরাদেঃ প্যস্তেন সহ নিত্যং মঃ স্যাৎ চনিষ্ক্রাস্তো বনাৎ
নির্বনঃ। অপগতো গ্রামাৎ অপগ্রামঃ অন্তর্গতো মুখাৎ অন্তর্মুখঃ ইত্যাদি।
কচিদ যাত্রাপি এতঃ সুত্রে র্য্ত্রাপ্রাপ্তঃ সন্তর্জাপি শিক্ষপ্রয়োগ দর্শনাৎ মঃ
স্যাৎ। পুনারাজ্যঃ পুনর্গবঃ ভূতপুর্ব্বং পুনঃশিল্পী অবিনাভূতং অবিনাভাবঃ
অন্যার্থোপিন্তিঃ অধগন্তব্য ইত্যাদি। অস্যাদ্যস্তেনাপি কৃত্ত্রোপ্রপদ্ম।
স্যাদ্যৎপত্তেঃ প্রাগপি কৃদন্তেন সহোপ্রদাস নিত্যং মঃ স্যাৎ। কুন্তং করোতীতি কুন্তুনারঃ। শক্তিগ্রহঃ ধনক্রীতীত্যাদি। হরিভাবিনীত্যাদে তু বিনো
হন্যার্থাৎ ই এবোক্তং। ন ঘ্যাদিনিমিন্ত্র্যা প্রত্যাদেঃ। ঘ্যাদিনিমিন্ত্র্যা প্রত্যাদেঃ কুপ্রাদ্যো রিত্যনেন প্রাপ্তঃ ধ্যানতঃ ব্রেগত্তিভাঃ পরীত্যাদি।

४२। याः भूर्यः।

পরং বাং পুর্নিং স্থাৎ সে সতি। রাজানমতিকান্তা অতিরাজী অতিশ্বী অত্যক্তঃ অতিক্রিঃ।

সমাসান্ত প্রত্যানাদ্যে নিমন্তীভূতস্য যাদেরিহ পূর্বনিপাতে হতুবৃত্তি নাতি তেন সমাসমাত্রেহস্য বিধানাৎ উপকৃষ্ণমিত্যবায়ীভাবেহপি পূর্বনিপাতঃ অতিরাক্ষীতি। সখাহরিতি ধপ্রভায়ে নকারাদি লোপে ধীত্বাদীপ। এবং অতি শ্বীতি শুনোহত্য প্রাণ্যুপমেতি যঃ। অত্য দ্ন ইতি সর্বৈকদেশতি অহ্যাদেশঃ অতিন্তি রিবাবাদেরিতি হুখঃ এবং অতিদায়ঃ অতিবামোরাঃ। রাজান-মতিকান্তা অতিরাজীত্যুদাহরতা ক্রান্তাদার্থিরত্যাদিভি দিতীয়ান্তস্য সমাস ইতি স্বিতং। তেন বেলা মুলাতঃ উদ্বেশঃ জ্যামধিরতঃ অধিজ্ঞাং মুন্মভিগ্তঃ. অভিমুখঃ ইত্যাদি বোধাং।

বামিতি স বিধায়ক লক্ষণে ধীনির্দিউস্যোপনক্ষকং তেন পূর্ব্যকায়ঃ অর্ক্ষ্ট পিস্পানীত্যাদৌ পূর্ব্যদীনাং পূর্ব্যনিপাতো নতু শাকং প্রতি ইত্যত্র প্রতে রিতি। সতিরাজীতি অতিক্রান্তারাজান মিত্যাদিস্বরূপেণার্থ ক্রথন নিত্যন্য।

সধাহো রাজ্যঃ বঃ ষণেচ ইতি ষঃ ষিত্তাদীপ্। অতিখীতাত্ত ভানোহতা প্রাণাপ মানাৎ ইতি যঃ। অত্যক্ষ ইভাত্র সখ্যকোরাজ্ঞ ইতি যে সর্বৈকদেশেভ্যাদিনা হক্ষেকাদেশঃ পূর্ববদার্থ প্রাধানোহপি যনিধানস্যতি ফলং। এঃ অতিনদিঃ অতিভর্ত্তা অভিধর্ম ইত্যাদে। কাদয়ো নসৃঃ অহ্বাং। অভিক্রিরিভি পরদার্থ-স্যাহপ্রাধান্যাদেগীণাত্ত্ব গবাবাদেরিতি খঃ। রাজ্বলন্তাদিষু পরং। প্রাপ্ত-পूर्व निপতिং परतीस पंछापियू পठिउ । हर भत्र मार । पछानार तासा तास দন্তঃ निश्वरामिতং নিজসংষ্টং নগ্নম্বিতং ভৃষ্টলুটিতং অব্ভিন্নপকং অপিতো দস্ত উপ্তগাঢ়ং। সপ্তাস্ পূর্বেকালসা লক্ষণসা বিষয়ঃ। উদূধল মুষলং তঞ্লীক্লক্ষণ চিত্ররপ বাহলীকং বিম্বক্সেনাজুনৌ চিত্রা স্বাতী পুল্রপ্রয়ো কেশখান্দ্র নিশে-यर् विस्मरका चाउक बोब्बानो अधिक्रीनिर्लं भूखावारको मर्गामां विविधी -শিরোজাত্মপাঞ্ প্তরাক্রী অনাবুণ্চ কর্কপুণ্চ তে অনাবুকর্ক সূ ঈদুতোর্বা পরদে ইতি সঃ তৈচ দৃন্ভূশ্চ তা অলাবু কর্করু দৃন্ভূঃ উদ্ধলাদিভি মুধলা-দীনাং চে পর নিপাতঃ। বিশেষ্য বিশেষণে ইত্যালি স্যাদিতি কশ্চিং। এবং वनमार्थं व्यक्तिवन तांजीनां गरना मनदांज वानमानारता बादवानः अखतः পৃষ্ পৃষ্ঠিরং। অন্তর শব্দোত্রানী।র্থঃ খঃ পরং পরখঃ ইত্যাদি শেষং শিট-ध्वरत्रागीनू माद्भग (अववः।

# ৫०। मः था। वा जा जा ज ज ज मः।

সংখ্যায়া ব্যাক প্রভাগে রাত্রাঞ্লিভাগ মঃ ফাদ্বাদৌ নতু তার্থে। অভিরাত্রঃ অত্যস্ত্রাতঃ হরিণা ত্রাকো হরিত্রাতঃ বিফবে দত্তং বিফুদত্তং অচ্যুতাজ্জাতং অচ্যুতজাতং কৃষ্ণ স্থা কৃষ্ণ স্থা মহাঘাসঃ প্রামতক্ষঃ ম্গস্ক্থং জালসরসং মণ্ডুকসরসং রাজ্গবঃ বর্ষারাত্রঃ।

সংখ্যাত ব্যক্ত সংখ্যাব্যং তক্ষাৎ। একবচনং যথা সংখ্যা নিরাসার্থং। অত্র মঞ্জপুতাধিকারাৎ যালের সূবৃজ্ঞিঃ। বাত্রিমতিক্রান্তোহতিরাত্রঃ এবং অত্য-জুলঃ এবং ত্রিরাত্রং দ্বাস্থুলং। তৃতীয়ামাহ। হরিণা ত্রাতঃ ইতি। এবং ধজা-ছিল্লং রথব্রজ্যা হর্ষজ্ঞাগরা মাস পূর্বঃ বর্ষাবরঃ মার্সোনঃ অসিকলহঃ বাঙ্নিপুণঃ গুড়মিঞ্জঃ ইত্যাদি। বদ্ধ্যাক্তবানু শাজেণজ্ঞাত্বা মনসা কর্ত্বমিছতি ৻ হতেন কর্ত্রন বলেন কর্মাণ ইত্যাদবনভিধানায় স্যাধ্। এবং দ্ব্যা প্রিক্ত ওদনঃ দধ্যো তে বেলয়া সুবেলঃ অধিগতোহকেণ অথাকো ঘট ইতাাদি। য়ানাদে পর্যাশিলা। য়ানাদানর্থে বর্তুমান্দ্যপর্যাদেশতান্তেন সহ নিতাং ষঃ স্যাৎ। পরিাানোহধায়নায় পর্যায়নঃ পর্যাধাই কুমার্থ্য অলংকুমারি অলং শব্দা
গাক্ষিক স ইতি কণ্টিং তমতে ইলংকুমার্থ্য ইতি বাক্যমপি। উদ্মুক্তামুদ্ধায়
উদ্মুদ্ধঃ অভিগতঃ শ্রুভায় হভিশ্রতঃ। ক্রাস্তাদে নিরাদেঃ প্যা। ক্রাস্তাদা
বর্থে বর্তুমানস্য নিরাদেঃ প্যস্তেন সহ নিতাং ষঃ স্যাৎ। নিষ্ক্রান্তো বনাং
নির্বনঃ। অপগতো গ্রামাৎ অপগ্রামঃ অন্তর্গতো মুখাৎ অন্তর্মুখঃ ইত্যাদি।
কচিদনাত্রাপি এতৈঃ স্থুত্রে র্য্ত্রাপ্রাপ্তঃ সন্তত্তাপি শিক্ষপ্রয়োগ দর্শনাৎ মঃ
স্যাৎ। পুনারাজঃ পুনর্গবঃ ভূতপুর্বাং পুনঃশিল্পী অবিনাভূতং অবিনাভাবঃ
অন্যার্থোপসন্তিঃ অধগন্তব্য ইত্যাদি। অস্যাদ্যন্তেনাপি কৃত্তোপ্রপদস্য।
স্যাদ্যুৎপত্তেঃ প্রাগপি কৃদন্তেন সহোলসদ্য নিতাং ষঃ স্যাৎ। কুন্তং করে:
তীতি কুন্তকারঃ। শক্তিমাক কুলিজন সহোলসদ্য নিতাং ষঃ স্যাৎ। কুন্তং করে:
তীতি কুন্তকারঃ। শক্তিমক কুলীতীভাাদি। হরিভাবিনীভ্যাদে ভূ নিনো
হন্যার্থখিৎ হ এবোক্তং। ব্রিভানেন প্রাপ্তঃ যোন স্যাৎ। প্রতি বৃক্ষং বিদ্যোততে
বিদ্বাৎ অভিমন্ত্য রক্ত্রনতঃ প্রতি স্থিবাগতঃ ত্রিগর্ভেভঃ পরীভ্যাদি।

৪२। ব্যং পূর্কং।

পরং বাং পূর্বং স্থাৎ সে সতি। রাজানমতিকান্তা অতিরাজী অতিশ্বী অত্যক্তঃ অতিস্ত্রিঃ।

সমাসান্ত প্রত্যানামের নিমন্তীভূত্য্য বাদেরিহ পূর্বনিপাতে হমুবৃত্তি নান্তি তেন সমাসমাত্রেহ্যা বিধানাহ ক্রিক্ট্মিডার্যয় ভিন্তেশি পূর্বনিপাতঃ অতিরান্ধীতি। সখাহরিতি ষপ্রতায়ে নকীর্মিটাণলোপে যীক্ট্মিণ্ডা এবং অতি শ্বীতি শুনোহত্য প্রাণুপমেতি ষঃ। অত্যুক্ত ইডি সর্বৈকদেশেতি অহাদেশ ক্তিব্রিতি গবাবাদেরিতি হ্রমঃ এবং অতিমায়ঃ অতিবামোরং। রাজা ক্রিক্তিরিতি গবাবাদেরিতি হ্রমঃ এবং অতিমায়ঃ অতিবামোরং। রাজা ক্রিক্তিরিতি গবাবাদেরিতি হ্রমঃ এবং অতিমায়ঃ অতিবামোরং। রাজা ক্রিক্তিরিতি গবাবাদেরিতি হ্রমঃ এবং অতিমায়ঃ অতিবামারুদ্র রাজা ক্রিক্তি অতিরান্ধীত্যাদহরতা ক্রান্তাদিতি র্বিতীয়ান্ত্র্যা মন্তির্বতঃ অতিকান্তাদি বেরায়াই।

বামিতি স বিধায়ক লক্ষণে ধীনির্দ্ধিউন্যোপলক্ষকং তেন পূর্ব্বকায়ঃ অর্দ্ধ-পিপ্পর্মীত্যাদো পূর্বাদীনাং পূর্ব্বনিপাতো নতু শাকং প্রতি ইত্যত্র প্রতে রিতি। অতিরাজীতি অতিক্রান্ত রাজান মিত্যাদিস্বর্গেণার্থ কথন মিতানো। मार्शनम अवंदार। क्रीतार्क दूर्या विकीय क्रुकीय हरूर्य क्रुतीयमार ता। क्रीत-निकान। रम्यारमकरष् वर्ज्यास्य नाश्मिन। महम्बः माषा। अर्क्षः काग्रमा अर्क्ष কায়ঃ তুর্যাভিকা বিভীয়ভিকা তৃতীয়ভিকা চতুর্বভিকা তুরীয়ভিকা। পকে কায়ার্দ্ধ মিত্যাদি। তথাচাহপুপার্দ্ধং ভক্ষিতং মঁয়েতি ভাষ্যং। এবং ভিক্ষাভূর্য্য মিত্যাদি। •একত্বে কিং অর্দ্ধং ধান্যানাং। অর্দ্ধপিপাল্য ইতি তু অর্দ্ধপিপা-লীচ অর্দ্ধপিপাগীচ অর্দ্ধপিপানীচ ইতি এক শেষাৎ অসা নিতাসত্বাৎ অর্দ্ধং কায়দৈট্ভটাদি বাক্সদেছহপি বা গ্ৰহণং পাক্ষিক ধীৰ জ্ঞাপনাৰ্থং। তেন বাকৃচ্ছ আার পুরবৈরিতি ন' ধীষ নিষেধঃ। কালানাং পুরিমাণিভিঃ। কালবাচিনাং পরিমাণবাচিভিঃ সহ ষঃ সাৎ। মাসোজাতসামাসজাতঃ দে অহনী জাতসা ষাষ্ঠ্জাতঃ । বদ্যপি ফ্লোণাঢ়কাদীনামের পরিমাণীবাচকত্বং প্রদিদ্ধং তথাপাত্র कालमा (गीनः পরিমানঅমবচ্ছেদ হেতুরাং ত্থাহি মাসোজাতস্যত্যাদৌ মানাদ্রো জাতসম্বিদঃ সূর্যাগতি জিলা গ্রাম কি ইতাই ছেদ হেতব ইতি। षा। প্রাপ্তাপর য়েঃ। অবয়ে। র্চতেব সহ ষঃ স?: প্রাপ্তো জীবিকাং প্রাপ্ত-জীবিকঃ জাপ্তরজীবিকঃ জীবিকাপ্রাপ্তঃ জীবিকাপমু ইতি দ্যা আশ্রেতাদিশ্বাৎ। প্রাপ্তান্ত্রীবিকাং প্রাপ্তন্ত্রীবিকা আপন্নজীবিকা ইতাত্রতত্বগ্রহণ জ্ঞাপকাৎ পুস্ব-দ্ভাবঃ এবং দিতীয়া ভিক্ষারা দিতীয় ভিক্ষা ইভাপে। স্বয়ং সাম্যোঃ জেন। স্বয়ং সামি ইত্যেতরো বাঁসংজ্ঞবোঃ ভেনু সহ ষঃ সাাধ। স্বয়ং ধেতিঃ তল্যেদৃং স্বায়ং ধৌতং মানিক্তং সানিশক্ষোহর্দ্ধপর্যায়ঃতেন তদর্বন্য গ্রহণাৎ নেনিক্তং অর্দ্ধ কৃত মিতাপি কশ্চিৎ। কৃদন্তগ্রহণে কারকোপদর্গ পূর্ব্বদ্যাপি গ্রহণমিতি নাায়াৎ স্বয়ং 'চিরবিলীনঃ স্বয়ং ধর্মার্ড ইত্যাদি। কুপ্রাদ্যোনিতাং। কুইতাস্য প্রাদেশ্চ বাসংজ্ঞকসঃ আধাতের সহ যঃ সান্নিতাং। নিতাসে স্বপদ্বিগ্রহভা-वाद का छात्रनार्थ कथार। दुर्शम का दूर पक्ष कू शूक्रमः नेयडेजनः का छनः ध्यक्षे-্ ্ প্রয়ন্তঃ জুনাভিত্তো বা পুরুষঃ প্রপুরুষঃ। বিশিষ্টো বিরুদ্ধো বা পুরুষঃ ে প্ৰেষঃ ছফৌজনঃ ছজনঃ শোভনোজনঃ সৃঞ্নঃ ইত্যাদয়ঃ শিউ প্রয়োগা সু-ূ

क्षांचित्राह। क्षांचांपांविक्षारम ह्या। क्षांचांपांवर्थ वर्ज्ञमानगांचारम् स्मारख्न मह निचार यह मार्थ। खिक्यारखा दिना मिखिदन छेकारखा दिनारः छिविनाः। क्रुक्षांमा वर्तारम क्षां। क्रुक्षांमादर्थ वर्ज्ञमानगांवारम खारखन मह निचार यह मार्थ। खिक्या खिला खारखन कर विचार वर्षः मार्थ। खिक्या खिला खारखन कर विचार वर्षः मार्थ। खिला क्रिक्या खिला खारखनिन वर्षः वर्षः वर्षः क्षांकिन दिन खिला क्रिक्या क्षांकिन क्षा

দনঃ দ্বামিশ্রিতাঃ শক্তবঃ দ্বিশক্তবঃ গুড়েনমিশ্রিতা থানা গুড়গানাঃ হকিনা যুজোরগঃ হত্তিরগঃ এবং অশ্বরগ্ধ দল্লাপূর্বোঘটঃ দ্বিঘটঃ ইত্যাদৌ শাকপার্থি নাদিত্বমানপুদ লোপং। অবাদয়ঃ ক্রুট্টাদার্থে তৃতীয়াস্তেন সমসান্তে। কোকি-नम् अवक्कुकेः अवत्कांकितः वनः अवमा श्रृक्वनिशांकः। भवावादमद्वि इषः। এবং অবময়ূরং বংসরেণ পরিণতঃ পরিবংসরঃ। আকেণ অধিগত্ত অধ্যক্ষ অক্ষেণপ্রতীতঃ প্রত্যক্ষঃ অক্ষমিদ্রিয়ং। চ্ছুপীমাহ। বিষ্ণবেদন্তং বিষ্ণুদন্তং এবং গোভ্যোহিতঃ গোহিতঃ যূপায় দার যূপদার এবং অখ্যাসঃ বাসগৃহং শয়ন-পর্যাক ইত্যাদি। এরু ষ্ডীসমাস ইতি কেচিং। এবঞ্চ প্লানাদার্থে পর্যাদিনা চতুপীসমাসঃ। যপা অধায়নায় পরিপ্লানঃ পর্যাধায়নঃ যুদ্ধায় উত্নাক্তঃ উত্নাদ্ধঃ कूमारिया जन अनम्ब्रमातिः भवावादमति इत्यः शास्त्राधन जनश्यतः शात्र-তার্থে ইতি বিশেষ বিধিনা ষঃ। পঞ্চমীমাহ। অচ্যুতাজ্জাতং অচ্যুক্তঞাতং এবং নাাজ্রতীতঃ ধর্মভীতঃ অশ্বপতিতঃ অজুনি পরাজিতঃ রাজসৃহীতঃ সপ্রিকিতঃ ঘটভিন্ন ইত্যাদি। গবেরেরেগেতা। গ্রামাতুদুতৃঃ প্রানাদাৎ পতিত ইত্যাদাবন-ভিগানাল স্যাৎ। গভাদার্থে নিরাদিনা পঞ্চম্যাঃ স্মাসঃ। কৌশাল্যানির্গতঃ নিক্ষোশাখিঃ গৰাৰাদেরিতি হুখঃ। শাখায়া অবগতং অবশাখং যূপাদিচ্যুতঃ বিষ্পঃ। ষষ্ঠীমাহ। কৃষ্ণসাস্থা কৃষ্ণস্থ ইতি স্থাহো রাজ্ঞ ইতি ষঃ। মহতো দেশস্য মহত্যাভূমে বা ঘাসঃ মহাঘাসঃ মহতত্তকার্মণভীকার্ম্য বা আকারঃ। গ্রামতক্ষঃ কৌটগ্রামাদিতি বঃ। মৃগদক্পং পুর্ব্বোক্তরেতি বঃ। আল্যরসং সরোন ইতি ষঃ। এবং মঞ্কসরসং রাজগবঃ গোরতার্থে ইতি ষঃ বর্ষাণাং রাত্রিঃ বর্ষারাত্রঃ ইতি সবৈষ্ঠিদেশেতি বঃ রাত্রাস্তাৎ প্রাগ্দংখ্যকা ইতামরাৎ পুংস্ত্রং। এবং মাদজাতঃ দন্তংসরজাত ইত্যাদৌ দল্বন্ধে বন্ধীদমাসঃ। আষ্টঃ ভিক্ষা দ্বিতীয় ইত্যাদে। পূরণপ্রতায়ান্তের্থপ সমাসঃ।

মঞ্কগতা৷ যাদাবিতাসুবর্ত্তে ইতি তক্ত যনে সংখ্যাবাচিনো রাক্রেঃ ধনিধা
নাৎ ধগয়োরেবাস্য বিষয়ঃ ইতাত আহ যাদাবিতি নচ তক্ত বিদ্বাৎ স্ত্রীয়ামীবিন্ধানাৎ সংখ্যাগ্রহণং কর্ত্তবামিতি বাচাং রাক্রান্তানামহো রাক্রাদিদ্বাৎ সদৈব
পুংস্থাং। সংখ্যাব্যাদিতি কনির্দ্দেশাল যথা সংখ্যমিত্যত আহ অতিরাক্তঃ
অতাঙ্গুল মিতি। গেতু দ্যোঃ রাক্রাাঃ সমাহারঃ দ্বিরাক্তঃ ক্রিরাক্ত ইতি। এবং
নির্গত মঙ্গুলিভাো নির্গুলং দ্বে অঙ্গুলী পরিমাণমস্য দ্বান্ত্রণং ক্ষেক্তং দ্বান্ত্র্নান্ত্রিয়া ভূমেরপার্দ্ধমন্ত্র্বন্ধানার্থো হন্ত্রদান্ত্র ব্রান্ত্রানার ইতি মহতো,
মত্ত্রান্ত্রানা। ক্ষণ্য ইতি স্থাহো ইতি ষ্টা মৃহ্যান ইতি মহতো,

মহতা বা ষাস ইতি বাকাং ঘাদশিকে পরে মহত স্তভোরাঃ গ্রামতক্ষ ইতি। গ্রামসা তক্ষা ইতি বাকাং কৌটগ্রামাদিতি বঃ মৃগনক্থা মতি মৃগস্য সক্থি ইতি বাকাং পূর্কোন্তর মৃগাদিতি ষঃ জ্ঞালসরস মিতি। জত্র কালুসা কালকু-টাখ্য গরলস্য সরঃ কালসরসং কালিয়হুদ ইতি পরে। রাজগব ইতি গোরতার্থ ইতি ষঃ। বর্ষারাত্র ইতি বর্ষাণাং রাত্রিবিতি বাকাং সবৈধিক দেখেতা দিনা সঃ।

प्रार्थाद्यीत्मः।

মুখার্থকে: শ্দাদঃ ভাদোদো। অখোরসং মুখোহশ ইতার্গঃ। পুরুষেদু উত্তমঃ পুরুষোত্তমঃ অবভিন্ত ব্রহ্মা অবভিত্রকাঃ।

ै <u>ख्याभार भक्षम हेन्सामायन जिधानां सम्मार । सुँगार्या। सूमार्यामिजि किर्</u> পুদ্ধসা উর বৃংজারঃ বৃদ্ধসা বক্ষ ইতার্থঃ। সপ্রদীমাহ পুরুষেণ্ডিত। নির্দ্ধারণে ষঠান্তসা সমাস নিষেধাৎ পুরুষেষু উত্তমঃ পুরুষোত্তম ইতি দপ্তমী তৎপুরুষঃ। অবস্তিব্ৰক্ষঃ দেশাদ্যাক্ষণ ইতিধঃ। ইক্তাদয়ঃ সাধ্যাইতি বচনাদত্ত্বেদং বিবৃ-ণোমি। আঞ্জিভাতীত পভিতাভাৰপ্ৰাপ্তাপন্ন গম্যাদিভি দিভীয়াস্তস্য। কৃষ্ণ-স্মাঞ্জিতঃ কুফাঞ্জিতঃ এবং সংসারাতীতঃ কুপপ্তিতঃ ক্ছাভাস্তঃ মুখ্প্রাপ্তঃ শোকাপরঃ প্রামগমী সুবেচ্ছঃ মৃতিপ্রেপ্রজন্মর অন্তর্কুঃ। এভিঃ কিং ওদনং ककरान् घरे॰ कूर्यन् भरेश क्र्यानः शामश्मेषा छीर्यश्नेलः हेकारिमो न मारि। कार्ट न विजीयां छ बहु। गांश क्लारमा अहु। मात्र हः बहु। क्राह्म छ। छ। छ। মিতি ক্ষেপঃ। ক্ষেপে কিংখড়ীমারতে গ্রেকঃ পাঠয়তি। সামি কালয়োঃ। সামি ইজাবায়মর্দ্ধার্থং। কালো দিনাদিঃ। বিভীয়ান্তয়োক্তেয়াঃ জান্তেন সমাসঃ স্যাৎ। সামিকৃতং রাত্রিশারতঃ রাত্র্যারতঃ। এবং মাস প্রতিপরশচন্দ্রঃ। ব্যাস্থ্রো षिতীয়ান্তসা। মুভূর্ত্রং ব্যাপা স্থং মুভূর্ত্বস্থং। এবং ফর্মরাক্রকল্যাণী গ প্রাপ্তা, পর্যাণ ধিতীয়ান্তেন সমাদে পৃশিনিপাতঃ পুষ্চ । প্রিয়াংপ্রাপ্তঃ প্রাপ্তপ্রিয়ঃ ্ষত্র প্রাপ্তমা পূর্ত্তনিপাতঃ। গ্রাধাদেরিতি প্রিয়ায়া ছবঃ। রাজানং প্রাপ্তঃ প্রাপ্তরাজঃ গামাপরঃ জাপরগবঃ জায়াংপ্রাপ্তঃ প্রাপ্ত জায়ঃ গর্মংপ্রীপ্তঃ প্রাপ্ত-ুধিৰিছে। এষু বছৰী হৌক্তে আগু প্ৰিয় ইত্যত প্ৰিয়া শব্দেপরে পুষর সাহি। প্রাপ্তরাঞ্চঃ আপর্ববঃ ইত্যুভ্যত যুপ্ততার। ন সাধে। প্রপ্তিফার ইত্ত জানিরাদেশঃ সাং। প্রাপ্তধর্ম ইতাত ধর্মাদন্ স্যাদিতাত তথ্যক্ষ বিধানং। প্রজাংপ্রাপ্তা প্রাপ্তপ্রজ্ঞা জী কীবিকামাপরা আপর জীবিকা জীবিকা জীবিকাস

পদস্য একার্যন্তাবে পুশ্বর স্যাদিতি পুশ্বস্তাববিধানং। নহেতু বিশেষণ সহার্থে কুৎসিভাকেচ ভৃতীয়া সমাসং। েকলায়াশোকঃ ভুষাভিঃ শিবঃ পিত্রা সহাগতঃ আক্ষা কাণঃ প্রেন কুজ্ঞঃ। দৃষ্টান্তমাপন্যতি ভবানপি পুত্রশোকাদিভি রব্বৌ। পুত্র শোকাদিতি সম্বন্ধ বিবক্ষয়া ষষ্ঠাঃ সমাসঃ। জাত্তেন স্তোকাদের্ন পঞ্চম্যাঃ। তোকামুক্তঃ ক্ছুাল্লকঃ ক্ছুলকমপি লকবৰ্ণভাক্ ইতি রখে তৃতীয়য়া। গুণমাত্র বাচকৈ রূপাদিভিঃ ষষ্ট্রাঃ সমাসঃ সাাৎ। হেয়োরপং হেমরপং এবং ইক্ষুরসঃ ठक्र नगस्रः वायुर्व्यानः भश्रामक देखानि । किथ एक्नामीनाः भीजामीनाः मधुतामी নাঞ্জণমাত্র বাহিছে ষষ্টাঃ সমানো ন স্যাৎ। যথা পটসাঁভক্লঃ জনস্য শীতং আম্সা মধুরঃ এষাং গুণিবাচিত্তে তু দ্রুবাসা বিশেষণ তয়া পূর্বস্থায়িলাং বহু-ব্রীহিঃ কর্মধারয়ত্ত স্যাৎ। বর্ণা শুক্লপটো বিপ্রঃ শুক্ল পটোহয়ং শীওঁজলানদী শীতলজনমিদং মধুরাম্বোদেশঃ' মধুরামুমিদং ইতি। এবাং ভাবপ্রজ্ঞায়েষু यहेगानमानः नगरमव। वथा अछेना मोक्रांश अछेरणोक्राः अवः सन्देणकाः स्राम् माधुर्गारः। मर्थगात्राञ्च मर्थभा माज्यगां हिष्युशि यश्चेगाममामः मार्गः। यथा नवारभाउर গোশতং এবং নরসহস্র মিজাদি। বাজকাদীনাং কর্মণি বস্ত্যাসমাসঃ বিপ্রস্তা বাজকঃ বিপ্রবাজকঃ এবং বিষ্ণুপুজকঃ বেদপাঠকঃ। জব্যায়েঃ পশ্চাদাদিভিয়ের : मकंगनमात्मा नह भूकविभाउः। भूका अण्डार भूक्षभण्डार गर्क्षभण्डार उद्द-পরি তৎকৃতে ইতাদি। নিয়মঃ কিং ব্রতিনবৃষ্ণীং গ্রীম্নসাদিনা ছাত্রস্যোচে-शृंह मिछाएमी न मार। निकाद्रत्व यश्चा ममोरमा न मार। शूक्रवानाः मृद्रः। এবং माजूः मृख्याम् निर्णिया उद्यानवाम् वर्षभञ्जा श्रीवक रेखानाविभ न मार। बार्कमञ्चामोनाः পরসা পূর্বনিপাতः। यशा पंछानाः वास्त बाक्स वाक्रमञ्चः कायमा-পুর্বেঃ পুর্বেকায়ঃ ঋণে উদ্ভদঃ উদ্ভদর্বঃ ঋণে অধদঃ অধদর্বঃ ইত্যাদি। তীর্বে काकांप्रें किरण मक्ष्मा मममारखे। जीरर्थ कांक हैत हक्षमः जीर्थकांकः बदः তীর্থবায়সঃ তীর্থাঙ্কঃ কুপমগুৰঃ কুপকছপঃ। কেপে কিং তীর্থে কাকত্তি-ঠিতি ইত্যাদি। তত্ৰে শব্দঃ জেন সমস্যতে। তত্ত্ৰ কৃতং তত্ত্ৰ ভুক্তমিত্যাদি। সমাসে ভিজ্ঞতাদেশীম্য ন পোপঃ। তত্ত্ৰ কৃতস্যেদং ভাত্ৰকৃতং ইংজ্ঞক পদত্বাৎ পূৰ্বস্য বৃদ্ধিঃ। পাত্রে সমিতাদয়ঃ কেপে সমস্তে বিভক্তেরলুক্চ। ৰথা গাত্তে সমিতঃ পাত্রে বহুলঃ গেড্নদ্ধী পিতরি পূরঃ ইত্যাদি। পাত্রে এব **মাল্**জ ইতি কেপো বুখাতে। এবং পি ভীমূরঃ ইন্সত্র বিভক্তেলুক্ অভিধানাৎ। বিলেশয়াদে विकारक में लुक वेरमहत्रारमञ्जन। विरंगभग्नः बरमभग्नः केत्रितामा करधेनानः

वटन हुन वनह वह १४ हुन १ पहार पहिल्ला वह प्रकृता वह मन निष्य मार्थ प्रकृति ।

মুখ্যো হর্থো ষদ্য তৎ মুখ্যার্থং তচ্চ তৎ উরুদ্যেতি তন্মাৎ। অখ্যোরদ মিতি অখদ্য উর ইতি বাকাং। উরঃ শব্দো মুখ্যবৃদ্ধ্যা হৃদয়বাচী লক্ষণয়া প্রধানার্থঃ তথা হি যথা উরঃ শরীরাবয়বানাং প্রধানং তথা অখ্যানাং প্রধানমিতার্থঃ মুখ্যার্থেতি কিং মৈত্রগোরো মৈত্রোরঃ। অবস্তিবক্ষ ইতি অবস্তি রেশভেদঃ তত্র বক্ষা বাক্ষণঃ ৯ এবং সুরাই বক্ষঃ কাণ্যকুক্ত বক্ষা ইত্যাদি। দেশাদিতি কিং দেব বক্ষা নারদঃ।

ইতি ষমধিকৃত্যকৃতোগ্রন্থঃ।

### দ্বিশু সমাসঃ

তক্সার্থে বিষয়ে বাচ্যে অপভ্যার্থকিকাদিকং। এপ্রাজ্বাজাদেঃ সমাহারে গস্তিধোত্তরদে পরে। পঞ্চতির্গোভিঃ ক্রীতঃ পঞ্জঃ।

তস্যার্থে ইভি গোদিঞঃ তস্যু ভদ্ধিতস্যার্থে,সমাহারে উদ্ভবুর পদে পরেচ ভবনু ত্রিধা ভবতি। ভদ্ধিতার্থেহপি বিধা ভবতি বথা তদ্ধিত প্রতায় মাত্রন্য अकारम ईमारमर्वा १८वर्ष विषया है एक का अंशकार्थ किमामिकः (आका जाका जकारम उक्तिजगार्थ बारा देजापरः। देज उक्तिजार्थमिक्का बाकारमरका হর্বঃ। অপত্যার্থ ফিকাদিকমিতি। ফিরেবফিকঃ ছ্লোহত্মরৌধাৎ স্বার্থেকঃ ক্ষিপ্রভৃতিক মিতার্থঃ। যত্র ভদ্যার্থবিষয়ে সমাসঃ ক্রিয়তে তত্র ভদ্ধিত প্রত্য-रंत्रांश्भरकः भूकावश्वाकांश्मारमं कुर्व उद्धः अखारम्रंश्भरकी वृक्षामि। उन ৰয়োর্মাত্রে।রপত্য মিতাত্র প্রাপ্রবাস্য কথাত্যরস্যোৎপঞ্জেঃ পূর্কাবস্থায়াৎ वि मार्क अख्रादां क्रमें बिखार शन्ता श्रे स्था अध्यक्ष वि देखारेगा व वृत्को সংখ্যা দংভক্তাদিত্যাদিনা ভুদ্বিকৃতে বৈমাতুর ইতি। এবং পঞ্চানাং নাপিতানা ্মপতাং পাঞ্চনাপিতিঃ। বাচ্চো তু বঁথা পঞ্চভির্মোভিঃ ক্রীতঃ পঞ্চরিতাত্ত্র कर्म्मिनियारहा कर्मात्रकार हरचकामिना धार्थरा धनामगार्थ वारहा भगारमित व जिल्ला उपार्थ एक जिल्ला विकास कार्या के कि नामार जिल्ला প্রভারস্যামুৎপত্তে গবাবাদেরিভি হলে। অঞ্চাদেরিভি কিং ধর্মামুর্জার্ভবঃ विमूक्तना इंड्याली विवदम्बन नमानः नामाक्तिरात्रां। नमाहादत वथां। ल्यानाः मश्रीनांश ममाश्रत खिमथर देखानि । छेखंत्रभाष्य स्था भक्षनगम देखानि

ইদানীং গমাহ ভদ্যার্থে ইত্যাদি। গত্রিধা ত্রিপ্রকারঃ তত্ত্ব ভদ্যার্থে একঃ गमाहाद्व अकः উद्धद्रामः পद्र अकः हेजि छमार्थि क्छ नमार छ छामा मदा সত্ত্বাং ভদ্যাৰ্থে ইভাত্ত একসাঃ প্ৰাা এব বিষয়ত্বং বাচাত্বং চেতাৰ্থ ইভাত আহ বিষদ্ম ইত্যাদি। অপত্যার্থং ফিকাদিকঞ বিহায় অঞ্চাদে স্তদ্যার্থে বাচ্চে অপ-जार्र्य क्लिकामिकना इनारमण जनार्य विषय्रकृत्ज न देखार्थः। यथा भक्षम् कशारमञ्जू मध्यु मुन्द न्या निवन्त्र प्रश्न क्षारम्य विकार का विकार षिञ्जः रेजाएमी मःकृषामार्थमा मानाक्ष्या छकार्थानाम अत्यानाः रेजि ন্যায়ং ন ফাদ্যঃ। পঞ্চানাং নাপিতানামপত্যং পাঞ্চনাপিতিঃ ছাজ্ঞাং শূর্পাভ্যাং ক্রীতং বিশোর্পিকং দিখারীকঃ অন্ধ্রধারীনঃ পঞ্চানাং গর্গাণাং ভূত-পূর্বো গেঃ পঞ্চগর্গরপাঃ পঞ্সু ব্রাক্ষণেয়ু সাধ্য পঞ্চ ব্রাক্ষণাঃ ইত্যালদ অপ-ভাগ্যিर्थमा निषयुक्**ठ एवना सूक दार का** भग्न प्रश्न सूरदान कि को नि है जानन सहि । रेजारमी विहिर्का यह सिक्छाना अर्हे रेजामि विहिजा सकाह मध्यामा-মেব তেষাং বৈক্ত্যাদি ভিন্তে স্বর্থেরু ষেহজাদয়স্ত্যা স্তেষাঞ্চ এছণং তেন পঞ্ঞ-विভাৱ क्रीजार्थमा अर्शमिष्यभा मश्कामामिक्रमिष्याबाटा भः। मश्कामान्द পঞ্চতি লোহিতেঃ ক্রীতং পাঞ্চলোহিতিক মিতাাদৌ বিষয় এব গঃ शिकांपि-. पार । बाजार मुवर्ताजार कीजर किरमोवर्तिकर विमुवर्तर विमाहसर विमहस मिलाएमी मः आधामि वाहामा विधाना दिवस्य वादहानि गः। अव मर्द्यः ত পাদে বিশিষা ব্ৰুক্তবাং।

### ৫२। रेशका मर्छा श्राजारम तीश्।

কৈ ক্যাদকারাস্তাদীপ্ স্থাৎ নতু পাতিবিদেও। ত্রীয়াণাং লোকানাং সমাহ্যিও ত্রিলোকী। পাত্রাদেস্ত। দ্বিপাত্রং ত্রিপাত্রং ত্রিস্বনং। চতুরু গং।

গদ্য ঐক্যং গৈক্যং স্মাহার দিগুঃ। ত্রয়াণাং লোকানাং সমাহার জি-লোকা। স্মাহার দিগুনাং ক্লীবড়েপি ঈপো বিধানানদন্তানাং জীত্বং স্কৃতিতং পাত্রাদেন্ত একপাত্রং দ্বিপাত্রং ত্রিভুবনং চতুর্গং চতুষ্পথমিস্থাদি।

গদৈয়কাং বৈকাং ওক্ষাং। পাত্রমাদি যদ্য স পাত্রাদি র্নপাত্রাদি রপা-ত্রাদি স্তক্ষাং নিষেধে। যজ্জাতীয়দ্য বিধিরপি ওজ্জাতীয়দ্য ইতি ন্যায়াৎ পাত্রাদি বর্জনেনৈবাত ইস্তাদ্য লাভেপি অভোগ্রহণং কৃত্যান্তাদস্তদ্যাপি প্রা- श्चार्थः (छन- साइनदाको विधूती शिक्षताको छाति। शिक्षताक मक्ता शाहारो शिष्ठा शिक्षताक मिछ छात्राः। विद्याको छिन्ने शिक्षत शिक्षत प्रतिकार- मिछात्मन न क्रीत प्रमाण निक्छ छो प्रमिष्ठि। क्रीतः शिक्ष श्रृणी मध्म जिल्लामा न क्रू ममाहात माहात क्रिक्ष । क्रिक्ष मधारताशा ममाहात हे छि। शाहार मिछा पि विश्वत क्रिक्ष मधारताशा ममाहात हे छि। शाहार मिछा पि विश्वत विश्वत छिन् । क्रिक्ष मधारताशा ममाहात हे छि। शाहार प्रक्षिण विश्वत विश्वत छिन् । क्रिक्ष प्रक्ष मधारताशा ममाहात छिन। शाहार प्रक्ष मधारताशा हिला कर्म क्रिक्ष प्रक्ष मिछा प्रक्षित छा छिन् । क्रिक्ष प्रक्ष मिछा प्रक्ष प्रक्स प्रक्ष प्रक

#### ৫৩। বা নাপঃ।

अनर्जा मा अक्ष अभि अभि । अक्षकर्माः अक्षकर्मी विथेषे विथेषे ।

षम् छ व्यान्ति प्रमान् उत्याद । वानास्मेश्व हकाद्वार्थः। एक जमसा-मानसाक रेनकामिन् माद वानस्मनास्कृष्णः मर्यागामिकामिन्छा श्व स्व मन् मामिकार्थः। किथ हासूक्षणः वास्ताव हे छि खामाद अश्वसमा ने ब्राह्म । वृक्ति नासी छ। नथा कर्ममि छि नैकानार कर्मनार मनासामः हे छि वास्ता हतन व्यक्तिय (मार्गार निष्ठि निष्ठा मार्गार प्रमानाम हक्षा वास्ति हिनका व मिछि क्रीवर्ष में महाद अकर्ष (मैर्मः। अवर नथा क्षा क्षा हे छा मेनि नका म

মণ্ড্ৰগতা সংখাবাদিতাতো ইকারাসুবৃদ্ধা বৈতাত্তাহপ্রশেষাদাহতাদা লাভঃ। বাদন্দোহত্ত সমুক্তরার্থঃভূথা চাহনস্তাবস্তাভাগ্রাম ঈপ্চ স্যাদিতার্থঃ। তেন পঞ্চকর্মং ত্রিতক্ষমিতাদি স্যাৎ। অসোপস্তদং জ্ঞকত্বন পঞ্চকর্মী ত্রিভক্ষী তাত্র নকারাহকারম্বোলোপঃ।

# ৫৪। তার্থে মানাৎ কাঞ্ডাত্তকেরে।

ত্রাঢ়কী ত্রিকাণ্ডী मुख्यूः। কেত্রেতু ত্রিকাণ্ডা ভূমিঃ।

• জাত্র অপ্রত্ত হোনাস্বর্ত্তে। তেন তদ্ধিতার্থ দিগৌ পরিমাণবাচকাদীপ্ সাং কাণান্ত তদ্ধিতার্থ দিগৌ ক্ষেত্র ভিল্পে বাচ্চে ঈপ্ সাং। ত্রন্ন জাঢ়কাঃ পরিমাণ মস্যাঃ ত্রাঢ়কী ধানাসংহতিঃ। এবং ত্রিকাণীরজ্জঃ। ক্ষেত্রেকু ত্রিকাণা ক্ষেত্রভূমিঃ ভাত্র আবেব।

#### ००। श्रुक्षाचा।

ভিপুরুষী ছিপুরুষা। ত্রিসখং ত্রিগবং ত্রিনাবং ত্রিখারং ত্রিখারি ত্রাহঃ।

পুরুষাদীপ্ স্যাধা ভদ্ধিভাবে দিগো। দৌপুরুষো পরিমাণমস্যা দিপুরুষী
দিপুরুষা ভিডিঃ। সমাহার মাহ। ত্রয়াণাং সধীনাং সমাহার জ্রিসথং সধ্যহরিভি
যপ্রজ্ঞারঃ। ত্রয়াণাং গবাং সমাহার স্ত্রিগবং জত্র গোরভারে ইতি বপ্রজ্ঞারঃ।
তিন্ত্ণাং নাবাং সমাহার ক্রিনাবং জত্র নাবোর্রাদিভি যপ্রজ্ঞারঃ। তিন্ত্ণাং
খারীণাং সমাহার ক্রিখারং জত্র খার্যাবা ইতি যপ্রজ্ঞারঃ পক্ষে ত্রিখারি জত্র
ক্রীবেশ ইতি হ্রখঃ। ত্রয়াণা মহ্লাং সমাহার জ্রাহঃ। জত্র সখাহোরাজ্ঞ ইতি
যপ্রজ্ঞার সর্বৈক্রদেশেতাত্র সমাহার বর্জনাং অফ্লাদেশাভাবে জহান্তথাং

তাर्ष (न मानाधार भूक्ष्यामीक्यामा। विभूक्ष्योि खन्नः भूक्ष्या मान ममा
देखि वाकार এবং विभूक्षी विभूक्षा भित्रिया विषय मिछापि विद्यानाः मधीनाः
ममाशंत्र देखि वाकार। क्रांसन मधार्श तास्तः (नारविद्यानाः मधीनाः ममाशंत्र देखि वाकार। क्रांसन मधार्श तास्तः (नारविद्यानाः क्रियानाः क्र

৫৬। দিত্রে কা জলে বং।

ভাঞ্জলং ভাঞ্জলি ভাজুলং ত্রিরাত্তং গৃ পঞ্চ গাবে। ধন ব্যক্তাসৌ পঞ্চগবধনঃ ভিনাবধনঃ ভিথারধনঃ ভাজুপ্রিয়ঃ।

বিজ্ঞাং পরাদপ্রনেঃ ষঃ সাবা তদ্বিতার্থে দিসোঁ। দ্বাবঞ্জনী পরিমাণ-মসা ঘাপ্তনং জনঃ। পকে হ প্রতায়াভাবৈ জনবাচিদ্বাৎ ক্লীবদ্ধং এবং ব্রাপ্তনং ক্রাপ্তনি জনং। ক্রিলোচনস্তা তদ্বিভাগ ভিন্নে বিগো বিজ্ঞা মপ্তনের প্রভাগ করা বিধার বিশোর বিশার বিশ

वाश्वनार डॉर्थ हैं जानार निवृक्षिः उशां विक्रिकार भरामक्षरनतः नाम-डार्श (त। वाक्षनिकि वर्षां वेक्षरनाः नमाहातः हे जि वाकार अर्थ क्राक्षनर क्राक्षनि वावक्षनी क्रन मना वाक्षनक्रतः वाक्षनिक्षन हे जापि। डार्थ जू वाका-मक्षानिजार कोटः वाक्षनिः वाक्रून मिजापि मर्थावापि छाः উठतम न माह। भक्षनवथन हे जि। जाप्ते क्रिकि पर्वे भणार धनमप्त्र भरत भूर्वरमा वर्षातार्थः त्राप्त (बाक्षक्रम्बार्थ (तांत्र डार्थ हे जि यः। अवर विनावधनः विश्वावधनः विभावी थनः वाक्षक्रम्य (र्थ तांत्र वार्षाक्षर ति वार्याता म्याद्वाताक्ष हे जि क्राम्य यः त्रवर्ष्टाक्षार व्याप्त विकास क्रियानार जिल्लाक्ष क्रां हे जाप्त विकास है जिल्ला म्याद्वाता क्रिया वर्षा वर्षा

### অবায়ীভাব সমাসঃ।

বঃ ক শামীপা সাদৃশ্য সাক্লা। মুক্তম দ্বিষু। বীৎসা পর্যান্ত যোগ্যত্ব পশ্চাদর্থানভিক্তমে। শব্দ প্রান্ত ভাবাভাগ যৌগপদোহ্মনেকধা।

বঃ কসামীপ্য ইত্যাদি। বোহবায়ীভাবঃ। কারকাদিযু চতুর্দ্দশন্তর্যেষ্ ভবতি প্রয়োগাঁসুসারাদনেকধাচ ভবতি ইত্যর্থঃ। পর্যান্তঃ,শেষসীমা। শব্দস্য প্রান্ত্রভাবঃ শব্দপ্রান্ত্রিবঃ। যুগপ দেকধালঃ তদ্যভাবো যৌগপদাং।

देमानी १ तमाइ। तः क्लामि। वाश्वामा १ तमे तम छेक्तः मह कमामी-शामाह वियु नमामात्मय वानि १ माना १ मामा छेलः महा जिथान श्रामाना क्लिंग् मार कमामी शामार्थ एजमा महनकथा अहनक श्रमात है जार्थः। श्रमू त्राहि भन्न स्वामाना क्लिंग् जामह त्रामाङ्क छ।

### ৫৭। বাৎ ক্তেপ্রা ২তোহপ্যাঃ।

অকারান্তাৎ বাৎ পর্যাঃ ক্তের্মঃ স্থাৎ নতু প্যাঃ। ক্লফ মধিক্ত্য প্রবৃত্তঃ কথা অধিকৃষ্ণং। ঋপ্যাঃ কিং। ক্লফশ্য সমীপা দাতঃ উপ-কৃষ্ণাদাতঃ।

अकारास्त निमा अराशी जारमाराक्त (क्रमूंक त्यार छारन (क्रमूंकि शून निमार काशा कराशी जारमान विज्ञिनी श्रा हिन मह मारि न प्र भक्षमा है जार्थः। वामृत् काशिशमा अिव्यादिश्वित्रित्रि जामृत् काशिशमा कि ज्ञाशिष्ट क्रम्मित्र का अविव्यादिश्वित्रि जामृत् काशिश्वा क्रम्मित्र क्रम्मित्र का अविव्यादेश क्रमित्र का अविव्यादेश क्रम्मित्र क्रमित्र क्रमित्र

অপ্যাইতি পৃথক্ দকরং লুক্ পরা দিত্যক্রাহন সুবর্ত্তনার্থং কৃষণ ধিকৃত্ত্যত্যা দি। যদ্যপি ক ইতি সামান্দোনোজং তপাপ্যভিধানাৎ ধী প্রোরর্থ এব

६५। जीटखा का।

উপকৃষ্ণ উপকৃষ্ণেন কার্যাং উপকৃষ্ণ উপকৃষ্ণে স্থিতঃ।

জকারান্তাং বাংপরয়ো জ্রীপ্তা। মঃ স্যাধা। বাশক্ষ্য ব্যৱস্থাবাচিত্বাং সুমন্ত্রং উন্মন্তগঙ্গং একবিংশতিভারধান্ধ মিত্যাদৌ,সধৃদ্ধি মদী সংখ্যাবয়বেক্ডাঃ প্রচানবা মাদেশঃ।

৫ । লুক্ পরাৎ।

व्यकातीसा प्रमाण्या वाद शतकाः एक व्यक्ति साद।

সামান্তবিধানেহিপি বিশেষ বিধিতাং পূর্বস্থ্যাভ্যাং অবর্বে বাধিতে ভাষ্ট্রিমনৈর প্রাপ্তে পরাদিতি জ্ঞাপয়তি পূর্ব্বতরাং অপ্যাইতি পূর্ব্বাং ত্রীপ্রোরিজি বা ইতাপি নী মুবর্ত্তত। জেরিতা মুবর্ত্ত এব তভক্ত অকারাস্ত-ভিন্না দিজভাদ্দসন্তাচ্চ লেবের মীভাবাং পরাসাং সর্ববিভক্তীনাং নিভংং পুক্ স্যাদিত।র্বাং যথা উপহরি উপরোধি উপনিটু উপপন্নঃ ইত্যাদি।

বেতি সামুবর্ত্ততে ক্রীবা বেতাত্র বা গ্রহণাৎ ক্ষেরিতামুবর্ত্ততে ইতাত আছ ক্ষেরিতি।

#### ७०। महः (मश्काल।

সহস্থাকং। ভূণেন সকলমত্তি সভৃণং জার্চমনুক্রম্য অমুজ্যে তং মদ্রাগাং সমৃদ্ধিঃ সুমদ্রং বিষ্ণুং বিষ্ণুংপ্রতি প্রতিবিষ্ণু। অগ্নিগ্রন্থুং পর্যান্তমধীতে সাগ্নি রূপন্ত যোগাং অনুরূপং শিবক পশ্চাৎ অনু-শিবং শক্তিমনতিক্রম্য যথা শক্তি। হরেঃ শব্দঃ প্রাত্ত্তঃ ইতি-হরি পাপস্থাভাবঃ অপাপং। চকেণ যুগপদ্ধেহি গচক্রং শাবস্তঃ শ্লোকা স্তাবস্তোহচ্যতপ্রণামাঃ যাবৎ শ্লোকং।

সাদৃভ্যে আহ্ হরেঃ সদৃশমিতি সহশব্দেন সাদৃভ্যে বাচ্যে সমাসে হনেন্ महत्रा मारमणः भूर्य्यन विख्यक मूंक्। माकरना जाह ज्लाति । वनर्थः वर्गा-হীতং ডব্ৰ ডসানিঃশেষত্বং শাকলাং। ভূণেন সহ সকলমন্তি সভূণং কিঞ্চিদপ্য-দনীয়ং নভাজতীভার্বঃ। অসুক্রমে আহ। অসুজ্ঞান্তমিতি জোগ্ঠনা হীনোভূত্বা গচ্ছতীত্যৰ্থঃ। 'জ্যেষ্টমসুক্ৰমা ইতাত্ৰ হীনাৰ্থেন অসুনা বোগে দিতীয়া নতু কৰ্মণি ष्माष्ट्रशास्त्र क्यारिक मिरिक्ष ख्यू संमग्र शृशक् श्रह्म विकत्र मार। জ্ঞাকর্মকোহরং ক্রমধাতুঃ। ঋদ্ধৌ উদাহরতি মদ্রাণাং সমৃদ্ধিঃ সুমন্ত্রমিতি। বীপানাং আহে। বিষ্ণুং বিষ্ণুং প্রতি প্রতিবিষ্ণু ইতি এবং অতিবিষ্ণু প্রিবিষ্ণু অমুবিফুইতি। পর্যান্তে আহ্। অশ্বের্গ্রন্থপর্যান্ত মধীতে সাল্লি অত্র সহস্য সালেশঃ অগ্নিগ্রন্থাৎপরং কিমপি নাধীতে ইতার্থঃ। হোগ্যত্বে আহ। রপস্য বোগ্য মসু-রূপমিতি।পশ্চাদর্থে আহ। শিবস্য পশ্চা দফুশিব মিতি। জনতিক্রমে আহ। **णकि**नन्छिक्रमा यथा मक्ति हेकि । मक्तिः नामवीर वामुमर नामवीर छामुमर ধারয়তীতার্থঃ। অত্রাপি অভিশব্দেন ধোরে দ্বিতীয়া নতু কর্মণি। শব্দপ্রাছর্ভাবে আহ। হরেঃ শব্দঃ প্রান্ধভূত ইতি হরি। ইতি শব্দেন শব্দপ্রান্ধতারে বাচাঃ। হরিরিতারং শব্দো লোকে প্রাত্নভূতি ইতার্থঃ। অভাবে আই। পাপসাভাবো-হপাপদিতি। অত্র নঞোহকারাদেখঃ। এবং দক্ষিকানামভাবে। নির্মাক্ষিদিন ত্যাদি। অত্যয়োহপি অভাব এব। অত্যয়ো বসন্তদ্য অভিবসন্তং। এবমতিশীত भिकांपि। এবং श्रेकाভाব्यथि। अर्काভादा यवममा क्र्यवनः। श्रेकाভादा ভিক্ষারা ছর্ভিকং যৌগপদ্যে আহ। চক্রেণ যুগপদ্ধেহি সচক্রমিতি। হে বিফো এক স্মিন্কালে চক্রেণ সহ গদাং ধারয় ইতার্থঃ। অনেকধা ইতাসা উদাহরণ

মাহ। যাবন্তঃ গোকান্তাবন্তোহচুণত প্রণামা যাবৎ গোকমিতি।গোকানামির-ভয়া প্রণামামানিয়ভাবিবক্ষিতা ইতার্থঃ। এবং যাবৎ ভোজনপাত্রং ব্রাক্ষণা-বিমন্ত্রয়ন্ত্র ইতি। যাবন্তি ভোজনপাত্রাণি বর্ত্তব্যে তাবতো ব্রাক্ষণানিতার্থঃ।

বার্দিতাস্যার্থবশাৎ জেবিপরিণামঃ তেন বে ইতার্থঃ হরেঃ সঁদৃশঃ ইতি স ছরি অকুরিতাত্র অণভূতেপি সাদৃছে বং সাদৃছেত্যমেন গুণাঞ্পভূত সাদ্শ্য এহণাৎ। এবং সদৃষ্ণঃ কিখাঃ সকিখি হুইরঃ সাদৃশুং দহরি এরোঃ সকিখি কুছু-রন্যেত্যালে কিৰিঃ খেৰীতি খ্যাতঃ শৃগালভেদঃ তথাচ কিৰিঃ শৃগালভেদে ন্যাৰ্দিতি' বিশ্বঃ কানরীতি কেচিৎ সহ পুর্বোহ্নমিতি পুর্বোহ্নসা সদৃশমিত্বার্বঃ। कानमां निष्यभात्र महमा मः ভূণেন সহেতি বদৰ্থং यकाृहीভং তত্ৰ ভদ্যা লেখত্বং দাকলাঃ সত্ণমন্তিতৃণমপি ন পরিভাজতীভার্থ। জ্যেষ্ঠমতুক্রমোভি অতুক্রম আমুপুর্বং অমুজেষ্টং প্রবিশতি জ্যোষ্ঠা মুপুর্বেণ প্রবিশতীভার্বঃ। মন্ত্রাণাং সমৃদ্ধিরিতি সুমদ্রং বর্ত্ততে সৃভিক্ষংর স্তৃত্তে মদ্রাণাং ভিক্ষাণাং বাধিকোন ঋষিঃ প্রবর্ত্ততে ইত্যর্পঃ বদা সমূদ্দ্ধঃ প্রাধান্যং তদৈব বসঃ। মদা সমূদ্দ্র রপ্রাধান্যং ভদা প্রাদ্বাৎ য়এব ষধা সমৃধাঃ মদ্রাঃ সুমন্ত্রা ইভি সমৃক্ষা মদ্রাণাৎ বিশেষ্য , মাণত্বাৎ বিষ্ণুং বিষ্ণুং প্রতীতি বঁদাপাদা নিতাসঁত্বাৎ বাকাাভাবিঃ ভথাপি ধিক্ সময়েন্তানেন্ বীন্সায়াং প্রতিনা দীবিগারার্থং বাক্যাৎ বাক্সন্থিতিঃ বীপ্সার্থস্য সেনোক্তবাম্বিং। অগ্নিগ্ৰন্থপৰ্যান্ত শ্ৰণীতে ইতি ব্দাপাত্ৰ সাৰণা মণ্ডি তথা-প্যান্ধিগ্ৰন্থপৰ্যান্ত মধীতে তভোঁহনালাধীত ইতাদা। দাকলাৰ্থিং ব্লচনং এবং দা-লোকমধীতে জনকলেপ্য হধায়নে জালোকশ্বর্যান্তং পঠতীতার্ধঃ। রূপস্যযোগ্য মিতি অসুদ্ধপং দদাভীতার্থঃ। শিবসা পশ্চাদিতি অসুশিবং ভক্তাঃ। এবমসু-রধং পদাতাঃ রথানাং পশ্চাদিত্যর্থঃ। তদ্মুজনদশ্রোষ্যসি প্রোত্রপেয় মিতি তু বী- সাৎ অত্র প্রিকর্মনিতি পরে। শক্তিমনতিক্রংম্যতি বধা শক্তিম্দাতি এবং মুখা বলমধীতে ইত্যাদি হুরেঃ শক্ষ্য প্রাছুর্তুমিতি প্রাছর্ভাবঃ প্রকাশঃ হরিশব্দে। লোকে প্রকাশতে ইত্যর্থঃ ইতি পাণিনিঃ এবং বিক্রমাদিড্যোপি। अलावरमामाहद्रवमाह ज्ञानमिति जलावः मरमगीलावः मह धालिरयामि निद्र-পাশুধীন মিরপাক এব ভেম অর্থাভাব ক্ষজাভাব প্রধংনাভাবোপভোগাভাবানাং धाइनः चळाबी ভारताङ्ग द्वेत्रमार्थ (ভार्ः यथा चलालः मक्तिमा च चारता निर्म-क्षिकः हेज्यापि । बाकारेगा नजरजीनाक अनुका अजिरम् नका बाक्षेण्य भर्मा-নিবিধাতে গৌরখো ন ভবতীভাত্রক্ষোন্তাভাবেনার্থান্তরং নিবিধাতে অভোন

পুাভরত্রার্থাভাবঃ অর্থশব্দসাত্তবস্তু পরভার্থক্ষভাবে। ববনসা মুর্যবনং মুর্তিক মিতাত্র নোত্তরদার্থাভাবঃ কিন্তু যুবনাদিসম্বন্ধি**তা ক্ষে**রিভি। অত্যয়ঃ দীতস্য অভিশীত্ত অভ্যয়ো বসন্তস্যাভিবসন্ত মিভ্যাদি। অভ্যয়োহভিক্রমঃ প্রধংসা-ভारत मह नाथीलायः अधीलायह किर धारमण वसनि मध्मर्यालाया न বস্তুনঃ প্রধংগ ইতি। যৌবনস্য নাম মুপভোগ কালোহতি যৌবনং জতিকস্থল मिञानि উপভোগকালন্ত विদ্যমানসৈত্ৰ বৌৰনাদেৰ্বৰ্ত্তমাৰুকালে উপভোগা-कारता चरकानाचीजारतारुकाग्ररफिक । हरकन बुंगभरक्षरीकि योगभगाएं बद-কাৰতা সচক্ৰং যুগপ চ্চক্ৰং নিখেহীতাৰ্থঃ। সহঃ সোহকাৰে ইভি সহস্যাসঃ योजभाषाद्विक किनिएक्नि में मा कार्यक्र विश्वि कार्यक्षिक कार्यक्षिक বাদ্য নিতাং বস ইতাত আহুবাবস্ত ইত্যাদি। অবধারণ্মিয়ন্তাপরিক্ষেদ ইগ্ন-দেবেতি নিশ্চয়ঃ বাবৎ প্লোকমচাত প্রণামাঃ এবং বাবস্থোজনং ব্রাক্ষণানামত্র-রশ্ব যাবৎ বৃদ্ধং যূন জানয়শ্ব ইত্যাদি। স্বাধারণে কিং যাবৎ দশুং ডাবফুক্তং কিয়দ্দত্তং কিয়ন্ত্ৰজং ইত্যাদি নাবধারিত মিতার্থঃ। এব মসদৃশার্থে বর্ত্তমানস্য ৰথেতি বাস্য বস তেৰ বেবে তথা ভূতাঃ ৰথা তথ মিতি বেৰে বৃদ্ধা ৰথা বৃদ্ধং ব্ৰাহ্মণান্তিঠন্তি বথা শক্তি দদতীতাত্ৰাস্ক্ৰমানতিক্ৰময়োঃ পূৰ্ব্বেণৈৰ ইতি সাদৃ খেতু যথা বৃদ্ধতথা যুবা ইচ গুণভূত সাদৃখ্যে নিষেধাদন্ত স্যাদেখেতি জা-পিতং। অবাস্যাচ প্রতিনা হলপত্ত্ব দ অল্পত্তে বর্ত্তমানেন প্রতিনা সহ বাস্যাব্য স্য চ বো নিতাং। স্বঃ প্রতি সায়ংপ্রতি স্থপপ্রতি শাকপ্রতি স্বর্গাদেঃ তোক মিডার্থঃ। অস্পত্তে কিং বৃক্ষং প্রতি দ্যোততে বিত্যাৎ বৃক্ষং লক্ষীকৃত্য বিদ্যো-ভতে ইতার্থঃ। এক দি ত্রি চতুরহক শলাকানাং পরিণা দ্যুতপরাধ্বয়ে। দ্যুত-পরাজ্ঞার গ্রামান পরিণা সহৈষাং নিউাং বঃ স্যাৎ। একেনপরি একপরি দ্বিপরি ত্রিপরি চতুম্পরি একাদিশদৈ রক্ষএবাভিধীয়তে দ্যুতপরাক্ষয় ইতাসা সম্বন্ধান্তথাহি একেনাকেণাহারিত মিত্যাদি। ক্রমেণার্থঃ তথাচ পঞ্জিরকৈঃ मनाकाण वी शक्षिका नामगुण्डर उत्यमि शक्ष উद्धानाः व्यवादिशावा शब्धि তদা পাত্যিতা জয়তি জন্তথা পাতে পাত্যিতা হারয়তীতি। এবং জকপরি শলাকাপরি জক্ষেণ শলাকরা হারিডমিতার্থঃ। ইহাক্ষশলাকয়োরেকত্বে বর্ত্তম न ब्राट्यतायः मध्यकातार महियकातार्था निमिष्ठास्त्रगरभक्तरत देखि । जतम र्टिक्ग्रमभीलेटबाः । अमरमार्वर्खमामगार्टमाः गामारखन गर ता निखाः गार । अपूचमुन् मथुदा चम्रान्य मथुदा शीर्ष्य अर्थः। अयुवृक्तः ननी वृक्षमा मनीश

इंडार्थः। श्रमित्वनंगारिनांतरनन सः मामीला श्रम्नाविन स शूर्व्वरेव वथा असू-বৃক্ষং নদী বৃক্ষদ্য-সামীপ্যে ইভার্যঃ। জনয়োঃ কিং বৃক্ষ মতুবিহদ্যাভতে বিদ্যুৎ वृक्तः नकीक्छा इछार्थः। नामि नमीकिवनार्थः। नमीवाहिकिः मरिमः महाका-षांदर्भ वर्क्तमानमा मामास्त्रमा देवा निकार माहि मरक्कामार विवदम । स्मासन्त्रमा লোহিতগুলং শলৈর্গলং তুঞ্চীংগলং চছারি দেশনামানি। নামি কিং দীভাগলা यमिन् नीखगदम्धमनः अन्तर्गार्थि किर क्रैकाहारमी विज्ञातहि क्करवज्ञा। जिहे-कारामा। विश्वकारामा। वमरब्धका निलाजारसः विश्वकारामियु विश्वेष्ध दहम् ॥ हायुडीशवर्'। चुत्क मश्क्ति्यमानाच्छार क्ष्ममानाच्छ मश्कृडार। स्नाम्बद् वृत्य-পूर्वार भूर्वामांगार यहत्वा। आग्न भूगांभाभाश्चार ममा अथ ममर ममार। ছুমিঃ প্রদ্যাতিরিত্যেতে। সুনি ছুর পরাৎ সমঃ। প্ররথং প্রমৃগং প্রাহ্ন মপ-সব্যং প্রদক্ষিণং। সম্প্রভা সম্রত্ত্যেকান্তং তথাপদিশ মিতাপি। ষট্ত্রিংশং কৰিতা জ্ঞেন্নং শেষং শিষ্টপ্রয়োগড়ঃ। ডিখ্রন্তি বছন্তি জামন্তিচ গাবো যিক্সমু कार्रल न का नाः जिष्ठे म् छ वह म् छ जा म जी भवकः। चरन यदा विचान कारन भ का नाः भारत यतर मश्क्रियमोन यतर स्वमानयतः मश्कृ उयतर स्नयतः भारत त्वमिछानि भूती वती विश्वम्क∤त्न मकानः भूत्रवरः भूर्यामाण्यतः। आत्रकाः ममाः मच्द-সরা আমারতী সমণ এবং পুণ্যসমং পাপসুমং অঘসমং সমত্বং ভূমেঃ সমংভূমি সমভূমি এবং সদং পদাতি সমপদাতি। शूर्विमार्थ आधाना এব বসঃ পরদার্থ-প্রাধীন্যতু সমভূমিঃ সম পদাতি রিতি য এব সমাঃ পদাতয়ো ৰিমিশু সমপদা-তীতি পারায়ণং সমশক্ষা বা সমমাদেশো নিপাতমাৎ সমংভূমি সমং পদাতী-ভানো। সমার্থ সমমিতি বাস্যাভাাংসহ ব ইতি কশ্চিং শোভনতং সমস্য সুবমং নিঃবমং ছঃবমং অপরসমং। এবঁং প্রণভত্তং রথস্য প্ররথং প্রস্থাং প্রাক্ত প্রস मवार क्षामकिनमिकि। भवनार्थ अधानाां कू क्थाएगानिकामिकि वेवव मुख्यकि-শব্দং পৃষ্টিছা অসম্প্রক্তীতি পৃষ্টিতং বদে কৃতে সান্তরাভাবৃৎ। একমন্ত্রসা একান্তং দুশো মধ্যমপদিশমিতি। অম্যাকৃতি গণত্বাৎ অপদক্ষিণমিত্যাদি। ইছ বদ্ধং কাৰ্য্যং লক্ষণেন'ন সিদ্ধাতি ভদ্ধং দৰ্বাং নিপাতনাঞ্জ্যঃ ৷ তিষ্ঠকাবাদীনাং বা , দন্যসোৰ স্যাৎ অথা পরমং তিষ্ঠদ্ঞ ইত্যাদি বসস্ত স্যাদেব তথাচ আতিষ্টদ্ৰ অপীনু সন্ধাং প্রক্রাস্থাসারতীগর মিতি ভট্টিঃ। অভিপ্রভারে ভিষুবো লক্ষণ-कावि। बालिम्र्या वर्द्धमानस्मा त्रलिक्षरा नंकृत्वश्र्यं विश्वि वा वी उप-স্তেন সহ বঃ সাবা। অভাগ্নি প্রভাগ্নি পকে অভাগ্নিং প্রভাঃ প্রস্তি।

অগ্নিঃ নক্ষীকৃত্য শনভাঃ পতন্তীতার্ধঃ। অত্রাগ্নি র্লকণং তেন পতঙ্গানাং পাতো লক্ষাতে তরে। লক্ষা লক্ষ্ণসম্বুদ্ধা বপাহতিপ্রতিভাগে দেগাভাতে তথা শবদক্ষি সভাবাদাভিমুখ্যমণি দ্যোভাতে অভএব অল্লেরভিমুখ্যের প্তস্নাঃ প্তস্তি ন পাৰ্শ্বে ন পৃষ্ঠে ইতাৰ্থঃ অভিমুখ্যে কিং গলামভিনসভি। লক্ষণছোতি কিং व्यम् अं जिनक् जि व्यमान्य भूताक्षिति एका मिष्टमाहा ६ मिन् समार व्यम दुमव निव-ৰ্ভ্ত ইতাৰ্থঃ। নাত্ৰ লক্ষণেদী কিন্তু ঢ ইতি। আঙ্ পৰ্যাপ বহুরঞ্চাং পা।। এষাং পাস্তেন মহ বঃ ম্যাদা। স্বাপাটলিপুত্রং পরিত্রিগর্ভুং অপত্রিগর্ভুং বহির্যামং প্রাগ্যামং বৃট্টোদেনঃ পক্ষে আপাটনিপুত্রাৎ পরি ত্রিগর্ভেড্যোইড্যানি। विकामि माह्मका मां आमीनाः यार्ग यश्रवीयु भी एवश्रवीयु बरवर्शनाः रचना পগতঃ भकार অপশকঃ অপধ্রুমঃ অপচারঃ ইডাাদৌ ক্রান্তাদৌ নিরাদেঃ ইড়ি ষঃ। বহিরক্ষোঞ্চ ইত্যত্র জন্যপদার্থ প্রাধান্যান্তঃ। বহিরক্ষং প্রাণ্থান ইতি ভু বিশেষণ বিশেষ্যত্ত্বন ৰ সঃ। পারে মধ্যে ষ্যা। পারে মধ্যে ইত্যেতয়োঃ ষ্যস্তেন সহ বঃ স্যাদা। পারে গঙ্গুং মধ্যে কাশি স্ত্রনির্দ্দেশাৎ প্তা অলুক্ পক্ষে পারে গঙ্গারাঃ মধ্যে কাশ্রাঃ। গঙ্গাপারং কাশীমধ্যং ইতি তু ধীষাৎ। একে তু অথ্যে হস্তরোগ্রহণং কুত্ব। অথে গ্রামলা অথগ্রামং শ্বস্তঃ প্রয়োগং অন্তঃ প্রয়োগস্যে-छा। हः। मश्यामा विमा **करेमक**रवारेगः। विमामा **क**न्मना वा बरकारवार्गा बद्ध ভদাচিভিঃ সহ সংখ্যাবাচিনো বং স্যাদা। দ্বৌমুনী ব্যাকরণস্য থিমুনি ব্যাকর-नमा विषामा भागिन काञायनत्या मू त्नाद्यदसात्यानः । भूक्षपार्थ धाधन्ति। बर বসত্তেন বিমুনিরাগন ইতাুক্রান্যদার্থ প্রাধান্যান্ধঃ। একেতু বা দ্বনার্থে ইতি স্ত্ৰং বিধায় দিমুনিশব্দাতুশিক্টঃ দিমুনি বা ইত্যান্তঃ। দ্বৌ গার্গো) লোকানাং विभागी १ मण लाज्या व्याप्त विषया प्रीति । जार्म का जार्म का नाम का जार में करवा गर्म । जारा हारत नमीखिण्छ। সমাहारत १ वर्ष नमीवाहि खिः मह मश्यागि हिनाः यः मार्। ष्ट्या र्गअंट्याः नमाद्यातः विश्वतः मश्चे शामायतः। नमाहादत् किः। अकनमी একেত্বেক ভিশ্বনংখাায়া এব বসংবিধার এক্সুনির্ভাষাসোত্যাদি প্রভুগদার্হনিত।

৩১ L শর দিপাড় র শেচতো মনো বিডুপ। ন দ্ধিম ব দি দিব নডু দিক্ চড় র্যন্ত হো ২ঃ।

এতো ३: छाछि। छेशमत्रः।

শরদ্চ বিপাশ্চ অয়সচ চেতস্চ মনস্চ বিশ্চ উপানহ্চ হিনবচ বিদ্চ

দিব্চ অন্তুইচ দিশ্চ চতুর্চ ফন্চ তদ্চেতি তন্মাৎ। শরদঃ সমীপং উপশরদং এবং উপবিপাশং উপায়সং উপচেতসং উপসমসং উপবিশং উপোপানহং উপহিমবতং উপবিদ্ধ উপদিবং প্রতানভূহং প্রতিদিশং উপচভূরং
উপষদং উপতদমিতি।

मंत्रक्कं विशेषि छा अप्तारं (ठ उण्क मनण विषेठ छेशांन क विमवाशण विक्र (मा)ण छान छा १ कि उप्तारं कि उपारं कि उपारं कि उपारं कि कि उपारं कि उपारं कि उपारं कि उपारं कि उपारं कि अपने विक्र कि उपारं कि अपने विक्र के अपित कि उपारं कि अपने कि उपारं कि उ

ভং। জরায়াজরস্চ।

উপজরসং।

জরাশব্দা দঃ স্যাদ্বায়ীভাবে ত্সা জরসাদেশত। জরায়াঃ স্মীপং উপ-জরস্থ ইতি।

জ্বারাঃ অং সাছে ওফিন্মু জ্বরসঃদেশত। উপজ্বরসমিতি জ্বরারাঃ সমীপমিতি বাকাং

৬৩। ু সরজসো পশুনে। নিপাতো।

র্জসঃ সদৃশং সরজসং শুলঃ সমীপং উপশ্বনং এতে নিপাতে) ।

সরজ্ঞসঞ্চ উপশ্বনঞ্চ তে। বজ্ঞসাসহ সকলমন্তি সরক্ষসং সাকলো বা সহঃ
সোহকালে ইতি সহস্য সঃ। হৈতু সরক্ষসং প্রামিতা হসাধু। সরক্ষসভামবনেরপাংনিপাতঃ ইতি কিরাতে চিন্তাং শুনঃ সমীপং উপশ্বনং শুযুবমন্ধোলামিতি
ভে নিবেধিপি বস্যোত্তং নিপাতনাৎ সংহাপাভাগমেবং নির্মাৎ উপরক্ষঃ
প্রতিশ্ব ইতাত্র অন ইতানেন অত্যোপি ন স্যাৎ।

৬৪। সম্পরঃ প্রভারুভ্যোইক্ষ ।

ममकः।.

এতাঃ পরা দক্ষ অং স্যাদ্বায়ীভাবে অক্ষোঃ সমীপং সমক্ষ্ অক্ষং পর। পরোকং। অত্র পরপদস্য নিপাতনাদসন্তস্য পরস্ ইতি ভাগস্য গ্রহণং। তেনাবায়ুদ্দিবায়ীভাবঃ। অক্ষোরভিমুধং প্রতাক্ষণ অস্কর্ষণ। প্রতাক্ষণ পরোক্ষ ইতি তু অর্থাক্ষিয়ে ইতামরোক্ষেন ইন্দ্রিরবাচিনা হকারান্তেনাক্ষণজেন অক্ষাণাং প্রতিপ্রতাক্ষণ অক্ষাণাং পরঃ পরোক্ষ ইতি বন্ধীসমাসে বাঁং পূর্বনিপাতঃ।

নঞ্চ পরশ্চ প্রতিশ্চ অমুশ্চ তে ভেড়'ঃ। এডাঃ পরাদক্ষোহঃ ন্যাবে। সমক্ষিতি সংক্ষাঃ সমীপমিতি বাকাং পর ইতি কৃত নান্তাক্ষ শব্দে পরে মনীবাদি বাবে পরিশক্ষনাদিউন্য পরন্ ইতান্য গ্রহণং অক্ষঃ পরি পরোক্ষং আঙ্ পর্যাপ ইন্তাদিনা বঃ অনেট্ছ অক্ষি অক্ষি পরি পরেীক্ষমিতি নীপ্রায়াং ব ইত্যান্থঃ। একেছু অক্ষেঃ পরঃ পরোক্ষং পর ইত্যাপ্রাদিবাং সুট্ ইত্যান্থঃ আক্ষিণী প্রতিপ্রত্যক্ষং অভিপ্রাত্যারাভিমুখ্যে ইত্যাদিনা বঃ। বীপ্রায়ানি-ভানাঃ প্রত্যক্ষেষ্ট ইতি ভুই ক্ষিয়ার্থে নাক্ষশক্ষেম প্রাদিবাং অক্ষঃ সমীপ্রয়ার্কাং সামীপ্রের।

७८। अनः।

वनश्चानः श्चाद्व। वधावार।

পৃথগ্যোগাৎ সমাদে নাঁ মুব্জিঃ। অনস্তাদঃ গাদব্যয়ীভাবে। আশাদ-মধিকৃত্য অধাশ্বং। এবং অধিরাজঃ অধিপৃথং।

অধ্যান্ত্ৰিতি আন্ধানমান্ত্ৰিব। অধিকৃত্য অধ্যান্ত্ৰং কাৰ্থেবঃ অকারত্যে বোর্লোপোতাবিতি ন লোগৈ ষয়ো রিত্যার্দিনা অনোপঃ।

৬৬। ক্লীবাদ্ধা। উপচৰ্মাং উপচৰ্মা।

ক্লীবা দনস্তাদঃ স্যাদা অব্যন্নীভাবে। চর্দ্মণঃ সমীপং উপচর্দ্মণ উপচর্দ্মণ এবং উপকর্ম্মণ উপকর্মা।

क्रीविका प्रवर्शमः गाहा (व। छेलक्ष्मिकामि क्ष्मिः ममील्मिक वाक्रंश गामील्या वः अवर ध्वकाहर ध्वकाह वील्यासार वः।

৩৭। কপ্নদী পৌর্ণমান্তা গ্রহারণী গিরে র্কা। উপস্থিত উপস্থিত উপনদং উপন্দি।

ষাপান্ত্ৰি নদ্যাদেশ্চ অঃ স্যাহ্ৰ অব্যয়ীভাবে। বাগ্ৰহণং প্ৰক্ৰবাধিকার-নিবৃত্ত্যর্থং। সমিধঃ সমীপং উপস্মিধং উপস্ক্রিৎ। এবং উপতড়িতং উপ-তড়িৎ প্রতিনদং প্রতিনদি প্রতিপৌর্নমাসং প্রতিপৌর্নমাস প্রকাশহায়ণং প্রকার্যহায়ণি উপনিরং উপনিরি অপ্রক্রমাভাবপকে দীর্ঘানাং ক্লীক্ষরঃ অবেষার সুক্পরাদিতি বিভক্তে পুক্। অনেকথা ইত্যুক্তেঃ ইত্যাদয়ঃ সাংখাঃ ইত্যুক্তেশ্চ বিকৃণেইমি অত্থে মধ্যে পারে অন্তরঃ ষঠ্যাবা। এবং ষঠান্তেন সহ অব্যয়ীভাবঃ সাহা। ভেশ্চালুগভিধানাৎ। অত্যে রামং অত্যে রামসা মধ্যে কুলি মধ্যে কাঞাঃ পারে গলায়াঃ পারে গলং অন্তঃ প্রয়াগং অন্তঃ প্রয়াগস্য এবং পারে সমুদ্রং লক্ষায়ামিতি ভট্টো। পারে সিন্ধু পুরী পুরী পরিসরে প্রাচীর মজংলিছ নিতি মহানাটকে। পর্যাপাত্ বহিরঞ্চ পঞ্চনা বা। এবা মব্যয়ানাং পঞ্চমান্তেন.সহ অব্যয়ীভাবঃ স্যাধা। পরিত্তিগর্ভং পরিক্রিগর্ভাৎ অপত্তিগর্ভং অপত্রিগর্ভেডাঃ আপাটনিপুত্রং ভাপাটনিপুত্রাৎ বহির্গামং বহির্গামাং। প্রকৃতক প্রজক্তরোঃ। প্রজাভে লক্ষণেনা ভিমুখোনা। আভিমুখোন ছিমা-নারাঃ প্রকৃত্তো লক্ষীভূতেন সহাবায়ীভাবঃ দাধা। প্রকৃত্তি প্রকৃতিং শনস্তাঃ পত্তি জরিং নক্ষীকৃত্য পতন্তীত্রপঃ। অনোদৈর্ঘি। অমুগঙ্গং কাশী গঙ্গাবং मीर्चा केळार्थः। ऋरहो नमा। **उन्यलगनः लाहि**जननः प्रमाहारः मगोरादा লদা। সমাহারে দ্বিপ্রভূতে র্না সহাবাদীভাবঃ সাব। দ্বো গলয়োঃ সমা-হারঃ দ্বিলং এবং ত্রিযমুনং কিলে খলেষবাদীনি। কালে হর্পে জব্যুয়ীভাবে थरनवरामीनि निभाजारसः। थरनवडा अधिन्तृत्रालः। थरनवरः मध्युक्यरः সংকৃতধ্বং-অংক্তিয়মাণঘৰং ধলেবুৰং সংকৃতবুৰং সংক্রিয়মাণবুৰং কুনধৰং সুম-মানমবং পূর্বমবং পূর্ব্যমাণঘৰং এবং ডিগ্রন্তি বহন্তি আমিন্তি গাবো যান্দ্রন্তনাল ইত্যর্থে, তিষ্ঠদ্ভ বহদ্ভ আয়তীগবং শভাবাদেতে হত্যপদার্থ পরস্থাঃ কাল-বিশেষ বাচিনঃ তথা সমস্বং ভূমেঃ সমংভূমি সমং পদাভি সমমিতি মাস্তমবায়ং ভুলা। বহি পক্ষে সম ভূমি সম পদাভি কিভাপি জৌমরাঃ। এবং আয়তীত্বং ন মার । আর তী ন নং পাপত্থ সমায়াঃ পাপদমং এব মপরসমং অঘসমং। সমা বংসরঃ তথা শোভঁনত্বং সমস্যেতাাদি বাক্যে সুসমং বিষমং নিঃষমং ছঃষমং।
এয়ু ষত্বং প্রাঞ্জং এবং বিষ্ণং প্রবং প্রদক্ষিণ মিত্যাদি। তথা কচিদব্যয়স্য পুর্বানিপাতো নাত্তি যথা অক্ষেণপদ্ম অক্ষণরি শুলাকাপরি একপরি বিপরি हेलामि। अवर यथायथर ज्थाज्यर यथा वृक्तर बाक्तना लिक्ठेखि। यथा भक्तमा সাদৃভাবাচিত্তে তুল সাাৎ বথা বৃদ্ধস্তথা গুৰেতি। অনুসন্ধাভাবসংজ্ঞাতু অন্ধবন্ত- ব্রীহাদিবন্ধিরম্বরা এব। তেনাব্যমীভাবসঃ অনব্যয়ত্বে জকারান্তাৎ পঞ্চস্যাদেঃ ছিডিঃ স্যাৎ তিন্তিমাৎ দর্কবিভক্তে র্লোপে।পি সহরীকরোতি ইতি চ্বৌপরে দীর্ঘঃ স্যাৎ। সহরিমক্ত ইতাত্র বিভি পরে মনুস্যাদিভি

'বৃপপ্রক্রাহার তদন্তা স্থানাদেশ অঃ স্যাহা বে। বাগ্রহণং পরন্ত নিবৃত্তার্থং উপসমিধ মিন্তাদি। সমিধঃ সমীপমিতি বাক্যং। এবং উপদৃশদং উপদৃশৎ উপতড়িতং উপউড়িৎ ইত্যাদি। উপনদ্মিত্যাদি নদ্যাদীনাং শ্বরূপন্য গ্রহণং নদ্যাঃ সমীপমিতি বাক্যং। এবং উপপোর্বমাসং উপপোর্বমাস উপাগ্রহারণং উপাগ্রহারণি উপনিরং উপনিরি উপনির স্ত্রভি র্কিভাসমানামিতি মাঘঃ।

ইতাব্যয়ীভাবুঃ।

# वंदेशमानः।

७৮। পথार्श्तः छ।

এভ্যো ২ঃ স্থাৎ সে সন্তি। স্বিপ্রথা রম্যপ্রথা দেশঃ মহাপ্রথা দক্ষিণাপ্রথঃ চতু শ্বথং উপপথং বিমলাপং সরঃ বিষ্ণুপুরং।

পথিম্চ অপ্চ পুর্চেতি ভ্রমণি সমানাধিকারেইপি সমাসগ্রহণং লর্জসমাল প্রাপ্তার্থ্ স্থাচ পস্থান্চ সথিপথে। রমাঃ গস্থা বল্ল স রমাপথে। দেশঃ। মহাংশ্চাসে পস্থান্ডেভি মহাপথঃ। দক্ষিণসাংদিশি কক্ষিণে মেলেবা পস্থাঃ দক্ষিণাপথঃ অন্ত দক্ষিণোক্তরা দাহী ইতানের সপ্তম্যাস্থানে আইভ্যাদেশঃ ভদ্ধিভাদেশত্বা মদোপঃ এবং উত্তরাপথঃ। চতুর্বাং পথাং সমামারশুতুস্পথং পথঃসমীপং উপপথং এযু অপ্রভাগে স্থোর্লোপোভাবিতি দ লোপে ময়োরিতী কারলোপঃ। বিমলা আপো বল্ল ভদ্মিলাপং সরঃ বিফোঃ পুঃ বিষ্ণুপুরং অন্ত ক্লীবভ্যাভিধানাৎ সেইভাস্য পাদসমাপ্তিপর্যান্তে ম্বিকারঃ।

পদ্মান্চ আপন্চ পুল্চ তৎ তন্মাৎ স ইতি সামান্যার্থো মতঃ ষট্ স্থলাহরতি সিধিপথা বিত্যাদি স্থাচ পশ্মান্ত তে রুমাঃ পশ্ম যত্ত্ব মহাংশ্চানে পশ্মান্ত ডি দক্ষিণস্যাং পশ্ম ইতার্থে দক্ষিণেডাত্ত্ব দক্ষিণোডার দাহী ইতি প্র্যা আর্কারা-দেশঃ চতুর্নাং পথাং সমাহারঃ পথঃ সমীপে নুপপথং বিমলা আপো বিষ্পুর ক্রিতি বিশ্লোঃ পুরিতি বাকাং বদ্যাপি অদন্তঃ পুরশক্ষোহত্তি তথাপি পুর্শক্ষো নিইট নিবারণার্থ মিশং।

७२। : बांस्टर्ग (वंगर्टला रुनार ।

্ণভাগ হনবর্ণাস্তেভ্যো হপো হকার জঃ স্থাৎ। দ্বীপং অন্তর্নীপং দমীপং। অনাৎ কিং। প্রাপং।

আন্তরিতি বৈকান্ত মবারং। বিশ্চ অন্তর্চ গিশ্চ বান্তর্গিঃ তথাৎ ইইভি লুপ্ত প্রথমকং ন সেঃ অনঃ তথাৎ ৰয়োদিশো রাপো বত্র তৎ দীপং অন্তর্গতা লাপো যদা তৎ অন্তরীপংশোভনা আপো বত্র তৎ দমীপং। দেকিং অদ্য অন্তঃ আপো বর্ত্নতে।

ধ্যে অন্তশ্চ গিশ্চ তৎ ত্যাং ৰ জঃ জন উষাং ই ইতি গুপ্ত প্ৰীকং দং
এডাঃ ইক্তি বিশ্বসাদন্তঃশব্দাদনবৰ্ণাস্তাদেগ কিত্যৰ্থঃ। ধীপমিত্যাদি দিগতা
লাপো বত্ৰ ইতি এবং অন্তৰ্গতা আপো বত্ৰ সমাক্ আপো বত্ৰেতি বাক্যঃ
এবাং ক্ৰিপেক্ষাদে তদ্যুৎপত্তি মাত্ৰঃ এবমতীপং প্ৰতীপ্ৰমিত্যাদি। প্ৰাপমিতি
প্ৰশ্বতা আপো বত্ৰ ইতি বাক্যং এবং প্ৰাপমিতি।

৭০। • সমাপা হূপো।

মিপুতিটা। সমাপো দেব্যজনং অফুপো দেশঃ।

এতে নিপাত্তী। শোভনা আংপো বৃত্তি স সমাপো দেববজনং অমুগত। লাপো বত্তা সক্পোদেশগু।

নিপাতো হার্থবিশেষে অত আহ সমাপো দ্বেষদ নিতাদি। সমীচীনা আপো বত্ত অসুগতা আপো বত্তেতি বাকাং অনাত্র সমীপ মন্ত্রীপমিতি অত্যেতু সমাঙ্ পূর্ব্বা দগঃ সমাপমিতি সাধীষ্টি।

৭ ১। সম্ভুস্মনঃ কামেহবভাঃ লো হস্তা লোপং সম্মাংসৌভু হিত-ভতে পাক পচনে বা।

नम् जूष् मनः कामरत्रो त्रवश्रारता श्लारेताशः याजि नम् हिछ छण्डरत्रा मांश्मः शांक शहनदत्रा वं। नमनाः नकामः त्रह्ममनाः त्रह्य-कामः ज्यवश्रास्त्रव्य नहिज्य मश्हिषः मण्डः मण्डः। माश्म्शांकः माश्मेशांकः माश्म्शहनः माश्मेहनः।

· नम्इि जुल ध्रथरेमकः। जूम् देखि ह जुल ध्रथपरेमकंर। मनः स्वानाजाः

বথা সংখ্যা নিরাসার্থং। মনস্চ কামণ্ট র্মন্থামং ত্রিম্ম। সম্ট মাংস্ট সম্মাংসৌ অন্ত্র শ্বরূপ প্রধানত্বাং পুংস্তং। হিতঞ্চ ওতঞ্চ হিতততং ত্রিম্ম। পাকণ্ট পচনঞ্চ পাকপচনং ত্রিম্ম। সম্মন্থ কামরোঃ তুম্ মনঃ কামরোঃ অবস্তম্লোপং বাতি সেক্তা। সম্হিত ওতয়ো মাংসঃ পাকপচনয়ো রস্তালোপং বাতি বা সে মতীতার্থঃ। সমাক্ষলো যস্য স সমনাঃ সমাক্ষামো বস্য স সকামঃ তুম্ইতি তাদর্থ্যে চন্তম্। বুল্ভং মনো যস্য স রন্ত্রকামঃ বাস্তব্যাদিঃ অবস্তাং সেবাঃ অবস্তানেরাঃ এবং অবস্তাং কর্তিব্যা অবস্তানমাঃ অবস্তান্যাঃ অবশ্রুপ্রাদিঃ অবস্তাং সেবাঃ অবস্তানেরাঃ এবং অবস্তাং কর্তিব্যা অবস্তানমাঃ অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা অবস্তান্যা সম্মক্ হিত মস্য সহিতঃ সংহিতঃ সম্মাক্ত মস্য সততঃ মস্তাভঃ ক্যান্তরো হিত্ত তর্যাঃ সম্পক্ষ্য মকারলোলো নিজ্যমিতি কেচিৎ। সাহিত্যং সাত্রহা সম্বত্ত তর্যাঃ সম্পক্ষ্য মকারলোলো নিজ্যমিতি কেচিৎ। সাহিত্যং সাত্রহা বিস্বাদ্যা মাংস্ক্য পাকঃ মাংস্পাকঃ মাংস্ক্য পচনং সমাসে কিং বুল্ভং মনো স্থানিবত্বাল্প বিস্বাহ্ পিছে মাংস্পাকঃ মাংস্ক্য পচনং সমাসে কিং বুল্ভং মনো ভবতি নৈব ক্যাচিদ্যা গৃন্তং কামো যদি কহি ভবেৎ তীর্থরালং মহীক্র। অবস্তাৎ সেব্যান্ত ভবতি যদি গশ্মীপতিরসো ইত্যাদি।

সম্চ তুম্চ ভৌ সৌত্রবাদে লুক্ মনশ্চ কামশ্চ ত্নু মিন্ অন্তাস্য নোপঃ
অন্তা লোপন্তং সম্চ মাংসশ্চ ভৌ হিতঞ্চ তৃত্ঞ তন্ত্ৰ মিন্। পাকশ্চ পচনঞ্চ
তন্ত্ৰ মিল্ স ইতাম্বৰ্জতে লো তব্যাদো সমৃহিত তত্তে মাংসং পাক পচনে ইতি
পদব্দ করণাং শম্ মাংসাবিতানেন যথাক্রমং দর্শন্নতি সম্হিত তত্ত্বো মাসঃ
পাক পচনরোরিতি সকাম ইত্যাদি সমাঞ্চ কামো যস্য সমান্ত্রমনো বস্য ইতি
বাক্যং অন্তেল্প স্বশাং সেব্য ইতি অবশুং শব্দস্য মন্ত্রবাং শকাদিদ্বাং ল্যাপ্তেন সহ বা
বসঃ অনেতৃ অবশাং সেব্য ইতি তথাচ ভট্টবার্জিকং সম্বর্দ্ধ তবা ইবল্যমেননীয়শ্চ দিলেন ইতি সহিত ইত্যাদি সমাক্ হিতং প্রাপ্তং বেন ইতি হাক্যং
সভত মিত্যাদি সমাক্ তত্মিতি প্রাদিসঃ বাশব্দস্য বার্ষ্কাবাহিদ্ধাং মাত্ত্য
মিত্যক্র নিভাং মাংসপাক ইত্যাদি মাংসস্য পাকঃ মাংসস্য পচনং ইতি বাক্যং
সম্ মাংসৌদ্বিতি ভূ শব্দে ভিন্ন ক্রমার্থ তেন বাশব্দস্য পুর্বোকৈ ব্রিভিন্ন
সম্বন্ধঃ। অবশ্যং নি প্রান্তরাদি ব্যবধানে পি। অবশ্য প্রস্বোক্ত অবশ্য প্রান্তঃসেব্যঃ অবশ্যাক্ষীকরণীয় ইত্যাদি।

৭২। ধুরোহনকভা<sup>র</sup>। --রাজ্ধুরা। অক্তত্তু। অক্ধূঃ। ধূরে নার্ছার চিত্ত যোরিতামরঃ । ধুরোহঃ ন্যাৎ ন্যাদে নত্কনন্ত রিলাঃ। রাজে। ধুঃ বাজধুরা অত্র ব্রিয়ামত আপ্। এবং মহাধুরা ইত্যাদি। অনক্ষনোতি কিং অক্ন্যা ধূঃ অক্ষ্যু এবং দৃঢ়ধুরক্ষ্যা। নেকিং মম ধূঃ।

ধুরো ২ঃ সাথে সে নতু অক্ষণস্থিনিটাঃ। রাজধুরেতি রাজ্যোধুরিতি বাকাং জ্রীথাদাপ্ অক্ষ্যুরিতি অক্ষমাধুরিতি বাকাং। অক্ষোরণাবয়ব চক্র-সম্বন্ধিকাঠিবিশেশস্থসা ধূর্তারঃ এবং দৃত্বুরক্ষমা ইত্যাদি।

१९। अहः। "अंऽक्ष्यद्वा ११ खाद स्म। खर्क्क र्छर।

• অর্ত্ত্ব অক্ চেতি। অথবা ঋচোহরিং, রাজদন্তাদিং। অর্কর্তং সত্র ক্রীবত্বভিগ্নাং। এবং সপ্ত ঋচো যিমানু সুসপ্ততোমস্তঃ।

श्वक्रक्रिकि अर्क्षः अह ইতি वाकाः। मश्च वैद्धा यिक्षस् मश्चरकामज्ञः।
१८। নঞ্চ বহে। মনিবক চরণে।

অন্তে মাণবকঃ বজ্ চ শহরণঃ। অন্ত অনৃক্ সাম ব্জ্ক্ স্কং।

नक्ष्रु वहण्ड नक्ष्यकः जमार। मानवकण्ड व्रवण्ड मानवकव्यनः जिमम्। नक्षः भवामृत्वाधः मानविक्वतः जम्म । नक्षः भवामृत्वाधः मानविक्वतः वित्वा । वर्ष्ट्राः भवामृत्वाधः माण्डवत् वात्वा तम्बि इज्वाधः। नास्ति क्ष्र् विमारम् अमृत्वामानविकः। वस्त्रा स्रांत्वा म वस्त्व ण्डवं । मानविक्वतः विद्या नक्ष्र अन्त् माम वस्त्व स्वः। अत् अर्द्वं विश्वा नक्ष्र अन्त् माम वस्त्व स्वः। अत् अर्द्वं विश्वा नक्ष्र अव्याद अर्धः विवाधः मानवकण्यवाधः। अन्व हेणामि वस्त्र व्याधः । अत्व हेणामि वस्त्र व्याधः वस्त्र स्वाधः वस्त्र व्याधः वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र वस्त्र

৭৪। প্রত্যন্ববাৎ সামলোদঃ। প্রতিসামং প্রতিলোদং।

প্রতিষ্ঠ অসুষ্ঠ অবষ্ট প্রত্যধ্বং তক্ষাং। এতাঃ পরাজাং সাম গোম-হ্যামঃ স্যাৎ সেসতি। সাম সামপ্রতি প্রতিসামং লোম লোমপ্রতি প্রতিলোমং মধং অসুলোমং অবলোমং সমাসে কিং দাভারং প্রতি সাম গায়তি বটুঃ।

প্রতিশ্চ অর্শ্চ অর্শ্চ ভক্তমাং। এভাঃ পরাভ্যা মাভ্যা মঃ পীৰুং দেও

প্রতিদাস্থিতি প্রতিগতং দাস ইতি প্রাদিনঃ প্রতিগতং দাস বদ্যেতি বা হঃ
দাস দাসপ্রতি ইতি বীক্ষায়াং বা বঃ। এবং প্রতিদোস্থিতি জমুদাসং
জমুলোমং অবদাসং অবলোমং।

৭৫। অক্ষে। ২চকু বি।

शवामकीव शवाकः। हक्ष्वि जू। विश्वाकि।

ন চক্ষুরচকুঃ তিমান্। অকোহঃ গ্যাৎ সমাসে অচকুষি বাচ্চে। গ্রামকীর গ্রাকোরাতায়নং চকুষিতু বিপ্রগ্যাকি বিপ্রাকি।

खानि वार्था मर्क्साव्ह नगांश्या । त्रवामकीय देखि गांदा खनानि एकांमकीय गवांकर भवाषि वाडाग्रत्मक्रप्त खन्नभूश्विकः। এवर भूकतमकीय भूक्तांकः। नवंगमकीय नवंगांकर नर्वात खेल्यांगा वाखारिम विकि वनः विभागांकः भवाकः देखि जू इनाद विधाकी खिविधांगांकी कि वीवार।

१७। बन्न रिष्ठ तांक भगा वर्कनः। बन्नवर्कमः तांकवर्कमः भगवर्कमः।

পণ্য ইতি পণঙ্বাবহৃতে। স্বভাবিতি মুর্দ্দান্যান্তন্য রূপঃ। পণ্য ইতি অন্তস্থা ভূতীয় সংগমিতি কেচিৎ। এভাঃ পরাদ্দ্রলোহঃ ন্যাৎনে। ব্রহ্মণোবর্চ্চঃ ব্রহ্ম-বর্চনং এবং হত্তিবর্চনং ব্রক্সবর্চনং পণ্যবর্চনং বর্চত্তেজঃ।

बक्षां इन्त्रीष्ठं वाक्षां विश्व विद्यास् । अन्नाः भवाद वर्न्नद्वाः मादिन । बक्षवर्न्नमिन्धि बक्षत्वावर्ण्य हिन्दि वाक्षवर्ण्य । अन्य हिन्दि वर्ण्यक्षम् । अन्य हिन्दि वर्ण्यक्षम् । अन्य व्याप्ति । अन्य व्यापति । अन्य

. ११। সমবাকা ওম্মসঃ।

मखमगः।

এতাঃ পরা স্তমবসা হঃ স্যাব সে। সম্ভত্তং বিস্তীর্নং তমঃ সম্ভদসং অবক্ষীণং তমঃ অবত্যসং অস্তংকরোডীতি ক্রান্তাৎ পঢ়াদিছা দলি অস্তং অস্কৃত্ত তম-ত্তেতি অস্ত্রত্ত সমং। এভাঃ পরাৎ ওদদোহঃ সাাথ গে। সন্তদসমিতি সন্ততং বাধিং ওয় ইতি আদি সঃ এবং অবহীনং তমঃ অবত্যসং অন্ত্ৰীতি অন্তং অন্ত ক দৃক্করে অস্থাৎ পঢ়াদিত্বিদ্যু অন্তথ্য তৎ তমশ্চেতি অন্তমস মিতি যঃ।

৭৮। খোবসীয়স খংবৈয়স নিংখেয়সং। এতে•নিপাত্যাঃ।

্ এতে বিপাড়িটিঃ অব্যরানামনেকার্থতাৎ শ্বঃ গোভনং অবসীয়ঃ খোবসীয়সং কল্যাণং শ্বঃ শোভনং শ্রেয়ঃ শ্বঃশ্বেরসং কল্যাণং নির্নিচিতং শ্রেয়ো নিঃশ্রে-ক্লসং নির্বাণং !

নিপাতো হার্থবিশেষে তেন খোনির্ভাং শ্রেরসঃ শ্রেনিসীরশ্চ শুভে বান্টো যসে জনন্তানিপাতনতে বসুমৎ শব্দাদি করু লুভ্নন্দিনা নিতি মতোর্লুক এটাসং-শেচতি ভিত্তাছকার লোপে বসীয়ঃ শব্দা শক্তাা শ্রের জাহ খোহনাগতে হিছি বসীয়ঃ খোবসীয়সং এবং প্রশাসা শব্দাদীয়সুঃ শ্রেরঃ খঃ শ্রেরসং নিঃশ্রেরসং উভয়ত্তা ময়ুরবাংশকাদিত্বাৎ যঃ বদ্যপি খঃ শব্দোহনাগত দিনার্বঃ বসীয়ঃ-শ্রেরঃ খ্রেনি শ্রেরহথে তথা পুঞ্জিতাহবরবার্থেন সমুদারেন শুভমাহ নিপা ভনাব। নিশ্চিতং শ্রেরো নিঃশ্রের মিতি প্রাদি সঃ।

৭৯। তপ্তা-য় বা জহসঃ। তপ্তরহসং।

এভাঃ পরা দ্রহসোহঃ স্যাৎ সে। তপ্তমিতি তুপোঁ দবৈশ্যমোরিভাস্য ঐশ-ব্যার্থস্য অকর্মকত্বাৎ কর্ত্তরি ক্তে রূপং। তপ্তঞ্চ তৎ রহদ্চেতি তপ্তরহ্দং শ্রেষ্ঠং রুহু ইত্যর্থঃ। রুহো রুহোহতু অসুরহ্দং অবগতং রুহঃ অবরহ্দং।

এক)ঃ পরাৎ রহঁদে। হং স্যাৎ। তপ্তরহুসমিতি তপ্তমিব তপ্তং তপ্তপ্ত তৎ রহ শেচতি, বাক্যং অকথীং বস্তবেৎ বাক্যং তৎ তপ্তরহুসং, বিছঃ ইতি এবং অমুর-হুসং অবক্লিতঃ রহঃ অবরহুসমিতি প্রাদি সঃ।

৮০। প্রভারসার্গবে। ' এতুত নিপাতো।

এতে নিপাত্যেতে। উরসি প্রতিরর্ত্তে প্রত্যুরসং অধিকরণে বাচ্যে অবায়ী ভাবে ২ঃ। গবামকু আরাতং অকুগবং শক্টং। অন্যত্ত প্রতিগত মুরঃ প্রত্যুরঃ। গবাং পশ্চা দকুগু পশ্চাদর্থে অব্যয়ীভাবে ক্লীনে স্বঃ। উরসি প্রতিবন্ততে প্রত্যুরসং প্লাথে ২ঃ গরা মসুদীর্ঘং অমুগ্রং শক্টং আনে। দীর্ঘ সাদীপায়ো রিজাদিনা বঃ জনাত্র উরঃ উরঃ প্রতিপ্রভারঃ বীস্সায়াং বঃ গ্রাং পশ্চাৎ জমুগু পশ্চাদর্থে বঃ।

৮१। (शंत्रधनः।

প্রাধ্বো রখঃ।

উপদর্গাৎ পরা দধনো হঃ স্যাৎ গ্নে। আগতো হধানং আছে। রুথং এবং অত্যধং শক্টং।

গেঃ পরা দহধূনোহঃ স্যাৎ সে। প্রাধ ইতি প্রগতো হধান মিতি বাক্যং কু প্রাদ্যোর্নিতামিতি সঃ প্রগতো হধা যেন ইতি বাহঃ।

৮२। পাওু দক্রফা ভুমেঃ। পাওুভূমো দেশঃ।

উদক্ ইতি উৎ পূর্বিসাঞ্চতে গঁডাবর্থে কর্তুরি কিবন্তস্য ল লোপে রূপং
কৃষ্ট ইতি ক্ষো বিলেশনে ইডাস্য জ্ঞান্তস্যরূপং। এভাঃ পরসা। ভূমে রঃ সা।
সে। পাঞ্ভূমি শক্ষিম্ স পাঞ্ভূমো দেশঃ উদী চী উদাতাভূমি র্যক্ষিম্ দ উদগ্ভূমিঃ। পুষদ্ভাবা হুদক্ ইতি স্থিতিঃ। কৃষ্টা ভূমি র্যক্ষিম্ স ক্ষভূমঃ। কেচিন্তু
কৃষ্টানে কৃষ্ণ ইতিপাইছা কৃষ্ণা শ্রামা ভূমি র্যক্ষিম্ স ক্ষভূমিঃ ইত্যুদাহরস্থি।

এত । श्विमा जूरम दे मार। शाखु हम हे जि शाखु हमि यं सिम् प्राण है जि वाकार बदर शाखु फार्ट्या जूमिरफिज शाखु हमा जिमी हि स्वित्रमार नगर्यार जिमी हार्या जूमिरफिज वा जिम्मूमा कृष्णा जूमिरफार नगर्यार कृष्णाहारमी कृपिरफिज वा कृष्ण होज वम्स किर।

৮০। সংখ্যারা নদী গোদাবরী ভাঞ। পঞ্চনদং সপ্তগোদাবরং দ্বিভূমঃ প্রাসাদঃ।

সংখ্যায়াঃ পরাভ্যাৎ নদী গোদাবরীভ্যাৎ চকারাৎ ভূমেশ্চ জঃ স্যাৎ সে। পঞ্চানাং নদীনাং সমাহারঃ পঞ্চনদং এবং সপ্ত গোদাবরং দেভূমী বস্য স বিভূমঃ প্রাসাদঃ।

সংখ্যায়াঃ পরাভ্যাণ নদী গোদাবরীভ্যাং ভূমেণ্ট অঃ দ্যাৎ দে। পিঞ্চদ মিত্যাদি পৃঞ্চানাং নদীনাং সমাস্থারঃ পঞ্চন্দং সন্থানাং গোদাবরীণাং সমা-হারঃ সপ্তগোদাবরং চকারাৎ দেভূমী ৰত্তেতি বাকাং। ৮৪। নিসঃ শতো ডঃ। নিস্তিংশঃ নিশ্চত্বারিংশঃ।

নিসঃ পরাৎ শদস্তাৎ ভঃ স্যাৎ সে। নির্গত্বা ক্রিংশদ্বস্য স নিব্রিংশঃ। এবং নিশ্চত্বারিংশঃ নিষ্পঞাশঃ সংখ্যায়া ভোবহো রিত্যনেনৈবেইসিজৌ এতদি-ধানং নিয়মার্থং। তেন কুক্রিংশৎ ছুস্তিংশৎ ইত্যাদৌ ন স্যাৎ।

মিসঃ পরাৎ শণন্ত । জ্বঃ স্যাৎ সে। নিস্তিংশ ইতি নির্গতা ত্রিংশদিতি বাকাং ক্রান্তা দেনি সিরাদেঃ পা ইতি ষঃ অস্য য গ্রবিষয় ইতি পরে। একেতু সামান্য এবেতা লাভঃ। এবং নিশ্চপ্তারিংশঃ নিম্পঞ্চাশঃ শত ইতি কিং নিঃমৃষ্টিঃ নিঃস্পঞ্চালঃ । গোঁঃশ্বাদ্যা নিপাতান্তে। গোঁঃ শ্বেব গোঁঃশঃ পুরুষস্যান্ত্র পুরুষায়ুরং যীষঃ দে আয়ুষী সমাহতে দ্যায়ুষং ত্রীণি আয়ুং যি সমা হতানি আ্যায়ুষং সমাহারে গঃ। দিন্তাবা ত্রিন্তারা বেদিঃ প্রত্তে যংজ্ঞ যানতীবিদ্ধি করণীয়েতি কপিতা ততে। দিন্তা ত্রিন্তারা বেদিঃ প্রত্তে হংজ্ঞ যানতীবিদ্ধি করণীয়েতি কপিতা ততে। দিন্তা ত্রিন্তারা বিদ্ধানতীশব্দেন ময়ুর বাংশকাদিত্বাৎ সঃ। এষাং বিশেষার্থে বিশেষয়ো নিপাতনাৎ গোঁষ্ঠমা শুণোর্কশারুষি ভ্রেয়া স্ত্রয়াণাং বা শ্রায়ু প্রায়ু প্রায়ুষি প্রবিতী ত্রিন্তার রক্ত্র রিতাত্র ন স্যাৎ।

৮৫। সুৎসুরতি পুতে র্গনা দি আঁ তৃপর্যানাৎ। সুগন্ধিঃ পদ্মরিদ্ধি পদ্মর্গনাং।

সৃশ্চ উদ্চ সুরভিশ্চ পৃতিশ্চেতি সুৎসুরভিপূতি তন্মাৎ। এভাঃ পরাদান দ্যাদিঃ স্যাধ্রে। উপমানবাচকাৎ পরাজু বা ইভার্যঃ। শোভনো গল্পো যস্য স সুগল্পিঃ। এবং উপালিঃ পুরভিগলিঃ পৃতিগলিঃ। পদ্মস্যের গল্পো যস্য স প্রার্গ্তিঃ পদ্মগল্পা করে। ব্যাদ্র স্বার্গির প্রগলিঃ পদ্মগল্পা করি। বাষ্যাদ্র সম্বার্গির পদ্মগল্পা করিব বর্ত্তিত। বাষ্যাদে তু সংযোগসম্বন্ধেনৈবেতি। ততশ্চ সমবায় সম্বন্ধেনেব বর্ত্তিকালাদান্ধাদের ইঃ গালে তু সংযোগসম্বন্ধেন বর্ত্তিমানাদিতি সম্প্রদায়ঃ। অত এব ভার্ত্তি আব্রায়ি বালু গল্পবহঃ সুগল্প ইতি কেচিত্তু সংযোগসম্বন্ধেন বর্ত্তিনাদাদান্ধাদি ব্যাস্থাদিতি মন্ত্রা সুগল্প। বাষু রিত্তুাদাহরন্তি। স্বনতে ভারি দান্ধাবস্থাপাং অত এব অগাংহি ভ্রায় ন বারিপারা স্বান্তঃ সুগলিঃ স্বন্তে ভুষারা ইতি গ্রীহর্ষঃ। নবমালিকয়াতি সুগদ্ধে। ইতি জয়দেবশ্চ। এবং গল্পাম্পত্ত্বি ইর্বা। তেন স্থানিলিকয়াতি সুগদ্ধে। ইতি জয়দেবশ্চ। এবং গল্পাম্পত্ত্বি ইর্বা। তেন স্থানিক বিত্তি বোধাং। ব্যা বিশ্বি গল্পান্ত ব্যাদি ব্যাং গা সুগল্পা বিপ্রিতি।

৮७। नार्काश्रार चटकं मथारा तः।

স্বতিভাগ পরাৎ স্থাাদে রো ন স্থাৎ পুজায়াং। শোভনো রাজা সুরাজা অভিশব্যেন রাজা অভিরাজা। অর্চায়াং কিং। গামতি-ক্রাস্তঃ অভিগবঃ।

প্রশংসায়াই বর্ত্তমানাভাহি স্বতিজ্ঞাহ পরাৎ সংগ্রাদের প্রত্যয়ে ন স্যাহ। সংখ্যাহোরাক্স ইত্যারভা গেরধন ইতি পর্যান্তেমু যেজ্যোহপ্রতায়ো বিহিত্ত-শেভা ইতার্থঃ। শোভনো রাজ্ঞা স্বাজ্ঞা অতিশয়েন রাজ্ঞা অতিরাজ্ঞা এবং অতিশয়েন স্থা অতিশা কুর্যোঃ অতিগোঃ সুরাজ্ঞি অতিশয়েন রাজিঃ অতি-রাজিঃ সুপস্থা সৃত্যু অতিবৃঃ সৃক্ অত্যক্ সধা অত্যধা। অর্চায়াহ কিং গাম-তিক্রান্তে হতিগবঃ এবং অতিসধঃ ইত্যালে স্যাদের। স্থাদের্গহণাৎ তৎপূর্ব্ব বর্ত্তিভিঃ সক্থাক্ষঃ মইত্যাদিভি বহুবীহে অ্প্রতায়ে স্বক্ষ ইত্যাদয়ঃস্মারের।

সুশ্চ অতিশ্চ তন্ত্রমাৎ। স্থানেরিতি স্থাহো রাজ ইত্যাদি সুরে বেভো।
হকার উজ্জ স্তেভাঃ পূর্জার্থ অতিভাগে পরেভো। নাহঃ ন্যাৎ। সুরাজঃ,অতিরাজা। কুপ্রাদ্যো নিত্যমিতি ষঃ স্থানেঃ কিং শোভনংলক্পি ষ্যা সুশক্থঃ
প্রত্যক্ষো বিপ্রঃ স্বতেঃ কিং পর্যরাজঃ। অন্যেতু পূজার্থ স্বতিভাগে পর্ন্যাঃ
সংখ্যারা ভোপি ন স্যাৎ। সুদ্শা অতিদশা ব্রাক্ষণ ইত্যাতঃ।

৮१। किमः (करा

কিং রাজা।

কিমঃ পরাৎ সখ্যাদে রোন স্যাৎ নিশায়াং। কুংসিতো রাজা কুরাজা যোন রক্জ প্রজাঃ এবং কিং গোর্থোন বহৃতি ভারং। নিশায়াং কিং। কেষাং রাজা কিং রাজঃ কিং গবঃ।

क्काप्ता निका जगार वर्जभानार कियह मधारा देता न गार। किर तांका

কুৎসিতো-রাজ্যতার্থঃ। এবং নিদিতা ধুরসা কিং ধুঃ শক্টং কেংগু কিং কেষাং রাজা কিং রাজঃ।

৮৮। নত্তো ২হবে।-

न धाः शता । स्वाप्त । स्वाप्त स्वाप्त

্নঞঃ পরার্থ সীখ্যাদে রে ন স্যার্থ সে নতু হ বয়োঃ। ন স্থা অস্থা এবং অরাজা অংগীরিতাদি। হ বয়োস্ত নসন্তি আপো যত্র তং অনপংসরঃ প্রাপ্ পুরাইতি অঃ প্রতীয়ঃ স্যাদের। ধুরো হভাবঃ অধুরং অত্র ধুরো হনক্ষস্যতি অপ্রতায়ঃ স্যাদের।

় হশ্চ বশ্চ তৎ ন তেৎ তিমান্ হনভিন্ন সে নঞ্চ পরাৎ সখ্যাদে রোন স্যাৎ। অসবেতি ন স্থা ইতি বাকাং নঞঃ ইত্যুক্ত বসঃ যদাপি নঞ ইতানে নৈব সিদ্ধাতি তথাপি নঞঃ স্যাদ্যান্তেন হন স জ্ঞাপনার্থ মহন ইত্যুক্তং অনপং সর ইতি ন সন্ত্যাপো যমিন্ সর্মীতি বাকাং অধুর্মিতি ধুরোহভাবঃইতি বাকাং।

५२। शर्था वा।

অপথং অপন্তাঃ। হবে ছু । অপথো দেশঃ। অপথং।

নঞঃ পরাৎ পথে হিঃ সাাধা নতু হ বজোঃ। নপ্সাঃ অপস্থাঃ। পক্ষে অপপ মিত্যক্র ক্লীবন্ধং। অপুন্থা স্থপথং উ্লো ইতামরাং। হবেতু। নান্তি পস্থা মস্যানো অপথো দেশঃ পথে হভাবঃ অপণং। উভয়ক্র প্থাপপুর ইতি অপ্র-ভায়ো নিতাং।

হব ভিন্ন যে নঞঃ পরাৎ পূথো নাঃ স্যাঘা। অপস্থাইতি ন পস্থাইতি বাক্যং। অপথমিতি ব্যসংখ্যাভ্যাই পথ ইতি ক্লীনহুং অপথোদেশ ইত্যাদি নাস্তি পস্থা যদ্মিনু দেশে পথো হভাবঃ ইতি বাক্যং।

৯। কৎক ছ তি রথ বদে।

কে। কুণনে কৎ আৎ মে অজাদৌ পরে। কুদলং ক্জায়ঃ।

অষ্ঠ ত্রিশ্চ রপশ্চ বদশেচতি অচ্ ত্রি রথ বদং ভঁমিন। পাপ কুংসে বদর্থে কু ইতাসভোজনা অবায় কুশন্দনা কং ন্যাদজানে পরে দে নভি। ভিন্ন বিষয় ছাইপুর্বেডঃ কিমপি নামুরর্ভতে কুংনিভ মন্ধং কদলং। এবং কদাকারঃ কদৌন্ধং। এবং কুংনিভা জ্বঁয়ঃ ক্রুয়ঃ ক্রুয়ঃ ক্রদঃ। অবায়ন্যেভি কিং গোরা কুঃ প্রিবীতামবোজনা তু কোঃ পৃথিবা উথিভঃ ইতাঁদে। ন ন্যাং ভ্রজাতে চ বজ্বাঃ ক্তৃণ্মিদং।

অচচ ত্রিশ্চ রথশ্চ বৃদ্ধত ভদ্ধবিদ্ধ। কদম নিতাদি কুৎসিত্র নুৎ কুৎসিভাই

ত্রমঃ ইতি বাক্যং কুপ্রাদে নিজ্ঞমিতি সঃ। এবং কদ্রপঃ কন্ধদ ইতি বদতীতি বদঃ পচাদ্যন্। এমিতি কিং কুরাহ্মণঃ অস্য স্থত্রস্য যস এবাভিধানাৎ কুৎসিতে। রথো যস্যেত্রাদে ন স্যাৎ।

… रुर्रा क्†श्रका

क्री भार।

অকারাত্তে হক্ষে পরে কোঃ কা স্যাৎ। কুৎসিত মক্ষ্যিক্সিং কাকং।
এবং কুৎসিতোহকঃ পাশা ইতি খ্যাতঃ কাক্ষঃ এবঞ্চ কুৎসিতে অক্ষিণী চক্ষুধী
মস্য স কাক্ষঃ। অত্র সক্থাক্ষ ইতি কপ্রতারে ইকার লোপে অক্ষ ইতি লাভাৎ
কাদেশঃ স্যাদের।

অকশব্দে পরে কোঃ কা স্যাৎ। কাক্ষমিতি অক্ষমিন্দ্রিয়ং কুৎসিত্তমক্ষমিতি বাক্যং কুপ্রাদেশিতা মিতি ষঃ। অঁক ইতাস্য সাম:নাতো গ্রহণাৎ কুৎসিতে হক্ষিণী যদ্য কাকো বিপ্রাইতাক্রাক্ষি শব্দাৎ যে কৃতে হপি স্যাৎ।

२२। পথি পুরুষে বা।

কাপথঃ কুপথঃ কাপুরুষঃ কুপুরুষঃ।

কোঃ কাঃ দ্যাদাপথি পুরুষম্মেঃ পরম্মেঃ। কুৎসিতঃ পস্থাঃ কাপথঃ কুপথঃ। এবং কাপুরুষঃ কুপুরুষঃ।

পস্থাশ্চ পুরুষশ্চ তাত্তিমান্। কোঃ কাসণাৎ বা পথিপুরুষয়োঃ পরয়োঃ। কাপথ নিভি কুৎদিতঃ পশ্বা ইতার্থঃ বাসংখ্যাভ্যাৎ পথ ইতি ক্লীবছং এবং কুপথমিতি পরেতু কাপগমিতি নিতামাভঃ। কাপুরুষঃ ইতি কুৎসিতঃ পুরুষঃ ইতার্থঃ। ঈষদর্থে কোঃ পুরুষে শব্দে পরে বা কাদেশ ইতি ভাগবৃদ্ধিঃ তমতে স্বংপুরুষঃ কাপুরুষঃ কুপুরুষঃ ইতি।

२० । • • का त्रीयमर्र्थ ।

ञ्रेषञ्जलः क्षणभः।

কোরিতি পুনর পাদান ই বাধিকার নিবৃদ্ধার্থই পরনিমিন্ত নিবৃদ্ধার্থ । তেন ঈষদর্থে বর্ত্তমানস্য কোর্নিত্যই কাঃ স্যাই। প্রকোরামুসাবেশ ইন্মিন্ত্র্ ক্রিম্নপি পরে ইত্যর্থই। যথা ঈষজ্জনং কাজনং এবং ঈরদশ্বই কান্ত্র। ক্রিজ্ঞাং কালবণং এবঞ্চ ঈষৎপদ্মাঃ কাপথুঃ। কুংসায়াল্ড পুর্বেশ বিকণ্ণীঃ।

পুনঃ কুগ্রহণং পথিপুরুষয়োরমতুরর্জনানত্বার্থ মত আহ কাজল মিতি এবং ঈমল্লবণং কালবণং ঈবদাদো যত্ত্র কাবাদ ইত্যাদি। ঈবদন্ধং কালং ঈবদন্ধং কালং ঈবদাকারোহ্যা কাকারঃ ইত্যাদে অনেনাছচি কদাদেশো বাধাতে হপেক্ষিত বিধিত্বাৎ পরত্বাচ্চ। তথাচ ভারবিঃ। দেবাকানিনি কাবাদে বাহি-কাস্বস্থকাহি বা। কাকারেল ভরেকাকা নিশ্বভব্য বাভস্থনি।

৯৪। কৎ কবৌ চাগ্নুকে। কদ্যিঃ ক্বাগ্নিঃ কাগ্নিঃ কছ্ৰুং কবেৰ্ফং কোফং।

ঈষদীর্থ কোঃ স্থানে কংকরে। চকারাৎ কা চ স্যাদগ্মি উক্ষয়েঃ পরিয়ে। রিত্যর্থঃ। ঈষদশ্লিঃ কদগ্লিঃ কুৰাগ্নিঃ এবং কত্নকং কবোকং কোকং।

ঈষদর্থে কোঃ কংকব কাঃ স্থারগ্নাফ্রোঃ পরয়োঃ। কদগ্রিরিতি। পরেছু । জীয়শ্রেক পরে কাঁকবাদেশো নাভঃ। কঁচুফলিতি জ্বনীষদর্থেপি কোরক্ষুশক্ষে পরে কংকবাদেশা ইত্যান্য।

ক। কোতি জ্নপদ রাত্তি নাভি বন্ধু গন্ধ পিও লোহিত কুক্ষি বেণী ত্রন্ধারি তীর্থপত্নী পক্ষে সমানঃ সঃ।

শ্মানং জ্যোতি র্যন্তাসো সজ্যোতি

এমু চতুর্দ্ধশন্ম পরেয়ু সমানঃ সঃ স্যাৎ সে সভিদ্ধিন্যানং জ্যোতি র্বসাসে সজ্যোতিঃ এবং সজনপদঃ জনুপদপর্বায় প্রকণাৎ সমানে দেশঃ । সরাক্রিঃ সনাভিঃ সরক্ষণ্ণ সগদ্ধা সর্বাদ্ধিঃ সনাভিঃ সরক্ষণ সগদ্ধা স্থানি ক্রি স্থানি স্থানি স্থানি ক্রি সামান শব্দেন একএব উচ্চতে নতু তুলাঃ দুমানে এক মিন্ ব্রহ্মণি বেদে চরতীতি বাক্যে প্রহাদিরামিণি ব্রহ্মচারিলি পার্ল্পেনানঃ সং অত-এক ব্রহ্মব্রভাগরা নিগঃ স ব্রহ্মচারিণঃ ইত্যমরঃ। তীর্থ মুবিষ্টজনে গুরাবিতামরঃ সমানাৎ এক মাৎ তীর্থাংগুরোঃ পচ্জীতি চথেকা দিভি জনিং ক্ষোতি বিতামরঃ সমানাৎ এক মাৎ তীর্থাংগুরোঃ পচ্জীতি চথেকা দিভি জনিং ক্ষোতির্থি ইতি ভাগে সমানঃ সঃ। অতএব স তীর্থাইল্ডক গুরুব ইত্যমরঃ। নির্ব্বারে তীর্থে ন স্যাৎ। তেন সমানং তীর্থং গঙ্গাতীরাদি ক্ষোং তেন সমানতীর্থাই ভিসমান একঃ পতি ব্রস্যাইতি বাক্যে নিপাতনাৎ পৃত্যুঃ পত্নাদেশে সমানস্য সাদেশে সপত্নী এবং সপক্ষঃ। সে কিং হৈ চন্দ্রেণ সমানং জ্যোতিন্তব কুত্র।

এই চতুর্দশস্ পরেষ্ শ্রমানসা সং স্যাৎ। সক্ষোতিরিতি সমানগু তৎ জ্যোতিতেতি নাকাং একাদীনাগু ইতি ষসং এবং সজনপদং সরাব্রিং সনাভিঃ স্বস্ধৃঃ নগন্ধঃ সপি ৬ঃ গুলোহিতঃ সকুক্ষিঃ নবেণী সরক্ষচারী ব্রহ্ম বেদঃ ভদধানশর্ম্বং ষষ্ট্রজং তদপি ব্রহ্ম ভচরতীজি ব্রহ্মচারী সমানো ব্রহ্মচারী তদ্যৈববেদাখাসা ব্রহ্মণঃ নদ্শং ব্রতং চরতীভার্বঃ। সমানে তীর্থে গুরের বসভীতি সভীর্থাঃ
একগুলুঃ সমান ভার্থশন্ধাৎ তত্র বাদিনীভার্বে ক্ষোভ্যে সমানসা সং। সমানঃ
প্রির্স্যাঃ সপত্রী ঈপি পতি শক্ষ্যা পত্নাদেশে সমানসা সং। সমানঃ পক্ষঃ
সহারঃ সপক্ষঃ পরেতু গন্ধপিশু লোহিত কুক্ষি বেণীতি পঞ্চ নাত্র। জারোতু
পঞ্চাত্রিতি পিশুভিশ্ব-নাত্রী সেতুশক্ষিভাইঃ।

৯৬। ৰূপ নাম গোত্ৰ স্থান বৰ্ণ বছে। বচন ধৰ্ম জাভীয়ো দৰ্য্যে বা :

नमानकलः नकलः।

অষু দশসু পরেষু সমানঃ সঃ 'ন্যাদা সেসতি। সমানং রূপং যস্যাদে সরূপঃ मश्मिरेयकर नाम येगा न ननामा नमाननामा। अवः म्हार्शकः नम्पनत्नाकः मञ्चानः समानञ्चानः सर्वे समानवर्वे सर्वाः समानवयाः स्वरमः समानवहनः সধর্মা সমানধর্মা। ইত্যুভয়ত্র ধর্মাদনু উতি অনু সমানস্য প্রকার ইতি জাতীয় প্রভাষে পরে সজাতীয়ঃ সমানজাতীয়ঃ। সমানে একস্মিল্পুদরে ভবতীতি চঘে কাদিতি অনিতি, ক্ষেপরে সমানঃ সোবা। সোদগৃত সমানোদগৃত। সমাসি ইতি কিং হেদেবেন সমানং নাম কিন্তে ইত্যাদে ন স্থাৎ ইতি। ইত্যাদয়ঃ সাধ্যা ইতি বচনাদত্রেদং বিদ্ববোমি অহমেব পুরুষোহত্রেতি সম্ভাবনা আহেঁ। পুরুষিকা। অহং পূর্ব্বমত্তেতি আবিষ্ক্রিয়া অহং পূর্বিদা। অহং প্রধানমত্তেতি অহংক্তি রহমিকা সৈব পরস্পরভ্রেৎ অহমহমিকা ইত্যাদয়্যো বহবো নিপা-ত্যাঃ। অথ লিক্সনির্বয়ঃ। ইতব্যেতরকদ্বন্দঃ কর্মাধারয় এবহি। অথ তৎপুঞ্ধ-ৈচতে পরশন্দীয় লিক্সিনঃ। অহুগাহান্তান্ত পুংসি স্থা রাত্রান্তাঃ প্রাগনংখ্যকাঃ। ভক্ষিতার্থে দ্বিপ্তপুরুষী ত্রণীত্ক্যাদ্যাঃ ক্রিয়াং মতাঃ। অপাত্রাদে রদস্তস্য সম!-হার দিঞ্চ ব্রিয়াং । আবস্তানামনস্তানাং তথৈব জ্রী নপুংসকং । সমাহারদিগু-দ্বন্ধা ববায়ীভ া সংখ্যাপুর্বক রাত্রান্তাশ্চতারঃ খ্যু র্নপুংসকে। জন্ধ-नारकार्क्षशंत्र में ५६ । পথং তথা। বৃহত্ত্ত্ত্তি তি দ্বিতার্থে তথে। তুর পদে দিওঃ।
। চুংলিকা ইমে খ্যাতাং পর্ং জ্বেয়ং প্রয়োগতঃ ইতি।

ইতি জীর্নগাদ বিদ্যাবাগাশ বির্চিতায়াৎ সুবোধায়াৎ মুগ্ধবোধ
টীকারাৎ সমাসটীকা সমাপ্তা।

अयू मणम् ममानमा मह मान्ना। मक्न हे छि ममान क्रिंग सरमाछि वाकार अवर मनाम। मर्गाक्ष मञ्चान मर्गह है जानि। भरत् छू छेम्र्य छिर इस्विश्व निष्ठामो छह। अर्माम्य छिर व्ययू विकि हो छहा । धर्माम्य छिर व्ययू विकि हो छहा । धर्माम्य छिर व्ययू विकि हो छहा । धर्माम्य छिर विकास है। प्राविश्व है स्वाप्त मर्गह कर्न भर्मा है। प्राविश्व है स्वाप्त है। प्राविश्व है। विकास है

क्कोना वक्केन्स्मोः धकीर्स्टिजाः। विश्वमा वसूनिः। विश्वमा र्घः मार्थः वसून्यः পढ़तः। विश्वर वश्वरूमा विश्वावम् । अभीनाम तिरकावरर । भीनामि ভिन्नरेमामञ्जमा र्घः স্যাৎ ষহ শক্তে পরে। কপিং বহুতীতি প্রাপীন্ত্রপীবহুং মুনীবহুং শ্মীবহুং। পীলাদেস্ত পীলুবহুং চারুবহুং দারুবহু মিত্যাদি। ইকঃ কিং গন্ধবহুঃ। গেঃ কাশে--ইগন্তুলা গেঃ কাশ শব্দে পরে র্ঘঃ মাাং। নিকাশতে ইতি পচাদানু নীকীশঃ অনুকাশঃ। ইকঃ কিং প্রকাশঃ। গের্ঘণ্ড মন্তুষ্যে বছৰং। গে র্ঘঃ দ্যাৎ মনুষ্য ভিলেনাচ্যে যঞান্ত পরে বালুলাাৎ কুচিন্নিতাঃ কচিন্নিকপাঃ কচিনিষেধঃ কচি-पन) ता शि। यथा जभामार्गः वीमार्गः नीटक्रमः नीहातः नीमातः नीवातः वृत्छो था-কার, গুহতেদে প্রাসাদঃ ইতাদে নিতা। অনাত্র প্রকারঃ প্রসাদঃ প্রতীবেশ্য প্রতীহারঃ প্রতীকারঃ প্রতীরোধঃ নীকারঃ অতীমারঃ পরীহীমঃ পক্ষে প্রতি বেশঃ ইঙ্টাদি বেশাদৌ বিকল্পঃ। প্রবেশঃ প্রহারঃ বিশারঃ পরিবেশঃ ইড্যা-দৌ নিবেশঃ। পূর্ববং মুখনলা পূর্বামুখঃ পশ্চিমামুখঃ উত্তরামুখঃ দক্ষিণামুখঃ ই-ত্যাদে গিভিন্নদ্যাপ্য ঘঞ্চন্তেপি। অমসুষ্ঠে কিং নিষাদশ্চাঞানঃ। কিবস্তর हार्षा कमा ह। त्राः कमाह किवलुक्तहार्षा शरत र्घः मार । अडीक् क् वीक्रश् नीक्रश প্রাবৃট্ পরীতৎ উপানৎ কারকস্য মর্মাবিৎ মুগাবিৎ ৽ গি কয়োঃ কিং তিমা রুগ্ यमा म जिल्लात्मक्। जूबारमः महि बाजू त्वत्रक्षत्माः। जूपारम घं मार महि त्व ्त्रव्धरमार्ता। छूतः त्रावछः महत्व जास्त्वमहत्रहि तिन्छ् । साहि अवः अडी-यां ऐ अनाया ऐ दे जानि । विद्यां रुकि किल् बीकु रहा थड़ की दे बेरू र विकार सम्दर्धा किली। उत्तर्भकी कि शहामाम् बीत्रभृक्ष्यत्वभः। स्टानां मछारः 🖯 । मछारमी शद् अतार्चः मार। अतामसं चामसः चामरक्रा। मेलामि र्था। मस मरक्रा কর্ণ কুজ পদ পুচ্ছাঃ ষড়ীরিডাঃ। বরাহোপাত্র এতেন খা বঁরাহাবিভি কশ্চিৎ। পদ পুচ্ছয়ে। র্বেতিচাম্রাঃ তন্মতে ঋপদঃ ঋপুচ্ছঃ ইত্যাপ। চিতেঃ কে। অকৃত সাস্তাহেত্যনের বিহিতে কে পরে চিতান্তমার্ঘঃ মাণ্ড। একা চিতি র্যমা একটি-धोकः। काणेत कि: अनुकारमाध वन निर्द्यानीमि रिकाणेतारम वनभरम शरत किश्रुणुकारम र्गित्रिभरक शदत र्घं माजान्त्र। काठेवानार वनर काठेवानमर। কোটরাদি র্যথা কেটির শারিক নিধুক্প্লবর্গং মিশ্র ইতি পঞ্চেই প্রোক্তাঃ। কিং **चलुकानाः गितिः किः चलुकानितिः किः चलुकाञ्चनं उ**क्षन लाहिত कूकु है मिछि "পঞ্চেই প্রোক্তাই নামি কিং কোটরবনং ভঞ্জনগিরিই। বিশ্বসামিত্র নরয়োই। বিশ্বসান্ত্রা র্যঃ স্যালীলি। বিশ্বামিত্রো নাম প্লামিঃ বিশ্বান্রো নাম কশ্চিৎ। না: ব্লকিং বিশ্বং মিত্রং যদা বিশ্বমিত্রো বিপ্রাঃ। বিশ্বে নরা যদা বিশ্বনরোরাজা। असे द्वा वकारमी। असे देना र्यः मार् वकारमी नामि। असे वकानि वमा असे।-বকো নাম গ্রাঘঃ অফাপদং সুবর্ণমিত্যাদি। অনামি অফবকো বৃক্ষঃ। গোকপা শব্দ যুক্ত হবিষোঃ গোশকে পরে যুক্তে বাচ্যে কপাল শব্দে পরে হরিষি . বাচে) অফলে। র্যঃ স্যাত্র। অফভি র্ণাভিত্ব জিং অফাগবং শক্টং অফসু কপান

ণিপুত্রঃ ইতাাদো নিতা রেবভিপুত্রঃ রেবভীপুর গৃহং লোমকারপ্তং ন কলিক সুসুক্ষঃ অট' বাস্য যুডোবা পরত পরদে। গ্রামণিপুত্রা ক্রমিডাত্র দৃষ্তু निर्मिण्यनी मिश्मिणायुनी अममननः अमानित्रः
निर्मिण्यनी मिश्मिणायुनी अममननः अमानित्रः
निर्मिण्यनि कामीनिर्मात देखारिने निर्मिशः
कामीनिर्मितः हेखारिने निर्मिशः
केखारिने जमः कामीनिर्मात देखारिने निर्मिशः
हेखारिने जमः कामानिर्मित नाल्यारि । जन्नित्रमूद
हिसूद जेन् एका नामः कामानि कामान् कर्ममू मृम्ज्
जू भूकरित्राः रम् कुमक्ति स्वास्त्र मिल्लाः कामान् कर्ममू मृम्ज्
जू भूकरित्राः रमकुमक्ति स्वास्त्र मिल्लाः कामान् कर्मम्

বুশ্চ কর্মন্ত জ্বনীবুন স্থা তেচ দুম্ভুশ্চ সনাবু কর্ক রু দৃম্ভুঃ তাসাং কলং দৃম্ভু কনমিতিতু স্নাদের । ঈবাদের গার্গীপুত্রঃ শ্রীকুলং জকুলং তবঃ কুংগালা বৃহত্তেচি। জ্ববঃ কুংগাদে ঋৎ জৎ শ এতে বহুলং প্রাঃ। এবং কুংগো ভাষণ সম্য ভৃকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুংসশ্চ জকুটিঃ জকুটিঃ জকুটিং জকুট

ইতি শ্রীমহামহোপাগার শ্রীরাম তর্কবাগীশ ভটাচার্য্য বিরচিতা সপাদসঃ টিপ্পনী সম্পূর্বা।

# मुक्षरवाधः वर्गकत्वभ्।



### ন্ত্ৰীত্যঃ।

# ১। স্ত্রিয়ামত আপ্। স্ত্রীলিঙ্গে স্থিচাদকারাস্তাদাপ্ ভাৎ। মেধা সর্কা।

নিঙ্গানাং স্ত্রীষ্ণনিক্ষায়াং স্যাদ্যৎপত্তেঃ প্রাণের ষণাসম্ভবমারাদয়ঃ স্যুঃ।
স্যাদ্যৎপত্তেঃ পশ্চাদারাদীনাং করণে প্রকৃতের্নিক্রকাশকার্য্যাণামাদাবুৎপত্ত্যে মহানিক্টং স্যাৎ। যথা বাচ প্রভৃতের্হসে পরে আপ আদে কুঙাপত্তিঃ
রাজাদি শক্ষানাং স্যাদি পঞ্চকে ঈপ শ্রাদে নাস্তর্যাদীর্ঘাপত্তিশ্চ। তাদাদেস্ত স্যাদ্যৎপত্তেঃ পূর্বেং আনানের্বিষয়াভাবাদপ্রতি স্যাদ্যৎপত্তেঃ পশ্চাৎ
ক্রেন্ত্রে অদস্তর্বাদাপ্ স্যাদিতি। অত্তর্র ত্যাদাদেক্টের্ন্থে সতি আপ্ ইতি
স্বয়মুক্তং। কিঞ্চ নিক্সাধনযোগ্যানুপ্যাবাদীন্ কাঠিন্যভয়াৎ দ্রীনিক্ষপাদেনোক্রা পৃথপ্রদতি স্ত্রিয়ামিত্যাদি। মেধেতি গ্রমেণ্ সঙ্গে সমক্তাৎসরোরিতি
অপ্রত্যায়ে মেণ্ ইত্যকারাস্তান্ধিত্যন্ত্রীনিক্ষাদাপ্। পাক্ষিক স্ত্রীনিক্সামপ্রাইতি। আবীপোঃ পকারস্ত্র আবীব্রসাদিত্যাদিষু গোপা শ্রীপা প্রভৃতীনামপ্রাপ্রেরে বিশেষণার্থঃ। উপস্ত পকারঃ রূপকলেপচেনৃপ্ ইত্যাদেচ স্বাদেরপ্রাপ্তরে
বিশেষপার্থঃ।

ব্রিয়ামিত্যাপাদমধিকারঃ। অত ইত্যনেন লাক্ষণিকাদপীতি তেন স্যাস। ইত্যাদো সর্ব্যবদাপ্ স্যাৎ। তটাদীনাক্ত ষদা ব্রীদ্বং বিবক্ষাতে তদৈবাবাদয়ঃ স্যঃ নতু পুংস্থ ক্লীবদ্ধ বিবক্ষায়ামিত্বি আবাদয়স্ক সাধুদ্বার্থমেব বিধীয়স্তে। মেধেতি। মেধৃঞ্জ মেধায়াং অক্ষাৎ সেম্ক্রাৎসরোরিত্যঃ। পশ্চাদাপ্।

#### २। इमाषा।

### জিয়াং হসন্তাদাপ্ সাাদা। বাচা বাক্ দিশা দিক্।

বাচা বাক্ দিশা দিক্ গিরা গীঃ উষ্ণিহা উষ্ণিক্ বিপাশা বিপাট্ দৃশা দৃক্ রক্ষা রুক্ ইত্যাদি। অত্র বাশব্দস্য ব্যবস্থা শিফ্টপ্রয়োগামুসারেণৈব স্যাৎ নতু সর্বস্থাৎ হসাৎ। তেন স্বপ্ নদী ইত্যাদে ন স্যাৎ।

वमािश मामात्मात्माखः उथाशालिक्षानािष्ठित्मयः उद्याद्धः । उनं " क्या वाहािष्टिमा क्रूक्षां विशामा ह खङ्गा इङ्या। तिरद्रािक्षशः मितिष्टा मितिष्टा भित्रािक्षशः । वामक्षमा वावद्यावािष्ठां कहिम्म मां किर्वाहिष्ठाः । वामक्षमा वावद्यावािष्ठां कहिम्म मां किर्वाहिष्ठाः । विशेषा विशेषा हिष्ठाः । विशेषा विशेषा हिष्ठाः । विशेषा विशेषा हिष्ठाः । विशेषा विशेषा हिष्ठाः मार्ष्ठाः । विशेषा विशेषा हिष्ठाः मार्ष्ठाः ।

### ৩। মনোডাপ্।

## স্ত্রিয়াং মনস্তাদ্ধা তাপ্ স্যাৎ। সীমে সীমানৌ পামে পামানৌ।

সৌ নান্তবাদ্দীর্ঘে তাপিকৃতে বা রূপজেদো নান্তীতি উকারে উদাহতং। সীমে দীমানাবিতি। এবং ত্রাসুমিতিমনিকৃতে দদাতীতি দামা অস্যাপি দামে দামানো পটিমানমতিক্রান্তে অতিপটিমে অতিপটিমানো স্রিয়ো ইত্যাদি।

মন্ধিত্যনর্থকস্যাপি গ্রুহণং। তেন সৃধর্মে সৃধর্মাণে সভে বহুপটিমে বহু পটিমানে ব্রিয়ো। তথাচ রামায়ণে " স্বভাবশৈচব নারীণামেষু লোকেষু দৃশ্যতে। বিরুদ্ধ ধর্মাশ্চপলা ভ্রাতৃতেদকরাঃ স্থিয়ঃ,,।

#### ৪। ছেইনঃ।

# স্ত্রিয়াং স্থিতাদনস্তাদ। ডাপ্ স্যাদে। বহুষজ্বে বহুষজানৌ।

মসংযোগবসংযোগপরস্থিতাৎ অনস্কাদেবায়ং বিধিঃ। অন্যক্ত পরস্থাক্তেণ বাধিতত্বাৎ ইত্যত আহ বহুষজ্ঞে ইতি বহবো ষজ্ঞানো যযোঃ সভয়োরিতি বিগ্রহঃ। এবং বহুব্রজ্ঞাবলী সভে এবঞ্চ শোভনো ধর্ম্মো যযোঃ সভয়ো রিতি বহুবীহে ধর্মাদনিকৃতে সুধর্মে সুধর্মাণো ইত্যাদি।

বাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ ভাবভাবপক্ষেহপি আবীপোর্নিষেধঃ। তেন বহু
যুবানো সুমঘবানো পুর্ব্যাবিত্যাদে ন স্যাৎ। হেকিং অতিষক্ষানো।

### ৫। ঈপ্চাম্বস্যাৎ।

মস্য বস্যান্যপরাদনস্তাকে স্থিতাৎ, ক্রিয়ামীপ্ ডাপ্চ স্যাদ্ধা। বছরাজ্যো বছরাজে বছরাজানো।

महत्रकृषिकातन मतील केहार स्थ वर मार्कि सुमाः नस्तार्श्यकाः कसार। मूमर वाग्रवागर विभवनीर भरता (याश्च कमला मिलार्थः। हकातार काल्य वाम्यविद्य भरता स्वाप्य क्षित्र विश्व कर्षा । वस्ता (याश्च किलार्थः। हकातार काल्य वाम्यविद्य भरता सिलापः मल स्वाप्य कर्षाति विश्व कर्षात सिलापः सिलापः। विद्या । विद्या । विद्या । विद्या मिलापः स्वाप्य मिलापः सिलापः। विद्या । विद्या । विद्या मिलापः। विद्या मिलापः। विद्या मिलापः। विद्या सिलापः। वर्षः स्वापः। वर्षः सिलापः। वर्षः स्वापः वर्षः विद्य वर्षः सिलापः। वर्षः। वर्षः सिलापः। वर्षः। वर

মচবঞ্চন্দ্রথ্য তৎস্যশ্চেতিশ্বস্যঃ নশ্বস্যঃ অন্বস্তান্ধাৎ। তুলাবিষয়ত্বাদ্ধত্রানঃ সদানোহল্লোপন্তত্ত্রবায়ং বিধিন্তেন বহুরবাপুঃ সুমঘবাদ্যোরিত্যাদের
নস্যাৎ শ্বর্বমঘোনেত্যাদিনাপাশুত্বেহুল্লোপ্তাবাৎ। বহুসীয়্য়ের্য পূর্ব্যাবিত্যাদের নমনসং বৈয়তি বহুবীহিন ঈপ্ নিষেধঃ তন্যাহহবিষয়ে চরিতার্থত্বাৎ
তথাচ তত্ত্মবক্ষিত লোকপালধানীমিতি। পক্ষে বহুসীমানের বহুসীমেত্যাদি
বহুরাজ্ঞ্যাবিতি বহুবো রাজ্ঞানোযয়ের্নগর্ব্যোক্তে ইতিবাক্যং এবং বহুতক্ষ্যোবহুতক্ষে বহুতক্ষাণাবিত্যাদি।

### ७। कानानीतकश्मियख् किनातः।

আশীরর্থাকবর্জে কাপি পরে অকার ইং স্থাৎ নতু যত্তৎ ক্ষি পাদে:। সর্বিকা কারিকা। আশীরকেতু। জীবকা। যদাদেস্ত। যকা সকা ক্ষিপকা ধ্রুবকা চটকা।

কযুক্ত আপ্ কাণ্ তিমান্। আশিষি অকঃ আশীরকঃ নান্তি আশীরকো যত্র কাপি সোহনাশীরকঃ তিমান্। যাদৃগ্জাতীযস্য এতিষেধোবিধিরপি তাদৃগ্জাতী যস্যেতি ন্যায়াদাশীরকবর্জনাং কৃতককারস্যগ্রহণং নতু প্রকৃতেঃ তেন তক্ সহনেহাসে পচাদিধাদনি তকতীতি তকা এবং শক্রোতীতি শকা इंजार्का नगां । मरमयमिजार्थ स्म ममकार्करण अञ्चानिषानीरभानित्यस আপি কৃতে মামিকা ইত্যত্ত আদেশত্বাৎ কৃতককারেস্যাদেব। কিঞ্চ পরস্থ ত্রীয় বাশব্দস্য ব্যবস্থয়া নবং কায়তীত্যর্থে কৈশব্দে ইত্যক্ষাৎ হনজনাদ্গমাদে ব্রিতি ডপ্রতায়ে টের্লোপে আপিকৃতে নবিকাস্ত্রী ইত্যত্র প্রকৃতিককারেইপি এবং বহুবঃ পরিব্রাজকা যস্যাৎ সাবহুপরিব্রাজকাপুরী ইত্যাদে সমাসে বিভক্তে লু কিবিভক্তান্তরোৎপত্তো নস্যাৎ এবঞ্চ বহনি চর্মাণি ষস্যাৎ সা বহুচৰ্দ্মিকা শালা ইত্যাদৌ কপ্রতায়ে নোলুপ্ফেধাবিতি নস্য লুপি তদাদ্য বিধেনিধেথংপিইকারঃ স্যাদেব ইতি। সর্বিকেতি। ত্যাদিব্যাসভোসিতি সর্ব্যাস্থ্য টেঃ পূর্ব্বোহক স্ত্রিয়ামত আপ্ ততঃ কাণিপরেহকার্স্যানেন ইকারঃ। কারিকেতি। ভুক্ঞ ভূগ্নকোষে ইতি ণকঃ বৃদ্ধিঃ আপ্ কাপিপরেহ নেনাকারস্য ইকারঃ জীবকেতি জীবতাদিতি বাক্যে আশিষীতি অকঃ পশ্চাৎ স্ত্রীত্ব বিবক্ষয়াপ্ আশীরকবর্জনাদকারস্য ইকারো নস্যাৎ যকেতি যদশব্দস্য। সক্তেতিভদশব্দস্য। ক্ষিপাদিশ্চ " ক্ষিপ্রকা ধ্রুকা চৈব করকা ধারকেষ্টকা। এড়কা চটকাদ্যাশ্চ পিতৃণামন্টকা ভবেৎ। উপত্যকাধিত্যকাচ তারকা ভদৃগং-শয়োঃ। বর্ণকা বস্তুভেদেস্যাথ শকুনোবাস্তবর্ত্তিকা ইতি,,।ইফ্টকেতি ইচ্ছতে রৌণাদিকস্তকঃ অন্টকেতি অশ্বাতে রৌণাদিকস্তকঃ পিতৃণাৎ সম্বন্ধিনী আদ্ধ-কালত্বাদিতার্থঃ। তেন অশাতে রৌণাদিকতকে অফকা অষ্টিকা খাঁরী অফা-বাঢ়কাঃ পরিমাণমস্যা ইতি কপ্রত্যয়েহপি অষ্টিকেত্যেব। উপত্যকা পর্ব্বতস্য নিকট ভূমিঃ। অধিত্যকা উর্গ্ভূমিঃ তারকা নক্ষত্রং নেত্রাংশঃ অন্যত্র তারিকা। বর্ণকা বন্তাবিশেষঃ। অন্যত্র বর্ণিকা নটাদীনাং। শকুনো পাক্ষ বিশেষে বর্ত্তকা বাশব্দাৎ বর্ত্তিকাচ। অন্যত্র রর্ত্তিকা দীপস্য।

कामील् कान् जियान् आमिषि जकः आमीतकः आमीतकग्रकः आमीतककः नान्छ आमीतकरका यियान् म जनामीतककन्छियान् कान्नाजामा तिरमयनः । क्रिन आमिर्यमाः म क्रिनामिः यक्त उक्त क्रिनामिण उद न उद अयन्तद्धः
क्रिनामिन्छमा नृद्धः (मोजन्दा । स्त्रीयरक्ति आमिरीजातन्ताकः क्रिनामिर्या।
क्रिनामिन्छमा नृद्धः (मोजन्दा । स्त्रीयरक्ति आमिरीजातन्ताकः क्रिनामिर्या।
क्रिनामिन्द्राम् क्रिनामिन्द्रामिन्द्राम् क्रिनामिन्द्रमिन्द्रामिन्द्रमिन्द्रामिन्द्रामिन्द्रामिन्द्रामिन्द्रमिन्द्रामिन्द्रमिन्द्य

৭। দ্বৈষ্তপুদ্রকারস্কাজভন্তাধুত্যক্যোর্।।

দ্বাদেপুত্যবর্জয়োঃ ক্যয়োশ্চাকার ইকারঃ স্থাদ্ধা কাপি। দ্বিকে দ্বকে চটকিকা চটককা আর্য্যিকা আর্য্যকা। পুত্যয়োপ্ত। নায়িকা কৃত্যিকা।

দ্বতি দিশক্ষ্যা টেরত্বে রূপং এষ ইতি এতদঃ সৌ। দ্বন্য এষন্ট সূতন্ট পুত্রশ্চ বৃন্দারশ্চ স্বশ্চ জ্ঞশ্চ জ্ঞশ্চ ভস্ত্রখচেতি দৈমস্বতপুত্রবৃন্দারস্বজ্ঞাজভন্তং। ধুর্ধাভুঃ ত্যঃ স্বরূপং ধুশ্চ ত্যশ্চ ধুত্যো নধুত্যো অধুত্যো। কচ যচ ক্য। অধু-ত্যয়োঃক্য অধুতাক্য পশ্চাৎ দৈষ স্থতপুত্র বৃন্দারস্বজ্ঞাজভস্তাধুতাকোতয়োঃ। ঁঅয়মর্থঃ। দ্বাদীনাথ নবানা মকারস্য ইকারঃ স্যাদ্বাকাপি। ধাতোঃ ককার ্यकारतो हिवाञात्रत्रभग ह यकातः हिवा जन्मोरक्षे ककात्रयकारतोज्यातका রন্য ইকারঃ স্যাদাকাপীতার্থঃ দিকে দকে ইতি দিশব্দস্য টেঃ পুর্ব্বেহকিকৃতে টেরত্বে আপিকৃতে দকা ইতি স্থিত্থেনন অকারস্য ইকারোবা। এবং এবি-কা এষকা স্থতিকা স্থতকা পুদ্ৰিকা পুল্ৰকা বৃন্দারিকা বৃন্দারকা স্বিকা স্বকা জ্ঞিকা জ্ঞকা অঞ্চিকা অঞ্চকা ভস্ত্রিকা ভস্ত্রকা। ভস্ত্রাচর্দ্মপ্রদেবিকা ইত্যমরং। **ज्ञानमगा वार्थ कर्का**रत क्**ट्रकः व टे**जि इस्य अस्तन अकृतिमा टेकारताता। ভস্ত্র ইতি অকারান্ত ইতি কেচিৎ এষাং গৌণত্বেহপি বহুস্বিকা বহুস্বকা ইত্যাদি আপি অনেনাকারম্য ইকাকোনা। আর্য্যিকেত্যাদি ঋগতৌহস্মানোরিতি বাণি বৃদ্ধে আর্যাঃ ততঃ স্বাথেকঃ ততঃ স্ত্রিয়ামাপি অনেনাকার্স্য ইকারো বা। নার্রিকেতি নীঞ্প্রাপণে ণ্রি বৃদ্ধে সন্ধিঃ। অত্র ধাতুসম্বন্ধিষকারত্ব!-দস্যাপ্রাপ্তে পূর্ব্বেণনিত্যং। ধাতোঃ ককারস্য তু চকতৃপ্তেণকঃ চাকিকা এবং তক তাকিকা শক শাকিকা ইত্যাদিষু পূর্ব্বেণনিত্যং। তাস্বরূপগ্রহণাৎ ক্যত্রা-দ্যচিরদক্ষিণাদ্যাদেরিত্যনেন ইকার আকারশ্চত্যক্রাদেঃ পরবিহিত্স্য দক্ষি-ণাদেঃ পরবিহিত্স্য ত্যলোপ্রিক্জনং। ষণা কভন ইত্যর্থে ত্যঃ কত্যঃ ততঃ স্বার্ফেকঃ তত আঁপি অকারদ্য পূর্ব্বান্মিত্যমিকারে কত্যিকা। এবং তাত্রত্যিকা ত্ত্ৰত্যিক। ইহত্যিক। অমাত্যিক। ইচ্যাদি। দক্ষিণাভব ইত্যৰ্থে ত্যণিকৃতে দাক্ষিণাত্যিকা এবং পৌরস্ত্যিকা পাশ্চাত্যিকা অত্র বাশস্বব্যবস্থাবাচি ফলস্ক পূর্ব্বস্থত্তে লিখিতং।

ধুশ্চত্যশ্চতো ন তো অধুত্যো কচষচ তৎ অধুত্যয়োঃ কা পশ্চাৎ দ্বন্দ এবলচ স্তশ্চ পুত্ৰশ্চ বৃন্দারশ্চ স্বশ্চ জ্ঞশ্চ অক্সণ্ট ভক্সাচ ধৃত্যকাচৎতচ্চ। দ্বিকেতি দিউ টেরত্বে পশ্চাদাপ্ ততউরী অকপশ্চাদিঃ। এবং এষকা এষিকা এষেতি
নির্দ্দেশাং এঘিকেতি পূর্বেণ নিতাং চটকিকেতি চটকা শব্দাং সার্থেকঃ
ধুভিন্নত্বাদির্বা আর্ব্যিকেতি ধুভিন্নত্বাদির্বা এবং ভ্রাতৃব্যকা ভ্রাতৃব্যিকা ইত্যাদি। নায়িকেতি নীঞ্গোর্নকঃ আপ্ ধুবর্জনাৎ পূর্বেণ নিতাং। আঙপূর্বে
ধ্যৈধাতোর্মনীষাদিত্বাং ধস্য চঃ ততঃ স্বার্থে কঃ আঢ়াকা ধুত্যবর্জনাৎ পূর্বেণ
নিতাং যথা সংখ্যাভাব জ্ঞাপনার্থং ধার্যকারেণোদাহতং। কস্য যথা শিক্ষাই
কাময়তি শিক্ষাকা শিক্ষাকাএব শিক্ষাকিকা শাকিকা ইত্যাদি কৃত্যিকেতিকত্বা
ইত্যর্থে তাত্রাদ্যচিরেতিতা প্রত্যয়ঃ ততঃ স্বার্থেকঃ। এবং ইহত্যিকা অন্ত্রেকা দাক্ষিণাত্যিকা ইত্যাদি। তাইতি স্বরূপম্য নিষেধাৎ দূরেত্রিকা দূরেত্যকা ইত্যাদৌ স্যাদেব। অনু স্বজ্ঞাজানাং গৌণেহপি তেন বহুস্বিকা বহুস্বকা
বহুজ্ঞিকা বহুজ্ঞকা বহুরজ্ঞকত্যাদি। দাদীনাং কেবলানামেব তেন
পরমন্বিকেতি পূর্বেণ নিতাং। অন্যেতু নমেস্ত্রেরিতি স্কুর্মিত্বানেক্ষ্ ন্তি পর
মন্ধকা পরমৈষকা ইত্যাদি। ভস্তকা ভ্রিকা ইতি পরস্বন্তেণিবসিন্ধে ভস্তা
গ্রহণাৎ নির্ভন্তিকা নির্ভন্তকা ইতি গৌণেহপিস্যাৎ ইতি পরে।

### ৮। বাচ্চাপোইনুক্তপুংক্ষয়।

আপঃ স্থানে জাতোহকার ইদাফ আছা কাপি নতুক্ত পুংক অ। গৰিকা গৰাকা গৰ্ফা। উক্ত পুংক্ষত তু । শুভিকা।

বাগ্রহণমকারস্যাপি স্থিত্যর্থং। উক্তঃ পুশান্ যেন তৎ উক্ত পুংস্কং ন উক্ত পুস্কং অসুক্ত পুংস্কং লিঙ্গং তস্য। গঙ্গিকেত্যাদি গঙ্গাএব ইতি স্বার্থেকঃ ককারাদাপ্ কেহকঃ স্ব ইতি পূর্ব্বাপোহ্বস্থে, অনেন ইকার আকার চান্ত্রোর প্রাপ্তো অকার স্থিতিঃ। এবং মুর্গিকা মুর্গকা মুর্গাকা।

চকারাদিদিত্যসুবর্ত্ততে। ন উক্ত পুংস্কং অমুক্ত পুংস্কং তদ্য গঙ্গিকে
ত্যাদি গঙ্গাশব্দাৎ স্বার্থে কঃ কেকস্ব ইতি স্বঃ পূর্ব্বস্থত্রভস্তাগ্রহণাৎ ভস্তাকা
নির্ভস্তাকা ইত্যপ্যন্যঃ। শুল্লিকেতি এবমতিগঞ্চিকেত্যাদি।

ন। ফ্রিপ্রাহনদাদেরীপ।

যকারেতফকারেত উকারেত শ্লকারেতো নাস্তাদ্ধ্যো

বাহো নদাদেশ্চ ঈপ্ স্থাৎ স্তিয়াং।

ষচ টচ উশ্চ ঋশ্চ ষ্ট্রীরঃ তে ইতো যেষাং তে ষ্ট্রিতঃ ষ্ট্রিতশ্চ নচ ঋশ্চ অঞ্চচ বাহচ নদাদিশ্চেতি তক্ষাং নকার ঋকার্য্যোঃ কেবল্যোরসম্ভবাস্তদন্তয়ো র্মহণং। ষকারেং টকারেং নদাদীনাং মুখ্যানাদেব গ্রহণাং বহুবৈষ্ণবা বহু-বরাকা পুরী। প্রাপ্তত্ত্বয়া বহু ভূষণা স্ত্রী। বহুনদা বহুদেবাদিক ইত্যাদে। ন স্যাং। অন্যেষাং মুখ্যানাং গৌণানাঞ্চ গ্রহণাং অতিবিদ্ধবী অতিপচন্তী অতি দঞ্জিনী অতিক্ত্রী অতিপ্রতীচ অতিশাল্যহী ইত্যাদি স্যাদেব।

यह छ छ । अण्ड खण्ड उर श्रृहेर यमा मः नम आमिर्यमा मः नमामिः পশ্চাर 
क्रिक नह अण्ड खश्रुहराहर नमामिष्ठ उद्धमार পুरख्य भीत्वार। অत क्रिसमामिछाः भूगा अत् अनामार গোণাগোণ। বিছমী मुनिष्ठसी পहली বহুপहली
हेछामी मामर खनक्काी उद्योहित।

### २०। यात्रार्तालाश्यादको त्भो।

# हैवर्गावर्गदार्लाभः सामयावर्जा भी भारत । य। देवस्वी वताकी।

ইশ্চ অশ্চ যৌতয়োঃ। মুশ্চ জিশ্চ মুক্তী ন বিদ্যেতে মুক্তীয়ত্র পৌ সোহমুক্তিঃ
তিমান্ অত্র অশ্চ ইশ্চএঃ ইতি বিগ্রহে এর্লোপ ইত্যনেনৈবেউসিদ্ধে ষয়োর্লোপ ইতি গৌরবং জ্ঞাপয়ণ্ড কটিদিবর্ণাবর্ণয়োর্লোপো ন স্যাদিতি। তেন
প্রিয়াদিশন্দানাং ইপ্লাদে পরে প্রাদ্যাদেশে প্রেপ্তঃ স্কেপ্তঃ প্রেপ্তঃ জ্ঞাপ্তঃ
ইত্যাদি সিদ্ধং। এবং পারস্ত্রেশেয়ঃ চাটকেয়ঃ ইত্যত্রাপি লোপো র স্যাৎ।
যৌ উর্ণায়্র জ্ঞো বামে। ষ ইতি বকারাসুবন্ধস্য উদাহরণমিত্যর্থঃ। বৈষ্ণবীতি
বিষ্ণুদ্দিবতা অস্যা। ইতি বিকারসংঘেতি ফেণিজ্বেবিরিতি বৃদ্ধোনোর্লোপোতা
বিত্যুকারস্য ওকারে সন্ধিঃ। বরাকীনত। বৃঞ্বুতে তিক্ষজ্বপেতি ষাকে গুণঃ।

ইশ্চ অশ্চ তৌ তয়োঃ যুশ্চজিশ্চ তৎ নতৎ যিমন্ অয়ুক্তি তিমান্ অয়ুক্তো পাবিতাস্য বিশেষণং পৃথক্পদকরণাৎ প্রেট্ট প্রেয়ানিত্যাদো নস্যাৎ। বৈষ্ণবী বিষ্ণুদ্বতা ষস্যা ইত্যর্থে ষ্টঃ। বরাকীতি বৃঞ্জোঃ ধাকঃ। অয়ুক্তো কিং উর্ণায়ুঃ রামেণেত্যাদি।

# ১১। কাঙাচে চানাতাপতাকায়।

অপত্যার্থফাস্থ লোপঃ স্থাদ্যাবকৌ পৌ পরে ক্যে চঙ্যে চুটে নহাকারে। গার্গী।

কাশ্চ ঙাশ্চ হিশেচতি কাঙাঁচি তিমান্। ন আৎ অনাৎ তিমান্। অপত্যে

ক্যঃ অপত্যক্ষ্যঃ তদ্য। গর্গদা স্ক্রাপত্যমিতি গর্গাদিস্থাৎ ক্ষ্যে ণিজেব্রিরিতি বৃদ্ধে ষর্মোর্লেরপ ইতি অকারলোপে গার্গ্য ইতি ক্ষিতে ষিম্বাদীপি অনেন ক্ষ্যদালোপে গার্গী ইতি। গার্গ্যামিছতি গার্গীয়তি ঙো গার্গ্যইবাচরতি গার্গা মতে চ্বো অগার্গ্যোগার্গ্য ভবতি চ্বো গার্গীভবতি। জ্বোভু গার্গ্যে আকারে ভু গার্গ্যায়ণঃ অপত্যক্ষ্যদা ইতি কিং দৌভাগ্যীয়তি ইত্যাদো নদ্যাৎ।

কাশ্চ ডাশ্চ চ্বিশ্চ তত্ত্বিমন্ পুংস্তং সোত্রবাৎ ন আৎ অনাৎ ত্রিমন্ অযুক্তি পাবিতাসুবর্ত্তা অসৈত্র বিশেষণং গানীতি গর্পসাপত্যমিত্যর্থে ফাঁঃ। ক্যে গার্গীয়তি ডো গার্পায়তে চ্বে গার্গীকরোতি ইত্যাদি অপত্যে কিং মৈত্রাা-য়তে অনাদিতি কিং গার্পায়ণঃ বাৎস্যায়নঃ।

# ১२। य्र्याक्षाम जियाभूयाम काम्यस्म एकार्याप्ति विक

विषाः यम् (लाणः मानि । स्वा भारतार्मक वृद्ध के भि ह। त्रि विष्ठ व

ঈয় ৳ ঈপ্চ ঈয়েপো তয়োঃ। তে নক্ষত্রে ফঃ ভফঃ তিমান্। সুর্ব্যাগস্ত্যয়োরীয়ে ঈপি চ পরে তিয়পুর্যয়োনক্রেবিহিতে ফে পরে ফ্য মৎসায়োরীপি পরে যস্য লোপঃ স্যাদিতার্থঃ। ঈয়েতু সুর্ব্যস্যেদ্মিতার্থে ফঃ সৌর্ব্যঃ
তেজ্ঞঃ। পুনঃ সৌর্ব্যায়হিতং ইত্যর্থে ঈয়প্রতায়ে অনেন যলোপে সৌরীয়ং।
সৌরীতি সুর্ব্যস্যেমিতার্থে ফে সৌর্ব্য ইতি স্থিতে বিদ্বাদীপিঅনেন যলোপঃ
এবং আগস্তীয়ং আগস্তী। তিষ্যেণ যুক্তা রাক্রিরিতার্থে ফে কৃতে অনেন যলোপে বিদ্বাদীপি তৈবী এবং পৌষী। চাতুরীতি ফ্যুস্য সামান্যস্য গ্রহণাৎ
চতুরস্য ভাবশ্চাতুর্ব্যং এবং উচিত্য্য উচিত্যং মিক্রস্য মৈক্রাং সমগ্রস্য সামগ্রাং ইত্যাদীনাং পক্ষে বক্তব্যদ্বাং স্ত্রীছে বিদ্বাদীপি অনেন যকারলোপে
চাতুরী স্তিচিতী মৈক্রী সামগ্রী ইত্যাদি। ট ইতি টকারামুবন্ধস্যত্যর্থঃ ক্রয়ী
ইতি দ্বির্ক্রেইয়ন্ট্। ভূষণীতি ভূষকি ভূষণে ভূষ্যতেহ্ময়েত্যনন্ট। উ ইতি

উকারাস্বন্ধস্যেতার্থঃ। বিছ্নীতি বেজেঃ শতুঃ কসুর্বেতি শতৃস্থানে কসুঃ উদি-, দাদীপি বসোর্বঃ দেমপুারিতি বস্যোদ্ধে কিলাদিতি ষত্বং। ঞ্জীমতীতি ঞীরব্ধি ষদ্যা অসে ইত্যর্থে মতুঃ। ভবতীতি ভাতেক্ষেণাদিকো ভবভুঃ । ঋ ইতি। ঋকা রাসুবন্ধস্যেতার্থঃ। পচন্তীত্যাদি। ডুঞৌষ পচ পাকে শতৃঃ। ন ইতি। নাস্তস্যে-ত্যর্থঃ। দণ্ডিনীতি দণ্ডোহন্তি যস্যা অসে ইত্যর্থে নৈকাঞ্জাদিন্দ্রতি ইন্। অর্ব্ধ তীতি নাস্তবাদীপ্ অর্বণোহনঞ ইতি ভূঙ্। রাজ্ঞীতি সুগমং। শুনীতি স্বন্ধন-मध्यानामिति वकांत्रमा छेकातः। मध्यानी मधवजीति मध्यानसु ए दिनि जूटका বিকম্পঃ। ঋ ইভি। ঋদন্তস্যেত্যর্থঃ। কন্ত্রীতি করোতীত্যর্থে ভূন্। ক্রোক্রীতি কোটা শব্দরা ব্রিয়াং বৃত্তে। ক্রোফৌস্তন ইতি তৃণাদেশে ঋদন্তবাদীপ্। অঞ •ইতি অঞ্গাতোঃ কিবন্তস্যেতার্থঃ। প্রতীচীতি প্রতাঞ্চতীতি কিপ্ গতাবর্থে হসু-ঙ্নো লোপ ইতি নলোপে প্রতাচ্ ইতি স্থিতে ঈপি অচোহল্লোপোর্ঘণেতি 'অলোপে দীর্ঘঃ। প্রত্যঞ্চীতি পূজার্থে নলোপনিষেধঃ। তিরণ্চীত্যাদি তিরোহ-ঞ্চতীত্যাদি বাক্যে কিপি গতার্থস্বান্ধলোপে তির্যপ্রমূয়ণিত্যাদিনা তিরশ্চাদ্যা-দেশাঃ। বাহ ইতি। বিণস্ত বহতেরিতার্থঃ। ভারোহীতি ভারং বহতীতি ঢা**ম্ভঞ্জ** বহ ইতি বিণ্ তত ঈপি বাহোবো পাবিতি বাশস্বস্যোকারঃ। শ্বেতোহী শ্বেতবা-হীতি খেতাজুবেতি উকারো বা। শালুম্বীতি অনাদুরিহ্যুকারঃ। অত্র বাহ ইত্য-নেন বিশন্ত বহতেরের গ্রহণং নৃতু বাহস্বরূপস্য তেন অনজুহীত্যপি স্যাৎ। नमारमक्मार्तं ग्राह नमीजि नमभरक भमजीजि अठामिश्वामनि नमी। सद्तीजि क्षात्वत्र रेंग्रज यकारता इवर्क्सनाम थारश्ची नमामिश्वामी श्रू स्थान खाँरमाञा-किना यटनां श्रः। नमानिश्व "नटमां प्रतन्ठतरण्ठीतशाहरठन छत्रश्रताः। कम्मत्रव्कातास्त्रकाः कनकांकित्ने। कमनामनत्को सम श्रीवक विजीवकाः। গবোৰদোরস্থদোর্দো গূর্দ দ্রোটেণীত ধাতকঃ। আয়ুস্থুণাত্তকী পাত্রকোষাতক পুটাস্তটঃ। কবাটমারটোনাটো নটো ভোটশ্চ শল্লকঃ। বরাট কুটভৌ দিঙ্গৎ मुला हे लि महूना । मूना हे कूरनः स्टा महामखन कूखली। लाहिला खा-२थ ७का७ मध्युक्रन भिन्यनाः। कमनः कमनः भिछः काकरनी किकरना-वृष्ः। आनन्मः भूभे आमरता ভोविकि खोनिकिव् रू । उपगारश मानिवानिष निक्रत्ना प्रथ्याखद्री। दूर्मः त्रीधामत्मरूफ लियकाजमद्रजमाः। मालउः সমস্পেচি বিল্লমগুপ কেকয়াঃ। গড়জো মহমত্তী চ সুষবঃ পৃথিবঃ পৃথুঃ। অফুন্যোথ তরঃ শৃঙ্গঃ শমে আবট ইত্যপি। ঋষ্যো মনুষ্যো মৎস্যশ্চ স্থকয়ে। গ্ৰহ্মে। হয়ঃ। শঠঃ পুলত্তথা কোল এতদাদ্যা নদাদয়ঃ"। পুত্ৰশক্ষোহপি

নদাদাবিতি কেচিং। তথাচ স্তাতু ত্বহিতা পুত্রীতি ত্রিকাঞ্চশেষঃ। লজ্জা তিরশ্চাং যদি চেতসি স্যাদসংশয়ং পর্বতিরাজপুত্রা। ইতি কালিদাসোহপি। নদাদিরাকৃতিগণঃ ইতি কেচিং।

সুর্যান্চ অগস্তান্চ তন্ত্রন্য তিষ্যান্চ পুষান্দ তন্ত্রন্য স্থান্চ মৎন্যান্চ তন্ত্রন্য ঈর্মন্চ ঈপ চ তৌ তয়োঃ ভং নক্ষত্র তত্তি কা তিমান্। সুর্যাগন্তাস্য ঈয়েপোঃ তিষাপুষাসাঁ ভক্কে কামৎদাসা ঈপি বলোপ ইতার্থঃ। সৌরীতি সুর্যো দেবতা অস্যা ইত্যর্থে ফ্যঃ যয়োর্লোপঃ ষিদ্ধাদীপি অনেন বলোপঃ। এবমা-গতী। চাতুরী চতুরস্যভাব ইতার্থে ব্রহ্মণাদিদ্বাৎ ষ্ণাঃ সামান্য ষ্ণাগ্রহণাৎ অনেন ষলোপঃ। এবং দৈত্রী ঔচিতীত্যাদি ত্রয়ীতি ত্রয়াণাং পূরণীত্যর্থে ২য়ট ভূষ-ণীতি ভূষাতেহনয়া থেহনট্। বিছ্মীতি বিদেঃ শতুঃ কসৃঃ প্রীরস্তি ষসা ইতার্থে মতুঃ ভাগোর্ডবভুঃ পচদিবভুদভা এতেভাঃ শতৃঃ। দঞ্চে অস্যা অন্তীত্যর্থে ইন্। অর্বণস্তঙ্ইপি। রাজন্শক্সা ইপ্যলোপঃ শ্বন্শক্সা ইপি বস্য উঃ মংঘানস্ত-ঙবা ঈপি পক্ষে বস্য উঃ। কৃধোকৃণ কর্ন্ত্রী ক্রোফৌঃ স্তিয়াং তৃণীপ্ ক্রোক্রী প্রত্যাদ্ শব্দাৎ ঈপি অচোহল্লোপোর্যশ্চ স্বস্য র্যশ্চ প্রত্যঞ্চী পূজার্থে ন নলোপঃ। ঈপি তির্বাচ্ অমুমুষ্চ্ অদমুষ্চ্ উদচ্ এতেষাং,তিরশ্চাদ্যাদেশাঃ। ভারবাহশব্দা দীপি বাহ বা উ। খেতবাহীতি খেতাজুবা ইত্যুক্তেঃ। শাল্যহীতি অনা বৃঃ নদী-ত্যाদি यৎসাসা क्रेलि काम्बनारमां जिंदानानः। नमामिर्वशानं मम पहरू তর দর চৌরং দেবগরৌ পুর তট নট চেলং। অনভূৎ কোল মহদৃহদ্যাৎ গবয়ঃ স্থকয় মৎস্য মতুষ্যং। দেহল গভুজাং মগুপ মগুং নিক্ষল বিকলং পুক্ষন পিশুং। গাহ পৃথু প্লব শঠ ভষ স্কৃতং কেকয় পৃথিবং ভোট পিশঙ্গং,। পাশুর গৌরং পুল্রোনশং শঙ্কল কুবল জাণ তর্কারং। কন্দর কদরামলকং বৃষঃ বদরো भाजक रल्लक भूभर। नांचे मठाएक मानज स्भर भिल्लन (राज्य कल्लन रिन्नर। আরট মারট পট সৃক্ষন্দং দ্রোণ পুনে কণ কাকিণ পাত্রং। বৃষ শব কাকল कमन कराष्ट्र। कांवाजकभूषेमजमरताष्ट्र। मल्लक मक्ष्म कूषे म्झाष्ट्र। युर्क रतीउक गृर्का रूभा छे । मूर्य तार्का विजी उक माकमा र वस मि कि मात उक्न চিরিণ্টং। বর্কর তলন কুমার বষ্টং নামনি কেবল ভৈষক্স পাপং। সারক্সা-बর ভোগ সমানং। রেচক দেবক ভিক্ষুকবর্গং। কীথীগীষীটীগীভীঢ়ান্তীথীপ্রী-धीजीठीপাষ্যঃ। গুদ্দীচ দীর্ঘজিহ্বশ্চ ভাগধেয় রজন্বলো মামকার্য্য কৃতে শৃঙ্গঃ गाउनक मुमन्नकः । अश् छोनिनित्रानिष्ठिछोतिरकोन्नाइभानसः । आग्रस

মেদ্গাহমালিভেলিকিঃ শ্রোণিরোগয়োঃ। কটাক্ষরো বিষাদ্যাদি পুচ্ছঃ প্রোক্তোহগ্রহায়ণঃ। স্থাম সৌধাম সোধাম মাতামহ পিতামহাঃ মূগাধিকার नवन कुछ नारिव माठन । उपमाना पक्षपृष्टावृत्क ताहिन तत्वे। अ-यामि अक्षानाः काजिवाहित्वश्री युख्वार शिमकामि ज्यानाः वर्ववाहित्वश्री অদন্তবাৎ শন্ধুলাদ্যেকপঞ্চাশতো জাতিবাচিত্বেহপি নিত্যন্ত্ৰীদ্বাদপ্ৰাপ্তেঃ পাঠঃ। দ্রোণ শব্দাহসুবাহিন্যাং কুটশব্দঃ শালায়াং নিত্যস্ত্রীলিঙ্গঃ অব-যুদ্যপি ভরুণী ততুনীতানাঃ পুদ্রশব্দো ছুহিত্রর্থঃ তথাচ সূতাচ ছুহিতা পুদ্রীতি ত্রিকাগুশেষঃ। 'সমতে কীখ্যাদীনাং পাঠঃ। উন্দাহ্যালিভোঁলিকি আল্দ্রি ञ्जमशाला ইত্যেষাং ফের্বঙদাবিনার্থঃ পাঠঃ। ভৌরিকি ভৌলিক্যোঃ . ক্রোভ্যাদি পাঠাৎ ভৌরিক্যা ভৌলিক্যা ইত্যপি। কটিঃ শ্রোণিঃ। অম্বরী রোগ-जिमानामिथु तका यथा। विषयुक्ती मत्रभूकी कनमथुक्ती अशुक्ती मिन-' পুচ্ছী। অথ্যে হায়নমস্যাঃ অগ্রহায়ণী অধিকারোহস্তাস্যাঃ অর্ণাদিস্বাদঃ অত্র পাঠাদীপ অধিকারী। উপমানাৎ পক্ষপুচ্ছো যুথা শুকপক্ষী শুকপুচ্ছী সিংহ-পুচ্ছী। রোহিণী রেবতী চ নক্ষত্রং। আকৃতিগণোহয়ং। নৃজ্ঞাতেরিতঃ। ইদ-सामपूराका राजतीय गार कुछी अवसी माकी उपरमशी विरमय विरधर्यछ। নিষেধঃ। ইতঃ কিং দবৎ নৃজ্ঞাতেঃ কিং তিন্তিরিঃ বৈড়ালিঃ। ঈপি ফাস্য বা नाग्रत्न (लाहिजार स निजार। वैवार कामा नाग्रत्म वा मार देशि लाहिज।-দেঃ প্রণ্য কাস্য নামনো নিতাং গার্ম্যায়ণী বাৎস্যায়নী প্রেক গার্গী বাৎসী-ত্যাদি। লৌহিতায়নী কাত্যায়নী লোহিতাদিন ভাগে জাতবাঃ। আসুর মাগুক क्वोतवानार क्षायरना वा। अधार क्षायरना वा मार देशि क्षेट्र जामुतायनी माक् कांग्रनी कोत्रतांग्रनी अञ्चर कोत्रतांमील। वालक आमृती गांधुकी कोत्रता हेमः (नक्छाता। कथः (क्रांतरी मानि हेममार्थ सामीन।

## ১৩। । ৭চখসাম্বনোরঙীকাতু ছে।

ণাদচঃ খদাচ্চ বিহিতাত্ব ঈপ্ দ্যাৎ বনো রঙ্চ স্ত্রিয়াং হেজু বা। অবাবরী ধীবরী হরিদুগ্রী বহুগীবরী বহুগীবা।

মূর্দ্ধন্য ৭চ অচ্চ খসন্চেতি ৭চখসং তক্ষাৎ। পাস্তাদজ্ঞতাৎ খসাচ্চ থাতোঃ পরঃ ত্রাসুসীতানেন বিহিতো যো বন্ প্রতায়স্তক্ষাৎ। স্ত্রিয়াং ইপি সতি বনো রঙ্চ স্যাৎ। বছরীহোঁ তু রঙীপো বা ইত্যর্থঃ। অবাবরীতি ওণ্ অপসা- त्राण खाम्नि विकार विकार ना है जिल्ला का कारत अकातमा कि कारान है जिल्ला कारा कारान है जिल्ला कारान है जिल्ला

निष्ठ अक्र थमण उद्धमार वरनानाञ्च बाही निष्ठि विधानर में स्थाव इड विधानार्थर एउन वर्षीरव वर्षीवारनो हे जार्षा न इड । निष्ठमाहरना इडी निष्ठ कृट अर्वा वीवती वर्षाच्या वर्षाच्या विद्या प्रतिकार्य वर्षी वर्षीरव-जाि जिक्कार्थर वाजूरह हे जिक्जर में निष्ठा माणि ज्या मिल्रा एकः । अवाव-वीजि उन् अन्य व्याहन विद्या है जिक्का क्ष्या । धीवतीजि धाधारजाः किन्य मामो देश किन्य हिंदि है । इतिमुश्त विज्ञा हिंदि स्था जिल्ला है जिक्न निष्य ।

# ১৪। ज्ञाद्रभाषः भाषामान्य वाह्य विश्व नाटक।

উধসং সংখ্যাপুর্কদানুঃ সংখ্যাপূর্কবয়োহর্থহায়নাচ্চ স্তিয়াশ মীপ্ স্থাৎ হে সম্ভ চনঃ স্থাৎ। পীনোধী দিদানী দিহায়নী।

तत्माक्ष्यी यमा म वत्माक्ष्यः महात्मी हामन एक वत्माक्ष्यां सम काम करमा क्ष्यां का मियत्माक्ष्यां व्याविद्यात्मी मर्थाां का मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां मियत्माक्ष्यां क्ष्यां क्ष्यां मियत्माक्ष्यां क्ष्यां क्ष्या

यगाः ग दिशंग्रनी कना। अनः शादमञ्ज गंजशायना। तरम्रह्यः किः दिश्-यना भाना। तमञ्ज अगिरना गजभत्रमामुः।

১৫। জাতেরেতোইন্ত্রীযুগুসংকাগুপ্রাক্তরাস্তশতৈকাদি-'পুস্পাসম্ভ্রাজিনৈকশণপিগুদিফলনাদিমূলাৎ।

জাতিবাচিনোহকারাস্তাৎ দ্বিরামীপ্ স্থাৎ নতু দ্রীযুঙাদেঃ। মূগী হংদী শীতপাকী। দ্রীযুঙাদেস্ত মক্ষিকা বৈশ্যা সৎ-পুষ্পা সংকলা অমূলা। জাতেঃ কিং মদা।

আরুতি গ্রহণা জাতিলিকানাঞ্চ ন স্ক্ভাক্। স্কুদাখ্যাত নির্গাহা গোত্রঞ্চর লৈঃ সহ।। গাগী ক্ঠী কৌথুনী।

ক্রী নিতাক্রীলিকঃ। য উভ্যাস স যুত্। সং চ কাঞ্ঞ প্রাক্ চ প্রান্তণ শতঞ একণ্চ তে তে আদয়ো যস্য তং সংকাশু প্রাক্ প্রান্তণতিকাদি সংকাশু প্রাক্ প্রান্ত শতৈকাদি চ তং পুল্পঞ্চেতি সংকাশু প্রাক্ প্রান্ত শতৈকাদি পুল্পং সম্চ ভক্রাচ অজিনঞ্চ একণ্চ শণশ্চ পিশুণ্চ তে তে আদয়ো যস্য তং সংভক্রাজ্ঞিনৈকশণপিশুদি সংভক্রাজ্ঞিনেকশণপিশুদি চ তং ফলঞ্চেতি সংভক্রাজ্ঞিনৈকশণপিশুদি সংভক্রাজ্ঞিনেকশণপিশুদি চ তং কলঞ্চেতি সংভক্রাজ্ঞিনেকশণপিশুদিকলং নঞ্জ আদির্য্য তং নাদি নাদি চ তং মূল্লঞ্চিত নাদিমূলং। ততঃ স্ত্রীচ যুওচ সংকাশু প্রান্ত শতিকাদিপুল্পঞ্চ সংভক্রাজ্ঞিনেকশণপিশুদিকলঞ্চ নাদিমূলগ্রেতি। পশ্চাং নঞ্জ সমাসে অস্ত্রীযুত্ত সংকাশু প্রাক্ত প্রান্ত প্রান্ত পাক্র মাদ পিশুদি ফলনাদি মূলং তক্ষাং। শীতপাকীতি শীতে পাকে। যস্যাঃ সা শীতপাকী ওর্ধবিশেষঃ। জ্ঞাতিবাচিনো মুখ্যাদেব ঈণ্। তেন অব্রাক্ষণাপুরী

वष्ट्रभा कृषि तिञाएने न मार्। निञ जीनिक्रमा कू मक्रिका वनाका। किश्रे नका निर्फियेम्निजामिजि नामा९ পाक कर्न পर्न वनासांस्कारजनिजा खीनिका मील मार। यथा उपनलाकी मह्नूकर्गी मानलगी लावनी। अउध्य मीठ-পাকী ইতি স্বয়ং উদাহতং। अस्रोटिन मूर्शाका की अभनी हुनी। युड्स देवना। काजिया। अया इस्रवस्य स्क्रमभ्यामक्ष्यानाः युख्यामधादक्षी नामात्मी পাঠাদীপি ঋষ্টী হয়ী গ্ৰয়ী স্থকয়ী ইত্যাদি স্থকয়ে৷ মুগ্ৰিশেষঃ সৎকাঞ্ডাদ্যাদি भुष्णाकु मरभूष्मा कांश्वभूष्मा धार्म्भा धारुभूष्मा मजभूष्मा बरुभूष्मा। এভ্যঃ কিং শম্বপুষ্পী চোরপুষ্পী অম্বাতেম্ব বহুপুষ্পা লতা । সংফলা ভস্তা-ফলা। ভক্কা চর্মপ্রদেবিকা ইতামরঃ। ভক্ক ইতাকারাস্ত ইতি কশ্চিৎ ভক্কফলা অঞ্চিনফলা একফলা শণফলা পিগুফলা এডাঃ কিং পূতিফলী রক্তফলী। অঞ্চ তেश्व रहरूना गांथा। नामिश्नां खु अश्ना नक्षभूर्तराग्य वर्জनार गठश्नी वह मूनी जक्कात्ज्य मृत्मूना नजा। नमू मूराक्कात्जत्त्व शहनार मध्यभून्गीजाि स् कथमीপ् मामिजित्हर मजार यत लीनमगायात्मर खाजिबर जत खाल्यम् याव আকৃতিগ্রহণেত্যাদি। আক্রিয়তে ব্যক্তাতে অনেন মেব। জ্বাতিমাহ আকৃতিঃ সংস্থানং আকৃত্যা গ্রহণং জ্ঞানং যস্যাঃ সা আকৃতিগ্রহণা জ্ঞাতিরা-কৃতিগ্রহণা ভবতি সংস্থানব্যঙ্গা ইতার্থঃ। তেন মনুষ্য গোম্গ হংসাদীনাং পৃথক্ পৃথক্ সংস্থানৈক্যজ্ঞানা মনুষ্যত্ব গোত্ব হংসত্তাদিজ্ঞাতিঃ। এবং ব্রাক্ষণ ক্ষত্রিয় বৈশ্য শূদ্রাণাং পৃথক সংস্থানাভাবাৎ ব্রাক্ষণদৈর্জাতিত্বং नाग्राउमिजि नक्ष्मा छत्रमार निकानां थ न मर्खाजिजि। यो मर्खानि निक्रानि ন ভক্ষতি সাচ জাতিরিতার্থঃ। স্ত্রী পুংসয়োরপত্যান্তা দিচতুঃ ষটপদোরগাঃ। **का**जिएकाः भूगाथारण्डागत्रिंश्ट्नं काजिएकानाः खी भूश्मायाद्य-বেতি নিয়মে ব্ৰাহ্মণাদীনাং সৰ্ববিষ্ণভাঞ্জিবাভাবাজ্জাতিবং কিঞ্চ অজ্ঞাত इरममा खनमा इरममृखेव छा श्री छमा मर हा निन इरमदर वाञ्चि दूर न শক্ততে ইতি হংসদ্যাপি জাতিত্বং নায়াতমিতি পূর্বলক্ষণদ্য দোষঃ। এবং দেবদস্তাদিসংজ্ঞাশন্দস্যাপি সর্ববিক্ষাভাক্সিমাপত্তিরিতি দিতীয়লক্ষাস্য निश्री एक्षि । मकूरमकरातः श्री शास्त्र अभिगाल्डन छे अरमरमन निर्मिक्त साक्षा शृहीजूर मका हेटार्थः। एउन क्षेष्ट्राभा हरम हेजूाभावाम हरमर पृख्येउठखमा সংস্থানেন হংসত্বং ব্যঞ্জিভুং শক্যত এবেতি পূর্ববলক্ষাস্য ন দোষঃ। এবং (मतपञ्चापि नः क्वा मक्त्रा এकिमान्नाराम्थले जनामिन् क्वानाचाताक्कांन

তিত্বং ন স্যাদিতি পরলক্ষণস্যাপি ন দোষঃ। গার্গ্যঃ পুরুষঃ গার্গী ক্রী গার্গ্যং কুলমিতি সর্বলক্ষভাজিত্বাৎ সংস্থানিব্যক্ষ্যত্বাভাবাক্ত গার্গ্যাদীনাং জ্বান্তিত্বাস্থপপত্তী তৃতীয়ং লক্ষণমাহ গোত্রপ্পেতি, পুত্র পৌত্র প্রভৃতিকমপত্যং
গোত্রমিতি পূর্ব্বাচার্যাপরিভাষিতং গোত্রমিহ গৃহুতে। গার্গী বাৎসীত্যাদি।
চতুর্থং লক্ষণমাহ চরণৈঃ সহেতি চরণঞ্চ জ্বাতিরিত্যর্থঃ। চরণশন্দো বেদৈকদেশবাচী কঠাদিরপঃ। সচ অধ্যয়নক্রিয়া সন্তব্ধেন প্রক্তত্বাৎ ক্রিয়াবাচক এব
নতু জ্বাতিশাচকঃ। তেনাস্য জ্বাতি সংজ্ঞার্থং চরণৈঃ সহেত্যুক্তং গার্গ্যাদীনাং
বিত্বাদীপি সিদ্ধেইপি জ্বাতি সংজ্ঞা কলন্ত গার্গী ভার্য্যা বস্যাস্কৌ গার্গীভার্য্যঃ
ইত্যাদে নােপ্তাকক্রোঙিত্যাদিনা পুন্দ্ভাবনিষেধঃ। গার্গীচাসৌ ভার্য্যাহেতি
গ্রার্গাভার্য্যা ইত্যাদে কাঙাদিঃ পুন্দ্দিত্যাদিনা পুনঃ পুন্দ্ভাবঃ। তত্ত্রৈর
তত্ত্বত্বজ্বাত্যাথ্য ইত্যুক্তেঃ গার্গ্যান্তাবঃ গার্গীত্বং গার্গীতা ইত্যাদে পুনঃ
পুন্দ্ভাবনিষ্কেণ্ট ইতি।

य উঙ যদ্য সঃ দচ্চ কাগুণ্চ প্রাক্ চ প্রান্ত শতঞ্চ একঞ্চ তৎ তৎ আদির্বদ্য তৎ তচ্চ তৎ পুষ্পাঞ্চেতি তৎ সংচ ভস্ত্ৰঞ্চ অজ্পিনঞ্চ একঞ্চশণচ্চ পিগুচ্চ তৎ তৎ আদির্যস্য তৎ তচ্চ তৎ ফলঞ্চেতি তৎ ন আদির্যস্য তন্ত্রাদি নাদিচ তৎ মূল-ঞ্চেতি তঞ্চ পশ্চাৎ জীচ যুগ্তচ দদাদ্যাদি পুস্পঞ্চ সমাদ্যাদি ফলঞ্চ নাদিমূলঞ তৎ ন তৎ অস্ত্রীয়ুঙ্দৎকাণ্ড প্রাক্ প্রান্তকাদিপুষ্প সংভক্তাব্সিনৈকশন পিগুাদিফল নাদিমূলং তিমাং। মৃগীতি মুখ্য এবায়ং বিধিঃ তেন বহুমৃগা ভূঃ বদ্ধহংসা পুরিত্যাদৌ ন স্যাৎ। শীতপাকীতি শীতেন পাকো যস্যাঃ সা ইত্যত্ত ह नञ्जाञ्जिकारङश्कारङश्कारङ । अवस्मामनशाकी शावनी मक्कूकर्गी-ত্যাদি। মক্ষিকেতি এবং পিপীলিকা বলাকা ইত্যাদি। বৈশ্যেতি ক্ষত্রিয়া ইত্যাদি। সংপুষ্পেতি এবং কাগুপুষ্পা প্রাক্পুষ্পা প্রান্তপুষ্পা একপুষ্পা। এভাঃ কিং শম্বপুষ্পী চোরপুষ্পীত্যাদি। দক্ষলৈতি এবং ভস্কফলা অজিনকলা এককলা শণকলা পিগুকলা এভাঃ কিং পুতিকলী ভালকলীভ্যাদি। অমূল্পেতি ন সন্তি মূলানি ৰস্যাঃ ইতি বাক্যং। নঞঃ কিং বহুমূলী শতমূলী জाতেঃ किং घनशुरूषा खंतकना निम्ना व्यक्तिः ममृता मृजिः। अथ जाि বাচকশপজ্ঞাপনার্থং জ্ঞাতিলকণমাহ। আকৃতীতি। আক্রিয়তে বাজাতেং-নয়। ইত্যাকৃতিঃ অবয়বসং স্থানাদিঃ। পৃ্ছতেহনেনেতি গ্রহণং ধসামান্যসিদ্ধ ৰেন জীবাভাবাল্পে। আকৃতিঃ গ্ৰহণং ষদ্যাঃ দা। यहा গৃহতে ইতি গ্ৰহণং

আকৃত্যা গ্ৰহণং যস্যাঃ সা আকৃতিগ্ৰহণা সংস্থানব্যক্ষ্যা ইত্যৰ্থঃ তথাচ মূপ সিংহ ব্যাঞ্দিষু শৃঙ্গ শঠাদি সংস্থাদ ব্যক্ষা ধৃগথাদিজাতিরেতেন গুণ किया नक्ता आिर्निताकृष्ठि । बाक्काश्वामिआष्ठर्न मः श्वानवात्राश्व তৎ সংস্থানস্য জ্ঞাতান্তরসংস্থানসাম্যাদতো লক্ষণান্তরমাহ লিক্ষানাঞ্চ সর্বভাগিতি যানি বিস্থানাং পুং জী ক্লীবানাং সর্বানি রূপাণি ন ভঙ্কতে সা জাতিঃ তথাচাত্রিলিঙ্গশন্ধবাচ্যাপি জাতিরিত্যর্থঃ তেন ব্রাহ্মণ ক্ষত্রিয় বৈশ্য भृष्णामीमार खी पूर्मदयार्वर्जमानदाममर्कि काक्ष्मक्षामार खाँ प्राप्ता पा জাতিঃ তইত্বাদিজাতেঃ স্ত্রীলিকভাগাচ্যত্বেহপি সংস্থানব্যক্সত্বাৎ পূর্ব্যক-ণেন জাতিত্বং ব্যবস্থাপিতমথবা নদাদিপাঠাদীপ। নতু দেবদ্ভাদেরসর্ক নিঙ্গভাগাচ্যত্বেন কণং ন জাতিত্ব মিত্যত আহ সক্দাখ্যাতনিগ্রাহেতি সক্-দেকবারমাখ্যাতা উপদিষ্টা সতী নিগ্রাহ্মানিশ্চয়ত্বেনগ্রাহ্যা ইত্যর্থঃ তথাচাসর্ক লিঙ্গভাক্ষু ব্রাক্ষণাদিষু উপদেশব্যাঙ্গা জাতিরিভার্থঃ। উপদেশে হৈ এক-স্যাৎ ব্যক্তাবেকদা কুতোহনেকব্যক্তিয়ু তত্তৎ প্রতায়নিমিত্তৎ ভূবনসকল ব্যক্তিব্যাপক ইহাপ্যুপগম্যতে ষ্থা একস্মিন্ ব্যক্ষণে সক্তুপদিষ্টেনৈকেন ধর্মেণায়ং ব্রাহ্মণোহয়ং ব্রাহ্মণ ইত্যদেক ব্যক্তি প্রতীতিঃ ন তথা দেবদন্তাদে সংজ্ঞাশন্দত্বেনৈকমাত্রবৃদ্ধিহাৎ। এতজু সর্ব্বস্য জ্ঞাতেরুপযুক্তং তথাহি শুক্লে কৃষ্ণে বা গোপিতে সক্ত্রপদিফা গোত্বাদিঃ জাতিঃ। পিগুভিরেহপি গৌরয়-মিত্যাদি জ্ঞাননিগ্রাহা ভবতি উপদেশব্য তথা ভূতসাধনত্বাং। এতেন জ্ঞাতি-রেকা নিরবয়বা নিত্যানেকব্যক্তিসমবায়িনী। তথা পারিভার্ষিকীং জাতি-মাহ গোত্রঞ্চরণৈঃ সহ ইতি পুজ্রপৌজ্রাদ্যপত্যমিহ পারিভাষিকং গোত্রং। ৰথা গার্প্যঃ বাতস্য ইত্যাদিঃ গার্পান্ধাদে ন সংস্থান ব্যক্ষ্যন্ত্রং তৎ সংস্থা-নস্য জাত্যন্তর স্মানাৎ ন বা সর্ক লিক ভাপাচ্যত্বং গার্গ্যঃ গার্গ্য গার্গ্যং কুলং ইত্যাদি প্রয়োগাৎ অতঃ পৃথগুক্তং। অস্য পারিভাষিক জাতি षा शर्गामानिनी वांप्मायनमानिनीजार्म श्रृन्यस्थायः नज् रेवयाख्रभमीजार्या। ইত্যাদে জাতিস্বাঙ্গেপত্বমানিনী ইত্যুক্তঃ। চরণং শাখা বৈদেকদেশঃ কঠাদি শব্দঃ সতু ক্রিয়া বচনঃ কঠাদি রূপচরণস্যাধ্যয়ন ক্রিয়া সম্বন্ধেন বর্ত্তমান-षार । उथां को किना स्वाटशायन वित्यसमा कार्या। यमा जनशायन मञ्जा ধ্যেতৃ পুরুষেযু বর্ত্ততে তদা ক্রিয়ৈবাস্য প্রবৃত্তিনিমিত্তং সৈব পারিভাষিকী आणिः अगाि शिविक शिक आणिषा करी दिकी करेगािननी करीजार्या-ত্যাদিঃ স্যাৎ। লক্ষা চতুষ্টয়াব্যাপ্যত্মাৎ মন্দেতি ন জাতিঃ। গাগীতি গর্গস্যা

পতাং জ্ঞী গাগী। গোত্র বিহিতরোঃ কেয় ফা প্রতায়য়োঃ যুঙদ্বাদীপ্ নিষেধে বিদ্ধে পুনরজ্বাদো বুজ্জনাং পঠাং নেহ যুঙ্দ্বাদীপ্ নিষেধঃ। কঠাতি কঠো ব্রাহ্মণ স্তেন প্রোক্তঃ জ্বীয়তে ষঃ সোহপি কৃঠন্ত মাৎ ক্রিয়াসনেনেপ্ এবং কৌধুমী।

#### ১৬। গুণাছোতো ১ খরু স্থাঙিঃ।

গুণবাচকাছকারান্তাৎ স্থিয়ামীপ্ ভাষা নতু খরোঃ ভোডশ্চ।

মূৰী মৃহঃ । শুরুসোঙ্গু শুরুঃ পাঞ্ডুঃ । গুণাৎ কিং।

সংস্থিতি স্থগ্জাতিবু দৃভতে । আধেরশ্চাক্রিয়াজশ্চ সোহসম্বপ্রকৃতিগুণঃ ।। ধেনুঃ ।

সাঃসংযোগঃ সাউঙ্ বসা স সোঙ্ থকত সোঙ্চেতি ন থকসোঙ্ अथक्र रमा ६ उमार। म्बी म्इति जिमार्फ वर्छन रयानार। अवर अही अहे वची लपूर धर्नी धक्रतिज्ञामि। धक्रणसमा धक्रवर्ननाठक्षा आरशे मिरवधः। धन মাহ সত্ব ইত্যাদি। ষঃ সত্ত্ব দ্ধব্যে মিবিশতে তদেবাশ্রয়তীতার্থঃ। অপৈতি ততঃ সত্বাদপগছতীত্যর্থঃ। যথা শ্যামতা পূর্বেমানাদিকলমুপগছতি পশ্চাৎ পক দশায়াং ততোহগৈতি। পৃথগ্জাতিয়ু৽দৃশ্যতে ভিন্নেয়ু বহুয়ু পদার্থেয়ু দৃশ্য-তে। यथा आमानिकत्न या भागमुका मृक्षा मा कननीकनानियु ह मृभारक म श्रवः স্যাদিত্যর্থঃ। মতু তর্হি উৎক্ষেপণাবক্ষেপণা কুঞ্চন প্রসারণ গমনানি পঞ্চিব কৰ্মাণীতি উক্ত কৰ্মস্বপি গুণদাপত্তিঃ। যদা দ্ৰব্যং সক্ৰিয়ং ভবতি তদা কৰ্ম সত্ত্ব নিবিশতে যদা দ্রব্যাৎ নিষ্ক্রিয়ং ভবতি তদা কর্ম্ম সন্ত্যাদপৈতি পৃথগ্-জাতিষুচ দৃশ্যতে বণা মহুষোষু গমনাদি ক্রিরা দৃশ্যতে তথা পশ্বাদিসু চ দৃশ্যতে অতঃ কর্মণোগুণদ্বমপাকর্জুমাহ আধেয়শ্চাক্রিয়াজন্চেতি । আধেয় উৎপাদ্যঃ বথা প্ৰস্থায় পাত্ত্বেষু রক্ততাগুণঃ সহি বহ্নিসং যোগাদিনা নিস্পা-দ্যতে অক্রিয়ান্ধ ইতি ক্রিয়ায়া জায়তে ক্রিয়ান্ধঃ নক্রিয়ান্ধেহিক্রিয়ান্ধঃ নিত্য ইতার্থঃ। আকাশাদিয়ু মইবাদিগুণঃ।, ততক্ষ গুণস্য উৎপাদ্যত্তমসুৎপাদ্য-ত্বঞ্চ ইতি প্রকারত্বরদর্শনরা কর্মণোগুণত্বং ন স্যাদিতি জ্ঞাপিতং। কর্মত্ব সর্ক-মেব উৎপাদামিতি এবঞ্চেন্তর্হি দ্রবামিপি গুণোহস্ত তত্ত্রাপি হেতে ধর্মা বর্ত্তন্তে। ষথা তদপি দ্রব্যসারস্তকে অবয়ব দ্রব্যে নিবিশতে ততোহপৈতিচ যথা শরীর-

মবয়বি তদ্ধি মস্তকা, দিশ্ববয়বেষু সমবেতং ভবতীতি তদিনাশাৎ ততোহপৈতি।
পৃথগ্জাতিষু পশাদিষু চ দৃশ্যতে। এবং দ্রব্যস্য উৎপাদ্যত্বমসুৎপাদ্যত্বঞ্চাত্তি
অবয়বি দ্রব্যস্য উৎপাদ্যত্বাৎ, আকাশাদেস্ত অসুৎপাদ্যত্বাদিতি। অত আহ
অসম্ব্রাক্তিরিতি। সন্ত্রং দ্রব্যং প্রকৃতিঃ স্বভাবঃ সত্বং প্রকৃতির্বস্য স সত্বপ্রকৃতিঃ ন সত্বপ্রকৃতিরসত্বপ্রকৃতিঃ।

স্য উঙ্যস্য সং থক্ষ শ্বেতার্থঃ যু খক্ষ সোঙ্চ উৎ ন তৎ অথক্স্যোড্ তস্মাৎ। গুণবাচকাদিতি গুণং ব্যক্তিগুণবাচকঃ ধেণকঃ। মতুলোপাদভেদোপ-চারাদা তদতি ক্রব্যে বর্ত্তমানাত্রকারাস্তাদিত্যর্থঃ। মুধীতি মার্দ্দবগুণবিশিষ্টা ইতার্থঃ। অথ গুণবাচিশব্দ জ্ঞাপনার্থং গুণলক্ষণমাহ সত্ত্ব ইত্যাদি। সত্ত্ দ্রব্যং তত্র নিবিশতে তদাশ্রয়তি অপৈতি ততঃ সন্থাদপগচ্ছতি যথা শ্যামো গুণঃ পূর্ব্বনামাদিকলমা শ্রমতি পশ্চাৎ প্রদশায়াৎ ভতোহপগঞ্তি পৃথক্ জাতিষু দৃশ্যতে ইতি। পৃথক্ নানা জাতয়ো যেষাং তেষু দৃশ্যতে যথা হংসা-দিষু यः শুক্লাদিগুণো দৃষ্টঃ স শখাদিষু দৃশ্যতে এতেন সর্বেণ জ্ঞাতি ন গুণঃ নহি দ্রব্যসমবায়িনী জ্ঞাতিঃ সত্বাদপগছতি জন্মনঃ প্রভৃত্যা বিনাশাদাধার-স্যাপরিত্যাগাৎ নাপি জ্ঞাতিঃ পৃথক্জাতিষু দৃশ্যতে ব্রাহ্মণদ্বাদের্গবাদিৎসম-বেতত্মাদিদন্ত স্বরূপকথনং। নাপি সন্তা গুণঃ দ্রব্যগুণকর্মসূ বর্ত্তহানত্মাৎ নচ সা দ্রব্যাদপৈতি। নল্পেবং কর্মাপি গ্রুণঃ যদা সক্রিয়স্তবতি তদা সত্তে নিবি-শতে যদা নিষ্ক্রিয়ং ভবতি তদা সন্ধাদপৈতি পৃথগ্জাতিধপি দৃশ্যতে ষণা গমনাদিক্রিয়া মন্থবাষু দৃশ্যতে তথা গবাদিম্পি দৃশ্যতে অতো নিরাক্র-মাহ। আধেয় ইত্যাদি। আধেয় উৎপাদ্যঃ ক্রিয়াব্যাপারস্তমাজ্জাতঃ ক্রিয়াজঃ ন ক্রিয়াজ্ঞাহক্রিয়াজ্ঞঃ নিতা ইতার্থঃ। তথাচোৎপাদ্যং ঘটাদিরপং অসুৎ-পাদ্যং পরমাণাদিরপং কর্মণস্তৃৎপাদ্যমেব নাসুৎপাদাত্বং তদ্য জ্বন্যত্বাৎ এবং घेढोरमर्ग्रङ्शिकमूर्शामार। आकामारमर्ग्रङ्शिकमञूर्शामा मिछि। अतर সতি দ্রবানপি গুণঃ দ্রবাংহি দ্রবাারম্ভকেখবয়বভূতে নিবিশতে তদবয়ব সংযোগবিভাগ বিনাশাদপৈতি পৃথগ্জাতিষু দৃশ্যতে অবয়বিদ্ধব্যস্যোৎপা-माब् नित्रवस्वम्यारमा। १ भागाबः अठ आर अमध्यक्जिति । मब् मया প্রকৃতিঃ স্বভাবে। যস্য সং সত্বপ্রকৃতির্নসত্বপ্রকৃতির্দ্ব্যভিন্ন ইত্য-র্থঃ। এবং সত্যপি ব্যবছেদকফলকত্বাৎ সত্ত্বে স এবেত্যবধারণং দ্রফীবামনাথা অভাবেহতিব্যাপ্তিঃ দ্যাৎ ঘটাভাবদ্য নিবেশাং ঘটসন্নিধানে কৃতে তদপগমাৎ পৃথগ্জাতিষু দর্শনাৎ ধং সম্য উৎপাদ্যদ্বাদত্যস্তাভাবস্যাসুৎপাদ্যদ্বাৎ। তথাচ

स्वराভিন্নস্য কচিদধিকরণে দ্রুব্যে দ্রব্যমাত্রেইভিনিবেশঃ। ততোইপগম ইতি

দ্বং নিবেশ মাত্রং কচিদধিকরণে। পৃথগ্জাতিষু দর্শনং কচিছৎপাদনীয়বং

কচিন্নিত্যদ্বং স গুণ ইতার্থঃ যথোক্ত ধর্মানাক্রাস্তদ্বাৎ ধেসুরিত্যত্র নেপ্।

### ১१। शाष्ट्रांशां मिम्राक्टांश्टर्क्स।

পাদঃ শোণাদেং স্বাহাদিকারাম্ভাচ্চ দ্রিয়ামীপ্ স্যাদা নত্ ক্তেঃ। ত্রিপদী ত্রিপাৎ শোণী শোণা চণ্ডী চণ্ডা বিয়োগী বিয়োগা। স্বাহাৎ কিং।

স্বাহং স্যাদ্ভবং মূর্ত্তং প্রাণিত্যবিকারজং। দৃষ্টং তত্রাতৎত্থাপি তদ্বভাদৃশি চ স্থিতং।। বহুস্থেদা দ্রবজাৎ। সুজ্ঞানা
অমূর্ত্তরাৎ। সুর্থা শালা অপ্রাণিত্তিত্বাৎ। সুশোকা বিকারজবাৎ। সুকেশী সুকেশা রথ্যা অপ্রাণিত্তভাপি প্রাণিনি দৃষ্টবাৎ। সুন্থনী সুন্তনা প্রতিমা প্রাণিত্বৎ প্রাণিসদৃশে স্থিতবাৎ। রাজী রাজিঃ। ক্তেওঁ বৃদ্ধিঃ মতিঃ।

পাদিত্যসা বাক্ত ছেনৈব প্রাপ্তে পৃথক্ গ্রহণং নিয়মার্থং। তেনায়ং নিয়মঃ বছরীহে সংখ্যা সৃপমানাদিত্যনেন পাদস্য স্থানে কৃতাৎ পাদিত্যনকারান্তাদেশাদের ঈপ্ স্যান্ধত্র জকারান্তাৎ পাদাং। তত্রণ্ট ভয়পাদা দীর্ঘপাদা দ্রী ইত্যাদে ন স্যাৎ। ত্রিপদীতি ত্রয়ঃ পাদা ষ্যাঃ ইতি বছ্বীহে পাদস্য পাদ্ধাবেহনেন ঈপি পাৎ পৎ পাবিতি পদাদেশঃ। শোণাদিশ্চ শোণঃ কৃপন •কল্যাণে পুরাণঃ কমলন্তপা। বিকটোদারচন্তাশ্চ সাধারণ বিশক্ষটো। সহায়ারালভক্তমা বিশালাদ্যান্তথাপরে। ইতি। শোণাক্পনী কল্যানী পুরাণী কমলা বিকটী উদারী চন্তা সাধারণ বিশক্ষী সহায়ী জ্বালী শুরেক শোণা ইত্যাদি। স্ত্রীলিক্ষানাং কটিশ্রোণি প্রভৃতি স্বাক্ষানামিদন্তত্বেনৈব সিন্ধে মুখনখাদীনাঞ্চ দ্রীছাভাবাৎ স্বাক্ষমিহোপ্রজনমেবেতি। চারুমুখী চারুমুখা স্নখী স্বখা দীর্ঘকেশী দীর্ঘকেশা ইত্যাদি। অত্র বাশক্ষ্য ব্যবস্থাবিদ্যান্তাদেন ঈপ স্যাধা। ভুক্তনাদিনী

जुक्रनांत्रिका कीर्लामती कीर्लामता आंजार किर পृथुक्रपना ठांकरमना मीर्घटनावना वात्रभावना । **अ**श्ट्योश्वरु**क्ष्यन् न्त्रात्रमञ्जात्राञ्जभूक्षाय म**ाउः। সংযোগোঙাং স্বাক্সানাং মধ্যে এভ্য এব ঈপ্ সাাৰা। দীৰ্ঘজংয়ী দীৰ্ঘজংয়া त्रक्लाकी त्रक्ताक्षा मुक्धा मुक्धा ठातका ठातका जिल्ला मृहमूकी मृहमूका ठार्ककी ठार्कका मृष्ठी मृष्ठा मृगाजी मृगाजा स्वाखी स्वाखा मृशूष्टी मृशूष्टा। अভाः কিং সুনেত্রা সুগুল্ফা। প্রোষ্ঠী ছগলান্ত্রীতি নিতাং সংজ্ঞায়াং। শর কবর বিষমণিভাঃ পুচ্ছাৎ। পৃথগ্যোগাং সংজ্ঞায়ামিতি নাসুবর্ত্তে। এভাঃ পরাৎ পুচ্ছাদীপ্ স্যান্নিত্যং। শরপুচ্ছী কবরপুচ্ছী বিষপুচ্ছী মণিপুচ্ছী। পক্ষাচ্চোপ-मानारमः। উপमानপূर्वा । पूक्षका छा । निज्ञमी भ् गा। स्पूकी गिः ह-পুচ্ছী শুকপক্ষী কাকপক্ষী। উপমানপূর্কাৎ কিং সিতপক্ষা হংসী। গিরিপক্ষী শালা ইত্যত্র স্বাঙ্গভাবেহপি ঈপ্। ক্রোড় খুর বাল শফ গুদ প্রোথ গল ভগ श्रीतारमर्न। এভা अर्थ् न मारि। मुर्काणा मृथ्दा म्याना मृश्मा मृश्मा मृत्थाथा मीर्घनला मृनना पृथीता। मह विमामान नवाः। अजाः भदार चाना-मी भ् न मा १ । महरकमा मरकमा विमामाननथा **अरकमा। नथ प्र्यामा** श्रि। আভ্যামীপ न স্যাৎ সংজ্ঞায়াং। শূর্পণধা বালমুখা শূর্পণধীত্যপি কেচিং। ঋচি পাদঃ। ঋচি বাচ্যায়াং পাদিত্যমাদীপ্ ন স্যাৎ। চতু স্পাদা ঋক্ ত্রিপাদা গায়ত্রী চতুস্পাদা ঋদিগিত্যাদিকস্ত পাদশব্দেনৈব সাধ্যং। স্বাঙ্গন্ধ সাধ্যং माफिजापि। विकादा थाजूरेवॅषगाः विकाताब्काजः विकातब्दः न विकातबः অবিকার**জং অন্তবং মূর্ত্তং অবিকারজং** প্রাণিস্থং বছস্ত তৎ স্বাঙ্গং স্যাৎ। ষথা বিস্বোষ্ঠা বিস্বোধা। দিতীয় লক্ষণমাহ দৃষ্টং তত্ৰাতংস্থমপীতি। আদ্ৰব মূর্ক্তাবিকারজং প্রাণিনি দৃষ্টং অনন্তরমতৎন্তং অপ্রাণিস্থমপি স্বাক্তং স্যাদি-ত্যর্থঃ। যথা সুকেশী সুকেশা রথ্যেত্যাদি। তৃতীয়ং লক্ষণমাহ তদ্বাদৃশিচ স্থিতমিতি। তদৎ অদ্রবমূর্তা বিকারঞ্চ প্রাণিস্থ বস্তুত্বাং বদস্ত তাদৃশি প্রাণিতুল্যে স্থিতমপি স্বাঙ্গং স্যাদিতার্থঃ। যথা সুস্তনী সুস্তনা প্রতিমা ইত্যাদি রাজী রাজিরিতি এবং ধূলী ধূলিঃ শ্রেণী শ্রেণিঃ বালী বালিঃ রজনী রজনিঃ পাণী পাণিঃ রাত্রী রাত্রিঃ পুরস্ত্রী পুরস্ত্রিঃ ভূমী ভূমিরিত্যাদি। কিঞ্চাশক্ষস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ সুগন্ধিঃ প্রক্রানিঃ পুরিত্যাদৌ ন স্যাৎ। ক্রেন্ত বুদ্ধিঃ मिं इनिः भ्रानिविज्ञारमे कृश्वाभाशनारमतिष्ठ एकनि जारमर श्रीन-রত্বারেপ। এবং জিবর্জনেন জিসমানার্থস্য শ্রীলিক্সবিহিতস্য ইদন্তপ্রত্যয়-স্যাপি বর্জনাৎ অজীবনিঃ কাংকারিরিত্যাদাবপি ন স্যাৎ।

পাদিত্যনেন সংখ্যাস্থপমানাদিত্যাদিনাদিষ্টস্য পাদিত্যস্য গ্রহণং শোণ আদির্যস্য সং। পাচ্চ শোণাদি"চ স্বাক্তঞ্চ ইচ্চ তর্ত্তিমাৎ নক্তিরক্তিত্তস্যাঃ অর্থ वमानित्ज विस्मवन् । जिननी जग्नः नाना वनाः ना देजि नाकार अवर দ্বিপদী দ্বিপাৎ চতুস্পদী চতুস্পাদিত্যাদি। শোণীতি অসুদান্তান্তবর্ণাদিত্যনেন নিত্যপ্রাপ্তেহনেন বিকম্পঃ। শোণাদির্যথা "শোণ সাধারণহরানবিণান হয় শक्षष्ठीः। कुलानः कुलरनामातः कमरनाधिकरण्डोश्युष्ठिः। अक्षठाइ९ि कलार्ग वेष्टिविख विभक्तकोह। महाग्र ज्यारको हुछ। भूतार्गश्कामि अन्तिमाह। নদীভেদে চদ্রভাগা বর্ষাভূম্ব প্লবক্সিয়াং। অঙ্গান্ত দন্ত কণ্ঠঞ শৃক্ত কর্নোচ্চ ফিত্যপি।, গুচ্ছ নেত্রং তথা গাত্রং জংঘ মঙ্গাদিরীরিতঃ।" হয়শব্দস্য জাতি ধাচিত্বেহ্পি বুঙৰাঁৎ অঞ্তি অন্ধতি অংহতি এবাং ত্যাদান্তপ্ৰকৃতিদ্ধপক্ত্বাৎ यष्टिवत्खाः का खन्ना । अनामाछानाः नानवाहित्यश्री त्या । यानमाखाता পাঠাৎ শেষাণাৎ দৰ্কাথৈৰ বা প্ৰাপ্তে পাঠঃ। কেচিন্নাদাদৌ হয়মাভ্তন্ত হয়য়া भजरबाक्रमशामित्माजि इतिवर्षम मर्गनार। स्त्रकापि शन्तिमा वर्श मृदकी ষ্ধকা স্থুনান্ত্রী স্থুনান্ত্রা ছগনান্ত্রী ওধধিরিতি নদাদেরাকৃতি গণত্বাৎ। চারু-मछी किन्नत्रक्षी जीकम्त्री ठात्रकर्गी कन्गानभृष्टी मुगाजी मीर्घक्रः चीजामि। পক্ষে ठाक्रमरेखाजामि। ठक्क्काभी ठक्क्काभी नमी अकरमगविक्रजमनगवस्त-তীতি ন্যায়াৎ চন্দ্রভাগী চন্দ্রভাগাচ। তথাচ চন্দ্রভাগা চন্দ্রিভাগা চন্দ্রিভাগিচ চক্রিকা। চক্রতাগীচ সৈব উজা নদীশ্রেষ্টা প্রকীর্ত্তিতা। ইতি হড্ডচক্রঃ। বর্ষাভী বর্ষাভূঃ ভেকী। স্বাঙ্গাচুদাহরতি সুমুখীতি শোভনং মুখং মঁস্যাঃ সা ইতি বাচ্যং। স্বাঙ্গাদ্যোগএবাস্য বিষয়ঃ। দীর্ঘনখী দীর্ঘনখা ভুঞ্গনাসিকী ভুঞ্জ-नामिका हेजामि। अथ योज्नकः। मारु योजनिकामि। स्राप्ता धर्मामिख-দ্ধিমং মূর্ত্তং কাচিন্যাদি স্পর্শবিশেষবং। প্রাণিনি তিঠতীতি প্রাণিস্থং विकादता (मायखन्याब्बाजः विकातकः न विकातकमितिकातकः। मृचेमिछामि অতৎস্থং অপ্রাণিস্থমপি তত্র প্রাণিনি দৃষ্টং চেন্ডদা স্বাঙ্গং তাদৃশি প্রাণিসদৃশে প্রতিমাদে স্থিতং স্তনাদিকং, তদৎ প্রাণিস্তবং স্বাঙ্গমিতার্থঃ। দ্রব্যাদি পদানাং ব্যাবৃত্তিমাই বহুছেদেত্যাদি রাজী রাজিরিতি রাজধোরিত্তাঃ এবং धानी नभी अही मानी वाही (वनी मनी कभी। (अनीह वस्त्रनीभक्त आर्थि-রিত্যাদয়ঃ ক্রমাং। অজেরিত্যনেন ক্রার্থস্যোপলক্ষণত্বাৎ অকরণিঃ অজী-বনিঃ কান্ধারিমকার্ষীঃ সর্ববং কারিমকার্যমিত্যাদে। ন স্যাৎ। किन्छ मा ना म्रानी प्रवानी जिल्लू भ्रानभका ए जारत स्थ कृट्ड विद्यापी न्। श्रात তুর্ণ গ্রহণাদীকারাস্তাদপি তেন ঞ্জীলক্ষীত্যাদি। তথাচ তাং ঞ্জীমিব সমায়াস্তী মিত্যাদি প্রয়োগঃ ইত্যাহঃ। নিষেধো যজ্জাতীয়স্য বিধিরপি তজ্জাতীয়স্যেতি ন্যায়াৎ কৃদিকারাদেব তেন সৃগদ্ধিঃ যুবস্থানিরিত্যাদৌ ন স্যাৎ।

#### ১৮। ধাৎ ক্রীতাৎ।

### थरनन क्रीग्ररज ऋ थनक्रीजी।

করণপূর্ব্বাৎ ক্রীতাদীপ্ স্যাৎ স্ত্রিয়াৎ ক্তপ্রতায়োৎপক্তেঃ প্রাণের সমাসা-হতিধানাৎ ইতি শ্রীপতিদক্তঃ। অতএব আহু গনেন ক্রীয়তেক্স ইতি বাকাই। ধনেন ক্রীতা ধনক্রীতা ইতাত্র সংক্ষারকালে ভিন্নপদত্ত্বন করণপূর্ব্বত্বা-ভাবাৎ। ধাৎ কিং রাজ্ঞা ক্রীয়তে ক্স রাজক্রীতা।

ধনক্রীতী ক্রীধােঃ ক্তঃ স্যান্থ্যপক্তেঃ প্রাক্তৃদন্তেন সহ সমাসেহনেনেপ্। সাহি তস্য ধনক্রীতা প্রাণেভ্যোহপি গরীয়সীতি তু আবস্তেন সহ সমাসাদিতি পরে অন্যতু ধনক্রীতীত্যাহাঃ। ধাদিতি পীনির্দ্দেশাদব্যবহিত ক্রীতশব্দাদেবেত্যর্থঃ তেন ধনস্ক্রীতেত্যাদে ন স্যাং। ক্রীতাস্তাদিপি কন্চিং তন্মতে ধনস্ক্রীতীত্যাদি। ধাং কিং রাজ্ঞতীতা

### ३२। खोम्एम।

### ধাদিত্যের। অত্রলিপ্তী অত্রেণ লিপ্যতে আ।

করণপূর্ব্বাৎ ক্তান্তাদম্পত্বে ঈপ্ স্যাৎ স্তিয়াং ইহাপি ক্তপ্রত্যয়োৎপত্তে? প্রাকুসমাসঃ। অত এবাহ অভ্রেণ লিপ্যতে মেতি বাক্যুং অভ্রলিপ্তী অম্পাভ্রা ইত্যর্থঃ। অপে কিং জলপূর্বা ঘটা।

ধাং জান্তাদীপ্ন্যাৎ ধন্যাম্পত্বে সতি। সত্রলিপ্তীতি অম্পেনাত্রেণ ছত্মেত্রতার্থঃ। এবং সুপলিপ্তী পাত্রী অক্ষরলিপ্তী জিহ্বেত্যাদি অম্পে কিং সুঁখপূর্ণা ভক্তিঃ।

#### २०। स्नाक्राका

ষাঙ্গাৎ পরো ছে স্থিতে। যঃ ক্তন্তমাদীপ্স্যাৎ। শঙাভিন্নী।

পৃথক্ যোগাৎ ধাদিতি অপে ইতিচ নামুবর্ত্ত। শগুভিন্নীতি। শগো-নিধো ললাটাস্থি, ইতামরঃ। শগোভিন্নো বসাঃ সা শগুভিন্নী। উপদর্গ-ব্যবধানেহপি ওঠবিক্ষতী। অত্র কৃত মিত জাতু প্রতিপন্নানামজাতিত্বার স্যাৎ কেশক্তা হস্তমিতা দস্তজাতা ত্তনপ্রতিপন্না। স্বাঙ্গাৎ কিং ঘৃতপীতা। হেকিং হস্তেন ধৃতা হস্তধৃতা। বিবাহে পাণিস্হীতো যসাঃ দৈব পাণিস্হীতী পন্নী অন্যত্র পাণিস্হীতা চোরী ইতি বক্তবাং।

জ ইতি জান্ত ইতার্থঃ। শগুভিন্নীতি শথোললাটাস্থি শথোভিন্নো যয়। ইতি বাকাং • এবমুর্ভিন্নী গলোৎকৃত্তী কেশরীজুনীত্যাদি। স্বাঙ্গাৎ কিং বছ-কৃতা সূকৃতা হেকিং পাদপতিতা পরেতু নঞ্জঃ সুবহু সুধমাস বংসরে ছঃখ ভিন্নাৎ কৃত হসাদস্ভোদান্তাৎ জাদীপমাহঃ। তাল্যুস্কৃতা স্বাঙ্গাদি বিশেষণাং সুধকৃতা অকৃতা ইত্যাদি বারিতং।

### ২১। বাচ্ছন্নাজ্জাতেঃ।

আচ্ছাদনজাতিবর্জাজ্জাতিবাচিনঃ পরান্ধে স্থিতাৎ ক্তাদীপ্ সাাঘা। ইকুভক্ষিতী ইকুভক্ষিতা। ছন্নাতু। বস্তুচ্না।

ছনং বস্ত্রজাতিঃ নাত্তি ছনং বত্ত পোহছনঃ তসাং। ইক্লুর্ভকিতোবয়া সা ইক্লুভকিতী ইক্লুভকিতা। এবং বৃকদৃষ্টা বৃকদৃষ্টা শুক্জধা শুক্জধা ইত্যাদি। জ্ঞাতঃ কিং কটুভক্তি। জাং কিং বাদ্ধাপ্রিয়া। ছন্নাজুবস্ত্রছন্নাবস্ত্রং ছন্নং পরিহিতং যয়েতার্থঃ। এবং বসনপ্রাপ্তা। অত্যাপি কৃত্যিতি জ্ঞাত প্রতিপন্নানামজাদিত্বান্নস্যাং। বৃক্ষতা ইক্লুমিতা মৃগজাতা হংসপ্রতিপন্না।

নচ্ছন্নোংছন্নন্তমাৎ। ইক্ষুভক্ষিতীতি ইক্ষুভক্ষিতোয়য়া সাইতি বাকাং। এবং বৃকদ্কী শুকজন্ধী সুরাপীতি পক্ষে বৃকদ্ষেত্যাদি। জাতেঃ কিং মাস-কৃতা গৃতপীতা শূদ্ধীত্যাদি।

### २२। পর্যামপালকান্তাৎ।

श्रुश्वाहकाम्भानकासामीभ् गासार्यग्राग्राः। त्राभी। भान कासासु त्राभानिका। পত্যা উচা পত্নীতি ব্যুৎপৃদ্ধা বিবাহকর্দ্ধোপলক্ষ্যতে ইত্যত আহ পুং বাচকা দিতি। যাদৃণ্জাতীয়দ্য প্রতিবেধা বিধিরপি তাদৃগ্জাতীয়দ্যেতি ন্যায়াৎ পালকান্তবর্জনাদাকারান্তাদেরায়ং বিধিরিতি। অন্যথা পুংসঃ পত্নীইত্যাদাবিপ প্রসক্ষেত্র। পালকোহত্তে যস্য স পালকান্তঃ। কিঞ্চ পালকগ্রহণেকৈর গোপালিকাদি প্রাপ্তারন্তগ্রহণং পালকপর্যান্তস্য জ্যোগ্রাদিগণস্য প্রাপ্ত্র্যাণ্ডালিকাদি প্রাপ্তার্যান্ত্র গোপালক পশুপালক বর্জাৎ পুং বাচকাদকারান্তাদীপ্যান্তার্যায়াং ইত্যর্থঃ। গোপালক পশুপালক বর্জাৎ পুং বাচকাদকারান্তাদীপ্যান্তার্যায়াং ইত্যর্থঃ। গোপালক পশুপালক বর্জাৎ পুং বাচকাদকারান্তাদিশি প্রান্তান্য পিতামহস্য পিতামহী মাতামহস্য মাতামহী প্রস্কায় প্রক্রী ইত্যাদি। পুংবাচকাৎ কিং প্রজ্ঞাতাজাতাপত্যা প্রজ্ঞাতাচেত্যমরঃ। পত্ন্যাং কিং দেব-দন্তা। প্রত্যাদাহরতি গোপালিকেতি। গোপালক্ষ্য পত্নী গোপালিকা স্ত্রীত্বাদাপ্ কাপ্যনাশীরক ইত্যকারস্যেকারঃ। এবং জ্যোগ্রা কনিপ্তা মধ্যমা উদ্ভুমা পশুপালিকা গোপীত্যাদির জ্ঞাতিত্বাদীপি সিদ্ধে ইহোদাহরণং নিষিদ্ধানাম্যপ্রপ্রার্থং। তেন ক্ষত্রিয়্যা পত্নী ক্ষত্রিয়ী বৈশ্যস্য পত্নী বৈশ্যী ইত্যত্র জ্ঞাতিত্বাদীপো বিধানে যুওবর্জনেহপি পত্নীবিহিত্তেপ্স্যাদেব।

পালকোহন্তো যন্য স পালকান্তঃ ন পালকন্তোহপালকান্ত ন্তমাৎ নঞ্ সাদৃশ্যদ্যোতকত্বাৎ। পুস্বাচকাদপালকান্তাদকারান্তাদিতার্থঃ। গোপীতি গোপস্য পত্নীতি বাক্যং পুস্বাচক গোপ শখন্য স্বস্বামিত্বে সম্বন্ধবাচ্চে ব্রিয়াং বৃদ্ধি। এবং বৈদ্যা বৈশ্যী শুদ্রীত্যাদি। গোপালিকেতি গোপালক্স্য পত্নীতি বাক্যং। এবসম্বপালকেত্যাদি পুংবাচকাৎ কিং প্রস্ক্রাতা।

## ২৩। ত্ৰহ্মকুত্ৰভ্ৰসৰ্কমৃড়েক্তৰকুণাদানঙ্চ।

# এভ্যঃ পত্ন্যামীপ্ দ্যাত্তেষামানঙ্চ। ব্ৰহ্মাণী রুজাণী।

আন ভাদেশসাসুরোধাৎ বঠান্তত্বেন বক্তুমুচিতত্বেংপি প্রধানসা ঈপ্ প্রতায়ন্যাসুরোধাৎ বরুণাদিতি পঞ্চমান্তং ৮এভাঃ পর্যামীপ্ সাল্তেবামান ড-চেতার্থঃ। ডিছাদন্তাসা স্থানে। ব্রহ্মণঃ পরী ব্রহ্মাণী এবং রুদ্রাণী ভবানী সর্ব্বাণা মৃড়ানী ইন্দ্রাণী বরুণানী।

বক্ষা চ রুদ্রশ্চ ভবশ্চ সর্ব্বশ্চ মৃত্শ্চ ইন্দ্রশ্চ বরুণশ্চ তদ্ধমাৎ ডিম্বাদস্তস্যা নঙ্ । বক্ষাণীতি বক্ষণোভার্য্যা ইতি বাক্যং । এবং রুদ্রাণী ভবানী সর্ব্বাণী म्ड्रांनी हेक्क्यांनी वक्तनांनी । मञ्जूकश्रद्धान्त्रवर्ख्या विश्वासम्बद्धानी निक्तांनी उथांक काक्रवांना मरहक्क्यांनी माक्रांनी उथांक काक्रवांना मरहक्क्यांनी माक्रांनी उथांक काक्रवांना विश्वासम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्याम्यासम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्यासम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्य स्वतस्य स्वतसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्वसम्बद्धांनी विश्व

### २ हो गांजुरलाभाषागि कि कि हा गिंगु स्थार्या गांका।

রাতুলারী মাতুলী। অন্যেত্বীপম্পি বিকশ্পয়ন্তি তদা মাতু-লেত্যাদি। তদাশন্দো ব্যবস্থাপ্যঃ। আচার্য্যানী ইত্যত্ত ন এতং।

तामास्मारुक रावश्वाता है रें का बार क्यामात्म स्थान है । तावश्वात्म स्थान स्यान स्थान स्यान स्थान स्य

মাতুলন্চ উপাধ্যায়ন্চ ক্ষত্ৰিয়ন্চ আচাৰ্ব্যন্চ স্থ্যন্চ অৰ্ব্যন্চ তত্ত্বমাং।
মাতুলানীতি মাতুল্য পথীতি বাক্যং। জন্যেতু ইত্যাদি। যে তু ইপং বিকংপয়ন্তি তথ্যতে মাতুলা ইত্যপি তদমানতে বাশন্দ্য ব্যবস্থা ক্ষেয়ং। এবং
উপাধ্যায়ানী উপাধ্যায়ী স্বয়ং ব্যাধ্যাত্ত্বীচেছপাধ্যায়ী উপাধ্যায়াচ। আচার্যান্য পথী আচার্য্যানী স্বয়ং ব্যাধ্যাত্ত্বীচেদাচার্য্য আচার্য্যাচ। স্থ্যান্য পথী
স্ব্রী দেবতায়াং স্থ্যাণী স্থ্যাচ। ক্ষত্রিয়ার্য্যয়োঃ পথী ক্ষত্রিয়ী অর্য্যা জাতেরী
ক্ষত্রিয়াণী ক্ষত্রিয়া অর্থাণী অর্যাচ ইতি।

# २६। इयाक्ना शिश्वनू शृञ्ज कृतू निञ्कू नौ मारे मे छ ।

এভাঃ পর্যামীপ্ সাত্তেষামৈত্চ। র্যাকপারী অগারী মনাবী।

ঐঙাদেশসাাসুরোধাৎ ষষ্ঠান্ততয়া বজুমুচিতত্বেহিপি প্রধানস্য ঈপোহসু-রোধাৎ পঞ্চমান্তং। বিভাষাদমমধারক্তিবাদস্য পরস্যচ নিতাবং,। হরবিফূ ব্যাকপী ইতামরঃ। ব্যাকপেঃ পত্নী ব্যাকপায়ী এবমগ্রায়ী মনাবী পূতক্রতোঃ পূতক্রতায়ী পূতকর্ত্রক্রঃ। কুসিডস্য কুসিতায়ী। কুসীদ্যা কুসীদ্যায়ী।

বৃষাকপিশ্চ অগ্নিশ্চ মন্থ্যুপ পুতক্রজুশ্চ কুসিতশ্চ কুসীদশ্চ তম্ভশাৎ। পদ্ধতী-ত্যাদো বা গ্রহণাৎ নিত্যমিদং। পশ্লামের নিয়মাৎ পৃতক্রজুর্বাহ্মণীতান ন সাং।

२७। नातीमशीयवानीयवनानी हिमानात्रगानीमनावीभिष्ठित-छाष्ठर्सञ्जीभञ्जोबाकीरभागीमाभीव्यतीकृषी कालीकृभीकाम्कीविष्ठ क्वतीनीलानिष्ठाः।

#### এতে নিপাত্যন্তে।

এতে ঈবন্তা নিপাতান্তে। নিপাতোহ্ববিশেষে ভবতীতি তানহং বৈবৃণোমি নারীতি। নর্ম্য জাতৌ এবং নৃত্রক্ষক্তরিউ শূলৈরিত্যারোজ্যা নৃ
শক্ষ্মাপি মনুষ্যবাচিত্বে তম্যাপি জাতৌ নারীতি নিপাতাং। অতএব
নৃজ্ঞাতেরিতি স্বরং বক্ষ্যতি। অন্যত্র ঋদন্তবাদীপি নীতানিষ্টং ম্যাং।
স্থীতি ব্য়ম্যাইদন্তবাদিকপে নিত্যার্থো নিপাতাং। য্বানী ছুষ্টোষ্বঃ।
যবনানী যবন্মালিপিঃ। জাতৌতু যবানীতি। হিমানী হিমসংহতিঃ। অরণ্যানী মহারণ্যং। মনারী মনোঃপত্নী। পতিবন্ধী সভর্জুকা জ্রী পতিরিহ্
বিবাহকর্তা তেনান্যত্র পতিমতী সেনা। অন্তর্বন্ধী গর্ভিণী অন্যত্র অন্তর্বতী
ভূমিঃ। পত্নী পত্যুর্ঘায়াং অন্যত্র পতিরিয়ং গ্রাম্মা। ভাজ্ঞী পক্ব্যঞ্জন
বিশেষঃ। অপকাচেদ্রাজ্ঞা। গোণী ধান্যাদি বহনার্থ পাত্রবিশেষঃ। নাগী
স্থলা জ্ঞাতৌতু নাগী হন্তিনী সপীচ। স্থলী অকর্ত্বাভূমিঃ অন্যত্র স্থলং

উথানাদি। কুণ্ডী পাত্রবিশেষঃ অন্তর্কুণ্ডা অন্তুত জারজঃ কুণ্ড ইতাম-রাং। কালী কৃষ্ণবর্ণা অন্যত্র কালা। কুশী লোহবিকারঃ অন্যত্র কুশা। কামুকী রিরংসুঃ অন্যত্র ধনস্য কামুকা। ঘটা অপ্পের্ছটঃ এবং মৃণানী ছত্রীত্যাদি। অতএব জ্রীস্যাৎ কাচিমূণাল্যাদি বিবক্ষাপচয়ে ঘদীত্যমরঃ অন্যত্র করিণাং ঘটনা ঘটা। কবরী কেশবেশঃ অন্যত্র কবরা। নীলী প্রাণ্ডোয়ায়। নীলী প্রেঃ নীলীনাম ওম্বিঃ অন্যত্র নীলা লতা। অশিশ্বী শিশুরহিতা জ্রী অন্যত্র আশিশুঃ শালী। বহুবচনাদন্যহিপি নিপ্রত্তের যথা বহুবীহে পত্যুঃ পত্নী বা ব্রিয়াং। স্থুলঃ পতিরস্যাঃ স্থুলপত্নী স্থুলপতিঃ জ্রী। একসমানবীরভ্রাত্সপিগু পুজেভ্যো নিভাং। একঃ পতিরস্যা একপত্নী এবং সমানঃ পতিরস্যা ইতার্থে পত্রুঃ পত্নাদেশে জ্যোতির্জনপদেত্যাদিনা সমানস্য স আদেশে সপত্নীতি এবং বীরপত্নী ভ্রাত্পত্নী সপিগুপত্নী পুক্রপত্নী। কিঞ্চ একম্য পত্নীত্যাদি বাক্যেহপি একপত্নীত্যাদি নিদ্ধো আদেশবিধানন্ত একঃ পতিরস্যা ইত্যাদি বাক্যে একপতিরিত্যাদ্যনিষ্টপদনিবারগার্থং। সমাসান্তস্য মুখ্যস্য পত্যুঃ পত্নী স্যাদা। গ্রামস্য পৃতিরিত্যর্থে গ্রামপত্নী গ্রামপতিঃ জ্রী। মুখ্যস্য কিং পতিমতিক্রান্থা অতিপত্তিঃ।

२१। পদ্ধতীশক্তীযুৰতানজাহীশেনোনী ছরিণীভরিণী রোহিণীলোহিনাসিকী পলিক্যোবা।

পক্ষে পছতিঃ শক্তিঃ যূনী অন্তুছী শ্বেতা এতা ছরিতা ভরিতা রোহিতা লোহিতা অসিতা ণলিতা ইতি। অস্কৃী অর্দ্ধা পলিকী র্দ্ধা।

এতে নিপাতান্তে বা। পদ্ধতী শক্ত্যোঃ ক্তান্তবেনাপ্রাপ্তেরী ঈপো বিভাষা।

বৃনন্তিপ্রতায়ং কৃত্বা বৃবতিঃ বা নিপাতাতে। তথাচ নরযুবতিবিহঙ্গা রাশি

বইকে মৃগাদাবিতি দীপিকা। ততো হুস্বেদন্তবাৎ পাচ্ছোণাদিতানেন পক্ষে

ঈপ্ যুবতীতাপি তথাচ বিষয়বিষমা মধুরাহি যুবতা ইতি শ্রীপতিদন্তঃ এবং

ব্বতী যৌবননগরে শিবশিব কুচমগুলঃ সাক্ষী ইত্যুদ্ভটঃ। তয়োরপ্রাপ্তিপক্ষেত্র

নান্তবাদীপি যুনীতি স্যাদেব। কিঞ্চ যুবানমতিক্রান্তা অতিযুবান্ত্রী বহুনুবা পুরীত্যাদৌ গৌণবাৎ ঈপ্ প্রতায়ো ন স্যাৎ। ফ্রিমুঞ্গাহ ইত্যাক্র বাশক্ষেন বিণন্ত

বহুতের্গ্রহণাদন দুহশক্ষাদীপি জ্ঞাতে অনেন আকারাগ্রমা বা নিপাত্যতে।

তেন পক্ষে অনভুহীতি। শ্বতাদিষভ্তা ঈপ্ তেষাং তকার্স্য নকারণ্চ বা

নিপাত্যতে। কিঞ্চ নক্ষত্রে রোহিণীতি নিত্যং। অসিতাদমৃদ্ধায়ামীপ্ ক্র্যা

ক্লচবা। পলিতাদৃদ্ধায়ামীপ্ তদ্য ক্লচবা। অত্র বাশ্বদ্য অমুক্তানামপি ব্যব-ञ्चालकदापिषः विवृत्यामि। क्षेत्रतमभाषील्या। श्रीयती जूबतमुत्रती क्षेत्रता। তথাচ কালী হৈমবতীশ্বর ইতামরঃ। বিন্যন্ত মঙ্গলমহে। ধিরীশ্বরায়া ইতি ভারবিঃ। এবং কেবল মুমঙ্গল মামক ভাগথেয় ভেষজ্ঞ সমান পাপ আর্ব্যকৃত দীর্ঘজিহব অবর রেচক দেবক কেকয় ভিক্ষুকাদেরীপ্ নামি। কেবলী সুমঙ্গলী মামকী ভাগধেয়ী ভেষজী সমানী পাপী আর্য্যকৃতী দীর্ঘজিহ্বী অবরী রেচকী দেবকী বেক্ষুমী ভিক্ষুকী। নামি কিং। কেবলা সুমঙ্গলা মমেয়ং মামিকা ইত্যাদি। এবং শেষভিন্নে বয়সি বর্ত্তমান শব্দাদীপ্স্যান্নতু হোড়াদেঃ। কুমারী কিশোরী কর্তী কর্করী তরণী তত্নী বর্টী চিরগুী আভ্যাং যুবতিরুচ্যতে। এষাং গৌণত্ত নসগাৎ বহুকুমারা পুরী। শেষে বয়সি ভু বৃদ্ধা স্থবিরা। হোড়া-দেশ্ব হোড়া বালা বৎসা কন্যাপাকা মন্দা বিনতা পূর্বহায়না অপরহায়না। भत्रल भात्रक शिषक कलार्यका नेश् भत्रली भात्रकी शिषकी कलायी। हस्स्कांगाप-নদ্যাং। চক্রভাগে ভবা চাক্রভাগী নদ্যান্ত চাক্রভাগা। এবঞ্চ সমুষাজ্ঞাতো-রিদস্তাচ্চ। কুন্তী অবন্তী গোত্রছাজ্জান্তিঃ। অমসুষ্যজ্ঞান্তেম্ব তিন্তিরিঃ এবঞ্চ বর্মাজী গুর্বিণী সরসী রোদস্যাদয়ো নিপাত্যাঃ। এবং ক্রয়াণাং ফলানাং সমা-হার প্রিফণা •অত্র স্ত্রীত্বং আপ্চ নিপাত্যতে। কেচিতু কুদীকারাদপি পক্ষে ঈপং বিশ্বায় তন্দ্রী তন্দ্রীঃ লক্ষী লক্ষীঃ ইত্যাদিমাতঃ। লক্ষীব লক্ষীরিয়ং ইতি প্রয়োগণ্ট। ইয়ং লক্ষীনাথী কন্যা লক্ষীৰ অহন্বৰ ইত্যর্থং।

পাদস্য হতিরিতি বাক্যং হনঁথোঃ ক্তিঃ অক্টেরিতি নিষেপ্নে প্রাপ্তে বিধিঃ
শকঁপোঃ শকী শস্ত্রভেদঃ বলেভু শক্তিই। যুবন্ শব্দস্য নান্তবাদীপি নিক্ষে তঙ্
নিপাত্যতে অনান্তবান্ন বস্য উঃ। অনভুহ শব্দস্য ঈপি বা আণ নিপাত্যতে।
শ্বেত এত হরিত ভরিত রোহিত লোহিতানাং বর্ণনাচিবাৎ অমুদান্তান্তবাহ বিভাগে
ইত্যনেন নিত্যমীপিপ্রাপ্তেবা ঈপ্তস্য নশ্চ নিপাত্যতে। হরিতা ভরিতা ইতি
বিশ্বঃ ভরিত শব্দং পরে নাহুঃ। অসিত পলিতাভ্যামীপ্তয়োঃ ক্লণ্চ নিপাত্যতে। বাশব্দস্য ব্যবস্থানাচিবাৎ প্রিয়ন্ত্রী প্রিয়ন্তিঃ বিংশতী বিংশতিঃ ইতি।

### २৮। नगन्भः था। खळकारमः।

এভা ঈপ্ন স্যাৎ। সীমা পঞ্জ্বসা মাতা অজা বালা। ১১ নেপীভূয়কে:। যাবতী বহুবী।

यमाठ अखण्ठ यस्तरको छो आमी यरपारको यसकामी। मन्ह मर्थाह সমজাদী চেতি তক্ষাং। সামেতি। ডাপোহপ্রাপ্তিপক্ষে নাস্তবাৎ প্রাপ্তবাস্য क्रेर्लाश्तन ब्रिट्सर्थ पीर्यनकात्रालार्लाह এবং অতিপটিমা। অত্ত মনোবর্জনং नास्रदार প্राक्षरारमार्थ। निरम्धार्थरमर उन नक्समीरम्मो नक्सीरम नक्-मीमार्त्नो इंजािषयु न्नेश्वाचमािष्ठारनन न्नेश् मार्पित। मर्थातीहकानार মধ্যে একদ্বিভ্ বহূনামীপোহসম্ভবঃ। তিন্ত চতস্রোঃ স্ব্রাদিপাচাদেব তিস্চতস্ভ্যামীপো নিষেধঃ। তত্ত্ব পঞ্চাদ্যম্ভাদশ পর্যাস্তানাং মুঁটোত্বে ভতি-ব্যর্কান্তেত্যাদিন। ত্রিষু লিক্ষেষ্ সমন্ব বিধানেনৈব লিক্ষকার্যানিষেধে সিচ্ছে সংখ্যাবর্জ্জনং নাস্তদংখ্যাভ্যোগেণিত্বে ঈপোনিষেধার্থং। তেন্ প্রিয়পঞ্চা বেশ্যা ইত্যাদে। ঈপ্চাম্বসাদিত্যনেন ঈপ্ ন স্যাৎ। অভিপঞ্চা স্ত্রীত্যাদে ষ্ট্ৰিন্তুঞ্গাহেত্যাদিনা ঈপ্ ন স্যাৎ। কিঞ্চাত্ৰ নত্তোহপ্পাৰ্থস্থাৎ বিং শতি ষষ্ট্যা-দেরিদন্তত্বাশ্বিষেধাভাবে পাচ্ছোণাদীত্যনেন ঈপ্বা স্যাদেব যথা-বিং শতী বিংশতিঃ ষষ্ঠী ষষ্টিরিত্যাদি। অপঞাইতি ন বিদ্যান্তে পঞ্চ মস্যাইতি বহু-ব্রীহে সমাদান্ত বিধেরনিত্যত্বাৎ ভপ্রতায়াভাবে ঈপ্চাম্বস্যাদিত্যনেন প্রাপ্ত-ব্যস্য ঈপো নিষেধঃ। অত্র পঞ্চ ইত্যুদাহরণং লিপিকর প্রমাদঃ। স্বস্ত্রাদিন্চ। স্বস্থ মাভূ যাভূ ছহিভূ ননান্দৃ তিস্থ চতস্থ কতি যতি ততি ইতি দশ। স্বসা মাতা যাতা অত্র মাতা জননী যাতা জীগাং স্বামিল্লাভূত্ত্বী তেন ধানাস্য মাত্রী তীর্থস্য ষাত্রী ইত্যাদে। ঈপ্স্যাদের।, ছহিতা ননান্দা প্রিয়ডিসা প্রিয়চতসং কতি যতি ততীনাং মুখ্যত্বে লিঙ্গকার্য্য নিষেগাৎ গৌণত্বে প্রিয়কতিঃ প্রিয়যতিঃ প্রিয়ততিঃ। অত্র নপ্থ শব্দোহপাস্তীতি কেচিৎ তদ্ধেয়ৎ নপ্ত্রী পৌল্রী সৃতামূলা ইত্যমরাং। অজাদিত। অজনলক অশ্ববউ এড়ক চটক কোকিল পরভূত পর-পুষ্টঅন্যপুষ্ট কর্ট বর্ত্তক মূষিক পিপীলিকাদিঃ। এবং স্বাঙ্গজাতিভ্যাৎ পরাঃ ক্তৃমিত স্কাত প্রতিপন্নাশ্চ ইতি। কেশকৃতা হস্তমিতা দস্তস্কাতা স্তনপ্রতিপন্না। এষাং সাঙ্গাদ্ধে ইতানেন বিহিত্যা ঈপোনিষেধঃ। বৃক্ষক্তা ইক্ষ্মিতা মূগ-য়াতা হং সপ্রতিপন্না এবু পাচ্ছোণাদিত্যাদিনা বিহিত্তন্যেপো নিষেধঃ। নেপীত্যুক্তেরিতি ঈপি কর্ত্বো ডত্যতু বহুগণানাং সংখ্যাবদ্ভাবো নাস্তীতি প্রাপ্তক্ষের মানতোনহোক্ষ সংখ্যানার্চকত্বাভাবে ঈপ্ স্যাদিত্যর্থঃ। মানতী-তাত্র উদিস্থাদীপ্ বহুৰীতাত্র গুণাদোত ইতি ঈপ্।

স্বসাচ অজ্ঞ তে তাবাদী যয়োঃ তে মন্চ সংখ্যাচ স্বস্ত্রজাদীচ তত্ত্বসাং পুংস্তং সৌত্রবাং। সীমেতি নান্তবাদীপি প্রাপ্তে নিষেগঃ পঞ্চেতি নান্ত সংখ্যায়া এব ঈপ্ নিষেধ ইত্যান্য। সামান্যতো নিষেধাৎ একস্য পত্নী একে-जारमी न मामिरजारक। अरमिज अपस्य बार श्री निरम्धः। सुस्रामिर्गशा। স্বসা মাতা চতত্রণ তিত্রো যাতৃননান্দরো। ছুহ্তাত্র সমাধ্যাতা নপ্তা কেন-চিদিষ্যতে। নপ্ত্ৰীতানো। অজেতি জাতিনীচিত্বাদীপি প্ৰাপ্তে নিষেধঃ। অঞ্চাদির্থপা। অজ্ঞাশা মূষিকা বিপ্রাকোকিলা বাড়বৈড়কা। পরপুন্টা পর-ভূতা চটকা বৰ্ত্তকা তথা। শৃদ্ধাজ্ঞাতো টকারেক্ত বহু যন্তৎ কিমঃ করঃ। তথা होग्नन होट कीठ माजिए भूकी अत्राप्याद्यी। अञ्चार वाटनाखमा एका हा किनिश মধামাপি চ। স্বাক্ষেতু স্যোভ গুদ ক্রোড় শক্বালভগোক্তরা। করঘোনা শিখা नामु। निरता ुञ्चानास्त्राः । ध्रशीरवास्त्रारेण्ठव नथ सूथासाण नामनि। শাঙ্গাৎকৃতমিতে জাত প্রতিপন্নেচি হেমতো। অঞ্চাদি ধাদশেভ্যা জাতিবাচ-কছাৎ। वंद्यक्तां पिछाको दार। वाना पि श्रक्ष छाः श्रशः पूरवाहकदार। (भा। ७७ मा भा। त्या अवस्थित स्वाप्त क्रिकार स्वाप्त क्रिकार क्रिका क्रिका क्रिका स्वाप्त क्र क्रिका स्वाप्त क्र स्वाप्त क्र स्वाप्त क्र स्वाप्त क्र स्वाप्त প্রাপ্তে নিষেধঃ। উদাহরণানি যথা বহুকরা যৎক্রা তংকরা কিংকরা পূর্ব্ব হায়ণা অপরহায়ণা পূর্বহায়ণা অপরহায়ণা ইহ পাটান্নত্্র স্বাঙ্গদ্যোভ ষণা স্ওল্ফা স্পার্যা। গুলাদেন্ত স্গুলা স্থীবা ইত্যাদি। সংজ্ঞায়াং তু স্প্রিখা কালমুখা। জনামিতু সুৰ্পনধী। স্বাঙ্গাৎ কৃতাদিৰ্যথা কেশজাতা স্তনজাতা ইত্যাদি। অনাসিকোদরাবহরচঃ। নাসিকোদর ভিন্না বহরচঃ স্বাঙ্গবাহি-নোহজাদে। পঠিতাঃ। পুণুজ্জঘনা মহাললাটা ইত্যাদি। নাসিকোদরাজু। তুঙ্গনাগিকী তুঙ্গনাগিকা মহোদ্রী মহোদ্রা ইজাদি। সহ নঞ্বিদ্যামান পুৰ্দ্ল্যণি স্বাঙ্গানি। সকেশা অকেশা বিদ্যমাননাসিকেত্যাদি। স্বাঙ্গ সমুদায়া-স্তাশ্চ। কল্যাণং পাণিপাদং যস্যাঃ সা কল্যাণ পাণিপাদা অস্বাঙ্গ সমুদায়া-खाञ्च कलागि विमामान मूर्यः यम्भैः मा कलागिविमामान मूर्यी। शृर्वस्य त्व পূর্ব্বদ্রহণাৎ সহনঞ্বিনামান পূর্ববাবয়বানি স্বাঙ্গানীত্যর্থোহতস্তেনাপি ন निरमधः ইতি পরে। মংকাশলান্তাদাবটাৎ ফ্যোযঙল্চ। বকারান্তাৎ কোশলাৎ অজ্ঞাদাৎ অবটাচ্চ ফাষ্ডে নির্ফে আদিফী চাজাদে পঠিতাঃ গোরক্ষন্য স্ত্র্যপত্যং গৌরক্ষ্যা এবং পৌতিমাধা দাকর্করক্ষ্যা ইত্যাদি কৌশল্যা অস্কাদ্যা आविष्ठा। यटडायथा। कटकगानार्यदत्राट्रजीटक यडक्रटलांख्यटग्राः खिगार । গোত্রদ্যাবয়বেভ্যশ্চ ক্রোভ্যাদিভ্যশ্চবা কচিৎ। ক্রোভিরাপিশনির্নাভির্ব্যাভি-রাপি ক্ষিতিত্তথা। ভৌরিকি ভোঁলিকিঃ শালাস্থলিকাপিঃলীত্যপি।শৌধাত-কিশ্চৌপয়তত্ত্তথা। বৈশ্বশ্বতোমতঃ চৈকয়তঃ সৈক্য়তো ভোজস্ব ক্ষত্ৰিয়ে তথা।

স্থতো মুবত্যাং ক্রেভাাদে শেষং শিষ্ট প্রয়োগতঃ। তিপ্রভতীনামস্তামুদ্ভমং **उमा ममीलः উल्পास्त्रमः क्षेण्डेल्लास्त्रमः** यदमारसी उद्योग न स्नार्दी समार्दी তয়োঃ। ফশ্চ কিশ্চ তৌতয়োঃ। তথাচ গোত্রবিহিতভোঃ ফফোরনার্যয়োঃ कर्राखमरबाध खिबार यक्नार एडरेश कडीयगंबरेर गंबर बना न कडीयगंबिः করীষগন্ধত তদ্য জ্রাপত্যং কারীষগন্ধাঃ। এবং বালাক্যা বারাহা ইত্যাদি। অনার্যয়েঃ কিং বাশিষ্ঠা বৈশ্বামিত্রী রূপোক্তময়োঃ কিং স্তথ্পরী কাপট্বী ইহগোত্র শব্দেনাপত্য মাত্রমুপলক্ষাতে। গোত্রে কিং অহিছত্তে ধ্রীভী আহি-ছত্রী কক্ষ্যাঃ কিং শ্বতভাগস্যাপত্যং স্ত্রী আর্ত্তভাগী প্রতভাগস্যান্তরাপত্য মিতার্থ স্থিবিধানাদার্গুভাগ্যেতি। গোত্রস্য ইত্যাদি গোত্রস্মুর্বীয়বা গোত্রস্যা-ভিমতাঃ। কুলাখ্যাঃ পুলিক লনিক মুখরা স্তেভ্যঃ ফেষঙ। পুর্লিকস্যাস্ত্র্যপত্যং পৌনিক্যা মৌথর্ন্যা ইতি। ক্রোভ্যাদিদশানাং ফেল্চোপয়তাদি চতুর্নাং ক্ষস্য ষঙ। ক্রোড্স্যাপত্যং স্ত্রী ক্রোড্যা আপিশন্যা নাড্যা আপিক্ষিত্যা ভৌরিক্যা ভৌলিক্যা শাল্যাস্থাল্য। কাপিঠল্যাসোধানক্যাচৌপয়ত্যাবৈশ্বয়ত্যা ইত্যাদি ভোজম্যাপত্যং স্ত্রীভোজ্যা ক্ষত্রিয়া অন্যত্র ভোজ সুত্যযাপত্যং স্ত্রী-সুতা৷ যুবতী অন্যত্র স্থতী বা কচিদিতি দৈবৰজ্ঞি শৌচবৃক্ষিঃ সাত্যমুগ্ধিঃ কাঙে বিদ্ধি ইত্যেষাং বাষঙদৈবষজ্ঞা দৈবষজ্ঞী শৌচবৃক্ষ্যা শৌচবৃক্ষী সাত্যমুক্ষ্যা সাত্যমুক্ষী কাণ্ঠেবিদ্ধ্যা কাণ্ঠেবিদ্ধা। খান্যেতু পারিভাষিক গোত্রবিহিতয়োঃ क्षारकारत्व यह विधान अनलभा रेमवेनका है कि किमनारकार्श है कि चूत्वर विश्वासाएः। अवर यवना हत्वर देखि चूत्वर विश्वास किल्माती छत्ननी চিরন্টীত্যাদি উদাহরন্তি। কন্যা বালাবাৎসাহোডাপাকামল্লাবিতনা ইত্তেমাং अठतमनरसार्थवामी शिथारश अखारमी शारे हेजाए।।

# ২ন। উতোহযুদ্ভরজ্জ্বাদের্প্রাণিজাতেরপ্।

স্ত্রিয়ামুকারান্তামূজাতেরপ্রাণিজাতেশ্চ উপ্স্যাৎ নতু যুঙো রজ্জ্বাদেশ্চ। কুরুঃ কর্কর্ষ্ণ প্রাণিজাতেশ্ত থেনুঃ। যুঙ্ রজ্জ্বাদেশ্ত। অর্ধযুঃ রজ্জুঃ হনুঃ।

ন প্রাণী অপ্রাণী নাচ অপ্রাণীচেতি নুপ্রাণি নুপ্রাণি চ তৎ জাতিশ্চেতি নুপ্রাণিজাতিঃ ত্যায়। মতুষ্যজাতেরপ্রাণিজাতেশ্চ উকারাস্তাৎ ক্লিয়ামূপ্ স্যান্ত্র ষ্কারোঙো রজাদেশ্চেতার্থঃ। নূজাতেঃ কুরঃ এবং ব্রহ্মবন্ধুঃ। জাতিবাচকাৎ পরো বন্ধুশন্তঃ কুৎসায়াৎ বর্ত্তে) জপ্রানিজ্ঞাতেঃ কর্কদৃঃ জলাবুঃ। অধ্যুত্তিতাত্র চরণত্বেন জাতিবাৎ প্রাপ্তেটি যুঙ্বান্ধিবঃ। অধ্যুত্ত্বিদ্যানি বিদ্যানিজ্ঞাতিক ব্রাহ্মণী। রজাদিশ্য। রজ্জুঃ হসুঃ কঙ্কুঃ প্রিম্বন্ধুরিত্যাদি। প্রাণিজ্ঞাতেস্ত ধেসুঃ ক্কবাকুঃ ওতুরিত্যাদি।

য উঙ ষ্ম্য সং রজ্জুং আদির্যমা সং যুঙচ রজাদিশ্চ তৎ ন তৎ অযুঙ্রজাদি-স্তমাৎ পুংস্ত্রং সৌত্রজাৎ। নপ্রাণী অপ্রাণী নাচ অপ্রাণীচ তৎ তচ্চ তৎ জাতি-শ্চেতি তস্যাঃ। কুরবিতি কুরুশন্দঃ কুরুদেশস্থমস্থা জাতিবাচী। এবং ব্রহ্মবন্ধৃঃ গীবন্ধৃঃ এতৌশ্চম্যাঞ্জিৎ বাহ্মণজাতৌ বর্ত্তেতে তথা কারবিত্যাদি। কর্কন্ধৃরিতি কর্কন্ধু শঙ্গো বদরী জাতিবাচী এবং অলাবৃঃ ইর্বারবিত্যাদি। ধেসুরিতি নৃজিন্ন প্রাণিজাতিবাচকত্বাৎ ন স্যাৎ। এবং ক্কবাকুঃ ওতুরিত্যাদি। তথা অধ্যুত্র রিতি চরণবাচিত্রাৎ পারিভাষিক জ্বাতিবাচী। রজ্জুরিতি অপ্রাণি জাতিবাচী এবং হসুঃ তরু ঃ ৎসরঃ স্বায়ুঃ ইত্যাদি আকৃতিগণোহয়ং।

৩০। বাম লক্ষণ শফ সৃহ সহিত সংহিতোপমানাদুরোঃ।

#### বামোৰঃ রম্ভোৰঃ।

वीमण नक्षानण महण्ड महण्ड महिज्य मः हिज्यं हिज्यं हिज्यं विकास नक्षानं मक्ष महण्यहिज मः हिज्यं अण्डाः वोमानि मः हिज्यं जर जेशमान खिजा माहातः जमार वामानिजाः वज्ञाः जेशमान्। क शदा व छेत्रमम खमार छेश् मार खिन्नार। वासी वर्ष्यं अजीत्शी वाविज्ञमतः। वासी मृन्मद्रो छेत वमाः मा वास्मातः ववर नक्षात्वातः मस्मातः मस्हातः महित्जातः मः हित्जातः। छेश-मानाकु तस्य हेव छेत वमाः मा तस्यातः ववर कत्रकातः खस्यात्रिज्ञानि। वजाः किर वृस्वातः शीत्नातः।

বামশ্চ লক্ষণশ্চ শৃফশ্চ শহশ্চ সহিতৃশ্চ সংহিতশ্চ উপমানঞ্চ তত্তস্মাৎ। বামোরুরিতি বামো মনোহরাবুর যস্যাঃ সেতি বাক্যং বামাদীনামনোপম্যার্থং বচনং। সফল সম্ফলাভ্যামিত্যন্যে। রস্তোরুরিতি রস্তে ইব উর যস্যাঃ সা এবং করিকরোরুরিত্যাদি।

## ७১। जन्नादस्य ।

তনুঃ তনুঃ চঞ্চুঃ চঞ্চুঃ।

#### ইতি স্ত্রীত্যপাদঃ।

বাশব্দোহত্র ব্যবস্থাবাচী তেনেদং বিবৃণোমি। পঙ্গুশব্দাদূপিপঞ্চঃ এবং জন্মবাহারপি ভদ্রবাহূর্নাম কাচিং। এবং কক্র কমগুলুভাাং সংজ্ঞায়ামুপি কক্রঃ কমগুলুঃ এবং স্ত্রীবিশেষবাচিনো ভীরুশব্দাদূপি ভীরঃ। সম্বোধ্ মনে হে ভীরু। বিহর ময়া সহ ভীরু কাননানীতি বাল্মীকিঃ। এবঞ্চ স্বস্তুরফ্য পত্নীতার্থে উপ্ তুস্মিংশ্চ উকারস্য অন্তাকারস্যচ লোপে স্ক্রারিত্যাদি।

उत्रः चाि विमा मः जमार। जस्ति । जां । जमा निर्या जस्ति कृकू हो। ।
मृज् मजामन कर्ता । उत्राप्ति मार। जमा निर्या जस्म क्ष्रकृत क्ष्यकृत क्

# मुक्षरव्राधः वर्गाकत्रवम्।

### কারকম্।

# ऽ। नार्थमसूक्षाक्रार्थ श्री।

লেরর্থে সম্বোধনে তৈারুক্তার্থে কে সতি চ প্রী স্যাৎ। রুষ্ণঃ আঃ জ্ঞানং। হে বিষ্ণো। সর্কো২র্চ্চো জীবনঃ পাতা দানীয়ঃ প্রভবে। লয়ঃ।

मानि विलिश्वाना देव भागि निक्र भागि मा में श्री म् निक्र भागि विलिश्वा । व्याप्त विक्र भागि । व्याप्त विक्र भागि । व्याप्त व्याप्त विक्र श्री विक्र । व्याप्त विक्र श्री विक्र विक्

অতএব প্রকৃতার্থান্থিত স্বার্থবোধকত্বং প্রতায়ানামিতি প্রাঞ্চঃ। পুংস্তাদিক-মপি লিঙ্গার্থ এব ইতি জ্ঞাপয়য়াহ কৃষ্ণঃ খ্রীঃ জ্ঞানমিতি। নমু কৃষ্ণ ইতাত্র ক্রিয়ারহিতং বাকাং নাস্তীতি ন্যায়াৎ ভবত্যাদি ক্রিয়াধ্যাহারেণৈব উক্তার্থ-দ্বাৎ প্রথমাপ্রাপ্তে ন্যর্থগ্রহণং কথমিতি চেৎ সত্যং যত্র অসমাপক ক্রিয়াপদং কর্জাদিপদযুক্তং তত্ত্রৈব তশ্ন্যায়াৎ ভবত্যাদি ক্রিয়াখ্যাহারঃ। ষত্রতু কেবলো ক্লট শব্দঃ প্রযুজ্ঞাতে তত্ত্ব বাকাছাভাবাৎ তন্ন্যায়স্যাবসরোনাস্ত্রীতি বিস্তা-त्रस्त कात्रकरमस्य मृभाः। अदः अकामि मस्या यमा मः स्थायताही जमा घरोमिना সমানাধিকরণঃ স্যাৎ তত্র লিঙ্গার্থে প্রথমা ধ্যা একো ঘট ইত্যাদি। যদা তু সংখ্যা মাত্র বাচী তদা ঘটসৈাক ইত্যাদে। সম্বন্ধে বন্ধী। এবঞ্চ গ্রন্থাদিশন্দো यमा পরিমেয়বাচী তদা ব্রীহাদিনা সমানাধিকরণঃ স্যাৎ তত্র লিঙ্গার্থে প্রথমা ৰথা প্রস্তোবীহিরিত্যাদি। যদাতু পরিমাণ মাত্র বাচীতদা ব্রীহেঃ প্রস্তু ইত্যাদে সম্বন্ধে বন্ধীতি সম্প্রদায়ঃ। অন্যত্র ব্যাস্ক্রস্য কার্য্যান্তরে নিয়োজনার্থমাভি-মুখ্যবিধানং সমুদ্ধিঃ। হে বৃক্ষ হে লতে হে ফল ইত্যাদাবচেতনেভূপচারঃ। छेट्छा श्रेट बा बमा उद्युक्तार्थः कात्रकः। उद्यमास्त्रजि मर्ख रेजामि मर्खः निवः অর্চাতেহয়মিতি অর্চাঃ কর্মণি ঘাণি অত্র সূর্ব্ব ইতি কর্মোক্তং। জীব্যতেহনে-নেতি জীবনঃ করণেহনট্ অত্র সর্কাইতি করণমুক্তং। পাতীতি পাতা কর্ত্তরি ভূন্ অত্ৰ সৰ্ব্ব ইতি কৰ্ত্তোক্তঃ [ দীয়তেংলৈ ইতি দানীয়ঃ ক্দ্ধোঃ কভাব ইত্য-নেন সম্প্রদানেহনীয়ঃ অত্র সর্ব্ব ইতি সম্প্রদানমুক্তং । প্রতবত্যমাদিতি প্রভবঃ অপাদানেংন্ অত্র সর্ক ইত্যপাদীনমূকং। লীয়তেংমিদ্লিতি লয়ঃ অধিকরণেহন্ অত্র সর্ব্ব ইত্যধিকর মুক্তং। ত্যৈরক্তার্থে কে ইতি বহুবঁচন নির্দ্দেশাদনারপ্যুক্তার্থে প্রথমা। তথাচ বার্ত্তিকে তিঙ্কৃত্তদ্বিত নমাসৈরভি-हिट्ड विजीयानत्या न ज्वलीजि। जिंदोरिमार्यथा। त्रांत्मा वनः यदयी अत কর্ত্তোক্তঃ। রামেণ রাবণো **জ**ম্মে অত্র কর্ম্মোক্তং। কৃত্তিঃ স্বয়মুদাক্তং। তদ্ধিতৈৰ্যথা বাচাকৃতং বাচিকং অত্ৰ কৰ্ম্মোক্তং। তৰ্কং বেক্তাধীতেবা তাৰ্কিকঃ অত্র কর্ত্তোক্তঃ। সমাসৈ র্যথা। আরুটো বলেরো ষং স আরুট্রানরো বৃক্ষঃ। ছিলশ্ছাগো যেন স ছিল্লজাগঃ খড়নঃ। কৃতা পূজা যেন স কৃতপূজশ্ছাতঃ। দত্তা ভূমির্যমে স দত্তভূমি বিপ্রঃ। নির্গতাঃ পক্ষিণো যক্ষাৎ স নির্গতপক্ষী বৃক্ষঃ। সৃষ্ঠ তারা ষত্র তৎ সুতারমাকাশং। এবঞ্চ অসাম্প্রতমিতাব্যয়েনাপুক্তা-র্থতা যথা মনস্বিগহিতঃ পদাঃ সমারোচুমসাম্প্রতমিতি। বিষর্ক্ষোহপি সম্বর্দ্ধা ষয়ং ছেভুমদাপ্রতমিত্যাদৌ অদাপ্রতমিতি অর্জ ইতার্থঃ। তথাচ রুজে

দ্বে সাম্প্রতং স্থানে ইত্যমরঃ। এবঞ্চ ইতি শব্দেন্পুলুকার্থতা ষথা কৃষ্ণ ইত্যন্ব্যং নাম। কৃষ্ণেতি মঙ্গলং নাম ইত্যাদাবিতি শব্দদ্য বর্ণমান্ত্রাভিধায়কত্বেন উক্তার্থত্বেইপি বিভক্তাংপত্তি ন স্যাৎ ইতিশব্দেস্যেব বিভক্তি কার্য্যনারিদ্বাং পদার্থাবির্ভাবকত্বেতু স্যাদেব ষথা দশর্থ ইত্যাদাহতঃ ইত্যাদি। নমু উক্তার্থং কথং গৃহতে কর্মাদীনামুকার্থত্বে উক্তার্থানামপ্রয়োগ ইতি ন্যায়াৎ দিতীয়াদীনামপ্রাপ্তেটি লিঙ্গার্থমাপ্রিত্য প্রথমৈব ভবিষ্যতীতিচেৎ সতাং উদ্বর্ভাহি গ্রন্থঃ সমধিক্রফলমাচন্টে ইতি ন্যায়াৎ সম্বন্ধস্যাপ্যক্তার্থত্বে পীতমন্বরং যস্যাদেনি পীতাম্বরো হরিরিত্যাদেনি প্রথমা স্যাৎ। অন্যথা তৈয়ক্তার্থে কেইঙি বচনেন কার্কাদন্যস্য উক্তার্থন্বাসন্তবাৎ।

লেরর্থো ল্যর্থঃ উক্তশ্চাসাবর্থশ্চেতি সঃ ল্যর্থশ্চ সমুদ্ধিশ্চ উক্তার্থশ্চ তম্ভুমিন্ ল্যর্থোহি স্বার্থাদি পঞ্চাত্মকঃ কেষাঞ্চিত্মতে স্বার্থাদিত্র্যাত্মকঃ। যত্নজং। স্বার্থো দ্রব্যঞ্চ লিঙ্গঞ্চ সংখ্যা কর্মাদিরেবচ। জমী পঞ্চৈব লিঙ্গার্থা ক্রয়ঃ কেষাঞ্চিদগ্রিমা ইতি। তত্র স্বার্থো বিশেষণং দ্রব্যং বিশেষাং লিঙ্গং পুংজ্বাদি সংখ্যা এক-দ্বাদিঃ কর্মাদিঃ ঢাদিঃ। তথাহি গ্রোনিত্যা ইত্যত্র স্বরূপ বিশেষণদ্বাৎ স্বার্থঃ। শব্দোহর্ণ্ প্রতিপাদয়ন্ দীপবং গ্রুপমিপ প্রতিপাদয়তি জাতিঃ শক্যন্বাৎ দ্রবাং। এবং পটীয়ঃ শুক্লঃ নীলোঘটঃ পাচকেট্রিমক্রঃ দণ্ডী চৈত্র ইত্যাদে স্পাতি क्षनिक्या मन्द्रभाव श्रार्थ। विटमयनदार छन घर देमक देवकामत्यां क्रवानि विद्रमया-ত্বাৎ গৌঃ সুন্দর ইত্যাদৌতু শক্যাশ্রয়তয়া ব্যক্তিরেব দ্রবাৎ জ্ঞাতিস্ত স্বার্থ ইতি ষদ্যপি প্রয়োজন নির্বাহকারিতয়া বাজেয়ো জাতের্ভিয়াএব তথাপি তাএব ব্যক্তয়ন্তিরোঁহিততেদা জাতিরচ্চতে । যতুক্তং। অর্থ ক্রিয়াকারিতয়া ভিন্না ব্যক্তর এবচ। তাএব ব্যক্তরস্তাক্তভেদা জাতিরদাহতা ইতি। ধর্মধর্দ্মণোর-ভেদবাদিমতেনেদং। নচ লিঙ্গং ত্যার্থঃ কৃষণঃ শ্রীঃ জ্ঞানমিত্যাদে। একয়েব সিবিভক্ত্যা বিশেষবিধানা মুপ্পত্তেঃ। নাপি সংখ্যা ত্যার্থঃ একো ছে ত্রয় ইতাাদে লার্থতা কম্পনাৎ স্যাদিবিধানন্ত সাধুত্বার্থং। পরেতু প্রকৃতিপ্রতামৌ প্রকৃত্যর্থবিশিষ্টং প্রতায়ার্থং সহক্রত ইত্যুক্তে স্ত্যার্থমপ্যান্থঃ। এবং ঢাদিরপি। অসাতু স্বার্থাদিচতুর্থর্থেষু বিষয়ঃ। ঢাদিষু বিশেষবিধানাৎ ষত্নজং একএকক ইতানো ধাবিতানো ত্রয়োহপরে। চতুক্ষঃ পঞ্চকঃকেচিৎ চতুক্ষে স্ত্রমূচাতে। একমতে দথি পশ্যতীত্যাদে চম্পক কুসুম সুবাসিত বসনাদিবৎ ক্তিঞ্জনিত সং-স্কার বিশেষাদেব সংখ্যাকর্মাদ্যবগমঃ। আঢ়কো ব্রীহিঃ প্রস্থো ব্রীহিরিত্যাদে

লক্ষণরা পরিমেরো ত্রীহিঃ দ্ধব্যং। পরিমাণক্ত স্বার্থ ইতি ডক্ষাক্ষক্তি লক্ষণা-ন্যতর সম্বন্ধেদ জ্বেয় মাত্রং বস্তু লার্থ ইতি যাবং। সম্বোধন ইতি স্থিতস্যাভি-मूर्यार्शियानर् अत नार्याजिहिकचार गार आश्वामार वहनर यथा एर विरक्षा হে বিষ্ণূ হে বিষ্ণবঃ ভো বৃক্ষ ভৌ বৃক্ষো ভো বৃক্ষা ইত্যাদি। ত্যৈরিতি অস্যোপ-লক্ষণত্বাৎ পীতাপরঃ জ্ঞাতরামঃ বিষবৃক্ষোহপি সংবর্দ্ধা প্রয়ং ছেন্তমসাম্প্রতং। मनिवार्श्वः शृष्टाः ममारताषूममाञ्चा मिलार्षा मगालामूरकश्रि श्री। কে নতীতি কমিহ ক্রিয়ানিমিস্তভূতং থাছং তেন মৃত্রভূরতে ইতাত্র মৃত্রনো নোক্তাৰ্থতা ইদমপ্যুপলক্ষণ তেন শিবো দেবতা অস্য শৈব ইত্যাদৌ ষ্যৰ্থস্যো-জত্বাৎ কোরামঃ কা দীতা ইদং জ্ঞানমিত্যাদে উক্তত্বাভাবেহপি ল্যর্থে খ্রী। ষেত্ সর্ব্বং হি বাক্যং ক্রিয়য়া পরিসমাপ্যতে ইতি ন্যায়াদস্তীত্যাদ্যধ্যাহরন্তি তন্মতে লার্থগ্রহণং কৃষ্ণঃ শ্রীঃজ্ঞানমিত্যাদে লার্থমাত্র প্রতীত্যাংপ্রীবিধানার্থং ক্রিয়াখ্যাহারদ্য বক্তৃতাৎপর্য্যাত্মরোধাৎ। অক্তোক্তার্থে পৃথক্ প্রীনিধানাৎ দ্যাদীনামমুক্ত এব বিষয়ঃ। তৈয়কুকানাং ক্রমেণ উদাহরণং সর্ক ইত্যাদি সর্ক্ ইত্যাস্য ষট্স্বরয়ঃ। সর্ব্বোহর্জ্যতে অর্ক্তথোর্তে ঘ্যাণ সর্ব্বেণ জ্ঞীব্যতে জ্ঞীবধো-র্ধেহনট্ সর্বাঃ পাতি পাথোর্ঘে ভূন্ সর্বায় দীয়তে দাথোর্ভেহনীয়ঃ। অন্য-ত্রাপি প্রয়োগত ইত্যুক্তেঃ। সর্বাৎ প্রভাতি প্রপূর্দ ভূগোর্জেংন্ সর্কো नीयरा नीर्धार्ष्श्न।

२.। কর্মাক্রিয়াবিশেষণাভিনিবিশাধিশী ওস্থাসম্বর্গুপাবসডং ঢং দ্বী।

কার্যাং ক্রিয়াবিশেষণমভিনিবিশাদের্ডঞ্চ চসংজ্ঞং স্যাৎ তক্র চ দ্বী। রামং নমতি সানন্দং ধর্মানভিনিবিশ্য সন্। শ্রীশোহধিশেতে হহিমধিষ্ঠিতোহিক্রমধ্যাস্য ঘোষং মথরামন্থ্য। যো দ্বারকামধ্য-বিতো বিকুপ্তমুপাবসচাবসতাৎ স হৃত্যঃ।

যৎ ক্রিয়তে তৎ কর্মেতি প্রসিদ্ধং। করোতের্নিখিলক্রিয়াবাচকদ্বাৎ কর্ত্ত্র্ব্যাপারৈর্বৎ সাধ্যতে তৎ কর্মেতার্থঃ। অতএব ক্রিয়াব্যাপ্যং কর্মেতি ক্রমদীশ্বরঃ। তচ্চ কর্ম ত্রিবিধং। নির্বর্ত্তাং বিকার্য্যং প্রাপ্যঞ্চেতি নির্বর্ত্তাত উৎপাদ্যতে যন্ত্রম্বির্ত্তাং অজ্ঞাতস্যোৎপাদনা যথা ঘটং করোতি ইত্যাদি। বিক্রিয়তে বিদ্যমানং বস্তু অবস্থান্তরং নীয়ত ইতি বিকার্যং। তচ্চ দিবিধং

প্রকৃতেরুচ্ছেদকং প্রকৃতের্গ্ডনান্তরাধায়কঞ্চেতি। ,আদ্যং যথা কাঠং ভদ্ম-করোতীত্যাদি অন্ত্যং যথা সূবর্ণং কুগুলং করোতীত্যাদি। বথাচোক্তং । यममञ्जाग्रत्छ পূর্বাং জন্মনা ষৎ প্রকাশতে। তুর্নির্বর্ত্তাং বিকার্যাঞ্চ কর্মা দ্বেধা বাবস্থিতং। প্রকৃত্যুচ্ছেদসম্ভূতং বিকার্যাৎ কাঠ ভস্মবৎ অন্যাল্যুণাস্তরোৎ-পক্তা। সুবর্ণাদি বিকারবদিতি। নির্বর্তাবিকার্যাভ্যামন্যৎ প্রাপ্যং। যথা গ্রামং গছতি চন্দ্রং পশ্যতি ইত্যাদি। অনীপ্দিতমিতি চতুর্বং কর্ম্মেতি ক্রমদীশরঃ। যথা পাপং তান্ধতি ধার্মিকঃ। ক্রিয়ায়া বিশেষণং ক্রিয়াবিশে-ক্রিয়া ধার্ত্বঃ তস্যচ শব্দবাভাবাৎ লিক্সণ্জ্ঞাভাবঃ পুংলিকাদি কার্য্যং সংখ্যাচ ন স্প্রবত্যের। ততক্ষ তদিশেষণদ্য নিঙ্গুদ্যাপি নিঙ্গুদংখ্য-রোনিয়মাভাবে সামান্যবান্ধপুংসকত্বং প্রথমোপ্তিত পরিত্যাগে প্রমাণা-ভাবালৈকবচনান্তত্বং। তেন কবয়ঃ ল্লোকং সাধু পঠন্তি কবিনা ল্লোকাঃ সাধু পঠান্তে ইত্যাদে কর্ত্তুঃ কর্মণোবা বহুত্বেহপি ক্রিয়াবিশেষণস্য একস্বমের। কিঞ্চ পৃথগ্ৰূপ ক্রিয়ায়। বিশেষণদ্য কর্ম্মনাদিকং নন্সাদিতি ক্রমদীশ্বরঃ। তেন সাধুঃ পাকঃ সাধু পাকে সাধবঃ পাকাঃ। কৃষিহিতোভাবো দ্বাবৎ প্রকাশত ইতি ন্যায়েন দ্রবাছাতিদেশাৎ পাক্সা পৃথঞ্পত্মিতি গোয়ীচন্দ্রঃ। ক্রিয়া-विटमयनमा कर्म्मद्रवश्रे अकर्मक श्लाजूनामक्रम्मकेष्रदम्य। उन भिश्वना माधू সুপ্যতে ইতি ভাবপ্রতায়ঃ। শিশুঃ সাধু সুপ্তঃ ইতি কর্ত্তরি ক্তঃ। মাতা শিশুং সাধু স্বাপয়ত্বীত্যালে অঞান্তকজুৰ্ব্ব কর্মান্তং। কর্মসংজ্ঞা ফলন্ত স্তোকং বিভে-তীতি স্বোকভীঃ স্তোকভাগ। মন্দং সুনাতীতি মন্দত্ঃ মন্দম্মে मज्जृद्धः हेजारिन कर्मकातकानिषाए क्यामारनकाठ हेजि यदते। ष्रदर्भिः অভিনিঃ স্কৃতিনের্বিশঃ অভিনিবিশৃঃ শীঙশ্চ স্থাশ্চ আসচ শীঙ্স্থাসঃ অধেঃ শীঙস্থাসঃ অধিশীঙ্স্থাসঃ অসুশ্চ অধিশ্চ উপশ্চ আঙ্চ অমুধাপাঃ তেভাোবসঃ অন্বধ্যুপাবসঃ ৷ অভিনিবিশশ্চ অধিশীঙস্থাসচ অম্বধ্যুপাবসচেতি তেষাং ভং অভিনিবিশাধি শীওস্থাসম্বধ্যুপাবস ডং। পশ্চাৎ কর্মচ ক্রিয়াবিশেষণঞ্চেতি সমাহারঃ। রামং নমতীত্যাদি। সন্ সাধুর্মমানভিনিবিশ্য সানন্দং যথা-স্যান্তথারামং নমতীতাম্বরঃ। রাম ইতি নমনক্রিয়াব্যাপাং কর্ম সানন্দ-মিতি ক্রিয়াবিশেষণৎ ক্রিয়ায়াভেদাভাবে সত্যেব বিশেষণং স্যাদিতি জ্ঞাপ-য়ন্নাহ সানন্দমিতি। মহ আনন্দেন বৰ্ত্ততে যতৎ সানন্দং আনন্দমহিতা-ভিয়ো ননস্কার ইত্যর্থঃ। এবং মন্দং পচতীতাত্র মন্দ্রাভিন্নঃ পাকঃ শীন্তৎ গছতীতাত্ত্র শীব্রাভিন্নং গমনমিতার্থঃ। অভেদ ইতি কিং জানন্দস্য বিশে-

ষণত্বং ন স্যাৎ আনন্দঃ সুখং নমস্কারঃ করশিরঃসংযোগাদিঃ এতয়োর-ভেদাৎ। ধর্মানিতি অভিনিবিশতেরধিকরণস্য কর্মত্বং। শ্রীশঃ ইত্যাদি। यः ঞীশঃ অকিমধিষ্টিতঃ সন্ অহিমধিশেতে ঘোষং অধ্যাস্য মপুরাং অনুষ্য দারকামধ্যাষিতঃ বিকুপ্তঞ্চ উপাবসৎ স নোহস্মাকং হৃৎ হৃদয়ৎ আবস-ড়াদিত্যমুমঃ। অহিমিতি অধিশীঙোহধিকরণং। অন্ধিমিতি অধিতিঠতেরধি-করণং। ঘোষমিতি অধ্যাত্তেরধিকরণং। মণুরামিতি অসুবসতেরধিকরণং দারকামিতি অধিবসতেরধিকরণং বিকুণ্ঠমিত্যুপবসতেরধিকরণং হৃৎ ইতি আবসতেরধিকরণং সর্বাত্র কর্মন্বে)দিতীয়া। আরসতাদিতি তুপঃ স্থানে তাৎঙ। এষামধিকরণস্য কর্মত্বাৎ সকর্মকত্বে কর্মণিপ্রত্যয়োহপি । যথা মঞ্জলে মঞ্জা-কারো রেখা বাজিময়ী জবে। সব্যাপসব্যে দ্বিমুখো নকুলাধিষ্টিতো হয় ইতি। বনৈরধ্যষিতান্তস্য বিজিগীযোর্গতাধনঃ। হারীতোৎস্ট মারীচা মলয়াদ্রেরুপ-ত্যকা ইতি রঘুঃ। অত্র গৃহে অধিষ্ঠানং কল্যাণেহভিনিবিশঃ। যদ্মিন্ যদ্মিন-ভিনিবিশতে ইত্যাদ্যপি দৃশ্যতে ইভি জোমরাঃ। স্বহন্ত মুনিমাসনে মুনিশ্চিরন্তনন্তাবদভিন্যবীবিশদিতি মাঘঃ। ইত্যাদিকল্ক আতিদেশিকমনিত্য-মিতি ন্যায়াৎ সমাধানীয়ং। এবঞ্চ উপপূর্ববসতেরভোজনার্থন্য ন স্যাৎ। তেন তীর্থে উপবদতে উপবাসং করোতীক্লর্থঃ। অভোজনার্থদ্য কিং তীর্থ-মুপবসতি তীর্থে নিবসতীক্তর্থঃ। একাদশীমুপবসন্তি নিরমূভক্ষা ইতি। এক-্রাত্রমুপোধ্যৈব ইত্যাদিচ সদাধাদি ব্যাপ্তাবিত্যনেন কার্নসূত্র কর্মত্বং। অধিশীঙস্থাসামকর্মকানাঁমেব গ্রহণং। তেন বনে রাজানমধিতিঠতি অপে-ক্ষতে ইতার্থঃ। গতার্থাঢ় শীতি সূত্রে জ্লনজু ইতি দয়োর্গ্রহণং জ্ঞাপকাং ব্যস্ত্র-পূর্ব্বিয়োরেতয়োঃ প্রয়োগে ষস্য পশ্চাৎ জ্বনত্থ ষস্য পশ্চাৎ জ্বরণঞ্চ তস্য কর্মান্তং স্যাদিতি বোধ্যং। তেন রামমসুজ্ঞাতোহচ্যুতঃ বিশ্বমসুজ্ঞীর্ণোহনস্ত ইতি স্বয়ং বক্ষাতি। অসৌ কুমারস্তমজোমুজ্ঞাত ইতি রঘুঃ।

ক্রিয়ায়াঃ বিশেষণং ক্রিয়াবিশেষণং নের্বিশঃ নিবিশঃ অভেনিবিশঃ অভিনিবিশঃ অভিনিবিশঃ অভিনিবিশঃ অভিনিবিশঃ অভিনিবিশা অধিশী ও স্থাস্চ অম্ব্যুপাব্দশত তৎ তস্য ডং তৎ কর্ম্মচ ক্রিয়াবিশেষণঞ্চ অভিনিবিশাধি শীঙ স্থাসম্ব্যুপাব্দভঞ্চ তৎ। বৎ ক্রিয়তে কর্ত্তুঃ ক্রিয়য়া বদ্বাপাতে তৎকর্ম তন্ত্রিবিং নির্কিত্তং বিকার্যাং প্রাপ্যথেতি তক্র কর্ত্তঃ ক্রিয়য়া বদ্যাগংপাদঃ প্রকাশোবা তম্বির্কিত্যং যথা কৃতং করোতি

পুত্রং প্রস্থাতে ইতাদি। কর্ত্তুঃ ক্রিয়য়া যস্যাঃ প্রকৃতেরসুচ্ছেদেনোচ্ছেদেন বা অবস্থান্তরাপত্তিত্তবিকার্যাৎ মথা বস্ত্রং রক্ষতি কাঠং দহতীভাদি। কর্ত্তঃ ক্রিয়য়া কৃতবিশেষসিদ্ধিদর্শনেনাসুমানেন বা বকুন জ্ঞায়তে তংপ্রাপ্যং বথা বেদমধীতে স্বর্যাৎপশাতি ইত্যাদি। কাঠং ভদ্ম করোতি সুবর্নৎ কুগুলং করোতি ইত্যাদে কাঠসুবর্ণে বিকার্ব্যে জন্ম কুগুলে নির্বর্ত্ত্যে। যত্নজং । যদসঙ্জায়তে পূর্বাং জন্মনা যৎ প্রকাশতে। তরিবর্ত্তাং বিকার্য্যঞ্চ কর্মা ষেধা ব্যবস্থিতং। প্রকৃত্যুচ্ছেদ্সস্তৃতং কিঞ্চিৎ কাঠাদিভস্মকৎ। কিঞ্চিৎ গুণাস্তরোৎপত্তা। সুবর্ণাদি বিকারবং। ক্রিয়াকৃতবিশেষাথাং সিদ্ধির্যত্র ন বিদ্যতে। দর্শনাদসুমানাদা তৎ প্রাপামিহ রুথাতে। পরেত্বনীপ্সিতমপি কর্মান্তরং। তদ্বিধং প্রতিকূল-নপ্রতিকূলঞ। যথা ওদনং বুভুক্ষুবিষং ভক্ষরতি গ্রামং গ্রুষ্ বৃক্ষমূলমুপ-সর্পতি ইত্যাহঃ। তদসামতে নির্বস্তাবিকাধ্যাভিন্নং প্রাপ্যমিতি লকণেন . প্রাপ্যান্তর্ভুতমিতি। চৈত্রো গ্রামং গচ্ছতীত্যাদৌ উত্তরদেশসংযোগানচ্ছিন্ন-গতিক্রিয়াব্যাপ্যত্বাৎ থামস্য চত্ত্র বির্ক্তং তাঙ্গতীত্যাদে পূর্বেদেশবিভাগা-বচ্ছিন্নত্যাগক্রিয়াব্যাপাত্বাৎ বৃক্ষণ্য চত্ত্ব । অতএব গমিতাজোনৈকপর্যায়তা ইতি। মৃথং গছতি পাপং তাজতীত্যাদৌ গৌণগতিত্যাগক্রিয়ান্যাপ্যবাৎ সুখপাপরয়াট'ছং। এবং পুষ্পমাকর্মতি ভ্রমরান্ ইত্যাদৌ লক্ষণয়া কর্ভ্তঃ ক্রিয়া-ব্যাপাত্বাৎ ভ্রমরাণাং তত্ত্ব। বলিবৃশ্ধমাচটে বলিং বন্ধয়তি কংস্বর্পমাচটে কং সং ঘাত্য়তি ইত্যাদে বন্ধবধাখ্যানকর্জুঃ ক্রিয়ান্যাপ্যো ৰলিকং দৌ অনু-বন্ধসা তল্পিবন্ধনত্বাৎ। ক্রিয়া ধর্থঃ তদ্বিশেষণসা একত্বং নপুংসকত্বংচ क्तिकाश विकामः शाविनिम् किषार। ,गांधुः शाकः गांधु शाटको माधनः शांकाः ইত্যাদে কুদিহিতো ভাবো দ্রবাবৎ, প্রকাশতে ইত্যুক্তেঃ পুংস্তৈকজ্বিদ্ধাদয়ঃ मुरदाव। एषा जित्मां कृ मृद्र नग्ने जैंजि मृद्रनीत्सी मृद्रत्नी हे जारे में करामा-নেকাচ ইতি যঃ। রামমিত্যাদি। ধর্মানভিনিবিশ্য সানন্দং যথা স্যাপ্তথা রামং নমতীতাল্বরঃ। সন্ধীরঃ ধর্মাধেয়াতীতাভিনিবেশোরররমেবিধরক সানন্দাভিন্ননত্যাশ্রয়ঃ ইত্যর্থঃ। শ্রীশো ঘোষমগ্রাস্য পশ্চান্মথুরাসভূষ্য অকি মধিষ্টিতঃ সন্ অহিমধিশেতে। যশ্চ ছারকামধ্যুষিতঃ সন্ বিকুপ্তমুপাবসং স নোহস্মাকং হৃদয়মাবসতাদিতামৃয়ঃ। কলাাণেহভিনিবেশঃ পাপেহভিনিবেশঃ ষা যা সংজ্ঞা যিমানভিনিবিশতে গ্বয়ভিনিবিষ্টমনসঃ অক্রাধিগ্রানং কুরু গৃতে হধিষ্ঠানমিত্তাদৌতু কচিদপ্রাদ্বিষয়েহপ্যুৎসর্গোহভিনিবিশতে ইতি ভাগা। ভমেব। তীর্থে উপবসতি গ্রামে উপবসতি ইন্তাদৌতু অপ্রযুক্তস্য বসন্ধিন্তাস ডং। তথাচ তীর্বে গ্রামে বা বসন্ সন্ ত্রিরাত্রনেকরাত্রং বা উপবসতীক্তর্থঃ

ষত্তকং বসতাব এমুক্তে হপি দেশোহধিকরণং মতং। অপ্রযুক্তং তিরাত্রাদি কর্মচোপবসঃ স্মৃতমিতি ভাষ্যং। একেতু অনশনার্থস্যোপবসতেরিহ ন গ্রহণমিত্যাহা। ভঁমতে একাদশীমূপবসন্তি নিরমুভক্ষাঃ। উপোষ্য রক্ষনীমেকামিত্যাদৌ সদাধাদিনা চং। এতেষাং চন্দবিধানাৎ ধর্মা অভিনিবিশ্যন্তে প্রীশেশশাহিরধিশ্যাতে ইত্যাদৌ চে তাঃ। রণে রাজ্ঞানমধিতি ঠতীত্যাদৌ ন স্যাৎ এধামচানামেব গ্রহণাৎ রণে রাজ্ঞানমপেকতে ইত্যর্থঃ।

## ৩। দেশাধ্বকালভাবং বাঁট্ডঃ।

অতৈর্পুভির্যোগে এতে চসংজ্ঞা বা স্কাঃ। নদীর্বনেষু চোধিছা কোশান্নলেম্বহর্নিশি। চংক্রমিছা প্রিয়ানীতিং বামো বক্ষোবর্থে স্থিতঃ।

(ममण्ड अक्षांठ कालण्ड जीतरण्डि ममाशांतः। (मणः श्वरारेककरमणः नमी বন পর্ব্বতাদিঃ। অধা অধপরিমাণং যথা কি সুর্হত্তে বিতক্তে চ নল্লঃ কি স্কু চতুঃ-শতং। চতুর্হস্তোধকুস্তম্য মহস্রং ক্রোশ উচ্যতে। ক্রোশদয়ন্ত গব্যতিস্তদ্যং বোজনংবিছরিতি। কালঃ কণ দশুমুহূর্ত্ত প্রছর দিন রাত্তি পক্ষ মাস বৎসরাদিঃ। ভাবো ধাত্বর্গঃ। নাস্তি ঢংকর্ম ধেষাংতে জঢ়াঃ তৈঃ। অকর্মকসংগ্রইস্ত ন্যাদি-ঞান্তাতগতার্থা ইতাত্র দৃশাঃ। নদীরিতাাদি। রামোনদীর্বনেষুচ উষিত্বা অহঃ কোশান্চং ক্ৰমিত্বা নিশি নল্লেষু চংক্ৰমিত্বা প্ৰিয়ানীতিং প্ৰিয়ায়া আনয়ন-ক্রিয়ায়াৎ রক্ষোবধেচ স্থিত ইতার্য়ঃ নদীরিতি নদ্যাৎ বদতেরসম্ভবম্মদী-শব্দেন লক্ষণয়া নদীতীরমূচ্যতে। উষিত্বেতি বসৈঔ নিবাসে জ্বান্ত্ তদ্বোগা-ন্ধদীরিতি কর্মত্বং পক্ষে বনেষু ইতি কালভাবাধারমিতি সপ্তমী। চংক্রমি-(र्षं जि वक्तर कामजी जि यह जजा का विकास नार्य भान कर्म कर प्र जिल्ला जात ক্রোশানিতি অহরিতিচ কর্মত্বং পক্ষে নল্লেম্বিতি নিশীতিচ সপ্তমী। স্থিত ইতি স্থাধাতোঃ কর্ত্তরি ক্তঃ তদেয়াগাৎ প্রিয়ানীতিমিতি কর্মাত্বং পক্ষে রক্ষো-বধে ইতি সপ্তমী। অত্র বাশক্ষস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাদকৃশ্মকৈর্যোগে ব্যাপ্তে গম্য-মানায়াং অভিব্যাপ্য ইত্যাদি ক্রিয়াগুরুস্য অধ্যাহারাভাবে সতি দেশাদিভ্যো দ্বিতীয়া স্যান্নতু তেষাং কর্মন্বমিতি। কাশীং বসতি ক্রোশং স্বপিতি মাস-মান্তে ওদনপাকং স্বপিতি। ভাবে প্রতায়েতু কাশীমুষ্যতে ক্রোশং মুপ্যতে মাসমাস্যতে ওদনপাকং মুপাতে। অভিব্যাপা ইত্যাদেরধ্যাহারেতু কর্মণি প্রত্যয়ে কুতে কাশী উষ্যতে ক্রোশঃ সুপ্যতে মাদ স্বাদ্যতে ওদনপাকঃ সুপ্যতে

ক্রোশং কুটলা নদীত্যাদিকস্ক ভবতে র্গম্যমানত্বাৎ। অটেঃ কিং দিনে গ্রস্থং পঠতি রাত্রাবোদনং পচতি।

দেশত অধাচ কালত ভাবত তৎ। নাস্তি ঢং যেষাং তে তৈঃ। দেশো নদী ভূধর কন্দরাদিরধাধ মানং কর্ষোঞ্চনাদিঃ। কালো মুহূর্ত্তায়ন বৎসরাদিভাৰ স্তদর্থত্যপরো বধাদিঃ। করো হস্তমানং। নদীরিত্যাদি। নদীর্বনেষ্ঠ উষিত্বা বাসং কৃষা কোশারুলেযুচ অহনিশি চংজ্ঞমিত্বা ইতন্ততঃ ভ্রমণং কৃষা রামঃ প্রিয়ানীতিং দীতায়া আনমনবিষয়ে রক্ষোবধে রক্ষদাং বধবিষয়ে স্থিতোহ-তিৡদিতার্থঃ ব্রং কুরন্ স্বপিতি কিয়ন্তমধানং তিইতি মাসং স্বপিতি প্রীতিং বসতি পক্ষে কুরুষু স্বপিতীত্যাদি। চত্ববিধানাৎ নদ্যঃউষ্যস্তে ক্রোশা-শৃৎক্রমান্তে মাসঃ সৃপ্তঃ কুরুণাং সৃপ্তঃ ইত্যাদি স্যাৎ। বিকম্পপক্ষেতু নদীযু উষ্যতে জনৈরিত্যাদি। অতা ধবঃ সন্তাদ্যর্থেষু বর্ত্তমানাঃ। তথাচ সন্তানিবা-गामन मिक्ति वृक्ति क्लीज़ा क्रिकि गान्तन, स्रोवतनयू। नृजा स्थिजि क्रांम विद्नाव লজ্জাস্পর্দ্ধা মৃতি ক্রন্দন ভাষণেষু। শুদ্ধো জ্বয়ে জাগরণে প্রকম্পে স্বপ্ন ক্ষয়ে। দেগ মদেষু দ্বৰ্গতো। হত্তে হদে নাদ কুতো ধাবোহতা তল্যাবিবক্ষাবশতঃ সঢাল্চ। তথাচ ভাগুরিঃ ধাতোরপান্তরে বৃত্তে ধাত্বর্থনোপদং গ্রহাৎ। প্রদিদ্ধেরবিব-ক্ষাতঃ কর্মনোহকর্মিকাঃ ক্রিয়া ইতি। কেচিৎ সটেরপি রাজিনোদনং পচতি রাত্রিরোদন্থ পালতে। পক্ষে রাত্রাবেদিনং পাঁচতীত্যাদিকমিষ্যতে ইত্যাহঃ। ইদং নিতামিতানো।

### १। मनाध्वानिवारियो मटेर्कः मिएक जु ४१।

সর্বৈর্ধ ভির্বোগেইতান্ত সংযোগেই ধ্বাদিয়ে। নিতাং চসংজ্ঞাঃ স্থাঃ অর্থসিদ্ধৌ তু ধসংজ্ঞাঃ। ভূতিয়ঃ ক্লফোইন্বিতঃ ক্রোশং মাসৌ গুরু-গৃহে স্থিতঃ। গুরুপদেশং নিভ্তো মাভ্যামধ্যৈষ্ঠ বাধায়ং।

অধীদিগ্রহণং দেশনিবৃদ্ধার্থং। সর্বৈঃ সকর্দ্মকৈরকর্দ্মকৈশ্চ যোগেহতান্ত-সংযোগে ক্রিয়াণামধাদো বিচ্ছেদাভাবে গদ্যমানেহধকালভাবান্ধিতাং কর্ম-সংজ্ঞাঃ স্যুঃ অর্থসিদ্ধোতু পাঠাদীনাং প্রয়োজনস্য জ্ঞানাদেঃ সিদ্ধো সত্যান্ত করণসংজ্ঞাঃ স্যুরিতার্থঃ। ভূতাৈরিত্যাদি। কৃষ্ণঃ ক্রোশং ব্যাপ্য ভূতাৈরদ্বিতঃ সন্ মাসো ব্যাপ্য গুরুগৃহে স্থিতঃ সন্ গুরুপদেশং নিভৃতঃ সন্
সাভ্যাং বাঙ্ময়ং সক্ষং শাস্ত্রমধ্যৈষ্ট ইতাদ্বয়ঃ। অন্বিত ইতি অনুপূর্বে ইন্-

গতে কর্মণি ক্তঃ অন্তিঃ পশ্চাৎ গত ইতার্থঃ। পশ্চাদামনস্য ক্রোশে বিচ্ছেদ্রাভাবাৎ ক্রোশসা কর্মন্ত্রং। অগ্রিত ইতি কর্মণি ক্তে মুখ্যকর্মণঃ কৃষ্ণসৈর উক্তর্যং নম্বাতিদেশিকত্বেন গৌণসা ক্রোশসা। এবং মাসাবধীতে রাক্রিন্ধীতে। কর্মণি প্রত্যয়েতু মাসাবধীতো রাক্রিরধীতা। অত্র মুখ্যকর্ম্মপ্রয়োগেতু মাসোবধীতো রাক্রিরধীতা। অত্র মুখ্যকর্মপ্রয়োগেতু মাসো তর্কোহধীতঃ রাক্রিং মৃতিরধীতা। এবং স্থিতিক্রিয়ায়া মাসয়োবিচ্ছেদাভাবাৎ কর্মন্ত্রং। নিভূত ইতি নিপূর্ব্ব ভূঞ্বারণ পোষণয়োঃ অনেকার্থাহি বাতবঃ ইতি নাায়াদয়য়ত্র যয়ার্থঃ। অকর্মন্ত্রাই কর্তির ক্তঃ নিভূতঃ কৃত্যয় ইতার্থঃ। যতনক্রিয়ায়া গুরুপদেশে বিষয়ে বিচ্ছেদাভাবান্তমা কর্মন্তং অধার্য ইতি ইঞ্জ অধারনে তন বিভক্তিঃ অধারন ক্রিয়ায়া মাসয়োবিচ্ছেদাভাবেহপি অধ্যয়নপ্রয়োজনসা জ্ঞানসা সিদ্ধান্থ মাসয়োর্য করণম্বে সাধনহেতুবিশেষণেত্যাদিনাভূতীয়া। প্রয়োজনসিচ্ছেরনাক্র মাসেরিছে বিধরিতি জ্ঞোমরাঃ। একাদশ্যাং ন ভুঞ্জীত পক্ষয়োরভয়োরপীত্যাদিকক্ত পূর্বস্থিতীয় বাশক্ষম ব্যবস্থ্যা সমাধেয়ং।

অধাদিৰ্যস্য তৎ। দেশ নিবৃত্তাৰ্থসধাদি ইতি উক্তং।ব্যাপ্তিঃ দাকলোনা-ভিদম্বন্ধোহবিচ্ছেদ ইতি যাবৎ তিত্র অর্থসাসিদ্ধিরর্থসিদ্ধিঃ কলপ্রার্থ্ধে ক্রিয়া পরিত্যাগস্তক্র সর্বৈরিতি,অভ স্টেরিতার্থঃ। ভূত্যৈরিত্যাধি। কৃষ্ণঃ বাঙ্ময়ৎ শাস্ত্রণভাগে মাসাভাগে অধৈই জাতবান ইতাময়ঃ। কৃষণ কীদৃশঃ ভূত্যৈঃ ক্রোশমন্তিঃ ক্রোশপরিমিতাধানং ব্যাপ্যাবিচ্ছেদেনামুগত ইতার্থঃ। পুনঃ ক্ৰীলৃশঃ মাসৌ গুরুপুতে স্থিতঃ মাদধয়ং বাপ্যাবিচ্ছেদেন স্থিত ইত্যর্থঃ। পুনঃ কীদৃশঃ গুরুপদেশং নিভ্তঃ গুরুবচনেহতাস্তাসক্ত ইতার্থঃ। ক্রোশমিতি গৌণ চত্ত্বল নোক্তং ন্যাদিঞান্তাচ়গতার্থা মুখ্যে চে চত্ত্বমাপুখুরিত্যুক্তিঃ। মাভ্যা-মিতি ধনংজ্ঞাফলসিদ্ধরাৎ। অন্তর্ভুতক্রিয়ান্তরেণৈর চর্মিতি ভাষ্যে অন্তর্ভুত ক্রিয়ান্তরেণৈবেত্যনেন ব্যাপ্তার্থমসুকর্ষতি বছক্তং কাণভাবাধদেশানামন্ত-ভূত ক্রিয়ান্তরৈঃ। সর্বৈরকর্মকৈর্বোণে কর্মত্ব মুপজায়তে ইতি। চত্ববিধানাৎ মাসঃ সুপ্যতে মামো সুপ্যেতে মাসাঃ সুপান্তে ইত্যাদে মুখ্যঢাভাবাৎ গৌৰে চে তাঃ। কৈচিদ্দীং বিদধতি তন্মতে মাসঃসৃপ্ত ইত্যাদাবব্যাপ্তিঃ। কশ্চিৎ মুখ্য-চাভাবেহচন্বাদ্ভাবে তা ইতি তন্মতে মাসং সুপ্যতে ক্রোশংসুপ্যতেহনেনেতি। একাদশ্যাৎ ন ভুঞ্জীত ইতিভু বাশন্দ্যা ব্যবস্থা পূর্বেবলৈব বিকপাঃ। अस জন্ম বদত:হণিতাত্ৰ কালাবছেদিকায়াং ক্ৰিয়ায়াং আদাকণাবছিন্ন ক্ৰিয়ায়।

উৎপত্তিপদার্থত্বন ক্রিয়ায়া কালাবৃচ্ছেদকত্বং কালোপচারাৎ। ক্রোশং কুটিলা নদীতি ক্রিয়াখ্যাহারাৎ। ব্যাপ্থে কিং মাস্ট্রোরখ্যৈ বিক্ছেদেনাধীত-বানিতার্থঃ। অপবাদোহয়মিতি পরে। কালঃধনোরেবায়ং বিধিরিতানা।

৫। ঘোহঞৌ ঞেঃ শব্দাশনগতিজ্ঞার্থাতৃগ্রহদৃশশ্রোরগাদনী ক্রন্দায়শ্রদায়স্কাদাস্ত্রবহাহিংসাভক্ষোহৃক্নমাভিবাদিদৃশস্ত বা।

ख्यां जार में मार्था होनाः या यः म व्या जार न जू यो मार न जू यो मार के जार न वा प्रा का प्रा का न वा जार न जू यो मार के जार न वा जार का जार का

অশনমিতি অশগভোজনে ইতাস্থানটি রূপং ভোজনমিতার্থঃ। জেতি জানাতঃ দিপি রূপং জানমিতার্থঃ। শব্দণ্ড অশনঞ্চ গতিশ্চ জ্ঞান্চ শব্দান্ন গতিজ্ঞাঃ তে অর্থা যেষাং তে শব্দান্দরগতিজ্ঞার্থাঃ। নান্তি ঢং কর্মা যেষাং তে অটাঃ। শব্দান্দরগতিজ্ঞার্থান্চ অটান্চ গ্রহণ্ড দৃশন্চ ক্র্যান্তের স্মাহারস্তর্যা। সূতঃ সার্থির্যঃ কর্জা যস্য সু সূত্যঃ ন সূত্যোহসূত্যঃ সচাসৌ বহণ্ডেতি অসুত্যবহঃ। ন হিংসা অহিংসা অহিং সায়াং ভক্ষঃ অহিং সাভক্ষঃ। খাদন্চ নীন্চ ক্রন্দন্ত অয়ন্ট শব্দায়ন্ত হ্বান্ট অদন্ট অসুত্যবহণ্ট অহিং সাভক্ষঃ। খাদন্ট ক্রন্দন্ত অয়ন্ট শব্দায়ন্দ হ্বান্ট অদন্ট অসুত্যবহণ্ট অহিং সাভক্ষঃ অথাদনী ক্রন্দায়ন্দ্রায়ন্দ্রায়ন্দ্রায়ন্দ্রায়ন্ত্র্যবহাহিং সাভক্ষঃ তস্য। অভের্বাদিঃ অভিবাদিঃ অভিন বাদিন্ট দৃশন্ট অভিবাদিদ্নো মে আয়্রনেপদে অভিবাদিদ্নো। হৃশ্চ কৃশ্চ মাভিবাদিদ্নো চেতি সমাহারস্ত্র্য। খাদ অদ অহিং সাভক্ষ এবামননার্থ- আ্বং নী অয় অসুত্যবহ এষাং গভার্যবাৎ ক্রন্দ্রা এতয়োঃ শব্দার্থবাং

প্রাপ্তে নিষেধঃ। শব্দায়েতি নামধাতুঃ শব্দং করোতীত্যর্থে শব্দ সুখকফীদে-রিতি ছাপ্রত্যরান্তঃ। অস্য অব্যক্তশন্দার্থত্বেনাকর্মকত্বাচ্ছন্দার্থত্বাদা প্রাপ্তে নিষেধঃ। গেরমিত্যাদি। বিষ্ণুর্গোপান্ গেরমধ্যাপরং ইঙু অধ্যয়নে অধীঙ্ ধ্য-यरन (किः अमा अकास्त्रकानीन कर्जुनार गोशानार कर्माप्तर अवर मर्वेत । विकृ-র্জোপান্ যাজ্ঞিকান্নমভোজ্ঞয়ৎ ভুজ ধৌ ত্রাণে ভক্ষে ঞিঃ। বিষ্ণুঃ শক্রূন্ স্বধাম বৈকুণ্ঠমগময়ৎ হত্তেতি শেষঃ উগম গত্যাৎ ঞিঃ। বিষ্ণুৰ্ভজান্ তত্ত্বং যাথাৰ্থ্যম-বোধয়ৎ। বুধ্যো ও বেদনে ঞিঃ। বিষ্ণুঃ ধর্ম মস্থাপয়ৎ ঞি ঠা স্থানে ঞিঃ। বিষ্ণু-বিধিং বেদানগ্রাহয়ৎ গ গ্রহ ঞাদানে ঞিঃ। কিষ্ণুদৈত্যান্ শক্তিমদর্শয়ৎ। ই দৃ'শো প্রেক্ষে ঞিঃ। বিস্কুর্গা বেণুমশ্রাবয়চ্চ শ্রুর্গতৌ শ্রুতে ঞিঃ দ খাদাদেস্ত । রামঃ কপিভীরক্ষাংসি অথাদয়ৎ খাদৃ ভক্ষণে ঞিঃ। অস্য ঞান্তকালীন কর্ত্ত্বণাং কপীনাং কর্মান্তাবে গোণকর্ত্বাৎ তৃতীয়ৈব। এবং সর্বক্র। রামঃ কপিন্ডী-तकार नि छेर्क त्नाकमनाग्रग्र नौक्यां शरा खना विकर्मकदार कशरगातकार नि উৰ্দ্ধলোকমন্মনিতি স্থিতং ততোঞিঃ নীর্জনাদাত্যর্থ গ্রহণেনৈরপ্রাপ্ত্যঞ্গ্রহণ-মিতি স্থচিতং। পিতা পুত্রং ধনং প্রাপয়তি। নসু মাংপ্রাপয় ভর্তুরন্তিক-মিতি কালিদানঃ। রামঃ কপিভীরক্ষাংসি আক্রন্দয়ৎ আহ্রয়দিতার্থঃ। আঙ-পূর্ব্বক্রদিতু রোদনে আহ্লানে ঞিঃ। রামঃ কপিভীরক্ষাৎিসি আগু শীত্রৎ আয়য়ংপ্রাপয়দিত্যর্থঃ। অয়ও প্রতৌ ঞিঃ। রামঃ কপিভীরক্ষাণ্টি শব্দায়য়ন রিপুৎ অজ্বৰ ইতানমঃ। শ্দায়য় মতি শদং করোতীতি ভাততো ঞৌ শত্রন্তং। অজ্হবদিতি হ্লেঞ্জেম্পদ্ধায়াং ঞিঃ দির্বিভক্তিঃ অঙি দিছে হ্লো-ছের্জিরিত্যাদি আহরয়য়দিত্যর্থঃ। রামঃ কপিভীরিপুং আদম্বচ্চ অদুভিক্ষে ঞিঃ। রামঃ কপিভিঃ শৈলান্ অবাহয়ৎ বহে। ঞপ্রাপণে ঞিঃ। রাদঃ কপিভি-রিষ্টভক্ষং কলমূলাদি অভক্ষয়ৎ ভক্ষ ভক্ষণেঞিঃ। সারথিকর্ভূকবহহিৎসার্থভক্ষ-য়ে। স্ত বাহানিত্যাদি। হরিঃ বাহান্ ঘোটকান্ পার্থমজুন মবাহয়ৎ সার্থি-र्ভू (षठार्थः। अमात्रथिकर्ज्वकामकास्य कालीन कर्ज्वार वाहानार कर्मापर। ষজ্ঞদক্তঃ। হরিবাহান্ অরীন্ অভক্ষয়চ্চ অত্র হিং দার্থস্বাদঞান্তকালীনকর্ত্তগাং কর্মত্বং। হিংসাতু প্রাণবিয়োগফলকব্যাপারঃ। জ্রাদেস্ত। রাঘবঃ কীশান্ শৈলান্ অবাহয়ৎ পক্ষে ঝকৈ উল্লৈব্ কান্ অজীহরৎ। রাঘবঃ কপীন্ সেতু-মকারয়ৎ পক্ষে বানরৈরপি সেতুমকারয়দিতি। রাঘবো জ্ঞানকীং বৃদ্ধান্ অভি-বাদয়তে স্ম। পক্ষে লগাণেন চ বৃদ্ধান্ অভিবাদয়তে স্ম। অভিবাদয়তে ইতি অভিপূর্কো বদধাতুঃ ঞান্তো নমস্বারে বর্ত্ততে। পুনঝো কৃতে পূর্ককের্লোপে ফলবৎ কর্ত্তর্যান্মনেপদং। মেকিং পিতা পুত্রেণ গুরুনভিবাদয়তি। বাদীতি গ্রহণাদেকঞোঁ। শিষ্যো গুরুমভিবাদীয়তীত্যাদে নমস্বারার্থভাৎ গুর্জাদেঃ কর্মন্বং নিতামিতি। লক্ষণঃ দীতাং আন্ধানমদর্শুয়ত অদর্শয়তেভিঞান্তকালীন কর্মকর্ত্তবাৎ ক্রেটেহক্রোঘে ইত্যান্তনেপদং। নেকিং পিতা পুল্রং চন্দ্রং দর্শ-য়তি ইত্যত্র নিত্যমেব। এবং পানস্যাপি ভক্ষণবিশেষদ্বাৎ মাতা পুত্রং দ্বপ্তং, পায়য়তীত্যাদি। এবঞ্চ মারণমপি জ্ঞানবিশেষঃ। তথাচ সন্মিদ্ধগবতীদেবী স্তৃতানুভর্ভেদিকেতি তার্কিকাই। তেন গ্রন্থ শিষ্যং শ্লোকং স্মারয়তীত্যাদি। প্রেরণ ক্রিয়াব্যাপ্টভেনৈর কর্মছে সিদ্ধে শব্দার্থাদীনাৎ গ্রহণৎ নিয়মার্থৎ। তেনায়ং नियमः। क्युलानां मध्य भन्मार्थानीनात्मन कर्जुः कर्माष्ट् नादनाया-দিতি। অত্এব পিতা পুল্রেণারং পাচয়তি রাজা ভূত্যেন শত্রুং ঘাতয়তি। গৃহী গোপেন গাংরক্ষয়তীত্যাদৌন স্যাৎ। শব্দাদয়ঃ প্রেরণার্থাএব নতু শব্দাদ্যর্থাঃ তেন পুনপ্রের্ কৃতে তেষাং ন স্যাৎ। যথা পিতা পুল্রেণ শিষ্যং বেদং পাঠয়তি রাজা ভূত্যেন পুল্রং তাম্বৃলং ভোজয়তি রাজা পুল্রেণ ভূত্যং গ্রামং গময়তি পিতা পুত্রেণ শিষ্যং শ্লোকং বোধয়তি গৃহী পন্থ্যা পুত্রং ধনং স্থাপয়তি রাজা পুত্রেণ বিপ্রং ভূমিং থাহয়তি গৃহী পদ্ন্যা পুত্রং চন্দ্রহ দর্শয়তি গুরুঃ শিষ্যেণ পুত্রং গীতং শ্রীবয়তি। অত্র বাশক্ষ্ম ন্যবস্থাবাচিত্বাৎ অকর্মকধাতোঃ দেশা-দেঃ কর্মাছেহপি অঞান্তকালীন ক্রুঁঃ কর্মাছং স্যাদিতি বোধাং। যথা গুরুঃ শিষাং রাত্রিং জাগারয়তি অতএব দিকশ্বকোদীহরণে অনন্তেন গোপী রজনী-মজাগরীতি স্বয়ং বক্ষাতি। এবং অধিশীঙাদেরধিকরণস্য কর্মাত্বেহপি স্যাৎ। তেন রাজানোযোগিকং দেশমধিষ্ঠাপয়তীতি ক্রমদীশ্বরঃ। ত্রিবর্গপারীণমদৌ ভবস্তমধ্যাসমুশ্লাসনমেকমিন্দ্র ইতি ভৃতিঃ। এবং সকর্মকানামকর্মত্বেহঞান্ত-কর্ত্তঃ সুতরাং কর্মস্বং। যথা শক্ররাহতে পীড়িতোভবতি শূরঃ শক্রমাঘাতয়-তীত্যাদি। অন্যত্রাপি দেবদন্তং শতং জ্ঞাপয়তি। মুক্তাঞ্চালং চিরপরিচিতং ত্যাব্ধিতো দৈবগত্যা। ত্যাব্ধিতঃ ফলমুৎখাতৈর্ভগ্নৈশ্চ বহুধা নৃপৈরিভি রযুঃ। ছাত্রমান্ত্রাপয়দামোদং। লোকমীক্ষয়তে রূপমিত্যাদি।

নঞিঃ অঞি স্তক্ষিন্। শদশ্চ অশন্ধ গতিশ্চ জ্ঞাশ্চ তে অর্থা যেষাং তে।
নাস্তি চং. কর্ম যেষাং তে। শব্দাশনগতি জ্ঞার্থাশ্চ অচাশ্চ এইশ্চ দৃশশ্চ শ্রুশ্চ
তন্ত্রস্য পুংজ্বং সৌত্রত্বাং। নাস্তি স্কৃতঘোষস্য সংসচাসে বহংশ্চতি সং। ন
হিংসা অহিংসা তস্যাং ভক্ষঃ সং থাচে নীশ্চ ক্রন্দশ্চ অয়শ্চ শব্দায়শ্চ হ্বাশ্চ
অদশ্চ অস্ত্রহ বহণ্চ অহিংসা ভক্ষণ্ড তংন তং অধাদনী ক্রন্দায় শব্দায় হ্বাদা

স্তঘবহাহিংসাভক্ষঃ তদ্য। অভের্বাদিঃ সঃ অভিবাদি**শ্চ দৃক্চ তৌ মে আন্ধনে**-পদে তৌ शह काह माखिवानि मृत्मीह उद्धमा। भन्नार्थ। উচ্চারণার্থাঃ भन्नहा ধবঃ ইতি যাবং। তথা পুত্রং স্থক্তং পাঠয়তি শিষ্যং শান্ত্রং বাচয়তীত্যাদি। অশনার্থা ভক্ষণার্থা যথা আশয়তি বিপ্রমন্ত্রণায়য়তি পান্তং জলমিত্যাদি। প্রীতোহহং ভোজ্বয়িষ্যামি ভবতীং ভুবনত্রয়ং ইত্যাদৌ গৌণভোজনার্থত্বাৎ চত্ত্। গতার্থা গমনার্থাঃ ষথা গাৎ ব্রজ্ঞানয়তাজঃ ইত্যাদি। প্রবেশারোহণ-ভরণ প্রাপণার্থা অপি গভার্থান্তেন প্রাবেশয় ক্মিরমধ্যমেনং। তাদ স্কমারোপ্য স্থতাং প্রতন্তে। প্রিয়ামুদম্বর্ষতীতরন্ধরিঃ। রুসু মাং প্রাপয় ভর্ত্রন্তিকং বারণং গময় প্রীতিমিত্যাদীত্যেকে। তন্মতে সিতং নিতিয়া সূতনাং মুনেরপু-विमाति जिः भोधिमवाथ नस्यान् विस्नावनीवानिन्माकताः ए जिः ए विमाजाः বাচমবোচদচ্যুতঃ ইতি তু অপবাদবিষয়েহপ্যুৎসর্গস্য নিবেশাৎ। অন্যেতু প্রাবেশয়দিত্যাদিষু উপসর্জনীভূতধর্থো গতিঃ প্রতীয়তে ইত্যাভঃ। জ্ঞার্থ। জ্ঞানার্থা মথা বোধয়তি শিষ্যং ধর্মং। জ্ঞাপয়তি নৃপং হিতাহিতং। ভ্রাপয়তি জ্ঞায়াৎ পুষ্পাং। স্পর্শয়তি গাত্রং কামিনীমিত্যাদি। অটাঃ সন্তাদ্যর্থাঃ ষ্থা আসয়তি সূতং শায়য়তি পতিমিত্যাদি মৃত্রু শায়য়তি সূতং মাসমধিশায়য়তি পতিমিত্যাদৌ উপাধিক সদত্বেহপি স্বভাবসিদ্ধাদত্বমাদায় অঞ্যন্তব্য্য দত্ব মিতি। ধূনাংসদম্বাবহারোহিকুর্ভৃঃ ক্রিয়াব্যাপ্যদেনৈর। অন্যথা শীব্রংভূয়তে ইত্যাদাবপি ঢে ত্যঃ স্যাৎ। তথাচ ত্রিবর্গপারীণমনোভবস্তম্ধ্যাসয়স্লাসনমেক-भिक्तः। वित्वकृणाञ्चमगां पृतानार जरतेमिवत्नावाकां मिन श्राचा । अवर वित्था মৈত্রং চৈত্রং সংক্রোধয়তি ইত্যাদি। অক্লৈর্দেবয়তে হরির্হরেণেত্যত্র দ স্যাৎ বাশব্দস্য ব্যবস্থ্যা ধপক্ষেহপি সঢ্তাভিদেশাৎ। পরেতু গ্রহধুংন গৃহুন্তি। অয়ন্ত অজিগ্রহত্তং জনকো ধসুত্তৎ যেনার্দ্দিদং দিত্যপুরং পিনাকী জিজ্ঞাসমানো वसमा वास्त्रा र्वस्र छा इकी प्रयूनम्बन खर। अवाहिला तर्न वि एवर प्रवासिक সুতাং গ্রাহয়িতুং শশাক ইত্যাদি প্রয়োগাৎ গৃহীতবান্। অত্র জ্ঞানার্থ-ত্বেনৈব দৃশঃ সিদ্ধে গ্রহণাদদর্শনার্থত্বেহপি স্যাৎ তেন প্রিয়ং প্রীতিং দর্শয়তি প্রকাশয়তীত্যর্থঃ। এবং জ্ঞানার্থত্বেহপি শ্রোর্গ্রহণং কচিদনাত্রাপীতি জ্ঞাপ-নার্বং। তেন পুরুহৃতদিযোধূরু বুক্তান্ ধানস্য বাজিনঃ। আয়ৃংষিত্বকুনির্ভিদ্য প্রাভঞ্জনি রমোচয়দিতি ভট্তিঃ। শূরদেনং পৌরুষং ত্যাক্সয়তি। মুক্তাঞ্জালং চিরপরিচিতং ত্যাব্ধিতো দৈবগত্যা। দেবদক্তং শতং দাপয়তীত্যাদি স্যাৎ। অত্র খাদবহাহিং সার্থ ভক্ষামশনার্থতয়ানায়া স্থতঘবহাং গতার্থতয়া ক্রন্দ-मस्योगस्वामण्डमा आदिश्व निरम्बः। ङ्ट्याश्वावहातार्व्डम्। कृद्याणिविश्वक्रम्।

দৃশক্ত নিত্যে প্রাপ্তে জভিবাদয়তেরপ্রাপ্তে বিকল্পঃ। হৃঞ্চক্তেয়াৎ উ কৃঞঃ স-एषामश्रारक्ष विভाবেতি ভাষাং। গের্মনগাপয়िদভাদি। গোপা গেয়ং অবৈা-বিরন্ গোপান্ গেঁয়ং অধ্যাপয়ং। গোপা বাজ্ঞিকায়ং অভুঞ্জত গোপান্ যাজ্ঞিকারং অভোজয়ং। শত্রবঃ স্বধামাগচ্দ্ শত্রু ন্ স্বধামাগময়ং শস্ত্রপৃতান্ কৃষা সম্য ধাম স্থানং গন্তং প্রেরিতবান্ ইতার্থঃ। ভক্তাতত্ত্বং অবুধান্ত ভক্তানু তত্ত্বং অবোধয়ৎ পরমান্ধানং বোধিতবান্ ইতার্থঃ। ধর্ম্মোইতিঠৎ ধর্মং অস্থা-পয়ৎ অনেন কর্মণা ধর্মন্তি ঠতীতি লোক নিক্ষাদিনা ধর্মংস্থাপিতবান্ ইত্যর্থঃ। विधिदर्वमानगृह्मा विधिर विदेशनशाहग्रह बन्तानर विमरवाधिकर कर्म कर्जूर প্রেরিতবান্ ইতার্থঃ। দৈত্যাঃ শক্তিমপশান্ দৈত্যান্ শক্তিং অদর্শয়ৎ স্বাং শক্তিং প্রকাশমিতুং প্রেরিতবান্ ইতার্বঃ। গাবো বেণুমশূণুন্ গাঃ বেণুম্প্রাব-মং বেণুশদশ্রবণমকারয়দিতার্থঃ। বিফুরিতি সর্বত্তে প্রয়োজকষঃ। খাদাদয়-ভ্তিতি কপয়ো রক্ষাৎ স্যথাদশ্ কপিভীরক্ষাৎ স্যথাদয়ৎ ভোক্তুং প্রেরিডবান্ ইতার্থঃ। কপয়ঃ উর্লাকমনয়ন্ কৃপিভিয়দ্বাকং অনায়য়ৎ লোকান্তর-মগময়দিতার্থঃ। কপয়ঃ আক্রন্ কপিভিরাক্রন্মৎ রোদনং কারিতবানু ইতার্থঃ। কপয়ো রক্ষাংসি আয়ন্ত কপিভীরক্ষাং ন্যায়য়ৎ প্রাপিতনানিতার্থঃ। কপন্নঃ শব্দান্ন স্তৈ কপিভিঃ শব্দান্নমূদ্ রামইতাসা বিশেষণং সিংহনাদং কারি-তবান্ ইভার্বঃ। কপয়োহয়ম্ কপিভিরজ্হরৎ অর্বাদ্রিপুভিঃ দার্দ্ধং স্পর্দাং কারিতবান্ ইঠার্থঃ। কপ্রো রিপুমাদন্ ক্রিভীরিপুমাদয়ৎ ভোকুং প্রেরি-তবানু ইতার্থঃ। কপায়ঃ শৈলানবহনু কপিভিঃ শৈলানবাহয়ৎ আনীয়িত-বান্ইতার্থঃ। কপয়ঃ ইউভকং অভকৃন্ কপিডিরিউভক্ষামভক্ষাং অভিন-ষিতং বস্ত খাদয়ামাস ইতার্থঃ। সূর্বজ্ঞ রামঃ প্রয়োজক ঘঃ। বাহাঃ পার্থমব-হন্ বাহান পার্থ মবাহয়ৎ অ**জু মহ** বোঢ়ুং অস্থান্ প্রেরিতবান্ ইন্তর্থঃ। হরেঃ मात्रथाकर्मा कर्तृदा ९ ७६९। वाहा अतीन् अछकम् वाहान् अतीन् अछकप्र थान-म्रामाम ইতার্থঃ। অত্র ভক্ষধোর্হিং সার্থ বাৎ ঘদ্য চত্ত্বং উভয়ত্র হরিঃ প্রয়োক্তক घः। कीमाः শৈলান্ অবহন্ কীশান্ শৈলান্ অবাহয়ৎ আনেতুং প্রেরিতবান্ इंडार्थः । अका वृक्षोम् अहार्युः अटेकर्वकाम् अखीरतः উদारतनस्यम विकल्ला দর্শিতঃ। কপয়ঃ সেতুং অকুর্বন্ কপীত্ সেতুমকারয়ৎ বানরাঃ সেতুমকুর্বন্ বানরৈঃ সেতুমকারয়ৎ উদাহরণছয়েন বিকপ্পো দর্শিতঃ। জ্ঞানকী বৃদ্ধানভি-বাদয়তিশ জানকীং বৃদ্ধানভিবাদয়তেশ লক্ষণো বৃদ্ধানভিবাদয়তিশ লক্ষ-শেন বৃদ্ধানভিবাদয়তেয় নমস্কর্তুং প্রেরিতবান্ইতার্থঃ। অভিপূর্বে বদ ক वाक्मरस्मारमार्ने अर्थः, जमार ध्यत्रा थिः भष्रस्म विकत्ना पर्मिजः। मर्या

রাঘবঃ প্রয়োজক্মঃ। সীতা রাস্চ লক্ষণং অপশাৎ স লক্ষণঃ শীতাং রামেণ আন্ধানং অদর্শয়ত ঞের্টেইন্ফ্রামে ইতি নং। এবামিতি কিং পাচয়ত্যোদনং স্থানে গৃহীত্যাদি। পরেতুর্গোণে ক্রিয়াপেকয়া ঘদ্ধে মুখ্যক্রিয়াব্যাপ্যদ্বেন তদ্বে সিন্ধে নিয়মার্থমিদমিতি ক্রবন্তঃ পাচয়ত্যোদনং স্থদংস্থাদেন গৃহী বধিগ্রহণং প্রপঞ্চার্থমিত্যাভঃ। অন্যেতু উভয়প্রাপ্তো পরস্বাৎ ঘদ্ধে প্রাপ্তে বিধিরয়-মিত্যাভঃ।

৬। যাচ্ঞার্থ ছহ চি প্রছেরুধক্ত শাস জি নী বহং। হৃ দণ্ডি গ্রহ রুষ মন্ত মুপ্পচাদা। ধবো দিঢ়াঃ।

তমর্থয়েংহং মোক্ষং য়ো গোপৈর্ছ ঝমত্র গাঃ। ফলান্যবাচিনেদৃক্ষান্ বার্ত্তাঃ পপ্রচ্ছ বল্লবান্। রুবোধ গোকুলং গোপীর এবীচ্চ
মনোহরং। গোপালানম্বশাৎ কেলীংস্তত্রাজ্যাং জিগায় তান্।
রুদ্দাবনমনৈবীদ্যাস্তচ্ছিশ্নবহদ্ধ জং। জহারারণ্যমাভীরীদৈত্যান
প্রাণানদণ্ডয়ৎ। জগ্রাহ্ যজনো ভোজ্যমকর্ষৎ পুতনাং বলং। মমস্থামৃতমন্তোধিং মুমোষ দিতিজাংশ্চতেৎ। যোহসৌ পচ্তি লোকানাং পুণ্যপাপং সুখাসুখং।

এবংক্রিয়া সভাবান্নভায়াঝিকা অত এতে দিকর্মকা ইতি শ্রীপতিদন্তঃ। তেষাং সংগ্রহার্থেইয়ং গ্লোকঃ। বাজ্ঞা অর্থে বেষাং তে বাজ্ঞার্থাঃ। তেচ অর্থং কঙ চিক্ষিঙ নাপৃঙ প্রভৃতয়ঃ। বাজ্ঞার্থাক্ট ছহক্ট চিক্ট প্রক্ষণ ক্রণাসচ জিক্ট নীক্ট বহক্ট তে বাজ্ঞার্থছহিপ্রক্ষেধ ক্রশাসজ্ঞিনীবহঃ। পৃথক্পদকরণং গ্লোকার্ম্বাধিরামার্থং। হক্ট দণ্ডিক্ট গ্রহক্ট ক্ষচ মন্থচ মুষচ পচাদ্যাক্ট তে হাদ্ধি গ্রহ কৃষ মন্থ মুষ পচাদ্যাঃ। দে তে কর্ম্মণী বেষাং তে দিলাঃ। এতে ধাতবঃ সভাবাদিকর্মকা ভবন্তীতার্থঃ। তমর্থয় ইত্যাদি। অহং তং প্রীকৃষ্ণং অর্থয় অর্থং কঙ বাচনে বো গোপাঃ মহ গাঃ ছব্ধং অন্তর্ম। ছহ্লক্রে ছহি। বো ব্লান্ কলানি অবাচিনোং চিনচিঞ্চিত্যাং। বো বল্লবন্ন্ গোপান্ বার্ত্রাঃ পপ্রক্ট প্রত্তি। বো গোপীঃ মনোহরং মধুরবাক্যঞ্চ অর্বীং। ক্রন্ত্র্কুণ গ্রেণ গাবান্ কেলীন্ অন্তর্শাং শাসক্লুশাসনে। বন্ত্র কেলো অজ্বয়ং যুদ্ধং গৃহীদ্বা তান্ গোপান্ জ্বগায় জি জ্বেচ। যো বৃন্ধাবনং গা অনৈধীং নীঞ্জ্রাপণে। বন্তিক্টিশুন্ গোপান্ জ্বায় জি জ্বেচ। যো বৃন্ধাবনং গা অনৈধীং নীঞ্জ্রাপণে। বন্তক্টিশুন্ গোশিপুন্ ব্রস্তং অবহং।

वर्राक्षे श्वांभरत। य जाजीतीत्रत्नगृ अवात निनारमञ्जर्धः क्रक क्रजार। या रिम्जान् श्वान्तमस्थम् प्रस् र कर्क्रजा। रेम्जानार श्वान्यव्यक्षम् प्रस् न कर्त्तामिजार्थः। या यद्धाना स्वाक्षणमा प्रमुखनार विक्रा विक्रम् विज्ञान् विक्रम् विक्रम्य

ষাক্রা অর্থো যেষাংতে পচ আদ্যো যেষাংতে পচাদ্যাঃ পশ্চাৎ দৃশৃঃ তে ঢে যেধাংতে। কঁর্তুঃ ক্রিয়াব্যাপ্যন্তাৎ মুক্ষাদীনাং চন্তং সিদ্ধং অনেনতু মোক্ষাদি হেতৃনাং কৃষ্ণাদীনাং তত্ত্বং বিধীয়তে। তমর্থয়ে হহমিতগদি। ষঃ শ্রীকৃষ্ণঃ গোপৈঃ मह (पाइना फ़िकंट क्ठवा न् उमहट भाक्ष मर्थ (य हे ठा स्वयः । भाक्ष्ट वजट मृशयर उ দেবান্ বরং বৃণীতে ইত্যাদে ভু মৃপিবৃ ঞোর্যাজ্ঞার্থ ছাৎ। ষোধোং পৈণা ছক্ষমছক। ষো বৃক্ষান্ ফলানি অবাচিনোৎ বৃক্ষান্ সংঘট্ত গ্লাদদে ইতাৰ্থঃ। যো বল্লবান্ বার্ত্তাঃ পঞ্চ জিজাসামভিধাতুং প্রেরিতবান্ ইত্যর্থঃ। গোপীর্গাকুলং রুরোধ গোপীরস্তঃস্থাপয়ন্ গোকুলমাবৃণোদিত্যর্থঃ। যো গোপীর্মনোইরং অব্ৰবীৎ প্ৰবোধবাক্যং ক্ষিত্বানু ইতাৰ্থঃ। বো গোপালান্ কেলীনম্বৰাৎ কেলীং দেশয়ন্ বিনীতবান্ ইত্যর্থঃ। ষত্তান্ গোপালান অক্সমাং জেতুং অশক্যং যুদ্ধং তত্ৰ কেলিবিষ্ট্যে জিগায় অজ্ঞ্যং যুদ্ধং স্বীকৃতা জিতবান্ ইত্যর্থঃ। বো গাই বৃন্দাবনং অনৈষীৎ প্রাপয়ামাস। বো ব্রহ্ণং ত চিচ্দূন্ গোবংসানবহং নীতবান ইতার্থঃ। य-আভীরীররণ্যং জহার গোপীররণ্যং প্রাপয়ামাস ইত্যর্বঃ। যো দৈত্যান্ প্রাণান্ অদ্ভয়ৎ প্রাণান্ গৃহীত্বা শশাস ইত্যৰ্থঃ। যো যজ্ঞনো ভোজাং জগ্ৰাহ স্বীকৃতবানিত্যৰ্থঃ। যঃ পৃতনাং বলং অকর্ষৎ বিক্ষা বলং নিনায়। বাে্ছস্তোধিমম্তং মমস্ত সমুদ্রমুনাথ্যাম্তমুখাপিত-বাশু ইত্যৰ্থঃ। বে। দিভিজানু দৈত্যানু তদমূতং মুমোষ খণ্ডিতবানিত্যৰ্থঃ

ষো লোকানাং পুণ্য পাপং সৃধাসুধং পচতি লোকানাং পুণাং সৃধং পচতি লোকানাং পাপং অসৃধং পচতি পরিণময়তীতার্থং। তণুলানোদনং পচতি ইত্যাদৌ তু প্রকৃতিবিকারতাবেনৈকমেব ঢং তেন তণুলা ওদনংপচান্তেইতাত্র যথেন্টং বিচধুষিতানেন ন গৌণ মুখ্যব্যবহারঃ এবং ঢাদিবিহিতত্যেন প্রকৃতেরের সংখ্যা গৃহতে। বছজং বিকারভাবে প্রকৃতেরেকং কর্ম যতন্তভঃ। দিকর্মক ব্যবস্থাতো ন প্রত্যয়যথেন্টতা। প্রকৃতের্বিকৃতের্বাপি যত্রচোক্তং দয়োরপি। বাচকঃ প্রকৃতেঃ সংখ্যা গৃহাতি বিকৃতের্নতুইতি। এবং একো বৃক্ষঃ পঞ্চ নৌকা ভবতীত্যাদি। আদাশন্দেন শিষাংধর্মাংবদতি জায়াংপ্রিয়মাচন্টে সৃত্ব বাচো জগাদ রাজানং হিতমুপদিশতি। ক্রুদ্ধমবস্থানং যাচতে অবস্থা-তুমসুনয়তীত্যর্থঃ। কেচিং বদত্যর্থং গৃহস্তি। ইহ যদাপি ন্যাদে মন্ত্রমুগ্রমান্তি প্রিত্তথাপি গৌণচেতাবিধায় যাচাদে দ্রান্তব্যঃ। তথাচ দেবাসুরেরমৃত্রমন্থু-নিধির্মমন্থে ইতি ভারবিঃ। তত্র ন্যাদে নীবহক্ঞামের পাঠ ইতি পরে।

৭। ধিক্সময়ানিক৾ধাহাস্তরাশ্তরেণৈনাতিযেনতেনাস্থাভয়পরি সর্বতোবিনর্ত্তেংভিপরিপ্রতানুপদ্মপর্যাধোহধিভিঃ।

এতির্ধাণে দ্বী স্যাৎ। বীপেশ্যস্তাবিচয়েইভিন্তেষু ভাগে পরি-প্রতী। অনুভেষু সহার্থে চ হীনেইনুপৌ মতাবিহু। ধিগ্লোক-মীশ্রাভক্তং সময়া মাধবং রমা। নিকষা গিরিশং গৌরী হা লোকং কেশবদ্বিষং। ক্লেখেইন্তরা ব্রহ্মশন্তু নাস্তরেণাচ্যুতং স্করং। দক্ষিণেন হরিং ক্লন্ডো গোবিদ্দমতি নেশ্বরং। যেনেশং হরিরী-শস্তং তেনেশমভিতোইর্চকাং। রামক্লফাবুভয়তো গোপেশং পরিতঃ পরে। প্রম্থাং সর্বতঃ স্বর্ধং শর্ম নেশার্চনং বিনা। মুক্তি-র্ন্তেইচ্যুতোপাস্থিং ভূতং ভূতমভি গ্রন্তুঃ। ভক্তো বিভূমভি-প্রাক্তো গোবিদ্দমভিতিষ্ঠতি। হরিং পর্যাভবল্লনীর্হরং-প্রতিহ্লাহলং। বিভূমন্বর্চ্যুতে ভর্গং শক্রাদয় উপাচ্যুতং। লোকান্ত্র-প্র্যুপর্যাক্তেইধোইধাধি চ মাধবং।

৮। मित्वा ४१ व। ।

मिरता ४९ ए॰ माम्बा। अरेक्कतकान् मीताङीभः।

ধিঙ্নির্ভৎসননিক্ষয়োরিত্যমরঃ। সময়ান্তিকমধ্যয়োরিত্যমরঃ। নিক্ষা শব্দোহপান্তিকবাচী। অন্তরাশব্দোমধাবাচী। অন্তরেণবিনাশ্বতে ইতি ত্রয়ো ব্যতিরেকবার্চিনঃ। পৃথপ্রিনাস্তরেণর্ভেহিক্লগুনাচ বর্জনে ইঙামরাৎ। এন ইতি বৈনোহপীত্যনেন দিক্শন্দাদদৃগৃদ্গার্থে প্রথমা সপ্তম্যোঃ স্থানে এনা-দেশঃ তেন তদস্তানাং দক্ষিণেন ইত্যাদীনাং গ্রহণং। যেন তেনাদিসাহচর্যাৎ অতিশব্দ ইহাপ্যসুপদর্গ এব। তেন অর্চাতিক্রমার্থ সৈয়ব গ্রহণং। যেনেতি অবায়প্রতিরীপকং যাদৃগর্বঃ। তেন ইতি অবায়প্রতিরপকং তাদৃগর্বঃ। অভিশ্ উভয়শ্চ পরিশ্চ সর্বাচ্ছ অভ্যুত্তয়পরিসর্বে তেভাত্তস্ অভ্যুত্রপরি-সর্ব্বতঃ। অভিতঃ উত্তয়তঃ পরিতঃ সর্ববতঃ। অভিত ইতি সামীপ্যাদে সমী-পোভয়তঃ শীঅ্রদাকল্যাভিমুখেহভিত ইত্যমরাং। উভয়ত ইতি স্বভাবার্থং। প্রিতঃ সর্বত ইতি দয়ৎসমস্তাদর্থৎ সমস্ততন্ত্র পরিতঃ সর্বতোবিশ্বগিত্যমরাৎ উপরিশ্চ অধসচ অধিশ্চ উপর্য্যধোহধয়ঃ। ছয়োর্দ্ধিরুক্তাশ্চ তে উপর্য্যধোহধ-য়শ্চেতি দ্বাপর্যাধোহধয়ঃ উপর্গাপরি অধোহধঃ অধ্যধি ইতার্থঃ। ততো ধিক্চ সময়াশ্চ নিক্ষাশ্চ হাশ্চ অন্তরাশ্চ অন্তরেণশ্চ এনশ্চ অতিশ্চ যেনশ্চ তেনশ্চ অভ্যু ভয়পরিসর্বতে চ বিনাশ্চ ঝতেশ্চ অভিশ্চ পরিশ্চ প্রতিশ্চ অমুশ্চ উপশ্চ ৰ্যপ-র্যাধোহধন্দ তৈ। ধিকসময়ানিকষাঁহান্তরান্তরেণৈনাতি যেন তেনাভ্যুভয়পরি সর্বতোবিপর্ভেভিপরিপ্রতান্ত্পদ্যুপ্র্যথোহগয়ঃ তৈঃ। এভির্যোগে দিতীয়া मार। याग् खिंह ज्यर्थरेनव नजू भरकन उन्ने विक्रांत जब वसूरामिछ। ধিক্তব ধিয়ং যস্ত্রাং পুনঃ পশ্সমীন্তাদিচ সিদ্ধং । অত্র অভিপরিপ্রতান্ত্-পানামর্থবিশেষএব এহণমিতাাহ বীপ্সেখমিত্যাদি। ইহ দিতীয়া বিধানো অভি বীপ্সেরংভাব চিচ্ছে মতঃ। পরিপ্রতী তেষু বীপ্সেথস্তাব চিচ্ছেষু ভাগেচ मर्छ। अमूरखबू वीत्रमथस्त्राव विक्रजारमसू महार्त्यक मजः। अन्तरभी हीतन मछ। বিতাম্বয়ঃ। বীপদা ক্রিয়াগুণদ্রবৈচ্যু গপদ্যাপুমিছা। ইখস্তাবঃ কদ্যচিৎ প্রকা-द्रमार्शिकः। हिरूर् नक्नार्। अञ्चामीनामिर विना श्रास्त देजामि मारहर्गार বীগ্দাদিবাচকত্বাচ্চ অনুপদর্গর্থনের। ধিক্লোকমিত্যাদি। ঈশ্বরাভক্তংলোকং थिक् म निष्मा ইতार्थः। तमा नन्तीः माधवर ममग्रा माधवमा ममीरभ ইতार्थः। গৌরী গিরিশংনিকষা গিরিশস্য সমীপেন্ইত্যর্থঃ। কেশবং দেফীতি কেশবদিট তংহা স বিষাদার্হঃ শোকার্হোবেত্যর্থঃ। হা বিষাদশুগর্ত্তিষু ইত্যমরঃ। শুক্শোকঃ জর্ত্তিঃ পীড়া। হাশব্দেন ষোগে বিষাদযোগ্যাৎ শোকষোগ্যাদা বিসাৎ वि-তীয়া। যত্ৰতু আন্ধনঃ পীড়ায়াং হাশব্দঃ প্ৰযুক্তাতৈ অত্ৰাহ্মদ্য পীড়াযোগ্যত্বা সম্ভবাত্তেন যোগে ৰিতীয়া ন স্যাৎ। তেন হা তাতেতি ক্ৰন্দিতমাৰ্কৰ্ণ বিষয়

ইত্যাদি রখুঃ। হা রাম হা রমণ হা অংগদেকবীর হা নাথ হা রখুপতে কিমুপে-कारम मामिष्ठि महानाष्ट्रिकर्ै। इंजारमे मत्याधरन ध्रथरेमर । क्रका बक्त मस्र অন্তরা ব্রহ্মশস্তোর্মধ্যে ইত্যর্থঃ। অচ্যুত্রমন্তরেণ সুধংন স্যাৎ ইত্যর্থঃ। রুদ্রো হরিং দক্ষিণেন হরেরদূর দক্ষিণে ইত্যর্থঃ। গোবিন্দমতি ঈশ্বরো ন গোবিন্দ-ষ্মাতিক্রমিতা ঈশ্বরোনান্তীত্যর্থঃ। হরিরীশং ঘেন ঈশন্তং হরিংতেন হরিরী-শস্য যাদৃশ ঈশোহপি তস্য তাদৃশ ইত্যর্থঃ। অর্চ্চকা ঈশং অভিতঃ ঈশস্য সমী-পে উভয়তো বা ইতার্থঃ। রামকুফে গোপেশং নন্দং উভয়তঃ গোপেশস্য উভয়োঃ পার্ময়োরিতার্থঃ। পরেহনো গোপবামকা গোপেশং পরিতঃ গোপে-শস্য সর্বাসু দিকু ইত্যর্থঃ। প্রমথাঃ শিবগণাঃসর্বাংশিবং দর্বতঃ শিবস্য সর্বাসু षिक् रेडार्थः। त्रेगार्कनर विना गर्मा मुथर न मामिडार्थः। जहारताशाखिर বিষ্পাসনাংখতে মুজির্ন স্যাদিতার্থঃ। প্রভুরীশ্বরঃ ভূতং ভূতমভি সর্ব্বপ্রাণেষ্ खरीज्यर्थः। तीलाग्राः अयुक्रामानमा लाममा विजीता निषुलात्म वङ्गवाः। জনো ভক্তো বিভূমভি বিভে বিষয়ে ভক্তিভাবাপন্নঃ। এবং সাধুর্বিপ্রোমাতর-মভীতি ক্রমদীশ্বরঃ। বিপ্রো মাত্রি বিষয়ে সাধুভাবাপন্নঃ ইতার্থঃ ইতি গোয়ী-চন্দ্রঃ। প্রাজ্যে গোবিন্দৎ অভিনক্ষীকৃতা ভিঠতি। সমুদ্রে মথিতে লক্ষীঃ হরিৎ পরি হরের্ভাগেহভবদিতার্থঃ। এবংহলাহলংবিষং হরং প্রতি হরস্য ভাগেহভব-দিতার্বঃ। এবং বীপ্সাদৌ ভূতংভূতং পরিপ্রভুঃ। ভজো বিভুংপরি প্রাজ্ঞো গোবিশং পরিতিৡতি ভূতং ভূতংপ্রতি প্রভুংভক্তো বিভুং প্রতিপ্রাজ্যো গোবি-শং প্রতিতিঠতি। ভর্ণঃ শিবঃ বিষ্ণুমন্তু বিষ্ণুমা সহ অর্চ্চাতে। এবং বীপ্সাদৌ ভূতং ভূতমমু প্রভুঃভক্তোবিভূমমুপ্রাজ্যে গোবিশ্বমমু তিঠতি। হরিং পর্বা-ভবল্লক্ষীরিতি। শক্রাদয়ো দেবা অচ্যুতমুপ অচ্যুতাজ্ঞানাৎহীনা ইত্যর্থঃ। এবং শক্রাদয়ঃ অমৃচ্যতমিতি বোধাং। উপর্যাধোহধীনাং সামীপ্যে দিবং লিধুপাদে वक्त तार । माधवः लाका सूर्वा प्रविद्या लाका ना मूर्व जिन्दे प्रविद्या विकास कान (धारु थह। लोकानामधः ममील जात्य अवधः लोकानामधाधि लोकानाः সমীপেচ আস্তে ইতার্ধঃ। উপর্গুপরিবুদ্ধীনাং চরন্তীশ্বরুদ্ধয়ঃ অত্র উপরি-বুদ্ধীনাংশ্রেষ্ঠবৃদ্ধীনামুপরি চরস্তীতার্থঃ। সমাহারদ্বন্দে উপর্যাধোহধি ইত্যনে-रेनरवक्रमिएको छेभर्यारधारुधि जित्रि वछ वहन निर्ल्लरमोरूरेना त्रि (यारमेषि जीया স্যাদিক্সর্থঃ। তেন ব্যাপ্তিদীমার্থেন যাবতা যোগে দিতীয়া স্যাৎ। যথা রথাাং वावर पृत्की (पवः। नपीश्वाव्यव्यानी। वाश्विमीमार्व्यनिक किश्वावरपट क्रमिथागांखावमामा विवर्षाएँ। नीमार्थन यावजा शक्षमीरहिज व्किटिश। श्रामी-্ দ্যাবদহুৎ বোঢ়াঃ। সোপসর্গয়োঃ কুধিক্রছোঃ সম্প্রদানংকর্ম দ্যাদিতি বক্তব্যৎ

প্ত্রমভিকুধাতি। শত্রমভিক্রহাতি পুল্রোহভিকুধাতে শত্রুরভিক্রহাতে পুত্র-স্যাতিকোদ্ধা শত্রোরভিদ্যোদা। কুধিক্রহোঃ কিং পুত্রায় প্রকুপাতি সোপ-দর্গয়োঃ কিং পুত্রায় কুধাতি শত্রবে ক্রহতি।

বাশব্দাহত্র ব্যবস্থাবাচী ব্যবস্থাচেয়ং দীব্যতেঃ করণং নিভাং কর্মসংজ্ঞং স্যাৎ পক্ষে প্রাগ্ভূতকরণত্বাৎ ভৃতীয়ৈবভার্থঃ। তেনাস্য সকর্মকত্বাৎ ঈশের জক্ষা দীব্যন্তে ইতি কর্মণিপ্রভায়ঃ। ঈশেন জক্ষা দূয়তা ইতি কর্মণি জ্ঞঃ পার্বতী ঈশেন জক্ষেরকান, বা দেবয়তি জত্র অঞ্যন্তকর্তুঃ কর্মত্বং ন স্যাৎ। ঈশোহ-ক্ষাণাং দেবিতা ইতি ক্লোগে ষর্কী নিভাব। নচ তেনাছ্দুয়য়দ্রামং মৃবেন ম্বেনাচনা ইতি ভট্টো জঞ্জকর্তুঃ রামস্য কর্মত্বং কথমিতি বাচ্যং। যভন্তে-নেতি ছুদুয়েরের করণং নভু দীব্যতেরিতি। স্বেচ্ছয়া ছুদুয়ন্তং রামং মৈথিলী তেন মৃবেন প্রেরিতবতীজ্যোর্থঃ। ততক্ষ দীব্যতেঃ করণাভাবাদকর্মকত্বে ঞ্যন্তকর্তুঃ রামস্য কর্মত্বমিতি।

দিবঃ ক্রীড়ার্থসৈয়বগ্রহণং। দিবোর্ধং ঢং স্যাদা। বাশক্ষ্য ব্যবস্থ্যা ধপক্ষে ২িগা সচত্বাদিদেশাৎ অচলক্ষণংকার্য্যং ন স্যাৎ তেন অক্ষা দীব্যত্তে অকৈঃ দেব-য়তে ছাত্রেণ গুরুঃ। অক্ষাণাং দেবকঃ অক্ষাণাং দেবিতা ইত্যাদয়এব স্যুঃ। নতু অকৈদেবযুতে ছাত্রং গুরুঃ অকৈদেবকঃ অকৈদেবিতা ইত্যাদয়ঃ স্থাঃ সদৈব সচত্বাৎ। এবং মলসাদেবীতি ঢাৎ ষণ ইত্যাহুঃ পরে। বস্তুতস্তু পূচাদ্যনি নদাদি-দ্বাৎ ঈপি সংজ্ঞায়াং ত্র্যান লুকইতি তেনাছন্থায়দ্রামংম্গেণমূগলোচনা ইতাত্র তেন্তে দিবোধং ন কিন্তু হুছ্যুষেরিতি। অন্তেতু অকৈর্দেবক ইতাত্ত্র বা ধীতা হিং। हेमर सूत्र धिक् ममरमञ्जलतर हेरजारक उत्तराज मध्काजा प्रमस्वर्द्धराज हेरजातर वर्राथा। (र्वंःक्र्यक्राट्सर्छः । (वंः श्रेत्रदंशात्रनरत्रार्छः व्मर्छः मरार । ग्राथितीन् পরিকু্ধাতি খলঃ পতিং সংক্ষহতি নৃপেণারয়ঃ পরিকুধান্তে খলেন পঞিঃ সংক্রহতে ইতি। অত্তরনোজং। অতুপূর্বস্য জনো জং চসংজং স্যাৎ। লক্ষণো রামমকুন্সায়তে পশ্চাৎ প্রভবতি ইত্যাদি। এবং পুত্রমকুন্সাতা কন্সা ज्विविधाना शक्त वार्माश्यक्त कार्याश्यक्त कार्याश्यक्त कार्य कार कार्य का পুর্ব্বকে জন্মনি বর্ত্তমানত্বাৎ সচত্বমিত্যেকে। অনোঃ কিং রামাৎ সংজ্ঞায়তে হরিঃ। যজো চভে ধচে। যজ্ঞধোর্চভে ধচসংজ্ঞে ক্রমাৎ স্যাতাং। পশুনা রুদ্রুং যজতে পশং রুদ্রায় দদাতীত্যর্থঃ।

অভিশ্চ উভয়ণ্ট পরিণ্ট সর্ব্বণ্ট তে তেভাস্তস্ উপরিণ্ট অধশ্চ অধিশ্চ তে দ্বয়ণ্ট তে উপর্যাধ্যোধয়ণ্টেতি তে। পশ্চাৎ দৃশৃঃ। ধিক্ নির্ভৎসন নিন্দ্যোঃ।

সময়ানিকষৌ সমীপাথোঁ। হা বিষাদশুগর্তিষু। অন্তরামধার্থঃ। অন্তরেণর্তে বিনা ব্যতিরৈকার্থঃ। এনেতি বৈনোপীত্যনেন বিহিতৈনভান্তঃ। অতিরতি-ক্রমার্থঃ। বেন তেনো বাদৃগতাদৃগথো। হভিত ইত্যাদয়ন্তসন্তাঃ। উপগ্রাপরী-क्यामरमाधिककाः। अरमायामर्थिरियममाव्यीत्रमा देशामि। स्वाधनिकमानि-র্বপৎপ্রয়োজুর্বাপ্ত্রিচ্ছা বীপ্সা কমাচিৎ প্রকারস্যাপত্তিরিতাংভাবঃ। চিহ্ন ল-ক্ষণং। তেষু বীপ্সাদিষু ভাগেচ পরিপ্রতী। অকুত্তেষু বীপ্সাদি চতুর্হর্থেষু সহা-র্থেচ চকারোহসুক্ত সমুক্তয়ার্থত্তেনক্তোবপি ষথা কারেবীমসুবর্ঘাউ কন্যামসু শোক ইত্যাদি। ধিক্ লোক ইত্যাদি। ঈশ্বরাভক্তং লোকং ধিক্ ঈশ্বরাভ-জ্ঞসা সর্বক্ত নিন্দাদিকং ভবতীতার্থঃ। মাধবসা সমীপে রমা লন্দীঃ। গিরি-भागा मभीरा शोदी हुन। (कमद विषय लाकर हा कमदमा विरवा लाकना শোকপাড়া সর্বাদেব ইতার্থঃ। ব্রক্ষশিবয়োর্মধ্যে কৃষ্ণঃ অচ্যুতমন্তরেণ বিষ্ণুপুঞ্জা-ব্যতিরেকেণ সুখং ন ভবতীত্যর্থঃ। হরেরদুরদক্ষিণেন ক্লদ্রঃ। গোবিন্দস্যাতি-ক্রমিতা ন ঈশ্বরঃ। ঈশং বেন হ্রিঃ ঈশস্য যাদৃশো হ্রিঃ উপাস্যঃ তং হ্রিং তেন হরেন্তাদৃগ উপাদ্যঃ ঈশঃ। এতেনাভিন্নাবিত্যর্থঃ। ঈশমভিতোহর্চ্চকাঃ শিবস্য সর্বেত্র পূজকা ইতার্থঃ। রামকৃষ্ণাবুভয়তো রামকৃষ্ণয়োক্লভয়ে পার্শ্বে इर्फ्रकाः। (शाप्त्रभः পরিতঃ (शाप्त्रभम) ই,তন্ততঃ পরেহর্চ্চকাঃ। সর্ব্বং সর্ববস্য ইতন্ততঃ প্রমথাঃ প্রমঞ্জাণাঃ। ঈশার্চ্চনব্যতিরেকেণ কল্যানং ন ভব-তীত্যর্থঃ। অচ্যতস্যোপাসনাং বিনা খুজি ন ভবতীতার্থঃ ৷ সোহচ্যতো ভূতং ভূতং সর্বা ভূতানাং প্রভুরিতার্থঃ। ভক্তো বিভূৎ অভি বিভোর্ভক্তঃ কঞ্চিৎ প্রকারমাপন্ধঃ। গোবিন্দৎ লক্ষীকৃত্য প্রাক্তিতি। অভেরদাহরণত্রয়েণ পরি-প্রত্যোরপি জ্বেয়ং। ভাগে উদাহরতি। হরের্তাগে দক্ষীরভবং। হরস্য ভাগে हनाहन १ विषर अভवर। এবং वीश्मानियु अपनाद्धंग्रर। महादर्ज विकृभनू বিঞুনা সহ ভর্ণোহর্চ্চাতে অর্থাৎ সন্ভিঃ। অচ্যুতমুপ অচ্যুতাদ্ধীনাঃ শক্রাদয়ঃ। এবমুচ্যতমমু শক্রাদয় ইতি। লোকামুপর্গপরি নিকটে মাধব আত্তে অধোহধঃ मभीत्म माधव जात्त जधावि इंडडडः जात्ता। इंश्मेशीर्य प्रश्रंशीर নেহ উপর্গপরিবুদ্ধীনাৎ চরন্তীশ্বরবুদ্ধয়ঃ অতিদূরে উপচরন্তীতার্প্ট। যথা উপরিবৃদ্ধীনামুপরি ঈশ্বরবৃদ্ধরশ্চরন্তীত্যর্থঃ। পূর্কবিপ্রতিষেধেন প্রবোধিত-দ্বাৎ সম্বোধনার্থ দ্যোতকত্বাদা হা তাতেতি ক্রন্দিতমাকর্ণ্য বিষগ্নঃ। হা পিতঃ कांनि रह नुक विष्ठवर विववांश न देखार्पा नरम्वाधरन माजूर। भाविजिई। হতা ভূয়ো হৃদয়ানামুদেক্ষয়ৈঃ ইতিতু উপপদ্বিভক্তেঃ কারকবিভক্তিবলীয়-गीजिन्नावार। यावजा मर्यामाजिविदधाः। मनीर यादमञ्जानी। व्रथारयावर मृत्को (मन देशामि। अनत्याः किश्यात्रमण्ड कपि आगाखानमा विवर्कत्व। ন। সাধনহেতুবিশেষণভেদকং ধং কুর্ত্ত। যন্ত্রী।

त्नदेवः शूर्णान जूषाजिनां मा पृष्ठेः शिर्ता करेनः।

সাধ্যতে কর্ম নিস্পাদ্যতেহনেনতি সাধনং। কিঞ্চ ক্রিয়ায়াং সাধ্যায়াং वहृनाएकात्रनानाए मध्य कात्रनाखेत्रवायधानाजारव यष्ठ क्रियानिष्णाखिकात्रनः বিবক্ষিতং, তুদেব সাধনং ভবতি অতএব করণং সাধকতমনিতামরঃ। তেন দাত্ত্রেণ ধান্তং লুনাতীগুত্র হস্তাদেঃ করণর্ত্বংপি দাত্রসৈয়ব করণত্বং বিবক্ষিতং। ভথাচোক্তং। কারণাব্যবধানেওুঁ ক্রিয়ানিস্পত্তি করণং। ষদৈ বিবক্ষিতং তেষু ক্রণং তৎ প্রকীর্ত্তিক্ষতি। কলং সাধয়তু অসাধয়তু বা কলসাধনবোরেগাবঃ স হেতুঃ। ধনেন কুলং অল্পেন বসতিঃ বিদ্যয়া যশঃ ইত্যাদৌ ধনাদেঃ কুলাদিসাধ-নশ্বাভাবেহুপি কুলাদিসাধনযোগ্যন্তাদেব হেতুদ্বং। নচ দাত্রেণ ধান্তংলু নাতী-জ্ঞত্রাপি দাত্রস্য হেতুত্বাদেবেইসিদ্ধে সাধনগ্রহণং বৃথেতি বাচ্যং হেতুসাধ-নয়োর্ভেদাৎ। তথাহি যদধীনা কর্ত্তুঃ প্রবৃত্তিঃ স হেতুঃ সাধনন্ত কর্ত্তুধীনপ্রবৃত্তি। বিশেষ্যতে সমুখাতে অনেনেতি বিশেষণং। ছত্ত্রেণ ছাত্রমন্ত্রাক্ষীদিতি। ভেদ-য়তি অন্পদাং পৃথক্ করোতীতি ভেদকং। নামা শিবঃ গোত্তেণ গার্গাঃ। विटमयनः मृक्टेरमव उन्नकन्त अमृक्टिरमव देनि विटमयन उन्नकरम्राट्डिमः। এবং প্রকৃত্যা পটুঃ জাত্যা ব্রাহ্মণঃ জন্মনা অস্কঃ সভাবেনোদারঃ সমেন তিপ্তি বিষমেণ ধাৰতি সুখেন যাতি ছঃখেন মাতি কাৎস্থোন পচতি সাকলোনাদত্তে প্রায়েণ বৈষ্ণবঃ ইত্যাদাবপি প্রকৃত্যাদেঃ করণত্বনিতি ছুর্গ-সিংহঃ। তথা প্রকৃত্যা পটুর্ভবতীতাত্র পটুষ্বভবনে প্রকৃতেঃ করণম্বনের দ্যাৎ ইতি বিवक्षी। अटकाविट्या मगार्टन घामगार्टन ভূমিপঃ। देवगाः शक्षमगा-হেন শূদ্রো মাসেন শুদ্ধাতীত্যাদে শুদ্ধিং প্রতি দশাহাদেঃ করণত্বে তৃতীয়া। অতএব অনন্যথা সির্দ্ধি নিয়তপুর্ধ্ববর্ত্তিত্বং কারণত্বমিতি তার্কিকাঃ। সাধনঞ্চ হেতুষ্ট বিশেষণঞ্চ ভেদকঞ্চেতি যঃ করোতি স কর্ত্তা ইতি সর্ব্ববর্মা। কুত্তা-প্রয়ঃ কর্ত্তেতি তার্কিকাঃ। সাধনাদীনি ধসংজ্ঞানি স্যুঃ কর্ত্তা ঘসংজ্ঞঃ স্যাৎ উভ-য়ত্র ভৃতীয়া দ্যাৎ ইত্যর্থঃ। নেত্রৈরিত্যাদি। নেত্রৈঃ দাধনৈঃ পুণ্যেন হেতুনা ভূষাভিবিশিটো নামা ভেদকেন শিবোঁ জনৈঃ কর্ত্তভিদ্ ট ইতাহয়ঃ।

সাধ্যতে অনেনেতি সাধনং ধেহনট্ যধ্যাপারানন্তরং কর্ত্রা ক্রিয়া নিম্পা-দ্যতে তৎ সাধনমিতার্থঃ তজ্জন্যত্ব সতি তজ্জন্য জনকো হি ব্যাপারঃ যথা পরশুনা কাঃং ছিনজি মনসা জানাতি পানিনা ভ্রময়তীত্যাদৌ ছেদ্য পরশু

সংযোগব্যাপারেণ আত্মমনঃ সংযোগ ব্যাপারেণ ছেদনাদেনি পাদ্যভাৎ সাধনত্বং। অখেন পথা বার্তি কায়েন মনসাবাচা হরিরারাধিতো ময়া ইত্যাদে দয়োক্তরাণামপিব্যাপারবজ্বাৎ সাধনত্বং স্থান্যা পচ্যতে ইত্যাদৌতু স্থান্যাদে-র্ব্যাপারান্তরং ক্রিয়াসিজের্বিকিতত্বাৎ। বছক্তং ক্রিয়ায়াঃ পরিনিস্পত্তি-র্মদ্যাপারাদনস্তরং। বিবক্ষতে হদাতত্র করণদ্বং তদা স্মৃতং। বস্ততন্তদনির্দেশ্যং মহি বস্তু ব্যবস্থিতং। স্থাল্যা পচ্যত ইত্যেষা বিবক্ষা দৃশ্যতে ষতঃ। হেতুঃ कनगाधमत्यां गाः । यथा विमाया कनाः धत्मन कूनमिकार्मा कीर्छाामिकम-कूर्यमि विमामिख १ कर्तारां विष्। जल्म ज्रु जन्म वाजि दन नियम জ্ঞাপকোহি হেভুঃ যথা ধূমবত্ত্বেনাগ্নিমান্ অয়ং পর্বত ইতাত্রাপদ্বয়ব্যতিরেক নিয়মেনাগ্নিমজ্বল্য জ্ঞাপকং ধুমবজ্বমিত্যাহং। তথাচ ষদধীনাপ্রবৃদ্ধিং কর্তুঃ স হেতুঃ কর্ত্তবীনং সাধনমিতি সাধনহেত্বোর্ভেদঃ। বিশিষ্যতে সমুধ্যতে যেন তদ্বি-শেষণং বিদ্যমানসম্বন্ধপ্রতিষোগীতি যাবং। যথা জটাভিন্তাপদঃ ছাত্রেণো-় পাধ্যায়মন্ত্রাক্ষীৎ উপলব্ধবান্ ইতার্থঃ। শিখন্না পরিব্রাঞ্চকঃ ইত্যাদে িঞ্চটাদে-বিদ্যমানসম্বন্ধপ্রতিযোগিত্বাদ্বিশেষণত্তং। ভেদয়তি সামাক্ষাবগমে ইতরে-ভ্যো ব্যবচ্ছিনন্তীতি ভেদকমিতর ব্যাবর্ত্তকমিতি যাবৎ। যথা কার্টকর্গৃহং ছুক্তেন ছাত্রোপাখ্যায়মদ্রাকীৎ ইত্যাদে কাকাদেরিদ্যমানসম্বন্ধাপ্রতিযোগিছেংপি खिमकष् । उथाठ वित्ययन कित्यामान खिमकषुविमामानिमिखि वित्यमन **ভেদকায়ার্ভেদ ইত্যেকে বস্তুতস্তু ভেদকত্বেনৈব জ্বটাভিস্তাপদ ইত্যাদে। দিছে** यंनावयरवनाजिरनाशनिवाधिका९ वा नकार् उपक्रवाहिनञ्जी नार। " यथा মুখেন ত্রিলোচনঃ জক্ষা কাণঃ পদেন খঞ্জঃ প্রাঠন কুব্রুঃ ইত্যাদে নিত্যনৈমি-স্তিকসন্থন্ধে বী প্রাপ্তে জ্রী ন্যাৎ। যথা প্রকৃত্যা সুভগঃ ধান্যেন ধনৎ গোজেন গার্গ্যঃ জাত্যা বিপ্রঃ জন্মনা বৃদ্ধঃ স্বভাবেনোদারঃ স্বরূপেণ প্রিয়ন্ত্রদঃ প্রায়েণ বৈষ্ণবঃ সনেন ধাবতি মুখেন যাতি কাৎস্মোন পচতি তত্ত্ৰাগারং ধনপতিগৃহা-ছন্তবেণাম্মদীয়মিত্যাদৌ "প্রকৃত্যাদীনাং সুভগাদিনা অভেদেহপি ইতরবাব-ৰ্ত্তুকত্বাৎ ভেদকত্বমিতি। তথাহি প্ৰকৃতিশব্দেন সাহজ্ঞিক উচ্চতে সাহজ্ঞিক!-ভিন্নঃ সূভরঃ ধান্যাভিন্নং ধনং গোত্রাভিন্না গার্গাঃ গার্গ্য কুলোৎপন্না ইত্যাদি ক্রেমেণাপ্রয়বোধঃ। পরেতু হেছাদের্ন ধর্মান্তঃ। অনেন ত্রীং বিধায় ধসংজ্ঞা কৃতেতি। করোতীতি কর্তা স্বতন্ত্রঃ ক্রিয়াসিদ্ধাবগুণছেন বিবক্ষিতঃ সাক্ষাৎ ক্রিয়াশ্রয় ইতি বাব<sup>ঁ</sup>ং। যথা রামো রথেন ব্র**জ**ং যাতি ক্ষেণ ভবতী-ज्यादमी भंजामिकियामिटको तामादमर्थनचाजाना कर्ज्वः । रेमक्छकुमः अह-

তীতাত্র পচিবিক্লেদনার্থঃ। অতএব বিক্লেদনাক্রিয়াসিন্ধৌ মৈত্রস্য গুণছাভাবাৎ কর্তৃত্বং যদাতু বিক্লিক্তার্থস্ত গুলঃ পচাওঁ সমনেবেভি চমবিষয়ঃ। ততঃ প্রেরণে ঞৌবিক্লেদনার্থ পচিসমানার্থঃ বথা পাচয়তি, তথুলং চৈত্র ইতি এবং বদা নিস্পাদনার্থঃ কৃধুত্তদা চৈত্রঃ কটং করোতি যদা নিস্পস্কার্থন্তদা ক্রিয়তে কটঃ স্বয়মেবেতি। কেচিজু বিক্লিন্তার্থঃ পচোরচঃ ক্রিয়াপ্রয়ন্তাৎ তণ্ড্লঃ পচতি। বিক্লেদনার্থস্ত প্রেরণার্থক্রিয়ায়া ব্যাপ্যত্বাৎ তণ্ডুলাদের্চত্বমিতি যদা তৎ ক্রিয়া-ব্যাপা চুমা বীত্বং বিৰক্ষাতে তদৈৰ কৰ্মকভৰ্ত্ততা হঃ। কাঠং পচতি পশুন্দিন ভি श्वानी পठजीजारमी कांश्रामीमध् छनवाज्ञावविवक्रमा कर्जुदर ज्थाठ यमा कांश्र-দীনাং ক্রিয়ানিস্পত্ত্বে ধন্বাদি ন বিবক্ষাতে কিন্তু গুণন্বাভাবো বিবক্ষাতে তদা ঘন্ধমিতি পর্বাবসিতোহর্থঃ। বছুক্তং নিষ্পত্তিমাত্রে কর্তৃন্থ সর্বত্রৈবান্তি কারকে। ব্যাপারভেদাপেকায়াৎ করণত্বাদিসম্ভব ইতি। পাচয়ভ্যোদনৎ चूरमन गृहीजारमोजू भाक किशां निष्क्री स्माग उर প্রেরণ ক্রিয়া নিষ্ক্রে গৃহিণঃ প্রাধান্যভাবাদ্যত্বং তত্ত্রাখ্যাতেনোজ্বাৎ গৃহীতাত্র প্রী স্কুদেনেতাস্ক্রবাৎ ত্রীতি। স্বর্গাং পশ্যতি শিবং জানীহি রামং জানামীত্যাদাবপ্রযুক্তানামপি চৈত্রাদীনাং গুণস্বাভাববিক্ষায়াং ঘত্তনিতি। যত্ত কং প্রবৃত্তাবপ্রবৃদ্ধে বা কারকানাং য'ঈশ্বরঃ। অপ্রযুক্তঃ প্রযুক্তো বা স কর্ত্তা নাম কারকমিতি। নেত্রৈ-রিত্যাদি 🕑 নেত্রসাধনক পুণ্যহেতুক ভূষাবিশ্লেষণক নামব্যবছিয় বহুছা अয়-জনকর্ত্তকাতীতদর্শনবিষয়ঃ শিব ইতার্থ। নেত্রাণাং বিষয়সংযোগব্যাপারেণ সাধনত্বং পুণাং শুভাদুষ্টং তস্য শিবদর্শনফল্যাধন যোগাত্বাৎ হেতুত্বং ী ভূষা-नामस्त्रिनमानीनाः विमामानमञ्जलक्ष्याज्ञियात्रिकः। विस्थयनेषः नाममः छ। তস্য ইতরব্যাবর্ত্তকত্বাৎ ভেদকত্বং জনানাং দর্শনক্রিয়াসিদ্ধাবগুণত্বাদ্যত্বনিতি।

## ১০। महवातुनमदमार्थार्थविनाशृथकुनिकाः।

এতির্যোগে ত্রী স্যাৎ। সহেশার্চ্চ্যোইচ্যুতো ভেদেনালং তেন সমোইন্ডি কঃ। বিকারেরহিতঃ শদ্ভুঃ সতামর্থঃ শিবার্চ্চয়া। শ্রীনেশেন বিনা শস্তুঃ পৃথিগ্নিষ্থন তৎ পুনঃ। ন নানা শন্তুনা রামাদ্বর্যোগিধাক্ষভোষ্ঠরঃ।

অর্থঃ প্রয়োজনংসহল্চ বারণঞ্চ সমল্চ উনঞ্চ অর্থল্চ সহবারণসমােনার্থাঃ তে অর্থা অভিধেয়া মেষাং তে সহবারণসমােনার্থার্থাঃ নানা আদ্যো ষেষাং তে

নানাদাাঃ ততঃ সহবারণসমোনার্থার্থান্চ বিনাচ পৃথক্চ নানাদ্যান্চ তে তৈঃ। এভির্বোগে তৃতীয়া স্যাদিত্যর্থঃ। অক্রাপ্যরেধিনব যোগে নতু শব্দেন। অত-এবায়ং সহাপ্তঃ পিত্রা ইত্যাদে ব্যবধানেহপি স্যাৎ। সহেশার্চ্চা ইত্যাদি। অচ্যত ঈশা শিবেন সহ অর্চ্যঃ। ঈশেতি ঈশলঙ ঐশ্বর্য্যে ইন্টে ইতি কর্ত্তরি किं केरे उन अवर नांकर नार्कर नमिजािषा। प्रभावनांवावर वार्ट्-রিত্যাদি জ্ঞাপকাৎ সহার্থে গদ্যমানেহপি স্যাৎ। তেন গুরুঃ শিষ্যেগাগত ইত্যাদি। এবং দিক্শব্দানামূহেহপি পঞ্মীতি বথা আদিগেচেদরিতাত্ত্র পর नकगाि जिमिनि अक्षमी। जिम्हार्जनस्यार्ज्यमनातः (जरमा वार्थ देनार्थः। তেন সমঃ কোহন্তি এবং সমানস্তল্য ইত্যাদি। শস্ত্র্বিকারৈরহিত,উন ইত্যুর্বঃ। এবমস্প ইত্যাদি। সভাৎ সাধুনাৎ শিবার্চ্চয়ার্থঃ। এবং প্রয়েজনং কার্ম্য মিত্যাদি। ঈশেন বিনা শ্রীর্ন স্যাদিত্যর্থঃ। শস্তুর্বিশ্বেন পৃথক্ বিশ্বস্য নশ্বত্তাৎ শস্তোর্নিতাত্বাদিতার্বঃ। তৎ বিশ্বং পুনঃ শস্তুনান নানা ভিন্নং বিশ্বস্য শস্তু-ময়ত্বাৎ আদ্যশব্দাৎ অধোক্ষজঃ শ্রীকৃকোরামান্বর্ষণ অবরঃ কনিষ্ঠঃ অত্র অবর শব্দেন যোগে বর্ষেণেতি ভৃতীয়া। এবং মাসেন পূর্বাঃ এবঞ্চ ষেনাক্ষেন অঞ্চি-বিকৃতং ভন্যতে তন্মাদকাত ভূতীয়া। যথা অক্ষাকাণঃ পাদেন খঞ্জঃ পৃষ্টেন কুজঃ ইত্যাদি। অত্র জৌমরাঃ উপমাতুলাভ্যাং যোগে তৃতীয়ান স্যাদিতি মন্য-মানা অস্তাপমা শিবসা নাস্তি ত্লা বিষ্ণোরিত্যুদাহরন্তি তচ্চিন্তাং। প্রহীণ-পূর্ব্ব ধনিনাধিরুদৃস্তলামধারেণ শরদ্বভননেতি রঘোঃ। চিব্রোজ্বিতালক্তকপা-घेटनभ जूनार यमादाशिक है कि कूमाता । गितिरगानमामू अमर्थ अगठी ইত্যাদি দর্শনাচ্চ। উৎসুকপ্রসিতাভ্যাং যোগে তৃতীয়া সপ্তম্মো ল্যাতা মিতি বক্তব্যং। ভোগৈর্ভোগেষু বা উৎসূকঃ ধর্মের্ধর্মেষু বা প্রসিতঃ।

महण्ड तांत्र नेश्व ममण्ड छेनण्ड उ उर्थाः त्यार उ नाना खाएगा त्यसर उ मह वांत्र मरामार्थार्थाण्ड दिनाह शृशक् नानामगण्ड उ देः। अछितिछि महार्थामिछिः विनामिछिण्ड त्यार देण्य र वांत्र मानि मानात्माद्य उथान् भाविधाना विष्मय उ उद्या । उथाहि महार्र्थ र्यार (जीरन की जोन्यक भत्रण्य विधान विष्मय उ विद्या प्राप्त विद्या विद्य विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या विद्या

ণার্পবোগে ত্রীং নেছন্তি। সমার্থাঃ সদৃশার্থাঃ বথা গোপেন তুলো হরিঃ। সমার্থেনেত্যাদিনা গোপস্য তুল্যো হরিঃইত্যাদিযু ধীচ সাদৃশ্যৎ গতমপি নিদ্র-চূতগদ্ধৈরিজাদে তু ধর্মবাচিনাপি ত্রীতি। গিরিশব্যোপমা নাস্তি নাত্তি লক্ষী-পতেন্ত্রলা ইন্তাদৌভু নোপমাভ্যাৎ যোগে ত্রী স্যাদনভিধানাং। গৌরিবা-वयव देखा हो जून मानिवनकता मानुना लगाउक वार। छेनार्था छेनहीन वह-जामसः। यथा একেনোনঃ পুণ্যেন शैन ইতাদি। অর্থযোগে यथा धाराजनार्थः। সতামর্থো ছরের্ভক্তা। ইত্যাদি। ষথা বিনারামেণ কোহস্থোবা দশকণ্ঠ বিনাশ-क्र। এবং धिक् मंगरशका मिना की अनुगत जार्था ता किला निना भी ह यथा हति १ বিনা রামানেলাকুলং শোকসক্ষুলং বিনাশব্দবং পৃথক্ নানালৈতে যোগে ছীপো। চেতিপরে। সহেশার্চ্চা ইস্তাদি। ঈশা সহ অচ্যুতোহর্চ্চা ঈশগেঃ কিপ্ ঈট্ততন্ত্রী ভেদেন অলং অর্থাৎ শিববিস্পোর্ভেদোহধারণীয় ইতার্থঃ। তেন শি-বৈন বিষ্ণুনা বা কঃ সমোহন্তি ন কোহপীতার্থঃ। শস্তুর্বিকারৈঃ কামক্রোধাদিভিঃ রহিতঃ হীন ইত্যর্থঃ। সতাং সুধিয়াং শিবার্চ্যয়ার্থঃ শিবপুজেব প্রয়োজন-মিতার্থঃ। ঈশেন বিনা এ র্ন শিবার্চনা ব্যতিরেকেন ত্রিবর্গদম্পন্ন ভবতীতার্থঃ শস্ত্রিখেন পৃথক্ সর্কবাৎ চরাচরজগতো ভিন্নঃ সংসারস্য নশ্বত্বাৎ। ত विष्यः . भूनः मञ्जूना न नाना गितासाग्रः । তেन विना भवायाजाता । अधा-ক্ষজো কিঞুঃ রামান্তলরামান্তর্যেণ একবৎসরেণাবরঃ কনিষ্ঠঃ এবং আদ্যাশব্দেন मारमन भूक्तः भारखन कनकः धरफ्न मिश्र रेडाानि।

#### ১১। কালভাড্ডে বা।

কাল্বাচিনো নক্ষত্রাৎ ওে ত্রী বা স্যাৎ। রোহিণ্যামভবৎ । কুন্ধো রোহিণ্যাসীচ্চ চণ্ডিকা i

অখিন্যাদয়ো রেবতান্তাঃ শব্দাশ্চন্দ্রন্য পথীয়ু বর্ত্তন্তে কালে বাচ্যে ওেভাঃ ক্ষেক্তে বজ্ঞবাজ্ঞস্য লুকি তত্বপদক্ষিত কালে যু বর্ত্তন্তে। ততশ্চ কালে বর্ত্তমান নামক্রেবাচকাদখিন্যাদি শব্দাদধিকরণে তৃতীয়া ন্যাদ্বেতার্থঃ। কৃষ্ণোরোহি-গামভবদিতান্ত্র সঞ্জনী। চণ্ডিকা রোহিণ্যা আদীদিতান্ত্র তৃতীয়া। এবং পুষ্যে পুষ্যেগবা প্রস্থানং প্রশন্তমিত্যাদি। কালে কিং রোহিণ্যাং প্রীতিশ্চন্দ্রন্য।

কালবাচিনো নক্ষত্রাদিতি তেন যুক্তঃ কাল ইত্যর্থে বিহিত্স্য ফস্য লুকি কালে বর্ত্ত্বমানাম্বক্ষত্রাদিত্যর্থঃ। রোহিণ্যামিতি রৌস্থিগাযুক্তঃ কাল ইত্যর্থে বিহিত্ত্যা ফস্য লুকি,কালবাচিত্বাৎ। উদাহরণহয়েন বিকল্পো দর্শিতঃ। এবং পুযের্য পুষোণবা নবান্নমন্ধীয়াং ইত্যাদি। কালে কিং রোহিণ্যাং চক্রঃ রোহিণ্যাধিগ্রা-তুদেবতায়াং চক্র ইত্যর্থঃ। তে ইতি কিং অদ্য পুষ্যাঃ পুষ্যযুক্তঃ কাল ইত্যর্থঃ।

### ३२। भानाषी

শতং শতং পয়োহপীপ্যৎ বৎসান্ বিষ্ণুঃ শতেন গাঃ। দ্বি-দ্রোণেন ক্রীণাতি পঞ্চকেন ক্রীণাতি দ্বিদ্রোণং পঞ্কং।

কর্মণি প্রযুক্ষ্যমানে মানাৎ পরিমাণবাচকাদীপ্সায়াং বাচ্যায়াং তৃতীয়া
স্যাদেত্যর্থঃ। মানশন্দেনেই ইয়ন্তাপরিচ্ছেদক্স্য গ্রহণাৎ পরিমাণস্য
সংখ্যায়াশ্চ গ্রহণমিতি আই শতং শতমিক্তাদি। বিফুঃ শতং শতং বৎসান্
পয়েরহপীপ্যদিত্যক্র তৃতীয়ায়া অপ্রাপ্তিপক্ষে দিতীয়া। বীপ্সায়াং দির্ভাবঃ।
পক্ষে বিঞুঃ শতেন গাঃ পয়েরহপীপ্যদিত্যক্র শতেনেতি তৃতীয়ায়া বীপ্সায়া
উক্তত্বাম দিত্রং। অপীপ্যদিতি পাপানে ক্রিঃ দির্বিভক্তিঃ অভি পীপ্যাদেশঃ। পানস্যাপি ভক্ষণবিশেষত্বাত্বভাৱে অক্রান্ত কর্ত্ত্বাং বৎসানাং গবাঞ্চ
কর্মত্বং। দির্লোণেনেত্যাদি। দ্বো দ্বো দ্রোণো পরিমাণমস্যতি তদ্বিতার্থদিঞ্চ
তত্ত্বীয়া দিতীয়াচ সমাসেন বীপ্সায়া উক্তত্বাম দিত্রং উভয়ক্রৈব দ্বো দ্বো
দ্রোণো ধাক্তং ক্রীণাতীত্যর্থঃ এবং পঞ্চ পঞ্চ পরিমাণমস্যত্যর্থে বিকারসংঘভাবেদমিতি কঃ। অভিধানাদ্দেকবাক্যত্বে দিতীয়া তৃতীয়য়োরেকবচনে পঞ্চকেন পঞ্চকমিতি। তদ্ধিতেন বীপ্সায়া উক্তত্বাম দিবং উভয়িত্রব পঞ্চ পঞ্চ
পশুনু ক্রীণাতীত্যর্থঃ।

মানবাচিনো বীপোরাং ঢে ত্রী বা স্যাৎ। শতং শত মিত্যাদি। বিষ্ণুঃ শতং শতং বংসান্ পয়েহপীপ্যৎ শতেন গাঃ গোরপান্ বংসান্ পয়েহপীপ্যৎ। ত্র্যা বীপ্সার্থস্যাক্তথার দিঃ। সংখ্যাপি পরিমাণ মিতি কস্যচিন্মতং অত-এবোক্তং দিল্লোণেন ক্রীণাতি দিল্লোণং ক্রীণাতি দিল্লোণপরিমিতং দ্রবাং ক্রীণাতীত্যর্থঃ। দ্বৌ দ্বৌ দ্রোণে পরিমাণমস্য ইত্যর্থে কৃত ক্ষেনোক্তথার দিঃ। এবং পঞ্চ পঞ্চ পরিমাণমস্য ইত্যর্থে বিহিতকত্যেনোক্তথার দিঃ। ইদং নেচ্ছন্তি পরে।

## ১৩। সংজ্ঞোহস্তো r

শ্বরণাদন্যশ্মিন্নর্থে বর্ত্তমানস্য সংপূর্ব্বস্য জানাতের্তে ত্রী স্যাদ্ধা। সংজানীম্ব স্বমীশা চ সংজানীহি ততঃ শিবং। সংস্থানী ছেত্যাদি হে সাধো ছং সং আয়ানং সংস্থানী সমাক্ প্রকারেণ জানী হি। ঈশা. শিবেন চ সংজ্ঞানী ছ ঈশেতি ঈ ফেণ্টতি কিপ্ ঈ ট্ তেন সংজ্ঞানী নীছেতি সংপ্রতের মৃতাবিত্যাশ্বনেপদং। অমূর্তে কিং তত্ত্বদেবধি শিবং সংজ্ঞানী হি মার ইত্যর্থঃ। অমৃতাবিতি। পাণিনি ক্রমদীশ্বর শ্রীপতিদন্তানা-মসমাতং।

সংশাজ্ঞাঃ সংজ্ঞা স্তস্য। ন স্বৃতিরস্থৃতিস্তস্যাং। ঈশা সংজ্ঞানীম্ব পক্ষে সং আস্থানং সংজ্ঞানীম্ব সংপ্রতেরস্তানিতি মং। দদ্বেন বিকল্পো দর্শিতঃ। কৃতিতু ঈশঃসংজ্ঞাতো ইতাত্র পরত্বাৎ ধ্যে কৃত্যেত্যাদিনা যা বাধ্যতে। ততস্ত-স্থাৎ কারণাং শিবং শংজ্ঞানীহি স্মর ইতাত্র স্মরণার্থত্বান্ধ মত্রো) স্ত্যর্থদয়েশা ইতানেন শীচ। তেন শিবস্য সংজ্ঞানীহি ইত্যাপি।

১৪৭ সন্দানোভে২ধর্ম্মে নিতাং।

সংপুর্বাদানসম্বন্ধিনি অধর্ম্মে ভে ত্রী স্যাৎ নিত্যং। সংযক্ততে স্ম গোপ্যেষ্টং শ্রীশঃ সংযক্ততি প্রিয়ৈ।

সংপূর্ব্বসাঁ দান দানে ইতাসা প্রায়োগে অধর্দ্মে শাস্ত্রবিক্ষকব্যবহারে গমানানে ভে সম্প্রদানে তৃতীয়া স্যাশ্বিতামিতার্থঃ। সংযক্ত ইত্যাদি। প্রীশঃ গোপ্যাইটেং অতীটাদ্রবাং সংযক্তে আ অত্র প্রিয়াইশঃ স্বামী সন্ গোপ্যাপরি ইটেং দত্তবানিতাধর্মঃ সংযক্তে ইতি দানঃ সা চেচ্চার্থে ইত্যাত্মনে পদং অধর্দে কিং প্রীশঃ প্রিয়ে ইটেং সংযক্তি অত্রাধর্মাভাবাৎ সম্প্রদানে প্রিয়ে ইতি চতুর্ব্যেব।

সমোদান সন্দান তস্য। ন ধর্ম্মোহধর্মস্ত স্মিন্। ধর্মশাস্ত্র বিরুদ্ধাচারোহধর্মঃ। প্রীশঃ লগ্দীশঃ গোপ্যাই উং সংবচ্ছতে ম অভিলধিতং দন্তবানিত্য র্থঃ।
গোপ্যেরতিদানে মাধর্মঃ প্রিরৈ প্রীশঃ ইউং সংবচ্ছতি ইতাত্র ধর্মশাস্ত্র বিরুদ্ধাভাবার মত্ত্রো।

১৫। যশৈ দিৎসাম্মাজোধের্যাক্সচিজোহস্থায়ুপ্লাঘস্পৃহি শপ্রাধীক্ষাপ্রতিশ্রুপ্রভানুগ্ধার্য্যথা ভং চী তাদর্থ্যে চ।

যশ্মৈ দাতুমিছে। অসুয়াদরঃ স্থাদেরথী চ যশ্মৈ তদ্তসংজ্ঞং স্যাৎ তত্র চী তাদর্থ্যে চ। দদাতু সন্তঃ স স্থাং হরিঃ স্মরাক্ষোপীগণো- ২মুয়তি কুপাতীর্যতি। স্ম রোচতে জ্বৃতি তির্ন্ধতে হুতে২ শ্লাঘিষ্ট
যমৈ স্পৃহয়তাশগু চ। গর্গো রাধ্যতি রামায় রুঞ্চায় স্মেক্ষতে ব্রজে।
শুলােজ্বলং পর্যাালােচয়তীতার্থং। বিভীষণায়াশুলাব রাজ্যং প্রত্যশূলােজ্বলং। প্রতিজ্ঞাতবানিতার্থং। রামং প্রত্যগৃণাত্তমৈ লক্ষণে।
২ম্বগৃণাৎকপিং। রামং বদন্তং প্রোৎসাহয়ামাসেতার্থং। সর্কো
ধারয়তে সর্কং সদ্ভান্তং ভক্ত মুক্তয়ে।

আ প্ৰতিভাং শ্ৰু আপ্ৰতিশ্ৰঃ প্ৰতাস্ভাং গু প্ৰতাস্পৃ স্থান্চ সুন্চ সাঘন্চ স্পাহিন্দ শপদ রাধ্য ঈক্ষচ আপ্রতিশ্রুন্দ প্রত্যুস্পূন্দ ধারিন্দ তে স্থাস্থ্যুয়ায স্পৃহিলপ্রাধীক্ষা প্রতিশ্রু প্রতামুগু ধারয়ঃ। তেষামর্থাঃ স্থাকু লাঘ স্পৃহি শ-প্রাধীক্ষা প্রতিশ্রু প্রত্যমুগু ধার্য্যর্থাঃ। ততো দিৎসাচ অস্থয়াচ ক্রোণশ্চ ঈর্ষাচ ক্লচিল্চ দ্রোহন্চ স্থান্ধ স্থাহি শপ্রাধীক্ষা প্রতিক্র প্রতামুগু ধার্যার্থান্চ एक। माजूमिक्का मिश्ना मान्तरेनटवर्छिनिएको मिश्नाश्रहनः खालग्रिक व्यक्तिन् क्षरवा मश्यवजात्रभूर्वकममा यद्यः खायजामीमृभीच्या वरेम जरमव मान्यमानः স্যাদিতি। যথা বিপ্রায় গাং দদাতীত্যাদি। যকু শিষ্যায় চ্পেটং দদাতি শত্রবে ভয়ং দদাতীত্যাদি তন্নপচারাং। তথাচোক্তং সম্প্রদানং তদেব স্যাৎ পুজামুগ্রহকামায়া। দীয়মানেন সংযোগাৎ স্বামিত্বংলভতে হুদীতি। অতএব त्रस्रकमा विश्वः प्रपाजीनाम्प्रो तस्क्रकारमध्यमानपुर्न मारि। असूरा छर्णसू দোষারোপঃ। যথা অসুয়তি খলঃ সাধবে। ক্রোধো নেত্রলৌহিত্যাদি হেতু শিক্তবিকারঃ। যথা পুল্রায় ক্র্যাতি কুপাতি রুষাতি। ঈর্ষা অক্ষমা যথা त्रेर्याजि छनित्न छनी। क्रिक्यूतानः यथा शामकः निमत्व त्वांठरज अमरज স্বাদতে। দ্রোহোহনিউকরণং। যথা শত্রবে ক্রহুতি দেউি। স্থার্থ ইহ স্থিত্যা তোষণেচ্ছা স্থিত্যা স্বাভিপ্রায়ং বিজ্ঞাপনেচ্ছা বা। যথা রামায় তিঠতে সীতা স্থিতা। রামং ভোষয়িতুমিচ্ছতি স্বাভিপ্রায়ং বিজ্ঞাপয়িতুমিচ্ছতি বেতার্থ:। অতএব প্লাঘ্সূস্থাশপাং জ্ঞীপ্লেতি ক্রমদীশ্বঃ। এবাং প্রয়োগে বং জ্ঞাপ-য়িতু মিচ্ছা স সম্প্রদানসংজ্ঞঃ স্যাদিতার্থঃ। বিপ্রায় স্লাঘতে নিহ্নতে তিঠতে শপতে। শ্লাঘনেন বিপ্রং তোষয়িতু মিচ্ছতি অতিপ্রায়ং নিবেদীয়তুনিচ্ছতি বেতাৰ্থঃ। জ্ঞীপ্সাশব্দস্য তোষণ নিশামাদ্যৰ্থবাচকেন জ্ঞাধাতুনা নিষ্পাদিত-ত্বাৎ। এবং হ্নবনেন স্থিত্বা কলানেন বোদ্ধব্যনিত্যস্তৎ গোয়ীচন্দ্রঃ। সৌপত্মা অপোবং। বুক্তব্যৈতং। অন্যথা শ্লোকং শ্লাঘতে দ্রবাং নিহ্নতে গৃহে তিৡডি শক্রং শপতি ইত্যাদৌ শ্লোকাদেরপি সম্প্রান্তাপত্তেঃ। এবং ক্রণ্ডল চৌর্ষ্যে

খ্লাছঙ কথনে শপেতি কোধে এবামপি প্রয়োগে হ্বনাদ্যর্থেন বং ভোষমিতু-মিছতি স্বাভিপ্রায়ং বিজ্ঞাপয়িত্মিছতিবা স সম্রাদানসংজ্ঞঃ স্যাদিতার্থ ইতি বোধাং। স্পৃহৎকেপে ইতাস্য কর্মেব সম্প্রদানসংজ্ঞং স্যাদিত্ব। পুস্পেভাঃ স্পৃহয়তি রাজা। পৃস্পেভ্যঃ স্পৃহতে রাজ্ঞাইতাঁকর্মকন্বাৎ ভাবে প্রভায়ঃ। রাধ ইতি विटमयाভাবাৎ রাধ্বে সিদ্ধেইতি দৈবাদিকস্য সৌবাদিকস্যচ গ্রহণং ঈক্ষণ্ড দর্শনে ইতি ত্রয়াণামর্থঃ ভভাভভপর্যালোচনমেবেতি। অত্র বস্য ভভাভতে পর্যালোচ্ঞত তসৈাব সম্প্রদানত্বং। যথা দৈবজ্ঞঃ শিশবে রাধ্যতি রাথোতি ঈক্ষতে। আপ্রতিপূর্ব্বশৃণোতেরর্থোৎক্লীকারঃ সচ ষস্য সম্বন্ধে ক্রিয়তে তস্য -সম্প্রদানত্বং যুথা রাজা বিপ্রায় গামাশূণোতি প্রতিশূণোতি ইত্যাদি। গুরিশক্ষে ইত্রাস্যৈর এইণং মতু গু শ নিগরণে ইত্যস্য জেমিরাদ্যৈকবাকাছাৎ। প্রত্যসূত্র পুর্ব্বগৃণাতেরর্থঃ পুর্ব্ববজুঃ প্রোৎসাহনা তত্র পূর্ব্ববজুঃ সম্প্রদানত্বং। যথা বি-প্রায় ভূমিৎ দাসামীভূাক্তবতে রাজেহমাতাঃ প্রতিগুণাতি অমুপৃণাতি। ধারীতি ষুশঙ্ স্থিতে প্রেরণ এচন্তঃ। অস্যার্থো গৃহীতাপরিশোধনং। তত্র বস্য ধনং शृहीजः जमा मत्यामानचः। यथा पतिक्षः माध्य भजः धातप्रजि। पिरमापिधार्यार्थ পর্যান্তানাং যো বিষয়ঃ স সম্প্রদানসংজ্ঞঃ স্যাৎ তত্র চতুর্থী স্যাদিতার্থঃ। তাদর্ব্য ইতি। অর্থাকতুর্থীবিধানেনৈবেইসিন্ধে তাদর্ব্য ইক্তি শব্দার্থয়ে গৌরবং জ্ঞাপয়তি অর্থশক্ষসাত্র প্রয়োজনং নিবৃত্তিশেতি দাবপৌ গ্রাছো তথাচ অর্থোহভিথেয়রৈবস্ত প্রয়োজননিবৃত্তিবু ইত্যমরঃ। তত্ত স চার্সো অর্থঃ প্রান্তনক্ষেতি তদর্থঃ তস্য ভাবঃ তাদর্থাং এবং তস্যার্থো নিবৃদ্ধিন্তদর্থঃ তদৰ্থ এব তাদৰ্ব্যং স্বাৰ্থে ফ্যঃ। ততঃ তাদৰ্ব্যঞ্চ তাদৰ্থ্যঞ্চেত একশেষে স্কৃত্ৰত্বা-দেকত্বে তাদৰ্ব্যং তিমানৃ বৎ প্রয়োজনং তমাচ্চতুর্থী যস্য নিবৃদ্ধিন্তমাদপি চতু-পীতার্থঃ। যথা জ্ঞানার পঠতি পাঠসা জ্ঞানং প্রয়োজনমিতার্থঃ। মশকার ধুমঃ মশকস্য নিবৃদ্ধয়ে ইতার্থঃ। অতএব নরকায় প্রদাতব্যো দীপঃ সম্পূজ্য দেবতা ইত্যত্র নরকার নরকনিবৃত্তয়ে ইত্যর্থঃ ইতি স্বার্ভভট্টাচার্ধ্য ব্যাখ্যা। দদান্ত্রি-ত্যাদি। স হরিঃ সম্ভ্যঃ সৃধং দদাভু অত্র হরেঃ সুখদানেচ্ছা সম্বিষয়াতেন সতাং मत्रानान्षः न क हे जार। ऋताँ कामां स्कार्जार्गा भीगत्। यरैया असूत्र जिम তস্য গুণেষু দোষারোপণং করোতীতার্থঃ। অসুক্ররোতীতি কপ্তাদিদ্বাৎ ক্যঃ অস্থয়তি মোন যোগেঁহতীতে কী। গোপাঁগণো ষলো কুপ্যতিমা গোপীগণো যাম नेर्वे जिम्न (गोभीगर्ग) वरेमा द्वाहरजमा वनगासूत्रांगभाजमानी पिछार्थः। (गोभी-গণো ৰলৈ জ্বছাতিকা। গোপীগণো ৰলৈ তিপ্ততৈকা স্থিতা বং তোৰ্যায়ত্নিচ্ছৎ ৰাভিপ্ৰায়ং বিজ্ঞাপমিতুমৈ ছব। ইতাৰ্বঃ। তিঠতে ইতি প্ৰতিজ্ঞানিৰ্বয়ে আদি-( ঝ )

নাম্বনেপদং গোপীগণো যদ্মৈ ছতেম অপজ্বেন বং তোষ্মিতুমৈছৎ স্বাভি-প্রায়ং বিজ্ঞাপয়িতুমৈচ্ছছেক্সর্থঃ। গেলীগণো যদ্মৈ জয়াঘিউ য়াঘনেন ৰং ভোষয়িতুবৈদ্ধ্ বাভিপ্রার্থ বিজ্ঞাপয়িতুবৈদ্ধবেতার্থঃ। গোপীগণো যদ্মৈ ম্পৃত্য়তিমা গোপীগণো ৰমৈ অশপ্তচ শপথেন ষং তোষ্যিত্নৈছেৎ স্বাভিপ্ৰায়ং বিজ্ঞাপিষিত্নৈছদ্বতার্থঃ। অশপ্তেতি শপথাশীর্ণতামুকারে শপ নাথ ইত্যা-দিনাম্বনেপদং। গর্গ ইত্যাদি। গর্গো মুনিঃ ব্রচ্চে গোঙ্গে রামায় রাধাতিকা কৃষ্ণায় ঈক্ষতেমা রামন্য কৃষ্ণন্য চ শুভাশুভং পর্যালোচয়দিতানঃ। পর্যা-লোচয়দিতি কবিকম্পক্রমে অকিতো না চুরাদয় ইতাত্র বাশব্দসামুক্ত সমুচ্চ-সার্থস্বাৎ লোচ্ডীক্ষেইতি ভৌবাদিকসৈয়ব চুরাদিস্বরূপং। অথবা পর্যালোচনং পর্যালোচঃ যঞ্লনট্ ইত্যাদিনা ভাবেহন্ ততঃ পর্যালোচং করোতীতি ঞৌ রূপং। রামো বিভীষণায় রাজ্যং আশুশ্রাব ষশশ্চ প্রত্যশৃণোৎ দাভুং প্রতিজ্ঞা-তবানিতার্থঃ। লক্ষণস্তবৈদ রামায় প্রত্যপৃণাৎ কপিঃ সুগ্রীবঃ তবৈদ রামায় জন্ম-शृंगार । विजीयगां व्राक्षाः यभक्त मानाभीजि वमस्तः व्रामः नाधुवारेमः त्थारनाह-য়ামাদেত্যর্থঃ। ধারমতে ইতি ফলবৎ কর্ত্ত্ব্যান্মনেপদং। সর্বাঃ শিবঃ সন্তো ভক্তেভাঃ সর্বাৎ ধারয়তে দয়ালুতয়া অবশ্যং দায়িনঃ সর্বাস্য অধমর্বভুলাত্ত্বন নির্দ্দেশঃ। তাদার্থ্যোদাহরণমাহ তংভক্তেগ্রাদি। হে সাধো মুক্তগ্নে মুক্ত্যর্থং তং সর্বং ভজ মুক্তেঃ সর্বেণ সহযোগাভাবাৎ চতুর্থী। য শ্লিমিন্তস্য কর্মণ; যোগন্তত্ত ঢেনার্থাদিতি সপ্তমোব তেন বক্সেয়ু রজকমবধীৎ কৃষ্ণ ইত্যাদি। এবং যূপায় দারু অশায় ঘাসঃ রন্ধনায় স্থানীস্থাদি। তুমস্তোধাতুর্গভিন্থিতো যত্র প্রতীয়তে তন্মাৎ কর্মণোহপি ৰথা কাঠায় ব্রন্ধতি কাঠমানেতুং ব্রন্ধতীভার্থঃ। পাকায় খ্রন্ধতি পাকং কর্ত্ত্ ব্রস্কতীতার্থঃ। এবং মুক্রায় সম্পদ্যতে যবাগৃঃ যবাগৃরেব ভক্ষিতা মুত্রং ভবতীপ্তর্বঃ। ভেদবিবক্ষায়াল্ড ষবাগূঁহেতো মুক্তিং সম্পদাত ইত্যেব। এবঞ্চ উৎপাতেন জ্ঞাপ্যমানাদ্পি। বাতায় কপিলা বিচ্নাৎ আতপায় লোহিতা বিছাদিতাদি।

দাতৃমিচ্ছা দিংসা। আশ্চ প্রতিশ্চ তৌ তাভ্যাং শ্রুং দ্রং। প্রতিশ্চ অসুশ্চ তৌ তাভ্যাং গুঃ দর। স্থাশ্চ কুশ্চ প্লাঘণ্ট স্পৃহিন্দ শপচ রাধ্য ঈক্ষচ আপ্রতিশ্রুণ্ট প্রতিস্থাশ্য ধারিশ্চ তে তেষামর্থান্তে দিংসাচ অসুয়াচ ক্রোধণ্ট ঈর্যাচ ক্রাচিশ্চ দ্রোহণ্ট তেচ তে। তমৈ অর্থঃ প্রয়োজনং তদর্থন্তদর্থসা ভাবন্তাদর্থ্যং তিমান্ তাদার্থ্যে। যমৈ দার্ভুমিচ্ছা ইতি ঢেন কর্মণা ঘেনস্বেচ্য়া ক্রিয়মাণং দানং যো লভতে স ভসংজ্ঞঃ বস্য পুনরাদানং নাস্তি তদ্ধানমিত্যর্থঃ। অতএব ভগবান্দ্ পাণিনিঃ কর্মণা যমভিথৈতি স সম্প্রদানমিত্যাহ। তেন বিপ্রাশ্ব

গাং দদাতি মাবাৰ সৈতিলেভ্যঃ প্রযন্ততি ইত্যাদৌস্যাৎ নতুত্মতঃ স্পৃৡং দদাতি রাজ্যোদশুং দদাতি রক্ষকস্য বস্ত্রং দদাতীত্যাদৌ সত্রবে ভয়ং দদাতি ভয়ানি-হপি ভয়স্য দেয়ত্বেন বিবক্ষণাৎ অতএবোক্তং দদাতু সদ্ভাঃ স সুখমিতি। এবং বিবক্ষাবশাৎ যত্র বস্তুতো দানৎ তত্ত্রাপি ন। যথা সমমব্রাক্ষণে দানং বিগুণং ব্রাহ্মণক্রে। অধীতে শতসাহস্রামনন্তং বেদপারগে ইতি মহুঃ। পরেতু পূজা-সুথহ কামাপভিঃ স্বদ্রবাস্য পরার্পণং। দানুং তস্যার্পণং স্থানং সম্প্রদানং প্রকী-র্ত্তিতং। গুরুদেব ধিঙ্কাতীনাং ভাবশুদ্ধা কৃতং হি ষং। খ্যানাবনতিদানৈক পূজा मानन्यूठाटा । विकर्णात्रखनिः चानामकूष्माभू संकर हि यथ । পूत्रश् नान मानाजाममूबर 'उपाक्त । यश्किष्टि क्वमू पिया पानय छ अला पिकर्। ক্রিয়তে কায়িকং যচ্চ তৎ কাম্যেতি প্রকীত্তিতং। দানপাত্রং সম্প্রদানং ত্রিধা তঁচ্চ নিরুপিতং। দেহীতি প্রেরণাৎ কিঞ্চিৎ প্রেরকং বাচকো ৰথা। মহস্তাৎ बाहर्त्क देनव ভক্তा। प्रबुख मनाव्छ। अञ्चमञ्चिकदुमञ्द माम्मूनवानिजिविर्वथा। ন স্বীকরোতি মাহাম্মান্ন নিরাকুরুতে তথা। অনিরাকর্তৃকৎ তৎ স্যাদ্যথা চৈক্তাঃ কৃপানিধিঃ। ইতি মুখ্যসম্প্রদানমস্তত্ত্বতুপচারাদিত্যপ্যাহুঃ। অসুয়া গুণেষু (पांचादत्रां १४)। त्कादधा (न.क. व्यांक्रिका पि किस्ति विकास । क्रिया अक्रमा। तिक्र विकास । क्रिया अक्रमा। तिक्र विकास । व्यांक्रमा। तिक्र विकास । প্রীতিবিদেশঃ। দ্রোহঃ জিঘাংসা। অস্থ্যাদ্যপানাং ধূনাংঘস্যযং প্রতি কোপঃ। ক্চার্থানাং প্রয়োগেতু ঘো যস্য প্রীতিং করোতি। স্থা সুলাঘশপাং প্রয়োগে ষো বোধয়তুমিটঃস্পৃহিধাঃ প্রয়োগে যোহভীটঃ রাধীক্ষোঃ প্রয়োগে ফদিষয়ো বিবিদ্পানঃ আপ্রতিশ্রু প্রতাসুথোঃ এতয়োঃ প্রয়োগে গমামান প্রাক্তিসায়া বো ঘঃ। ধারেঃ প্রয়োগে বোধনস্বামী স ভসংজ্ঞঃ স্যাদিতার্থঃ। দদাত্ত্তি। বসৈ হরদ্ম গোপীগণোহস্মতিকা হরেওঁণে দোষমারোপিতবান্। যকৈ গোপীগণঃ কুপাতিসা যং প্রতি নেত্রদৌহিন্তাদিকং কৃতবান্। বলৈ ঈর্যাতিসা যংপ্রতি ন ক্ষান্তবানু। যমৈ রোচতেম ষদ্য প্রীতিবিষয়ীভূতো গোঁপীগণঃ। যমৈ জহু-তিন্ম গোপীগণোয়ং হিংসিভুমি্টবান্। যদৈ গোপীগণন্তি গতেন্ম বং প্রতি স্বাভিনাষং বোধিতবান্ প্রকাশে সং। বলৈ স্তুতেম অপস্বানো গোপীগণঃ हित हार्जुर् दाक्षिज्यांना । यरिम जुझाधिक झाधमानमान्नीन यर दाधिज-বানু। যদৈ স্পৃহয়তিম বমীপিতবানু পুস্পেভ্যঃ স্পৃহতে রাজ্ঞাইতাদাবঢ্বা-स्राट्य मर्। म्पृहनीवाविष्ठ्वय देशामि विकल्पमर्भनाधिकल्पयञ्चनाः। अत्रष्ट् পুল্পেভাঃ স্পৃহয়তি পুল্পানি স্পৃহয়তি ইতীদে ক্রিয়াব্যাপাতয়া চত্বং। ক্রিয়াসম্বন্ধবিষ্ণয়া দুর্ঘতি। বসৈ গোপীগণোহশপ্ত যং প্রতি গোপাগণঃ

मन्धानिमा क्षमा उद्यमद् रवाधिज्याम् । म हतिः महाः मूर्थः नर्नादिजान्त्रः। পর্ণো রামায় রাধ্যতিকা কৃষ্ণায় ঈক্ষতেকা ব্রজস্থানে বিবধপ্রমেন রামকৃষ্ণয়ো-শ্চিন্তংকীদৃগীতিপর্ব্যালোচিতবাস্ ইতার্বঃ। স্বাদিরাধ্বোতেরপিএইণাৎ বিপ্রায় রাধোতীতালে। রামোবিভীষণায় রাজ্যমাশুলাব ষশচ্চ প্রত্যশূণোৎ যাচমানে বিভীষণে রাজ্যং ৰশোপাজীকৃতবান্ তমৈ রামায় দক্ষণঃ প্রতাগৃণাৎ কপির্হনু-মাংশ্চ অন্তর্গণাৎ বিভীষণায় রাজ্যাদিকং দাতুংশংসতো রামস্য প্রোৎসাহনং কৃতবাৰীতার্থঃ। স্বাপ্রতিশ্ব প্রতাসুয়োঃ গমামান প্রাক্রিয়ায়াইহণাৎ বাচন শংসনভিবেহপি শৃণুদ্ধাঃ প্রতিশৃণুদ্তি মধ্যমাভীকনোত্তমাঃ। গৃণদ্যোহসুগৃণ-छाटन क्ञार्बाटेनव मेरिक्षा देजाटको व्यवन कथन आक् कियाया एव छः नगर। मसाः मर्काः मर्काः भरका धात्रप्रत् मर्चाः मन्द्रमा मर्काः मर्काः मर्काः मर्काः শিব ইত্যর্থঃ। অন্যেতু ধৃশঙক্বিতাবিতি গৃহুস্তি। বৃঙহবধংনে ইতি পরে। বস্তু-তস্তু মৃশঙ্ক্তিতী মৃওচধারণে মৃক্চ মৃত্যাং বৃত্তবধংলে চতুর্বাং এহণং'। তথাচ ধনং ধ্রিয়তে তিঠতি সাধুন্তকনং ধারয়তি স্থাপয়তি সাধুর্ধনস্থিতিপ্রয়োজক পুর্ব্বক স্বামী উত্তমর্গঃ পৃত্যর্থে সাধুর্থনং ধারমতে ধারমতি বা রক্ষতি অত্র সাধু রক্ষণকর্ত্তাধনবামী উভ্তমর্বঃ। এবংসাধু ফলংধারয়তে অবধংসয়তি সাধুর্ধননাশ প্রয়োজকঃ স্নামী উত্তমর্নঃ। সর্বত্র তৎপ্রয়োজকে চৈত্রে পুর্বের স্বামিনি সাধী ষে ত্রী প্রাপ্তে হনেন ভমিতি সারার্থঃ। এবং বিপ্রায় শতংধারয়তি চৈত্রঃ বিপ্রস্য শতং ধ্রিয়তে স্বরূপেণাবতিগ্রতে ওচ্ছতং চৈত্রে আন্ধনি স্থাপয়তি ইত্যর্থঃ। তং जेमृणः भिवः प्रुक्ता उक उका अका श्रीका नः अवः यृशोप्र मातः तसनात्र छानी-ত্যাদি। অমুক্তচতুমন্তঢাং। অপ্রযুক্তন্য চতুমন্তন্য ঢাচ্চী ন্যাং। কাঠায় ব্রঞ্জতি কাপ্তমানেতুংগচ্ছতীত্যর্থঃ। যুদ্ধায় সংনহতে যুদ্ধং কর্ভুং সমহনং করোতি পত্যে শেতে পতিং প্রীণয়িতুং শেতে ইত্যর্থঃ। অসুজেতি কিং এধানাহর্তুং ব্রঞ্জতি। চতুমর্থভাবাৎ। চতুমর্থে যো ভাবতাত্তদন্তাকী স্যাৎ। পাকায় ব্রজ্ঞতি পক্তৃৎ ব্ৰহ্মতীত্যৰ্পঃ। এবং ভূতয়ে ব্ৰহ্মতীত্যাদি। ষদ্যপি তাদৰ্থ্যং গদ্যতে তথাপি নিয়-মার্থং তেন ওদনং পাচকো ব্রহ্মতীত্যাদো ঘে চতুমর্থবার স্যাৎ। উৎপাতেন বোধাৎ বাতায় কপিলিকা বিছাৎ কপিলিকাবিছাছৎপাতেন জ্ঞাপ্যদাননাবায়ু বিতার্থঃ। এবমাতপায় লোহিতা বিহাদিত্যাদি।

১৬। শক্তার্থবষড্টিতস্থখসাহাস্বধাস্বস্তিনমোভিঃ। এতির্বোগে চী আৎ। দৈতোভোগংলং হরিঃ পুষ্ণে বষট সদ্ধো হিতং সুধং। স্বাহাগ্যয়ে স্বধা পিত্রে স্বস্তি ধাত্রে নমঃ সতে। मार्क्स व्यर्थ वयहे ह हिउद्ध मूथ्य याहा ह यथा य यिह नमण देः। मिल्ट नामर्था व्यर्थ थायाकनः। मार्कार्थ हिउ मूथ हे इ हर्ज़ामर्थ ग्रह्मार मार्कार्थ व्यर्थ थायाकनः। मार्कार्थ हिउद् में मार्का महा प्रकार व्यर्थ थायाकनः। यहा प्रकार श्रित्र व्यर्थ व्यर्थ व्यर्थ थाया नमर्थ हे क्यामि। मृंभाग व्यर्थ न्भाग थायाकनः नभाग हिउद नृभाग भथाद नृभाग मार्ग्य हे क्यामि। दिएक का हे का मि। दिएक का हे का मि। हिउद महाः मूथः। व्यर्थ वाह्म भिएक यथा थाएक यश्चिम नम्भ मार्ग हे का मार्थ है का प्रकार यहां भिएक यथा थाएक यश्चिम नम्भ का मार्थ है का प्रकार याहा विकार मार्थ है का प्रकार याहा नम्भ का ग्राधिक । व्यर्थ वाह्म विकार मार्थ है का प्रकार वाह्म विकार मार्थ है का प्रकार वाह्म वाह्म वाह्म है का प्रकार वाह्म वाह्म

শক্তোহর্থো বেষাং তে শক্তার্থাঃ শক্তপর্ব্যাপ্ত প্রভুপ্রোথনাদয়ঃ। দৈত্যেভ্য ইত্যাদি। দৈত্যানাং সম্বদ্ধে সমর্থে। হরিঃ। এবং অলংপ্রদোষ্য প্রিয়সঙ্গ-নায় শক্তো মল্লো মলায় ইচ্চো বৃত্তায় প্রভুরিত্যাদি। যদা প্রভুশক ঈশর-বাচী তদা ষ্যেব তৈন মমায়ং প্রভুং স্বামীতার্থঃ ভিট্টো নাপ্রোপীদস্য কল্চন ইতি দর্শনাৎ শক্তার্থযোগে यাপীত্যনো। শক্তো মল্লো রাজ ইতাত্র রাষজ্ঞা ন শক্তাৰ্ধযোগঃ। বষট্ স্বাহা স্বধা দানার্থ দ্যোতকাঃ। পুষ্ণে বষড়িতি স্ব্যায় দীয়তে ইতার্থঃ। সদ্ভোহিতং সদ্ভাঃ সুখং পরত্র গ্রহণাৎ সভামিতাপি প্রামাদ্যদগুণিনাং হিতমিতি ভট্টিঃ। অর্থয়ে স্বাহা অর্থয় দীয়তে ইতার্থঃ। এবং পিত্রে ৰধা থাত্ৰে বৃত্তি পোষ্ট্ৰঃ কুশলমস্ত্ৰ ইত্যৰ্থঃ। সতে নমঃ সতাং সন্থন্ধে প্ৰগাম ইতার্থঃ। সামান্যতঃ এহণাৎ কৃষ্ণায় কুসুমং নমঃ ইত্যাদে ত্যাগার্থেনাপি স্যাৎ नमञ्जूका मूर्नितायमिकारमी नमः गमरमाजिकथनकार्यकृत्का वाशादार एदः। त्रावनाम् नमकूर्वाः मा९ मीए विख एउ अवरः। नत्मा सार्व किन्नामूरना চতুর্থী সমতা বুধৈঃ। কর্নোতার্থ বিবক্ষারাং দিতীয়াতত্র নিশ্চনা। রাবণায় নমঃ কুর্যাঃ নমশ্চকার দেবেভাঃ ইত্যাদে তু প্রণতিবাচক নমঃ শব্দস্য ক্রিয়া-व्याभाषां एषः न्यारमर । विवर्काक थायाकनाथीर्थन । विवर्क्किणाणाः প্রয়োজন বাচ্যার্থেনচ খোগে চী স্যাৎ। কুবেরার বলিঃ বিপ্রায় রক্ষিতং ব্রাক্ষ-ণার্ধায় যবাগুরিক্যাদি,নিতাং প্রয়োজনার্ধার্থেন বাচালিকতাচেতি সঃ। ক্লপ্তা-

বৈধিবিকারে সম্পদ্যমানাদভেদে। রুপ্তার্থপুভির্বোগে সম্পদ্যমানাচ্চী স্যাথ।
বিকারে নতু ভেদবিবক্ষায়াং। মূত্রায় যবাগৃঃ সম্পদ্যতে মূত্ররপেণ যবাগৃঃ
পরিণমতীত্যর্থঃ। এবং উচ্চংরায় কম্পত্তে মাস ইত্যাদি। বিকারে কিং মূত্রং
যবাগৃঃ সম্পদ্যতে অত্র বিকার্গোন বিবক্ষিতঃ কিন্তু কারণতামাত্রং। ভেদেতু
মূত্রং যবাগাঃ সম্পদ্যতে যত ইত্যাদিনা জন্বং।

#### ১৭। ঢেনাশিষি বা।

### সন্তঃ সতাং বা শন্তুয়াৎ।

कर्माण्यम कियावााणाः कियावावां उच्चाकां उच्चाकां विद्याना । उन कर्माण्यमा उप एका विधानां व ज्ञावां विधानां व ज्ञावां व ज्ञावं व ज

আশিষি গমামানায়াং যস্য সন্থক্ষো হবগমাতে তন্মাচ্চী সাাঘা নতু ১০ সতি।
বদ্যপি সামান্তেনোক্তং তথাপ্যভিধানাদিশেষতো জ্ঞেয়ং। তথাহি কুশলামুষ্যং প্রয়োজনহিত সুখশোভনাথৈরের যোগে জ্ঞেয়ং। সন্তঃঃ সাধুনাং কুশলং
ভবতীতার্থঃ। এবং সন্তঃঃ সতাহুবা আয়ুব্যং জীবিতং প্রয়োজনমর্থঃ পথ্য মুপ্কারকং শর্মাতং শোভনং মূদ্রং বা ভবতু ভূয়াধা ইত্যাদি। স্বন্তি গোভ্যো
ব্রাক্ষণেভ্যো ভূয়াদিতি পুর্বেণ নিত্যং। হিত সুখ্যোক্ষভ্য়ত্র পাঠাদনাশিষ্যপি

বিকপ্পার্থঃ। ঢেডু শিবস্তব করোডু শং। ঢে নিষেধস্ত ন পাণিন্যাদি সমতঃ। আশিষি কিং আয়ুষ্যং প্রাণিনাং হতং।

#### ১৮। পরিক্রিয়োধে বা।

### ভক্তৈ মুক্তিঃ পরিকীত। সদ্ভিবিক্টোরুষারিভিঃ।

পরিপুর্ক্তনা ক্রীণাতেঃ প্রয়োগে ধে করণে চতুথী ন্যাদেতার্থঃ। ভক্তাইতাদি। বিক্ষোঃ সকাশাৎ সৃদ্ধিঃ সাধুভিঃ ভক্তা মুক্তিঃ পরিক্রীতা অরিভিদৈতারকা ক্রোধেন মুক্তিঃ পরিক্রীতেতার্থঃ। ভক্তাইতি চতুথী রুষা ইতি ভূতীয়া। বেতন এবারং বিধিরিতি ক্রমদীশ্বর শ্রীপতিদক্ষো দ্রোণায় দ্রোণেন বা অহঃ পরিক্রীতো বৈতনিকঃ। দ্রোণবেতনেন কৃৎস্নমহঃ শ্বীকৃতো বৈতনিক ইতার্থঃ। ন্যবস্থার্থং পরস্ক্রে বাশক্ষেহ্বশ্যবক্তব্যে বিভাষাদ্যমধ্যবর্ত্তিত্বেহ্ন প্যায় বিকল্পার্থং বা গ্রহণং।

পরিপূর্ব্বক্রীক্রো বেতনাদে ধে চী বা সাং। নিয়তকালং কৃষা স্বীকরণং পরিক্রিয়ঃ। সন্ধিবিফোর্ডক্তৈয় মুক্তিঃপরিক্রীতা বিষ্ণুসেবন বেতনেন সালো-ক্যাদিরপা মুক্তি নিবদ্ধা ইত্যর্থঃ। অরিভিঃ শক্রভিঃ রুষা দেবেগং। উদাহরণ দমেন ক্রিকেপো দর্শিতঃ। এবং দ্রোণায় দ্রোণেন বা পরিক্রীতো ব্যলঃ। কিঞ্জিৎ কালপর্যান্তঃ স্বীকৃতবানিতার্থঃ। পরেঃ কিং শতেন ক্রীতোহশঃ। পরে ধস্য ভদ্মান্তঃ।

## ১৯। গতার্থমনাতে চেন্টাবজ্ঞেংনধাকাকপুকশৃগালনাবনে ব।।

গতার্থমন্যত্যোতে ক্রমাৎ মার্গকাকাদিবর্জ্জে চেন্টাবজ্ঞয়োশ্টী স্যাদা। ব্রজায় ব্রজতি জ্ঞীশো ব্রজং ব্রজতি কেগবঃ। ন ছা তৃণায় মন্যে২হং ন ছা মন্যে তৃগং খল। চেন্টাবজ্ঞে কিং। মনসা দার-কামেতি ছাং মন্যে২হং জনার্দ্দনং। অধ্বাদৌ তু। গচ্ছতানন্তঃ পদ্থানং ন.ছা কাকং স মন্যতে।

গতার্থণত মন্তাশত গতার্থমন্তো তয়োর্যত্ তিন্মিন। চেফীচ অবজ্ঞাত ছয়োঃ
সমাহারঃ চেফীবজ্ঞত্ তিন্মিন। ন অধা অনধী কাকণ্ড শূকণ্ড শৃগালণ্ড নৌশ্চ
অন্ধ্র তৎ নতৎ অতং অকাক শূক শৃগালনাবন্ধৎ পশ্চাৎ অনধাত অকাক শূক
শৃগালনাবন্ধ ছয়োঃ সমাহারঃ তিন্মিন। চেফী কায়ক্তব্যাপারঃ পরিস্পাদ-

নাদিনক্ষণেতি কেচিং। অপকৃষ্টছেনাবজ্ঞা। ততক গহার্থধাতোরধনি বর্জ্জিতে কর্মনি চেন্টায়াং গম্যমানায়াং চতুর্থী বা স্যাদিহার্থঃ। ব্রজায় ব্রজ্জতীহ্যাদি। পক্ষে ব্রজ্ঞং ব্রজ্ঞতি। নদ্ধা তৃণায়েতি। হে ধন দ্বা দ্বাং তৃণায় ন মস্তে তৃণাদ্দপাপকৃষ্টং মস্তে ইহার্থঃ। মস্ততে র্যেন কর্মণা অনাদরো গম্যতে তব্রৈব চতুর্থী তেন নদ্ধা ইহার ন স্যাং। রামানক্ষ্ম নদ্ধা তৃণায় ইত্যুদাহরণ জ্ঞাপ-কাং নঞ্চমন্বন্ধে বিধিরয়মিত্যাহ তদ্ধেয়ং। তৃণায় মদ্বা রদুনক্রনাহুণ বিধেন রক্ষ্য প্রধনাদ্বিরাস্থদিতি ভট্টিঃ। ত্বা মন্তেহহং জনার্দ্দনিদিতি প্রত্যুদাহরণ প্রয়োগাভাবাং। মন্যতেরপ্রাণি কর্মণি চতুর্থীতি কেচিং স্বমতে প্রাণি কর্মণ্য-কর্মণিচ কাক্ষমধ্যে শ্রুপাচাং। ভবস্তং দৃশদং মন্যে দ্বাং মন্যেহহং পিশাচক্ মিত্যাদেত্বি চ্যপ্রাপ্তিপক্ষের জ্রেয়ং। কেচিজু কুত্রাপি বিধিরপি ন স্যাৎ তেন ধাম কুমারসম্ভবঃ স্বয়স্ত্রতে ন মন্ত্রন্ত ইন্তাদি।

গতিরর্থো যস্য সঃ সচ মন্যাত তন্ত্রস্য চং তিমান্। চেম্টাচ স্ববজ্ঞাচ তন্ত্র-স্মিন্। ন অধা অনধা কাকণ্চ শূকণ্চ শূগাল্ড নৌণ্চ অক্সঞ্চ তৎ ন তৎ অকাক শূক শৃগাল নাবরং। পুনঃ অনধাচ তচ্চ তম্ভন্মিন্। নঞ্চয়মুক্তং, যথাক্রম-দর্শনার্থং। চেফ্টায়ামিত্যুক্তের্গতিরিহ পাদবিহরণাত্মিকা তের ক্রিয়ং গচ্ডতী-ত্যাদাবৃপি न স্যাৎ। গ্রাম্যার্থস্বাচ্চেন্টাকায়কৃতব্যাপারঃ পরিম্পন্দনাদিলকণ মিত্যেকে তমতে ব্রিয়ং গচ্ছতীত্যাদৌ গৃহং প্রবিশতি ইত্যাদিবন্ধ দুয়াৎ। বাশব্দ্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ অজ্ঞাং নয়তি গৃহং প্রবিশতি গিরিশিধরুমারোইতি সাগরং তরতি ইত্যাদে ন স্যাদেব থামায় গ্রামং গস্তা বনায় বনং গমন মিত্যাদে ঢে যাপি ন সাং। গ্রামস্য গন্তা বনস্য গমনমিত্যাদ্যপি ভাগবৃদ্ধিঃ। একেতু তাদর্প্যে চ্যাং দিন্ধায়াং গ্রামায় সমৃক্তীত্যাদিষু সমোগমৃচ্ছেত্যাদিনা অচত্বান্মপ্রাপ্তি নিরাসার্থমিদমিত্যান্তঃ। নত্বা তৃণায়েতি মন্যতে র্থেন ঢেনা-নাদরো গদ্যতে তত্ত্বৈব চী তেন স্বা ইত্যত্ত্ব ন স্যাৎ। গছত্যুনস্ত ইত্যুদি অত্ত **प्र्यामा। प्रदेश । प्र्यापञ्च माक्रामि छिम् उत्माथी शिर्ट्यू एउन छे९-**পথেন পথে গচ্ছতীত্যাদো স্যাৎ। পথঃ সাক্ষাদভিমত দেশপ্রাপ্তে ব্যবহিত ব্যাপারবত্ত্বেন গৌণছাৎ। ন ছা কাকমিতি ছাং কাকং ন মন্যতে কাকাদপ্যপ-क्छे ननाए देजार्थः। अवश्न वा भूकः मत्ना न वा भृशानः मना देजामि। পরেতু প্রাণিমাত্তে নিষেধাৎ। কাক শূক শূগালানামের নিষেধ ইত্যাভ্ঃ। जमार्क भूक ह्यांदन अनः भाष्ठः जारमाञ्च धीनियु कांकभूनामाद्यव वर्ज्यस्ति।

২০। যতো২পারভীজুগু প্রসাপরাজয় প্রমাদাদান ভূত্রাণ বিরা-মান্ত দ্বিবারণং জং পী।

যত এতে তজ্জসংজ্ঞং সাৎ তত্ত্র পী। বিভীষণঃ পদাদুর্ফোভাতৃভীতো জুগুপিসতঃ। পাপাৎ পরাজিতো ছংখাদপ্রমন্তো
বিধেঃ সঠঃ। আত্তবিদ্যোমুনের্জাতোভাতৃস্তাতোনিকৈর্ভবাৎ।
বিরতোহতুর্হিতোছ্টাচ্ছোকাদ্রামেণ বারিতঃ।

় অপায়ত ভীত্ত জুওঁপোচ পরাজ্ঞয়ত প্রধানত আদানগু ভূত ত্রাণঞ্চ বির। অত অন্তর্শ্ধিত বারণঞ্চেতি সমাহারঃ। একদেশে তে ষমান্তর্গতি তদপাদান সংক্রঃ স্যান্তত্ত্র পঞ্চমীস্যাদিত্যর্থঃ। অপায়ো বিল্লেষঃ পূর্ব্বসংযোগনাশত্ত্যা-চোভয় নিঠবেন বৃক্ষাৎপত্ৰং পততীতিবং পত্ৰাদৃক্ষতিগতীত্যপপ্ৰয়োগাপত্তেঃ। বস্ততন্ত্ৰ অপপূৰ্ব্ব অষঙগতো ভাবেঘঞি অপায় ক্ৰনং। যশাৰস্ত্ৰনোবস্তম্ভ-ব্লস্যচ চলনং ভবতি তদ্পাদানমিতার্থঃ। তেন পত্রাদৃক্ষস্য চলনাভাবাৎ পত্র-স্যনাপাদানত্বং। ভীর্ত্যং। ষণা ব্যাত্রাৎ বিভেতি। নিন্দয়ামনোনিবৃত্তি জু গুপ্সা। বথা পাপাৎ জুগুপ্সতে ধীরঃ। এবং বিভৎসতে পরস্ত্রীভা ইতি হলা-बुधः। পরাজয়ঌ সোচুমশক্তা নিবৃত্তিঃ। यथा সিংহাৎ পরাজয়তে হস্তী। অন্যত্র হস্তিনং পরাজয়তে সিংহঃ। প্রমাদঃ শাস্ত্রবিহিত কর্মাকরণং। যথা ধর্মাৎ, প্রমাদ্যতি নীচঃ। আদানং গ্রহণং। যথা কূপান্ধনং গৃহাতি বিপ্রঃ। এবং উপাধায়াৎ গ্রন্থমধাতে ছাত্রঃ পঠতি শৃণোতি জানাতীত্যাদি। ভূরুৎ-পিছিঃ প্রাত্মভারণ্ট। যথা পিছুঃ পুজো আয়তে হিমবতো গলা প্রভবতি। ক্রাণং রক্ষাং ষথা ব্যান্ত্রাৎ গাং রক্ষতি গোপঃ। বিরামো বির্তিঃ। ষথা জপা-দিরমতি বিপ্রঃ। অন্তর্দিরস্তর্গানং লুক্কায়নমিতি যাবং। যথা গুরোর ন্তর্দ্ধত্তে শিলঃ। এবং নিনীয়তে পলায়তে লুফ্লায়তে লুক্কায়তীতি লুঞাপনয়নে কর্মনি किপি লুক্। লুকারঃ শরীরং ষস্য লুক্কারঃ। এতেন ইবাচরতীতি কো সাধ্যং বারণং নিবারণং। মুথা ধবেভ্যো গানিবারমতি। বিভীষণেভ্যাদি। বিভী-ষণঃ পদাস্ত্রকঃ পদাঁৎ স্থানাৎ ভ্রফকালত ইত্যর্থঃ আতৃভীতঃ ভরং প্রাপ্ত ইতার্থঃ। জুগুপিসতঃ পাপাৎ নিক্ষয়া পাপান্মিবৃত্তিরিতার্থঃ। পরাজিতো চুঃখাৎ চুঃখুং সোচুমশজ্ঞা নিবৃত্ত ইতার্থঃ। অপ্রমজ্যে বিখেঃ শান্তবি হত কর্মণোহনিবৃজ্ঞোনেতার্বঃ। বত আশ্ববিদাঃ আঙপুর্মদাঞ গ্রহণে বস্তুতে। ততঃ কর্মণিক্রং গ্যাচন্তর্বৈতি তকারাদেশঃ আত্তাগৃহীতা বিদ্যাবেন, স আন্ত-

বিদাঃ সতঃ পশুতাপৃট্ডবিদা ইতার্ণঃ। স মুনের্ছাতঃ মুনের্বিশ্বশ্বনো জাতোভূত ইতার্থঃ। ভাতুপ্রাতো নিজেঃ আশ্বীয়েঃ প্রাতু রাবণাৎ বধোদাতাৎ ব্রাতো রক্ষিত ইতার্থঃ। ভবাৎ বিরতঃ ভবাৎ সংসারবাপারাৎ বিরতো নিবৃত্ত ইতার্থঃ। অন্তর্হিতো দুক্তাৎ রাবণাৎ অন্তর্হিতো পুরায়িত ইতার্থঃ। অন্তর্হিত অন্তর্মন্ধ পূর্ব্ব তুথাঞান অনুর্দান কর্ত্তরিক্তঃ। শোকাৎ রামেণ বারিতঃ দ্বামহৎ লক্ষারাজ্য করিয়ামীতাাদি প্রিয়বচনমুক্তা শোকাশ্বিনারিত ইতার্থঃ। কুতো ভবানু অযোগায়া ইত্যাদি প্রশার্থানয়োরাগত ইতান্যাগাহারেনের অপায়সিছেন্ন পঞ্জমী।

অপায়ে। বিশ্লেষঃ ভীর্তরং। জুগুপ্সা গহুয়া চিন্তনিবৃত্তিঃ। পরাক্তরঃ সোদ্ধ-শক্তিঃ প্রমাদোহনবধানতা। আদানং নিয়মতোবাক্যগ্রহণং ভূরুৎপত্তিঃ প্রাছ-ভাবল্ট। ত্রাণং রক্ষা। বিরামোহশ্রদ্ধা চিন্তনিবৃদ্ধিঃ। অন্তর্দ্ধিরন্তর্দ্ধানং। বারণং প্রবৃত্তিবিঘাতঃ। যত এতে ইতি। অপারাদ্যবধিত্বেন বদিবক্ষাতে তব্জ সংজ্ঞংসাং। তত্ত্ৰিবিধং। নিৰ্দ্দিট বিষয়ং কিঞ্চিত্নপান্তবিষয়ন্তথা। অপেকিড ক্রিরাঞ্চেতি ত্রিধা পাদানমুচ্যতে। শ্রুতসাধ্যক্রিরং বৎস্যাদ্রিদ্দিউ বিষয়ন্ত তৎ। উহু সাধ্যক্রিয়ং ৰৎ স্যাত্নপাক্ত বিষয়ন্ত ওঁং। অপেক্ষিত ক্রিয়ং তৎ স্যাদ্ধৎ ক্রিয়া শূন্যমেবহি। ক্রমেণোদাহরণানি। বৃক্ষাৎ পর্বং পত্তি ঘনাধিদ্যোততে বিদ্যান্দেখানিঃস্ত্য বিদ্যোতত ইত্যর্থঃ। গ্রোচন্নভো মাথুরা জাচ্যতরা ইতাত্ত নিয়মেন উৎকর্ষ ক্রিয়া গমাডে। নিয়ম্চাবশাকতা। বে তাবদাচাতরা ভবস্তি তে চুৰ্গতেভাঃ উৎকৰ্য সুৰভাজো ভবন্তি ইভাৰ্বঃ। এবং মাধুরেভাঃ শ্রোদ্বাদীন-তরা ইতাত্র নিম্নমনাপকর্যক্রিয়াগন্যতে ইতি। অপসরতো মেহাদপসরতি মেহ ইত্যাদৌ একস্যাবধিদ্বং বিবক্ষাতে। যদা তু বিবক্ষাতে তদা মেষাবপসরত ইতি এবং বৃক্ষস্য পর্নং পততীতি সম্বন্ধমাত্রস্য বিবক্ষিতত্বাৎ। তত্র ভীত্রার্থয়ো র্যো **७**য়८इड्४। ७য়ोमीनामवधिष्यन यशिवकार् ७६६४म १ अतारकर्ष । अतारकर्ष भागूम-भकाः। जानामः निग्नमत्त्वा वाकाश्रहनमा व आधार्या। উৎপত্তিকর্ত্তর্যৎ कात्र थाष्ट्र इंगरकर्ड् वंपारणा शनस्त्र नहा न । अस्त्री न कर्डा वना पर्मन मिष्ठि। कुछ्ना विज्ञाम ध्यमान वाजनांचीमाः विश्वमित्रः उरेमावावधिष বিবকায়াং জ সংজ্ঞেতার্থঃ। বিভীষণ ইত্যাদি। বিভীষণঃ পদাদ্রুষ্টঃ লঙ্কায়া রামদ্য নিকটং গডেতি বাবং। স কীদৃশঃ ভ্রাতু রাবণাম্ভীতঃ তদ্য জ্রাতৈ-वजत्रहरू: कुक्षिकरेवनः ভात्रत्रिक हेजारमी जू जविदाजावात्रजनः। পাপাৎ জুগুলিতঃ পাপং নিশ্বং তত্ত্বে নিবৃত্তঃ। জুগুলায়াঃ পাপনেব

निभित्तः। कृश्योदलेतां क्षिण्डः कृश्येद दुर्गापृद न कृमः शेतां क्षत्रः त्रांषुमानकारमद ছুঃধং। অন্যত্র রিপুন্ পরাজয়তে অভিভবতীতার্ধঃ। অবিধেঃ প্রমন্তঃ জশান্ত্র विहिजाए कर्मानः ध्रमज्ञः ध्रमामगामाजविह्यिकर्टम्बर निमिर्छए। वहाविरधः **ज**थमक हेिं जगरमा निरम्भकृत। जारमी **क**ष्ट शंका बिरम्भकारम्भक्तः। থামামগচ্চতীতিবং। এবং ধনাং প্রমাদ্যতি ইত্যাদি। সত আন্তবিদাঃ পঞ্জি-তান্ত্রিয়মতো গৃহীত বাকাঃ গুরোরধায়নসা নিয়মপূর্বকত্বাৎ নিয়মতোবাকাসা मठ जाशाकुषः वरमूलाधामार मृत्गां अठे ने जामि जनिम्रत्मकू नहेमा भृत्वां । प्रत्निर्विश्ववरमा कांजः छर्लकः विशेष्तमा प्रनिर्मिष्डकात्रवः। कात्र मानेना श्रक्टंड कार्त्र जिल्तिथ नमराशिनिमिखक ज्व वर नमरवंडर कार्या प्रशामारं उर ममनाति यथा प्रिकालां छात्र व नी छान कूरता छात्र उ ইত্যাদি এত দ্বিশ্বং নিমিব্তং যথা চক্রান্যটো স্বায়তে পুত্রাৎ প্রমাদো স্বায়তে ইতাদি সমবায়িকারণ প্রত্যাসম্মবধৃত সমবায়িচ কারণান্তরমিত্যনাঃ ধ্বা তদ্ভবন্নসংবোগাৎ পটো জায়তে ইতি শৃক্ষাৎ শরো জায়তে গোময়াভূলিকো জায়তে ইতাত্র শৃক্ষাদি সমবায়িকারণং শৃক্ষাদি সমবায়ি শরাদের পৃথক সিদ্ধ-ছাৎ।- আতু রাবণান্নিজৈরাখীহৈস্ত্রোতঃ ij: রাবণো বিভীষণস্য ভয়হেতুরেব এবং কাকান্তিলাং ক্রায়তে ইতাত্রত্ব প্রাণিনি ভয়মুপচরণীয়ং ভয়স্য প্রাণি ধর্মাত্বাৎ। ভবাদিরতঃ সংসারমশ্রাদ্ধবিদ্বৃত্তঃ বিরামসান্তবোনিমিত্তং ছন্টাদন্ত-হিতঃ আশ্বনোবা বনাদদর্শনমিউবান্ । রামেণ শোকাদারিতঃ শোকে প্রবর্ত্ত-মানো নিরুদ্ধঃ রাবণস্য নিমিত্তং শোকঃ। এবং যাবভো গাং রক্ষতি কুপাদদ্ধং বারমতি সত্যাৎ স্থলতি আচারাক্তলতিবিপ্রাধন্তং পৃহ্নতি ইত্যাদৌ গৌণা तीनांशार्वेधिएवन विविक्तिङ्वाब्ब्रक्ट् अवः मिङ्गाखामाः शएणाः। छमा ধ্রুবং মৃত্যুরিতি মনসা তং প্রাপ্য ততো নিবর্দ্ধত ইত্যাদৌ ক্রমেণৈব গৌণাপায় ত্বাৎ সিল্পেডাদি গ্রহণ্থ প্রপঞ্চার্থমিত্যন্যে। ব্যাক্রাদ্বিভেতি দৃশ্যভোঃরক্ষিতঃ चार्व हैजामि निवृक्तर्य मास्त्रिकि एद शृर्खनाथा स्थ धर्नि पित ।

२५'। अनांत्रजार्शताषिरिर्वेनदर्ख প্রতিপর্যাপাঙ্টিক্শবৈদदर्जू यवदर्थ ह।

এতির্বোগে হেতৌ যবস্তুস্যার্থে চ পী স্যাৎ। আঙ্ব্যাপ্তিসী-মোস্ত্যাগে হন্যো প্রতিদান্নিধো প্রতি। নেতরো বিষ্ণুরীশানাত্ত-বাৎপ্রস্তৃতি সোহর্চ্যতে। সোহস্মদারাদ্বহিস্কৃচ্ছং বিনা নার্থে। র্ষাদৃতে। ভক্তেঃ প্রত্যমৃতং শস্তোঃ প্রত্যমঃ কেশবাৎপ্রতি। পর্যানস্তাজ্রস্তাপা আমৃত্যাঃ সেব্যতাং হরিঃ। ব্রহ্মাস্ত্যাসকলাৎ পূর্বঃ ক্লফাড়ামোহবরো গদঃ। আনন্দাদীশ্বরঃ শৈলাদাসনাদী-ক্ষতে হলকাং। শৈলমারুছ আসনে উপবিশ্যেতার্থঃ।

অন্যাচ আরভাচ অন্যারভোগ তৌ অংথ বিষেত্তি অন্যারভাথে। অন্যার্থ আরভ্যার্থন্টেভার্থঃ। দিশি বর্ত্তমানাঃ শব্দাঃ দিক্লব্দাঃ। দিশপ্রাধা-ন্যাৎ বর্গসংক্ষেপার্থঞ দিক্ষেশকালবাচকানাং দিক্শব্দেন নির্দেশঃ। অতএব जिल्ला उर्देश मिक् मास्य मिक् प्रमा कारवासामिक संग्र वका कि। मिक् मथा का পূर्व्वाभवामग्रः श्राश्वमक श्राजामग्रण। किथाज मिर्कामकानांनाः जग्नानारमव যে বাচকাত্তেয়ামের গ্রহণং। তেন কালমাত্র বাচকদ্য মাদাদের্ন, প্রদক্ষঃ অন্যারভ্যাথে চি আরাচ্চ বহিল্ট বিনাশ্ট ক্ষতেল্ট প্রভিন্ট পরিল্ট অপশ্ট আঙ্ট দিকশব্দান্চ তে অন্যারভ্যাপারাদহির্বিনর্জে প্রতিপর্য্য পাঙদিক্ শব্দানৈত। यविजिक्तांव शास्त्र ययारमभः जमा (करनमामखनां समस्या अहनः जमार्था यदर्शः (इक्ष्म यदर्था एक एक पर्या किया । अनारियंत्रातकारियंत्रात्रिना-त्रके जिर्मिश्वाहक मरेक्फ रवारत एटा अयुक्तामाना लिक्नाम्बर स्वतार्थ ने नामा-নেচ পঞ্চমীস্যাদিতার্থঃ। প্রতিপর্য্যপাৎ চতুর্ণামর্থবিদেষেপ্রেমগ্রহণ মিত্যাছ আ हरामि विज्ञामि । अञ्च आ हरामि मी द्यां वर्ष द्यार्थ देव । या श्वित जिविधः । সীমা অবধিঃ। প্রতিঃ প্রতিদান নিধৌ বর্তুতে দানঞ্চ নিধিশ্চেতি সমাহারে দাননিধিঃ সুত্রত্বাৎ পুংস্তং প্রতেদাননিধিঃ প্রতিদাননিধিঃ তিমানু প্রতিদানে প্রতিনিধে চেতার্থঃ। প্রতিদানং বিনিমরঃ প্রতিনিধিস্তল্যঃ। অন্যোগ আঙ প্রত্যোর্মধ্যবর্ত্তিনো পর্যাপো ত্যাবে বর্জ্জনে বর্ত্ততে। নেতরো বিষ্ণুরীশানাৎ শিবাৎইতরো ভিন্নো ম। এবং ভিন্ন অন্য ইত্যাদি। ভবাৎ প্রভৃতি সোহর্চ্চাতে। ভবাৎ জন্মনঃ প্রভৃতিঃ স বিষ্ণুরর্চ্চাতে। প্রাতঃকালং সমারভা জপেমধাদিনা-বধি ইত্যাদ্ধিকন্ত উপপদবিভক্তেঃ কারকবিভক্তির্গরীয়সীতি ন্যায়াৎ কর্মাদ্ দিতীয়া। সোহমদারাৎ অমাকং নিকট ইতার্থঃ বহিস্তৎ তববহিরিতার্থঃ। বুষাৎ বিনাশং ন বৃষাৎ পুণ্যাদিত্যর্থঃ। বৃষাদৃতে হর্পোহনার্থোধনং প্রয়োজনস্বা বিনা ঋতে ইতি ঘাড়াং যোগেধিক সময়েত্যাদিনা ঘিতীয়া চবিনা শব্দেন ষোগে সহবারণেত্যাদিনা তৃতীয়াচ সামান্য বিশেষভাবাদ্ভবতীতি বোধ্যং। ভক্তেঃ প্রত্যসূতং শস্ত্রোঃ শিবস্য ভক্তেঃ প্রতিদানং মুক্তিঃ যঃ শস্ত্রো ভক্তিং করোতি শক্তুকৈম মুক্তিং দদাতীত্যর্থঃ। প্রহামঃ কেশবাৎ প্রতি প্রহামঃ কাম-

प्तरः क्नित्म जूना हें जार्थः। भर्गमुखां व्यवस्थानः। आर्थाश्विकाधिपितिकाधिरक्षितिक में १ छक्का ख्रायखां भी खनरखन विद्धिक्षे हें जार्थः। खनसम्म जार्थः
क्षीतानाः व्यवस्थानं वर्ष्ठी जार्थः। क्रतः खनानखाः व्यवस्थाने हें जानि त्रायः। खाम्र एकाः। क्षित्र क्षायुक्त हितः मृज्युक्त क्षायुक्त क्षायुक्त व्यवस्थानं है। ख्रायुक्त क्षायुक्त क्षा

অন্যাচ আরভ্যাচতাবথে। বৈষাং তে দি শিদিফাঃ দিক্ শব্দাঃ। অন্যারভ্যা-ৰ্বাশ্চ আব্বাচ্চ বহিশ্চ বিনাচ ঋতেচ প্ৰতিশ্চ পরিশ্চ অপশ্চ আঙ্চ দিক্শস্বাশ্চ তে তৈঃ। যপোছর্থা যবর্থঃ হেতুক্ট যর্থক্ট তম্ভুমিন্। যেন বিধিস্তদন্তস্যেতি नगांत्रामाह यवस्रतमानि। जालामीनार नानार्थद्वामर्थ विरमय अवात-शहनर ইস্তাহ। আঙ ব্যাপ্তি ইত্যাদি প্রতিদাননিধাবিত্যাগম শাসনস্যানিস্তত্বাৎ नकून। প্রতিদানেপরীবর্ত্তে প্রতিনিধে মুখ্যদদৃশে প্রতিরত্ত্র গৃহীত ইত্তর্থঃ। নেতর ইত্যাদি ঈশানাদিফুর্নেতরঃ শিবাভিদ্নঃ এবং সুরাদন্যেৎসুরবর্গা ইত্যাদি পরেতু নীচার্থেতর শব্দং পৃথক্ গৃহস্তীতি ভবাৎ প্রভৃতি জন্মন আরভ্য স শিবোহর্চ্চাতে অর্থাদমাভিঃ কন্ধাৎ প্রভৃত্যের স পল্লবানীতি কুমার- . সম্ভবে। পরেম্বারভ্যার্থ শদং পৃথক্ গৃহস্তীতি আঙ্ পূর্বকেম্বাং। স শিবোহ-ऋमातां , अमाकः नमीशवर्शे मेष्वहि खन मृतवर्शे । किमशना विषया शूर-সর্বস্য নিবেশাৎ করয়া করভোবহিঃ। বৃহিরজোঞ্চবনস্য বানরা ইত্যাদে ষী। বৃষাদ্ধর্মাধিনাশং ন বৃষাদৃতেনার্থোভবতীত্যর্থঃ। শস্তোর্ভক্তেঃ দেবায়াঃ প্রস্তা মৃতং পরীবর্জ্তো মোকঃ। কেশবাৎ প্রতি প্রত্নায়ঃ কৃষ্ণন্য প্রধানঃসদৃশঃ অনন্তাৎ পরি বিক্ষোন্ত্যাগাৎ ত্রয়ঃ কায়িক বাচিক মানসান্তাপা ভবন্তীপ্রর্থঃ। এবদপ-নস্তাদিতি বোধাং। স্থাস্ত্যোর্ ত্যুপর্যান্তং হরিঃ সেব্যতাং বিঞুরারাধ্যতাং অস্মাদুসাভিঃ। আসকলাৎ সর্বাৎ চরাচরং অগদভিব্যাপ্য ব্রহ্মাইন্তি। অত্র

मिक् भटमा क कर्नाम्बरकम्कानार्य शृक्षामोनार आ आहिकासाक्ष शहनः। অত আছ পুর্বাঃ কৃষ্ণাক্রাম ইতি কৃষ্ণাৎ পুর্বকালেক্সাতো বলরাম ইতার্থঃ। কৃষ্ণা-দবর উত্তরকালে জাতোগদ ইন্তর্যঃ। এবং ইমং অসাঃ পূর্বাদিক্ অন্ন সন্মাৎ भूटकारमणः माचार भूकः श्लीवः मक्तिगहितनाम्मी छेख्वाहितमनामः ममूखा-क्षकनार भूतर हेि छिड़िः। উछत्रा काङ्गीकाना। हेळामि। धाक् धामार প্রতাঙুগরাদিন্তাদি গমামান দিক্শদৈরপি। লেঃ নি উল্সিন্তাদি জ্ঞাপকাৎ **আনন্দানিতাদি ৰ**দ্যাপি তু ৰবৰ্ষ ইতি সামানোনোজং তথাপি বিশেষতো क्षिप्र: । खरजीखि व्यान्तामरका विरमवनार्थ ध्विजिनिक निष्टि निस्मतामनकन्रः । ভথাহি অঘে মণোহতে পী নিজং ওণেহেতো অক্সিমাং পী বা স্যাৎ। শতাৎ বল্ধঃ শতস্য ঝণস্য বল্ধন হেতুত্বং। ত্র্যাং প্রাপ্তারাং বচনং বত্তে শতেন বন্দিতঃ। ঞান্তবন্ধেঃ শতস্য প্রয়োক্তক ঘত্ত্বং জগড্যাদকঃ জাড্যেনসন্ধঃ পরি-শাত্তেন মুক্তং। পরিধাত্তে নুক্তঃ পরিধাত্তিং তত্ত্তভানং ইহ গুণশঙ্গেন ম্বব্যাপ্তিত গুণস্যের ন গ্রহণ্থ কিন্তু সম্বন্ধিরপদ্য পরার্থরপাপন্ধস্যেতি তেন विक्रविधूमािष्ठािष । खित्रांख विভाग्नामूकः खीमत्मनावीधूनाः श्रद्याः घटि। ৰাতি ইহাতুপনৰেরিজ্ঞান নিষেধঃ। এবং অপ্রযুক্তন্য ষবস্ত ঢেডেচপান্যাৎ। ৰণা ঈশ্বঃ শিবঃ আনন্দাক্ষেতোঃ শৈলাদাদনাদলকাখ্যাং পুরীং ঈক্ষতে পশ্যতীশুর্বঃ। শৈলাদিতি তে স্থাসনাদিতি তে ইন্তাহ শৈলমারুহু ইন্তাদি। ঢভাদন্ত্র বলেনানয়তি বলেনাক্ষ্য ইহার্থঃ। অক্রাভঃ। প্রশোভরয়োঃ। ব্দবয়োঃ পট্ট স্যাৎ। কুতস্ত্রং বলাৎ। যত্রতু আগজ্যাদীস্তাদি ক্রিয়াধ্যায়িয়তে দাননিধিঃ তত্ত্র পুর্ব্বেণৈর পীস্যাৎ। বত্ত তুলাগ্যাছিয়তে তত্ত্বৈবাস্য বিষয় **ইতাক্ষে। বস্ততন্ত উপাত্ত** বিষয়ত্বাৎ পূর্বে<del>ন</del>নৈয় নিঃস্তত্যেত্যখাহারাৎ।

े२२। वाजामरेर्यः।

দুরান্তিকার্থিঃ পী সাদ্বা। রামাক্রন্তস্য যোদুরং পাপাৎ ছঃখন্য নোহন্তিকং।

আরাদিপ্তব্যরস্য অর্থইর জুর্থো বেষাং তে আরাদর্বাঃ তৈঃ। আরাদ্র স্মীপরোরিতামরঃ। ইতাত আহ। দুরান্তিকার্থৈরিতি। রামাদিত্যাদি। বে। রামান্দ্রং স পাপাদন্তিকং। যো জনঃ রামস্য দুরে তিঠতি স পাপস্য অন্তিকে তিঠতীতার্থঃ। অত্ত দুরং অন্তিকঞ্চ ইত্যুত্তর ধর্মবাচি তরা সপ্তম্যুর্থে বিতীয়ৈক वहनास्तरः। श्रांक व्या क्रम्या मृतर् म द्वारं था शिकि मिि मस्य वर्षे। वा मालाश्व वावस्वावि । उत्तर्वावि विवास विव

বারাদর্থো ঘেষাং তে তৈঃ। আরাদ্র সমীপয়োরিতাত আহ দ্রান্তি-কার্থৈরিতি। তোকাপকৈতিপয় কৃজ্বাৎ বাধসত্বো বেভা এভাঃ পীলামাতু সাতে। তোকাকুজঃ। তোকেন মুক্তঃ এবং জল্পাদন্প ইত্যাদি সত্ব বাচি-নস্ত ভোকেন মধুনামন্তঃ ধাৎ কিং তোকং।

# २०। ममारेर्वनार्याञ्चल्याक्तिञ्चरेथनिकाद्व मसस्य ए ह सी

এভির্বোগে এবু চ বী' সাং। यः সর্ব্বস্য সমোযশ্চ দক্ষিণে-নোন্তরাস্থিতঃ। উপর্যাধঃ পুর্বতশ্চ পশ্চাদ্মসাধিলং হিতং। সুথঞ্চ তস্য দেবাদাং বর্যাস্য পদয়োর্ভকে।

मत्माश्रद्धी (ययार एउ मनार्थाः। मनानममञ्ज्ञाममृभाममः मनार्थाणः अनणः ज्ञाणः कणः ज्ञान जार हिठकः मृथकः जानि मनार्थिना बाख्याक्तिञ मृथानि । देशः। अन जान्नि जमञ्ज्ञार बर्डाङ उक्तिजाः। एवाकः क्रवनानाममञ्ज्ञासः । प्रकारः। प्

আদক্ষিণং উম্ভরাহীতি। ফ্লুডঃ রিইতি কুতঃ ইত্যাদিনা নিপাতিতোকির উপরি। অতএব অস ইত্যসঁপুর অধঃ অবঃ। তসজেরিতি তসপূর্ববতঃ ইত্যাদি দিক্ শব্দাদিতি তাৎ পুরস্তাদিতি। নিপাতনাৎ পশ্চাত্নপরিফীদিতিচ। বাধ-রাচ্চান্তা ইত্যাদেশান্তেন যোগেহপি যন্তীং বিধায়। গ্রামস্য উম্ভরাদসতি। এবং দক্ষিণাৎ अधतार। आञ्छिनकियानामूरकदर्यनाभकदर्यन ता मझाञीपार পৃথক্ করণং নির্দ্ধারঃ। যথা মসুষ্যাশং ব্রাহ্মণঃ শ্রেষ্ঠঃ মনুষ্যাশং চঞ্চলোহীনঃ গবাং কৃষ্ণাঃ বহুক্ষীরাবা অধগানাং ধাবস্তঃ শীদ্রতমাঃ। সম্বন্ধস্ত অবয়বাবয়বি-**अन्य अन्य मन्द्रकामितरनक**विधः। यथा विरक्षाः श्रेषर्, ब्रारङ्कायनिमिकामि । ममार्ट्यद्वनानि वष् जिक्कारिङ्गि मूचा आक्ष वाद्य निर्क्का वृद्य कर्मन চ ষকীসাং ইতার্থঃ। ষঃ সর্বস্যোত্যাদি। তস্য পদয়োর্ভক্তে ইতাল্লয়ঃ স্ক্ ইত্যাহ। यः সর্বাস সমঃ তুলাঃ। য সর্বাস্য দক্ষিণেনস্থিতঃ। স্থিত ইতি বর্ত্ত-মানে ক্তঃ। অণুর দক্ষিণে তিঠ্ঠতীতার্থঃ। ষঃ সর্ব্বস্য উত্তর উত্তরস্যাৎ দিশি অদূরে স্থিতঃ। यः সর্কাসা উপরি স্থিতঃ यः সর্কাস্য অধঃ স্থিতঃ। यः সর্কাস্য পূর্ব্বতঃ স্থিতঃ। ষঃ সর্বাস্য পশ্চাচ্চস্থিতঃ। অথিবং যদ্য হিতং অধিবং যস্য সুখং এতানি স্পটানি স দেবানাং বর্ষাঃ শ্রেষ্ঠ ইতি নির্দ্ধারণং । নির্দ্ধারণে বছবচনমেবেতি সম্প্রদায়ঃ। যকু শ্রেষ্ঠং কুপালুম্বর্কাদেরিত্যেকবচনং ওদর্কাদেঃ সমূহবাচিত্বাৎ। তদ্য পদে হীত অবয়বাবয়বিদশ্বন্ধঃ। পদয়য়ার্ভকে ইতি কর্মণি ষষ্ঠী। কেচিন্তু সমঃ সমোর্থঃ। অর্থঃ প্রয়োজনার্থঃ ইতি মন্বা উদাহর-ণেহপি यः সর্কাস্য সমোহর্পক্ত ইতি বদন্তি। সামান্যতঃ কর্মণি বিহিতাপি ষর্কী ধাতুবিশেষাণামিতি বোধাং। জনাথা সর্ব্ধাতুনাং কর্মণি ষষ্ঠাঃ কর্ত্তবাত্তে এক দৈব কৰ্মণি দিতীয়া ষষ্ঠোবিধানস্যোচিতত্বাৎ। তথাপি তং মুক্তয়ে ভক্তইত্যত্ৰ দিতীয়া দর্শনাচ্চ পদয়োর্ভকে ইতাত্র ষষ্ঠী দর্শনয়াচ ধাতুবিশেষাণাং কর্মণাপি বিভাষহৈয়ৰ ৰঞ্জীস্যাদিতি স্থচিতং তদেবাহং বিবৃণোমি। স্থাত্যৰ্থদয়েষাং কৰ্মাণি ষজীবা। মাজুঃ ক্ষরতি মাতরং ক্ষরতি বা পুত্রঃ। এবং বৈচ্ছুচিন্তনে খ্যায়তি অধীন স্মৃত্যাৎ অধ্যেতীত্যাদি। ভক্তসাদযাতে ভক্তৎ দযাতে মহেশঃ। মধুনো মধু ইফে সাধুঃ। ষথেষ্টৎ বিনিষুঙ্জ্কে ইতার্থঃ। ঈশনঙ প্রশ্বর্যে ইতাসা ঈশ্বরীভাববাচিত্বেনাকর্মকত্বেপি ধাতুনামনেকার্থত্বেন যথেষ্ট বিনিয়োগার্থত্বাৎ সকর্মকত্বং। কর্মাণিপ্রতায়েতু পুত্তেণ মাতা স্মর্বাতে মহেশেন ভক্তোদযাতে . সাধুনা মধু ঈশ্যতে ইত্যাদাবুকার্থত্বে প্রথমৈন। জৌমরাস্ত এযাং কর্মনি বিদ্যমানেহপিভাবে প্রত্যয়ে কর্মণি নিত্যং ষষ্ঠীং বিধায় মাতুঃ ক্ষর্যতে পুত্তেণ মাৰুঃ মৃতং ভক্তস্যদ্ব্যতে শিবেন ভক্তয়োর্দ্য্নিতং ভক্তানামীস্যতে ইত্যুদ্

হরন্তি। রোগার্থস্যাজ্যস্বার্থে কর্ত্তরি জ্বরিবিবর্জিত্বস্য রোগার্থবাডোঃ কর্মনি ষষ্ঠীসাধা তদ্ধাত্বর্থে কর্তুরি সতি চৌরস্য চৌরং রক্তাতি রোগং এবং অমক-রোগে আময়তি। স্বার্থে কর্তুরি কিং নদীকুলং রক্সতি। অজ্যরে কিং চৌরং জরয়তি জরঃ। চৌরং সন্তাপয়তি সন্তাপ ইক্যুপি জোমরাঃ। তচ্চান্দ্রাদ্য সমতং। করোতেঃ প্রতিষয়ে। সতো গুণান্তরাগানং প্রতিষয়ঃ। ত্রিার্মর্থে করোতেঃ কর্মণি ষন্ঠীদ্যাদা। গতিদ্যোপস্কুরতে পটমুপস্কুরতে। উপস্কুরতে স্থচনাবক্ষেপণ ইত্যাদিনাক্ষনেপদে সম্পরেঃ সুম উপাত্তিসুম। আশিষি-নাথঃ। ইক্টার্থাপণেচ্ছা আশীঃ। অপুত্রকঃ পুত্রস্যপুত্রং বা নাগতে পুত্রো- মে ভূয়াদিত্যাশংসতে ইত্যর্থয়। আশিনি কিং নৃপং ভূনিং নাথতে বিপ্রা যাচতে ইতার্থঃ। হনজ্পনটক্রপপিষাং হিংসায়াং। হনলৌ গভৌ বধে জসক বধেহনাদরে নটক ভ্রংসে ক্রথসকিবধেগেপিশ্চচূর্ননে ইতি পঞ্চানাং কর্মনি ষষ্ঠীসাৰে। হিংসায়াং চৌরসা চৌরং নিপ্রহন্তি নিহুন্তি প্রণিহন্তি প্রহন্তি চৌরসা চৌরং উদ্রাসয়তি চৌরস্য চৌরং উন্নাটয়তি। চৌরস্য চৌরং ক্রথয়তি চৌরস্য চৌরং পিনষ্টি। ধিষঃ শত্রস্তা। চৌরদ্য চৌরং ধিষন্। শত্রস্তাইতি কিং চৌরং দেষ্টি। গ্রহ্মঞপণি দিবাতীকাং ব্যবহারে। ব্যবহারোক্ত দূতৃং ক্রয়বিক্ত য়েচ। এষাং কর্মণি ষন্তীদ্যাদা দ্যুতে ক্রয়ে বিক্রয়েচ। শতদ্য শতং বা ব্যব-হরতি শত্ম্য শত্মা প্রায়তি শত্ম্য শতুংবা এতিদীব্যতি ব্যবহারে কিং হির ণ্যানি ব্যবহরতি গণয়তীভার্থঃ। গুরুং পণায়তে ভৌতীভার্থঃ। শত্রু প্রতি দীব্যত্তি জ্বিগীশতীত্যর্থঃ। অনুপদর্গদ্য দীব্যতে ব্যবহারার্থে কর্ম্মণিষ্ঠী নিত্য মিতি জৌমরাঃ। শতমা দীব্যতি এবং শিষ্ট প্রয়োগানুসারাৎ অন্যত্রাপি যথা মাসানামশ্রীয়াদিতি ভাব্যং। নচে পলেভেবণিজাং পণায়া ইতি ভট্টিঃ। সা লশ্বীরূপকুরুতে যযাপরেধামিতি কিরাতে। নারায়ণস্যাসুকরোতি। বিপ্র তপশ্বি ছর্গতানাং প্রতিকুক্ষীত ভিষক্সভেষল্পঃ শ্রুতস্যোপকরে।তিষঃ। কিং কুর্মঃ ক্সাবা ক্রমোরামোলান্তীহ ভূতবে ইত্যাদি দর্শনাৎ এন্ত্কৃতা গামা-ন্যেনাক্তং।

সমোহবোঁ যেয়াং তে স্তাশ্চ আশ্চ ত্রে ভি তাভাাং তে স্তাতে পশ্চাৎ সমার্থাশ্চ এনশ্চ আশ্চ রিশ্চ অস্চ তস্চ স্তাতে চি হিতঞ্চ সুগঞ্চ তানি তৈঃ। জাতিগুণ ক্রিয়াভিঃ সঞ্চাতীয়বাবচ্ছেদোলি নির্দ্ধারঃ বিশিক্তবীহেতুঃ সম্বন্ধঃ সচানেক প্রকারঃ স্বস্থামিত্বজ্বনাজনক্ত্র অবয়বাব্যবিত্ব প্রতিযোগ্যসুযোগিত্বা-

ধারাধেয়ত্বাদি। এভির্বোধে ইতি সমার্থিঃ এনাদিত্যান্তৈর্হিতসুখাভ্যাঞ্চযোগে জাত্যাদিভির্মাৎ সজাতীয় ঘাবক্ষেদস্থশাৎ সম্বন্ধন্যোভয়নিই ছেপি সম্বন্ধস্য নিরপকত্বাৎ স্বাম্যাদেঃ। যছকুই ভেদ্যভেদকয়োঃ শ্লিষ্টঃ সম্বন্ধোহন্যোহন্যমি-शाटा। विर्देश यमाणि मञ्जलः युश्रे १९० खिख जिल्ला । महाकवि अस्मान मर्भ-নেন ধুবিশেষাণাং ষৎ ঢত্বেন বিবৈক্ষিতং তন্মাৎ ধীস্যাৎ ইতার্থঃ। ষঃ সর্বস্যেতি यঃ সর্ববাস শিবস্য সমস্তল্যঃ পূর্বেণ ক্রীচ যঃ সর্ববিস্য দক্ষিণেন দক্ষিণস্যাং দিশি স্থিতঃ দ্বীচ পুর্বেরণ। ষঃ সর্ববস্য উক্তরা উ্তরস্যাৎ দিশিস্থিতঃ পূর্বেরণ পীচ পরে ুতু ধীং নাহুঃ। ষঃ সর্ব্বস্য জ্ঞগত উপরি যঃ সর্ব্বস্য জগতো হুধঃ যঃ সর্ব্বস্য জ্ঞগতঃ পূर्व्व ७३ পূर्व्व को नवर्क्षी यह मर्ववमा खगठह अन्छा १ छेख तको नवर्क्षी शेन्छा पिछा।-তোন নিপাতিতং। এবং পুরস্তাৎ প্রামস্য উপবিষ্টাদৃক্ষদ্য উত্তরাল্যামস্য ইত্যাদি এতেষাং গ্রহণং দিক্ শব্দযোগে প্রাপ্ত পীবোধনার্থং। কফোনিঃ কুর্প রাদধ ইতি উৎদর্গদ্বাৎ পী। বস্য দেবস্যাথিলং চরাচরং হিতং মিত্রং বস্যা-বিলং জ্বগৎসুথ প্রতিজনকং তস্য দেবস্য পদয়োরহংভজে চরণো সেব-ক্ষামি। তস্যেক্সবয়বাবয়বিত্বসম্বন্ধে ধী। এবং চৈত্রস্য ধনং মৈত্রস্য পুত্রঃ কায়স্য পুর্বরঃ জলদ্য ঘটঃ ঘটদ্যাভাবঃ ইতাাদি। আদিনা রাহোঃ শির ইতাত্র তু অভেদসন্বন্ধে বীতি। তস্য কীদৃশস্য দেশানাং বর্যাস্য কেনাপি গুণেন্ দেবেভ্যঃ প্রকৃষ্টিন্য। দেবানামিতি নির্দ্ধারণে পদ্যোরিতি চে। এবংমানানামনীয়াদিতি ভাষাথ। নচ ন্মিহৃতি কসাচিদিতি ভটিঃ। সা লক্ষীরূপকুরুতে যুৱাপরেষা-মিতি ভার্মবিঃ। নারায়ণসাাকুকরোতি ইত্যাদি শিক্টপ্রাগঃ। এষ্সম্বন্ধ মাত্র বিবক্ষায়াৎ ধীতি পরে। নতু চ বিবক্ষয়া যদ্যাপি চইতি সামান্যে-নোক্তং তথাপাভিধানাদিশেষতো জ্বেম্ব। স্তার্থদরেশাংবা। বিষ্ণোরধ্যেতি শস্ত্রোঃ মারসি ভক্তস্য দয়তে প্রগাভক্তস্য ঈষ্টে হরিঃ বথেতং বিনিযুত্তে ইতার্থঃ। পক্ষে বিষ্ণুমধ্যেতীজাদি। কৃঞোগুণোৎকর্মে। যেন ধর্মেণ যদস্ত লোকে প্রকাশ্যতে স তস্য গুণস্তমাৎ গুণান্তরে ৎপাদন মুৎকর্বস্তত্ত কুঞোটেষী বা স্যাৎ পটস্যোপস্কুরুতে পটিং বা। স্থ্রনাবক্ষেপণ সেবেভ্যাদিনামং। অসন্তাপি জরিরোগার্থানাং স্বার্থ ঘত্তে। সন্তাপিজরি ভিন্নানাং রোগার্থানাং টেষীবা স্যাৎ রোগার্থস্য ঘত্ত্বে সতি। রোগশ্চৌরস্য রুজ্বতি চৌরং বা আময়-শ্চৌরদ্য আদয়তিবাচৌরনিত্যাদি। অমন্তাপি জ্বরীতি কিং রোগশ্চৌরং সন্তা-পয়তি রোগশেচারং অরয়তি সার্থ ঘ্ছে কিং নদীকূলং রাজতি। নাট্যাদি-नाथरब्रार्हिशा निरवाः। नाष्ट्रार्दाहर्माबार नाथमानिविधमामानाबार छ ষী বা স্যাৎ। চৌরস্য নাটয়তি চৌরং বা। নাট্যাদিয়থা নাট্ট তক্রাথি রুজ্জা-

সির্ধিবনাঞ্চশত্রস্ত এবহি। প্রাণিনি প্রশ্নণিত্যস্তহনোহথপিষ্করিতাপি। নটক অংশে ক্রথকিবধে উৎপূর্বজ্ঞানবধে তাড়নেচ চুরাদীনাং এষাং প্রান্তনিক্রিদাং যত্র নাটিক্রাথি উজ্জানি ইতি স্বরূপং তত্রৈবায়ং নির্ধিন্তন দস্যুমনী নটদিত্যাদৌ ন স্যাৎ দিষোঞু বৈরে শতৃ চৌরস্য দিষণ চৌরং বা। অশত্র-স্তম্যতু চৌরং দেষ্টি এবং চৌরস্য প্রনিহস্তি নিপ্রহিত্তি প্রহন্তি নিহস্তি চ চৌরং বা থোপিষ্ক সংচূর্বনে। চৌরস্য পিনষ্টি চৌরং বা। আশীরভিলষিত প্রাপণেক্ষা। নাগতে পুত্রস্য পুত্রং বা। আনবাঃ কিং পিনষ্টিধানাঃ বটুরুর নাগতে যাচতে ইত্যর্থঃ। পনিব্যবহ্সঞ্জোব্যবহারে। ব্যবহারে কিং শলাকাই ব্যবহরতি গণয়তীত্যর্থঃ। দিবশ্চাগেস্ত নিত্যং। ব্যবহারে কিং শলাকাই ব্যবহরতি গণয়তীত্যর্থঃ। দিবশ্চাগেস্ত নিত্যং। ব্যবহারে সংগদিবধোর্টেষী বা স্যাং। স্থান্ত নিত্যং। শত্রমা প্রতি স্থাতি হত্যর্থঃ। স্মৃত্যর্থাদীনাং ভাবে। ভাবত্যান্তানাং স্মৃত্যর্থাদীনাং ঢেষী নিত্যং স্যাং। মাহুঃ স্মর্গতে বিফোঃ স্মৃতং ভক্তস্য দ্যাতে ইরিগা ভক্তানামীশ্যতে শত্র্য প্রতি দীব্যতে চৈত্রেণ।

**२८। জোইজানে ধে।** 

শস্থে মুকুন্দে জানীতে ভত্তগ জানাতি শস্কর্ং। শস্ত্না সাধ-নেন মুকুন্দে প্রবর্ততে ইতি। প্রবৃত্তার্থ চ জানাতি।

জ্ঞানাদনামিরথে বর্ত্তমানস্য জ্ঞানাতের্ধেকরণে ষ্ট্টাস্যাং। শস্তোরিতি।
শস্তো তুইেসতি মুকুন্দে প্রবৃত্তিরতি শস্তোঃ সাধনত্বং। জ্ঞানীত ইতি অঢাদিত্যনেনার্মনেপদং। অজ্ঞানে কিং ভজ্ঞা জ্ঞানাতি শঙ্করমিতি। শস্তুনেত্যাদি। শস্তুনা সাধনেন মুকুন্দে প্রবর্ত্ততে ইত্যর্থঃ। অতএব জ্ঞানাতি জ্ঞাধাতুঃ
প্রবৃত্ত্যর্থশ্য ভবতি ধাতুনামনেকার্থত্বাদিতি শেষঃ।

ন জ্ঞান মজানং তিমান্। শস্তোরিত্যাদি। মুকুন্দে বিষ্ণো শস্তুরয়ং ইতি
বুদ্ধ্যা প্রবর্ত্ততে তৎপ্রবৃত্তো শস্তোঃ সাধনদ্বাদ্ধত্বং প্রমায়কজ্ঞানস্য বর্জ্জনাৎ
সার্পিষো জ্ঞানীতে সঃ ভ্রান্ত্যর্থেপি স্যাৎ। ইত্যাদো তু ভ্রমস্য জ্ঞানত্বেইপি
ভিন্নত্বাং। ইদং বিকণ্পমিতি পরে। তন্মতে শস্তুনা মুকুন্দে জ্ঞানীতে ইত্যথিজ্ঞানে কিং ভ্রত্যা জানাতি শক্তরং ইত্যক্র প্রমান্ত্রাম্বাদ্যাং।

২৫। তৃষ্টার্থানামা।

তৃপ্তার্থধীতে । প্রসারে প্রার্থ হরিস্তৃপ্তঃ পুর্নঃ শাস্তেন শঙ্করঃ।

ভৃপ্তার্থনাত্নাং করনে ষষ্ঠীদ্যাধা। শৃঙ্গারস্য হরিস্থাঃ ভৃপ্প ইতি অকর্মকদ্বাৎ কর্ত্তরিক্তঃ পক্ষে পূর্নঃ শান্তেন শঙ্করঃ পূর্ন ইতি পুরীমঙপুর্জ্বে। পৃর্ত্তিরিহ্
আপ্যায়নং অত এব ভৃপ্তিবিশেষঃ। অকর্মকত্বাৎ কর্ত্তরিজ্ঞঃ শান্তেনেতি
ভাবেজঃ শান্তা। ইত্যর্থঃ। এবং আঙ্পুর্বস্য অন্মাতে ভৃপ্তার্থেনাকর্মকত্যা।
কর্ত্তরিক্তে আশিতোহন্ম্যা অবৈরোলোকঃ। সদোদ্যারস্গন্ধীনাং ফ্রানামল
মাশিতা ইতি ভটিঃ। নাগ্রিস্পাতি কাপ্তানাং নাপ্যানাং মহোদ্ধিঃ। নান্তকঃ
সর্ব্রভ্তানাং ন পুংষাঁং বামলোচনা ইতি।

ভৃপ্তিরর্থো যেষাং তে তেষাং ভৃপ্তার্থ ধােঃ প্রয়োগে ধেনী বা দ্যাৎ। শৃষ্টার-দ্যেত্যাদি। উদাহরণদ্বয়েন বিকম্পো দর্শিতঃ। এবং কলানামলমাশিতাঃ। কনৈর্যেলাশিতস্তবমিতি ভটিঃ।

২৬। তথেক্ত্যব্যক্তকক্তবতুখলার্থক্তোদ্ত্রানবস্থালার্থ-ভূণ্ভবার্ণার্থণিনি।

ব্যাদিবর্জে কৃতি প্রযুজ্যমানে তে ঘে চ ঘী স্যাৎ। জগতাং কারকঃ কৃষ্ণঃ কৃতিমুররিপোরিয়ং। ব্যাদৌ ভু। সৃত্বী দধিং শারুকমেতদর্চকানুন্নীতবন্তং যতিভিঃ স্থদর্শনং। জ্ঞাতং হরিং জিঞুরঘানি সংস্তবন্মুদং দধানো হর্থিত্মীঘিবান্ন কঃ। শন্দাত। কৃৎকদাগামী দায়ী মোক্ষমৃণং শিবঃ।

ঢঞ্চ ঘঞ্চ ঘণ্ড তথি বৃষ্ণ । বৃঞ্জ চকারেৎ প্রত্যয়শ্চ তুম দ্বাচ দুম ইতি। খন্দীহর্পইব অর্থে। ষস্য স খনর্থঃ। ঈষদ্দুঃ সোঃ পরাদ্ধাতোর্তাবে কর্ম্মণিচ বাচে।
বিহিতোরঃ প্রত্যয়ঃ স খনর্থঃ। তে ন খন অন ইতি দ্বয়ং। খন অন্যোর্থহণে

ক্রম্যাদিদ্বাদনস্য অন্টশ্চ প্রাপ্তিঃ স্যাদিতি খনর্থ গ্রহণং। উদিতি উকারান্ত প্রত্যয়ঃ। ফুক ইফু শুকু আলু আরু ইছু ইত্যাদি। শতৃ ইত্যনেন ঋদস্বদ্ধ-

ধাৎ অকারো ওতা স্তথাক্ষ তুলাসাসাতুর পিগ্রহণং। অধিকল্ক প্রবিষ্ঠং নতু তদা-নিরিতি ন্যায়াৎ। এবং আন ইতানেন সা ন কারীস্যমানানাং গ্রহণং। শীল-মর্থো ষদ্য দ শীলার্থঃ দ চার্দো তৃণচেতি শীলার্থ তৃণ। ভব্যং ভবিষ্যৎকালঃ। শাং প্রতিদেয় তয়া গৃহীতং ভ্রাঞ্চ ঋণঞ্চ ভবারেনতেইর্থে ষদ্য স ভবার্নার্থঃ স চাদৌনিনচেতি ভব্যর্ণার্থনিন্ i ততো ব্যঞ্চ কিন্চ উকল্চক্তবতুল্চ খলর্থশচক্ত উচ্চ শতৃচ, আনশ্চ বসুশ্চ শীলার্থ তৃণচ ভব্যনার্থনিনচ তে ব্যক্সফক্তবভু খল-र्धरका ছत्तान वसूभी नोर्थ ज्वजानी धीनैनः न विमारस एक यत् कृति मोश्या-क्राककरक् थनर्थरका इजान रम्भीनार्थ ज्वजानार्थनिनसम्। अवजानि-ত্যানি। কৃষ্ণে। অংগতাৎ কারকঃ কৃঞ্চদভূচ ভূগকে। ঘে ইতি গকঃ অস্য কর্ম্মণি জগতামিতি ষর্জী। মুররিপোরিয়ং কৃতিঃ। ক্তিস্তাঘে ইতি ভাবে ক্তিঃ অস্য কর্দ্তরি মুর্রিপোরিতি ষষ্ঠী। অত্র অসুক্তয়োঃ কর্তৃকর্মণোকৃতীয়া দিতীয়য়োঃ প্রাপ্তাবের ষধী নতু উক্তয়োভূজার্থছেন সর্বাপরাদিকয়োঃ প্রাপ্তারপীতি বোধাং। অনাথা জগতাং কারক ইত্যাদো কৃষ্ণাদৈরপি ষষ্ট্রাপজিঃ। অব্যয়া-নীনামুদাহরণানি স্তফ্টোত্যাদি। অঘানিজিফুর্দং্দধানঃ কোজ্বনোহরিং দংস্তবন্ অর্থিতং ন ঈয়িবান্ অপিতু দর্বে এব ইতাস্বয়ঃ। হরিং কীদৃশং এতং अग९ ऋर्षुं। पिश भाक्नकर । श्रूनः कीमृगर खर्कका सूत्री उवसर । श्रूमः कीमृगर ষতিভিঃ সুঁদর্শনং জ্ঞাতক্ষেতার্থঃ। উদাহরণানি যথা। হরিঃ এতজ্জগৎ সৃষ্ট্রা-বৰ্ত্ততে স্জোঙবিদর্গে পূর্বকাল ইতি ক্রাচ অস্য কর্মণি জগদিতি ষষ্ট্যপ্রাপ্তে দিতীয়েব এবং তাদর্থ্যেচতুম। কৃষণ দ্রম্টুং যাতি চণস্বাভীক্ষ্যে কৃষণ স্মারং মারং নমতি। হরিঃ এতৎ জ্বগৎ দধিঃ। ভুগাঞ্জি ধারণাদৌ বিশ্চাক্রওলোপিন ইতি কর্ত্তরি কিঃ অস্য কর্মণি জগদিতি ষষ্ঠী। হরিঃ এতৎ জগৎ শারুকঃ শৃগি-হিংদনে শৃস্থাভূকমেত্যাদিনা কর্ত্তরিঞুকঃ অদ্য কর্মণি জগদিতি ন ষষ্ঠা। ইরি-রর্চ্চকাত্মীতবানু বৈকুষ্ঠং প্রাপিতবানু ইত্যর্থঃ। উৎপূর্ব্বশীঞ প্রাপণে জঁজ-বকুভূতে ইতি কর্ত্তরিজ্ঞবকুঃ অ্ন্য কর্মণি অর্চ্চ কানিতি ন ষধী। যতিভিঃ সৃদ-র্দানঃ দৃশিরে প্রেক্দৃশশাসযুধেত্যাদিন। কর্মণি অল্ অস্য কর্তুরি যতিভিরিতি ন ষষ্ঠী। এবমন্যত্রাপি এবং ঈষদ্বংগোরিত্যাদিনা খলিকুতে যভিভিঃ হরিঃ সৃদ-র্ণনী ইতি ষঙিভিঃ হরিজ্জ ভিঃ। জ্ঞাগবেধিনে জ্ঞজুভূতে ঢভাবে ইতি অতীতে কালে কর্মণিজঃ অস্য কর্ত্তরি ষতিভিরিতি ন ষস্ঠী। নচ জ্ঞার্চে ছার্থে ইত্যাদি বিশেষ বিধিনা জ্ঞানাৰ্থাদীনাং বৰ্ত্তমানে ক্তবিধানাৎ কথমতীতেক্ত ইতি বাচাং ধ্রৌব্যগত্যদ নর্থাড্ডেচ ইত্যতশ্চকারদ্যাসুবৃদ্ধে জ্ঞানার্থাদেব বর্দ্তমানেহ<del>তীতে</del> কঃ সাং ইতি ব্যাখানাৎ বিস্তারম্ব তত্ত্ব দৃশাঃ কোহদানি জিমুজিজনেচ।

ফুক ভুষ্ণেরিতি কর্ত্তরি ফুক অস্য কর্মনীতি ন ষন্ধী। এবং ঞিল্লাক্ষেতি ইফুঃ ছঃখনহিফুঃ। প্লান্নাস্থেতিসুঃ। অনং পস্কুঃ ক্ষিপত্রসেতিকুঃ শবং ক্ষিথুঃ এতি-পুহীত আলুঃ ধনং পৃহয়ালুঃ।, শদসদসীতিকঃ সনসভিকাসংসউঃ। চন্দ্রৎ দিদৃক্ষুঃ শ্বন্দ আরুঃ বিষ্ণুৎ বন্দারঃ স্তণিগদীতিছুঃ বাকাৎ দূষয়িত্ব। কো হরিৎ সংস্তবন্ ফুঞলম্বতো কীপশ্বদিতি শতৃ অস্য কর্মণি হরিরিতি ন ষষ্ঠা। এবং তীপম্বদিতি সাতৃ হরিং ভোষান্ যাতি। কো মুদৎ দধানঃ দধান ইতি শান কানয়োরপং ভুধাঞলি ধারণে তীপদ্বৎ ইতি শানেভাৃদিরেদ্বিতি ঠীপদ্ব-দিতি কানে পুর্দ্দিষ্ঠান্ডি ইতি দিঃ অনয়োঃ কর্মণি মুদামিতি ন ষন্ঠা। এবং তীপম্বদিতিদামানে হরিং স্তোযামাণোমাতি। কঃ অথিতং ন ঈ্য়িলানু ইণগতৌ ঠীপন্তং ইতি ৰুনু অদ্য কৰ্মণি অৰ্থিতমিতি ৰ ষষ্ঠী। শংদাতেতি। শংদাতা কল্যাণদানশীলঃ মোক্ষয়ণং দায়ী মোক্ষ্যা ঋণস্যদাতা শিবঃ ক্যা কমিনুকালে মমহামানঃ আগামী আগমিষাতীত্যন্ত্রয়ঃ। শিবঃ শংদাতা ভুদ্া-ঞলি দানে ভৃগকোঘে ইতানেন শীলার্থেংপি কর্ত্তরি ভৃণ্ অস্য কর্মণি শং ইতি ন ষষ্ঠী। শিবঃ কদাহাৎ আগামীগ্রহনন্দি পচাদেরিতাত্রকালনিয়মাভাবাৎ ভবিষ্যংকালেহপি কর্ত্তরি নিলু অস্য কর্মণি হৃৎ ইতি ন ষ্ঠী। শিবোমোক্ষ श्रुगश्माश्री जूमाव्यनि मात्न अनवमवभारमग्रद्ध शहनमीि कर्छति निन् जमा कर्मानि भाकम्नमिणि न वसी। अदः कर्मनामिणिनिविस्नामनामा अधिनमिणी থ্রামস্য অধিটাতা পীঠন্য অধ্যাসিতা ইত্যাদি। কালাদেং কর্মত্বে বর্ষশতস্য জ্ঞীবক ইত্যাদি। ঞেশিয়াণাং বেদদা পাঠয়িতা শিশোরম্বস্য ভোজয়িতা ইত্যাদৌ যস্যাপি কর্মত্বে হাদেবাবে ষষ্টীদ্যাদিতি বোধ্যং। দ্বিকর্মণান্ত দ্বয়ো-রেব কর্মাণোঃ ষষ্ঠী বিষ্ণোর্মোক্ষস্য যাচকো ভক্তঃ ভক্ত স্য বৈকুপ্তস্যনেতা বিষ্ণুঃ। জৌমরাস্ত কর্তুরিকৃতি দিকর্মাণাং মুখে। কর্মাণি ষর্জী নতু গৌণে ষথা গাং ছগ্ধদ্য দোধ্বা গোপঃ বনং গৰাং নেতা গোপ ইত্যান্তঃ। কেচিজু যাচাদিন্যাদেষাগোণ কর্মণ্যের ষষ্ঠী ইতি মন্বাবিফোর্মোক্ষং বাচকোভক্তঃ। ভক্তং বৈকুপ্তস্য নেতা विकृतिकामारुति । मीवारकः कत्रनमा कर्मार्य ने स्मारकानार प्रविका। अवध ছিল্লোণসা ক্রেতা পঞ্চকসা ক্রেতা শিবসা সংজ্ঞা ইত্যাদি বোধাং। নরত্র ব্যাদৌ ক্তপ্রভায়দা গ্রহণং কথং রামেণ লক্ষাগতা রামো লক্ষাং গত ইত্যাদৈ कर्कुकर्मा त्नाः वसी निष्यधार्थमि जिल्हा वर्क्षयां नाधिक त्रेमा जापमाज विश्विमा প্রয়োগে কামুক সভ্তার্থকে ইভানেন বস্তা নিয়মেন তল্পিষেধনা বৈষর্থাৎ। ক্তেন্ত অধিক জন্যগ্রহণং জ্ঞাপন্নতি ব্যাধান্তিমন্যাপি কন্যচিৎ কৃতঃ প্রয়োগে · वर्षी न नार किट वार्यापति थायार्ग वर्षीनार। एवन धारेय्रवार्याप्य ख्य- মিতিভটো। শ্বনবাধেতাদিনা বিহিত্না ন প্রতায়না প্রয়োগে ষস্তীনাভূদিতি। ধীমবোদেয়াগমুক্তানাং কিং ছরাপং মহান্ধনাং ইতাত্র ছরাপমিতি ধলস্তন্য প্রয়োগে ষস্তী। তব সর্বগতসা সম্প্রতিশিতিপঃ ক্ষিপ্রতীক্ষবানিবেতি। সভার্থে বক্তা নরকন্য জিফুরিতি। এবং যাদৃগ্জাতীষন্য প্রতিষেধোবিধিরপি তাদৃগ্জাতী যন্যতি ন্যায়াৎ ব্যাদিবর্জনেনৈবকৃতঃ প্রাপ্তৌ কৃতোগ্রহণং জ্ঞাপ শ্বতি ক্রিয়াবিশেষ কর্মবেপি কৃদেয়াগে ষস্তী ন স্যাৎ। সাধু পাচকঃ শীত্রংগস্তা ইত্যাদে এবং কৃৎপ্রতায়াস্তাৎ প্রতায়াস্ত্রবাৎপত্তো ষস্তী ন স্যাৎ। যথা ব্যতী-হারেণ ন স্থী ইতি ব্যবহর তেন নিস্বার্থেক বৃদ্ধো ক্রিয়ামীপি ব্যবহারী ধনানি ওদনং পাচকঃভর ইত্যাদি।

 ७३३ च६३ ७३ मिन्। थन अर्थहेर अर्थी यमा मह। भीनमर्थी यमा महारमी ভূংশেচতি, সঃ। ভবাঞ্চ ঋণঞ্চ তে তে অথে বিদ্যা সচাপো নিংশেতি সঃ। পশ্চাং বাঞ্জিশ্চ উকশ্চ ক্তবভূশ্চ খলর্থশ্চ ক্তম্ভ উচ্চ শভূশ্চ আনশ্চ বসুশ্চ শীলার্থ তৃংশ্চ ভবার্ণার্থ নিংশ্চ তৎ ন তৎ স্কুত্র্ৎ তমিন্। স্কাতামিতি ক্ষো জ্বপতাং চরাচরাণাং কারকঃ কর্তা জ্বপতা স্মিতি ঢ়ে ধী। ইয়ং পৃথিবাা দি চরাচরময়ী সৃষ্টি মুররিপোঃ কৃতিকংপাদ্যা ক্রোর্ডেক্টিঃ। মুররিরপারিতি वृक्षि शृंबंदे कृतः नदा तासक्षा भिजा थनिष्णादमे न मार। स्टिपेतिजानि। কঃ পুরুষঃ হরিং সংস্তবন্দু সন্ অর্থিতং বাঞ্চিতং ন ইয়িবান্ অপিতু প্রাপ্ত-বানের। হরিং কীদৃশং এতজ্জাৎ স্থাদ্দিং ধারয়ন্তং। সংষ্ট্রত জ্বাচ-ত্য ভিদ্বাধান্ত। এবং ঘটং কর্ত্ত্পরঃ পারং বিপ্রথ প্রস্থাপাগত ইত্যাদি। मिविभिष्ठि थारथाः किः विज्ञादनान्त्रभ्य इति विस्मयनदार एर। शूनः कीमृगर এতৎ জ্বগৎ শারুকং সংহরতং। শুধোঃ সৃস্থাভূ ইত্যাদিনা একুকঃ। পूनः कीमृणः अर्क्रवान উन्नीववस्य प्रर्गः आशिववस्य उर्भ्यं नीत्याः क्तवजूः। शूनः कीमृणः यिजि विकित्विकिताः मृषर्भनः। स्रामारमनारमा-कनीयर मृगद्धाः युनाद्धं अनः। ' अवर शालिना क्षरता धर्माः स्कद्राधार्मि-কেন স ইত্যাদি। কোষদগুসমগ্রাণাং কিমেষামন্তি ছক্ষর মিতাত্রতু সম্বন্ধ माज विवयमग्रार धीनका निर्मिकेगानिजादाया। शूनः कीमृगर यणिख জ্ঞাতং জ্ঞাধোর্চেইতীতে ক্রঃ। এবং স্বয়া জ্ঞাতো ময়া জ্ঞাত ইত্যাদি। পুরুষঃ কীদৃশঃ অঘানি পাপানি জিঞুঃ পাপস্যাভিভবনশীলঃ। জীংধাঃ ফুকঃ। এবং ধনং গৃহ্ণু সুখমিচ্ছুঃ শাস্ত্রংবিন্দুঃ কন্যামলং করিষ্ণুরিত্যাদি। তব সর্মন গতস্য সম্প্রতি ক্ষিতিপঃ ক্ষিপুরভীষু মানিব। সত্যস্য বন্ধা নর্কস্য জিঞ্- ति जिल्लू मस्कि विकास । सिन्धि ना निक्किमा निक्किस । स्तिर मः खरम् खर्माः मञ् । भूनः कीमृमः प्रमर् मधानः स्वरं धात्रमानः धारधाः मानः । जान हेजातनं कानमा निश्चरुष् छक्तार्णा खर्गजोः हिति ज्ञामि । जार्थज्य न केमियानि हेन्यधाः कम्ः । मियः कमाक् इत्तर्मागामी जार्गियाजि व्यर्थायम । राम्यार्थि वियर्थां निन् । मियः कीमृमः भः माजा भः भाषा । व्यर्थायम । राम्यार्थि वियर्थां निन् । मियः कीमृमः भः माजा भः भाषा । व्याप्तामान मोतः हेजार्थः । वियः भीतार्थं ज्न् । ज्ञाम्यः विवाद । व्याप्तामान मोतः हेजार्थः । माय्याः मोजि मार्थः ज्ञा । व्याप्तामान मोतः हेजार्थः । माय्याः भीतार्थं ज्न् । व्यज्ञयः विवाद । व्याप्तामान मोतः हेजार्थः । माय्याः भीतार्थः ज्ञामः व्यव्याप्तामान विवाद । व्याप्तामान विवाद । विवाद ।

২৭ কামুকসড্ডার্থকে'।

কামুকশব্দেন বর্ত্তমানডয়োর্কিহিতক্তেন চ যোগে চে ঘে চ ঘী স্থাৎ। যোলক্ষ্যাঃ কামুকো জ্ঞাতঃ সভাং তন্তেদমাসিতং।

সন বর্ত্ত্বানকালঃ তং অধিকরণং সংশ্চ ডঞ্চ সড্ডেত তে অর্থা ষস্য স
সঙ্চার্থঃ সচাসৌ ক্রন্টেতি সঙ্চার্থক্তঃ কামুক্শ্চ সঙ্চার্থক্তশ্চ। উক্তর্যোর্বর্জনাং
অপ্রাপ্তে পুনর্বিধানং। কামুক সঙ্চার্থক্তং তিমান্। যো লক্ষ্যাঃ কামুকঃ কমুড়
স্পৃহি শুস্থাভূ ইত্যাদিনা কর্ত্তরি ঞুকঃ অস্য কর্মনি লক্ষ্যা ইতি ষর্কী। সতাং
যো জ্ঞাতঃ জ্ঞাচ্চেচ্ছার্থেত্যাদিনা বর্ত্ত্বমানে ক্তঃ। অস্য কর্ত্তরিসতামিতি
যক্তী তস্য প্রীকৃষ্ণস্য ইদং স্থলং আসিতং ঞিলাসঙ্ উপবেসনে ধ্রোব্যগত্যদবেন
ত্যাদিনাহধিকরণে ক্তঃ অস্য কর্ত্তরি তস্যোতি ষস্থী। সভ্তব্যোঃ ক্তঃ সভ্তক্ত
ইত্যনেনৈবেফীসিজে অধিকার্থন্য শক্ষ্পয় গ্রহণং জ্ঞাপয়তি শীলিতাদের্বর্ত্ত্বমানে
ক্রিপ্ত্রস্যাপি কর্ত্তরি ষন্ধী ন স্যাদিতি। তেন শীলিতাম্বেহনেন রক্ষিত্যাহ্ম
সন্দেনকান্তমনেন ইত্যাদি। কান্ত ইত্যস্য বিভাষম্বিত কেচিং। প্রস্কানাং

প্রজাতিঃ বা কাজো হরিশচন্দ্রঃ কচিৎ সকর্মকারপাধিকরণে জঃ। ইদমেষাং
সমোদনস্য পীতমদ্যাবং পয়সঃ কৃষ্ণস্য ইত্যাদে কর্মকর্ত্তা ক্রভয়োঃ ষর্জী
ভাষ্টিকর স

তে তথ্ধ তে তেহবোঁ ষম্য সং সচাসে জন্দেতি সং কামুক্ট সভাবিজ্ঞ ন। বৈ। লক্ষ্যাঃ ইত্যাদি। যঃ প্রীকৃষ্ণে। লক্ষ্যাঃ কামুকঃ লক্ষ্যাং কাম্যতে তথ্য সতাং জ্ঞাতঃ বীরৈজ্ঞায়তে। জ্ঞাথোঃ জ্ঞাচেচ ছার্থেত্যাদিনা বর্ত্তমানে জঃ ত্যা ইদ্যাসিতং তেনাত্র উপবিষ্টং। আসংখার্থ্যোব্যগতীত্যাদিনা তে ক্তঞ। এবমিদ মেষামুপগতং ইদমেষাং ভুক্তং অস্প্যা ইত্যাদি। পুর্ব্বেণাপ্রাপ্তেরিধিঃ নশীলিতাদিনা বাতু কাল্ডেন। শস্ত্নাশীলিতঃ হরিণা রক্ষিত ইত্যাদি। প্রজ্ঞানাং বা তথাচ কাল্ডো হরিশ্চম্প্রইব প্রজ্ঞানাং ইতি।

## । ল্যভাবক্তাস্ত্র্যণকসচে ঘে বা ।

ল্যে ভাবার্থকৈ স্ত্রীবিহিত্মনকঞ্চ হিন্তা অন্যত্ত যে চ বী স্যাদ্ধা। ব্রয়া মম চ ক্ষেত্রাহর্চ্চ্যঃ স্লাভং হত্র স যস্য তু। সৃষ্টেঃ ক্রতিহ্তির্যোন, চিকীর্যা যস্য ভেমিকা।

লান্তব্যাদিঃ ভাবেজ্যঃ ভাবজ্যঃ। অশ্চণকশ্চ অণকো ব্রিয়ামণকো ব্রাণকো নিবিদ্যেতে ব্রাণকো যত্র সোহস্ত্রাণকঃ তেন সহ বর্ত্ততে যোসো সচঃ অব্রাণক-শ্চামো বচশ্চেতি অব্রাণক সচঃ। লাশ্চ ভাবজ্যণ অব্রাণক সচশ্চেতি ভিন্মন্। ল্যেপ্রম্বানানে ভারার্থক্তে প্রম্বানানে ক্রীবিহিতে। অণকো হিল্লা অন্যন্মিন্ ক্রীবিহিতে সকর্মকেকৃতি প্রম্বানানে কর্ত্তরি যক্তী স্যাং বা ব্রেজ্যাদি। হে সাধ্যে দ্বানা মমচ ক্ষোহক্তা অর্চ্চক পুজে হস্ত্বানোরিতি কর্মনি ঘান্ অস্যাকর্ত্তরি ব্রেজি ভৃতীয়া মুন্দতি ষর্মী হিষমাদক্রতীর্থে প্রামমচ স্নাতং কাল শোধনে ভাবেজ্যঃ অস্যাকর্ত্তরি প্রমামন্ত ভৃতীয়া যথ্যো। সাক ইত্যাহ। যস্যাস্থেট্য কৃতিঃ কৃত্যাক্ত্রতি জিব্রাঘে ইতি ভাবেজ্যঃ অস্যাকর্ত্তরি যেন ইতি ভৃতীয়া উভয়ক্র স্থেটরিতি কর্মনি চ্ছেক্ত্তাতি ষর্মী। এবং কৃগ্জ্যেতি হানিঃ স্থানাং দরিদ্রস্যা দরিদ্রেশ। শীরজ্বতি পরিচর্যা গুরোঃ শিষ্যস্য শিষ্যেণ। শীরজেতি পরিচর্যা গুরোঃ শিষ্যস্য শিষ্যেণ। শীরজেতি পরিচর্যা গুরোঃ শিষ্যস্য শিষ্যেণ। শুলাগ্র্যাঃ। জার্য্যা রাক্রেশ্বাক্রস্য ছাজেণ। ক্রিশেট্যি কর্মনি বিক্রো

সঢ ইতি কিং সাধোর্দ্ধিঃ ইত্যানদী কর্ত্তরি পূর্বেশ নিত্তাৎ ধী। অস্ত্রাণক ইতি यना रुखिण्ठिकीर्वाकर्ञुमिष्टा हिकीर्वा मश्लाम देखि खीविहिख षाः। यमा स्टाई-ভেদিকা ইতি ভেদেন ভেদিকা ইতি ক্সীবিহিতোণক উভয়ত্ত যস্যেতি কর্ত্তরি পূর্ব্বেণ নিত্যং ষষ্ঠী। অ ইতি অনমুবন্ধং হিল্বা অকারমাত্রাবশিষ্ট স্ত্রীপ্রত্যয় গ্রহণেন কুঃ শক্তেতি শঃ ক্রিয়া জগতঃ কৃষ্ণ্যা। সেমজাৎসুরোরিতি অকারে জাগরারাত্রেশ্ছাত্রদা। তুলেচ্ছা নিপাতনে ইচ্ছামুক্তেতপদ্বিনঃ। ভীষীচি-ন্তাতি কথা কৃষণ্য ভক্তানাং আতোহন্তঃ প্রদো ইভি তে প্রদাহন্দ্র্যা ধার্ন্দ্রি-কানাং এযু কর্ত্তরি পূর্বেণ নিতাং ষষ্ঠী। বাশব্দোহত্র ব্যবস্থাবাচীতেনেদং বিবৃণোমি। অন্ত্রীবিহিতকৃত্তিস্ত যোগে ষন্ত্রীনিষম্যতে। একদাভূভয়প্রাঞ্চো कर्मात्गाव न कर्छात्। ভवामीनांश धात्रात्भेष्ठ षत्यात्त्रविहत्नयात्। यथा বেদস্য পাঠশ্ছাত্রেণ মন্ত্রস্জপঃ সাধকেৰ গ্রামস্যগমনং পাত্রেন দোহনং ত্বস্বা গ্ৰামাভীরেণ ন্য়নং গ্ৰাং বন্স্য গোপেন ইত্যাদি। কর্মণোহধ্যা-হারেছপি কর্ত্তরি নস্যাৎ। ভোজনমনেন। তব্যাদোতু বাচিতব্যঃ কুফোদোকং **ভक्ति । (त्रिकीया ) (त्रिक्षः (व्याज्या । । । (त्रिक्षः क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक् क्रिक्** ভারোগ্রামং ভতােন অসুশিষ্যঃ শিষ্যোধর্মং গুরুণা। আপনীষোভ্তােগ্রামং নুপেন এযু প্রত্যায়েন একস্যৈত্র কর্মণ উজ্জ্বাদন্যকর্মণি চথেকুত্যেতানেন ষষ্ঠী নিত্যং প্রাপ্তিঃ কর্তুরিচানেনৈব বিকম্পেন প্রাপ্তিরিতি একদা দয়োঃ প্রাপ্তে নিষেধঃ। এবং সকর্মকধাতোঃ কর্মবিদ্যমানেইপিভাবে কুৎপ্রত্যয়ঃ স্যাদিতি ভোষ্যাদীনাং মতং। তেন ন লগ্নমিন্দুঞ করেছিরীক্ষতে নবাশশাঙ্কং রবিণা সমাগত্মিতি দীপিকা ভান্তং দেশমনেকত্বর্গবিষমং প্রাপ্তং ম কিঞ্ছিৎ কর-মিডি। ময়া কাং দিশং বা নগস্তব্যমিতি। সভাং বংন প্রাথেক ব্যং বা সমপ্রসমিত্যাদি সিদ্ধা। এষুচ ভাবপ্রত্যয়ানামসুক্তে কর্মণি পুর্কেণ নিত্যপ্রাপ্তে কর্ত্তরিচানেন বিকম্পেন প্রাপ্তে নিবেধঃ।

ভাবেক্তঃ অশ্চনকশ্চ তৎ ব্রিয়ামনকং ব্রাণকং নব্রাণকং অব্রন্তকং চেমসহ বর্ত্তমানং স চং অব্রাণকঞ্চ তৎ স চঞ্চেতি সাশ্চ ভাবজ্জ্ত অব্রাণক স চঞ্চ তস্ত্র-ক্মিন্। লান্তব্যাদিঃ। ছয়েত্যাদি। ছয়া স কৃষ্ণোহর্চ্চাঃ মম স কৃষ্ণোহর্চ্চাঃ পুজা ইণ্টার্থঃ। অর্চ্চারেট ঘাণ। ঘন্তয়েন বিকল্পোদর্শিতঃ! এবং কর্ত্তবাং করণীয়ং তব ছয়া বা ইত্যাদি। বাশস্ক্সা ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ স্যোব্র ঘ্টয়োঃ বীসন্তাবনা তব্র দ্বায়ে ন্স্যাৎ। তেন ক্রন্টব্যা শ্রীদং শাখা ক্রিনা নেতব্যা থাদস্কানরেণ

অসুশিষ্যঃ শিব্যোধর্মমুপাধ্যাব্যেন। কাং দিশং গ্লন্তব্যং মরা ইত্যাদে নর্স্যাৎ। যত্ৰতু চমাত্ৰে যীসস্তাবনা ভত্ৰ পূৰ্ব্বেণৈৰ ভেন গোয়োমানবৰঃ গাঁয়ামিতি গায়-জীতি গেয়ঃ গেয়োবজ্কব্যঃ। যুদ্য কৃষ্ণদ্য যেন পুষ্ণেন বা অত্ৰ শ্বাভং কৃতমিত্য-র্বঃ। এবং ছাত্রস্য ছাত্রেণ বা হসিতং গতং বেত্যাদি। যস্য কৃষ্ণস্য যেন কৃষ্ণেন বা স্থাটার্ম্বগঙঃ কৃতিঃ করণং। ষদ্য কৃষ্ণদ্য ষেন কৃষ্ণেন বা স্থাটার্কভির্বরণং কৃঞোহ্যঞার্ভাবেক্তিঃ। সঢ়াদ্ধোরপিভাবেত্য ইতি ভাগবৃদ্ধিঃ। এবং শব্দান:-মকুশাসনমাচার্য্যস্য আচার্য্যেণ বা গবাং দোহো গোপস্য গোপেনবা ইত্যাদো য়্যাৎ স্ত্রীবিহিতাহণক ভিন্ন স ঢকুৎত্বাৎ। পরেতু নিষেধো ৰজ্জাতীৰস্যবিধির শি ভজ্জাতীয়স্য ইত্যুক্তঃ। পরিচর্যা গুরুণাং শিষ্যস্য শিষ্যেণ বা উপাসনা পিতৃঃ পুঁজুল্য পুরেণ বা জাগর্যারাজেশ্চাত্রস্য ছাত্রেণ বা অকরণিঃ পুণ্যস্য জাল্মস্য क्कारकानवा है जारिमी गांष। खौविहिज कृष्यांष। नजू भन्नानामञू भागनमा हार्र्यान গবাং দোহো গোপেন ইত্যাদে অক্সীবিহিতথাঁদিত্যাহঃ। অণকয়োরুদাহরতি চিকীর্ষেত্যাদি। यमा কৃষ্ণদা স্থেটঃ চিকীর্ষা কর্জুমিচ্ছাদনস্ত কুর্থোঃ দংস্ত্যাদঃ। ষদ্য কৃষ্ণা সংষ্টভেদিকাভেদোনাশ ইতি যাবং। এতেন কৃষ্ণা সৃষ্টি স্থিতি বিনাশ কর্মকর্ত্বমিতি ভাবঃ। উভয়োক্তয়ত্র পুর্বেণ ধীনিতাং। এবং রিপোরিয়ং। যত্র ভিতপুনাংকৃতা ত্রয়মসুক্তং তৃত্র ঘয়োর্চয়োঃ পূর্বেণ ষী। एक, कृष्का साक्रमा यांकरना चंकर। पांचा इक्षमा (गांध क्षक क्षेत्र) गरार দোহঃ কৃষ্ণন্য কৃষ্ণেন বা ইত্যাদীত্যেকে। মুখ্য চ এবেত্যনাঃ। বছজংা কর্ম-षप्र ছ ছু । দীনাম সুক্তং স্যাৎ কৃতা যদি। কণ্টিজ্জ সমাচটে ষ্কীং প্রধানু কর্মণীতি। তন্মতে দোগ্ধাগাং পর্মসো হরিঃ। গৌণ ঢে এবেতানাঃ। তন্মতে দোখা ছুধাং গবাং হরিরিতি। পরেতু উভয়প্রাঞ্চে কর্মণীতি সূত্রাস্তরং বিধান্ত্রৈকিমন্কৃতি প্রযুজ্ঞানানে চম্বয়োঃ প্রাপ্ত ধীচ এবেত্যাহঃ। তেন অন্তৃতং সমুদ্রসা বল্লো বানরৈঃ। আশ্চর্যাৎ সূভগা রোষসা দুতীভিঃ পরিমার্জ্জনং গবাং দোহঃ কৃষ্ণেন হারায়িত। ছগ্ধদা গোপেন হরিবিত্যাদি। চ্যপ্রাপ্তের কিং বনস্য<sup>®</sup>গোপস্য যাপশ্বিতা হরিঃ। <sup>®</sup>ছ্কাস্য গোপস্য হার্মিতা হরিরিত্যাদা-বুভয়ো র্টয়োঃ পুর্বেণ ধী। এককৃতীতি কিং ওদনস্য পাকো বান্দণানাং প্রাছ-ৰ্ভীবঃ।

২ন। স্থামীশ্বরাধিপতিদায়াদসাক্ষিপ্রতিভূপ্রস্থতকুশলাভূতা:
নিপুণসাধুস্কর্থেনাদরে গ্রীচ।

স্বামী মুকুন্দঃ সর্কেষ্টাং সাক্ষী সর্কেষ্ধোক্ষকঃ। নিশাক্ষন্তি-রগুর্গোপ্যো ২পত্যে মাতৃক্লদত্যকং।

्म्राचित्रदर्शावातः। भ्राचित्रवेदेव अर्था यमाम मृज्जवः। वातार्थ रेमरवर्षे-मिटको मुखर्थश्वरुवः मुखर्थश्वजायासानाः श्वाक्षार्थः। अनाथा वादापिणरेख-র্বোগেংশি বন্ধী সপ্তম্যাপত্তঃ। সুক্তর্পপ্রতায়শ্চ চক্ত্ম সুচ্ ইতি ধ্রং। ধাচ প্রতায়োহপি সুজর্থ ইতি জোমরাঃ। স্বামীত ঈশ্বরণ্ড অধিপত্তিশ্চ দায়াদশ্চ স্ক্লীচ প্রতিভূশ্চ প্রস্তুত্রত কুশবশ্চ আযুক্তশ্চ নিপুণ্ন্চ সৃধুশ্চ সুক্ষর্থশ্চ তে। ন আদরোহনাদরস্থিন্। স্বাম্যাদ্যেকাদশভিশ্চ কৃত্বস সুজ্ঞপ্তাভ্যাঞ্জ যোগে यकी मक्षरमामिगांचामिचार्थः। जनामद्र भगमात्मक यकी मक्षरमामांचामि-তार्थः। प्रूक्नः मर्द्वताः चामी मर्द्वतिष्ठित। आरक्षकः मर्द्वस् माकी সর্বেষামিতিচ এবং কৃষ্ণঃ সর্বেষাং সর্বেষুচ ঈশ্বঃ কৃষ্ণঃ সর্বেষু সর্বেষামধি-পতিঃ। স্বামীশ্বরাধিপতীনামেকার্যছেহপি পৃথক্গ্রহণাৎ স্বামার্থ শব্দান্তরেণ वार्षा न गाए। एउन कृंकः मर्व्यवार পতितिज्ञामी मन्नत्स् यर्श्वार। कृत्का यानरवसू बाह्यांनार यानवः नाम्नानः ब्लालितिजार्यः। रेमजरेन्टरजा-टेटज्ञा প্রতিভূর্লগ্নক ইত্যর্থঃ। কৃষ্ণো যাদবদায়াদৃদ্য প্রস্তুঃ। কুশবাযুক্তাভ্যাৎ যোগে তৎপরত্বএব। ছাত্রঃ পাঠে পাঠদা কুশলন্তৎপর ইতার্থঃ। ভোজা ভোগেষু ভোগানামাযুক্ত তৎপর ইতার্বঃ। তৎপরত্বে কিং কলাসুকুশল সুনি-কিত ইতার্থঃ। রথে আয়ুক্তঃ অখঃ বদ্ধ ইতার্থঃ। নিপুণ সাধুভাগং প্রশংসায়া-মেব দানে দানস্য নিপুণোবদাদাঃ মাতরিঃ সাতুঃ সাধুঃ পুত্রঃ সৃঞ্চার্থঃ কালা-বিকরণাদেন। গোপ্যো নিশিত্রিঃ অহ্নব্রিঃ অঞ্চং কৃষ্ণং অঞ্চঃ ত্রিরিতি ত্রীনি বারাণি ইতার্থে সুচ্চতুর্দ্বিত্রেরিতিসূচ অগুরিতি ইণ গতৌ গাট্যামিতি গাদেশে অন উঁস্ জগ্ম রিত্যর্ধঃ। এবং দিনে দিনস্য পঞ্জুত্বঃ পঠতি। কালাধিকরণাৎ কিং গৃহে দিভুহত্তে। অনাদরমুদাহরতি। গোপ্যোহপত্যেরদতি মাতৃরদত্যা অজং একিক্ষমগুঃ। রুদদপত্যমনাদৃত্য রুদতীং মাতরঞ্চ অনাদৃত্য ইতার্থঃ। এবং আহ্বয়তি আহ্বয়তোগতঃ আহ্বয়ন্তমনাদৃভ্যেতার্থঃ। এবঞ্চ পশাতি পশ্যতো হরঃ। হরঃ স্বর্ণকারঃ পশ্যন্তং জনমনাদৃত্য হর্তীতার্থঃ। সংজ্ঞায়াৎ यक्ष्मा अनुक्।

— কুজর্থইবার্থো বেষাং তেতৈঃ। স্বাম্যাদিভিঃ সৃক্তর্থেতান্তৈশ্চ যোগেক্রিরারা জনাদরে গম্যুমানে ষীপ্ত্যোস্যাতাং স্বামী মুকুন্দঃ ইতি প্রয়োগষয়েন ষীপ্ত্যো দর্শিতে। এবং সর্ক্ষেষাং সর্কেষু বা ঈশ্বরঃ। জধিপতির্দারাদঃ প্রতিভূঃ প্রস্তুতঃ

কুশলাযুক্তাভ্যাং তাৎপর্ব্যভিধানং শিবার্চায়ায় শিবার্চায়াং বা কুর্শলঃ আযুজো বা ভক্তত্তপর ইতার্থঃ। অতাত্র কল সুকুশলঃ রথেছাযুক্তোহখঃ निवक ইশুৰ্বঃ। निপूণ সাধুভ্যাং পুজায়াং গ্ৰী পুঞায়াং ধী এবাভিধানাং। মাতরিসাধুনি পুণোবেতি পূজায়াং। অপুজায়াং তু পিতুদ্দে হিস্য নিপুৰঃ সাধুর্বা পুজ্রঃ নিশাছ ইতি গোপ্যোহজং বিষ্ণুং নিশি রাজ্রো ত্রিং জীনু বারান্ অগুৰ্ণতবতাঃ। অফো দিবসমা দিনসা ত্ৰিরিঞ্চ দদম্যেন বীপ্রে)।দর্শিতে। এবং রাত্রো রাত্রের্বা পঞ্চুবোভুইজ ধাচত্তিপি সৃত্তর্পত্তেনকতিখা রাত্রে রাত্রের্বা ভুংকে ইঞাদি কালাড্ডাদেরভিধানাৎ কাংসাপাত্র্যাং দিভুক্তে পঞ্কুস্থে রাত্রিংভুজে ইস্তানে নস্যাৎ। অপত্যেরদতিমাতুঃ ক্রোশস্ত্যাঃ। রুদদপত্যং ক্রোশন্তীং, মাতরমনাদৃত্য বারংবারং গতা ইত্মর্থঃ। ক্রোশন্ত্যা ইত্যধ্যাহার্যাৎ রুদতী ইস্তাদ্যৈব নিন্দ ক্তিব্যক্তায়েনামুম ইন্তেকে। পশ্যতো হর ইন্তত্ত্ব সংজ্ঞা-षाभिष्णः यो নতু প্রীজেকে। ত্বাং মামন্তরা স্বামী। সাধুর্বিশ্রো মাতরংপ্রতি। নিপুণো মাতরং পরি। জ্যা সহ তস্য স্বামী তুল্যো গোভিঃ স্বামী। তুল্যো গবাংস্বাদীজ্যুদেত্রি পুর্বে বিপ্রতিষেধেনদ্যাদয় এবস্তঃ। অক্তেত্র প্রজাদে ষেবনাম্মাজিরিভার্থে স্ক্রিয়িত্বা বৃক্ষং বৃক্ষং প্রতি কুসুমানিসন্তি দৈবদৰংপ্রতি কুপাতি। আং প্রতিসাদী মদচনং প্রতি সাক্ষী। কেশান্ প্রত্যুৎসুকঃ।ইত্যু-माहत्रिः। माधवरं माधूकार थी। जाँखार यात् श्रीमार। माधूर क्रमा माङ्कि अमाधुमीजूटन निम्नमार्थिमण्ड।

## ৩০।• কালভাবাধারং.ডং গুটী।

এতে ড সংজ্ঞাঃ স্থান্ততা প্রী। সামীপ্যাশেষবিষরৈর্ব্যপ্তা। ধারশ্ভতুবিধঃ। রেমে শরদি গোবিন্দোগোপীভিক্লদিতেবিধা। কালিদ্যাং কাননে কেলৌ ক্লুশলঃ সকলে স্থিতঃ।

क्रिश्रं निक्त प्राप्तिक्ष प्राप्ति प्राप्ति प्राप्ति । उपि इ जि उर भूक्ष है । शिल विकास क्षित्र क्षि

কালঃ কণ লব মুহূৰ্ত্তাদিঃ। প্ৰসিদ্ধ কালক্ৰিয়াদাবেণ ক্ৰিয়ান্তরস্যাহপ্ৰ-সিদ্ধং কালং যেন্সাধনভূতেন বজা লক্ষতি স ইহ ভাবঃ। পরেতু যস্ক্রিন্য-ষাক্রিয়ান্তরং লক্ষাতে স ইহভাবঃ। অত্র ক্রিয়াশব্দেন সহ সামানাধিকরণো ক্রিয়াশ্রম্মএব সাধনভূতঃ। ৰথা। তুহ্যানাসু গোষুগতঃ ছঞ্চাম্বাগত ইত্যাদি। **पा**ठी उर्गमन क्रिया बारद्र १ पाइना पिकियां अदिश माधन ज्ञान । স্তরস্যাপ্রদিন্ধ বর্ত্তমানাদিকালং, বজালক্ষয়তি স দোহনাদিক্রিয়াপ্রয়োভাব ইক্সর্থঃ। অসামানাধিকরণ্যে ক্রিয়াশক্ষর সাধনভূতঃ। মথা গোর্দোহেগত ইত্যাদি। ভুঞ্জানে চৈত্রেমিত্রোভুংকে ইত্যক্ত একস্যাঃ ক্রিয়ায়াঃ সম্বন্ধি ভেদা-দ্ভেদঃ কলায়মানেম্বান্যে যু চৈত্রোগতঃ প্কেম্বাগতঃইত্যক্ত কলায়ইবমানং বৈষাং তে তেষু ক্রিয়ান্তরাভাবাৎ সৎস্বিত্যধ্যাহার্যাং এবং ধনেসুখং ধনেসভিসুখং ভব-ভীত্যর্থঃ। আধ্রিস্তেপরম্পরয়াক্রিয়া যত্র স আধারঃ ঘটাশ্রয় ইতি যাবৎ। ষত্বতং। কর্ত্তকর্মব্যবহিতামদাক্ষারয়েৎক্রিয়াং। উপকৃর্বাৎ ক্রিয়াদিক্ষো শান্তেহধিকরণং মতং। স চতুর্ব্বিধঃ ইও্যাহ সামীপ্যেত্যাদি সামীপাং সমীপত্তং তেন একঃ সামীপিক আধারঃ ৰথা নদ্যাং ঘোষঃ প্রতিবসতি ইতাত্র জলে ঘোষ-স্যবাসামুপপস্ত্যা নদীশব্দেন তৎসমীপং তীরমুপলক্ষ্যতে । এবং গঙ্গায়াং ঘোষ মংস্যোস্ত ইত্যত্ত্ৰ গঙ্গাশস্বোবাচকো লক্ষকণ্ট বজুতাৎপৰ্য্যাৎ দ জুগ্লপদৃত্তিদয়-বিরোধারৈবং বিধঃ প্রয়োগ ইতি ভট্টঃ। সামীপিকসা উপঞ্চেষিকত্বেনৈবসিদ্ধে পৃথগুপাদানং লক্ষ্ণয়াহেয়পদার্থস্যাপ্যাধারত্ব জ্ঞাপনার্থং। তেন অসুলাথে ক্রিশত্বিতাত্রাকুলাগ্রনির্দ্দিউদ্যাপ্যাধারত্বনিতি আল্লেবঃ সংযোগঃ পৃথক্ সিদ্ধয়োঃ সম্বন্ধ ইত্যৰ্বঃ তেন এক উপখ্লেষিক জাধারুঃ। যথা কটে আন্তে ष्ट्राना। सामनः भेठि वरन गिर्टः अधिवमधीखामि । विषयाञ्चनगत छाव-

#### ৩১ । অধিকেশার্থোপাধিভ্যাং।

ক্রাধিকার্থেনোপেন স্বাম্যর্থেনাধিনা চ যোগে গুটী স্যাৎ।
.গুণা উপুপরার্কে স্থাবিফোরধি হরৌ সুরাঃ।

ेजिशिकक त्रमण जार्यथी यरवार जो जेभण अधिण छी अधिक मार्थि ह छी जेभाधिति छी जांजाँ । है श्रुवा केजानि । जेभगर क्राधिकार विद्यार्थ । जिम्मे स्वापिकार क्राधिकार क्राधिकार

#### ७२। एनार्थाए।

তেন যোগে নিমিত্তাৎ প্তী স্যাৎ। বস্ত্রেষ্রজকমবধীৎ ক্লফঃ।

व्यर्थ। निमिन्तः कियाया निमिन्तः यपि कर्मागाग्युकः गाप उपा उचापः मश्रमीगापिन्तः। इनमकियाया निमिन्तः विद्याग रननकर्मागा तक्कारकामः राष्ट्रा मश्रमान्त्रव्यः। इनमकियाया निमिन्तः रिन्तः प्रत्या इनमकर्मागां तक्कारकामः । कर्मायुक्ताः कि कृश्चितः। (कर्मायुक्ताः किः कीर्ज्ञः विश्वेषाणिनः रिन्तः मिन्तः विद्यापिनः विद्यापिनाः विद्यापिनाः

व्यक्षां स्वाचित्र विश्वाद विभिन्न विश्वाद विभिन्न विश्वाद विभिन्न विश्वाद वि

#### ৩৩। ক্তেন্চ।

क्लांबिहिट ज्यानां योश ए श्री मार । 'यर मुश्रीजी ।

জাদিন জেন তেন জেনা ইতি তৃতীরৈকং। বেদেহধীতীঃ ইতি অধীওল-धারনে ভাবেজঃ। অধীতমধারনং তদসাভীতি অধীতী তেন বােগে বেদে ইতি কর্মানি সপ্তমী। এবং তর্ক অধীতী। কৃতীক্রতী বৃদ্ধমতে যু ধীমান ইতি ভট্টিঃ। জাদব্যবহিতেন ইনাযোগ এবায়ং বিধিঃ। তেন কৃত্রু তৎ পূর্বাঞ্চিত কৃত-পূর্বাং তদ্বসাভীতি কৃতপূর্বা। এবং বেদমধীতপূর্বা ইত্যাদে। নসাাং। জ্যাদিন্ ক্তেন তেন। বেদে অধীতি ইভি অধীতমনেনেজার্থঃ। ইন্টাদিত্বাৎ ভাবজান্তাদিন্। কিং কর্মকমহধ্যসন্মিত্তাকাংক্ষারাং পশ্চাৎ কর্মসন্তর্মঃ তন্মাদসুজাদনেন প্রী। মুখ্য চ গ্রহণান্মাসমধীতী ইত্যাদিন নস্যাং। ক্তেনা কিং কৃতং পূর্বমনেন কৃতপুর্বাকিটং।

## ৩৪। নির্দ্ধারে থিকেন ক্রিয়ান্তকালাধ্বনোশ্চ পীচ।

শ্রেষ্ঠং কপালুম্বর্গদেরুদ্রেকাদশকে ২ধিকং। মূর্দ্তাইকাচ্ছিবং ধ্যায়ন্ ভূঞীথা দ্বাহিবা ত্রাহাৎ। ভূম্বো যোজনলক্ষেহর্কং পঞ্চে-লুক্ষব্যাদিথং।

. कियरपात्रसः कियासः कानण अक्षा ठ कानावरनो कियासण उठी काना-धरनी छाउँ किया खका नाधरनी उत्याः। निर्कादता आ जिल्लाका गामू १ कर्य-ণাপকর্ষেণবা সজাতীয়াৎ পৃথক,করণং,। কাল কণ মুহূর্ত্ত প্রহর দিন রাজ্যাদিঃ অধা অধপরিমাণং নল্ল ক্রোশ যোজনাদিঃ নির্দ্ধারে গমামানে পঞ্চমী চকারাৎ সপ্তমী চ স্যাৎ। এবং অধিকশব্দেন যোগে তথা ক্রিয়াদয়মধ্যবর্ত্তিনি কালে ক্রিয়াদ্যমধ্যবর্ত্তিশুধনি চ পঞ্মীসপ্তম্যো স্যাতামিতার্থই। হে সাধ্যে দ্বং শিবং ধ্যায়ন্ দাহি ত্রাহাদা ভুঞ্জীধাঃ भिदः কীদৃশং কুপালুষু অর্কাদেশ্চ শ্রেষ্ঠং ক্লফ্রেকাদশকে মূর্ত্ত্যুক্তকাচ অধিকমিতার্যঃ। উদাহরণানি যথা। শিবঃ কুপালুষু শ্রেপ্তঃ অর্কাদেশ্চ শ্রেপ্ত ইতি নির্দ্ধারণং। এবং অত্র সমার্থেনেক্যাদিনা ষষ্ঠী চ মথুরা পাটলিপুত্রেভ্যঃ আঢ্যতরা কাকাৎ কোকিলঃ কৃষ্ণঃ ইত্যাদি निर्द्धाद्रत्। श्रेक्षर्माव नजू वकीमश्चमादि ि वक्तनाः। भिरवा तरेक्वकामभरक ইির্মিক ক্রিক ক একাদশকং ক্রদ্রাণা দেকাদশকং তিমান্। অন্তানাং সমূহোহউকং মুন্ত্রীমা मक्केक्ट मूर्ज्यकेक्ट जमार। শিবং ধ্যায়ন্ দ্য হিন্তুঞ্জীথাঃ ত্রাহারাভুঞ্জীথাঃ। অত্ৰ শিবধানক্ৰিয়া ভোক্ষনক্ৰিয়য়ো ম্ধাবিৰ্ত্তিনঃ কালাং ৰাহ্নাৎ সপ্তমী ত্র্যাহাৎ পঞ্চমী। দাহ্নীতি দাহে দমোরছো ভবঃ ভবঃ কাল ইতি তদ্বিতার্থ षिर्छो बारक्शिक्सछः। उट्डारङा जःशानिवयम् पिकामिना अरुनारमरमञ्दना-ত্রাহাদিতি ত্রয়াণামহাং সমাহারঃ ত্রাহঃ ততঃ পঞ্চমী। ভূস্থো অনো যোজনলকেহর্কণ পদ্যেৎ লক্ষর্যাৎ বিশ্বং পশ্যেৎ। ভুবি ডিগ্নতীতি ভুস্তঃ লক্ষমাদিতি সংখ্যায়াঃ সাকাংক্ষমাৎ পূর্ব্বস্থিত যোজনশব্দেন সম্বন্ধঃ

অথবা সমন্তস্যাসমন্তেন নিজাকাংকেণ সম্ভতিরিতি জ্ঞায়াং। যোজন লক্ষ্যাদিত্যর্থঃ। অত্র ভূস্থিতিক্রিয়া দর্গনক্রিয়য়োর্মধ্যবর্ত্তিক্সধনি যোজন-লক্ষেইতি সপ্তনী যোজনীলম্পয়াদিতি পঞ্চনী।

क्रियायात्रसः क्रियासः कानण अथा ठ छो क्रियासण छो कानाधरनी চেতি তৌ তয়োঃ ক্রিয়াপ্তকানাধনোঃ। निर्দ্ধারে গমামানে অধিকশব্দেন চ বোগে ক্রিয়ান্বয়মধ্যবর্ত্তিকালাধনোশ্চপীপ্রোস্যাতাং। শ্রেষ্ঠমিতাদি বং শিবং খায়নু ছাহ্নি ছাহাৰা ভুঞ্জীপা ইপ্তান্বয়ঃ। অত্ৰ খানভোজনক্ৰিয়য়ো-রন্তর্মর্ত্তিকালবাচকাৎ পীপ্তো দর্শিতে। শিবং কীদৃশং কুপালুষু শ্রেষ্ট্রং पर्कारमत्रश्रक्ति । প্রার্থিক পুরুষ । পুনঃ কীদৃশং রু দৈকাদশকে একাদশ-क्राप्तम् मूर्ज्यस्कार असमूर्ज्जिलारियकः। এकामगानाः मः इहेलार्वकः একাদশকং এবমন্টকমিতি। ভৃত্তোজনঃ যোজনলক্ষেহর্তং প্রশােৎ লক্ষয়াৎ বিধুং পশ্যেৎ। অত্ত ভুস্থিতিদর্শনক্রিয়য়োরস্তর্বর্ত্তাধবাচকাৎ পীপ্তেটা। সর্ব্ব-কোদাহরণদয়েন পীপ্তার দর্শিতে। এবং নরাণাং নরেষু নরেভ্যো বা ক্ষত্রি-য়ঃ শূরতমঃ গবাহ গোষ্ গোভ্যো বা কৃষণ গোঃ ক্ষীরিণী অধগানামহধণেৰু অধব্যেভ্যোবা ধাবন্তঃ শীত্ৰতমাঃ। অদ্যভুক্তা ৰাহে ৰাহাৰা ভোক্তা অত্ৰ স্থিবাকোশে কোশাদা লক্ষ্যং বিধ্যতীক্তাদি। নির্দ্ধারণেহভিধানাৎ পী নতু সর্ব্বত্রেক্সক্ষে। পরেতু বিভক্তরতি নির্দারণাশ্রয় এর পী। নতুর্বাপ্ত্যাবিতি। ৰথা শ্রোক্সেভ্যো মাথুরাঃ আঢ্যভরাঃ মাথুরেভ্যং শ্রোদা দীনভরা ইভাদে। **त्थाम्बर् न माथुरत्रम् माथुत्रवर न त्थारमम् रेजि दिजागार। निर्कात्रनदार** পী সিদ্ধাবহপেক্ষিতক্রিয়ত্বেন অব কপেনাৎ তথাচ শসাদিকং ভবতীত্যাহঃ। এবং অধিকশব্দ যোগে গ্রীং নেচ্ছন্তি। প্রসিতোৎসূকাভ্যাং ক্রীরপ্তা। আভ্যাং ষোগে ত্রীপ্রেটাস্যাতাং। কেশৈঃ কেশেষু বা প্রসিতত্তৎপর ইত্যর্থঃ। স্বারা-मर्थिए । इन को भी का जात्वा वर्डमान्य मृतास्त्रिकार्यका भी ত্রী পাপ্তাঃ স্যুঃ। শস্তোর্রং দূরেণ দূরাৎ দূরে বা ষঃ পাপাত্মিকটং নিক-किन निकछे । निकट वामः। शद्य कु श्वीर निक्छि। अमद किर मूत्रः 이 생 :

#### ०৫। नीमाखर्मार्गा९ खी हारछ।

সোমনাথাচ্ছতং ক্রোশাঃ ক্রফঃ ক্রোনের্ চারুতে। গলাযমুন-ন্নোমধ্যে কতি ক্রোশাশ্চ জাহবী। মার্গেহিধপরিমাণং নলঃ ক্রোশবোজনাদিঃ। সীমোরস্তঃ সীমাস্তঃ স
চামে মার্গণেড সীমান্তমার্গঃ ভক্ষাং। সীমান্তরমারতিমার্গাং প্রপ্রাস্যাদিভােকহির্গঃ। অস্তে গম্মানে ভক্ষাং প্রথমা চকারাং সপ্তমী চ স্যাদিভাপরাহর্থঃ। অস্তর্থা গঙ্গায়মূলয়ার্গর্যে ক্রিভালাণ্ড জাক্রীন্তাত্র
প্রথমান্ত্রপণ্ডেঃ। নচ ভত্তাইলিকার্থে প্রথমে তি বাচাং। ব্যাপ্তাবর্থেহ্বনঃ 
কর্মসংজ্ঞায়াং বিভীয়য়া বাধিভত্তাং সোমনাথাং শভং ক্রোশাঃ কৃষ্ণঃ। শভঃ
কর্মসংজ্ঞায়াং বিভীয়য়া বাধিভত্তাং সোমনাথাং শভং ক্রোশাঃ কৃষ্ণঃ। শভঃ
কর্মসংজ্ঞায়াং বিভীয়য়া বাধিভত্তাং সোমনাথাণ বৃত্তকোশাের কৃষ্ণঃ অবৃতকোশান্ত
ক্রোশান্তে গম্মানে প্রথমা সোমনাথাদবৃতকোশেবৃচ কৃষ্ণঃ অবৃতকোশান্ত
ক্রোশান্তে গম্মানে প্রথমা সোমনাথাদবৃতকোশেবৃচ কৃষ্ণঃ অবৃতকোশান্ত
ক্রাক্রী কভিকোশান ব্যাপ্যভিন্ঠভীত্রর্থঃ। হিমালয়মারভ্য আসমুদ্রাং গঙ্গা
অত্র মধ্যে পথি যত্র দেশে জঙ্গুমুনিনাপীতা পুন্মুক্রা তং দেশমারভ্য
আসমুদ্রাং বা গঙ্গা ভদ্যা জাহ্নবীতি নামান্তরং জাহ্নব্যা মধ্যদেশাদ্বমুনা
নিঃস্তা। তত্রণ্ড জঙ্গুমুনিদেশাদ্বিকণ্যাং যমুনায়া উত্তরাস্যাং যো দেশ
ভত্র কভিকোশান্ত ব্যাপ্য জাহ্নবী ভিন্নভাব্রং।

नीरमानुस्वर्भार्तः मोमास्त्रमार्ग रख्यार। क्रानार श्री इत्रामास्त्र्विः। क्रिटिनकरमानाम्बर्क हेलं हेलं हेलं स्वार। अविवृद्धानस्वर्क्षप्रवादिनः खोखो मार्जार खर्ड गमामान्। त्यामनाथानिकानि। त्यामनाथान्वर् क्रानामाः क्रान्यः त्यामनाथानिकस्व मलकानारस्व क्रान्यः त्यामनाथानिकस्व मलकानारस्व क्रान्यः त्यामनाथानिकस्व मलकानारस्व क्रान्यः। स्वार्वे । स्वार्वे ।

৩৬। ত্র্যাদয়োহর্থার্থৈকক্তেঃ শ্রেক্ত সর্বা।

অর্থার্থেনৈকক্তেলেস্ত্র্যাদয়ঃ স্থাঃ শ্রেক্ত সর্কাঃ। ভুক্ত্যার্থেনার্থফ মুক্তেঃ কিং কার্যাং নার্চাতে ২চ্যুতঃ। অর্থা নিমিন্তং দ এব অর্থাইভিধেয়ো যস্য সোহর্থার্থঃ। অর্থার্থেন সহ সম্করিষ্যতীতি একাজি র্যমাৎ সোহর্থার্থে কক্তিঃ তমাৎ। নিমিন্তার্থ নিজসৈয়ে বিশেষণাই একাজি র্যমাণ রাই পঞ্চবিভক্তয়ঃ সূঃ। নিমিন্তার্থ নিজস্যা বিশেষণাই সর্ক্রনামন্ত্র ব্রবাঃ প্রথমাদয়ঃ স্যারিত্যর্থঃ। ভুক্তা। অর্থেন
অচ্যুতোহর্চাতে জনৈরিতি ব্রেষঃ। ভুক্তির্ভোগঃ। অত্রার্থশন্দস্য বিশেষগাছুক্তি শন্ধান্তিদিশেষ্যাদর্থাদিপি তৃতীয়া এতয়োরজহল্লিক্সান্তিয়ানিকর্থ। এবং মুক্তয়েহর্থায় মুক্তেরর্থ্সা মুক্তাবর্থ ইতি কিং কার্যাৎ অচ্যুতো
ন অর্চাতে জনৈরিতি শেষঃ। অপিতু, সর্ক্রিমা কার্য্যায়েত্যর্থঃ। অত্র কার্যাশুন্দস্য বিশেষণাই কিমঃসর্ক্রনাম তাদ্বিষেশণাই কার্য্যাদ্বিপি প্রথমা, এবং কিং
কেন কার্য্যাণ কন্মি কার্য্যায় কন্মাই কার্য্যাই ক্তি।

ত্রি আদির্যাদাৎ তাঃ অর্থোহেতুঃ অর্থোহর্থো যুদ্য দঃ একোক্তি র্যমাৎ मः অर्थार्थन मरं এककिः অर्थार्थकिकः **उमान्निम्सं ममान**िधक-রণাল্লেরিতার্থঃ শ্রেস্ত সর্কা ইতি অর্থার্থদমানাধিকরণাৎ শ্রেসংজ্ঞকাৎ প্র্যাদয় ইতার্থঃ। ভুক্তার্থেনেতি,ভুক্তির্ভোগঃ। এবং ভুক্তা অর্থায় ভুক্তেরর্থাৎ ভুক্তে-त्रर्थमा जुक्तांवर्थ। पूक्तांशर्थन पूरेका व्यथाय प्राक्तत्रर्थार प्राक्तत्रर्थमा प्राक्ती प्रार्थ। এरः ह्यूकातनिमिकामि सारनीश उशाह अन्त्रमा हरजार्यहराजू মিছ্ত্লিভি রঘুঃ। হেতু শব্দ বৈাণেধোবৈতি পরেঁ। কিং কার্ব্যং কেন কার্য্যেণ কম্মৈ কার্য্যায় কমাৎ কার্য্যাৎ কস৯কার্য্যস্য কমিন্ কার্য্যে। অচ্যুত্তো নাৰ্চাতে কেন হেতুনা ন পূজাত ইতাৰ্থঃ। এবং কোহেতু কং হেতুং কেন হেতুনা কলৈ হেতবে কন্মান্দোতোঃ কদ্য হেতোঃ কমিন্ হেতে। দে নিমিত্তে দাভাাৎ নিমিক্তাভাাৎ দয়ে৷ নিমিফ্রোঃ দয়োঃ প্রয়েরার্জনয়ে৷ তবৎসু কারণেষু ইত্যাদি। পরে তু সামান্তলেক্ত্যাদিক্তীঃ শ্রেস্ত গ্রাং নেছন্তি অন্তে । তু 'শ্রেরের সর্বাঃ জীরাহং। ন সামান্তলেক্সাদিরিতি কন্চিৎ তু খীপ্তেচী নাত হেতুকারণনিমিক্ত শব্দ সমানাধিকরণাদিতাল্যঃ সুত্তে প্রান্তং যদিখেয়ং ছান্তং তৎপ্রাপ্যতে তু ষণ। ক্রান্তং তাল্মস্য যোগেস্যাণ পান্তং যন্মাণ পরন্ত তং। যদা স্থানে ভবেং কার্যাং তৎযান্তং সমুদাক্তং। প্রান্তং গম্যে পরে বাচো যিমা রপপদে তুতৎ। কচিখাতায়তোতের মিদং পাণিনিসমাতং।

৩৭। সংজ্ঞাং কং

চধ্যভজড়াঃ ক্সংজ্ঞাঃ সুদ্ধ।

অস্মিন্'পাদে যায়া সংজ্ঞা উক্তাসাকং কারকসংজ্ঞাঃ স্যাৎ। চধ ঘ ভ छ ডাঃ কসংজ্ঞাঃ কারকসংজ্ঞাঃ স্যারিতর্থিঃ। কর্মকরণকর্ত্তসম্প্রদানাপাদানর্সর্থ-করণানামেকতমত্বং কারকত্ব মিতি যাবং। ক্রিপানিমিন্তং কারকং লোকতঃ निक मिछि पूर्वनिः इः। टिज्रमा इकारमी धन मिक मिवा किए किए मार नजू গচ্ছেতাদিকং। তেন भेषसमा क्रियानिमिखवाजावासकातकवः अतः লিঙ্গার্থ সম্বোধনয়োরপীতি। গৃহে প্রবিশতীতাত্র গৃহস্য কর্মতয়া বিতীয়া প্রাপ্থে অধিকরণ বিবক্ষায়া সপ্তমী। বিবক্ষাবশাদ্ধি কারকানিভবস্তীতি স্থায়াৎ। এবং পুষ্পাণি স্পৃহয়তীতাত্ত্ৰ • সম্প্ৰদানে কৰ্মবিৰক্ষা। স্পৃহনীয়বিভূতয় ইতাত্ত্ৰ সমানানীয়ঃ •স্থাল্যাঃ পচ্যতে ইতাত্র অধিকরণে করণ বিবক্ষা দোধ্যি ছগ্নঃ গোভ্যো গবাং বা বাচতে কম্বনং রাজভো রাজ্ঞাংবা ইত্যুভয়ত্র কর্মণি অপা-দান বিবক্ষা তপোবনেষু স্পৃহয়া সুরেষা ইতি রঘুঃ। ইত্যাদে। সম্প্রদানে জি করণবিবক্ষা ইত্যাদয়ো মহাকবিপ্রয়োগাৎ বিবক্ষয়া সমাধানীয়াঃ। স্থিতের্গতি ' শ্ভিন্তনীয়েতি স্থায়াৎ। তেন স্বেচ্ছয়াুুুুগ্রানেন গচ্ছতীস্তাদি প্রয়োগো ন কর্ত্তন্য ইতি সাম্প্রদায়িকাঃ। দ্বোর্বপ্র প্রাপ্তে তু। কর্তাকর্মাধিকরণং করণং সম্প্রদানকং। অপাদানঞ্চ সন্দেহেপরং পূর্ব্বেণ বার্ষ্ঠাতে ইতি বচনাদাবস্থা। যথা পশ্য ষ্ঠাা ধাবতি অস্ত্যেষ বঁটঃ পশ্য ইত্যাদে কর্মবাধিদ্বা কর্ত্তা প্রবৃত্তিঃ। গঙ্গাং গন্ধা স্নাতি ইত্যাদে। অধিকরণনাধিত্ব। কর্ম্ম প্রবৃত্তং। গৃহং প্রবিশ্য নিঃসরতি নিঃস্তা প্রবিশতি গৃহংবা ইত্যুভয়ত্র অপাদানবাধিত্বা কর্মা প্রবৃত্তং। বরমাসূয় কন্তাং দদাতি কন্তাং দাতুং বরমাহ্বয়তি বা ইত্যুভয়ত্র সংপ্রদানং বাধিতা কর্ম প্রবৃত্তং। অথে স্থিতো গছতীক্তাদৌ করণং বাধিতা অধিকরণং প্রবৃত্তং। এবমক্সদপূাহ্যং অতএক ক্ষেমিরা অপি। অপাদানসম্প্রদানকরণাগার কর্মনাং। কর্জুন্চান্তোত্য সন্দেহে পরমেকং প্রবর্ত্ততে ইতি বদন্তি। অর্থৈক বাকাং। গুরুণা শিষ্ণোণ ইক্ষুং খাদাতে, অত্র খাদয়তে, মুখাকর্মণোহভাবাং। গৌণকর্মণ ইক্ষোরের উক্তর্থ। গুরুণা শিষ্যেণ ইক্ষঃ খাদ্যতে গুরুণা শিষ্যঃ লোকং পঠাতে। এতয়োরেকবাকাতে তু গুরুণা শিষা ইক্ষুঃ খাদয়তা লোকং পঠাতে। অঁত্র শিষাসা খাদয়তেঃ প্রযোজ্ঞাত্তেন গোণকর্তৃত্বেপি পাঠাতে ইত্যাখ্যা ত্রুয় প্রধানস্যাপি কর্মত্বাচ্ছ্রুত্বং এবং গুরুণা শিষ্যেণ ওদনং পচ্যতে গুরুণা শিষ্যঃ স্লোকং আান্যতে এতয়োরেকবাক্যে২পি গুরুণা শিষ্যঃ ওদনং পাচয়তে শ্লোকং প্রাব্যতে এবঞ্চ বিপ্রং পশা বিপ্র জানীয়তে এতয়োরেক-বাকোহপি পশ্যানীয়তে বিপ্র ইতি। <mark>অত্র পশ্যেতি আখ্যাতস্যাপু কর</mark>্কৃ বিহিত্ত্বেন কর্মণা সুম্বন্ধিভাগাং। আনীয়তে ইতি কর্মবিহিতেন সূতরাই कर्षण छेकदः । अवः मम्राकृष्टः खरः शम्णामीक्यामिमारमकारकारशि खरः कृषः शम्णामि हेळामिकरमव। धर्मारान खान्णाएक छेकदार। खर्मा कृष्टम् मम्राम्भा मम्राम्भा मम्राम्भा मम्राम्भा मम्राम्भा मम्राम्भा विभाव द्वार्थः । ध्वान्णाणिक्याममः । एवस्य प्रथमिष्ठ प्रयो । मम्राम्भाव विभाव द्वार्थः । ध्वान्णाणिक्याममः । एवस्य धर्मामदः वाका-मम्राभक्या खर्मा खर्मा । एव प्राम्भाव विभाव द्वार्थः । विभाव द्वार्यः । विभाव द्वार्थः । विभाव द्वार्थः । विभाव द्वार्यः । विभाव द्वार्थः । विभाव द्वार्थः । विभाव द्वार्यः । विभाव

#### ইতি শ্রীত্বর্গাদাস বিদ্যাবাদীশ বিরচিতায়াং সুবোধায়াং মুধ্ববোধ-দীকায়াং কারকপাদঃ সমাপ্তঃ।

প্রকরণদিন্দিশ্পাদে যায় সংজ্ঞা তস্যাঃ কসংজ্ঞা ইতার্বঃ। ষধাং সংজ্ঞাস্তরং আহ ৫ ঘ ভ জ ভাঃ কমিতি কং কারকং তচ্চ শক্তি উস্যানেকরপছাং দ্রব্যস্ত শক্তিমর্মণক্তি উস্যাকস্বভাবস্যানেকরপত্রাহযুক্তত্বাং। দ্রব্যে
কারকব্যবহারস্ত শক্তি শক্তিমতোর্ভেদ্যাহিবিক্ষিতত্বাং। পৃত্পাণি স্পৃইয়তি
পরশ্বনিত্তি স্থানী পচতি দোঝি পরোগোভ্যো গবাং বা ধনং হাচতে
রাজভো রাজ্ঞাং বা। রিপোকোপঃ পুঁতেপ স্পৃহা তপোবনের স্পৃহয়ালুরেষা ইত্যাদো ঢাদয়ে। নতু ভাদয়ঃ। বিবক্ষাবশাং কারকাণি ভবস্তীত্যুক্তেঃ।
ইহ কারকাণামুভয়প্রপ্রাপ্তিসন্দেহে ভাদিক্রমেণের প্রবৃদ্ধিঃ। যথা বিপ্রায়
দত্তা বন্ত্রং গৃহ্যতি ধরুষা শরাশ্ ক্রিপতি উপবিশ্যোভিন্ততি পীচে গৃহং প্রবিশ্য
নিঃসরতি। অন্তেম ঘটঃ পশ্যেদিত্যাদিঃ। বছুক্তং। অপাদানসম্প্রদারকরণাধারকর্মণাং। কর্তু স্থাত্তাস্থাসন্দেহে পরমেকং প্রবর্ত্তিত ইতি। বিপ্রায় ক্রন্ততি বিপ্রায় য়াষতে বরায়াহ্য়কল্ডাং দদাতি বিপ্রায়াহর্চমিত্বা ধেমুদীয়তে ইত্যাদো উৎসর্গস্যাপবাদেন প্রধানেন গুণস্য চ। বাধা বিধীয়তে
যক্ষাৎ তত্তাছনেন ন বাধিতা ইতি। চৈন্ত্রোহন্মেন গ্রামং ন গছতি ইত্যাদৌ ভু ও ধ যান্তর্গবিন্থিতাং ক্রিয়াং চৈন্ত্রাদে। কেনাপি প্রকারেণ ব্যাপারিতাং

নিবে জুং পশ্চাশ্বঞাবোগঃ। করণং কারঃ ক্রিয়া স এব সাধ্যজেন মুখ্য এবামিত্যর্থে কঃ জাতাপেক্ষয়া একজং কারকং ক্রিয়ানিমিন্তমিত্যর্থঃ। নত্নেবং বিপ্রায় গাং দদাতি ইতাত্র বঁথা বিপ্রাহস্মতিলা । তস্য ক্রিয়ানিমিন্তজ্বং তথা চৈত্রস্য তথুলং পচতীত্যাদাবিপি তথুলসম্পাদন্দারা চৈত্রস্য ক্রিয়ানিমিন্তজ্বং লাং ব্যাঃ ক্রাপন্তিরিতিচেং সত্যং। চৈত্রস্য ইত্যুক্তেঃ পচত্যাদিকুং নাপেক্ষতে কিন্তু ধনাদিকমতো ন ক্রিয়ানিমিন্তজ্বং। লিবং পশুনা ইত্যাদ্যুক্তেই পশ্যতি ছিনন্তি ইত্যাদিকমপেক্ষত এব অতঃ ক্রিয়ানিমিন্তজ্বং ক্রমিত্যেকে। জ্যর্থলারা ক্রিয়ান্মমিন্তং ক্রমিতি কশ্চিং। তন্ত্র বিষবৃক্ষো-পি, সংবর্জ্য স্বয়ং, ছেত্রুমসান্ত্রতং ইত্যাদাবব্যাপ্তেঃ। বন্ততন্ত্র অব্যল্যপ্তানি ক্রার্থলারমের বিষবৃক্ষোপি সংবর্জ্য ইত্যাদো ব্যাপ্তার ক্রমণ অব্যান্তিবার-ণাম দৌ অব্যেতি বিশেষণীয় মিতি তথাপি কর্ত্কর্মব্যবহিত্রাদাধারস্য কারকত্বাহপ্রসঙ্গ স্যাদত আহ চাদিকমিতি গুক্রবিপ্রতপ্রম্মণতানাং প্রতিক্রের্বিত ভিষক্ স্বভেষজ্বঃ। মাষাণামন্ত্রীয়াদিত্যাদে তু জ্যর্থলারেণ এব ক্রিয়ান্ত্র্যাহ ব্যাঃ ক্রমিন্টিমের চেবীবিধানাদিতি দিক্।

প্রীরাম তর্কবাগীর্শ ভট্টাচার্য্য মহামহোপ্পাধ্যায়েন বিরচিতা কারকস্য টীপপনী সমাপ্তা।

শ্ৰীশ্ৰীক্ত নিঃ।

শ্রণং |

#### সচীকং

# মুগ্ধবোধণ ব্যাকরণণ।

নমোগণেশায়। লক্ষ্মীকান্তং নিখিল জগতাং সর্গসংহারহেতুং, ছুর্গাদাসোধরণিপতিতঃ কোটি কৃত্বঃ প্রণমা। পর্য্যালোচ্যাখিলবৃধমতং ধ্রীমতাং পাঠকানাং সন্তোষার্থং রচয়তিতরাং মুগ্ধবোধস্য টীকাং।। শ্রীমদিদ্যানিবাসাদ্যৈরাদ্যৈপি স্থারিতিঃ। ভূরিতিবিহিতা ব্যাখ্যা তথাপ্যাখ্যায়তে মুয়া।। অযুক্তং যদিহ প্রোক্তং প্রমাটিদন জমেণ বা। বচোময়া দ্য়াবন্তঃ সন্তঃ সংশোধয়ন্ত তং।।

শ্রীবেণিদেবঃ স্বয়ং কৃতসা ওঁনমঃ শিবায়েত্যাদি বন্ধলং ব্রহ্মণীতাশুস্য সূত্রপে বাকরণসা ছ্রহস্থাং স্বয়ং বৃত্তিং চিকীর্স্স্সা ঝটিতি সমাপ্তয়ে শিফাচারপ্রাপ্তং মঙ্গলমাচরন্ সারাসারময়বিস্তরবাকরণান্তরপাঠবিমুখানাং নানা দিন্দেশীয় শিযাাণাং ঝটিতি প্রবৃত্তয়ে গ্রন্থান নির্দিশন্ শিবাশিক্ষার্থনাদৌ তরিবপ্লাতি মুকুন্দ ধ্যতাদি।

মুকুন্দং সচ্চিদানন্দং প্রণিশ্বত্য প্রণীয়তে। মুগ্ধবোধং ব্যাকরণং পরোপক্তয়ে ময়া॥ ও নমঃ শিবায় ইতি নমস্কারসূত্রং। শংশবৈদঃ। শুকৈর্মঙ্গলং স্যাৎ ইতি প্রয়োজনাভিধেয়সম্বন্ধাঃ॥

ময়া মুকুন্দং প্রনিপত্য মুশ্ধবোধং ব্যাকরণং প্রণীয়তে প্রকর্মেণ তাৎপর্যার্থং নীয়তে বৃত্তা ব্যাথায়তইতি যাবং। মুকুন্দমিতি মুক্তিং দদাতীতি ,মুকুন্দঃ

#### সটীকং ব্যাকরণং।

নালেশোবিভক্তেরলুক্চ। অথবা মুকুর্ত্তৌ মহেশে মুঃ কুঃ হত্ডচক্রাং। মুকুং দদাতীতি মুকুন্দ ইতি। "মুকুমবায়মা । যস্তদাতি ভক্তেভাামুকুন্দন্তেন কীর্তিতঃ।" বিষ্ণুকৃষণাদি শুমা মুক্তিলিপস্নাং প্রবৃত্তিং সম্ভাব্য আযুর্জানস্থথার্থিনাং শক্তিদানন্দমিতি। সন্ নিত্যঃ চিং জ্ঞানস্বরূপঃ আনন্দঃ

स्थयक्ता आनम्बरीि शर्णामियामन् आनमहेि विश्वारः श्रमः। मः गर्णामी विक्राभावानन्तर्भवि मिक्रमानन्त्रस्थः मिक्रमानन्तः अथवा मत्छो नित्जो विमानन्त्रो জ্ঞানস্থথে যস্যেতি বিগ্রহঃ। প্রণিপত্য প্রকর্ষেণ নত্ত্বা ভক্তিশ্রদ্ধাতিশয়যুক্তনমস্কারং • কুত্বেতার্থঃ। নমস্কারস্ত স্বাপকর্ঘবোধকব্যাপারবিশেষঃ স্বাধিক উৎকর্মতায়াজ্ঞাপক মিতিবা। মুগ্ধবোধমিতি। মুগ্ধঃ স্থানরমূদ্যোরিতি বিশ্বপ্রকাশঃ। মুগ্ধঃ স্থানরো বোধোজানং পদপ্দার্থানাং ভবতাশাদিতি মুগ্ধবোধং। অথবা মুগ্ধান্ মূচান্ অল্প বৃদ্ধীন্ জনান্বোধয়তীতি মুঞ্বোধং ঢাং<sup>•</sup>ষ্ণিতি ষণ্। ব্যাকরণমিতি ব্যাক্রিয়ন্তে প্র কৃতিপ্রতায়ভেদেন ব্যুৎপাদ্যন্তে শব্দা অনেনাম্মিন্ বেতি করণে অধিকরণে বা অনট্। নমু কাতস্ত্রাদিবদনো বৃত্তিং কুর্বন্ত স্বয়ং কথং করোষি ইত্যাশস্ক্যাহ পরোপকৃত্য ইতি। পরাশ্রেষ্ঠা চাসৌ উপকৃতিশ্চেতি পরোপকৃতিস্তস্যে মদীয়া বৃত্তিঃ সর্কাভি প্রায়ান বাঞ্জায়ীষাতীতি শিষাাণাং শ্রেটোপকারঃ স্টতঃ। নমু মঙ্গলং কথং ক্রি য়তে। মঙ্গলাভিমুধ্বংসোবিমুধ্বংসাৎ প্রারিপিসতসমাপ্তিরিতি চেন। বাণভটাদের্মঞ্ লে সতাপি গ্রন্থসমাপ্তাভাবাৎ মাঘাদৌ মঙ্গলাভাবেৎপি সমাপ্তিদর্শনাৎ। উচ্যতে। বাণভটাদের্মঙ্গলেন বহুতরবিঘানাং নাশয়িতুমশক্যভাৎ গ্রন্থসমাপ্তির জাতা। মাঘাদের্গ্রদৃষ্টাভাবেন বিঘুণভাবাৎ মঙ্গলাভাবেহপি সমাপ্তির্জাতেতি। ততশ্চ **छूत्रमृ**क्षेमिस नार्वित मन्त्रिक्षः मार्ख किमिश श्रीतिश्रमानामञ्जलः कूर्वसस्तात । मञ्च-লন্ত ছুরদৃষ্টসত্ত্বে তন্নাশয়তি তদসত্ত্বে পুণাং জনয়তীতি নিষ্কৰ্মঃ। ওঁ। ওমিতি লুপ্ত ওঁকারোচ্চারণমেকং মঙ্গলং। প্রথমৈকবচনং। ওস্বারশ্চাথশক্ষ্য দ্বাবেতে ব্রহ্মণঃ পুরা। কণ্ঠং ভিত্বা বিনির্ক্তাতৌ তেন মাঙ্গলিকাবুভৌ ইতি স্মরণাং। বিঘু-বাহুল্যশক্ষ্যা মঙ্গলান্তর্মাচরতি নমঃ শিবায়েতি। মহাদেবনমস্কারাত্মকমপরং মঙ্গলং। অথবা ওমিতি লুপ্তচতুর্থ্যেকবচনং। ওঁনমঃ বিষ্ণুশিবব্রহ্মভ্যো নমইত্যর্থঃ। অকারোবিষ্ণুরুদ্দিউউকারস্ত মহেশ্বরঃ। মকারেণোচ্যতে ব্রহ্মা প্রণবেন ত্রয়ো মতাঃ। ইতি সারণাৎ। তেভ্যোনমঃ কথমিত্যাহ শিবায়েতি তাদর্থো চতুথী।. শিবায় গ্র্মস্থস্য ঝটিভি সমাপ্তিরূপকল্যাণায়েত্যর্থঃ। কায়িকং মানসঞ্চ নমস্কারং হিত্বা আচার্য্যেণ কথং বাচিকোনমন্ধারঃ কৃতইতি শিষ্যাণাং সন্দেহমুচ্ছিন্দন্ গ্রন্থসা প্রয়োজনাভিধেয়সম্বন্ধাংশ্চ জ্ঞাপয়মাই। \*। শংশকৈরিতি । \*। শমিতি **শব্দেনেহ मञ्चलপ্রয়োজনাভিধেয়সমন্ধাউচ্যন্তে অব্যয়ানামনেকার্থতাং!** 

শঙ্গলং স্যাদিতি। অত্র শকৈরেব মঞ্চলমুচিতং স্টাদিত্যর্থঃ। শক্ব্যংপাদক
শাস্ত্রারয়ে শকৈরেব মঞ্চলং কর্ত্ত্ব্যমিতি ন্যায়াং। ইতি প্রয়োজনাতিধেয়সম্বন্ধাইতি। ইতি শক্স্যাব্যয়ত্বেন প্রয়োজনপক্ষে সম্বন্ধপক্ষেংশি তৃতীয়ান্তবং অভিধেয়পক্ষেত্ প্রথমান্তবং বোধাং। ইতি এতিঃ শক্ষৈঃ সহ ব্যাকরণস্য প্রয়োজনং। ব্যাকরণব্যংপন্নশক্ষ্রানাধীনং শাস্ত্রান্তরজ্ঞানং তদধীনাচ বৈদিকী ক্রিয়া তংকলং স্বর্থাদিরিত্যভিপ্রায়ঃ। ইতি ইমে শক্ষাব্যাকরণস্যাভিধেয়াবাচার্যঃ। ইতি এতিঃ শক্ষৈঃ
সহ ব্যাকরণস্য সম্বন্ধঃ শক্ষ্যাকরণয়োর্ব্যুৎপাদ্যব্যুৎপাদকভাবঃ সম্বন্ধইত্যর্থঃ।
অত্র স্থত্রে শক্ষইতি লিঙ্কস্য অভিধেয়পক্ষে প্রথমান্তর্যা বক্তুমুচিতত্বেংপি মঙ্গলপ্রয়োজনসম্বন্ধানামন্তরোধাং তৃতীয়ান্তবং। বিরুদ্ধধর্মসমবানে ভূয়সাং স্যাৎ সধর্থাকর্মিতি কৈমিনিস্ত্রাং। প্রস্থসা প্রয়োজনাভিধেয়সমন্ধানামবশাবক্তব্যক্ষে
প্রমাণন্ত সর্বাক্রের হি শাস্ত্রস্য কর্মণোবাপি ক্যাচিং। যাবং প্রয়োজনং নোক্তং
তাবক্ত কেন গৃহতে। সিদ্ধার্থং নিদ্ধসম্বন্ধং লোতুং লোভা প্রবর্ত্তে। গ্রন্থানে বিকর্মীয়া সংক্ষেপনির্কাহার্থং সক্ষেত্রেন
বক্তব্যঃ সমন্ধঃ সাভিধেয়কইতি প্রাঞ্জঃ। প্রস্থসা সংক্ষেপনির্কাহার্থং সক্ষেত্রেন
সংজ্ঞাঃ পরিভাষান্ধানে ভাষাতে ই

#### 7231

১। অইউ ঋনক। এওও ঐ ঔ চ। হযবর লা ঞ ণন্ডমা বাচধ্যভাজ ড়দগবাখফ ছঠথা চটতক পা শ্যসাদ্যন্তাখ্যাঃ।৷

এষাং মধ্যে যে বণান্তে আদিবর্ণান্তবর্ণসমাহারসংজ্ঞাঃ স্ত্রাঃ।

শ य म ইতান্তং লুপ্তপ্রথমানছবচনান্তং ছন্দোবং সূত্রাণি ভবন্তীতি নাায়াংবছলং ব্রহ্মণীতি জনোল্ক। এবং সর্কার। অশ্চ ইন্দেত্যাদিদক্ষঃ। আদিশ্চ অন্তশ্চ আদায়ে তৌ মিলিতৌ আখ্যা যেষাং তে আদায়াখাঃ। অথবা আদিনা সহিতোহয়ঃ আদায়ঃ স আখ্যা যেষাং তে আদায়াখাঃ। এষাং মধ্যে ইতি। মধ্যানদন্যেই অধিকর্ণমান্বাচিত্বং অন সূত্রে যে বর্ণাইতার্থ মধ্যাবয়ববাচিত্বেতু অকারসকারয়োঃ প্রাপ্তির্ন স্যাং। আদিবর্ণান্তবর্ণয়োর্যঃ সমাহারঃ ক্রমপ্রিতৌ যৌ আদিবর্ণান্তবর্ণয়োর্যঃ সমাহারঃ ক্রমপ্রিতৌ যৌ আদিবর্ণান্তবর্ণয়োর্যঃ সমাহারঃ ক্রমপ্রিতৌ যৌ আদিবর্ণান্তবর্ণয়াহারসংজ্ঞাঃ। অন্ত অক্ অচ্ অব্ অ্যু অব্ ইতি পঞ্ছ। ইক্ ইছ্ ইচ্ ইল্ ইতি চতপ্রঃ। ঋক্ ইত্রেকা। এছ এচ্ এই ইতি তিপ্তঃ। প্রচ্ইত্রেকা। হল্ হব্ হস্ ইতি ডিপ্রঃ। বল্ যম্ যপ্ ইতি তিপ্রঃ। বস্ ইত্রেকা।

চত্ত্রঃ। চত্ইত্যেকা। জব্ইত্যেকা। থথ্ থপ্ থস্ইতি তিন্তঃ। ছং ইত্যেকা। চক্ চপ্ ইতি দ্বে। শস্ ইত্যেকা। ইতি চদ্বারিংশং সংজ্ঞানাং যথ স্থানং প্রয়োজনং বোধাং। কিন্তু যুর্ণোহদান্তে ইত্যক প্রথমবকারাত্তাহ্ব অন্যক্র শেষবকারাত্তাব ইতি বোধাং। নম্ব এতে বর্ণাআদ্যাখ্যাইত্যুক্ত্যা অস্ ইত্যেকৈব সংজ্ঞা প্রতীয়তে অকু ইক্ ইত্যাদয়ঃ কথমিতি চেং সত্যং। তথাত্বে আদ্যন্তাখ্যাইতি নোজ্বা অস্ ইত্যোবাদিয়াং। অত্য রামানন্দস্ত চপোদিতেতি, বক্ষ্যাণপরিভাষ্যা হ্রৈপ্র্তিতানাংদীর্ঘাণামপি অক্ সংজ্ঞা সিদ্ধেত্যাহ। তদ্ধেয়ং। অক্ সংজ্ঞায়াজ্যা স্বর্ণগ্রহণপরিভাষায়াঅপি অসিদ্ধিন্তদাহ। তদ্ধেয়ং। অক্ সংজ্ঞায়াজ্যা স্বর্ণগ্রহণপরিভাষায়াঅপি অসিদ্ধিন্তদাহ। তদ্ধেয়ং। অক্ সংজ্ঞায়াজ্যা স্থেখণাঃ। অতএব অ আ অ ইত্যাদৌ বক্তব্যে অত্যমিত্যাদি স্বয়ুং বক্ষ্যতি। নচ তর্হি ইদ্হিতেনাকার্ণোস্হাতে ইতি পরিভাষেব র্থেতি বাচাং ইত্যুক্তেনাকা স্বর্ণোন গৃহ্যতইতি নিষেধার্থমবশাং বক্তব্যাহাং। আবং স্বর্থপলু ইত্যায় বৃজ্ঞা আ অ ইত্যোধাং বর্ণগ্রহাত্যাসমূপ্রক সংজ্ঞাবিধানার্থং পৃথক্ক্ত্বাতিচারাং।

### २। ई९ कृत्छ।

কৈসেচিৎ কার্য্যায়োচ্চার্য্যমাণোবর্গইৎসংজ্ঞঃ স্যাৎ। তস্য কা-র্য্যেহসুচ্চারঃ। যথা অচি কঙ্চাঃ সংজ্ঞার্থাঃ। হসেহকারউচ্চা-রণার্থঃ॥

কৃতে ইত্যেকারাস্তমব্যাং প্রয়োজনবাচকং লুপ্তচতুর্থ্যেকং কার্য্যাণাং বহুলতয়।
স্বরূপেণ নির্দেষ্ট্র্মশক্যত্বাৎ কল্মৈচিং কার্য্যায়েত্যুক্তং। ইণ গভৌ কিপ ইং। এতি
গচ্ছতি ন তিপ্ঠতীতি ব্যুংপত্ত্যেব ইতোহস্তায়িত্বং দিদ্ধং॥ অতএব আহ তদ্য কার্য্য
হস্পচারইতি হসেহকারউচ্চারণার্থইতি পর্বর্ণসম্বন্ধং বিনা হসানামুচ্চারণং ন
সম্ভবতীতি বিজ্ঞাপনেনৈব হসানাং পরবর্ণযোগঃ স্কৃচিত্তঃ। উচ্চারণার্থোহপি বর্ণইং
সংজ্ঞঃ স্যাৎ অতএব দ্ধান্তীত্যাদিনা অনঙাদেশে অঙাবিতাবিতি স্বয়ং ক্ষাতি॥

### ०।. वाव अर्घभन्।

অ আ অ ইতি বৰ্ণত্ৰয়ং ক্ৰমেণ স্ব ৰ্ষ পলু সংজ্ঞঃ স্যাহ। বৎ শব্দাৎ ই ঈ ই ইত্যাদিযু চ। স্ব এজ নাস্তি।

অশ্চ আশ্চ অশ্চেতি সমাহারেংপি স্থত্রত্বাৎ ক্লীবত্বাভাবেন হ্রস্বাভাবে আইত্যেবং। স্বশ্চ র্ঘশ্চ পল্পেচতি যত্র চে ত বর্ণত্রয়ং দৃশ্যতে তত্র সমাহারোবোধ্যঃ।। রামানন্দকাশীশ্বরৌ তু আইব আবদিত্যেকং পদং মত্বা অ আ অ ইত্যেতেষাং-সংজ্ঞাত্রয়ং সিদ্ধবং কৃত্বা তদ্বদিব্রণাদীনামপি বিধীয়তইত্যাহতুঃ। স্বয়মসিদ্ধঃ কথং পরান্ সাধয়তীতি ন্যায়াদসিদ্ধস্য সিদ্ধবং করণেন অতীব হাস্যা-বস্তুত্বস্তু আ ইতি লুপ্তপ্রথমৈকং বদিতি লুপ্তপ্রথমৈকং। বদ্ধা যথা তথৈবৈবং সাম্যে ইত্যমরোক্ত্যাহবায়বচ্ছব্দোহয়ং ন তু চুং প্রত্যয়ঃ। কিঞ্চ বচ্ছ-क्मा देवार्थद्यन माकाष्ट्रकावानाकाद्वरेव मध्यः मधिहरू वृक्षितसुत्रस्त्रि गाग्नारः। ততশ্চ আ স্বর্ঘপলু সংজ্ঞঃ সাদিত্যেকোহর্থঃ। আবদনোহিপি স্বর্ঘপলু সংজ্ঞঃ সাদিত্য-পরোহর্থঃ। ই ঈ ই ইত্যাদিযু ঢেতানেন সর্বেষাদেব অচাং সংজ্ঞাত্রয়প্রাপ্তৌ এচঃ স্বসংক্রাং নিষেধয়তি স্বএজ্নান্ডীতি। এচঃ স্বসংক্রান ভবতীত্যর্থঃ। এচাং স্বভাবেন দ্বিমাত্রত্তাদিতি শেষঃ। তথাচোক্তং। একমাত্রোভবেদ্ধস্বোদিমাত্রো-দীর্ঘউচাতে। ত্রিমাত্রস্ত পলুতোজেয়োব্যঞ্জনঞ্চার্দ্ধনাত্রকমিতি। অত্র পুর্ব্বাচার্য্য-প্রাসিদ্ধসংজ্ঞানামেকদেশবিধানং তৎ সংজ্ঞামারণার্থং। তেন হ্রস্বদীর্ঘপলুতাএব বক্তব্যাঃ। এবমন্যত্রাপি সংক্ষেপ্রজ্ঞ প্রসিদ্ধসংজ্ঞানামেকদুশবিধানমবি-রুদ্ধং ভবতি। অতএব আকামাবৈশ্বনন্তকমিতি শৃতিঃ।

### 8। এ॰ পো २ क्मरमार्ग श्राक्त ।

ममार्गाक्षरभार्क्ष भव्रम्भवः र्गः अव्हः मग्राद्यकः स्मित्रः।

অত্যং এ হ ক খ গ ঘ ঙাঃ

ইত্রয়ং চ ছ জ ঝ এ শা এ ঐ যা

খাত্রয়ং ট ঠ ড ঢ ণ র ষা

১ত্রয়ং ত থ দ ধ ন ল সা ৰো

উত্তয়ং প ফ ব ভ ম বা ও উ

তেষাং যোঘেন সমঃ স তস্য ততঃ।

ক্রপোহক ইতি পৃথক পদকরণেন সমইতাস্য ক্রপেন অকাচ প্রত্যেকেন সমন্ধ-ত্থাৎ সমোক্রপঃ পরস্পারং র্গ-সংজ্ঞঃ স্যাৎ সমোহক্ পরস্পারং র্গ-ছেন্তঃ স্যাদিত্যর্থঃ । নতু ক্রপোকোঃ পরস্পারং র্গ-ছেন্তি। অকোহন্তর্গত্স্যাপি ক্ষকঃ পৃথগুপাদানেন ক্ষর্ণনিবর্গবিস্মানাব্রি পরস্পারং র্গ-ছেন্ত্রী স্তঃ! ক্রপ্যা স্বর্গ-ছেন্ড্রাক্তন্ত্র বে-

लख्यांत्रिकारिनो केकारत्वा हराया मर्यामा धर्मा कर्मामिकां खिः। मर्यामका-नाधीनः সবর্ণজ্ঞানমিতি সমানং নিরূপয়তি। সামাং ত্বেকস্থানত্মিতি। স্থানং যেষাং তে একস্থানাঃ তেষাং ভাব একস্থানত্বং। উতশ্চ এক স্থানজ্ঞানাধীনং স্বর্ণজ্ঞান্মিতি স্থানং নিরূপয়তি। অত্রয়মিত্যাদি। অত্রয়ং অ আ অ ইতি হ্রসদীর্ঘপলুতাঃ। এবং ইত্রয়মিতাদি চ। এহইতি সংজ্ঞা এ ও ঐ ঔ হ ইতি পঞ্চ। এ হ ক খ গ ঘ ঙা ইত্যেকপদেক্তিয়া এষামুংপত্তিস্থানং কণ্ঠমুক্তা পশ্চাৎ এ ঐ ইত্যুভয়ং তালব্যকার্য্যার্থং তালব্যমধ্যেহপি এ ঐ যা ইতি ভিন্নপদে পঠিতবান্। ও ঔ ইত্যুভরমোঠ্যকার্য্যার্থমোঠ্যমধ্যেপি ও ঔ ওঠাইতি ভিন্ন পদে পটিতবান্। তালব্যকার্যাঞ্চ ইবর্ণস্য সমত্বাৎ গুণএকারঃ বৃদ্ধিরৈকারঃ। ইয়াজ ইত্যাদৌ জকারস্য জিরিকারঃ। ওষ্ঠ্যকার্য্যন্ত উবর্ণস্য সমস্বাৎ গুণওকারঃ বৃদ্ধিরৌকারঃ। উবাস ইত্যাদৌ বকারস্য জিরুকারঃ। এবং যবরলীয়বকারস্য প ফ ব ভ ম বা ইত্যেকপদোক্তা উৎ-পত্তি স্থানমোঠমুক্তা দন্ত্যকার্য্যার্থং দন্ত্যমধ্যেহপি ত থ দ ধ ন লসাব ইতি ভিন্নপদে পঠিতবান্। যথা সংবুরুর্যতীত্যাদৌ বকারস্য ওঠ্যত্রাছুরদন্ত্যত্রাদমুস্বারস্য মকারোন সাাৎ। বৈদিকাস্ত অসা উৎপত্তিস্থানং দন্তএবেত্যুক্তা তদিকোঃ পরমং পদ্মি-তাদৌ তথৈবোচ্চারয়ন্তি। স্বভাবাৎ কণ্ঠজাতানামপি তালবাওগ্যকার্যাকারিত্রং কর্থমিতি চেন। যতঃ কুন্তা। প্রস্থৃতস্য কর্ণসা রাধাপ্রতিপালনাৎ রাধ্যেন্ত্র ममोनाममानत्यार्षत्याद्वकरमारशिखमत्मद् वावख्याह । যোষেনেত্যাদি। তেষাং কণ্ঠা-তালব্য-মূৰ্দ্ধন্য-দন্ত্য-ওঠ্যানাং মধ্যে যোষণো যেন বর্ণেন সমোভবতি সএব তসা স্থানে ভবতি। যথা অভবিদ্যমিত্যাদৌ ঝপ-ঝসোরিত্যনেন সম্দএব। এবং যোষেন সমঃ সএব তিমান্পরে ভবতি। যথা শান্তইত্যাদাবমুস্বার্স্য নকার্এব। এবঞ্চ যোযেন সমঃ সএব তন্মাৎ পরো ভবতি। যথা বাণ্যরিরিত্যাদৌ হকারস্য ঘকারএব। নতু তদ্ভিনত্বে সতি তদ্গত ভুয়োধর্মবর্থ সমানস্থমিতি সমানলক্ষণাথ সাম্যাথ ভেদমপেক্ষ্যতে। অতএব চন্দ্র-সমানং মুখনিতোবোচাতে ন তু চক্রসমানশ্চক্র ইতি। ততশ্চ হ্রস্বয়োদী র্ঘয়োশ্চ • ভেদাভাবাৎ সমদ্বাভাবেন স্বর্ণসংক্রামুপপত্নিরিতি চেন্ন, সমানং গোনং যুস্তাই-মৌ সগোত্রঃ সমানঃ পতিরুস্যাঅসৌ সপত্নীত্যাদাবভেদেহপি সমানশক্ষপ্রয়োগাং। অত্র তক্ষাৎ তসা তত্র ইতি নোজা যং ব্যতিক্রমনির্দেশঃ কৃতস্ততঃ পূর্ব্বপূর্বাং বি-ধেরভাবে সৈব পর্বিধেবিষয়জ্ঞাপনার্থং তেন সর্বাত্র স তস্য বোধ্যং। যথা চিন্নায়ং তুমা ভাবে তত্র যথা হরিমুক্ত তংয়ারভাবে তুমাৎ যথা বাগ্ঘরিরিত্যাদি।

### ৫। চপোদিতাকানিতার্থঃ।

উকারেতা চপেন ইদ্রহিতেনাকা র্ণোগৃহ্যতে।

উৎ ইৎ যস্য স উদিৎ তেন। নাস্তি ইং যস্য সোহনিং তেন। উকারেতা চলৈন সবর্ণোগৃহতে যথা লেলস্তোরিত্যাদৌ তুইত্যাদিনা তবর্গাদিগৃহতে। ইন্দ্রহিতেনাকা সবর্ণোগৃহতে। যথা আদিগেচোরিত্যাদৌ অইত্যাদিনা অবর্ণাদিগৃহতে। কিঞ্চ ধিপ্সতি ধীপ্সতীত্যুভ্যুপদ্সাধনায় দভোষাবিত্যত্র ক্রম্বদীর্ঘয়োরাদেশয়োঃ পৃথিঘিধানজ্ঞাপকাদাদেশেন প্রত্যয়েন চ সবর্ণো ন গ্রাহ্ণঃ। জ্ঞাপকজ্ঞাপিতা বিধ্যালক্ষণমন্ত্রসরুস্তীতি ন্যায়াৎ। তেন মঘোনস্তওবেত্যত্র অর্কাণো নঞ্চ ইত্যত্রচ তুঙাদেশেন সবর্ণোন গৃহতে। তাদাংটের ইত্যত্র অকারাদেশেন সবর্ণোন গৃহতে। এবং অর্শআদের ইত্যাদৌ অকারাদিপ্রত্যয়েন চ সবর্ণো ন গৃহতে। কিঞ্চ উকারেচ্চপ্স্য স্থানে জায়মানোয উকারেচ্চপস্তম্য আদেশস্থিপ সবর্ণোগ্রাহ্ণ। কারণগুণাঃ কার্যগুণমার্ভন্তে ইতি ন্যায়াং। তেন জব চপ জম্বচ্বাঃ খেরিত্যত্র স্তুশ্ভিরিত্যত্রাপি চ আদেশেন ফুভিরিত্যত্র টু আদেশেন চুঙ ক্রুঙ ইত্যত্র কুঙাদেশেন চ সবর্ণোগৃহতে। এবঞ্চার ক্রম্বেনির অকা সবর্ণোগৃহত্বে ন তু দীর্ঘেণেতি বোর্যাং। অন্যথা আদীপো ইত্যাদৌ প্রথমাপন্থিতং ক্রম্বং পরিত্যজ্য দীর্ঘগ্রহণং বুথা ম্যাদিতি।

### ७। ইডোরলেডণুঃ।

ইঙঃ স্থানে অর অল এঙ এতে ণুসংজ্ঞাঃ স্থ্যঃ।

অরচ অলচ এওচেতি আদিগেচোরিত্যাদে ইগাদের্নির্দেশেনৈবেফীসদ্ধাবিপ গুর্মুওশ্চাকণ্ডিতি ইত্যাদে ণৌকার্য্যে ইঙোনির্দেশং বিনাপি ইঙপ্রাপ্তার্থ ইছ ইঙোনির্দেশঃ। সমত্মাদিবর্ণএকারয়োরেকারঃ, উবর্ণওকারয়োরোকারঃ। ততো হবশিফৌ
অর অলৌ, রলয়োঃ সমত্মাৎ ক্রমেণ ঋবর্ণ ১বর্ণয়োঁঃ স্যাতাং। সমুদায়সাম্যাভাবে
আংশিকসাম্যস্যাপি প্রাহ্যত্মাৎ। পুর্গুণঃ।।

#### १। यह आत्रादेवकतुः।

অচঃ স্থানে আ আর আল্ ঐচ এতে ব্রিসংজ্ঞাঃ স্থাঃ।

আশ্চ আরচ আলচ ঐচেচতি। আরালৈজিত্যত্র স্থত্ত্বাৎ চৈক্যাদিত্যাদিনা অপ্রত্যয়োন স্যাৎ। সমাসবিশ্বেরনিত্যত্বাৎ। আদিগেচোরিত্যাদৌ এজাদের্নির্দেশে-নেই-সিদ্ধাবপি ব্রজবদরলইত্যাদাবচঃ প্রাপ্ত্যর্থং ইহাচোনির্দেশঃ। উৎপত্তিস্থান-ব্যবস্থা তু পূর্ববং। ব্রির্দ্ধিঃ॥

৮। প্রপরাপসংন্যবান্থনিদুর্ব্যধিসৎ পরিপ্রত্য-ভ্যত্যপ্রাপাও গিঃ।

#### স্টীকং ব্যাক্রণং ।

র্ত্রতে বিংশতির্গিসংজ্ঞাঃ স্থ্যঃ। অত্রার্চায়াং স্বতী নাতিক্রমেইতিঃ পর্যাধী গতে। অপিঃ পদার্থসংভাব্যগর্হানুজ্ঞানমুচ্চয়ে।

এতে বিংশতিরিতি। এতে প্রাদয়োবিংশতি সংখায়া সংখোয়াইতার্থঃ। বিংশ-তেরেকত্বন্ত বিংশতাব্দার্যাঃ সদৈকত্বে সর্কাঃ সংখ্যোয়সংখ্যায়ারিতামরোভেঃ। অত নির্ন্থ:শব্দৌ দন্তাসান্তৌ রেকান্তৌ চ। তথাচ হ্রন্ত্র্থভাবনে কোপে নির্নিশ্চয় নিষেধয়োঃ। অঞ্সাশক আখাতন্তত্ত্বদৃষ্টান্তয়ারপীতি দন্তাসান্তে মেদিনী। ছর্মি-যেধে চ কটে চ নির্নিষেধে চ নিশ্চয়ে। পরিঃ সাং সম্বতোভাবে ইতি রেফান্তে মেদিনী। প্রাদীনামর্থানাই পুরুষোত্তমদেবঃ। প্র গত্যারদ্রোৎকর্ষসর্বতোভাবপ্রাথ-মাথাত্যুৎপত্তিব্যবহারেষু। পরা ভঙ্গানাদরপ্রত্যাবৃত্তিনাগ্ভাবেষু।। অপ অনা-দর ভংশাহসাকল্যবৈরপাত্যাগনঞর্থেষু। সম প্রকর্ষশ্লেষবৈনরন্তর্যাপ্তিচিত্যাভিমু-থ্যেষু। নির্নিশ্চয়নিষেধয়োঃ। অব নিশ্চয়াস্কল্যানাদরেষু। অত্ পশ্চাৎসাদৃশ্য-लक्षणवीरमारेथस्याव ভागशीनमशार्थमामी शामी र्यञ्जन तर्थम्। नित जार्यनिष्य-নঞৰ্থগতিদানেষু। অধি উপরিভাবে। স্থ পূজনায়াসাতিশয়েষু। উৎ উর্দ্ধোৎকর্ষ-প্রাকট্য নৈকট্যের। পরি সর্বতোভাবাতিশয়বীপ্সাইথস্কাবিচ্হভাগতাাগনিয়-মেষু। প্রতি লক্ষণব্যাবৃত্তিপ্রশন্তিইপদ্ধাবত্যাগপ্রত্যর্পণসাদৃশ্যবিরোধবীপসাসমা-ধিষু। অতি সমস্তাছভয়ার্থলক্ষণবীৎসাইথস্তাবধর্ষণেষু। অতি অতিশয়ক্রান্তিপু-জনাসন্তাবনেষু। অপি আহরণসন্তাবননিন্দাহমূজাহল্লবুসমুচ্চয়েষু। উপ অন্ত্ৰগতিপশ্চান্তাবান্ত্ৰকম্পাআধিকাহীনসামীপ্যপ্ৰাথম্যেমু। আঙ সমস্তাদন্ত্ৰণ-প্রত্যাবৃত্তীষদর্থমধ্যাদাব্যাপ্তিয়ু। ইতি। গিরুপসর্গঃ। অত্রাচ্চায়ামিত্যাদি। অত্র প্রাদিষু স্বতী অর্চায়াং প্রশংসায়াং গিসংজ্ঞৌ ন ন্তঃ। যথা স্থন্তৌতি অতি-স্তৌতি। অতিরতিক্রমে গিসংজ্ঞোন স্যাৎ। অতিক্রমঃ ফলোদয়েহপি ক্রিয়াপ্রবৃত্তিঃ। যথা অতিসঞ্জি শালীন্। প্র্যাধীগতৌ গিসংজ্ঞোন স্তঃ। পরেঃ সর্বতোভাবো-হধেরুপরিভাবঃ প্রাসিদ্ধাবথোঁ। গত্যর্থধাতৌ পরে পর্যাধী যদা গতিং দ্যোতয়ত-रुप। शिमरः को न स्टेरेडार्थः। यथा পরিরেমধতি অধিসেধতি গঙ্গাং জনঃ। অতএব " তত্মিদাত্মচতুর্জাগে প্রাঞ্ডনাকমধিতস্থা। রাঘবঃ শিথিলং তস্থে ভূবি ধর্মক্রিপাদিব।" ইতি রখে। ধাতুনামনেকার্থতয়া স্বাধাতোরগত্যর্থে অধের্গতি-দ্যোতকত্বান্থপদর্গত্বাভাবে গীক ইত্যাদিনা ষত্বৎ ন স্যাদিতি রঘুটীকাকারাঃ। অপিঃ পদার্থাদিয়ু পঞ্চস্থ গিসংজ্ঞোন স্যাৎ। পদার্থোংল্লন্তং যথা অপিসিঞ্চি অল্পং সিঞ্চতীতার্থঃ। সম্ভাব্যৎ ক্রিয়াস্ত্র যোগাতা্ধ্যবসায়ঃ। যথা অপিসিঞ্চেন্সূল-সহত্রং। গর্হা নিন্দা যথা অপিস্তোতি বৃষলং ব্রাহ্মণকঃ। অমুজ্ঞা জিজ্ঞাসান্তর্

মতুমতিঃ। যথা সেক্ষামীতি প্রশ্নে অপিসিঞ্চ। সমূচ্চয়ঃ পরস্পরং ক্রিয়াসংশ্লেষঃ যথা অপিসিঞ্চ অপিস্তৃহি। উভয়ং কুরু ইত্যর্থঃ। এষু গিসংজ্ঞাভাবাৎ বাস্য গামুকারেতি সমাসাভাবে গীকইত্যাদিনা ষত্ত্বং ন সাাথ স্বস্তুত্ত্বা ইত্যাদৌ ফুণ্টো যপ্চ ন স্যাদিতি ফলং। স্বতীতাাদৌ অমুকরণত্বাদব্যয়সংজ্ঞাভাবেপি বিভক্তিকার্য্যং তু হি চ শ্ব হু বৈ পাদপুরণে পূজনেশ্বতীতামরোক্তন্ত প্রকৃতিভ্রমনিরাসার্থং। "ধাত্বর্থং বাধতে কন্টিং কন্টিভ্রমভূবর্ত্ততে। তমের বিশিনষ্ট্যন্যউপর্গগতিস্তিধেতি" বিস্তরগ্রন্থ নামবৃতিঃ। ক্রমেণোদাহরণানি। আদত্তে গৃহ্ণাতীতার্থঃ। প্রসূতে অত্র প্রসবএব ধাত্বর্থঃ। প্রশক্ত্রেসেবার্থং দ্যোতয়তি প্রণমতি প্রকর্ষেণ নমতী তাৰ্থঃ। উপদৰ্গান্তত্তদৰ্থানাং দ্যোতকাএৰ নতু বাচকাঃ। ক্ৰিয়াবাচিত্বমাখ্যাতৃং প্রসিদ্ধার্থঃ প্রদর্শিতঃ। প্রয়োগতোনো মন্তব্যাজনেকার্থাহি ধাতবইতি বোপদেববচ-নাং। কেবলধাতোরনেকার্থত্বে অবশ্যবক্তব্যে উপদর্গপৃক্ককত্বেনান্যার্থোপি ধাতে। রেব কল্লাতে, লাঘবাং। ধাতূনামনেকার্থরং উপসর্গাণামপ্যনৈকার্থস্বমিতি বিধিদয় কল্লাচন গৌরবং স্যাদিতি। এবং "সম্ভবত্যেকবাক্যত্ত্বে বাক্যভেদোন চেষ্যভইতি" জৈমিনিস্ত্রাং। অতএব "নিপাতাশ্চাদয়োজ্ঞেয়াউপসর্গাশ্চ প্রাদয়ঃ। দ্যোতকত্বাং ক্রিয়াযোগে লোকাদরগতাইমে" ইত্যুক্তং। নিপাতাঅপি দ্যোতকাএব নতু বাচ তেষাং বাচকত্বে তু ঘটসা সমুচ্চয়ইত্যত্র যথা সমৃদ্ধে ষঠী তথা ঘটশ্চ ইতাত্রাপি ষঠ্যাপত্তিঃ। ইদানীস্ত ঘটশন্দলৈয়ে লক্ষণয়া সমুচ্চয়বাচিত্রাচ্চকারস্য তদ্যোতকত্বান্ন ষষ্ঠী।। এবং রামস্য সমঃ ইতাত্র ষষ্ঠী রামইব ইত্যত্রভু'ন ষঙী। এবঞ্চ ঘটনা অভাবইতাত্র ষষ্ঠী ঘটোন ইতাত্র ন সাং।।

# • २। जामिश्रः।

#### **ভূসন্তায়ামিত্যাদির্গণোধুসংজ্ঞঃ স্যাৎ।**

স্থাদিরাদির্যস্য সম্থাদিঃ মধ্যপদস্য লোপঃ লম্বর্নদানয় ইত্যাদিবং তদ্গুণসম্বিজ্ঞান বছব্রীহিঃ। তেন স্থাদিদশগণাধাতৃবইত্যর্থঃ। ভবতেঃ সর্বধাতৃনাং প্রাথমিক-ত্বাৎ স্থাদিশদোদশগণপঠিতসমন্তধাতুবাচী। স্থাদ্যধায়ইত্যত্র তু গণবিশেষবাচী। তথাচ "স্থাদ্যদাদী জুহোত্যাদির্দিবাদিঃ স্থাদিরেব চ। তুদাদিশ্চ রুধাদিশ্চ তনক্যাদি চুরাদয়ঃ।" ভূইত্যাদয়ঃ প্রকৃতয়োঘদা সন্তাদিক্রিয়াবাচিকান্তদৈব ধাতুসংজ্ঞাঃ স্থাং। ভূসন্তায়ামিত্যাদির্গণপাঠে তু অমুকরণাৎ স্যাদেরবিশ্যকত্বেপি স্যাদেরমূৎ প্রিঃ প্রকৃতিজ্ঞমনিরাসার্থা। অন্যথা মন্তবিলোড়নে ইতি বক্তব্যে সংযোগান্তলো পে মনবিলোড়নে ইতি স্যাং। ধুর্ধার্ত্বঃ।

#### ১০। সিত্যাদিঃ ক্রিঃ।

मापिखापिक क्रिमः छः मार।

সিশ্চ তিশ্চ দিতী, সিতী আদী যস্য স সিত্যাদিঃ। দ্বন্দাৎ পরঃ পূর্বোবা প্রায়মাণঃ
শব্দঃ প্রত্যেকমভিসম্বধ্যতে ইতি ন্যায়াৎ। স্যাদিস্ত্যাদিশ্চেত্যর্থঃ। ক্রিবিভক্তিঃ।।

### ১১। कृषवारनाकिषवश्यकृभः।

ক্তেরেকৈকং বচনং ক্রমাৎ কদক্ষসংজ্ঞং স্যাৎ! তানিচ ক্রমাদেক দ্বিবছমুর্থেমু প্রযুজ্যন্তে।

রামোজয়তি রামলক্ষ্মণৌ জয়তঃ রামলক্ষ্মণসীতাজয়ন্তি। দারবর্ষা-সিকতাজলো কোবস্ত্রান্তবাচিদশা-বছলা-কৃত্তিকা-মঘালাজেভাঃ পুংলিঙ্গ-সৃহাচ্চ নিতাং য়ং। এভােনিতাং বছবচনং সাাং। দারাঃ বর্ষাঃ সিকভাঃ জলৌকসঃ দশাঃ। বস্ত্রান্তবা চীতি কিং। দশেয়ং তে শুভাভবং। বছলাঃ কৃত্তিকাঃ মঘাঃ লাজাঃ সৃহাঃ। পুংলিঙ্গাদিতি কিং। সৃহং সৃহে সৃহাণি। অপসরঃ স্ত্রমনোবলুজাদের্মা। এভাােবছবচনং সাাঘা। আসংখাাবিশিউসা জাত্যুক্তাবেকত্বে বছবচনং সাাঘা। গৌরয়ং গাবইমে। সংখাাবিশিউসা তু একোেগাঃ একোব্রীহিঃ। গুরুশন্দবিশেষণসা মুন্মদএকত্বে বছবচনং সাাঘা। তুং মে গুরুঃ যুং মে গুরুঃ। অবিশেষণসাাম্মদা দিছে চ। অবিশেষণসাাম্মদা দিছে চ। অবিশেষণসাাম্মদএকত্বে দিছে চ বছবচনং সাাহ বা। অহং ব্রবীমি। গৌরবে সর্বেভাঃ একত্বে বছবচনং সাাঘা। ভটারকপাদাঃ সমাদিশন্তি। প্রোঠপদাফল্গুনীভাাং নক্ষ্রাভাাং দিছে বছবচনং সাাঘা। পুর্বে প্রোঠপদে পুর্বাঃ প্রোঠপদাঃ। পুর্বে কল্গুন্যা পুর্বাঃ কল্গুন্যঃ। পুযার্থপুনর্বস্থ নাং দক্ষে বছজেপি দ্বিচনং নিতাং। পুষ্যঃ সভাবাদেকঃ পুনর্বস্থ সভাবাৎ দ্বো। পুষ্যুক্ত পুষাপুনর্বস্থ। এবং সিদ্ধপুনর্বস্থ তিয়পুনর্বস্থ।।

#### **५२।** कालातो मनी।

क्राम्रभएका प्रशः महार। यमुञ्ज निमश्कः॥

ক্তিরত্তে যস্য স ক্তান্তঃ যথা রামোভবতি ইত্যাদি। ত্যলোপে তালকণমিতি নাায়াৎ সুপ্রবিভক্তিকানাং পদত্ত আতিদেশিকং। যথা উমা গৌরী বিদান্ বারি হরিবৎ

বাগীশইত্যাদি। তেন চতুর্থঃ ষষ্ঠইত্যত্র আতিদেশিকমনিত্যমিতি ন্যায়াৎ দান্তত্বাভারা ছিরামাভাবে বিসর্গউকারৌ ন স্তঃ। ক্তান্তশ্চ অন্যশ্চ ক্তান্তানের্গ সমিহিতে বুদ্ধিরন্তর**ঙ্গে** তি ন্যায়াদন্যশব্দস্য ক্তান্তেন সম্বন্ধাৎ ক্তান্তাদন্যইত্যর্থঃ। শব্দ্যতে উচ্চার্য্যতে অসা विजि भक्तः। ज्यास्त्रभटकाममश्बद्धः माष् । जिल्लिमभटकामिक्रमश्बद्धः मामिजार्थः। मर এতেন কুদন্ততদ্ধিতান্তাদীনাং ধাতুনাং বিভক্তীনাঞ্চ লিঙ্গত্ব মায়াতং। অত্র কাতন্ত্রাদা ধাতুবিভক্তী বর্জ্জয়িত্বা অন্যস্য নিঙ্গসংজ্ঞাং কুর্মন্তীতি রামানন্দপ্ত পূর্বতোংমুবর্ত্তমানাভ্যাং ধাতু,বভক্তিভ্যামপ্যন্যশব্দস্য সম্বন্ধাৎ ধাতুবিভক্তিবিভক্ত্যন্তেভ্যোহন্যশব্দোলিরিভ্যাহ। তদ্ধেয়ং। ক্তান্তশক্ষমান্তেনিৰ অন্যশক্ষ্য চরিতার্থত্বাদাকাক্ষাভাবে ধাতুবিভক্তোরমূর্ত্ত্য ভাবাং। • সত্যামপ্যাকাঙ্গ্গায়াং ধাতুবিভক্তেগারমূবৃত্তিবং প্রাদেরপ্যমূবৃত্তী তস্যাপি লিঙ্গসংজ্ঞামূপপত্তেঃ। নচ বিপ্রাদন্যইত্যুক্তে, যথা বিপ্রসজাতীয়ঃ ক্ষত্রিয়াদিরেব পৃহাতে নতু গবাদিঃ, তথাত্রাপি ক্তান্তান্তাদনাইত্যুক্তে ক্তান্তসজা তীয়ঁস্য কুন্তদ্বিতপ্রতায়ান্তস্মৈৰ গ্রহণাৎ ধাতুবিভক্তোলিন্ধবং ন স্যাদিতি বাচাং।। ঞান্ত সমন্ত ভাবিবুভৃষাদের্ধাতোরপি লিঙ্গত্বাপত্তেঃ। নচ তবৈর ধাতুসংজ্ঞারৈব লিঙ্গসংজ্ঞাবাধিতব্যেতি বাচ্যং। সংজ্ঞায়াঃ সংজ্ঞান্তরস্য বাধকত্বাভাবাৎ। অতএব একস্যৈব সিরিতাস্য প্রতায়ত্বং বিভক্তিত্বং প্রথমান্তত্বং একবচনত্বং ধিত্বং ঘিত্বঞ্চ সং গচ্চতে। বস্তুতস্ত্র ধাতুবিভক্ত্যোর্লঙ্গত্বমন্তি চেদস্ত তেন কা নোহানিঃ। তাভ্যাং স্যাদিপ্রসক্তিরিতি চেন্ন যতোলিঙ্গসংজ্ঞা সামান্যবিধিঃ ধাতুসংজ্ঞা বিশেষবিধিঃ। ততশ্চ লেঃ সি ঔ জাঁসিতি সামান্যবিধের্ধ্যেন্তিবিত্যাদিবিশেষবিধিনা বাধিতত্বাদ্ধাতো র্মস্যান্থ্যৎপত্তিঃ। বিভক্তেম্ব কেবলায়াঃ প্রয়োগাভাবাৎ প্রকৃতেঃ পরত্র জাতায়াশ্চ সমুদায়স্য পদস্বাদেব স্যাদির্মোৎপদ্যতে ইতি নাস্তি বিরোধঃ।।

### ১०। लूशि न मक्तामाविधी।

न्त्रविज त्नारश कृत्य त्यान् श्रुष्ठमामाष्ट्रत्याः मिक्तर्न माख्नामामा ह त्याविधिः मह न मार्थः ॥

লোপনং লুপ্ তন্মিন্ লুপি। জ্ঞাত্ৰ আদ্যআদিবৰ্ণস্তস্য বিধিন্নাদ্যবিধিঃ। যথা না-জভ্যামিত্যাদৌ নস্য লুপি আক্তিমভবীতি আকারোন স্যাৎ। কুটিদাদিনিমিত্তকোপি বিধিন্ স্যান্তেন রাজভিন্নিত্যাদৌ অকারমাঞ্জিত্য ন ঐস্। কুটিদাদিনি মন্তকঃ স্যাচ্চ তেন শার্কিষু পিপক্ষু ইত্যাদিষু ষত্বং স্যাদেবেতি রামানন্দঃ। বস্তুতস্ত অঃ অবর্ণঃ আদিশ্চ অশ্চ দংয়াঃ সমাহারআদ্যং তস্য বিধিন্নাদ্যবিধিঃ সন্ধিশ্চ আদ্যবিধিশ্চ সন্ধাদ্য বিধী ।

লুপি সন্ধির্ম স্যাৎ যথা হরএহি শিবউগ্রইত্যাদি! লুপ্তস্য যজাদিবর্ণস্তৎসম্বন্ধী বিধির্ম স্যাৎ যথা রাজভ্যামিত্যাদৌ ন আ। এবং বজ্রমাচন্টে ইতি ঞে টিলোপে কিপি ঞে র্লোপে বজ্রইতি লিঙ্গাৎ সৌ স্যান্তস্যারাদিতি রেফস্য লুপি জকার্স্য চুঙিতি কুঙ ন সাৎ তেন বজুইতোব। পুপ্তমা অবর্ণাসম্রবাদবর্ণশব্দেন ইহ লপ্তমা আদিরবর্ণএবোচা তে। তত্তশ্চ লুপ্তস্য সর্কেষামেৰ আদিবর্ণানাং বিধের্নিষেধেনৈবেইসিদ্ধৌ অবর্ণগ্রহণ মবর্ণনিমিক্তকবিধের্নিষেধার্থং। তেন রাজভিরিত্যাদৌ ন ঐস্। শাঙ্গিষু পিপক্ষ ইত্যাদিষু ষত্বামুপপত্তিশ্চ न সাথ। এবং আদায়োবিধের্নিষেধেনৈবেটসিদ্ধৌ সন্ধিগ্ৰহণং সন্ধ্যধ্যায়স্থাত্ৰেণ লুপ্যেৰ ন সন্ধিরিতি জ্ঞাপনার্থং। উদ্ব্রোহি গ্রন্থঃ সমধিকফলমাচন্টে ইতি ন্যায়াৎ। অতএব দামোদরইত্যতা সন্ধিগ্রহণাৎ সন্ধি লুপ্যের ন সন্ধিরিতি স্বয়ং বক্ষ্যতি। নচ ভো২চ্যুত ইত্যাদৌ সন্ধিনিমেধার্থং সন্ধি প্রাহণমিতি বাচ্যং। , গঙ্গেহত ইত্যাদৌ ঝদেহমীয়ে ইত্যনেন একার্স্য সন্ধিনি-ষেধে ত্রিমিত্তক্স্য অকারলোপস্যাপি নিষেধদর্শনেন সন্ধিনিষেধপ্রসঙ্গে আদি বিধের্নিষেধেনৈব তলিমিক্তকবিধের্নিষেধস্যাপি প্রাপ্তত্বাং। কেচিত্রু আদিশ্চাসা-বশ্চেতি আদ্যন্তস্য বিধিরাদাবিধিরিতি বিগৃষ্থ লুপ্তবর্ণস্য আদেরবর্ণস্য স্থানে বিধি র্মসান্তরিমিত্তকোহপি বিধির্ম স্যাদিত্যাহুঃ। তন্ন। ভোইহ ইত্যাদৌ সন্ধিনিষেধাৎ সা র্থকস্য সন্ধিশক্ষ্য উদ্বস্তাভাবে সন্ধিগ্রহণাদিত্যাদি বোপদেবীয়বচসোহসংগতেঃ। হৈক্যাঞ্চাুদ্যহোরিতাত অকারদ্য লুপি কৃতেপি বিদর্গদ্য রেকবিধানং জ্ঞাপ য়তি। অত্র নঞোহল্লার্থত্বমিতি। তেন " সরসীঃ পরিশীলিতুং ময়াগমিকর্মীকৃতনৈ কনীবৃতা" ইতিনৈষধাদো " ঢৌনোলৃপ্ফে ধৌ" ইত্যনেন নস্য লুপি কৃতেংপি নঞা निर्फिक्यमिन्छामिनिगांशि जमाप्त्रवर्षमा हेकांत्रः माप्त्रव । এवर अथनी थनीक्रज ইত্যাদাবপি বোধ্যং।।

#### 381 ठामिशिनिंश।

ठाकिर्गरगातिक निमः छः मा। ॥

া চাদিস্ত চ বা হাহৈব সুনং বৈ অহ আহোঅখোউনো। অহো উতাহো হো হো হী রে অরে ঈহি হে অহে। উরি এ ঐ তির্যাক্ও ঔ অমা কিল খলু। নঞাদয়োহপি বহবঃ। গিশব্দেনেহ গিসংজ্ঞাপটিতশব্দাএব গৃহান্তে। তৈন স্বত্যাদীনামর্চাদৌ গিসংজ্ঞা হভাবেপি নিসংজ্ঞা ব্যসংজ্ঞা চ। ততশ্চ রাজানমতিক্রাস্তা অতিরাজী ইত্যাদৌ ব্যংপ্রেমিতি প্রক্রিপাতঃ। নির্নিপাতঃ।

### ३৫। । । गिर्वाश्ख्याताशंखश्ख्यामा। ।

ণিৎ যস্যোচ্যতে তস্যান্ত্যাদচঃ পরঃ নিদন্তে ঙিদন্ত্যস্য স্থানে মিদা-দৌ স্যাৎ॥

নম্সংজ্ঞা ইৎ যেষাং তে নমিতঃ। নিম্নসোচাতে ইত্যাদি নকারেদাগমোযসোচ্যতে তস্যা অচাং মধ্যে অন্ত্যাদচঃ পরঃ স্যাদিতি পরিভাষিতং। যথা স্থায়মাদাবিত্যাদিনা জ্ঞানানি পুয়াংসি। এবং নকারেদাগমোযসোচ্যতে তস্যাদ্যে স্যাৎ। যথা নন্টুঙশ্চকনিত্যাদৌ গুকারেদাদেশোযসোচ্যতে তস্যাদ্যাস্থানে স্যাৎ। যথা ক্রের্ড্নামীত্যাদৌ মকারেদাগমোযসোচ্যতে তস্যাদৌ সাং। যথা স্থামাঃ স্বদাবিত্যাদৌ। যসোচ্যতে ইতি ষঠান্তনিদ্যোধ প্রতায়েষু ন প্রসঙ্গঃ। তেন গুকারেতোবিভক্তয়োলিঙ্গাংপরাএব মূর্দ্ধনাণকারেতোগবাদযোধাতোঃ পরাএবেতি।।

#### ১৬। পরস্তাঃ।

প্রক্রতেঃ পরো যঃ স ত্যসংজ্ঞঃ স্যাৎ।

অত্র প্রস্কারমানস্যাপি বহােঃ প্রত্যয়ত্বং বক্তব্যমিতি রামানন্দকাৃশীখরৌ। বস্তু তস্ত্র লের্বছঃপ্রাণিতি স্থত্ত্রস্য লেঃপরোবছঃ স্যাৎ সচ বহুঃ পরত্র জাতাে২পি প্রাকৃ স্যাৎ তস্য পূর্বনিপাতঃ স্যাদিতার্থ ইতি ব্যাখ্যানাদেবাস্য প্রত্যয়ত্বং।

#### ११। जाः जाः स्ती।

প্রকার উচ্চারণার্থঃ বিন্তুদ্বিন্তুমাত্রো বণৈ ক্রমান্নবীসংজ্ঞো স্তঃ।
অং অঃ ইতিলুপ্তপ্রথমাদ্বিচনান্তং। স্থরনুসারঃ বিবিসর্গঃ।।

## ३৮। क × (भी \* मूत्न्री।

क्षातूकातगारभा वक्षु भक्षकुखाक्की वरगी क्रमामृनीमश्रकी छः।

কপাব্চারণাথোঁ। মূর্জিবৃণ্মুলীয়ঃ। নীরুপধানীয়ঃ। জিহ্নামূলে উচ্চার্যতে হসাবিতি জিহ্নামূলীয়ঃ। উপধানীয়স্য উৎপত্তিস্থানমোঠঃ। সর্পশাসবদ্ধারণং। মবী পূর্বেণ সংবজ্বো মূন্যো তু পরগামিনো। চত্বারোযোগবাহাখ্যা ণত্ত্বকর্মণ্যচোন্যতাঃ। অচঃ স্বয়ং বিরাজত্তে হসস্ত প্রমাঞ্জ্যে।

#### ১৯। হোঝস্।

#### रकाता अग्मः छः मार

#### ইতি সংজ্ঞাপাদঃ।

বৃংহিতং ইত্যাদাবমুস্বারার্থং অবোঢ়ইত্যাদৌ দিলোপার্থঞ এতদ্বিধানং। নমু অ ই উ ঋ ৯ ইত্যাদিস্থত্তে শবসহ ইতি হকারস্য পুনরুক্তৌ ঝহসংজ্ঞরৈবেইসিদ্ধৌ এতদিখা-নং কথমিতি চেন্ন একবর্ণস্য উভয়ত্র পাঠেন কৌশলাভাবাৎ।। ইতিসংজ্ঞা পাদঃ।। \*।। একার্থাবচ্ছিন্নসূত্রসমূহঃ পাদঃ।। পরিভাষাদৌ সত্যপি প্রধানাপ্রধানয়োঃ প্রধান নেন ব্যপদেশা ভবন্তি ইতি ন্যায়াদেকত্বাবচ্ছিনত্বং ॥ অথ স্ত্রলকণং ॥ সূত্রমতি অ-র্থংগ্রথাতি ইতি স্থত্রং। স্থত্ত্রংক গ্রন্থে পচাদিত্বাদন। "তদপিঅল্লাক্ষরমসন্দিঞ্চং সার-বং বিশ্বতো মুখং। অস্তোভমনবদ্যঞ্জ স্থত্রং স্ত্রবিদোবিছঃ।" তচ্চ ষড়বিধং "সংজ্ঞাচ পরিভাষাচ বিধিনিয়মএবচ। অতিদেশোহধিকারশ্চ ষড়বিধং স্থাত্রলক্ষণং"। ব্যবহা-রার্থং শান্তে কুতঃ সংস্কৃতঃ সংজ্ঞা। যথা ইৎকৃতে ইত্যাদি। গ্রন্থস্য সংক্ষেপনির্বা-হার্থং সক্ষেত্রবিশেষঃ পরিভাষা। যথা চপোদিতা ইত্যাদি। অপ্রাপ্তপ্রাপকোবি-সতু দ্বিধঃ। বর্ণোৎপাদনরূপোহভাবরূপশ্চ। বর্ণোৎপাদনরূপোযথা সহর্নের্ছ ইত্যাদি। অভাবরূপোদিবিধঃ নাশোনিষেধশ্চ। নাশবিধির্যথা লোপোহ সোমাজোরিত্যাদি। নিষেধবিধির্যথা নাজোহন্ত ইত্যাদি। সামান্যপ্রাপ্তস্য ৰিশেষাবধারণং নিয়মঃ। যথা রঙোবিঃ স্থপীত্যাদি। অন্যধর্মস্যাইন্যনা রোপণমতিদেশঃ। ব্যথা ইণ্বদিকইত্যাদি। পূর্বস্থতস্থিতপদস্য পরস্থতেষ্প স্থিতিরধিকারঃ। সতু ত্রিবিধঃ। " সিংহারলোকিতাখ্যশ্চ মণ্ডুকপ্পুতিরেব চ। গঙ্গা স্রোতইতি খ্যাতঃ অধিকারাস্ত্রয়োমতাঃ"। সিংহাবলোকিতো যথা বাবগোর্দাস্তে ইত্যন্মাৎ দান্তইতি পদস্য ঋকাগিতান্তেষ্পদ্বিতিই। মণ্ডুকপ্লুতির্যথা। টাভিসঙেঙ-সি ইত্যন্মাদতইতি পদস্য আক্তিমভবীত্যক্রোপস্থিতিঃ। গঙ্গাতোবথা লেঃ সি ঔ জসিত্যস্মাল্লেরিতিপদস্য তদ্ধিতপর্যান্তেমূপস্থিতিরিতি। এবং "কার্য্যীকার্য্যংনি মিত্তঞ্চ ত্রিভিঃ স্থ্রমুদাহতং। কদাচিৎ কার্য্যিকার্য্যাভ্যাং কুচিৎ কার্যানিমিত্ততঃ। যস্য নির্দ্দিশ্যতে কার্য্যং স কার্য্যী গদিতোরুধৈঃ। ক্রিয়তে মস্তু তৎ কার্য্যমাদেশপ্রভায়া-গটমঃ। যক্ষাৎ পরং পরে যক্মিন্ ত্রিমিত্তং দিধা মতং। আকাজ্জারান্ত সর্বেষা মমূবৃক্তিঃ পরোভবেদিতি''। এবঞ্চ "বহিরঙ্গবিধিতাঃ স্যাদন্তরঙ্গবিধির্বলী। প্রত্য য়াঞ্জিতকার্য্যন্ত বহিরঙ্গমুদাহতং। প্রকৃত্যাঞ্জিতকার্য্যং স্যাদন্তরঙ্গমিতি ফ্রবং। প্রকৃ-তেঃ পূর্ব্বপূর্ব্বংস্যাদন্তরঙ্গতরং তথা। সাবকাশবিধিভাঃ স্যাদ্বলী নিরবকাশকঃ। কস্য-চিৎ ভিন্নকার্য্যস্য প্রথমে পরতস্ত্রথা। সম্ভবেদ্বিষয়োযস্য স বিধিঃ সাবকাশকঃ। আ-(मो हि विषएत्राचमा श्रवणान हि मम्राद्यः । म शिखाज्यरेशक्राव्याविधिर्मित्रवकामकः ।

छथा সামান্যকার্য্যে ভ্যোবিশেষকবিধির্বলী। / বহবোবিষয়াযস্য স সামান্যবিধির্ভ-বেং। অল্প: স্যাদ্বিষয়োযস্য স বিশেষবিধির্ম্মতঃ। আগমাদেশয়োর্মধ্যে বলীয়ানা গমোবিধিঃ। প্রকৃতেঃ প্রভায়স্যাপি সম্বন্ধোযোভবেদপি। তয়োরস্থপদাতী স্যাদা-গমঃ স বুবৈর্মতঃ। আদেশউপঘাতী যঃ প্রকৃতেঃ প্রভায়স্য বা। সকলেভ্যোবিধিভাঃ স্যাদ্বলী লোপবিধিন্তথা। লোপস্বরাদেশয়োন্ত স্বরাদেশবিধির্বলীতি"। সন্ধিজ্ঞানং বিনা,পদসাধনস্যাশক্যত্বাং সন্ধ্যাধ্যায়্যমেবাদৌ নিরূপয়তি।।

#### ২ অধ্যায়ঃ।

**अ**ह्मक्षिः।

# २०। महर्ष रें।

'(র্ণ পরে পূর্ব্বস্য র্ণেন সহ র্ঘঃ স্যাৎ। " মুরারিঃ লক্ষ্মীশঃ বিষ্ণুৎসবঃ ধাতৃদ্ধিঃ সকুদন্তঃ হোতৃকারঃ"।

নমু পিত্রা সহাগতঃ পুত্রইত্যাদৌ যথা দ্বয়েঃ পৃথগাগমনং প্রতীয়তে। তথাত্রাপি দ্বাবের দীর্ঘাহিস্থিতি চেম বালুকান্তিঃ সহ মৃহপিণ্ডোঘটোজায়তইত্যাদিবদপৃথক্ সাহিত্যসৈর গ্রাহ্যত্বাৎ । সহশব্দস্য গম্যমানত্বেইপি তৃতীয়াবিধানহি র্ণেন র্ঘইত্যনেনৈবেইসিদ্ধেন সহর্পে ইতি বিধানং পূর্বস্য দীর্ঘবিধাননিয়মার্থং। অন্যথা দীর্ঘস্য পৌর্বাপর্য্যনিয়মাভাবাৎ পর্স্যাপি পূর্বেণ সহ দীর্ঘত্বেইপি হোভুকার ইত্যনিষ্টাপন্তিঃ । নমু অবর্ণাদের্দি র্ঘবিধৌ কণ্ঠাত্বেন সমানএকারাদিঃ কথং নস্যাদিতি চেম্ন একারাদেরাংশিকতালব্যত্বেন বিরুদ্ধত্বে অসাধারণসমানস্যাকারাদেরবো চিতত্বাৎ। কিঞ্চ দীর্ঘস্য অজ্যর্মাত্বাৎ বারুরোতি তদ্দাতি ইত্যাদৌ ন প্রসঙ্গঃ। মুরারিঃ ইত্যাদৌ দ্বোরেকিমন্ দীর্ঘে পূর্বহস্য তেনের সম্বন্ধঃ হসেহকারউচ্চারণার্থইতি স্বর্সাৎ। হসানাং পরবূর্ণ সম্বন্ধং বিনাপি উচ্চারণংন সম্ভবতীতি পরবর্ণযোগসিদ্ধাঃ। শক্রু ধাতুঃ শকুনামা কশ্চিদ্বা। শকুদন্তইতি ৯কারস্য দীর্ঘস্য প্রয়োনগোনাস্তীতি পাণিনিক্রমদীশ্বরো। হোতকার ইতি হোত্রা উচ্চারিতোলিখিতোবা ৯কারইত্যর্থঃ।

# २३। जामिरगटनान् द्वी।

অবর্ণাং প্রয়োরিগেচোরবূর্ণেন সহ ক্রমাণুত্রী স্তঃ। "ক্ষীকেশঃ

দামোদরः''। সন্ধিগ্রহণাৎ সন্ধিলুপ্যের ন সন্ধিং। "মাধর্বজিং শিবলকারং ক্লফৈকত্বং মুকুন্দৌকং ক্লফৈক্যং ভবৌষধং"।

ক্ষীকেশইত্যত্র অকারেণ সহিত্যা ঈকার্ম্য একারে কৃতে পূর্ব্বায় পরেণ যোগঃ।
এবং সর্বাত্র । দামোদরইতি দাম রজ্জুরুদরে যম্য ইতি বিগ্রহে দান্তত্মাদিরামে নোলু
পেক্ষথৌইত্যনেন নম্য লুপি "লুপিন সন্ধ্যাদ্যবিধী"ইত্যনেন সন্ধিনিষেধহপি কথং
সন্ধ্যিং ম্যাদিত্যাশস্ক্যাহ। সন্ধিগ্রহণাৎ সন্ধিলুপ্যের ন সন্ধিরিতি। অন্যার্থাং সন্ধিগ্রহণাৎ
লুপি ন সন্ধ্যাদ্যবিধীতি সূত্রে উদ্বর্ভিত্ম্য সন্ধিশব্দম্য গ্রহণাৎ সন্ধিলুপ্যের সন্ধ্যায়া
সূত্রেণ লুপ্যের মন্ধির্ন ম্যাৎ অধ্যায়ান্তরস্থ্রেণ লুপি তু সন্ধিং ম্যাদেবেতি। সন্ধিরে
সন্ধ্যায়ায়স্থাবিহিত্রকার্যাং নতু বর্ণন্ধয়মেলনং । তেন পিপকাদিশব্দানাং সং
যোগান্তলুপি ককার্ম্য ঝপঝসোরিত্যনেন চপে জবেচ কৃতে পিপক্ পিপগ্
ইত্যাদিসিদ্ধং। যদ্যপি আদিগেজুটোপুরী ইতি কৃতে এচ্চ উট্চ ব্য়োং সমাহারে
এক্ট্রং ততঃ ইক্চ একুট্চ ইগেছুটো তয়োঃ। ইতি ব্যাখ্যানে আদ্টোর্বিবিতি
স্থাৎ কর্ত্তরণং ন ম্যাৎ। তথাপি ইগেচোরিতি কৃতং জ্ঞাপয়তি। সভাবাদেকপদে
কৃপঃ প্রাক্ স্মাসেচ আদ্টোর্বিরিত্যনেন ব্রিঃ ম্যাৎ। যথা শ্ব বিকারে ক্রে শৌতিঃ
ধাবুঞ্জবে ধৌতিঃ জনান্ অবতীতি জনৌ ইতি অন্যত্র অবতীতি উঃ তবউঃমমউঃ
ইত্যাদৌ গুণ্এবেতি। ,এবং উভ্যুত্র সমাহারে আরালৈক্র ইত্যাদিবৎ স্থেজ্বিচিচ্ক্যাদিনা অপ্রত্যায়াভাবে আরু ব্রীগেচইত্যনেনাপীইসিন্ধে গৌরবং স্পন্থার্থং।।

# ২২ । গৈর্থোরনেধিন এঙখকোঃ।

গেরবর্ণাৎ পরয়োরেধিনবর্জ্জিতস্য ধোরেঙ্ঋকোরবর্ণেন সহ ক্রমান্ন ব্রীস্তঃ। "প্রেজতে পরোধতি অপাচ্ছতি"। অনেধিনঃকিং "উপৈধতে অবৈতি"

ন বিদ্যেতে এধিনৌ যত্র সোহনেধিনঃ তস্য। নম্থাদৃগ্জাতীয়স্য বিপ্রতিষেধা বিধিরপি তাদৃগ্জাতীয়স্যেতি ন্যায়াদেধিনোর্ধান্ধের্জনাদেব থাতোঃ প্রাপ্তৌ ধো রিত্যুপাদানং ব্যর্থমিতি চেন্ন উদ্ভোহি গ্রন্থঃ সমুধিকফলমাচন্টে ইতি ন্যায়াদপ্রাপ্ত লিঙ্গসংক্রন্যেব থাতোঃ প্রাপ্তব্যহাৎ। অতএব প্রকৃষ্টএজকঃ প্রৈজকঃ ইত্যাদৌ ন শুণঃ স্যাৎ। থাতোর্ক কারাভাবাদেগুঞ্গতোরিত্যনেনৈবেইসিদ্ধৌ শ্বনোগ্রহণং পর্ক্রা মুবুত্ত্যর্থমেব।।

#### २०। लिखार्व।

লিধোস্ত পূর্ব্বোক্তং কার্য্যং বা স্যাৎ। প্রেকীয়তি প্রৈকীয়তি প্রোঘী য়তি প্রোঘীয়তি প্রক্রীয়তি প্রাক্রীয়তি প্রক্রারীয়তি প্রাক্রারীয়তি।

লিশ্চাসৌ ধুশ্চেতি লিধুং তস্য একস্মিন্ লিম্বধুম্বয়োরসম্ভবাৎ। আদে লিং পশ্চাৎ
ধূরিতার্থঃ। একমিচ্ছতি একমিবাচরতি বা ইতি বাক্যে কৃতে অবর্ণসা ঈকারে সন্ঞাদির্ধুরিতি ধাতুসংজ্ঞায়াং তিপ্শপৌ। ততশ্চ প্রকর্ষেণ একীয়তি ইতি বাসাগ্যস্থকারেতি সমাসেইনেন গুণঃ পক্ষে বৃদ্ধিঃ। এবংসর্মার। প্রোক্ষারীয়তি ইত্যাদৌ পূর্মা।
পরয়োঃ পরোবিধির্বলবান ইতি ন্যায়াদ্র্ণস্য লোপএব।

# २८। त्नारभार्यामारकाः।

অবর্ণস্য ওমাঙোঃ প্রয়োলোপঃ স্যাৎ। শিবায়োরমঃ শিবেছি ব্রজ্যেতং রাজর্ষিঃ। স্থানিবদাদৈশঃ। দ্বয়োর্বিভাষয়ার্মধ্যে বিধি-নিত্যঃ।

ধর্ম্মিকল্পনাতোহি ধর্ম্মকল্পনা লঘীয়সীতি ন্যায়াৎ পূর্বাবর্ণস্য অর্থবশাদ্বিভক্তেবি-পরিণাম ইতিন্যায়েন ষষ্ঠ্যস্তত্য়া অমূর্ত্তাবপি ইউসিদ্ধৌ পুনরিহাবর্ণোপাদানং সা-মান্যাবর্ণপ্রার্থং সহশব্দনিবৃত্ত্যর্থঞ্চ। অন্যথা গৈরবর্ণসৈত্তব লোপঃ স্যাদিতি শিবা য়োনমঃ ইত্যত্র অকারলোপসা স্থানিবস্তাদদান্তত্বে যস্য ন পুপ। এবং তাতএহি ইত্যা দৌতকারসান দঃ। অনাদিষ্টে আজি অবর্ণলোপসা বৈয়র্থাদাদিষ্টে এব আজিপরেংব র্ণলোপোভবতীত্যতআহ শিবেহি ইত্যাদি আঙপুর্ব্ব ইণগতৌ হি এহি। বেঞ তম্ভ সন্তানে ক্রঃ উতং আ সমাক্ প্রকারেণ উতমোতং আসমাক্ প্রকারেণ ঋষিরর্ষিঃ। স্থানিবদাদেশইতি। সন্ধাৰজাদেশঃ পুৰ্ব্ববিধিং প্ৰতি স্থানিবৎ স্যাদিতাৰ্থঃ। যথা শিবেহীতাদে। অজাদেশঃ কিং সংযম্ভীতাত্র যস্য স্থানিবন্ধাভাষাৎ মস্যামুস্বারঃ প্রতিষম্ভীত্যাদৌ ন দীর্ঘঃ। পূর্বাংপ্রতীতি কিং মৃতঃ উঃ শিবোষেন সঃ মৃতোঃ তস্যোৎ সবঃ স্মৃতবৃৎসবঃ। অত্র ওকারস্য স্থানিবত্তাভাবাৎ দীর্ঘোন স্যাৎ। সক্ষেরনাত্র তু সর্ব্বআদেশঃ পূর্বাংপ্রতিপরং প্রতিচ স্থানিবৎ স্যাৎ। পূর্বাংপ্রতি যথা বিকীর্য্য ইত্যাদৌ ক্রাচোযপি অগুণত্বাদির্। পরংঞাতি যথা হেম্মৃতো ইত্যাদৌ স্থানিবত্ত্বন জম্বপর द्योद्भार्त्वाभः। नठ এভाঃ आमानीनाः स्नमानिश्रमञ्जो वस्त्रनिष्टोभिजिति वागः। আতিদেশিকমনিত্যমিতি ন্যায়াৎ যেষুনিষ্টংতেষু স্থানিবন্ধানঙ্গীকারাৎ। অতএব প্রাঞ্চা অপি ইউসাধনার্থমের ন্যায়ঃ স্বীক্রিয়তে নত্তনিষ্টার্থমিতি প্রান্থঃ। পূর্বতোবাশ-ব্দামুবুত্তো কথমিদং নিতামিত্যাশঙ্কাহ। দয়োর্বিভাষয়োরিত্যাদি। যত বাশব্দঃ

কেবল বিকল্পমাত্রবাচী তত্তৈবায়ং নিয়মঃ। যত্রতু ব্যবস্থাবাচী তত্র বিভাষাদ্ব্যমধ্যবত্তিন ইন্ট্রত্বান্নিত্যত্বং। অনিউত্বাদনিত্যত্বমিতি বোধাং! তেন অয়াংয়োর্ল্কেতি
গোর্কেভ্যেত্রোমধ্যে এঙােংতইতাস্য নিত্যত্বং সেতু কথপফেবেতি। যবাচীত্যেতরোর্মধ্যে শসি শসিতি কথপফয়োর্মুন্যাবিত্যেত্রােরার্দ্রাের্কিকল্লঃ। অতােইজব্যরিতি অভাতগাে ইত্যাদাে দ্বাের্গিত্যত্বং সংগচ্চতে।

### २७। अतंश्रीतस्त्रात्त्र।

অবর্ণস্য এবে পরে লোপঃ স্যাৎ অনিয়োগে। অদ্যেব নিয়োগে তু অলৈয়ব গচ্ছ।

নিপুর্বস্য যুনজের্ঘঞি সিদ্ধেন নিয়োগশব্দেনেই অবধারণবাচকে এবশব্দে লোপোন সাথ। ইত্যর্থঃ। অতএব এনে অবধারণে ইতি কাশ্মীরকাঃ পঠন্তি। অদ্যেবতি। হ্যোয়ং কৃতং তং অদাকৃতমিব লক্ষ্যতে। ইত্যর্থঃ। এবং চর্দ্মেব রজ্জুরিত্যাদি। অসম্ভাবনায়ান্ত তদদ্যেবাভূদিত্যাদি। অবধারণেতু অদ্যৈব গচ্ছ অন্য দিবসে ন ইত্যর্থঃ। এবং মিথ্যৈব শ্রীঃ শ্রেয়ং মন্যা ইতি ভট্টিঃ। তথৈব সোহভূদবর্থোরাজা প্রকৃতি রঞ্জনাং ইতি রয়ুঃ। অপদ্যেষতেব বিগুণস্য গুণ ইত্যাদি।

### २७। दोस्थारकाः म।

অবর্ণস্য ওষ্ঠোত্মোঃ পরয়োর্লোপঃ স্যাৎ বা সে সতি। বিদ্বৌষ্ঠঃ বিষোষ্ঠঃ স্থূলৌতুঃ স্থূলোতুঃ সে কিং তবৌষ্ঠঃ।

ৰাশন্দস্যেহ ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ প্রোঠোবৃষঃ প্রোঠী মৎস্যবিশেষঃ। ইতি সংজ্ঞায়াৎ নিতাং। আওঠাদোঠং ইত্যব্যয়ীভাবেহনেন আঙোলোপে লোপস্যাদেশউচ্যতে ইতি ন্যায়ালোপস্য আদেশত্বে স্থানিবদাদেশইতি ন্যায়াদাগুলোপস্য আঙতুলাত্বে তবোঠং মমোঠমিত্যাদৌ লোপোহস্যোমাঙোরিত্যকারলোপঃ।

# ২৭। ত্রীসে সৃতোরিং।

অবর্ণাৎপর ঋতোত্রিমাপ্নোতি ত্রীদে সতি। শীতার্জ্ঞঃ ত্রীদে কিং পরমর্জ্ঞঃ। স্বস্তুস্য নামুর্জ্ঞিঃ।

निमिक्तकोर्यिए भारत्वावहिक मस्काकिकां रहिनाव वृक्षिः। अनाशी स्यम विधिक्षम् छ.

সোতি ন্যায়াদকারস্যৈর বৃদ্ধিঃ প্রসজ্যেত। এবং ঋণ প্রবসনেতাদৌচ ব্যাখ্যেয়ং স্বস্তুস্য ইত্যাদি। স্বস্তুস্য পদস্য পরস্থুকেইমুবৃত্তির্নাস্তীতার্থঃ।

#### ২৮। ঋণপ্রবসনবৎসরবৎসতরদশক্ষলস্য 🕯 ।

এষামবর্ণাৎ পর ঋণোত্রিমাপ্নোতি। ঋণার্ণং প্রার্ণং।

এবংবসনার্ণং ৰংসরার্ণং বংসতরার্ণং দশঋণানি সন্তাস্য ইতি দশার্ণোদেশঃ দশার্ণা নদী উভয়ত্র ঋণশব্দেন জলভূর্গমভূমিক্লচাতে। কমলার্ণং।

#### २२। याक्र द्याती द्याहित्नी।

অনয়োরবর্ণাৎ পরাবেতৌ ব্রিমাপ্লুতঃ। বৈশ্বরং অকৌহিণী।

উহীনীতি মূর্দ্ধনানির্দ্দোৎ অক্ষান্ত হিতুৎ শীলমস্যা ইতি বাঁক্যে সংজ্ঞায়াৎ নত্ত্বে অক্ষোহিণী সেনা পাশকস্ত্রী চ। অন্যত্র অক্ষোহিনী।

### ७०। थरमाराज्यंशः।

প্রস্যাবর্ণাৎ পরা এতে ব্রিং যান্তি। প্রৌঢ়ঃ প্রৌচ্ঃ।
বহোঞি প্রাপণে ক্তঃ উটঃ ক্তি উটিঃ উহঙ তুর্কে ঘঞ্চ উহঃ।

### ७३। देव्देषस्यो।

প্রস্যাবর্ণাৎ পরাবেতো বিং বা প্রাপ্নতঃ। প্রেষঃ প্রৈষঃ প্রেষঃ ইপ্রয়ঃ।

বাশব্দেনেই সমুচ্চয়ার্থতয়। বৃদ্ধেঃ পূর্ব্বোহবর্ণলোপঃ সমুচ্চীয়তে। তেন প্রসাবর্ণাই পরাবৈবৈষ্যাের বৃদ্ধিংবা প্রাপ্নুতঃ। এবং এবৈষ্যায়াঃ পরয়োঃ প্রসাবর্ণসালোপঃ সাাই ইত্যর্থঃ। যতু বৃদ্ধেরভাবপক্ষে গের্ধোরিত্যাদিনা শুণবিধানং তদ্ধেয়ং। ইষধাতোর্ঘঞ ঘ্যনাব্যুহপত্তী দিতীয়লকণে লিঙ্গসংজ্ঞায়াং গের্ধোরিত্যাদেরনবর্কাশাং।

#### ७२। यनीयाः।

মনীষাদ্যা নিপাত্যন্তে। মনীষা হলীষা লাঞ্চলীষা শক্ষুঃ কুলটা সীমন্তঃ পতঞ্জলিঃ সারক্ষঃ।

वष्टवठनः भनार्थः भगण्ठम गोधामी स्वावाश्मामग्र<sup>ः।</sup> नठ जमा जधामास्रदत নিপাতনস্থতৈরলমিতি বাচ্যৎ তেষামন্যৈবোদাহরণার্থকত্বাৎ যল্লকণেনামুৎপন্নং তৎ সর্বং নিপাতনাৎ সিদ্ধমিতি ভাষ্যং নিপাতনলক্ষণং যথা "বর্ণাগমোবর্ণবিপর্য্যয়শ্চ ছৌ চাপরে। বণবিকারনাশৌ। খাতোন্তদর্থাতিশয়েন যোগস্তছ্চ্যতে পঞ্চবিধং নি-ক্লক্তমিতি" প্রাঞ্চঃ। মনীষেত্যাদ ঈষেতি ঈষঙগতিদানেক্ষণহিংসে ইতি মূর্দ্ধন্যান্ত युक्त १९। यनम क्रें या या विदेश हलीयां लाक्किया। भटका प्रभविष्मुयः भकानी मञ्जूः-কুপঃ শকস্কুঃ। কুলানি অটভীতি কুলটা বেশ্যা। অন্যত্র কুলাটা কুলবধূঃ। সীমান্ম-ন্ততি বধ্নাতি ইতি সীমন্তঃ কেশবিন্যাসঃ। অন্যত্র সীমোরন্তঃ সীমান্তঃ। পতঞ্জলি রস্যেতি পভঞ্জলির্মুনিঃ। সারমঙ্গং যস্যাসৌ সারঙ্গশ্যাতকাদিঃ। অন্যত্র সারাঙ্গো এবং তালব্যবত্যামীশায়াং হললাঙ্গলয়োরকারলোপোবা হলীশা হলে भा नाइनीभा नाइन्तमा मत्माश्रवीयमा म ममर्थः श्यूतमाखीि श्रूमान श्रूमान । হিনস্তীতি সিংহঃ। কং দর্পয়তীতি কন্দর্পট। শতাৎপরং পরঃশতং সহস্রাৎপরং পরসহস্রং পারং করোতীতি পারস্করোদেশঃ। একাধিকাদশ একাদশ যভূধিকাদশ ষোড়শ উদ্গতোহয়রঃ উভুয়রঃ। শুদ্ধওদনোযস্য সঃ শুদ্ধোদনঃ। উষ্দি বুধ্যতে উষবৃধঃ। গ্রাংপদং গোষ্পদং। গোভিঃ সেবিতোদেশঃ মানঞ। কাম্যকর্মানি মাকর্তুং শীলমস্যেতি মস্করীতি ভিক্ষুঃ। অপক্ষরোরথাঙ্গং। অবক্ষরঃ পুরীষং। ষ্ঠান্ অবতীতি অটবী অরণাং ওংকরোতীতি তক্ষরশ্চোরঃ! व्हल्लिखिः। संसम्भातः सम्भातः। अञ्चलित् हेि अञ्चनः।

মূর্কন্যান্তং উত্থানং। গবাংযৃতির্গব্যতিঃ ক্রোশযুগং। বন্য্য পতিঃ বনস্পতিঃ
পুস্পং বিনা কলিতোবৃক্ষঃ। আস্পদ্ধ প্রতিষ্ঠা। আস্চর্য্যমন্তুতং। পৃষত্বরং
যস্য স প্রোক্ষঃ পৃষত্বদানং প্রোদ্যানং। কেশিন্যবধীৎ কেশবঃ। অক্ষিত্যাং
পরং পরোক্ষং পশ্চাদর্জং পশ্চার্দ্ধং হরিরিব চল্রোরমণীয়োহরিশ্চন্দ্রঃ। ভুবর্লোকঃ ভূর্লোকঃ মৃক্তিংদদাতীতি মুক্তুদ্ধঃ। পক্ষে মুক্তিদঃ। বিদ্ধিরো
বিকিরঃ পক্ষী। অন্ধ্যান্যং অর্ধাশনমিতি কেচিং। আহ্বতান্যেপি বক্তব্যাঃ
প্রক্ষাদ্যামনীবিভিঃ। অন্যোন্যং পরস্পর্মিতরেতরং। এতে বাতিহারে নিপাত্যন্তে। এবাং ক্লীবস্থানকস্বঞ্চনিত্যং। অন্যোন্যন পরস্পরেণ ইতরেতরেণ পুংভিঃ
স্পর্দ্ধাত। স্ত্রীক্লীবয়োর্বিভক্তেরাম্বা। অন্যোহন্যন অন্যোন্যাং স্ত্রীভি
বাধনাত্যাং ধনৈর্বা স্পর্ক্ষাতে। এবমনাদিস্থয়োর্জ্জাতয়ো র্বর্যার্হদি লুক্। অবতীতি
ভিঃনদ্যান্তঃ নদ্যঃ। তসেহনঃ দ্বীহা। ইঃ কামঃ পটুশ্চাসৌ ইন্স্টেভি পট্বিঃতস্যোৎসবঃ
পট্যংসবঃ। অনাদিস্থয়োঃ কিং। ইশ্চ উশ্চ ঋচ্চ য্বতঃ উশ্চ ইশ্চ ঋচ্চ ব্যতঃ
হিস কিং। নদ্যেষা মধ্বীহা। ইতাবুক্রোবা উঃ। উইভি উইভি বিভি। চপোঞ্চম

সাম্মাসিকে ন বিঃ। চপোঞান স্যাদা সাম্মনাসিকে পরে তস্যচ বিত্তং ন স্যাৎ। বিণুঁ ইতি বিডু ইতি তমু ইতি তদূ ইতি দৃঙুঁ ইতি দৃগুঁ ইতি। নোরম্নাসিকঃ অমুস্বারস্যামুনাসিকঃ স্যাদ্ধ খনে পরে। অমুনাসিকোহর্দ্ধচন্দ্রবিত বর্ণঃ। ভবাঁশ্চন্দ্রঃ ভবাংশ্চন্দ্রঃ ভবাঁফক্কঃ ভবাংফক্র ভবাংস্তক্র কাঁস্কান काश्कान। मनयवनयुक्तरः मनयवनारञ्जन। मनयवनयुक्तः श्रातः अध्यान রস্য স্থানে ক্রমাদমুনাসিকসহিতামন্যবলা বা স্থাঃ। সঁমন্ধলয়তি সংক্ষলয়তি সঁনহ্য তে সংনহ্যতে কিঁমহাো ভূতং, কিং হোভূতং, কিঁবস্থলয়তি কিং স্থলয়তি কিঁলস্কা-দয়তি কিংহলাদয়তি। চপঃ থথঃ শাস। চপস্য থথঃ স্যাদ্ধা শসি পরে। বাখ্শূরঃ বাক্শুরঃ বাক্ছুরঃ দিঠ্যঠঃ দিট্যঠঃ তথ্সাধুঃ তৎসাধুঃ অফ্সীমা অপুনা অফ্সরসঃ অপ্সরসঃ। ভর্ষনং ভংগনং। হসালোপোযে যস্য। হসাৎ পরস্য যস্য লোপঃ স্যাদ্বা যে পরে। আস্যে ভবং আস্যং আ্স্যংহসাৎ কিং শয্যতে কেচিত্রু অজ্ঞতি বজ্ঞতি মত্রতীনা ১ রেফস্য যকারে পরে লোপং বিভাষয়া বিধায়ং অভাতে অভ্যতে বভাতে বভাতে মভ্যতে মভ্যতে ইত্যাহুঃ। ঝসির্ণে ঝসঃ। হসাৎ পরস্য ঝসস্য লোপঃ সাাদ্বা সবর্ণে ঝসি পরে। ভিন্ত ভিন্তে রুদ্ধো রুস্মু। হসাৎ কিং দিক্করোতি। খপ্পরো শসি বেঃ। খপ্পরোষস্থাৎ তস্মিন্শসি পরে বিদর্গস্য লোপঃ স্যাদ্বা। কন্স্যোততি কঃশ্চেদাততি কণ্ঠীবতি কংগ্রীবতি কস্তৌতি কঃস্তৌতি। একাধিকরণে রাজ্ঞি প্রচেডসো হসেরেকঃ। একাধিকরণে রাজিপরে প্রচেতদোবিদর্গদ্য রেকঃ দ্যাদ্বান তু সমাদে। হেপ্রচেতারাজন্ হেপ্রচেতোরাজন্। একাধিকরণে কিংএহি প্রচেতৈরিজন্গচ্ছ। অসমাসে কিং প্রচেততারাজন্য ধনং। স্বাদর্হোহসোহনচি তু দিঃ। জ্রন্থাৎ পরে। রেফুহকারবর্জোহসোদিঃ স্যাদা ন ছচি। চিত্রং চিত্রং সিদ্ধাতি সিধাতি গৃদ্ধঃ গৃধুঃ কুপ্পাতে কুপাতে। ত্বক্ষ ত্বক্ মুক্ক মুক্। দীর্ঘাদপীতি কেচিৎ। গাভ্রং গাত্রং বাক্ক বাক্ অৰ্হঃ কিং জাগৰ্ত্তি অত্ত রলোপে পূর্ব্বস্য দীর্ঘাপত্তিঃ। মুহ্যতি। অনচি কিং বদতি। অটোরহাভ্যাং ষপঃ। অচঃ পরাভ্যাং রেফহকারাভ্যাং পরোযপো দিঃস্যাদ্বা। হর্ষ্যাক্রা হর্ষাক্রা পূর্বঃ পূর্বঃ নির্ময়ঃ নির্ণয়ঃ কর্ম্ম কর্ম বর্ষতে বর্ধতে গর্ভঃ গর্ভঃ মূক্র্যঃ মূর্খঃ অর্চা অহলাদতে প্রহল্লাদতে। অটঃ কিং পিত্রাং সংহলাদতে যপঃ কিং অর্হণং দর্শনং। থপাচ্চসঃ। থপাৎপরঃ শসোদ্ধিঃ স্যাদা। ত্রথশুয্যা ত্রথশ্যা ত্বকশুযা। ত্বকশ্যা। অফসুরসঃ ফ্রাফসরসঃ অপসুরসঃ অপসরসঃ। থপাৎ কিং হলমু। শসঃকিংবাকচারঃ। শসাৎ থপঃ। শসাৎ পরঃ থপোদিঃ স্যাদা। কশ্চৌরঃ কশ্চেরঃ। যথ্ঠীবতি ষ্ঠীবতি স্তৌতি স্তৌতি। ণপাদ্যলঃ। ণপাৎপরোষলো দ্বিঃ স্যাদা। নদ্যত নদাত মধ্বত মধ্বত বজুঃ পূর্ববেষস্য লোপঃ শুক্কঃ শুক্কঃ १९१९ किः भिषाः यलः किः ष्रुकः। यलाः। यलाः भारतां । यलाः । यलाः भारतां । यलाः । यला

অশ্বযক্করোতি অশ্বয়করোতি মূলবক্থনতি মূলবথনতি বল্বলং বহক্লং। ঈ্যকারক্রো রন্যস্য জুননিতাং। অন্যস্য নিতাং জুনসাৎ ঈ্যে কারকেচপরে। অন্যস্য নিতাং জুনসাৎ ইয়ে কারকেচপরে। অন্যস্য হেন স্থানের অন্যক্ষরকং। আন্যান্থা ছিতোত্যুৎস্করাগের তীষীলে। অন্যস্য জুন স্যাদের পরেষু নতু তৃতীয়াষষ্ঠীতৎপুরুষয়ে। অন্যদাশীঃ অন্যদাশা অন্যদাস্থা অন্যদাস্থিতঃ অন্যদ্ভিঃ অনুজ্বং অন্যদাগঃ। তৃতীয়াষষ্ঠীতৎপুরুষ্ব্রোপ্ত অন্যস্য অন্যেন বা আশীঃ অন্যাশীঃ। বার্থেঃ। অন্যদর্থঃ অন্যার্থঃ। তৃতীয়াষষ্ঠীতৎপুরুষ্যোপ্ত অন্যস্য অন্যন্য অন্যস্যবাত্ত্রং অন্যার্থঃ।

#### ७७। यनायवायारवाश्ही हः।

ইচঃ স্থানে য ব র ল অয়্ অব্ আয় আব্ এতে অচি পরে ক্রমাৎ স্থাঃ। ত্রায়কঃ বিষ্ণীশৌ ধাত্রচ্যতৌ লাক্তিঃ ছরয়ে শন্তবে নায়কঃ পাবকঃ।

ত্রাম্বক ইতি ত্রীণি অম্বকানি চক্ষুংষি যস্যেতি বিগ্রাহঃ। লোচনং চক্ষুর্ম্বক মিতি শাশ্বতঃ। লক্ষ্মশিইত্যাদৌ সামান্যবিশেষয়োর্দ্মধ্যেবিশেষোবিধির্বলবান্ ইতি ন্যায়াদীর্ঘএব। ১কারস্যাকৃতিরিব আকৃতির্যস্য সলাকৃতির্নবমোহস্কঃ।

# ७८। वावत्भामीत्छ।

গোরিচঃ স্থানে অব স্যাদ্ধা অচি পরে দান্তে। গবেশঃ গবীশঃ। দান্তে কিং গবে। গবেন্দ্রগবাক্ষো নিত্যং।

বৃত্তৌ গোরিচোগ্রহণাৎ গবাদেরিতি জ্রম্মে উকারস্যাপ্যবাদেশে চিত্রগবাচার্য্য ইত্যাদি সিদ্ধমিত্যেকে। অবইত্যকারান্তঃ। গবীশইত্যত্র অয়াংযে্বারিত্যা দিনা বকারলোপাভাবস্ত তৎস্ক্রীয়বাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ। গবেন্দ্র। "বিভা-যাদ্বয়মধ্যবর্ত্তিত্বাদস্য নিত্যত্বং।

# ७৫। अग्नारियान् वा ।

দাত্তে স্থিতানামরাদীনাং যবয়োর্লুপ্-স্যাদ্বা। হ্রএহি হ্রুযেহি শস্তুইদং শস্তুবিদং শ্রিয়াএতি শ্রিয়াযেতি বিষণাউৎকঃ বিষণাবুৎকঃ।

সরামিতি বছবচননিদ্দেশাদয় অব্জায় আব্রুরপাণাৎ আদেশানা মনাদেশানাঞ গ্রহণং। নচ উপস্থিত স্থাদাদেশানামেবগ্রহণ্মিতি বাচ্যং। সন্নিচ্ছায়ামিতাম্মাৎ ইচ্ছা- র্থে সনোহমূব্ভাবপি পূর্ণানিমীতানেন স্বার্থে সনস্তে চিকিৎসতীত্যাদাবপি গুণনিষেধ দর্শনাৎ। ততুক ঞান্ত বিবস্তানাময় অব্ আয় আব্ স্বরূপাণামপি যবয়েকতি ! তচ্চ বাশক্ষ্যা ব্যবস্থাবাচিদ্বাদ্বে পর এবেতি বোধ্যং। যথা রামংযাতি পাপংবৃশ্চতি গঙ্গাংযাতি লতাংবৃশ্চতীতি কিপু রামায়াঃ পাপবৃট্ গঙ্গায়াঃ লতাবৃট্। ততন্তমা চক্টইতি ঞৌঞীমংশ্চেতি ডিড্বাৎ টিলোপে পুনঃ কিপু ঞেলোপে রামআন্তে রাম যান্তে পাপএয়ঃ পাপযেয়ঃ গঙ্গাঅয়ং গঙ্গায়য়ং লতাএকঃ লতাযেকঃ। রামত্যাং রামত্যাং পাপগছতি পাপবেমঃ গঙ্গাআয়ং গঙ্গায়য়ং লতাএকঃ লতাবেকঃ। রামত্যাং রাম্যতাং পাপগছতি পাপবেমছতি গঙ্গাধীরঃ গঙ্গায়ধীরঃ লতাদণ্ডঃ লতাবদণ্ডঃ। থসেতু রাম্যকরোতি গঙ্গায়মাধুঃ। এবংসতি অদ্বার্থারিতি ক্তে অবর্ণাৎ পরয়োর্যব্যোর্লুপ্ইত্যনেননবেফাসিদ্ধৌ অয়ামিতি কৃতন্ত অয়াদীনামেকপদীয়ত্বজাপনার্থং তেন পুত্র পঠ্যইতি পুত্র পঠবইতি পুত্র মায়ইতিপুত্র পঠমাবইতি পুত্রপঠ ইত্যাদে পদে নাতিপ্রসঙ্গঃ। অথবা অবর্ণস্য যোদান্তত্বমিতি সন্দেহনিরাসার্থময়ামিতি। লুপকরণাৎ হর এহি ইত্যাদৌ ন সন্ধিঃ।

#### '৩৬। এঙোইতঃ।

দাত্তে স্থিতাদেঙঃ পরস্যাকারস্য লুপ্ স্যাৎ। হরেব বিষ্ণোব।
দাত্তে কিং শয়নং ভবনং।

#### ७१। (भार्ता।

গোরতি বা সক্ষিঃ। গোগুং গোঅগুং গবাগুং।

ইহ লুপোংমূব্র্ডে বাবণোরিতি বিশেষবিধেরপ্রাপ্তিপক্ষে এঙােংতইত্যস্য চরিতার্থরাদেতৎস্ত্রসৈর বৈফলাং স্যাদিতি প্রকরণবলাং স্ক্রির্বিভাষাতে। নচ সর্করিধিভাগালোপবিধির্বলবান্ ইতি ন্যায়াদাদে প্রবৃত্তস্য এঙােংতইত্যস্য বিভাষার্থােরং বিধিরিতি বাচাং। লোপবিধের্বিশেষেতরত্রৈব বলবস্থাং। অন্যথা সূর্ট ইত্যাদাে ষঙ্বাধিত্বা স্যান্তস্যারাদিত্যাদিনা লুপ্ প্রসক্ষেত্র। নচ তত্র ষঙ্কঃ সার্থক ত্মার্থমেব লুপ্ ন স্যাৎ ইতি বাচাং। ক্রেইব্যমিত্যাদে ষঙ্কঃ সার্থকত্মান্ত ভূত্বা অমূব-ক্রিতে। ইত্যত্ত্যাহ গোরতীতি ৯ অত্র বাশকীয়ব্যবস্থয়া গামঞ্চতীতি ক্রিপি গ্রাঙ্গ অত্র অবেধনিতাঃ।

### ७৮। नात्काश्रत्याश्नाष्ट्रिः क्ष्रूरु ।

অঞমাত্র ওকারাস্তশ্চ নিরাঙবজ্জাঃ সন্ধিং নাপ্নোতি প্লুশ্চ। অঅ

নন্তঃ ঈঈশ্বর উউমেশ অহোঈশান কৃষ্ণএহি। অনাঙ্কিং। মর্য্যা দায়ামভিবিধৌ ক্রিয়াযোগেষদর্থয়োঃ। য আকারঃ সঙিৎ প্রোক্তো বাক্যম্মরণয়োরঙিং। আত্মবোধাদৈকদেশাদালোক্যোপরতৈর্হরিঃ। আএবং তত্ত্বমর্য্যাদা আএবং তৎকৃতং ময়া।

ও অন্তইতি পৃথক্ করণাদচপদেন তন্মাত্রং প্রতীয়তে। অন্যথা ব্রুবদরলজনিম ইত্যাদিবৎ অজন্তদ্যৈৰ প্ৰাপ্তিঃ স্যাৎ। কিঞ্চ ও ইতি পৃথক্ পাঠেনাপি ওদন্তপ্ৰাপ্তো ওদন্তগ্রহণং ওদন্তস্য অন্তাবয়বীয়সন্ধেরের নিষেধোনতু সর্ববর্ণানামিতি জ্ঞাপ নার্থং। অন্তাবয়বীয়সন্ধিশ্চ অচি পরএব সম্ভবতীতি অচি পরএব নিষেধঃ। তৎসাহচ-ৰ্যাৎ। অঞ্মাত্রপ্নতয়োরপি অচি পরএব দক্ষি নিষেধইতি বোধ্যং। তেন অ অনন্তঃ অঈশান অহো ইত্যাদৌ সন্ধিঃ স্যাদেব। নচ অনস্ত অইত্যাদিযুঁ অকারাদেঃ সন্ধিস্থানি বন্ধাভাবাদেব সন্ধিনিষেধস্য ন প্রসঙ্গইতি বাচাং। যস্য যস্য সন্ধিনিষেধন্তন্মিং-স্তামিন্ নিমিত্তকসন্ধোরপি নিষেধইতি অবশ্যবক্তব্যত্বাৎ। অন্যথা গঙ্গে অত ইত্যা দাবপি অকারলোপঃ প্রসজেৎ। অতএব অবগণিতমবমতাবজ্ঞাতে অবমানিতঞ্চ পরিভূতে। মঙ্গলানস্তরারম্ভঃ প্রশ্নকার্য্যেষ্বথো অথ ইত্যমরোক্তিঃ সংগচ্ছতে। কৃষ্ণএহীতি দূরাহ্বানে প্লুতঃ প্রযুক্তঃ। তথাচোক্তং "দূরাহ্বানেচ গানেচ রোদনেচ প্লুতোমতঃ নমু কৃষ্ণএহীত্যাদৌ প্লুতাৎ পরস্য সের্লোপঃ কথমিতি চেৎ সত্যৎ আদে জন্মাৎ সিলোপে পদসংজ্ঞায়াং পশ্চাদূরাহ্বানাদৌ পুতত্বে সন্ধিনিষেধঃ। শিবেহীত্যাদৌ নিকটাহ্বানে প্লতোন স্যাৎ। অমুবন্ধশূন্যস্ত আকারস্য আঙশ্চ ভেদজানং কথং স্যাদিত্যতআই। মর্যাদায়ামিত্যাদি। य আকারোমর্যাদায়াং অভিবিধৌ ক্রিয়াযোগেষদর্থয়োশ্চ বর্ত্ততে স ডিৎপ্রোক্তঃ। মর্যাদা সীমা অভিবি ধির্ব্যাপ্তিঃ ক্রিয়াযোগঃ ক্রিয়াবাচকঃ ধাতুপূর্ব্ববর্ত্তিত্বাৎ ঈষদর্থোৎক্লার্থঃ। য আকা রোবাক্যস্মরণয়োর্বর্ত্ততে সোহঙিৎ প্রোক্তঃ। বাক্যং বাক্যার্থঃ স্মরণং পুর্ববাক্যার্থাত্ ভবঃ। আত্মবোধাদিত্যাদি। আ উপরতৈরীষদিরকৈর্ক্সনৈঃ আ আত্মবোধাৎ আত্ম জ্ঞানপর্যান্তং আ এক দেশাৎ একদেশং করচরণাদিকং ব্যাপ্য হরিঃ এক্রিক্ষঃ আ আলো कि मृक्येतान् रेठार्थः। अयु मर्याामात्मो वर्जमानद्यामाष्ट्रमिसत्जृ । रतिः मृक्येत्ठान्छे शत-তেনসম্ভষ্টেন উচ্যতে। আ এবমিত্যাদি। আ এবং তম্বুস্য ব্ৰহ্মণোমৰ্য্যাদা ইতি বাক্যং তত্ত্বং ব্রহ্মণি তদ্ভাবে ইতি ধরণিঃ। যন্মান্ময়া অধমেনাপি তদ্ধরিদর্শনং কৃতমিতি স্মরণং ইত্যুভয়ত্র সন্ধির্ন স্যাৎ। অত নঞানির্দ্ধিইনিতি ন্যায়াৎ। প্লুতস্যেতৌপরে সন্ধিঃ। প্রতেকারসা বা ভবেদিতি ক্লফেতি গৌরীতি গৌরি ইতি।

### ७२। इर्षश्मीरयु।

स्त निष्णाद्याश्मी । स्व निष्णम मृत्र प्रकृत मिला नाटश्ली । व्यमिन । स्व किः व्यमायः व्यक्ति । स्व किः व्यमायः व्यक्ति ।

ক্রমণ্ড উপ্ট এক ইতি য়ে অমীশ্চ য়েচেতি অমীয়ে অত্র একারস্য সন্ধিনিষেধাৎ তিরিমিন্তকস্যাপি সন্ধের্নিষেধাবোধাঃ। তেন গঙ্গে অত্র ইত্যাদৌ নাকারলোপঃ। অম্যায়মিতি অমোরোগাদিঃ। অমোইস্যান্তীতি অমী বন্ধাব্যর্থা বন্ধর্থঃ। অত্র-নার্য্যোরর্থোনার্যার্থঃ ইত্যাদৌ দ্বিচনান্তত্বেহপীকারস্য দ্বিচননিষ্পন্নত্বাতাবাৎ সন্ধিঃ স্যাদিতি অমুকইই অমুক্ষিই অমুক্ষেত্র। উকারস্য কিং। অমু অত্র। এবং মনীষাদিষু দ্বিচনে নিষ্পান্নস্য ক্রকারস্যাপি ইবে পরে সন্ধিঃ স্যাদিতি। মনীষাদয়শ্চ "মনী ভার্য্যাপতী চৈব দম্পতী রোদসী তথা। বাস্মী ক্রম্পতী চৈব শিবে জায়াপতী তথা। অন্যেরপীই পঠান্তে পেচুষীপ্রভূতান্যপীতি।" যদ্যপি শা এবং বয়শঃ পপুরিতি কাদম্বান্তিভক্তানিব পক্ষকানীত্যাদিবৎ বশব্দেনাপি নির্মান্ত তথাপি ইবেহনিউং স্যাদত উক্তং। মনীষাদিষু সন্ধিনিত্যংইতি কালাপাঃ বিকল্পনেতি ক্রমদীশ্বঃ।

### 8·। (मार्ट्स्ट)।

সৈ জাত ওকারঃ সন্ধিং বা নাপ্নোতি ইতৌ পরে। বিক্ষোইতি বিষ্ণইতি বিষ্ণবিতি।

সৌজাতইতি প্রায়িকাভিপ্রায়েনোক্তং। স্যন্তইত্যর্থঃ। তেন দৃষ্টতঃ শিবো-যেন সদৃষ্টোরস্যাপি সম্বোধনে হে দৃষ্টো ইতি দৃষ্টবিতি হে দৃষ্টইতি ইতিস্যাৎ কিঞ্চবাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাং সম্বোধনএবায়ং বিধিরিতি তেন গৰি ইত্যন্তমাহ দৃষ্টবিত্যন্তমাহ ইত্যাদৌ নিষেধো নস্যাৎ।

# ৪১। উর্ত্ণপাত্ত্বাচববা।

উঞ্ সন্ধিং বা নাপ্নোতি ইতৌপরে। ণপাৎ পরস্ত বো বা স্যাদচি। উ ইতি বিতি কিমুউক্তং বিষুক্তং কিমুক্তং। ঞকারোহস্যনঞ্চবদ্বায়য়জাপকঃ। পূর্বতোহয়্রর্জমানেন বাশব্দেন উঞা
সিন্ধিংবানাপ্নোতি ইতৌপরে ইত্যর্থোলভাতে ইহতুবকার সম্বন্ধার্থঃ পুনর্বাশব্দঃ গপাৎ পর উঞ্বকারঃস্যাদা অচিপরে। তস্যচ বকারস্য অক্র্রোবোবোধ্যঃ। বা
শব্দস্য ব্যবস্থাবাচিদ্বাৎ। অতএব কিম্বুক্তমিত্যক্র দান্তেম ইত্যাদিনা মস্যাম্থারো নস্যাৎ। এবং স্থাগুদ্দকে পচদ্বীহতে ক্রুভিত্বক্র ইত্যাদৌ স্থান্থ ইত্যাদিনা
বিশ্বঞ্চস্যাৎ। বকারস্যাভাবপক্ষে নাজোহস্তইতি সন্ধিনিষেধে কিমুউক্তমিতি।
নচ মকারেণ সম্বন্ধ্য উঞাঃ কেবলত্বাভাবাৎ কথং সন্ধিনিষেধ ইতিবাচ্যং। স্বভাবকেবলস্য শব্দান্তরীয় বর্ণেন সম্বন্ধ্য পিকেবলত্বাং।

# 8२। द्वंक् श्रं क्रांटिंग्ट्रिंग।

ইক্ সন্ধিং বা নাপ্নোতি। স্বশ্চ বা স্যাদর্ণে পরে নভু সে দান্তে। শাঙ্গীঅত শার্ক্ষিত্ত শার্ক্ষ্যত্ত । অসে কিং। হর্য্যর্ক্ষা।

সন্ধিনিষেধ সম্বন্ধো বাশকঃ পূর্বাদম্বর্ত্তএব। ইহতু পুনর্বাগ্রহণং দ্রুস্থ সম্বার্থিং। অন্যথা। সন্ধিনিষেধসম্বন্ধান্য বাশক্ষ্য সন্ধিনিষেধনৈর চরিতার্থত্বে দ্রুস্থা নিত্যত্বাপত্তিঃ। নচপূর্বাদম্বর্ত্তমানস্যৈর বাশক্ষ্য দ্বাভ্যাং সম্বন্ধোভবতু ইতিবাচাং। পঞ্চতিপপঞ্চণমাহশ্চ ইত্য ক্রিবাদাদেশঃ সম্বন্ধান্য বাশক্ষ্য আহাদেশে সম্বন্ধান্তবিদর্শনীৎ। কিঞ্চ বাশকেস্যেহ ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ। কদাচিন্নিত্য সমাসে দ্রুস্থানিস্থাদিতি বোধাং। তেন নদ্যা অন্ত ইতিসমান্সহপি নদীঅন্তঃ নদিঅন্তঃ নদ্যন্তঃ ইতি। নিত্যসমাসেতু কুটার্থঃ। জার্থঃ। ইত্যাদি।

### 801 श्रेकांक्।

অক্ সন্ধিং বা নাপ্নোতি ঋকি পরে স্বশ্চ বা স্যাৎ। ব্রহ্মাঋষি ব্রহ্মঋষিঃ ব্রহ্মধিঃ। ইত্যচ্সন্ধি পাদঃ।

ইহবাদয়মমূবর্ত্ততে। অত্যাপি বাশব্দনা ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ কদাচিদনিতাসমাসে-জ্বোদিত্যাদিবোধ্যং। তেন মহাক্ষয়িং মহক্ষয়ি মহর্ষিঃ রিতি এবমুক্টারিত রুচির ক্ষাং চাননানাং চতুর্ণামিতি সূর্যাশতকং হিমুক্ষতাবপিতাঃ স্মভূশন্বিদ ইত্যাদয়ঃ সিদ্ধাঃ। নিতাসমাসেতু অশ্বর্ছী বধাছীতাদি। ইত্যাচ্সন্ধিপাদঃ।

#### ৩ অধ্যায়।

#### হস্সক্ষিঃ।

# ৪৪। স্তশ্চু জিঃশচুশা ९।

সকার্তবর্গো শকারেণ চবর্গেণ বা যোগে শকার চবর্গো ক্রমাৎ প্রাপ্নতঃ। নতু শাৎপরো। সচিৎ শার্কিঞ্জা। অশ্যাৎ কিং প্রশ্ন।

ক্রচতুশ্চেতিস্তু শচ চবশ্চ শচবঃ তৈশ্চুভিরিতি বছবচনং যথাসংখ্যা নিরাসার্থং। অন্যথা সমান বচনান্তত্বে সকারঃ শকারেণযোগেচ অব্যবহিত শকারং প্রাপ্নোতি। তবর্গ শ্চবর্গেণযোগে চবর্গং প্রাপ্নোতি ইত্যনিষ্টংস্যাৎ। শ্চুভিরিতি তৃতীয়ান্তেন সাহিত্যস্য স্থচনাদ্বোগোলভাতে। যোগশ্চ অব্যবহিত পূর্বাপরৈকতরবর্ত্তিত্বং শকারেপরে যথা তচ্শিবঃ সঞ্জশম্ভুঃ। চবর্গেপরে যথা সচিৎ শার্ক্সিয়়। চবর্গাৎপরস্য সকারস্য যথা অচশু নঞ্জ। তবর্গস্য যথা যাচ্ঞা যজ্ঞ রাজ্ঞঃ ইত্যাদি। অত্র অচ্সন্ধিরিতি অঘাচ্ তাচ্যেপ্লি রিত্যাদি জ্ঞাপকাৎ বিভক্তান্ত চবর্গান্তাংপর্মি সকার তবর্গো শকার চবর্গো নিয়াতাং ইতিবোধ্যং। জ্ঞাপক জ্ঞাপিতা বিষয়োর্লকণমন্ত্রসরন্তীতি ন্যায়াৎ তেন নঞ্জসমাসঃ ক্রুপ্রধাত্রত্যাদয়ঃ সিদ্ধাঃ। কিঞ্চ অচ্পুনঞ্জ ইত্যাদৌ সভয়োঃ পরয়োঃ চবর্গস্য দান্তত্বলাত্বেপি বিভক্তান্তা ভাবাৎ। স্থপঃস্য্য তালব্য শকারত্বং। শকার চবর্গো প্রাপ্নতঃ। ইতি ভাব প্রধান নির্দ্ধেশঃ। তেনশকার চবর্গয়োর্ভাবং প্রাপ্নতঃ। ইত্যর্থঃ। শকার চবর্গো-স্যাতামিতিযাবং।

# **8**৫। कुँजिः कुँकुंमा छटिं।।

সকার তবগৌ বকারেণ টবর্গেণ বা যোগে বকারটবগৌ ক্রমাৎ প্রাপ্লুতঃ নতু বকারে পরে নচ দাস্তাউবর্গাৎপরে। তউীকা চক্রিণেটা কষে। অধি কিং সংঘষ্ঠঃ। অদাস্তটোঃ কিং বট্সন্তঃ ঘট্তে। ষচ টবশ্চ ফবং তৈই ভিরিতি বছবচনং যথা সম্থানিরাসার্থং। অনাথা পূর্বোক্ত মনিইংসাং। নব অব তন্মিন্ অষি। দান্তশ্চাসৌ টুশ্চেতি দান্তটুঃ। নদান্তটুঃ অদান্তটুঃ তন্মাং। টবর্গাং। পূর্বস্য সকারস্য যথা ইরিষ্টীকতে। তবর্গস্য যথা ততীকা। ঘকারাং পরস্য তবর্গস্য যথা কৃষ্ণঃ ষঠঃ। টবর্গাং পরস্য তবর্গস্য যথা বহুতে বোঢ়ব্যঃ কৃটী গত্যাং কউঃ কউবান্। ঋণ ছুত্রগতৌ তিকিশ্বন্টিরিত্যাদি। অত্যেন বিধিন্তদন্তস্যেতি ন্যায়াং অদ্টোরিত্যনেনৈব অদান্তটোঃ প্রাপ্তে অন্ত গ্রহণং জ্ঞাপরতিভূত পূর্বদান্ত টবর্গাদিশি পরস্য তবর্গস্য টবর্গো নস্যাদিতি। তেন ষটং সন্তঃ ইত্যত্ত নণটুও ইত্যাদিনা কৃত্য্য তকারস্য টকারোনস্যাং।

#### ৪৬। ষ্ণাৎ ষ্ণবৃতি ষ্ণগ্ৰ্যঃ।

#### এতে নিপাত্যন্তে।

ষধশকাদানোম্মাগমে নিপাতনাং। ষষ্য গত্বেষগ্লামিতি। যত্রতু গৌণস্থানুমা গমো ন স্যাৎ তত্র ন নিপাতনং। তেন অতিষ্যামিত্যের। ষড়ধিকানবতিঃ ষগ্গবিতঃ ষগ্লাং নগরী ষগ্গরী। এতয়োঃ পক্ষে চপোহবেজর ইতি নস্যাং।

#### 89-1- (लंलर्खाः ।

लिशद र्हान्कादः मान्य । जन्न विषानिश्विष्ठ । यत्न विधादा नित्रसूनामिकः मासूनासिकः । धःर्माश्त्रमामिकस्यन ज्वास्य मान्य नामिकः ।

বিদ্যালিখতীতাত অমুনাসিকস্য হেতুমাহ। যলোদিখেতাাদি। অমুনাসিক
শব্দোহর্দ্ধচন্দ্রাকার বর্গেরুচ্ছ কিঞ্চ নাসিকামমূলক্ষীকৃত্য উচ্চার্য্যতে হসাবিতি
ব্যুৎপত্ত্যাঅমুস্থারে এচনেচ বর্ত্ততে। অরেরেফ ভিন্নোযলো নিরম্নাসিকঃ ইতি
সামুনাসিকশ্চ। ইতিদ্বিধাভবতি। নিরম্নাসিকোহদ্ধচন্দ্রাকার বর্ণ পূন্যঃ। সামু
নাসিকোহদ্দিকারবর্ণপূর্ব্যকইত্যর্থঃ। অত্র সাম্পুনাসিকশ্চেত্যপপাঠঃ। অন্যথা
ক্রোকত্ব্যাত্থাতঃ। নচ চকারং বিনা কথং সমুচ্চয়ো বোদ্ধব্যঃ ইতিবাচাং। হসে।
হস্তঃক ইত্যাদো চকারং বিনাপি সমুচ্চয়বোধাং। এচনঃ স্বভাবাদমূনাসিকঃ।
নাসিকামমূলক্ষীকৃত্য উচ্চার্য্যমান স্তেন হেতুনা তস্য স্থানে জায়্মানোয়লঃ সামুনা
সিকোহদ্দিকার বর্ণপূর্বক এবস্যাৎ কারণগুলাংকার্যগুণ মারভন্তে। ইতি ন্যায়া

দিভার্থঃ। তস্যচার্দ্ধ চন্দ্রাকার বর্ণন্য অমুস্বারবং পূর্ব্বেটেণৰ সম্বন্ধঃ। অর ইতি কিংঅবাবরী ইভাাদৌ ন স্থানে জাভো ২পিরঙ্ নিরম্থনাসিক এব।

### ८৮। त्यार्च्यमानाट्छ।

আদান্তে স্থিতরোর্মনরোক্ত্র স্যাৎ ঝসি পরে। রংস্যতে রুং হিতং। রংস্যতে ইতি রমুঙ জৌজীড়ে সাতে মস্যাম্ব্রারঃ। বৃংহিতং ইতি বৃহিধান ঋদ্বোঃ। অতএবেদিতোমুণ্ ক্তঃ ইমিনস্যানুব্রারঃ।

### ८२। अर्भ क्यांश

অদাত্তে স্থিতস্য নোর্ঞপে পরে এফ্ স্যাৎ। শান্তঃ অঙ্কিতঃ।

নম্ব অর্থবশাদ্বিভজের্বিপরিণাম ইতিন্যায়ামুরিতি প্রথমান্তম্য ষষ্ঠান্তত্বে নানু বৃত্তাবপীউদিদ্ধৌনোরিতি পুনরুপাদানং কথমিতি চেন্ন কার্য্যিণ আকাজ্জায়াং কার্যিনি সতি কার্য্যমা, কার্যিদ্বোনুবর্ত্তমানতয়া অকার্যজাৎ। কিঞ্চয়ো রিত্যনানুবৃত্ত্যাবপীউ সিদ্ধৌ নোর্মচনং পরস্থত্তে যংযম্যতে ইত্যাদে ঞ্চম্ জপ্ জভ্ ইত্যাদিনা কৃত্যামুম্বারাগমস্যপ্রাপ্ত্যর্থং। শান্ত ইতি শমুভিঃ যশমেক্তঃ এমু গুঝসানাবিতি দীর্ঘঃ। অঙ্কিত ইতি অঙ্কাঞ্চংক পদেলক্ষইত্যম্য নকার জাবমুম্বার পঞ্চমৌ ঝসি থাতুষ্বিতি স্বর্মাৎ গুমা ন. প্রকৃতিকত্বে অনক ইতিষ্ঠিতে ঞিঃ ক্ত ইমেঞেলোপঃ নস্যামুম্বারে ত্যানেন গুকারঃ।

### ৫०। वीर्वात्रयर १३ त्रम्।

দান্তে অদান্তে বা স্থিতস্য নো রেকবর্জ্যে যপে পরে রেক বর্জ্যু যয়। স্যাৎ। যমো হন্তুনাসিকঃ। যঁযম্যতে যংযম্যতে হরিন্তক হরিংভক্ত। কম্পত ইতি পূর্বেণ নিত্যং। অরে কিং রংরম্যতে।

পৃথগ্যোগাদদান্তে ইতি নাম্বর্ত্তে।। তেন দাতে হদাতে বায়ং বিধিঃ। অথ বা তুকারশ্চার্থঃ তেন অদাতে ইতিপূর্বতো হয়বর্ত্ততে এব তুকারাদান্তেচ ইত্যর্থঃ। যলো অম্নাসিক ইতি।। অত্র জাযমান যদানাং মধ্যে রেফবর্জনাং ঘবল ইত্য করত্রয়ং অম্নাসিকঃ। অম্নাসিকবান্ অর্শাদিহাদঃ অর্দ্ধচন্দ্রাকারবর্ণ পূর্বক ইত্যর্থঃ। যথা যঁযামাতে বংবমাতে বঁরমাতে বংবমাতে লল্লমাতে। যমো অম্নাসিক ইতি লিপিকর প্রমাদ পাঠঃ। তথাত্বে হরিমুজ ইত্যাদাবিপি অম্না সিক পূর্বাক ক্রমাপণ্ডেঃ বাশব্দন্যেই ব্যবস্থাবাচিত্রাদদান্তে স্থিতস্য ঞ্চম্ ক্রপ্ ক্রভে ত্যাদিনা ,বিহিতস্যায়স্থারাগমস্য বিক্রাদিদয়েত্যাদি চতুঃস্করীয় বিহিতস্যামা ইম্বারস্য অনেন যম ঞমঃ বাস্যাৎ। যথা জঞ্জপ্যতে জংজপ্যতে। ইন্দাঞ্চকার ইন্দাংচকার দরিদ্রাস্থল দরিদ্রাংকভূব দরিদ্রাংকভূব বিদাহকরাত্র বিদাংকরোত্র ক্র্হবাঞ্চকার ক্র্রাংচকার ইতি। ধাত্ববয়ব সম্বন্ধিনো হম্বারস্য পূর্বেণ নিতাং এমং দর্শয়িত্রা কম্পত ইত্যাদিনাচ প্রক্রতের্মধ্যে জাযমান স্থমাগমাদেঃ সম্বন্ধিনো হম্বারস্যনিত্যং এমিতি স্টিতং। যথা কম্পত স্থাম্পি ভবস্তের অজম্ভিট রং ক্রমি ইত্যাদি। দাস্তেতু সর্বাত্র নির্বিরোধো বিকল্পঃ। যথা ব্রুযাক্ষ ত্থক্ত স্কর্জুণামি সংবৃণোমি উল্লুরঃ তংলুরঃ ইদকুরু ইদংকুরু রিপুঞ্জয় রিপুংজয় ত্বতীকতে ত্বটীকতে ইদস্তত্র ভ্রমণত ত্বপচ ত্বপচ ইত্যাদি।

#### ७)। मार्खियाश्रम्। जाहरम सूः।

দান্তে স্থিতস্য মস্য হনে পরে নুঃ স্যাত্মতু সম্রাজঃ। শিবং স্থৌতি। অসুম্রাজঃ কিং সম্রাড়িতি।

সম্রাড়িতি। ইতি শব্দেন সম্রাট্ শব্দো যশ্মিয়র্থে রুঢ় স্তবৈববর্জ্জনমিতি বো ধাতে। রিচ্স্তি "যেনেইং রাজস্থরেন মগুলস্যেশ্বরুষ্ঠ যং। শাস্তি যশ্চাজ্ঞরা রাজ্ঞঃ স সম্রাড়িত্যমরোজেঃ"। তেন সংশোভনং রাজতে সংরাট্ চন্দ্র ইত্যক্রস্যাদেব। মোবিন্দ্র রবসানে বেতি বর্দ্ধারঃ। রামং রামম্ অভবং অভবম্।

# ৫२। भूरमें मन्यभी म्यदिश्रं

পুংসো মস্য সন্স্যাদম্পরে খণিপরে নতু খ্যে। পুংস্কোকিলঃ। অম্পরে কিং পুংক্ষীরং। অখ্যে কিং পুংখ্যাতঃ।

অম্পরো যত্মাৎ সোহম্পরঃ তত্মিন্। পুম্শক্সা সমাসে বিভক্তের্কি স্যান্ত স্যারাদিতি সলোপে মকারস্যৈর সন্ধিঃ প্রসজেদিতি জ্ঞাপনায় পূর্বতো মকারাহ্ বৃত্তিঃ।

#### ৫৩। নোইপ্রশামশ্চতে।

দান্তে স্থিতদ্য নস্য সন্স্যাদম্পরে ছতে পরে নতু প্রশামঃ। শাঙ্কিং

শ্ছিদ্ধি চক্রিংস্তাহি অম্পরে কিং সনৎসরুঃ। অপ্রশামঃ কিং প্রশাস্ত নোতি।

কিন্তরামিত্যাদি জ্ঞাপকাদত সন্ধিজাতেতর নকারএব গ্রাহ্যঃ তেন কিন্তুত্রেত্যাদৌ বাত্তর্যপে ইত্যাদিনা ক্রতন্য নকার্স্য সমস্যাৎ।

## (8) काँकानृ शिर्वा।

কানিতি শব্দস্য কানিপরে মূনিতি শব্দস্য পকারে পরে সন্বা স্যাৎ। কাঁস্কান্কান্নুংস্পাহি নূন্পাহি।

কানকান 'ইতিপদধ্য়স্য কাংস্কানিতি নিপাত্যতে বা। পকারে পরেতু নূন্ ইতি পদস্য নুংঃ ইতি অন্ত্র্যারঃ বিসর্গ সহিতং রূপং নিপাত্যতে বা ইত্যর্থঃ। কেচিত্র্ বীপুায়াং দ্বিরুক্তৌ কান্ কান্ ইতি পদস্য কাঁস্কান ইতি নিপাত্যতে। অন্যত্র শিষ্যান্ কান্ কান্ গ্রন্থান্ পাঠয়সীত্যাদৌ নস্যাদিত্যান্তঃ।

## **(() नगर्अक्रकन्ममम्ममामना**।

मारि शिष्ठमा नमा हन् त्म नमा हिन् भिन हिनदश्चिन् तम अमा कन् भिन माहि। मञ्जूष्ट्र मञ्जूष्य मञ्जूष्य मञ्जूष्य स्वर्थन स्वर्य स्वर्थन स्वर्य स्वर्य

টিশ্চ নশ্চ টুং নশ্চ গশ্চ টুচ গুচেতিনগর্ড তসা ! চকনিতি চকসংজ্ঞাচ চকন্তেন চন্টন্ত কন্ইত্যর্থং বাগ্রহণং পরএবাধিকারনিবৃত্ত্যর্থং । নগরুঙ ইত্যাস পঞ্চমান্ত কেচক্ত্তেইপীই নিদ্ধোষঠান্তম্য চকন বিধানং তদ্ভজ্জেনেচকাদী নাং পদান্তত্বার্থং। তেন স্থান্ট সাধুরিত্যাদৌণকার সম্বন্ধিত্যা টস্য দান্তত্বাৎ ইত্তিরি ত্যাদিনা সাধোঃ সম্য মত্তং নস্যাং। অত্ররামানন্দস্ত মটৎসন্তইত্যাদৌটস্যতনিকৃতে টস্যাদান্তত্বেপি তন্করণ সামর্থাজকারস্য ইত্তিরিত্যাদিনা টত্তংনস্যাদিত্যাহ। তদ্ধেরং ম্থাবেঃসইত্যাদিনাচ্ছট্টতথের বিহিত্যাদ্ব্যা কর্মার পশ্চাৎচ্ছয়্নোর্যোগে তালবাঃ টঠয়োর্যোগে মূর্দ্ধন্যঃ স্যান্তথাত্রাপি টনয়ো বিহিত তকারস্য ট্রোগেটত্বা পত্তেরনিবার্যাত্বাং। বস্তুতস্ত্রইভিরিত্যক্র অন্তগ্রহণজ্ঞাপকাৎ ভূতপূর্ব্বদান্তাত্বর্বাদ্বির পরস্য তবর্গস্য টবর্গোনস্যা দিতিব্যাখ্যানাদের টত্বংনস্যাদের। ভবান্ত্রির ইত্যাদৌখপেপরে সকারে তদস্যাদিতিসৌপদ্ধাঃ। স্বমতেতু ত্বাশন্ধান্ত্রহাপ্যং।

### ७७। চপোश्रंव कव्।

দান্তে স্থিতস্য চপস্য জব্ স্যাদবে পরে । বাগীশং চিজ্রপং।

যদাপি অত্র আম ইত্যুক্তে উদাচ্ছতিরিত্যাদৌ ঝপঝসোরিত্যনেনাপী ইনিদ্ধিন্তথাপ্যব গ্রহণং দান্তাদান্ত চপ্বিষয়কেনচপোহবেজব ইত্যনেন নিয়মিতত্বাদ্দান্তচপদ্য অন্দে এবজবোনতুঝবেপরে। ঝবোঝসোরিত্যদাতু ঝবেপরে দান্তেতরচপদ্য জববিধায়ক তয়া চরিতার্থবাদিতি শঙ্কানিরাদার্থং। তাতএহীত্যাদৌলোপেহিস্যোমাণ্ডো রিত্য কারলোপেজবাভাবস্তু অসিদ্ধং বহিরঙ্গ মন্তরঙ্গে ইতি ন্যায়েন তকার্দ্য দকারে কর্ত্তব্যে অকারলোপস্যাহিসিদ্ধত্বাং।

#### ७१। अटम्बर्ग।

দান্তে স্থিতস্য তপস্য ঞপে পরে ঞম্স্যাদ। এতনুকুনদঃ এতদ্ মুকুনদঃ।

নত্ত্বতমূকুক ইত্যাদৌ তেষাং যোঘেন সমঃসতত্রপরে ইতি ব্যবস্থয়া মকারস্য-সাম্যাক্তকারস্য মকারঃ কথং নস্যাদিতিচেন্ন নিমিস্তসাম্যতঃস্থানি সাম্যস্ত্রকার্ডাং।

### ৫৮। তো।

ত্যে মে পরে দান্তে স্থিতস্য চপস্য এম স্যান্নিত্যং। চিন্নারং বাঙ্ময়ং।

ঞ্দাদি প্রতায়ানাং মধ্যে পদাৎপরে। মকারাদিরের সম্ভবতীত্যতআহ ত্যেমেনি ত্যমিতিদ্বয়োর্বিভাষয়োর্মধ্যবর্দ্তিত্বান্নিত্যত্বং। এবংবাঙ্গায়ং।

### ৫৯। শহোশ্চপাদ্বামি ছঝভৌ।

দান্তে স্থিতাচ্চপাৎপরয়োঃ শহকারয়োঃ স্থানে ক্রমেণামি পরে ছ ঝভৌবা স্তঃ। তচ্ছিবঃ তচ্শিব বাগ্ছরি বাগ্ছরিঃ। অমি কিং বাক্স্যো ততি।

শহোরিতি স্থানিনির্দেশাদাকাজ্জা ভাবেন পূর্বচপোহস্তব্ত্ত্যাভাবে চপোগ্রহণং। অত্তবাশন্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বান্নকারে এনেচপরে নস্যাদিতিবোধাং। তেনতৎশ্লাঘ্যং তৎস্মশানং বাগজ্জাদয়তি বাগজ্জাবনং দিগজ্জালয়তি।

#### ७०। योभएँ । शिक्षः।

স্থাৎপরে। দান্তে স্থিতোণঙোদ্বিং স্যাদচি পরে। স্থগনীশং সন্ন চ্যুতঃ প্রত্যাঙ্গুল্মা।

বিরিতিলুপ্ত প্রথমৈক বচনান্তং স্কল্পত্তে নাব্যয়ত্বাৎ। অত্র অনতুৎ চতুরোহনা গৌধিঘ্যোরিতি গ্রহনন্দি পচাদের্গিন্নান্দে ইতি সন্যত্ত্যোদি রিত্যাদি জ্ঞাপকাৎ সমাসেণ্ডো দ্বির্ন্যা দিতিবোধ্যং। তেন সমস্তঃ তিওস্ত অনস্তঃ ইত্যাদয়ঃ সিদ্ধাঃ।

#### ७५। ट्रिंग्ट्रेंड

অচঃ পরশ্ছকারো দিঃ স্যাদচি।

অত্রপদান্তদীর্ঘাদাছো দিরাঙমাভ্যান্ত পরঃ সদেতি বক্তব্যং। তেন উমাচ্ছা উমায়া ছায়া গৌরীক্ছায়া গৌরীছায়া।। আচ্ছাদয়তি মাচ্ছিদং। বিশ্বজনাদেঃ পরোহপিবেতি কেচিং। বিশ্বজনক্তত্রং বিশ্বজনহত্রং।। দ্বিচ্ছায়া দ্বিছায়া। দমনকতরুশাখালম্বি ছোলঙ্গয়ুগুমিত্যাদি।

#### ७२। अপ্यरमाः थम्यरवान्वर्षकवावरत् ह।

ঝপ্ঝসয়োঃ স্থানে থস্ঝবয়োঃ পরয়োঃ ক্রমাচ্চপ্জবৌ স্তো বিরা মেচ। শিবচ্ছায়া অচ্ছা। ইতি হস্সৃদ্ধি পাদঃ।

নচাত্রবাথবাসেরিতি ক্তেপীন্ট সিদ্ধির্যপান্তর্ভুতসা চপসা চপদিধান বৈষর্থা নিতি বাচাং। চপসা চপবিধান সামর্থোন বিরামে বাসান্তর্ভুতস্যাপি চপসা পুনর্জ্জ বাভাবে বাকবাগইত্যাদি রূপদ্মসিদ্ধেঃ। অতএবাত্র বিরামপদেন পরবর্ণাভাব এবোচাতে। তেনদান্তবং সভীত্যনেন দান্তত্বেপি লিট্স্ল ইত্যাদৌ খসপরত্বাচ্চপ এব। লিভ্ভা মিত্যাদৌ বাব্ পরত্বাজ্জবএব। এবং বিভক্তের্লুকি লুপ্তাংবিভক্তি মাজিত্যপদত্ব সিদ্ধাবিপি বাচাচারঃ বাক্চারু ইত্যাদৌ। খসপরত্বাচ্চপএবেতি। ইতি হস্সক্ষিপাদঃ॥

> ৪ **অ**ধ্যায়ঃ। বিসন্ধিঃ।

#### ৬৩। বেঃসোহশসন্তে ছতে।

বেঃ সকারঃ স্যাদশসন্তে ছতে পরে। কৃষ্ণশ্চিন্ত্যঃ হরিষ্টীকতে বিষ্ণুস্ত্রাতা শসন্তেতু কঃৎসক্ষঃ। শৃস্ অন্তে যস্য স শসন্তঃ ন শসন্তঃ অশসন্তঃ তিমান্। অত্র অসান্ত ইত্যানেনৈ বেষ্ট সিদ্ধৌ অশসন্তগ্রহণং পরত্রামূত্বতার্থং।

## ৬৪। সে তু কখপফে বা।

বেঃ সকারো বা স্যাৎ কথপকেষু পরেষু সে সতি। ভাস্করঃ ভাঃ করঃ ভাশ্বরঃ ভাঃধরঃ ভাস্পতিঃ ভাঃপতিঃ ভাস্কেরঃ ভাঃকেরুঃ।

তুকারগ্রহণং পরত্র সমাসানস্থবৃত্তার্থং। অত্রাপি অশসন্ত ইতি বিশেষণস্যান্থবৃত্তিঃ। তেন অয়ঃ ক্ষাম ইত্যাদো নস্যাৎ অত্র বাশক্ষস্য ব্যবস্থাবাচিতয়া কেবলস্যানব্যয় স্যাসান্তস্য সমাসে কৃঞ কামি কংস কৃশী কর্ণী কৃষ্ণপাত্রেষু কপাশ কাম্যকল্পেযু প্রত্যয়েষুচ নিত্যংসঃ। যথা অয়কারঃ অয়করঃ তেজকাম তেজকামতে অয়কংসঃ অয়কুশী অয়কর্ণী অয়কুয়ঃ। অয়স্পাত্রং। অয়অব অয়কংকুৎসিতময়ঃ অয়স্পাশং অয়ইচ্ছতি অয়ক্ষাম্যতি ঈষদুনময়ঃ অয়কয়ং। এবং কৌতক্ষুতঃ আগতং তমকাগুঃ মেদম্পিগুঃ জাতুপুজঃ শুনক্ষয়ঃ বাচম্পতিঃ দিবস্পতি বাস্তোম্পতিঃ সদ্যক্ষরঃ অয়ক্ষীলঃ। অধস্পদং শিরস্পদং সর্পিস্কুগুং যজুস্পাঠঃ নমকরোতি তিরক্ষরোতি পুরক্ষরোতি নমক্ষারঃ নমক্ষ্ত্য। ইত্যাদিষু নিত্যং ছুয্থং ছুঃখ মিত্যাদিষু বিকল্পঃ। গীঃকামঃ গীঃকারঃ ইত্যাদিষু নস্যাদিতি।

### ७७। निम नेम्।

বেঃ শস্বা স্যাৎ শসিপারে। হরিশোতে হরিঃশেতে সন্ত যুট্ সন্তঃ ষট্ শিবস্ব্যেঃ শিবঃসেব্যঃ।

অস্য পরস্য চ বিভাষাদ্যান্তঃ পাঠেংপি বিকল্পবীজং দ্বয়োর্বিভাষয়োর্যথ্যে বিধি র্নিভাইতার লিখিতং। পূর্ব্ধসকারামূর্ত্তৌ সন্তয়ুড়িত্যাদির ফুভিরিত্যাদিনা দন্তাস্য মূর্দ্ধন্যো ন স্যাৎইতি শবসেষু পরেষু ক্রমাৎ শবস বিধানং। শসন্তস্যা সম্ভবাদত অশ সন্ত ইতি ন ব্যাখ্যাতং। অত বাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ স্কুচিপরে বিদর্গন্য সকারোনিত্যঃ। তেন চতুঃ।

# ७७। कथलकरमार्यूरनेते।

বের্মুন্যৌ ক্রমাদ্বা স্যাতাং কথপফয়োঃ প্রয়োঃ। হরি × কাস্যঃ

হরিঃকাম্যঃ মণে × ধনিঃ মণেঃখনিঃ ক্লফ্রপাতা ক্লফ্রপাতা ভক্তিস কলতি ভক্তিঃকলতি।

কশ্চ খশ্চ কখং পশ্চ কশ্চ পফং কখঞ্চ পকঞ্চ কখপকে। তয়োঃ অত্রাপি অশসন্ত ইত্যন্ত্বর্ত্ততে। তেন কঃ ক্ষীণঃ কঃপু¦তি ইত্যাদৌ নসাং। অত্র বাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাং খ্যাধাতৌ পরে ন স্যাং। তেন হরিঃ খ্যাতঃ।

# ७१। चंदर्जार केंद्रों।

অকারাৎ পরস্য বেরুকারঃ স্যাদকারে হবে চ পরে। শিবোহর্চ্চ্যঃ শিবোবন্দ্যঃ।

অত্র অশসন্ত ইত্যস্যামূবৃত্তি নান্তি অনিউত্বাৎ তেন রামে। ২শ্নাতি ইত্যাদিস্য দেব। নচ শিবো ২র্চ্চা ইত্যাদে বিদর্গজাতস্যোকারস্য বকারঃ কথং নস্যাদিতি বাচ্যং। প্রকৃতেঃ পূর্বামন্তরঙ্গমিতি ন্যায়েন উকারতো হন্তরঙ্গস্য পূর্বাকারস্য সম্বন্ধিনঃ সন্ধেবলবত্ত্বাং।

### ৬৮। অভোভগোইঘোভ্যোহবে লুপ্।

অবর্ণান্তো ভাগো ২ ঘোভাশ্চ পরস্য বের্লুপ্স্যাদ্বে পুরে। রুদ্রা
নমস্যাঃ ভোহরে ভগোরক্ষ অঘোষজ।

স্বরাদেশাদন্যত্রলোপস্য বলবন্ধাৎ আদৌসিলোপে পশ্চান্টোভগো অঘো আদেশে বিসর্গস্যাভাবেপি লুব্বিধানং জ্ঞাপয়তি ভবদাদীনা মাদৌভোইত্যাদ্যা দেশঃ। আদাবাদেশঃ। পশ্চাৎ সিলোপাভাবে বিসর্গইতি। অত্র ভোঃ পদেন ভবছন্দ্র সাধিতস্য ভোরপস্য সাস্তাব্যয়স্যচ গ্রহণং। তথাচ অথ সম্বোধনার্থকাঃ। স্থ্যঃ প্রাট্প্যাড্স হেইে ভোরিত্যসরঃ। তেন ভোব্ক্ষাঃ পর্বভন্থাবছকুস্ক্মযুত্য বায়ুনা ঘূর্ণমানা ইতিমহানাটকে।

#### ७२। यवाहि।

অবর্ণান্তো ভগো হঘোভ্যক্ষ পরস্য বের্যোবা স্যাদচি পরে। শিব উগ্রঃ শিবয়ুগ্রঃ ভোঅচ্যুত ভোষচ্যুত।

ভোইচ্যুতঃ ইত্যাদো পুপিন সন্ধ্যাদ্য বিধী ইতি নিষেধান সন্ধিঃ। কিঞ্চ নঞ্ছ উ ২ নির্দিউমনিত্যমিতিন্যায়াৎ সৈষয়োঃ পাদপুরণে সক্ষিঃ স্যাৎ। যথা " সৈষদাশ রথীরামঃ সৈমরাজা যুধিষ্ঠিরঃ। এবৈষরথমারুছ মথুরাংযাতি মাধবঃ" ইতি।

#### १० तिरहाश्त्व।

ইচঃ পরস্য বে রেকঃ স্যাদবে পরে। হরিরয়ং চতুর্ভুজঃ।

যদাপি রোবে ইতি কৃতেপি অতোহদ্ধব্যুরিতি অভোভগো হযোভাোরিত্যাভাং বিশেষ বিধিভা মবর্ণে গৃহীতে অবশিষ্টাদিচঃ পরস্যৈর স্যাদিতি তথাপীচো গ্রহণং জ্ঞাপয়তি কুচিদ্বিশেষেণ সামানো ন বাধ্যতে ইতি। তেন স্থিনা বানরেক্রেণ ইতি। "পতিনা নীয়মানায়াঃ পুরঃ শুক্রোনন্ত্র্যাতীতি।" "রঘুনাথায় নাথায় সীতা-য়াঃ পতয়ে নমঃ" ইত্যাদি সিদ্ধং।

#### १३। द्वाञ्घः।

অচঃ পরস্য রেফস্য বে রেফঃ স্যাদবে পরে। ত্রাতরব ধাতর্গচ্ছ।

রইতি ষষ্ঠোক বচনং হসাৎ পরস্য বিসর্গস্যাসম্ভবাদেব অচঃপ্রাপ্তে পুনরচো গ্রহণং কথমিতিচেন। অচোহমুক্তৌ পূর্মত ইচোহমূবৃত্তা অবর্ণস্যা প্রাপ্তেঃ। বস্তুতস্ত পৃথপ্যোগাদেব ইচো হমুবৃত্তাভাবে অচো গ্রহণং স্পর্ফার্থং।

### १२। श्री रा।

অচঃপরস্য রেকস্য বেঁ রেকঃ স্যাদ্বা খপি পরে। গীর্পতিঃ গীঃপতিঃ গীষ্পতিঃ।

অত্র বাশক্ষা ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ সমাসএব। তেন ইয়ংগীঃ পতিরয়ং ইত্যাদৌ নস্যাৎ। এবঞ্চার ধুর অহন্ এষামেব বিসর্গস্য পতিশক্ষেপরে এবেতি বোধ্যং। তেনগার্পতিঃ গাঙ্গাতিঃ গীঃপতিঃ ধূর্পতিঃ ধূন্পতিঃ ধূংপতিঃ অহর্পতিঃ অহস্পতিঃ অহংপতিঃ। অন্যত্র আশীঃ পতিঃ গীঃ পাঠঃ।

## ৭৩। নাহোরকক্তী।

আহ্ণোরেকস্য বে রেকো ন স্যাদ্রেকে কে ক্তৌ চ পরে। অহো রাত্রঃ অহন্ধরঃ অহোভিঃ। অহোরাত্র ইত্যাদৌ স্বাধ্যস্থ্যস্থানতি রঞ্জিরেফসম্বিলিবিদর্গত্বাজেকপ্রাপ্তে নিষেধঃ। অত্রনাহ্য ক্রন্তোইতিকৃতে পীইসিদ্ধোরকজাবিতি গৌরব জ্ঞাপকাদ্রাত্রি রূপরথস্তরেভ্যো হন্যত্র রেফে পরে রেফঃ স্যাদিতি বোধাং।। যথা অহোরাত্রঃ অহোরপং। অহোরথাস্তরঃ। অন্যত্র অহারজন্যে অহারবী অহারাজ ইতি। এবং হেদীর্ঘাহো নিদাঘ। হে ক্রস্বাহোহেমন্ত ইত্যাদৌ আবীব্রসাদিতি সের্লোপে ত্যলক্ষণমিতিন্যায়াদ্বিভক্তি পরত্বে রেফো নস্যাৎ। কিঞ্চগতাহর্বনং অহর্কদিত্যাদৌ বিভক্তের্লুকি লুকিন্তত্র ইতিনিষেধাদ্রেকঃ স্যাদেবেতি।

#### ৭৪। হস্যেতত্তদোহনঞকঃ সৈর্লোপঃ।

নঞক্বর্জ্জাদেতদস্তদশ্চ পর্স্য সের্বের্লোপঃ স্যাৎ হসি পরে। এষ ক্লফঃ সবিষ্ণুঃ। অনঞকঃ কিং অসংশিবঃ এষকোরুদ্রঃ।

ৰবিদ্যেতেনঞকৌ যত্ৰসোহনঞকঃ তক্ষাৎ। নম্পুনৈষাভ্যামিত্যনেনাপীফীনিদ্ধৌ এতত্তদো হনঞকঃ সেরিতি গৌরবং কথমিতি চেন্ন স্বরূপ সংজ্ঞয়োর্বাচকাৎ সইতি শব্দাৎ ইযুশবাঞ্ছে ইত্যক্ষান্দ্রিও এষইতি শব্দাচ্চ বিসর্গলোপাপত্তেঃ।

### १७। द्यां द्रिंग्ने विश्व

ঢকারস্য ঢকারে পরে রেফস্য রেফে পরে লোপঃ স্যাৎ। পূর্ব্বস্য চ ঋবর্জস্য র্যঃ। বড়ঃ হরীরম্যঃ। অনুঃ কিং ভূঢ়ঃ। ইতি বিসন্ধি শাদঃ। সন্ধ্যধ্যায়ঃ॥

নান্তি ঋষত্র সোহন্ত্স্য হল্পঃ। রুচ় ইতিঞিজরুহোজন্যাং ক্তঃ হোচোভাবিতি হস্যতঃ চভান্তথো রিতি তস্যধঃ ষ্টুভিন্তুস্যেতি ধস্যতঃ। রুচ্চ ইতিস্থিতে অনেন পূর্বাচকার লোপ স্ততঃ পূর্বাস্য দীর্ঘঃ॥ তৃচ্ইতি তৃহধুশ হিংসে ক্তঃ তৃচ্টতিস্থিতে পূর্বাচস্য লোপঃ তৎপূর্বাস্যঞ্কার বর্জ্জনামদীর্ঘঃ। নচ যত্র পূর্বাস্য দীর্ঘোনসম্ভবতি তত্র চকার রেষ্কয়োলোপোপিমাস্ত একযোগ নির্দিষ্টানাং সহবা প্রেবৃত্তিঃ সহবানিবৃত্তিরিতি নাম্মাদিতি বাচ্যং চকারস্য অস্বাচয়শিষ্টত্বাৎ অতএব তৃহধুশহিংসে ইত্যাদৌ তিস তৃণ্ট ইত্যাদৌ নকারস্য দীর্ঘাসম্ভবেপি চলোপঃ সঙ্গছতে। দীর্ঘস্য দীর্ঘবিধানং ব্যর্থমিতি ঋশব্দেনাত্র জ্বস্থকারএবোচ্যতে॥ ততশ্চ "যাদৃগ্জাতায়স্য বিপ্রতিষেধাে বিধিরপি তাদৃগ্জাতীয়স্যেতি" ন্যায়াদত্র ঋবর্জ্জনেন

ক্রস্বলৈয়ৰ দীর্ঘ ইভিৰোধ্যং ॥ তেনমিহৌসিচি মেঢা ইত্যাদৌ অন্তরঙ্গত্তা দাদৌ গুণে অনেন ঢলোপে পূর্ব্যক্রস্বালাভাগ্ন দীর্ঘঃ। ইতি বিসন্ধিপাদঃ ॥

একার্থাবিছিন্ন পদসমূহোহধাায়ঃ। অন্ধনাত্রোচ্চারণ কালেনাবাবহিতয়ো বর্ণ দ্বয়োক্রততরোচ্চারণং সন্ধিঃ। অতএব শ্লোকার্দ্ধরোর্মন্ত্রার্দ্ধরোর্বা ন সন্ধিঃ অন্ধনাত্রাচ্চারণ কালবাবধানসোচিতদ্বাদিতি প্রাঞ্চঃ। স্বমতেতু সন্ধাধায় স্ক্রবিহিত কার্য্যং সন্ধিরিতি লক্ষণং। তেন পিপক্ষাদি শন্ধানাং সংযোগান্ত লুপিনসন্ধাদ্য বিধীইতি নিষেধেপি সন্ধিগ্রহণাৎ সন্ধিন্তুপোব নসন্ধিরিতি নিয়মাৎ।। ঝপ্রসোরিতানেন চপ্রবে পিপক্ পিপগিতি ভিন্নপদেতু সন্ধিবিভাষয়েতিবোধাং।। তথাচ "সন্ধিরেক পদে নিত্যো নিত্যো ধাতৃপসর্গয়োঃ। স্থত্রেমুচ ভবেনিত্যঃ সৈবান্যত্র বিভাষিত" ইতি ক্রমদীশ্বরং। একপদে ইতি স্বভাবাদেক পদে সমাসেপি যথাজানং ভবেং নদ্যো বথ্বো ইত্যাদি সমাসে মুরারিঃ হ্রযীকেশঃ ত্রান্বকঃ গবীশ ইত্যাদি। ধাতৃপদর্গয়োন্ত অধীতে উপেতা ইত্যাদি।। অন্যত্র অত্র অন্তঃ অত্রান্তঃ ইহইন্তঃইহেন্ট্রেত্যাদি।। ধাতৃপদর্গয়োঃ সমাস্দ্র্য নিত্যদ্বাদেকপদ গ্রহণে নৈবেন্টমিন্ধো তয়োঃ পুনরুপাদানং অনিত্য সমাসে কদাচিদেকপদেপি সন্ধিবিভাষ্যত ইতিজ্ঞাপ নার্থং। তেন উচ্চারিত রুচিরঞ্চাং চাননানাং চতুর্ণামিত্যাদি সিদ্ধং।। সৈবান্য তেতি পাদপূরণে সন্ধিরিতি গোমীচক্রঃ।। ইতি ছ্র্গাদাস বিদ্যাবাগীশ বিরচি তায়াং মুশ্ববোধটীকায়াং সন্ধ্যধায় দীকা সমাপ্রা।

#### ৫ অধ্যায়ঃ।

#### সৎজ্ঞাঃ।

ওঁ নমো গণেশায়। ধাতুপ্রকরণস্য প্রধানস্থাদাদৌ বক্তুমুচিতত্বেইপি স্থগমত্বা লিঙ্গ প্রকরণমাদৌ নিরূপয়তি। অত স্যাদিভির্লিঙ্গানাং রূপাণি নিরূপয়িষ্যন্ লিঙ্গাৎপর প্রয়োগেন স্যাদীনাং প্রত্যয়ন্ত্বং খ্যাপয়ন্ত্বাহ। লেঃ সি ঔ জনিত্যাদি।

৭৬। লেঃ সি ঔ জস্ অম্ ঔ শস্ টা ভ্যাম্ ভিস্ ঙেভ্যাম্ ভ্যস্ ঙসি ভ্যাম্ ভ্যস্ ঙস্ অসম্ ঙি ওস্ স্থা স্যাদীন্যেকবিংশতির্লেঃ পরাণি প্রযুজ্যন্তে। জ শ ট ও পাঃ সিঙ্ স্যোরিকারশ্চেতঃ।

নম্ব লার্থ সমুদ্ধীত্যাদি স্বক্রেণৈবেষ্ট সিদ্ধিঃ কিমনেন ইতি চেমযতো লেঃ সি প্ত জানত্যাদিনা লিঙ্গাৎ পরা যেস্যাদয়োবিধীয়ন্তে। তেষামর্থা এবল্যর্থসমুদ্ধীত্যাদিভিঃ স্থকৈ ক্রিয়ন্তে। তেনায়র্মর্থঃ। লার্থসমুদ্ধীত্যাদি স্থকৈক বাক্যতয়া লেঃ সি প্ত জানত্যাদিনা লিঙ্গার্থাদিয়ু প্রথমাস্যাৎ এবং কর্মাক্রয়েত্যাদিস্থকৈকবাক্যতয় লেঃ সি প্ত জানত্যাদিনা কর্মাদিয়ু দ্বিতীয়াস্যাদিতি। এবমন্যত্র। লিঙ্গাৎ পর প্রয়োগাভাবেতু লিঙ্গার্থে প্রথমাস্যাদিত্যুক্তাবিপ মাতুংক্রোড়তো পৃষ্ঠতো বাপি মাতুর্বহুমঃ স্তনং পিবেদিতি ন্যায়াৎ কদাচিৎ পূর্বতঃ কদাচিৎ পরতো বাস্যাদিতি।। লট স্যাদীনাং প্রত্যয়ত্বাৎ পরস্তা ইত্যনেনৈর পরক্রোৎপত্তিঃ সিদ্ধেরিতিবাচাং। যতঃ স্থান্তরেণ পরতো বিহিত্যা প্রতায়ন্যৈর পরস্তা ইত্যনেন প্রত্যয়্ম সংজ্ঞা ক্রিয়তে স্যাদীনান্ত পরবিধানাভাবাৎ প্রত্যয় সংক্রেব ন সিদ্ধাতীতি। নচস্যাদীনা মিহ লিঙ্গাৎ পরবিধানং কারকে হর্থবিধানং ইতি গৌরবং কথং একদৈবো ভয়ং কর্ত্বিয় মিতি বাচাং তত্র উভয়বিধানে অত্র রামাদিলিঙ্গ সাধনাসম্ভবাৎ। অত্যোভ্য বিধানেতু। অতিবৈষম্যাপত্তেঃ। সিশ্চ ঔশ্চ জন্তেত্যাদি দ্বন্দঃ।

### ৭৭। ত্রিশঃ প্রীদীত্রীচীপীমীপ্তাঃ।

मामीनिजीनी जीनि वहनानि कमार श्रीषीजीही शीषी श्रीमरञ्जानि श्राः।

ত্রীণি ত্রীণ ত্রিশঃ সংবৈথ্যকার্থাদ্বীপ্রায়াং ইভিচশস্।

# १४। मयुरको मिकिः।

সম্বোধনে বিহিতঃ সির্দ্ধিসংজ্ঞঃস্যাৎ।

অন্যত্র ব্যাসক্তমা কার্যান্তরে নিযোজনার্থ মাভিমুখ্য বিধানং সম্বৃদ্ধিরিতি। যথা হে পুত্র পঠ হে বৃক্ষ হে লভে হে জীন ইভ্যাদে সম্বৃদ্ধিরূপচারাং।

## १२। मार्गाक्रम्बिः।

সি অম্ ঔ জস্ এতে ঘিসংজ্ঞাঃ স্থ্যঃ।

নম্প্রামৌখি রিত্যনেনৈবেট সিদ্ধৌ স্যমৌ জসিতি কথমিতি চেন্ন সম্বোধনে সের্দ্ধিসংজ্ঞা বিধায়কতয়া বিশেষেণ ধিসংজ্ঞাবিধানেন সর্বার্থে সের্ঘিসংজ্ঞা বিধায়ক- তয়া সামান্য খিসংজ্ঞা বিধানস্য বাধিতত্বাৎ সম্বোধনে বিহিত্সা সের্ঘিসংজ্ঞান্থ পপত্তেঃ। ইদানীন্ত সেঃস্বরূপ গ্রহণং গৌরবাৎ। সম্বোধনে ২পি সের্ঘি সংজ্ঞা সিদ্ধিঃ। নচ সম্বোধন বিহিত সের্ঘিসংজ্ঞায়াঃ কিং ফলং ইতিবাচ্যং ধের্ঘিত্বাতাবে হেপস্থা ইত্যত্র নমোহপ্রসঙ্গাং।

## ৮०। भिः क्वीर्व।

नशूरमत्क भित्तव चिमरब्बः म्यार ।

জসঃ স্থানে জাতস্য শৈষ্ঠিসংজা বিধানানিয়মো হয়ং। শসঃ স্থানে জাতস্য বিধিরয় মিতি চেন্তুর্হি শসইত্যেব ব্যাচক্ষেত। নপুংসকে জস্শসোঃ স্থানে জাতঃ শি রেব ঘিসংজ্ঞঃস্যাং। নতুস্যাদিরিত্যর্থঃ। কিঞ্চক্লীবাদন্যত্র শেরসম্ভবাং। শিরিত্যনে নৈবেষ্ট সিদ্ধৌ ক্লীবইতি স্পর্ফার্থং।

## ৮১। माखर्दे भिंछ।

সভয়োঃ প্রযোদান্তবৎকার্য্যং স্যাৎ।

দান্তইবদান্তবং। কার্যাতিদেশোরং যথাস্থহিন্ত্যাং স্থহিন্স্ ইত্যক্রসান্তসারা দিত্যাদিনা সলোপে স্নোর্মরিতি নর্সাম্পারো নস্যাং। এবং পুন্ত্যাং পুংত্যাং ইত্যক্রদান্তেন ইতানেন মসাম্পারে বাত্তরযপেইত্যাদিনাংম্পারম্য মকারো বেতি। স্যাদীনামমূবর্ত্তমানত্তাৎ সভীতিস্যা দেরেব তেন বিদ্বাংস ইত্যাদে নস্যাম্পারে গুপেঞ্চম ইত্যম্পারম্য মকারঃস্যাদিতি। দবং সভীত্যনেনৈবেই্সিদ্ধে দান্তবদিতি গৌরবং জ্ঞাপয়তি সভয়োঃ পরয়োদান্তত্ত্বন বিহিতং যৎকার্যাং তদেবস্যাৎ নতুবিরাম বিহিত্মিতি। তেন লিট্স্থ ইত্যাদে রপ্ বিহেতং যৎকার্যাং তদেবস্যাৎ নতুবিরাম বিহিত্মিতি। তেন লিট্স্থ ইত্যাদে রপ্ বসোরিত্যনেন বিরামমাঞ্জিত্য নজব্। এবং সভয়োঃপরয়োরন্যত্ত আতিদেশিকং নস্যা দিতিচ জ্ঞাপয়তি। তেন সাভিরিত্যক্র আকার্য্য স্থানিবত্বাভাবান ঐস্ সাস্থইত্যক্র বেয়ন্ত্যেইতি একারোনস্যাৎ।

# ৮२। ভৌলিধ্বে ईস্ঝসোরস্ভেচ।

ভৌ পরে যৎকার্য্যং বক্ষ্যতে তল্লের্হসে ধোর্মসে স্যাৎ। অন্তে চ তয়োঃ।

যংকার্য্যং ভৌপরেস্যাদিতি বক্তব্যং তংকার্য্যং লিঙ্গস্যহ্সে বিরামেচ ধাতে। র্ঝ্যে

বিরামে চ স্যাদিতি পরিভাষিতং। হস্ ইহ স্যাদেরেব। তেন দিশিভবং দিশামিত্যাদে শছ্রাজেত্যাদিভিঃ ষণ্ডাদি র্ন স্যাৎ। লিক্ষ্য যথা লিড্ভাং লিট্সু লিট্ লিলিহ খাতের্ধা লেট্ অলিকং অলেট্ অলেড্ এয়ু হোটোভাবিতি হস্যটঃ।

#### ৮৩। इस्माश्खः कः।

इरम विवासक कमरुखः मार्।

হস্ ইহ স্যাদেরের ধোর্মোনঃ ফমীতাত্র ফগ্রহণেনৈবেউসিদ্ধে মবয়োঃ পৃথক্ গ্রহ গাং। তেনদৃষ্টারিত্যাদো ষোড়ঃ ফে ইতি ন স্যাং। হসঃ ফসংজ্ঞাফলম্ভ পয়ে। ভ্যাং পয়ঃস্থ ইত্যাদো বিসর্গঃ। লিড্ভ্যাং ইত্যাদো ডঃ প্রশান্ত্যামিত্যাদো নই স্থাহিন্তাদি স্যান্তস্যারালুপ্ রাজভ্যাং পঞ্চানামিত্যাদো ন লুপ্ ইত্যাদি। অস্তো বিরামঃ পরবর্ণাভাবইতি যাবং। সতু লিঙ্গপ্রকরণে ধাতুপ্রকরণে চ গ্রাহ্যঃ। যথ। যট্ অন্থিট অত্র বোড়ঃফে। রামঃ ভ্রামঃ অত্র প্রোর্বিংফে।

५८। मर्विश्विष्ठ छे छ ग्र छ व खु दे खु कम मिम दिन मा जन्मान्य छ उत्र छ छ यो छ उ म् छ म् ए छ कि मिम मिः कि ९ ष उ स्मृत्य स्मृतः भू र्व भ ता च त मृत्रिक दिन । छ त स्मृत्य स्

দভেদোগণভেদার্থঃ। এতে পঞ্চত্রিংশচ্ছকাঃ শ্রিসংজ্ঞাঃস্যুঃসমো হতুল্যে ব্যবস্থায়াং পূর্বাদ্যো হতান্তরো হ পুরি। বহির্যোগোপ সং ব্যানে স্বস্তুজ্ঞাতিধনাভিধঃ।

অন্যাদিত্যদাদি পূর্বাদীনাং বিশেষকার্য্যার্থং পূথক পদং। সর্বেষাং বৃদ্ধি স্থানাং নাম সর্বানাম তদেকদেশগ্রহণাৎ ব্রিদস্ত্যাদিঃ। ভবংশব্দো যুদ্মদর্থঃ। ত্বৎ দ্বানাথোঁ ত্বদিতি শব্দঃ কৈশ্চিন্ন মন্যতে। একশব্দো যদাসংখ্যাবাচী তদা একবচনান্তএব। যদাতু একৈ মুখ্যান্যকেবলা ইত্যমরোক্ষো মুখ্যাদিবাচী তদা দ্বিচনবছবচনান্তো হপি। "নেমঃ কীলেহবথৌ খণ্ডে প্রকারে কৈতবেপিচেতি" মে দিনিঃ। নেমঃ সর্বার্থইতি সৌপদ্মাঃ। ডতর ডতমৌ প্রত্যায়ে তেন তদন্তানাং কতর কতম যতর যতম ততর ততম একতর একতম অন্যতর অন্যতম ইতি দশানাং গ্রহণং। কিঞ্চ অন্যতর্ম্য ডতরান্তব্বেক্রিনব প্রাপ্তো পুন গ্রহণদ্ভ অন্যত্মস্য অন্যাদিত্ব নিরাসার্থং

তেন অন্যতমং কুলমিত্যরতোন্যাদেরিতি তকারোনস্যাৎ। অন্যতমস্য স্রিসৎ জৈব নাস্তীতি ক্রমদীশ্বরঃ। উভ ভবৎ ত্বৎত্বে ইতি চতুর্ণাং প্রিসংজ্ঞাফলন্ত ত্যাদি বাংসত্যাদিনা অকি উভকৌ ভবন্তকৌ ত্বংকৌ ত্বকো। এবং উভাবঞ্চতীতি ক্বিপি ত্রিবিশ্বনেরনোতি টেরন্রৌ উভক্রণ্ড তথা ভবক্রণ্ড ত্বকণ্ড। এবঞ্চ পুংবৎ ত্রে রিতি পুংবদ্ধাবে উভয়োঃ স্ত্রিয়োঃ পতিঃ উভপতিঃ রিত্যাদি। অর্থবিশেষে নি য়মতি সমোহতুল্যেইত্যাদি "সর্ব্বসাধুসমানেষু সমংস্যাদভিধেয়বদিতি" কোষঃ । স মোহতুল্যে অসংজঃ সকলে সাধৌচ বাচ্যে ইত্যর্থঃ। পুর্বাদ্যোব্যবস্থায়াং অসং জ্ঞঃ। ব্যবস্থাতু স্বাভিধেয়াপেকাংবধিনিয়মঃ। অস্যার্থঃ অবধিঃসীমা অবধের্নিয়মঃ অবধি নিয়মঃ সকীদৃশঃ স্বাভিধেয়াপেক্ষঃ। স্বস্য পূর্কাদে র্যোহভিধেয়োবাচ্যস্তমপে ক্ষতে ইতি স্বাভি ধেয়াপেকঃ পূর্বাদ্যধরপর্যান্তানাং সপ্তানাং স্বভাবার্থাদিগ্দেশকা माध। যথা পূর্বস্য দেশস্য যৎ পূর্বত্বং তদবশ্যং পরদেশমবধিমপেক্ষতে এবং প রস্য দেশস্য যৎপরত্বংতদবশ্যং পূর্কদেশমবধিমপেক্ষতে ইতি। দিগ্দেশকালেষু বা চ্যেষু পূর্বাদয়ঃ সপ্তত্রিসংজ্ঞাঃস্ক্রারিতি নিষ্কর্ষঃ। দক্ষিণায় গাথকায়দেহীত্যত্র দক্ষিণায় প্রবীণায় ইত্যর্থঃ। উত্তরায় কুরবে দেহীত্যত্র উত্তরশব্দস্য সংজ্ঞারপেণ কুরুষুপ্রবৃত্ত ত্বাৎ ন গৌণ্যাব্যেত্যাদিনাত্রিসংজ্ঞানিষেধঃ। অত্র পূর্ব্বাদ্যগণে অন্তরঃ অপুরি পু র্ভিন্নে বহির্যোগে বহিঃস্থিত পদার্থে বাচ্যে উপসংব্যানে পরিধানবস্ত্রে চ বাচ্যে ত্রি সংজ্ঞঃ। তথাচ "অন্তরীয়োপসংবানেপরিধানান্যধোংইশুকে" ইতামরঃ। স্বস্ত অক্সান্তিধনাভিধঃপ্রিসংজ্ঞঃ স্যাৎ। জ্ঞাতিশ্চ ধনঞ্চজ্ঞাতিধনে তে অভিদ্ধাতি কথয় তীতি জ্ঞাতিধনাভিধঃ নজ্ঞাতি ধনাভিধঃ অজ্ঞাতিধনাভিধঃা স্বশক্ষোজ্ঞাতৌ ধনেচ বাচ্যে স্রিসংক্রোন স্যাৎ। আত্মনি আত্মীয়েচবাচ্যেন্সিসংজ্ঞঃ স্যাৎ ইত্যর্থঃ। তথাচ "স্বোজাতাবাত্মনিস্বংত্রিসাত্মীয়ে স্বান্তিয়াং ধনে" ইতামরঃ।

### ৮৫। ন গৌণ্যাখ্যা চ ত্রীসাসে।

গৌণত্তে সংজ্ঞায়াং চে ত্যাঃ সে অসে চ তে ত্রিসংজ্ঞা নস্থাঃ।

গৌণমপ্রধানং তস্য ভাবো গৌণাং। সং সমাসং। সশ্চ অসশ্চ সামৌ ত্যাংসাসে ত্রী সাসৌ তৃতীয়াতৎপুরুষস্তম্বোগ্যবাক্যঞ্জেতার্থং। গৌণাঞ্চ আখ্যাচচশ্চ ত্রীসা সৌচ ইতি তন্মিন্। অত্র দ্বন্দমাসে কৃতেএব প্রিসংজ্ঞানিষেধোনতু ক্রিয়মাণে। তেন পুর্বাচ পশ্চিমাচেতি বাক্যে প্রিসংজ্ঞায়াং পুংবংশ্রেরিভি পুংবন্তাবে পূর্ব পশ্চিমে ইতি।

#### ৮৬। চেজসিব।

চে তে স্রিসংজ্ঞা বা স্থ্যর্জসি পরে।

চেতে ইতি চেদ্বন্দসমাসে তে সর্বাদয়ঃ।

## ৮৭। পূর্বাদ্যল্পপ্রথমচর্মতয়ায়ার্দ্ধকতিপয়নেমাঃ।

এতে সপ্তদশশকাঃ স্রিসংজ্ঞা বা স্থ্যর্জসি পরে।

পূর্ম্বাদয়োনৰ অন্যে অই অল্পাদয়ঃ। তয়ামৌ প্রত্যমৌ তেন দ্বিতয় দ্বয়ঃ ইত্যা দ।

#### ৮৮। তীয়োডিতি।

তীয়ান্তঃ শব্দঃ ম্রিসংজ্ঞঃ স্যাদা ঙিতি পরে।

তীয়ঃ প্রতায়ঃ তেন দিতীয় স্তৃতীয়শ্চেতি। তীয়ান্তস্য অক্লাদীনাঞ্চ গৌণত্ত্বে ন গৌণাখ্যেতি নিষেধাৎ অতিদিতীয়ায় অত্যক্লায় এবদেব জৌমরাঃ।

### ৮२। शृर्वाश्ख्यामुष्।

অন্ত্যাদ্বনাং পূর্বো বর্ণ উঙ্সংজ্ঞঃস্যাৎ।

ভিন্নবিষয়ত্বাৎ পূর্বেষামন্তবৃত্তাভাবে অস্য নিতাত্বং।

#### ১০। অন্ত্যাজাদিফিঃ।

অন্ত্যো যো ২চ্ তদাদিবর্ণফিসংজ্ঞঃ স্যাৎ।

অন্ত্যাচ্ আদির্যসা সঅন্ত্যাজাদিঃ। তো বটো ভিক্ষামট যদি পশ্যসি গাঞ্চানয় ইত্যুক্তৌ যথা ভিক্ষায়াঃ প্রাধান্যং যদি গোর্দৃশাতে তদা তস্যাপ্যানয়নং অন্বাচয়দি উং বৃধ্যতে তথাক্রাপি অন্ত্যাচন্টিঃ স্যাদ। তৎপরবর্ণে সতি অন্ত্যাজাদিন্টিঃ স্যাদি ত্যর্থঃ। অথবা অন্ত্যাচন্ট আদিশ্চ অন্ত্যাজাদিঃ স্থাত্মণ পুংস্থং। জ্বর্ণইত্যক্র অভদ্দশব্দেন যথা লক্ষণয়া অভদন্থিতাঃ বকাররেকখবর্ণা উচ্যন্তে তথাকাপি আদিশব্দেন অন্ত্যাচঃ সম্বন্ধাৎ তদ্পুণসম্বিজ্ঞানবহুব্রীহো অন্তাজাদিবর্ণা উচ্যন্তে। তেনাজন্তান মন্ত্যাচ ন্টিসংজ্ঞঃ স্যাৎ। হসন্তব্যাস্ত্য অন্ত্যাজাদি বর্ণন্টিসংজ্ঞঃ স্যাৎ ইত্যর্থঃ।

## ১১৷ লুকিন তত্তা

#### লুগিতি লোপে কৃতে যো লুপ্তস্তন্মিন্ পরে যৎকার্য্যং তরস্যাৎ।

লুঞ্চনং লুক্কিপি নলোপে ন্যক্ষ্ দিছাককারস্য ককারে লুক্শব্দঃ। নম্থ সর্বত লুকিধানেনৈবেছনিছে। এতং স্ক্রং বৃথেভিচেন্ন দণ্ডীচাসৌ পুরুষশ্চেতি দণ্ডিপুরুষ ইত্যক্র জের্লুক্তোচ ইতি সের্লুপি তদাদিবিধিত্বান্নলোপাম্থপপত্তেঃ। আদিবিধি তিন্নত্বাং হনপুমার্যামেন ইত্যাদিনা দীর্ঘাপত্তেশ্চ। এবং পরইত্যক্র স্যামোলুবিতি সের্লুপি আদিবিধিত্বাং সন্য বিদ্যাম্থপপত্তেঃ। আদিবিধিত্বিত্বাং অত্যোধে রিত্যাদিনা দীর্ঘাপত্তেশ্চ।

#### ৯২ ৷ স্বরাদিনিচিত্ত্যংব্যং ৷

স্বরাদির্গণে নিশ্চকারেতস্ত্যশ্চ ব্যসংজ্ঞাঃ স্থ্যঃ।

শ্বরাদির্যস্য স শ্বরাদিরাক্তিগণঃ। নিশ্চাদির্গণোগিশ্চ। গৈরিতি গিসংজ্ঞা পঠিতাঃ শব্দাঃ গিসংজ্ঞাভাবেহপি ব্যসংজ্ঞা বোধ্যাঃ। তেন রাজানমতিক্রান্তা অতিরাজী অত্র অতিরতিক্রমার্থে গিসংজ্ঞাভাবেহপি ব্যসংজ্ঞায়াং বাংপূর্বানিতি পূর্বা নিপাতঃ। চকারেতঃ প্রত্যয়াশ্চ চিক্তবুং চসাৎ চকুত্বস্ স্কুচ চতরাং চতমাং চশস্ স্কুণচ্ ডাচ থাচোচ তাচ থাচোচ চত্তম চুমৌ বোড়লৈতে চকারেতঃ প্রত্যয়া গদিতা ইহ। স্বরাদিশ্চ নিশ্চ চিত্তাশ্চেতি সমাহারঃ এতে ব্যসংজ্ঞাংস্ক্যারি তার্থঃ।

#### ৯৩। হসেখনন্তরঃ স্যঃ।

অচানন্তরিতো হসঃ স্যাসংজ্ঞঃ স্যাৎ।

নাস্তি অন্তরংব্যবধানংয়স্যসোহনন্তরঃ স্বন্ধাতীয়ভিন্নেন অচ্থব্যবহিতইত্যর্থঃ।

### २८। यू॰ ट्यावनी।

त्रेषृतस्य निठाञ्जीनस्त्रापीमः छः म्यार ।

ঈশ্চ উশ্চেতি সমাহারে সূত্রত্বাৎ ক্লীবন্ধাভাবে জ্রম্থোন স্যাৎ। ততঃ স্থার্থপ্রত্যয়স্য তকারস্য প্রত্যেকেন সম্বন্ধঃ। নচ সমাসাভাবাৎ পৃথিকপদন্ধাভাবাচ্চ কথং সম্বন্ধইতিবা চাং প্রংসঃসন্নিতি নণটুঙশ্চকনিত্যাদের স্থবন্ধানাং পূর্বসম্বন্ধাসজ্জ্বাৎ। অথবা তইতি তকারা স্থবন্ধান্ত্পচারাৎ। ততো যুশ্চাসৌ তশ্চেতিযুতঃ। এবং সর্বত্র। যশ্মিন্নর্থে বজ্ঞপেণ প্রীলিক্ষঃ শব্দস্তশ্মিদেবার্থে তজ্ঞপেইণৰ যদিলিক্ষান্তরং ন ভক্কতি তদা নিত্য স্ত্রীলিঙ্গঃ। তেন গোরশন্দস্য পুংস্ক্রেংপি গৌরীশন্দস্য নিতান্ত্রীলিঙ্গয়ং। নদীসংজ্ঞ কার্যাং যথা হেলক্ষ্মি হেবধু লক্ষ্যেবধৈইতাদি। পাক্ষিকস্ত্রীলিঙ্গস্য তু লক্ষ্মীমতি ক্রান্তান্তান্ত্রিকক্ষ্মীঃ হে অতিলক্ষ্মীঃ হুর্গে অতিলক্ষ্যে হুর্গায় নমইত্যাদি। পুংসি তু হে বছপ্রেয়সীঃকৃষ্ণ বছপ্রেয়সোর ক্ষায় নমঃ। হে অতিলক্ষ্মীভূপ অতিলক্ষ্যে বিপ্রায় ধনং দেহি বছপ্রেয়স্যে ক্ষায় নমঃ অতিলক্ষ্যে রাজ্ঞে স্বন্তিইত্যাদি স্বমতং। ভাষ্য কার ক্রমদীশর্মিত্র প্রাক্তর্পাপ্তা নদীসংজ্ঞাপশ্চাং পুংস্ক্র্যোগেপি ন নিবর্ত্ততে ইতি মন্যমানে। হেণ অতিলক্ষ্মিবিপ্রা হে বছপ্রেয়সি কৃষ্ণ হে অতিলক্ষ্মিভূপ অতিলক্ষ্যে বিপ্রায় ধনংদেহি অতিলক্ষ্যে রাজ্ঞে স্বন্তিইত্যুদাহরতঃ। তল্মট্বতকবাক্যত্বেতু এব শন্দস্য কাকাক্ষিগোলকন্যায়ায়্বভ্সয়্র সম্বন্ধঃ। তেন স্ত্রীশব্দেন সম্বন্ধাহিতান্ত্রীলিঙ্গোল ভ্যতেদীশব্দেন সম্বন্ধাহ নিত্যদীসংজ্ঞোলভ্যতে। ততশ্চে দীসংজ্ঞানিবৃত্তির্নাস্ত্রী ত্যর্থঃ।

### ৯৫। নাস্ত্রীযুবঃ।

. ইযুবস্থানাবীদুতৌ দীসংজ্ঞো ন স্তঃ নতু স্ত্রী।

ইযুবস্থানাবিতি স্থানমন্তি যযোঃ তৌস্থানো অর্শআদিস্থাদঃ। হেঞ্জঃ তেজঃ জত্র নদী সংজ্ঞাভাবায় জন্মঃ। অস্ত্রীতি কিং হেন্তি।

#### ৯৬। বামি।

रेयूव कें मृष्ठ मीमः रख्डा वामा । आमि भरत नजू खी।

, এনাং শ্রেয়াং জ্ঞাং ভ্রুবাং। অস্ত্রীতিকিং স্ত্রীণামিতি নিত্যং।

### নণ। স্ত্রীযুক্ত ডিতি।

ञ्जीनिङ्ग रेकूमरस्रा निष्ण जीनिङ्ग रेयूव नेमूक मीमः आः मााषां । পরেনতু জী।

ইশ্চ উশ্চেতি যুঃ পশ্চান্তকারামূবন্ধস্য প্রত্যেকেন সমনঃ দ্রিয়াং দ্রিলিঙ্গে যুং দ্রীযুং। নিতান্ত্রীত্বামূবৃত্তৌ দ্রীশব্দোপাদানং নিতান্ত্রীলিঙ্গ পাক্ষিক স্ত্রীলিঙ্গয়াঃ প্রাপ্তার্থং। যথানিত্য দ্রিলিঙ্গস্য মত্যৈ মতয়ে ধেবৈ ধেনবে। পাক্ষিক স্ত্রীলিঙ্গস্য স্থমতৈয় স্থমতয়ে স্ত্রিরৈ স্থধেবৈ স্থধেনবে দ্রিরৈ। চকারাৎ নিতান্ত্রীলিঙ্গাবিযুক স্থানাবীদূতৌ চ। যথা শ্রিরৈ শ্রিয়ে ক্রেবৈ ক্রবে ইত্যাদি। অস্ত্রীতিকিং ক্রিয়ে ইত্যাদি নিতাং।

### ৯৮। অষ্যচ্ তাচ্যেপ্পিঃ।

ঘিবর্জস্যাদেরচ্ তসংজ্ঞাবচ্যকারাবীপ্চ এতে পিসংজ্ঞাঃ মুঃ।

নান্তিঘির্যন সোহখিঃ অঘেরচ্ অঘাচ্ অর্চ্চ যশ্চ অচ্যো তৌ তদ্ধিতোচ তো অচ্যো চেতি তাচ্যো। ততো অঘাচ্চ তাচ্যোচঈপচেতি। "যাদৃগ্জাতীয়স্য প্রতিষেধোবিধির পিতাদৃগ্জাতীয়স্যেতি ন্যায়াদাহ ঘিবর্জস্যাদেরজিতি" ভিন্নবিষয়ত্বাৎ পূর্বেষামমূর্ত্ত্য ভাবেহস্যনিত্যত্বং।

### ৯৯। সংখ্যাবড্ডত্যতুবহুগণানেপি।

ডত্যতু বছগণানাং সংখ্যাবৎ কার্য্যং স্যান্নত্বীপি।

#### ইতি সংজ্ঞাপাদঃ।

সংখ্যাইব সংখ্যাবং। ডতাতু প্রত্যয়ৌ তেন তদন্তাঃ কতি যতি ততি যাবন্তাবদেতা বং কিয়দিয়ন্তঃ। কার্য্যন্ত কতিকৃত্বঃ কতি কতিশঃ ইত্যাদি। নেপীতি বিষয়সপ্ত মীয়ং। তেন ঈশিকর্ত্তব্যে সংখ্যাবন্ধ স্থ্যারিত্যর্থঃ। তথাচ যাবতী বস্থীত্যাদৌ নমন্ সংখ্যাস্বস্ক্রাদেরিত্যনেন ঈপিনিষ্টেধানস্যাদিতি।

#### ৬ অধ্যায়ঃ।

ष्पज्य पुर्विक्रभकः।

রামদ ইতি স্থিতে।

## ১००। स्नार्विः रक।

সকাররেকয়োর্বিঃ স্যাৎ ফে পরে। রামঃ ঔজ্সোঃ সন্ধিঃ রামৌ রামাঃ। পয়স্থান্ তেজস্বী রক্তস্থান্ইত্যাদৌ সকারস্য বিসর্গনিষেধায় নদং তদোত্বস্তাবিধিচে ত্যনেন সান্তস্য পদসংজ্ঞানিষেধাজ্ঞাপয়তি অদান্তে স্রোর্বিসর্গোনস্যাদিতি। তেন দান্তে স্থিতয়োঃ সকাররেকয়োঃ কেপরে বিঃস্যাদিত্যর্থঃ। রামঃ পয়ঃ গীঃ ভবাবঃ বিদমতৌ অবেঃ। স্পর্যপ্ত অপাস্পাঃ দান্তবং সভীতি দান্তত্বে পয়োভ্যাংপয়ঃস্কই ত্যাদি। এবং সতি দান্তেবিধানেনৈবেইসিদ্ধৌ কগ্রহণন্ত জ্ঞাপকসিদ্ধমনিত্যমিতি ন্যায়াদদান্তেংপি স্যাদীয় হসপরত্বাৎ গীন্তঃ ধূম্ভইত্যাদিসিদ্ধার্থং। কেচিং দান্তেপি ন্সাং।

### ১०১। स्रिकार श्रम्भमार्त्तलि ।

স্বাদীসংজ্ঞকাচ্চ পরস্য ধেরমশসাদেশ্চ লোপঃ স্যাৎ। হে রাম রামং রামৌ।

অ্মচ্ শসচ্ অমশসৌ তয়োরাদিঃ অমশসাদিঃ ধিশ্চ অমশসাদিশ্চেতি তস্য। অত্র দীগ্রহণং অমশসোরাদিলোপার্থমেব। হেলক্ষি হেবধু ইত্যাদৌ স্কুজ্রদীত্যাদিনা দ্ধস্থে কৃতে দ্ধস্থাদেব ধিলোপ সিদ্ধেঃ। প্রাপ্তইঃ কামোযেন সপ্রাপ্তেঃ দুইউঃ শিবো যেনসদুষ্টোঃ ইত্যেতয়োস্ত হেপ্রাপ্তে হেদুষ্টো ইতিস্থানিবত্ত্বেন ক্রস্কুপরত্বাৎধিলোপঃ কিঞ্চ দীস্বাৎধ্যমশসাদের্লোপইত্যনেনৈবেইটিদ্দ্ধে স্বদীভ্যামিতি গৌরবং কথং কুচি मना তোহপি ধের্লোপার্থং। তেন গন্ধর্মবাচকদা তে ইতি শব্দসা হেতে ইতি এবং প্রাপ্তাঈর্লক্ষীর্যেন অদ্যাপি হেপ্রাপ্তে ইতি। ঐঞবেস্থাতে বিবৃপি জীর্ঘোহন্তা ইতি দীর্ঘে কৃতঊর্যেনসকৃতে। অস্যাপি হে কৃতো ইতি। অত্র রামানন্দকাশীশ্বরৌতু একজাহপি থেলোপ ইতি স্তবংক্তা হেপ্রাপ্তে ইত্যাদেখিলোপমাহতুঃ। এবং তেবৃত্ত দেবৃঙ দেবৃঙইত্যাদীনাং ক্বিপি যোর্লোপইতি বলোপে হেতে হেদেহেসেইত্যাদাবপি ধের্লোপইতি কাশীশরঃ! বস্তুতস্তু তেবুঙপ্রভৃতীনাং কিৃপি কৃতে কিৃপনিমিত্তকতয়া বিশেষেণ ছোঃ শূটাবণোঞস্কাবিত্যাদিনা উটিসন্ধো হেত্যূঃ হেদ্যূঃ হেস্যূঃ ইত্যাদি কমেব সাং। এবঞ্চ স্থদীভাাংধিদ্ধতোলোপ ইতিকৃতে দিতীয়ায়াঅং অকারঃ দ্বাৎ ধিশ্চ দ্বচ্চ দ্বয়োঃ সমাহারেধিদ্বাৎ তথা। ইতি ব্যাখ্যানেনৈবেইটিসিদ্ধৌ ধ্যমশ্সাদে রিতি গৌরবং অজরংকুলমিত্যত্র অমাদেশস্যাপ্যকারলোপার্থং। ধাতারং পিতরং ইত্যাদৌ "লোপ স্বরাদেশয়োঃ স্বরীদেশোবিধির্বলবানিতি"ন্যায়াদাদৌ বুদ্ধৌগুণেচ অ মাদিলোপোনস্যাৎ অত্র ধৌমাতৃক্স্য মাতঃ পুল্রস্তুতৌ ইতি বক্তব্যং। হেগৌরী মাতঃ কার্ত্তিকেয়। ধৌকিং গৌরীমাতৃকোগণেশঃ। স্তুভৌকিং অরে দাসীমাতৃক। পুত্র সাকিং হেগঙ্গামাতৃকৈ কন্যে।

# >०२। **শস্**नामि र्यंः।

শসি নামি চ পরে স্থস্য র্ছঃস্যাৎ।

স্বাদের মূব্স্তাবিপ দীসংজ্ঞস্য দীর্ঘান্তত্বেন দীর্ঘকরণং বৃথেতি দ্যানামুবৃত্তিঃ ইত্যত আহ স্বস্যেতি। স্বসম্বন্ধেন কারেণ সহিত আম নাম। তেন যজ্বনাং দণ্ডিনাং ইত্যাদৌ নপ্রসঙ্গঃ। কিঞ্চ আমোগ্রহণেনৈবেষ্টসিদ্ধৌ নামীতিকৃতং আগমাদেশ মোরাগমোবিধিবলবানিতি ন্যায়স্বীকারার্থং। তেন ক্রোফ্ট্নামিত্যক্র আদৌ মুমি তৃণাদেশোনস্যাং। এবং প্রকৃতে দীর্ঘে দীর্ঘস্য স্থানিবত্ত্বেন ক্রস্পরত্বাৎ যথা শসো নকারবিধানং তথা আমোমুমাগমোনস্যাদিতি জ্ঞাপনার্থঞ্চনামীতি কৃতং। অতএব ত্বঃ বিষ্ণুঃ সহ এন বর্ত্ততে যঃ স সাঃ বিগতইর্ম্মাৎ সবীঃ তেষাং সাংব্যাং ইতি।

## ১০৩। পুংসি তুশস্ন !

चारभारः भम् नमार भूरिलाकः। तामान्।

व्यगिषिमञ्चर श्रूर इं डिटिट गट्म उं म्डानिम स्वरः। व्यगिषिम पि कञ्चर श्रूर स्वि टिट वृक्षाणी उम् जाने निर्माण अर्थ व्यगिषिम स्वानिम स्वानि कञ्चर क्षेत्र मिठिट स्व जाने । अर्थ व्यगिषिम स्वानिम स्विम कञ्चर क्षेत्र मिठिट स्व जाने । उम् जाने । अर्थ व्यगिषिम स्वानिम स्विम क्षेत्र श्रूर क्षेत्र मिन्न श्रूर क्षेत्र मिन्न । अर्थ स्वानिम स्वरः अपि क्षेत्र श्रूर स्वानिम स्वरः । अर्थ स्वानिम स्वरः अपि क्षेत्र श्रूर स्वानिम स्वरः । अर्थ स्वरं स्वरः श्रूर स्वानि । स्वानिम स्वरः । अर्थ स्वरं स्वरः श्रूर स्वानि । स्वानिम स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । अर्थ स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । अर्थ स्वरः स्वरः स्वरः स्वरः । अर्थ स्वरः स्वरः । स्वरः । स्वरः । स्वरः स्वरः । स

### ১০৪ । টাভিস্ডেওসিওসোসামিনৈসয়াৎস্যয়ে। সোহতঃ।

অকারাৎপরেষামেষাং স্থানে ইন ঐস অয় আৎস্য যোস এতে ক্রমাৎস্থ্যঃ। স্বস্তুত্বাদত্র প্রংসীতি নাম্বর্ত্ততে। তেন ক্লীবেহপি জ্ঞানেন ইত্যাদি। ঐসস্তাৎ করণং নির্ক্তর্বসং নির্ক্তরসাদিত্যেতদর্থং।।

## ३०७। युँ त्नीम् रिखं त्नाश्वकृश्वस्त्रशाजकाञ्चश कृय्वाङ्गारम् स्मार्गितिका हर्तने स्व व ।

বকারাদ্রেকাদুবর্ণাচ্চ পরস্যাদান্তেস্থিতস্য নস্য ৭ঃ স্যাদ্যাদ্বক বর্গপবৃর্গব্যবধানেইপি। যত্র দেনস্ততোহন্যত্র গতান্ত্ব পরস্য সাদ্বি হিতেনেপা স্যাদিনা চ সহিত্স্য পকাদিবর্জ্জিতস্য স্যাৎ তলৈয়বৈকাচ সক্বর্গাচ্চান্যস্য বা স্যাৎ। -রামেণ।

ষচ রচ ঋশ্চ দ্রা তন্মাংদুঃ। সূত্রত্বাৎ পুংস্ত্রং এবং সর্ব্তত্তন দান্তোহদান্তঃ তন্মিন্। অবশ্চ কূশ্চ পুশ্চ অবক্পবঃ। তৈরম্ভরং ব্যবধানং অবক্পৃন্তরং তিমান্। ভঞ্চ তৎ দঞ্চেতি তদ্ধং ন তদ্ধং অতদ্ধং তম্মাধ। গঙ্গায়াং ঘোষঃপ্রতিবসতীত্যত্র গঙ্গায়াৎ বসতেরসম্ভবাৎ গঞ্চাশব্দেন যথা লক্ষণয়া গঙ্গাতীরমুচ্যতে তথাতাপি অতদ্শব্দে ল ক্ষণয়া অতদ্বস্থিতাঃ ষকাররেক্ষ্মবর্ণাউচান্তে। ইতাত আহ যত্র দেনস্ততোহন্যত্র গতা দিতি। অন্যথা পদাবয়ববর্ণানাং পদসংজ্ঞাভাবাং নকারবং পদস্যাবয়ববর্ণানাং ষকাররেক্ৠবর্ণানামপি অতৎপদত্বেহনর্থাপত্তি?। পরুষ্ট যুবাচ অহশ্চ পকুষু বাহানি পকুষুবাহ্নাং নকারোধ্যকারমধ্যে সোহপকৃষুবাহঃ। তুস্য নকারস্য অপ**কৃ**ষু বাহঃ। অত্রামনন্দকাশীশ্বরৌ তু সাদীপ্ সেপ্ সেপ্চ স্যাদিশ্চ সেপ্স্যাদী অভিনাং সহ বর্ত্তমানঃ সমেপ্সাদিঃ। ইত্যাহতুঃ। তদ্ধেয়ং। স্যাদিনা সহ সমাসস্য সম্বাভাবে শরোবেগেন গচ্তীভাদাবপি ণত্বাপত্তেঃ। বস্তুতক্ত ঈপচ স্যাদিশ্চ ঈপ্ मानि मार ममामार भारती क्रेश्मानि महत्र्श्मानिखारवर्ख्ट याहती मतम् मानिः। তमा नकांत्रमा मरमश्मारिकः। একোইচ यमा मधकांठकूः कवर्शवान् উপচারাৎ একাচ্চ কুম্চেতি একাচকুঃ নএকাচকুঃ একাচকবর্গবচ্ছব্দসম্বিদ্ধিনকা চকুঃ। তস্য নকারস্য নৈকাচকোঃ। অয়মর্থঃ। ষকাররেকঞ্চবর্ণভাঃ পরস পদান্তে হিত্স্য নস্য গঃস্যাৎ। অবকবর্গপবর্গব্যবধানেহপি অপিশব্দাদব্যবধানে অবক্রর্গপর্গভিন্নবর্ণব্যবধানাভাবেসতীত্যর্থঃ। যথা পূষ্ণাং চতুর্ণাং নৃণাংনু ণাং। অবইহ প্রথম বকারান্তঃ। অন্যথা গবলেন চারুঞেন জ্রাণেন চারুনয় त्मन कर्यनः मृद्वन वर्ष्णनः वर्ष्णनः की फुनः वर्षनः हेका मार्यान पदानाखः। অবকু: পৃন্তরে যথা চরণৎ ছানৎ হরিণা জীণঃ তরুণঃ জ্রনাৎ শরেণ রোপনংক্রৈণঃ রৌ

পোণ বর্হেন কার্যোণ প্রবণং অর্কেণ মূর্খেণ বর্নেণ অর্ঘেণ শৃঙ্গেণ স্থূর্পেণ রেফেণ অর্ব্বণং দর্ভেণ ধর্ম্মেণ ইত্যাদি। যত্র দেনইত্যাদি। নকারবং পদভিন্নপদস্থিতাং ষুস্ত পরস্য সমাদোত্তরবিহিতয়োরীপদাদ্যোরেকতরেণ যুক্তস্য পকুযুবাহঃ সম্ব ন্ধিনকারভিন্ন্য ণঃস্যাৎ। তদ্যৈব সমাসোত্তরবিহিতয়োরীপ্স্যাদ্যোরেকতরেণ যুক্ত স্য একাচ সকবর্গশব্দসম্বন্ধিনকারভিক্ষ্স্য নস্য ণোবা স্যাৎ। উভয়ত্র অবকুপৃশুরেহপী তিবোধ্যং। যথা হরিংভাবয়িতুংশীলমস্যা ইতি হরিভাবিণী হরিভাবিনী এভা বিণা জীভাবিনা। পকুভাজনাৎ স্যাদিসম্বন্ধিনোইপি। শ্রীভাবেন শ্রীভাবেণ। সমা সোত্তরবিহিতেপোগ্রহণাৎ হরেন্ডাবিণী হরিভাবিনী ইত্যাদৌ ন সাাৎ। একাচসক বর্গয়োস্ত বুত্রহণে রম্যবিণা একামিণী একামেণ। পকাদেস্ত গুরুপকের চারযূনা দীর্ঘহা। যত্র লিঙ্গদন্মস্য সমাসস্তবৈত্রৰ সবৈপ্সাদেরনাস্য নস্য এবং নস্যাৎ। যত্রতু ধাতুনা সহ প্রাদেঃ সমাসন্তত্র নেয়ং ব্যবস্থা। তেন প্রণদতিপ্রহণীসত্যাদৌ ণত্বং স্যাদে ব। এবং ভ্রষীপূর্কেণ সম্বন্ধী মূনেদাতু পরগামিনৌ। চত্তারোযোগবাহাখ্যাণত্বকর্মণ্য ইতি পূর্ঝলিখিতাদমুস্বারবিসর্গজিস্থামূলীয়োপদ্বানীয়ৈর্ব্যবধানেঽপি ণত্বংস্যাৎ। যথা বৃংহণংউরঃকা। বর্কায়েণ উবঃপেণ ইত্যাদি। ক্রঞ্চতি রঞ্জয়তি তৃম্পয়তি তৃন্দয়তি রয়য়তি রম্ভয়তি ইত্যাদৌ ঝসপরত্বাদ্বলবতাম্মৌম্রর্মসীত্যনেন আদৌ নস্যামুস্বারেঞ্জে ঞমনোরিত্যনেন পুনরমুস্বারস্য ঞকারাদিঃ স্যাৎ। কৃন্ততি গ্রন্থতে ক্রন্দন্তি রুম্বন্তি ইত্যাদো তু তথদধেষু পরেষু নস্যাত্রসারে পুনরত্বারস্য ন কারে সকুদ্যাতোবিপ্রতিষেধোয়দাধিতগুদ্বাধিতমেবেতি ন্যায়াগ্লন্থং নদ্যাদিতি। কিন্ত 🛪 ক্লিদা তঃক্ষিণ্ণ ঞ্পাকুদ ক্ষ্ণ অর্দসমর্ণঃ ইত্যাদৌ নকারে পরেই হুস্বারাভাবাৎ পূর্ব্ব নকারস্য ণত্তেষ্টুভিরিত্যাদিনা পরনকারস্যাপিণ ত্বমিতি। কিন্তু ভিদির নির্ভিন্নঃ মিদা প্রমিনইত্যাদৌ পূর্বপদস্থনিমিরার বাসাগান্তকারেতি সমাসে ইপ্স্যাদ্যোরেকতরেও ন কারস্য সম্বন্ধাভাবাগ্ণত্বং ন স্যাদেব। অকাপি ণ্ডামিত্যেকে। প্রয়াণীয়ং প্রমাপ ণীয়মিত্যাদে তু নোচোহন্তরছর্গেরিত্যাদিবিশেষবিধানাগ্নন্থ স্যাদিতি। শক্ষ্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ কেষাঞ্চিন্নবিধিহেত্বভাবেহপি স্যাৎ কেষাঞ্চিদ্বাস্যাৎ কেযা ঞ্চিন্নবিধিহেতোরপি ন স্যাৎ। তদেবাহং বিবৃণোমি। পূর্বাদমুণাশ্লিণোনোংবকু পুত্তরেহপি পূর্বপদস্থিতসকাররেকঋবর্ণেভাঃ পরনা নসা ণঃস্যাৎ। সংজ্ঞায়ামব কবর্গপবর্গভিন্ন বর্ণব্যবধানাভাবেসতি। ইত্যধিক্রিয়তে। শূর্পণখা ক্রণসঃ নাসি কায়ানসঃ সমাসে বক্তবাঃ স্থরণাদঃ নারায়ণঃ পারায়ণঃ উপ্তরায়ণং অগ্রণীঃ গ্রামণীঃ অক্ষমূহিতুং শীল্মসাঃ অক্ষেহিণী সেনা পাশকস্ত্রীচ। অন্যত্র অক্ষমান্দ্রয়মূহিতুৎ শীলমসাঃ অক্ষোহিণী স্ত্রী। নাম্মি কিং। শুষ্কনখঃ তাদ্রনখঃ। অবকুপুত্তরেহপীতি কিং। ত্রিলোচনঃ। অগ্রেকোটরা সিধুকা মিশ্রকা শারিকা পুরগাভ্যোবনস্য নামিতু।

নবস্যাত্রো অগ্রেবণং সপ্তম্যা অলুক কোটরাবণং সিধুকাবণং মিশ্রকাবণং শারি কাবণং পুরগাবণং অস্য দীর্ঘোবক্তব্যঃ। শরাম্রকার্যাপীযূকাখদিরপ্রনিরন্তরিক্ষু প্রক্ষেত্যঃ। এতাঃ পরসা বনসা নসা ৭ঃস্যাৎ সংজ্ঞায়ামংসজ্ঞায়াঞ। শরবণং আদ্র বণং কার্য্যবণংপীযূক্ষাবণংখদিরবণং প্রফুটং বণং প্রবণং বনাত্মির্গতং নির্বণং বন मान्तिः अग्रर्वनः रेक्वनः क्षक्रवनः। এতाः किः। रेक्ववनः। विजाटाविकाटाव থেশ্চাহতিমির্বা। দ্বোবা ত্রয়োবা অচোযস্য সদ্বিত্রাচঃ। ওযধ্যঃ ফলপাকাস্তাইত্য মরঃ। দিত্রজবৃদ্ধাংদিত্রজোষধেশ্চ পরস্য বনস্য নস্য গঃস্যাদা নতু তিমিরাদেঃ পরস্য। শিগুবণং শিগুবনং শিরীষবণং শিরীষবনং ত্রীহিবনং ব্রীহিবণং হরিদ্রাবণং হরিদ্রাবনং। দিল্যাটঃ কিং পারিভদ্রবনং রাজমায়বনং। বৃক্ষোয়ধিভাণ্ কিং দূর্কাবনং। অবকুপৃন্তরে পীতিকিং পর্কটাবনং কর্কটাবনং। তিমিরাদেস্ত তিমি व्रवनः हैविकावनः তাविकावनः विमात्रीवनः ভिक्तिवनः। आपनंगमा। अनमः নির্ণসং ছুর্ণসং পরিণসং। বাছাদাহনস্য। উহাতে যথ তদাহুং। নিমিত্তবভোৱাহ্যাৎ পর্মা বাহনমা নমা গংস্যাৎ। ইক্ষুবাহণং দর্ভবাহণং শকটং। অবকুপুত্তরেহপীতি ब्राक्रवाह्न यमा উद्याद्य उपनव गेयुर। एक श्री भववाह्न छित्राजीनर भक्छेर ইত্যাদৌন স্যাৎ। দেশে পানস্য। পূর্ব্বপদস্থিত্যকাররেফখবর্ণেভ্যঃ পরস্য পানস্য নস্য नःमार प्राप्तिकारा । श्रीयाक यर कर्शनार कर्मनागते । कीवरशान्तर व्यवार क कीव পাণা উশীনরাঃ সৌবীরপানাবাহ্লীকাঃ ক্যায়পাণাগান্ধারাঃ। অবকারণয়োরনচি বা। ক্ষীরপাণং ক্ষীরপানং। ক্ষীরং পীয়তেহর্নয়েতি ক্ষীরপাণী ক্ষীরপানী পাত্রী। ভাবকরণয়োঃ কিং। উফ্রেণ পীয়তেহস্যামিতি উক্রাপানী পাত্রী। ত্রিচতুর্ভ্যাং হায় নস্য বয়সি নিতাং। আভ্যাৎপরস্য হায়ন্ত্রস্য নস্য গঃ স্যানিতাংবয়সি। ত্রীণি হায়না বি বয়োহস্য ত্রিহায়ণঃ চতুর্হায়ণোবৎসঃ। বয়সি কিং। <del>"ত্রি</del>হায়নাশালা। বয়স্ত গতপর পরমায়ঃ প্রাণধারণকালঃ।। অন্তরোহয়নহনোহবদেশে।। পর্মা অয়ন্সা পরশ্চ ন্সা গঃসাগতু দেশে বাচ্যে। অন্তর্য়ণং অন্তর্গনং। দেশেতু অন্তর্য়নোংশুর্হননোদেশঃ। গিরিনদ্যাদয়োবা। নিপাত্যেতে। গিরিণদী গিরিনদী স্বর্ণদী স্বর্নদী গিরিণদ্ধং গিরিনদ্ধং বক্রণিতয়া বক্রনিতয়া মাযোনঃমাযোগঃ বক্রণদী বক্রনদী গিরিনিতমঃ গিরিণিভমঃ ইত্যাদিরাকৃতিগণঃ। এতে যথোক্তলিঙ্গাএ ব নিপাতাাঃ। তেন গিরিনদঃ বক্রনিভম্বইতাাদৌ ন স্যাৎ। প্রস্থাপহায়নাদি। নিতাং নিপাতাতে। পূর্কাপসায়ণাঃ অপরাপহায়ণাঃ নির্বিনঃ অধায়নে জড়ঃ বি রক্তঃ। লবণোবাসে অন্যত্র লয়তেই নেনেতি লবণঃ খড়নঃ লুনাতীতি লবনঃ। ৯ দম্ভরাভ্যাং ব্যবধানে। ৯বর্ণেন পদান্তরেণ্চ ব্যবধানে নস্য ৭ঃ স্যাহ। প্রক্রপামাণ্ পরিক্রপ্যশানং হরিপেহগামিণী শরবেগভরে।। পদেযাই।। পদেপরে যঃ ষকার ন্তক্ষাৎ পরিস্য নস্য গোন স্যাৎ। সর্পিপ্পানং নিপ্পানং মুপ্পানং। পদে কিং। পীত সর্পিকেণ। ক্ষুপ্লাদেঃ। ক্ষুপ্লাডাদীনাং নস্য গোন স্যাং। ক্ষুপ্লাডি ক্ষুপ্লীতঃ তৃপ্লো তি বিষ্ণপ্লাডি নরীনৃত্যতে নরিনর্ত্তি নরীনর্ত্তি নরিজি পরিনদনং দুর্নদ্ধিঃ দুর্মদ্ধঃ। সং জ্ঞায়াঞ্জঃ। প্রথমস্থত্তেণ প্রাপ্তং গত্তং ন স্যাং। যথা আচার্য্যভোগীনঃ হরিনন্দী গিরিনগরং শর্রনির্বেশঃ পরিনর্ত্তনং পরিগহনং হরিনন্দনঃ স্বর্ভাস্থঃ দর্ভাস্থঃ স্ক্রনটঃ হর্যান্ত্রঃ শর্রনিবানঃ ঋগয়নং দুর্নামা নরবাহনঃ নৃনয়নং হরিনাথ ইত্যাদির্ফা কৃতিগণঃ।

#### ১০৬। আজিমভি।

অকার আকারঃ স্যাৎ ক্রেম্ভবেষু পরেষু। রামাভ্যাং রাইমঃ রামায় রামাভ্যাং।

অত্র অইতিলুপ্তপ্রথমৈকং আইতিলুপ্তপ্রথমৈকমিতিরাদানদাঃ তদ্ধেরং। কেনেত্য ইত্যত্র অস্যামূর্ক্তা অবর্ণপ্রাপ্তের উমাভিরিত্যাদাবিপ এত্বাপত্তেঃ। বস্তুতস্ত্র মপ্তূ কপলু তাধিকারাৎ টাভিস ইত্যক্ষাদতইতিপঞ্চযান্তমপিপ্রথমান্তং ভূত্বামূর্বর্ততে অর্থ বশান্ধিভক্তিবিপরিণামইতিন্যারাৎ। মকারবকারৌ ত্যাদেরের স্যাদাবসম্ভবাৎ। যথা ভবারঃ ভবামঃ। নমু রামমিত্যাদৌ কৃথমাকারোন স্যাৎ অকারলোপস্যসার্থকত্বদি ক্রিক্রেয়। হরিং বিষ্ণুমিত্যাদৌ তস্য সার্থকত্বাৎ। বস্তুতস্ত্র ভবয়োঃসাহচর্য্যাৎ বিভ:ক্রেরাদ্যবয়বমকারেপরেইত্যর্থঃ। অতএব ত্বাংমামিত্যাদি সাধনার ওেন্যোর্মকারে ক্তেংপি সভদৌশ্বাভইত্যাকারংবিধাস্যতি।।

## ১-৭। (ईস্ভ্যো

অকার একারঃ স্যাৎ ক্তের্কে সভয়োঃপরয়োঃ। রামেভ্যঃ রামাৎ রামাভ্যাং রামেভ্যঃ রামস্য রাময়োঃ।

আদিত্যমূবর্ত্তে। অকারাৎপরয়োস্ত্যাদের্বছবচনীয়সভয়োরসম্ভবাৎ স্যাদেরের তয়োর্গ্রহণং।

## ३०৮। खूमोमः अम्ताश्मरशार्कः।

चाम्हारभात्रयगान्त मः शासाम्क भत्रमाभारमी सूम्मार्थगरद्य। त

উকারোহয়বন্ধস্ত প্রকৃতিপ্রত্যয়য়প্রপাতী আগমউদিন্ধ তস্য চিহ্নমিতিপ্রাচীন
মতায়বাদার্থঃ। স্বমতে তু প্রকৃতেঃ প্রতায়স্য বা সম্বন্ধিজায়মানোহয়প্রযাতী বঃসউ
দয়বন্ধস্ত দ্রিনোহিপা আগমউচ্যতে। তেন প্রিম্থাভুক্ষামিতিনম্ শীটার্থীম্বনিতি
অম্ বসোরস্যেতি ইম্ যনঞ্জিং কুদিতি যন্ রুদাদ্যস্তীতি ঈম্ ইত্যাদ্যোহপ্যাগমাঃ।
মিন্তাদাম আদৌ। আমিপরে নকারেইনবেইসিদ্ধৌ আমোয়ম্বিধানং নকারস্য
আমসম্বিদ্ধার্থং তেন নকারস্য স্যাদীয়হসত্বাৎ ক্ষমংজ্ঞায়াংপঞ্চানামিত্যাদৌ নোলু
পে্ফধারিতি নস্য, লুপ্। বচষচ ন চেতির্ফ সংখ্যাচাসৌর্ফেচেতি সংখ্যার্ফঃ। ততঃ
সক্ষ দীচ আপচ সংখ্যার্ফচেতি। যথা রামানাং হরীনাং বিষ্ফুনাং পিতৃনাং শক্ষ
নাং গৌরীনাং বধূনাং উমানাং চতুর্নাং প্রয়েষ্বাং প্রয়পঞ্জ্ঞামিত্যাদৌ ন স্যাং।
মুখ্যানানের গ্রহণং। তেন প্রয়চতুরাং প্রয়ষ্বাং প্রয়পঞ্জ্ঞামিত্যাদৌ ন স্যাং।

## ১০ । ক্লি। ক্তোইসাৎ সংযোহদান্তে মুব্য ন্তব্যে ইপিশাসবস্থসসাঢ়াঞ্চ।

় কবর্গাদিলাচ্চ পরঃ ক্বতঃ সাদ্বর্জো দমধ্যগঃ সকারঃ শাসাদেশ্চ ষঃ
স্যাৎ মুবিব্যবধানে ২ পি। এত্ববত্বে। রামেষু এবং মুকুন্দানন্দ
গোবিন্দাদয়ঃ।

কুশ্চ ইলশ্চ ক্বিলং ওস্মাৎ। স্থশ্চ বিশ্চ স্থবী স্থবিভাগিষ্টরং ব্যবধানং স্বান্তব্ তিনিন্। যথা বাকুপ্রাণ্ডযু হরিষু গৌরীষু বিষ্ণুষু বধূষু পিতৃষু শক্ষমু রামেষু গোষু অনৈষীৎ নৌষু গঙ্গয়েষু পাপবয়ু চতুর্যু হলমু। কৃতইতিপ্রত্যয়াদেশাগনানামেকতম সইক্ষীত্যর্থঃ। কৃতঃ কিং। স্থগতৌ যন্তি সেপ্রীয়তে। স্কাৎকিং। হরিসাৎ করোতি স্তৃতং। অদান্তে কিং। হরিঃ। স্থব্যবধানে যথা হবীংষি ধসুংষি। স্থবিহন্ত্র মনা দাবিত্যাদিনা বিহিতোনগ্রেবনম্বস্থারঃ। অন্যথা পুংস্ইত্যাদাবিপ ষত্রাপত্তেঃ। বিয়বধানে যথা। পেস্গত্যাং ব্রীসক্রেষকিবধে এভাঃকৃপি পেঃষু ব্রীষু বুষু ইত্যা দৌ সম্য বিমর্গে ষত্রং। মর্পিঃষু ধন্তঃযু সজ্ঃষু দোঃষু। এষু অন্তরঙ্গরাদাদৌরঙাে বিমর্গে ষত্রং। নচ নিরবকাশাদাদা ষত্রং ততােবিস্গ ইতিবাচ্যং তর্হি অহঃস্ইত্য তাাপি ষত্রাপত্তেঃ। অতএব নিরবকাশাদিপ অন্তরঙ্গনৈয় বলবত্তাং টাওস্যারিনা তৌ বাধিম্বা জরসাদেশে নির্দ্রর্মী নির্দ্রন্যঃ ইতি স্বয়মুদাহতং। শাসবস্থসাং পৃথক গ্রহণাদক্তোংপি সকারঃ কিবাৎ পরঃ ষঃ ম্যাং। যথা শিষ্টঃ উষিতঃ যক্ষতুঃ। নিট্রমাং পৃথক্গ্রহণাৎ কিবাপেকা নান্তীতিবাচ্যং শান্তি বসতি ম্পতি ইত্যাদাবিপ ষত্বাপত্তেঃ। সাচস্ত বহুজগণজৌ ইত্যান চান্তজবহুসহ ইতি গুণান্ত্র্যা সকারোছ্

मा पिसा हे जातन क्ञ এव পृथ ग् श्रद्भाष क्रिका (श्रक्ता मारिस) यथा जूता यहि सञीयाहे জলাষাট্ পৃতনাষাট্ তুরাষাজ্ত্যামিত্যাদি। সাত ইতিতান্তনির্দেশাং যনংখাতোভাবি ত্যনেন ঢঃ সাভিত্রেব ষত্ত্বং । তে তুরাসাথেইত্যাদিয়্ নস্যাৎ । কিঞ্চ তুরা ঋতী পৃতনা পূর্বসা সাঢএব যত্ত্রংসাং অন্যত্র বিশ্বংসহতে বিশ্বসাট ইত্যাদৌ যত্ত্বং ন স্যাদিতিকে চিং। সমাহারেটাবেকী দিদ্ধৌ শাসবস্বস্সাচামিতি বহুবচনং গণার্থং। তেন শাস ৰসঘসামিব কৃচিদক্তসকারোহপি ষংস্যাৎ। যথা যওলুকিচোকোসাদেরকৃতোহপি সকারঃ ষঃ স্যাৎ সকারেপরে। কুষা ইপ্লিয়ি যঙোলুকিদিতাদি কীবিভক্তেঃ সিপ্ ইমোহপ্রাপ্তিপকে খের্ফুলধাতোশ্চ গুণোহনেন সমা ষত্মে ফুভিরিতা।দিনা পরসকার স্যাপি ষত্মে চোকোদ্বি। অত্র অক্ত্রসকার্স্য ষত্রবিধানসামর্থাং ঘটোঃকঃসে ইতি কোন সাং। অন্যথা প্রক্রিয়ালাঘবার্থং দস্তাসকারস্য ককারমেবাকরিষ্যং। মেব জৌমরা:। এবস্তু সপ্রানেতোতোত্বিপেসপি স্থপত্যাংদ্বয়োঃ পেপেদ্বিইত্যাদি এবং স্থতেইদান্তে ইত্যাক্বা বৃত্তৌ দমধাগইতি ব্যাখ্যানং সমাসে কৃচিদ্দমধাগত্বেহপি ষত্রংস্যাদিতিস্থচনার্থং। তদেবাহং বির্ণোমি। অগ্নাঙ্গুলিভীরভাঃ স্তুৎসঞ্জা नानार मा। এভাঃ পরেষাং ক্রনাদেষাং সকারঃ ষঃস্যাৎ সমাদে। অগ্নিউুৎ অঙ্গুলিষঙ্গঃ ভীরুষ্ঠানাং। সেকিং। অঞ্গুলীসঙ্গং ভজতে ভীরুস্থানং পশ্য। র্ঘান্তাগ্নেঃ त्माममा । मीर्घाश्टाः सामवङ्गासार्यं विजानतः श्रे मीर्घासाराः श्रे श्रे श्रे । प्राप्त । प्र স্যা সঃ ষঃ স্যাৎ সমাসে। অগ্লীষোমৌ। দেবতাদক্ষেকিং। অগ্লিশ্চ ইশ্চ সোমশ্চ অগ্লী সোমাঃ। জ্যোতিরায়ুরগ্নিভ্যঃ স্তোমস্য।। জ্যোতিটোমঃ আয়ুটোমঃ অগ্নিটোমঃ। সেকিং। জ্যোতিঃ স্তোমে তৃণানাং। গবিষুধিভ্যাং স্থিরস্য। গবিষ্ঠিরঃ যুধিষ্ঠিরঃ। সপ্তম্যা অলুক্।। সেকিং। গবিভিরোভারেঃ যুধিন্দিরঃ শূরঃ। মাতৃপিতৃভ্যাং স্বস্থ র্বাতুমাতুঃ পিতৃ্ভ্যাং। মাতৃ্পিতৃভ্যাং পরঃস্বস্থঃ সংখংস্যাৎ সমাসে। মাতুঃ শিতৃ রিত্যেতাভাত্তে পরোংলুকসমাসে বা মাতৃষ্বসা পিতৃষ্বসা। মাতৃংশ্বসা পিতৃংস্বসা পি তুঃস্বসা। পিতুঃস্বসা। অভিনিবঃস্তানস বর্ণে। অভিনিবঃ পর্স্য স্তানস্য সংষ্ণস্যাদ র্ণে। অভিনিস্তন্যত ইতি কর্মণি ঘণ্ডি অভিনিষ্ঠানোবিসর্গঃ। বর্ণেকিং। অভিনিস্তানঃ। নিনদীভাাং রাতেঃ কৌশলে। আভাাং প্রমা স্নাতেঃ সঃ ষঃ ম্যাৎ কৌশলে। নি ষ্ণঃ নিষ্ণাতঃ নদীষ্ণঃ। তথাচ ভটৌ। "আতিথানিষ্ণাব্নবাসিমুখ্যা ইতি" চারকর্মণি নিষ্ণাতইতি "ততোনদীষ্ণান্পথকানগিরিজ্ঞানিতি" চ। কৌশলে কিং। নদ্যাং স্নাতি नमीसः निस्नाज्ञीर्थवाति। প্রাদ্রাগেস্কন্য। প্রাংপরন্য एम्। मः सः मा। দ্রাগে। প্রতিঠতে ইতিপ্রঠঃ অগ্রগেকিং যবানাংপ্রস্তঃ। বেঃ স্তোনামি। বেঃ পর্সাস্থাতেঃ সঃ যঃ স্যাৎ সংজ্ঞায়াং! বিউরো বৃহতীছন্দঃ কুশমূট্যাদিশ্চ। বিন্টারঃ পণ্ডিক্ত ছন্দঃ। নাম্নীতি কিং। বিস্তারো গৃহস্য বিস্তরঃ। বিকুপবিশমিভ্যঃ হুলস্য। বিপ্তল

কুঠলং পরিষ্ঠলং শম্যাঃ স্থলমিতিনিপাতনাদ্রব্যে শ্মিঠলং। গোভূমিদ্রিক্শ বৃংসুমঞ্জি পুঞ্জিদিবাাগ্লিবর্হিয়ঃ হৃদ্য।। গোষ্ঠং ভূমি গং দিসং ত্রিগং কুঠং অঙ্গু ং অঙ্গুঠঃ অঙ্গুঠা পুঞ্জিঠা প্ৰঞ্জিঠং দবিঠং অগ্নিঠং বহিঠঃ। এভাঃ কিং। ভূতঃ। স্থসা কিং। গোহিতিঃ। ইলাদেতি নামিভাতু বা। ইলাৎ পরস্য সঃ ষঃ স্যাদেকারে পরে নাম্মি নক্ষত্রাকু বা। হবিষেণঃ স্বয়েণঃ বায়ুষেণঃ। এতি কিং ত্রিস্ত্রোতাঃ। ইলাৎকিং। বিষক্সেনঃ। নাম্মি কিং। পৃথিবীদেনঃ। ভাতু ভরণিষেণঃ ভরণিসেনঃ অত্র কেকস্বইত্যত্র বাশকুীয়ব্যবস্থয়া হ্রস্বঃ ॥ স্থবিনির্ছ্ত্যঃ সমস্থত্যোঃ। স্থমং বিষমং নিঃযমং ছঃষমং। স্তমূতিঃ বিষ্তিঃ নিঃষ্তিঃ ছঃষ্তিঃ। নির্ভ্বহিরাবিঃ প্রাতৃশ্চ ভুরাং কথপফেযু । নিপ্পততি দুদ্ধরঃ বহিন্ধারঃ আবিন্ধারঃ প্রাদৃন্ধতং চতুষ্পাথং। নিসস্তপতাবলভাারতো। নিসঃ সঃ ষঃ সাাত্তপতৌ পরে ন তু পৌনঃ পুণ্যে। নিষ্ট পতি স্বর্ণং পরীক্ষকঃ সকৃদ্ধমতীত্যর্থঃ। অলভ্যাবৃত্তৌ কিং। নিস্তপতি স্বর্ণং নির্মাতা পুনঃ পুনর্থমতীতার্থঃ। নিঃস্কর্ত্তাঃ সামাদেধসন্ধেঃ। ক্রমাত্রাবঃ। নিঃমামা স্থা মা চুঃষামা নিঃষেধঃ স্ক্রেধঃ চুঃষেধঃ নিঃষক্ষিঃ স্কুষক্ষিঃ চুঃযক্ষিঃ। স্তব্যোহবাদাশ্রয় নিকটিয়োঃ। অবাৎ পরঃ স্তন্তঃ সঃ যঃ স্যাৎ আশ্রয়ে নিকটেচ বাচ্চে। গ্রামমবফীভ্য আন্তে। অবাইভৎ দেনা নিকটিভতেতার্থঃ। অম্বন্তাদি। নিপাতাতে। অম্বন্তঃ স ব্যেঠঃ অপর্চুঃ পর্মেঠঃ পরেমন্ত্রী সব্যেঠা ঋদন্তঃ ছ্যাযাঙ্গবিষাদৌ দেবিনৃষাগোষাশ্চ নামনি। সেকুঠঃ কপিঠলোমুনিং কপিঠলং গোত্রং প্রতিষ্ণাতং স্থতং পাণিনেঃ। নিষ্মঃ বিষ্মঃ পরিষ্মঃ নিষ্ডিঃ বিষ্তিঃ পরিষ্টিঃ স্থান্ত ছুণ্ট্ইত্যাদি॥ পরিস্থি তাদের্ম।। পরিস্থিতঃ প্রতিস্তরঃ নিস্তরঃ কুসরঃ ধূসরঃ স্থাস্থিত্বিঃ ছুঃস্থিতিঃ অভিস্থ যূযতিইতি ক্বিপি অতি স্তুম্থ ঈষদূনঃ সেতুঃ বহুসেতুরিতাাদি॥

## ১১০। শ্রের্জস্ঙেওসিঙীনামিসৈমী ৎস্মিনো ২তঃ।

অকারান্তাৎ শ্রেং পরেষামেষাং স্থানে এতে ক্রমাৎ স্থ্যঃ। সর্বে नर्कारेया नर्काया नर्कायान्।

নম্ম জসতিতামিশৈক্ষাৎ স্যাক্ষিন্ইত্যনেনৈবেইসিদ্ধে তেওসিভীনামিতিগৌরবং কথ মিতিচেন অতিসর্বায়েত্যত্র ফ্থান্সৈর্নস্যাৎ তথা অতিসর্বায়েত্যত্র স্যাদেশস্যাপ্রস ঙ্গাৎ। নচ টাভিদইত্যাদিনৈৰ ভবিষ্যতীতি বাচ্যং। তেনৈৰ সিদ্ধে ইহপুনঃ স্যাবিধা নাৎ ব্রিসংজ্ঞাভাবেংস্যাপ্রাপ্তে তেনাপি স্যোনস্যাদিতি দৃঢ়প্রতীতেঃ একস্যঙ্গৌ একাদিত্যপিকেচিৎ। •তন সর্বতোজয়মিছন্তি পুত্রাদেকাৎ পরাজয়মিতি।

#### ১১১१। व्याप्य स्मामः।

অবর্ণান্তাৎ শ্রেঃ পরস্যামাদে সুম্ম্যাৎ। এত্বত্বে। সর্বেষাং। শেষং রামবৎ। এবং বিশ্বাদয়োহকারাস্তাঃ উভ শব্দো দ্বান্তঃ। উভৌ২ উভাভ্যাং ৩ উভয়োঃ২। জিদ নেমে নেমাঃ শেষং স্ব্বেবং।

তাং অবর্ণাং তেন সর্বাসামিত্যাদি। উভশব্দোদান্ত ইতি। একত্ব বছত্ববিক্ষা-ভাবাৎ ইতি শেষঃ। এবং উভয়শব্দাং দ্বিচনং নপ্রযুজ্যতেতি সম্প্রদায়ঃ। উভ-রোর্ঘটঃ উভয়ে ঘটাঃ।

## ১১২। পূৰ্বাদেঃ স্মাৎস্মিনৌ বা তৌ।

'श्र्विचाः श्र्वां श्र्विचिन् श्र्वि। त्मिः तमवः। এवः श्रामग्रः। मत्मोश्र्रा हेणाणु हिन्नः नमः ममचाः श्र्विचा जन्न त्रचा जत्मधनाः। द्वरमधनामन्तरेच मणः चरेच चग्नस्र । नमा रिम्र श्रारेग्रवाः मूक्तः श्र्वान्तराग्रः। यहचान्न नमः चान्न। महिन्न यूँचान्न मार्किः। जिन्दिन मर्वान्न मधनानाः मिषितः। कालावतान्न कात्लन श्र्वान्न कर्गान नमः। किन। माधता माध नाः किन। जत्ला जल्लाः। त्मवः तामवः। अवः श्रथमामग्रः।। विजीयत्व विजीनान्न विजीनान्न विजीनाः। अवः श्रीनः। निर्क्तिः।

তাবিতিবৃত্তিঃ। তে গুনিঙী আংশ্মিনো বা স্যাতামিতার্থঃ। সমোহতুলাইত্যাদি।
তীয়োণ্ডিতীত্যন্তানামুদাহরণান্যাহ। নমইত্যাদৌ। স্বয়ন্তুবেনমঃ ইত্যরয়ঃ। স্বয়
দ্রুবে কীদৃশায় সমস্বাৎ সকলাৎ পূর্ববিশ্ব পূর্বকালীনায় তত্র সমস্য অতুল্যার্থত্বে আং
পূর্বস্য কালবাচিত্বে দৈয়। পুনঃকীদৃশায় অমেধসাং নির্বৃদ্ধীনাং অন্তর্বস্ম বহিঃছি
তায় অত্র বহির্যোগবাচিত্বে দৈয়। পুনঃকীদৃশায় পরিধানবস্তায় সদাসংসর্গাৎ পরি
ধানবস্ত্রত্বনোপন্যাসঃ। অত্রোপসংব্যানবাচিত্বে দৈয়। পুনঃকীদৃশায় সতাংস্বদ্ধৈ
আত্মীয়ায়। অত্র আত্মীয়বাচিত্বে দৈয়। প্রত্যুদাহরতি। সমায়েত্যাদি। শার্ক্ষিণে
নমঃ ইত্যরয়ঃ। শার্ক্সিনে কীদৃশায় এয়ু জগৎস্ক সমায় তুল্যায় জগলয়য়ত্বাদিত্যর্থঃ।
অত্র তুল্যার্থবান্নিয়। পুনঃকীদৃশায় এমাং জগতাং মধ্যে পরায় শ্রেষ্ঠায় নিত্যত্বাদি
ত্যর্থঃ। অত্র দিগেদশকালানামবাচকত্বান্নিয়। কিমর্থং নমইত্যাহ মুক্তয়ে মে

ক্ষায় অর্থান্তরায় প্রয়োজনান্তরায়চ ধর্মার্থকানেভ্যন্চেত্যর্থঃ। অত্র বঁহির্যোগোপ সংব্যানয়োরবৃত্তের সৈ। পুনঃ কীদুশায় যতুস্বায় যদুনাং জ্ঞাতয়ে। অত জ্ঞাতি বাচকত্বান্ন দৈয়। পুনঃ কীদৃশায় স্বায় ধনায়। যদ্নামিতি সমস্তপদেন সম্বন্ধঃ। সমস্ত স্যাসমন্তেন নিত্যাকাজ্যেণ সঙ্গতিরিতি ন্যায়াং। অত্র ধনবাচিত্বান্ন ফ্রৈ। মল্লৈ র্ফীয়েতি পদ্যপুরকং। পুনঃ কীদৃশায় সর্বাদতিক্রান্তোহতিসর্বাস্তবৈদ্য অতিসর্বায় অত্র গৌণত্বান্ন স্মৈ। পুনঃ কীদুশায় সর্বায় সর্বসংজ্ঞকায় সর্বাঃ শর্বাঃ শবিঃস্থাণুরিতি সহস্রনামপাঠাং। অত্র নামন্তান দ্যে। পুনঃকীদৃশায় সাধ্বন্যানাং স্থিদিষে। माधवण्ड व्याना माध्यनाः उत्पार क्रमार माधृनारमध्या व्यानायाममाधृनार विषय শত্রবে ইতার্থঃ। সাধ্বন্যানামিতি দ্বস্থাসাম্ভিত্তান স্থমাগমঃ। স্থিদিয়েইতাত্র'সমা সাম্ভবিধেরনিতাত্বাকৈক্যাচ্চাদ্ধহোরিতানেন অপ্রতায়োন স্যাৎ। পুনঃ কীদুশায় জগতঃ কাল্যাবরায় কালেন কনিষ্ঠায় অত্র তৃতীয়াতৎপুরুষ স্থিতত্বান্ন স্মৈ। পুনঃ কীদৃশায় জগতঃ কালেন পূর্ব্বায় অত্র তৃতীয়াতৎপুরুষযোগ্যবাক্যন্থিতস্বান্ন স্মৈ। জসিতু সাধান্যে সাধান্যাঃ অল্লে অল্লাঃ এবং প্রথমে প্রথমাঃ চর্মে চর্মাঃ দ্বি তক্ষে বিভয়াঃ ত্রিভয়ে ত্রিভয়াঃ দয়ে দ্বয়াঃ ত্রয়ে ত্রয়াঃ অর্দ্ধে অর্দ্ধাঃ কভিপয়ে কভি পয়াঃ নেমে নেমাঃ। জৌমরাস্ত উভয়মপ্যয়ান্তং মত্বা উভয়ে উভয়াইত্যুদাহরন্তি। উভয়স্য জমি নিতাং প্রিসংজ্ঞেতি কালাপাঃ।

### ১১৩। জরস্জরাচি তু।

জরাশকো জরস্ বা স্যাদিচি পরে। নির্জরসৌ নির্জরসঃ নি র্জুরসং নির্জরসৌ নির্জরসঃ নির্জরসা। কেচিদাদাবিনাতাবিচ্ছন্তি নির্জরসিন নির্জরসৈঃ নির্জরসে নির্জরসাৎ ইত্যাদি পক্ষে হসে চ রামবং।

পুংলিঙ্গে স্থাকরণাদিক্তস্যাপি জরাশব্দম্য গ্রহণং একদেশবিক্তমনন্যন্তবৃতী তি ন্যায়াথ। অত্র অচীতি স্যাদেরের তেন নির্জারস্যার্চ্চা নির্জারাচ্চাইত্যাদেন প্রস্ল ক্ষঃ। অত্যরন্ধবহিরন্ধয়োরিত্যাদি ন্যায়াদানে জরসাদেশে অম আদিলোপঃ শসোন কারোহপি ন স্যাথ। তেন নির্জারসং নির্জারমঃ। এবং টাঙেঙসীনামিনায়াতোহপি নস্মাঃ। নির্জারসা নির্জারসে নির্জারসঃ। কিঞ্চ আমিতু সর্বাব্যবাদেশেন স্থমাগমস্য বাধিতত্বাথ নির্জারসামিতি। অন্যথা পদাং দতামিত্যাদয়োহপি ন স্থাঃ। কেচিদি, ত্যাদি। কেচিৎ পণ্ডিতাঃ সাবকাশনিরবকাশয়োর্নিরবকাশোবিধির্বলবানিতিন্যায়াৎ

জরসাদেশক্রণাদাদৌ টাঙন্যোঃ স্থানে ইনাতাবিচ্ছস্তীত্যর্থঃ। তন্মতে নির্ক্সরসিন্ নির্ক্সনাদিতি। কিঞ্চ তন্মতে ঙেইতান্মিন্ নির্ক্সনয় ইতি ভবিতুমর্হতীতি চিস্তাং। স্বস্তাদচীত্যস্য পরত্র নামুবৃত্তিঃ। অন্যথা পরত্র তদ্ধিত্যকারপ্রাপ্তির্ন্যাং।

338 । পাদদন্তযুষনিশাপৃতনামাসাসনসান্তনা সিকোদকহৃদয়াসৃক্যকৃৎশকৃৎশীর্ষদোষঃ পদদূর্যনি শ্পূনাসাসন্ স্ন্সূদ্ন হৃদসন্যকন্শীর্ষন্দোষণঃশ সাদিপৌ।

এষাং স্থানে এতে ক্রমাৎ স্থ্যর্কা শসাদৌ পৌ চ পরে। পদঃ পদা পদ্যাং ইত্যাদি। দতঃ দতা দন্ত্যাং ইত্যাদি।

পাদশ্চ দন্তশ্চ যৃষশ্চ নিশাচ পৃতনাচ মাসশ্চ আসনঞ্ সাত্মশ্চ নাসিকাচ উদ্দঞ্চ হৃদয়ঞ অস্তুজ্বচ যকুচ্চ শকুচ্চ শীর্ষঞ্চ দোষচ তে। পদ্চ দং চ যুষনচ নিশ্চ পৃং **ह मामह आमनह सुक्ट नमह उँगनह अपन अमनह यकन्छ भकन्ह भीईन्ट लाय** নচ তে। শসাদিশ্চ পিশ্চেতি তিমান্। শসাদি স্থবন্তযোড়শবিভক্তিযু তদ্ধিতাচয কারয়োরীপি চেতার্থঃ। শসাদিগ্রহণেন তৎপূর্মবিভক্তের্নিরাসাৎ ক্লীবে ঔকারস্য পিত্তেহপৈ তত্ৰ ন সাথ। অত বাশক্ষ্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ কৃচিদ্বিকল্লঃ কৃচিন্নিতাং কৃচিন্ন স্যাৎ কৃচিৎ শুসাদিপিত্যামন্যতাপি স্যাদিতি। শুসাদে বিকল্পঃ স্থয়মুদাহতঃ। এবং স্থদতী স্থদন্তীত্যাদৌচ বিকল্প:। শীর্ষেভবঃ শীর্ষণ্যঃ কেশইত্যাদৌ নিত্যং। পাদাং পাদায় বারিণীতাদৌ ন সাথ। তস্কুডয়োর্নিতাং নস। নন্তঃ নঃক্ডঃ। ভদ্ধিতযেহবর্ণনগরয়োঃ। নস্যং। বর্ণনগরয়োস্ত নাসিক্যোবর্ণঃ নাসিক্যং নগরং। হিম হতি হিংসার্থকষ গেযুসমানে পৎ। পদ্ধিমং পদ্ধতিঃ পৎকাষী পদ্ধাৎ গচ্ছ তীতি পদাঃ। শব্দমিশ্রঘোষনিক্ষেষু বা। পদ্দের পাদশব্দঃ পন্মিশ্রঃ পাদমিশ্রঃ পদে ঘাষঃ পাদঘোষঃ প্রিক্ষঃ পাদনিক্ষঃ। উদ্দ বাসপেষ্ধিবাছনেযু নিত্যং। উদবাসঃ উদপেষং পিনম্টি উদধিঃ উদবাহনঃ। সংজ্ঞায়াঞ্চ। উদনেষঃ উদবাহঃ উদপানং। ওদনমন্থশক্তবিন্তুবজ্রভারহারবিবিধগাহেষু বা। উদৌদনঃ উদকৌদনঃ। ইত্যাদি। অসংযোগাদৌ পূর্য্যে বা। উদকুষ্কঃ উদককুষ্কঃ। অসংযোগাদৌ কিং। উদকস্থালী। পূর্ব্যেকিং। উদকপুস্পাং। ক্ষীরোদাদিঃ সংজ্ঞায়াং। নিপাত্যঃ। कीरतामः नवर्गमः र्लाहिरजामः हेजामि। क्लामामिः। निर्भाजः। क्रमग्रमा

লাসোগ্রন্নানঃ হাদরং লিখতীতি হলেখঃ হাদরস্য প্রিয়ং হাদাং হাদাং স্থহং মিত্রং। অন্যত্র স্থহদয়ঃ সাধুঃ। ছুর্হং শক্রঃ। অন্যত্র ছুর্হণয়োদস্তাঃ।

### ১১৫। मनारनाश्त्वाश्राश्यमग्राष्ट्रा वा श्रीरक्षाः।

অনো ২কারস্য নিত্যং লোপঃ স্যাৎ পৌ পরে ঈঙ্যোস্ত বা। নতু মস্যাদ্বস্যাচ্চ। যুক্ষঃ যুক্ষা।

পূর্মবাধিকারনিবৃত্ত্যর্থং সদেতি লুপ্তপ্রথমৈকং। অন্যথা জরসাদেশঃ পদাদ্যাদেশাশ্চ নিত্যং স্থারিতি। অথবা সদেতি সপ্তমাকং মুখ্যত্ত্ব গৌণত্বে চেত্যর্থঃ। তেন পূজিতপুষ্ণঃ পীত্যুক্ষইত্যাদি। মচ বশ্চেতি ষঃ মবান্তঃ ষশ্চাসৌ স্যশ্চেতি ষ্পাঃ। ন ইস্যোহ্যসাঃ তক্ষাং। মবসংযোগাদ্বথা কর্মণঃ যজ্বনঃ। ঈড্যোরিতি জি সাহচর্যাদী ইতি বিভক্তিসম্বন্ধী এব গ্রাহঃ। তেন অহনী অহনী ইত্যাদি। ঈপিতু নিত্যং রাজী বিদামী।

## ১১७। नान् श्रक्रिश।

नमा लूপ् मानि एक परत। यूषजाः ইত্যাদि। • (क्षे)। यूकि यूषि यूरि। यामः यामा याजाः ইত্যাদি। পক্ষে घो ह तायवः। পদাদয়ः পৃথক্শকা ইত্যেকে।

ধের্বস্কানাৎ স্যান্ত্যৎপত্তী লিঙ্গান্ত নকারস্য গ্রহণং। যাদৃগ্যাতীয়স্য প্রতিষেধো বিধিরপি তাদৃগ্যাতীয়স্যেতি ন্যায়াং। তেন অহমিডী হৈছু ন প্রসঙ্গঃ।

## ১১१। मः थाितमाয়ाषाद्भाश्य्राश्याः

नः थाविनार अञ्चा भवनाक देण गाहन् वा ना १८६६। षाकि षादनि षादक्ष । वाकि वाहनि वाहनि वाहिन वाहाकि । विश्व । विश्व विश्व । विश्व विश्व विश्व । विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व । विश्व वि

দ্বয়োরফোর্ডবঃ বিগতমহঃ সায়ঞ্চ তৎ অহম্পেতি ইতি বিগ্রহেসখ্যহোরাজ্ঞ ইতি মপ্রত্যয়ে সর্বৈকদেশেত্যাদিনা অফাদেশে এযামদম্ভত্বং।

# ১১৮। ধোরালোপেইচ্যযৌ।

ধোরাকারস্য লোপঃ স্যাদঘাবচি পরে। বিশ্বপঃ বিশ্বপাঃ বিশ্ব পাভ্যাং ইত্যাদি। এবং শহুধানুদয়ঃ। ধোঃ কিং। হহাঃ হাহা হাহা-ভ্যাং ইত্যাদি। শেষং বিশ্বপাবৎ। হরিং।

তদ্ধিতাচ্যকারয়োঃ প্রয়োর্ঘয়োর্লোপইত্যনেন আকারলোপসাবশ্যকত্বে ধো ব্রালোপঃ পাবিত্যনেনৈবেউসিদ্ধৌ অচ্যঘাবিতি কৃতং গোমায়ুঃ স্বায়ুঃ পায়ুঃ ইত্যাদৌ উর্ণাদিত্বাৎ কৃতে যৌপরে জাকারস্থিত্যর্থং বিশ্বং পাতীতি বিদ্ধিবশ্বপাঃ। পুণ্যং তায়তে ইতি বিচি যুোর্লোপ ইতি যলোপে পুণ্যতা ইত্যাদেরপ্যকারলোপঃ। হাহাশব্দস্য আকারস্ত্র ঔনাদিকঙাপ্রত্যয়সমন্ধী। তেন আকারলোপোন কেচিত্র হা ইতি শব্দং জহাতীতি ব্যুৎপত্ত্যা হাহাশব্দস্যাকারলোপমান্তঃ। আবস্ত ভিন্নানামপি আকারলোপ ইতি ব্যক্তিকং। অতএব আচার্য্যেণ তন্মতমবলম্ব্য ব্যাদ নঞঃ ক্রোযপ্সে ইত্যাদৌ ক্রাশব্দস্যাপ্যাকারোলুপ্তঃ।

## ১১२। युद्धारमो यृ।

ইকারোকারাভ্যাং পর ঔ ক্রমাদিকারোকারো প্রাপ্নোতি। '₹द्री'।

উশ্চ উশ্চ যু। পশ্চাক্তকারামূনক্ষম্য প্রত্যেকেন সম্বন্ধাৎ যুত্তো ভাজাং।

# ১२०। वृधिं जम् ७९ स्र।

ইছতোর্ণঃ স্যাক্ষ্টে ধ্রসি ভিতি চ পরে। 'হরম়ঃ' ত্যলোশে ত্যলক্ষণং। 'হে হরে'। হরিং হরী হরীন্।

অত্র ঙিতি সাক্ষাৎ পরে এব গুণ ইতি বোধাং। অন্যথামূণস্ততে মুমূবিব ইত্যত্র কিতোবকারস্য সম্বন্ধে জাত্স্য ইমোহপি কিন্তাৎ তক্মিন্ পরে যথাশুম্বোরিত্যুব স্যাৎ তথা মত্যে ইত্যক্ৰ দ্যান্তিতামমিতি ঙে ইত্যস্য অমিকৃতে ণুৰ্মিৰ্জুসিত্যনেন গুণা পত্তিঃ স্যাং। আদৌ গুণে কুভে স্থানিবত্ত্বেনৈব ধিলোপে সিদ্ধে ত্যলোপেত্যলক্ষণমিতি ন্যায়স্বীকারঃ স্থানিবদাদেশ ইতি ন্যায়্ন্য ব্যভিচারস্ফুচনার্থঃ। তেন সাংব্যাং ইত্যা দৌ স্থানিবত্বাভাবাদামোত্মগমোন স্যাৎ। ত্যলোপেইত্যাদি। যেন কেনাপি শব্দেন প্রত্যয়লোপে প্রত্যয়সমন্ধি কার্য্যং স্যাদিতি। যথা রাজাইত্যাদৌ সের্লোপে এবং বাচামীশোবাগীশইত্যাদো জেলুক্ত্যেচতি লুক্ণবেদন বিভ **क्लामा कृ**ट विভक्ताम्बविश्वि अममः अविश्वा । এवः उरकुमिजामि मा মোর্স্পুকি কৃতে ক্রেপিরে বিহিতত্বাৎ লুকি ন তত্তেতিনিষেধেন টেরকারাভাবেপি किमश्रक्तन शप्यः मार्पिय।।

#### ১২১। টাদসশ্চাব্রিয়াম্ব না।

ইছ্ড্যামদসশ্চ পর্ফী না স্যান্নভু স্ত্রিয়াং। হরিলা হরিভ্যাং হরিভিঃ হরয়ে হরিভাগ হরিভাঃ।

मार्श्यशिविजि উদ্বে উদন্তবাদের না আদেশে সিদ্ধে অদুসোগ্রহণং জ্ঞাপয়তি বৈভ ক্তিক সকল কার্য্যানন্তরমেব উত্বমিতি। তেন অমুস্মৈ ইত্যাদৌ কৃতে পশ্চাতুত্বে यरब्ह अभूरेस हेजािनिमिक्षर्। आनावूरब्हेन्यश्रेकृत्यान स्राहा।

### ३२२। ७८मा८७१८ला १९:।

এঙঃ পরস্য ঙদিঙসোর্ডস্য লোপঃ স্যাৎ। হরেঃ হরিভ্যাং হরি-ড্যঃ হরেঃ হর্য্যোঃ হরীণাং।

এওইতি প্রকৃতেরিকৃতেরপি। তেন গোঃ দ্যোঃ প্রাপ্তেঃ স্মৃত্যেঃ॥

## ১২৩। যুদ্ত্যাৎডেডোই।

रेष्ठ्रह्याः भत्रमा ८६८जे : मा ७ ७ रे९।

मगि युद्धार मह एउदीविधानिदेन विकेशिको भन्ने स्टेंक अर्थाविजाल वक्तवार নসান্তিথাপি ভৌকরণং জ্ঞাপয়তি ঞৌপরে বিংশতেস্তের্লোপোন স্যাদিতি। তেন বিংশতিমাচষ্টে বিংশতয়তি। অত্রঞের্ডিত্বে২পি টেরেব লোপঃ নতু ভেরিতি।

# ১২৪। টের্লোপোডিতিবিংশতেস্তেম্বুঙৌ।

ডিতি পরে পূর্ব্বস্য টের্লোপঃ স্যাদ্বিংশতেন্তেস্ত্রঙৌ। হরৌহর্য্যোঃ হরিষু। এবং এপত্যগ্নিরবাাুদয়ঃ।

ডিতিপরে তৎপূর্বশব্দস্য টের্লোপঃ স্যাৎ। বিংশতেস্ত তি ইতাস্য লোপঃ স্যাদ ঙৌ ডিসম্বন্ধিভিনে ডিভিপরে ইতার্থঃ। হরে শস্তৌ একাদশানাং পুরণঃ একাদশঃ বিংশতেঃ পূরণঃ বিংশঃ। প্রভাবিতিকিং। বিংশতৌ।

## ১২৫। সখ্যন্ত্যাৎ সের্ভাধেঃ।

मिथिनकानृकातास्राक्त भत्रमा मिर्जा माञ्चलू (४३। मथा प्राप्तः किः ए मर्थ।

অর্জুনস্য সধা কৃষ্ণঃ কৃষ্ণস্য সখিরর্জুনঃ। ইতি মহাভারতে আর্ষং।

## ১২७। योतिः।

সখ্যর্শকারদ্য চ বিঃ দ্যাৎ ছৌ পরে। স্থায়ে স্থায়ঃ স্থায়ং স্থা स्त्री मथीन्।

অর্থবশাদিভক্তিবিপরিণামইতি ন্যায়াং সখ্যদ্ভ্যামিতি পদং ষঠ্যস্তং ভূত্বা অধেরিতি পদঞ্চ মন্ত্রমান্তং ভূত্বা ইহাত্মবর্ত্ততে। সখ্যুর্ককারমাচ ব্রিঃ স্যাদর্ধো ছৌপরে। অধৌকিং। হে সখে।

# ১২৭। সখ্যুফীঙিতামা এ উস্প্রেমী।

সখু্যঃ পরেষাং টাঙিতাং স্থানে আ এ উস্ উস্ ও এতে ক্রমাৎ क्ष्युः। त्रथा त्रथा त्रथाः त्रथाः त्रथा। त्यवः रुतिवः।

টাশ্চ ঙিতশ্চ টাঙিতঃ তেষাং। আশ্চ এশ্চ উসচ উসচঔশ্চ তে। স্থত্রবাজ্ঞসোল্ক কচিদ্বিশেষেণ সামান্যোন বাধ্যতে ইতি রিচোহবেইতাত ব্যাখ্য। তং। তেন স্থিনা বানক্ষেত্রণ ইতি সিদ্ধং। ত্রেরয়ঙ্জিঙতি দেফেরত্বেইত্যাদৌ অমুক্র্যণ मा यथार्थकार्यााचारवर्भि मथातिजितिर्द्धमः। मधिमक्तमा गीनरव रिभाग्रविकि ভাষ্যমভক্তাপনার্থঃ। জিতস্থা জিতস্থায়ে জিতস্থায়ঃ জিতস্থা জিতস্থা ব্ৰিতসখ্যঃ ব্ৰিতস্থাঃ ব্ৰিতস্থাে ইতি। মুখ্যস্যৈৰ গ্ৰহণমিতি নাসঃ। তন্মতে ক্রিতস্থিঃ ক্রিতস্থী ক্রিতস্থায়ঃ ক্রিতস্থিনা ক্রিতস্থায়ে ক্রিতস্থারিত্যাদি। স্ত্রিয়ান্ত নিত্যেবন্তত্বাৎ সথী সখোঁ সখাঃ ইত্যাদিগোরীবং। ক্লীবেহস্য নপ্রয়োগঃ। তথাচ স্থা মিত্রে সহায়ে না বয়স্যায়াং স্থী মতা ইতি মেদিনিঃ। যত্ত্ব অহোশিশুত্বং তব খণ্ডিতং ন স্মর্মা মখ্যা বয়সাংপ্যনেন ইতি নৈষেধে বয়সাইত্যস্য বিশেষণং সখ্যা ইতি তৎ পুংসোৰ অজহলিঙ্গত্বাৎ! অতএৰ হেতুন্তুদক্ষৰচ্চসমিতি রঘুঃ।।

### २२৮। পত্যুরসে।

পতিশন্ধাৎ পরেষাং টাঙিতাং স্থানে আ এ উস্ উস্ ও এতে ক্রমাৎ স্থ্যমূত্র সে। পত্যাপত্যে পত্যুঃ পত্যুঃ পত্যো। অসে কিং। শ্রীপতিনা ইত্যাদি শেষং হরিবং। কতিশন্ধো ব্যান্তঃ॥

কচিদ্বিশেষেণ সামান্যোন বাধ্যতে ইতি ন্যায়াৎ পতিনা নীয়মানায়াঃ পুরঃ শুকোন প্র্যাতীতি। গতে মৃতে প্রব্রজিতে ক্লীবেচ পতিতে পতাবিতি। সীতায়াঃ পতয়ে নমঃ ইত্যাদিসিদ্ধং। ছান্দসমিতি কেচিৎ।

## ১২२। ডिंगर शास्त्राकम्भरमार्न् क्।

ডত্যন্তাৎ যান্তনান্তসংখ্যায়াশ্চ পরয়োর্জস্শলোলুক্ স্যাৎ। কতি কতি কতিভিঃ কতিভাঃ২ কতীনাং কতিষু। এবং যতি ততি। ডতি ব্যক্ষান্ত সংখ্যাম্মদযুয়দ সদৃশান্তিষু। ত্যাদয়ঃ সংখ্যাশব্দা কান্তাঃ।

ষচ ৭চ ফ সংখ্যা চাসৌ ফচেতি সংখ্যাফ ডতিশ্চ সংখ্যাফচেতি ডতিসংখ্যাফ ভক্ষাৎ। ডতিঃপ্রতায়ঃ তেন ডতাস্তাঃ কতি যতি ততি ইতিত্রয়ঃ। লুক্করণাৎ किंचिष्ठे विकासिना निष्या । अक देशामि नाख्या मीर्घः। अधाः क्रीत হপি কতিফলানি ষট্পতাণি পঞ্মুলানি ইত্যাদী জসশসোঃ শিংবাধিত্বা লু<u>গে</u>ব। অটো অইফলানীত্যাদো লুক ডৌশ্চ স্যাৎ। নচ নিমিত্তগভবিশেষভোলিকগত বিশেষস্য ৰলবন্তাৎ। সর্বাণীত্যাদৌ যুথাপ্রিসংজ্ঞাবিহিতমিকারাদেশং বাধিত্বা জন্ত্রশসইতানেন শিঃ স্যাৎ তথাতাপি শিরেবাস্ত ইন্মিরাচ্যং। ডিভিব্যক্ষাস্ত ইত্যাদিনা ডত্যন্তাদীনাং লিঙ্গত্রয়ে সাম্যনিয়মেন লিঙ্গবিহিত কার্য্যনিষেধাং। এষাং মুখ্যানামেব গ্রহণং। তেন প্রিয়কতয়ং অতিষয়ং অতিপঞ্চানঃ অত্যন্তানোযু ডতিবা। পদ্যাৰ্দ্ধমিদং। এষাং পুংস্ত্ৰীনপুংসকলিঙ্গবিহিতকাৰ্য্যং নাস্তীত্যর্থঃ। অতএব যুদ্মদমন্ত্রাৎ শসোনকারং বিধাস্যতি। এবং কভিস্তিয় ইত্যত্র পাচ্ছোনাদীত্যাদিনা ঈপ্ন স্যাৎ। পঞ্জিয়ইত্যত্র নান্তত্বাদীপ্ন স্যাৎ। এষামপি মুখ্যানামেব গ্রহণং। তেন প্রিয়কতীনি প্রাপ্তস্বস্তীনি প্রিয়ষংঘি প্রিয়প ঞ্চানি ইতি স্যাদেব। কিঞ্চ প্রিয়ক্ষতির্গণিকা ইত্যাদাবীপোহপ্রাপ্তিস্ক ডতিপ্রতায়ার স্য শ্বস্তাদিত্বাৎ। এবং নান্তসংখ্যায়ালিঙ্গবিহিতকার্য্যনিষেধেহপি নমনসংখ্যেত্য ত্র সংখ্যাবর্জনং নাস্তসংখ্যাভ্যোগৌণেইপি ঈপনিষেধার্থং। তেন প্রিয়পঞ্চা গণিকা ইত্যাদি। বিস্তারস্ত নমনসংখোত্যক দৃশ্যঃ। যুদ্মদম্মদোস্ত গৌণত্বে মুখ্যত্বেচ লিঙ্গবিহিতকার্যাং ন স্যাৎ। তেন অতিযুদ্ধৎ ইত্যাদৌ টেরত্বে স্ত্রিয়াদাপ ন मारि। ज्यानग्रहेि । अत्र जानिसक्त्रा वावद्यविधिनारेशनस्वर्धात्वावव। छेन विश्मजामीनाञ्च अकवछनाञ्चञ्चरमव विश्मजामा। मटेमकरञ्च मर्काः मश्रस्याग्रमश्याद्या রিভামরাং। এবামপি মুখ্যানামের গ্রহণং। তেন প্রিয়তিঃ প্রিয়চডাঃ প্রিয়পঞাই ত্যাদে সর্বাবিভক্তয়ঃ স্থারেব।

# ১৩। তেরয়ঙ্নাম।

विभक्तामा ६ नामानि पदा डिवानकामा चान वमाना विषु विभक्ति विश्व

মুখ্যান্যের এহণং। তেন অতিত্রীণাং প্রাপ্তত্রীণাং। আমীত্যনেনাপীটানিদ্ধৌ नामी जिक्रुज्ञ आश्रभारमगरमात्राशामनिधिर्यनगिनिज्ञामार्गा स्माशमः मानिज জ্ঞাপনার্থং। তেন ক্রোফুনামিত্যত্র আদৌ মুমাগমেহচঃ পরত্বাভাবাম তৃণ। কিঞ্চ আগমেন অবয়বাদেশএব ৰাধ্যতে ন তু সৰ্বাবয়বাদেশঃ। তেন পাদশব্দস্যামি আদে পদাদেশে পশ্চাদ্ধসম্ভত্মনুসাগমাভাবে পদামিত্যেব।।

### ५७५। जामार (हेब्रास्की।

ত্যদাদীনাং টেরকারঃ দ্যাৎ ক্তৌ পরে। দ্বৌহ দ্বভ্যাং ৩ দ্বয়োঃ২। বাতপ্রমীঃ বাতপ্রমো ব্রাতপ্রমাঃ।

অমুকরণস্য ত্রিসংজ্ঞাভাবেন টেরস্বাভাবে ত্যদামিতি ত্রিসংজ্ঞাযোগ্যানামেব ত্যদাদীনাং টেরঃ সাাং। তেন গোণে অতিতৎ অতিত্রদৌ অতিতদঃ অতিতদ্দি কুলানি।। তাদাংডছজে। ইতিকুতেহপীউদিদ্ধে গৌরবং জ্ঞাপয়তি। যুদ্মদশ্মন্ত ন্মদাং গোণত্বেহপি অতসিটেরইতি অভিযুক্মান্ অত্যশান্ অতিত্বান অতিমান্। তৃসিতু যুদ্মন্তঃ অন্মন্তঃ তত্ত্বঃ মত্ত্বঃ অতিযুদ্মন্তঃ অতান্মন্তঃ অতিযুক্তঃ অতিমন্তঃ। এবং দিশ ৰূস্য মুখ্যস্যাপি তসিনটেরইভি দিতঃ। অত্র লিঙ্গাদ্ভিক্তেরাবশ্যকত্বেংপি ক্তিগ্র হণং ক্তেনিমিত্তবজ্ঞাপনার্থং! তেন দ্বাড্যাংকৃতং দ্বিকৃতং তস্যপুত্রঃ তংপুত্রই ভাগে জের্লুকি তালোপে তালকণমিতিনাগেরংপি লুকি ন তত্তেতিনিষেধাৎ টেঃ কারোন স্যাৎ।।

# ১৩২। যূতো শ্বেশসোর্বদীধোঃ।

मौधूवर्জ्छ। मीमूमखा श्वतरहात्र म्यानाः चात्न क्या ग्रात्ने छः। वाज्य मीश বাতপ্রমো বাতপ্রমীন বাতপ্রমা। বাতপ্রমীভ্যাং ইত্যাদি। এবমতি लक्कामसः। स्वीः।

ঈশ্চ উশ্চ যূ তাভ্যাং ত যূত তম্মাৎ। বাতপ্ৰমীদিতি বাতং প্ৰমাতীতি ঔনাদিকঃ কীপ্রতায়ঃ। এবং ঔনাদিক উপ্রতায়ে কর্কস্কৃণ কর্কস্কৃনিত্যাদি। কেচিছু বাতপ্র মীশব্দস্য স্ত্রিয়ামীপি নিতাস্ত্রীলিঙ্গ হাভাবেহপি দীসংজ্ঞাং বিধায় হে বাতপ্রমি বাত প্রমীং বাতপ্রমীঃ বাতপ্রমীণামিতি। এবং কর্কস্কুশব্দস্যাপি ছব্যোদন্তত্বেন স্ত্রিয়ামূপি হে কক্রপ্পু কক্রপ্পু: কক্রপু: কক্ষুনামিত্যাছঃ। এবমতিলক্ষ্যাদয় ইতি। যত্র ধাতুত্বং নান্তি তত্র পুংস্খাদীসংজ্ঞাপি নাস্কীত্যর্থঃ। যথা অতিলক্ষীং অভিলক্ষীন্ অতি তন্ত্রীং অতিবন্ত্রীন্ অতিবধূং অতিবধূন্। বছত্রীহৌচ সমাসান্ত্রিধেরনিতাত্বাৎ কঞ ত্যায়ভাবে বহুপ্রেয়সীং বহুপ্রেয়সীন্ অতিলক্ষীং অতিলক্ষীন্ ইতি। ভাষ্যকারক্রম দীখরৌতু পুংলিঙ্গেপ্যেষাং নদীসংজ্ঞানিবৃত্তির্নাস্তীতি মবানৌ সর্বাস্থ বিভক্তিযু স্ত্রী লিঙ্গবছুদাহরতঃ। ঋদুঞ্জ্যামপ্যমশসোর্মাবিতি কেটিং। স্থাধাতো<del>র্</del>শকার্ম্য চাতু করণে সংপঠ সনপঠ aংপঠ aন পঠ।।

## ১৩৩। ধোরিযুবচি।

ধোরীদূতোঃ স্থানে ক্রমাদিযুবৌ স্তো খুচি পরে। স্থধিয়ে স্থধিয়ঃ रेजामि। वदः स्वीयवक्तामग्रः। अधीः।

ধর্ম্মিকল্পনাতোহি ধর্মাকল্পনা লঘীয়সীতি ন্যায়াৎ পূর্মন্থিতস্য যূত ইতি পঞ্চমান্তস্য অত ষষ্ঠান্তত্বেনামূৰ্তিঃ। অৰ্থবশাদিভক্তিবিপরিণাম ইতি ন্যায়াং। স্থ্যাদয়ঃ পুষ্দিত্যাদৌ ইয়াদেশাভাবং দর্শয়ত৷ আচার্য্যেণ অত্র অচীতি স্যাদেরেবেতি জ্ঞা পিডং। সামান্যশব্দোপি ক্ষচিৎ বিশেষপরোভবতীতি ন্যায়াৎ। তেন রক্ষোবধাস্তোন চ মে প্রয়াসঃ স্ত্রার্থঃসবৈরিপ্রতিমোচনায় ইতি রঘুং। কিঞ্চ জ্ঞাপকসিদ্ধদনিত্যমি তিন্যায়াৎ ৰুচিদন্যত্রাপি ভবতি। তেন তুরাসাহং পুরোধায় ধামস্বায়স্তুবং বযুরিতি কালিদাসঃ। বিশেষবিধিত্বাদীর্ঘস্যাপি বাধকোহয়ং তেন ঙৌ স্থধিয়িইত্যেব।

३७८। क्वराम्य दनकारहार महाममृन् भूनर्वर्याका त्राम्य नाज्यभित्रात्युर्।

কোশতীতি ঔনাদিকতুনি কোই ইভি লিঙ্গং। ত্যা তুনস্থানে তৃন ইভি आएमः मार। नह उर्दि नकात्रा विक्वहैि वाहार। यावस्य छून हेजातन গুণনিষেধকতয়া সার্থকত্বাৎ। গৌণস্যাপি গ্রহণং। তেন বহৰঃ ক্ৰোফারে৷ যন্মিন দেশে স বহুকোষ্টা বহুকোষ্টারৌ। ক্রিয়াঞ্চেতি ক্রীলিন্সবর্ত্তিত্বেসতি নিমি তান্তরমনপেল্যের ভূনাদেশে ঋদন্তত্বাদীপি ক্লোক্রী ইতি! এবং বহবঃ ক্রোন্টা রোযস্যাং সা বহুকোক্রী পুঃ। অত্র ক্রোফুশব্দস্য পুংস্কেপি সমুদায়স্য স্ত্রীত্বাৎ তৃনাদেশে ঈপ্। এবঞ্জোফুনতিকান্তা অতি কোক্ৰী।

#### ় ১৩৮। বাচ্যযৌ।

ক্রোফশক্ষা তুনঃ স্থানে ত্ন স্যাদ্যাবচি পরে। ক্রোফূন কোন্টা কোন্টে।

পূর্বাস্থনেণ বাধিতঁত্বাদ্তাঘেরচএব প্রাপ্তে অঘাবিতি ব্যর্থং। নচ তর্হি পূর্বাস্য সিমাত্রবিষয়তয়। সার্থকত্বে ঔকারাদিখনেন বিকল্পাপত্তিরিতি বাচ্যং। পূর্বস্য সিমাত্র বিষয়ত্বে সৌইত্যবৈদ্যৰ বক্তুমুচিতত্বাং। অত্র রামানন্দকাশীশরৌতু ত থাপি অঘিগ্রহণং জ্ঞাপয়তি যেষাং কদাচিদপি ঘিত্বং সম্ভবতি ভদ্ভিলে২চি ষা স্যাদিতি। 'তেন ক্লীবে ঔকার্স্য ঘিত্বাভাবেংপি লিঙ্গান্তরে ঘিত্সম্ভবাৎ বছ ক্রোফুনী বনে ইত্যত্র তৃন ন স্যাৎ বহুক্রোফূনি বনানীত্যত্র পূর্বেণ তৃন নিত্যমিত্য। इजूर्के एक गर । वस्रु ज्ञु स्वित्कार कार्नामी जिल्लामा विजादिका विकास कार्म ৰস্বাদাদৌ স্থশাগমে ত্নাদেশাভাবে কোই্নামিতিবৎ বহুকোই্নী বনে বহুকোই্নি ৰানানি ইত্যাদিকমেৰ স্যাৎ। অতএব ক্লীবে ন কুকাপি তৃণাদেশ ইতি ক্ৰমদীশ্বরা माः। किथ छोपारि পूर्वस्वाविकज्ञनार वष्टकाञ्च। वष्टकार्येना वतनन वष्टकार्थे বহুক্রোফবে বহুক্রোফুনে বনায় ইত্যাদি। অঘাবিতি গ্রহণস্ত যাদৃগ্জাতীয়স্য প্রতি ষেধোবিধিরপি তাদুগ্জাতীয়স্যেতি নাায়াৎ খিবর্ক্সনেন স্যাদ্যচঃ প্রাপ্তার্থং। তেন ক্রোফূনামোকঃ ক্রোফ্টাকইত্যাদৌ ন প্রসঙ্গঃ। ক্রোফূনিতি যদাপি পাণিনিক্রমদী শরাদিভিত।দাবচ্যের তৃনাদেশোবিভাষ্যতে তৃথাহপ্যাচার্য্যঃ শ্বাদে তুনন্তস্য তৃনন্ত সাচ প্রয়োগইতি চাক্রত্রসিংহয়োর্যতম্বলয় শসি ত্নাদেশং কৃতবান্।

### ১৩৯। ঋতোজোডুঃ।

ঋকারাৎপরো ভিসিঙসোর্ভস্য ডু: স্যাৎ ড ইৎ। ক্রোফুঃ২ ক্রোফো: ক্রোফাণাং।

স্থামং। আগমাদেশয়োরাগদবিধিবলবানিতিন্যারাদাদৌ মুদার্গমেহচপরত্বা ভাবাৎ তৃনাদেশাভাবে ক্রোইট্নামিতি নিত্যং।

# <sup>>8</sup> । वृद्धिरशाः।

ঋকারস্য গুংস্যাৎ দ্তৌ ধে চ পরে। ক্রোফরি ক্রোফোঃ। পক্ষে হসে চ শন্তবং। হৃহ্ঃ হূস্বৌ হৃষ্বইত্যাদি বাতপ্রমীবং। এবমতিচ মাদয়ঃ। স্বভূঃ স্বভূবৌ স্বভূব ইত্যাদি স্বধীবং এবস্কটপ্রস্তম্ভাদয়ঃ। স্বলৃঃ স্বল্যে ইত্যাদি প্রধীবং। এবং দৃন্ভূখপ্রাদয়ঃ। ধাতা ত্নস্তক্রোফুবং। ধৌ হে ধাতঃ। এবং নপ্ত্হোভূপোত্রাদয়ঃ। পিতা হে পিতঃ। পিতা মাত। ননান্দা না সব্যেষ্ঠ্ স্রান্থ যাতরঃ। জামাতা ত্হিতা দেবা ন ভ্নস্তাইমে দশ।

স্থ্যমং। কেচিফু ৯কারস্য ধৌ জসি চ গুণং বিধায় হেপঠিতগমল শিষা হেপঠিতগমলঃ শিষ্যাঃ ইত্যুদাহরন্তি। এবং নপ্তহোতৃপোত্রাদয় ইতি। তৃনসা ধিতেন ধাতৃশব্দেন সাম্যাতিদেশাৎ হোতৃশব্দসাহচর্যাচ্চ নপ্রাদয়ঃ তৃনন্ততুল্যা এব। নপ্তাচ হোতা গদিতোহথপোতা ক্ষত্তাথ নেটা তদমূপ্রশাস্তা। শাস্তাথ শংস্তাচ তৃনমতুল্যা অটেতি শব্দাং থলু বৃদ্ধিভাজঃ। এতে অই শব্দাঃ পৌতাদিযু রুঢ়াঃ। সর্বে ঔনাদিকতৃপ্রত্যয়ান্তাঃ। নমো শব্দনত্যোঃ মনী যাদিত্বাৎ মস্য পঃ নপ্তা। ছলি হোমেংদনে নেমেকাজাইতি নেম হোতা। পুওশোধে ইভ্যাদিষু ইমোভাবোনিপাত্যঃ পোতা। কদ সংবৃকৌ দৌত্তঃ কৰা। নিশ শীলে শাসকু শাসনে প্রশাস্তা। শনসুহিংসাস্তত্যাঃ শংস্তা। কেচিত্র শস্ত্ সংস্ত্ ইতি দ্বয়োর্ধণং বিধায় শাস্তরো শাস্তরঃ সংস্করো সংস্তরঃ ইত্যুদাহরন্তি। পিতা মাতেতি। পিত্রাসাহচর্যাক্সাভৃশব্দোহত জননীবাচকঃ। পরিমাণবাচকত্বেতু তৃনন্তএব। তেন ধানাস্য মাতারে পুরুষো। সব্যেষ্ঠ্শব্দোরথবামপার্শস্থিত বীরে কাট্টবর্গদ্বিতীয়বান্। যাতৃশব্দ শামিজাতৃত্তীবাচকঃ অন্যত্র তৃনন্ত। তেন তীর্থস্য বাতারো পুরুষো। উনাদৌ নিপাতসাধিতা এতে তৃনন্ততুল্যসংস্থান। অপি তৃনন্তা ন বোধাা ইত্যর্থঃ। ননান্দৃন্দেরুণাং তৃনন্তুসংস্থানরহিতানামপি ইহোপন্যাসোগুণপ্রাপ্তঃ পদ্যপূর্ণার্থশ্চ। নচ ননাক্রাদীনাং তৃনন্তভিন্নত্বেন প্রতীয়মানানামিহোপন্যাসাৎ। পিক্রাদিভিন্না ঋদস্তা অতৃনস্তাঅপি তৃনস্তাএবেতি क्रिक्षांक्रमृष्ट हेजारनटेनरविष्ठेतिरक्षी जुनविधानटेवग्नर्थाः <del>घावस्यस्</del>जुन

ইত্যক্রাপি স্বস্থক্তনবৈয়ধ্যাৎ। যন্তু তিস্চতজ্ঞাদেশরোর্নপূর্ব্র্যা ইত্যুক্তং তদিশে যবিষেপ্তণম্য নিষেধে সামান্যবিধিপ্রাপ্তব্যা বৃদ্ধিঃ কথং ন ম্যাদিতি শঙ্কানিরামার্থং।

### ১৪১। যাবস্বস্তৃণোঃ।

যৌ পরে ঋকারস্য গৃঃ স্যান্নতু স্বস্তৃনোঃ। পিতরৌ পিতরঃ পিতরং পিতরৌ।

यम्हि जुन ह स्राप्त्रज्ञ न स्राप्त्रज्ञ अस्र छ्ल जमा।

## <sup>282</sup>। छूर्वानामि र्यः।

নৃশব্দস্য নামি পরতো র্ঘঃ স্যাদ্বা নূণাং নৃণাং। শেষং পিতৃবং। গৌণত্বেংপি অতিনৃণাং অতিনৃণাং।

### **३८७। ७**८त्रीरची।

अकातमा अकातः मालियो भरत । रकीः भारती भारः।

জত্র লাক্ষণিকভিন্নস্য ওকারস্য গ্রাহণং। তেন গোদ্যবোরেব। লাক্ষণিকস্যত্ত্ব দৃষ্টভঃ শিবোযেন স দৃষ্টোঃ ইত্যাদৌ ন স্যাৎ। এবং চিত্রা গৌর্যস্য চিত্রগুঃ গবাবাদেরিতি হৃস্থে। অস্য সম্বোধনে হেচিত্রগোইতাত্রাপি ন স্যাৎ।

#### ১৪৪। আঅম্শসেঃ।

ওকার আকারঃ স্যাদমি শসি চ পরে। গাং গাবৌ গাঃ গুবা গোভ্যাং ইত্যাদি। ১২২ ওলৈয়ভোলোপ ইতি। গোঃ২।

আব্যে ইতি কৃতে ওকার আঃস্যাৎ দিতীয়ায়। অকারে পরে ইত্যনেনৈবেই সিদ্ধৌ আমশসোরিতি গৌরবং জ্ঞাপয়তি ওকারশব্দেনাত্র এওউচ্যতে। তেন প্রাপ্তইঃ কামোবেন সপ্রাপ্তেঃ দুইউঃ শিবোবেন সদৃইটোঃ। এতয়োরমি শসিচ প্রাপ্তাং প্রাপ্তাঃ দুইগং দৃষ্টাঃ ইত্যাদিসিদ্ধমিতি।

### ১৪৫। রৈরাস্ভি।

देतभटका ताः मग्राष्ट मि । তে চ পরে। রাঃ রারের রায়ঃ রাভ্যাং ইত্যাদি প্লৌঃ প্লাবের প্লাবঃ ইত্যাদি। ইতি পুংলিক্ষপাদঃ।

গৌণত্বেপি স্থরাভ্যাং কুলাভ্যাং স্থরাস্থ কুলেষু। ক্লীবে স্ব ইতি ক্ষেহপি এক দেশবিক্তমনন্যবন্তবভীতিন্যায়াৎ রাদেশঃ। ইতি পুংলিঙ্গপাদঃ।

#### ৭ অধ্যায়ঃ।

यज्ञ खीलिङ्गम्बः।

#### ১৪৬ । আবীন্তুসাৎসের্লোপঃ।

আপ ঈপো হ্নাচ্চ প্র্ন্য সের্কোপঃ ন্যাৎ। উমা।

নমু স্যান্তস্যারাদিত্যনেন হসাৎ সলোপে সিদ্ধেহত্ত হসোগ্রহণং কথমিতি চেন্ন রে কাং পরস্য সেলোপার্থং পৃথক বিধানাপত্তেঃ। নচ তর্হি আবীব্রাদিত্যেব কার্য্য মিতি বাচাং। তর্হিচ সের্লুপি তদাদিবিধের্নিষেধাং। লিহাদীনাং হকারাদের্চ কারাদ্যম্পপত্তেঃ। নান্তানাং নকারস্য লোপ্যমুপপত্তেঃ। এবং ককণ্ডেছাগর্ম্ব চাপলে স্বষ্টুককতে ইতি কিপ স্থকক অত্র স্যাদেঃ সোলোপইত্যাদের্বলবন্ধানাদী কস্য লোপে সেবিসর্গে স্থকঃ ইত্যপপ্রয়োগাপত্তেশ্চ।। উমেতি সংজ্ঞাননাং যথা কথঞ্চিদ্যুৎপত্তিঃ কার্য্যতি প্রাঞ্চঃ। উঃ শিবঃ উং মিনীতেক্ত্র পতীতি মাঙলি শব্দে হনজনাদ্গমাদেরিতি ডপ্রতায়ে উম ইতি শব্দাং ক্রিয়্যামাপি উমেতি রূপং। উমেতি মাত্রা তপসে নিষিদ্ধা পশ্চান্থমাধ্যাং স্থমুখী জগাম ইতি কালিদাসস্য কবিতৈব।।

#### ১৪৭। যৌরাপঃ।

আপঃ পর ঔরীঃ স্যাও। উমে উমাঃ।

ঈ ইতি লুপ্তপ্রথমৈকং। দীর্ঘকরণং জরদী ইতি সিদ্ধার্থং। আপোগ্রহণা দীন্তসোর্নিবৃত্তিঃ।।

#### 38४। शिरहोरमाः।

আপ এ: স্যান্ধে টোসোল্চ পরতঃ। তে উমে উমাং উমে উমাঃ উময় উমাত্যাং উমাতিঃ।

অর্থবশাত্বিভক্তিবিপরিণাম ইতি ন্যায়াৎ আপইতি ষঠ্যন্তমন্ত্রবর্ত্ততে।।

#### ১৪৯। ডিতাং यम्।

আপং পরেষাং ডিতাং যম্ স্যাৎ ম ইৎ। উমারে উমাভ্যাং উমাভ্যঃ উমায়াঃ উমাভ্যাং উমাভ্যঃ উমায়াঃ উমরোঃ উমানাং ৬০ ন্যাপদীভ্যোডেরামিতি। উমায়াং উময়োঃ উমাস্থ। এবং দুর্গা মায়ায়িকাদয়ঃ।

- ডিভিযইতানেনৈবেইসিদ্ধে ডিভাং যম বিধানং যকারস্য বিভক্তিভাজিত্বাৎ টাভিসিত্যাদিনা ডেপ্রভৃতীনাময়াদ্যাদেশনিবৃত্ত্যর্থং। কিঞ্চ ডিভিযইতানেনা পীইসিদ্ধে ডিভাং যম বিধানস্ত আবস্তভিদানামকারলোপঃ শসাদ্যচীতি বার্ত্তিক মত জ্ঞাপনার্থং। অভএব ব্যাদনঞঃক্রোযবিত্যাদৌ ক্রাশন্স্যাপ্যাকারোলুপ্তঃ।

#### ১৫०। (धः माग्यका।

শ্রেরাবস্তাৎ পরেষাং ডিতাং স্যম স্যাৎ পূর্ব্বস্য চ স্থঃ। সর্ববিদ্য সর্ব্বস্যাং২ সর্বব্যাং। আমি সর্ব্বাসাং। শেষ মুমাবৎ। ৯ অপুরীত্যুক্তেঃ। অন্তরাইর নগর্হিয়। দিতীর্রাইয় দিতীরস্যাঃ দিতীরারাঃ দিতীরস্যাং দিতীরারাং। শেষমুমাবং। এবং কৃতীরা।

নমু ভদ্যমাপীইসিদ্ধৌ স্বশ্চেতি কথমিতিচেন্ন অন্যৈ ইত্যাদিসাধনে সকারপরত্বা ভাবে স্ভাইত্যস্যাপ্রবৃত্তেঃ।।

# ১৫)। स्वामी प्राक्रशार्था ना ९ १ ।

श्रूक्त नाषाज्यार्थानाथ यः मारिको, श्रात । त् अय । त्यम् मात्र । व्यवस्य स्वाप्त । व्यवस्य स्वाप्त । व्यवस्य । व्यव

নাসিকাপৃতনানিশানাং নস্পৃল্লিশঃ। নসং নসা নোভ্যাং ইত্যাদি পৃতঃ পৃতা পৃদ্ধ্যাং ইত্যাদি নিশঃ নিশা।

অয়ার্থা নাট্যোক্তো মাতৃবাচকাঃ। দ্বো অটো যেষাং তে দ্বাচঃ দ্বাচণ্ট তে অয়ার্থানেটতি দ্যালয়থাঃ স্থান্ধণ দ্বাদ্য তে তেষাং। দ্যাদি সাহচর্যাৎ স্থান্ধ শব্দঃ স্ত্রীলিঙ্গএব গ্রাহাঃ। বিমাননা স্থান্ধ কৃতঃ পিতুর্গৃহে ইতি কালিদাসঃ। পুং সিতু হে স্থান্ধঃ প্রক্রম ইতাত্র ন স্যাং। দ্রাদরালজ্রবিভাতি বেলা কলঙ্কলেখামলি নেব ধারাইতি রঘো অরালজ্ঞইতি ত্বাদের্কেতি উপি কৃতে উবস্থানত্বাভাবাৎ দীসং জায়াং জন্মঃ। এবং ত্বংরক্ষমা ভীরু যতোহপনীতো তং মার্গমেতাঃ কৃপয়া লতাকেইতি রঘো। বিহর ময়াসহ ভীরু কাননানি ইত্যাদোচ ভীরুইতাত্র ত্যাদের্কেতি উপি কৃতে জন্মঃ। নামু হে গৌরি হে বধু ইত্যাদাবনেন জ্রম্মে গুরিজাতাদিনাপ্তণঃ কথং ন সা! দিতিচেল তং স্থান্তে জ্রমেদন্তোদ্যাভাগং পরত্রজাতানামের ধিজসঙ্গিতাং গ্রহণাৎ অত্র নপ্রসাক্তরং। এবমরুলাদ্যুইতি আদিশকাৎ হে অত্ত হে অস্ক্র।

#### ১৫২ ৷ শছু জিভু জিযজবুজসৃজমৃজবু শভুস্জাৎ ষঙভৌ ৷

শান্তানাং ছান্তানাং রাজাদেশ্চ यঙ স্যাত্তে পরে।

শশ্চ ছচ রাজশ্চ ভাজশ্চ যজশ্চ ব্রজশ্চ সৃজশ্চ মৃজশ্চ ব্রশ্চশ্চ ভাজশ্চ তে তেষাং।

এষাং দশানাং ষঙ্গ্যাং লিক্ষপ্রকরণে হসবিরাময়োঃ ধাতুপ্রকরণে ঝসবিরা

ময়োঃ ইতার্থঃ। যথা শৌবিশপ্রবেশে কিপি বিট্ বিজ্ভ্যাং জৌ প্রবিষ্টঃ যঙলুগি

অবেবেট্ প্রচ্ছোশ জ্ঞীপ্নে প্রাট্ প্রাড্ভ্যাং পৃষ্টিঃ অপরিপৃট্ রাজ্ঞ্বাট্ রাড্ভ্যাং

হবত্রতেত্বিতি ইম নিষেধে রাষ্টিঃ অরারাট্ ইত্যাদি।

#### ১৫৩। ষোড়ংফে।

ষস্য ড়ঃ স্যাৎ কেপরে। নিড্ভাগং ইত্যাদি। পকে বৌচ উ মাবং। গোপা বিশ্বপাবং । মতিহরিবং। স্ত্রীস্থান শস্ন টা না। মতীঃ মত্যা॥

नम्र वाशवरमात्रिजारनकेनव यमा एः मार्थः किमरन्न हे जिल्हा निष्ठे स्र हेजामार्थमव

শ্যবাচ্যস্থাং। পারায়ণ তন্ত্রপ্রদীপশ্রীপতিদ্ভান্ত তালবাশকার্দ্য ট্কারং বিধায় লিড্ভাং লিট্সুইভাান্ত্যদাহরন্তি॥

## ১৫৪। দ্যাঙিতামম্।

দ্যাঃ পরেবাং ঙিতামম্ স্যাৎ ম ইৎ। মতৈয় মতয়ে মত্যাঃ মতেঃ মত্যাঃ মতেঃ মত্যাং মতৌ। এবং শ্রুতিবৃদ্ধ্যাদয়ঃ।

দ্যান্তিত্যইত্যনেনাপীইনিদ্ধৌন্তিতাক্ষাবিধানন্ত অকারস্য বিভক্তিসমন্ধিতার্থং। তেন স্ত্রিরে ইত্যাদিষু ধোরিষুক্টীতি ইয়াদেশঃ। নচ দ্যান্তিতোত্রিরিত্যনেনাপীই সিদ্ধিরিতি বাচাং। সর্কাস্যাফিত্যাদৌ ভিস্থানে আফিকৃতে যথা আমে। ভিত্যাৎ সাম সাধিথা মতৈয় ইত্যত্র একারস্য বৃদ্ধাবিপি ণুর্ধিজসিত্যনেন ইকারস্য গুণাপতেঃ।

# ১৫৫। श्रिया विष्ठजूदाश्चिम्ष्ठम् अव ८ को।

বিচতুরোঃ স্ত্রীলিঙ্গে ক্রনান্তিস্থ চতন্ত্রো স্থঃ ক্রেণ পরে। তৌ চ ঋবৎ তেন ন পুরির্ঘাঃ। তিব্রুঃ তিস্থভিঃ তিস্থভাঃই তিস্থপাং তিস্বয়ু। টেরত্বে সত্যাপ। বেই দ্বাভ্যাংও দ্বয়োঃই। গৌরী গৌর্ঘ্যে গৌর্ঘাঃ হে গৌরি গৌরীং গৌর্ঘ্যে গৌরীভ্যাং গৌর্ঘাঃ গৌরাঃ গ্রামান ক্রেমান স্থান ক্রিমান প্রামান প্রমান প্রামান প্রাম

অন সন্ধাভাবঃ স্থাত্বাং। তৌচ খ্বদিতি তাবাদেশৌ দীর্ঘগুদন্ততুলোঁ তেন হেতুনা জ্বস্য স্থানে জায়মানা গুরিষান স্থাঃ। যথা স্বাৰস্থস্তৃণ ইতি গুর্ডিধােরি ত্যেতাভাগেগুণঃ স্বৌরিরিতি বৃদ্ধিঃ শসনামির্ঘ ইতি দীর্ঘোন স্যাদিতার্থঃ। নচ স্বস্তৃণন্তভিন্নতয়া গুণেন বাধিতায়াবৃদ্ধেনিষেধাের্থেতি বাচাং। বাধকস্য গুণসা নিষেধে পুনর্বাধিতায়া বৃদ্ধের্দ্ধনিষ্ঠেশে কিঞ্জক্ষান্তত্বাং যোদীর্ঘন্তসৈয়ে নিষেধঃ তেন প্রির্মিতিয়া বৃদ্ধের্দ্ধনিষ্ঠিত বছবচননির্দ্ধেশাং অমশসােরাদিলো দেব। এবং সমাহারেণাপীইনিদ্ধে গুরিষ্ঠিতি বছবচননির্দ্ধেশাং অমশসােরাদিলো পোন স্যাৎ খতোডোডুরিতাপি ন স্যাৎ। মুখ্যেগৌণেচ যাে বিধিঃ। কিঞ্

আতিদেশিকমনিতামিতি নাায়াৎ নৌন স্বাদিতি বোধাং। তেন স্থান্টামিতি সের্ডা। ধৌতু পুর্ডিধ্যোরিতি গুণশ্চ স্যাৎ। এবং আমস্ত হুমাগমঃ স্যাদের। যথা প্রিয়া-ন্তিঅঃ স্ত্রিয়োষদা দ প্রিয়তিদা হে প্রিয়তিঅঃ প্রিয়তিঅর প্রিয়তিঅং প্রিয়তিক্রে) প্রিয়তিক্রঃ প্রিয়তিক্রা প্রিয়তিক্রঃ প্রিয়তিক্রঃ প্রিয়তিক্রোঃ প্রিয়তিস্পাং প্রিয়তিস্রি প্রিয়তিস্ভাঃ প্রিয়তিস্বৃ। এবং প্রিয়চতসা। ন্তিজো যস্য তৎ কুলং প্রিয়তি এবং প্রিয়চতুঃ অত্র সামোর্লুক করণান্ন আ দেশঃ প্রিয়তিস্ণী প্রিয়তিস্থূণি ইত্যাদিষু আদৌ সর্বাবয়বাদেশস্ততোম্বণাগমঃ। ভাষাটীকাকুতাৰু সামোৰ্শুকি কুতে২পি আদেশোবিভাষাতে তন্মতে প্ৰিয়তিস্ প্রিয়তি প্রিয়চত্যু প্রিয়চতুঃ কুলমিতি। যত্র ত্রিচতুরোর্ম স্ত্রিয়াৎ বৃত্তিস্তত্র সমূ मात्रमा क्षित्रां वृङ्गांविश्नां पर्मा । यथाश्चित्रक्षत्रः शूक्रमा यमा विभाषाः সা প্রেমবিঃ 'প্রিমবী প্রিমবয়ঃ ইভি। তিস্রইচ্ছতি ত্রিকাম্যতি চতস্রইচ্ছতি চতুর্যাতি তিস্ণাং পতিঃ ত্রিপতিঃ চতস্থভিঃ কৃতং চতুঃকৃত্মিত্যাদৌ ক্রেপুকচেত্যনেনক্তে र्वृकि विकिन्जा कि निर्विधानि । छिञ्चरेजा दिन महा दिन के त्र विकिन् विकिन्त विकिन विकिन्त विकिन विकिन्त विकिन्त विकिन्त विकिन्त विकिन्त विकिन्त विकिन ত্রাস্থাসসমন্নিতি স্থাত্রেণ ইসউসইতি দন্ত্যান্ত প্রত্যয়করণেহপি হবিষা ধমুষাইত্যা দৌ কথং ষত্তমিতিচেৎ সত্যং ইস্প্রদোর্ম্প্রন্যান্ত করণেরপ্তোহসম্ভবে হবিঃ হবি র্জাং ধমু ধমুর্জ্যাং ইত্যাদো যোড়ঃফে ইত্যনেন উকারাপত্তিঃ স্যাদিতি দন্ত্যান্ত করণং। ততণ্ট ইসন্তোসাস্তানাং স্বেষুসসঙ্গুষহ্নামিতি কেরও জন্যত্র ষত্ত্বমিতি এবদবীতক্সাদয়ঃ ইতি। অবীতন্ত্রী তরী লক্ষ্মী শ্রী ক্রী ধীত্যাদি শব্দতঃ। অনীবঙ তয়া সের্ন লোপোগোণেন ক্রম্বতাইতি। অবরক্ষাদৌ অবীঃ তদ্রিসাদেমোহে তন্ত্রীর্দ কারমধ্যঃ। তক্রীর্নিক্রাপ্রমীলয়োরিতামরঃ। ভূতরেহভিভবে তরীঃ লক্ষকণ্ড দর্শ নেহক্ষে লক্ষীঃ। এষু ঔনাদিকঈ প্রত্যয়ঃ লক্ষধাতোর্মকারাগমশ্চ। প্রিঞ্চেনবনে দ্রীলিলক্ষে ধ্যৈতু চিন্তনে ঞিভীল ভীতাং এতে কুবস্তাঃ। জৌমরাস্ত প্রিয়পপীঃ বছযযীঃ ইত্যুভয়ঞ্চাত্রপঠন্তি।

# ১৫७। खीक्रध्री

স্ত্রীশব্দো জ্রশব্দ ধুরংজ্ঞ: স্যাৎ। ১৩৩ ধোরিযুবটি। ক্রিরো ব্ৰিয়ঃ।

ইयुवर्थिमश विधानः।

३७१। जीवामगरमाः।

স্ত্রীশব্দো ধুসংভ্রো বাস্যাদমি শসি চ পরে। ক্রিয়ং ক্রীং ক্রিয়ৌ স্ত্রিয়ঃ স্ত্রীঃ স্ত্রিয়াঃ স্ত্রীভ্যাং স্ত্রীভ্যাং স্ত্রীভ্যাং স্ত্রিয়াঃ স্ত্রীভ্যাং স্ত্রীভ্যঃ স্ত্রিয়াঃ স্ত্রিয়োঃ স্ত্রীণাং স্ত্রিয়াং স্ত্রিয়োঃ স্ত্রীযু। শ্রীঃ ভিয়ে ভিয়ঃ। ডিত্যামি চ ভেদঃ। গ্রিয়ৈ গ্রিয়ে গ্রিয়ঃ গ্রিয়ঃ ভিয়াঃ ভিয়ঃ এ। পাং ভিয়াং ভিয়াং ভিয়ি ত্রীষু। স্থ্যাদয়ঃ পুষ্ । স্থৃধীঃ প্রকৃষ্টাধীঃ ইতি নিত্য দ্রীত্বে স্থপীপ্রধ্যে শীর্লক্ষীবং। ধেরুর্ম তিবংসাধ্যঃ ধেরুং ধেরু ধেনবঃ ইত্যাদি। বধুগৌরীবং। বধুঃ বধ্বে বश्वः ইত্যাদি এবং চমুতস্বাদয়ঃ ক্রঃ শ্রীবৎ। ক্রঃ স্কুবৌ ক্রবঃ ইত্যাদি। স্থ কে স্কৃত্য । পুনর্ভ স্বলূবৎ। স্কৃত্য পুষৎ। স্বসা ধাত্বৎ। মাত। পিতৃবৎ। দ্যৌর্বোবৎ স্থরাঃ পুষৎ। নৌ গ্লোবৎ ইতি জীলিঞ্পাদঃ।

স্ত্রীগ্রহণং জনিবৃত্ত্যর্থং। দ্রিয়ং দ্রিয়ঃ ইত্যুত্ত্যত্র ধাতু সংজ্ঞানাকল্যার্থমাদেহিয়া **६मनः भभ्छामिमञ्जू । जारामिमम् । जि**रेश जिशे जिशे ব্ৰিয়াং এষু চতুৰ্বু ক্ৰীযুক্তঙিতীতাত ক্ৰীশব্দৰৰ্জনামিতাদীসংজ্ঞায়ামাদে দ্যাঙিতা মম ঙেরামচ স্যাৎ পশ্চাদিয়াদেশঃ। এবং স্ত্রীণামিত্যত্রবামীতি স্থতে স্ত্রী শব্দ বর্জুনা ন্নিত্য দী সংজ্ঞায়ামাদে স্থমাগমে পশ্চাদ্চ পরস্বাভাবান ইয়াদেশঃ। ভেদঃ ইতি। ঞ্রীণবদসা স্ত্রীযুক্তভিতীতিবামীতোতাভ্যাং দীসংজ্ঞাবিকল্পনাৎ রূপ ষয়মিতার্থঃ। স্থধ্যাদয়ঃ পুম্বদিতি শোভনাধীর্যসাঃ স্ত্রিয়া ইতি বিগ্রহে স্পধী শব্দস্য স্ত্রীলিঙ্গ বর্ত্তিত্বেংপি পুংলিঙ্গস্যাপি সম্ভবানিত্য স্ত্রীত্বাভাবে দীসংজ্ঞাভাবাং ন্ত্ৰীলিক বিহিত কাৰ্য্যাভাবে পুষদিত্যৰ্থঃ। আদি শব্দাৎ স্থ শ্ৰীযবকী প্ৰধ্যাদয়ুঃ। স্থাৰ্থীঃ ইভাদি। শোভনাচাসৌধীশ্চেতি স্থাীঃ প্ৰকৃষ্টাচাসৌধীশ্চেতি প্ৰধী রিতি কর্মধারয়ে নিতা স্ত্রীস্বাদীসংজ্ঞায়াং স্থধী প্রধ্যো ক্রমাং শ্রীলক্ষ্মীবং। स्र्भी मक्ट्रेस्स्नानित्वनिष्ठामित शाक्रिक्मी मरक्कक उम्रा औनक्वर अधी मक्त्रमा নিতা স্ত্রীলিঙ্গত্বেন নিতাদীসংজ্ঞকত্ব।লক্ষ্মী শব্দবদিতার্থঃ। অত্র প্রধী শব্দসাকি বুৎ পত্তেরনন্তরং কৃত সমাসস্যাপীয় প্রাপ্তি বীজং কব্যাদ্যনেকাচ ইত্যরব্যাপ্তা তং। এবং চমূতশাদয় ইতি। তমু শব্দস্ত তগ্নাদের্বৈতি উপপক্ষে বধূবং। অসূ বন্তপক্ষে ধেয়বদিতি। পুনর্ভুঃ স্থলূবদিতি পুনর্ভুশক্ষা কবাাদিতিককার প্রাপ্তা ऋजृमस्म नामाः नष् नर्कक्रतेभः छिनानामिछा क्वीवामी मः छाग्नाः नर्कत वधुमक ৰদেবরূপং। এবং দৃষ্বর্ষাভূকারাভূণামপি রূপং বোধ্যং। স্থভূঃপুষদিতি নিতা স্ত্রীত্বাভাবে নদী সংজ্ঞাভাবাদিত্যর্থঃ। স্বসা ধাতৃবদিতি বৃদ্ধি প্রাপ্ত্যাসাম্যং নতু সর্বার্কপৈঃ তেন শসি স্বস্থারিতি মাতাপিতৃবদিতি অত্রাপি গুণ প্রাপ্তা সামাং নতু সর্বার্কপেঃ তেন শসি মাতৃরিতি। ইতি স্ত্রীলিঙ্গপাদঃ।

# ৮ অধ্যায়ঃ। অজন্ত ক্লীবলিঙ্গ শব্দঃ।

## ১৫৮। ক্রীবাৎ স্যুমোংধর্মোংতঃ।

অকারান্তান্নপুংসকাৎপরস্যাধেঃ সেরমশ্চ মঃ স্যাৎ। জ্ঞানং হে জ্ঞান।

নমুস্বদীভ্যামিতানেন আদিলোপাদেবেইসিদ্ধে অমোমকার বিধানং কথমিতি চেন্ন সর্কলিঙ্গবিষয়স্য স্থদীভ্যামিতাস্য ক্লীবদাত্র বিষয়েণ সামোর্জুগিতানেন বাধিত ছাৎ লুগাপত্তেঃ জ্ঞানমিত্যাদৌ মকারস্য বিভক্ত্যাদ্যবয়বভিন্নত্বাদ্যক্তিমভবীত্যনেন আকারো ন স্যাৎ।

# ১৫२। द्वीवात्मोः।

ক্লীবাৎপর ঔ রীঃ স্যাৎ। জ্ঞানে।

ঈঔইত্যুভয়ংলুপ্ত প্রথমৈকং। পুনঃ ক্লীবাদিত্যুপাদানং সামান্যার্থং তেন সর্ব্ব স্মাৎ ক্লীবাৎ ঔকারঈঃ সাাদিত্যর্থঃ। যথা জ্ঞানে বারিণী মধুনী কর্তৃণী পয়সী।

### ১৬০৷ জস্শসোঃশিঃ৷

क्रीवाल्पतमा कमः भम्म भिः मार भईए।

শিংকরণং শিক্ষীব ইত্যাদো বিশেষ জ্ঞাপনার্থং তত্র ইঃ ক্লীব ইতি কৃ:ত সপ্তমোক বচন জ্ঞমংস্যাৎ ইতি। কতি ফলানি ষটপত্রাণি পঞ্চ মূলানি অফৌফলানি এঘু লিঙ্গ বিহিত কার্য্য নিষেধান্নশিঃ। গৌণেতু কতীনি অতিষংসি অতিপঞ্চানি অত্য ফানি ইত্যাদৌ স্যাদেব।

# 

क्रीवमा त्मी शरत सून् मा। व जू यमार्गो वमखतलस्त्रातार्गो जूना मा।

মৃণঃ প্রকৃতিভাজিত্বাৎ জানানীত্যাদৌ নান্তত্বাদীর্যঃ যমস্যাদি যমাদিঃ ন যমা
দির্থমাদিঃ তান্ত্রন্ বস অন্তোথ্য়েন্ত্রী বসন্তৌ বসন্তৌচতে রলোচেতি বসন্ত
রলৌ তয়ারাদিঃ বসন্তরলাদিঃ তান্ত্রন্ যমস্যাদৌতু অভয়মাচক্ষাণানি কুলানি
অভয়ি পাপবৃশ্চমাচক্ষাণানি পাপবি চত্বারি কুশলমাচক্ষাণানি কুশলি স্থগণ
মাচক্ষাণানি স্থগণি বহুযজ্বানি প্রশামি ইত্যাদি নম্থ ম্বর্থম ইতি কৃতে বমন্ত লিঙ্গস্য
মুণনিষেধাদেবেন্ত সিদ্ধৌ অব্যাদাবিতি বার্থমিতিচেন্ন । অভ্রগত্যাং কিপি অন্তি
জলানি ইত্যাদৌ যমন্তবামুণোহপ্রসঙ্গাৎ । বসন্তরলাদৌতু উনর্জি উর্জি স্ববল্গি
স্ববন্ধি । অত্র বাশন্দস্য ব্যবস্থানিতিত্বাং বহুর্জশন্দস্য রেক্ষাং পরে মুণবা স্যাৎ
তেন বহুর্জি ইতি । অত্যুক্তাদেস্ত রেক্ষাং পূর্বমেব । নম্থ বসন্তরলাস্তব্তে
কৃতে বসন্তরলন্ত লিঙ্গয়োর্শবিভাষ্যেবেন্টসিদ্ধৌ বসন্তরলাদৌতুবেতি কথমিতি
চেন্ন উর্জ্বং বলং রাতীতি উর্জ্বঃ হনজনাদৃগমাদেরিতি ডঃ । তত উর্জ্বমাচক্ষাণানি
কুলানি উর্জি ইত্যাদৌ বসন্তরলন্ত লিঙ্গভিন্নতয়ামুণবিভাষামূপপত্রে য্যাদৌমূণ
নিষ্বেধাপত্তেঃ ।

# ऽ७२। नमत्। इत्या १ (था र्या १ रथी रथी ।

नमस्रमारिश महत्वा नास्त्रमा ह धूवर्षमा र्यः मानिश यो পत्त। स्त्रानानि। द्वी श्रीवर। स्मयः वामवर। अवः वनधनकलामग्नः।

নসচ অপচ মহচ্চ ন চেতি নসন্মহন্ন তস্য। যথা বিদ্বান্ আপঃ মহান্। ন ইতি নাম্যলিক্ষ্যা গ্রহণং। যথা রাজা জ্ঞানানীত্যাদৌ লিক্ষভাজিনোমুণোলিক্ষা স্তেন জাতত্বামান্তত্বং। পচন্নিত্যাদৌতু ন কারস্য লিক্ষভাজিত্বেপি লিক্ষমধ্য বি বহিতত্বাম নাম্তত্বং। অধোরিতি কিং স্কৃহিন স্থহিন্সৌ। অধারিতি কিং হে বিদ্বন। পূর্বতঃ শেরমূর্ভাবপি ঘাবিতিকরণং সর্ম লিক্ষেমু দীর্ঘত্বং। তেন প্রাংসি স্থান্সি মহান্তি কর্মাণি স্ত্রিয়ান্ত সীমা সীমানাবিত্যাদি।

## ১৬०। তোহন্যাদের্মোহনেকতরাও।

অন্যাদেঃ প্রস্য স্যামের্মস্য তঃ স্যাৎ নত্ত্বেকতরাৎপরস্য । অন্যৎ অন্যে অন্যানি হে অন্য । পুনস্তদ্ধ । শেষং পুষ্থ । এবমন্যতরাদয়ঃ । অনেকতরাৎকিং একতরং।

ग্যমোর্মস্যেতি কিং হে অন্য । অন্যতমস্য অন্যাদিরাভাবাদন্যতম ইতি।

#### ১৬৪। জরাতোহয়।

জরাশকাৎপরদা স্যামের্স্যাম স্যাদ্বা। অজরদং অজরং অজ রমী অজরে অজরাংদি অজরাণি। পুনস্তদ্বং। শেষং পুষ্বং। ১১৪ পাদদক্তেতি শীর্ষক্ষদরোদকাসনানাং শীর্ষন্ক্র্দনাসন্। শীর্ষাণি শীর্ষ্ণ শীর্ষভ্যাং ইত্যাদি। ক্ষান্দি ক্ষাদ্বা ক্ষান্ত্যাং ইত্যাদি। উদানি উদ্বা উদভ্যাং ইত্যাদি। আসানি আরা আসভ্যাংইত্যাদি। পকে শেষে চ জ্ঞানবং।

সের্মস্য অমি জরসাদেশেইজরসং। পক্ষেধ্যমশসাদেরিতি জ্ঞাপকাদমাদেশস্যাপ্যাদিলোপে অজরমিতি। অমিতু আদৌ জরসাদেশে আমাহুমাপত্তিঃ স্যাদিতি। বাশ ক্ষ্যা ব্যবস্থা অন্তর্ভ্গত্বভিলবতোইপিজরসাদেশাদাদে অমোমকারে তস্য অমাদেশে অজরসং অজরমিতি। অন্যথা অমোনিত্যত্বেইপীউসিদ্ধৌ বা এইণস্য বৈশ্ব

## २७**०।** क्रीत यः।

क्रीत र्यमा यः मार। जीशः। ज्ञानवरा

ক্লীবে বৃত্তোসত্যামেবজ্রস্বঃ স্যাৎ নতু নিমিত্তান্তরাপেক্ষান্তীত্যর্থঃ। এবং ফেন বিধিস্তদন্তসোত্তনাধাদন্তসৈয়ে জ্রস্তঃ। অন্যথা শ্রীপমিত্যাদৌ শ্রীশব্দসাপিক্রস্বা পত্তিঃ। শ্রেরং পাতীতি শ্রীপা প্রকৃতিঃ। ক্লীবে প্রয়োগে জ্রস্বে শ্রীপং।

# १७७१ मारमार्लक्।

क्रीवार्शत्रद्धाः मात्मान् क्नार्। वाति।

সুককরণেন লুকিনতত্ত্রতি নিষেধাৎ যথ তৎ ইত্যাদৌ বিভক্তি নিমিত্তকারো দয়ো নস্থাঃ। বিরামবিহিত কার্য্যাণিস্থারেব।

## ১৬৭ ৷ মুগ্লিকোইচ্যনামি ৷

#### ইগন্তস্য ক্লীবস্য মুণ স্যাদচি পরে নহামি। বারিণী বারীণি।

স্থালিক্সভাজিত্বাং বারীণি মধূনি ইত্যাদৌনস্তাত্বাদীর্ঘঃ। যেনকেনাপি প্রকারেণ মইগন্তত্যাপি গ্রহণং। তেন প্রস্থানী স্থারণী স্থাস্থানী ইত্যাদি ক্ষিং। অনামীতি কিং বারীণামিত্যাদৌ অন্তরক্ষবাদাদৌনু ণিক্তেক্রম্ব পরত্বাভাবামুমাগমাভাবে দণ্ডি নামিত্যাদিবদীর্ঘাভাবাপন্তিঃ।

# २७४। नुरशेताः

ইগন্তস্য ক্লীবস্যপূর্বা স্যান্ধ্রে পরে। হে বারে হে বারি বারিণী বারীণি বারিণা বারিণে বারিণঃ২ বারিণোঃ বারীণাং বারিণি বারি ণোঃ। হসে চ হরিবং।

ধের্কুকিক্তে লুকিনতত্ত্রতি নিষেধাৎ ণুর্ধিক্সনিইতাস্য ণুর্ডিধ্যোরিতাস্যচাপ্রাপ্তেবি ভাষা।। হে বারে হে বারি হে মধো হে মধু হেধাতঃ হেধাতৃ। ইহাপিয়েন কেনাপি প্রকারেণ ইগন্ত গ্রহণাৎ হে প্রদ্যো হে প্রন্থা ইত্যাদি।।

# ১৬৯। পুষদার্থোক্তপুংস্কংটাদ্যচি।

रेशस्यः क्लीवः व्यर्थनः (প্রাক্তপুংস্কः পুষদা म्याजामाति। व्यनामत्यः व्यनामितः रेज्यामि। শেষः वातिवः। व्यर्थन किः। श्रीलूतः क्लायः।

বাগ্রহণং পরত্রবাধিকারনিবৃত্ত্যর্থং। পুমানিবপুষং অর্থেন একার্থেন উক্তঃ
পুমান্ যেন তথ অর্থোক্ত পুংস্কং। যথা নাস্তি আদির্যস্য তথ কুলং অনাদি
আদিরহিত্দিত্যর্থঃ। অনাদিঃ পুরুষঃ আদিরহিত্ইত্যর্থঃ। অতএব অনাদি
শব্দ একার্থোক্ত পুংস্কঃ। একার্থেন কিং পীত্রন ফলায় পীলুবৃক্ষ বিশেষবাচী
পুংলিঙ্গঃ। দিহীনং প্রসবে সর্বাং হরীতক্যাদয়ঃ দ্রিয়ামিত্যমরাৎ ফল পুজ্পা
দিবাচিত্বে বৃক্ষবাচকানাং ক্লীবস্বাভিধানাৎ পীলু ফলং। অত্য পীলুশক্ষস্য
একার্থোক্ত পুংস্কত্বং নাস্তীতি পুষদ্ধাবোমাভূৎ। এবং রসেকটুঃ কটুকার্য্যেতিষু

মৎসরতীক্ষরোরিতামরাৎ কটুনে অকার্যায় অত্র প্রস্কৃতারো নস্যাৎা কটবে কটুনে কুলায় নংসরায় তীক্ষায় বাইতার্থঃ। অত্র স্যাদের। এবঞ্চ তুবরস্তক্ষায়োহ স্ত্রী মধুরোলবনঃ কটুঃ। তিজ্ঞোহম্লন্ট রসাঃ প্রংসি তম্বৎস্ক বড়মী তিষুইতামরেণ রসবতি লিঙ্গতায়াভিধানাৎ কটবে কটুনে ফলায় ইত্যাদি স্যাদের।

# ১१०। मधास्त्रिमक्थारक्षाश्नाष्ट्रनाष्ट्र।

जिस्ति । अशानि । अशानि । अशानि । अशानि । प्राप्ति । प्राप्ति

গৌণেহপায়ং।। পীতদ্বা পুরুষেণ ধৃতান্ত্রা শিবেঁশ এবং অতিসঙ্কা অত্যক্ষা পীতদ্ধে স্থিমৈ। অত্র দখাদীনাং রুচমেব আহনং তেন দখাতীতি দধিঃ দিশ্চাক্ষণ্ড লোপিন ইতি কিঃ দিশ্বন্ধ। দধ্য়ে পুরুষায়। দধ্যে দধ্য়ে দ্বিয়ে দধ্যে দধ্যি জানায় ইত্যাদৌ অনপ্ত নসাং। স্থীতি। শোভনাধীর্যস্য তৎ স্থধী কুলং ইত্যাদী নামপ্যকার্থেনোক্তপুংক্ষত্বং। এবং প্রধ্যাদয়ঃ ধাতৃইতি দ্ধাতীতি ধাতৃকুলং। অস্যাপোকার্থেনোক্তপুংক্ষত্বং। এবং জ্ঞাতৃ কর্ত্ত্যাদ্যইত্যাদৌ অনপ্ত নসাং। স্থিতি। শোভনাধীর্যস্য তৎ স্থিকুলং জানাতীতি জ্ঞাতৃ কুলং করোতীতি কর্ত্বলং এতদাদীনামপ্যেকার্থেনোক্ত পুংক্ষত্বং।

## ১१১। এচোষুৎস্বং.।

প্রদ্যু প্রদ্যুনী প্রদূর্যনি। দ্বী প্রীবং। হে প্রদ্যো হে প্রদ্যু প্রদ্যুবা প্রদ্যুনা ইত্যাদি। স্থারি স্থারিণী স্থারীণি ধৌ হে স্থারে স্থারি স্থারিণী স্থারীণি স্থারায়া স্থারিণা স্থারাভ্যাং ইত্যাদি। স্থার স্থার্যনী স্থার্যনি ধৌ হে স্থানো হে স্থারু ইত্যাদি। নপুংসকলিঙ্গাদং। ইত্যক্তাধ্যায়ং।

এচঃ क्रीरवस्र रेजामिजिर्श्वर श्रीभूवरता यूप्पव श्रीभूवतीजार्थः नष्ट्रमान ব্যবস্থয়েবেই সিদ্ধৌ কিমনেনেতি চেন্ন কণ্ঠাত্বে স্থাসস্য অকারস্যাপ্যাপত্তঃ। প্রস্কৃ ষ্টা দ্যোঃ স্বর্গো ফক্ষাৎ তৎ পুণাং। শোভনোরা ধনং মস্য তৎ স্থবিধনং। स्थाजनात्नोर्यं ७१ प्रमुजनः। ध्वामस्थाकार्यातास्त्रपुरकद्रः।

## न अशासः। रुमछ पुर्शिक भक्र।

ইতি শ্রীত্বর্গাদাস বিদ্যাবাগীশকৃতায়াং স্কবে।ধায়াং মুশ্ধবোধটীকায়ামজন্তাধ্যায় ग्रिका। পূর্বে প্রয়োজনাভাবাদমূজাং সংজ্ঞামাহ।

## ३१२। विक्रक्ककामिर्विः।

क्रुविव्यादमा क्रकामिक वित्रः कः गाए।

অত্র দ্বেরেকত্বেইপি ক্লির ক্লিক্সাদী ইতি বিবচনং প্রকৃতি বিকৃতিভেদান বিরুদ্ধং জতএৰ দ্বৌদৌদাদিৰীদেশীদাদৃতু রিভামরঃ। এবং যুবাল্লোকনবেভাত্রাপি বোধাং ক্ষকাদিস্ত জক্ষতিশ্চ দরিদ্রাতিশ্চকান্তিঃ শান্তিরেবচ। দীধীবেবী চ জাগর্ত্তির্জ ক্ষাদিঃ সপ্তধাতৃভিঃ। ফলন্ত শত্রন্তস্য ব্রিদচোহদেরিতি দ্বির্ক্তনাং। জক্ষং জক্ষ ভৌ ক্লীবে জসশসোঃ বেঃ শাহুর্নুমিতি জক্ষতি জক্ষন্তি। আখ্যাতিকে হন্তোহদেরিতি জক্তি অসুস্স্বেরিতি অঞ্জুঃ। দীধীবেৰী ইতি দ্বো বৈদিকৌ আত্মনেপদিনৌ বিভক্তি ৰাত্যয়াৎ পরস্মৈপদে অমুস্সিদ্বেরিতি অনউসি গুরুসাঠা মিতি গুণে অদী ধন্বরিতিকামধেনে বোপদেবঃ।

### ১৭৩। হোটোভৌ।

रुमा एः मारिकोशस्त । ১৪७ व्याची द्वांमा ९ स्मार्थः । ७२ वश सरगाति प्रिकर्श वा। निष् निष् निर्शे निरः निरः निरः লিহা লিড্ডু্যাং ইত্যাদি।

লিট্লিক বং। লেটি অলেট।

### **3981 मार्टिंग**

#### मकात्रारमर्गा र्यः नगरको शद्र।

দ আদির্যস্য হসম্য স দাদিঃ। তস্য। হকারসা দকারাদিওমব্যবধানে ন সম্বতীতি একাচ ব্যবধানে বোধাং। তেন ধুক ধুগ। অনেকাচ ব্যবধানেতু দধিলিট ইত্যাদৌ ন সাং। হস ব্যবধানম্ভ সজাতীয়ত্বাদব্যবধানবং। তেন দ্রাহাওজাগরে কিপি ধাক্ধান্ত্যাদিত্যাদি।

#### ১৭৫৷ ঝভাস্তস্যাদিজবাংঝভাঃফে ধোস্ত সধ্যুৎ ন্তেচ।

ঝভান্তস্যাদে স্থিতানাং জবানাং ঝভাঃ স্থাঃ কেপরে ধোন্ত সধে ধুক্ ধুগ্ ছহে। ছহঃ ছহং ছহে। ছহা ধুগ্ভ্যাং ইত্যাদি ।

ঝভশ্চাসাবন্তশ্চেতি ঝভান্তঃ। অন্তেখিতন্য ঝভস্য আনৌ ছিতাযে জবান্তেষাং ঝভাঃ স্থারিত্যর্থঃ তেষাঞ্চ অব্যবধানেহ সম্ভবাৎ একান্ধ ব্যবধানে এবস্থাঃ। যথা ভুঃ ভুদ্রামিত্যাদি এবং দধ্যেতীতি কিপিধক্ধগ্রাফ্তাদি কেপরে বিধানাদেব প্রকৃত্যন্ত ঝভ প্রাপ্তৌ অন্তগ্রহণং আদিউ ঝচ্ছোইপিপ্রাপ্তার্থং। তেন গৃহতীতি কিপি घुष घुष्डा पा भीति किनि धुक धुशामिकामि। इसवावधानस व्यवावधानव मञ्जा তীয়ত্বাৎ তেন ক্ষব্যুজিঘাংলে ধ্রুক ধ্রুগ্ন্যামিত্যাদি। গাং দোগ্দীতি গোধুক গর্দতমা চষ্টে ইতি ঞৌকৃপিগৰ্দপইত্যাদৌ অনেকাচ ব্যবধানত্বে পূর্বন্য। ধাতোস্ত ধোক্ষ্যতি অধুঁধাং অধোক। সধে কিং ছথাং। ব্যধ্যোতাড়ে ইত্যস্য দন্ত্যবকারাদিত্বাৎ মৃগাবিদি ত্যাদৌ ন প্রসঙ্গঃ। কিন্তু চপোইবেজব ইত্যাদিবই এক বচনেনৈবেই নিদ্ধে জবামিতি ৰহুবচনং জ্ঞাপয়তি কদাচিদ্দস্তাৰকারস্য জবভিন্নসাপি ভঃ সাাৎ তেন ব্যধ্যোতা ড়ে সনি বিভাৎসতি ইভ্যত্র বকারসা ভকারঃ। এবং অন্যেহপি সনি খেঃপ্রসা बाध्यर्कारतावर्गाः अनाज मसारेजारः। এवक कवात्रमा संकारता न मापिछि ৰক্তবাং। তেন জভতীতি বিপি জপ্ জন্তাং ওজেহ্বত্নে জেহতে ইতি কিপি কেট ক্ষেড়্যামিত্যাদি অতএব ঝভা্ডুস্যাদিজবাঢ়ভাইত্যের কেচিৎ পঠন্তি। ধাতোস্ত সংগ্রহতেতি নিয়মাদেব লিঙ্গস্য পূর্বতোইস্থর্ত্তমানেন ভৌ ইত্যনেনাপিং कथात्थ्रीकश्चर न्याचीर्थः।

# ১৭৬। মুহাংঘঙ্বাভৌ।

মুহাদীনাং ঘণ্ড্ৰা স্যান্তো পরে। মুক্ মুগ্ মুট মুড় মুহো মুহং মুহং মুহো মুহা মুগ্ডাং মুড়্যমিত্যাদি। এবং দ্রুহসুহ নশ ফিহঃ।

বহুবচনং গণার্থং। গণশ্চ। মৃহ্যক্রয়েঞ্ছনশুঃক্ষিতাঃ পঞ্চ মুহাদয়ঃ। ক্রহে স্থাঘণ্ডাই প্রাপ্তি পক্ষেহোটোভাবিতানেন ঢ এব নতু দাদের্ঘ ইতানেনমঃ। অন্যথা দাদের্ঘ ইতানেনৈবেফসৈদ্ধৌ মুহাদাবস্য পাঠোবার্থঃ স্যাৎ তেন ঞ্কে শ্রুণ শ্রুচ শ্রুক।

## ১৭৭। বাহোবো পৌ শ্বেতাত্ত্বা।

বাহো বাশব্দস্য ঔঃ স্যাৎ পৌ পরে শ্বেতবাহস্ত বা। বিশ্বোহঃ বিশ্বোহা ইত্যাদি। শেষং লিড়বৎ।

ওকারেণাপীউসিদ্ধে ঔকরণংহসাৎ পরস্যাপি প্রাপ্ত্যর্থং। তেন বার্বহতীতি বার্বাট অস্য শসাদৌ বারোহঃ ইত্যাদি স্যাং। নচ বাহোবোটপোইতি কৃতেহ পীউসিদ্ধিরিতিবাচাংহসাৎ পরত্র আদুটৌব্রিইভ্যস্যাপ্রাপ্তো বারোহইত্যাদ্যসিদ্ধেঃ। হসন্ত পূর্বাদ্বাহোবিদ্বান্তীত্তেকে।

#### ३१४। वनामृः।.

অনবর্ণাৎপরো বাহে! বা উঃ স্যাৎ পৌ পরে। ভূহঃ ভূহা ইত্যাদি।

আঃ অবর্ণ ন আঃ অনঃ তত্মাৎ। যাদৃগ্জাতীয়স্য প্রতিষেধোবিধিরপিতাদৃগ্জা তীযস্যেতিন্যায়াদনবর্ণ পদেন অবর্ণ স জাতীয়োহজেব গ্রাহ্যো নতু হসঃ। ততশ্চ পূর্বা স্থানবর্ণ বিষয়ংহস বিষয়ঞ্চ এতৎ স্থানবর্ণাদ্যচবিষয়মিতি বোধাং।

## ১৭৯। অনজুচ্চতুরোহণাণে বিয্যোঃ।

অনভুহশ্চভুরশ্চ ধৌ পরে ২ণ্ ঘৌ পরে আণ্ স্যাৎ গইৎ।

অনভুচ্চতুরইত্যেকবচনং যথা সংখ্যনিরাসার্থং। অণাণোধিঘ্যোরিত্যুভয়স্য বিবচনাস্তত্ত্বাৎ যথা সংখ্যমস্ট্যের। ণিত্বাদস্ত্যাচঃ পরে।

## ১৮• । হোনঃ সৌ।

चनजूरहा हमा नः मार भी भरत। चनजान रह चनजून चन जारहो चनजाहः चनजाहः चनजाहः चनजूरः चनजूरा।

অনভুচ্চতুরোরনুর্ত্তাবপি চতুরোহকারাভাবাদনভুহএবেত্যর্থঃ।

## ১৮১। मुम्युम्वस्रमण्शरकः।

এষাং দঙ্স্যাৎকে পরে অঙাবিতো। অনতুদ্ধ্যাং ইত্যাদি।

অসধ্বসরস্থনাং সম্য ঝপঝসোরিত্যনেনৈব দত্তে সিদ্ধেং কি মনেনেতি চেন্ন দান্তা দান্ত বিষয়েস্য ঝপঝসোরিত্যম্য দান্তমাত্র বিষয়েশ আেবিঃকে ইত্যনেন বাধিত ত্বাদ্বিমর্গাপত্তেঃ অক্সধ্বক্ষ এতয়োঃ কিবিপ নলোপে অং অদ্যাংধ্বং ধ্বদ্ধাং। বস্থরিতিকুর্মপ্রতায়ঃ। বিশ্বংকুলং বিদ্বদ্ধাং অন্য স্ক্রবস্তেঃ কিবিপ স্কুবঃ স্কুবো ত্যামিত্যাদে। ন মাাং।

### ১৮২। শ্বেতবাহবযাজুক্থশাসপুরোডাসাৎডসঙ্। এষামন্ত্রস্য ডসঙ্স্যাৎকে পরে ডঙাবিতৌ।

পুরোডোভ্যোডসইত্যনেনৈবেই সিদ্ধৌ ডসঙবিধানং ডিত্বাদস্তম্য স্থানে জাতত্বেন ডসঙোলঙ্গভাজিত্বার্থং। তেন শেতবাহ্বাদীনামসম্ভত্বাদত্বসোধোঃ সাবিতিদীর্ঘঃ স্যাৎ। নচ তৎ স্থাকে অসম্ভলিঙ্গত্বং কথং বক্ষ্যামীতি বাচ্যং। দম্ভ্যাশচাসৌ সচেতি দম্ভাস ইত্যাদাবিপি দীর্ঘাপত্তেঃ। অত্র ভিন্নস্য দম্ভ্যাশব্দস্য অকরেণ অসম্ভত্বং নাস্ভীত্যর্থঃ।

### ३৮७। अष्रातार्थाःस्मी (र्घाश्रसी।

অত্বস্তুস্যাসস্তস্য চ র্যঃ স্যাদধৌ সৌ পরে নতু ধোঃ। শ্বেতবাঃ।

অতুশ্চ অসচ অত্বস তস্য। অত্বস্তম্য বথা শ্রীমান্ধনবান্ মঘবান্ যুদ্মদর্থভবৎ শব্দস্য ভবান্। অত্বস্তম্য কিং ভব্ন্ কুর্কন্ ইতি শত্রস্য ন স্যাৎ। অধোঃ কিং স্বরং।

#### ১৮৪। ডमट्डाट्योवा।

ডসঙো ধৌ পরে র্ঘো বা স্যাৎ। হে শ্বেতবাঃ হে শ্বেতবঃ শ্বেত বাহে শ্বেতবাহঃ শ্বেতবাহং শ্বেতবাহে শ্বেতৌহা শ্বেত বোভ্যাং ইত্যাদি। ১০৯ কিলাতি যং। তুরাবাট্ তুরাবাড় তুরা নাহৌ তুরানাহং তুরানাহং তুরানাহো তুরানাহং তুরানাহ। তুরা বাডভ্যাং ইত্যাদি। চত্বারং চতুরং চতুর্জিং চতুর্জ্যং২ মুমাম ইতি চতুর্বাং।

অসম্ভবাদীর্ঘস্য ধৌপরে নিষেধাদপ্রাপ্তে বিভাষা। হোটোভাবিতি চত্ত্বশাসবস্বস্থাসনাটাঞ্চেতি পৃথক গ্রহণামিমিন্ডাভাবেংশিবত্তং। চত্বান্তাবেও পুরাসাহৌ ইত্যা. দৌ ববং ন স্যাৎ।

### ১৮৫। রঙোবিঃসুপি।

রঙোবিং স্যাৎ স্থপি নত্ত্রনারেকক্য। চতুর্মু। প্রিয়চত্ত্বাং হে প্রিয় চত্ত্বং প্রিয়চত্বারৌ প্রিয়চত্বারং প্রিয়চত্বারং প্রিয়চত্বরং প্রিয়চতুরা প্রিয়চতুর্জ্যাং ইত্যাদি। ১৬২ নসবাহন্ন ইতির্ঘত্তে নো লুপ। রাজা হে রাজন্ রাজানো রাজানং রাজানে। ১১৫ অনোহল্লোপঃ। রাজ্ঞঃ রাজ্ঞা রাজভ্যাং ইত্যাদি। ঙৌ। রাজ্ঞি রাজনি অয়স্যাদিত্যুক্তেঃ। ব্রহ্মণঃ যজনঃ ইত্যাদি শেষং রাজবং।

নিন্ধে সভারন্ত্রেনিয়মায় জ্ঞাপকায় বিকল্পায় বা ইতি অরসাৎ। স্থাপিবে আে বিঃফেইতানেন রেকসা বিসর্গোভবন্ রঙএব স্যান্ত্রনারেকসা ইতার্থঃ। তেন চতুর্গীয়ৢধুর্ইত্যাদৌ বিসর্গোনসাাৎ। রঙল্প পিপটাঃ য়ু স্থপীঃয়ু স্লতুঃয়ু সজুঃয়ু অহঃ স্থ ইত্যাদৌ বিসর্গাদেব। রাজাইতাত্র আদৌ নস্য জুপি তদাদাবিধেনিধেধানীর্ঘো নস্যাদিত্যালক্ষাই নস্মহন্মইত্যাদির্ঘত্রে নোলুবিতি প্রকৃতেঃ পূর্বং পূর্বনন্তরঙ্গতর মিতিন্যায়ানকার লোপমপেক্য অন্তরঙ্গতরতাবলবতো দীর্ঘস্যবাদে প্রাপ্তিপ্রতালকারলোপস্য প্রাথমিকত্বে হস বহাভাবাৎ সের্লোপাভাবে বিসর্গাপজিরিতিচেন্ন সর্ববিধিভ্যোলোপবিধির্বনবান ইতি ন্যায়েনপ্রতায়নিমিত্তক কার্যানপ্ররং প্রতায়ে লোপ্তরে তালোপে তালক্ষণমিতি ন্যায়স্য বৈয়র্থ্যাপত্তেঃ। নচ তর্হি য়ঃ সংপত্তাঃ ইত্যাদাবপি নির্বিসর্গাপজি রিতিবাচ্যং। লোপঃ স্বরাদেশযোঃ স্বরাদেশোবিধির্বলবানিতি ল্যায়াদাদৌ টেরকারাদেঃ প্রাপ্তে সিলোপপ্রসঙ্গাভা বাং। নচ তথাপি যৎতৎ কিমিত্যাদাবপ্যাদৌ টেরকারোইজ্বিতিবাচ্যং স্যমো ক্রিধানাং। যস্য লুক্ ক্রিয়তে ভানিমন্তক কার্য্যাপত্তিরিতি।

## १ इन श्वार्यारमत्नाश्रक्षीत्म त्नी र्यं।

विषाः र्यः मामर्था त्मो शदा त्मी ह। इजहा त् इजहन् इजहरी इजर्गः त्रजर्गः त्रजर्गा।

ন্তরসাধিতানাং নসন্তর্গইত্যনেন দীর্ঘঃস্যাদেব। বৃত্তহা পুষা অর্যামা। ইনিতি প্রতায়ন্তেন তদন্ত্রণা গ্রহণং ধনীগ্রাহী ইনন্তাপ্রতায়ান্তদন্তানাঞ্চ গ্রহণং অধিকন্ত প্রবিষ্টং নচ তদ্ধানি রিতিনায়াৎ তেন মেধাৰী গোমী বাতকী বাগাী। এবাং নান্তত্বাৎ নসক্ষরইত্যনেন স্যাদি পঞ্জকে প্রাপ্তব্যস্য দীর্ঘস্য নিয়মোহরং। তেন व्यव्रा श्रुष्ती व्यग्रमानी धनित्नी देखानियु नमार।

#### ३५१। इत्निद्शिद्शिन् १

ेহন স্থানে জাতস্য হৃৎস্যা সংস্যাৎ। তস্য চ নো ৭ং স্যাৎ। রুত্র সং র্ত্তমা ব্তহভাাং ইত্যাদি। এবং পূষয়র্যমন্শাঙ্গিন্যশস্থিন্প্র ভূতয়ঃ |

হনইতি হনধাতুসম্বন্ধিনোহ্নসৈবেত্যর্থঃ। 'তেন অহ্নি পুর্মাহ্ন ইত্যাদৌ নস্যাৎ।

### ১৮৮। পুষোডিডির্বা।

পৃষ্ণি পুষণি পৃষি।

পূষীতিকশ্চিগ্ৰন্যতে।।

### ১৮৯। মধোনস্তঙ্বা ক্তিপ্যোঃ।

मघवन्यसमा जूक्वा मा। को ली ह शरत छेक्षाविरकी।

ডিত্বান্নকারসা স্থানে অর্থৎ নানার্থ শক্ষানাং যথাকার্যাৎ বদেষ্থ ইতি বচনাদত্র তুঙাগমএৰ স্থচ্যতে নতু সৰণোগৃহতইতি। পৌ মাঘৰতং মাঘৰতাং মাঘৰতী। ক্তৌপরে বিহিতত্বাৎ সমাসোক্তের্লুকি লুকি নতত্তেত্যলোপে ত্য লক্ষণমিতিনাক্তেন প্রাপ্তব্য কার্য্যসা সুকিনতৃত্তেতি নিষেধেহিপা নঞানির্দিইসনিত্যমিতি ন্যায়াৎমন্বৰ ভোভক্তিঃ মঘবন্দ্রক্তিরিত্যাদিস্যাদিতি কেচিৎ। অতএব মঘব**দজ্ঞলক্ষানি দানমিতি** ছুর্গসিংহধূতং। বাগ্রহণমুক্তরএবাধিকার নিবৃত্ত্যর্থং।।

## ১२०। दिमकाश्यम् (एव)।

উকারেত ঋকারেতে। ২চশ্চ মুণ্ স্যাৎঘৌ পরে নতু ছে:।

উশ্চন্ধশ্চবরে তাবিতোবয়োস্তোবৃতো বৃত্তীচ আচ ব্রিদ্দ তসা। উকারেতো যথা বিদ্বান্ মঘবান ভবান্ মহান্ প্রীমান্ জ্ঞানবান্। ঋকারেতো যথা ভবন্ অদন্ দীবান্ ভবিষ্যন্ ইত্যাদি। অচইতি। অনচ্যুগতি পূজনয়োরিতাস্য গতাবর্থে কিপি লুপ্ত নকারস্য গ্রহণং। তেন প্রাপ্তপ্রাঞ্চেইত্যাদি অন্যত্র বহুবচইত্যাদি। অদ্বেরিতি। নিদ্ধঃ অদ্বিঃ তন্মাং । অদ্বেরিতি পঞ্চমান্তং। নঞ্চইই অল্লার্থত্রব। তেনায়মর্থঃ। দ্বেঃ পরস্য শত্রন্তবৈদ্যর স্থান নস্যাং। অন্যস্য তু স্যাদেবেতি। যথা দদং দধং পাপচং বোভুবং জক্ষং জার্মদিত্যাদি। বুভূষন্ চিকীর্ষন্নিত্যাদাতু লোপোহতোহদেচারি ত্যানেন কৃত্রস্য শপোলোপস্য স্থানিবত্বাং দ্বেঃ পরত্বাভাবে স্থাসাংত্রব। নচম্দ দিত্যাদাবিপি লুগদ্রোহপইত্যানেন কৃত্রস্যাকারলোপস্য স্থানিবত্বাং মুণাপত্তেরিতি বাচাং। লোপোহস্যোমাজোরিতি লোপোহতোহদেচোরিতি হসালোপোহশিতী ত্যেতেভ্যোহন্য স্থত্রণ কৃত্রস্য অকারলোপস্য স্থানিবত্বানজীকারাং। অস্যবীজং সকোহলোপোহত্যইত্যক্র দৃশ্যং। জঃ পরস্য শত্রন্থাদন্যস্যতু দদিবান্ জ্ঞা গ্রান্ জ্বান্বান্ জ্বন্য ব্রাব্দিষ্য ইত্যাদেনিস্থাস্যাদেব।।

## ১৯১। সাভিদ্যারালুপ্ফে।

স্যান্তস্য লুপ্ স্যাৎকে পরে নভু রাৎপরস্য। মঘবান্ মঘ বা হেমঘবন্ মঘবতো মঘবানো মঘবন্তঃ মঘবানঃ মঘবন্তং মঘবানং মঘবত্তো মঘবানো।

সাসান্তঃ সান্তঃ তস্য। লুপকরণাৎ বক্সমাচন্টে ইতি ঞে টিলোপে কিপি ঞেলোপে বজ্ঞ ইতি লিঙ্গাৎ সৌ অনেন রেফস্য শুপি জকারস্য চুঙিতি কুঙ ন স্যাৎ। তেন বন্ধ বজ্ঞো বজ্ভামিত্যাদি। মঘবানিতি নস্য তুঙি অবসোধোরিতি দীর্ঘে উদিবাদ্দনি স্যান্তস্য লুপ্। পিপক্ষাদি শব্দানাং সংযোগান্তস্য লুপি সন্ধিল প্যেৰ ন সন্ধিরিতি বচনাদেব ঝপঝসোরিত্যনেন চপে জবেচ পিপক্ পিপগ্ইত্যাদি সিদ্ধিঃ। সন্ধ্যায় স্তুত্র কার্যাং সন্ধিরিতি সন্ধি লক্ষণাৎ অরাদিতি কিং উর্ক উর্ন্তাং। নতু পুংসোহর্থঃ পুমর্থঃ ইত্যাদৌ দান্তবাদিরামপ্রাপ্তৌ যথা সং যোগান্তলোপস্তথা নদ্যন্তইত্যাদাবপি ষকারাদিলোপোহস্ত ইতিচেন্ন মম্যন্তং বদ্ধর্থ ইত্যাদি জ্ঞাপকাদক সঞ্জিলাতেতরসংযোগান্তসৈতে গ্রহণাং। নচ আদেশানাং বিধানসামর্থাদেবলোপো ন স্যাদিতি বাচ্যং। মত্যা বলা পিত্রা পঠিতগল্পা ইত্যাদাবদান্তে তেষাং সার্থকরাং অত্র তৃন্পাং নলুখা ইত্যাদিবং সান্তলুপইত্যে কপদেনেবেই সিদ্ধৌ স্যান্তস্যেতি ভিন্নপদংজ্ঞাপন্তি। রাদ্রগ্রোপঃস্যাদিতি। তেন চিকীযুঁইত্যাদি সিদ্ধং।

# ১৯২। শ্যুবমঘোনামুর্বোহতেপৌ।

এষাং বৃশব্দস্য উঃ স্যাদ্বা পৌ পরে নতু তে। মহাবতঃ মহোনঃ
মহাবতা মহোনা মহাবদ্ত্যাং মহাবভ্যাং ইত্যাদি। শুনঃ শুনা। যুনঃ
যুনা ইত্যাদি। শেষং রাজবং। অর্ধা হে অর্ধন্।

শ্বন্চ যুবন্চ মঘবন্চ তে তেষাং। মঘোনামিতি-নির্দেশাৎ নান্তপক্ষে এবারং বিধিঃ। তেন মঘবদিত্যাদৌ ন স্যাং। অতে তদ্ধিত ভিন্নে পৌ। যথা শুনঃ যুনঃ মঘোনঃ শুনী যুনী মঘোনী। তদ্ধিতে তু শৌবনং যৌবনং মাঘবনং। গৌণেহপ্যেবং। ধৃতশুনঃ বহুযূনঃ দৃই্টমঘোনঃ।

## ১৯৩। অৰ্বণোহনঞস্তঙ্ ত্যেংসৌ তু।

্নঞবর্জ্জার্স্যার্ক্ষণো নস্য তু ও স্যাদসৌ ত্যে পরে.। অর্ক্সন্তে অর্ক্ষণ্ড ইত্যাদি। শেবং যন্ত্রবং।

নাস্তি নঞ্চয়ত্র সোহনঞ্। তস্য। প্রতায়ে যথা অর্বন্তে অর্বন্তী আর্ব্ধ হং আর্ব্ধ তাং অর্বন্তমিচ্ছতি অর্বন্তাতি অর্বেবাচরতি অর্বন্তাতে ইত্যাদি। সহস্রদূর্গর্গর্ব ইত্যাদো প্রত্যয়াভাবালস্যাৎ। স্থ্রগিসংহস্ত সমাসে হপিতুঙংবিধায় অর্বন্তং ণতো অর্বালাতঃ অর্বন্ধনমিত্যুদাজহার। স্বমতেতু ক্রেলুক্তেচেতিক্তের্নুকি ত্যলোপেত্য লক্ষণ মিতিন্যায়াৎ প্রাপ্তব্য কার্য্যস্য লুকিন্তত্রেতি নিষেধেহপি নঞানির্দিইমনিত্য মিতি ন্যায়াৎ তৎসমাধানীয়ং। গৌণেহপি অত্যক্ষন্তং ইতি কে চিৎ।

# ১৯৪। পথিমথ্যভুক্ষাংথিতোর্নমৌ যৌ।

পথিন মথিন্ ঋভুক্ষিন্ এবাংধস্যনম্ স্যাদিকারস্য চাকারঃ। ঘৌ পরে।

পথিনচ মথিনচ ঋতুক্ষিনচ ডেবাং। থচ ইচ্চ থিতো তয়োঃ। নমচ অশ্চ नस्यो ।

### ১৯৫। টেরাসৌ।

পথ্যাদীনাং টেরা স্যাৎ সৌ পরে। পদ্ধাং পস্থানৌ পস্থানং পস্থা नः পञ्चातो।

সৌপরে পুর্বেণথস্যনমি ইকার্স্য চাকারে পত্তমিতিস্থিতে রাজেতিবদাদৌ সিলো পে ততোনাস্তত্বাদীর্যে পছেতি নির্মির্গমেবরূপং স্যাৎ। এবং সম্বোধনেদীর্ঘুন কারলোপয়োরপ্রাপ্তৌ হেপম্বন্নিতানিউমপি স্যাদিতি। অভটেরাসাবিতি বিধানং। हेमानीख जाशस्त्र त्रारमाद्याः स्रतारमानिधिर्वनवानि निर्मामारमोर्टित्राकारत इमश রত্বাতাবাত্র সের্কোপাভাবে বিসর্গে প্রস্থাঃ হে পদ্বাঃ।

#### ১৯৬। লোপোখচ্যঘৌ।

প्रथामीनाः टिर्लाभः मानचार्वि भरत्। প्रथः भर्था भर्थिजाः - ইত্যাদি। এবং মন্থাঃ ঋতুকাঃ। ১২৯ ডতিসংখ্যার্ফইতি পঞ্চ পঞ্চ পঞ্চভিঃ পঞ্চভ্যঃ২।

নচ লোপোহচীতিক্বতেইপি পথিমপ্যভূক্ষামিতি বিশেষ বিধিনাবাধিতত্বাদ্যের চত্ৰ প্ৰাপ্তে অঘাৰিতি ৰূথেতি ৰাচ্যং যাদৃণ্জাতীয়স্য প্ৰতিষেধো বিধির্পি তা দৃগজাতীয়স্যেতি ন্যায়াৎ ঘিবর্জুনেন স্যাদেরচএব প্রাপ্তব্যস্থাৎ। তেন পথোৎন্তঃ পথান্ত ইত্যাদে ন প্রসঙ্গঃ। নবাতর্হি লোপঃপৌইত্যনেনাপীট সিদ্ধি রিতিবাচ্যং ব্রিয়াং নান্তবাদীপি অতিমথিনী অতিমভূক্ষিণী ইত্যতাপি টিলোপ প্রসক্তেঃ ক্লীবেওঅতিমথী অতিঋতুক্ষীকুলে ইত্যত্র টিলোপঃ স্যাদেব। জস্শসোস্ত অতি পত্থানি অতি ঋতৃক্ষাণি কুলানি।

### **३२१। तानामि र्यः।**

#### নান্তস্য নামি পরে র্ঘঃ স্যাৎ। পঞ্চানাং পঞ্চস্ত ।

স্বসন্ধানকারেণ সহিত আমনাম তিমিন্। তেন যন্ত্রনাং দণ্ডিনামিত্যাদৌন প্রসঙ্গঃ পঞ্চানামিতি আমোত্রমাগমে অন্তরঙ্গত্বাদাদাবনেন দীর্ঘে ত্রমাগমসামসম ক্মিত্বেন কত্বাদ্যোলৃপ্কেধাবিতি নস্য লুপ।

## ১৯৮। বাফনোজস্শসোডৌ ঃ।

অফনঃপরয়োর্জস্শসোডো গ্রাছা ডইং। অফৌ অফ অফৌ অফ।

ভৌইত্যস্পাপ্রাপ্তিপক্ষেও বলবত্বাদাদৌ জসশসোলুকিকৃতে লুকিনতত্ত্রেতি নিষেধাৎ ডাক্টোবেতি গুণনসাথ।

#### ১৯৯। ডাক্তোবা।

় অফনো ঙা স্যাদ্বা ক্ত্রৌ পরে ওইৎ। অফীভিঃ অফীভিঃ অফীভাঃ অফভাঃ অফীভাঃঅফভাঃ অফীনাং অফীস্কু অফস্তু।

বাগ্রহণং বাধিকার নিবৃত্ত্যর্থং। অন্টানামিতি আদৌ মুমাগমেণ্ডাদেশঃ। তদ ভাব পক্ষেতু দীর্ঘো নকারলোপশ্চ।

#### २००१ (शार्त्भानःकश्विः।

ধোমস্য নং স্যাৎ কে মে বেচ পরে। প্রশান প্রশামে প্রশামং প্রশামং প্রশামে প্রশান্ভ্যাং ইত্যাদি।

সাদীয় হসসৈত্র কত্বেন বনোরপ্রাপ্তৌ পৃথ্যচনং। কে প্রশান্ প্রশস্তাং দা স্তবং সভীতিদান্তত্বাদান্ত্রারঃ। বনোস্ত জঙ্গনি জঙ্গন্ত গঙ্গনাঃ জগনান্।।

## २०३। ইদমোश्यमिय़<পূ< खिर्याःसो।

रेनमः श्रुश्निक्छीनिक्राः ज्ञात्मशास्त्रास्त्रे छः स्रो शास्त्र। षात्रः

অয়মচ ইয়মচ অয়মিয়মইতি লুপ্তপ্রথশাদ্বিচনাস্তং পুংক্তিয়োরিত্যনেন যথা मश्थार्थर ॥

### २०२। (मारमा ३ मम १ ७०)।

रेनटमा रुनमक नमा मः मा। एको श्रद्धा। रेटमो रेटम रेमः रेट्यो रेमान्।

অসাপুত্রঃ ইদংপুত্রঃ অমুষাকনা। অদঃ কন্যা ইতাাদৌ ক্তের্লুকি লুকিন তত্রেতি निरम्भानादमभः।

#### ২০৩। টোসীদমোহনকোহনঃ।

অনক ইদমফৌদোঃ প্রয়োরনঃ স্যাৎ। অনেন। নান্তি অকৃষ্ণ্য সোহনক্ তস্য অদুসোনিবুত্তার্থ মিদুমোগ্রহণং॥

#### ২০৪। স্ভ্যঃ।

অনক ইদমো অংস্যাৎ কে ভে চ পরে। ১০৬ আক্তিমভবি। আভ্যাং।

সচভচ সভ তম্মিন্। অত্র মণ্ডকপলৃত্যাক্তাবিতামুবর্ত্তে। তেন বিভক্তাবয়ব সভয়োরিতার্থঃ। ততশ্চ অস্যু নিদ্ধিঃ ইদংসিদ্ধিঃ অস্য ভদ্রং ইদং ভদ্রং ইত্যাদৌন প্রাসম্পঃ। অত্র অনকইতি নঞােহলার্থবাং। অনুক্তৌ সভয়ােঃ পরয়ােরিমক স্যাপি অআদেশঃ যথা ইনকল্মৈ ধনংদেহি অথ অল্মৈ ভূমিংদেহি ইমকাভ্যাং বেদোধীতঃ। অথ আভাাং তর্কোহধীতঃ অকোহপ্রাপ্তিপক্ষে এবেউসিংদ্ধী ইদং বচনং অন্তক্তৌ সভয়োঃ পরয়োরিমক প্রয়োগনিষেধার্থং ॥

### ২০৫। ভিস্ভিসো ২দসশ্য।

व्यनक रेम्टमार्यमण প्रतमा जिल्ला जिल्ला मान्नदेवम। ১०१ ব্বেন্ড্যে। এভিঃ। ১৩১ টেরত্বে। ২০২ দস্য মত্বে। ১১০ ঙেল্মৈ পশ্চাদঃ। অস্মৈ আড্যাং এভ্যঃ অস্মাৎ আভ্যাং এভ্যঃ অস্য অন स्ताः अवार अग्निन अनस्ताः अषु । अनकः किर ॥.

অত্র অনক ইতি বিশেষণমদসোহপি অনপ্র্যামিদমদোভাগং প্রস্য ভিসেভিসেব স্যাৎ তদ্ধপোবস্থিতিঃস্যাদিত্যর্থঃ। তেন অমুকৈরিতিসিদ্ধং। অত্র নৈসদশ্চে ত্যনেনাপীটসিদ্ধোগোরবং জ্ঞাপয়তি কদাটিনৈস্সাচি। তেন ইন্ম প্রতিণঃ সপ্ত র্যাঃ স্বর্গং গভাইত্যাদিসিদ্ধং।

### २०७। ত্যাদিব্যাসভোস্ক্তিয়িন্দুর্বাক্পাক্টের্ব্য কদশ্চ।

ত্যাদ্যন্তম্য ব্যম্য সভওস্বর্জ্জক্তান্ত স্রেঃ স্রেশ্চ টেঃ পূর্ব্বোংক্ স্যাদা ব্যক্ষ্য দক্ষ। ইমকেন ইমকাভ্যাং ইমকৈঃ ইত্যাদি॥

সচভচ ওস্চ তে সভোসঃ। নবিদান্তে সভওনো যত্র সোহসভোস অসভোস ক্তির্মাং সোহ মভোসক্তিং মচামে আদেচতি অমভোসক্তিশ্রিঃ। পশ্চাৎ ত্যাদিশ্চব্যঞ্চ অমভো মক্তিশ্রিশ্চ বিশ্বেশ্চ তি তা । যথা ভবতকি ভবতকঃ জীবতকাং স্বকঃ। অত্র বা শব্দস্য ব্যবস্থা সামিত্বর্দ্ধে জুগুপানে ইত্যমরোক্তম্য সামি ইত্যব্যয়স্য ন স্যাদিতি। সামি ভূডেক্ত সামিপশাতি। উচ্চকৈঃ প্রাক্ পরকা। অমভোসক্তিজ্যেং মর্বেণক দয়কি যত্রক যতকঃ যুদ্মাককং। শ্রেস্ত স্বাক্তিক স্বাক্তিয়েং মর্বেণক ভবতি ভবত ইত্যাদি। সভওসক্তান্তত্রের্বর্জ নাই মর্বেশ্বেক স্বাক্তিরাং সর্বেক্তি ভবত ইত্যাদি। সভওসক্তান্তত্রের্বর্জ নাই মর্বেশ্বর্কি স্বাক্তিরাং স্বাক্তিরাং মর্ববিশ্বরাগানস্থাঃ। সভওসবিভক্তান্তপক্তেঃ পূর্বেম সর্বকিত্যাং মর্ববিভক্তান্তম্য অক্ নস্যাৎ। তেন সর্ববেনক ইত্যাদ্যপপ্রয়োগানস্থাঃ। কৃপায়াং নন্দনে জ্বানে নীতে দানেনমানিতে। প্রায়োহ্যান্ত্যস্বান্ত ম্ব্রেম মর্বনামতিগুব্যা দিতি প্রাঞ্চঃ। ক্রমেণানিত। প্রায়াহ্যান্ত ম্বর্কার্যা ক্রমেণান্ত ব্লাযুষী। উচ্চকৈর্দদাতি। হ্রস্বান্ত্রহোশ্চ। হ্রম্বেনান্তে। প্রার্কার। অবক্ষেপণ্ডে। ত্ব্যানান্ত ক্রারান্ত মানিত্যিং। যথাধিক্ ধকিং।। প্র্যে অকিজাতে অব্যয়ান্ত ক্রমান্ত্র স্বানিত্যিং। যথাধিক্ ধকিং।।

# २०१। भी छो भी देन छ दशाद स्तान् एको।

ष्णाः हो । ইমংবিদ্ধি হরের্জ্জ বিদ্ধারী বিশ্ব শিবার্চ্চকং ইমাবিমান্ বিস্তু শৈবানেনাবেনাংস্তু বৈশ্ববান্। অনেন পূজিতঃ ক্লেণা ইবৈনেন

গিরিশো ইর্চিতঃ। অনুয়োঃ কেশবঃ স্বামী শিবঃ স্বামী অথৈনয়ে।। ১৩১ তাদাং টেরংক্রো। কং কৌ কে ইত্যাদি। . ১৭৫ বভার্ডস্যেতি वमा ७:। जूर जूम बूरवी बुधः बुधा जूखाः रेजानि ।

ইদশ্চ এতণ্ট ইদৈতৌ তয়োঃ। অমুপশ্চাতুক্তিঃ অমুক্তিঃ তস্যাং। টেরকার স্যাবশ্যকত্ত্বংপিইদমেতদোরিটদত্যোরিতিবিশেষাভিধানংকথমিতিচেন। নপূংসকে অমোলুকি লুকিন তত্ত্ৰতিনিষেধাৎ টেরহ্বাভাবে এনং পুষ্পাং এনং ফলং পশা ইত্যাদৌ মকার দকারয়োঃ স্থিতয়েবাস্যবক্তবাত্বাৎ। কিঞ্চ ইদৈতয়াত্তে নাদেশবিধানসামর্থ্যাৎ লুকিনতত্তেতিনিষেধেহপি এনাদেশঃ স্যাৎ ইতি। যথা বি ভক্ত্যা উক্তিন্তয়ৈৰ যদি পুনরুক্তিঃ স্যান্তত্রৈবাদেশঃ স্যাদিতি। তেন অয়ং গুরুঃ हेमर खनम हेजाएमोनमार। এवर अकाधिकत्रन अवमार एउन हेमर छकर खनम ইমৎ শিবং পুজয় ইত্যাদৌ নসাধ। এনইতি প্রকৃতান্তরমপ্যন্তি। তেন কণ্ডুয় मार्तिन करें क्रमाहिष्टनाष्ट्रियात्राश्विष्ठां दुर्गमा । अरेथनमस्य खन्या खर्माठ ट्रेडि রঘুঃ। বিদ্যানথৈনং বিজয়াং জয়াঞ্চরকোগণং ক্ষিপুনবিক্ষতাত্মা ইতি ভটিঃ। জহাত নৈনং কথমর্থসিদ্ধিঃ সংশ্যাকর্ণাদিষু তিপ্ততেয়ঃ ইতি ভারবিঃ। ইমং বিক্রী তাদি। হে সাধোইমং জনৎ হরেউক্তং বিদ্ধি ইত্যুক্তিঃ অথএনং শিবার্চকং বিদ্ধীতি পশ্চাতুক্তিঃ। হে সাধবঃ ইন্মী ইমান্ শৈবান্ বিত্তইত্যুক্তিঃ এনোএনাংস্ত বৈষ্ণবান বিত্তেতিপশ্চাত্মক্তিঃ। অত্র এনৌ এনানিত্যুভযোর্বিশেষ্যযোৱেকং বিশেষ १९ रेवक्षवानिष्ठि वह्रवहनास मुक्तवष्ठा काहार्र्यागनानिक्रानार नानावहनास नार विभागानात्मकर विभागत अत्रतेमाविक मरथापि छक्कजीि स्टिक्ट । অতএৰ ক্রমদীশ্বরোহপি কঁচিল্লিকবিভক্তোরিতি সূত্রং কৃষা ব্রিয়োধনং স্মতৌ জাতৌ ইত্যুদাহতবান্। অনেন কৃষ্ণঃ পুজিত ইত্যুক্তিঃ অথএনেন গিরিশোহর্চিত ইতি পচ্চাছুক্তিঃ। কেশবঃ অনয়োঃ স্বামীইত্যুক্তিঃ। অথশিবঃ এনয়োঃ স্বামী তি পশ্চাছুক্তিঃ। অত্র অনয়োরিতি এনমোরিতি চ ষষ্টী সপ্তমান্তং বোধাং। স্বামি শব্দেন যোগে স্বামী শ্বরাধিপতীত্যাদিনা ষষ্ঠী সপ্তযোগিধানাৎ। কইত্যাদিনা लाभ खतारमनायाः खतारमणनाविधिवनवानिषिनगत्रामारमे रहेतरक रमस्मिर्गः।

## २०৮। युजित्ताश्रमञ्जरहो।

युक्तिता युक्नकमा कृत् मान्दियो भारत नेजू म। ঘৌপরেধাতোরসম্ভবাৎ ক্বিবন্তস্যেতার্থ।

# २०२। हु ७ व्रु ७ यु ७ मु १ मि १ मृ १ विकास १ के मृ क न्नु क्मृश्विक्शरकूष्ट्रे ।

**घर्वाञ्चानामक्षानीनाकः** कूड्नारिको शरत। ४৮ स्मार्ज्यनामारिख्। অংপেঞ্জো:। ১৯১। স্যান্তস্যারাল্ল,প্ফে। যুঙ্যুঞৌ यूक्षः यूक्षः यूक्षा यूक्षा यूक्षा यूक्षाः देजानि। यूक्षितः किर। युक् नमाधिमान। অঞ্চকুঞ্ যুজানেব প্রাককুঙ্ পৃথক্ গ্রহণাৎ। তেন খন্ খঞ্জো খঞ্জঃ ইত্যাদি। ১৫২। শচ্ছাক্তেতিয়ঙা ১৫৩। বোড়ংকে। রাটরাড় রাজে রাজঃ। এবং বিভ্রাট্ দেবেট্পরি वारे विश्व रं हे পরিমৃট्।

চুশ্চ অঞ্চত্রুঞ্চ যুঞ্চত্রজ্জ অসজ্চুঞ্জিজ্চ দধৃষ্চ দৃশ্চ স্পৃশ্চ মৃশ্চ উঞ্ছিহচ তে তেষাং। চুশ্চবর্গঃ সচেহ ধাত্ববয়বএব। তেন বহুবছ বহুবজুভ্যাং বছনঞ্ বছন ঞ্ভাাং ইত্যাদৌ ন সাাং। যুজ্শব্দসা যুজিরোহ সেনুমিতি স্থাকৃতে যুনজ্ইতি রূপং অন্চ কুন্চ যুঞ্জএষাং চবর্গান্তত্বেনৈবপ্রাপ্তে পৃথক গ্রহণং নিয়মার্থং। নিয়মশ্চ এষামেব সংযোগান্তলোপাদাদৌকুঙি নদ্যামুস্বারে ভদাঁচ ওকারে জাতে সাভিসাম্বপু স্যাৎ। অন্যেষাং সংযুক্ত চবর্গান্তানান্ত কে পরে আদৌ সংযোগান্ত লুপ্ইতি। তেন খজি পালুলো কিপি। খন্ খঞে খঞ্জ গুজি কুজনে গুন্ গুঞ্জোগুঞ্জ: ইত্যাদি অজ্অস্জ্কবিজ্এবাং চবর্গান্তবেহপি শছ্রাজেতিষঙ্বাধ নার্থং। উঞ্চিহ ইতি উর্দ্ধং মিছতীতি কিপি মুহাদি বৈহিতঘঙোহপ্রাপ্তি পক্ষে হো ঢৌভাবিত্যস্য বাধনার্থং। কুঞ্ছিত। কুঃকবর্গঃ অর্থং নানার্থ শব্দানাং যথা কার্যাং বদেৰ্ধ ইতি ৰচনাৎ মঘোনস্তঙ্বেতাত্র অর্বণো নঞ ইত্যত্রচ যথাতুঙা মুণাগমত্রৰ স্চাতে নতু সবর্ণো গৃহতে তথাত্রকুঙান্থান জাতত্বাৎ সবর্ণএব গৃহতে নতু মুণাগম স্থাতে ইতি। ধাত্বয়ৰঞকারস্যাসম্ভবেন ছকারস্যাপি শছাজেতি বাধিতত্বেনু চজকাইত্যেষাং স্থানে কগঘইত্যেতে স্মারিত্যর্থঃ যথাবটোবাক উক্তিঃ ভজঞৌ স্থভাক্ ভক্তিঃ জর্বশ্লক জক্তিঃ চবর্গসাহচর্যাদন্যেষামপি কগঘএষা মন্যতমএব স্যাৎ পশ্চাত্তেষাৎ ছানে ঝপ ঝসোরিত্যনেন যথাযোগ্যং কগৌস্যাতা মিতার্থঃ। অত রামানন্দকাশীশ্বরোতু কঙ ইত্যুকার শূন্যং মন্বারুগ্নাদি সাধ নায়ক্তক্তবত্বোস্তস্য নত্বে জমাগ ইতিস্কংকল্লয়তঃ বস্তুতন্ত রুগ্ন ইত্যাদৌনিরবকাশ ত্বাদন্তরঙ্গত্বাঞ্চ আদৌচুড়িওত্যাদিনাজকারস্য পকারে পশ্চাত্তকার্য্য নকারঃ।

ভৌ ইতি চবর্গার্থমের অন্যেষাং লিঙ্গানামের গ্রহণাৎ ফেপরে ইতার্থঃ। তথাহি অঞ্চকুঞ্চ যুজত্বাং ধাতুত্বে চবর্গাস্তত্বেন কুঙি অক্তিঃ কুক্তিঃ যুজিরিঃাদি সাদের। অজ্ অস্ত্র ঋত্বি দধ্য উফিং ইতি পঞ্চানাং ধাতুত্বাসম্ভবঃ। দিশদৃশ স্পৃশমৃশ ইতিতালব্যাস্তানাং চতুর্গাং ধাতুত্বে সম্ভবত্যপি লিঙ্গমধ্যপাঠাৎ লিঙ্গানামের গ্রহণং। তেন দিউঃ দৃষ্টঃ স্পৃষ্টঃ মৃষ্ট ইত্যাদৌ ন কুঙা। বিশ্বস্থ্যোহ্রের বজবাং। বিশ্বস্ক্ বিশ্বস্ট্ বিশ্বস্থ্যাং বিশ্বস্থ্যাং।

#### २১०। विश्वतारकाश्मा।

বিশ্বরাজো ২কারস্য আস্যান্ডো পরে। বিশ্বারাট বিশ্বারাড বিশ্ব রাজৌ বিশ্বরাজঃ।

ভৌ ইত্যস্যামূর্কার্বপি অস্যধাতুত্বাসম্ভবাৎ ফেপরে এবেত্যর্থঃ।

#### २>>। मार्रिः मार्र्वाभारकोष्ट्रात्रकः।

ন্যাদৌ স্থিতন্য সন্য লোপঃ ন্যাদ্তৌ পরে। কন্যচ নতুবঢ়াভ্যাম ন্যা স্থানে জাতন্য রক্ষণ। ভূট ভূড়। ৬২। ঝপঝনোরিতি সন্য দঃ। ৪৪। স্তুশ্লুণাদিতিশ ভূজো ভূজাঃ ইত্যাদি। অব্যাঃ হে অব্যাঃ হেঅব্যঃ অব্যাজো প্রব্যাজঃ অব্যোভ্যাং ইত্যাদি।

সাঃ সংযোগঃ। স্য আদির্যস্য সম্যাদিঃ তস্য। ষশ্চদ্স্যটোতাভামন্যঃ।
ততঃ ষদন্যসায়মিতিষ্ণে অনিত্বাদ্দ্ধেরভাবে ষদন্য সম্বন্ধী ইত্যর্থঃ। রক্ষ ইতি
রক্ষ ধাতু সম্বন্ধী উপচারাৎ। ষদন্যশ্চরক্ষচেতি সমাহারেণ ন ষদন্যরক্ষঃ অষদন্য
রক্ষঃ তস্য সংযোগাদেঃ স্যা লোপো ভৌ পরে। যথা ভূট ভূড্ভাং লক্ষতি অব
লট। স্যাদেঃ ক্যা লোপো ভৌ পরে। যথাতোটুমিছতি তুতুক্ষতীতি বিপি।
তুতুট তুত্ভভাং লেটুমিছতীতি কিপি লিলিট কিল্সভ্ভাং। ষদন্য মম্বন্ধিককার
বর্জনাৎ নোজুমিছতীতি কিপি মুমুক্মুমুগ্ভাং দোঞ্মিছতীতি কিপি দুধুক দুধুগ্রা।
মিত্যাদে ন স্যাৎ। রক্ষ বর্জনাৎ গাংরক্ষতীতি কিপি গোরক গোরগ্রাং। জৌম
রাস্ত রক্ষ ধাতোরপি ককারং লুপ্তা গোরট গোর্ড্রামিত্যান্তঃ। এবং রক্ষবর্জনেন
প্রকৃতিককারস্যাপি লোপপ্রাণ্ডৌ কাঠং তক্ষতীতি কাঠতট কাঠডভাং। উক্ষ

সেচনে সমৃত সমৃত্ভাং ইতাদে সাদেব ততশচজাত ককারাণাং মধ্যে ষ্চ্সম্থীককা রোল্পাতে। রক্ষধাতোঃ ককারং বর্জ্মিত্বা প্রকৃতি ককারশ্চ ল্পাতে ইতি নির্দ্ধঃ। নহ্ম্যতিন্বর্ণসম্বাজককারবর্জ্ব নেনালং লাখবাৎ ষ্ট্সম্বিক্ষকারসৈব লোপঃ ক্রিয়তানিতি চেৎ সতাং ষ্ট্সম্বিক্ষকারস্য লোপবিধানে রক্ষ্র্ত্তনম্বাভপ্রকাপবন্ত বতীতি। এবং ষ্ট্সম্বিনারক্ষর্ত্তপ্রকৃতেশ্চ ককারস্য ইতানেনাপ্যতিগোরবংস্যা দিতি। অতএব ককারমাত্রস্য লোপপ্রসক্তে ষ্ট্তির বর্ণ সম্বিনারক্ষণ্ট ককারস্য বর্জনং সক্ষতে। ভূট্ইতি ভ্রস্ত্রপ্রতিশিপাকে কিপি গ্রহম্ম পাদ্যোরিতিক্ষিং ক্ষ্মিগতি ক্ষতোয়জতীতি কিপ। উর্ক ইতি উর্জক ক্ষীবনে ক্ষিপি প্রেক্সমন্ত্রার সংযোগান্তল্বপ্। অব্যাইতি অব্যক্তবিত্তাব্য়া নিপাতিতঃ।

### २>२। जामार जामाः मः स्मी।

ত্যদাদীনাং তদয়োঃ সঃ স্যাৎ সৌ পরে। স্যঃ ত্যৌ ত্যেইত্যাদি সর্ব্বেৎ। এবং তদ এষঃ এতৌ এতে ইত্যাদি। ২০৭ দ্বীটোসীদৈ তয়োরেনোরূক্তাবিতি প্রয়োগস্ত ইদমবৎ।

বহুবচনং গণার্থং তাদাদীনামিত্যর্থঃ। সৌপরে তাদাদীনাং টেরকারেকুতে অবন্ধি ভৌ যৌ তকারদকারৌ তয়েঃ স্থানে সং স্যাদিত্যর্থ»। তেন তাদতদেতদাং তকারস্য অদসোদকারস্যেত্যর্থঃ। প্রয়োগস্থিদমবদিতি। এতং বিদ্ধি হরের্জক্তং বিদ্ধানিধনং শিবার্চকং। এতাবেতান্ বিস্তুদৈবানেনাবেনাংস্ত্র, বৈক্ষবান্। এতেন পূজিতঃ কুফোংথৈনেন গিরিশোহর্চিতঃ। এতয়োঃ কেশবঃ স্থানী শিবঃ স্থানী অথৈনয়োরিতি।

२५०। यूग्राम्यापाञ्चादशे यूवादवी यूग्रवस्त्री प्रम स्रो जूजा मत्शो जवमस्यो निषककृष्डधम्स्र।

व्यनत्याः क्रमारम्टङ चारम्भा ध्यु भरत्रयू क्रमार द्याः।

ত্বশ্চ অৱশ্চতো বুবশ্চ আবশ্চতো। বুবশ্চবয়শ্চতো ত্বদচ মদচতো তুভাশ্চ মহন্দ তৌ তবশ্চ মমশ্চতো। সিশ্চ ভশ্চ জস্চ কক্ষণ্ডেচ ডস্চ তেবু। মুখ্যতে গৌণতে চায়ং বিধিও। যথা ছাং অবং অভিছং অভাহং।

### २४८१ (७८मार्भिः।

यूशमन्त्रकाश भवना (७२०ामा त्व क मःमार। दश व्यरः।

এতদাদিয়ু চতুর্ স্তত্তেরু মুখ্যদ্বে গৌণত্বে যুদ্মদন্মদোন্তদাদেশানাঞ গ্রহণং। যথা যুবাং আবাং অতিযুবাং অত্যাবাং।

# ২১৫। সভমৌষ্বাঙ।

যুমদক্ষদোরাঙ স্যাৎসেভে অমি ঔকারে চ পরে। যুবাং আবাং যুয়ং বয়ং ত্বাংমাং যুবাং আবাং ।

ভকারে আঙকরণং ভিস্ ঐস্নিবৃত্ত্যর্থৎ যুদ্মাভিঃ অস্মাভিঃ অভিত্বাভিঃ অভি মাভিঃ।৷

### ২১৬। শস্ভ্যস্ঙসিভ্যসঙ্সসামাংনডভ্যস্তত ড়াকমঃ।

যুদ্দশন্ত্যাঃ পরেষামেষাং স্থানে ন ডভ্যম ত ত ড় আকম এতে ক্রমাৎ স্থ্যার্ডইং। যুদ্মান অস্মান।

স্বসম্বিধ্বিদ কারেণ সহিত আম সাম। শস্চ ভাস্চ ওসিশ্চভাসচ ওসচ সামচ। তেবাং।
নশ্চ ভভাস্চ তশ্চ ভশ্চ আকম্চ তে। অত্র নকারে তকারদ্বয়েচ অকার
উচ্চারণার্থঃ। ভতিব্যক্ষেত্যাদিনা লিল বিহিত কার্য্য নিষেধাং পুংসিত্ত শসন ইত্য
স্যাপ্রাপ্তো ত্রিষ্ লিল্পেষ্ শসো ন বিধানং। যুদ্মান্ অস্মান্ অভিত্বান্ অভিমান্।
বুদ্মাক মিত্যাদো সামিপরে অন্তরঙ্গত্বানিরবকাশত্বাচ্চ আদৌ সভ্যাবিভ্যনেন আঙি
কৃতে কমেনাপীই সিদ্ধো আকমবিধানং জ্ঞাপয়তি বৈভক্তিক কার্যাং পূর্বাং
সভ্যোব্যান্তিভাস্য ন প্রবৃত্তিরিভি। তেন যুদ্মং অস্মং ইত্যাদো ভাস স্থানে তকারা
দেশ করণাং পূর্বাং সভ্যাবিভ্যনেন আঙ ন স্যাদিভি। সাম্ আকম্ বিধানাং
গৌণত্বে ত্রি সংজ্ঞাভাবে স্থ্যাগ্যাভাবাং অভিত্বয়ামিত্যাদো ন প্রসঙ্গঃ।

## ২১৭। এঙ্টাঙ্যামি।

যুমদক্ষদোরেও স্যাড়ীঙ্যোঃ প্রয়োরামি চ ওইৎ। ত্বয়া ময়। যুবাভ্যাং আবাভ্যাংযুমাভিঃ অক্ষাভিঃ তুভ্যংমহ্যং যুবাভ্যাং আবা ভ্যাং যুন্নভ্যং অন্মভ্যং ত্বৎ মৎ যুবাভ্যাং আবাভ্যাং যুন্নৎ অন্মৎ তব মম যুবয়োঃ আবয়োঃ যুন্নাকং অন্মাকং। অভিত্ররাং অভিমরাং অভিযুবরাং অভ্যাবরাং অভিযুন্নরাং অভ্যন্মরাং। ক্র্ররোরর্থস্যা পি গ্রহণাৎ। এবং সর্ব্বে ত্রি মরি যুবরোঃ আবরোঃ যুন্নাস্থ অন্মাস্থ।

আমীতি গোণার্থমেব মুখাত্বে দাম আক্ষবিধানাৎ। অতিজ্ঞয়ামিত্যাদি। ত্বাম তিক্রান্তানামিতি বাক্যে যুশ্মদএকত্বে স্থলাদেশে এওটাঙ্যামি। এবং যুবামতিক্রান্তা নামিতি বাক্যে যুত্মদোদ্বিত্বে ব্বাদেশঃ। যুক্ষানতিক্রান্তানামিতি বাক্যে যুত্মদোবছত্বে আদেশভাবাৎ স্বরূপেণাবস্থানং। এবমতিময়ামিত্যাদি। নমু বছৰচনেপরে অদাদ্যাদেশঃ°কথমিত্যাশঙ্কাহ কছয়োরর্থস্যাপি গ্রহণাদিতি। ততশ্চায়মর্থঃ। যুত্ম দক্মদোর্মুখ্যত্বে গৌণত্তেচ সি জস ওে ওসাং স্বরূপ গ্রহণাত্তেষ্ পহরষু ত্বাহযুরবরতুভ্য মহাতবমমাঃ স্থারেব। সিজসাদেরনাত্র যুদ্মদন্মদোর্মুখ্যত্বে এক বচনে পরে ত্বন্মদৌ দ্বিবচনে পরে যুবাবৌ বছবচনে পরে স্বরূপেণাবস্থানং। গৌণত্বে তু পরবিভক্তি মনা দৃত্য যুত্মদক্ষদোরেকত্বেত্বশ্নদৌ বিত্বে যুবাবো বহুত্বে স্বরূপেণাবস্থানমিতি বথা ত্বা মতিকান্তঃ অতিবং অতিবাং অতিযুগং অতিবাং অতিবাং অতিবান অতিবয়া অতিশ্বাভ্যাং অতিশ্বাভিঃ অতিত্বভাং অতিশ্বাভ্যাং অতিশ্বভাং অতিশ্বং অতিশ্ব ভ্যাং অভিস্বং অভিতৰ অভিস্বয়োঃ অভিস্বয়াং অভিস্বয়ি অভিস্বয়োঃ অভিস্বাস্থ। যুবামতি ক্রান্তঃ অতিত্বং অতিযুবাং অতিযুবাং অতিযুবাং অতিযুবান অতিযুবয়া অতিযুবাভাং অতিযুবাভিঃ অতিত্বভাং অতিযুবাভাাং অতিযুবভাং অতিযুবৎ অতিযুবাভ্যাং অতিযুবৎ অতিতব অতিযুবয়োঃ অতিযুবয়াং অতিযুবয়ি অতিযুবয়ে। অতিযুবাস্থ। যুশ্মানতি ক্রান্তঃ অতিত্বং অতিযুশ্মাং অতিযুগ্ধ অতিযু দ্মাং অতিযুদ্ধাং অতিযুদ্ধান্ অতিযুদ্ধায়া অতিযুদ্ধাভাং অতিযুদ্ধাভিঃ অতিযুক্তাং অতিযুদ্ধাভ্যাং অতিযুদ্ধভ্যং অতিযুদ্ধং অতিযুদ্ধাভ্যাং অতিযুদ্ধং অতিতব অতিযুদ্ধ য়ে। অতিযুদ্ময়াং অতিযুদ্ময়ে অতিযুদ্ময়োঃ অতিযুদ্মাস্থ। মামতিকান্তঃ অত্যহং অতিমাং অতিবয়ং অতিমাং অতিমাং অতিমান্ অতিময়া অতিমাভাাং অতিমাভিঃ অভিনহং অতিমাভ্যাং অভিনভাং অভিনং অভিমাভ্যাং অভিনৎ অভিনম অভিনয়োঃ অতিময়াং অতিময়ি অতিময়োঃ•অতিমান্ত। আবামতিকান্তঃ অত্যহং অত্যাবাং অতিবয়ং অত্যাবাং অত্যাবাং অত্যাবান্ অত্যাবয়া অত্যাবাভাাং অত্যাবাভিঃ অতিমহং অত্যাবাভ্যাং অত্যাবভ্যং অত্যাবংঅত্যাবাভ্যাং অত্যাবং অতিমন অত্যাবয়োঃ অত্যাবয়াং অত্যাবয়ি অত্যাবয়োঃ অত্যাবাস্থ। অশানতিকান্তঃ

জতাহং জতালাং অতিবয়ং জতালাং অতালাং অতালান্ অতালয়া অতালা ভাাং অতালাভিঃ অতিমহং অতালাভাাং অতালাং অতালাভাং অতালাভাং অতালথে অতালাভাং অতালাং অতালথে অতিমদ অতালাং অতালায়াং অতালায়া অতালায়েঃ অতালাল । ইতি । নহু মন্তব্যাক্ষাকাৰে বাকাভেদোনচেয়াতে ইতি কৈমিনিবচনাদেকত্ববিদ্বার্থয়ােরের আদেশাঃ স্থারিতােকবাকোন মুখাতে গৌণত্বেংপি নির্বাহে মন্তবভাপিমুখাতে কর্বাাঃ পরয়ােরাদেশাঃ স্থাঃ গৌণত্বেএকত্ব বিশ্বয়ারাদেশাঃ স্থারিতিবিধিন্ধরক্ষানং গৌরবং আপরতি কচিংবিত্ব হর্থে আদেশা নস্থারিতি। তেন সুবয়ােররং বুল্লীয়ঃ সুবয়ার্থনং মুল্কর্নং আবয়াের্রায়ঃ অল দারুঃ আবাভাাং কৃতং অলথ কৃতং বুবামিক্ষতি যুবামিবাচরতি যুবয়ােরিবাচরতি বা মুল্লাতি যুবামাচতে যুল্লাতিইভাানে বিশ্বেহপি বিভক্তের্ক্তি আদেশােনসাাং। ঘ্রাকৃতং ত্বক্তং মনধনং বন্ধনং ত্বামিক্তি ত্বানাতি ত্বামাতিইতাাদীসাা দেব।

यूग्रमण्यां मिर्गिशीशां देकः महिल्द्याख्या देवर्गारते देवर्यम्न
तमे क्रमाचा माणाः। ज्यायूक्याख्य द्वा मा। नजू शाममा वाक
मा नात्मे खिल्द्यार्ननं वादेगाद्वमणी नार्थपूजिण्य त्यातः। मात्मामतः खा
वजू माशि मिज ममाजू त्य देशि मुमः मुकुमः। निरुद्ध त्य विक् त्यानि तम देशि त्रक्षद्वत्मे वा मिशितो मुतातिः ममाजू वाश्नाविश मर्या क्रकः करताजू वाश् श्रीमित्रित्या मन्नार्थ तो। श्रूकाजू त्वा ता देशि हित्रर्थनः त्वा ममाजू ता रुक्छणानि त्वा नः। जशामताकाति किश् यूग्रानवद्यवित्रजश् कृत्या श्रीमाम् शाजूः महत्रः। जन्नामित्यात्म किश् कृत्याः मराक्ष मम्नार्थ पर त्यावित्या मर्ग्रात्मव मर्। श्रीकर्णा मामत्याः कृत्याः पराक्ष मम्नार्थ पर त्यावित्या मर्ग्रात्मव मर्ग्रा श्रीकर्णा मामत्याः

তেশ্চ মেশ্চ তেমে বাষচ নৌশ্চ বাষ্নো। ইত্যুত্তরং সুপ্তপ্রথমান্বিচনান্তং। বস্চ নস্চ বস্নসো। পাদশ্চ বাক্যঞ পাদবাক্যে তল্পোরাদিঃ পাদবাক্যাদিঃ নপাদ

ৰাক্যাদিঃ অপাদবাক্যাদিঃ তন্মিন্। পাদঃ প্দাচতুর্জাবৈগকভাগঃ। বাক্যং পর न्भाताकाकायुक्तभागमूरः मृत्पर्भानः नमृक् अमृक्। मृत्नर्थाटवातर्थ देव अर्था स्वतार তে हुगार्थाः। वहान वापर्यात्व त्य हुगार्थाः एवं वाहृश्हृभार्थाः। ठम्हवाम्हर्शम्हरू এবশ্চ অদৃগদৃশাৰ্ধাশ্চ তে। নচৰাহাটেহৰাদৃগদৃশাৰ্থা অচবাহাটেহৰাদৃগদৃশাৰ্থাঃ তৈঃ। চবাহাহএব। ইতি পঞ্ভির্বাধৈর্ঘেরে আদেশানস্থারিতি গোয়ীচল্রোঽপি অত্ৰ কেচিত্ৰ হাহানে হ ইতি হয়ানে অহইতিমন্যন্তে। এবং স্বভাৰাদৰ্শনাৰ্থাযে धाउनत्त विम धाञ्चामत्नकार्थवामर्गन जिल्लाकार्थ नर्वत्त उनारेज्यात्रभाग नरा त्रिकार्थः चान्क मान्क चामारेकि नृथ्यथमाविवन्नाखः । खमायूख्याख **चा**यारेकि বিশেষাভিধানাৎ চতুর্থীবঠ্যোরের তেমেইতি। দামোদরইভ্যাদি। হেমিত্র দামো मत्रखाचार मामामि व्यवस मूकुन्मत्यस्यस्यः तममस्यि मूमः हर्वः ममाजू। विकृ ন্তেত্ব মেমমাপি অখানি পাপানি নিহন্ত। অসৌ মুরারি বাংযুবাংনো আবামপির ক্ষতু। কুকোৰাং যুবাভ্যাং নৌ আৰাভ্যামপি শর্ম স্থাং দদাতু। ঞ্জীদয়িতোৰাং यूरायाः नो आवरमार्ममार करताषु। •शत्रिर्वायुमान् नाजनान् श्रूकाषु। शत्र र्वीयूष्यछार ना श्याखार धनर ममाजू। इतिर्वीयूषाकर ना श्याकर अस्छानि হস্ত। প্রত্যাদাহরতি। যুদ্ধানবদ্বিরতং কৃষ্ণইতি পাদাদিহিতদ্বাৎ নাদেশঃ। অন্মান্ পাতুশক্ষরইতি বাক্যাদিহিতত্বান্নাদেশঃ। চাদিযোগে উদাহরতি। তুভাংমঞ্জইত্য मि स्थापः । किकाब চकाद्रायमि यूच्यमस्यामाः ममूक्तांत्रत्वाखवि उरेनेवादमानस्थाः। তেন রামোমুক্তিঞ্চ মে দদাৎ ইতাত চকারস্য মুক্তিভিদানাং ধনাদীনাং সমুচ্চায় कञ्चार जीत्मनः मात्मन । এवक এव भत्म। यम। युक्षमन्यत्म। त्रवधात्रतः वर्द्धत्उउदेनवा দেশানস্মাঃ। তন রামো যে ধনমেব দৃদ্যাদিত্যত্রএব শব্দস্য ধনভিন্নানাং পুত্রা महैनां र वावरहमकदामारमाः जारमव। अमृन्त्र्गारेर्थर्थारण उमादबं बीकर्थ देजा দি। প্রীকঠোমামপেক্য র্মমাপেকাং কৃত্বা ত্বাং পূজক মালোকয়তিবিচারয়তীত্যর্থঃ। অত ঈক্ষণ্ডদর্শনে ইতি ধাতুরপেক্ষায়াং লোক্জীক্ষেইতি ধাতুশ্চ বিচারণেবর্ত্ততে নতু मर्गत्नेहर्लि। अञ यूच्रमन्यद्यार्यु बाद्याद्वव अर्गः। त्छनोरः अिंग्यान भगामि প্রিয়াযুয়ং যেষাংতান্ জানামিইত্যাদো নস্যাৎ। জত্তবা শব্দশ্য অনেকার্ধদ্বাদিদং বিবৃণোমি। অকুদন্তাদেকাধিকরণাৎ পরয়োন্তয়োর্নাদেশাঃ স্থাঃ। দয়ালোন্তব সং দণ্ডিনোর্থয়োঃ স্বং ধীমতাং যুত্মাকংস্বং। ক্লন্তারু দরিক্রমতে স্বং গ্রাহিণো বাংস্বং পাঠকানাং বংস্বং। এবমশ্রদেইপি জসত্তৈকাধিকরণাশ্বা। ছাত্রাঃ কৌমারা বঃ খং ছাত্রাঃ কৌমারা যুত্মাকং খং। পৃথগ্যোগাদকুদন্তাদিতি নামূবর্ত্ততে। কদাচিৎ প্রথমাতৃতীযয়েরপ্যাদেশা ইভি বামনঃ। তেন গেয়ে কেন বিনীভৌবাং ক্সাচেয়ং कृष्टिः कर्दः। ইতিরাজ্যস্বয়ংপৃষ্টে তৌ বাল্বীকিষশংসতা মিতিরযুং। গেয়েগান

বিষয়ে কেনগুরুণা বাং ঘুবাং বিনীতৌ শিক্ষাং কারিতাবিতার্থঃ। এবং বিষ্ণুঃ শরীর গ্ৰহণমহমীশানএবচ। কারিভাত্তে য়ভোভস্থাং কভোতুং শক্তিমান্ ভবেদিভিচণ্ডী। গতোহেজোঃ তেম্বয়া বিষ্ণুরহমীশানশ্চ শরীর গ্রহণং কারিতা অতঃ কস্থাং স্তোতুং गेळिमोन् छत्विष्ठार्थः। अवः अगुरुक्विवस्त्रार्व्याप्रमादकाद्व मर्वे व्यापने। হামাচক্ষাণঃ ত্বং ত্বাং ত্বং ত্বাং ত্বান ত্বয়া ত্বাভ্যাং ত্বাভ্যাং ত্বভ্যং হুৎ ত্বাভ্যাং ত্বৎ ত্বৎত্বয়েঃ ত্বয়াং ত্বাকমিতি জৌমরাঃ ত্বয়ি ত্বয়েংত্বান্ত। মামাচক্ষাণঃ দং মাং মং মাং মানু ময়া মাভ্যাং মাভিঃ মং মাভ্যাং মভ্যং ম**ং** মাভ্যাং মৎ ণময়োঃ ময়াং মাকমিতি জৌমরাঃ ময়ি ময়োঃ মাস্ত্র। দ্বিত্বে সিজস ডেওসভিন্নবিভ कियु मर्सक युवारतो। यथायुवामाठकानः घर यूवार युवर युवार युवार युवान युवया ্ৰাভ্যাং যুবাভিঃ তুভাং যুবাভ্যাং যুবভাং যুবং যুবাভ্যাং যুবং তৰ যুবয়োঃ গুৰয়াং যুবাকমিতি জৌমরাঃ যুবিষ যুবয়োঃ যুবাস্থ। আবামাচক্ষাণঃ অহং অবাং বয়ং আবাং আবাং আবান আবয়া আবাভ্যাং আবাভিঃ মহ্যং আবাভ্যাং আবভ্যং আবৎ আবভ্যাং আবৎ মম আবরয়োঃ আবয়াং আবাক্মিতি জৌমরাঃ আবয়ি আবয়োঃ আবাস্থ। বছত্বেতু সৌ ত্বাহৌ জসি যুয়বয়ৌ অমিওসৌচ তল্মদৌ দ্বিবচনেষু যুবাবৌ শসভিসম্প্রস্থ যুক্মাসৌ টা সহিতয়োঃ স্থ্যাম্যা ঙি সহিতয়োঃ স্থ্যি মৃি अनार नर्तर श्रूत्वर। यथा यूचानां क्लानः वर यूवार यूवर वार यूवार यूचान् का যুবাভ্যাং যুম্মাভিঃ তুভাং যুবাভ্যাং যুম্মভ্যং যুষভামিতি জৌমরাঃ যুদ্ধামিতি কাতন্ত্ৰাঃ ত্বং যুবাভাগং যুদ্ধাৎ তব যুবয়োঃ যুদ্ময়াং যুদ্মা কং যুবাকমিতি জ্লৌমরাঃ ত্মি যুবয়োঃ যুত্মান্ত । অস্মানাচক্ষাণঃ অহং আবাং বষং মাং আবাং অসান ম্যা আ ৰাত্যাং অসাতিঃ মহুং আৰাভ্যাং অস্মৃত্যং অসত্যমিতি জৌমরাঃ মং আবাভ্যাং অশ্বৎ মম আবয়োঃ অশ্বয়াং অশ্বাকং অসাক্ষিতি জৌমরাঃ মি৷ আবয়োঃ অসাঞ্চ ইতি।

# २১२। मनान् एक श्मानि श्राः।

অনয়োরেতে অন্বাদেশে নিত্যং স্থ্যর্মতু সপূর্ব্বাৎপ্র্যস্তাৎ পরস্নোঃ। যুয়ং বয়ং বিনীতান্তৎ পাতু বো নো মহেশ্বরঃ। যুয়ং বয়ং হিতান্তেন সো হস্মান্ পাতু স বং শিবঃ।

অমূপশ্চাত্মক্তং অমূক্তং তন্মিন্ সহ আদিনাবর্ত্ততে রা সা সাদিং সাদিশ্চাসো প্রী চেতি সাদিপ্রী ন সাদিপ্রী অসাদিপ্রী তস্যাং। নতু সপুর্বাদিত্যাদি পূর্বস্থিত পদা ন্তরেণ সহিতাৎ প্রথমান্তাৎ পরয়োর্ত্মদক্ষদো রুক্তন্যপশ্চাত্নক্তৌ আদেশা নিতাং নস্তাঃ। পূর্বেণৈর বিভাষয়া ইতার্থঃ যূয়ং বয়ং বিনীতাইত্যুক্তিঃ। তৎপাতৃবোনো মহেশ্বরঃ ইতি পশ্চাতুক্তিঃ। তৎতক্ষাদিতার্থঃ। অসাদিপ্রাঃ কিং যূয়ং বয়ং হিতাই ত্যুক্তিঃ। তেন সোহস্মান্ পাতু ইত্যাদি পশ্চাত্নক্তিঃ অত্ত তেনেতি পূর্বপদেন সহিতাৎ স ইতি প্রথমান্তাৎ পরতয়া অস্মানিতি পাক্ষিক আদেশাভাবঃ পাতুসবঃ শিবইত্যত্ত পাত্বিত পূর্বপদেন সহিতাৎ স ইতি প্রথমান্তাৎ পরতয়া ব ইতি পাক্ষিক আদেশঃ।

#### २२०१ नावित्यकानग्रामग्रामखग्रा ।

वित्निया शूर्विमनामञ्जा शूर्विक श्विनात्मानामञ्जादनर् वादन्ति न स्याः। मर्ज्यार्क्यानुकं नक्षीम स्मरा त्ना श्वाद मर्व नः। स्र्वाद स्र्वादनी स्र्वानः स्र्वानः स्वादनी।

বিশেষ্যঞ্জ অন্যাচ্চ বিশেষান্য অনাদিতি আমন্ত্রা ভিন্ন পদমিত্যর্থঃ। বিশেষা ন্যে আদীয়স্য তৎ বিশেষান্যাদি। ন বিশেষান্যাদি অবিশেষান্যাদি। অবিশে ষান্যাদিচ তৎ আমন্ত্রাঞ্চেতি অবিশেষান্যাদ্যামন্ত্রাং তত্মাং। আমন্ত্রাং সংবাধন বিহিত প্রথমান্তপদং। বিশেষ্যামন্ত্রা পূর্বং যদামন্ত্রাং আমন্ত্রাংভিন্নপদ পূর্বঞ্জ য দামন্ত্রাং এতত্বভয় ভিনাদামন্ত্রাাং পরয়ো র্ম্মুদম্মদো তে মে প্রভৃতয় আদেশানস্তাঃ। তত্মত পূর্বপদ রহিতাং বিশেষণ পূর্বাচ্চ আমন্ত্রাাং পরয়োর্মহ্যারিতি নিক্ষর্যঃ। শন্তোংআনুক্ষ ইত্যাদাহত্য প্রত্যাদাহরতি ক্রম্মীশেতি ক্রম্মীশেতি বিশেষপূর্বাং সেব্যই ত্যামন্ত্র্যাং পরয়য়া নিষেধানাভূং। এবং অব ইত্যানামন্ত্র্যপূর্বাং সর্বাইত্যা মন্ত্র্যাং পরয়য়াং পরয়য় নিষেধানস্যাং। নহু দীটীযীণামিত্যক্র বিশেষ্য পূর্বাদনামন্ত্র্যা প্রাচ্চাম্ স্ত্র্যাংপরয়োর্মুম্মদম্মদোরাদেশ বিধানেনৈবেইটসিজ্বোত্রভ্রমভিন্নাদমন্ত্র্যাংপরয়োরাদেশনিষেধঃ কথমিতিচেন্ন তর্হি আমন্ত্র্যাভিন্নপদাং পরয়োঃ কুক্রাপি নাদেশ ইত্যনর্থা পত্তেঃ।

### २२३। श्रामः शब्दश्री।

পাদः পৎ मार्थि পরে। স্থপদः স্থপদা স্থপদ্যাং ইত্যাদি। ২০৯ চুঙিতিকুঙ্ ৪৮ নদ্যমুঃ। ৪৯ নোর্ডঃ। ১৯১ দ্যান্তদ্য লুপ্। প্রাঙ্ প্রাঞ্চৌ প্রাঞ্চঃ প্রাঞ্চং প্রাঞ্চৌ। এবং কুঞ্চ তির্যকোদঞ্চাদয়ঃ।

শোভনৌ পাদৌহসোভ্যাদি বিগ্রহে সংখ্যাস্থপমানাদিত্যাদিনা ক্রুস্য পাদিত্য

নকারান্তাদেশস্য পৎস্যাৎ পৌপরেইতার্থঃ। এবং ব্রিয়ামীপি ত্রিপদীইতি।
ক্লীবে ত্রিপদী বস্তুনী ইতি বোধাং। প্রান্তিতি। অঞ্গতি পূজনরোরিতাস্য
কিপি পূজার্থত্বান্ন লোপাভাবে প্রান্তইতি লিক্ষ্য চস্ট্রেউ নস্যাম্থারে তস্যচ ও
কারে স্যান্তস্য লুপি প্রাপ্ত প্রাক্ষী প্রাঞ্জঃ প্রাঞ্জং প্রাঞ্জী। গত্যর্থস্যতু ক্লিপিন
লোপে প্রাচইতি লিক্ষ্যা ত্রিদচোহদেরিতিনুধিকৃতে প্রাপ্ত প্রাঞ্জী পাঞ্চঃ প্রাঞ্জং
প্রাঞ্জী ইত্যুভয়োরের স্যাদিপঞ্চকে স্থানক্রপং। শসাদৌও পূজার্থস্য প্রাঞ্জঃ
প্রাঞ্জা প্রান্তভাং প্রান্তযুইতি। গত্যর্থস্যতু প্রাচঃ প্রাচাপ্রাঞ্জাং প্রাক্ষইতিভেদঃ।

#### २२२। चात्राश्राह्मारशार्यका

অচো ২কারস্য লোপঃ স্যাৎপৌ পরে পূর্বস্য চর্চ্বঃ। প্রতীচঃ প্রতীচা প্রত্যগ্ভ্যাং ইত্যাদি।

ষঞ্গতি পূজনয়েরিতাস্য ফিপি গতাবর্থে লুপ্তনকারস্য গ্রহণং। এবং নদী
ষঞ্চতীতি নদাঙ্ গুরুমঞ্চতীতি গুর্মঙ্গ কর্ত্তারমঞ্চতীতি কর্মঙ্গ গামঞ্চতীতি গবাঙ্
রায়মঞ্চতীতি রামঙ্গ নাবমঞ্চতীতিনাবঙ্গ। এবাং শসাদৌ নদীচঃ নদীচা নদাগ্র্যাং
গুরুচঃ গুরুচা গুর্মগ্র্যাং কর্ত্তাঃ কর্ত্তচাঃ কর্মগ্রাং গোচঃ পোচা পবাগ্রাং রৈচঃ
রৈচা রাষগ্র্যাং নৌচঃ নৌচা নাবগ্র্যাং ইত্যাদি। গোচইত্যাদৌও পূর্বেক্রস্থানাম
ভাবারদীর্যঃ। দিবমঞ্চতীতি ফিপি দিবঙ অস্য অকারলোপে উহস্মাঙ ইতিবস্য উদ্ধে
অনেন দীর্ঘে দূচঃ দূচাদিবগ্র্যামিত্যাদি। ব্রিয়ামীপি নদীচী গুরুচীইত্যাদি। ক্রীবেও
নদীচী গুরুচী কুলে ইত্যাদি। র্যশেচতি চকারস্য অবাচয়শিউত্থাৎ পূর্বস্য দীর্ঘা
সম্ভবেহপি অল্লোপঃস্যাদেব। যথা তমঞ্চতীতি তদঙ্গ শসাদৌ তক্ষঃ তক্ষা ইত্যাদি।
চোচোর্ছান্টেতি কৃত্তেহপীউনিদ্ধৌ অচোল্লোপ্যের্ষন্টেতি গৌরবং ক্লাপয়তি পূর্বেধ
পদাস্তর স্থিতেরাবশাকত্বনিতি তেন কেবলস্য জ্বচঃ জচা ইতাদৌ নপ্রসঙ্গঃ। অচ
ইতি লুপ্তনকার্য্য কিং পূজায়াং গুরুমঞ্চতীতি গুর্মঙ্গ শসাদৌ গুর্মঞ্চঃ গুর্মঞ্চাই
ত্যাদি।

# 

এষামেতে ক্রমাৎ স্থাঃ পৌপরে। তিরশ্চঃ তিরশ্চা তির্য্যগ্ভ্যাং ইত্যাদি। অমুমুঈচঃ অমুমুঈচা অমুমুয়গ্ভ্যাং ইত্যাদি। এবমদমু য়ঙ । উদীচঃ উদীচা উদগ্ভাং ইত্যাদি। শেষং পূর্ববৈ ১৫২
শচ্ছাজেতি চন্য বত্বে তরিমিন্তন্য শন্য নত্বে ২১১ ন্যাদেঃ নোলোপঃ। সুর্ট্ সুর্জ সুর্শ্চো সুর্শ্চঃ ইত্যাদি। ১৬২ ননবাহুরইতির্ঘঃ। ১৯১ ন্যান্তন্য লোপঃ। মহান মহান্তো মহান্তঃ মহান্তঃ
মহান্তো মহতঃ মহতা মহন্তাং ইত্যাদি। ভবন ভবন্তো ভবন্তঃ
ভবন্তঃ ভবতো ভবতা ভবন্তাং ইত্যাদি। শেষং মহদ্বং।
১৮৩ অন্নোধোরিতি। শ্রীমান শেষং ভবদ্বং। এবং যশস্বদাদয়ঃ।

উদচামিতিনির্দেশাং গত্যথ্য পূর্ববিদিত ঘৌ প্রাপ্ত প্রাঞ্চা প্রাঞ্চং প্রাঞ্চং প্রাঞ্চা ইতিবৃদিত্যর্থঃ। স্থ্রজিতি। ব্রশ্চশছেদে অঞ্চতেরেবগ্রহণং তেন পূজার্থস্য অমুমুয়ঞ্চঃ অমুমুয়ঞ্চা ইত্যাদি। অমুমুয়চ অদমুস্ট ইতি সদ্ধাতাবিদর্দেশাং এব-নসন্ধিঃ অন্যথা এতয়ার্যকারস্য ঈবিধানেনাপীফাসিদ্ধিঃস্যাং। শেষং পূর্ববিদিত ঘৌ প্রাপ্ত প্রাঞ্চঃ প্রাঞ্চা ইতিবৃদিত্যর্থঃ। স্থর্জিতি। ব্রশ্চণছেদে দন্ত্যমধ্যঃ। তথাচ নকার জাবস্থার পঞ্চমৌ ঋলিধাতুমু। সকারজঃ শকারশ্চ মাটে বর্গ স্থবর্গজ ইতিবোপদেবঃ। পশ্চাচ্চকার যোগান্তালব্যমধ্যঃ। স্থ্রশতীতি কিপি গ্রহস্বপাদ্যোরিতি জিঃ। ততঃ শত্রাজেতি ষপ্ত নিসিন্তাভাবে নৈমিতিকস্যাপ্যভাব ইতিন্যায়ান্তালব্য শস্যদন্ত্য সত্বে স্যান্ত্রয়ঃ নোলোপঃ ষোড়ংকে বাপঝ্যোরিত। মহানিতি মহপুজনে শত্পত্যয়ঃ। অস্যঅব্স্থ্যাপি নসমহন্ন ইত্যন মহতোগ্রহ গাৎস্যাদি পঞ্চকেনীর্যঃ। ভবনিত্যাদি ভূধাতোঃ শত্রস্যরূপং।

# ২২৪৷ ভগবদ্যবন্তবতাং ভগোইযোভোবাধী।

এবামেতে ক্রমাৎ স্থার্ব। ধৌ পরে। হে ভগোঃ হে ভগবন হে অঘোঃ হে অঘবন্ হে ভোঃ হে ভবন্ শেষং শ্রীমদ্বং। ১৯০ অদ্বেরি-ত্যুক্তের্ন মুণ। দদৎ দদতৌ দদতঃ ইভ্যাদি। ১৫২ শচ্ছাজেতি বস্তু। বিট্ বিজ্ বিশো রিশঃ বিশং বিশো বিশঃ বিশা বিজ্ভ্যাং ইভ্যাদি। ১৭৬ মহাংঘঙিতি। নক্ নগ্নট্ নজ্ নশো নশঃ নশং নশো নশঃ নশা নগ্ভ্যাং নজ্ভ্যাং ইভ্যাদি ১৮২ শ্বেতবাহেতি ভসও পুরোজাঃ হে পুরোজাঃ হে পুরোজাঃ পুরোজাশো পুরোজাশাং পুরোজাভ্যাং ইভ্যাদি। ২০৯ চুঙিতিকুপ্ত। স্পুক্ স্পুণ্ স্পুশোস্পৃশঃ স্পুশা

স্পৃত্যাং ইত্যাদি দধৃক্ দধ্গ দধ্যো দধ্যঃ দধৃগ্ভ্যাং ইত্যাদি।
यह यज् यज्ञिः यज्ञा यक्षाः यहेशः।

হেভাঃ ইত্যাদি রাজেত্যাদিষু নির্বিসর্গার্থং হসাৎ সিলোপসা প্রাথমিকত্বেইপি সর্বাবয়বাদেশানাং বলবত্বত্বাৎ বৈভক্তিককার্য্যাৎ প্রাণের আদেশে হসপরত্বা ভাবাৎ সের্লোপাভাবে বিসর্গঃ। ভবচ্ছব্দোহয়ং ভাতে রৌণাদিক ডবভুপ্রত্যয়ে নিষ্পাদিভোযুদ্মদর্থঃ। অত্র ভগবদঘবদ্ভবতাং বতউর্বাধৌ ইত্যনেনৈবেষ্টসিদ্ধৌ ভগোঅঘোভো ইতিগোরবং জ্ঞাপয়তি ভোশ্চিত্ত ইত্যাদৌ ক্লীবে ন ক্রমঃ সের্লুকচ নসাৎ ইতি। বস্তুত্ত্ব বতোডোসবিধানেনাপীফসিদ্ধৌ গৌরবং স্পটার্থং।

# २२**৫। मध्यस्ममज्यद्ग** १९ त ७ एक १ का

সস্যা স্থানে জাতস্য যস্য ইস্কুসঃ সজুষো ২হুন্দ রঙ্ স্যাৎ ফে পরে নতু ক্ষান্তস্য।

দন্তাসন্য স্থানে জাতোমূর্দ্ধন্যয় সমঃ। পিপটিমঃ চিকীর্ম বুভূর্মাদীনাং কিপঃ প্রাক্ষরে সম্থানে জাতয়ঃ। প্রীপতিদন্তোহিপি পিপিঠমপ্রভূতীনাং নিপঃ প্রাণ্ডলা তন্য মত্বন্যকিপি লিঙ্গমংজ্ঞান্থানিপি নিবৃদ্ধিনাতীতাাহ। ইন্থনোদন্তান্তো। মথা পিস্গতাংস্থপীঃ। তুসধানে স্তত্ত্ব প্রভূহবিঃ ধয়ঃ। সজুষো মূর্দ্ধনাত্ত্বাদ্ প্রাণ্ডে পৃথগুকিঃ। জুমীপ্রীতিনেবনয়োঃ। জোষণং জুট্ সহ জুমাবর্ত্তে যা সাসজুং। সমশ্চ ইমচ উসচ সজুমচ অহনচ তেমাং। নক্ষ অক্ষ তন্য। ক্ষান্তমাতু লিহলোঞ্জাদে লিলিকতীতি কিপি লিলিট অত্র হন্যাত্ত্ব মড়োঃ কংসে ইতিচ্ন্য কত্বে কিলাদিতানেন সনঃসমামত্তেংপিলরঙ। পিপটীন্তবঃ আশীর্দ্ধাদঃ অহর্মিনং ইত্যাদো বিভক্ষেপুকিবিরামেরঙ্গ্যাদেব।

# ২২৬। ব্যনচ্ত্যীকোধোর্ঘোহকুছুরোহখেঃ।

ধোরিকো র্ঘঃ স্যাদ্ধি রেফে চ। নৃতু কুর্ছুরেরা নচ খেনাচি ত্রে
চ। পিপটাঃ পিপটিযো পিপটিষঃ পিপটার্ড্যাং পিপটাঃষু। এবং
চীকীর্ষাদয়ঃ। দোঃ দোষোঃ দোষঃ দোষং দোষো। ১১৪ পাদদ-স্তেতি দোষন্ বা। দোষঃ দোষা দোর্ড্যাং দোষভ্যাং ইত্যাদি।
২১১ স্যাদেঃ সোলোপঃ। বিবিট্বিবড্বিবিক্ষো বিবিক্ষঃ বিবিজ্ভ্যাং
ইত্যাদি। পিপক্ পিপগ্ পিপক্ষো পিপক্ষঃ পিপগ্ভ্যাং ইত্যাদি। এবং গোরগ্ দিধিক্ষাদয়ঃ। স্থপীঃ স্থপিসৌ স্থাপানঃ স্থপীজ্যাং স্থপীঃমু এবং স্থতাঃ। বিদ্বান্ হেবিদ্বন্ বিদ্বাংসো বিদ্বাংসঃ বিদ্বাংসা।

রচবচর্বঃ তিমান বিঁ। রেকসাহচর্ঘাৎ বকারোংত্রদন্তাঃ। তেন উজ্বাতীভাত্র নদীর্ঘঃ। তস্তদ্ধিতঃ। তশ্চাসৌষচেতি তথ অঞ্চ তথচ অনুচতবোনবিদ্যতে অচতযৌপরৌযম্মাৎ দোহনচত্য তিমান। অনচত্যি ইতির্বি ইতাসা বিশেষণং ক্রচ চুরচ কুর্ব নক্চ্র অক্চ্র তসা নথিরথিঃ তসা। যথারেকে গীঃ ধূঃ পিপঠীঃ স্থপীঃ স্নতূঃ সজ্ঃ রকারে যথা দীব্যতি সীব্যতি। অনচভয়ীতিকিং গিরো গিরতি দিবৌ দিদিবতুঃ। ধুরং বহতীতি ধুর্ঘঃ চাতুর্ঘাৎ দিবাং কিঞ ত্যকারসাহচর্যাদত্র অচপ্রতায়দ্যৈর। তেনগীরর্থী ধূরন্তঃ পিপঠীরোকঃ আশীরারন্তঃ ইত্যাদৌ দীর্ঘস্যাদেব। ধোঃ কিং হবিঃ ধুসুঃ। অকুরচুরঃ কিং কুর্শব্দে কুর্যাৎ চোকুর্যাতে। ক্রইতি স্বরূপগ্রহণাৎ ভুকুঞ কুর্যাৎ কুর্বঃ। চুর্শি লোপে চুর্যাৎ চোচুর্যাতে। অথেঃ কিং ওরীওযক্ষরণে বীর্ষ্যে। ব্রীভাঞি ক্বিপি বিত্রীড়। নচ অনেনদীর্ঘেক্তেহপি ঝভথথহর্ঘেত্যাদিনা পুনর্দ্ধক্ষেনৈবে ফসিদ্ধৌ থিবর্জনং ব্যর্থমিতিবাচ্যং। ঝভখথেত্যাদি সামান্যং বাধিত্তপ্লং ব্যন চত্যীতি বিশেষেণ আদৌ দীর্ঘসাপি দার্ঘেকৃতে সর্কৃণতোবিপ্রতিষেধায়দাধিতং ज्ञाधिज्ञायन रेजिनाराम अज्यायकानिनानि श्वनक्र्यामञ्चनाः। रेक्झानिक তয়ারেফ বকারনিমিত্তক তয়াচ ব্যন্ততয়ীত্যাদিবিশেষঃ। দীর্ঘস্থানিকতয়ানি র্নিমিত্তকতয়াচ ঝভথথেতা।দিঃ সমানাঃ। পিপঠীরিতি। পঠিতুমিছতীত মুনি ব সারস্যেতি ই ক্রিলাদিতিষত্ত্ব দ্বি জাবে পিপঠিষ ইতিভাগস্য ধাতুসংজ্ঞায়াং কুপি হসালোপইতিসনোহকারলোপে আতিদেশিকমনিতামিতিনাায়াত্রসাস্থানি ৰত্বাভাবে সমেতিরঙি ইমোংপিধাত্বয়বতয়ার্ব্যনচত্যীতি দীর্ঘে রেক্স্য বিসর্গঃ। এবং চিকীর্যাদয় ইতি। এবমিতি রঙপ্রাপ্তার্থং নতু সর্বারূপসামার্থিং তেন চিকীর্য শব্দস্য স্থাপিপরে ষ্মার্ডি সাভিসারাদিতাত্রসান্ত্রেটি ভিন্নপদজাপকাং বাদ্র ঙোলোপে রঙোবিঃস্থপীতি নিয়মাৎ রেকদা বিদর্গাভাবে কুলাদিতিষত্বে চিকীর্ছুইতি রেফনুক্তং পদং। এবং বুষুর্যতীতিক্পি বুৰুঃ বুষুর্বে বুষুর্ত্যাং বুৰুর্মু ইত্যাদি। দোরিতি দ্স্রাউৎক্ষেপণে ইত্যুস্থাৎ ক্বিপিভুক্তেবাচ্যে মনীধাদিস্বাদকারস্য ও কারে অম্বঠাদিত্বাংষত্বে সমেতিরঙ। বিবিড়িতি। শোবিশ প্রবেশে। বেষ্টু মিছতীতি সনি শছ্রাজেতি ষণ্ডি ষঢ়োঃ কঃসে ইতি ককারে ক্যোগাৎ ষত্বে কিৃপি ৰিবিক্ষ ইতি লিঙ্গং ,অত্ৰষকারস্থানে জাত ককারস্য লোপঃ। পিপগিতি।

ডুঞোষপচপাকে পজুমিছতীতি কিপি পিপক্ষ ইতি লিক্ষং অত্র চকার জাতক কার্ম্য লোপাভাবে সান্ত্রমাঙ্গুলি ঝপঝসোরিতানেন কম্য কগোঃ সন্ধি গ্রহণাৎ সন্ধিনুপ্রের ন মন্ধিরিতি নিয়মাৎ এবং গোরক দিধকাদ্যঃ ইতি গাংরক্ষতীতি গোরক অত্রক্ষবর্জনাৎ ককার লোপাভাবে সংযোগান্ত লুপ। এবং দহৌদাহে দিধকতীতি কিপি দিধক অত্র দাদের্ঘ ইত্যনেন হস্য খব্রে ঝপঝসোরিতানেন খম্য কত্বে ঘ স্থানে জাত ককার্ম্য লোপাভাবে সংযোগান্তলুপ। মুপীরিতি পিস্থগত্যাং স্থপেমতীতি কিপি ইমন্তবাদ্রগু। এবং তুমনানে উমন্তবাদুগু স্থতঃ। বিধানিতি বেজেঃ পর্ম্য শতুং কৃষাদেশে ব্রিদ্টোহছেরিতি নুণি ন মন্যুহন্ন ইতি দীর্ঘে সংযোগান্তলুপ।

# २२१। वरमार्वः सम्भूग्र जूलाः।

বদোর্বশব্দস্য ইমসহিতো হপি উঃ স্যান্মতৌ পৌ চ পরে। বিজ্যঃ
বিজ্যা। ১৮১ অস্ধস্ বস্থিতি দঙ্। বিদ্বভাং ইত্যাদি। পেচিবান
পেচিবাংসৌ পেচিবাংসঃ পেচিবাংসং পেচিবাংসৌ পেচুষঃ পেচুষা
পেচিব্ভ্যাং ইত্যাদি। জগন্বান্ জগন্বাংসো জগন্বাংসং
জগন্বাংসৌ। বিস্যোত্ব তন্নিমিন্তস্য নস্য মন্ত্ব।

বস্ব্যান্মতোঃ প্রসঙ্গাভাবেহাপ মতৌপরে বসোর্বকারস্যোকার বিধানং জ্ঞাপয়তি বস্বস্থান্মতুঃ নৈবভাব্যামতি মতৌ বিছুম্মান্। পৌ বৈছুমাং বৈছুমং পৈচুমাং বৈছুমং পৈচুমাং বৈছুমাং পৈচুমাং বিছুমাং পৈচুমাং বিছুমাং পিচুমাং বিছুমাং পিচুমাং কিছুমাং বিছুমাং কিছুমাং ক

# ২২৮ ৷ হনগমজনখনঘসামুঙ্লোপোহঙেহচ্য-

এষামুঙ্ লোপঃ স্যাদণাবচি নতু ঙে। জগমুষঃ জগমুষা জগমুদ্তাং ইত্যাদি। এবং জগিমুবান্। ১৮৩ অধোরিত্যুক্তে। স্থহিন্ স্থহিং- সৌ স্থৃহিংসঃ স্থৃহিন্ভ্যাং। ধৃথ ধ্বে ধৃষ্ণঃ ধৃদ্যাং। 'এবং স্রথ। উক্থশাঃ হে উক্থশাঃ হৈ উক্থশাঃ উক্থশানো উক্থশাসঃ উক্থ শোভ্যাং।

নঙোহঙঃ। তিমান । নান্তিণুর্ধমান সোহণু তিমান । যামানপরে গুণো নিষিদ্ধান্ত বিমান । তিনাপি আখ্যাতকুরোরেবসম্রবঃ। যথা জন্মতুঃ জণাতুঃ জজ্ঞে চখুতুঃ জক্ষতুঃ। ভিদ্বিশ্চাক্রেওলোপিন ইতিক্লিপ্রভায়ে জ্মিঃ জ্যায়ঃ চথিঃ যক্ষিঃ। অভিইতি অগমং অষমং। ভীষিচিন্তীতিঙেজনা। স্তহিনতি। হিসীধকিহিং সে কিপি নসবাহন ইতানেন প্রাপ্তব্যোদীর্ঘো অধোরিত্যুক্তের্নগ্যাং।

# २२२.। पूरमाश्युष्रयो।

পুংসে। ২স্তঙ্ ফ্রাৎ ঘৌ পরে উগ্রাবিতো। প্র্মান্ পুমাংসো পুমাংসঃ পুস্ত্যাং পুংভ্যাং।

অন্তও উদিস্থাৎ ব্রিদচইতিন্থণি নসবাহন্ন নসম্ভবাৎ দীর্ঘেসান্তসালুপি পুমান।
পুদ্ধামিতি দর্মবিধিভাো লোপ বিধির্বলবানিতি ন্যায়াদাদৌসংযোগান্ত লুপি
সন্ধিগ্রহণাৎ সন্ধিলুপ্যেব ন সন্ধিরিতি নিয়মাদাদ্বন ইত্যাদিনা মস্যানুস্বারে
বাহুর্যপে ইত্যানে অনুস্বার্স্য মকারে পুস্কাং পুংক্তামিতাপি।

# २००। मिट्छान्यनभूतमः लाक्तक्राक्रिशः।

এভ্যঃ পরস্থা সের্ডা স্থান্নতুধেঃ। ° উশনা। উশনসচ পুরুদংশসচ অনেহসচেতি তম্মাৎ নধিরধিঃ তসা।

### ২৩>। ধের্ডজনৌবোশনসঃ।

উশনসং পরস্থা থেওঁ ডনৌ বাস্তঃ ডইৎ। হে উশন্ হেউশনন্ হে উশনঃ উশনসৌ উশনোভ্যাং। অনেহা হে অনেহঃ অনেহসৌ অনেহসঃ এবং পুরদংশা। বেধাঃ হে বেধঃ বেধসৌ বেধসঃ ইত্যা-দি। ১৮৩ অধোরিত্যুক্তে । স্থবঃ স্থবসৌ।

সম্বোধনেতৃশনসন্ত্রিরপং সাস্তং তথা নাস্ত মথাপাদন্ত মিতি বাণ্ড্রভৃতিঃ। বেধাঃ ইতি বিধসবিধৌত্রাস্থাসিতি অস্। স্থবইতি বসনঙ্গিপি অন্থনোধোরিতি প্রাপ্ত ব্যোদীর্ঘো অধোরিভাজের্মসাং।

# २०२१ जनमः (मर्त्रीः।

षानमः পরস্তা সেরৌঃ স্তাৎ। অসৌ।

অনে। অত্র সর্ববিভক্তি বিষয়কস্য দোমেহিদসশ্চেতাস্য বাধকেন ত্যদাংতদাে বিতানেন দ্যাসএব। হে অসৌপুরুষ ইত্যত্র স্বাদিন্তামিতানেন প্রাপ্তবাঃ সেলােপ প্রকারেণবাধ্যতে লােপঃস্বরাদেশ্যাঃ স্বরাদেশােবিধির্বলবানিতিনায়াং। এবং হে অসৌস্ত্রি অত্রাপি টেরত্বে আপি আদৌ সেঃ স্থানে জাত্রস্য স্থানি বত্বাভাবাং থিটোন্যে ইত্যনেন একারাে নস্যাং। অত্রন্থত্রে পরস্থত্রে পরস্থতাে বাশন্দোহত্ত্বর্ত্তে। সচউভয়ত্রের ব্যবস্থামাত্রবাটী। ব্যবস্থাচেয়ং। সাকোং দসঃ সেরেরার্বা অনকস্ত নিত্যমিতি এবং মাংস্বর্ঘারুষ্ট ইত্যত্রাপি বাশন্দস্য ব্যবস্থাা সাকোইদসঃ সেরেরাকারাভাব পক্ষেইদসঃ সাংপরস্য অকারস্য উত্তমিতিতেন অস কৌ অস্থকঃপুমান্ অসকো অস্থকান্ত্রী। কেচিয়ু প্রকারাভাবপক্ষে দােমােহ দস ইত্যনেন দকারস্য মকারংকৃত্বা অমুকঃ পুমান্ অমুকান্ত্রী ইতি বিভাষয়ােব দন্তি। জ্ঞাতঃস্বরেণামুকঃ ইতিপ্রয়ােবাাহপি ক্লীবেতু সেল্ কিকৃতে লুকিনতত্রে তি নিষেধাং তাদাংতদােরিত্যস্য দােমােহদসশ্যেত্যস্যাচ অপ্রাপ্তেরী অদঃ অদকঃ কুল্মািত।

# ২৩৩। মাৎস্বর্ট।

অদনৌ মাৎপরৌ স্বর্ঘা বুছতাবাপ্লভঃ। অমূঃ।

অত্র মাদিগ্রহণেন অমুষাঃ শিষাঃ অদঃ শিষাঃ অমুষ্য স্ত্রী অদঃ স্ত্রীইত্যাদেশ সমাসে বিভক্তিলুকিনত:ত্রতিনিষেধাৎ দোমোহদসশ্চেতাসা। প্রাপ্তাবুকারো নসা। দিতি এবং উগ্রহণেনের উবর্ণপ্রাপ্তো উউ ইত্যুভয় গ্রহণন্ত প্রত্যয়াদেশয়োঃ ইদ্র হিতেনাকাসবর্ণোন গৃহতে ইতি জ্ঞাপনার্থং।

### २०१। এतीर्व।

অদুদো মাৎপরো কো নিষ্পান্ন একার ঈঃ স্যাৎ। অমী অমুং অমূ অমূন্। ১২১ টাদসশ্চান্ত্রিয়াস্ত না। অমুনা অমূভ্যাং অমীভিঃ অমুগ্রৈ অমূভ্যাং অমীভ্যঃ অমুগ্রাৎ অমূভ্যাং অমীভ্যঃ অমুধ্য অমু যোঃ অমীধাং অমুগ্রিন্ অমুয়োঃ অমীধু। হুদন্ত পুংলিঙ্গ পাদঃ। স্বেকিং অমূস্তিয়ো অমূকলে। অমূদ্রৈ ইতার টেরছে দসামত্ত্ব দুওলো পশ্চাদ কার্ম্য উত্তেমত্ত্ব। ইতি পুংলিঙ্গপাদঃ।

#### ১০ অধ্যায়ঃ।

#### रुमख खीलिङ भकः।

# ২৩৫। নহোধ্জভৌ।

নহে। হৃদ্য ধঙ্দ্যাৎ ভৌ পরে। উপানৎ উপানদ উপানহৌ উপা নন্ত্যাং। ২০৯ চুঙিতি কুঙ্। উঞ্চিক্ উঞ্চিহৌ উঞ্জিণ্ভ্যাং ইত্যাদি।

ধোস্ত অনাৎসীৎ আনদ্ধ অনানৎ।

# २०७। मिव छेष्टमो।

किंव अध्ना (मो भरत। को किंदो किंव: 1

মুখ্যত্ত্বে গৌণত্ত্বে চায়ংবিধিঃ। তেন দ্যোঃ অতিদ্যোঃ। স্বরাদেশত্ত্বেন বলবত্ত্বা দ্যাদাবৌকারে সেবিস্বর্গঃ।

#### २७१। वामग्रहा

मिव आ अगाषामि भरत । माश मिवश मिरवो मिवं मिवा।

অযমপি মুখ্যত্ত্ব গৌণত্ত্বেচ দ্যাং দিবং অতিদ্যাং অতিদিবং নম্পুদ্যোশক্ষসাদা। মিতি দিবস্তু দিবমিতি ইত্যুভয়সিদ্ধৌ বাম্যান্তিতি ব্যর্থমিতিচেন্ন অমশসোরিত্য অমুখ্যসৈত্ব গ্রন্থনেন অতিদ্যামিতাস্যানুপপত্ত্তঃ।

# २०৮। উरुस्राधु।

দিব উদ্ভ্ স্যাৎ উবর্ণে হ্লে চ পরে। ছাভ্যাং। গীঃ গিরো গিরঃ। এবং পূঃ। ১৫৫ স্থিয়াংত্রিচতুরইতি চতস্থ। চতস্রঃ চত স্রঃ চতস্থভিঃ চতস্থভাঃ২ চতস্পাং চতস্যু। ১৩১ টেরব্বে আপ্। ক, কে কাঃ ইত্যাদি স্কাবেৎ। এবং যদ। ২০১ ইদমোহয় মিতীয়ং। বিয়ং ইমে ইমাঃ ইমাং ইমাঃ অনয়া আভ্যাং আভিঃ অধ্যৈ আভ্যাং আভ্যঃ অদ্যাঃ আভ্যাং আভ্যঃ অদ্যাঃ অনয়োঃ আসাং অস্যাং অনয়োঃ আস্থ। স্রক্ অজো অজঃ স্রগ্ভ্যাং। ১৩১ টেরত্বে আপ্। স্যা ত্যে ত্যাঃ ইত্যাদি সর্কা। বং। এবং তদ্ এতদ্। বাক্ বাচৌ বাচঃ বাচং বাচা বাগ্ভ্যাং। অপ্শব্দে। ব্যান্তঃ। ১৬২ নসবাহুলোহধার্যঃ। আপঃ অপঃ।

উউবর্ণঃ। দিবউদ্যানাং দূদ্যানাং দিবউর্দ্ধং দূর্দ্ধং। হসইত্যনেনস্যাদীয় প্রক রবেহপি সামান্যহসোপ্রাছঃ। অন্যথা সভইতিসফুটনির্দ্ধেশনৈবেফসিদ্ধৌ। হসইতি শঙ্কেতশব্দোপাদানমনর্থং স্যাৎ। নচ তর্হিংসোহন্তঃফ ইত্যত্রাপি সভ ইত্যের বক্তুমুচিতমিতিবাচ্যং তত্রসভইত্যুক্তোস্যাদীয় নকারস্য ফড়াভাবাং পঞ্চা নামিত্যাদৌনোলুপ্ফেধাবিতি নলোপাত্মপপত্তেঃ। হসি যথা ছ্রাভ্যাং, ছ্যুগতঃ ছ্বাপতিতঃ ছ্যুকামইতি পূর্মতোবাশব্দোখনুবর্ত্ততে। সচেহ ব্যবস্থাবাচী। ব্যব স্থাচেয়ং। ক্লীবে স্তুত্যুকুলমিতি স্যমোলুকি বিরামেহপি উভস্যাৎ। এবং দিবি ভবং দিব্যং দিবমিচ্ছতি দিব্যতি ই ত্যাদৌ ন্স্যাৎ।

### २७२ जारभाष्ट्रा

অপো দঙ্ স্যান্তি পরে। অন্তিঃ অন্তঃ২ অপাং অপ্সু। निक् नित्भी निभः निभ्जाः हेजानि। এवः नृक्। त्रिष् त्रियो দ্বিষঃ দ্বিষা হিত্তি ইত্যাদি। সজুঃ সজুবো সজুষঃ সজুষা সজুজাং সজুষু। এবং আশীঃ। ২৩২ অদসঃ সেরোঃ। অসৌ অমু অমু: অমূং অমু অমুঃ অমুয়া অমূভ্যাং অমুভিঃ অমুব্য অমূভ্যাং অমূভ্যঃ অমুব্যাঃ অমূভ্যাং অমূভ্যঃ অমুব্যাঃ অমু য়োঃ অমূষাং অমুব্যাং অমুরো অমূষু। ইতি হসন্ত স্ত্রীলিঞ্চ शामः।

অত্র বাশক্ষস্য নামুবুল্ডিঃ। ব্যবস্থাবাচি বাশক্ষস্য ইচ্ছয়ামুবুল্তি রনিচ্ছয়ানিবুল্ডি রিতি। অত্রপ্রকরণবলাং ভ ইতিসাদেরের তেন অব্ভয়মিত্যাদৌ ন প্রসঞ্চঃ। গৌণেহপ্যায়ং তেন স্বদ্ধ্যাং ইত্যাদি। সঞ্রিতি। স্বেস্থ্সীতির্ডির্বানচত্যীদীর্ঘঃ। এবমাশীরিত। আঙ পূর্কাৎ শাস্ত্রকলুশাসনে ইত্যক্ষাংকিপ শাস্ত্রভিদ্ধসঙে

ইতানেন আকারসা ইকারে পদসংজ্ঞাভাবাদেব পদান্তব্যভাগ শাসবস্থসেতি
যবং। ততোলিঙ্গসংজ্ঞারাং স্যাদেরৎপত্তো স্ন্যুজাভ্না য্নারঙ্গ্যাদিত্যর্থঃ।
অতএব সজ্ঃ শব্দংসাধ্যিত্বা এবমাশীরিত্যাহ। অন্যথা ইসন্তত্ত্বনৈবর্থি সিদ্ধে
পানিকাতন্ত্রায়াঃ পৃথগাশীর্গ্রহণমনর্থকং স্যাৎ। ছুর্গসিংহোহপ্যেবং। প্রীপ
তিদভোহপি সজু্যাশিষোপ্ত মুর্দ্ধন্যযাবীয়াব উকারাপবাদোরেফইত্যাহ। ননু বি
ভক্ত্যুৎপত্তেরাদো ঘত্ব ব্য়ত্ত্বমপ্যাস্তামিতিচেৎ সত্যং। আদৌ পত্তে স্লুশ্গাতীতি
স্থান্দ্রা গৃহ্যাতীত্তি গ্রাহীত্যাদো দীর্ঘার্থং নকারলোপার্থঞ্চ তত্ত্বৎ স্থতেমু মূর্দ্ধন্য
নকারস্য পৃথগগ্রহণং গৌরবং স্যাদিতি বিভক্ত্যুৎপত্তেরাদৌ নত্বং ন ক্রিয়তে। কে
চিত্র বিক্ষোচবেধাঃ স্ত্রীত্বাশীরিত্যাদৌ ইসন্তত্বাদেব রঙ ইত্যাহ্রঃ।

### ১১ অ্ধ্যায়ঃ।

#### र्मेख क्रीविक भक्ः।

১১৬ স্যমোলুণিতি। ১৮১ অস্ধস্বস্থিতিদঙ। স্বন্<u>ডুৎ স্বক্</u>ষী। ১৭৯ অনডুচতুরো ২ণাণাবিতি। স্বন্ডান্থাই। পুনস্তদ্ধ। শেষং পুষ্ধ। চ্ফারি ব্রহ্ম।

শোভনোহনত্বান্থ যত্র গোঠে তং স্বনভুং।

# २८०। कीरवरनानुबारधी।

नश्राह नमा लूश्माह वा (यो श्राह । ए उक्क ए उक्क व उक्क वि उक्क वि वक्क वि वि वक्क वि वक्क वि वक्क वि वक्क वि वि वक्क वि वि वि वक्क वि

নোলোপ্ফের্ম বিতাস্যাপ্রাপ্তের বিভাষেরং। কুপকরণাৎ তদাদিবিধের্নিষে থে হেধনিকুলমিত্যাদৌ পুথে বৈতি গুণো নস্যাৎ। নচ পুথে বৈত্যক ইগন্ত প্রকৃতিবং বিবক্ষিতমিতিবাচ্যং। তর্ছি প্রদ্যোপ্রভূতীনামপি হেপ্রদ্যো ইত্যাদৌ গুণামূ পপত্তেঃ। অফ্লী অহনী ইতি ঈঙোস্তবেতি বিকল্পঃ কিমিত্যাদি। স্যমোর্লু কিক্ডে লুকিনভত্রতি নিষেধাৎ টেরকারো নস্যাং। নমু লোপস্থরাদেশয়োঃ স্বরাদেশো বিধিবলবানিতি ন্যায়াদাদৌ টেরত্বে ক্লীবাৎ স্যমোহধেরিতি সেমকারাপন্তিরি তিচেন যস্য লুকক্রিয়তে তলিমিন্তক কার্য্যসাদার্ৎপত্তো লুগ্বিধানস্য বৈর্থ্যাৎ। অসানীতি। পাদ্যন্তেতি অসনাদেশে যমাদৌ নিষেধাৎ ন পুন। উকারেত নুরিতি। ইন্মাতে ইত্যাদৌ ক্রমজপজভেত্যাদিনা যথা নুরিত্যক্ররাগমঃ ক্রিয়তে নুম্ব মেত্যক তথা ন কিন্তু উকারেৎ নুর্মকারঃ নতু বিক্র্মাত্রস্য আখ্যাসজ্জেত্যর্থঃ। অস্থ জ্লৌতু এন্দিতি। অমোলুকিক্তে লুকিনতত্রতি নিষেধেহপি ইনৈতয়োরেনা দেশ বিধান সাকল্যার্থ মেত ভাগস্য এনাদেশঃ স্যাদেব টেরত্বাভাবেদকারত্বি তিঃ। গোটীইতি। অচোহল্লোপ ইত্যকারলোপঃ। এবং পরে ইতি অমুমুরগাদ্য ইত্যর্থঃ। শক্কদিতি তালব্যাদিবিঠাবাচক শক্ৎ শক্ষ্য পাদ্যন্তেত্যাদিনা শক্ষাদেশঃ।

# ২৪১। ধেলতুত্ৰ পৌ।

দ্বেঃ পরস্য শতুরুণ্ স্যাৎ শৌ পরে বা। দদন্তি দদতি। এবং জক্ষৎ জাগ্রদাদয়ঃ। তুদ্ধ।

বিদচোহদেরিভা বংশক্সা নিষেধাৎ অপ্রাপ্তোবিভাষা।

# २८२। जामीरेशः।

অবর্ণাৎ শতুমুর্ণ্ স্যাদ্ধা ঈকারে ঈপিচ পরে। তুদন্তী তুদতী তুদন্তি। ভাৎ ভান্তী ভাতী ভান্তি। পচৎ।

ঈশ্চ ঈপচ ঈপো। তয়োঃ। ঈপঃ পৃথগ্গ্রহণাৎ ঈ ইতি ক্লীবাদ্যো ইত্যনের
আদিউস্য ঈকার্ম্য গ্রহণং। অন্যথাতুদত ইদং তুদতীয়ং ইত্যাদাবপি প্রস্তিঃ
স্যাৎ। তুদন্তী ইতি। তুদক্র্যোশবাধে শতৃ দ্বিস্ততুদেতি শঃ লোপোংতোহ
দেটোরিত্যকার লোপেংপি স্থানিবত্বা দকারাৎ পর্স্য শতুর্বা স্থণ। ভান্তী
ইতি। ভালষদীপ্রে শতৃ ঘেশপ্রে ইতি শপ লুদ্ধভ্যোহপ ইতি শপোকৃকি
আকারাৎ পর্স্য শতুর্বাস্থণ। নচ অত্র শপলোপ্স্য স্থানিবত্বেন শপঃ পর্বাৎ
অপ্যনোনিত্যমিত্যনেন স্থণোনিত্যত্বাপন্তিরিতিবাচ্যং। লোপোংস্যোমাঙো

রিতি। লোপোহতোহদেচোরিতি হসালোপোহসিতায়োরিতোর্ডাত্যামনাস্ত্রেপ
কৃত্যা অকারলোপায় স্থানিবস্থং নাস্তীতিনিয়মাং। অসাবীক্ষং সকোহলো
পোহচারে ইতার দৃশাং। এবং যালগতো। বালগমনহিংসয়োঃ। ফালশো
ধনে। প্রাল্মপাকে। প্রাল্মপোকে। সালস্থপেপলায়নে। পালরক্ষণে।
রালদানে লালচগ্রহে। দালসুনৌ। খ্যালখ্যাতৌ কথনে। প্রাল্পর্ত্তো। মাল
চমানে। প্রাল্ভক্ষণে। এষামপিচতুর্দশানাং যাতী যান্তী ইত্যাদি। অত বা
শব্দমা ব্যবস্থাবীচিত্মাৎ পূর্বানিষ্টমনপেক্ষমাতু স্থাবা স্যাদীপোঃপরয়োঃ
ইতি বোধাং। যথা ভবিষান্তী ভবিষাতী জ্ঞানস্থথে। ভবিষান্তী
মৃক্ষিঃ। এবং স্থোষ্টী স্থোষ্টা পক্ষান্তী। অব্যাক্ষপোভবিষান্তার্গঃ
কার্যাসিদ্ধেন্থি লক্ষণমিতি কালিদাসঃ। সচিন্তমতোবভিষত্মবেদ্যাতী।

# ২৪৩। অপ্যনোনিত্যং।

অপো যনক শতুর্নিতাং মুণ্ স্যাদী ঈপোঃ পরয়োঃ। পচন্তী পচন্তি। দীব্যৎ দীব্যন্তী দীব্যন্তি। স্বপ্সপী। ১৬২ নক্ষ্মুহ নোহধোর্যঃ! স্থান্সি স্থপা। ২৩৯ ভাপোর্দিন্ত স্থান্তিঃ।

পচন্তী ইতি। ডুঞোষপচপাকে শতৃ ঘেশপ্রে ইতি শপিলোপোহতোহদেচোরিতি শবলোপসা স্থানিবত্ব হপঃ পর্বান্ধিতাং হৃণ। দীবান্তীতি। দিবাক্রিশীযাদো শতৃ দিবস্থতুদেতি শানি নিতাং হৃণ। এবং গোপায়ন্তী চেন্তমন্ত্রী কারয়ন্তী চিকীর্যন্তী পুঁক্রকামান্তী জ্ঞানীয়ন্তী কৃষ্ণন্তী নমস্যন্তী ইত্যাদি। শালেবাচরন্তী মালার্ন্তী বীণেবাচরন্তী বীণান্তী ইত্যাপি চুর্গাসিংহঃ। বিছশগতৌ ইত্যাসা বিছান্তাতিপণোরা ঘইতি আযপক্ষে শপি বিছাযন্ত্রীতি নিতাং। তুদাদিপক্ষে তুদাদিবাং শে বিছ্তী বিছন্তী ইতি। ততশ্চ ভূদিনি বর্জায়েবা অদাদেঃ স্থাদিকধাদিকনাদি কাদীনাঞ্চন্ত্রী ইতি। ততশ্চ ভূদিনি বর্জায়েবা অদাদেঃ স্থাদিকধাদিকনাদি কাদীনাঞ্চন্ত্রী ইতি। ততশ্চ ভূদিনি বর্জায়বা অদাদেঃ স্থাদিকধাদিকনাদি কাদীনাঞ্চন্ত্রী ইতি। শাভনা আপে যত্র সর্বি তং স্থপ। অত্র পথাপ্পরুঃ সে ইত্যনেন বিহ্তিসা অপ্রত্যায়স্যানার্চায়াং স্থতিরিত্যাদিনা নিষেধঃ। ধনুরিতি ধনবধে ত্রান্থানিসমন্নিতি উসি উসম্বত্যান্তও উকারস্য ধাতুসমন্ধিবাভাবাং ব্যনচত যীতি দীর্ঘো নস্যাং। ধনুংখীতি। নসম্বত্যানি ইকারস্য ধাতুসমন্ধিবাভাবাং ব্যনচত যীতি দীর্ঘো নস্যাং। ধনুংখীতি। নসম্বত্যান্তি ইকারস্য ধাতুসমন্ধিবাভাবানদিদীর্ঘঃ। প্রাইতি। সেপ্রুকি লুকিনতত্তেতি নিষেধাদত্বসাধোরিতি ন দীর্ঘঃ। বিরাম্যাশ্রি

ত্য বিসর্গঃ। অদইতি। সেলুকি লুকিনতক্তেতি নিষেধাৎ তাদাংতদোরিতি সোনস্যাং। অমোলুকিচ দোমোদসশ্চেতি মকারো নস্যাং।

২২৫ সবেতি রঙ্। ধনুং ধনুষী ধনুংষি। এবং হবি:। পরং পরসী পরাংসি পরসা পরোভ্যাং। অদং অমূ অমূনি। দ্বী প্রীবং। হসন্ত নপুংসকলিঙ্গ পাদং।

#### ১২ অধ্যায়ঃ।

#### অব্যয় শব্ধঃ।

অবায়ানাং প্রাথমিকসা স্বঃ শব্দসা রেকান্তত্ত্বাদ্ধসন্তাধ্যায়ে এব নিরপণমুচিতং লিক্ষকার্যাভাবাচ্চ পুংলিক্সাদিপাদেয়ুসূচিত মিতীহ পৃথগুপন্যাসঃ। তথাচ সদৃশং তিমু লিক্ষেয়ু সর্বাস্থ্য চ বিভক্তিয়ু। বচনেয়ু চ সর্বেয়ু যনব্যতিভদব্যযমিতি প্রাঞ্চঃ। অলিক্সানামব্যয়ানাং বিশেষণ্স্যাপি অনিণতিলিক্ষ্তানপুংসক্ত্ব মেবেতি বৈষ্ট্রিপে কান্ত্রানপুংসক্ষিতি বচনাং। তেন স্বঃ স্থানরং স্বঃ বাম্যমিতাাদি।

# २६१। वाल्राकः।

ব্যাৎ পরস্থ কের্ল্ স্যাৎ। স্বং প্রাতঃ চ বা হা হৈ উচৈচঃ উচ্চকৈঃ ধিকু ধর্কিহণ্ডা পরা হরিবৎ কৃত্বা।

লুককরণাৎ তালোপেতালক্ষণমিতিনাবেন বিভক্তিনিমিত্তক কার্যাং নম্মাণ।
যথা হাঃ স্বঃ নম ইত্যাদীনাং সের্লুকি অন্ধনাধারিতি দীর্ঘো নম্যাৎ বিসর্গস্ত বিরামমাঞ্রিতা স্যাদেব। এবং খলু নমু ইত্যাদীনাং পুর্যিজসিত্যাদিনা গুণো নম্যাৎ। নমু অব্যয়াদিভক্তাবস্থায়িত্বে রিভক্তিমুৎপাদ্য লুপ্তা তরিমিত্তককার্যাং নিষিধ্যতে ইতি কথং বৃথা ক্লিশাতে। প্রকালনাদ্ধিপক্ষম্য ত্রাদম্পর্শনং বরমিতি ন্যায়াথ তদমুৎপাদনমেবোচিতমিভিচেন্ন। \*বিভক্তেরনুৎপত্তো পদসংজ্ঞাভাবাৎ সমাসাভাবে প্রণম্য ইত্যাদৌ বপোমুপপত্তাঃ। পদান্তবাভাবাৎ উদ্যাহ্মতীতি উদ্মাহ্মতী ত্যাদৌ নকারাদামুপপত্তাঃ নমঃ প্রভৃতীনাং বিসর্গানুপপত্তেশ্চ। অত এব রাজ্ঞঃ পুরুষো রাজপুরুষইত্যাদৌ সমাসে বিভক্তেল্কিকৃতে থপি বিভক্তর্থিম্য বিদ্যানাত্যাৎ যথা রাজসৃষন্ধীপুরুষঃ প্রতীয়তে। যথা স্থঃপ্রকাশ্যতে স্বর্গছতে স্বঃ

স্পৃহয়তি স্বঃ পততি স্বর্নিবসতীত্যাদৌ বিভক্তের্লুকি তদর্থসা বিদার্থানজ্ঞাৎ স্থৰ্গসা কর্তৃআদিঃ প্রতীতিঃস্যাৎ। উচ্চকৈব্রিতি ত্যাদিব্যেতি টেঃ পূর্ব্বোংক। ধকিদিতি ধিশব্দস্য অকিকৃতে ব্যক্সাদঃ।

### २८८। উদঃসঃ স্বাস্তভোঃ।

উদঃ পরয়োরনয়ো: সম্য লুক্ ম্যাৎ। উপানং উত্তন্তঃ।

এতং সূত্রং পরস্ত্রঞ্চ বদাপি সন্ধাধানে এব বন্ধুন্চিতং তথাপি অবায়পাদ পূরণার্থ মিহকুতং স্কুলমূহঃপাদ ইতি পাদলক্ষণাং।

### ২৪৬.। বাতোহবাপ্যোঃ।

অবাপ্যোরকারস্য লুক্ স্যাদ্বা। বগাহঃ অবগাহঃ পিধানং অপি ধানং। ইতিব্যপাদঃ। ইতিহ্সম্ভাধ্যায়ঃ।

অবাপ্যারকারসা সর্মত্র লোপঃসাদাইতি সামান্যবিধানং। কেচিত্র অবসা তরতৌতংস গাহযোশ্চ অপের্নহাতিদধাত্যোরকারসা বালোপঃ। ইতি সূত্রং কুআবতরতিবতীর্নঃ অবতীর্নঃ বতংসঃ অবতংসঃ বর্গাহ<del>্র অবনাহ্রনিহাতি অ</del>পিন হাতি পিনদ্ধঃ অপিনদ্ধঃ পিধাতি অপিদধাতি পিধানং অপিধানং ইত্যুদাহরতি। স্বমতেহপি বাশক্ষা ব্যবস্থাবাচিত্রাঘ্যাথ্যোয়ং। অপেরুপদর্গসংক্রন্যের গ্রহণাং বিষমপিধাস্যতি অপিনদ্ধোদি ব্যলেন ইত্যুভয়ত্র ক্রমাৎ সম্ভাবনাগর্হয়োরুপসত্বর্গা ভাবাদকারলোপো নস্যাদিতি।

#### প্রথম খণ্ডঃ সমাপ্তঃ।

শ্রীরামপুরের "তমোহর" বন্তালয়ে শ্রীযুত যে এচ্ পিটর্স লাহেবকর্তৃক মৃদ্ভি হইল।

# मुक्षरवायः वाक्रवनम्।

### **সংজ্ঞা।** অথ ত্যাদিরুচ্যতে।

আদিনখান্ত নক্সলানি শাস্ত্রাণি ঝটিতি প্রসিদ্ধানি ভবন্তীতি অরণাদপ শব্দেন মধ্যম মক্সলং কুর্ববন্ শিহ্যাণাদ্বধানায় প্রতি-আনীতে অপেতি।

ধোজিপ্তস্অভি সিপ্থস্থামপ্বস্মস্। তে আতে অন্তে সে আথে ধ্বে এ বহে মহে [কী] যাৎ যাতাং যুস্যাস্যাতং যাত যাং যাব যাম। ঈত ঈয়াতাং ঈরন্ ঈথাস্ केशाथाः केषाः केश केविह केमिह [ श्री ] दूर् कार कछ । ह उर उ আনিপ্জাবপ্আমপ্। তাং আছাং,অন্তাং স্ভাথাং স্থং ঐপ আবহৈপ্ আমাহৈপ্ িগী । দিপ্ তাং অন্ সিপ্ তং ত তামপ व म। ত आं जाः अस थाग् आं थाः अः हे वहि महिन् सी। पि जाः অন্বিতংত অম্বম। তন্আতাং অতিবান্ আঘাং धाः ই বহি মহি [টী] ণপ্ অতুস্ উস্ থপ্ অথুস্ অ ণপ্র ম। এ আংতে ইরে সে আথে থের এবহে মহে [ঠী] তা তারৌ তারস্তাসি তাস্থৰ তাস্ভাসিষ্ তামৰ্। তা তারৌ তারস্তাবে তাসাথে তাঞ্চে তাহে তাস্বহৈ তা্মহে [ডী] যাৎ যাস্তাং যাসুস্ यान् यां छ । यां यां यां यां या । मी के मी शां छ । भी तम् मी छ । मी मोब्रान्डाः मौधाः मौत्र मौतिह मौमहि [ हो ] छाडि छाउम् छान्छ অসি অথস্তাথ ভামি ভাবস্ভামস্। ভাতে ভাতে ভাতে ভাসে **ভেংগ অংশ কে জাবহে কা**মহে [ তী ] স্তুৎ ক্যতাং স্থান স্থাস স্থাতং

য়ত কং খাঁব স্থাম। স্থত কোতাং ক্ষন্ত কথাস, কোথাং কাৰ্যাং কো স্থাবহি কামহি [থী]

এতানি সাশীতি শতসংখ্যকানি ধোঃ পরাণি প্রযুক্তাতে।

তিপাদিস্যামছন্ত্রং লুপ্তপ্রথমেকং। ধোরিতি পঞ্চমান্তং তিবাদীনাং, প্রক্রায়ত্বজ্ঞাপনার্থং। মহ অশীভ্যা বর্ত্ততে যন্তং সাশীতি সাশীতিচ তৎ শত-ঞ্চেতি সাশীতি শতং তৎ সংখ্যা যেয়াং তানি সাশীতি শতসংখ্যকানি বচনানি।

২। কীখীগীঘীটাঠাডীতীতীথ্যোহফাদশশঃ।

তান্যফাদশাফাদশ ক্ষাদেতৎ সংজ্ঞানি স্থাঃ।

অফ্টাদশ অফ্টাদশ অফ্টাদশশঃ ইতি নীপ্সায়াং চলস্। তাৰি তিবাদীৰি অফ্টাদশ অফ্টাদশ ভূত্বা ক্ৰমাৎ ক্যাদি দশসংজ্ঞকানি ভবস্তি।

ও। পঞ্চ রঃ শিক্ত।

তাঃ পঞ্চ রগংগ্রাঃ সুঃ-শিক।

পঞ্চ প্রথমাপশ্থিতণরিত্যাগে প্রমাণাভাবাৎ কাদয়ঃ। ট্যা রসংজ্ঞাকলন্ত অভুদিত্যাদী বসোরস্যেতি নেম্ অপিদ্রন্থেন ডিগালগুণ্ড। সেলু ক্ তথা সোরিতি দৈলু ক্লি অতত অতথা ইত্যাদী বনতনাদ্য নিমামিতি প্রমাণোপ শ্চত্যাদি। নমু অনুত্র ভাবে ইত্যাদী নামভুদিত্যাদো কথমাদেশ ইতি চেৎ সতাং ভুররে ইত্যাদো অরে ইতি বিষয়সপ্রমান্তত্বেন ট্যামর প্রভারস্য সেঃ সম্ভাবনায়াং ভুরিত্যাদ্যাদেশঃ। শিভক্ষ রসংজ্ঞ্যা দীব্যতি সুনোতি ভুদতি ক্রীণাতি ইত্যাদো ন গুণঃ। ভবন্ দীব্যনিত্যাদিয়ু শত্ প্রভারে পরে শপ্ শ্যনাদিক।

৪। নবশঃ প্রে ঞিতোহনান্ডিভাং ঘে।

তানি নব নব ক্রমাৎ প্রমণজ্ঞানি স্থান্তে চ ঞিতো ধােঃ পরে স্তঃ তদন্যঙিস্ত্যান্ত ক্রমেণ ভাে যে।

नव नव नवणः देखि वीश्मात्राक्षणम् मित्रिकानारः विध्यक्रकोविधित्रदश करुक्षि नात्राप नवण देखि खिवामीरनाव। क देश वमा मिक्ष क्ष्मार सन्तर्भ ভিচ্চ জন্যভিত্তী তাভ্যাহ তে পৰে ঞাসুৰজাজাভোৰ্যে বাচ্যে তঃ ভদস্ভাদেন বাচ্চে পং ভাসুৰজাৎ যে বাচ্চে সংস্যাদিভাৰ্যঃ। ভাসুৰজাৎদমিভি বিশেষা-ভিধানাৎ জন্য ইহু ঞাসুৰজ্বভাসুৰজাভ্যাহ জন্যোবোধাঃ। ৰথা ভুহুঞ করো-ভি কুকুতে চেতী চেততি এধঙ এধতে।

#### ে। ডিদপিদ্রঃ।

অপিটো ডিৎ স্থাৎ।

ভইং বস্য স ভিং পইং বস্য সপিং নপিদপিদিতি ভিত্তং পদং পর্ত্তাস্থ-বৃত্তার্থং বধা জুহুতঃ সুমুত ইত্যাদে নগুণঃ।

का किस्क्री जी भर।

অপিৎ স্ত্ৰ ঢাাঃ পঞ্চ কিৎসংক্ৰং স্থাৎ।

कैंडि मुख्यधरेमकर्। हाः भर होभर्। यथा मुस्भकः अध्रह मुनार असु कियार जिः।

१। माथा मा।

विभिन्ना था ह मांगरकः छाए।

माथ रेज्ञाख्यः चक्रभः (उन मानस्ता माजूमात जूमाळानिह जूथाळानिह रेखि हजूनीः ग्रह्माः । जवर माजस्ता माजूमात माजूमात जूमाळानिह जूथाळानिह रेखि हजूनीः ग्रह्माः विकास स्वाद्य क्रिक्सा हिंखि मिखि क्रिक्सा हिंखि ज्ञानीः विकास स्वाद्य क्रिक्सा क्रिक्सा हिंखि मिखि क्रिक्सा होते ज्ञानी हिंखि क्रिक्सा होते ज्ञानी हिंखि क्रिक्सा होते ज्ञानी हिंखि क्रिक्सा होते हिंदि क्रिक्सा हिंदि क्रिक्सा होते हिंदि क्रिक्सा हिंदि क्रिक्सा होते हिंदि क्रिक्सा हिंदि हिंद

### । यत्ना १ तह श्रीकः।

অচাযুক্তভ ঘলভা স্থানে ইক্ ক্রমাৎ জিলংকঃ ভা।

खार्गयुक्तानाः वरतनानाः शादन क्रमार हे हे क्ष ৯ ইত্যাদেশ। सिनः क्राः मुगः। वर्षा शहयभाषाविकि में बृश् हे युः खगुरुः नकात्रमा सिनंगधवि ।

### न। मङ्गिख्य व।

बिः পুনন ভাৎ ছিন্ত বা ভাৎ।

ষাবং সম্ভবস্তাব্দিধিরিতি ন্যায়াৎ পুনঃ সামগ্রামপি জিঃ পুনর্মসাৎ সক্তে কৃতে কৃতঃ শাস্তার্থ ইতি ন্যায়াদিত্যর্থঃ। তেন ব্যথমাঙ্বাথে ব্যচশি ব্যেঞ্জ এবাং উবাগে উবাগে উবাগে উবাগে ইতাদ্যনিষ্টং নস্যাৎ দিস্তবেতি বাশন্দেহত্র সমুক্তয়ার্থঃ দির্ভাবস্ত বঃ সচ পুনর্নগ্যাদিতার্থঃ। যথা চিকিৎসিত্র মিছতি ইতি সনি চিকিৎসিষ্ঠি ইত্যাদে স্বার্থ সনস্তাৎ পুনরিছ্বার্থে সনি কৃতে প্রতিনিমিন্তং নৈমিন্তিক্মাবর্ভিত ইতি ন্যায়াৎ প্রাপ্তং দিল্বং ন্যাৎ এবং চক্রীয়েষতে ইত্যাদাবপি পুনর্নি। এবং সতি সঞ্জিল্পেত্যনেনৈবেষ্ট-সিন্তে বিস্তব্তং শিষ্যাগাং নানাপ্রকার জ্ঞানার্থং।

### ১০। প্রাগচ্কার্যাদ্চি দ্বিঃ।

ष्यह्काग्रां थाक् किः ग्रां ।

### ১১। ছেঃ পুর্বাং খিং।

ष्ट्रिक्षाः भूर्यक्ष जानः विमः कः स्राप्त

ধোরিতাশিকারপ্রাপ্তনিতাই ধোরিতি। যথা বুভোজ ইতাত্র ধেরাদাচঃ পরবর্ধন্য লোপঃ ভকারন্য বকারঃ। ধোঃ কিং আরং আরং নমভীত্যাদো পুর্বভাগন্য থিখাভাবাং খিকার্যাভাবঃ। ১২। ऋषीं धूका।

त्या घूमरत्का (र्घ। क्रमरकः छा ।

नम् भच्नश्ख्या विश् कनश्यस्थाता उरकाराति छि । मस्माविज्ञ (४३ मस्य (४ वेडि कृत्व अवस्य हेडारिम मस्य कार्याभिष्ठिः। नह स्वः एमार्थ हेडि मश्क्षायाश् क्वायाश्यस्य मश्यमाभिष्ठा। नह स्वः एमार्थ हेडि मश्क्षायाश्यक्षायः मश्यमाभिष्ठामिन। चाममस्याय हेडि वोहाश्य उर्थारको सक्ष्युविज्ञारिम नीत्वार्थामिन। स्वाम् अभिष्ठः उर्वे वाहर प्रशास्त्र कर्त्वत्या स्वः एमार्क्रविख्या कर्त्वताश्य । नाच्या-छात्र अधिन सर्वे हेत्य नाच्या । व्यक्ति स्वाम् विक्रिया स्वाम् स्वाम् विक्रिया स्वाम् स्वाम स्व

১৩। স্বঃ ক্যে রুঃ।

ষ্ঠে পরে স্থে। রুসংজ্ঞ: ফাৎ।

সোর বিতানে নৈবেন্দ্র সিংক্ষা শ্বাহণ আপরতি ক্লাচিল্লাঘবাৎ ছক্ষি সংবোগে পরে হুপোগুরুর্ন্যাদিতি। অত এব প্রান্থের ইতি পাণিনিস্ত্রুং।
যথা গৃহীত প্রত্যুদ্যাননীর বস্তা ইতি কালিদাস। এবই খ্রাপুন্তিইপ্যেরং
মধুরমুদকং, কালীয়হুদে ইতি হং সদূতং । ইতি সংজ্ঞাপাদঃ।

### প্ৰব্ৰ ।

### ভুতিপ্ইতি শ্বিছে।

১৪। ঘেশপ্রো

ति भरत (धाः भभ् छाएम्ब अर्थ।

শিত্তাৎ তিষ্ঠতীত্যাদে স্থাদানৈত্যাদিনা তিপ্থাদাদেশঃ। চভাবয়োর্যকার বাধিত্বাদবশিষ্টে কর্তুর্ঘাব দ্বাপ্ স্যাৎ তেনাত্র যে ইতি বার্থমিতি গরীয়সী অমুপত্তিঃ। জত্র বাদানদ্দ কাশীশ্বরে ন কিমপুহন্তঃ। রামতর্কবাগীশন্ত শাদ্দীত্যাকাংকা শলৈবের প্রপূর্যাত ইতি নাারাৎ শাদ্দবোধং প্রতি প্রতিশব্দ ক্ষমা শক্ষার্থজ্ঞানস্য, হেতুত্বাৎ ইত্যুক্তমিত্যাহ। তন্মতে ক্লীবাৎ সামোহধেরিতি বিশেষবিধ্যে সত্যপি সামোলুগিতি সামান্যবিধ্যে জনত ইতি বক্তুমুচিতং

১৫। পুষ্ গুলাকভিতি।

पदास स्तु (ख्रु) উণ্চ গুং আমতু কিতি ডিভি। ভবতি ভবতঃ।

মুন্চার্সে উওচেতি ঘৃত ত্সা! বথা সেধতি বোধতি বর্ত্তে কণ্পতে।
চকারাদন্তাস্য ইঙঃ। বথা জয়তি নয়তি য়বতি ভবতি গয়তি ভয়তি। কচ ওচ
কঙৌ কঙাবিতে বস্য স কভিং ভিন্মি। বাদৃগ্লাভীয়স্য প্রতিবেধোনিনিয়পি তাদৃগ্লাভীয়স্যেতি ন্যায়াৎ কিংডিছ্যাং প্রভায়াছ্যামনান্মিম্ প্রভায়ে
পরে ইভার্থঃ। এবই নিমিস্তাব্যবিহত পূর্ববির্ত্তি ধাতৃনাং ধাতৃভয়জাভয়োঃ
মুন্তপোশ্চ গুণঃ স্যাদিতি বোধাং। যথা সুনোভি ভনোতি কাম্যকঃ কিছ্করণং জ্ঞাপয়তি কলাচিৎ লেরপি গুণঃ স্যাদিতি ভেন বিশংপৃচ্ভীতি প্রেটি
বেশয়তি মুন্সাচ্টে মোলয়তি গ্রহমাচ্টে জচ্য়তি।

३७। (नारभाश्रमताः।

অকারশু লোপঃ গাদকারে এচি চ পয়ে। তবন্ধি ভবনি তবধঃ তবধ।[আক্তিমভবি]। ভবামি তবাবঃ ভবামঃ।

অত্র অদেচোরিতি প্রকরণ বলাৎ ধােঃ পরত্র আত্তরোরের গ্রহণং। বধা ভবস্তি ভবে ভবন বুভূর্যতীত্যাদি অন্যত্র মুরারিঃ কৃষ্ণৈক দ্বিভ্যাদো ন প্রানুদ্ধা अवर अर्जाश्वह (वर्षे वर्षे वर्षे अर्जाश्वह का वर्षे व

১৭। ভূব প্রান্তোবামং।

প্রাণ্ডো ভূবো মং ন্তাদ্ধা ছে। ভবতে।

মন্ত্রগুতাধিকারাৎ যে ইতাস্যাসুবৃষ্ঠে ভুবঃ প্রাপ্তাবর্থে যে মং সাধা। বধা ভবতি ভবতে ধনং ধীরঃ। প্রাপ্তাবান্ধনেপদমেশ্তি কেচিং।

१८। योथाटजार्जः।

অকারাৎ পরয়ো রাথাতোরাকার ঈঃ ক্যাৎ। ভবেতে ভবস্তে ভবসে ভবেথে ভবধে ভবে ভবাবহে ভবামহে।

में ইতি আ ইতিচ দুপ্ত প্রথমেকং। আগচ -আতটেতি তর্না। আগাডোঃ কেবলয়োরমন্তবাৎ তদাদৈ।বিভিজ্যোর্মহণেম আতে আবে আতাং আখা-মিত্যেতেবাং গ্রহণং।

১२। शा यायून्यामामीयूनीयम्।

জকারাৎ পরেষাং খা যা যুস্যাম এষাং স্থানে ঈ ঈযুস্ ঈরস্ এতে ক্রমাৎ স্থাঃ। ভবেৎ ভবেতাং ভবেয়ুঃ ভবেঃ ভবেতং ভবেত ভবেয়ং ভবেব ভবেম। ভবেত ভবেয়াতাং ভবেরন্ভবেখাঃ ভবেয়াথাং ভবেধ্বং ভবেয় ভবেবহি ভবেমহি। ভবতু ভবতাং।

খ্যাগ্রহণং মৃষতঞ্চ্যাস্তাবিভাদন্তভৌবাদিকাৎ ঢা৷ অপ্রাপ্তার্থবিভি কেচিৎ। বস্তুভন্ত অকারো বিষ্ণুঃ অ ইকাচরভি ইভি কৌ ঢা৷ অপ্রাপ্তার্থবিভি।

२०। ट्रार्लालाश्त्याका

অকারাদ্সাভাগিয়া,ভাগি হের্লোথা স্থাৎ। তব ভবতং তবত ভবানি। সাঃ সংযোগঃ নাস্তি স্যোষত্র সোহসা উপচ সুশ্চেতি উপ্নু জস্যান্চাসাবৃপুশ্চেতি জন্যোপুক্ষমাং। চকারানকারাচ্চ। বথা ভব ভুদ তমু হিন্তু।
জন্যোপ্নোঃ কিং ভূণকুঞ্জক্ষে ভর্তি আপুতি।

২১। ব্যক্ত গান্ত্কারডাচ্চিকণেইলং সমলোহদোহন্তঃ পুরোহন্ত ন্তিরঃ কারিকোর্যাদেধোঁ সং।

এষাং ব্যানাং ধৌ পরদে সং স্থাৎ।

অসুকারোহ্বান্তাসুকরণশক্ষঃ। গিশ্চ অসুকারশ্চ ডাচ্চ চ্নিশ্চ কণেশ্চ

অবস্চ সচ্চ সনস্চ অবসচ অন্তর্গ পুরসচ অন্তর্গ তিরসচ কারিকাচ উর্যাদি

শেচতি তসা। বথা প্রণমা প্রতিকৃত্য অসুসাগ্র নথেন বাস্পসলিলং বিক্লিপা

বিক্লিপা কিং ভুকীং রোদিষি কোপনে বহুতরং ফৃংকৃত্য রোদিষাসি ইতাসকৃষ্ট
পটপটাকৃত্য এবং দিতীয়াকৃত্য সময়াকৃত্য সপত্রাকৃত্য কৃষ্ণীভূম কণেমলঃ

শব্দে তৃপ্তাংগাঁ। কণেহত্য পয়ঃ পিবতি মনো হত্য পয়ঃ পিবতি তাবং পিব
তি বাবং তৃপ্তিঃ ইতার্বীঃ। অনংভূষণে অনংকৃত্য। আদরে সং সংকৃত্য অসতো

হপি অসংকৃত্য নঞ্চপুর্বান্তহপাভিম্বাং। অদঃ অবুদ্ধ্যাপরামর্বে। অদঃ কৃত্য

চিন্তম্বি। অগ্রহণেহত্তঃ অন্তর্হতা। গ্রহণেজু অন্তর্হ্বাণতঃ। পুরোহ্যার্থে
পুরস্কৃত্য। অন্তনিভূমণালকী অন্তংক্ত্য। তিরোহন্তক্ষে তিরোভূমঃ।

কারিকামর্ব্যাদাবত্বপৃত্যি কুল কারিকাক্ত্য। উরী উরবী এতে বিন্তারাঙ্গী
কারমোঃ উরীকৃত্য উরবীকৃত্য অস্বীকৃত্য ইত্যাদয়ঃ। এযু সমানাং পূর্বান্তি। জ্বানাবে। এবং পদ্বিধেঃ পূর্বাং সমাসকরণাং সমানাভাবে গৃত্বং

নস্যাদিতি বোধাং।

২২। প্রাগ্রোণোহস্তরত্রেনাদিহন্মীনাহিয়ানিপ্শান্তনশো-গদনদপতপদদামাসোহনবাথাজাপ্সাথপবহশমচিদিহন্তনেবাত্ব ননিংশনিক্ষনিক্ষমবাস্তহনোহকথাদ্যথান্তান্তনেঃ।

নাদের্থোর্ছরেমীনাভের্ছিনোতেরানিপঃ শাস্ত্রনশ্চনশ্চন্তরাত্তরাত্তর্জ্বেশ্চ পরস্থ গবিধিহেতৌ সভি গঃ স্যাৎ। জনা-

দের্মবাস্তহন্তেঃ কাদিখাদিযান্তবর্জধ্বস্তনেশ্চ বা স্থাৎ। অস্তর্ভবানি প্রভবানি। ছরস্ত ছর্ভবানি। ভবাব ভবাম। ভবতাং ভবেতাং ভবস্তাং ভবস্ব ভবেথাং ভবধ্বং ভবৈ ভবাবহৈ ভবামহৈ।

নাস্তি মুর্বত্র মোহমুঃ অমুশ্চামে গিশ্চেতি অমুর্বিঃ অন্তর্রচ অমুর্বিশ্চেতি ख्यार। मूर्क्तनार्गापिण इनक मीनाण शिक्ण व्यानिशव खानवाणां खनणटकि ত্র্যা। গদশ্চ নদশ্চ প্রশুচ পদশ্চ দাশ্চ মাশ্চ মোশ্চ হন্চ বাশ্চ ষাশ্চ স্থান্চ প্রাচ বপশ্চ বহুট্ট শামশ্চ চিশ্চ দিহ্চ তে তেইত্তে যদ্য স গ্ৰদাদি দিহ্নঃ সচাসে নিশ্চেতি গুদাদি দিহন্তনিঃ ত্যা। মধৌ অন্তে ষ্যা স ম্বান্তঃ স্চামৌ হনচেতি भवाखहंन जनण निःमठ निन्मण निकण भवाखहनटठि छमा। कथावाटमा যেষাং তে কথাদাাঃ। মূর্দ্ধনাযোহজে বেষাং তে বাস্তাঃ। কথাদাাশ্চ বাস্তাশ্চ কথাদ্য যান্তাঃ ন কথাদ্যযান্তাঃ অকথাদ্যযান্তাঃ তেহান্ত যস্য অকথাদ্য ষাস্তান্তঃ সচাসে নিশ্চেতি অকথাদা যাস্তান্তনিঃ ত্যা ৰথা প্ৰণয়তি নাদে-র্ধোরিতাজেঃ প্রকৃটো নযঃ প্রনম ইতাদৌ লিক্ষণার সাং। প্রহৃতিয়তি। মীনা ইতি মী এ গ ববে সাযুজ্সা গ্রহণ প্রমীণাতি। হিন্ ইতি হিনবর্দ্ধনে শাষুক্তন্য গ্রহণং প্রহিণোতি আনিরিতি কিতত্তেঃ প্রভবাণি। প্রণশাতি। শাস্তঃ কিং প্রমন্টঃ প্রণিগদতি প্রণিনদতি প্রণিপততি। পাদ্যৌতগতে প্রণিপদাতে। দা ইতি দাসংজ্ঞা তেনু প্রণিষক্তি প্রণিদদাতি প্রণিদধাতি ুদেওপালনে দোৰচ্ছেদে ধেটপানে ইতি ব্রয়াণাং **ছচে**হিশিত্যেতি **আকারে** প্রাপিনাসতে প্রাণিনামতি প্রাণিমাতি ইত্যাদৌ গত্বং স্যাৎ শিতি পরেত্ আকারাভাবাদ্দাসংজ্ঞাভাবে প্রনিদয়তে প্রনিদাতি প্রনিধয়তি ইত্যাদে न मार्राप्तत। अतर अमी अय करत्र मी अंशामिका पिना आप्ताम अनिमामारक অত্ত গতুং ন স্যাৎ: মাইতি স্বর্পগ্রহণাৎ মাঙলিশন্দে প্রণিমিমীতে মালচ-মানে প্রণিমাতি মাঙ্যচ প্রণিমায়তে এবং ভুমীঞাক্ষেপে মীঙ্যতু মীঙগববে है एक (उवार मिरम) विदेश है जि जाति में माश्र अना जार अना मांख बदर (म ड প্রীতিদানে ইতাসা অশিতি আকারে প্রণিমাস্তে ইতাদে । গরং স্যাদের। ষোয় নাশে প্রণিষ্ঠতি প্রণিষ্ঠতি প্রণিষাতি প্রণিদ্রাতি প্রণিষ্ঠাতি প্রাণিবপতি প্রাণিবইতি প্রণিশাষাতি প্রণিচিনোতি প্রণিদেশ্ধি। প্রাণিতি প্রা-নিতি প্রণিংত্তে প্রনিংত্তেপ্রণিন্দতি প্রনিন্দতি প্রণিক্ষতি প্রনিক্ষতি। বাশক্ষ্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ অনিতেঃ কিপি দা ন্তস্যাপি নস্য গত্বং বা তেন হে প্রাণ্ হেপ্রান্ হেপরাণ্ হেপরাম্ ধেমুলস্যাপি ণত্ত্ব প্রাণিণৎ প্রাণিণিষতি আদে । পত্ত্ব পতাদ্বিমতিচন্ত্রহি প্রণিনার প্রণিনীষতি ইত্যাদাবপি গত্তবন্ধাপত্তিঃ। নিংশনিক্ষাং বিশেষ বিধানেনৈবেইসিক্ষে নোপদেশ পাঠসাফল্যার্থং ত্যাদে নিতাং কৃতি বিকশ্প ইতি প্রীপতিদন্তঃ। প্রণিংস্ত প্রণিংসকঃ প্রনিংশ সকঃ ইত্যাদি। প্রহ্মঃ প্রহ্মঃ প্রহ্মঃ প্রণিনচতি প্রনিপচতি। কাদিখাদিয়ালান্ত প্রনিকরোতি প্রনিখাদতি প্রনিচথাদ উপনেশে খাদিত্বাং। প্রণিষ্ঠিত প্রণিষ্ঠী ইতি উপদেশেহ্যান্তর্বাং স্যাদেব।

### २०। घोषीथीश्वम् (शांतमा।

আসু পরাস্থারম্ আৎ নতু মাযোগে। অভবৎ অভবতাং অভবন্ অভবঃ অভবতং অভবত অভবং অভবাব অভবাম। অভবত অভবেতাং অভবস্ত অভবথাঃ অভবেথাং অভবধ্ধৎ অভবে অভবাবহি অভবামহি।

গাদিহনগীনাদীনাম সুবৃক্তিঃ স্যাদিত্যাশক্ষ্যাহ ধোরিতি। অমেতি লুপ্ততৃতী-মৈকং। মাইতানেন মান্দ্র শাদ্য্যাশি এইণং। অধিকন্ত প্রবিষ্টং নতু তদ্ধানি রিতি জ্ঞায়াং যোগোহপার্থেন যোগঃ নত্তব্যবহিত পূর্বাপরৈকতর বর্ত্তিত্বং। তেন মাপাপং কাষীঃ কাষীঃ পাপং মাইত্যাদি। মান্দ্র ভবদুঃখং। সময়ে তিন্ত সুথীবমাবালিপথ মনগা ইত্যত্র অনুইতি সম্বোধনার্থমবায়ং। কেচিত্ত্ মাঙ ইতি ভানুবন্ধঃ শক্ষোহপান্তি তেন যোগে অমাগম সাদেব। তেন মানিষাদপ্রতিগ্রন্ত মগমঃ শান্ধতীঃ সমাইত্যাদি সিন্ধ্যিত্যাত্বঃ।

२८। छा मिः।

ধোঃ সিঃ স্থাৎ ট্যাং।

অর্থগত বিশেষাশ্লিমিত্তগত বিশেষদা বলবজ্বাদয়ং শপ্শানাদীনাং যকো-হপি বাধকঃ। তেন কর্তুরি অভবিষ্ট অসবিষ্ট কর্মণি অন্নভাবিষাভাং অসা-বিষাভাং।

২৫। ভুস্থাপিবদেনো সুক্পো। এভাঃ সেলু ক্সাং পো। অভুং অভুতাং। ভূশ্চ স্থাশ্চ পিৰশ্চ দাশ্চ ইনচেতি তথাং পিৰ ইতি নিৰ্দেশাং পাল রক্ষণে পৈশোষে ইত্যেত যোঃ অপাসীং। দাইতি দাসংজ্ঞা তেন দৈপশোধনে ইত্যাস্য আদাসীং। অভূদিতি ট্যা রত্বাদ্ধসোরস্যেতি নেম। ভিত্তারগুণঃ। লুক্তরণাং তালোপে তালকণমিতি ভায়াং প্রাপ্তব্য কার্য্যস্য লুকি ন ভত্ত্তেতি নিষ্বেধাং ব্রহ্মবদ্যেত্বন বৃদ্ধিন্স্যাং।

#### ২৬। ভুবোবন্টীঠাচি।

ভুবো বন্ স্থাৎ টীঠোরিচি পরে। অভুবন্ অভূঃ অভূতং অভূত অভুবং অভূব অভূম।

টীটোরেচ টীটাচ ভিমান্। ভুব ইতি পঞ্চান্তান্ব ইতি কৃতে ভুবোগুণাপত্তি রিতি ষঠাভাবন্ বিধানং। ইদানীত স্বাবয়বত্বেন বলো নিমিক্ত বাভাবান্ন গুণঃ বকারে অকার উচ্চারণার্থঃ।

#### २१। वरमात्रस्थासनो पिष्ठः।

# অনৌদিতে। ধ্যেঃ প্রস্যার্স্য বস্ফ ইম্ ফাৎ।

নরোহরন্ত্রসা। নান্তি উৎ ইৎ যদ্য সোহনেদিৎ ভ্রমাৎ। বদ ইতি পূর্ণের বকারাদিঃ প্রসাহারঃ। ইনোবসন্থান জাতত্বেন তত্ত্বন্ত্রাৎ বিব্যথি ইত্যাদৌ গুণঃ ছত্বিব ইত্যাদৌন গুণঃ। উদিতস্ত্র। পচতি মুপ্তিত বিচিবিচিসিচম্মোনিজ বজি ভাজা প্রজ্ঞান মজ্জতয়ঃ। ভূজা রপ্তি রপ্তি তিরিচিসিচম্মোনিজ বজি ভাজা প্রজ্ঞান মজ্জতয়ঃ। ভূজা রপ্তি রপ্তি ভাজা ভূজাতয়ো যজাত যুঁ জি ভন্জা স্থাজা বিদয়ঃ ধন্জিব্যুজিক দিন্তির বিদ্যাত রেলির্ন্তি বিদ্যাত রিশ্ব সীদত্রয় সবিন্তি রগিলিক দিন্তির বিশ্বতি সীদত্রয় সবিন্তি রগিলিক বিদ্যাত রোরভিশীয়তি রাধাতি সাধাতয়ঃ। ভূদিব জাবিষিস্বিতিপানতয়ারভিশীয়তি রাধাতি সাধাতয়ঃ। ভূদিব জাবিষিস্বিতিপানতয়ারভিশীয়ত রাধাতি সাধাতয়ঃ। ভূদিব জাবিষ্ণাতয়ারনি মংশিয়মিস্পৃশি নদাতয়ঃ। বপতি বিজ্ঞাজাদিশিপশুতয়োলভিগছতি বেশতি রোশতয়ঃ। রম্ভকুশজোনিশতিব্রমাদিষিভুষাতি ছ্রাতি গুয়াতয়ঃ। বিষ্কার্বিম্বাপিসধাশিষয়োষ্যায়বিত ব্র্যতি ছুলিক্য়ঃ। আপির্নাশিবিশিক্শিদিক্রম্বালেট্রিক্লিক্লিপতি শ্রমান। ভপতিঃ ক্ষণতি রৌদিৎ গদিতঃ শ্রীম্বোপ্রদেব মত বিদিতঃ।

২৮। মাস্তোহদনতঃ।

মস্রাপ্ত ইত্যক্ত অৎ ফান্নত্বকারাৎ পরস্তা। অভবিষ্ঠ অভবি-যাতাং অভবিষত অভবিষ্ঠাঃ অভবিষাথাং।

মস্যাত্মনেপদস্য অস্ত মাস্ত ভস্য। অস্তবয়বমচং হিত্বা পূর্বেভাগস্য গ্রহণং তেন কুর্বেতে কুর্বেভাং অকুর্বেভ ইস্তাদাবপি। অনভঃ কিং এবস্তে লোপোন ২তোইস্তানেন কৃতস্যাকার লোপস্য স্থানিবত্তাকীকারাং।

२२। (४ मलार्भा वा।

ধে পরে সম্ভ লোপো বা স্থাৎ।

ধেপরে সমা লোপঃ মাছা। ডিলাম্ড থে শপোলুকি আধি সমা দকারে আছে,।

🗢 । টীঠীটীধোটিচঃ সেমস্ত ছলোবা।

ইচঃ পরস্থানাং ধন্য টঃ ন্যাৎ নেম্ হলাৎ পরস্ত বা স্থাৎ। অভবিদৃং অভবিধ্বং [ঝপঝনোরিতি সম্যুদ্ঃ] অভবিদ্ধৃং অভবিষি অভবিশ্বহি অভবিশ্বহি।

টীঠাটীনাং ধ টীঠাটীৰ ভদা দহ ইমা বৰ্ত্তেহদো দেম ভন্নাং যথা অকৃতৃং আন দৃং অন্তেচিতৃং অধৈ দৃং উঙ্গব্দে উদৃং ভূ কুট্ দৃ চক্চে কৃষিদৃং নেবী দৃং স্থোৰি দৃং অভবিদৃমিতি স লোপপকে পদা দঃ পক্ষে অভবিধং স লোপাভাব-পক্ষে বাপবাদোরিভানেন সদা দঃ অভবিদ্ধং।

৩১। ধুদ্বিষ্ঠান্ড।

ঠ্যামন্তি চ ধুদ্ধি স্থাৎ।

ঠীচ অঙচ ঠাও তিমান্। প্রকরণাদের ধোঃ প্রাপ্তের্গি পুনর পাদানং জ্ঞাপি-য়তি ঠা। আন্তর্বিত পুর্বেধাতোরের দিছেং ন্যাং। তেন ইন্দানান ইক্যাদে। ইন্দাদে নিছিং। এবং বীপনায়াং পদং দিঃ। যথা সৃষ্টে গৃত্বে গীতং স্মারং স্মারং নমনি। গুণনাদৃষ্ঠ পীড়ামুপুর্বেষ্ স্নাস্বক্ত। এম্বেষ্ দিরজ্জং স্মান্ত ন্যাং। গুণে সুধসুর্বেন প্রিয়প্রিয়েণ। সাদৃষ্ঠে গুণবাচক্লৈয়েব পটু পটু युक्षभी भूर्विमा भूषावा मन्म मन्म मूनिङ প্রথম ४१ छीड छीड हेत भीठमसूथः। कपाठिर ममारमा न माफा। सभा मन्मर मन्दर मृन्ड भवनः। शीड़ासर गठगठ। नसे नसीः। जानू भूर्वि (क्षाप्ट (क्

७२। सज्यथर्घक्षीः अत्हभ् अयु

খেব ভি থথ হকার র্ঘ কবর্গ ঋবর্ণানাং ক্রমাজ্জর চপ্ জকারস চবর্গাকারাঃ ম্যাঃ।

নাভশ্চ খথশ্চ হশ্চ র্ঘশ্চ কুশ্চ ঋশ্চ তেষাং। জ্বেশ্চ জ্বেশ্চ জ্বশ্চ জ্বলাৰ ক্ৰিয়া ক্ৰাৰ্য্য গ্ৰহণাৎ চক্তপে।

#### ৩০। ভুবোহঙ্ ঠ্যাং চভাবে তু বা।

ভুবং থেরঙ ্ হ্রাৎ ঠাাং চ ভাবরোস্ক বা। বভূব বভুবতুঃ বভুবৃঃ
বভুবিথ বভূবথুঃ বভূব বভূব বভূবিব বভূবিম। বভুবে বভূবিবেহ
বভূবিরে বভূবিষে বভূবাথে বভুবিদ্বে বভূবিধের বভূবে বভূবিবহে
বভূবিমহে। চেভাবে চ । বভূবে বৃভূবে ইতি প্রয়োগৌ।
ভবিতা ভবিতারো ভবিতারঃ ভবিতাসি ভবিতামঃ ভবিতা
ভবিতামি ভবিতামঃ ভবিতামাঃ। ভবিতা ভবিতারো ভবিতারঃ ভবিতামহে
ভবিতামিহে। ভূবাৎ ভুয়াস্তাং ভূয়াসঃ ভূয়াঃ ভূয়াস্তং ভূয়াস্ত
ভূয়াসং ভূয়াস্ব ভূয়াসা। ভবিষীষ্ট ভবিষীয়াস্তাং ভবিষীরন্

ভবিষীষ্ঠাঃ ভবিষীরাস্থাং ভবিষীতৃং ভবিষীধ্বং ভবিষীয় ভবিষীবহি ভবিষীমহি। ভবিষাতি ভবিষাতঃ ভবিষাত্তি ভবিষাতি ভবি ৰাথঃ ভবিষাথ ভবিষাতি ভবিষাতঃ ভবিষাতি ভবিষাতে ভবি
বোতে ভবিষাথে ভবিষাতে ভবিবাতে ভবিবাতে ভবি
বোতে ভবিষাতে ভবিষাতে ভবিষাথে ভবিষাথে ভবিষাতে ভবি
যাবহে ভবিষাতে ভবিষাতে ভবিষাথ অভবিষাতাং অভবিষান্ অভ
বিষাঃ অভবিষতং অভবিষাত অভবিষাং অভবিষাত্তা ভবিষাত্তা ভবিষাত্তা ভবিষাতা ভবি

ভিত্তাদস্তস্য স্থানে। ঢঞা ভাবশ্চ ঢভাবং তিমান্ ঢভাবয়োরপি নিতামিতি কেচিং। ভূয়াদিজাদিয়ু কিন্তাম গুণঃ। ভবিষীদুমিতি ধকারস্য ঢকারবিধান সামর্থাং ব্যবধানেহপি ঢকারঃ। ভবিষ্যতীজ্ঞাদীনি স্বামানি। ভবতকীজ্ঞাদৌ ভাদিব্যেজ্ঞাদিনাহক। প্রণিভবতীক্তাদি অকখাদ্যমাস্তাম্ভবের্বা বন্ধং। এবং চেডতীক্তাদয়ঃ ইতি যেয়ু বিশেষ কার্যাং নাস্তি তে প্রয়োগা এবেক্তার্বঃ। বিশেষ কার্যার্থং স্ক্রোগ্যাহ।

**ठि**ठी मःख्वाति ।

०८। क्रमामास्टितमित्यातीम्।

এভা দিসোরীম স্থাৎ।

क्रमामिण " রোদিভিঃ ব্রপিভিল্টেন শ্বনিভিঃ প্রাণিভিত্তথা। জ্বন্ধভিল্টের বিজ্ঞেন্মে ক্রদাদিঃ পঞ্চকোগণ" ইতি। অন্তিরিভি অসলভাবে স্বরূপকথনে ভিপ বক্তব্যঃ। রুদাদিশ্ট অন্তিশু নিশ্চেভি রুদাদান্তিনিঃ ভ্রমাং। দিশ্চ সিশ্চ দিসী ভয়োঃ। রুদাদান্তিভাং ঘাদিসোরের রুদাদেন্ট্যাং নি ব্যবধানেন অস্তেভূ আদেশে নচ ট্যা দিস্যোরসপ্তবাং। এবং সিরিভি ট্যাংসিঃ ভ্রমাং পর্য়ো ন্ট্যা দিস্যোরের ঘা অসপ্তবাং এবঞ্চ দিসাহচর্ঘাৎ সিপ্ত বিভক্তেরের। অস্ত্রথা রুদাদেঃ পরস্য ট্যাং কৃত্স্য সেরপি ইমপ্রসঞ্জেং। যথা অরোদীং অরোদীঃ আসীং আসীং। সেপ্ত অনৈষীং অনিষ্টঃ। ৩৫। অস্কাজ্অসীম ঈমি সেলোপঃ।

ঝসাৎ স্বাচ্চ পরস্তা ঝসি ইমঃ পরস্তা ঈমি সেলোপঃ স্তাৎ। অচেতীৎ অচেতিফীং।

বাসচ স্বশ্চেতি বাসস্থ ত্যাৎ যথা অসৈদ্ধাৎ অকৃত অব্রাঞ্জীৎ। ইমঃ প্রস্য ঈম্যেবেতি নির্মাৎ অচেতিপ্লামিত্যাদো হ্রমাৎ প্রস্যাপি সেন্লোপঃ। অচেন্ট অন্তোন্ট ইত্যাদো লোপ স্বরাদেশয়োস্ত স্বরাদেশোবিধির্বলবানিতি ভায়োৎ আক্রী গুণে সেলোপো নস্যাৎ।

৩৬। তারুস্ সিদ্বেরভুবঃ।

সের্ছেন্চ পরস্ত অন উস্সাৎ নতু ভুবং। অচেতিষুং অচেতীঃ।

সিশ্চ বিশ্চ সি বিঃ ত আং। সেঃ পরস্টাং অন উস বেস্ত ঘ্যাএব! বথা আচেতি যুঃ অসুঃ অপুঃ অতঃ অগুঃ এযু ভূসাপিনেতি সেলুকি তালোপেতালক্ষণমিতি ভায়াং সেঃ পর্বাদন উস্। বেস্ত অজকঃ। অভুবঃ কিং অভূবন্
যঙ্মুকি আবোভুবন্।

৩৭। থেরাদুচে লোপ্যোহরু শস্থাপাদান্তানাক্তাদান্তৌ।

থেরাদ্যচঃ পারো ভাগো লোপাঃ স্থাৎ পশ্চাৎ শসাদি থপান্তো যদি স্থোৎবশিষ্টস্তস্যাদিলোপাে। যদ্যন্যাদৃশস্তস্থান্তে। লোপাঃ। চিচেত চিচিত্তঃ চিচিত্য।

আদিশ্চাসাবচচেতি আদাচ তন্মাৎ। আদিরত্র আচাং মধ্য এব নতু বাবদর্নামানিতি বোধাং অন্যথা দদরিদ্রে ইতাদে হসাদেঃ পরভাগ লোপামুপপক্তেঃ। শসচ খপচ শসখপো। আদিশ্চ অন্তশ্চ আদান্তৌ শসখপোদ্যতঃ
বস্য স শসখপাদ্যতঃ শর্মধপাদ্যতাশুসে অন্যশ্চ শসখপাদ্যতাশ্যে শসখপাদ্যতাল্ভোচ তৌ স্যোচিতি শর্মধপাদ্যতাশ্যুস্যে) তয়োরাদ্যত্তৌ শসখপাদ্যতাশ্যুস্যাদ্যত্তী। অমুরিহভাগার্থশ্চ ইতাত আহু আদ্যুচঃ পরোভাগ ইতি। পশ্চাদিতি আদ্যুচঃ পরভাগাভাবে ইতার্থঃ। তেন যস্য আদ্যুচঃ পরভাগোর্ব্তুতে
তস্য তাল্লোপানস্তরং ম্যাতু পরভাগো ন বর্তুতে ত্যা প্রথমত এব শসখপাদ্যত্য
সংযোগ্য আদির্দ্রোপাঃ অন্যান্থাগ্য অন্তো লোপাঃ স্যাদিতি নিম্বর্ধঃ।

ষথা চক্ষাদ পুষ্কোর টিপ্তেব তক্ষে চুল্চোত তুট্প তত্তার চক্ষম পল্পার্শ। অচ্য সংযোগস্তু সম্যান দ্যান তত্ত্বাস চক্লাম। পরভাগাভাবেতু তুটাব তত্ত্বো চুক্ষাবপল্পার দধ্যো দধাব জ্ঞো মল্লো সম্মো ইতি।

#### চ্যুতির ক্ষরণে।

ত। শাসুলিদ্যুৎপুষাদেওঁঘীপে জ্খিস্তন্তুবিষ্ণুচুগ্লুচুগ্ৰুচু গলুঞ্জিরতন্ত বা।

শাসোন কারেতো ছাতাদেঃ পুষাদেশ্চ ঙঃ স্যান্তীপে জাদেস্ত বা। অচ্যুত্ত অচ্যোতীৎ চুচ্যোত। মন্ত্ বিলোড়নে।

৯ ইৎ যস্য স লিং। ত্রাংচ পুষচ ত্রাংপুষৌ ভাবাদী যযোতে ত্রাং পুবাদী শাসণ্চ লিছাৎ পুষাদীচেতি ভক্ষাৎ। স্বমতে লিদিজেনৈব দিন্ধে ছাৎপুষা দো-বিধানং প্রাচামসুরোধাং। ইর ইং যস্য স ইরিং। জ্বাচ শ্বিশ্চ স্তস্তুশ্চ বিষশ্চ ্মুচুণচ য়ুচুণচ থুচুণচ গুঞুণচ ইরিচেতি ভক্ষাৎ। যথা জনিষৎ জনসং। ক্রাডা-मत्या <u>च्वामारमत्राञ्चरमर्भामनः अरर्व्य</u> जीरशंखविधान मामर्थार छे।ामूख्यशामिनः ৰপা স্থাত্ত্তম ত্যুত্তাং অসমতং, অনোতিয়। স্থাতাদিক স্থাতিঃ শুচিঃ স্রস্থঃ রুচিম্বিভাচকি দাকিদা অস্মিদা ছাটেশ্চ। রুচিলুটিধাস লুঠিকুভিশ্চতুর্ভিঃ স্রস্তবৃত্বধুশ্চ। সান্দুঃ শৃধুশ্চাপিক্পুত্রাভাদাবিভি ত্রয়োবিংশভিরের যাতা ইতি। পুৰাদয়ো দিবাদে পরলৈ পদিনঃ সর্বে। পুষাতি শুধাতি দ্বিদয়ঃ লিষাতি তুষাতি বধাক্ষ্যঃ। প্লুষাতি তৃপাতি মুছতি জ্বয়ঃ মুছ কিছ কুধি লুচিনশয়ঃ। সপ্তদশেতি পুষাদবৃদিতাঃ জীমদোপদের মতবিদিতাঃ। এবং পুষ্য তৃপ। শ মূদ মুত্মদয়ঃ আমা এমু অবসু সৃদ সয়ঃ। অসা কান। তি বসা ক্রুময়ঃ পুষা বিধা কুসি বূমবাতি সুষয়ঃ। উচাতি ঋষি মসি বৃষি কৃশ দৃশয়ঃ কুপাতি ভৃষ্ণ ভ্রন্সকিদয়ঃ। ফুপির্হাষিতি পিগুপি যুপয়ঃ ক্লিদাতি ক্লপি সুপি সুভি মৃদি গৃধয়ঃ। তুর্ণিনিংক ইতি চাহ পুষাদিং তেনোভয়োঃ প্রামাণিকত্বাদেতে ইরসুবদ্ধাঃ পঠিডাঃ। কিঞ্চ সিঁধাতি ক্তাতি লভাতি ভূভা-তীমাং চতুর্নাং ফুর্গসিংহসম্মভানামপি বহুবাদ্যসম্মভত্তাদির সুবল্পেইপিনোক্তঃ। ক্রাদেস্ত অঞ্চরৎ অঞ্চারী**ৎ জন্মং অন্ম**রীৎ **অন্তন্তং অন্তন্তী**ং। বিষ ইতি বিষ র্নিকৌ বাজে ইন্ডাসা গ্রহণং অবিষৎ অবিকং অ্মুচৎ অম্যেটিৎ অমুচৎ অম্লেচ চীৎ অগ্রচৎ অগ্রোচীৎ অগ্নুচৎ অগ্নোচীৎ। ইরিভস্ত অচ্যুত্তৎ অচেণাভীদিক্যাদি।

#### ৩৯। স্থাৎ ঠাপিৎ কিছা।

সংযোগাৎ পরা অপিৎ টা কিৎ স্যাদা। যথা বভ জতুঃ বভ প্লবুঃ। হস্ত্রে!
নোপোহণী ঠান্তি বা ইতি কৃতে ঠাপিতি ল নোপ বিকলেপ সিদ্ধে স্যাৎ
ঠাপিৎ কিন্তেতি বিধানত্ত ভ্রম্জাঞোশপাকে ইতাস্য ঠাপিতি ভ্রম্জোহরেইণী
ভর্জবৈতানেন ভ্রম্দেশে বভর্জে বভর্জেই স্থাদার্থং।

### ৪০। হসুড্যোলোপোহণৌ।

(धार्रस्ट । नस्र लां १ स्थानतो । समयकुः समञ्जूः मथा।

উঙ্চালে নচেতি উঙ্ন। হদো হসস্তধাতোরঙ্ন হস্ওন তসা হস্তুঃ ইতি ষষ্ঠোকং। নাতি পুর্যমিন্ পরে সোহপুস্তমিন্। বথা ভন্তাথো ভজাতে ভক্তঃ। হসস্তধাতোঃ কিংঁ। নীর্যাতে নীর্ণা অত্রেন প্রসঙ্গা

#### কুথি হিংসাসংক্লেশয়োঃ।

#### 8)। तिषि<भूकार्थारकाः।

ইদিতো ধোঃ পুজার্থ স্থাঞ্তেশ্চ নলোপো ন স্থাদণো। অত-এবেদিতো মুণ্। প্রানিকুত্যাৎ [কাদিস্থান্ন ৭ঃ]।

ইদসুবন্ধানাং নকারএব নাস্তি কথং লোপো নিষিধ্যতে ইত্যত আহি অত-ত্থাবেত্যাদি। অতএব লোপনিষেধাদিত্যর্থঃ।

#### যিধু গত্যাং।

### ৪২। ভাদাদিকঃ স্নো২কৈট স্বৰূ ষ্ঠিবঃ।

ज्ञारनतारमो व्हिजरहाः यगरहाः मरनो रखा नजू रेके। सक किंवाः।

ज्ञानिति ज्ञिकाशामिजीनिर्मगंगाश्वकः। ज्यान। ज्ञान।नानी खुरशज्ञानिर्मियानिः वानिरत्नवन। ज्ञानिन्न त्रथानिन्न जनकानित्न्तानत्र हेजि।
ज्ञानितानिः ज्ञान।निः यन गन क ज्ञान।रिनो क ज्ञान।निक ज्ञा। धातिथकारत्रश्री ज्ञानिश्वहंगः निक्यांजानितानार्थः। एक यहेनिक्जि वर्षीविज कारत्रश्री ज्ञानिशहंगः निक्यांजानितानार्थः। एक यहेनिक्जि वर्षीविज्ञानित्रामार्थः।
व्यव गन्नित्राक्षीकारिनो न धानकः। वाह्यवर्णवर्षकः हेजि वाशरिन वत्रनार ষকারসাধ্যক্তির্বসা তবর্গ প্রকৃতিকত্বে ফ্টাায়তে দ্বিভাবে নৈমিন্তকসাপাভাব ইতি স্থায়াৎ টকারসা তকারত্বে ণপি তফ্টো সনি তিফ্টাাসতি বঙি ভাষ্ট্যায়তে ইতি। এবং সর্বত্রে। যোপদেশ ণোপদেশো দর্শয়তি সার্দ্ধপ্লোকেন।

80। त्यक मौक मृश मृ मृष क्ष्रृ खात्मा पखाक खमा प्राः। वाश्राम प्राः चक चि च च च छ चश्र मिष्ठ का। ताश्राम मा-स्नुवर्क नाथ नाथ मक्ष नक नृ निष्टः।

#### সেধতি |

সেকচ সীকচ স্থাচ স্থাচ স্থাচ স্থাচ স্থাচ তে তেভোহিছে ৷ দস্তাচ ष्ट्रफ मरा कि जावरस यमा म मसाक्षास्त्रक मसाक्षर मा कि प्रसा अस्तरः पराज्ञस्य आणि (र्यसार् एक प्रसामस्यापमः परावर्गस्य असरा বা যে সকারান্তদাদিক ধাতবঃ যোপদেশাঃ ধাতুসংজ্ঞাকালে মুর্দ্ধন্তাদিত্বেন পঠিতা ইত্যর্থঃ সেকাদীনামজন্তুসাদিত্বাৎ কৃত্তা ইত্যেভয়োর্দস্ত্যান্তুসাদিত্বাৎ ध्यात्थो निरम्धः। यक्नांनरमा पछाछिमानरमाञ्चलसमारमाञ्जल न छवछीछ পৃপগুজাঃ। কিঞ্চ উদূটে । যত্ৰ বিদ্যোতে যোবঃপ্ৰতায়সন্ধিজঃ। অন্তাস্থৎ তৎ বিজ্ঞানীয়ান্তদক্ষোবর্গা উচাতে। ইতি স্বরুসাং স্বপের্কার্সা দন্তাত্ত্ব্হপি পৃথক্ গ্ৰহণং জ্ঞাপয়তি দন্ত্যান্ত্ৰদাদীনামজন্ত্ৰাদীনাঞ্জিচিৎ যোপদেশত্বং নান্তীতি। তেন ত্তকা প্রতীঘাতে সাস্তক সাস্তুনে ইত্যাদীনাং দস্তাদিদ্বংসিদ্ধং ষোপদেশ ফলন্ত কৃত সক্রিবস্তাৎ তুঊার ভোক্ট্রতে সুযুর সোধূয়তে ইত্যাদিয়ু यथः । नृष्ठ नर्षण्ठ नाथठ नाथठ नम्मठ नक्षण्ठ न्यूण्ठ न छेठ एक नृज्ञर्मनाथनाधनम् नक्क नुन है। न विमारल एक रायु धांकूयू मरधा एक कथा। मृकांमि वर्ज्जिका नामरमा ধাতবঃ ণোপদেশা ধাতুসংজ্ঞাকালে মূর্দ্ধন্যাদিত্বেন উচ্চারিতা ইতার্থঃ। নোপদেশ ফলন্ত প্রণয়তি প্রীণাতি ইতাাদিষু নাদিখাৎ প্রশ্বনো ইতি গখং। नृष्ठ भर्नर्ग रेडामिनार मछाामिष्ठ अरख्यामञ्ज्याधार।

### ৪৪। বাচ্ছশু গতার্থবদে সং।

গভাবে বদে চ ধৌ পরদে ব্যক্তাচ্চ্য সং স্থাৎ। অচ্ছসেধতি।

ব্যঞ্জ তৎ জাহুশেতি বাগাহুঃ তসা। গতার্থশ্চ বদশ্চ গতার্থবদঃ তি আছি আছি সমানার্থো নিপাতঃ। বৃথা জাহুগতা অভিমুখং গর্ভার্থঃ জাহুগাদ্য অভিমুখ মুদিশ্বেতার্থঃ।

৪৫। গীকঃ স্ত স্তত সো স্বাস্থাস্ত স্থাং স্থা দেনি সন্জ স্বন্ত।
২গতিসেধা২ প্রতিসদাহয় জ্বিদান জ্স্ত স্থানব্যবস্থা পরিনিবি সেব
স্থান জ্বিবাহনোই জ্বহাং সঃ বোহম্যাপি দশস্থাদেস্ত দ্বেদ্য।

श्वाप्तत्रशास्त्रस्थः श्वाप्तत्रगण्यं रमत्या श्वाप्ति स्वर्षे मित्रा १६ वर्षे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्षे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्णे स्वर्ये स्वर्णे स्वर्णे

সাঃ স্বরূপঃ সোহতে যদা সাদীভাৱন সাভোহদান্তঃ অসাভিভামে সুঞ্চেতি অস্যান্ত সূঞ্। স্তুশ্চ স্তুশ্চ সেশ্চ স্বশ্চ অস্যান্ত সূঞ্চ তেষাং । অগতৌ সেধঃ অগতিশেধঃ নান্তি প্রতি র্যমিন্ সোহ প্রতি সচাসে সদচেতি অপ্প্রিদঃ। নাতি ষ্ড যক্ষাং সোহ্যত্সচাস্থে সিচশ্চতি অষঙ্সিচঃ নাতি অঙ্যমাৎ গোহনঙ্সচাসে। তম্ত্রতেতি অনভুস্ততঃ। ব্যবভ্যাৎ স্বনঃ ব্যবস্বনঃ আল্লে ভক্ষণে বাবস্ত্রঃ অল্লব্যবস্থনঃ নাত্তি জঙ যসাথ সোহনঙ সচাসে সিব-শ্চেতি অন্ত্ সিবঃ। ওশ্চ অন্তঃ ওহড়ো ন বিদ্যুতে ওহড়ো ৰস্য সোহনোঙ-সহ। সেবশ্চ সুমচ অনঙ দিবশ্চ অনোহঁও সহচতে সেব সুমনও দিবানোহঙ-महः। स्वरण्ठ स्वरण्ड स्वर् निवण्ड खानाक्ष महाराष्ट्र स्वरूपन अस्तिवादनाक्ष মহঃ। পরিশ্চ নিশ্চ বিশ্চ পরিনিবয়ঃ তেভাঃ সেবসুমনঙিনিবানোছঙ সহঃ পরিনিবিসেবসুমন ওসিবানোহ ওসহঃ পশ্চাৎ স্থাশ্চ সেনিশ্চ সন্ঞাশ স্থান-ঞ্চল অগতিনেখন অপ্রতিসদন্ত অষ্ত্রসিচন্চ অন্তন্তপ্রত্ত অর্ব্যবস্থনত পরি-নিবিদেব সুমনত সিবানোহত সহাল্চ তে স্থাদিসহঃ তেবাং স্থাদিসহাং। দশানাং স্থাদীনাং সমাহার দশস্থাদিঃ উস্য : যথা অভিষ্টৌতি বিষ্টোভতে বিষ্যতি বিষুণতি সুব ইতি তৌদাদিকদ্য মুশক্ষেপে ইত্যদ্য গ্ৰহণাৎ মুঙুদূৰ্যাঙ ইত্যেতয়ো'র্যস্থতে বিস্থয়তে ইত্যাদৌ বন্ধং নস্যাৎ। বিষুণোতি স্যাস্ত্রস্ত্ বিসোষ্যতি বিস্বিষ্যতি ইত্যাদৌ ন ষত্বং সাঃ স্বরূপ ইতি কিং বাষোদ্ মিভাদৌ যত্ত্ সাদেব। নিঠাসাতি সেনিরিতি বিশ্ববাডুঃ সেনয়া অভি-বাতি অভিষেণয়তি। নিষক্ষতি নিম্কতে নিষেধতি। গডৌতু গলাং বিদেধকি

किश (मध हे जि निर्म्तवार रेमरामिकमा निर्मिश जीजारमी न वचर । निवीमाज প্রতৌতু প্রতিসীদতি নিবিঞ্তি ষঙিতু বিদেসিচাতে ইত্যুভয়ত্ত্ব ন বছুমিতি শ্ৰীপতিগন্ধঃ। বিষ্টভাতি বিষটভোতি অভিছু ব্যতক্তমং বিহণতি অবহণতি कीतः भिष्यः अनात विश्वनिष वीना भक्तः करता छी छ। वारवज्रारक वंकाता-দলি ষত্ত ব্যবাৎ কিং পরিস্থনতি ইত্যাদৌ ন স্যাৎ। পরিসেবতে নিষেবতে বিষেব্যতে। সুমিতি সুমাগমঃ পরিক্ষ'রাতি। পরিষীব্যতি অভিতু পর্যাসীধিবৎ পর্যাদি নিমিত্তকং থেঃ যত্ত্ নিবিধাতে থি নিমিত্তকং মূলগাতোঃ যত্ত কিলাদিতানের স্যাদেবেতি জীপতিদন্তঃ। পরিষহতে। ওকারে নিসোচা অভিত্পর্যসীষহৎ। অস্ব্যবধানেতু প্রভাষ্ট্রিং নিবিপরিসন্কর সুমসিব সভাং অম্বাবধানে বা ষত্মিতি বক্ষাতি। নান্টাবীৎ নান্তাবীৎ ইত্যাদি। দশ স্থাদেস্ত্র দেশ্চেতি বিধানাৎ থিব্যবধানেহপি ষত্ত্বং খেঃ সকারে সভি ভস্যাপি ষত্মিতি বোধাং নিতকৌ অভিষিষেণ্যিষতি নিষমপ্প বিষাধ্যাতে। ঠাাস্ত সং স্বন্জোগ্যাং নাথেরিতি বক্ষামাণাং মূলগাডোর্যত্থ। তেন বিষয়াজ বিষদাদ ইতি। নিষিষেধ বিষাষদাতে নিষিষেচ বিতক্টন্ত বিষয়ান বিষিষেবে। এষানের কিং যোষনাশে বিসমে বিসুষার ইত্যাদি দশস্থাদেরিতি নিয়মাৎ অনোগাং গোসুবাদীনাং খেঃ ষত্ব ন্যাং। কিলাদিত্যনেন প্রাপ্তং উপ-সর্গনিমিত্তকং ষত্ত্বদেন নিয়ম্যতে। তেন ফুল প্রস্তত্যাই বিস্ফৌতি ফালখো-ধনে প্রতিস্নাতি ইত্যাদে ন ষত্বং কিঞ্চ উপদর্গনিমিত্তকং ষত্তমবনিয়ম্যতে। তেন ভোফুলতে ভোফুলতে ইভ্যাদে খিনিমিন্তকং বত্বং স্যাদেব। কিলাদি-ভাত্র বিসর্গব্যবধানেহণি ষত্ববিগানাদিহাণি বিসর্গ ব্যবগানেহণি বত্তমিতি বোগাং। নিঃকৌতি ছঃকৌতি।

#### विशृ भाख माक्रताह।

৪৬। নেমুদিৎ স্বর চায় ক্ষায় প্যায় স্থতি স্থয় ধূঞ রধাদি নিষ্কুষোহরবলো রু ছু স্থ নোস্বঠাঃ।

অভ্যোবসভারভোম্ ভাদা রে ভাদেস্ত সীবর্জং। অদেধীৎ।

উদিদ্বসা স উদিৎ রধ আদির্যসা স রগাদিঃ। নিসঃ কুষ নিজুষ। পশ্চাৎ উদিত স্বরশ্চ চারণ্ড ক্ষায়ণ্ড পাায়ণ্ড স্থাজিত স্থাণ্ড গ্ঞাচ রথাদিণ্ড নিজুব- চেতি তসাং। স্বর ইতি স্টু শব্দোপতাপয়োঃ স্বন্ধাতীয় ধার্ম্তরাভাবাং স্থাহণেনৈবেই দিন্ধে সর্গ্রহণং জ্ঞাপয়তি কচিন্নিষেগং বাগিন্ধ বিকল্পো-হয়ং প্রাপত্তি ইতি। অত এব নেষ্তস্থপ ইত্যানেন বৃশ্ধ কৃ ভিন্নাং শ্লাদম্ভাং পপ ইম নিবেগেইপি সম্বরিপ সম্বর্থ ইতি স্বয়মুদাহরিষ্যতি। রধাদিন্ত রগাতি তৃপ্যাদ্পাচি মুহ্ তি ক্রেছি তি পা। ফুহ্ ফিছে নিশ্চ মুহ্ রধাদাবই গাতবঃ। স্বনতে উদিন্দেনের সিন্ধে স্বতে রধাদেশ্চ ইহ পাঠঃ প্রাচীনমতাসুবাদার্থঃ। ক্রণ্ট ছণ্ট সুশ্চ মুশ্চ ইতি ত্যাং। যথা অনেদীং অবৈংশীং অসারীং অস্বাধীং অচায়ীং অন্যাহিই অন্যাহিই অন্যাহিই অপ্যায়িই অপ্যান্ত অসাবিই অসোই। সুতি সৃদ্ধ ইতি অদাদি দিবাদ্যোগ্রহণাৎ মুশক্ষেপে ইত্যা অসাবীদিভি নিতাং। অধাবীং অধোষীং। রধিতা রদ্ধা নিক্ষোইটা নিক্ষোইটা রবিতা রোতা দ্বিতা দোতা স্বিতা নোতা নবিত্যা নোতা। ঠ্যাস্ত ক্রক্রিব ছছুবিব সুস্বিব সুস্বিব ইতি অন্যাদ্দিনেশহিপি স্যাদিতি নিয়মাং নিত্যিম্।

৪৭। ত্রজ বদরলজনিমোহঞিশিজাগুত্রি : সৌপে।

ব্রজের্বদেররস্তসালস্তসাজস্তসানিম্ন সৌপে বিঃ সাৎ নতু বিঃ শিকাগ্ণাশ। অদৈৎসীৎ অসেধিষ্টাং।

নান্তি ইম্যমাৎ গোহনিম্ ব্রজ্ঞণ বদশ্চ অরচ অলচ অচচ অনিমচেতি তা। ক্রিণ্ট খিণ্ট জাগৃশ্টেতি তথ। ন ক্রিমিজাগৃ অক্রিমিজাগৃ তস্য। অরব্রে স্বর্রেণ তেন তদন্তো থাছো। অচ আরালৈজিত্যাদিনা অচ এব বৃদ্ধিস্থানিবত্রেন নির্দ্দেশাৎ অচ এবেতার্থঃ। ধাতোঃ স্বর্লকথনে ইপ্রত্যয়ো বক্তনাঃ। তেন ব্রজ্ঞের্দেরিভূয়ক্তং। যথা অব্রাজ্ঞীৎ অনাদীৎ। ব্রজ্ঞাহচর্নাৎ বদ ইতি দন্তাবকারাদিরের। তেন বদস্থৈর্যো ইত্যমা অবাদীৎ অসারীৎ অফালীৎ অনৈষীৎ অনোমীৎ অনামীৎ অনারীৎ অফালীৎ অনামীৎ অনারীৎ অনারীৎ অফালীৎ অনামীৎ অনামীশিক্ত বালামীৎ অনামীৎ অনামীশিক্ত বালামীৎ অনামীশিক বালামীশিক্ত বালামীশিক্ত বালামীশিক্ত বালামীশিক্ত বালামীশিক্ত বাল

८। एकाखरथार्सार्थः।

ण्डार भारताख्यदमार्थ मानजू **शा**कः। **च**रेनकाः।

ভশ্চ ধশ্চ তথে তিয়োতথোঃ। অবৈদ্ধামিত্যনিম্পকে ইমিতু অনেধিটা-মিতি ৷ অধঃ কিং ধতে ৷

थम देश्दर्या वद्य ह।

৪৯। হসাদেঃ সেমোহক্মেদিৎক্ষণশ্বসবধো বোজ চঃ সৌপে বিঃ। হম্যান্তাদেকারেতঃ ক্ষণাদেশ্চান্যন্ত সেমো হসাদেরুৱে। হকা-রক্ত বিঃ আদ্বা সৌপে। প্রন্যথাদীৎ [ থাদিবালণঃ ] অথদীৎ।

সহ ইমা বর্তুতে যাং স সেম্ ভদা। এং ইং যদা স এদিং। হচ মচ যচ এদিচে ক্ষণত খ্যাত বধচেতি ভং। ন ক্ষোদিং ক্ষণখ্যবধ আকো। দিং ক্ষণখ্যবধ উঙ্চামো আচেতি উঙ্গতদা হস্তাদেশ্ত আচহীং আক্রমীং আহাীং আকটীং আক্ষণীং আখ্যীং আধ্যীং।

#### c । পিু তা ভোকু ওতোঃ ।

ধোরস্তব্যেচ উদ্ভোহকারস্ত চাত্র স্থাৎ াঞ্জতি নিভিচ। চথাদ।

ক্রচণচ ক্রে ক্রাবিভৌ বদ্য দ ক্রিং ভিষান্। জন্তাশ্চাদানিচচেতি জন্তোচ উৎচাদানচ্চেতি উৎ অন্তোচ্চ উৎচ্চ তৌ অন্তোল্ড ভ্রতি তথাঃ। চদাদেরিতি নামুবর্ত্ততে উৎতোগ্রহণাং। তেন খাতুমান্রদা অন্তোচ উৎতশচ বিঃ দ্যাং ক্রিড নিভিচ পরে। বপা জ্বিগায় নিনায় জ্বান পুপাব চনার ততার পপাঠ উৎত ইতি কেনাপি উৎভো গ্রহণং। তেন ভন্তাগিলস্তোবেরমেরিতি ন লোপে জভাজি অলাভি ইত্যাদি দিদ্ধং। অভনব রন্ত্রমাতোর্ন নোপে উৎভো বৃদ্ধে ঘটাদিজনীতানেন হ্রমং বিধার রক্তাত বৃদ্ধানিতি স্বরং বক্ষাত। বৃল্জে ধোরিতি ন্যাখ্যানাং ছ্রমতীতার্র ক্রিমমত্র্য ধাতুমংজ্ঞায়াং জ্বোধাতুলভাবাছভোন বৃদ্ধিঃ। নমু নিনায় সুনাব ইত্যাদির আদে ওণে ক্তে পশ্চাছঙ্ভো বৃদ্ধে ইউদিন্দ্রে অন্তোচোগ্রহণং বৃথ্ধভিচের একনিমিভতে প্রণেক্তে বৃদ্ধেরকর্ত্র্যত্বাং। অন্যথা ক্রে জাগরম্বতীতাদে জাব্রোহ-দ্বন্তি ক্রেড উণ্ডভো বৃদ্ধাপিন্তেঃ। একনিমিশ্বনে ইভি কিং দিবাভীতি

দেবঃ অত্র পচাদিখাদনি গুণে দেবস্যেদং দৈবং অত্র ফেবৃদ্ধিঃ স্যাদেব।
নচ তথাপি অস্ত্যোবের গৃহতাং কিমিচোগ্রহণেনতি বাচাং। ব্যেকৈবৃতাবিতাস্য গপি বিব্যায় ইতামুপপস্তেঃ। রামতর্কবাগীশস্ত অস্ত্যাজুওতোরিতি পঠিছা অম্লোপিছং স্থানিবছঞ্চাদস্তত্ব প্রয়োজনং। বত্রজ্বতে নবিদ্যেতে তত্রাল্লোপো বিকল্পনং। তদলাদস্য দীর্ঘণ্ট পুকচেতাক্লাপয়তাত ইতি স্বর্সাদকার্স্য স্থিতিপক্ষে বৃদ্ধিমাদস্তত্বাং পনগু বিধায় অক্ষাপয়তি। শবল-মিতি সাধয়তি তদ্ধেয়ং অচএব বৃদ্ধি স্থানিছেন নির্দ্দেশাং। ব্রহ্মবদেত্যাদী মধ্য অচোগ্রহণং বিনাপাচঃ প্রাপ্তিস্তথাতাপি ক্রিতান্তোভিতানিতানে বিক্রিয়া অচোগ্রহণ বিনাপাচঃ প্রাপ্তিস্তথাতাপি ক্রিতান্তোভিতানিতানে বিক্রিয়া সচোগ্রহণ বিনাপাচঃ প্রাপ্তিস্থানার ক্রাপয়তি ইত্যাদে অনেন বৃদ্ধে পনাগমে বৈবেইসিদ্ধে একাজকারান্তানাং নাপ্রিধান বৈয়র্থাচে। এবং নিতাস্য অল্লোপস্য তম্বচনব্লাছিকপ্রে অস্কাপয়তীত্যাদে তম্বচনাপ্রিকিশনং অস্ত্যদীর্ঘন্টেত্যভ্রমদের মনীষাদিছাৎ সাধামিতি।

৫১। विभारसा वा।

চথাদ চথদ। গদ ভাষে। প্রনিগদৃতি। স্গমং। প্রণিশদতীতি গদ নংদতি গছং। বদ ব্যক্তায়াং বাচি।

৫২। তু ফল ভজ ত্রপ শ্রেথ গ্রেথ দভাদান্তাশুহুদাং গ্রাঃ কিতি দেমথপাদেঃ খিলোপশ্চাশশ দদ বাদানাথাথি গুনলোপিনাং জুব মভ্রমত্রসফণাদিবধার্থরাধান্ত বা।

ত্রাদীনামাদান্তবিত্তান্তহ্নানাঞ্চাকারঃ গ্রাঃ কিতি সেমথপি চ এঃ
ন্থাৎ থিলোপশ্চ নতু শশেদিদের্কারাদেরন্যথাভূতথের্মতোন-লোপিনশ্চ জ্বমভ্রমকণাদীনাং হিংসার্থন্ত রাধেশ্চ বা ন্থাৎ।
বেদতুঃ বেছঃ বেদিথ। অন্যথাভূতথেন্ত চথদতুঃ। ণদ শব্দে
ভ্রাদ্যাদীতি ণো নঃ] নদতি। প্রণিনদতি।

সাঃ সংযোগঃ নদোঁ। হসাঃ অ্সান্চাসে হসচেতি অসা হস আদাস্তরোরসা হস যেবাং তে আদাস্তাসাহসঃ। তুল্চ কলণ্চ ভঞ্জণ্চ ত্রপণ্চ প্রথণ্ড এখণ্ড

দভক্ত আদান্তাসা হসক্ত তেবাং। সহ ইমাবর্ত্তে বঃ স সেম সেমচাসে পপ-চেতি সেমথপ্। কিৎচ সেমধপচেতি কিৎ সেমধপ তিয়য়য়। অন্তক্ত্রকার আদির্যস্য স বাদিঃ। জন্যথা জন্যপ্রকারঃ থির্যস্য সোহন্যথা খিঃ। গুণ্চ ন লোপশ্চ গুনলোপৌ ভৌবিদ্যেতে ষয়োকো গুনলোপিনো। শশশ্চ দদ্শ্চ বাদিশ্চ অন্যথা খিশ্চ গুনলোপিনোচতে। পশ্চান্তঞ্জনাসঃ ভেষাং। বধার্থ-শ্চাদৌরাধচেতি বধার্থরাধ। জ্বৃশ্চ বমশ্চ জ্রমশ্চ জ্বসশ্চ ফণাদিশ্চ বধার্থরাধচ তে জাদিরাধঃ তেষাং তৃইতাসা গুমস্তাং কলভক্ষোরনাণা বিতাং ত্রপদংযো-गामिषार अथारथाः मररवागामिषार नत्नाशिषाक परलानत्नाशिषाम्आरश्चो পৃথগুজিঃ। নতু উপদেশকালে আদাস্তাস্যহসঃ যে ধাত্ৰস্তেষামের গ্রহণাৎ ুণুমর লোপিনোরপ্রাপ্তো বেন কেনাপি প্রকারেণ আদান্তাস্য হসাৎ গ্রহণাৎ वृमम लालिवक्रनः कथमिछि छम्र जूनिमनश्वधि देखामीनामूलरमा जामा-স্তাস্য হৃদত্বাৎ ননন্দভূরিভাগাবপি থিলোপান্থ্যৎপত্তেঃ। ফণাদিশ্চ। ফণতি রাজভিশৈচৰ ভ্রাজ্ঞতি ভ্রাশভিস্তধা। ভ্রাশভিঃ সামভিশৈচৰ সমভিশ্চ ফণাদয়ঃ। অত্র ফণাদি পাঠদামর্থাদাকারদ্যাপোত্বং। এবং বধার্থরাধোহপি রেধতু-রিতি বদক্তৈব্যে বর্ণাবকারাদিভালিবেধঃ। দন্ত্যাদেন্ত বনসন্তো<del>ভে</del>। ববনতুঃ এবং বঞ্চগতে। বৰঞ্জুঃ ৰসিরভান্তে বৰসজুঃ। অন্যথাখি গু নলোপিনামিতি এবাং মধ্যে চৰদতু রিত্যুদাহতং অন্যৎ বথাস্থানমুদাহত্ত্ব্য মিত্যভিপ্রায়ঃ।

### অর্দ্দ পীড়ায়াং।

৫৩। স্থান্তাদাদাশোঃ থেরান্ ঠাং বাছাঞ্চে। স্থান্তোযোহকারাদিন্তস্ত থকারাদেরশোতেশ্চ থেরান্ স্থাৎ ঠাাং আঞ্তেন্ত বা। আনদি।

माह मश्यादगिष्ट्र यमा म माछः। अद अकात आपिर्वमा त्रार्थणिः माछण्ठादमी अपापित्र अपापित्र माछण्ठादमी अपापित्र माछण्ठादमी अपापित्र अपापित्र माछण्ठादमी अपाप्त अपापित्र अ

#### इमि প्रत्रेमश्रद्धा।

### ৫৪। ভুরে १२ मक १८ मः।

অঙ্গাদেরমি ক্তে পুনরম্ভাৎ। ঐক্ৎ।

পুর্বকৃতেন অমা ধাতোঃ সন্ধো পশ্চাদনেন পুনরম্। আমোঃ সন্ধো পুনয়ম্ করণস্য কৈফল্যাৎ। নতু ঘীটীপীন্তম্ধোরমাইজাদেরিশ্চ ইত্যনেনৈবেফ সিক্ষো এতবিধানক্ত আদিইস্যাপ্যজ্ঞানেঃ পুনরম্বিধানার্থং। তেন যথৈতে। প্রজ্ঞাত বশলুস্পৃহি উন্যামিত্যাদি সিদ্ধং।

# ৫৫। ' বর্জাদিদয়ায়াসত্যানেকাচোৎনৃচ্চূর্ণোষ্ঠ্যামাম্।

রুসংজ্ঞেজাদের্দর অয় আস এভাস্ত্যাস্তাদনেকাচশ্চ আম্ স্থাৎ. নতু ঋচ্ছূর্বোঃ।

রশ্ধরিঃ রশ্চাসে ইচ্চেতি বিচ্ বিচ্ আদির্ঘস স বিজ্ঞাদিঃ বিজ্ঞাদিশচ

সমশ্চ জয়শ্চ আসশ্চ ভাশ্চ জনেকাচ্চেতি ভক্ষাৎ ঋচ্চ উণু শ্চেতি ক্ষত্নু ন

ঋচ্নু অন্চ্পূ ভক্ষাৎ। তাঃ প্রভায়ঃ। যথা ঋতীয়াঞ্চক্রে পণায়াঞ্চক্রে কারয়ামাস চিকীর্ঘামাস ইত্যাদি। ভ্যান্তামাননেকাচত্ত্বীনব প্রাপ্তে ক্রান্ত্রীয়ামাস ইত্যাদি। ভ্যান্তামাননিকাচত্ত্বীনব প্রাপ্তে ব্যান্ত্রীয়ামাস ইত্যাদার্থি।

# ৫৬। ভুস্কস্বামঃ।

ভূ অস্ক এতে আমন্তাদনুপ্রযুজাত্তে। ইন্দামভূব ইন্দামাণ ইন্দাঞ্কার।

ভুশ্চ অস্চ কৃশ্চেতি ভুস্ক। আম ইতি পঞ্চিম্য পরপ্রয়োগে সিদ্ধেহকুথহণং ক্রিয়াবিশেষণোপদর্গ ব্যবধানেহিপি প্রাপ্ত্যাধিং। তেন তং পাতরাজ্যাধ্যমাদ পণাত পশ্চাদিতি রঘুঃ। উক্ষাম্ প্রচক্রনগরস্য মার্গানিতি ভট্টিঃ
পুর্বতোহসূবৃদ্ধাবিপি পুনরীমোগ্রহণং সামান্যার্থং। তেন দরিমাকাশোত্যাদি পশাখাভীত্যাদিভিবিহিতাদামোহিপি ভাদেরস্প্রয়োগঃ। এবমান
আনেপদিধাতুভ্যাহস্ভুবোরস্প্রয়োগে কর্ত্রি কৃতস্যান্তনেপদ্যা স্থানে
পরক্ষাপদাদেশো বজীব্যঃ। ঈক্ষামাদ ঈক্ষাশ্বভূব। ভাবক শ্বণোঃ কৃতস্যভূব
স্যাৎ। ঈক্ষামাদে ইক্ষাশ্বভূবে চক্ষো জনেন। ব্যতীহারে কর্ত্রি কৃতস্যাপি ন

ন্যাৎ। ঈহাষ্ ব্যতিবভূবে ছাত্রং। করোতের মুপ্রয়োগেণু মুন্ধাতোরের পরবৈশপদাঝ্যনপদে ডিগ্রভঃ ইন্দাঞ্চকার ঈক্ষাঞ্চক্রে। নমু পূর্বস্ত্রে ঠ্যামিভি
বিষয় সপ্তম্যা ঠ্যা উৎপত্তেঃ প্রাণের জামিকৃতে ভাদীনামস্প্রয়োগে ডদমু
নারেনৈর বিভক্তিঃ স্যাং। কিমাগ্যনেপদস্য পরবৈশপদাদেশেন ইভি চেন।
কৃক্রোংহ মুপ্রয়োগে আত্মনেপদি ধাতোঃ ঈক্ষাঞ্চকার ইভি পরবৈশপদাপত্তেঃ।
করং পরবৈশপদিধাতোঃ ইন্দাঞ্চক্রে ইভ্যান্তনেপদাপত্তেশ্য। ইন্দানাসেভি
ক্ষেত্রমুপ্রয়োগ বিধানসাম্প্রাং ভুরাদেশোন স্যাং।

৫१। तममूम्र मृत् पृष् ख फ व्य त्यादतव शाह।

এতা স্থা এব ইম্ন ন্তাৎ অন্যাদনিমোইপি ন্তাৎ। ইম্লাঞ্কর্থ। ণিদি কুৎসায়াং। প্রণিন্দতি প্রনিন্দতি।

উথ গতৌ।

**७**৮। (थर्यातियुवर्ग।

থেরিবর্ণোবর্ণয়েঃ ক্রমাদিয়ুবৌ স্থাতাং অর্ণে পরে। উবোধ। অর্ণে কিং উধতুঃ। অনুচু গতি পুজনয়োঃ। [নেদিৎ পুজার্ধাঞো- রিতি ] অঞ্চাৎ। [গতৌ তু] অচাাৎ। মুচু ইগডাং [শাসুলিদ্যুদিতি ঙো বা] অমুচৎ অমোচীৎ এবং মুচু গলুচু গ্রুচু গলুঞু।
আছি আয়ামে আনাঞ্ছ আঞ্ছ। বন্ধ গতৌ। ববন্ধতুঃ ববন্ধিথ
[বাদিশ্বাম এঃ] এক গতৌ [এজবদেতি ব্রিঃ] অব্রাকীৎ।

ইশ্চ উশ্চ যুত্তসা ইয়চ্ উবচ্ ইয়ুব্। ইয়েষ উবোধ। আর্থে কিং ঈরতুঃ উপতুঃ।

অজ গতে পেক্ষণে চ।

वारकाश्रत वाञ्चनवस्थश्चाकालि।

অঞ্তেররে বিঃ ভাৎ অনতো বদে চ বা স্থাৎ নতু ঘঞাদৌ ১০

न রোহর समित्र ज जन क व गृह जिल्ला। घश्रह ज्ञ लह का श्रहि घश्रम् का श्री क चश्रिकाश् ज्ञ चश्री का श्री का श्री

৬০। নেমেকাকাত্যদৃতোহশি প্রিডী শী যুরু রুমু স্কুরু:।
খ্যাদেরনোভা একাজ্ভা আদত্তেবর্ণান্তোদন্ত ঝদন্তেভা ইম্ ন
ভাৎ। অবৈষীৎ আজীৎ বিবায়।

একাছচ্ ৰদ্য স একাচ্ আৎচ ইন্চ উৎচ ঝং চেতি আহাদৃং একাচ্চাদৌ আহাদৃতেতি একাজাহাদৃৎ ওন্ধাৎ শ্বিশ্চ শ্রিশ্চ ভীন্দ শীন্দ মুন্দ ক্রন্দ করে। একাচঃ কিং দরিদ্রিভা চির্মিভা দিখিতা উর্বিভা আগরিভা সামানা বিধানাৎ প্রাপ্ত সেম এব নিষেধকোহ্মং বিশেষণ বিদিনাজুদাদের। যথা ব্যর্মেভি অপাসিন্দীং স্বাধারিভি অভানীং। সাসার্দ্দন ইভি করিয়াভি। স্বাদ্দেস্ত স্বাহিভা শ্রিভা ভারিভা শ্রিভা যবিভা রবিভা রোভা নবিভা নোভা বেমুদিভীন্দা স্ববিভা ক্রিভা ক্রিভা বিরভা। ক্রিকশ্যক্রমে বৃত্ত বৃত্ত বিবর্জিভা ইভাভয়গ্রহণ জ্ঞাপকাদ্যাস্থতে যুদ্দিশ্রদণ ইভাগৈর বর্জনে যুক্তগ বদ্ধে ইভাগের ব্যাদিশ্ দস্যাং। ভেন বোভা। বন্ধাপি

শ্বমতে রু মুইতি ঘ্যোরিহাসুজ্ঞাবপি একাজুদন্ততয়া অনিমত্বে নেমসুমিতি টা নিতামত্বং টা অন্যত্র বেমুদিদিতানেন বেমত্বং তৃথাপীই পাঠঃ কেষাক্রিন্মতে ঘাবেতো নিতোমাবিতি জ্ঞাপনার্থঃ। অতএব কবিকপ্পক্রমে শ্বিশ্রি জীশীযুরুসুস্কুকুবুঙবুঞ বিবর্জ্জিতা ইতি নিতোমাং মধ্যে অনয়োঃ পাঠঃ। অবৈষীদিতি অরবসি বি আদেশে একাজিবর্ণান্তত্বাদনেন ইম্ নিষেধঃ।

७)। भू एकात्रवृष्ठीयुव्दयादवीविकादिनकादहादवीतः।

শোর্ণোশ্চ ইবর্ণোবর্ণয়োরণাবিচ ইয়ুবৌ স্তো হনেকাচস্ত অ-স্থাৎ পরয়োঃ ক্রমাত্রবর্ণবর্ণয়োর্বযৌ স্তঃ। বিবাতুঃ বিব্যুঃ।

শুশ্চ খুশ্চ শুধূ তয়োঃ। নান্তি গুর্ফান্ম সোহণুঃ অণুশ্চাসাবচ্চেতি অণুচ্ তিফান। ইয়চ্ উবচ্ ইয়ুব্। ইশ্চ উশ্চ যু তসা বচ যচ বেচা। ন স্যোহস্যঃ তয়াং। ন একোনৈকঃ। নৈকোহচ্ ষয়োত্তো নৈকাচো তয়োনি কাচোরিতি শুধোরিতাস্য বিশেষণং। উশ্চ ইশ্চ বী তয়োবেচাঃ। যোরিত্যেকরচনান্তস্য ইয়ুদ ইত্যানেনৈর যথা সংখ্যং নতু শুধোরিতি দিবচনান্তেন। জয়ং নিয়মঃ। অগাবিচ পরে শোক্ষবর্ণস্য উব্ স্যাৎ থাতোরিবর্ণোবর্ণয়োঃ ক্ষমাদিয়ুবেইও ইতি। এবং ব্যোরিতি দিবচনান্তস্য শুধোরিতানেন চ যথা সংখ্যং। তেন আনেকাচঃ খোরসংযোগাং পরস্য উবর্ণস্য বকারঃ। আরিতেত্যাদে ওণেন বাধিতত্বাদের ইবুবোর প্রাপ্তে অগাবিতি সুখার্থমিতি কাশীশ্বঃ। তদ্ধেয়ং। শুধুসম্বন্ধী বর্ণোবর্ণস্থানিকত্বাদঞ্জমাত্রনিমিক্তক্বাচ্চ বিশেষণে শুধোরিত্যানেন ইওস্থানিকত্বাদজ্ঞান নিমিক্তক্বাচ্চ সামান্যস্য পুশুভিশ্তেশ্যা বাধিতত্বাং আরিতা ইত্যাদাবিপি ইয়াপত্তেঃ। অত্র ধোরিবর্ণস্য বিক্তস্যাপি গ্রহণং তেন আরিয়তে ইত্যাদি সিল্ধং।

৬২। সৃজদৃশচ্পাঠাত্বতোনিত্যানিম্তুক্পোবেমন্ব্যে২দঃ।

স্জেদ্ শেরজন্তা ভাদিপাঠেইকারবতো নিত্যমিত্রহিতত্তা।থপ ইম্বা স্থাৎ নতু ঋ ব্যেঞ্জন এভাঃ। বিবয়িথ বিবেথ।

আৎ অন্তাস্য অধান্ পাঠে দশবিধগণপাঠে অধান্ পাঠাথান্। স্ঞাচ দৃ শশ্চ আচ্চ পাঠাথাংশ্চেতি ভস্মাৎ। নিভাসনিম্ভূন্ প্রভ্রোষস্মাৎস নিভ্যানি মৃতা ভক্ষাং। নিভানিম্ভুরিভি অঞ্জ্যা পাঠাথ ভশ্চ বিশেষণং। ঋণ্চ ব্যেদ্ধ ष्मण्डि अर्गाश्व म सर्वाश्म् जन्ताश्म जनार। यथा ममर्खि मार्क ममर्गिश्व मार्केश । ज्यक्ष प्रमाश्व । भिर्मेश भिर्मेश भिर्मेश भिर्मेश भिर्मेश भिर्मेश मिर्मेश मेर्मेश मिर्मेश मेर्मेश मे

७०। र्घाश्कारत।

অজন্ত ফার্ছরে যে পরে। ক্ষীয়াৎ। কিটে বর্ষাবরণয়োঃ। অকটাৎ [ এদিত্বান্ন বিঃ ]।

যচাসো অরশ্চেতি যরঃ তিমানু। যথা ক্ষীয়াং। শিবইবাচরতি শিবায়তে এবং হরীয়তে বিষ্ণুয়তে। ধোরস্তান্থিতস্য প্রকৃতের্বিকৃতেরপ্যচোদীর্ঘঃ স্যাৎ হেবঞ হুয়াং টুওশ্বি খুয়াং ইত্যাদো জোকৃতেহপি দীর্ঘঃ। স্থগতো ব্রিয়াং ভুকৃ-ঞ ক্রিয়াং ইত্যাদোভু শুদ্রিঃ শ্যক্তীপে ইত্যত্ত হ্রসাস্তাদেশ সামর্ধ্যান্ন দীর্ঘঃ।

#### গুপু রক্ষণে।

৬৪। কমঋতোগুপুপুপপণপনেশক্তিন্তীয়ন্তায়া ধুঃ।

কমোঞিঙ্ ঋতেরীয়ঙ্ গুপাদেরায়ঃ স্থাৎ সার্গে তদস্তদ্চ ধুসংজ্ঞঃ। গোপায়তি।

কমঃ ঋত ইতি দর্শ পঞ্চশাক্। ধ্পুশ্চ ধূপণ্ট পণণ্ট পনচেতি জন্মাৰ। ক্রিঙ্চ ঈরঙ্চ আরশ্চ তে ক্রিডোঞকারো বৃদ্ধার্থঃ ওকার আক্রনেপ্দার্থঃ। ঈয়ডোডকার আন্ধনেপদার্থোহগুণার্থণ্ড। অর্থাবিশেষেণ বিধানাৎ শার্থে নৃঃ যথা কাময়তে শুতীয়তে গোপায়তি গোপায়তে ধূপায়তি ধূপায়তে পণায়তি পণায়তে পনায়তি পনায়তে আযান্তথাত্বভয়পদং বক্ষাতি।

#### -७६। वादत।

এভা এতে বা সূরেরে বিষয়ে। অগোপারীৎ অগোপীৎ অগোপীৎ অগোপারামাস জুগোপ। এবং ধুপ। তপৌ সম্ভাবে। তিনি ত্বান্মেম্। অতাপনীৎ।

বিষয় সপ্তমীয়ং তেন ট্যামেব প্রস্তায়ঃ সিপ্রস্তৃতি সন্তাব্যতে ইতি টীবিজ-জ্যুৎপক্তিঃ প্রাবেশবৈদেশান্ততো ধাতুসংজ্ঞায়াং বিভক্ত্যুৎপক্তিঃ। জাগোপায়ীদিতি আযান্তত্বেন ধাতুসংজ্ঞায়াং ধাত্মন্তব্যান্ন শুমিন্। পক্ষে জাগোপীং
জাগৌসীদিতি উদিত্বান্নেম্। অনিম্পক্ষে বৃদ্ধিঃ। গোপায়ামানেতি প্রস্তৃত্বাদ্যান্ত বিশ্বাদ্য এবং গোপায়াতে গুপাতে গোপায়য়তি গোপারতি ইত্যাদি।

् हमु जामरन।

७७। छित्क्रमा हत्मा २ शिर्षः।

এষাং র্ঘঃ স্থাদিশি। আচামতি। আঙঃ কিং চমতি বিচমতি। মাস্তবান বিঃ। অচমীৎ।

কীণতি ক্লাগতি আচাসতি। ক্রমু পাদবিক্ষেপে।

७१। क्रम क्रम खम जाम जाम कार्षे , निस्यम मः अन्द। दि ।

अच्छित्र १८४ श्रम् वा छाद तत शतत । क्रमाछि ।

क्रमण क्रमण खमण खाणण जामण क्रमण क्रमण क्रमण वमण मरवम्दि ज्ञाद क्रमण क्रमण खमण खमण जामण जामण क्रमण क्र

ভ্ৰমতি ভ্ৰাশতে ভ্ৰাশতে ভ্ৰাশতে ভ্ৰাশতে ভ্ৰাশ ভাৰেণ তালবাজি দন্ত্যান্তেছি ব্ৰসতি ব্ৰসতি ক্ৰটাতি ক্ৰটতি পক্ষে ভ্ৰাদিব'ৎ শঃ। লবাতি লবতি ষদাতি বদতি অন্তন্তাদি সংবদাতি অন্তব্ৰ প্ৰবদাতি। শুনঃ শিবাদ্ৰসংক্ষায়াং ভিন-পিদ্ৰ ইতি ভিন্তে ক্ৰটাতীন্তব্ৰ ন গুণঃ নকাৱস্ত ক্ৰটান্তীন্তাদেই অপানো নিত্য-দিতি গুণাৰ্থঃ।

७৮। कमः পেश्रि र्घः।

কামতি।

ক্রাসভি পে কিং প্রক্রমতে।

७२। सुक्तरमाश्रमश्रवम हैम।

আভ্যাং বস্থারত ইম থার তুমে। অক্রমীৎ।

সুক্রনোনেসমে ইত্তরেনাপীউসিজে সমেহর বস ইতি গোরবং জ্ঞাপয়তি ক্রমধাতোরনাল্পনেপদে সরবস মাত্রস্য নিতেমবিধানাৎ কচিদিমে বিকল্পে ছপি নিতামিন্ইতি। তেনাসুপদর্শস্য ক্রমধাতোর্বাগেরিতাল্পনেপদর্যোগাল্বে মার্হাৎ ক্রমোনেস তৃণ ইতি ইম্নিবেধে নিতানিম্তৃত্বাৎ প্রাপ্তবাং স্তজ্ঞদুশেতি বিকল্পং বাধিত্বাথপি চক্রমিথ ইত্তক্র নিতামিন্। অস্নাবীৎ স্বজ্ঞমীৎ স্ববিষ্যতি ক্রমিষ্যতি স্বিত্বাং ক্রমিতবাং মেতু স্নোষ্যতে ক্রংস্যতে প্রচিত্রস্যতে সুস্থুইতীতিতু নেমুগুইগ্রহেতি ইম্নিবেধাৎ ক্রমঃ প্রস্য ভাবকর্মণোঃ
কৃত্রস্য আল্পনেপদ্যা ইম্স্যাদিতি ছর্গিসিংই ক্রমদীশ্রে। ব্রথা সনস্তস্য চিক্রমিষ্যতে।

ख यमू भवरम ।

৭০। স্থাদান পাজনা আ ধ্যা মার্তি দৃশ শৎ সকামিষাম জ্বনাং তিষ্ঠ যচ্চ পিব জা জিল্ল ধন মন চর্ত পশ্য শীয় সীদ পচেচ্চ যচ্ছ জাঃ শিতি।

এষামেতে ক্রমাৎ স্থাঃ শিতি পরে। যচ্চতি।

ক্রমো যথা স্থা তিষ্ঠতি দান বচ্ছতি দাইত্যুক্তো দানংজ্ঞাঞ্চণেন ভুদাঞ্চল ভুগাঞ্চল ইত্যেতয়োঃ শপোলুকুরণাৎ অক্ষেযাঞ্চ অসন্তবাৎ দানইভাত্ত নকারঃ সুধার্থ ইত্তি কাশীশ্বঃ। বস্তুত্তর ভুদাঞ্চলি দানে দালবুনাবিস্তাভ্যাৎ শন্ধা-

িপ্ৰং ।

সুকি ক্তেছপি শভৃশানয়োর্যজাদেশ নিবৃত্তার্থঃ। পাপানে পিবতি দান সাহচর্যাৎ পাইতাপি ভৌবাদিক এব। অক্তথা পালরক্ষণে ইতাস্য শতৃশানয়োঃ পিবাদেশাপতেঃ। জ্ঞা স্বানাতি আ ক্ষিত্রতি ধ্যা ধমতি মা মনতি অর্ত্তিরিতি ভৌবাদিকজুহোজাদ্যোর্ছয়ের্গ্রহণং। তেন ঋপ্রাপে ঋছতি। ঋর্লিগজা-মিজ্ঞসাজু তিবাদৌ শপোলুক্করণাৎ শতৃশানয়োৠছাদেশে ইযুক্ষ্ ইযু-क्शानः। দৃশ পশুতি। শদুসকৌশাতে তালবাদিঃ শীয়তে। বদুসকৌশবিষাদে শরণেগতে সীদতি। গম গছতি ইষুশবাঞ্জে ইছতি। ভৌবাদিকয়োর্গম-यमस्मार्मधानिर्द्धिष देवधारणाः अकात्रमात्वानिष्किनिष्ठि देव्हारमभः रजन देव-গাভীক্ষো ইঞ্তি ইবাসপূর্ণে ইবাতি। যম যছতি। অনীমাওজনৌ আয়তে। গমাদিসাহচর্যাৎ রেপরে স্থায়মানো যঃ শিৎ ভিমিন্নের জনোজাদেশঃ ভেন জন্মণিচ ইতি জৌহোত্যাদিকস্য শভূশানয়োর্জাদেশাভাবে জ্বজ্ঞৎ ব্যক্তি-জ্ঞজান ইতি। নমুরে ইতানেনৈবেটসিন্ধে শিতীতিকথমিতিচের ক্রলিগতা।-মিতাস্য ইয়ন্ত্ৰীতাদো শপোলুকি তিবাদো ঋহ্বাদেশাপতেঃ।

## ্যম রম নমাতঃ পেসেরিমু দন্চৈষাং।

যমাদেরাদস্তাচ্চ সেরিম্-শ্রাৎ পে তেষাঞ্চ সন্। অযংসীৎ অযংসিফীং। [ সৃজ দৃশেতিবেম্] যেমিথ যযন্ত। এবং মমৌ শব্দনত্যো হয় গভৌ। অহ্যীৎ [যান্তবান বি:]। দল-**(७८म)** [ बक्षवरमिक बि: ] जामानीय। विकास विभावरा। ফেলতুঃ ফেলিথ। ৎসর ছমগতৌ। অৎসারীৎ। ষ্ঠিবু নির-সনে। [ ষ্ঠিবুক্লমেভির্ঘঃ ] ষ্ঠাবভি।

यथा अयर भीर अयर मिकोर वादर भीर अनर भीर अया भीर रेन अना भीर। १२। छिवकारमाः (थके हा छ व।।

### তিষ্ঠেব টিষ্ঠেব স্ঠাব্যাৎ।

ষ্টিব্চ অব্দাদিশ্চ ষ্টিবব্দাদী তয়োঃ। ঠচ ছচ ঠছে তয়োঃ ষ্টিবধাডোঃ খেষ্টকারদ্য জন্ধাদিধাডোঃ খেশ্ছকারদ্যত তকারঃ ন্যান। যথা ডিষ্টেব টিষ্টেব উছীশ্বস্কাৰদাপনে উভিচ্ছিষ্তি উচিচ্ছিষ্তি। কীবা/দিতি ব্যনচ্তয়ীতিদীর্ঘঃ। १७। (कर्तिःगन्देशाः।

জিগায়। রক্ষ পালনে। প্রনিরক্ষতি। [ ষাস্তম্মার ৭: ] অক্ষ্-ঘাণ্ডো।

জিগীষতি জিগায়। জেন্তবজ্যেতিবস্তীতি বক্তব্যং। জয়তি রছুবংশ-তিনকঃ। জয়স্তি যমুনাকুলে রহঃ কেলয়ঃ। তুপস্থানে ভাতঙ্দৃশুতে ভাব-গম্যমনাঃ কোপি জয়তাদাগগোচর ইতি হলায়ুধঃ।

৭৪। বাক্ষ্কশার্থতক্ষঃশুর্ঘেরে।

আভাং রে পরে শু: ফাছা ঘে ২র্থে। অক্ষোতি অক্ষতি। [শুদ্ধোরিত্যুব্] অক্ষুবন্তি। [উদিত্তাদিয়া] আক্ষীৎ। [ফাদেঃ সোলোপঃ।

কুশার্থ-চামে ডক্ষচেতি কুশার্থতক্ষ। অক্ষণ্ড কুশার্থ ভক্ষচেতি ভক্ষাৎ। ডক্ষোতি ভক্ষতি কাঠং ডক্ষা তন্তুকরোতি ইতার্থঃ। সম্ভক্ষতি চৌরং-সাধুনির্ভিৎসন্থতি। ধাতুনামনেকার্যস্থাৎ সম্ভক্ষতি রিহ নির্ভৎসন্থিঃ।

े १৫। घटंग<sup>8</sup> कुः\_ति।

ষশ্য ঢশ্যত কঃ স্থাৎ সকারে পরে। আক্ষীৎ আক্ষিণ্টাং আর্ফিং আক্ষিয়ুং আক্ষুঃ। এবং তক্ষূ। ক্লশার্থঃ কিং নির্ভর্ৎসনে সম্বন্ধতি। নিক্ষু চুম্বনে। প্রণিক্ষতি প্রনিক্ষতি।

আক্ষীদিতি অনিস্পক্ষেথপি ট্যাংসিঃরুদাদ্যস্তীতি ঈম্ স্যাদেঃ সোলোপ ইতি কলোপে অনেন ষ্যাকে কিলাদিতিষঃ। আফ্রীমিতি অনিম্পক্ষে ব্যাদিতি সিলোপে সংযোগাদেঃ ক্যালোপে ফুভিরিতি ত্যাটঃ। আক্রীজি অনিম্পক্ষে সেলোপে তালোপে তালক্ষণমিতি ন্যান্থাৎ অন উম্। প্রাণিক্ষ-তীতি বাত্ত্বনিং সেত্যাদিনা গর্থং বা।

৭৬। রুষমৃশশ্পশত্পদূপস্পংসিষ্টাাংবা।

এভাঃ দিবা স্থাট্যাং।

ক্ষোত্বাক্ষিক্ষকো চেত্যভয়ং মৃশদো মৃশি স্পৃশদো স্পাশ কি৯তৃপ্।( ঙ )

শ্রীণনে দৃপুটের্চর্ব গর্বয়োঃ ৯ন্থপোগত্যাং ইত্যেতেভাঃ সির্বাদ্যাৎ ট্যাৎ

৭৭। বর্জোহকিজ্বসেদৃশ্স্জোস্ত নিভাং।

ক্ষাদীনাম্কারোরঃ স্থাত। ২কিজ্বদে দৃশ্সূজোক্ত নিতাং। ভাকাকীং।

ধাশস্বাস ব্যবস্থাবাচিত্রাৎ সনি স্থক দৃশোষ্ঠকার্স্য রেফো নস্যাদিতি বোধাং। বধা দিদৃক্ষতে সিস্কৃতি। বা এহণমুক্তরত্র নিব্তার্থং।

৭৮। হশবোহনিমিজুঙোহদৃশংসক্ট্যাংশ্লিকস্থালিসনে।
অনিমিজুঙোহশবাস্তাদৃশ্বর্জাৎ সক্স্তাট্যাংশ্লিকনে
২র্থে। অক্তক্ষৎ। রুষ হিংসায়াং।

• इण्ड डानवाणण मूर्णनायराजि उत्रार । नाखि इग् यसार (मार्थनिम् इत् छेषु यमा म हेळ्डू । जिनम्हारमे हेळ्डु एठि जिनिसळुडु उत्सार । जिनिस-छुडिडि इण्या विर्णयन । नाखि मृण्यक (मार्थण उत्सार । जिनिसळुट्डा हां खां खानवाणां खार्ण्य नायां खां क मृण्यक (स्मार्थ हें गार । जियार उत्त ज्ञानिक रन्दर्य हें डार्यक । यथा मिर्होमिति जिमिकर करही जककर पिणाणीक जिन्दर कुणा को जक्कर । यथा मिर्होमिति जिमिकर छोमि जिक्कर हें द्रिको छक्कर क्रियो जक्कर । जिल्ह ण्यां किर्मिकर छोमा क्रिकर हें द्रिको छक्कर क्रियो जक्कर । जिल्ह ग्राहारित निर्मिकर छोमा क्रिकर अनिम-हेळ्डु प्रश्वास्थित युवा ।

৭৯। বেম্সহলুভভ্স্তভ্চবসত্বংশরুবরিবিষোজোৎরস্ত।

এভাস্তস্তারস্ত ইম্ স্থাদ্ধা। রোধিতা রোফী। এবং রিম হিংসারাং। উষ দাহে।

ষথা সহিতা সোঢ়া লোভিতা লোকা ভরিতা ভর্তা তবিতা স্তোতা শোচিতা শোক্তা বসলঙ স্থাতী বসিতা বস্তা তুলবৃদ্ধ্যাদৌ তবিতা তোতা অশগ ভোজনে অশিতা অফা রোষিতা রোফা ইযুশবাঞ্চে এবিতা একী ইযুগ্রণাৎ ইবগা-ভীকে ইযাসপূণ্য ইত্যেতয়োনিতামের।

# ৮০। দরিভাকাসকাশজাঞ্বোবাম্ ঠাং।

এভা আম্ বা স্থাৎ ঠাাং [ভুস্কেম্বাম ইতি ] ওবাম্বভূব উবোষ।
শশপ্রতগতৌ। শশাশ শশশভুং শশশিথ। মিহৌ সেচনে।
[হশবোহনিমিতি সক্ হোড়োভৌ] অমিক্ষৎ। ডোড়েম্বলায়রিতি। মেঢ়া। দহৌ ভক্ষীকরণে।[দাদেষ্য। [কান্তগুতি
দক্ষ ধা] অধাক্ষীৎ। চহ কল্কনে। অচহীৎ। [হান্তথান ব্রিঃ]
শুচ শোকে। শোচিতা শোক্তা। গ্রেহর্কিয়ে।

যথা দরিদ্রামাস দদরিদ্র কাশৃত্যতে কাশাঞ্চক্রে চকাশে কাশৃত কুশঞ্চে কাশামাস চকাশে জাগরামাস জলাগার ওয়াম্বভূব উবেবি। নেত্তিমিহে সেচনে জন্তরক্রত্তর্ত্বাদাদে গুণে হোটোভাবিতি হসাতে চভাক্তগোরিতি তকারস্য ধে ফুভিরিতি ধসাতে টোটুভি চসালোপে পূর্ব্ব হ্রম্বাভাবার্মীর্ঘঃ।

#### ৮১। এচোহশিত্যাঃ।

ধোরেচ আঃ স্থাদশিতি [ যমরসেতীম্ সনৌ ] অগ্রাসীৎ।

অশিতীতি নিমর্থী সপ্তমী তেনাদে আঃ স্যাৎ। ততঃ প্রত্যয়োৎপত্তিঃ। অত এব সামগায়তীতি সামগঃ ইতাত্র জ্বাদে এচাহশিত্যাঃ তত আদস্তাৎ হন ক্ষনালামাদেরিতি ভঃ। অরে ইত্যনেনৈবেইসিন্ধে অশিতীতি কণং ইতি চেম্ন গ্রৈল্যে ইত্যায় যড়লুকিখ্যাং জাগ্লায়াং ইত্যাদে ঐকার্স্য আকং-রাস্পপত্তেঃ।

৮২। গবাতোডো। আদন্তাৎ পরো গপ্ডো ফাৎ। জগ্নো।

দদরিদ্রো ইতি সিদ্ধার্থই ভৌকরণমিতি রামতর্কবারীশঃ। ইদমতীব হাস্যাম্পদং বহু ব্যাকরণবিরুদ্ধত্বাৎ গ্রন্থকারেণ দরিদ্র আলোপ ইতি স্ট্রেই কৃত্বাণপি দদরিদ্র ইতি স্বয়মুদাহাতত্ব'চ্চ। বস্তুতস্ত্র ভৌকরণং কচিদেকপদে-হপি সন্ধিনস্যাদিতি স্কুচনার্থই তেন চালনীতিভাউঃ পুমানিত্যমরঃ।

**७०। উट्छिहीमानुताहिदलानः।** 

উসি এচি ইমি অণোররস্থাচি ধোরাতো লোপঃ স্থাৎ। জগুভুঃ জগলুঃ জগ্লিথ জগুাথ।

নান্তি পুর্বমিন্ সোহণুঃ অণুশ্চানাবরশ্চেতি অণুরঃ তদ্যাচ্ অণুরাচ্ তমিন্। মধা অপ্সুঃ গার্লিস্ততো ব্যতিজ্ঞানে জ্ঞানিধ অন্তর্দ্ধিঃ অণোঃ কিং স্থানং অরুদ্য কিং ভান্তি অচি কিং খ্যাতঃ।

### **४८। कारमर्ड्ट्स्वा**वाणश्रानी।

चारमत्रामस्य स्वादर्क्ष एडः स्वाद्धा छाती। त्रुत्ता श्वादा । तेन

নচ পরস্থকে স্থাগ্রহণেনৈর ইহ তদ্যা প্রাপ্তের স্থাবর্জনং কথমিতি বাচাং। পরস্থকে স্থাগ্রহণদ্য জরহদেশ্বয়পিঙীতি শেষ রীতিসম্বন্ধেনৈর দার্থকন্থে সংযোগাদ্যা দন্তত্বেন স্থাধাতোরনেন ঢাগে ওে বিকল্পাপন্তেঃ। ধ্যেয়াৎ ধ্যায়াৎ প্রেয়াৎ প্রায়াৎ স্বেয়াৎ স্লায়াৎ।

### ৮৫। मार्रारशकाशिवत्यादस्थतस्य स्वर्णिष्ठी।

এষাং ঢাণো ঙে স্থাৎ অরহদেত্বহুণে যপ্রজে ভী স্থাৎ। গেরাৎ থৈটা বেফনে। ফাায়তি। দৈ প শোধনে। [পিত্বালদাসংজ্ঞা] অদাসীৎ দায়াৎ। ধে ট পানে ট ঈর্গঃ।

সমন্ত্রসাসমন্তেন নিত্যাকাংকেণ সঙ্গতিরিতি ন্যায়াদণাবিত্যসা চীসম্বন্ধনাপি অরহসে ইতানেন সম্বন্ধঃ। অথবা ষাদৃগ্জাতীয়স্যপ্রতিষধোবিধি-রিপি তাদৃগ্জাতীয়স্যপ্রতিষধোবিধি-রিপি তাদৃগ্জাতীয়স্যপ্রতি ন্যায়াৎ যপ্রস্থানেনৈর অণাবিতি লভাতে। দাইতি সংজ্ঞা দেয়াৎ ধেয়াৎ দীয়তে পীয়তে দৈপশোধনে ইতাস্য দায়াৎ দায়তে। মাস্বরূপং তেন মালমানে মেয়াৎ মীয়তে মাঙলিশত্ব মাঙ্বচ মেঙপ্রতিদানে এবাং সীয়তে। গেয়াৎ গীয়তে হেয়াৎ হীয়তে হাকগ্রহণাৎ হাঙলি হায়তে পেয়াৎ পীয়তে পিরগ্রহণাৎ পাল পৈ ইত্যেতয়োঃ পায়াৎ পায়তে সোইতি সোবনাশে সেয়াৎ সীয়তে স্বেয়াৎ স্থীয়তে। যপিতু প্রদায় প্রমায় ইত্যাদি। অত্র অয়তপ্রহ্মেতুঙী ইতি কৃত্তহপীটিসিছে। অরহসেত্রমিপিঙীভিকৃতৎ অস্যক্ষিদভাত জ্ঞাপনার্থং তেন হানিরিভাত্র নঙী। টঈবর্থঃ ইতি। তেন স্তন্দ্রমীতাদি।

৮৬। ঞিপ্রিস্কুক্কমোইঙ্ঘেট্যাং শ্বিধেটধ্বনোলাদ্নুনেস্ত বা।
থ্যস্তাদি ভাষ্টাামঙ্ স্থাৎ ঘেইথে শ্বাদেস্ত বা [ধুর্দ্বিষ্ঠাঙীতি]
সাদধৎ স্বধাসীৎ।

ঞিশ্চ শ্রিশ্চ ক্রশ্চ ক্রশ্চ কমচেতি তয়াং। স্থিশ্চ ধেটশ্চ ধনিশ্চ এলিশ্চ আর্দিশ্চ উনিশ্চেতি তয়াং। যথা অবীভবং অশিশ্রিয়ং অসুক্রনং দস্তাাদিঃ। অত্তক্রবং অচক্রং অশিশ্বিয়ং অস্থাং ব্রহ্মবদেতাত্র ঞিশ্বি বর্জনান্ধবিঃ। অদধ্য অধাসীং। ধনিরিতিমিধনরবে ইতাসা ঘটাদিপকে কৃতভ্রসা ধনং কতু শক্ষে ইত্যুদস্তস্যত গ্রহণং। অদিধনং অধনয়াং ইল ঐলয়াং ঐলিলং অন্ধ্ আর্দ্ধীং আর্দ্দিং উনিরিতাদস্তচুরাদিঃ উনিনং উনয়ং।

#### ৮१। (४०१ इति ।

অধাৎ। পা পানে। [ স্থাদানেতি পিব ] পিবতি। [ ভূম্থাপি-বেতি সেলুক ] অপাৎ পেয়াৎ। আ গন্ধোপাদানে। জিছতি অস্তাৎ অস্তাসীৎ। খা শন্ধাগ্নিসংযোগ্নয়োঃ। ধমতি অধ্যাসীৎ ষ্ঠা গতিনির্ত্তো। তিষ্ঠতি নাষ্ঠাৎ নিত্ধ্বৌ স্থোৎ। মা ২ভ্যাসে মনতি। দান দানে। প্রণিযক্ষতি প্রণাদাৎ দেয়াৎ। স্কুকৌটিলো।

ধেটপানে শোয়নিশানে ছোয়কুনো সোয়নাশে আগন্ধএইণে এভাঃ সেলুকিসাদা পরসৈপদে। অধাৎ অধাসীৎ অশাৎ অগাসীৎ অছাৎ অছাসীৎ অসাৎ অসাসীৎ অআৎ অআসীৎ। পিবতীতি পিবাদেশস্য অদন্তত্বাশ্বণুঃ লোপোহতো ইত্যকার লোপঃ। নাঠাদিতি ভূস্থাপিবেতিসিলুক্ গীকঃ স্তস্ত্ব-ভেত্যত্র অম্য পীতিষত্বং। নিত্ঠাবিতি দশস্থাদেরিতি বিব্যবধানেহপিষত্বং।

# ৮৮। क्यानार्क्राटबानूर्यक्ष्रक्ष्रीणादनोक्क् खठारि।

স্থাদেরর্ত্তের্থাকারস্থা গুঃ স্থাদাঙিথকি সীচ্যোরণৌ চ ক্ষুস্তুঠ্যামের। জন্মরতু।

স্যাদিশ্চ অর্জিশ্চ স্যাদ্যস্ত্রী তয়োর্ধৎ স্যাদ্যর্জ্বাৎ জন্য। নাত্তি পুর্যমিন্দ্র সোহণুঃ সীট্যোরণুঃ সীজ্বারুঃ। যঞ্চ যক্চ সীট্যাণুশ্চেভ তম্মিন্। অত্ত টাণুরিতি সীসাহচর্যাৎ কিৎসীটীপমিতানেন কিৎসংজ্ঞন্য টীপরমৈপদসৈয়বগ্রহণং। তেন শুনঞ স্তাবিতাস্য স্যাদ্যদুগদুরিতিবেন্দ্রে স্থাইট ইত্যাদে ইঞ্চুর্যটীতি ঢাঝিনেপদস্য কিত্ত্থপি জ্ঞানন গুণোন স্বাংশ কুরিতি সমৃম্কৃঞ ইতার্থঃ।
যথা সাম্মর্যতে স্মর্যতে সমারতুঃ মার্যাং। জ্ঞান্ত্ত জরার্যতে জর্যতে
আরতুঃ অর্যাং। কুরু সঞ্জরেব। জত্র জর্ত্তেঃ সাহচর্যাং স্বাংদরিতি
ক্ষান্ত সৈদ্ধর্ম গ্রাংশ কিন্তুলি প্রীস্পৃশ্যতে স্পৃশ্যতে পস্পৃশতুঃ স্পৃশ্যাং
ক্রু ন গুণঃ।

৮৯। নেমৃতস্থপোবৃক্ষুঃ।

র্থক্ বর্জাদুকারান্তাত্থপ ইম্ন স্থাৎ। জন্মর্থ।

বৃশ্চ ঋশ্চ কৃশ্চ তে ন বিদান্তে বৃঞ্জবো যত্ত্ৰ সোহবুক্ঃ তন্মাৎ। মথা গৃহ-সেকে জগৰ্থ জ্বাহণ বিদ্যালয় ববরিথ নেমসুমিত্যাদিনা বৃগাতোকীমাত্ত্ৰস্য ইম্ নিষেধ্যে পি জত্ত্ৰ ব্যহণাৎ থপইম্। ববরিথ সঞ্জবিথ বেমুদিদিতাত্র শ্বর-গ্রহণ জ্ঞাপকাৎ স্ট্রশক্ষোপতাপয়োরিতাস্য সম্বরিথ সম্বর্ধ ইতি স্যাদেব।

ন০। স্থাস্থান।

খদস্তহন্তিভাং শুশু ইম্ শুং । ছারিব্যতি। সৃষ্ট শ্বেদা পতা পরোঃ [বেমুদিতীয়া] অসারীৎ অসার্ঘীৎ সম্বরিথ সম্বর্ণ। সৃগতৌ।

করোতীত্যাদীনাং নেমেকাঞ্চিতি নিষেধাদপ্রাপ্তে। সৃত্তশক্ষোপতাপয়ে:-রিত্যস্য বেমোহপি নিত্যার্থং বিধানং। করিষ্যতি শ্বরিষ্যতি হনিষ্যতি।

৯১। বক্তাশুখালিপদিচস্বোঙোঘেটাংস্তস্তবালিব্ভাস্তমে। বক্তাদের্ঘে ২র্থেঙঃ শুাৎ সৃঞ্চান্ত বা লিপাদেন্ত মে বা শুাৎ।

বজিরিতি বচ্চোবারি। অসা ইতি অস্যু ইক্লেপে। বজিশ্চ অসাশ্চ খাশ্চ
লিপশ্চ সিচশ্চ আশ্চ তথাং। স্শ্চ ঋশ্চ সূ তঝাং। লিব্ভা ইতি বহুবচনং
গণার্থং। তেন লিপসিচহ্বাভা ইতার্থঃ। যথা অবোচং আস্থং অসাতেঃ
পারীমাপদেওঃ সিদ্ধান ইহোপন্যাসস্ত আত্মনেপদপ্রাপ্তার্থঃ। তেন গের্ঝাস্যোহোচেতচভাগ্রনেপদে নিরাস্থত আখাং অলিপং অসিচং অহ্বং অসরং
আরং দ্শ্রোণুরিতি গুঃ পক্ষে অসামীৎ আশীং লিপাদেন্ত অলিপত অলিপ্ত
অসিচত অসিক্ত অহ্বত অহ্বাত।

२८। के ज्ञावृः।

पृत्मर्थवनी खर्क हे गुर खाद एड। अमत्र अमाधीर।

अपर्भर आहर अक्टर

৯৩। ঋদ্রিংশ যক্ ঢীপে।

ব্রিয়াৎ। শ্বগতৌ। ঋক্তি আরৎ আর্বীৎ আর আরতুঃ আরিথ অর্থাৎ। শ্রু প্রবণে।

শশ্চ যক্চ টীপঞ্চ ভিমিন্। আদ্রিয়তে ক্রিয়তে ক্রিয়াং। আরভুরিতি স্যাদ্যর্ভূতি ইতি গুঃ। আরিপেতি স্ফাদ্শেতাত্র ঋবর্জনার্রেম্। অর্থাদিতি স্যাদ্যর্ভ্যত ইতি গুঃ।

১৪। শ্রোঃশ্বর্থেরে জিশ্চ।

ক্রাবো ঘে ২র্থে শু<sup>্</sup> স্থাৎ রে ক্রাবন্দ জিঃ। শ্রোতি শ্রুতঃ শ্রুতি।

শৃণুস্তীতি যুৰ্ব ইতি গৰং শ্লুখোরিতি বঃ।

৯৫। মূপে‡ ফ সোলোপোবি, বা।

অক্ত নোরুপশ্চ উকারসা বা লোপঃ স্যাৎ বমোঃ প্রয়োঃ।
শৃণঃ শৃণুবঃ শৃণুমঃ। [হের্লোপো হ্সোভি ] শৃণু শুক্রব।
সুগতৌ।

বুশ্চ উপ্চেতি তস্য। ন স্যোহসাঃ তস্য। উভোলোপঃ উল্লোপঃ। বচমচ বা তিমিন্। শৃণঃ শৃণুবঃ শৃণাঃ শৃণুমঃ তম্বঃ তমুবঃ তমাঃ তমুমঃ শৃণোমি
তনাম।ত্যাদো লোপ স্বরাদেশয়োঃ স্বরাদেশ বিধির্বলবানিতি ন্যায়াৎ
তা এব। সংযুক্তন্পোস্ত আপুবঃ আপুনঃ তৃণছুঞ্ভক্ষে নোপুডেগুর্বেতিশুণে
তণুবঃ তণুমঃ শুশাবেতি নেমপুমিতি নিয়মায়েম্।

२७। युद्धार्थाः स्वित्स्थ।

অসাবীৎ সুধবিথ সুধুবিব সবিতা সোতা। স্ত্রণতৌ [ঞিঞ্জী-তাঙ্ ] অসুসুবৎ সুস্রোথ সুসুব। তু গতৌ। অদাবীৎ অদৌষীৎ ত্ত্বিব। জ্ গতৌ। অত্জ্বেৎ ত্জ্ব। গঞ্মী গতৌ। গচ্ছতি [লিত্তাৎ ৪ঃ] অগমৎ জগাম। [হ্মগমিত্যুজ্জোপঃ] জগাঁতুঃ জগাঃ জগমিথ জগস্থ।

বেমুদিতানেন বেমত্বে নিত্যার্থং স্থাহণং। একাজুদন্তত্বেন নিষেধেস্ত ধোর্থং। অসাবীৎ অন্তাবীৎ অধাবীৎ পেকিং অসোই অসবিই অন্তাইট অধোষাতাং ক্রুস্নোল্ড্র চাইত্যক্তেঃ সুষ্বিব সৃষ্বিথ উভয়ত্ত্ব নিত্যেম্ সোতা স্বিতা ইতি বেম্। শুলোগেতি নেমস্মিতি নিয়মেন স্কুদ্শেত্যে বাধিত্বাল্লেম্। ক্রুস্নোল্ড্রচাইত্যক্তেঃ আদাবীৎ আদেষীৎ কুর্বিব মুদ্দেইতি নেমস্মিতি নিয়মালেম্। আবেমিথ আবেহতি স্কাদ্শেতিবেম্।

ন। গমোহংমদইম্মার্হান্ত্রা।

গমঃ পরসা সস্যোদ্বাদ্বতু মে ময়োগাতু বা। গমিষাতি। স্প্রোগতৌ। অসাপর্সীৎ অস্প্রাপ্রাগতি শোষণয়োঃ।

গনিবাতি জ্বিগনিষতি জ্বিগনিষ্ট মেতু গংদাতে গ্রামত্তেন। মং আত্মনে-পদমর্হতীতি মার্হঃ। সমোগমূচ্ছেতাাদিনা আত্মনেপদ বিধ্যানাৎ সংজ্ঞিগনিষ্ট সংজ্ঞিগংসুঃ। মার্হাৎ দেপংবা ইত্যেকে সংগংসাতে সংগমিষাতি অস্পদিতি ৯.দিত্বাৎ ৪ঃ। কৃষমূশেতি দৌ বর্দ্রোহিকিদিতি অফোবা অসাপদীৎ অপ্রাপনীৎ।

৯৮। বিক্ষভানির্কবিস্থনির্ভঃস্বপঃসংযোগিনির্কিক্ষুরক্ষুলপরি-বিস্কন্দা২প্রাণিঘনিপরিনির্ব্যভানুস্যন্দস্ত বা।

বিক্ষভাতের্বরজ্ব্যাদিপুর্কস্য স্বপঃ সঃ ষঃ স্যাৎ ন্যাদিপুর্কক্তুর-ক্লুলোঃ পরিবিকক্ততেরপ্রাণিঘন্যাদিপুর্কস্য স্যান্দতেক স্যাদ্বা। পরিদ্ধক্তি পরিকক্তি। তৃপ্পবনতরণয়োঃ।

বেঃ ক্ষত্ম বিশ্চ সৃশ্চ নির্চ ছর্চ ডেভাঃ ক্ষপ্ নির্গতোবো ষদ্য দ নির্বঃ
নির্বশ্চাদো বিস্নিছ্র ক্ষপচেতি নির্ববিস্ নির্জ্রক্ষপ বিক্ষতাশ্চ নির্ববিস্ নির্জ্রক্ষপচ্ তয়োঃ। নিশ্চ নির্চ বিশ্চ তে তেভাঃ ক্ষুরক্ষুনো নিনির্বিক্ষুরক্ষুনো
পরিবিভাহিকক পরিবিক্ষকঃ নিশ্চ পরিশ্চ নির্চ বিশ্চ জাভিশ্চ জামুশ্চতে তেভাঃ
দাক্ষ নিপরিনির্বাভামুদ্যক জ্ঞানীঘো যদ্য দোহ্ঞানিছঃ দচাদৌ নিপরি

নির্বাভাত্মান্দ চেতি অপ্রাণিঘ নিপরিনির্বাভার্মান্দ নিনি।র্বক্ষুরক্ষুনো চ পরিবিক্ষণত অপ্রাণিঘ নিপরিনির্বাভাত্মান্দ চেতি। তস্য। বধা বিক্ষত্তাতি নিক্ষুণতি নিক্ষাতি এবং নির্বিভাগং। পরিক্ষতি পরিক্ষতি বিক্ষতি বিক্ষতি নিবাশতে নিমান্দতে হতং ক্ষরতীভার্থঃ। এবং পরিনির্বি অভি অস্ভাঃ। অপ্রাণিঘঃ কিং নিমান্দতে হত্তী মসং মুঞ্জতীভার্থঃ।

नन। श्रास्त्रीतः किर्नार।

তেরতুঃ।

কিচানে ঠীচেতি কিং ঠী তসাং। তেরতুরিতি অনেন ধণে তুফলেভি অকারদ্য একারঃ বিলোপত।

उ॰। वृद्छात्वदमाद्यांश्क्रीणीशतमः।

র্ডো রুঞ ৠদস্তাচ্চ ইমোর্ঘ: স্থাদ্ধানতু ঠাা ঢাা: পদেশ্চ। তরীতা তরিতা । সিটীপদেস্ত তেরিখ। তরিষীই অতারিষ্টাং।

বৃশ্চ শ্লাচ বৃৎ ভক্ষাং। পেদিঃ পদিঃ ঠাচ চাঁচ পদিশ্যেতি ন ঠাটা পদিঃ অঠাটাপদিঃ উদ্য। বৃইতি বৃজ্ঞোর্গ্রহণঃ নরিতা বরীতা বরিষাতে বন্ধীয়াতে তরীতা তরিতা। ঠাটীপদেস্ত ব্বরিধ বরিষীই অবারিষাতাং তেরিধ তরিষীই অতারিকাং।

### ১.১। श्लामित्रगातूदर्काक्षारः।

क्षकात हेत् शामरनी अर्छााय शत्रञ्ज छेत्। कीर्यायः। यन्रजीमरत्र ।

পোরিভাবে নৈবেই নিজে প্রাদিভিক্তং দন্তাবকার সাপি প্রাপ্তার্থই। তেব বৃণোতেঃ সনি বুবুর্রতীভাত্ত পোহস্থানিশ্বপনামিদিভি দীর্থে প্রন্তার্থান দ্বঃ। তীর্বাদিভির্বান ভরীজি দীর্ঘঃ এবং জীর্বাহে জিভীর্যজি ভেতীর্বাতে নিজীর্বা প্রপ্রাং বুলি বুর্বাং ভূলি ভূর্বাং মূলি মুর্বাং। দন্তাবান্ত্র বৃলিঞ্চ বৃর্বাং। পর্যাদিভি ধান্তবন্ধবাদেক। তেন সংপ্রক্রিসা ক্রনিগভ্যাদিভার্ম সমীর্বাদিভাব।

### ३ २ २ । यन्कमन्गेषन् (का रेश क देशां शः।

मियक कि नाच किनोद नियं चक्क नगक जूः नगक जूः। कृ निरतो (अ

কণে। পশ্বতি। [বর্দ্রোইকিদিতি] অত্যাক্ষীৎ অদর্শৎ। [সৃত্ত দুশেতীয়া] দদর্শিথ দত্তত। দন্শৌ দংশনে। অদাজ্জীৎ। কিত নিবাসে রোগাপনয়নে সংশয়ে চ।

सम्दर्भा के मान मम्भायक पृष्ट चम्द्र कि डानिए बर्गा नगं तार्थः मानि पद्र । बर्जा १ पि कि जिल्ले निर्मा कि पद्र । बर्जा १ पि कि जिल्ले मि कि विकार में ति हे मि क् विकार में ति है मि कि दिन कि विकार के विकार के

১০০। কিভিজ্ঞপঃ সল্মেম্মানশানদানবধস্তবেঙীচ।

किर्णादः मन् छा । इस् न छा । सानारमञ्ज (थर्डी ह । क्रमारमर १ व मरमहक्षास्त्रिनमाविष्ठात्र । निभानार्कविनमाञ्च क्रश्करत्र १ निर्णा मरुः ।

किरमश्चार क्रावामा द्वारण स्व क्रिकंड कारको निर्माण अवस्तानिक क्र्रिकंड कारकार मान क्रिकंट क्रिकंड कारकार मान क्रिकंट क्रिकंड कारकार मान क्रिकंड क्रिकंड क्रिकंड क्रिकंड क्रिकंड क्रिकंड क्राव्य क्रिकंड क्रि

ইত্যাদি স্যাদিতি বোপদেবঃ। তেয়ু তিবাদরো ন প্রযুক্তান্তে কৃৎপ্রতান্ত্র। এবেতি কেচিৎ। কন্ধণবানৎকারঞ্চ কিং গোপদে ইত্যাদয়োহণি দৃশ্যন্তে।

১০৪। সন্ঞ্যাদিধুই।

त्रनरंखा व्यामास्य धूनः छः स्रा

ঞাৰিত ঞি,সন্ বঙ্কামাক্কাডাকি ইভি সপ্ত। ৰথা রোচন্নতি বুভূবভি বোভূয়তে পুদ্ৰকামাতি জানীয়তি কৃষ্ণায়তে কৃষ্ভি।

১ • ৫। সন্যভক্তো ভিঃ।

চিক্ৎণতি অচিকিৎনীৎ চিকিৎসামান।

এধ ঙ্রকৌ। এধতে ঐধিষ্ট এধাঞ্জে। দদঙ্দানে। [ অশশ দদেত্যুক্তে: ] স্বৰু ঙ্ সৰ্পণে। [অধ্যৈস্কেত্যুক্তেঃ] স্বৰুতে বস্বকে। ঋত ঙ্ আম্ভিনে। আমৃকে। ডিজ ঙ্ক্মানিশানয়োঃ। তিতিক্তে। স্বঞ্জে ঙ্ সঙ্গে। নিম্মতে।

সমূচ ৰঙ্চ সমূৰঙো ভাবতে ৰসা স সমূৰওঁত ইভি ওলাণসন্থিতান বহুত্রীহে সমূৰঙ্গনেতো বিঃ সাবে। ৰথা বুভূৰতি বোজ্যতে। জন্ধানের আদি
বর্ণং হিছা বিজে অটিটিবভি জটাটাতে এবং ইষণতো ইবিবিষ্ঠি উত্থাকে
উবিবিষ্ঠে। কলাচিজ্বলুণসন্ধিক্ষান বহুত্রীহে কেবলোধাতুরপিবিঃ। তেন
"মোক্ষতে ইভাত্র সনংহিত্বা মুচ্ধাভোর্দিত্বে মুচ্চাচেব্রেমেনাচ্বেভি মোচাদেশঃ।
চিকিৎসভীতি কিৎ সমূ জনেন ইম্ নিষ্ঠে পূর্নান্মীতি বক্ষামাণাৎ ওণনিষ্ঠে চিকিৎস ইতি ভাগস্য ধাতুসংজ্ঞায়াং ছিছাদি তিপ্লপেচ চিকিৎসামানেভিভাত্তবাদাম্।

ইতি প্রথপাদঃ।

### यव् ।

भरखाः भरतेयाशिमार भाषः धकत्वर्।

श्वक्ष । व्यक्ति शत्क क्ष्म क्ष्म विश्वक विष्यक विश्वक विष्यक विश्वक विश्वक विष्यक विश्वक विष्यक विष्यक विषयक विषय विषयक विषयक विषयक विषयक विषयक विष

১০৬। নিবিপরিস্বঞ্জসুমাদেঃ সং ষো্থমিবা। নামত্ত নাসত্ত সম্বজ্ঞ সম্বঞ্জে।

न्म जानिर्यम न न्मानिः। त्रम्कण खण न्मानिःण्डि। निविপितिछाः त्रम्कत्र न्मानिः निविभिति त्रम्कत्र न्मानिः न्मानिः न्मानिः निविभिति त्रम्कत्र न्मानिः न्मानिः न्मानिः ने के देखि स्वतः भिष्ठिः न्माने न्माने निवनः निविभितिछाः भवि वाद्यवि नम्माने ना वाद्यक्षेत्र वाद्यवि वाद्यवि नात्म-वोद वाद्यक्षेत्र वाद्यवि वाद्य

३०१। मदश्रक्कार्कार्याः।

থিবর্জসানয়ো: স: যো ন স্থাৎ ঠ্যাং। বিষম্বকে বিষম্বঞ্। ত্রপুষ ঙ্লক্জায়াং। অত্রপিষ্ট অত্রপ্ত তেপে। জভঙ্জ্মণে।

সদ্চ বস্তাচ সদ্বস্তা তরোঃ দৰিরখিঃ তস্য অবেঃ। বিষসাদ বিষ-ব্যকো,। ঠ্যাদিভি কিং বিষাজ্ঞাতে ইত্যাদেই দশস্থাদেরিত্যুক্তেরভয়োঃ বজুং।

उन्हा युग्का श्री।

্অজম্ভিট। ফুভ ঙ্ভাঙে। বিষ্ণোভতে ব্যংস্টাভিষ্ট। পণ ঙ্ ব্যবহারে স্ততৌ চ। [ক্মঞ্চইত্যায়ঃ] পণায়তে।

আভোত্ন সাাদ্দি পরে প্রকরণ বলাং অভঙ্জ্তে ইতাসাাল্পেদ এবেতি বোধাং। অন্ততে অজ্ঞিউ অন্তনং অন্তঃ অভি অভ অভনে ইতাসা পরক্ষৈপদিনস্ত অভতি অভিযাতে অভনং। বিফৌভতে গীক ইতি বন্ধং বাকৌভিক্টেডি অসা পীতি বন্ধং।

১০ন। সনঃ প্রমে ধোর্বাত্মারাৎ ।

পণায়তি অপণায়িষ্ট অপণিষ্ট পণায়াঞ্চকে পেণে।

সমঃ সমস্তাৎ মুলধাডোঃ সম্বন্ধিনী পদে স্যাতাং। যথা বুভূষতি পিম্প্দ্বিত্ত চিকীর্যতি চিকীর্যতে আয়াজুবা পণায়তি পণায়তে আবস্ঞাসুবল্ধেনিব্রেটসিন্ধে আয়াজ্বেতি কৃতং ব্দের প্রাপ্তার্থং ফলবং কর্তুরি পরঝৈ
পদার্থিকফলবং কর্তুর্যাত্মনেপদার্থঞ।

४) । विष्णुंखिश्रावायः।

পণারতে পণতে। এবং পন ও । কয় ও কান্তো। কামরতে। এগস্তবাদত্।

নস্ততি রস্ততিঃ জাস্ততে পিণ্ জাস্ততিপণ্ বিছুণ্ট, জাস্ততিপণ্ চেতি ভ্রমাং। বিছুশগতাবিত্যমাদস্ততার্থ মূর্জন্যান্তপণশ্চায়ঃ স্যাদা। স্ততিবর্জনাৎ ব্যবহা-রার্থে ইত্যর্থঃ। ব্যবহারণ্ট ক্রেমণ বিক্রমণস্বরূপঃ বিচ্ছান্থতি বিচ্ছান্ততে বিচ্ছতি পণায়তে পণায়তি পণতে। এবং পন ইত্তি, পনতীতে, ইতি মন্ত্যান্ত্যাপি ক্ষমকত ইত্যার্যে পনায়তি পনায়তে ইত্যাদিকং বোধানিতার্থঃ।

১১১। এগঙ্গুড়ংস্বোহনগ্নোপি,শাস্দিতঃ।
অগ্নোপিনঃ শাসোর্থকারেতশ্চানাস্থোড়ঃ স্বঃ স্থাৎ এঞঃ পরে
২ঙি পরে।

(कः পরে। १६ का विष् विष् । जाका नामः जामानः ताका विष जामाने। १६ वर्ष नाम कि विष् । जामाने विष जामाने के निष्क विष जामाने के निष्क विष जामाने के निष्क विष जामाने के निष्क जामाने जामाने के निष्क जामाने जामाने के निष्क जामाने जामाने के निष्क जामाने के निष्क जामाने जामाने के निष्क जामाने जामान

১১২। খেঃসম্বদ্যোঘোর্ছসাদের্ঘন্ত লানেকালোজ্কলিহলের।।
স্মনগ্রোপিনঃ খেঘৌ ধক্তরে পরে সম্বৎ কার্যাং স্থাৎ এডাডিঘোন্ত খের্হসাদের্ঘঃ স্থাৎ কলিহলিবর্জন্ত লেরনেকাচন্চ সম্বদ্ধা স্থাৎ। स्वित स्व विष्ठ खानकाळ छो छ छाः क्विष्ण इतिए छ क्विइति स क्विहित खाकिति छा। खाना । खाना । खान्या विष्ठा खासू खानि । खान का ह्या वि चार्ष पछाना चार्य पछता र क्वार छ बीशाविष्ठा गा के जिल्ला । खान का ह्या वि विद्याद करण्येन वाश्विष्ठा खाना । शिन हे छात वाश्याख । खान पढ़ हु छ भारत मिछ जाना । शिष्ठा । दिन पूर्ण विश्व का छा। छा। प्रीर्थण गा। । क्विहित वर्ष गा (गत तका ह शाष्ठाण ) (वर्ष पूर्ण विष्ठ छा। छगा प्रीर्थण गा। । मा। मह्याव पष्ट इंगामि मच्ची विर्वित चर्च विष्ठ छा। घं शाषि छार्थः । खा (क्वित गा। मह्याव पष्ट इंगामि मच्ची विर्वित चर्च विष्ठ छा। घं शामि छार्थः । खा (क्वित गा। मह्याव पष्ट इंगामि । स्व विर्वेत ह छा। घं शामि छार्थः । खा (क्वित गा। मह्याव पष्ट इंगामि । स्व विर्वेत ह छा। घं शामि छार्थः । का (क्वित खान गा। स्व विष्ठ विष्ठ ह खान प्राप्त ह छा। विष्ठ विष्ठ खा। विष्ठ विष्ठ विष्ठ खा। विष्ठ खा। विष्ठ विष्ठ खा। विष्ठ खा। विष्ठ विष्ठ खा। विष्ठ खा। विष्ठ खा। विष्ठ खा। विष्ठ विष्ठ खा। विष्ठ विष्ठ खा। विष्ठ विष्ठ खा। वि

১১৩। খ্যভেৎসনি। ধেরবর্ণভ ইৎ ভাৎ সনি পরে।

ধেরঃ ধাঃ ভদা।

১১৪। তেলোপোহনালিফাথাকেড়ামিম্শিতি।

আলু ইঞ্ আয়া অন্ত ইবু আম্ইম্ শিৎ এভ্যোহনার থেঃ-লোপঃ স্থাৎ। অচীকমত অচকমত কামরাঞ্জে চকমে। অর ঙ্গতৌ। আরিড়ং আরিধ্বং আরিদ্ধং অরাঞ্জে। এবং মর ঙ্। ক্ষারী ঙ্র্দ্ধৌ। অকারিক।

আলুক্ট ইফুক্ত আৰাক অন্তক্ত ইছুকু আন্চ ইন্চ পিচ্চ তে। ন বিশ্বান্ত তে অন্ত সং ত্ৰিন্ত। বথা ভাৰতে বোধাতে ইডামিলু বনি ফোরোপে ভালোপে তালকাশনিতি নাায়াৎ বৃদ্ধিওপৌত এব। আলুফৌতু ক্লাব্যুক্ত কার্ডিফুড ক্লাহয়াৰাঃ সঞ্জন্তঃ তন্তিছুং কার্যানাস কার্ডিয়াভি কার্যুক্তি

১১৫। যোলোপোহভথযে।

অক্ষান্ত। ও প্রায়ী ও রুদ্ধোঁ।

ৰচ বচ ব্যেতি আনি মৃণক্ষে ব কাৰোদস্তাঃ। আন্দান্তেতি আনি মৃণক্ষে ব লোপঃ।
এবং স্ফাতা প্যাতা। দিব্যু ৰঙ্গুকি উটো অপ্রাপ্তিপক্ষে দ্বেদেতি দেদিতঃ
হুদি কিং স্ফারতে দেবতে অবে কিং প্রাব্যুতে দীব্যতি।

১১७। अमञ्जीन् एव भागाया में भी अपूर्कन वृश्खा ।

পদো যে হর্ষে ইণ্ স্থাৎ তনি প্যায়াদেস্ত বা।

ণিদ্ব: দৃদ্ধিঃ। অপাদি অপাদি অপাদি অপাদিই অভারি অভারিই অদীপি অদীপিই অপুরি অপুরিই অঞ্নি অঞ্নিই অবেধি অবৃদ্ধ।

১১१। देशस्त्वाभाः।

অপ্যায়ি অপ্যায়িষ্ট অপ্যান্ত।

ইণ ইতি সামান্যার্থং তেন রতনোর্ধনিণাবিত্যনেন কৃতাদিণাছলি তমো লোপঃ। নমু তনস্থানে ইন্ করণেনৈবেইনিছো তনি পরে ইণং কৃত্বা ডল্লোপবিধান গৌরবং কথমিতি চেৎ সতাং তনস্থানে ইণিকৃতে ট্যাংনে-রাপক্তিঃ তুনস্থানে জাতত্বেন ডিজ্বাৎ জবোধীত্যাদৌ গুণাভাবক্ত।

১৯৮। भाषा भी वंख्रकारः।

লিপ্যে। তার উ্সস্তানপালনরোর্গতৌ চ। অভারিউ। শল

छ ् हतात । ज्ञानिष् ज्ञानिष्यः ज्ञानिष्यः । त्वर्छ ्त्रवत्त । श्रित्यवर्ष्ठ नार्यिक विविद्यत्व প্রতিत्वर्ण्ड । काण् छ मोरखो। काणामान हकारण । এवः कान् छ । क्रेड्छ रहसी हाः । व्येडिष्ट्ः व्येडिखः व्येडिखः । क्रेड्ड (व्योज्ञाः । व्येडिष्टः व्येडिखः । क्रेड्ड (व्योज्ञाः । क्रेडिखः व्येडिखः । क्रेड (व्याज्ञाः । क्रेडिखः व्येडिखः । क्रेड (व्याज्ञाः । क्रेडिखः व्याज्ञां क्रेड (व्याज्ञाः । क्रेडिखः व्याज्ञां क्रेड (व्याज्ञाः । क्रेडिखः व्याज्ञां क्रेड (व्याज्ञां क्रेड

পিপে মুখেরিতি বঃ। বঙি পেপীয়তে বঙ্লুকি পেপেণ্ডি পেপীতঃ
আশলিদ্মিতাদি ধে স লোপপক্ষে ঢোবাপক্ষে সম্যদঃ। পরিবেবতে পরিনিবিসেবিতি বড়ং। নাষেবিষ্টেতি অম্যপীতি বছং। বিবিবেবে ইতি দশছাদেরিতি বড়ং। এতাঃ কিং প্রতিসেবতে কাশামাসেতি দরিদ্রাকাশেত্যামি অসোহস্প্রােগে বজ্বাাৎ আক্সনেপদম্য পরক্ষৈপদাদেশঃ। ঐহিদ্মিত্যাদি স্গমং অরােষ্টেতি ক্রছুসুনােজ্ব ঠা৷ ইতি ইমােহভাবপক্ষে লােপ
বরাদেশখাের বরাদেশাে বিধিবলবানিতি ন্যায়াদাদে।ওণে ব্রস্পরছাভাবাস্থাতি নির্দেশ বিতা সিম্ খুধােরিজ্বা।

**५५२। ध्वटमंट्डामिनिकां** १।

দিরুক্ত দেঙো দিগিঃ স্থাৎ ঠাাং। দিগো। ও ডীঙ্ নভো-গতৌ। অভ্যিই । গুপঙ্গোপনকুৎসনয়োঃ। জুগুপ্সভো মান ঙ বিচারে। মীমাংসভে। বধঙ্ নিন্দায়াং। বীভৎসভে। ছাভ ঙ্ দীপ্রো। [শাস্লিদ্যুদিভি ঙঃ] তে নৈবপং। অহাতৎ অদ্যোভিই।

সুগমং। জুঙ্পত ইতি কিন্তিজেতি সধা। বীভৎসত ইতি বধন্তেনৈবদৰি ধেউচি ঝভান্তন্যেতি বসাভঃ। ছ্যাভঙ্ তেনৈবপমিতি ছ্যাতাদেফী পেঙবিধান সামৰ্থ্যাৎ ট্যামুভন্নপদমিত্যৰ্থঃ।

১২০। ছাৎস্বাপোা: খের্জি:।

**पिष्ठारछ। इछ ७**व५ वर्खरन।

হ্যাভোঞান্ত স্থপক ধের্জিঃ স্যাৎ। দিত্যুতে দিন্যোত্তিয়তে দেত্যভাতে সুমাপরিষতি অস্থ্পৎ।

### ३२५। इटढारिमम्लिखनटनार्वाष्ट्रम।

রতাদেঃ অসনোরিম্ন আৎ পে মাদনাত্র তুবা। অতএব পং বংসাতি। মে তুবর্জিয়তে। স্তন্দু ও ক্ষরণে। নিধান্দতে নিজ্ঞ-ন্দতে হতং। নিজন্দতে হস্তীতি প্রাণিয়ত্বান্নয়ঃ। ক্লপুঙকম্পানে।

वह्नवहनः शंगर्थः। खड्यतं श्रीमिं वृडां प्रवासात्मशिष्तः शद्रोस्रश्रेष्तः नामत्मित्रः श्रीम्रश्रेष्ठः। यशे वर्ष्ण्यां विवृद्धिन्ति । त्रण् वर्ष्ण्याः विवर्ष्त्रिष्ठः। यशे वर्ष्ण्याः विवर्ष्त्रः निर्वर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः । योषनात्रज् विवर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः विवर्ष्त्रः विवर्षाः विवर्ष्त्रः । विवर्षाः विवर्षाः विवर्षः विवर्यः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्यः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्यः विवर्षः विवर्षः विवर्यः विवर्यः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्षः विवर्यः विवर्षः विवर्षः विवर्यः विवर्यः

)२२ । क्रशः कऽलाश्क्रभारमो ।

ক্লপঃ স্থানে কলপঃ স্থানতু ক্লপাদৌ। কম্পতে।

কৃপংস্থানে ক৯পং স্যাৎ নতু কৃপাদো পদে সাখ্যে। কৃপাদি র্যথা কৃপা
কৃপাণঃ কৃপণঃ কর্পুটুন্দু কৃপঃ কৃপী।

১২৩। নেম্পেডাা:।

ক্পোঁ ডা ইম্ন ক্রাৎ পে। অতএব পং। কল্পা। পে কিং কম্পিতা কল্পা কম্পিষাতে কল্প্যাতে। বাধ ও পীড়ারাং।

>२८। वार्थश्रहका। वत्रवाधवणवाह्यक् खण्डम् अवहरकारमः (धिक्रिकी।

्थवाः (थर्किः काषः ठााः। विवाद्य। व्यिष्दतां अ्वमर्गः। व्यव-तिपृश् अवृतिध्वः अवृतिकृशः।

( )

বাধণত গ্রহণত জ্যান্ত বয়ণত বাধণত বাধণত বাচণত প্রাক্তণত অস্ক্রণত ধাণত বচণত বজানি বিবাধে জ্ঞান্ত জিলো) উবার বর ইহ বেঞ স্থানে বরাদেশঃ। তসাচ বেঞ হানে জাতত্ত্বের জ্যোনি বিবাধে করাদেশঃ। তসাচ বেঞ হানে জাতত্ত্বের জ্যোনি বিবাধি করিবেধনা বাধনার্থং। বিবাধি উবাগ বিবাচি পথাক বত্রণত বজ্ঞানিতি জিনিবেধনা বাধনার্থং। বিবাধি উবাগ বিবাচি পথাক বত্রণত বজ্ঞানিতি জিনিবেধনা বাধনার্থং। বিবাধি উবাগ বিবাচি পথাক বত্রণত বজ্জাতে ইত্যাদির্মু গ্রহরপাদ্যোবিতি জিঃ। সৃধাপ উবাচ স্থপ সাহচর্ব্যাৎ বচ ইহ জনাদিকো গ্রাহ্ম ইতি জোমরাঃ। ইরাজ চ্যাং-কিং বাব্যথাতে বজাদিস্ত 'কজিবিপিবিহিশ্চব বেঞ্বোঞ্ছেবিভিন্তা। বদিবিশিত শ্বিতিভিন্ত ব্যক্তবিশ্বাধিক। জাত্বিভিন্ত বিশ্বাধিক। বিদ্যাদিক বিশিত শিল্প ভারতিশ্বের ব্যক্তবিশ্বাধিক। জাত্বিভিন্ত বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক। বিশ্বাধিক। বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক। বিশ্বাধিক বিশ্বাধিক। বি

ইতি মবৎপাদঃ।

### মিঞঃ।

পত हे क गरेजा श्राद्याः।

১২৫। বচাক্তশ্বিপতাং বোচস্থপপ্তাঙে।

এবানেতে জমাৎ স্থাতে। প্রণাপপ্তৎ। গঙ্গ টু বম উদ্যিরণে। বেমজুঃ ববমজুঃ বেমিথ ববমিথ। অমু জণ চলনে। ক্রিমক্রমেতি শুদ্বা] অমাতি অমতি অেমজুঃ বত্তমজুঃ। সহজঙ্ শক্তো। ব্যব-হত বাসহত। [বেমসহেতীয়া] পরিবহিতা।

বিছিত অস্যাত খিত পথচ তে তেবাং বােচ্চ অস্থত খত পপ্তত তে। বচি-রিতি অদাদিকএব ভৌবাদিকাৎ ভঞাপ্তভাবাৎ অস ইতি দিবাদিকএব অন্যামাৎ ভঞাপ্তভাবাৎ। প্রণাপপ্তদিতি ১দিত্বাৎ তে অনেন পপ্তাদেশঃ গদনদেতি গত্ত। এবং অবোচৎ আস্থৎ অস্থ। এবেমতুরিত্যাদি জ্বমন্ত্রনে-তিএতং খিলোপত বা ব্যবহৃত ইত্যাদি নিবিপরিসম্ভেতিবা বত্ত।

३२७। गहेवदशंश्राणि।

সহবহোরকার ওৎ ভাৎ তে পরে। নিসোতা। [ आ म यः ] বদ্যো গতো। নিবীদতি নাবদৎ নিবসাদ। প্রতেম্ভ। প্রতিসী-দতি। শদ্যো শাতে। সুগমং। নিসোতেতি বেশ্যহেতানিশ্পকে হোটোভাবিতি হস্য চে হবে-দাকার্স্যওত্বে চভাস্তথোরিতি তথ্য ধে ফুডিরিতি ধণ্য চে ড্রেট্রীতি চন্য লোপেওবার্যক্ষ। এবং সোচব্যঃ। বোঢ়া বেচ্চুব্যঃ।

#### **১२१। भटिमार्श मरा**

नीतर जगम् । कन नर्छ। कन नृद्धः शकन प्रः किनिथ शकनिथ। ताकृ मोरखो। त्रकृ तताकृ तताकृ तताक । [तिधिन्ति । ताकृ मोरखो। त्रकृ नोरखो। वाण्य व्यामर् । विधिन्ति । वाण्य व्यामर् । विधनि । । विधनि

শদুজোশাতে ইতান্মাদবিষয়ে মং স্যাৎ যস্যাংবিভজে শপ্ সম্ভবতি জন্ত্রা দ্বনেপদমিতার্বঃ। শীরতে শীয়েত জ্ঞায়ত। জপি কিং জ্ঞাদৎ শশাদ শস্তা শদ্যাৎ শংস্যতি জ্ঞাশ্যাং। ফেণ্ডুরিভ্যাদি, কণাদিছাৎ এছং বিলোপশ্য বা। বিধিবলাদিভ্যাদিন রাজ্ঞু প্রভূতীনাং কণাদি পাঠবলাদাকারস্যাপ্যেছং বিলোপশ্চেভ্যর্থঃ। আশ্যত ইতি ক্রমক্লমেতি শ্যন্বা। জ্রেশে ইতি ক্যাদিছাং বিলোপাদির্মা। অবহণতীতি বিধানবলাদকারাং প্রস্যাপি বছং।

#### ১२৮। थनमनकनां है। सरम (य जू व)।

খারাৎ খনাাৎ। চায় ঞ্নিশানে। অচারীৎ অচানীৎ। [ য়ো-র্লোপ ইতি ] লয় ঞ্ স্প্হারাং। লয়তি লয়তি। গুহু ঞ সমরণে।

খনশ্চ সনশ্চ জনচ তে তেষাহ<sup>°</sup>। এবাং গ্রাসাৎ বাসে বেতুবা। খাতঃ সাতঃ
জাতঃ। খায়তে খন্যতে গাঁয়তে সন্যতৈ জায়তে জন্যতে। অত্র বাশস্পাব্যবস্থাবাচিত্বাৎ পিতি বাসে পরে ন স্যাদিত্তি বোধাং। তেন বঙ্লুকি
চংধন্তি চংখংসি সংগন্তি সংসংসি জংজন্তি জংজংসি এবং বাশস্প্যানুক্ত
সমুক্তরা ক্রাৎ তনোতে গ্রাসাধা বকি ইতি বোধাং। তায়তে তনাতে।
তথাচ তেলুরীকৃত্যকৃতিভিবাচন্পত্যং প্রতায়তে ইতি নাঘঃ। জাচারীদিতি
বেমুদিদিতীশ্ব। পক্ষে ব্যোলোপ ইতি বলোপঃ। ল্যাতীতি ক্রমক্রনেতিশান্বা।

११मा खटहारनाचाः।

खरहार्गाकः सार । गृहि गृहर भगृहीर भगूकर।

কৃতি গুছং গোহু নিত্যদাহরতা অচি পরে এবারং বিধিরিতি জ্ঞাপিতং। গৃহতি গৃহিতা গোঢ়া গৃহিষাতি ঘোক্ষাতি অতএব গুংহাঙিদচীতি জৌমুরাঃ। অসুক্ষদিতি বেমুদিদিতাতা বাশক্ষা গুহঃ সেরিমোবিলক্ষণ বিক্পার্থথাৎ সেরমিম্পক্ষে সিরেব ন স্যাৎ জনিম্থাৎ সংগ্র।

১७०। ७ इष्ट्रिक्टिक्ट्रि

এषाः ग्रीममदस्य भटत गिर्म छा ८ मक्ठ व। छा ८। अगृष अनुकरा

है। मर हैनर है रमस्य स्वीमस्याः जिस्मा । निर्शामिक भरत्वस्थानियामानएक्न मस्यो यह निरु म नमार अंटकन रम्झां क्रियामा । किर्मामिक । स्थानस्य म्हां स्व क्रियामा । स्थानस्य स्थानिक । स्थानस्य स्थानिक । स्थानि

১৩১। সকোইলোপোইচাইকো।

সকোহকারশু লোপঃ স্থাদকে অচি পরে। অগৃহিষি অযুক্ষি অযুক্ষাবহি অগুদ্ধহি। দক্তো কিং। অগৃহিষহি অযুক্ষামহি। অকে কিং। অগৃহিষত অযুক্ষঃ হঞ্ জ্তাং।

অতোলোপঃ অল্লোপঃ নবাং অবাং তৰিন্। অমুক্ষি ইতি ওই ই সক্ হোটোভো বভাস্তল্যেতি গস্যায় বটোঃ কঃসে বন্ধং অনেন সকোহল্লোপঃ ইম্ পক্ষে অগুহিষীতি বোধাং। অগুহুহীতি ওই বহি সেনিষ্থে সকোচপাঞাপ্তি পক্ষে বকারস্য দন্তাত্ত্বন বসন্ধাভাবাৎ হোটোভাবিতি ন টঃ। পক্ষে সকি আজি নভবীতি আগে অমুক্ষাবহীতি দন্তাঃ কিং অমুক্ষামহীতি দন্তাপরন্ধাভাবাৎ গুচ্- ছালিং নিহাং ইক্তাশা থাখে। বেমনাদিন প্ৰকে হলবোহনি মিছুও ইতাৰেন সিকি আজি মতনীতি আছে। ইম্পক্ষেতু অগৃহিম্বতি ইতি বোধাং। অব্বে কিং গুড় অন্ত হলব ইতি সিকি লোপোহতোহদেটেরিতাকারলোপে অযুক্ষপ্ত ইতি। অকারেহ্বভ লোপ্তবোহশি অব্বে ইতি কৃতং জ্ঞাপরতি। লোপোহ-ল্যোমাডোরিতি লোপোহতোহদেটেরিতি হসালোপোহশিতায়েরিতো-তেভোহনা স্বর্ত্তা অকার লোপসন্থানিবত্বং দানীতি তেন লুগজ্যোহপ ইত্যাদিনা অকারলোপে স্থানিবত্বানকীকারান্মান্তোহদনত ইত্যায় প্রবৃত্তী ছহতে দিহতে নিহতে ইত্যাদি সিন্ধমিতি।

১०२। ই खधुर्म शिक्य निम्किकाम खा।

ইগুঙ ঝবর্ণান্তাচ্চ পর। মে স্থিতানিম্ টী সিশ্চ কিং স্থাৎ গমস্ত বা। অহাত অহাবাতাং হ্যাইটি । ভূঞ্ ভরণে । বভ্ব । দান ঞা জবে। দীদাংসতি দীদাংসতে। এবং শানঞ্ । শীশাংসতি। ভ্রেণ্ডু ভাগদেবরোঃ। ভূজতে ভ্রেণ্ডু বভক্থ। প্রিঞ্ নেবা-য়াং। [ ঞিঞ্জীতাঙ্] অশিক্রিরং শ্রমিতাঁ। রঞ্জৌ ঞ্রাগে।

ইক্উঙ্বসা সুইপ্পত্ন। ইঙ্চ্চ ঋণ্চ ইঙ্চ্ ডআং। টাচসিশ্চেডি মেটাসি
মটাসি। নাত্তি ইম্বসা সোহনিম্ইতি মটাসেবিশেষণং। বথা এথা ভিনিত্তি ভেংসীই অভিত্ত বুখ্যাও ভুংসীই অবৃদ্ধ ক্ষোই অক্ত। কুঞ্গি হিংসে স্যাদৃস্ভুৱিতা নিম্পক্ষে কীৰীই অকীই । গমস্ত সমগতে সমগতে। বভ্বেতি নেমস্মিতি ইম্নিবেধঃ। দীদাংসতীতি কি ক্তিভেতি সম্বেভানি । ভেজিবেডি ক্ষেদ্শেতিবেশ্ শ্রিনিবেধঃ। তেতি নেমেকাজেতাক্ত শ্রিবজ্জনাদিম্।

১००। तरक्षारश्यकानाम् प्रितो भाषारशारकोषु मृगतमर्ग।
तक्षि तक्षर तत्रकष्ट्र तत्रकष्ट्र। विरयो व्यक्षरकार प्राप्ति प्रविक्षर विक्रीक। यरकारको प्रयोक्षीपानमञ्जलको। [ताथवाद्यकि विः]
देशक।

অপ্চ বকণ্চ অস্চ প্লিনিশ্চেতি তিমিন্। বধা রক্ত রক্ষকী রক্ষনং রক্ষঃ
রানী । স্থিনিরিতি কৃৎ প্রভালে। বক্ষরাঙা অস্য ঘকারোক্ষ্য গকারার্থঃ পূর্ক

ণকারো বৃদ্ধ থিঃ। শেষ ইকার উচ্চারণার্থঃ। রঞ্জননিতি এচন্তু সৈচার। ররজাতু বিভি সাং ঠাপিদিতি কিংপক্ষে ন লোপঃ। অধিকাদিতি দ্বিধী এড়েখানে হশবেতি সক্। দ্বিকীকৌতি ইঙ্গুরিতি কিন্তাপ্পগঃ।

১৩৪। গ্রহস্বপাদ্যোক্তিৎকিতোর্জিঃ।

এহাদে: কিতি ভিতি স্বপাদেং কিতি জি: স্থাৎ। স্বাৰ্থ স্কুলুং ইয়জিথ ইয়ষ্ঠ। ডু বপৌ তৈঞ বপনে। প্রবার্থ। বহৌতঞ প্রাপণে। প্রণ্যবাকীৎ অবোড় উবাহ উচ্চ। বেতঞ্জাতৌ।

এহত স্বপত এহস্বপৌ তাবাদী বরোকো এহস্বপাদী ভরোঃ। কুডাবিতো বস্য স কঙিং কডিচ কিচ্চ কঙিং কিডো তরোঃ। স্বপগ্রহাদ্যোঃ কিদণ্যেজিনিরতি কৃতেহপীউদিজো কঙিং কিডোরিতি গোরবং কথমিতি চেদ্ন। জানিম্নরে। হওণতে জ্যাপ্রভূতীনাং জানিমাংসনিজ্যেরাপজ্যে। বস্তুতন্ত সনোহওণতে গ্রহ্মপপ্রজামিতি নির্মাদনোবামনিমিসনিজ্যে প্রস্লাভাব গৌরবং স্পন্তার্থিং। বাধগ্রহেতিস্ত্রে পঠিতা গ্রহাদয়ঃ স্বপাদয়ত্য। কথা পৃত্তে গৃহ্ণাতি জানঃ জানাতি বিধাতে বিধাতি উশ্লাভে উপত্তি। বাচন্ত ত্রোপাদানং ঠাাং থেজি প্রাপ্রথিনের। বাচোজির ক্রিপ্রাভি জনেন প্রিংশিং অস্ত্রভ্যোহনাত্র জ্যে কর্ত্ব্যন্থাং। পৃক্ষাতে পৃক্তি বৃদ্যাতে বৃদ্যতি ভূজ্যানত ভূজ্জিত স্পাতে উচাতে ইল্যাভে ইত্যাদি ঈল্পুরিতি ব্যথগ্রহেতি থেজিঃ জনেন মূলধাতোর্জিঃ। ইয়লিথ ইতি স্ক্রদ্শেতি বেম্ জনিম্পক্ষে শক্ষ্যাজেতি বঙ্। প্রত্যাপ ইতি গদনদেতি গর্থ। প্রশাক্ষীদিতি হোটোতো ব্রজবদেতিবিঃ গদনদেতি গর্থ। জনোকাদিতি হোটোতো ব্রজবদেতিবিঃ গদনদেতি গর্থ। জনোকাদিতি হোটোতে ব্রজবদেতিবিঃ গদনদেতি গর্থ। তেন্তারিত তলাপঃ।

५७०। ठ्याश्मद्वश्रक्षाः।

त्वक्षिक्विण अग्कीनार कि न सार ग्रार। वत्वी वर्षकुः।

दण्ड श्राह्मण दश्याहा । श्राह्म हें वहनह्नः न्नार्थः। उन राषश्राद्धि स्वाद्ध श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीह्म श्रीहम श्रीहम

১৩%। বেঞোবস, বা।

বেঞো বর্ ভাষা ঠাাং। উবার উরতুঃ।

खेराय छेत्रजूतिकि राधश्यदर्गि (धर्शस्त्रभारमात्रिकि स्नधारणांक बिः।

১৩়৭। যবঃকিভি।

বেঞো যক্ত বিং ক্তাদ্ধা ঠ্যাং কিন্তি। উবতুঃ। ব্যে বৈঞ র্তী। বেঞো যন্যাসম্ভবাৎ ভদাদেশন্য বন্ধএব মকারন্যেতার্থঃ।

১७৮। नादवाकीरः।

বোঞা আ ন স্থাৎ ঠ্যাং। বিব্যায়।

ব্যেকৈবৃতাবিভাগ্য ঠাাং এচোহখিতেতি আকারো ন সাথ। ঠামিত্য-পাদানং কিতীতাস্য বাশন্দ্য নিবৃত্তার্থং। বিব্যার ক্রিভাস্তে জুওতোরিভি বৃদ্ধিং।

১৩ন। জিংবাস্তাঃকিতি

বিব্যতুরিতি মূলধাতোকোঁ কৃতে সুখোরিতি বঃ। পক্ষে বিব্যরতুরিতি বলায়েতি অয়াদেশঃ। উভয়ত্র খেনিতাং জিঃ। বিব্যরিখেতি স্কল্শেতাত্র ব্যবর্জনান্নিত্য মিম্। অহ্বদিতি বক্ষাস্যখ্যেতি ঙে উস্যে চীত্যাকারলোপঃ। অহ্বত অহ্বাত্তেতি নিব্রাস্তমে ইতি ভোবা।

১৪•। স্বোদ্বেজিঃ।

(बर्खाव्या किः सार । ब्रूश्व ब्रूंखवर्षः। वे वर्ता निवारम।

জেঃ পুনরপাদানাৎ ঠাাং কিভি বা ইভি ত্ররাণাং নাসুবৃভিঃ। হারতে বঁত্র বিষং তত্র থে মুলগাডোশ্চ বিনিমিককো জিঃ স্যাদিভার্থঃ। বথা জুহাব অভ্যবং জুহ্বতি জোহুরতে।

১৪১। শতক্রে।

সম্ভ ভাগরে সে পরে। অবাৎসীৎ অবাদ্তাং উবাস উবছুং।
বুদৈ বাচি। অচ্চবদতি। [ব্রজবদেতিব্রিঃ] স্মবাদীৎ উবাদ
উদতুঃ। ট্রেও খি গভিরদ্যোগ। [শাসুলিদ্যুদিভি ৪ঃ] অখং।
[থ্রি শ্রীতাঙ্বা] অশিশিরৎ অখ্রীৎ।

স ইতি লুপ্ত বঠ্টেকং ও ইতি লুপ্ত থাবনৈকং। আর কিং লার্নে।

অবাস্তামিতি অন্তরন্তপারিরবলাশপাচ্চ আদে সমা তকারে পশ্চাং মের্লোপঃ

কৌমরা অপ্যেবং। নচ আদে মের্লোপেইপি তালোপে তালকণমিতি
ন্যারাং বৃদ্ধিবং সমা তকারেণ ভাবামিতি বাচাং। তালালোপে দল্লি ভাশর-পেন বিহিতং বংকার্যাং তদেবসাাশ্বভু তাসাবর্ণবিহিতমিতি। তেন মৌরিহিত
মাং বৃদ্ধিং সকারে বিহিতপাৎ সমা তকারো ম সাংইতি। ক্লম্যথা অবুদ্ধ
ইত্যাদে সের্লোপেতালোপেতালকণমিতি ন্যারাং সকারেপরে রাভান্তমোত্যাদিনা বকারমা ভকারাপজিং। রামানক্ষ কাশীখরোতু প্রতাম লোপমা
বলবপাদাদে সের্লোপে সকারপরপাভাবাহ মমা তকারাভাবে ক্লবান্তামিতাাহতুং। তল্পেরং। এক ন্যায়াশ্বরতা সিলোপেন ন্যায়াদ্বরভ্রমা তকারাদেশদা বাধিতু মশক্যপাং ক্লম্বদন্তীতি ব্যাক্ত্রেটি সনামঃ। ক্লবাদীনিতি
ব্রহ্মনেতিব্রিঃ। অখ্যিতি উ্তিমি শাক্ষিত্যদিতি ওং ব্যাস্থিপভানিতিশ্বঃ।
অখনীদিতি পক্ষে টাংসে নেমেকাক্ষেত্যন্ত শ্বিক্লাদিনি সের্লোপে ব্রক্তব্যান্তিরিঃ।

**58र। त्यमिर्वायस्**रठाार्कास्तरमाः।

খের্জির্বা ক্তাৎ যত্তি ঠানং ঞেঃ পরে অঙি সনি চ। শুশাব শিখার শুশুবতুঃ শিখিরতুঃ খরিতা পুরাৎ।

यक्ष की वह की जार। जह मम्हें जह मती। ब्या श्वावह मती जिल्ला । ज्या वांभक्ता वावश्वातिका ९ वर्ष छाट्की बह्यांट्यविक मार शतक बह्यांट्युव कि न मार हेजाई। जमाश ज्यांभवित्वादके धानहकाईग्रीविजि निवसांगांटको विद्य (मक्कि न मार्थ) वथा धणाव णियात हेजावि अवः (भार्यु-त्राज (भयीत्राज ज्यांभवर जिल्यांवर भणावित्रविज्ञ भियांप्रवित्रकि भित्रदेखि व्याप्त होजि हो । अ्वाविज्ञ अञ्चलांका । अ्वाविज्ञ अञ्चलांका विज्ञ । व्याप्त होजि जार । होजि ज्यांपांत्र । होजि ज्यांपांत्र ।

## वामामिः।

# थारा उकता

১৪०। सूर्गस्डार्थः।

অদাদেঃ পর্ফাপো সুক্ স্থাৎ। অতি।

বছবচনং গণার্থং। ঘেশথ্রে ইতাত্র জ্বদাদিবর্জনেনৈবেইটিসিজে জ্বদাদেঃ
লপং বিধায় তল্লুক্তরণং ক্বাচিম্বদাদেঃ লপঃ স্থিতার্থং তেন সর্বাএবাহনৎ
প্রণিতি চণ্ডীত্রাদি সিদ্ধাতি। বস্তুতপ্ত লঘির্ক্লদ রোদে তুর্লিবেগে ইত্যোভাজাধ জে ভাবাদি ঢে বোহুডোহবাত ইত্যানেন গুণবিকল্পে রোদিতং ক্লিডং
তেন ভোক্সিং ভুরিডং তেন ইত্যাদি সিদ্ধার্থং। সুপ্তরণাৎ যুতঃ যুবস্তি
ইত্যাদে ন গুণঃ।

১৪৪। ভ্রাসোহের্ধিঃ।

হোর্বসাচ্চ পরস্ত হের্ধিঃ স্থাৎ। অদ্ধি।

বধা জুহুধি রুধিখোঁ ঞ রুদ্ধি অদ্যো অন্ধি। বশলু উভ্চিচ জন্ত্র শান্তাজেতি-বঙ্ ঝপ্ঝসোরিতি বঁনা ভঃ। ধৌপিষ্ঠ পিণ্চি চকান্ত চকান্তি ইত্যাদি। পর-দ্বাদিশেষত্বাচ্চ তাতঙাদেশেনায়ং বাধাতে। তেন বং অমৃত্যভাদিতাদি।

**১८६। इनाड्याश्विरमदर्नाशास्त्रो।** 

হ্সাৎ প্রয়োদি ফোলোপঃ স্থাদদঃ প্রয়োরম্ স্থাৎ। আদৎ আদঃ।

मित्मतिष्ठाकरहनः यथा मःथा निदामार्थः मित्मतिष्ठि घा। এर छे। खित्र नि दोरधानाममञ्जरः। यथा जारन हे जन्म जजूनक् अनर हे जिलन हे हेडानि।

১৪७। घनुमःनम्हें त्र् चिथि।

कारना घम खां प्रति हेगामान चिकि ह। [ निजु ( अः ] जघन ।

নশুচ চীচ অন্চ ঘঞ্চেতি তক্ষিন্। জিঘংসতি জযসং হনগমেতাত্র ওবর্জ নাল উঙ্লোপঃ। প্রানঃ ঘাসঃ। 389 । र्वार वा।

জঘাস আদ। [ হনগমিত্যুঙ্লোপঃ। জক্ষতুঃ আদতুঃ জঘসিথ আদিথ। প্যাল ভক্ষণে। প্রণিৎসাতি।

जामाचन गार वा ठार। जकरू विकि इनगरमञ्जू तार्ल वाल्य वाल्य तारिक यमाकर जाम जाम वाल्य विकास विकास

১৪৮। দিৰবিদাতোৎসুস্বা।

ছেকের্বেরাদস্ভাক পরে। ২ন্ উস্ স্থাদ্বা। অপসং অপসান্। বল্ল কান্তো। বন্ধি। [ এইস্বপাদ্যোরিতি জিঃ বি উঠঃ উশস্তি অবট্ উবাশ। হনলো হিংসাগভ্যোঃ।

আদিযুঃ অদিবন্ অবিদঃ অবিদন্ উসোচীত্যাকারলোপে অংসাঃ অংসান্
আদিতিয়াএব ট্যাল্ড দিবঃ সকারব্যবধানাদ্যপ্রসঙ্গ। অদিকন্। বিদ্ধাতোত্ত
আকুস্সিদেরিতি নিতাসুসি অবেদিযুঃ অংসাসিষুঃ। বফীতি বলসুস্পৃহিলছাভোতি বঙ্। অবট্ ইতি হসাস্তামিতি দিস্যোলোপে শছাজেতি বঙ্ধোড়ঃকে।

১৪৯। বনভনাদ্যনিমাংগ্রুষ্লোপো ক্রম যপ্যতিকাণী।

এবাং এফালোপঃ স্থানি নৈ মানে যপি চ নতু তিকি। প্রণিহতঃ। [হনোকোমঃ] সম্ভি প্রহণঃ প্রহয়ঃ প্রহন্মঃ।

নাতি ইস্ যক্ষাৎ লোহনিম্। বনক তনাদিক অনিমচেতি তে তেবাং। এমো-লোপঃ এম্লোপঃ। বাসক বপ্চ বাসবপ্ত আিম্। নতিক্ অতিক্ ত আিম্। নাতি পুর্য আিম্ নোহণুঃ ত আিম্। বনব্যাপৃতে বিভঃ বতিঃ প্রবত্য। ওভঃ ওতিঃ

প্রভা। ক্ষঃ ক্ষড়ি প্রক্রা। হতঃ হডিঃ প্রহতা। গতঃ গতিঃ প্রগতা। अगि किश बनारक देखानि अर्ग किश वश्यक्ति देखानि। अधिक किश वश्चि রিতাাকি। এইণু উত্যাদি বস্য প্রতায়ত্বাক্ষন্তাত্বে রসত্বান্তাবাৎ ঞমোলোপা-ভাবে সবাস্ত হন ইতি বা ণত্বং।

১৫०। : अरङ्किमाधि इनास्त्रिमास्ति हिना।

अवाः हियुक्तानाः कमारनट्य साः। सहि।

আহিল্চ এধিল্চ লাধিল্টেভি। হ্নিল্ট অবিল্ট লাবিল্টেভি জ্বহীতিপকে ভাতত্তহপুৰি হতাৎ।

১৫১। हतन्विषकीणानि प्रीतम जूवा।

रता वधः छा ९ छा १ छा मिल • । जित्र जू वा। जवसी ९।

টীচ টীচ অল্চেভি ভিমিন্। ট্যাদে হক্তেঃ প্রয়োগং নিষিধ্য বংহভাবিভি ভৌবাদিকঃ প্রযুক্তাত ইতার্থঃ। তেন অবধীদিত্যাদৌ বধধাতো রৌদিত্বাভাবা-षरमाध्तरमाञीम् इमारमः सम इजाद्ध वधवस्रमाष्ट्रदिः। এवः वधार वधाराधार বধঃ টীমেতু আবিধিই আহত।

১৫২। থে ছে ছোঞ্ছি চ।

খেঃ পরস্ত হনো হস্ত ঘঃ স্তাৎ ত্রিতি ণিতি চ। স্বাদা কয়তুঃ হন্তা বধ্যাৎ প্রহণিষাতি। ত্যুল হভিসর্পণে।

क्कोबामर्थदग्रः (थः श्वमा श्वा श्रम) यः मामि (छ) कार्थः । श्वाश्मा ঘঃ স্যাৎ ঞিজি নিভিচ পরে ইত্যপরোহর্বঃ। বেঃ পরস্য স্বধা অঘনিধ বিষাংসতি অংখনাতে। ঞিতি যাতমতি ণিডি অধানি যাতকঃ যাতং যাতং প্রহ্নিষাতীতি সাস। দ্ধান ইতি ইম্'নাদি হলীনেভি ণত্ং।

১৫৩। রপিদ্ধস্থাতোঁ২দ্বে ব্রিঃ।

অত্বেধোরকারত বিঃ তাৎ পিতি হসে রে। দ্যৌতি ছাতঃ ছ্যবন্ধি। যুল মিজ্ঞাণে। যৌতি যবিতা। নুল স্তুতো। অনা-वी प्राची प्रमुविव। क्रून एक दा। क्रविछ। क्रव श्रमुकार [ अक्रांशिय स्थानीय । हेन न भरको।

রশ্চাসে পিচাসে হস্চেতি রপিদ্ধস্ ওক্ষিম। নিধিবিছিঃ। তসা। দেইতি রেতি। আহিঃ কিং জাহোতি। ববিতেতি নেমেকাজেতাত্ত্র বুবর্জনাদিম। আনাবীদিতাদি বেমুদিতীম্ মুসুবিবেতি আঠা ইত্যুক্তেনিতামিম্। ক্ষবিতেতি নেমেকাজেতাত্ত্র ক্ষুক্তনাদিম্।

১৫৪। यित्नाश्वार्भे।

इता यः छामगावित । यस्ति।

মুধোরিতি প্রাপ্তব্যস্য ইয়ো বাধকঃ অস্য নকারো ভূস্থাপিবেত্যাদিরু বিশেষ জ্ঞাপনার্থঃ।

३००। ना छेगर।

ইনো গা ব্যাৎ ট্যাং। অগাৎ ইয়ায়।

ব্দগাদিতি ভুস্থাপিবেতি সিলুক্।

১৫৬। খেঃকিভির্যঃ।

ইনঃ খে र्घः छाৎ কিতি ঠ্যাং। ঈরতুঃ।

দিভুতাদিনধাতো গ্রা অনাত্র কিতোইসস্তবাদেব ুঠ্যাদিতি ব্যাখ্যাতং। ঈশ্বন্ধরিতি যিনোচ্যণাবিতি যকান্তেহনেনখের্যঃ।

১৫१। प्रदेशणीश

অগেরিনো ঘট স্থাৎ কিতি ঢাং। স্ক্রাৎ। অগেট কিং অস্থি-রাধ। ইক ল সারণে।

নিয়মোহয়ং ঢাাং কিতি অগেরিনএর দীর্ঘঃ নতু সগেরিতি। ঈয়াৎ।
অগেঃ কিং অস্থিয়াৎ সমিয়াদিত্যাদো ঘোঁহজ্যারে ইত্যানেনাপি নদীর্ঘঃ।

**२८৮। इस्र**मिक्।

ইন ইব ইকঃ কাৰ্য্যং স্থাৎ ৰূপঞ্চ ভদ্ধ। যা ল গতো। প্ৰণি-যাতি। এবং বাল গমন হিংসয়োঃ। দ্ৰাল স্বপ্নে পলায়নে চা খ্যাল কথনে। অখ্যং। মালচ মানে। প্ৰণিমাতি মেয়াং। বিদল ক্ষানে। অধীল্ স্ত্যানিত্যয়ং ধাতুং কাজপ্রাদৈ।রিক মারণে ইতি পঠ্যতে তমতমবলম্য ইক্ ইত্যক্তং। অধিগ্রহণমনাপূর্ববিসক্রেলসাচ প্রয়োগ নিরানার্থং।
যথা অধ্যতি অধীতঃ অধিগ্রন্তি অধ্যাৎ অধীয়ায় অধীয়তুরিত্যাদি। অধীয়াদিত্যাদৌতু সহর্নের্ঘ ইত্যনেনৈর দীর্ঘঃ। এবং গমিনিভোরিত্যাদাবিপ
অধিজিগন্ধিবতি ইতি বোধাং। সনীতয়ো রাঘবয়োরধীয়ন্নিতি ভট্টো। অধীয়ন্নিতিতু আতিদেশিকমনিত্যমিতি ন্যায়াৎ ইম্বদিক্ ইত্যনানিত্যমাৎ বিণো
হচ্যণাবিত্যস্যাধ্যাপ্রো মুধোরিতি ইয়িক্তে নিছং। প্রণিয়াতীতি নোহনবায়েরি গন্ধং। অধ্যদিতি বক্তাস্যেতি ভে উস্যেচীত্যালোপঃ। প্রণিমাতি পত
পদদানেতি গন্ধং। মেয়াদিতি দামাগৈ ইতি ভে।

১৫२। বেল্ডে: कौर्भः क्रीभःवा।

বিদঃ পরস্ত ক্যাঃ পত্ত ঠ্যাঃ পং স্থাতা। বেদ বিদতুঃ বিছঃ বেশ্ব বিদ্যুঃ বিদ বেদ বিদ্ধ বিদ্ম। পক্ষে সুগমং।

श्वानियमादम् इंडि न्याग्नारः वीलम्य कीलज्याचामिषदः। नक्षम्भया व्यव्यक्यामाविम्।

১७०। 'डाम्चा छाःशास्त्र करू।

বেক্তেষ্ঠাাং স্কাৰ ভাৎ গান্ত कृष এবানুপ্ৰয়োগং।

ভিদ্বারপ্তণঃ ক্রুসু ইত্যানেন, অস্তুবোরসুপ্রায়োগে। নিবিদ্ধ।

১৬১। তথাঃ শুপ্রে ঘে♦

বিদান্ধরোতু বেজু।

ত্তনোতি সৰোতি।

১৬২। কুঞােইছ পৌরে।

ক্তেথেংকার উ: স্থাদনো রে। বিদাক্ষুরুতাং বিত্তাং অবিছঃ অবিদন্।

অং উ ইত্যুভরং বুপ্ত প্রথমেকং। বিদাংকুরভামিতি বিদ তাং ভামি কৃথ্যো হস্প্রায়োগে শুপিগুণে অকারসা উঃ। রামানন্দ কাশীশ্বরী তু ক্ঞেহিকারসা শুপাব্যবহিত্বৈয়ব সম্ভবাষ্যবহিতেহিপি স্যাদিজাহতুঃ। রামতর্কবাগীশো ন কিমপাহ। কেচিজু জণৌপরে রেপরে ষম্মাৎ পরোহণুর্ত্তবিতি ত্মিন্ত্রেপরে ক্ঞোহকার উঃ স্যাদিজাত্ঃ। বস্তুতন্ত তথা বন্ধারে পুংসঃ সমু ৰপ্যম্পরে ইতিবৎ ক্ঞোহণুপরে রে ইত্যেবাবদিষ্যৎ। কিঞা মান্তি গুর্মান্তানে সোহণুঃ ভ্যামনগবিতি রে ইত্যা বিশেষণং। শুণোগুণাভাবাদ্র শুবেব ভ্রম্ভণোর ইত্যর্থঃ। অবিদ্যান্তাদি দিববিদেতি উস্বা।

५७०। घारितो त वा मरधाः।

দধোরেকঃ স্থাৎ বা সৌ ঘ্যাং। অবেঃ অবেৎ অবিতঃ অবিতঃ

खरविति जिल्लाकृषि इमास्तामिनि त्यां लिलालि जातमालि जातमा विकार विनर्गः। बदः क्षित्यों क ख्रुक्त विज्ञानि बद्धः भृषियूँ देजामा वह कृषि घाष्टमो स्वत्रोभः देजामा १ देशामिनि त्यां कि प्राप्ता वित्राम्न माखिजा वालास्त्रमानि गमा चत्व जातालि जाता १ द्धान वह कृषि वालास्त्रमानि नामा १ द्धान ख्रुक्तमा प्राप्ता विकार विवार वित्राम प्राप्ता विवार विवा

১৬৪। লোপোহস্তানো র্ডিত্রসোরঘাং। অন্তেরকারস্ত ডিতি রে সম্ভ চ সে লোপঃ স্থানতু ঘাং। স্তঃ সন্তি অসি এধি স্থাসীৎ আস্তাং।

আশ্চ সচ অসৌ অভেরসৌ অভাসৌ ওয়ে। ডিচ্চাসৌরশ্চেভি ডিড্রা ডিদ্রশ্চ সচ ডিদ্রসৌ তরোঃ সইতানকারান্তগ্রহণাৎ সি সে স ইতি ত্ররাণাছ গ্রহণং তেন অসি বাতিসে বাতিস ইত্যুক্তরত্র ডিদ্রপরত্বাদকারসা সকারপর-ত্বাৎ সমা চ লোপঃ। ডিদ্রস্যোরিভি লিপিকরপ্রমাদ পাঠঃ। কিঞ্চ অরেভূ আদেশেনৈববাধিতত্বংৎ ডিপ্যুহণেনৈবেইটিনিক্ষৌ রগ্রহণং ভ্রাপরতি কদাচি- দরেভূ আদেশো সন্যাদিতি। তেন লাবণ্য উৎপাদাইবাস যত্ন ইতি কালি-দাসঃ। এধীতি ক্ষাফ্যীতি এধিরাদেশঃ জঘ্যাং কিং আদীৎ আতাং আসম্।

১७१। जूतदा।

णस्यपृश्यामस्य। षण्ट्र।

বিষয় সপ্তমাং সেঃ সম্ভাবনায়াং ভূৱাদেশঃ। ঠাামসুপ্রয়োগাদনাত্রাপাজে ভূভাবং কেচিক্লেচ্ডীতি ধাতুপ্রদীপঃ। অভএব নাবণ্য উৎপাদ্যইবাসবত্ন ইতি কানিদাসঃ। কেচি জু অসঞ্জীপ্তাবিভাস্যরূপং। আস দিদীপে ইতার্ধ ইত্যাহঃ। অভূদিতি ভূম্বাপিবেতি সেলুক্।

১৯৬। প্রাত্ত্রগাঁকঃসংযোহচো।

প্রাত্তংবন্তি প্রাত্তংব্যাৎ নিষন্তি। মূর্জ লু ব শুদ্ধৌ।

গেরিক্ নীক্। প্রাত্মত নীক্ত প্রাত্নীক্ তন্মাৎ। প্রাত্রো গেরিকল্ট পারস্য অক্তঃ সম্যবঃ স্যাদ্টি বেচপরে। অচ্যে কিং প্রাত্তঃস্থং নিস্তঃ।

১৬१। मृत्यारकिंडिडिकीच्छार्गा।

অক ডিভি মৃজো ত্রিং স্থাদণাবচি তুরা। মার্ফি মৃষ্টং মার্জ স্থান্তি। বিচাশবিধি তা মিতি বোচ্ অবোচৎ] উবাচ উচতুঃ। রুদির ল রোদনে।

क छाविरछो यमा म किए न किए जकिए छिन्न मुख दे छ मुखन् व छ कि मिलिए ह मिना कि मि

১৬৮। রুটোহৰোহপ্রতিষ্ম।

কুদাদেঃ পর শু। যশু হস্পু রশু ইম্ স্থাৎ। রোদিতি রুদিতঃ। অয়ঃ কিং রুদ্যাৎ।

্বছবচনং গণার্থং গণস্ত ক্লদাদান্তীভাত্তোক্তঃ। ন্য অয ভ্রম্য অবঃ। হস্-

চাদৌরশ্চেতি হস্রঃ তস্য। অরঃ কিং ক্রদ্যাৎ হৃদ্য কিং ক্রদস্তি। অপ্রাপ্তেরি বিধিরয়ং রোদিয়তীত্যাদৌ বসোহরন্যেতি ইম্স্যাদেব।

#### ১७२। मिरकात्या।

क्रमारमः भत्रत्त्रार्मिरक्षात्रम् क्यार वा। व्यत्तामर व्यत्तामीर व्य-त्तामः व्यत्तामीः। व्यि व्यत्भी व्यत्ता। विव्याभिष्ठ। [ मवदान वः] विक्रवाभ कृः वृत्त्रभूषः। [ निर्कद्वार यः] व्यनमू श्रागतन। श्रागिष्ठि श्रामिष्ठ। श्रममू श्रागतन। श्रामिष्ठ व्यश्वमीर। [ क्रगमिष्ठान्नविः] क्रक क्षू व्यक्शमरत्राः। क्रकिष्ठि।

क्रमारमः भरत्रिमित्रिङ चामित छे। छ नि तावधामाममञ्जवः। मिनाइ र्वराष्ट्रिनित्रिभि चामितः। जनाथा छे। १ क्डमा निक्षाण्यमाणि व्यम्प्यतः। जरताम-मिलामि। भरक क्रमामाञ्जीलातम नेम्। छे। छ हेति छा १ ता ५७ जक्रमः जरतामीः। तिमुद्यारभे छात्र ममञ्चारमित्रिङ नित्रमा १ (थर्ने वषः। थिनिमिक्य १ मूनधारलाः वषः किनामिलातम मारमर्वि । भिनिमिक्य १ मूनधारलाः वषः किनामिलातम मारमर्वि । भिनिमिक्य १ मूनधारलाः वषः किनामिलातम मारमर्वि । भिनिमिक्य १ मूनधारलाः वषः किनामिलारम । क्राय्यू भेजू दिल्लाक द्वारम् । क्रायू भेजू दिल्लाक विद्याल । ।

#### ३१०। जट्छा १८ एछः।

জেঃ পরস্তাতো ২৭ স্থাৎ। জক্তি। [ অমুস্সিজেঃ ] অজকুঃ। জাগৃক্ষলু জাগরণে।

अल हेकि वर्ष्टाकर हमल निर्माणाति अल हेकामीनामिन। सक्रिक सक्रकृ ममकि ममकू। विकीर्यस्थीकारमी भारता हार्गिक स्वानिवहान्नारस्थ हर।

### १११। नुब्रखश्ठार।

ভেরুসি পরে গু: স্থাৎ নতু চ্যাং। অজ্যাগরুঃ অজাগঃ অজাগরীৎ জাগরামান জজাগার।

জ্ঞাগরুরিতি জকাদিত্বাৎ বিসংজ্ঞারাং জমুস্বিদেরিতি জন উবি জনেন গুণঃ। ঠ্যান্ত বৃহবুঃ। জঞ্জাগঃ ইত্যাদে গুণে সের্লোপে রেক্সাবিসর্গঃ। জঞা গরীদিতাত্র জঞিখি জাগুরিত্যুক্তেনব্রিঃ। ১৭২। । জাগ্রোহণকীণ্ডিতি কস্কানে তু বা।

জাগর্জের্ঃ স্থান্নতু ণপি নৌ ইণি ডিভি চ কমৌ কাংশ ভু বা। জন্তাগরতুঃ। দরিদ্রা ক্ষলুতুর্গত্যাং।)

আথ ইতাত্র সূত্রত্বাং থতোডোডুর্ন স্যাং। গপ্চ বিশ্চ ইণ্চ ডিচেচতি
গবনীণ্ডিং ল গবনীণ্ডিং অগবনীণ্ডিং তিমিনু। এটা আগররতি অঞি আগরঃ
গমি আগরং আগরং যদি আগর্যাতে যপি প্রজাগর্যা টীপে আগর্যাং। গবাদৌতু অআগার আগ্রিং অভাগারি আগারিষীক জাগ্তঃ জাগ্রি। কর্সো
অঞ্গার্বান্ অভাগ্রান্। কানে অভাগরাণঃ অভাগাণঃ।

১৭৩। দরিদ্রো ডি হব্সেখনৌ হাগ্ভোম্ভ বা।

দরিদ্রাতে র্জি: স্থাৎ অণৌ হসে রে পরে হাগভ্যোস্ত বা। দরিদ্রিতঃ।

দরিদ্রিভঃ দরিদ্রিপঃ। হসি ক্রিং দরিদ্রতি। অংশ কিং দরিদ্রাতি। হাগ্ড্যাস্ত অহিতঃ অহীতঃ বিভিতঃ বিভীতঃ। ব

১৭৪। শ্লা বোলোপোইণীেহদেও।

শ্ব। ইতাক্ত দেশ্চ আলোপ্যঃ गामित्। হসে তু দাবর্জ মী गाद।

রে ইত্যাসুনর্ভ্রতে তেন যতি চাখ্যায়তে ইত্যাদে। ন প্রদক্ষঃ। যথা ক্রীণস্তি ক্রীণতে জহতি মিমতে দদতি দদতে দথতি দখতে দরিদ্রতি। হসেতু ক্রীণীতে জিহীতে মিমীতে অণো কিং ক্রীণাতি জহাতি। দার্যর্জনাৎ দক্তে ধতে।

১१६। पतिकात्नात्शारमनकात्मश्रत छे। स

पतिक आत्माभः नगपति नजू नि अकि अत्म ह छे। स्व वा। अपितिकी अपितिकानी अपितिकामान पपतिक। पपतिको है कि कि हि । पितिका । हिकान पोतिको। [ इक्टनाट हिंदि ]। [ क्म्-क्टनातिक नगापः। हिका कि हिका थि।

াসমূচ আংকংচ অনশেচতি সন্ধানং ন সন্ধানং অসমক**্ষেং তিমিন্।** ( সা ) नरतार्वः छिमान्। मितिस्तार मितिस्विगेशः अमितिसीर शिष्क यमतरमिछ हेन्
मर्ता। अदः अमितिसि अमितिस्वाितः। ममितिस हेि । शि अस्वत्रअपाितः।
स्वाितः हेि । स्वितिस्वाितः । स्वितिस्वाितः । स्वितिस्वाेत्रः । स्वितिस्वाेत्रः । स्वितिस्वाेत्रः । स्वितिस्वाेत्रः । स्वितिस्वाेत्रः मितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः मितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः मितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः मितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः स्वितिस्वाेत्रः स्वितिस्वांत्रः। स्वितिस्वाेत्रः स्वितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः स्वितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः स्वितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेत्रः स्वितिस्वाेत्रः। स्वितिस्वाेतिः। स्वितिस्वाेतिः। स्वितिस्वतिस्वाेतिः। स्वितिस्वाेतिः। स्वितिस्वाेतिः। स्वितिस्वाे

১१७। घाष्ट्रा उनः।

घारि भो भारत मना छ मादि। अहक्दि।

সুগম্।

२११। त्री व।।

**अहकार अहकाः। मांग क्रू मांगत्न।** 

সস্য ত স্যাদা ঘাাং মৌপরে। অচকাং অচকাঃ।

১৭৮। শাস্ত । अन्य । अन्य । अन्य ।

শান্তেরুত ইৎ সাদেণী হসে তেচ কৌ তু শাস আশাসন্ত।
শিষ্টঃ শাধি অশিষ্ৎ।

শানোর জ্পাস্ত হস্চ ডলেচতি হস্ ডং তমিন্। কৌবা শাসন্টেতি এহনাৎ শাস্ ইতি শাসকু, শাসনে ইতাস্যৈ এহনং তেন আশাস্ লঙ ইতাস্য আশান্তে। যথা শিফঃ শিষ্যতে শেশিষ্যতে। কৌতু মিত্রশীঃ আশীঃ। শিফঃ ইতি আকারস্য ইকারঃ শাসনস্বদেতি যবং। শাধীতি হিসহিতস্য শাধ্যা-দেশঃ। অশিষ্দিতি শাসলিক্লাদিতিঙঃ।

#### **ह.िक छ। है रखे।**

চক্ষিত্ত তৃতীয়স্বরাত্বক্ষোহয়নিতি প্রাঞ্চঃ। অন্য ইকার উচ্চারণার্থ ইতি কেচিৎ। কেচিৎ ছন্দিন তুণাগনার্থ ইতি কেচিৎ। বেদেস্চারণ ভেদার্থ ইতি কেচিৎ। বহবস্ত তৃতীয় স্বরাত্বক্ষা লিপিকরজ্ঞ মকারিত এব কিন্তু চতুর্থ স্বরাত্বক্ষোহয়ৎ নিষ্ঠায়া ইম্নিষ্ঠোর্থঃ। তেন বর্জনার্থে খ্যাঞ্ ক্লাঞাদেশয়োরপ্রাপ্তে আচক্তং বর্জনমিতা ছিং। বস্কৃতস্ত্ব স্থান্যাক্ত্র নিতাত্ব জ্ঞাপনার্থঃ। তেন

बरहाश्मि शक्यांकादः नह शरमञ्चार प्रश्वास है जि माकुछता। शिथ यनि विश्वास वा यद्धयानः क्नाहिक्षांह ज्वानि क्रनीर्ज मिक् श्रांधीनवृद्धिति ि तेन्यस । मस्यः मृत्भः क्रमस्य क्वाध्यः क्वाध्यः क्रिश्वास वाक्र्यासीि क्षिण्डता है ज्ञासि श्रादेश्वास मिन व्याद्धाना वाश्वास श्रीका विश्वास मुख्या मिक्ष्य क्ष्या क्ष्या क्ष्या स्व है जि स्वामूर्ज हे ज्ञामा वाश्वास श्रीका मिक्ष्य क्षायः । न विश्वास श्रीका विराता विज्ञामा वाश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास । विश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास । विश्वास श्रीका विश्वास श्रीका विश्वास । विश्वास श्रीका विश्वास । विश्वास श्रीका विश्वास । विश्वास श्रीका विश्वास । विश्वास

১৭৯। চক্ষ: ক্রাঞ্থ্যাঞ হরে হত্যাগোসসনে।

চক্ষ: ক্লাঞ্ থাাঞ্ সাাদরে নতু বর্জন উসি অসি অনে চ। অক্লাসীৎ অক্লান্ত, অথাৎ অথাত। ত্যাগেতু। সমটকিট।

চক্ষঃ ক্লাঞ্। ক্লাঞ্চ খ্যাঞ্চ তৎ নরোহরঃ তক্ষিন্। ত্যাগণচ উস্চ অস্চ
অনশ্চতি ত্যাগোসসনং ন ত্যাগোসসনং অত্যাগোসসনং তক্ষিন্। বর্জনেহর্ষে উসাদোপ্রতায়ে বিষয়েচ নস্যাদিত্যর্থঃ। অরে ইতি বিষয় সপ্তমী। তেনী
বিভক্তাৎপক্তেঃ পূর্বাং ক্লাঞ্খ্যাঞোঁ। তরোঞান্ত্রাক্ষাত্তয়পদমিতি ক্লাঞ্
ইতি তালবা মধ্য ইতি পাণিনি ক্রমদীর্থরৌ দন্তামধ্য ইতি কেচিং। তত্ত্র
বন্ধাভাবস্ত দন্ত্যবদীদেশবিধান সামর্থ্যাং। অক্লাসীং ইতি বনরমেতি ইম্
সন্নো। অক্লান্তেতি একাঞ্জাদন্তবাদ্মেন্। অধ্যাদিতি বক্তাস্যেতিতে উস্যেচীত্যালোপঃ। উসাদোভু চক্ষঃ নৃচক্ষাঃ বিচক্ষণঃ।

১৮০। ঠাষা।

চক্রে চখ্যে চচকে। ঈড় ঙল স্ততৌ। ঈটে।

চক্ষঃ ক্লাঞ্ খ্যাঞ্চ স্যাদা চাাং। বিষয় সপ্তমীয়ং। তের আদাবাদেশে-আমুবদ্ধত্বাত্তমপদং। চক্সে চক্সে চখ্যে চখ্যে চচক্ষে। ইট্রে ইতি শপো-লুক্ ঝপ্রসোরিতি ভস্য উত্ত্ব ফুভিরিতি তস্য উত্থ।

১৮১। সংকোরস্যেম্জনীড়ীশং।

এভ্যঃ পরস্য রশু সম্য ধনাচ ইম্মাৎ। ঈড়িবে ঈড়িধে। আম ওল উপবেশনে। আন্তে। [ বিজাদীতাাম্] আমাঞ্জে। বসঙ ল আচ্চাদনে। বসিতা বস্তা। নিনি ঙ্ল চুয়নে। প্রণিংস্থে প্রনিংস্তো সৃঙ ল প্রসবে। সুতে।

জ্বন ইতি জনুমলিচেতাসা গ্রহণং। জ্বনীতাসা শুনাবাগধানাৎ। বাতিজ্ঞাজির বাতিজ্ঞাজিধং ঈড়িষে ঈজিধে ঈশিষে ঈশিধে। জ্ঞাপ্রেট বিধিরয়ং নতু নিয়মঃ। তেন জ্বনিতা ঈজিতা ঈশিতা ইত্যাদো বসেইরসোতীম্স্যাদেব বস্তা বসিতেতি বেম্যাহেতীস্থা। প্রণিংক্তে ইতি বাত্মনিংসনিক্ষেতি বাপত্তং।

১৮২। স্থতেন্ণুর্গাং।

सूरेत। [ त्क्यू मि जिया। अमिति छ। भी छ ल भग्न दिन।

**२ ७ व पार्टी मूर्य में मारि शारि । मृदेव है जि मूर्या तिजार** ।

১৮०। नीत्छा त पूः।

শেতে শ্রাতে।

অগুণনিমিতে গুণনিমিত্তেচ রে ইতার্থঃ।

১৮৪। মান্তোরম্বিদন্তবা।

শীঙঃ পরস্ম স্থাতে। রুম্ স্থাৎ বেত্তেন্ত বা। শেরতে অশয়িই। অধী ও অধ্যয়নে। অধীতে।

মস্যান্ত মান্ত তস্য। শেরতে সংবিদ্ধতে সংবিদ্ধতে। সমোগমুচ্ছেতাাদিনা আত্মনেপদং। শীঙ্ সাহচর্যাদিদ ইত্বি অদাদিক এব। তেন ধৌবিদঙ্ মীমাংসে ইতাহা বিন্দতে ইতাত্র নসাধ। অশয়িফেতি নেমেকাজেতাত্র শীবর্জনাদিয়।

१५८। शीष्ठ की रथार्का।

हेटडा शीः खां वा नित्थाः शतरताः। र्यदात्र गुः। अधाशीके व्यदेशके।

র্ঘারণুঃ প্রথমোপস্থিত হ্রমং পরিতাক্তা দীর্ঘকরণাদিতার্থঃ। অধ্যৈষ্টেতি ভূমোহমিতি পুনরম্।

১৮७। ठेगा शा व्याह्य मत्ना छ वा।

ইঙো গা স্থাৎ ঠাাং ঞেঃ পরে অভি সনি চবা। অধিকরে অধাগীয়ান্ত অধৈয়য়ত। দীধী ভূল।

অন্ত সমূচ অঙ্ সনৌ ঞেরঙ্ সনৌ ঞাঙ্ সনৌ তয়োঃ। ঞাঙ্ সনোস্ত অধ্যক্ষীগপৎ অধাপিপৎ অধিক্ষিগাপিয়িষতি অধ্যাপিপিয়িষতি।

२৮१। मोश्ली (वटव्याम कुः। मोरेथा।

षीधीं विद्यादिक निर्माहारत पीथीरवदी छना। पीथीरवदा देखि यर्श्वाकः। जनाथा श्रेत्रस्टक यथा मश्यादा अख्यादा अख्यादा निर्माद मर्वकः पीथा अद् षीथानीयभीखाषि। व्योग देखा देखा मि।

১৮৮। লোপ্যোহস্তো যোঃ।

मीथी तित्वाति । लिथा शां शां यकार्ति वर्ति । जमी थि । विवर्श तिवी छ । दित्वो क्रिति । विविति मार्ट्या ३ जिद्दिः जिद्दि । विवर्षि क्रिति । क्रिति मार्ट्या । ज्ञानिस् ज्ञानिस् क्रिति । ज्ञानिस् क्रिक्ष । जुल्ला ज्ञानिस् क्रिक्ष । क्षि क्रिक्ष । जुल्ला ज्ञानिस् । जिल्ला क्रिक्ष । ज्ञानिस् । जिल्ला क्रिक्ष । ज्ञानिस् । जिल्ला क्रिक्ष । ज्ञानिस् । ज

यह हेन्छ यो उरमाः। मीधार अमीधिस मीर्घर्क् मीथी हेन्डामी अस लाभाजार मूर्धिति विकास मिक्डि मार्थ। अदः तिरीष्ट्। मेमूर्यातिछात्न देनरवस्ति को लार्प्याश्र खार्याति छिक्डः खाभग्र जिमेशीर दरमार्थ कृताभि वृक्षिति छि एक गरक आमीधाकः जार्ययाकः हेछि। अख्यारेर्य मिकरमाद्र भि भामाधनः गर्व्य भाग्र द्वाधार। अधिरस्ति मिह्सो कर्ययत् किञ्चर माञ्च-तिभागः मार अधिक मिछि दृग्य हेछि मक् अधूक्क अद्यक्षि छह्क् हिएहिछ निमः मक्या।

১৮२। বোর্ণোঃপিদ্ধস্রে ণুঃ।

উর্ণোর্ণ: স্থাদা পিতি হসেরে। উর্ণোতি উণ্ণেতি। [রপিন্ধ-স্থাত ইতি বিঃ। উর্নোভেণু'ঃ স্যাৎ পিতি হসেরে। পিতি কিং উণু'তঃ। যঙ্লুকি। প্রোর্নোনোতি প্রোর্নোনেইতি।

३२०। मार्।

উর্ণোর্ঃ স্থাৎ পিতি হসে ঘ্যাং। উর্ণোৎ। নিত্যার্থং বিধানং।

১৯১। পূব্ত্তি ফ্টাং।

উর্ণো র্ঃ উব্ ব্রিঃ এতে স্থাফাাং। উর্ণবীৎ উর্ণাবীৎ।

**১**৯२। नाज्यात्मतानि विः।

व्यक्तां मिन्डि टाटा (थातां मिनिं सार)।

আচৌ অস্তাদী ৰস্য সোহজ্ঞস্তাদিঃ তদ্য। ৰথা অটিটবতি ইটিটবতি উচি-বিবতি ইত্যাদৌ।

১৯৩। স্থাদৌ নবজো যে।

खखारनो व्हिका न व न त्रां कि न सा नंजू रह। छेर्न् नाव।

লব দরা ষথা। উদ্দিদিষতি উজিজিষতি জড়িতিষতি জচিচিষতি। অবে ইতি ষকারেপরে যে নবদরাঃ তে ষকারেণযোগে সংযোগাদি স্থিতা অপি দিঃ স্যুরেবেডার্থঃ। ষথা ঝ অরার্যাতে অর্য্যমাখাতবাম্ আরির্বৎ ইত্যাদৌ রেক্ষ-স্যাপি দিছং। অত্রাপি অজন্তাদেরিত্যস্বর্ততে। তেন অন্তাদিস্থিতাচোখোঃ স্যাদাদৌস্থিতা যে নবদরাতেদির্নস্যারিত্যর্থঃ। অন্যথা ফ্রাল দফ্রৌ দিফ্রাসতি ইত্যাদাবিপ দকারস্য দিছ নিষেধঃ স্যাৎ। উর্গু নাবেতি উর্গু লঞাদীনাং নকার আদৌ দন্তা আসীৎ পশ্চাফ্রেফ্যোগাম্ম্র্রনাঃ। তেন রেক্ষ্ট্রো গুইত্যদ্য দিছে প্র্রেক্রারস্য তথৈবস্থিতিঃ পর্মকারস্যর্জু নিমিস্তাভাবে নৈমিজিক-স্যাপ্যভাব ইতি ন্যায়াৎ প্রদ্বিত্যক্ষিতি।

: २८। **डि मिस्यार्लाः**।

উর্নেঃ পর ইম্ ঙিৎ ক্যাদ্বা। উর্বিতা উর্বিতা। উর্বিতেতি ইমোভিত্তপক্ষে সুধোরিতাব।

# र्युक्त स्ट्राउं,।

১৯৫। পিদ্ধস্তেম্ ক্ৰো যঙ্লু গ্ৰুত্ স্তান্ত বা।

ক্রবঃ পরস্থা পিতো হসে। রস্থা ঈম্ স্থাৎ যঙ্লুগাদেস্ত বা। স্থাতি স্টোতি অভিফৌতি নাফারীৎ নাস্তারীৎ অস্তোফ তুমুব স্থোতা স্থবিতা। টু ক্লুল। ক্ষবিতা। রুল ধ্বনৌ। রৌতি রবীতি রোতা রবিতা। তুল। তৌতি তবীতি তোড়া তবিতা। ক্রঞ্ল উক্তো। ব্রবীতি।

পিচাঁসে হস্চাসে রশ্চেতি পিছ্লা তসা যঙ্ লুক্ যুমাৎ স যঙ্লুক্
যঙ্লুক্চ রশ্চ তুশ্চ স্তশ্চেতি তস্মাৎ। বোভবীতি বোভোতি রবীতি রেতি
তবীতি ভৌতি স্ববীতি স্বৌতি। রুতুস্নাং ছন্সসোবেত্যেকে। অভিফৌতীতি
গীক ইতি বন্ধ। নাফাবীদিত্যাদি সৃস্তগোরিতীমি নিবিপরিস্থলজ্জতি বা
যন্ধ। পেকিং অস্তোই আদৌ গুৰে হুস্ব পর্ন্বাভাবাৎ ন সিলোপঃ। ভুফুবেতি
নেমস্মিতি ন ইম্। স্তোভেত্যাদি বেম্যহেতীশ্বা ক্ষবিতেতি নেমেকাজ্জতাত্র
ক্রম্জনাদিম্। রোভেত্যাদি রুতুসুনোস্ত্রিয়া গ্রহিত বেম্। ভোতেত্যাদি বেম্

১৯৬। পঞ্চিপ্পঞ্চৰকাহ क ।

ক্রবঃ পরেষাং পঞ্চানাং তিবাদীনাং পঞ্চ গ্রাদয়ো বা সুঃ ক্রব শ্চাহঃ স্থাৎ। আহু আহতুঃ আহঃ।

পঞ্চানাং তিপাং সমাহারঃ পঞ্জিপ্ পঞ্চানাং গপাং সমাহারঃ পঞ্গপ্ আহাদেশা গবাদ্যাদেশ পক্ৰব। স্থানিবদাদেশ ইতি ন্যায়াৎ গবাদে ।
দ্বিত্ব প্ৰপশ্চ নেম্নাপ্ততীত কালপ্ৰতীতিঃ। তথাচ প্ৰাহম্ম রামং ভরতোপি
ধর্মামিতি ভট্টিঃ।

**५२१। इस्टिश** 

আহে। হস্ত তঃ স্থাৎ থে। আথ আহথুঃ। পক্ষে সুগমং।

পিদ্ধস্রেস্যেমিতার ক্রবঃ স্বরপগ্রহণাৎ আথ ইতার ন ইম্।

. १ वट इंदर ।

ब्द्रता वहः श्रामत्त । श्राताहर छेवाह छेत्ह ।

আবে ইতি বিষয় সপ্তমী। তেন ট্যাং বচাদেশে সতি বজ্ঞাস্যখোতি
ভথতায়ো ভবিষ্যতীতি সস্তাব্য ভপ্ৰভায় প্ৰাপ্তেঃ পূৰ্ববিষৰ বচাদেশঃ। জন্যত্ৰাপি অৱ প্ৰভাষোৎপঞ্জিং সন্তাব্য বচাদেশঃ। ততঃ সৰ্ব্বত্ৰ ব্ৰক্ষোঞামুৰ্দ্ধত্বাং উভয়পদমিতি। যথা অবোচং অবোচত উবাচ উচে উচ্যাং বক্ষীষ্ট ইভাদি। বিব্ৰতিঃ কটকে কৃতান্ধনৈৱিতিতু অৱবিহিতকাৰ্য্যসানিত্যত্বাং।
ক্ৰিং কৃত্ৰোঃ কভাব ইভানেন কপ্ৰভায়ে ব্ৰাক্ষণং ব্ৰুতে ব্ৰাক্ষণ ক্ৰেনঃ। অভ্ৰৱ )
সমমব্ৰাক্ষণে দানং বিশ্বণং ব্ৰাক্ষণক্ৰবে। অধীতে শতসাহত্ৰ সসংখ্যং বেদপাৱগে ইতি পঠন্তি।

श्वोिषः।

इ नि शिरम।

**३२२। खानी**त्त्रिष्टिः।

স্বাদির্দিঃ খাতে পরে। জুহোতি।

स्वामिश्व । शामि भाष्य भाष्य । स्वृद्धां जे विश्व मृण् दे जात विश्व मात्र विश्व । श्री हिन होता क्षित क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र मार्थ । श्री क्षेत्र क्

২০০। ছ্বোবহচ্যণী।

হোরুকারত বঃ ভাৎ অণাবচি রে। জুহাতি জুত্ধি।

হোরাঃ চৃঃ তস্য। উবোবাধকোহয়ং। জুহুরতি। অনে কিং জুহ্বানি রেকিং জুহুবুঃ। নতু হ্বোবচীতি ক্তেহপি গ্রুণবিদেরিশেষত্বন বলবত্বাৎ জুহ্- वानीजारणे अनेराव थारको अनविजि म्थार्थिति काणीभवेः। वश्वजञ्ज क्षांजू मस्युकावञ्चानिकभाषस्माञ्ज निमिस्कभाष्ट विराग विधिन। व्याविध-जारम हे अञ्चानिकभाषस्माज्ञ निमिस्कभभाष्ट मामानामा गृष् अर्ण्डामा वाधि-भार सूर्वान हेजारणे वकावरेमावाशिक्षविज अनविज्ञास्यः।

২০১। পশাম্বাভী ক্লী ভূ হো ষ্ঠ্যাং।

এভাঃ পশায় স্থাৎ সাং। জুহবামাস জুহাব। ঞি ভীলি ভীত্যাং। বিভেতি। [ দরিদ্রোডিরিত্যাদি ] বিভীতঃ বিভিতঃ বিভাতি বিভয়ামাস বিভায়। ত্রী লি লক্জায়াং। জিরয়ামাস জিরায়া পুলি পুডৌ।

শিত্তাদ্রসংজ্ঞারাং দিছং পিছালগুণঃ। বিভয়ামাস বিভার **জিহুরা**মাস জিহুায় বিভরামাস বভার জুহ্বামাস জুহাব। বিভ্যতীতি অস্তোহদ্দেঃ।

२०२। शृबाम र्डिंश्य छ।

পৃ ঋ ভূ মাঙ্ হাঙাং খেডিঃ ফাচে। পিপর্তি।

- পৃশ্চ ঋশ্চ ভাদিশ্চ তন্ত্ৰস্য। ভ্ৰাদিপ্ত ভূপ্ৰভৃতি আদিগণসমাপ্তিপৰ্য্যস্ত ইত্যত আহ ভূমান্ত্ৰ হাঁগিতি। পিপৰ্ত্তি ইয়ৰ্ত্তি বিভৰ্ত্তি মিমীতে জিহীতে বে কিং পপার ইত্যাদি।

' २००। श्रूर्घाता।

পিপুর্ত্তঃ পিপৃতঃ প্প্রতুঃ পপরতুঃ। [ গুমত্ত্বান্ন এঃ ] ওহা ক লি ত্যাগে। জহাতি জহিতঃ জহীতঃ জহতি।

পুরিতি বঠোকং। ধেরে ইতিচ নাস্বর্ভতেহনিউরাৎ প্লিপালনে ইতি হস্বাস্তন্য দীর্ঘঃ সাদা এবং নর্জন্ত। সনতে ঞিপুলিতু পালনে ইতি দীর্ঘান্তে-ছিতেহপি দীর্ঘবিধানমন্য সর্কান্মত্ত্বাৎ। পিপুর্ভ ইতি দীর্ঘে কৃতে শ্লাদিরণিত্যুরি বাসচ্ ত্বীতি দীর্ঘঃ। হ্রন্থান্তমেব কেচিদ্দীর্ঘান্তং পঠন্তি তেন পৃথক্ষাতুর্নারং। অতএব হ্রন্থান্তএহণে নৈবাস্যগ্রহণাৎ প্রাদেরিতি খেডিঃ। পপরতুরিতি দীর্ঘপক্ষে শ্লতোপুঃ। অহিত ইতি দরিলোভিরিতি জিঃ। অহিতঃ ইতি সাধ্যোরিতি সং। অহতীতি অন্তোহদ্যে।

### २०८। शांकाश्खालाभः थाः।

#### वश् ।

হাকোহ খ্যানিতি কৃতেহপীফসৈদ্ধে অন্তলোপ গোরবং জ্ঞাপয়তি হাৰে।
হসেরে পরে আদে দিছং পশ্চাৎ কার্য্যান্তরনিতি। তেন জ্ঞাদিতাত্র আদে দিছে বাভখথেতি খেরাকারন্য অকারঃ। অন্যথা প্রাগচ্কার্য্যাদচিদিরিতি নিয়মেন পশ্চাৎ দিছে খেরদন্তত্বং ন সম্ভবতীতি। এবং জহিতঃ জহীতঃ ইত্যাদাবিপি আদে দিছে পশ্চাৎ দরিদ্রোভিরিতিভিঃ শাধ্যোক্রিতি ইশ্চ ইতি।

२०६। हो छ। वा।

হাকো ও। স্থাদ্ধ। হৌ। জহাহি জহিহি জহীহি হেরাৎ। ঋলি গতাং। ইয়র্ত্তি। জন। জজ্জিবে জজ্জিখে। নিজিরৌ ঞ্।

खहाही তাদি আদৌ দিঃ পশ্চাৎ ও। ডিঃ ঈশ্চ। ইয়ন্তী তি ঋলিঁগতাং পূজাদেরিতি থেডিঃ খেয়েঁরিতি ইয়্ মূলধাতোর্ঞাঃ। এবং ইয়্ডঃ ইয়ৃতি। দিপি ঐয়ঃ ঐয়ৃতাং ঐয়কঃ। জজিবে ইত্যাদি বৈদিক ছেন ব্যত্যরাদার নে-পদে সধোর স্যেতীম্।

२०७। निकाः थ त पुः।

ि निक्विक्विषाः (थर्नुः छाट्य । ' निटनक्रि निक्रः।

वस्वितः गर्गार्थः गर्गण स्वाद्राख्यभित्रमाभकभर्गास हेजाङ आह निस्विति विस्विति विस्विति विद्याप्ति विस्विति विद्याप्ति विद्यापति विद्

२०१। न षाँ । इहि।

(फक़ एड) शूर्ने छापि दि । तिनिकानि । दि किः। नितिका। धवः विकितो धः विद्योधः अविषयः अविकः। जूपा धः। अवि प्रपाछि । [ अप हेजूरक त्रांताभः। प्रखः। त्विश्वामि (विद्यामि (विदिश्वामि (विद्यामि । अवर यह मुकि लिनिहोछि सम्द्रोडि मन्द्रोडि । উडि किर खिद्द्यापि ज्रवामि शिलवामि यह मुकि त्वस्त्रोडि विद्यासि । किरियमि विद्यासि । किरियमि किरियमि । किरियमि विद्यासि । किरियमि । किरियमि विद्यासि । किरियमि । किरियमि विद्यासि । किरियमि । क

२०७। रहा। नी स्थारमर्ट्य रही।

दिनांदिका दिशादिका एक सम्ह सार हो। दिना

দাধোরিতি তুদাঞ্লি ভুধাঞ্লি ইতি দয়োর্গ্রহণং অনোষাং হৌপরে দিছা সম্ভবার্থ। দেশ্চ ধেশ্চ দেখে ইতি লুগু প্রথমা দিবচনান্তং, ষথা সংখ্যার্থং। দেহি ধেহি।

२०२। ऋ। मार्डिकीय्य न नुः।

স্থাদে ডিঃ ক্যাৎ টীমে তক্ত চুন গুঃ। অদিত অদিবাতাং।

অত্র দা সংক্রৈব। প্রাস্থিত প্রাস্থিয়াতাং অদিত অদিয়াতাং অধিত অধি-যাতাং প্রনিদ্যাতীতি গদনদেতি গড়ং।

২১ । ধোদ ধোহনতলাপে ত থি।

ধাংগো দশু ধং ক্যাৎ ত থয়োঃ পরয়োঃ অন্তলোগে সতি। ধতে ধেহি অধিত। ডু ভূ ঞ্। বিভূতঃ বিভরামাস বভার। মা ঙ্। প্রণিমিমীতে মিমাতে মিমতে। এবং হা ঙ্।

भर्त हेि भाषाविज्ञाकावरनार्भ (थर्ममाधः। अवर धन्नः धयः हेजामि। धर्मम धर्म हेजार्म जू बाजास्त्रमाज्ञामिना ममाधः। (धामधाहर्माजिथि हेिज क्रिक्श के स्वामधाहर्मा जू बाजास्त्रमाज्ञामिना ममाधः। (धामधाहर्माजिथि हेिज क्रिक्श के स्वामधाहर्म क्रिक्श क्रिक्श

# मिवामिः।

#### দিব্য ক্রীড়ায়াং।

२১১। मित सू जूम इस्थ क्यांटम र्यन् स्व नक्षांशीयस्य द्व । এट्या द्य शर्ष यन सू ज्य नग्ना এट्य द्व श्रद्ध क्यांट स्वाट्य ह मिडः। मीवाकि। विद्या कस्व मस्यक्षो। नियोवाकि नारववीद नारमवीद। नृष्ठी य नर्खन।

### 

এভাঃ পরস্থারক্ষ দিবর্জন্ম সন্থা ইম্ কাদা। নর্ত্তি নৎ স্যতি।
সৌতু অনন্ত্তি। ত্রস্থা ভরে। [ক্রমক্রমেতি শুন্বা] ত্রক্তি
ত্রস্তি ত্রাস ত্রেসভুঃ ত্রসভুঃ। জুষ ইরন্ধরায়াং। দীর্ঘাতি অজ
রৎ অজারীৎ জেরভুঃ জ্জরভুঃ ক্রীতা জ্রিতা। শো ম্নিশানে।

नृ९ क्र। नृठा नर्ज्वत्व क्ञीधत्वरक्षे क्ञीभशिक्षि है छि वयः। চৃ९ भहिःरम् श्रास्त्र हृ९ कि ममीशृत्व है छि वयः। ছূত্ৰঞ্জি দেবনে ছূদ্ कि ममीशृत्व है छि वयः। ছূত্ৰঞ্জি দেবনে ছূদ্ कि ममीशृत्व है छि वयः। তৃত্বঞ্জিনি দিবেই। নর্ত্তিবাতি নংসাতি কর্তিবাতি কর্মাতি কর্মাতি কর্মাতি কর্মাতি চর্বেবাতি চর্বেবাতি তর্মাতি ক্রিবাতি ছূদ্বিবাতি ছূর্মাতি ভদিবাতি তর্মাতি ক্রেবাতি ক্লিবাতি হুর্বান্ত্রীতি দীর্ঘণ আমার্বিভাগি শাস্তি দুন্ন

দিভিঙে দৃশ্রোরিভি গুণঃ। পক্ষে সৌপে বৃদ্ধি। অঅরভুরিভ্যাদি শ্রভোণুঃ পক্ষে বিলোপাদি। অরীভেভি বৃভোবেম ইভি দীর্ঘঃ।

२७०। यतना भमानि मितना त्नाश र्घ बूहै।

अकातस्य लाभः भनाष्मिर्या निष्मर्नुः स्थार यनि य। श्राष्ठ अभार अभानीर। এবং ছো य लृत्नो। त्या य नाष्म। श्राम्य नायार नायानीर त्यत्रार। त्या य हमतन। श्राम्य विवाध नायार नायानीर त्यत्रार। त्या य हमतन। श्राम्य विवाध किरा व्याप्तार विवाध किरा व्याप्तार विवाध किरा व्याप्तार विवाध किरा विवाध विवाध विविध करें। श्राम्य विवाध विवाध विविध करें। श्राम्य विवाध विवाध विविध करें। श्राम्य विवाध विवाध विवाध विविध करें। श्राम्य विविध करें। श्राम्य विविध करें। श्राम्य विविध करें। श्राम्य विविध विवाध विविध करें। श्राम्य विविध विवाध विविध करें। श्राम्य विविध विवाध विवाध विविध विविध विविध विवाध विवाध विवाध विवाध विवाध विवाध विविध विवाध वि

अण भगिषिक निष्ठ उद्धमा। लाभक र्यक पूर्कि । इन्छि षाि श्रिक मािक मािक । भय व्यम प्रमुक्ति क्रम उस्वम् क्रम प्रोठि मनोविर्ध- विर्माणिक प्रमािक व्यामािक प्रमािक क्रम प्रािक मनोविर्ध- विर्माणिक प्रमािक व्यामािक प्रमािक क्रम प्रािक व्यामािक प्रमािक क्रम प्रािक व्यामािक प्रमािक व्यामािक प्रमािक व्यामािक प्रमािक व्याप्र ति । विरािक हेि प्रमािक प्रमािक व्याप्र ति । विरािक हेि प्रमािक प्रमािक व्याप्र ति । विरािक विष्ठ । विष्ठ । विष्ठ । विरात्न विष्ठ । विष

২১৪। নুণ্রধো মুচাংনশ সস্জোরভলভোহনঠীমচ্যে কভা রঠাচি।

রধন্তীবর্জেম্বর্জেখ্চি। মুচাদে রত্যে নশমস্কোর্থসে রভলভোর-মীবর্জে ২চি মুণ্ আৎ। জরন্ধৎ রধিতা রদ্ধা। ঠাাস্ত। ররন্ধিব রেশ্ব ররন্ধিম রেধা। তৃপা> প্রীণনে। অতপীৎ অত্তাপনীৎ অতা পর্নীৎ অতৃপৎ। এবং দৃপা ইঞি হর্ষাহক্ষারয়োঃ। মৃহ্যু বৈচিত্তো মোহিছা। [মুহাংঘঙ্ বাভৌ। মোঝা মোঢ়া। নশু যূ নাশে।

नवी अवी अवा हेम् अवीम् नांडि अवीम् यत श्नवीम् अनवीम् ठारती अराष्ट्रि अनकीमम् अनिवास अनकीमिक वन्छ कीन बटकी नवरकी अक्टकी उँदर्श बस् अबका ह তিমানু অনঠীমচীতি রখাতে জীমি সামান্যে অচিচ মুণ্সাদিভার্থঃ। যথা রর-ন্ধিব রবন্ধিম ঠা। অভি রবন্ধ অন্যাচি রন্ধয়তি অবন্ধি রন্ধনং। অঠামিতিত রধাদিত্বাদিমি রধিষাতি রধিতা রধিতবাং। কিঞ্চ ঠীমটি ইত্যুক্তে পীউসিছে काठबारमव श्रीमः थारश्री श्रीरमाञ्चर्गारमव कनिरमा वर्क्सनवर् शीववर खानग्रि রখাতেঃ পুষাদিত্বাৎ ভে সুণিকৃতে হসুঙন,। ইত্যানেন নস্যালোপো নস্যাদিতি। তেন অরম্বদিত্যের নচ মুণ্করণ সামর্থাল্পলোপো নস্যাৎ ইতি বাচ্যং রহ্ম-मञीजारको मुनः मामर्थकदार मुहामिजि वस्वहनः नर्नार्थः। ननम्ह मूक्षि मुन्निः লিম্পীচ বিশিঃ সিঞ্চতি কৃস্ততী। বিন্দতিঃ পুংসতিশৈচৰ মুচাদাৰফীগ্ৰাতৰ ইভি.। মুচাদেরতো ইতি তুদাদিত্ব।জ্জাতে শপ্ প্রতারে পরে ইতার্বঃ তেন মুঞ্জি ইত্যাদি। অন্যত্র ঘঞিমোকঃ। নশমস্জোর্সে নৃংক্তা নংক্ষাতি মঙ্ক্তা মঙ্জুং মঙ্কাতি। রভণভোস্ত রস্তম্ভ আরম্ভি আরস্কালস্করতি অলস্কি আনস্তঃ রঠ্যোরটিভু রভতে রেভে লভতে নেভে। অতাপর্গদিত্যাদি ঞুভুপুর প্রীণনে দি কৃষমুধেতি .সিপকে ঋকারসা বৃদ্ধিঃ। বর্জোহকিদিতি রেফপকে অত্রাপ্দীৎ রধাদিশ্বাৎ ইমগুণপক্ষে অতপীৎ পুষাদিশ্বাৎ ডে অতৃপৎ। মোহি-তেতি রধাদিত্বাদিম্বা। পকে মুহাদিত্বাৎ ঘডি মোগ্ধা ঘডোহপ্রাপ্তি পকে-হস্তরঙ্গদ্ধাৎ পরদ্বাচ্চাদৌগুণে হোঢ়োভাবিতি হস্য ঢে ঢভাক্তথোর্ঘোধ ইতি ভকারস্য থে ফুভিরিভি ধন্য ঢে ঢ্রোট্র ইতি ঢলোপে পূর্ব্ব হ্রস্থালাভান্নণীর্ঘঃ মোঢা।

### ২১৫। নশ্নেশ্বাডে।

প্রাণেশৎ প্রাণশৎ নশিতা প্রনংখা প্রনংশ্রা। [ অশাস্তবার গঃ] শমুভাইর উপশমে। প্রণিশামাতি। ক্রম্যভির্গানো। ক্লামাতি ক্লামতি। অসা। আস্থ। যস্য। যস্তি যসতি সংযক্তি সংয- সভি। অন্তর। প্রয়ন্তভি। লুভ। লোভিভ।। লোকা। ঞিমিদা। মেদাভি। [মিদের্ঃ] স্থ ৪। অসবিষ্ট অসোই। দী ছ।

নশ। নশুনাশে ইত্যস্য নেশ্ স্যাদ্বাঙে। প্রাণেশং ইত্যাদি শাস্তনশেতি । ত্বং। নশিতেতি রধাদিত্বাদিত্বা। পক্ষে নশমস্ক্স ইতি সুণি শছুক্তাত বঙ্ তস্য টত্বে প্রনংফ্রা। পক্ষে সুণি সুহাদিত্বাং যিও চভাদিতি তস্য ধে ঋপ্নাম্যারিতি ঘস্যগে নস্যাসুস্বারে তস্যচ ওকারে প্রনঙ্ক্ষা জ্বশান্তত্বাদ্ধণঃ। প্রণিশাম্যতি ইতি নপ্রহুশমচীতি গৃত্বং শমাদিত্বাং দীর্ঘঃ। ক্লাম্যতীতি ক্রমন্দ্রেতি প্রনিশ্বাদিত্বাং দীর্ঘঃ। আন্তদিতি অস্যু ইরক্ষেপে বক্তাস্যেতি ওে বচ্যসান্থিপতামিতি অন্তঃ। লোক্ষা ইত্যাদি বেমসহেতীত্বা। গেদ্যতি ইতি বন্যোশমাদীতি গুণঃ। অস্বিফেতি বেমুদিতীত্বা।

२:७। मोड छा श्वम्यत्वोडा मंनि जू वा।

मी छ छा १ वन् यिन (नो ठ डा जिन जू वा छो १। अमा छ मिमी देव कनी छ। कात्र द्वा

যপ্চ ণুশ্চ.ববু সুত্রত্বাদেকত্বং তক্মিন্ত। দিদীবে দিদীবাতে। যপি প্রদার
পুরিতি গুণসাধনকোগ্যঃ গী অদাস্ত দাস্যতে দাপরতি দাতা। সনি দিদাবতে
দিদীবতে। জ্ঞায়তে ইতি স্থাদানেতি স্কা।

२১१। জन वधः त्मरमाञ्कमवमात्रसा जिल्ल क्रिनि ज्याश्म-यम्बैविकामञ्जवा।

करना तथः तिराशिषक्षण ह कमतमाहमत्वर्ण यः छा । জিৎ क्रिं हिन ह जम यम तिख्य स्त ता। अक्रिन अक्रिनि कर्छ। मी भी छ। जमीशि जमीशि है। এবং পূরী छ। পদ্যো छ। [ পদন্তনীণ্ছে] ইতি। প্রণাপাদি অপ্রাতাং। বুখ্যোত। অবেধি অবৃদ্ধ। নহৌ ঞ। [ নহোধঙ্ডো ] অনাৎসীৎ অনদ্ধ।

জনশ্চ বধ্চ জনবধ্ তসা কমশ্চ বমশ্চ আচম্চ তে নবিদাস্তে তে বত্ত স তসা। সেম্চাসো অম্ছেতি সেমম্তসা। এচ ণচ এগো ঞাবিতো বসা সঞ্জিৎ ঞ্জিসোসা ক্লেতি ঞিৎ কৃৎ ঞিৎ কৃচ্চ ইণ্চ ঞিৎ কৃদিন্ তিমান্। বধা যাণি सनार वधार प्रशिक्ष सनः वधः शिक सनकः वधकः हैनि सस्नि स्वविधि । तिरमांशमस्त्राञ् । घथार्ग भागः भागः स्वाधि स्वाधि तिर्मा किर गामुकः स्वर्गाम । क्यार्गस्य
कामः वामः आठामः । स्वाधमः किर ठमः विक्रमः । स्वार्गम्य स्वाधः यामः वामः विश्वामः व

ইতি দিবাদিপাদঃ।

### अकिः।

ষু ঞ। সুনোতি অভিষ্ণোতি সুনুতঃ স্বস্বস্থি ব্যধ্বীৎ।
[স্কুস্তধারিতীম্] অসবিফ অসোফ সুষুবিব বিসবিষাতি
বিসোষাতি। [ স্থাস্তবাস্ন ষঃ] ডু মি ঞ।

শভিষ্ণোতি ইতি গীক ইতি যথে সূর্ব ইতি গখং। স্বান্ত শুধোরিতি ব। বাষাবীদিতি সৃশ্বধোরিতীম্ অমাপীতি বখং। অসোই ইত্যাদি বেমুদিতীম্
সৃষ্বিব ইতি ক্রমুনোজ্ব চা। ইতি ইম্ নিষেধাক্রেমস্মিতি নিয়মেন নিত্য
নিম্কিলাদিতি বথে শুধোরিত্যব্।

২১৮। মি ম্যোর্যবৌঙা হধললি লিয়ন্ত বা। অমানীৎ প্রণ্যমীস্ত। চি ঞু।

ভূমিঞ্নকেপে মীঙ্মভু মীঞ্গবধে মী কি গঙ্যাং বিশেষাকভিধানাং।
ক্ষাং ৰপি গুণনাধনবোগ্য প্ৰভাৱেচ ডান্যাং। মভু ধলি জলিচ। লিয়ন্ত ৰপি
গুণনাধনবোগ্যেচ ডান্যাখা। বথা প্ৰমায় মাভা মানং মান্যভি মাপন্নতি।
বললোক মুৰ্মন্নঃ সন্নঃ নিয়ক প্ৰনায় আনীয় লাভা লেভা ইড্যাদি।

২১৯। চেঃ কি ৰ্ক। সন্ঠ্যোঃ।

চিকার চিচার চিকো চিচ্চে। স্কৃঞ্ব।

চেঃ কির্বা স্যাৎ সনিষ্ঠাঞ। চিকার চিচার চিকীবভি চিচীবভি।

২২০। স্থাদ্যদ্ভুরস্কুর্বেম্সনমড়ীসেঃ।

मा जानि र्या म मानिश्मानिश्वाविष्ठि मान्। १ मान्। छ क्षे क् वृष्टि मान्। पृष्ट् छ सार । नासि कृर्य तारक्षः छ सार । गिठ निष्टि छ निश्व स्वीतिश्व मान्। पृष्ट् छ सार । मन् मान्। निष्टि छ मान् मान्। निष्टि छ स्वीति छ दिविष्टि छ मान् से छ छ से छ छ हि कि छ । स्वीति छ दिविष्टि छ विष्टि स्वीति छ स्वीति छ स्वीति छ स्वीति ह स्वाविष्टि छ स्वाविष्टि ह स्वाविष्टि

२२)। एकः थ त्रमिष्ठि चिः।

থেঃ পরস্ত হে র্ঘিঃ স্থানতু অঙি। जिघात्र। কবি।

कियात्र कियोवं ि स्वयीवट्ड । अधिकू अकीश्वर ।

२२२। क्रिवि धिरवाः क्रधी स्त्री।

ক্ণোতি অকুণীৎ অতএবেদিতো মুণ। চকুণ কুণিতা কুণাৎ। দল্প দত্তে। দেভতুঃ দদন্ততুঃ।

কৃবিধিব্যোর্বিভজ্যুৎপজেঃ পূর্বাং ইদসুবন্ধ খানুনিকৃতে ভদ্যাশি খাত্তরম্ব-

ছাৎ শ্লোপরে তৎসহিতয়োরাদেশঃ। কৃণোতি ইতি বু ব ইতি গছং। আকৃবীদিত্যাদো বকারস্য দন্তাছেন ঝসছাভাবাৎ ভিমান্ মোর্ম রিত্যনেনামুম্বারো
ন স্যাৎ বু ব ইতি গছং। দেভতুরিতি স্যাৎ ঠাপিদিভি কিস্ত্রপক্ষেন লোপেদভভাগনাভাৎ থিলোপাদি।

২২৩। প্রস্থান্থ পিনিবি। বিনাতি। অপুঙ। বিভাগাদিতি-বেরান্]। আনশে।

. এভাঃ স্থপ্ কিষে তিক্তেহপীউসিছোপপি ন লোপ ইতি গোরবং কথমিতিচের দভিকনোদে ইতি ইদম্বদ্ধ চুরাদের্ত্তেরনিতাপক্ষে দেভিগ ইতাত্র
থপঃ কিষেতিপক্ষে ইদিদ্ধাতোর্ন লোপ নিষেধাৎ হস্তু ইতাসাাপ্রাপ্তা চুরাদের্ত্তেরনিতাত্ব বীক্ষং চুর্ভ্যোঞিরিতাত্র দৃশুং। স্পত্তার্থং। শ্রেপিথ শশ্রস্থি থেপিথ ক্ষয়ন্থি দেভিথ দদন্তিপ।

ইতি স্বাদিপাদঃ।

# তুদ'দিঃ।

जूरि । जूपि जूपि जूपि । अम्को था । ज्या कि जा कि । जूपि । जूपि जा कि । जूपि ।

विष्क विषक विषक विषक । मुक्ति था। [ स्वत्र विष्व मृत्]
मूक्षि अमूहर अमूक । निर्देश था। अनित्र अनित्र अनित्र अनित्र ।
विर्देश था। निर्देश अम्मित्र माविक निर्दिश । कृषी। [ नृरकृषि श्री । किर्तिश कर्या । यूग क्रित्र । विष्व विषय वाषावी ।
विष्कृण (क्रित्र । द्रम्ह जिल्लो अवाकी र अवाकी र विष्व क्रित्र । अक्र ।

ত্রস্জোভর্জ বা সাাৎ অরে প্রসাধনবোগ্যে। ত্রস্জধাতোঃ পরে হপ্রতায়ে আতেগুণিনোরসাসন্তবাৎ এবণে ইত্যুক্তহণি অরপ্রাথ্যে অরে ইত্যুক্তহ্ জ্ঞাপরতি ক্রিদরে গুণিনাশি ভর্জাদেশো নস্যাদিতি তেন ট্যাং অত্রাক্ষীৎ ইত্যাদিকসেব। বন্তজে ইতি ঠা একারস্য সাৎ ঠাপিৎ কিবেতি কিব্তাভাবপক্ষে গুণনাধনযোগ্যন্থে সভি জর্জাদেশঃ পক্ষে বন্তজ্ঞে কিব্তেহপি ঠাাং নবে
প্রক্রামিতি জেনিবেধঃ। মুঞ্জীতি মুচাদিবার্ন্ণ। অমুচদিতি ৯দিবাংগুঃ।
জমুক্ষেতি আন্ধনেপদে ওদ্যাপ্রাপ্তে সিঃ। উদিবাদিনোহভাবে ইঙ্গুরিতি
সেঃ কিব্রার্গুণঃ ভতঃ সেলোপঃ। অলিপদিতি বক্তাস্যেতি ওঃ। জালপত
অনিপ্তেতি লিব্রান্তমে ইতিবা ওঃ। নির্মিণ্ড ইতি মুচাদিবার্ন্ণ গীক ইতি
বন্ধং। ন্যবিচতেতি লিব্রান্তমে ইতি ঙোবা নিবিষেচ দশস্থাদেরিতি বন্ধং।
বিষুবতি ইতি গীক ইতি বন্ধং মুধোরিভাব্ । ব্যবাবীদিতি বেমুদিতাত্র স্থতি
স্থান্তহাবি ক্রান্তমিন্। বৃশ্ভীতি গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জিঃ। অব্রাক্ষীদিতি
ইমোহভাবপক্ষে শছাজেতিষিঙি নিমিন্তাপায়ে নৈমিন্ত্রন্যাপ্যপার ইতি
ন্যান্থাৎ চকারনিমিন্তক্যা শ্যা পুনর্দন্তাবেস্যাদেঃ সোলোপঃ ষড়োঃ কঃ সে
ইতি কে কিনাদিতি যথে অনিমন্ত্রাভূজিঃ। ব্রশ্ভুরিতি ঠ্যাং নবেপ্রস্থাং
ইতিকৈনিষেধঃ।

२२०। अष्टा नूर्छा ।

আনচ্ছ। কুশ বিক্ষেপে। [ ৠদিরণাবিতি ] কিরতি চকরতুঃ করীতা করিতান

श्राष्ट्र। भूः मार गार। मर्वत ग्लार्मावनव वामारमे रहार है जि बिर्जाद नम्रहार कावार अनुमारमण किवामध्यारको निमाति विद्यार। मह ध्वकृत्छः भूक् श्रृंकर मामछ द्रृह्ण उदर उथा है जि नाम्रार छगरेगांव दनव विकास वि

२२७। প্রত্যুপোপাৎকঃ নুম্ হিংদা ছেদে।

প্রভাগাদ্ধিংসায়াং উপাচচ্চদে কিরতে: সুম্স্তাৎ। প্রতিক্রিরতি উপক্রিত। তৃন্প শ।

প্রতিক্ট উপক্ট প্রত্যুপং প্রত্যুপঞ্চ উপক্ষ প্রত্যুপোপং তক্ষাৎ। হিংসাচ ছেদক্ট হিংসাচ্ছেদং তক্ষিম্ প্রতিক্তিরতিহিনতীতার্থঃ। পরি নি বি সেবসুনেড়ি উক্তে নি যা উপক্ষিরতি হিনতি ছিনভি বেতার্থঃ।

#### २२१। ज्न्भारनलूगा भारती।

তৃন্প তুন্প তৃন্ক তুন্ক রিন্ক গুন্ক দুন্ক উন্ভ শুন্ভাংনকারশ্ব লুগা আৎ শেণো চ। তৃপতি তৃম্পতি। চ্তী। চর্তিষাতি, চৎসাতি প্রচ্ছো। পৃচ্ছতি অপ্রাক্ষীৎ পপ্রচ্ছ। স্জো। অপ্রাক্ষীৎ সস-র্জিথ সম্রত। টু মস্জো। মজ্জতি অমাজকীৎ। ম্প্ণৌশ স্পৃশি। অস্থাক্ষীৎ অম্পাক্ষীৎ অম্পৃক্ষৎ। বিচ্ছু শ গতৌ। বিচ্ছায়তি বিচ্ছতি অবিচ্ছায়ীৎ অবিচ্ছীৎ। মৃশৌ শ।অম্রাক্ষীৎ অমাক্ষীৎ অমৃক্ষৎ। ইযু । ইচ্ছতি। [বেম্সহে তীয়া] এবিতা এইটা। কুট।

বহুবচনং গণার্বং গণত । তৃমুপতি অনুষ্তিশৈচন তুমুক্তিস্তপা। গুফাতিদূ ন্ফতিশৈচৰ বিন্কতিঃ ভন্ভতিস্তপা। উনুভতিশৈচৰ বিজ্ঞেয় স্তৃন্পা-দিনবভিৰ্ণনঃ। এবাং নদ্য লুক্ দ্যাদা শপ্ৰত্যন্তে পরে গুণদাধনযোগ্য প্ৰত্যন্তে পরেচ ইত্যর্বঃ। শে ৰধা ভূপতি ভূম্পতি ভূমতি ভূমতি ভূমতি ভূম্পতি ভুষতি ভুক্ষতি প্রফতি শ্বৃক্ষতি দৃক্ষতি রিফতি রিক্ষতি গুভতি শুস্কতি উভতি উন্ততি। গৌষধা তপ্রতি ভূম্পরতি তর্ফাতি ভূক্ষরতি ভোপরতি ভুম্পয়তি গোকয়তি গুক্ষরতি দর্কয়তি দৃক্ষয়তি রেকয়তি রিক্ষয়তি শোভয়তি শুস্তমতি ওচমতি উল্লয়তি। গবি কর্ত্তরিপ্রান্ত্রপুণতেঃ সুম্বক্তব্যঃ। প্রস্তম্পতি গৌঃ। অন্যত্র প্রভুম্পতি অমঃ। পৃচ্ছতীতি গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জিঃ। অপ্রা-ক্ষীদিতি শছাজেতিবভি বঢ়োঃ কঃ সে কে অনিমত্বার্ণীদ্ধিঃ। পপ্রছতুরিতি ঠ্যাং নবেপ্ৰচ্ছাং ইতি জে নিষেধঃ। স্বুদ্রাক্ষীদিতি স্কাদৃশোস্ত নিতামিতি ক্ষান্তঃ। ততো বৃদ্ধিঃ। সদর্জিথ ইত্যাদি স্থজদৃশেতি বেম্। অসোঙ্কীদিতি সুণ্রধ ইতি সুণ্ স্যাদেঃ সোলোপঃ চুজ্ঞিতিকুঙি নস্যাস্থারে ঞপেঞ্যোঃ। ष्ठणाकीमिजामि क्षेत्रम्यण्णाणि मिर्तावरक्षीश्विमिज अस्तावा महत्रथारश्ची সক্। বিছারতীত্যাদি বিছাস্ততিপণ ইতি বায়ঃ। আয়ান্তত্বাৎ সৰঞাদিধুঃ भूनर्थाजूमः कामाः जिल् भारणी आवमा। शासिलाक भावतः । एउन विकासकी কুলেক্তীবা ইতাত্ৰ অপ যন ইভি সুণ্। বিচ্ছতী বিচ্ছত্তী কুলে জীবেতাত্ৰ আদী পোরিতি সুণ্বা। अमाकीमिडामि পুর্ববিৎ ইচ্ছতীতি স্থাদানেতি ইচ্ছাদেশঃ।

२२४। , कूषेश्नुबौ किकि।

কুটাদে পুর্ত্তিশ্চ স্থাৎ ঞিতি ণিতিচ নান্যত্ত্ব। অকুটীৎ চুকোট। বাচ। বিচতি বিবাচ বিবিচতঃ।

कार नरद्यों का विष्ठी यता म जिल् जिला । किर निर्छाः भवरताः अन-व्रकााः निष्की श्रेनविधानः नित्रमार्थः। उन कूषेामीनाः किर निष्ठाः অনাত্র গুণবৃদ্ধীন তঃ ইতি নিয়মঃ। তিং ণিতোস্ত গুণসামগ্রাং গুণঃ বৃদ্ধি সামগ্রাং বৃদ্ধি স্যাদিত্যর্থঃ। যথা কুট শিকেটিলো ইত্যাদীনাং অকুটীৎ কুটিয়তি কুটনমিত্যাদৌ ন গুণঃ। সুশিস্তবনে ইত্যাদীনাং অনুবীদিত্যাদৌ न वृक्ति. नं छ थाः। अश्वाक्ष्रव्छ। अवर सूरिवाङ्गि सूर्वमिक्तारमो ह त्वाधार । ঞিংণিতোম্ভ কোটয়ভি কুকোট ইত্যাদৌ গুণ এব। নাবয়ভি সুনাব ইত্যাদৌ বৃদ্ধিরেব। কুটা দিশ্চ কৃটি ঘুটি চুটি ভুটি পুটভি চ্ছুটয়স্তুটি মুটি লুঠি কুড়ভিগুড়য়ঃ বাচশিব্যাক্ষে কুচি গুলি হুড়য়ঃ চুলি গুরতি চ্ছুরতি পুড়ি ক্রড়য়ঃ। স্ফুরতি স্কুনতী কৃতৃ কৃতি রফয়ঃ। কৃগৃত্দীর্ঘাঃ সকলাঃ কুবতি গুবতি প্রবিত পেবতি হ্রস্বাস্তা ইতি থীরোক্রতে। দাচত্বারিংশৎ সংখ্যাতা থাতবঞ্জব কুটাদাবুদিতাঃ। নিখতি মিণতি ধাবিহকশ্চিৎ বাস্যাতাৰিতি বদতি বিপশ্চিৎ। তেন লিখিত্তং বিশ্বস্জোহপি শীজিহানিরিত্যাদি এবং লিখনং লেখনং লিখিতবাং লেখি-তবাং ইত্যাদয়ঃ প্রয়োগাঃ। এবং মিলিয়াতি। মহাপাতকিনঃ পঞ্চ মিলিতবাং नरेंछः मह देखानि। अवधः वानि निमय मिनएन गवनिय कनवि मनव সমীর ইতি জয়দেবঃ। বিচতীতি গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জিঃ। বিবিচতুরিতি বাপ-आरहिक (थक्षिः अहमश्राप्तातिक मूनमा **वि**हा

২২৯। ব্যচে। জি রঞ্জিদিন।

্বিচিতা। জ্ট। জ্টাতি জ্টতি। ক্ষুর। নিক্ষুরতি নিক্ষুরতি এবং ক্ষুল। মূ। অমুধীৎ মুনাব ীমৃ ও।

ঞ্চ গচ ঞ্রে ঞাবিতে যদা দ ঞ্জিং। ঞ্চিচ অস্চ ঞ্চিদস্ত স্থিন। বাচোজিঃ দাং দতু থিতি গিতি অসিচ। বিচিতা বিচিয়তি বিচাতে বিবাচ বিবিচতুঃ। ঞ্রিদসিতু বাচয়তি বাচকঃ উক্তব্যচাঃ ক্রেটাতীতি ক্রমক্রমেডিশুন্ বা।
নিক্ষুরতি বিক্ষাভূতি বসং বা।. অসুবীদিতি কুটাদিবাং গুণবৃদ্ধোনিবেধে
শুংধারিত্যব্।

. २७०। मुष्ड कीटण मः।

ট্যাং ঢ্যা মত্যে চ মৃঙো क्रिकार। [अफिः শ यक्টীপে ] বিষয়তে অমৃত মৃধীষ্ট। এবু কিং। মমার মরিষ্যতি। ও বিজী ও।

চীচ চীচ আশ্চ চীতাং তিমিষ্ বিষয় সপ্তমীয়ং। মৃডোঙিত্ত্বপি চীাংচাাং আতাচ বিবরে মং সাদিতি নিয়মঃ। মৃিয়তে মৃিয়েত অধৃত মুধীই অন্যত্ত্র মমার মর্জা মরিষাতি অমরিষাং কেচিজু মৃডোঙা মুবন্ধাভাবেহপি চীটো মবিধানান্ত্র পরবৈশপদে নিদ্ধে ডিংকরণাদান্ত্রনেপদস্য প্রাথৈ পরবৈশপদং কুত্রচিদ্ধবতি। আল্পনেপদমিক্তি পরবৈশপদিনাং কচিদিতি নাল্মোরভাতে তেন স্প্রায়ং নাগঃ সহতি কলভেভাঃ পরিভব্দিতি। বিদ্যাধনং মুর্যাণাং মৃতপাসুগক্তে ইত্যাদি নিক্ষ্মিতাভিঃ।

२७३। विष्क न् त्र्विम।

विटक र्न् चार हिम। व्यविक्षि

বিজেঃ কিদিমিতানেনৈবেই। সিন্ধো গুনেমীতি গৌরবং স্পাইটার্বং। স্পবি-জিষ্ট বিজিষাতে বিজিতা।

ইতি ভুদাদিপাদঃ।

## क्रथािकः।

#### क्रिं पिरतो व्या क्रिंगि

রুণদ্ধীতি রুধ তিপ্নণ্ চভাক্তপোরিতি তস্ধে ঝপ্রসোরিতি ধস্দঃ যুর্ব ইতি গবং।

२७२। नत्ना (नु ३८नी।

নণো নকারঃ স্থাদণো রে। রুদ্ধঃ রুদ্ধন্তি অরুণৎ অরুণঃ অরু-ধৎ অরৌৎসীৎ। ছৃদিরোঁ ঞ। ছিদিয়তি ছৎস্যতি। এবং তুদিরো। তৃহু। আরে নণোগ্সন্তবাৎ রেইতি প্রার্থিং। রন্ধ ইত্যাদে দকারস্য বা লোপঃ। ইতি পূর্ব্যমুক্তং ত্রন্নাণানেকবর্গ্যাণাং মধ্যমন্তত্র লোপ্যতে ইতি প্রমাণাৎ। গল্পা-ভাব বীক্ষন্ত বুর্ণ ইত্যত্র লিখিতং। অরুণদিত্যাদি হসান্ত্যামিতি সের্লোপে ঝপ্রসোরিতি ধস্য তো দোবা। পক্ষে ঘ্যাং সৌরবাদধোরিতি ধস্যরেকে রেক্স্য বিসর্গঃ। উভয়ত্র বুর্ণ ইতি গল্পং। অরুধদিত্যাদি ইরিল্বাৎ ভোবা। পক্ষে ট্যাং সৌউদিল্বানেম্ অনিমন্বাদ্দিঃ। ছার্দ্বিয়তীতি নৃংক্দিতীয়া।

২৩৩। ভৃছ্ইণ্পিদ্ধার্ট

ভূহো নণ ইণ স্থাৎ পিতি হসে রে। ভূণেঢ়ি ভূণঃ ভূংহস্তি অতহুৎি অভূক্ষৎ। হিসিধ কি হিংসে।

২৩৪। নণোন লোপ্যঃ।

হিনন্তি। অন্জু। অনক্তি।

. নণোনঃ পরোনকারোলোপ্যঃ স্যাৎ। হিসিধকি হিংসে হিনন্তি এবং ভম্জধৌ ভনক্তি উন্দধী উনক্তি অনুজ্ধঞি অনক্তি।

२०६। अक्षः त्म द्विष्णे।

चाछो । जानक। जिस्हेको छ। हेकांकरक।

উদিস্বাবেদবেনিত্যার্থং বিধানং আঞ্জীৎ সেরনাত্র অঞ্চিয়তি অঙ্কাতি অঞ্জাতি আঞ্জা আনপ্রেতি স্যান্তাদাদীতি খেরামা। ইদ্ধীঞিধঙ ইদ্ধে ইদ্ধা-গুক্তে ইতি বিশাদীত্যাশ্।

ইভি রুধাদিপাদঃ।

# তনাদিঃ।

তমু এঃ। তনোতি ভুত্তঃ তম্বঃ তমুঃ তমুঃ তমুঃ।
তনোতি ইতি তম্ভঃ গুলেষে ইতি গুণ্ তম্ব ইত্যাদে। মুণোহস্যস্যেতি
উকারলোপোবা।

२०७। तम् क् छथातमा छस्छा ६ क्की।

ক্ররজান্তনাদেঃ দেলুক্ স্থাদা তথাদোঃ পরয়োঃ। অতত অত-নিষ্ঠ অতথাঃ অতনিষ্ঠাঃ। বহু ঞঃ। সন্দেতি অসাত অসনিষ্ঠ অসাথাঃ অসনিষ্ঠাঃ সায়াৎ সন্যাৎ। কণু ঞঃ। অকণীৎ। কিণুঞ

ভশ্চ থাস্চ তথাসোঁ তরোঃ। থাস্সাহচর্যান্তকার আত্মনেপদসৈর গ্রাঞ্ঃ। জনাথা তকারমাত্র প্রাপ্তের পরকৈপদসাতাং তং ত এরু জতানিফাং জভানিফাং জভানিফাং জভানিফাং জভানিফাং জভানিফাং জভানিফাং জভানিফাং জভারিকার এলপিপ্রসক্তেঃ। কিঞ্চ তথোরিভ্যুক্তাবিপি থকারসাহচর্যাৎ আত্মনেপদীয় তকারসৈরপ্রাপ্তের থাস্গ্রহণং স্পন্তার্থং। জভত ইত্যাদি সেলুকি বন তলাগানিমাং গুন্লোপঃ। লুকুরণাৎ তালোপেতালক্ষণমিতি লায়াৎ গুনিসৌপরে বিহিত্সা কার্যাস্য নিষেধেইগুনিনো তথাসোঃ পরয়োঃ গুন্লোপঃ। জকুঃ কিং। জকুত জকুথাঃ উভয়ত্র ইণ্ডভুর্মটীসেঃ কিত্বাংগুণাজ্ঞাবে বাসস্থাদিতি সেলোপঃ। অসাতেত্যাদি সেলুকি খনসনজনামিতি গু। পক্ষে সিরিয্। অকণীদিতি হসাদেঃ সেম ইত্যত্র ক্ষণবর্জনান্তিঃ।

২৩৭। নোপ্যঙো গুৰ্কাছ্তঃ।

ক্ষিণোতি। ঝণু এ । ঝণোতি অর্ণোতি। ডু রু এ । করোতি। উপিপরে উডোণুর্ন স্যাৎ উড ক্ষরস্যতু বা। বখা ক্ষিণছুঞ্বধে ক্ষিণোতি ক্ষত্ত ক্ষণছুঞ্জ গতৌ অংণাতি অর্ণোতি হুণছুঞ্জ দীপ্তে হুণোতি হুণোতি তৃণ-তুঞ্জকে তৃণোতি তর্ণোতি। উঙঃ কিং করোতি।

२%। क्क्रद्वाटशा एगा। कूर्वः कूर्यः कूर्या ।

মচ বচ ৰচ ৰাং তিমানু। কৃঞঃ পরস্য উপোলোপঃ স্যাৎ মেবেইয়চ। কুর্বইত্যাদি বদবেষু উপোলোপঃ। র্যানচ্তন্ত্রীক ইত্যত্র কুর্বর্জনাৎ নদীর্ঘঃ। করো মীত্যত্র বরাদেশস্য বদবত্বাৎ গুণ এব। চকুবেতি নেমসুনিতি নিষেধান্ত্রে। ২৩৯। সংপরেঃ সুমুপাতু ভূষা সংঘ প্রতিষত্ন বিক্তাধ্যাহারে।
ভাভাগ ক্রঞঃ সুমু স্থাৎ উপাত্ত ভূষাদাবর্থে। সংক্রোতি সমস্ক্ষাতাং সঞ্জ্বরিথ সঞ্জ্বরিব সংক্রিয়াৎ সংক্রীফ পরিষ্করোতি
পর্যান্ধার্যীৎ পর্যান্ধার্যীৎ উপক্রোতি।

२८०। इटल शार्था প্রাধাং জীবিকো পনিষদো বাজ कृथि न् खिरता नर्था श्राप निवहत मनश्चा तथा श्री शास्त्र नाकाना-एस वा।

হস্তেকরোতি তিরক্ষরোতি করোতিতিরঃ।.

প্রমাপ্রকারিকারকারহারহাসংখ্যানমস্ভাবিস্পাছস্বহিস্ইভাফীদখ। खाशी वरण विकल्लांन विक्राम ध्वेलाजन कर्ष देखां भीनामिल वा गमान মিচ্ছ জি জৌমরাঃ। বশেকৃত্য দশগ্রীবং মোদস্ব বরসন্দিরে ইতি ভট্টিঃ।

ইভি ভনাদিপাদঃ ৷

## ক্রাদিঃ।

ভু ক্রী ঞ । ক্রীণাতি। [ শ্লাছ্যোরিতি ] ক্রীণস্তি। স্কুঞ । ২৪১। কুকন্ভুকুন্ভু স্তন্ভু স্তন্ভুভাঃ শ্লা রে ঘে।

এভা যে হর্থে শ্ব भ। চ স্থাৎ রে পরে। কুনোতি কুনাতি বিষ ভোতি বিষ্ণভাতি [ বিক্ষভেতি ধঃ ] এবং বিক্ষুভাতি বিক্ষুভোতি বিষ্টভাতি বিষ্টভোতি বাষ্টভং বাষ্ট্ৰীৎ বিতষ্ট্ৰ স্তভোতি স্তভ্রাতি। মী ঞা। [ মিম্যোরিতি ঙা ] অমাসীৎ অমাস্ত।় পুঞা।

কু গ্রপুদ্ধতৌ স্তন্তু কন্তু কুন্তু গ্রেগধনে ইতি চন্ধারঃ সৌত্রাঃ। ষঃ পূর্ব ধাতুপাঠে ন দৃশুতে স্বত্তে দৃশুতে স সৌত্তঃ। বিশ্বভুগিতাদি বিশ্বভুগিনিবেতি স্থাত্তে স্বাপ্রভাগন্য গ্রহণাৎ বিস্কৃত্ত্বেশ্চীতাত্ত্র ন বন্ধং। বিষ্টভ্রাতীত্যাদি উভয়ত্ত্র গীক ইতি ষত্বং। বাষ্টভদিত্যাদি। শাসনিন্দুদিতি ভোষা উভয়ত্রামাপীতি ষত্বং। বিভক্তভেতি দশস্থাদেরিতি বিব্যবধানে বত্তং। প্রদীণাতীতি ণাদিহ্ন্দী-নেতি গছং।

প্ৰাদেঃ স্বোনে ব্যাদেম্ভ বা।

প্ৰাদীনাং স্বঃ স্থাৎ নাড়ো পরে ত্রাদেক্ত বা। পুন।তি। কু এ व्यक्तीक व्यक्तिक प्राक्रीक कतियों की वीक । यू था। व्यवाद्वी ८ परिशेषीय। अह आ। गृङ्गि ।

দে শাপ্রতারে পরে ইন্তর্বঃ। প্রাদিন্ত পুঞ্জিশোধে লুঞ্গিছেদে কুঞ্জি হিংসে স্তুঞাছাদে পুঞরি কল্পে বুরিঞ বরণে শুরি স্থানি ব্যতি হননে। মুরিতু थाजूः कथिए । रखाः भूतिज् तरक भूतनक्छाः। तृति बीतिज् विमिर्छ। वृक्षाः पूर्गिविमारत मूर्गिकू नौकाः क्षिकूछ ९८र्म स्वृत्काच भूगिकू भरम का सीर्वाद ২৪০। হসালান হৌ।

हमाद भरता ना जानः स्थाद हो भरत । गृहान अग्रहीद क्याह कृत्रजुः क्याहिय ।

না আন ইতি চোভয়ং লুপ্ন প্রথমেকং স্কেরাৎ নিলুক্। গৃহাণেতি গ্রহ-স্থপাদ্যোরিতি জিঃ। আনেক্তে অকারাদ্বের্লোপঃ। এবং পুষাণ মুষাণ ইত্যাদি ১ হৃষ্ণৎ কিং আনীহি। অগ্রীদিতি হান্তবান্ধবিঃ। অগ্রতুরিতি গ্রহস্থপাদ্যোরিতি জিঃ।

২৪৪। এহে রিমো ঘোঁ ২ঠাাং।

গ্রহেং পরস্ত ইমোর্ঘ: স্থানতু ঠাং। গ্রহীতা। শুঞ্জির হিংসে। গ্রহীতা গ্রহীতুং। টুয়াল্ড জগ্রহিথ জগ্রহিব।

२८६। भू भू जांश स्त्रा वा किए ग्रार।

আবাং সং ক্যাৎ কিতি ঠ্যাং বা। শশ্রত্যু শশরতুঃ। এবং পু দু।
জ্যী।জিনাতি জিজ্যো। ত্রী। ত্রিণাতি ক্রীণাতি। জ্ঞা। জানাতি।
শ্রন্থ। শ্রণাতি শ্রেথতুঃ শশ্রন্থতুঃ শ্রেথিথ শশ্রন্থি। এবং গ্রন্থ।
কুষ। [বৈমুদিতীয়া] নিরকোষীৎ নিরকুক্ষৎ। অশ। স্থাতা
ভাষা। রঙ। স্বার্থি অব্রিষ্ঠ অব্রিষ্ঠ ব্রুষে ব্রিষীষ্ট র্বীষ্ট।

শুলি হিংসলে ঞিপুণি পালনে দুষণি বিদারে এবাং বং ম্যাদা কিভিচ্যাং।

ইতি ক্যাদিপাদঃ।

চুরাদি:।

ুচুর কি ভেয়ে।

28%। कूटबी कि की।

চুরাদে ঞিঃ স্থাদ্ধা স্বার্থে। চোরয়তি চোরয়তে অচুচুরৎ চোর-রামান চোর্যাৎ। পকে চোরতি ইত্যাদি। কৃত ক সংশব্দে।

वाभक्ता वावक्राविहिष्ठ ह्रामिट्डा विकित्र क्रुवामार्छ्य नाम्युक्कार मिर्कित्र नामिक्छ विश्व विक्र ह्रामिट्डा विकित्र क्रिक्त हिम्सिक्ड विक्र ह्रामिट्डा विक्र क्रिक्त का क्रिमिक्ड विक्र ह्रामिक्ड विक्र हिम्सिक्ड हिम्सिक्ट हिम्सिक्ड हिम्सिक्ड हिम्सिक्ट हिम्सिक्ट

डिउण्ड्र्वारमवाश्वरंत्रश्रेषः थिउण्ड्र्वारमक्रम्भः उच्च छित्र ह्वारमः श्वरंत्रश्रमिति । अवस्य धांच्यमीश्रामग्रः । यञ्च छात्रग्रिक छात्रग्रिक छात्रग्रिक ।
श्रमाण्ड्रां एक चित्र प्राच्या । यञ्च छात्रग्रिक छात्रां एक स्मान्त्र ।
श्रमाण्ड्रां प्राच्या । यो प्राच्या ।
श्रमार्थं विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां । विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां । विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां । विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रां विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रं विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रं विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व विश्व ।
श्रमाण्ड्रं विश्व विश्

২৪৭। কীর্ত্তঃ।

कृष्डः कीर्जः छा ८ (व्यो। कीर्जं मृष्टि। शन ८ क मश्थारिन।

কুত क সংশব্দে ইতি ধাতুঃ কীৰ্ত্তঃ স্যাথ সৰ্ব্বত্ৰ। কীৰ্ত্তাদেশস্য সাৰ্ব্বত্ৰিকছে কীৰ্ত্ত্যাতু পাঠে নৈবেক্টসিছো ক্তথাতুং পঠিছা কীৰ্ত্তাদেশবিধানং জ্ঞাপয়তি কচিৎ কীৰ্ত্তাদেশোন স্যাৎ ইতি। তেন অচীক্তদিতি। ক্ৰমদী,শ্বরোহপোবং।

२६ मा হৃদ্যালোপোহণিতা য়োঃ।

হ্সাৎ প্রয়োরকার যকারয়োলোপঃ ভাদশিতি। গণয়তি।

खर्म यह खरामी उरमा । खरमाति कि निनिक्त थ्रमामना है। खनाना है महिएकन कर्मा नवर्नमाव थ्रेश क्षार मामाजी ज्ञामाव निव्या निव

असर्यविकालि न इवक्मश्रहार्यो श्वित्श्वांत्रखन्त्रकी कूनश्रकि शनग्रकी তাদি যত্ত্ৰতে ৰ বিদ্যেতে অগ্নোপিত্ স্থানিবত্যোঃ প্ৰয়োজনং ৰ সম্ভৱ-ভীতি তত্ৰ ধাতে তৰ্বাৎ ক্ষণন্তত্ত্ব শীকারববাৎ ক্ষল্লোপবিৰূপনং জকারস্য দ্বিপক্ষে দীৰ্ঘণ্ট পুক্চ আদস্তবাৎ পণ্চস্যাদভোহকাপরতীতি সিজ্মিতি কেচিং। স্বদত্তে আনোপিছ স্থানিব্দারাঃ কার্যাং বেযু ন স্যাৎ তে ধাতবো হুসন্তাএৰ মন্তব্যাঃ। তেৰ অভ্যাপয়তীতি প্ৰয়োগঃ স্বমত্বিক্লছ ইতি বোধাং। नह चमजविक्रकानाः कामस्यत्नो खेलनार्गार्शले विक्रक हेकि वीहार। अछीनार মতান্যালোক্য কর্দ্ধব্যে পরমতোপন্যাদেছপি দোবাভাবাং। জন্যথা কৈন্তি-মমন্যমানস্য কৃঞ্ কৃতাবিতি ভৌবাদিকস্যাপি পাঠে। বিক্লন্তঃ স্পাৎ। কৈঞ্ বদি उम्मेरिकरांकाण क्रियर उमा अरक्षांश विकरण्यां श्रेष्ठामीर्घम मनीर्यामियां र সাধ্যঃ। যথা অৰু ঞিঃ অকারলোপে অকি টীবিভক্তের্দি অঙ্ নকারজাবমু-चात्र शक्षामो वानिधाषुम् ইতি एमा नथाकृष्ठिकरत् मार्गा नवस हे छि एकातः হিছা কি ইতাস্য ৰিছে ক্সা চুছেনিমিক্কাভাবে বৈমিক্কিন্সাপাভাব ইতি গুস্য নত্বে নদ্যানুষারত্বে তদাচ ঞ্ছে আঞ্চিক্লিতি অত্র হ্রদন্মস্তাব্যারসন্তবাৎ नाद्भालिषः **७**०वृष्कातमस्रवाश्चानिवस्त्रिष्ठि। क्रिकु चित्रप्राकात्रेतनालेमा श्रानिवखः मद्यानाः क देखामा विषय आक्षालियासमञ्जूषार्यामिकि का ध्वकिन-ত্মদাহরন্তি। অন্যেতু ওপ্রকৃতিং মন্তানাঃ কি ইত্যদা বিদ্বে ক্সালোপে আঙি-क्षमिकान्छः। यकाद्रत्नारभा यथा भाभका वावमामि यहरस्रकाः भःसाम हेि अधे छारम आएमी स्माह्मां हे छा कांत्र नारं प्रतिव व कांत्र नारं भ পাপচা বাবদা ইত্যাদি।

२८२। (विष् १११ कथः (४ वर्शिष्ठ)

গণকথয়োঃ খেরীঙ্ স্থান্ধা এগেঙি। অজীগণৎ অজগণৎ [ অগ্নো-পিত্বান্ন ই: ] কথৎ ক বাক্যপ্রবন্ধে। অচীকথৎ অচকথৎ।

গণকথলোঃ বিঃ গণকথবিঃ তন্য ঈঙ্দ্যাৰাত্তঞ পরে হডি ভিজাদন্তাদ্য-

ইতি চুরাদিপাদঃ।

### ঞান্তঃ।

२००। जिः त्यत्रान।

(४। बिर्धः खाँ । व्यवस्ति १ र्थ । कूर्सस्यः (क्षेत्रम्नि कांत्रमृति कांत्रमि

প্রেরণং ছয়ৈতৎ ক্রিয়তামিতি ক্রিয়াসুনিযোজনং। যথা ওরুমন্ত্র ভোজ য়তি ভৃতাং গ্রামং গময়তি শিশুং শার্য়তি। অচেতদে ভূপচারঃ। বধা ভোজনাভাবো বায়ুং বৰ্দ্ধয়তীজাদি। ধোরিতি বাাখানং সর্বধাতু প্রাপ্তার্থং। তেন ভবস্তং প্রেরমতি ভাবমতি কাময়মানং প্রেরমতি কাময়তি চিকিৎসমীতি চোরয়তি চিকীর্যমতীভাদি। প্রেরণ ঞেঃ পর্যোহপি ঞিঃ। বর্ণা পিতা পুত্রেণ শিবা<del>ং যে</del>দং পাঠরতি অত্ত পুজঃ পাঠরতেরেঁব কর্ত্তা নতু পটতেঃ তেন পুল্রস্য কৰ্মত্বং ন স্যাৎ ঞিজ্বাছভয়পদং কারয়তি কারয়তে পূর্ব্বস্থল্লোক্ডাস্যুদাহরতি অচীকর্দিন্তাদি। কুর্বন্তং থ্রৈরির্ণ ইতি ঞৌ অভএব ঞৌছিছেব্রিরিভি বক্ষামাণ নিয়মাৎ বিভাবাৎ পুর্বং ন বৃদ্ধিঃ। কৃই ইতি স্থিতে ধাতুসংজ্ঞায়াৎ দিঃ অমাগমঃ ঞিশীতাঙি কুই ইতি বর্ণমুস্য দিছে ধেরাদাচ ইতি ইকারস্য লোপে বাভখথেতি ঞ্চকারস্য অকারে ককারস্য চকারে ঞ্চিতান্তেজ্পুওভোরিতি বৃদ্ধে প্রাঞ্জঃ স্ব ইতি আকারসা হ্রন্থে খেঃ সম্বদ্ধে ইতি সম্বত্তে খাসেৎস-नीजि जर्काद्रमा देकारद शांकर्य ईमारमर्थाकि मीर्घ प्यत्नीश प्रमा उका-दाव। **अवर मर्वता। अभभागमिकि का**काकः च देखात भागवर्कनामद्वाः। অভুতৌকদিতি ক্ৰিৰজনামহসঃ। অধুশবদিতি প্ৰাগচ্কাৰ্যাদিতি নিয়মাদানে দিত্বে খেজিবৈত্যত্র বাশক্ষ্য ব্যবস্থয়া ধে মূল্যাচ জিঃ ততে। বৃদ্ধাদি পক্ষে ৰ बिः। वाउच्छिनिः ध्यार्थायकत्रपत्रवाच्यास्टावानि माध्यान वः। शर्यामीविव-দিতি সাওত্বাৎপর্যাদিনিমিন্তকং খেঃ যত্ত্বং ন স্যাৎ খিনিমিন্তকং মুব্ধাডোঃ य द १ किना पिछारन ने नारमस्य श्री शिलिष्यः। अतः शर्यामी यह पिछा जालि दिश्वः। अवविकामिकानि अनिखाइ छाइ वाखाद अदन केविष् मयस्वाविनि विकेलाः। सिम्मिकानि सिम्मि द्विन्ता । सिम्मिकानि सिम्मिकानि सिम्मिकानि सिम्मिकानि सिम्मिकानि सिम्मिक सिम्मिकानि सिम

२०८। सृमूखत अथ अम स्वृष्णामा १६ (थ आँडि क्वि रिक्टी स्वता।

এবাং খেরঙ্ স্থাৎ এঃঙি চেষ্ট বেষ্টোস্ত বা। অসম্মরৎ অদদরৎ অতত্ত্বরৎ অপপ্রথৎ অমন্ত্রদৎ অতন্তরৎ অপস্পশৎ অচিচেষ্টৎ অচচেষ্টৎ অবিবেষ্টৎ অব্বেষ্ট্ৎ।

म् मृंदर्श मृ म छैश्दक है जि चयर। पूर्वि विषादि । विश्वत ममेंछे माति । धेथममसङ्क्ष्मात स्थान । है स्थान में स्थान स्थान । धेथममसङ्क्ष्मात स्थान । है से स्थान । है स्थान । है से स्थान । है स्

২৫২। ভাজ ভাশ ভাস ভাষ দীপ জীব মীল পীড় কণ বণ ভণ ভাগ লপ লুপ লুট হেঠাং বোঙঃ স্থঃ।

এষা মুডঃ স্বঃ স্থাৎ বা এগেডি। অবিভালৎ অবভালৎ।

वाद्य (वार्ट्गट्छ। जिविज्ञ अवज्ञाञ्च जिविज्ञ अवज्ञाञ अविज्ञ अवज्ञाञ अविज्ञ अवज्ञाञ्च अविज्ञ अवज्ञाञ्च अविज्ञ अवज्ञाञ्च अविज्ञ अ

২৫৩। বছ'ঙে।ধুঃ।

'ঋছ্ঙো ধোধু রেব স্থাদ্বা ঞাঙি। অবীর্তৎ অববর্ত্তৎ।

বং উভ্যাস ক্ষুভ্তসা। তদা স্থানে তদ্ধাত্বাদেশো জাভি বাদাদিভার্থঃ। অবীবৃত্তৎ অববর্ত্তং। এবং স্পাবৃধৎ অববর্দ্ধৎ অমীমৃত্তৎ অমমার্ক্তং
অচীকুপৎ অচকপ্পং ইতি তু প্লাত্বভ এক্তিকত্বাং। বাগ্রহণং পরব্রবাধিকার
নিব্ত্তার্থং।

२०८४ अप्या जिः।

স্বৰ্দ্ধ কিঃ স্থাৎ জ্ঞান্তি। অসুষুপৎ।

জসুষুপদিভিতু আদৌ জিঃ পশ্চাৎ দিবে ঘোশ্চখে র্হসাদেরিভি দীর্ঘো কিন্যদিভি ষঃ।

२००। भाका गास्त्रा ता त भाः (व्यो यन्।

এবাং এেই পরে যন্ স্থাৎ। শায়রতি পায়রতি।

শোষ নিশানে ছোৰ লুনো বোষ নাশে হেবৈঞ স্পর্চ্চে ব্যেঞ বৃত্তো ঐঞবে স্থাতো পাপানে পৈ শোবে ইভি, বরং। এবাং সপ্তানাং ঞো যম্স্যাৎ নিস্তা-দস্তে। শায়য়তি স্থায়য়তি সাম্মতি আয়ুম্বতি বায়য়তি বায়য়তি পায়য়তি।

२०७। एकः शिवः शीरशा व्याप्ति।

व्यशीभाद।

विर्क्षा भाषात्व देखामा भीभाः मारि काडि। निदः किः। रेश ज्ली-भवर भावत्रकर्ण ज्लीभनः।

(ড)

২৫৭। জীবী রী কুষ্য ক্ষা যাতিং পণ্ণু দ্ব জ্ঞো। ক্রেপয়তি বেপয়তি রেপয়তি কোপয়তি অর্গয়তি ক্যাপয়তি স্থাপয়তি।

হী লি লজ্জে বুলি গত্যাং গুরীওয়ক্ষরণে রীগিরধে গতৌ ইত্যুভয়ং। কুরীও তুর্গন্ধে ঝর্ণ হিংসে ঋর্লি গত্যাং ঋপ্রান্তের ইতি জ্বং। ক্ষারীও বিধূননে ইতি বন্ধা মাদস্তানাঞ্চ প্রে পণ্ স্যাৎ বথা সন্তবং গুণন্চ। হ্রেপয়তীত্যাদে নিস্তা দস্তাচঃ পরে পণিকৃতে পস্যাপি ধাত্বয়বত্বাল্লঘূডোহভাবাৎ অপ্রাপ্তের গুণিকৃতে পস্যাপি ধাত্বয়বত্বাল্লঘূডোহভাবাৎ অপ্রাপ্তের গুণিকৃতে পস্যাপি ধাত্বয়বত্বাল্লঘূডোহভাবাৎ অপ্রাপ্তের গুণিকৃতি প্রাপ্তি । ক্রাপয়তীত্যান্ত্র পকারাৎ প্রতয়াহসাল্লোপ ইতি মলোপঃ। এবং ক্ষাপরতীত্যন্ত্রাপি। স্থাপয়তি। আদিফাদস্তানাঞ্চ গ্রহণাৎ দেও পালনে দাপ্ত স্ক্রীঞ্চ ক্রাপয়তীত্যাদি।

২৫৮। স্থোপ্তো জাড়ীঃ।

তিষ্ঠতে রুম্ভ ইঃ স্থাৎ ঞাডি। অতিষ্ঠিপৎ।

স্থা ইতাস্য উঙ্ স্থোড্ তম্য পণিকৃতে স্থাপ ইতাস্য উঙ ইতার্থঃ। জতি-ষ্টিপদিতি পণিকৃতে জাকার্ম্য ইকারে কিবাদিতি যঃ।

হঁ৫৯। ছোবা।

অজিঘিপৎ অজিঘপ্লৎ।

ভ্ৰাধাতোঃ পণিকৃতে ভ্ৰাপভাগনা উঙ ইঃ ন্যাৰা ক্যান্ত। ইকারে ভাজ-ভ্ৰিপদিতি। ইকারাভাবপক্ষে ক্যান্তান্তঃ স্ব ইতি হ্রম্মে নস্কাবে খেরিছে খেওঁকুদাদীর্ঘাভাবে ভাজপ্রিপদিতি।

२७०। পাতि कार्या लंग् वर्छो (को।

পালয়তি কাবয়তি।

পালরকণে ইতাসা লমু ক্ষারী ও বৃদ্ধাবিতালা বঙ্ সাাৎ এগি।

२७)। भी भूत्या नेन् ग।

প্রীণয়তি প্রারয়তি ধূনয়তি ধাবয়তি।

व्योक धूक ब्योधूरवी। ब्योधूरवीह को क्यो कां प्रवस्त्री हाँ उरहा:।

२७२। ऋरः शह्वा।

রোপয়তি রোহয়তি।

ঞ্জিক্সহো জন্যামিতাস্য পঙ্স্যাদা প্রে। বা গ্রহণং পরত্রবাধিকারনিবৃন্ত্র্যর্থং। নসু রোহতে রূপ্য ইবিমোহে ইতি দ্বোঃ রোহয়তি রোপয়তীতি
সিদ্ধে রুহঃ পঙ্বিধানং কথমিতি চেম। রোপয়তীতি পদেন জনন প্রেরণম্য বোধয়িত্বশক্ষাম্বাং।

२७०1. भारमा २१ रठी छह।

শাতরতি। গতৌ তু গাঃ শাদরতি গোপঃ।

শদুক্ষো শাতে ইতাসা তত্ত্বাং ঞৌ নতু গড়ো। শাতয়তি ব্কাংফলং লোকঃ পাতয়তীতার্বঃ। গড়োতু গাঃ লাদয়তি গোপঃ অনেকার্বস্থাদাতা-র্থোহপি।

२७८। ना लग र्नन्तिनो स्वरुखत्व वा।

লাতের্লন্ লিয়ে। নন্ স্থাৎ স্নেহত্রবে ২র্থে ঞৌ বা। বিলাল-মতি বিলাপয়তি বিলীনয়তি। [,মিম্যোরিতি ঙা ], বিলাপয়তি বিলাময়তি মৃতং। স্নেহদ্রবে কিং লৌহং বিলাময়তি বিলাপয়তি।

ক্ষেত্সা ঘূতাদে র্ক্রবান্ত্রীকরণং ক্ষেত্রবেঃ। লা লচ প্রত্যে লীকি ক্রাবণে ইত্যেত্রো র্ম্বং।

२७८। ता जन्यूट्ठो।

বাতেজন্ সাৎ কম্পনে ঞো। বাজয়তি। ধুতৌ কিং কেশান্ বাপয়তি।

বাজয়তি লতাং বায়ুং কম্পরতীতার্থঃ। ধুতে কিং কেশাসু বাপয়তি পরি-ক্ষরোতীতার্থঃ।

২৬৬। ক্রী জী ডোইজা চি ক্ষুর প্রজনার্থবীনাস্ক বা।

এবানচ জা স্থাৎ এটা চ্যাদেস্ত বা। ক্রাপয়তি জাপয়তি অধ্যাপরতি অধ্যজীগপৎ অধ্যাপিপৎ চাপরতি চারস্বতি চপরতি
চরম্বতি। মিত্তাৎক্রস্ব ইতি প্রক্রিয়ারত্বে দৃষ্টং। ক্যারস্বতি ক্লোর
স্বতি বাপরতি গাঃ পুরোবাতো গর্ত্থাহয়তি ইত্যর্থঃ।

প্রক্রনা গর্ভগ্রহণং অর্থে। যস্য স প্রজনার্থঃ প্রজনার্থনার নিবিত কুনাগনঃ
প্রজাৎ। জুক্রীঞা দ্রবাপর্যায়ে জি জয়য় অধীঙলধারনে। এবামচ আসাথ
প্রজাৎ। জুক্রীঞা দ্রবাপর্যায়ে জি জয়য় অধীঙলধারনে। এবামচ আসাথ
প্রজাৎ। জুক্রীঞা দ্রবাপর্যায় জি জয়য় অধীঙলধারনে। এবামচ আসাথ
প্রজাৎ। জুক্রীঞা দ্রবাপরিত কার্যাপরিতি কার্যাহ গাঞ্চাঙ্গ সনোস্তবেতি গাদেশেপণি
গাপের্ছিছে উঙ্হম্বাদিঃ। পক্ষে ইকারম্য আকারে আপি ইতি ক্লিফে নাজস্তাদেরিতি নিবেধাৎ পি ইতাস্য বিজে অধ্যাপিপদিতি। চাপয়তীত্যাদি
স্পানং। ক্যারয়তি ক্ষরতি নৈবেইটিসজ্বো ক্রুরজে ক্রারস্যাকার বিধানং
ক্যারজেঃ কাত্রাদ্য সমত্রজাৎ। জার বাশক্রম্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ সিদ্ধাতে রিকা
রস্য প্রতিপরে আকারঃ স্যাদপার লৌকিকে। ঘটং সাধয়তি পদং সাধয়তি।
অপার লৌকিকে কিং বজং সেধয়তি। যাবদ্বাত, সাধয়তুং তদর্থনিতি
রঘৌ। অপার লৌকিক বিবক্ষয়া সিদ্ধং। জৌমরায় লিখি বল্টি লস্জ্বীনাং
নিধাপ বল্টাপ লজ্জাপা প্রেবা। ইত্যাদিভাঃ নিধাপয়তি লেখয়তি বল্টাপরতি বল্টয়তি লজ্জাপয়তি লজ্জয়তি ইত্যাভঃ।

२७१। मि छा घीएक एर्व मक्षा

জনরোরচ আ ভাৎ ধ্বর্থে এেটা নঞ্চ। বিন্মাপরতে ভাপরতে মুপ্তঃ। ঘাৎ কিং। কুঞ্চিকরৈনং বিন্মায়য়তি ভারস্তি।

বিষ্মরো ভরঞ যদি ঞান্ত কর্তুহেতোঃ প্রতীয়তে ওদা অনরোরচ আস্যাব

ক্রো মঞ্চ। মুঞ্জ ইতি মুশ্রোমুঞ্জিত মন্তকো জ্বনঃ। এবং বিমাপিয়তে ভাপিয়তে ব্যান্তঃ। কুঞ্জিকযা এবং জ্বনং বিমায়য়তি ভারয়তি কুঞ্জিকা মৎসাতেদঃ এবং রূপেণ তং বিমারয়তি খড়েরন মাং ভারয়তি। বিমাপয়ন্ বিস্ক্রীনীয় কীর্ত্তিং ভূপাল সিংহং নিজ্ঞাদ সিংহ ইতি রখো। বিমাপিয়ন্থিতি বিমাপনং বিমাপঃ বিমাপং করোতীতি ঞৌ সাধ্যং।

২৬৮। ভীভীষ্বা।

ভিয়ে ঘভরে ভীষ স্থাৎ বা ঞৌ মঞ্চ। ভীষয়তে মুপ্তঃ। ভীষয়তে ভাপয়তে ব্যান্তঃ। ঘাৎ কিং ধজেন তং ভাষয়তি।

২৬৯। তুষে রোদুঃ।

ছুবে রোকার উঃ স্থাৎ ঞৌ। দুষয়তি।

२१०। চिषिकादत वा।

দূষয়তি দোষয়তি চিত্তং।

চেততীতি চিৎ মনঃ তস্য বিকার শিচৰিকারঃ। তদ্মিশ্বর্থে ছবেঞ্জে কৃতে গুকার উঃ স্যাধা। দূরমৃতি দোষয়তি চিন্তং ক্রোধ ইতি শেষঃ।

২৭১। ঘটাদি জনী জুষ ক্লস রজাম মার তোষ নিশান নিশা-মার্থ জ্ঞাং স্বো ২কমাম চমো-এগীগ্লমোস্ত র্ঘশ্চ জাগুশ্চ।

ঘটান্যাদে রমন্তক্ত মারাদ্যর্থজ্ঞশ্চ থেগী স্বঃ শ্রাৎ নতু কম অম-চমাং থেগুঃ পরয়োরিপ্রমোস্ত র্ঘন্চ জাগুন্চ স্থো র্ঘন্চ। ঘটরতি ব্যথরতি প্রথরতি জনরতি জররতি ক্লসরতি রজয়তি মৃগান রম-য়তি জ্ঞপরতি। ক্মাদেস্তা। কাময়তি আময়তি চাময়তি।

মার্ল্চ তোহত নিশালঞ্জ নিশামণ্চ তে। তেহথ। যদা স্মার তোব

নিশান নিশামার্থঃ। সচাসে জাস্চেতি মার তোষ নিশান নিশামার্থজাঃ। ঘটাদি" জৰিশ্চ জুবশ্চ ক্লেশ্চ রজশ্চ অমশ্চ মার তোষ নিশান নিশামার্থজ্ঞাশ্চ তে তেবাং 🛡 কম চ জম চ চম চেতি কমামচম্ৰ কমামচম্জকমামচম্তল্য है ग्रंह नम्ह देशत्मी। व्याप्तरही देशत्मी कीशत्मी खरशाह। चहेन्छम करके चहे-युक्ति। घर्षेक हिश्मामश्चाक क्वालियू देकामाकू चार्षेत्रकि कूनहस्त्रामानूरवाधार अनमनिटिकामां शि माजूवला एक माँ कि शहार आही नमका क्रामार्थर। अत-ग्रिक स्वयश्रार स्विकारित हैकामा स्वातम्बिक क्रमुम्कृत्को क्रमग्रिक। तस-यकि मृगाबिक वेम्कारमीकदारंग किन् मृगद्रमरंग है व लारंभ किछारल জুঙতোরিতি বৃষ্ণে হসঃ। রময়তি এবং গময়তীতাাদি। সংক্রাময়তীতাাদি-কন্তক্রমঃ শতৃপ্রত্যয়ে শপি ক্রমঃ পেহণীতি দীর্ঘে সংক্রামন্তং করেরতীতি ক্রোটের্লোপে সাধাং। জ্ঞপরতি শত্তং পূরঃ মাররতীতার্থঃ। জ্ঞপরতিপুত্তং পিতা ভোষয়তীতাৰ্থঃ। নিশানং তীক্ষীকরণং জ্ঞপয়তি খড়নং কৰ্মকারঃ শীশং সভীত্যর্থঃ। নিশামো দর্শন প্রেরণ্থ জ্ঞপরতি রূপ্থ কামিনী স্বীরপাত্তাণি ্দর্শয়তীত।র্বঃ। নিশামোজ্ঞান প্রেরণং ইতি ন্যাসরক্ষিতে। অতএর ক্রমদী-খরোহপি আনাতেঘটাদিজং বিভাষরামন্যতে তেন জ্ঞপরিতুং বোধয়িতু মিষ্য-मारगाळीलामान हेि लानिनीयवृत्को छान ध्यवरगरिन इत्य मृनि छीला दे हेि निकः। बरः विक्वशिद्यम् मम स्रोत वरका हेकानियू ह विक्कानियम है की शिक्षा कर्मा करिया कर कर्मा क्रा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर्मा कर क् ইতি ঞিঙি রূপই। প্রেরণ ঞৌতু কামরতি কামরতে। **আগুশ্চে**তি জা<sub>কি</sub> র্ভ इचि मार भूनइ विमान मीर्घः मार त्याः भत्रत्वातिक्रमातिकार्यः । यथा क्रिना শিনোহজাগরি অজাগারি গুরুঃ শিষ্যং জাগরং জাগরং জাগারং জাগারং (भटा । घरे निश्व । घरे वम्ह (हम्मेटन महे म मृट्डो करें म कावरन । वरहें ब्राह्म গড়ম সেকে হথ লভোকান্থন জিহুর্যোঃ। কপংক কেপণে জ্ঞাক মারণাদে। অপম্বধে। জুইর্ষাতু ব্রুদ্ধে দুগিদুষ ভরেমতৌ। আলা পাকে স্নেণংকাহপ वाशवां ७ क्यापियू । नूनि नूम् मयरते टेटाम शास्त्र करणाकियामुष्ट्र । अवाचा वकः গত্যাক্ত কথম্ ছালেবনম্পত্তী। চকঞ্ড্ম ক্টক কল প্ৰতীঘাতে কণম্ গড়ে। র্গাশকে লগে সঙ্গে বগ উগ সগ স্থগ। হুগ হলগ্যেতু সংবৃত্যাং ক্ষঞ্জি কঞ্জঙ্ গতেতি। अनुष्क त्रम् का व्यवादन १ वर्ग मार्ग व्यवम् उथा। रहण् मरवरके ध्यथ् बार्टो कथ कथ कथ म् नर्य। कमकमक्रममा देवक्रवा विकन घरत्राह। मनी छ र्य मरम दक्ष राज इस कि था कुछ रन मंड। मुनय छ रका मरन खन् छ दिनार क २१२। धन खन कान भा सा वन तम नरमाश्टलकी।

এবামনীনাং স্বঃ স্থাদা ঞৌ। জলমতি জালমতি গুপমতি গ্লাপ মতি। অগেঃ কিং। প্রজ্বমতি প্রগাপমতি।

জনজম চলজিবোঃ হলক্ষনচোলে গ্লৈক্সমে কালশোধনে বসুমব্যাপৃত্তী।
পক্ষটুবনোদিগরি। নমো শব্দ নড্যোঃ। গ্লান্মোরপ্রাপ্তৌ জন্যেযাং নিড্য-\*
প্রাপ্তৌ বিকল্পঃ। অগেঃ কিং প্রজ্ঞলয়তীত্যাদে নিড্যং হুবঃ। প্রগ্লাপয়তি
প্রস্থাপ্রতীত্যুভয়ত্ত ব হুবঃ।

২৭৩। বা শম যম কণ গিস্থাদাং।

এবাং স্বঃ ভাদা এেই। শমরতি শামরতি বমরতি বামরতি কণরতি কাণরতি পরিস্থাদরতি পরিস্থাদরতি।

বাশস্পা বাবস্থাবাচিত্বাৎ সমুভির্যশমে ইতাসা নিতাং হ্রমঃ। শময়তি রোগং বৈদাঃ। শমঙক লাচে ইতাসা নিতাং হ্রমাঞ্চারঃ। নিশাময়তি কাবাং সুধীঃ প্রণিদধাতীতার্থঃ। নিশাময়ত হুৎপজিং বিজ্ঞাদাদভোমম ইতি। বমকমি পরিবেশনে তদভাবে বময়তি বাময়তারং গৃহিণী। বমৌ উ বিরত্যে ইতাসাতু নিতাং হ্রমঃ। নিরমুয়সিবিমার্গ প্রস্থিতানান্ত দ্ব ইতি শাকুস্তনে। কর্ণমিগতে কণম্বতি কাগমতি কণানিস্নেহে ইতাস্য কাগমতীভোব। স্বামন্ত বিদারে পরিস্বাদয়তি পরিস্বাদয়তি অবস্বাদয়তি অবপরিভাগং পরসাববা হ্রমঃ ইতি কাতস্রাদ্যাঃ অন্তাপি অবস্থানে ইতি ভীমঃ। জ্বন্যপূর্বস্য ক্রেন্স্যাচ প্রস্বাদয়তি অ্বাদয়তি ত্রম্বাদ্যাত হ্রমঃ।

२१८। ैश्व छड्डशविवि दिछि।

্ঞিতি ণিতি চ পরে হত্তে তও্ তাৎ ন তু ণপি ইণি চ। ঘাতরতি।

া পপ্চ ইণ্চ পবিণ্ নপবিণ্ অপবিণ্। তিমানু ঞচ ণচ ঞোঁ ঞাবিতো ষস্য স ক্রিং তিমানু। ঞোঁ যাতয়তি যঞি যাতঃ পমি যাতং যাতং । পবিলোম্ভ আঘান অঘানি।

২৭৫। যিঃ সন্বের্যোদিঃ। ঐর্যিয়ৎ।

ইতি ঞান্তপাদঃ।

### সনস্তঃ।

২৭৬। সন্নিচ্ছারাং।

ধোঃ পরঃ সন্ ক্যাদিচ্ছার্থে। অন্ত্র্মিচ্ছতি জিঘৎসতি দিদাসতে দিদীযতে দিদোতিষতে উতিচ্ছিষতি উচিচ্ছিষতি অধিজিগাপ-রিষতি অধ্যাপিপরিষতি শিশ্বার্ত্তিই শুশাব্রিষতি জুহাব্তি।

ৰস্য খাডোৰ্বোহৰ্থ তৰিবয়ায়ানিছায়াং তদ্ধাতোঃ সন্ধিত্যৰ্থঃ। ইচ্ছায়া-মিতি সামান্যোক্তাবপি তুম্ গৰ্ভায়ামের। ইত্যতন্তু আহ অ নিচ্ছতীতি তুম্

পর্ভায়ানিছায়াং সল্লিভি জোমরাশ্চ। ইচ্ছাসনস্তারসন্। ইচ্ছায়ানিছাস্তরা সস্তবাৎ। স্বার্থ সনস্তান্তু স্যাদেব। চিকিৎনিষতীত্যাদি। অচেতনস্য ইচ্ছায়া खप्रखरवर्शन नमीकृतः निनिविवजीजारमी विवकाताः गन्। बदः भा मूमू-র্যতীত্যাদাবপি বিবক্ষরৈর সন্। পূর্ব্ধতো বাশব্দাসূর্ভ্রে পক্ষে বাক্যস্যাপি-श्विष्ठिः। मश्विष्ठि अकातास्तः। एउन अष्टेगरको अप्टिपियक्रीकारमी नासस्रारम-রিভি অকারাদেণর জিঃ। জিঘৎসতীতি অদুে সন্ ষসুদ ইতি ঘসাদেশে সং-স্যারে ইতি সম্য ত দিবাদি তিপ্ শপ্লোপোহত ইতি সনো অকারলোপঃ। দিদাসতে ইত্যাদি দীঙ্ঠাং বন্ধিতি ভাবা। দিদ্যোতিষতে ইতি ত্যুৎস্বাপ্যো-রিভি থেজিঃ উভিচ্ছিরতীত্যাদি উছীশবন্ধসমাপনে সমৃইমি উচ্ছির ইভি স্থিতে উকারং হিন্তা ছিব ইতাস্য দিন্তে ষদ্যলোপে ষ্টিবঙ্গাদ্যোরিভি খেশ্চকা-রস্য তকারোবা। অধিজিগাপয়িষতীত্যাদি অধীঙু অধ্যয়নে ঞাস্তাৎ সনি ঠ্যাৎ ना कार् मत्नास्वरवि नारमण्यामस्वार भन्। भटक की की ह है जि जाकारत পণ সম্ ইমি আপরিষ ইতি স্থিতে পরিষ ইতাস্য দিছেং। শুশাবরিষতীত্যাদি টুওখি ঞান্তাৎ সনিঞোদিখে ব্রিরিডি নিয়মাৎ খের্জির্বেডি জৌকুতে দিবং ততোব্রিণ। জুহাবমিষ্ডীতি হ্রয়তে ক্রান্তাৎ সমি ক্রেছিছে ব্রিরিভি নিয়মাৎ ৰিত্বে <u>সতি</u> ধ্রাৰের্জিরিতি জেক্তে হ্রাভাগন্য অনাভাৎ শাহ্নামহেতি যনোহভাবে বৃদ্ধিঃ।

२११। गूर्नानिम।

অনিমি সনি এ র্ন স্থাৎ। বিরৎসতি বিবর্ত্তিষতে নিনৃৎসতি নিন র্ত্তিষতি ভিতরীষতি ভিতরিষতি ভিতীর্ষতি।

विव्दन्ति वृष्ट्या (क्रूम् ই जि इम्निस्य धनित्य । जनिमि किः विव-र्छिय । निनृष्ट मछी जि नृष्क् पिछा दन है स्मार्थाय शक्त धना खायः। जिख्दी-यछी छा पि मा पृष्कृति जि विस्तु देखा विस्तु के वो नी येश । जनिम्शक्त सूर्वा-विमि ज्ञा थन पि वी महक्त्री जि पी येश ।

২৭৮। ছোহজুকানিক্সাং।

অজন্তক্ত হল্তে রিঙঃ স্থানে জাতক্ত গমশ্চ র্য্য ক্তাৎ সনি। ছুধ্ব-র্যতি বুবুর্যতি বিবরীষতে বিব্রিষতে সঞ্চিদ্ধীর্যতি জিগীয়তি চিকী যতি চিচীয়তি জিঘাংসতি। हेला गंग् हेल् गंग्। जक हन्त हेक्रम् ह ति तिश्वार । प्रधृषंठीकाणि । धृ दिनेष्टिना गाम्ग्रम् पूर्विकातन जनम्भक्त १ दनन मीर्यः। श्रमित्रगिविज्ञाति हिनिभत्त १ हकार्याप भद्रः विज्ञिति निश्चार धृ पं हेकाम् विज्ञिति । तृतृषंठी काणि वृद्धः गाम्ग्रम् पृतिका निम्भक्त मीर्यं श्रमित्रगिविज्ञाति विज्ञः । हम्भक्त वृद्धार्वम हेकि हेनावा मीर्यः। मिक्षकीर्यकीकि गाम्ग्रम् पृतिकाळ कृवक्षं नाम- तिम् तिक्षाकि हिन्दा । मिक्षकीर्यकीकि गाम्ग्रम् पृतिकाळ कृवक्षं नाम- तिम् तिक्षाकि हिन्दा । सिक्षिति । स

२१२। शभी निष्डाः।

ইনিড্যেঃ স্থানে গমিঃ স্থাৎ সনি। জিগমিষতি অধিজিগাংসতে।

गमधाजूराणिश्रास्त सिर्गायर सिर्गायर सिर्गाय स

२४०। त्मम् छह् श्रहः।

্উবর্ণাস্তাৎ গুহে। গ্রহশ্চ সন ইম ন স্থাৎ। জুহূষতি বুভূষতি জুমুক্ষতি।

হবোদস্তস্য ফু সৃস্বতি কু চক্ষতি কু চু ক্ষতি। দীর্ঘান্তস্য বুভূষতি জু চূ ক্ষতি। দীর্ঘান্তস্য বুভূষতি জু চূ ক্ষতি। দীর্ঘান্তস্য বুভূষতি জু চূ ক্ষতি। দৌর্ঘান্ত গেনিজ ক্ষতি ক্ষেত্র ক্ষতি ক্ষান্ত ক্ষতি ক্ষান্ত ক্ষতি ক্ষান্ত ক

২৮১। গ্রহ স্বপ প্রচ্ছাং জি:। এবাং জি: স্থাৎ দনি। জিঘ্ক্ষতি সুবুপদতি।

জিয়কতীতি এহঃ সম্ পূর্বেণ ইম্ নিষেধে জনেন জিঃ হসা ঢে বভাস্ত-সোতি গসা ঘঃ। সৃষ্পতীতি উদিত্বান্ধেন্ জৌক্তে দিঃ কিলাদিতি যঃ।

২৮২। স্মিউ পৃত্ত র মৃক্জ শৃ কির গির দ্রিয় ধ্রির প্রচ্ছইম্। এতাঃ পরস্থ সন ইম্ ফাৎ। সিম্মরিষতে পিপবিষতে অরিরি-মতি অঞ্জিদ্বৈতি অশিশিষতে চিকরিষতি পিপৃচ্ছিষতি।

মিঙ্চ পৃঙ্চ ঋণ্চ অন্জ্বচ অপূশ্চ কিরণ্চ গিরণ্চ দ্রিয়ণ্ট প্রিষ্ণ প্রচ্চিতি ত্র্যাথ। মিডোঙকারঃ স্থার্থঃ মিঙে ঋ দৃ য় এবাং নেমেকাজেতানের পৃঙ্চোলেম্প্রহ্রাহেতি প্রচ্ছ উদিঘাদপ্রাপ্তে। অনুজ্ব অপূ এতয়োর দিত্তাথ। কুগু-এতয়োঃ স্যাদ্যদ্ধুরিতানের বেমপ্তে নিত্তার্থমিন্ বিধীয়তে। সিম্মায়িষতে ইতি ক্রিজ্ঞোঃ ধেরিতি নিয়মান্যধাতোঃ ষত্বং ন। পৃঙ শোধে পিপবিষতে ইতি সনি অনেন ইমি প্রাগচ কার্য্যাদিতি নিয়মাদাদে দিছে গুণে সম্মোচ জ্বল্পোরিতি বক্ষামাণাৎ থেককার ইঃ। য়ণতে অরিরিষ্টাতি সনি ইমি প্রাগচ কার্যাদিতীত্র পূর্বে বাশকীয় ব্যবস্থয়া আদে গুণে নাজস্তাদেরিতি অকারং হিছা রিষ ইতাস্য দিছং। অক্লিজিষ্টাতি অনুজ্ব সন্ ইম্ স্যাদে ন বদ্ধ ইতি অনভাগং হিছা জিষ ইতাস্য দিছং। অলিজিষ্টাতি কুল বিক্লেপে। জিগরিষ্টাতি গুল নিগরণে দিদ্রিষতে দৃঙ সাদরে দিধরিষতে ইতি স্বুলঙ স্থিতে। কুড গি হিংসে গুরিশক্ষে দুর্যা বিদারে দুর্গি দুষভিষি এবাং স্যাদ্যদ্ধুরিতি বেম্ চিকরিষতি চিকরিষতি চিকরিষতি তি আনেন ইমিপুর্বেণ জিঃ।

২৮০। অস্থা আি স্মূর্ভর্দরিতাসন তন পত তরপ জি

# मन्ভिर्वा व।।

এভাঃ সন ইম্ স্থাদা। বিভর্জিষতি বিভ্রম্ভি বিভ্রমতি শিশ্রায়ষতি শিশ্রীকৃতি সিম্বরিষতি সংস্থৃতি যিযবিষতি যুযুর্যতি উর্নুবিষতি উর্নুবিষতি উর্নুবিষতি উর্নুবিষতি উর্নুবিষতি উর্নুবিষতি উর্নুবিষতি

দ্রিষতি দিদরিক্রাসতি সিসনিষতি সিষাসতি ভিতনিষতি ভিতং-সতি ভিতংসতি ইভোকে।

অস্ক ঞৌশ পাকে ব্রিঞ সেবনে সৃতি শব্দা পড়াপয়োঃ বেমোহপাসাত্র প্রচণং জ্ঞাপয়তি রুতুসুত্নাং বেমামপি সনি বেমন্থ নান্তীতি। অভএব রুতু-भूत्नाञ्च है। इंडात्नन बराए तमाविश तम्रुश्रह्श हे इंडात्नन हेम् निरम्भातक রুরষতি ছুদ্ধতি সুস্থাতি সুন্ধতীতোর। যুলমিশ্রণে উর্বঞাচ্ছাদনে। ভর ইভি এহণাৎ পুরণার্থস্য ভৌবাদিক ভূঞো বিভরিষতি বুভূর্যতি ইভি ধারণা-র্থন্য জুহোভ্যাদি ভূঞো বুভূষভীতি। দরিদ্রা কলু ছুর্গভ্যাং। যন্ত্রঞ দানে তনছঞ বিস্তৃতে। পত্ৰ জগত্যাঞ্চ জ্ঞান্ত মারণাদৌ। ঋপু। हेर्नु क्षि। , मन्जू न मत्ख देव देखि देवंखः। यथा किया निवारम मिया किनीयारमी विया जल्हमखर्छी ष्ठित् निवारम खित्रा (भारवंगरको । विज्ञोब्कवकी क जनन हिम अन्यासात्रिक সস্য দৰ্পে স্তুশচুভিরিতি দস্তকঃ। জনিম্পক্ষেতু স্যাদেঃ সোলোপে শছুক্তিতি इिं वरणाः कः म। नित्यीवजीजारमी र्घाष्ट्रानिक्रमामिणि मीर्घः। विवरिव-ভীতি যু সন্ ইমিপ্রাগচ্কার্য্যাদিতি নিয়মাদাদৌ দিবে ততো ঞ্ণেসজেচি অধন্পোরিতি থেরুকারস্য ইঃ। উর্নবিধতীত্যাদি নাজস্তাদৈরিতি উকারং म्यारमोनवस देखि द्वरू श्वा विषर किम्रवार्ताति छिरलक मूर्यात्र-ত্যুব্ দিদরিদ্রিষতীতি উসোচীতি আকার লোপঃ। অনিম্পকে দরিদ্র আলোপ ইতাত্র সন্ বর্জনাল্লাকার লোপঃ। সিধাসতীতি ধনসন জনামিতিঙা তিভংসতীতি অনিষ্ সনোহগুণত্বেহপি বনতনেতি ন নোপাভাব বীলং দভোষাবিত্যত্র লেখাং। একে ইতি পাণিনীয় জৌমরাস্তনোতেরনিম্ সনিবা मीर्घ सिष्ट खीखार्थः।

২৮৪। মি মী মা দা রভ লভ শক পত পদ হিংসার্থরাধো ২চো ২নিম্ সূনী স্বিলোপ্শচ্।

এষামচ ইস্ স্থাৎ থিলোপশ্চানিমি সনি [ স্থানেঃসোলোপঃ ] পিৎসতি জিজপয়িষতি।

আস্য ব্যাখ্যা মিৎসতীত্যাদি পদসাধনকালে লেখ্যা। পিৎসতীতি পতিতু বিচ্ছতীতি সমূ অনিষ্পক্ষে অনেন খেলোপে অকারস্য ইসি কৃতে স্যাদেঃ মোলোপঃ ব্যিন্ত প্রিষতীতি জ্ঞাঝ্যারণাদো ঞাস্তাৎ সন্ প্রয়ক্ষ শ্রীতিবেষ্। २५०। छन् भीना भीनाः।

এথামচ ঈ ঈর্ ঈ এতে ক্রমাৎ স্থাঃ থিলোপশ্চানিমি সনি।
ভৌপসতি অদিধিষতি ঈর্ৎসতি ঈপসতি দিদভিষতি।

জ্ঞাপত কাংশত আপ্চ তে ভেষাং। ঈশ্চ ঈর্চ ঈশ্চ ঈর্গ জ্ঞাপাতীতি অনিম্পক্ষে অকার্স্য ঈং বিলোপত জ্ঞেলোপঃ। অর্দিধিষ্মিত ঝ্পুচ্বুক্ষে অস্ক্র্রাতি সনোবেম্ গুণে অর্থিষ ইতি স্থিতে অর্থাগং হিছা থিষ ইত্যস্য ছিছং। অনিম্পক্ষে ক্ষনার্স্য ঈর্ বিলোপত ঝপ্রসোরিতি ধন্য ও। দিদ-স্থিতীতি দন্তু ভ্রম্ক্রীতি সনোবেম্।

२৮७। मृट्या यो।

দত্তেরচ ই ঈচ স্থাদনিমি সনি খিলোপশ্চ। ধিপ্সতি ধীপ্সতি। অনকারনির্দেশাৎ দিদেবিষতি।

शिक्राठी छानि मन्जू मरस मन्न मछ देश नका ति ति लि निहालि खरन त्यार के खाद मा देश हैं कि स्वाद मा देश हैं कि स्वाद मा देश हैं कि स्वाद के स्वाद मा देश हैं कि स्वाद के स्वद के स्वाद के

२৮७। ट्याः भृषा वरना अम्दको यह्नुरग्। खना।

ছকার বকারয়োঃ শকারোটো স্থাতাং অণো এএনে কৌচ যঙলুকি বে চ বা স্তঃ। ছুদ্যুষতি মিৎসতি দিৎসতি ধিৎসতি রিপ্সতে লিপ্সতে শিক্ষতে পিৎসতি প্রতিরিৎসতি। হিংসার্থঃ কিং। আরিরাৎসতি ঈপসতি।

इह का ह्वी उत्साः मह छेहे ह भू हो। अन्ह किन्छ अन्कि उसिन्। यड

लूक्ठ वह बर्जुत्थी उत्प्राः। वशा अत्रक्ते अभः विक्रम विभाः। पितृा मृाउद। क्रमुश्वि । त्की आक्रमु १३। जनाविकि शृथक्श्रमकद्रनाम्ब (मूकि उरमस्याजाद श्वानिमित्क अञ्चलिह क्षारम वास्तः। वकाद्यकू बङ्गुकि व्यमात्रह मर्क्यामन् वकाद्य বাস্ত ইত্যর্থঃ। গুণনিমিত্তে যথা বেবেশ্মি বেবেছিন দেদ্যোমি দেদেমি। অগুণে यथा विविधाः विविद्याः प्रमूगमः प्राप्तिमः। वकादत्र विविधः विविद्यः प्रमूगवः **प्रमितः विविधाम् विविद्याम् क्रमृ**याम् (प्रमिवाम् । भिनीमारमछारमानिहत्रि । মিৎসভীভাদি ভুমিঞন কেপে মীঞ্গবধে মীকিগভাাং এবামচঃ ইসিকৃতে খেল্চ লোপে সংস্তারে ইতি সম্য তকারে মিৎসতীতি মা ইতি স্বন্ধপগ্রহণাৎ মালচ মানে ইতাসাপি মিৎদতীতি মাঙলি শব্দে মাঙ্যচ মেঙ প্রতিদানে মীঙ্যতুচ ইতি চতুৰ্ণাং মিৎসতে ইতি। ডিজ্বাদাত্মনেপদং দাইতি দাসংজ্ঞা। তেন দান नृत्नी मांजूमात्न जुमाकान लाय क्लाम अवार मिश्मजीजि जुधाकान धरे थिश-সতীতি দেও পাদনে দিৎসতে রভৌও বিপ্সতে। দভৌও লিপ্সতে। শক্ষঙ শক্লিক শিক্ষতি। অস্য স্বমতে বেমত্বেপি বস্তবাদিনাং মতে হনিমত্বাদিম্পক্ষে উদাহরণং ন দক্তং পতু 🕶 গতাাং পিৎসতি পতাঙ ঐশ্যে পদ্যোঙ গতৌ দয়োঃ পিৎসতে। প্রতিপুর্বারাণ্ড্র্যা সিদ্ধো হিংদার্থঃ। প্রতিরিৎসতি। আঙ্পুর্বাঃ সেবার্থঃ আরিরাৎসতি ঈস্সতি আপক্রনৌকি জ্ঞপর্যাপামীর্যঃ।

২৮৭। মুচো ২ঢ়ে ছে মোচ্বা সনি।

ভারত মুকোন বে তান বা আৎ সনি। মোকতে মুমুক্তে।

চসাভাবে। হচং তিমিন্। মোকতে মুমুক্তে মুনিঃ পাপাৎ স্বয়ং মুজোভবিতু মিচ্ছতীতার্থঃ। কর্মকর্ত্বাদার্যনপদং মোকতে ইতি কচিং কেবলো
ভিঃ স্যাদিতি ব্যাখ্যানাৎ সনংহিত্বা মুচ ধাতোর্দ্বিত্ব মোচাদেশে চুঙিতি কুঙ্।
ভাবে কিং বংসং মুমুক্তি গোপঃ।

२৮৮। अ यन् (भाः (था। (र्था।

খের বর্ণস্থ জকার যল প্রগাৎ পরে অবর্ণে পরে ইং স্থাৎ সনি। জু গতৌ। জিজাবির্মিত। রু রিরাবির্মিত। পু পিপাবির্মিত বিভাবর্মিত জ যপোঃ কিং সুনাব্যমিত। অভএব ঞৌ ডিছে বিঃ।

খেরঃ খ্যুঃ ভস্য ই ইতি লুপ্ত প্রথমৈকং। এ ইতি সপ্তম্মেকং। খেরুবর্ণস্য

ক্ষকার যগপবর্গাৎ পরে হবর্বে ইঃ স্যাৎ। অব্যবহিত সনোহসন্ত্রাৎ ব্যবহিতে সনীত্যর্থঃ। যথা জুঙু গতে জিক্সাবিয়য়তি অত্র ঞেঃ সনি আদে দিছে পশ্চাৎ বৃদ্ধো অনেন থেককারস্য ইকারঃ। এবং যু যিযাবিয়য়তি। কু রিরাবিয়য়তি। লু লিলাবিয়য়তি। পু পিপাবিয়য়তি। ভু বিভাবিয়য়তি। মু মিমাবিয়য়তি। এবং এবাং ঞেঃ পরে হঙি আদে দিছে পশ্চাদ্দ্দে কাবি ইতি স্থিতে ঞাঙাঙঃ শুঁ ইতি হুশ্বে শেঃ সন্ত্রাদিনা থেঃ সন্ত্রশ্বাতিদেশ হনেন থেককারস্য ইকারে ঘোশ্চ থেহসাদের্ঘণতি দীর্ঘে অক্সাক্তবং ইত্যাদি অযল্পাঃ কিং কুঙ্গান্দে চুকাবিয়য়তি। মু মুনাবিয়য়তি। সু মুনাবিয়য়তি। সু সুনাবিয়য়তি। সু সুনাবিয়য়তি। স্ সুনাবিয়য়তি। স্ সুনাবিয়য়তি। স্ অহাবিয়য়তি। স্বাবিয়য়তি। স্বাবিয়য়তি। প্রত্যাদি। অভএবেত্যাদি। ঞেটিতীয়ক্ষণে বৃদ্ধেঃ কর্ত্ব্যত্তিপি ঞেঃ পরে ভবিয়ৎ সন্বিষয়ে দিছে সতি বৃদ্ধিঃ স্যাদিত্যর্থঃ।

२৮२। अक्ष खु खु एक व्हां श्रु हा छा १ ता।

শিশাবরিষতি শুশাবরিষতি।

পৃথগ্যোগাৎ জ্বল্পাবিভি নাসুবর্ত্তে। ক্রনগতে ক্রগতে ক্রান্ত ক্রগতে ক্রগতে ক্রান্ত ক্রান

২০০। ব্যুঙো ২বো হসাদেঃ সেমংজ্বাচ্চ কিছা রুদ বিদ মুর্য স্তু নিত্যং।

हमारमः रमम छेकारता छ है कारता छ म्ह वाखवर्जा ६ मन् ज्याक किया छा ६ क्रमोरमञ्ज निष्ठाः । क्रक्रं विषय क्रद्राविषय निर्माध-यि निरम्भिष्ठ । क्रमोरमञ्ज । क्रक्रमिष्ठ विविषयि प्रमूषि-यि वादः किः पिरमविष्ठि ।

উক্চ ইক্ষ বী। তাৰুঙো যদ্য দ্বজু ওন্ধাৎ উকারোঙ্ইকারোঙ্বর্গ বকারাস্তাভাবালাতি দন্তাবকারান্তো বত্র গোহত্তকাৎ অকাঙকাভাবাদাত্র- शृक्षश्चिममञ्ज्ञानार कर्मादान ध्वकद्रानानश्चिः महत्व चाक्यातः। यथा क्रक्रिकार देशानि वर्गाद्यसम्बद्धाः विद्यानि विद्यानि क्रिकार्मा क्रिकार क

२৯১। बिक्टकुाः (चाः मः वश्चवा २क्वि८क्व८महः।

খেঃ পরস্ত ঞাস্তস্তোভাোঃ সম্ভ ষত্ব ভূতে যণি ষঃ স্থাৎ ন তু স্থিদ্ স্থান্ সহাং। সুদাপরিষতি তুর্ফুষতি। ঞিস্তোঃ কিং। সিসি-ক্ষতি। যণীতি কিং। তিঠাসতি। খেঃ কিং। প্রতীবিষতি।

ইতি শ্রীত্রগাদান বিদ্যাবাগীশ বিরচিতারাং সুগ্ধবর্ণধন্য টাঁকারাং সমস্তপাদঃ।

### বঙকঃ।

২ নং। মূত্র স্থত স্থচাট শর্ভূর্ত্বসালোকালোহওও কলে। মুছ-ভূশার্থে যঙা

এভাঃ শুভ রুচ বর্জেভা। যঙ্ স্থাৎ পৌনঃপুন্যে অভিশয়েচার্থে।

হুসাদিশ্যাসারেকাচেতি হুসাদ্যেকাচ্। মৃত্রশ্চ স্থত্ত অচচ অসচ
অর্জিশ্চ উর্বৃশ্চ হুসাদ্যেকাচেতি ওঝাং। নবিদ্যেতে শুভরুচে বত্র সোহশুভ রুচ্ তঝাং। মুহশ্চ ভূশশ্চ মুহভূশ্যে ওয়োরর্থঃ মুহভূশার্থঃ ওঝিন্। মৃত্র স্ত্র স্থানামন্তত্বেন অনেকাচ্বাং অট অশ অর্জি উর্নামজাদিবাদ-প্রাপ্তে প্রশুজিঃ। যঙ্ অদস্তঃ তেন অটাটাতে ইন্থাদে নাজ্যাদেরিতি আদাস্করং হিতা বিবং।

২০০। গতার্থা দালুপু সদ চর জপ জভ দন্শ দহো বক্রগর্হে।
গতার্থাদ্বকে গ্রাদের্গহায়াং বঙ্ স্থাৎ নতু পুর্কোক্তে ভদ্যুক্তে তু

गूण मूण पूर्वा गांवि विषण हत्र स्व अण स्व स्व हिंदि हिंदि हिंदि हिंदि स्व कि स्व कि स्व हिंदि ह

२ २ १ । (श र्वु १ ।

যন্তি পরে থের্ণু: স্থাৎ। পুনঃপুনর্তিশরেন বা মূত্রয়তি। মোমুত্তাতে সোমুত্রতে সোমুচ্যতে।

मृगंगः। त्मामृत्वारं७ देि मृत्वष्क अव्याद्य हृद्छांकिः हमाह्मार्भ मृतीि

बाट्डार्यक् व्यव्यादिन विश्व त्यवामाठः भवजान तार्भ छनः भाकूमश्कामाः वटका छिद्धामाग्रदनभमः भनि तार्भाश्यकाश्चरपटाविक बटकाश्वरमानः। बदः मर्वकः।

## २०६। र्घार्शनणः।

অণকারেতঃ থের্ঘ: স্থাদ্ধতি। তলটাট্যতে অশাশ্যতে অরার্ধ্যতে উর্ণোন্থরতে দেনীয়তে মেনীয়তে জেগীয়তে জেহীয়তে পেপীরতে দেবীরতে তেজীয়তে শোশুরতে সাম্মর্থাতে চেজীয়তে নঞেস্থীয়তে বিদেসিচাতে। [যউন্তর্গান্ন ষঃ] বক্রং ব্রজতি বাব্রজাতে।

ণকার ইৎ যেষাং তে নীণ্ সুণ্ রীণঃ। নবিদান্তে নিতো যস্য খেঃ সোনিৎ ত্যা। অটাটাত ইতি বক্রং অটতি পুনঃ পুনরতিশয়েন বা বক্রং অটতি ইতাৰ্থে ৰঙ্ নাজন্তাদেরিতি অকারং হিছা টাইতাস্য ৰিছে খেরাদ্য ইতি यकात्रालारभे श्रेट्राम मीर्घঃ। এবং অশাশাতে অরার্যাতে ইতি অর্লিগন্তাং বঙি স্যাদ্যৰ্ভ্ত ইতি গুণে অৰ্থ ইতি স্থিতে স্যাদেশিবক্তা ইন্তাক্ত জয়ে ইন্তান্তে রেফ া সহিত যকারস্য দ্বিত্বে ধেরাদ্যাচ ইতি বুলোপে র্ঘোহণিত ইতি দীর্ঘঃ। অণিতঃ কিং বুনীবচাতে জংজপাতে নরীমৃতাতে উর্বোত্মত ইতি, যঙি র্থাংক্সবারে ইতি मीर्घ नाक्स सामिति छेकांतर हिचा जारिमीनवस देखि दिवर हिचा खूब देखा जा ৰিত্বে আদ)চঃ পরভাগলোপে ধেওঁণে রেফসম্বন্ধাভাবামূল্যাতো নঁকার্ন্য পুনর্দস্তাত্বং। দেদীয়তে ইতি দাশরপাদাদাঙি আদে দানাগৈ ইতি ভী ততো ৰিত্বে থেৰ্ব ঃ। মেমীয়ত ইতি মান্বরূপা দ্বডি দামাগৈ ইতি ডী ততো দিবাদি। এবং জেগীয়ত ইস্তাদি পঞ্চ। শোশৃয়ত ইস্তাদি শের্জির্বা বঙ্ ঠোরিতি জির্বা। সাক্ষর্যাত ইতি স্যাদার্ভূত ইতি গুণঃ। চেক্রীয়ত ইতি করোতে র্যন্তি ষঙ্ভাক্যে-চেট্রী। সঞ্জীয়ত ইতি সংপরেঃ সুমি কুস্ত ট্যামিতি নিয়মান্নগুণঃ। কিলা-দিতি ষঃ। বিসেসিচাতে ইতি গিনিমিক্তকং খিনিমিত্তকমপি বত্বং নস্যাদিতি গ্রীপভিদক্ষ। বাব্রজ্ঞাতে ইতি ঘোঁণিত ইতি দীর্ঘঃ।

২৯৬। গ্রে। র লঃ।

নিরতে রে। লঃ স্থাৎ যণ্ডি। গহিতং নিরতি জেনিলাতে লোলু-পাতে সাসদাতে। (अतिगारिक देि अमित्रणिविकीति आतम दिसमा गः। वृद्धी निम्न छि निर्म्हणारि अभित छि निर्म्हणारि अभित छि निर्म्हणारि एक प्रेमिश छि निर्म्हणारि दिसमा हूजार छ छ । अर्थ का निर्म्हणारि दिसमा हूजार । अर्थ का निर्म्हणारिक विकास । अर्थ का निर्म्हणारिक निर्मेशणारिक निर्म्हणारिक निर्म्हणारिक निर्मेशणारिक निर्म्हणारिक निर्म्हणारिक निर्मेशणारिक निर्मेशणारिक

२२१। (का मह स्वा।

কোঃ থেশ্ট্র আদা যন্তি। চোকুয়তে কোকুয়তে।

মণ্ডুকপুতা থৈরিতাদ্যামুবুজিঃ। কেচিত্ত কুডশব্দে ইতাদ্যৈগায়ং বিধিরিতাহিঃ।

२ अस्। जोन् वक्ष अका खका जन्म क्या शक शम कामाः।

विवार (थर्नीन् सार यक्षि। वनीवहाटक।

वस्तृत्रशाः भ्रञ्जस्य बः एम धस्य भेष गर्छ। बः एम भ्रञ्जस्थ याधः भरक जातवासः। कमकारको भड्यक्षश्राः भष्ट स्वारं भष्टि विष्यः। कमकारको भड्यक्षश्राः भष्ट स्वारं भर्षा भर्षा । कमकारको विक्रमा माहहर्गाः भष्ट्र अवकारा । कि विष्यः। कि भ्रण्ये । स्वारं । भ्रण्ये । स्वारं । स्वारं

२ २२। अप्रकाश कर्ण पर प्रमुख ज्या भाषा १८०। यूप जाव य खावा।

ঞ্ মন্তানাং জপাদীনাং চাদস্তত্ত থেনু ন্ স্থাৎ যতি লব যান্তত্ত তুবা। জঞ্চনতে জাজায়তে জংঘন্যতে।

७००। इता वा द्यो।

জেত্মীয়তে জঞ্জপাতে চঞ্চলাতে চাচলাতে মন্মবাতে মামবাতে দন্দযাতে দাদযাতে।

হন থাতু শ্লীসাাধা যিও। জেশ্লীয়তে চংচলাতে ইস্তাদি চলজগতো সব-বন্ধনে ঞিদ্বঙ এবাং বেসু প্ৰা। লয়ব্যোরস্তঃ পাটাধকারোহত্রদস্তাঃ। তেন কর্ব গতো ইস্তাস্য চাকর্যত ইস্তোব।

७०)। চর কলো রুচ্চোডোনণুঃ।

চরকলোঃ থেনুণ্ স্থাৎ উঙ উকারশ্চ যন্তি তম্ভ চ ন গুঃ। চঞ্চু-ব্যতে পংফুল্যতে।

খেরিজসুবর্দ্ধতে। ষঙ্ লুকি চংচুর্জি পংফুল্ভি ই্প্তাদৌ প্রসক্ষন্য গুণস্ট নিষেধার্থং নণুরিভি বচনং। চংচুর্গাত ইভি ব্যানচত্ত্মীতি দীর্ঘঃ।

७०२। त्रीनृष्ठः।

থকারবতো ধো খেরীণ্ স্থাক্তি। নরীনৃত্যতে।

কং অস্তাত্র ক্ষরামূ তসা ক্ষরতঃ। ক্ষরাজসাতু বছ্টাকো চেন্তানের ক্ষরার রা রীভাবে ততো বিদ্ধে থেরীয়সাং। বঙ্লুকিতু চরীকর্ত্তীতাদো সাদেব। ন্রী নৃত্যুতে ইতাদো পদ্বাভাবঃ প্রাপ্ততঃ। জরী সৃহতে পরী পৃচ্ছাতে বরী-বৃশ্যুতে বরী ভূজ্জাতে এবু প্রব্যপাদ্যোরিতি জোক্তে ক্ষরবৃদ্ধাং ধেরীণ্।

७०७। (वा चंभ सामा किः।

এষাং জিঃ স্থাৎ যঙি। বেবীয়তে সোযুপ্যতে সেসিমাতে।

এহৰপাদ্যোরিতি সুত্রে বপাদেঃ কিতিজিরিতি নিয়মাদপ্রাপ্তে বিধিরয়ং ইন্টতোছধিকারাণাং প্রবৃদ্ধি নিবৃদ্ধী স্যাতামিতি ধেরিক্সস্যাসুবৃদ্ধি নাজি। ব্যেকে বৃত্তে থিঃ স্বপৌঘু শয়ে স্যমুধককে এবাং জিঃ স্যাদ্রভি।

৩০৪। ন রশঃ।

वस्टिकि नं छां ९ यछि। वावणारु।

श्रह्मिषार आरक्षी निरम्धः।

७०৫। हान्नः कीः।

চায়তেঃ কীঃ স্থাৎ যদ্ভি। চেকীয়তে।

जुर्गम् ।

৩০৬। আধ্যে জী।

ক্রেয়ায়তে দেখাীয়তে।

के हेि नृक्ष व्यवरंपकः। त्रामानम त्राप्तिकं वाशीएणी वृ खारधा औषि भौठेर कामग्रकः। वश्वकश्व। खारधाती हेरक्कव भाठेः। जल्मातारमण्य सम विधि-छमग्रकाकि नाग्रामन्त्रामा छात्न हेक्स्यः। अभवा आण्य आण्य खारध्यीरती खारधी कर्माखारधा तिकि ममामः।

००१। भीटिश क्षत्या श्रामी।

শাশ্যাতে।

শাশবাত ইতি ভবিকৃতে पिं। এবং যকি শবাতে যপি সংশবা কাপি শবা। অণ্যে কিং শেরং।

্৩০৮। যঙো লুগু। পো লুক্ পং দ্বি গুণিদি চ ধুক্তন্ত বা নি তু ্নিতাং নোতঃ।

ষড়ো লুক্ ভাষা লুকি সতি অপো লুক পং বিখং ধেৰ্বিতাদি

कार्याक स्राप्तः । त्वास्तरिक त्वास्त्राक्ति विष्ठः त्वास्त्र स्वाद्यान्ति । त्वास्त्र विष्ठः त्वास्त्र स्वाद्यान्ति । विष्ठे स्वाद्यान्ति । विष्ठे स्वाद्यान्ति । विष्ठे । स्वत्र विष्ठे स्वर्णे स्वत्र विष्ठे स्वर्णे स्वत्र विष्ठे स्वर्णे स्वत्र स्वर्णे स

यह नुक्रुत्रार छातालिकानकामिति मारमन आश्वरा कार्यामा नुकिन **उट्यां कि निरम्था १** यह हारकाठक्वीं कि मानार्क्या पूरिकानि स्मृद्धारनाथ ্ইতাদীৰি নসুঃ। তদন্তত্বেন বিহিতং কাৰ্যাং স্যাদেব। তেন ধাতুসংক্ৰা ঠ্যামাম্চ স্যাर। ওতশ্চ ষঙ্গুডেবৈনৰ ছিছেসিছে ছিরিভ্যুপাদানঃ জ্ঞাপয়তি यर डालूका नि छित्रास् भरत बिहिंछः किमनिकांशः गामिछि । .छन बुंड् लूकि এছালে জিঃ ন্যাৎ। এই জরীগর্তি জ্ঞা জেজেতি ব্যথ বেবেছীজ্ঞাদি। গুদীনাং यि भरत विहिजानाः मुकि न जरति निरवधामधारशी वहनः। अनिजू हेि পচাদিত্বাৎ क्ष्डिन পরে নিজাং লুক্ স্যাৎ। यथा तनीय्रास्त निवाः नांत्-श्रट्ड मानुवन्न। त्नांड देखि इत्यामखांखु शर्गामचामनि शर् नुक् नमार। यश বোরয়তে বোরয়ঃ। বোভবীভীতি মূলধাডোর্জাডমাত্র্স্য যঙোলুকি বিভাবে খেৰ্গুণে বোভূ ইতাস্য ধাতুসংজ্ঞায়াং তিপি জাতস্য শপো লুকি পিশ্বস্ৰস্যেতি ঈমি গুণঃ। ঈমোহভাবপক্ষে গুণ এব। বোভূত ইতি তসোভিবান্নগুণঃ। বোভূ-বভীতি অক্টোহদ্যেঃ সুধোরিত্যুর্। অবোভবীদিজাদি যা দীপ্ ঈশ্বা। অবো-ভুবলিতি অনুস্মিবেরিজাত্র ভূবর্জনাল উস্। বোভুবাঞ্কার ইতি ষঙ্ সুদ্ধ্য-लाटभ हेकि वकामांनार अनित्यत्य भूत्यातिकात्। वनी वक्षीकीकानि नीन् বন্চেত্যাদিনা ধেনীণ্ পিছস্রন্যেতীম্। ঈমোহভাবপক্ষে চৃঙিতি কুঙ্ নস্যা-সুসারে ত্র্যা ঙঃ। বনীবক্ত ইভি হসুজোলোপ ইভি ন লোপঃ। অসমীতি हेजापि कप्तक्षभक्षरक्रजामिन। (चक्र्) . जेरमाश्कारेशरक ममाक्र्यादा जमा

নঃ। জনত ইতি বনতনাদ্য নিমানিতি সংলাপঃ। জংগ্রতীন্তাদি গুক্তবাৎ হনগমিত্যুঙ্ লোপোবা। অংগন্মীতাাদি খোর্মোনঃ কন্মীতি মসানঃ। অংঘ-खीजामि (बर्ट्शाचािकुष्डि किछ हमा घः शक्त मेमू। खः एक हेि वमस्टामिक ন লোপঃ। অংশ্বতীতাদি হনগমিত্যুত্ লোপোরী অস্তোহদ্যে ৷ চংচুরীতী-फांपि চরফলোরিভি ধেরু नि উঙ উক্রেডেলৈব গুণনিবেদে পক্ষে সমো-হভাবঃ। চাৰাত ইত্যাদি ধূজবাৎ ধনসনজনামিতি ওাদেশে ঞ্মন্তবাভাবাৎ বের্মপুণ্ র্যোহণিত ইত্যেব। পক্ষে ঞমস্তত্বাৎ বের্প্। আগমানেশয়োরাগমো निविध्वनवामिक नामापापी शिक्षस्तरमाठीमि धनमनक्रमामिक हारमणाडारव চংখনীতি চংখনীয়ি চংখনীয়ি ইভি বোধ্যং। পক্ষে চংখনি চংখংসীজাদেছি খনসনক্ষৰীমিতাত্ত্ৰ বাশস্বস্য ব্যবস্থাবাচিতয়া পিতি ঝসেণ্ডা নস্যাদিতি ভতৈত্ত্ব ব্যাখ্যাতং। চংখনতীজাদি অস্তোহদ্যে হনগমিত্যুত্ নোপোবা। জাজাত ইজাদি খনসনেতি ঙাবা অংজ্ঞতীকাদি অস্তোহদ্দেঃ হনগমিত্যুও লোপোবা। দেদ্যোভীত্যাদি আদে ছিল্ছে ভিবাক্সংপজে ছোঃ খূটাবিভি উট্। খের্ণুঃ উটোগুণঃ উটোহপ্রাপ্তিপক্ষে যুেশেলাপ ইতি বলোপঃ গুণশ্চ। পক্ষে ঈমি নৰুতেওাহচীতি গ্ৰামিষেঃ। দেলুতঃ ইত্যাদি সুগমং। বেবিচ্ছীতি ইত্যাদি ছোহত ইক্তি-ছিত্বে বাপ্রসোরিতি ছ্সাঁচঃ পাঁকে ছোঃ স্টাবিতি ছ্সা শে শছাভেতি বঙ্।

७०२। शकः (थर्मर्घः।

অহাতি অহেতি।

र्घाश्निक देखि ब्यार्श्व मीर्घमा निरम्धः। खरहकीि सेम् मिकः।

৩১০। দন্শোন লোপোবা।

मन्पर्यि मन्पर्श्ये मन्प्रभीष्ठ मन्परभीष्ठ ।

मसुरभा न रनाशः न्याविष् मूकि। खनीम्शरक पःपष्टि पःपःष्टि। नेभिष्ट्र पःपणीजि पःपःभीजि।

७३३। किर्नर्दा।

সাস্থপীতি সাস্থি সোবোগ্তি সোৰুপীতি।

स्वतनं बङ् निमिखरकी दायशंगादमानिः म बङ् नुकिशंदक निविधार**ः।** 

সকল ডিমিনিউকো এহাদেৰ্ঘেঞ্চিঃ সভু ৰঙোলুখেতাত্ৰৰিৱিতি আপকাৎ নিভাএৰ স্যাই। সোষোগুডি জোকৃতে বিদ্বে বৰং। এবং সাম্পীতি সোধু-পীতি ব্যেঞ্ বেবেতি বাব্যাতি সামু সেসেন্ডি সাসাপ্তি।

७५२। ब्रोटन बिनुटन वा।

রীণঃ স্থানে রিণ্রণৌ বা প্রে। য**ু লুকি। চরিকরীতি চর্করীতি** চরীকরীতি চরিকর্তি চর্কর্তি চরীকর্তি।

রীণঃ স্থানে রীণ উৎপজিস্থলে। তেন কনারবজো ধোঃ খেরস্তে রিণরণো বাস্ত ইতার্থঃ। অন্যথা নিতাৎ রীণোহন্তে রিণোরণোবোৎপঞ্জিঃ স্যাৎ। ঈম পক্ষে রিণি চরিকরীতি রণি চর্করীতি। অনিম্পক্ষে রিণি চরিকার্ত্ত রীণি চরীকর্ত্তি। এবং বৃত বরিবর্ত্তি বুধূ বরিব্যুক্তিয়াদি।

৩১৩। ষঙ্লুক্ কালোপে২রে ন ণুত্রী।

্বেভিদিতা সমৃজিতা। অরে কিং। বেভেত্তি সর্মাষ্টি।

বঙো লুকি কাস্যলোপেচপুরী নস্যাভাষের। পুনঃ পুনরভিশরের বা ভেন্তা বেভিদিভা জন্ত্র সঙ্গঃ। পুনঃ পুনরভিশরের বা মার্জিভা মর্ম জিড়া জন্ত হজো-হকভিডি ইভি ন বৃদ্ধিঃ। ক্যালোপেড়ু সমিধিভা সমিধক ইভ্যাদৌ ন গুণঃ। দূবদক ইভ্যাদৌ ন বৃদ্ধিঃ। জৌমরাস্ত্র যঙলুগন্তানাং জৌপরে বৃদ্ধের্বিকশ্পং কৃত্বা নেনারম্বভি নেনায়ভি বোভাবমুভি বোভ্বমুভি পাপাচমুভি পাপচমুভি ইভ্যানাহরস্তি।

ইতি বঙন্তপাদঃ।

लिश्वः ।

৩১৪। লেঃ কাম্যক্ স্বেচ্ছারাং।

লেঃ পরঃ কাম্যক্ ভাৎ আত্মেন্ছারাং। জাজনঃ পুত্তমিন্ছতি। পুত্রকাম্যতি। মুক্তিনিছতি মুক্তিকামাতি ইত্যাদে কিন্তারপ্তাঃ। অন্যসা অপ্রভন্তাদের
সম্মা ইছারাঃ প্রাপ্তে সম্মান্ত জাপয়তি। কর্জুরিছারাঃ কর্ম পুল্রাদি র্যদি
অসমস্তাধিশেবণাৎ সম্বন্ধিপদাধাপরোনসাক্ত্যা তথাৎ কাম্যক্সাদিতার্থ ইতি তেন মহান্তং পুল্রমিছতি গুরোঃ পুল্রমিছতীত্যাদে নস্যাং। সমাসেত্ মহাপুল্র কাম্যতি গুরুপিল কাম্যতীত্যাদে স্যাদেবেতি। মুর্গসিংহোহপ্যেবং পুল্রকাম্যতীতি পুল্রমিতি ধিতীয়াস্তাং কাম্যক্ জের্লুক্ত্যেচেতি তে পরে
ক্রেলুকি ধাতুসংক্রায়াং তিপ্ শপে।

৩১৫। ক্যো'ইয়াদাদ।

মান্ত বাঁবর্জাৎ লেঃ কাঃ স্থাৎ স্বেচ্ছারাং তন্মিন্নবর্ণ ঈঃ স্থাৎ । জানীয়তি। ওদৌতোহজদিতি। গব্যতি নাবাতি। মঙ্ঙাক্য ইতি। কর্ত্রীয়তি। কাঙা চ্বেটি। গার্গীয়তি।

मह वाक्ष चार नाकि चार वज त्रारचार जमार। ने देखि नुश्च धार्थम्वर। मास वावर्षार तार काण्डनातार कामाक् गार त्राष्ट्रातार। त्रा गिख खार्व ने गामिखार्थर। क्षानीविध बवर खानकार्माक ने गामिष्टि कर्माविध वात्राविध कर्माविध कर्माविध वात्राविध वात्राविध कर्माविध कर

७३७। नत्नां शः कार्छ।।

### রাজীয়তি।

नम् एकर्न् एडाटिडातन एकर्न् किमास्य प्रतान एकर्मि विद्यान ति विद्यान क्षित्र क्षित्र

বিদর্শঃ। সার্পিয়তি ধরুষাতি ইত্যাক্ষা রডোহভাবে বন্ধ্ স্যাধ। নীর্যাতি ধূর্ব্যতীত্যাদো ব্যুনচতন্মীতি দীর্ঘঃ স্যাদের। রাজীয়তীতি রাজানমিচ্ছতীতি কাঃ। এবং দঞ্জিনমিচ্ছতি দঞ্জীয়তীতাদি।

৩১৭। হসা গুয়োর্বারে।

হ্বাৎ প্রয়োঃ কাঙায়োলোপঃ স্থাদ্বাহরে। সুমিধিতা সনি-ধিতা জ্বছাৎ কিং। কিংকামাতি স্বঃকামাতি।

সমিধিতেত্যাদি সমিধমেন্টা ইতি বাকাং এবং দৃশদিতা দৃশদিতা। হসাৎ, কিং জ্ঞানীয়িতা। অবে কিং সমিধ্যতি। দিতীয় সুত্রস্য প্রত্যুদাহরণ মাহ। কিং কামাতি স্বঃস্থামাতি এবং উচ্চৈঃ কামাতি কৃষ্ণবং কামাতীত্যায়ি।

৩১৮। ধনো দকা শন র্যাখালে এহি পানা রা, যাভার্থে ঙা ভনঙ্ঙা সন সনহসনৌ কোন যঃ।

ধনস্ত গ্রহণে ও। উদক্ষ পানে ডনঙ্ অশনস্ত অনে ও। র্যাখ-রোষাতে সন্লেরর্থে কাম্যে সন অসন্চ স্থাৎ ক্যে সং যো ন স্থাৎ। ধনারতি উদন্যতি অশনায়তি র্যস্তি অশ্ন্তি দ্বিশ্ভিভি দ্ধাস্তি। গ্রহাদৌ কিং ধনীয়তি।

বৃষক্ষ অশ্বত বৃষাশং। ধনঞ্জ উদক্ষ অশনক্ষ বৃষাশক্ষ লিক্ষেতি তস্য। গ্রহণ পানক্ষ অশ্বক গ্রহণানালং তিমানু। তা ইতি তনত্ ইতি তা ইতি সন্ইতি চতুইনং লুপ্ত প্রথমিকং। সন্ত অসন্ত সনসন্দা। ধনসাগ্রহণে কাম্যে তা উদক্ষা পানে কাম্যে তনত্। অশনসা অল্পে ভক্ষণে কাম্যে তা। ব্যাশ্রো-বাত্তে মৈথুনে কাম্যে সন্। নেরপে কাম্যে সন্ অসন্ত স্যাৎ কোপরে ইতি সর্বত্র যোজাং। ধনংগৃহীতু মিছতি ধনায়তি উদকং পাতু মিছতি উদন্যতি অশুতে 'বত্তং অশনমন্ত্রাদি কর্মণা নট্। অশনং ভোজুমিছতি অশনায়তি। ব্যোহত্র শুক্ষা। তথাচে শুক্রণে মুবিকৈ প্রেপ্ত বৃষ্টে অশনায়তি। ব্যোহত্র শুক্রা। তথাচ শুক্রাত কামুকী অখেন বনুমিছতি অশ্বাতি অশ্বাতি অশ্বা। দ্বি ইছতি দ্বিসাতি দ্বাসাতি কোপরে ইতানেনৈর ইছাপ্রাপ্তে পুনর্বেশ্ব কাম্যে ইতি বচনাৎ অতিভ্রমায়ামিতার্পংণ এবং ক্ষীরসাতি লবণ-সাতি ইতি। অশ্বান্তিসা কোপরে অসনাদেশো নেবাতে। অতিভ্রমায়ামেন

ति किः नामां नाम्हानाः प्रधानि । अहां प्रोति किः धनिक्षि धनीन छि छम्कोन छि । अहां प्रोति किः धनिक्षि धनीन छि छम्कोन छि। का ना विश्व क्ष्मान छ । का ना विश्व क्ष्मान छ । का ना विश्व क्षमान छ । का निकार्षः। एउन मधिना छ मधुना छोडां प्रोति न वष्ट। निर्मा छ अपूरा छोडां प्रोति ।

৩১৯। তভোপমানা দাচারে কাঃ।

্ঢাড্ডাচ্চোপুমানাৎ ক্যঃ স্থাদাচারে ২র্ধে। শিবমিবাচতি শিবীয়তি বিঞাবিবাচরতি বিষ্ণুন্তি।

৩২০। ঘান্তাকী সলোপশ্চ বা গল্ভ ক্লীব হোঢাতু মং।
ঘাছপমানাদাচারে ২র্থে জ্ঞাকী স্তঃ সম্ভ চ বা লোপঃ গল্ভাদেস্ত কাবপি মং। কৃষ্ণ ইবাচরতি কৃষ্ণায়তে কৃষ্ণতি স্বায়তে
স্বভি স্বামান। [ভ্যান্তবাদাম্] প্রায়তে প্রস্ততে গল্ভারতে
গল্ভতে।

সমন্তন্যাসমধ্যের নিত্যকিতিকেশ সক্ষতিরিতি। ন্যায়াত্পমানাদিত্যস্য ঘাদিতানের সক্ষয়ঃ। ভা কৃতে ভিস্তাদান্ধনেপদং সিদ্ধনের। কৌকৃত্তেতু গল্ভাদের প্রাপ্তমান্ধনেপদং বিধীয়তে। কৃষ্ণায়ত ইতি ঘোহজ্যারে ইতি দীর্ঘঃ। এবং হরীয়তে বিফ্রতে। যত্ত ভাকোচল্রী পিত্রীয়তে। ওদৌতোহজ্ঞং পরাতে নাবাতে। কাত্তা চৌচেতি গার্গায়তে। ন লোপঃ কাড্যে রাজায়তে দশ্বীরতে। পুশংক্রাক্ত পুংক্ষ ইতি বিজুবীবাচরতি বিষ্ণ্যতে সভীবাচরতি সভাতে সৃক্ষরীবাচরতি সুক্ষরারতে ইত্যাদি। কৃষ্ণভীতি কৃষ্ণইবাচরভীতি কিঃ কইং ইকার উচ্চারণার্থঃ। তোাবমাত্রো লোপাঃ। তদন্তব্বেদ ধাতুসংজ্ঞারাং তিপ্ শপ্ লোপোহভোহদেচোরিতি কৃষ্ণস্য জকার লোপাঃ। এবং হরিরিইাচ-রতি হরপ্রতি বিষ্ণবতিপিতরভীত্যাদি। অত্র বাশক্ষ্যা ব্যবস্থাবাচিত্যা দোজোহুপ্সরোদ্ধনিশাং নিত্যং ন লোপাঃ। ওজায়তে অপ্সরার্থতে দুর্মনারতে। গল্ভইবাচরতি গল্ভায়তে গল্ভতে ক্লীবায়তে ক্লীবতে হোড়ায়তে হোড়ভো:
কিপ্রয়োগো বথা বাদী মুক্তি রক্ষতি ক্লিভিপতি বৈশ্বাদরঃ শীভতি। ক্রোধী শাম্যতি দ্বর্জনঃ সৃক্ষনতি ক্লিপ্রায়ণ গঞ্জিতি। গর্মী ধর্মতি সর্মবিচ্চক্ষড়তি দ্বান্ত্রণ। ব্রিপ্রতঃ প্রীনিত্যে বর্গনামুখি প্রতিদিনং কন্যানি তুভাং নর্মঃ ইতি।

৩২১। ভূশাদে শ্লুর্থে বা তদলোপশ্চ।

ভূশাদেশ্যুর্থে ঙাকী বা স্তঃ ভিন্মিন্তসলোপশ্চ। ভূশায়তে ভূশতি ভূশীভবতি চেতায়তে শখায়তে বেহায়তে।

চার্থেহ ক্ত ভদ্ধাবে। তিমিম্লিভি ডো কৌচ পরে ডনোর্লোপোনিভা ইভার্থঃ।
অভূশো ভূশোভবজীতি ডো ভূশারতে কৌভূশতি পক্ষে চ্চৌ ভূশীভবজি। এবং
চেডারতে চেডভি উভয়ত্রানেন দ লোগঃ। পক্ষে চেডীভবভি মনশ্চকুশেচভ
ইতি দ লোগঃ। শখারতে শখভি উভয়ত্রানেন তলোগঃ। পক্ষে চ্চৌ শখ্রতবজি। বেহারতে বেহতি উভয়ত্রানেন তলোগঃ। পক্ষে চ্চৌ বেহস্তবজি।
ভূশাদিশ ভূশ শীভ্রৌ চপলোন্মনসেইচ উৎকঃ সুমনোত্র্মনসেইচ। ওল্লোবর্চশ্চাভি মনশ্চ বৃহদপতেলাং শুচি বেহচ্চ। পশ্বিত শখ্রং প্রতীপ ভাচো লোহিভ
ধর্মাবিপ নিম্লাচ। বর্মাচ নীলন্তদমূকুপাচ মন্ত্রঃ ফেলোহপাথ কর্মণাচ। হরিভো
ভল্লোহপিচ মল্লাদিন্তিংশন্তির্গদিভোহি ভূশাদিঃ। জত্র বৈনিম্লাদয়ঃ শন্বান্তে
বদ্যপি ধর্মবিচনাত্রপাপি শব্দক্তি শ্বভাবাং ধর্মিব্চনাত্রব। তেন নিম্লায়তে
ক্ষাং ক্লনিম্লাবান্ নিম্লাবানু ভবতীত্রগং।

०२२ । जाक् लाश्कारमः शक्ष।

ভাৰম্বাৎ লোহিভাদেশ্যুৰ্থে গ্ৰাকী বা স্তঃ পঞ্চ পটপটায়তে পটপটায়তি পটপটাভি পটপটা স্থাৎ লোহিভায়তে লোহিভা- য়তি লোহিততি লোহিতী ভাৎ ধর্মায়তে ধর্মায়তি ধর্মতি ধর্মী ভাৎ।

৩২৩। শব্দ সুধ কন্টাদেঃ ক্লতি বেদ পাপে ঙাঃ।

শব্দাদেঃ ক্তের স্থাদে রমুভবে কফাদেঃ পাপার্থে প্রবৃত্তিরিত্যশিক্ষর্থে ডাঃ স্থাৎ। শব্দং করোতি শব্দারতে বৈরারতে। স্থামনুভবতি স্থারতে ছংখারতে। কফা করোতি কফারতে।

जाविभसंते जिल्डिः नत्रसः। त्यम है जि विमनस्वाविकामा स्थिक्ष्यरः। क्या कृर्यक्रद्राकीकि कर्जूर ध्ववर्क्ड हे छार्षः। भनाविभ्व भन्न देवत ध्वजीशास्त्र कृत्यक्रद्राकीकि कर्जूर ध्ववर्क्ड हे छार्षः। भनाविभ्व भन्न देवत ध्वजीशास्त्र कृत्यक्षे कृत्री क्या । क्या क्या क्या । क्या भनाविज्ञीतिकः। मृथः इःथ्यः कृष्यं कृशशः क्रमण्या। ध्वजीशामीक त्या कृत्यक्षे कृत्राः मागाः मृथामतः। क्या गर्नक्षं कृत्यक्षे क्या गर्नक्षं कृत्यक्षे क्या विव्यक्षे क्या विव्यक्षे कृत्यक्षे क्या विव्यक्षे क्या विव्यक्य विव्यक्षे क्या विव्यक्य विव्यक्य विव्यक्य विव्यक्षे क्या विव्यक्षे क्या वि

৩২৪। বাস্পোক কেণ ধুমা ছ্ছাস্টো। বাস্পারতে উন্নারতে।.

এভ্যো ডাঃ সাছৰাজো। উৰান্তি রজু নিঃনারণং। বাষ্পামুদমতি বাষ্পাগতে। কেচিদিহ ধূনং ন পঠন্তি। কিন্তু দিলো ধুমারতে ইতি মহানাটকং।
তইং। ব্যোমস্থাক কিনে।
ব্যোমস্থারতে গৌঃ।

রোমস্থাঁৎ তাঃ সাা হুদ্যীগ্য চর্কণেছর্থে। রোমস্থায়তে গৌঃ উদ্দীর্ঘ্য চর্কন রতীত্যর্থঃ। হসুচলন এবেতি মুর্থসিংহঃ তেন কীটোরোমস্থং বর্ত্তরতীত্যত্ত্র ন সাাৎ।

্থ্য। নম স্থাপো বরিবং কণ্ডাদিতাঃ কাঃ ক্রতৌ।
নমন্দরোতি নমন্ত্রি তপশ্বতি বরিবস্তৃতি কণ্ডুমতে মহীয়তে ত্রীণীয়তে।

নমস্চ তপস্চ বরিবস্চ কঞাদিশ তে তেন্তাঃ। এন্তাঃ কাঃ স্যাৎ ক্তৌ। বরিবসাতীতি উপাত্ত ইতার্ধঃ। কঞাদিশ কণ্ড্র মন্ত্র অসু বন্ধা মহাঙ চিত্রীঙ ছীণীঙ খেট লোপ তিরস্ উরস্ উবস্ ইবস্ তপস্ বিবস্ কুসুম মগর্থ মেধা সুখ ছঃখ চরণ তরণ দুবণ অথর চরম সপর ভিষজ্ ভিষ্ণুক্ তৃষ্টুপ্ ঈব উব গর্দান্ত এলা মেলা বেলা খেলা উদ্ভম পদ্পদ ইত্যাদিরাকৃতিগণঃ। কঞ্মতি কণ্ড্রতে মন্ত্রতি মন্ত্রতে। অসু বন্ধা এতাব্পি উভয় পদিনাবিভি কেচিং। মহীয়ত্রে চিত্রীয়তে দ্বীণীরতে। অনো পরকোপদিনঃ।

७२१। ताः क्रांशादन विः।

লেঃ পরে। ঞিঃ স্থাৎ ক্তাবাখ্যানে চ। প্রশ্নং করৈছি আচটে বা প্রশ্নমতি উচ্মতি উড়িচ্থ উজিচ্দিত্যেকে। লুঙ্ মন্তদিবা-মিতি। ঈশ্বস্তমাচন্টে ঈশন্তি। অগ্রমাচন্টে অজন্তি।

পৃথগ্ৰোগাৎ কৃতাবিত্যসোপাদানাক নমন্তপোবরিব ইত্যাদেরসূত্তাভাবে প্রকরণ বলাদেব লেঃ প্রাপ্তের লেরিতি গ্রহণং জ্ঞাপয়তি প্রে বিরামবিহিতকার্যাং নস্যাদিতি। তেন ঘচং পৃহ্লাতি ঘচন্ততীত্যাদের ন কুডাদিঃ।
প্রশায়তীতি প্রীমংশ্চভিদিতি ভিন্তাং টিলোপে প্রশার ইত্যাস্য ধাতুসংজ্ঞায়াং
তিবাদিঃ উত্নতীতি বহুধাতোঃ ক্ষিঃ উত্যি উত্যিচাটেই ইতি প্রেণিভিন্তাং
টিলোপঃ। উত্যিশাখাভবানিতি প্রেটিলোপে উত্ ইতি স্থিতে দি স্থাপাসদয়ং সঙ্ নাম্মন্তাদেরিতি উকারং হিছা তি ইত্যাস্য দিছে বভ্রমন্তরকে ইতি
দ্যাধানস্তরকে দিছে কর্ত্বের বহুধাতোঃ জিপ্রতাদ্যে হস্য চন্তাদিকং সর্বাদিকং মন্ত্রিকেং মন্ত্রিকারেশ সহিতস্য হি ইত্যাস্য দিছে বাভ ধ্বৈতি হস্য স্থাকে
দ্যাধানস্তরকে দিছে কর্ত্বের বহুধাতোঃ জিপ্রতাদ্যে হস্য চন্তাদিকং সর্বাদ্যিকং মন্ত্রিকারেশ সহিতস্য হি ইত্যাস্য দিছে বাভ ধ্বৈতি হস্য স্থাকে

- ৩২৮। শ্রেভাশা শতর গালোড়িতা স্বরক্তা শত রেত কলোপ:।

ংশত শিষা চতে শৈত রতি অশ্বরতি । গালোড্রতি আহ্বরতি। খেতাখনাচকে খেতরতি অখতরমাচকে অশ্বতি গালোড়িত মাচকে গালোড়রতি আহ্বরক্ষাচকে আহ্বরক্তি।

०२२। नाभू मछार्थदवरेमकां कडः।

সভাদে রেকাচো ২কারাস্তভ চ ঞৌ নাপ্ ভার ইং। সভা-পরতি অর্থাপরতি বেদাপরতি স্থাপরতি। বাড়াস্তিকৈতি সাধা-দরঃ। সাধরতি। প্রশক্তনাচক্টে আপরতি।

একাজারো অচেতি একাজং। সভাশ্চ অর্থশ্চ বেদশ্চ একাজচ্চ ভং ভসা। সভাসাচক্টে ইভাগি সাধাং। সাধানন ইতি বাঢ়মাচক্টে সাধরতি। এবং অন্তিকং নেমন্তি ভুলং ভ্রম্বভি'দুরং দ্বম্বভি দুরম্বভীভাগি কেচিং। মুবাদঃ ষবরতি যুবাপেশী কল্বেতি পক্ষে কময়তি। ক্ষিথং ক্ষেপয়তি ক্ষুত্রং কোদয়তি থিরং প্রাপরতি স্থিরং স্থাপরতি ক্ষিরং ক্ষাপরতি উরং বরর্সি গুরুং
গররতি বছলং বংহরতি তৃথাং ত্রপরতি দীর্ঘাং দ্রামরতি হ্রম্মং হুসরতি বৃদ্ধাং
বর্ষরতি ক্ষোবৃদ্ধক্ষেতি পক্ষে জ্যাপরতি। বৃন্ধারকং বৃন্ধরতি। তৃণ্লোপ্যঃ
কর্ত্তারং কাররতি প্রশাসং প্রাপরতি পক্ষে জ্যোবৃদ্ধক্ষেতি জ্যাপরতি। পৃথুমৃত্তিয়াদি পৃথুং প্রথমতি বৃদ্ধঃ মুদ্ধতি কৃশং ক্রশরতি জ্পাং ক্রশরতি দৃত্ত ক্রান্তি পরিবৃত্ত্ব পরিব্রত্রতি। যুবাপেশীকম্বৈতি অপপং কর্রতি জপ্পর্তি।
বহোপ্রেণি ভূরিতি বক্তবাং বহুসাচ্যেই ভাবরতি।

# ७००। विशः कला/८मः।

কল্যাদে রর্থবিশেষে ঞিঃ স্থাৎ। কলিং গৃহাতি কলয়তি স্থাচনলং হলয়তি অজহলৎ ক্তয়তি অচীক্তৎ অচক্তৎ। বর্ণয়তি জ্বয়তি তৃস্তানি বিনিহন্তি বিতৃস্তয়তি। বস্ত্রং সংচ্ছাদয়তি সংবল্লয়তি। বর্ণয়া কানহাতি সংবর্লয়তি। চূর্ণয়বধ্বংসতে অবচূর্ণয়তি। হন্তিনাতিকামতি অভিহন্তয়তি। বীণয়া উপগায়ি উপবীণয়তি। তুলয়বকুফাতি অবভুলয়তি লোকেয়পিততোলি উপল্লোকয়তি। সেনয়া অভিমুখং যাতি অভিষেণয়তি অভিষেণয়তি অভিষেণয়তি। কেলং পশ্যতি ক্পয়তি। লোমানয়মায়ি অস্লোময়তি। হস্তো নিরস্তাত অভিহন্তয়তি। লোমানয়মায়ি অস্লোময়তি। হস্তো নিরস্তাত অভিহন্তয়তি পৃচ্ছয়ৎক্ষিপতি উৎপৃচ্ছয়তে। ভাগানি সংচিনোতি সংভাগ্রতে। চীবরংসংমার্জয়তি পরিদ্যাতি বা সঞ্চীবরয়তে ভিক্ষুং।

कनिश्नो नामरधुर् मर्वार्थनाहन पृथि आकः। निभारताइर्थनिएमरम् उत्पन्न निवृत्यामि। कनिश् भृकाञीजामि। काम्मिणि कनिश्मिति किनिश्मिणि किनिश्मिति किनिश्मिति किनिश्मिति किनिश्मिति निर्मानिष्ठ किनिश्मिति निर्मानिष्ठ महाना प्रमुखीष्ठिन भवाश्मिति निर्मानिष्ठ महाना प्रमुखीष्ठ महाना प्रमुखीष्ठ निर्मानिष्ठ किनिश्मिति किनिष्मिति किनिष्मिति किनिष्मिति किनिष्मिति किन

ক্তিনেভুগণনকণং অর্বতাতিক্রামতি অতার্যতীতাপি ন্যাং। নৈনরা অভি
নমুখং যাতি অভিবেশ্যতীতি গীক ইতি বদ্বে বুর্ ব ইতি গদ্বং। অভিষিদ্ধেশনিবতীতি অভিবেশনিভূনিক্তীতি সম্বনোহরনোতীমি দ্বিদ্দান দশসাদেরিতি
দ্যোঃ বদ্বং। হত্তো নির্মাতি অভিক্তরতি নিঃক্ষিপতীতার্থঃ। পুক্তভাশুটীর
রেভা আত্মনেপদং বজ্কবাং। এবং ব্রতাস্কোজনা ভোজনরোঃ। পরে। ব্রতমতি
ভুজ্ক ইতার্থঃ। ব্রনান্ধং ব্রতম্ভি নভুজ্জ ইতার্থঃ। এবং বাস্পোণ হিনজি
মুখ্যক্রয়তি। পালাদিমোচন্তি বিপাশন্তীত্যাদি।

৩৩১। লিখো র্যথেকং দিঃ কপ্তাদ্য জাদ্যোন্ত ভূতীয়া নাদ্যোঃ।
পুপুলীরিষতি পুতিলীরিষতি পুলীরিরিষতি পুপুতিলীরিরিষিযতি লাশ্যীরিষতি কণ্ডুরিরিষতি।

লিধুরিতি আদে লিঃ পশ্চাৎ ধুরিতার্থঃ। যথেইনিতি কদাচিৎ প্রথমস্য কদাচিৎ দিতীয়স্য কদাচিৎ তৃতীয়স্য কদাচিৎ সর্ব্ব বর্ণানাঃ বুগপদিতার্থঃ। কঞ্চাদেস্ত তৃতীয়সৈর। অজ্ঞাদেশ্ব আদিবুর্জুং হিল্বা দিতীয়স্য তৃতীয়াদের্বেতার্থঃ পুল্রমিবাচরতি শিষানিতি কাঃ তঁতঃ পুল্রীয়িতু নিচ্ছতীতি সন্ বসোহরসোতীর পুল্রীয়্ব ইতাস্য পুকারাদের্ছিছে পুপ্লুলীয়্ববতীতা দি। কঞ্ৎ করোতীতি নমেতিপ্রোবরিক ইত্যাদিনা কাঃ ততঃ কঞ্মিতু নিচ্ছতীতি সনি ইমি কঞ্মিব ইতি স্থিতে মিইতাস্য দিছে। এবং মন্তৃ মিদ্বতীতি সনি ইমি কঞ্মিব ইতি স্থিতে মিটি কাঃ ততোহশীমিতু নিচ্ছতীতি সনি ইমি অশ্বীরেব ইতি স্থিতে দিতি কামিতি কাঃ ততোহশীমিতু নিচ্ছতীতি সনি ইমি অশ্বীরেব ইতি স্থিতে দিতীয়স্য তৃতীয়স্য বা।

ইতি লিধুপাদঃ।

### १९।

ত্ত্ব। যে প্রং প্রান্ত্র্ক প্রত্যভাতিক্ষিপ প্রবহ পরিমৃষ ব্যাপ-রিরমো বাতুপরমঃ।

এভাঃ পং স্থাৎ ঘে উপরমস্ত বা। পরাকরে†তি অনুকরোতি প্রতিক্ষিপতি প্রবহৃতি পরিম্যাতি বিরমতি আরমতি উপরমতি উপরমতে বিষ্ণুঃ। পরাস্তাং কৃ পরাস্কৃ। প্রত্যভাতিভাঃ ক্লিপঃ প্রত্যভাতিক্লিপঃ। প্রাবহঃ প্রকৃষ্ণ। পরিকৃষ্ণ। বাপরিভাগের ক্রাপরিরক্। ততঃ পরাস্কৃষ্ণ প্রতাতি ক্লিপাল প্রবহণ পরিস্বাদ ব্যাপরিরক্চেতি ভ্রমাৎ। কৃ ঞাদভু কৃতে। ক্লিপালঞ্জীসুদি বহৈ প্রেপ্রাপণে কৃষণ্ড কাস্তো চতুর্নাং ক্রিপ্রাৎ ক্রিপ্র ক্রাপ্ত ক্রিপাল্লেলপদং ন স্যাৎ। ক্রমাণ কর্বং কর্ত্তি প্রাপ্তবাান্ধনেপদং ন স্যাৎ। ক্রমাণ করিং ন্যাং। করং রমুভজো ক্রীড়েই তাস্য ভিত্তেই প্যান্ধনেপদং নস্যাদিতি। বৈর্বোগে দিতীক্ষা বিহিতা তেরামন্বাদীনামিই ন গ্রহণমিতি কুলচক্রঃ। তেরা বৃক্ষমস্করোতি অমুকুরতে। বৃক্ষমভিক্ষিপতি অভিক্রিপতে ইত্যাদাবৃভ্যাণ, পদমের। কুদ্রেণা দাবাং ইত্যানান্ধারায়াং পরক্ষেপদমেরেতি কেচিৎ। ত্রু বৃধ বুধ প্রেণ ক্রে ক্রমাণ নশোই প্রিপ্রাণিস্বাচ্চিত্ত প্রেণ্ড।

্চলরতি ভোজরতি অধ্যাপরতি বোধরতি যোধরতি প্রাবরতি দ্রাবরতি আবরতি জনরতি≋নাশরতি শাররতি কৃষ্ণ যশোদা। প্রাণিঘাৎ কিং। শোষরতে শালিং। অঢ়াৎ কিং। ভক্তিং কার-রতে। অথ্যো কিং। ৰূপরতে হরিঃ।

কম্পণ্ট অন্নথ্য কম্পান্তে তেহথে বিয়োজে কম্পান্থাথে কম্পান্ধাথে চিইড্চ বুখণ্ট প্রশ্ন ক্রণ্ট জনশ্চ জনশ্ট কন্ট তক্ষাৎ। প্রাণীঘোষসা স প্রাণিঘঃ। নাজি ঢুং যস্য সোহতঃ। প্রাণিঘণটাসো অঢ়ণ্টেতি প্রাণিঘাতঃ অঞি প্রাণিঘাতঃ তক্ষাৎ। এভাো প্রান্তেভাঃ পংস্যাদের বাচ্যে। কিঞ্চ ক্ষাবৎ কর্ত্ত্ব্যপি আন্তনেপদং নস্যাদিতি বোধাং। চলমতি জনমতীতি ঘটা-দিবাং হুম্বঃ। শান্তমতি কৃষ্ণমিতি কৃষ্ণঃ শেতে অত্র প্রাণিকর্তুকোহকর্মকঃ। তত্তো প্রান্তাৎ পরক্ষৈপদং। শোষয়তে শালিমিতি শালিঃ শুষাভীতি অপ্রাণিকর্তুকোহকর্মকঃ। তেন প্রান্তমিপদ নিম্মাভাবে উভয়পদং। ভক্তিং কারয়ত ইতি জনোভক্তিং করোতীতি অঞ্যন্তবাশান্তাং সকর্মকত্বাৎ প্রস্তাপদং। রপরতে হরিরিতি রপৎ ক তৎ কৃত্তো নিত্য চুরাদিবাদ্প্রান্তদশান্ত্রা অন্তবাৎ বিবন্ধবিশাদ্ধ ক্ষিত্র প্রেরণ প্রান্তবাধি পরিমাভাবে উভয়পদং।

### य९।

ত । বিপরাজি পরিবাবকী নিবিশা মু প্রচ্ছে। মং।

্এভাো মং স্থাৎ। বিজয়তে পর;জয়তে পরিক্রীণীতে নিবিশতে আহুতে আপৃচ্চতে।

বিপরাজ্ঞাং জিঃ বিপরাজিঃ। পরিবাবেজাঃ ক্রী পরিবাবক্রী। নেরিশিঃ নিবিশঃ। আর্জ্রী সুপ্রক্রে আতুপ্রক্রে। ততো বিপরাজিশ্চ পরিবাবক্রীশ্চ নিবিশশ্চ আসুপ্রক্রে চৈতি তন্মাৎ। যে পমিতাতোঘে ইত্যসুবর্ত্ততে পরিক্রিশিশ্চ জারুপ্রক্রেও পরিক্রিশিশ্চ জুক্রীঞার ক্রমণর্যায়ে ইত্যাদি গ্রাস্বস্ধানামান্মনেপদ বিধান মকলবং কর্ত্ত্যান্ধনেপদ প্রাপ্তার্থং। এবং সর্বত্ত। নিবিশতে ইতি পৌরিশ-প্রবেশে তুদাদিল্বার শঃ। আত্রত ইতি গুলস্ত্রতৌ শপোলুক্। আপ্রভূত ইতি প্রস্তান্ধান্ধনি পরিদ্যালিক্রিশে এহাদিল্বাৎ জিঃ। কেবলদ্য নের্থহণাৎ প্রনিবিশতীত্যাদে। নস্যাৎ।

৩৩৫। আদাঞো হস্তপ্রসারে।

न्मने ए । ক্রপ্র পারে তু। বাদিদাতি মুখং রুষ্ণঃ।

यः चाकः चना धानादा विस्नातः च धानादः। न चधानादाश्यधानादः। आह् পূর্বাদ্দাঞো মং নাদের নতু चधानादः। আদত্তে সূহাতীতার্থঃ। चध-সারেতু বাাদদান্তি মুখং কৃষ্ণঃ বিস্তারয়তীতার্থঃ।

৩৩৬। আগমেঃ ক্লান্তো। আগময়তে কালং।

গমির্ক্তান্তঃ আঙ্পুর্ব্বাদনময়তে র্ঘে মং স্যাৎ ক্ষান্তো। ক্ষান্তিঃ প্রতীক্ষণং। আগময়তে কালং প্রতীক্ষতে ইত্যর্থঃ। ক্ষান্তো কিং গামাগময়তি আনয়তী-ভার্থঃ।

৩০। পৰ্যা স্ব বাঙ্ক: ক্ৰীড়ঃ।

পরিক্রীড়তে অনুক্রীড়তে অবক্রীড়তে আর্কাড়তে।

পর্যাদি পূর্বাৎ জ্রীড়তে র্ঘে রং স্যাৎ। পর্যাদীনামুপদর্গানামের এক্ণাৎ সাণ্যক্ষসকুজীড়তীতাজ ন্স্যাৎ। অসুরিহ সহার্থঃ। ৩৬। সমো হকুজনে।
সংক্রীড়তে। কুজনে তু। সংক্রীড়তি চকং।
সম্পূর্কাং ক্রীড়তে র্মং সাং ঘে নতু কুজনে। কুজনম্ব্যক্ত শদঃ।
৩৯০। ক্রোহপা দ্বর্ঘালবানেছে চতুষ্পাছো সুম্চ।
ভাপক্ষিরতে মন্তঃ কুকুটঃ খা বা অন্যত্র মল্লোহপঁকিরতি গলোহপ্রিব্যন্তঃ।

অশ্বঞ্চ বাসশ্চ অন্নবাসে অন্নবাসয়োরিছা অশ্ববাসেছা হর্ষেণ অশ্ববাসেছা বস্য স হর্ষান্ধবাসেছা তিমান্। চতুম্পাচ্চ বিঃ পক্ষীচ চতুম্পাহিঃ তিমান্। হর্ষহেতুক ভক্ষণেছাবজি চতুম্পদে পক্ষিণি বা কর্ত্তরি। হর্ষহেতুক বাসেছাবজি চতুম্পদে পক্ষিণি বা কর্ত্তরিবাচো অপাৎ কিরতে র্মংস্যাই তস্য সৃষ্চেতার্থঃ। অপক্ষিরতে সন্তঃ কুকুটো ভক্ষাথী হ্র্যান্ত্রমি মালিখতীতার্থঃ। অপক্ষিরতে মন্তঃ খা বাসাথী হ্র্যান্ত্রমি মালিখজীতার্থঃ। অন্ত্রালিখন এবেতি বোধাং। চতুম্পাছে ছি কিং মল্লোহপকিরতি। হ্যাশ্ববাসেছে ইতি কিং গজোপকিরত্বান্তঃ। চকারস্যান্থাচয় শিক্তাদাশ্বনেপদাভাবেপি অনভাসৌ সৃষ্ স্যাৎ। অপক্ষরণং অপক্ষারঃ।

৩৪০। শপথা শী গতানুকারে শপ নাথ হাঞঃ।
কুঝায় শপতে গোপী মোক্ষায় নাথতৈ মুনিঃ। পৈতৃকমনুহরতে অখঃ।

শপেঞা ক্রোশে ইত্যয়াৎ শপথে নাগৃত দ্বাশিষাঃ ঐশ্যেহর্থনে ইত্যয়া দাশিষি ক্রঞ ক্রতা মিতায়াদগত্যসুকারে মংস্যাৎ দ্বে বাচ্যে। শপথঃ
পুল্রাদি শরীরস্পর্শনাদিনা মিথা নিরসনং। কৃষ্ণায় শপতে কৃষ্ণম্য শরীরং
স্পৃষ্ট্যী ময়া এতয়ক্তমিতি দিবাং করোভীতার্থঃ ইতি কেচিৎ। বস্ততন্ত জৌম
রাদ্যেক, বাক্যতার্থং গোপা ক্যাচিৎ শ্রীরং স্পৃষ্ট্যী ময়া এতয়ক্তমিতি
দিব্যেন কৃষ্ণং ভোষ্যিতু মিচ্ছতি স্বাভিপ্রায়ং বিজ্ঞাপদ্মিতু মিচ্ছতি বা ইত্যেবং
ব্যাখ্যেং। সখাঃ শপামি ষদি কিঞ্চিদ্পি স্মরামীতিবাচা শরীরস্পর্শনাভাবাস্বাধ্বনেপদং। প্রতিবাচন্দ্রত কেশবঃ শগ্রানার মচেদিভূভূতে ইতি মাধে।
শ্রামানায়েতি শপ্রাদ্যাত্র নিয়মাভাবা কুভয়পদপ্রাপ্তেটী শানঃ। জাশী

রিকীর্থা বিদ্ধরণং মোক্ষায়নাথতে মোক্ষোমেভুয়াদিত্যাপাত্তে ইত্যর্থঃ। অস্য ডিত্বেপি আশিবোহনাত্র পরবৈষ্ণদমের মাণ্যকমুপনাথতি বাচয়তীতার্থঃ। গভাসুকারো গভি সদৃশীকরণং পৈতৃকমসুহরতেহখঃ পিতৃবদাক্ষতীতার্থঃ। গৈতৃকমিতি পিতৃরাগতমিতি কালবৃদ্ধিঃ। গতিগ্রহণাজ্ঞপাদাসুকারেছু ন স্যাং পিতরমসুহরতি রূপেণ পুক্রঃ।

৩৪১। প্রতিজ্ঞা নির্ণর প্রকাশে সংপ্রব্যবাচ্চ স্থঃ। নিতাং শব্দ নীতিষ্ঠতে। দ্বরি ভিষ্ঠতে বিবাদঃ। রামার ভিষ্ঠতে নীতা সংভিষ্ঠতে প্রতিষ্ঠতে বিভিষ্ঠতে অবতিষ্ঠতে সমস্থিত।

প্রক্তিলাদা বর্থে তিপ্ততে মং স্যাদেন। সংপ্রব্যবেভাঃ পরান্তিপতের্বন্ধিন্
কমিরপি অর্থে মং স্যাদেন। ইন্তর্থ হরং চকারাং। প্রতিজ্ঞা জলীকারঃ
নির্নরো নিশ্চয়ঃ। প্রকাশঃ স্বাভিপ্রার প্রকটনং। নিতাং শব্দমাতিপত ইতি
নিতামিতি শব্দমা বিশেষণং শব্দোনিতা ইতি প্রতিজ্ঞাং করোতীতার্থঃ। ছরি
তিষ্ঠতে বিবাদ ইতি নির্নয়ঃ। ছয়ি, ন তিপ্ততে,প্রীতি স্ততাং তিপ্তামহে বয়মিতিত
ভট্টিঃ। অন্যাকং প্রীতিজ্বরি তিপ্ততেবেতি নির্নয়ঃ অভ্যাব তব সম্বন্ধে স্বাভিত্রিয় প্রকাশং কুর্ম ইত্যবিঃ। রামায় তিপ্ততে সীতেতি স্থিতা৷ রামং তোদয়িতু
নিজতি স্বাভিপ্রারং বিজ্ঞাপয়িতু মিছতি বেতার্থঃ ইতি জ্ঞামরাঃ। রামায়েতি বিনা দিংসতি চতুর্থী। সমস্থিতেতি স্থাদোভিরিতি ডিঃও

७८२। छेत्। रसूरक्षुरह।

মুক্তা বুত্তিষ্ঠতে। অন্যত্র আসনা ছত্তিষ্ঠতি। গ্রামাচ্চত মুত্তি-ষ্ঠতি।

न छेर्कृः अञ्च १ अञ्घ के १ ८० छ। यमा भा श्राह्म १ छिषा स्ट स्ट है छ यमा विष्मयन । अञ्च विषय १ ८० छेमा न क्छ दिवार छ छ । अपन विषय । अञ्च विषय १ ८० छेमा न कछ दिवार । अपन विषय ।

৩৪৩। মদ্রেণোপাৎ। গায়ব্রোপতিষ্ঠতে অর্কং i নত্রকরণকে ধাত্বর্থে উপাৎ পরাৎ ছো মং ন্যানের। বে সুর্বামুপতিষ্ঠত্তে মত্রৈং সন্ধাত্রকং বিজ্ঞা ইতি ভটিং। মত্রেণ কিং যুবতি যৌরনেন ভর্ত্তামুপ-তিষ্ঠতি। তৃতীয়রা কিং গায়ত্রী মুপতিষ্ঠতি।

७८८। रेमजाध्य मङ्गा तार्थः।

সম্ভ মুপতিষ্ঠতে সাধুঃ। গঙ্গা মুপতিষ্ঠতে পন্থাঃ পতি মুপতি-ষ্ঠতে নারী। বিষ্ণু মুপতিষ্ঠতে বৈষ্ণবঃ।

নিত্রসভাবে নৈত্রী। নৈত্রী নিত্রকরণং অধা পহাঃ নক্ষ উপপ্লেষঃ নিত্র-করণং বিনাপিনকো ভবতীতি ভেদঃ। আরাধ আরাধনং। উপাৎ পরাৎছো নৈত্রী সন্ধারাধে ঘর্পেষু ঘে নং নাৎ। অধনি কর্তুরি চু মং ন্যাদিজ্বর্থঃ। সন্তমুপ ভিপ্ততে সন্তং নিত্রং করোতীজ্বর্থঃ। পতি মুপর্ভিপ্ততে পঞ্চানহ সন্ধংকরোতীজ্বরিঃ। বিফুমুপতিপ্ততে আরাধনাং করে।তীজ্বরিঃ। এঘর্থেষু কিং ঝানাধীনদী-মুপ্তিপ্ততি। গলার্পতিপ্ততে পন্থাঃ। পথি কর্তুরি কিং পন্থান্মুপতিপ্ততি।

७८८। निश्नामा सा।

ভিক্ষু ধার্মিক মুপতিষ্ঠতে উপতিষ্ঠতি বা।

'লকুমিছা লিপ্সা। উপাৎ পরাৎ ছো মং দ্যাদা লিপ্সায়াই বিধিকমুপ-তিঠতি ধার্মিকং লকুমিছভীভার্থঃ।

७८७। जाहाद।

ক্ষানং উপতিষ্ঠতে।

উপাৎ পরাদকর্মকাৎ স্থে। মং স্যাদের। বিভাষাদ্যমধ্যবর্ত্তিদান্নিতাত্বং। জ্ঞানমুপতিঠতে উপস্থিতং ভবতীতার্থঃ। অঢ়াৎ কিং রাজান মুপতিঠতি।

७८१। मस्यो अमृष्ट् श्रम् कृष्य क्रिक् विद्यार्थि पृभः।

সংগচ্ছতে সমগত সমগংস্ত সঙ্গীত সকংসীত সমৃচ্ছতে সংপৃচ্ছতে সংস্কৃতে সংগৃণুতে সংবিদ্ধতে সমিয়ৃতে।
সংপশ্বতে। অঢ়াৎ কিং গঙ্গাং সক্ষৃতি।

গমচ কছণ্ট প্ৰাছণ্ট স্থৃণ্ট প্ৰণ্ট বেক্তিণ্ট জান্তিণ্ট দৃশচেতি জন্মাৎ। সমঃ পারেভ্যো হকর্মকেভ্য এভ্যো যে মং সাং। সমগতেত্যাদি ইঙ্গুরিতি কিং- পক্ষে বনত্বে তি সংলাপে মসমাদিতি সিলোপঃ। কিন্তাভাবপক্ষে সমাস্

শারঃ সঙ্গ সীটেউডাদি কিংপক্ষে সমালোপঃ। অকিংপক্ষে হমুমারঃ। সম্

তত ইতি কক্ষমুদ্ধে সমনমাহয়োঃ তুদাদিন্বাং শঃ সংপৃক্ত ইতি প্রক্রেণশাক্ষীপ্রে তুদাদিন্বাং শে এহাদিন্বাং জিঃ। সংশ্বতে ইতি শৃতীশক্ষোপতাপ্রোঃ। সংশৃণ্ড ইতি ক্রম গতো ক্রতো মুঃ জিঃ গন্ধ। সংবিদ্রুতে ইত্যাদি
বিদ্যানতো অন্তেশপো লুক্ মান্ডোহদর্শতঃ মান্ডোরমিতি রম্বা পক্ষে সংবি
শতে। সমিয়তে ইতি কর্লি গত্যাং তে শপো লুক্ জ্বাদীরেদিঃ প্রাদেতিঃ

ধেরে থের্যোরিয়ুবনে। অন্তাত্যনেন প্রপ্রাপণে ইতিভোবাদিকস্যাপি গ্রহণাং
সমৃক্ততে ইত্যপি বোধাং স্থাদানেতি ক্ষাদেশঃ। সংপশ্যতে ইতি সুগ্রহ।

৩৪৮ ি গে কা ভোছো ঢ়ে চ।

নির্ভতে নির্ভতি সমূহতে সমূহতি।

গেঃ পরাজ্ঞাং অস্য ইক্ষেপে উহঙতকে ইত্যেতাজ্ঞাং সংস্যাধা ঢেক-র্মাণ বিদ্যাসালে চকারাৎ কর্মাজাবেচ। সন্ততং তিমিরমিন্দুরুদানে ইতি দিশঃ সহস্মিবেতি চ ভারবিঃ। গেঃ কিং অস্যাঞ্জ উহতে।

1 क्या कि स्था स्था (यश्ती।

ব্ৰহ্ম সমূহাৎ।

'গেরিজ্যস্য উহস্চোপাদানাৎ পূর্ব্বতঃ কিমপিনাসুবর্দ্ধতে। গেঃ পরস্য উহঃস্বঃ স্যাদণৌ যেপরে। সমু্ছাদিতি সংপূর্ব্ব উহঙতর্কে পূর্ব্বেণ ঢাাঃ পর-মৈপদবিধানেন হুস্বঃ। জণৌ কিং ঘাণি সমূছঃ।

७৫०। आजाकृ । पृश् काइन यमः ।

উর আহতে পাদমায়ক্ততে। আহতে আয়ক্ততে।

আখালং তং ৰস্য স আক্সান্ধতঃ ত্যাং। নাজি তং ৰস্য সোহতঃ ত্যাং।
হমচ ৰমচ হনবম্। আডো হনবম্ ত্যাং। নগুকপুতাধিকারাং ঘে নং ইত্যুভয়সমূবর্ত্তে। অসান্ধর্মকাভ্যামকর্মকাভ্যাঞ্জ আঙ্পূর্ব হনবমাভ্যাং ঘে
নং স্যাং। উরো বক্ষ আহতে পীড়য়তীক্তর্বঃ। পাদনার ছতে দীর্ঘাংকরোতী
ভর্তা কর্মা বিকলারাত আহতে পীড়িতো ভবতীক্তর্বঃ। আরছ্তে দীর্ঘোভবতীক্তর্বঃ। সান্ধ্যাদিভানেনৈবেইসিছে আন্সান্ধ্যাদিতি গৌরবং অন্তবং

মুর্কুনিতাদি পারিভাবিক সাজব্যাবৃত্ত্যর্থং। ইহতু আর্লনাংকং আরাজনিতি। অতএব পরশির আরছঙীতাত্র পরশিরসং পারিভাবিক সাজবেহপি ন সাথে। গাণ্ডীবী কনকশিলানিভং ভুজাভ্যামাজদ্মে বিষমবিলোচনস্য বক্ষ ইতি ভারবে পরাজ কর্মক্ষাদ্দমাধু ইতি ভাগবৃত্তি জুমর কুলচন্দ্রাঃ। বস্তুত্ত্বর গাণ্ডীবী কনকশিলানিভং ভুজাভ্যাং সং বক্ষ আজ্বন্ধে বিষমবিলোচনস্যেতি জনাদরে বন্ধী তমনাদৃত্ত স্ববলাধিকাং স্কৃতিবানিত্বর্থঃ।

'৩৫১। হনঃ কিৎ দিঃ।

হনঃ পরঃ সিঃ কিৎ স্থাৎ। আহত আবধিষ্ট আহ্সাতাং আব-ধিষাতাং। জনাত্র শক্রমাহস্তি পরশির আয়ক্ততি।

হনঃ পরঃ সিঃ কিৎ স্যাৎ। আহতেতাদি পূর্বেণায়নেপদে হনেন সেঃ কিন্ত্রা ঘনতনেতি বলোপে সেলোপঃ। পকে টীমেতুবাইতি বধাদেশে ইনি আবিধিউ।

৩৫২। যমঃ স্কৃচনে বা তৃত্বাহে। রামঃ নীতা মুপায়ত উপায়ংস্ত।

ষমঃ পরঃ সিঃ কিং স্যাৎ আত্মনেপদে স্চনেহর্থে বিথাছিতু বা। স্চনমিলিতাদিনা বিজ্ঞানং আরত ইতি পূর্বেণায়নেপদে হনেন সেঃ কিত্তে বনভবেতি মলোপে সেলোপঃ। উপায়তেস্তাদি উপবদো বিবাহে ইতি বক্ষদ্র
নাণাদায়নেপদে হনেন সিঃ কিছা। পূর্বতির স্ক্রেস্য প্রত্যুদাহরণমাই শক্রনাহনীস্তাদি।

৩৫৩। ব্যু ত্তপঃ।

বিতপতে উত্তপতে পাণিং জনঃ। আত্মাক্তা দঢ়াচ্চ কিং। মহীং বিতপত্যকঃ।

ভণঃ কিৎ কার্যাসম্ভবাৎ কিৎ সিরিতিনাস্বর্ভতে। মণ্ড্রপ্রভা যে মং ইত্ত-সুবৃদ্ধতে। বুট্ড্যাং পরাদাস্থান্দঢ়াক্ত তপো যে মং স্যাৎ। পাণিমিতি হত্তং উপতপ্তং, করেডীগুর্থং। বিতপতে উদ্ভপতে জনঃ উপতপ্তঃ স্যাৎ ইত্যর্থঃ।

৩৫৪। তপোঢ়া দাক্চরে।

### তপ্যতে তপ স্তাপসং। রে কিং অতপ্ত।

ভপো চং কর্ম যস্য স ভপোঢ়ঃ ভষাং। পৃথক যোগাৰু দি জিনাকু নার্ক্তি ।

এবং ভপোঢ়া দিহানেন আন্ধান্ধ চাল্টা চেন্ড পি নিরভং। ভগোড়া ভপাঃ দর্জি
নিভজীনা দান্ধনেপদং স্যাদের। রেপরে বক্চ স্যাদিন্তর্থঃ। ভগাড়ে ভপভাপস ইতি ছঃখেন ভপো জনমভীন্তর্থঃ। এবং ভপোড় ভপাড়াং জভপাত।
রে কিং অভগ্রেভি নিমিন্ত গভ বিশেবছেন বলবন্ধাং ট্যাংসি রেব। এবং
ভপে ভগাই ভার্মি। ভপোঢ়া দিভি কিং মহীং বিভপক্তর্কঃ।

७ (८। मृजः आफ्रा खनीत् छ।

जुकार्ड खकः चकः। .चगर्कि। तत किः नमर्क।

শ্রন্থ জন্তাস্যতি প্রজ্ঞাদির্বাধে প্রাক্তঃ। প্রাক্তির কর্ত্তা বন্ধা স প্রাক্তর তথাং। প্রাক্তির সর্কার্তিক নিমান্ত্রন্থ প্রাক্তির বক্তিনি ইণ্চ স্যাদিত্রপর্থঃ। এবং স্ক্তেত স্কাতাং অস্কাত সমর্কি সম্ক্রে স্ক্তির ইন্তাদি। প্রাক্তাং কিং স্কৃতি মানাং মানিকঃ।

৩৫৬। নি সংব্যুপ হয়।

নিম্মাতে শৃংম্বয়তে বিহ্বয়তে উপধ্যয়তে।

অনিউত্থাৎ ষনিগৌ নাস্বর্জেতে। নিসংবাপেতাঃ পরাৎ হ্রেরতে মৃৎ স্যাৎ। ৩৫৭। স্পর্কারা মান্তঃ।

ক্লুঞ্জ শ্চামূর মাহরয়তে।

আতঃ পরাৎ হ্রেতে মহ সাৎ স্পর্কায়াং। স্পর্কা পরাভিভবেছ।, স্পর্কায়াং কিং পিতা পুত্র মাহবয়তি।

৩৫৮ । স্চনা বক্ষেপণ সেবা সাহস প্রতিষ্ট্র কর্মোপ্রোগে ক্রঞঃ।

অপকুরতে। শ্রেনো বর্ত্তিকাং অপকুরতে। বিষ্ণুং প্রকুরতে। পরদারান্ প্রকুরতে। এধোদকত উপকুরতে গীতাঃ প্রকুরতে। শতং প্রকুরতে শাঙ্ পুর্বেন্যু, করে। তেঃ স্করাদা বসভিধানাদাঙ ইতি নাম্ধর্ত্তে। স্কর্নং পর্দোবাদাবিদ্ধরণ্
থ। সর্কেপণং তির্ক্ষারঃ সেবা জমুব্জিঃ। সাহসং পশ্চাক্রোদ্ধ নালাচ্য করণং হিংসা চৌর্য পরদারণসনাদি। প্রতিষ্ক্রঃ সভো-শুণান্তরং। কথা জাখ্যানং। উপবোচনা ধর্মাদার্থং দ্রব্য বিনিয়োগঃ। ক্র-থেমু কৃথ্যে মহ সাচেল। অপক্রতে ক্যাচিন্দোক্ষাবিদ্ধরোজীপ্রবিঃ। লেগবো বর্তিকামপক্রতে ভিরন্ধরোজীপ্রবিঃ। পরদারাদ্ প্রক্রতে সেবতে সাহসাত্তেরু প্রবর্ত্তি বা ইতি নেবা সাহসংগ্রারেক্মুদাহরণং । ক্রোদক্ষ্যোপ্রক্রতে কর্মির ক্রেট্রি কর্মতে ইতি এয়ঃ কার্যং ত্র্যা উদকং ক্রমঃ। ক্রোদক্ষ্যেতি প্রথাদার্থং ত্র্যা উপস্করতে ইতি কর্মানাদং করোজীপ্রবিঃ। ক্রোদক্ষ্যেতি প্রতিবন্ধে কর্মানি শুলিক্স্কতে ইতি সংপর্বেরিত সৃষ্। গীডাঃ প্রক্রতে কথ্য চীপ্রবিঃ। শুলিই প্রক্রতে কর্মনে কর্মনি বিনিইউক্টে ইন্ত্রির বিনিইউক্টে ইন্ত্রির ।

৩৫৯। অধেঃ শক্তো।

रिष्णाम् अधिकूक्रस्ट कृषः।

আখেঃ পরাৎ কৃঞো মংস্যাদের শক্তো। শক্তিরভিত্তরঃ। দৈন্তাকবিকুরুতে অভিভবতীন্তর্থঃ। শক্তো কিং অধিকরোতি রাজা। অখেঃ কঞ উপেক্ষায়াং শামধি কুরুতে উপেক্ষত ইতার্থ ইতি কশ্চিৎ।

७७०। भक्षा हा खः।

স্বরান্ বিকুরুতে বায়ুর্বিকুরুতে। অন্যত্র চিত্তং বিকরোতি কামঃ।

শব্দো তং কর্ম বস্য স শব্দ তৃঃ নান্তি তং বস্য সোহতৃঃ। শব্দ তৃণ্ড জাতৃণ্ড শব্দিট্ট্ ওকাং। বেঃ পরাং শব্দকর্মকাং জকর্মকাচ্চ ক্ঞো সংস্যাদের। বরাজু বিকুক্তে বিশেষেণ কুক্তে ইভার্থঃ। বায়ু বিকুক্তে বিশেষেণ মর্ভুড়ে ইভার্থঃ। ডিক্ট বিকর্মেতি কামঃ ইতি বিক্লশ্বং করোতীশুর্বঃ।

৩৬১। জানা চেংকেপো প্রমন ভৃতি বিগণন ব্যয়ে নীথা ।

শীট্রে ন্মট্ড বিকুং নরতে দওম্মনতে পুত্রমুপনরতে ভৃত্যমুপন্মট্রে খ্লিং বিনরতে জবাং বিনরতে।

এখর্থেরু নীঞো সংস্যানে। জ্ঞানং প্রানের নিশ্চরঃ। শাস্ত্রে নমুড শাস্ত্রং নিশ্চনোতীতর্থঃ বিষ্ণুং নমুডে পুরুষভীতর্থঃ। উৎক্ষেপ উর্জু ध्याभावः वश्वम्भवादः छैक्षिकिश्यर्थः। छेश्वम्भवः वाद्धांभवीक्वोनमञ्कातः।
शृक्षम्भवन्नरकः। कृष्णिः कर्षारवजनः। कृष्णमूभवन्नरकः कृष्णियारत्व सभीनमानमजीक्यर्थः। विभवनः क्वांविश्विरणाधमः। स्वः विवम्रदक्र विरणाधमजीक्यरः।
वारमाधर्मारको स्वाविनिरम्नानः। स्वाः विनम्रदक्ष विभिन्ध्रकः हेजार्थः। अस्
विश् भाः वनः वम् ज मम्रद्या

७७२। घन्द्रीमूर्खहार।

কোধং বিনয়তে

বস্থং কিং। গুরো: ক্রোধং বিনয়তি অমূর্ত্তং কিং গণ্ডং বিনয়তি।

ध्य बर्छिति विश्वेजीवि यद्दः यद्दः अपूर्वः एः कर्म्य यमा मः उच्चान्नीरका मः मार्गारक्षः। व्याधः विमन्नत्व উপन्ममग्रजीकार्यः। विशूक्तरेमारवालनमनार्थः। प्रांचितिकिरनास्तः। गसः विमन्नकीकिः। गसः वगः।

৩৬৩। র্জ্রুৎসাহ তায়নে ক্রমঃ পরোপ ক্রমঃ।

থাকু কৃষতে বুদ্ধিঃ। ধর্মায় ক্রমতে সাধুঃ। সভাং শ্রীঃ ক্রমতে। পরাক্রমতে উপক্রমতে।

বৃত্তিরপ্রতিকরঃ। উৎসাহ উদ্যাসঃ। তায়সং স্ফীততা। এহর্থেষু মংস্যাৎ ছে। পরোপাভ্যাং ক্রমোপি এহর্থেছে। পরোপগ্রহণমন্যোপনর্প নিরান্যার্থং। ঋকু ক্রমতে বৃদ্ধিঃ অপ্রতিহতা ভবতীতার্থঃ। ধর্মায় ক্রমতে সাধ্য উৎসহত ইতার্থঃ। সতাং প্রীঃ ক্রমতে স্ফীতা ভবতীতার্থঃ। এহর্থেছেবেডার্থঃ। জনাত্র ক্রামতি পরাক্রামতি।

७७८। व्यादिक (क्रांकाटम।

আজনতে অৰ্কঃ। ভোদামে কিং। আক্রামতি ধুমঃ। খংবার্গ্রো ভীতার্থঃ।

क्षं क्षां वि त्रगाञ्चोवि कः वार्ण व्यक्तिष्ठः। क्षां वर्षः वर्षामीनाः क्रिनाम केर्ष्वं भगत्म व्यक्ति भवाद्या प्रश्निकत्म। व्यक्तिमण्ड स्कृष्टः केर्षः व्यक्तिकत्मः क्षेत्रक्षः। अवः व्रक्षः व्यक्तिकारक व्यक्तिकारक विवः। विवस्तक्षितिव्यक्तिकार्यः क्ष्रकार्वाक्षः व्यक्तिकार्यः। विवस्तकार्यः विवस्तकारः विवस माकांमि थीरशोडीडार्थः। नषः नमाकामि क्रक्रवर्धनाष्ट्रिडकारकव त्राथन डाक्त रेडात नस्वागारशाडीडार्थः। देखि दुर्गनिःहः।

৩৯৫। , বেঃ পদ্ভিঃ।

সাধু বিজনতে বাজী। প্ৰভিঃ কিং বাজিনা বিজামতি।

বেঃ পরাৎক্রমো মংস্যাদের পদ্ধিয়াত্বর্থে। পদ্ধিরিতাত্ত্র বছত্বন বিবিশ্বতং তেন প্রস্ত্যামপি যথা সাধু বিক্রমতে হংস ইভি।

७७७। (श्रामा मात्रस्य।

ভোক্ত্রং প্রক্রমতে উপক্রমতে।

প্রোপাভ্যাং পরাংক্রনো যে মংগ্যা দারন্তে। ভোজুং প্রক্রমন্তে জারভঙ ইতার্থঃ। জারস্তে কিং পূর্ব্বেত্যঃ প্রক্রামতি গচ্ছতীতার্থঃ পরেচ্নারূপক্রামতি জাগচ্ছতীতার্থঃ।

- ৩৬৭। বাগেঃ,

ক্ৰমতে কামতি।

রাত্তি গি র্যক্ষিন্ সোহগিঃ তকাৎ। অগেঃ ক্রমো মং সাক্ষিনে। অগেটি কৈং সংক্রামতি। বারিপুর্নাং মহীংকুদ্বা পশ্চাৎ সংক্রমতে গুরুরিভাত্র সম্পক্ষা উপসর্বপ্রতিরপকেদ্বেনাসুপদর্গদাৎ।

५७৮। निरुद्य छः।

শত মপঞ্চানীতে।

कानारक र्घ मः गार निरुद्धाः निरुद्धाश्यकाशः क्रमभूक्षशानाकि

०७३। अधेद।

गर्लिया जानीए ।

শ্বকর্মকাজ্ঞানাতে র্ঘে মং স্যাৎ। সর্পিবোজানীতে ইক্তি জ্ঞোহজ্ঞানেধে ইত্যানের সর্পিষ ইতি করণে ঘর্তী সর্পিবাকরণের প্রবর্ত্তত ইন্ডার্থঃ। জানাতি-রজ্ঞাবৃত্তার্থঃ। ৩৭০। সংপ্রতে রক্ষৃতী।

मश्कानीए প্রতিকানীতে। অস্তো কিং পুজং সংকানাতি।

সংপ্রতিভাং পরাজ্ঞানাতে র্ঘে মং স্যাৎ নতু স্মৃত্যে। সংস্থানীতে প্রতি-জানীতে অসীকরোতীতার্থঃ। স্মৃত্যে তু সংস্থানাতি প্রতিক্ষানাতি।

७१५। (धार्ष र्ह श्र्वा हा।

দর্শরতে ভক্ষে ভকান্। অঞৌ যৎ চং তচেদের ইতি কিং। দর্শরতি শস্তুং ভকান্ ভক্তিঃ। স্তৌতু। স্থারস্তি ভকান্ হরিঃ।

অঞ্জ অঞান্ত দশারাং চে কর্মণি ঞান্তদ্য বে কর্জরি দতি ঞান্তাজাতে। র্ষে মং দ্যারতু কৃতে। ভক্তা বং ভবং পশান্তি দ ভবো ভক্তান্ দর্শরতে জর্থা-দাঝান্মিতার্থঃ। দর্শরতি শস্তুমিতাাদি। অত্রাঞ্চো কর্ম্মসতুং ঞান্তদ্য কর্ত্রী-ভক্তিরিতি নাঝনেপদং। স্মারমতীত্যাদি অত্র অঞান্তদশায়াং কর্মণোহরে র্ফ্যন্তদ্য কর্তৃত্বেপি স্মরণার্থভালাঝনেপদং।

७१२। ज्वान यद्न थालाएं वनः।

গ্রাণনি ব্দুতে ক্ষেত্রে বদতে লিযামুপবদতে।

क्षर्थियु वर्षिवाही क्रियार एवं यह गार । शांगिनिर्वष्ट विष्ठू सार्वी की-कृष्ट । त्मरत्व वषट यह स्वतां के जिल्हा । निरामू श्वाद स्वतां कर के जिल्हा । किन्तु स्वकारणा रमाह मारकुष्टि सृष्ठी मस्विष्ट स्वाण्या । शाममञ्जीकार्थः । यूष्क वषट के रमहमात्म। वष्टी कार्यः । क्रिकेम् श्वाद के अन्म मास्य की कार्यः हे स्वाप्त हे स्विष्ट ।

७१७। अस्ता तृहाद।

অমুবদতে।

জনোঃ পরাণকর্মকত্ত্বিদে। যে মং সাথ। জতুবদতে রামসা ক্ষঃ। রামো ধণা বদতি কৃষ্ণোহলি তথা বদতীতার্থঃ। জঢ়াৎ কিং পুর্ব্বোক্ত মসুবদতি।

৩৭৪। বিমতি ব্যক্তসংহাক্ত্যোঃ।

विवमस्य भियां। ख्रांचाना त्वमः गः श्रवमस्य। वाजः किः। गःश्रवमस्य भनाः। विविधा नामाध्यकाको मिछ विमिष्टिः। वाक्षाकारमी वरहाकिरण्डि व्यक्कम-हाकिः। विमिष्टिण वाक महाकिण विमिष्टि वाक्षमहोको उहाद्वर्षदा-वर्ज्जमानावरमा (य यर मार) विवमस्य निया हिछ वस्त्रामनाहत्रगर। माना ध्यकादक छात्र शूर्वकर वम्रस्थि वाक्करमह वम्रस्थ विद्यार्थः।

७१८। छालादम वा।

विश्ववम्टस विश्ववम् रिवमाः।

उत्या विमिष्ठ वाक्षम होएका। (वानस्य क्वानश्च क्वानश्व क्वानश्च क्

०१७। जावा जिला :।

অব্গিরতে।

অবাৎ পরাৎ গিরতে ঘেঁ মং স্যাৎ।

৩৭৭। সমঃ প্রতিক্রারাং।

শৃতং সঙ্গিরতে।

সমঃ পরাদিনরতে র্ঘে মং স্যাৎ প্রতিজ্ঞারাং। শতং সংগিরতে প্রতিজ্ঞান দীতে ইতার্থঃ। প্রতিজ্ঞায়াং কিং সংগিরতি ভূত্তে ইতার্থঃ।

०१६ । उक्तः महार।

্ধর্মমুচ্চরতে। সঢ়াৎ কিং। ধুম উচ্চরতি।

উদঃ পরাৎ সকর্মকাচনরে যে মং স্যাৎ। ধুম উচ্চরভীতি উদাক্তীভূর্বঃ। চরঃ প্রতিক্রবিদ্যাভাবাৎ প্রতিক্রায়ানিতি নাসুবর্ত্ততে।

৩৭৯। সমস্ত্রা।

অখেন সঞ্চরতে।

পুরগ্রোগাৎ স্টানিতি নাস্বর্ততে সমঃ পরাজনো বের মহ স্যাক সন্ধ্রক তৃতীয়াজের বোগে সতি তেন হেতো সহার্তে বিহিত তৃতীয়ারজন কোনো দ স্যাৎ। যথা পুণ্যের সঞ্জতি পুজেণ সঞ্জতি। %। मानः ना त छाटर्स।

माखा नःपष्ट्रांक कामी। हार्थ किः। माखा नःपष्ट्रिक जिक्काः जिक्कारा।

ना ज्जीवा कावित क्र्यार्थ खरि क्रमा खन ज्जीवारसन याति मर्भू-र्वाक्तात्ना य मर्गार। माना देखि नन्नाताख देखार्थ्वा नक्ष्रमात ज्जीवा माना। नरवष्ट्र खिक्कांमिणात माना के नवत ज्जीवा। जैनर्गास व्यवस्थात ज्ञीवा नरवष्ट्र खिक्कांमिणात माना अरवष्ट्र ख्राना स्वाद्ध क्राना करवे निष्ट क्रम्मा-रनाख्य स्वाद्ध देखि क्र्यार्थ ज्ञीवा विधानात्म नन्मानः खाक्षाविर खद्द-भानार अर्थिषि वाकार। निमिखना नन्मात्मार क्राव्यान कार्यामा खात्मात्म क्राव्यान करवा । ख्यां क्रिका नन्मात्म क्रिक क्रिका क्रव्यान क्राव्यान क्राव्यान क्रव्यान क्रिका क्रिका क्रव्यान क्रिका क्रव्यान क्रव्या क्रव्यान क्र

~ ७)। छश्चियतमा विवादह।

ৱামঃ সীভা মুপায়ত উপায়ংস্ত.।

উপান্ধনো যে মং স্যাধিবাহে। বিবাহাছক্র স্বীকৃারমান্তং। বরঃ কন্যামুপৰক্ষতে রামো বিখামিত্রা দন্ত মুপরেমে। কোপাৎ কাশ্চিৎ প্রিরৈঃ প্রস্তু মুপারংগত সাসবমিতি তট্রো ন বীকৃতবত্তা ইতার্বঃ। উপার্থ ইত্যাদি বসঃ\*
স্কুচনে ইত্যাদিনা সেঃ কিন্তুপক্ষে বনতচেতি সংলাপে লের্নোপঃ। পক্ষে
মস্যামুর্শারঃ।

अ-२। जुरकाश्मरमा

শালীন্ ভুড্কে গৌঃ। অনুশনে তু। পৃথীং ভুনক্তি রাজা।

् ভুজোহরে ইত্যনেনৈবেইনিজে অপনে ইতি গোরবং আপর্তি ভুজো-থে ত্রাণে ভজেহনেক্রথাত্রপভোগেহনি সং নাদিতি। ভজ্পে শাঁদীমূ ভুজ্জে উপভোগেতু বৃভুজে পৃথিবীপানঃ পৃথিবীমেব কেবলানিতি রহুঃ। बर वृष्यक्षित्म कृष्य भेजानि पूष्क मृथमूशकृष्क देजानि । जनभरनजू देजि जात नत्कारणार्थवाममनकिरम शांगरन बरं नजूशरकारन देजार्थः । ...

७৮७। जशकाः।

শন্ত্রং সংক্রুতে।

ममः भद्राद (क्रीएड र्घ वर मार्र भक्तर मश्कृष्ड भावप्रक्रीडार्थः।

৩৮৪। যুদ্ধির উদ্যাচোহযক্তপাতে।

जेम्बुड्र् का रक्षभाव जू। अतूमकि रक्षभाव ।

পেরচ্ গাচ্ উৎচ গাজ তৎ ডস্মাৎ। উদো গেরচন্চ পরাৎ যুক্তিরের গুষুর্ভের্ডি ক্রান্থান্থ স্থান্থে নতু যজ্ঞপাত্তে প্রযুক্তামানে। বজ্ঞপাত্তে প্রযুক্তিক ক্রান্থ মতি শেষঃ। উদ্যাচঃ কিং সংযুক্তি বিযুক্তি।

७७ । अर्जादत विश्व गटकः।

यरूर वश्चारक शक्कारक। अकारत किर। एकरना शहरवश्चारिक।

वस्कृतजार श्विय् निर्क्ष हेरजाडाजार त्थात्रन कालाजार वं मर मार ध्येजारत । ध्येजारत वक्षमर विभव्यांमनमिजि हर्मनिष्ट्रः । वर्ष्ट्रे बोक्सन्यां स्ट-वक्षप्रत्य भक्षप्रत्य ध्येजात्रप्रजीकार्यः । ध्येजात्र किर भागः भक्षी करिर मर्भर वक्षप्रति भवविष्ठार्थः ।

एं। भूजां जिल्द है नार्भः।

कोषि र्लाभन्न । श्वांता वर्षिका मुलाभन्न पृक्तम् नाभन्न । अव किः मृष्ठः विनाभन्न ।

मानिविधि निर्मारण्यं मिरमाविधि डांशरक नार्डण व्यो उंखरवादा-मखदार शनि वर्शः। नाशवरण वर्ष मर मार शृंकावामिक उर्द हकादार थेडा-व्या कि कि लिश्वरण शृंकामिक शक्षिण वर्षः। भारनावर्त्तिका मूलाशवरण कि क्षिण वर्षे। शृंकमूलाशवरण थेषा व्या वर्षः। वर्षे वर्षः एउर विना-श्रेषक मुत्रीकरवाजि अर्थः।

৬৮৭। মিথ্যাকারে রভ্যাসে।

পদং মিথা কারয়তে। মিথা কিং। সাধুপদং কারয়তি অভাবে কিং। সকুৎ পদং মিথা কারয়তি।

মিপোড়াব্যরং লুপ্তপঞ্চমান্তং। মিপা। শব্দাৎ পরাৎ কার্য়তে র্ঘে মং স্যাৎ পৌনঃপুনো। পদং মিথা। কার্য়তে স্বরাদিচুক্তং পদং পুনঃ পুন ক্লচার-য়তীভার্থঃ। মিথোপপদাৎ কিং সাধুপদং কার্য়তি পুনঃ পুন ক্লচার্য়তী-ভার্থঃ। অভ্যানে কিং সক্ৎপদং মিথা। কার্য়তি সক্চ্নচার্য়তীভার্থঃ।

৺৮৮। বাতীহাঁরে গতি হিংশা শব্দার্থ হসানা ফ্রহোইনন্যো-

বাতিভবতে অর্কমিন্তঃ বাতিহরতে বাতিবহতে বাতিজ্ঞিছ বাতিজ্ঞিছেরে।

ব্যতীহারঃ পরম্পরিদ্যকজাতীয় ক্রিয়াকরণং। গতিশ্চ হিংসাচ শব্দত্ব গতি হিংসা শব্দাঃ তে হর্পা বেষাং তে গতিহিংসা শব্দার্থাঃ। তে চ হসশ্চ গতিহিংসা শব্দার্থ হসাঃ। তেভাোহনাঃ গতি হিংসা শব্দার্থাইনান্যঃ। গতিহিংসা শব্দার্থ হসাঃ। তেভাোহনাঃ গতি হিংসা শব্দার্থহসান্যঃ। গতিহিংসা শব্দার্থ হসান্য কু হুণ্ট বহুচেতি তন্মাং। অবেয়ান্যাস্য অর্থ ইব অর্থো যস্যু সোহ ন্যোন্যার্থঃ ল অন্যোন্যার্থঃ জননোন্যার্থঃ তিল্লিম্ । গতার্থ হিংসার্থ শব্দার্থ হসতি এতন্তির ধাতুভো হৃবহাভ্যাঞ্চ মং স্যাৎ ঘে। নম্বন্যোন্যার্থ শব্দে প্রযুজ্জানানে। বহোগতার্থবাং হুব্রো গতার্থবাং সংপুর্বস্য হিংসার্থবাচ্চ নিবেধে পৃথগুজিঃ। ইন্দু রর্কং ব্যতিভবতে ইতি অর্কো যথা ইন্দারন্তংগতে উদয়তি ইন্দুরপিতথা অর্কে অন্তর্গতে উদয়তীতি ব্যতীহারঃ। ব্যতিহ্রম্ভে ধান্যং চৌরাঃ। ব্যতিসংহরস্তে রাজানঃ। ব্যতিবহন্তে ভারং ক্ষকাঃ। ব্যতি বজ্জিদ্বত্যাদি অন্যনিজনি হ্বাদীরেছিরিভি বিদ্যে সধ্যোরসোতীমি হনগির্ভুঞ্ নোপঃ। ব্যতিপূর্বিভাবেইপি থিয়ামুখং কিম্পুরুষ শ্চুচুন্থে ইতি কালিদানঃ।

৩৮৯। হোহস্তে রেভি।

অন্তে হঃ স্থাৎ একারে পরে। বাতিছে। গতার্থাদেন্ত বাতিস-পন্তি বাতিমন্তি বাতিজপন্তি বাতিহ্দন্তি। অন্যোন্যার্থে তু। পরস্পারং বাতিলুনান্ত। সৃগনং। এতার্থাদেশ্ব ব্যতিসপৃস্থীত্যাদি গত্যর্থাদে ব্যতীহারে কর্ত্ব্যেবাত্মনেপদ নিষেধাে ভাব কর্মণােশ্ব স্যাদেব। তেন ব্যতিগন্যতে প্রামান্ধনৈ
বিত্যাদি। অন্যোন্যার্থেতু পরস্পরং ব্যতিলুনস্তি। এবং অন্যোন্যং ইতরেতরং। অত্র পরস্পর শক্তিরেব ব্যতীহারস্যোজ্জন্ধান্ধনেপদং। সম্যথিনিমন্মেনােভৌ দধর্ত্বন্দম্মিতি র্ঘো। বিনিময় শক্ষ্যাপি অন্যোন্যার্থনালা্ল

৩৯০। স্মৃদ্ধ হনমুক্তা নাপ্রতিশ্রোঃ সনঃ।

এভাঃ সনস্তেক্সো মং স্থাৎ। সুস্মৃর্যতে দিদৃক্ষতে জিজাসতে শুক্রাযতে। অনাত্র অনুজিজাসতি আশুক্রাযতি প্রতিশুক্রাসতি।

নাত্তি অমু র্যমিন্ সোহনমুঃ। সচাসোঁ জ্ঞান্টেতি অনমুক্তাঃ। নবিদ্যুতে
আপ্রতী যমিন্ সোহনাপ্রতিঃ। সচাসোঁ শ্রুন্টেতি অনাপ্রতিশঃ। সূল্ট দৃশচ
অনমুক্তান্ট অনাপ্রতিশ্রুন্টেতি তথাং। এতাঃ সনস্তেতাো মং সাদেব।
অনিদৃশ্বতে ইতি বর্দ্রোহকিজ্বাস ইতাত্র রাশক্ষ্যা ব্যবস্থাবাচিত্বাদৃকার সান
রেষঃ। শুশ্রবতে ইতি তালবায়িদিঃ।

ঞিতো ঞান্ত পিবাদে রিশ্বজানাতে রপবদে। ২গ্রন্থোদাদিপূর্ব্বযমশ্চ কলবতি ঘে মং স্থাৎ। যজতে পায়য়তে ধাপয়তে নর্ত্তরতে
বাদয়তে বাসয়তে দময়তে রোচয়তে আদয়তে পরিমোহয়তে
আায়য়তে আযাসয়তে জানীতে অপবদতে উদ্মাচ্চতে সংযচ্ছতে
আায়চ্ছতে। প্রস্তে তু। বেদয়দ্যাচ্ছতি। কলিনি কিং যজতি যাজকঃ।

शरदार्श्वः शिव्रमुद्दः। आर्डायमयरमी आयमयरमी। उडः शिवण्ड धण्ड मृद्दं वक्षण्ड वमण्ड वमण्ड वमण्ड क्षण्ड शिव्रमुद्द आयमयरमी रहितः। काल्रण्डारमी शिव ध मृद्दं वमण्ड वमण्ड काल्र्यम् श्री काल्र्यम् श्री काल्र्यम् वमण्ड विश्व काल्र्यम् वमण्ड विश्व काल्र्यम् वमण्ड विश्व काल्र्यम् वस्त्रम् विश्व काल्र्यम् वस्त्रम् विश्व काल्र्यम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् काल्र्यम् अल्ड काल्र्यम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् अल्ड वस्त्रम् अल्ड वस्त्रम् वस्त्रम्यम् वस्त्रम् वस्त्रम्यस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम्यस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्रम् वस्त्

यम् উৎসমবিদ্। নথ্ডোহ্থস্থ। অগ্রন্থে উৎসমবিদ্ অগ্রন্থের মাৰদ্। ততো হরিজ্ঞান্ত অপবদন্ত অগ্রন্থেংসমাষ্য্ চেতি ওক্ষাৎ অত্র ঞিংপদেন गर्न कायूनकाः कालाफ पृश्खाः एक किर्जुरेनर काल्यासी कालि-वारमर्थर्गः कम्लाझार्यक्षिजामिना विहिज शहरैम्लममा वाथनार्थः। अनामा পিবধে অদ এষা মরার্থবাদনেষা মঞি প্রাণিঘ'চ্বাৎ তেন পরস্মৈপদাপত্তি-রাসীদেব। ততশ্চ কম্পান্মত্যাদি বিশেষ বিধের্বিষয়ে সর্ব্ব ঞান্তেভাঃ ফল-বং কর্ত্তব্যাত্মভানুত সিদ্ধানিতি কিঞ্চ ন্যমঞ্জ্ বিভার্কে ইভ্যাদের্প্রাস্ক্র স্বেশ ্চুরাদে র্জে র্জকারেন আমুবন্ধিত্বং নাস্তীতি স্কুচনালাণপটিত প্রামুবন্ধভিত্র ह्रतारमर्त्नभार वावस्था। बस्रटङ हेजानि । यदेकात्को (मवाक्रीरमो । अवर शाशास्त (धर्षे भाक्तः। नृष्ण नटर्छ। वर्षेष वाहि। वरेमञ्ज निवारम। ममञ्जाहेर्मरम। क्रह्य ঞীতিপ্রকাশরোঃ। অন্দ্রেভকে। মুহূা৯ঞি বৈচিত্তো। যথে উ বিরত্তী। हेर्यमु। र्युट्टन। अकानरेनटक काछाई। ज्ञान ताधरन। वरेन वाहि। यस्मी উ বিরতে। ইথং দৃপঃ পূর্ব্বমবালুলোচে ততে। হুকুজভ্জে গমনং সূত্রদ্যেতি ভট্টো। অসুশব্দস্য উপদর্গ প্রভিত্নপকত্বেনাসুপদর্শবাৎ। কর্মণি প্রত্যয়ে ব+ -রাজা সুভদাগমনং অনুষ্পত্তে অনুজাতমিতঃর্থঃ। জনীমাঙ জনৌ ইতাদা বা ক্রপং। সূত্রা গমনং ততো জাতমিতার্মঃ। •ফলবতি ঘে কিং বজতি যাজকঃ অত্র বেতনদার বিজ্ঞানীলাৈব ফুলং। নবশঃ পমে ইত্যানেনাভরপদ প্রাপ্তে নিয়মোহয়ং। নিয়মণ ফলবং কর্তুর্ব্যের আত্মনেপদমিতি চেন্তুর্হি অফলবং কর্ত্তবি আতানেপদ নিষেধে কলবৎ কর্ত্তবি পরক্ষৈপদাপতিঃ। ফলবৎ কর্ত্তবা আনেপদমের ইতি চেলা তর্হিচ ফলবৎ কর্ত্তরি পরসৈপদ নিষেধে অফলবং ক্তিৰ্যাত্মনেপদাপন্তিঃ স্যাৎ ইত্যুত্মধৈৰ ব্যাঘাতঃ। বস্তুত্ত্ব নৰশঃপদ্ ইত্যাদিনেশভয়পদপ্রাপ্তে বাবছেয়ং। ফলবঁতি কর্ত্তরি আত্মনপদং অফল-বজি পরবৈষপদমিতি। রাজা ভূতোন শত্রুং ঘাতরতীত্যাদে। কর্ত্তুং ফলবস্ত্রং न विवक्तिशः। वृक्तः अविवादयस्य कन्टेका हेन्डारमी कर्न्छः कनवन्तः विवक्त-নীয়মিতি বৃদ্ধাঃ। গৌকিকবাকে নিয়মে নান্তি বৈদিকবাকে ছেব নিয়ম ইতি প্রামাণিকাঃ। তথাচ বর্দ্ধমানঃ ইহ লৌকিকবাক্যেযু ব্যভিচারোহতি পৃক্ষদঃ। বেদবাকোষু বদাতিনিয়মঃ কেন বার্যাতে। বিশেষঃ পাণিনেরিউঃ गামানাং সর্ববর্দ্মণঃ। সামান্য মুখুফাতি ভত্রাচার্য্য পরম্পরেতি। অভ এব অকারো-দ্চিবেশ্বরঃ ক্লিতে জ্যিদারস্ত ফরানি ভসাসাদিতি রঘুঃ। তনোতি শুজং গুণ-

সম্পদা যশ ইত্তাদো ফলবৎ কর্জুরি পরসৈপদং। ফলং বিশোপকারার গড়ে পর্মণি পর্মণীতি কমলবনোদ্যাটনংকুর্ম্বতে যে সুর্যাস্যরশার ইত্যাদো জফল-বং কর্জুর্যাস্থানেপদং সিন্ধনিতি।

ইতি মপাদঃ।

## চভাবঃ।

৩৯২। তভাবে মং। ধোর্তে ভাবে চমং ক্যাং।

ভাবে মাদ্যমিতি বক্ষামাণেন ভাবপদস্য চরিতার্থড়াদিহগ্রহণং রতনো-র্যনিণা বিত্যাদিম্বসূত্রভার্থং। ধোরিতি ব্যাখানং ধাতু মাত্র প্রাপ্তার্থং। তেন পচ্যতে চিকিৎসাতে কার্যাতে পিপক্ষাতে পাপচ্যতে ইত্যাদি।

ত্ত্ত। র তনো র্যনিণৌ।

ধাে রে পরে যক্তনি পরে ইণ্ সাং তে ভাবে চ। স্থুয়তে বিষ্ণুঃ স্থুরেত স্থুরতাং সম্ভূরত সন্তাবি।

জর্থগত বিশেষামিমিক গতিবিশেষস্য বলবত্তাৎ ট্যাং সিন্ধা যথাধ্যতে : ইণাসির্বাধ্যতে। কিত্তাদ্যকি নগুণঃ। নিত্তাদিনি বৃদ্ধিঃ। তুয়তে ইত্যাদি র্ঘেছ-জ্যারে ইতি দীর্ঘঃ। অস্তাবীতি ঞিতাজেজিতি বৃদ্ধিঃ। ইণক্তম্ লোপ্যঃ।

७२८। इन श्रद मुभवः मिछाटन र्मिन वा।

এভাঃ পরাসাংসিডীটাতীথীনাং মিণ্বা স্থাৎ ঢ ভাবে। অস্তা-বিষাভাং অস্তোষাভাং হরিহরৌ তুর্ত্বে স্তাবিতা স্তবিতা স্তোভা স্তাবিষীট স্তোষীষ্ট স্তাবিষাতে স্থোষাত অস্তাবিষাত অস্তোষাত স্থাতে স্থাতে সংক্রিয়তে।

হনত এহত দৃশ চ অচ হনএহদৃশচ্ তকাং। সিত ভাগিত সিভাগিঃ
তসা। মিজাগাদে নিজাগুৰিঃ। ইমো বাধকোহনং। অভাবিষাভামিতাদি
মিনি বৃদ্ধিঃ। পক্ষে নেমেকাজিতি ইম্ নিষেধঃ। ভাবিভেতি মিনি বৃদ্ধিঃ।
পক্ষে নেম্মহেতীলা। অনাং স্বামং। কাৰ্যতে ইতি স্যাদ্যৰ্ভ ইতি গুনঃ।
এবং অৰ্যাতে। সংক্ষিয়তে ইতি কুল্ক গোমেবেতিদ্যু নিম্মাণাভাবে ঋদিঃ।

৩৯৫। নেণ্ডপোহমুভাপে।

## অন্বতপ্ত দীয়তে।

তপো হসুতাপে হর্ষে ইণ্ নস্যাৎ চভাবে। অস্বতপ্তেতি তনি ইণোনিষেধে টাং সে উদিস্তাদিমে। নিষেধে সেলোপঃ। অসুতাপে কিং অভাপি সুর্যোগ ভূমিঃ। দীয়তে ইতি দাঞ দান দো দাল দেৱাং দামাগৈ ইতি ভী।

# ৭৯৬। য়ন জ্রিৎক্লদিণ্যাতঃ।

- আদন্তানাং যন্তাৎ ঞিতি কৃতি ইণি চ। ছুদায়ি অদায়িবাতাং অদিবাতাং হনাতে অবধি অঘানি অঘানিবাতাং অবধিবাতাং আহ্বাতাং গৃহতে অগ্রাহি অগ্রাহিবাতাং অগ্রহীবাতাং
দৃশুতে অদর্শি অদর্শিবাতাং অদৃক্ষাতাং শম্যতে মোহো মুকুক্ষেন অশ্যি অশ্যি অশ্যিবাতাং অশ্যিবাতাং অশ্যামিবাতাং
অশ্যামিয়িবাতাং।

ঞ চ ণচ প্র্রোক্তাবিজে বসা স প্রিং ক্রিচ্চার্নে ক্চেতি প্রিংক্ং ক্রিং ক্চ ইন্ট প্রিং ক্লিন্ ক্রিন্ট দ্বিন্দ্র দ্বিন্দ্র কর্মান্ত প্রিন্দ্র দ্বিন্দ্র কর্মান্ত প্রিন্দ্র দ্বিন্দ্র কর্মান্ত প্রিন্দ্র দ্বিন্দ্র কর্মান্ত প্রিন্দ্র কর্মান্ত প্রিন্দ্র কর্মান্ত প্রিন্দ্র কর্মান্ত প্রামান্ত কর্মান্ত কর্মান্

হ্বো দীর্ঘণ্ট থঞ্জোপঃ। অশমিবাতামিত্যাদি শমি আতাং ট্যাংসিঃ ঞান্ত-বেন অজন্তবান্নিন্ কীন্নান্ত হ্বণেচতি হ্বো দীর্ঘণ্ট ঞের্লোপঃ। মিণো ২ভাব পক্ষে ইমিন ঞের্লোপঃ।

৩৯৭। ভাবে মাদাং।

মস্তাদাং বচনং ভাবে প্রযুক্ততে। ময়া ভূরতে। অভাবি বভূবে বুভূবে ভাবিতা ভবিতা শমাতে মুনিনা অশমি জ্লামি অবামি আচামি বাশ্রমি বাশ্রামি অবধি অজ্ঞাগরি। এটা তু অজাগারি।

অকর্মকান্ধাতোরের ভাবে ত্যাদি বিভক্তয়ঃ স্থা নতু সকর্মকাৎ হৃৎ প্রত্য-ग्राञ्ज नकर्म्मकामकर्म्मकाष्ठ ভाবে मुक्तः। एउन काश्मिनः शस्त्रवाः जर्जाः वा न প্রবেউন্যং ছাত্রেণ গ্রন্থস্য পাটঃ শিশোঃ শয়নমিত্যাদি। ভাবো ধার্থঃ। যা বিভক্তিভিবিভু মহঁতি ওসা। আদাং বচনং সাদিতার্থঃ। তেন ভূয়তে ভূয়েত ভূমভামিত্যাদি। নমু ধাত্বর্থন্য বাচ্যত্বে মুন্মদম্দে। রবাচ্যত্বাৎ নেপ্রভৃতয়ো नमुाः এवः धावर्षमात विवारम রবিবক্ষায়াং विराग बङ्गतानमञ्ज ইতি পারি-শেষ্যাদেবাদ্যং বচনং ভবিষাতি কিমলেন্নতি চেৎ প্রক্রিরৈবেয়ং গরীয়সীতি সুত্ৰবিধানং ধাত্বৰ্থন্য দ্বিত্ব বিবৰ্ক্ষা দেঁবাভ্যাং ভূমতে ইতাত্ৰ-দিৰচন প্ৰস্তি নিরাসার্থৎ বেতি বিদ্যানিবাসঃ। ভুয়তে ইতি ভূসন্তায়াং অকর্মকত্বাস্তাবে তে যক্। অভাবীতি তনি ইণি বৃদ্ধিঃ। বছুবে ইত্যাদি ভুবোহঙ্ঠ্যামিতি অঙবা ইদং পরে নেছপ্তি। ভাবিতেত্যাদি মিণ্বা। শম্যত ইতি শমুভির্বশমে তে यक्। অশমীতি ইণি ঞ্জিতাত্তেজুঙতোরিতি বৃংক্ষা জ্বনবধ ইতি হুসঃ। कम वर्गा हम वर्জना ९ अकामि अवामि आहामि असू न इन्छ। आहरमावर्जना ९ অনিভাত্ত ছৰঃ। অম্যমবিশ্ৰমন্ত বেতি বাশ্ৰমি বাশ্ৰামি। এবং মা অমি আমি অব্যমি অব্যমি অব্যাতি ব্য হতে। জনবংগতি হুমঃ। অজাগরীত আয়োহণক্বীণিতি গুণনিষেধে বৃদ্ধিঃ। ঞৌতু ঞীয়সোম্ভ র্ঘুন্চ আগুন্দেতি বা দীর্ঘে অজাগরি অজাগারীতি।

৩৯৮।, ভন্জহগিলস্থো বেপ্লমো নলোপঃ।

জনরোর্নলোপো বা স্থাৎ ইগ্নমোঃ পরয়োঃ। অভাজি অভজি অলাভি অলম্ভি। গৌতু। প্রালম্ভি। नासि निर्यमिन् गार्शनिः। खनिणार्म नस्ट हिं खनिस्छ। छन्स्र छनिन्छ छन्। खनर्यार्बमा नाभः माद्य हिन । पि भरत । खनाकी जानि छन्स्र शि भागे देन । बना छो जानि भरत । खनाकी जानि छन्स्र शि भागे देन । वा छो छो जानि हिन स्व । खना छो जानि हिन । खना छो जानि हिन । खना छो छो हिन । अत्र पून् तथ हे छि सूनि खरन न न न तर । त्री जू हे छि भागे छो छो । त्री जू हे छि छे भागे हे छो । त्री जू हे छि छे भागे हे छो । त्री जू हे छि छे भागे हे छो । क्षि स्व विव का स्व । त्री जू हे छि छे भागे हे छो । क्षि क्ष विव का स्व । विव का स्व । विव का स्व विव का

তমেব ঘন্ধং প্রাপ্তং তঘঃ সচ তবৎ স্থাৎ নতু তে সতি। তথাচ। ক্রিয়মাণস্ত যৎ কর্মা স্বয়মেব প্রসিধ্যতি। স্করেঃ স্বৈর্গুণঃ কর্ত্তুঃ কর্মকর্ত্তেতি তদ্বিতঃ। স্বয়মেব ভিদ্যতে কাঠং অভেদি।

एक তৎ ঘশ্চেতি एचः। আদে। ঢ়ং পশ্চাদ্বঃ ইতার্থঃ। কর্মণঃ কর্তৃত্ব বিব-कांग्रार कर्मकर्छ। मह एवर मार नर्जु ए कर्मनि मछ । विकर्म कांग्रहमकर्मनि विषामारन कर्माखनमा कर्ल्ड्चविवका नाङ्गीकार्यः। एक बाह्यक ताका सुप्रदेशव भूभिषि मणा १। कर्पा इ जार धाजूनारमेर कर्पानः कर्ज्यारियका यथा। भेडारङ अमनः अग्रदार जिमारङ कार्रः अग्रदमदरङ्गामि। आजिरम्भिकमनिङामिछ ন্যাধ্যাৎ কর্তৃস্থভাব খাতুনাং নস্যাদিতি বোধ্যং ৷ তেন খাদ্যতে ওদনঃ স্থন-মেব গমাতে আমঃ স্বয়মেব ইত্যাদি নস্যাৎ। তথাচ কর্মস্থঃ পচতেভাবঃ কর্ম-স্থাশ্চ ভিদাদয়ঃ। বুধস্ত ভাবঃ কর্তৃন্থঃ কর্তৃন্থাশ্চ গমাদয়ঃ ইতি প্রাঞ্চঃ। পচ্যতে র্ভাবস্তপ্রদাদীলাং বিক্লিক্তিস্থলাদিখের ভবতি নতু পাককর্ত্তরি। এবং ভিন-श्वारमर्ভार्या त्वमानिः कांश्वामित्ययं नजू त्वमानि कर्त्वति । तूर्यकार्या क्वामर শিষ্যেছের নতু গ্রন্থাদী। এবং গনাদীনাং ভাবঃ পাদচলনাদি র্মনাদি কর্ভূ-(श्व वजू शामामाविकार्यः। वृत्रमिकारवन कर्णाविक्छ मान्नरवनम वर्गामिकमिक দিশ্যতে নতু কর্মকর্ত্তঃ কর্মাত্বং বিধীয়তে। তেনাকর্মকত্বাৎ ভিন্যতে কাঠেন चत्रस्मात्वि ভारवश्रकामः मार किश्व এकक्रिमाकर्मनः कर्लृदः विवक्रास्त ইতি বোধাং। তেন পচড্যোদনং রাধাতে স্বন্নমেবেভাক্র নস্যাৎ। এবং ভিন্ন ध्यकत्रविष्ठत्रारमी विवृद्यक्ष्मि कर्मनः कर्जूष् न विवक्षारक एकन कर्ज्वतार करकेन सम्मापन देखानि नगार। अकिक्यामा मकमा कर्मपर कर्ज्यक कथर

সম্ভবতীত্যার্চ্চ ক্রিয়মাণমিত্যাদি। ক্রিয়মাণং বং কর্ম তৎ সৈগুণৈঃ স্বয়মের যদি প্রসিধ্যতি নিষ্পদ্যতে তদা তৎ কর্মকর্ত্তেতি বিছর্জানন্তি বুধা ইতি শেষঃ। স্বৈষ্ঠণৈঃ কীদৃশৈঃ কর্তুঃ সুকরৈঃ সুধকরৈরিতার্থঃ।

৪০০। কুষি রন্জঃ শ্রন্পে বারে।

কুষ্যতি কুষ্যতে রঙ্গতি রজ্ঞাতে।

শান্চ পঞ্চ শান্পে। আভাাং রেনিষয়ে শান্ পর্কৈপ্দঞ্চ মাাদা কর্ম্ম কর্ত্তি। কুষাতীতাদি কুষগনিস্কর্ষে রেপরে পরকৈপদং শান্চবা। পক্ষে তে যক্। রক্ষাতীতাদি রন্কোঞ রাগে হস্তু ইতি ন নোপং। রেকিং আকোষি চুকুষে অরঞ্জি ররজে ররজে। পংবেতি কৃতেহপি রতনোর্বনিগাবিতানেনাপীফসিদ্ধে শান্বিগানং কুষান্তী বালা স্বর্মের রক্ষান্তীশাটী স্থামের ইতাত্র অপ্যনোনিতামিতি সুণর্বং।

#### ৪০১। বেণ জছুহঃ।

অজন্তাদ্দুহশ্চ ইণ্ ভাৰা ঢযে। অকারি অকৃত অদোহি অত্থ।

জ্জন্তাদ্দল ইণ্বা সাজনি পরে কর্মকর্ত্তরি। বাগ্রহণং বাধিকার নিবু-ভার্পং। জকারীতাদি ইণ্তনো লোপে বৃদ্ধিঃ। পকে ট্যাংসিঃ নৈমেকাজিতি নেম্ইগুডুরিতি সেঃ কিন্তাদাণাভাবে সেলোপঃ। জদোহীত্যাদি ইণি গুণঃ। পক্ষে গুহুহুদিহণিহামিত্যনেন সেনিধিয়ে সকোহপ্রাপ্তি পক্ষে অতুগ্ধাত।

৪০২। ন তপরুধ সঢ়পচ ছুহঃ।

তপো রুধঃ সঢ়াভ্যাং পচ ছহাভ্যাং ইণ্ন স্থাৎ ঢঘে। অতপ্ত অরুদ্ধ অপক্তান্তঃ কলং অত্থ গৌ চু ধং। অতএবানয়ো ঢেঁহপি চঘত্বং।

मह (हम वर्ल्डाप्ड रवीर्ष्ड) महि महि हिंछ। भिष्ठ हा हि महि भिष्ठ हा हो।
उপण्ठ सम्भाग महिन हर है। हिंछ उसार। अउत्थेखानि है। हिन्छ अनिर्द्धार सम् (मर्त्वाभः। अभकाख देखानि कान आमुद्धः कनः भवि शाला नाः प्रसः प्राप्ति देखि हिंछः। उत्था आस्मृद्धः यग्नः कन्मभक्त शोण्ठ यग्नः क्रम-मद्ध हेखाम्मा शाण्ठ कम्म कर्ल्डः। अउभविति मक्सिक भव्दा हिंदा है।
कर्लि हिंदिस्थार अनुद्धाः कर्मा छद्द विकामार न्हिन कर्म कर्ल्डः। ৪০০। সন্প্রস্তান্ত কু গৃছহ নন ভূষাপাদরক্চ ঞি সু আন-মাঢ়া ত্বংমিণ্।

সনস্তাদে রিণ্ যক্ চ নস্তাৎ তথে ঞ্যাদেস্ত মিণ্ বর্জং। চিকীষর্তে অচিকীর্ষিট শ্রথীতে অপ্রস্থিত গ্রথীতে অপ্রস্থিত প্রপ্রাত্ত অবাচত কিরতে অকীর্ষ্ট গিরতে অগীষ্ট ছথে অছগ নমতে অনংস্ত তং-সতে অভংসিত ক্ষারয়তে অচীকরত অকার্য়িষ্ট অকার্যি মুতে অমাবিষ্ট অমোষ্ট শ্রয়তে অশিশ্রিয়ত অশ্রায়িষ্ট আহতে আব-ধিষ্ট আ্বানিষ্ট আহত।

সন্ সনস্তঃ। ভূষা অর্থা যস্য স ভূষার্থঃ। সন্চ আন্থশ্চ প্রশ্চ ক্রণচ কুণ্ট গুল্চ ছহল্চ নমল্চ ভূষার্থল্ডেভি ভফাও। ঞি র্ঞান্তঃ। মে আত্মনেপদে হঢ়ো হকর্মকঃ মাঢ়ঃ। ঞিশ্চ সুশ্চ শ্রিশ্চ মাঢ়শ্চেতি ভক্ষাৎ। নমিণ্ অমিণ্। সমস্তাদে রিণ্যক্চ নস্যাৎ ইণোহভিন্নত্বেন, মিল্পি নস্যাৎ চ্যে। এগাদেস্ত মিণ্ভিন্ন ইণ্যক্চ নস্যাৎ মিণ্ডু স্যাদেবেতার্থঃ। চিকীর্যতে ইতি করোডেঃ সনস্তাৎ তে যকো নিষ্কেং আংশিক কর্তৃত্বাৎ শপ্ৰ ইতি ঘেশপ্রে ইত্যন্ত ব্যাখ্যীতং। অচিকীর্ষিফৌতি ওনি ইণোঁ নিষেধে ট্যাং সিঃ মিণোপি নিষেধে বসোহরস্যৈ-ভীম্। নচ সকৃদ্যাতো বিপ্ৰতিষেধো ষদ্বাধিতং তদ্বাধিতমেবেতি ন্যান্নাৎ সি বাধকস্য ইণোহপি নিষেধে পুনঃ কথং ট্যাংসিরিতি বাচাং ন্যায়ানা মৃদার্ক-ক্রিকত্বাৎ। অতএব শিউপদসাধনায়ৈর ন্যায়ঃ স্বীক্রিয়তে নত্তনিষ্টার্থমিতি সম্প্রদায়ঃ। অধীতে ইতি অন্তর্গ মোকে তে যকো নিষেধ আংশিক কর্তৃত্বাৎ সা সাব্যোরিতি স্টঃ হসুঙু ইতি ন লোপঃ। অশ্রন্থিষ্টেতি তনি ইণো নিষেধে সিঃ এবং গ্রন্থকিগ দর্ভে এথীতে অগ্রন্থিউ। দৈত্রেয়ন্ত শ্রন্থিও শৈথিকো এথিঙ জৈক্ষে। ইতি ভৌবাদিকৌ মত্বা শ্রন্থতে গ্রন্থতে ইতি স্বয়মেবোদাহরতি। ক্রতে লোকঃ স্বয়মের ক্রনঞুক্তে। তেঁ যকোনিষেধে শপ্ শপো লুক্। অবোচতেতি তনি ইণো निष्यप হরবিষয়ে বচাদেশে বক্তাসে।তি ঙে বোচাদেশঃ। কিরতে ইতি কৃশ বিক্লেপে তে ৰকো নিষেধে, শঃ। অকীষ্টেতি তনি ইণো নিষেধে সিঃ স্যাদ্যদুষ্তিতি ইমোহভাবপক্ষে ইগুড়ুরিতি সেং কিজে ইরি দীর্ঘঃ। এবং গুশ নিগরণে গিরতে অগীর্ফ। ছঞে ইতি ছংলত্রে ছহি তে যকো নিষেধে

লপ্লপোলুক্। অনুষা ইতি তনি ইণো নিষেধে ওংছুহদিহেতি সকোহপ্রাপ্তি পক্ষে সে নিষেধঃ। কিঞা ছহধাডোঃ পুর্বেণের ইণ্ নিষেধে সিক্ষে হতা গ্রহণং ৰক্ৰিষেধাৰ্থং। নমতে ইতি নমৌ শব্দ নত্যোঃ তে যকো নিষেধে শপ্। নমতি বিহান্ত ভূতঞার্থঃ। তেন শিশু বাং শাখাং নময়তি সা শাখা স্বয়মের নমতে ইভার্থঃ। অনংক্তেতি তনি ইণে। নিষেধে ট্যাং সিঃ। তংসতে ইতি তসি কাল-कृष्ठी তে ৰকে! নিষেধে শপ্। অতংসিষ্টেতি ইণে! নিষেধে সিঃ। কারয়তে ইতি কৃষ্ণ থিঃ কারীতি স্থিতে তে যকে৷ নিষেধে শপ্। ভাটীকরতেতি কারি তপু ইণো নিষেধে ঞিশ্রীতাঙ্। অঙো নিতাত্বে পি বিধিবলাদাতোহপোত্ব-মিতিবৎ ঞাদেম্ব মিণ্বর্জমিতি বচনেন মিণঃ প্রাপ্তাসুরোধাৎ ঞান্ত প্রিভাগং পকে ট্যাং সিঃ। অকারয়িষ্টেতি মিণোহগ্রাপ্তিপকে ইমি এে নঁ লোপঃ। অকারিষ্টেতি মিণি ঞেলোপঃ। ছুর্গসিংহস্ক ঞান্তক্রঞোঃ কর্ত্বভাবত্বাৎ কর্ম কর্জ্বভাবে ষগাদি নঁস্যাদের আত্মনেপদত্ত ফলবৎ কর্তৃকভাদিত্যাহ। বস্তু-ভস্ত প্রেরণবচনয়োরপি কর্মস্থত্বং সম্ভবতীতি যগাদি নিষেধঃ সফলঃ। স্লুতে ইতি ফুল প্রস্নুত্যাং তে যকে। নিষেধে শপ্ শপো লুক্। অস্মোষ্টেত্যাদি মিণো হপ্রাপ্তিপকে স্কুক্মোহমে ইতি নিয়মার ইম্। মিণ্পকে বৃদ্ধিঃ। স্কুনমোঃ পর্প্রাক্ষাত্ত্ব ন স্যাৎ। वर्श প্রাক্তাতি গোর্দোগ্রুঃ কৌশলেন নমতি শাখা-ভারেণ প্রশ্নতে ইতি প্রিঞ দেবনে তে যকো নিষেধে শপ্। অপ্রায়িষ্টেত্যাদি আঙা, নিতাত্বেপি মিণ্ প্রাপ্তাত্মহাধাৎ পক্ষে ট্যাং সিঃ মিণি বৃদ্ধিঃ। নিশো হপ্রাপ্তিপকে ইম্। আহতে ইতি হন তে যকো নিষেধে শপ্ শপোলুক্ বন-তনেতি न लाभः। जाइएउछापि छनि ইলো निय्वस्य छे।१ मिः मिलाश्थाि अ পক্ষে সেঃ কিত্ত্বে বনতনেতি ন লোপে সের্লোপঃ মিণ্পক্ষেতু খের্হোঘ ইতি हमा घट्य वृक्तिः। आ**क्ष् शूर्व्यहरस्य तर्क्यको**षांश्चरन**शम** विधानार मकर्म्मरकांश পায়ং মাঢ়ঃ অকর্মকসা কর্মকর্তৃত্বাসম্ভবাং। আহতে শত্রুঃ স্বয়মেবেতার্থঃ। মাঢ়াৎ কিং হন্যতে শত্রুঃ সমনের জন্বানি অত্র বগিনে স্যাতামের । দিকর্ম কেভাঃ কর্মণি বাচ্যে প্রভারোৎপছে মুখ্যং গৌণ মুভয়ম্বা কর্ম উক্তং ভব-ভীতি সম্পেহে ব্যবস্থা মাহ।

৪০৪। নাদি জ্ঞান্তাত গতার্থা মুখো তে ততা মাপুরুঃ। গৌণে যাচাদরো ২নো তু যথেকীং দিচ্ধুমিতি। নিন্যে বিজন মজাগরি;রজনিমগমি মদম্যাচি সম্ভোগং। গোপী হাব মকার্য্যত ভাব শৈচনা মনজেন।

নাক্তি ঢং কর্ম যদ্য সোহতঃ। অতৃশ্চ গতার্থশ্চ অতৃগত্যথোঁ। প্রাম্ভেচি জে অঢ়গড়াপে চিভি ঞাস্তাঢ় গভাপে । নাদয়ত ঞাস্তাঢ় গভাপে চি ভে। षिकर्मा क धां जूसू भरधा ना। मरत्र। नी वह श्रीमिखं शह क्ष मञ्ज सूस भागा। नव। ঞান্তাকর্মকা ঞান্ত গতার্থান্চ ধাতবো মুখ্যে তে কর্মনি বাচ্যে চন্ত্রং কর্মপ্রভারং প্রাপুরুঃ। বাচাদয়ো বাচঞার্থ ছহ চি প্রচ্ছ রাধ ক্র শাস জীতাফৌ ধাতবো গৌণে কর্মনি বাচ্চো কর্মপ্রভায়ং প্রাপ্নযুহ। অন্যেভু ঞান্তাঃ শব্দার্থ অশবার্থ গ্রহ দৃশ আ হা কু ইতাফৌ ধাতবো যথেন্টং মুখ্যে কর্মণি বাচ্চে গৌণে কর্মণি বাচ্চো বা কর্মপ্রতায়ং প্রাপ্নয়ুরিতি ব্যবস্থা। নিনো ইত্যাদি। জনস্তেন গোপী বিজ্ঞনং নিনো অত্র গোপীতি মুখাং কর্ম উক্তং। অনস্তেন গোপী রঞ্জনিং অজ্ঞাগরি ৷ দেশাধকালেতাাদিনা রজনেঃ কর্মত্তে সকর্মকস্যাপি জাগৃধাতোঃ সভাবা দকর্মকদ্বাৎ জঞান্তকর্ত্রা গোপাাঃ কর্মদং। তভক্চ প্রেরণক্রিয়ায়া মুখাং কর্ম গোপীভূাক্তং। অনন্তেন গোপী মুদং হর্ষৎ অগমি প্রাপিতেতার্পঃ। অত্রা-পি গোপী মুখ্যং কর্ম উক্তং। অনপ্তেন গোপী সম্ভোগং অহাচি অত্র গোপীতি গৌণং কর্ম উক্তর। যথেষ্ট মাহ। অনস্তেন গোপী হাবমকার্য্যত অত্র গোপীতি মুখাং কর্ম উক্তং। অনন্তেন এনাং গোপীং ভাবশ্চ অকার্যাত জত্র ভাব ইতি গৌণং কর্ম্মাক্তং। কৃৎ প্রভায়েছেপ্যেবং। বথা তেন গাবো বনং নীডাঃ শায়িতাঃ শিশবো নিশাং। সম্ভোবং গমিতা গোপ্যো ৰশোদা বাচিতা ছতং। প্রণামং কারিভো ব্রহ্মাবুক্ষাণং কারিতা স্ততিঃ। যথেউমিতি কস্টিদসুরোধা बुकुर । मर्कत कालानार धाराकानरेकाराकर छवजीज भागिन मर्कवर्का क्तममी खुता । এবং विकर्मा का नारमक कर्मा श्री छात्र । अवश्विक खुर छि यथ। নীয়তে গ্রামঃ যাচাতে ভূমিরিত্যাদি। অকর্মকাস্ত সন্তা জীবন দর্প ভীতি শয়ন ক্রীডা নিবাস ক্ষয়াহব্যক্তধান নভোগতি স্থিতি জরা লজ্জা প্রমদোদয়ে। উন্মা (मठ अनामन अमन्द्राह बार्डि कटन (बार्डिन माट्स शांतन युक्त अकि महरन भारलो अट्डी बद्धारन ॥ मीरक्षो स्नागत भाष रक्ष गमरनारमारह प्रको मःभरम ब्रांट्नी मन्मगटको मृज्य अकतन ८० छो क्रूरधा खानरन। ब्रह्मी शांवक्रको छ निक्ति विद्रार्छो । इर्रमी शहरणा वरन करण्या कि निरम मञ्जवक स्वरम भरता

হকর্মকাঃ। দৈবিল্যাদিয় চার্থেষ্ বর্ত্তমানান্ত থাতবঃ। বাচকা ভাব সাত্রস্য যত স্তমাদকর্মকাঃ। কৌটল্যাদ্যেষ্ চার্থেষ্ প্রোক্তা যে তে তু থাতবঃ। যদ-দ্যাবেহকর্মকাঃ স্যুত্তদ্বং কৃত্যাং সকর্মকাঃ। ইতি। সকর্মকাশ্চ কর্মাবিব-ক্ষায়া সকর্মকা ভবস্তি। তথা গোয়ীচন্দ্রঃ। থাতোরপান্তরে বৃত্তে পাত্রপোন্দাপ সংগ্রহাৎ। প্রসিদ্ধে রবিবক্ষাতঃ কর্মণো হকর্মিকা ক্রিয়েতি। থাত্র্পেন সহ কর্মণ উপসংগ্রহাদিতার্থঃ। ক্রমেণো দাহরণানি। নদী বহুতি ক্ষরতীত্যর্থঃ। অ্যাত্র ব্যাধঃ। ভবতি ঘটঃ। আহতে জ্বনঃ।

ইতি ঢভাবপাদঃ।

## ক্তিঃ ।

৪০৫। ভব ভূত ভব্যে ত্রিশঃ কাাদাাাঃ।

ক্যাদ্যাঃ ক্তম ন্তিত্র ন্তিত্রঃ ক্রমান্বর্ত্তমানাভীত ভবিষ্যৎস্থ কালেযু
স্থাঃ। শেতে স চিত্তশয়নে মম মীন কুর্মা কোলোহভবন্গৃহরি বামন
কামদগ্যঃ। যোহভূ দ্বভূব ভরতাগ্রন্ধ কৃষ্ণ বুদ্ধাকৈকী সভাষ্ঠ
ভবিতা প্রহরিষ্যতে হরীন্।

ভবংশ্চ ভূতশ্চ ভবাশ্চ ভবদ্ভ ভবাং তিমান্। অত্র কালে ইতি বিশেষাং পদ মধাহার্যাং ভবদ্ধিতি বর্ত্তমানে শতুর্বিধানাদ্বর্ত্তমানঃ। ভূত ইতি অতীতে জ্ব নিগানাদ্বীতঃ। ভবাে। ভবিষ্যংকালঃ সামান্যকালে তবাাদিবিগানাদিই ভবিষ্যংকালে যঃ। নমু একো নিতাঃ কালস্তম্য ভূতত্বং ভবিষ্যস্ত্রঞ্জ কথং সম্ভবভীতি চেং সন্তাং ক্রিয়ায়া ভূতত্ব ভবিষ্যস্তাভাাং কালস্য ভূতত্ব ভবিষ্যস্ত্রে উপচারাং। একস্যাপ্যাকাশস্য ঘটাকাশ পটাকাশাদি ভেদবং। আরক্ষপরি সমাপ্তি বর্ত্তমানঃ। যথা মহাভারতং পটতি। সোহপি চতুর্বিধঃ। যথা প্রহাভারতং পটতি। সোহপি চতুর্বিধঃ। যথা প্রহালয় ক্রীড়ানাং। বর্ত্তমানিত্রত এবচ। নিজ্যপ্রস্তুং সামাপো বর্ত্তমানশন্ত ভূবিধঃ। মাংসং ন খাদ্ভি আদে৷ প্রস্তুত্বত্বং। ইত্ত কুমারাঃ ক্রীড়স্তি ভিদানীস্তন ক্রীড়নাভাবেহপি পূর্বে ক্রীড়ানাং বুদ্ধে বর্ত্তমানত্বাহ। পর্বিভারতির প্রিয় নিজ্যপ্রস্তুত্বাহ। কিঞ্চ শর্মবিতানশং স্থিতে র্ত্ত

মানবেপি ভূত ভবিষাৎ কালাভ্যাৎ সম্বন্ধ বিবক্ষয়া পর্বতারস্তৃঃ পর্ব্বতাঃ স্থাদান্তীক্তপি দ্যাৎ। দামীপ্যো ছিবিধঃ। ভূত দামীপ্যো ৰথা ক্যা আগতো-मीजि धारा व्यवस्थात र्वेशांनदार अत्यार मानव्यामीजि वानत्वालि वानि। ভবিষাৎ সামীপো यथा कना गरियामी जि था श्र बाया है शक्रामी जि भर्मा स कियमां ला मारमार्था वपछि। श्रीगोहीनाः विरमसः वकाछीछ তাविहासामा-হর মুদশাবতার দ্মু কীর্দ্রয়তি শেতে ইত্যাদি। যোমীন কূর্মা কোলোহভবৎ নৃহ্রি বামন জামদগ্যোহভূৎ ভরতাএজ কৃষ্ণ বুদ্ধো বভূব কল্কী ভবিতা সতা-মরীন্ প্রহরিষাতে চ স মম চিত্তশয়নে শেতে ইতার্যঃ। মীন কৃশ্বভাাৎ সহিতঃ কোলঃ মীন কূর্ম কোল ইতি মধ্যপদলোপী সমাসঃ। পৃথক্ সাহিত্যাৎ মীনকূর্ম্ম বভবতাং কোলকা ভবদিতার্থঃ। এবং নৃহরি বামনাভ্যাৎ সহিতো জ্ঞামদগ্যঃ। ভরতাগ্রন্ধ কৃষণভাাং সহিতো বুদ্ধ ইতি বিগ্রহঃ। অনোভু অদা-ভবোহদাতনঃ मह পূর্বাপরনিশাষামে দিনেনাদাতনং নিত্রিতি পারিভা-বিকঃ। অদ্যতনেহভীতে টীদ্যাৎ। অদ্যাভূদবলোকনং মূগদৃশঃ। অনদ্যনে-হতীতে ঘী। অকরোদচিরেশ্বরঃ ক্ষিতো বিষদারস্ককলানি ভন্মনাৎ ইতি রঘৌ। জনদাতনে পরোক্ষে হতীতে ঠা। যশোধনো দেসুমূষের্মাচ। অহাস্তাপফুবে চিন্তবিক্ষেপে,চ ঠা। যপা ত্রং ময়াপ্রলিকে দুট্টোসি ইত্যুক্তৌ নাহং কলিকং জ্ঞগাম। রক্ষিতত্ত্ব কলিক্ষণকং নিতা বহুবচনান্তমাহ। চিত্তবিক্ষেপ্রে ষ্থা भूरश्रीरः किः विननाभ मरलार्थः किः विष्ठात देशाह। किश्व अनून्रभावितूध সুখ ইতি ভট্টিঃ। স্বহস্তদন্তে মুনিমাসনে মুনিশ্চিরন্তনন্তাব দভিনাবীবিশদিতি माघः। ইक्षामारनमाज्यन्थि हीमर्यनाय। बदः जमातमम्मभूदे र्मनकञ्चरता সাবিতি ভট্টিঃ। ইত্যাদানদাতনেপি ঘীদর্শনাৎ। এবঞ্চ ব্যাতেনে কিরণাবলী মুদয়নঃ সন্তর্ক তেন্তোময়ীং ইত্যাচার্যাঃ। ইত্যাদাবপরোক্ষে হপি ঠাদর্শনাদেতা ন্যনেনোপেকিভানি। তত্ত চিরাতীতে নিকটাতীতে বা পরোকে অপ-রোকে বা ঘী **টা ঠাঃ সারিতি। "এ**বং অদ্যতমভব্যে ডী দূরভব্যে **ভী**তি সম্প্র-मात्रः। **(भा** ভবিতা। वर्षास्त्रदत्र ভবিষাতি, সুখং।

৪০৬। কী স্বেনাতীতে।

त्मान रार्ग क्षीटक की छा<। इत्ति चा तावनः तामः।

স্মেনষোগে হতীতে কা সাাধ। এবং প্রমোক্তরবচনে নসুনা যোগে হতীতে কীতি বক্তব্যং। অভূম কিং ঘটঃ নসু ভবতি। ৪০৭। যাবৎ পুরাভ্যাং ভব্যে।

যাবভবতি কল্কী পুবা দুখতে।

আভাং বোগে ভবের কীন্যাৎ। নিকটাগামিকে পুরা তৎ নাইচর্য্যাৎ বাবদিপ্তাব্যয়মের। ভেন বাবদ্দান্যতি ভাবস্তোক্ষ্যতে অত্র ন ন্যাৎ।

८०৮। कमा कर्शिजाः वा।

কদা পশ্যামি গোবিদ্দং কদা ক্রক্যামি শঙ্করং ৷

আভাাং যোগে ভব্যে কী বা সাাং।

৪০ন। কিং স্থি লিপ্সায়াং।

কিনুমা কপৈ র্যোগে ভবের কী স্থান্ধ। লিপ্সায়াং। কতরঃ কতমঃ কো বা ভিক্ষাং রাম্যতি রাতি বা।

লকুমিচ্ছা নিপ্সা। রাস্যতীতি রালদাৰে।

850। लि**॰**गागिष्को।

লৈপেন্তনামাদিন। স্বৰ্গাদেং সিদ্ধৌ সভ্যাং ভবেয় কীবা ফাৎ। যো ভিক্ষাং দদাতি দাহ্যতি বা স স্বৰ্গং যাতি যাহ্যতি বা।

লকুমিৰাতে ৰন্তৎ লিপ্সাং। তেন সিদ্ধি লিপ্সাসিদ্ধিঃ। পৃথক্ যোগাং কিন্তিরিতি নামুবর্ত্ততে।

855। नार्थ। भः मरम्राः।

গ্যা অর্থে প্রেষ্যাদৌ আশংসায়াঞ্চ ভব্যে কী বা ফ্রাৎ। গুরুদের দায়াভি আয়াশ্রতি বা অথ স্বং বেদমধীম্ব বয়ং তর্কমধীমহে।

৪১২। জাছ পিভাং সদা কেপে।

জাতু নিন্দ্রি গোবিন্দ মপি নিন্দ্রি শঙ্করং।

সদা শক্ষসোভিয়ার্থিবাৎ জ্ঞাত্ব পিভাাং বাদে সর্কেরু কালেমু গর্চারাং
নিভাং কী স্যাদিতার্থঃ। সর্কেরু কালেছিতাধিকারঃ। জ্ঞাতু কদাচিৎ।

৪১৩। কথমা খীচ বা।

কথং নি<del>ন্দত্ত</del>জং নিন্দেঃ শন্তুং দেবীং নিনিন্দিথ।

কপ্ত শব্দেন বোগে সর্কেষু কালেষু কীখে) বাস্তঃ গর্হায়াং। কথং নিন্দ-্নীতি ক্থং শব্দস্য ত্রিষু সম্বন্ধঃ।

৪১৪। কিন্তিঃ খীতোঁ।

क्षियां विकास कार्यां विकास कार्यां का

ভতর ভত্তম জ্যন্তস্য কিমো রূপৈর্যোগে সর্বেষু কালেষুখীতো স্যাতাং গর্হারাং। বিভাষাধ্যান্তঃ পাঠাবিতাং

८१ । क्रोता क्रां खन्ना मर्स ।

न खन्तर्थ भवरत्र न यथ म् शर्हिषाटण हातः। ाभवः शर्दश्च का नित्न्य विकुश निन्धिषाणीश्वतः।

85%। किः किना स्त्रार्थाना स्त्री।

কিমঃ পরঃ কিল কিং কিল। অস্ত্যর্থোহত্তি ভবজ্ঞাদিঃ। আভ্যাৎ বোগে সর্ব্বেষু কালেযু তীন্যা দশুদ্ধান্ত্র। অমিজ্ঞাদি অং কিং কিল নিশ্চিতং ক্ষী- কেশং নিশিষাসি তদহং ন প্রাদ্ধেন মর্যায় নাম সন্তাবনারাং মহাদেবঞ্চন মংসাসে অন্তি এবমপান্তি তদহমিদং সন্তাবয়ামি ত্বাংন প্রাদ্ধেন মুর্যায় ইত্যর্থঃ। কেচিজু। কিং কিল ইতি দ্বোশস্বাবনারহিতে বানহিতেচ তেন কিং ক্রমিয়তি কিলৈয় বামন ইতি মাঘঃ ইত্যান্তঃ।

१८१। कांजू यस्त्रमा यमिजिः थी।

এভির্যোগে ২ অদ্ধামর্যে সদা কালে থী স্থাৎ। ন মর্বয়ে অদ্ধে নো জাতু নিন্দেৎ জনার্দ্দনং।

আবাতুশ্চ যদ্য যদাচ যদিশ্চ তে তৈ বোধো সর্কেষু কালেযু খী স্যাদশ্রতা-মর্ষে। ন মর্ষয়ে ইত্যাদি ভবান্ আতু কদাচি দলি জ্ঞান্দিনং নিন্দেৎ তর শ্রেদ্ধেন মর্ষয়ে ইত্যর্থিঃ। এবং যদ্যিশেৎ যদা নিন্দেৎ যদি নিন্দেদি। তি।

৪১৮। যজ যত্রাভ্যাং ক্ষেপচিত্রে চ। যজ নিন্দেৎ বিস্থুং গঠে চিত্রং শ্রদ্ধাং ন মর্বয়ে।

यक्रण यत्रण जास्त्राः स्वश्चक्षां मर्स्य हिन्द्रिः। यक्र यत्र ইংজ্তাस्ताः । यात्र क्ष्याः । यात्र व्यक्षां मर्स्य मर्द्य कात्र स्वी मार्गः। क्ष्यां । विद्यागिर्मः। क्ष्यां विद्यागिर्मः। क्ष्यां विद्यागिर्मः। क्ष्यां विद्यागिर्मः। क्ष्यां विद्यागिर्मः। क्ष्यां विद्यागिर्मे विद्यागिरमे विद्यागिर

৪১৯। চিত্রে তা যদিনা।

যদি বর্জিতেন শব্দমাত্রেণ যোগে চিত্রে গম্যে সদা তী স্থাৎ। চিত্রং ক্রক্ষাতি নামান্ধঃ ক্রফং পক্ষেৎ যদীশ্বরং।

অস্কঃ কৃষণং দ্রক্ষাতি নাম সন্তাবনায়াং তচ্চিত্রং। অযদিনা কিং অস্কঃ কৃষণং যদি পশ্যে ভচ্চিত্রং। অত্র খীপ্রয়োগং দর্শয়তা যদিনা যোগে চিত্রে গম্যে সদাখীস্যাদিতি স্কৃতিতং।

৪২০। বাঢ়ে ২প্যতাভ্যাং খী। অপিহন্যা দঘং শন্তু ৰুত ছঃখং জয়েদ**জঃ।** 

জাতিশয়ার্থে বর্ত্তমানাভ্যা মপুতাভ্যাং বোগে সর্বেষু কালেরু খীস্যাৎ। শস্ত্রমং জাপি হন্যাৎ পাপহননে হতিযোগ্য ইতার্থঃ। জল্পঃ রঃখং উত জ্বেং রঃখ জয়ে হতিযোগ্য ইতার্থঃ। 8२**ऽ।** ८श्रीणा मस्रावतन।

প্রোড়িং সামর্থাং। সম্ভাবনং যোগাতাধ্যবসায়ঃ। প্রোড়িহেতুক সম্ভাবনোপাধিকে ২র্থে বর্ত্তমানাদ্ধোঃ সদা খী স্থাৎ। অপি হিংস্থাজ্জগনাথো মহাপতিকপঞ্চকং।

অপি হিংস্যাদিতি জগন্ধাণঃ সামর্থ্যান্মহাপাতক পঞ্চক হিংসায়াং যোগ্য ইন্দর্যঃ।

8२२। अन्नारेर्ग वाश्यमि।

अमाध रका ভজেঃ প্রাণে ভক্ষাসে হজা বভক্থ ভং।

न यम् अयम्। আদ্ধার্থির্যোগে প্রোচ্যা সম্ভাবনে সর্ফের্ কালেষু খীসাধা নতু यদ্দ প্রয়োগে। আদ্ধার ইত্যাদি। তং থাগৈঃ সামর্থ্য রক্ষং ভলেঃ অহং আদ্ধার। পাক্ষেহজং ভক্ষাসে তং বভক্থ ইতি যথা কালং বিভজিঃ। ভায়দি কিং আদ্ধেহজাং ভবান্ প্রাণৈ ভজেদ্বংপুরুষোন্তমং পূর্বেণ নিতাং।

৪২৩। ভব্যে বা ফলহেছোঃ।

শং যারা ঠেন্দ্রমে দীশং শ্রীশং নংস্তৃতি যাস্তৃতি।

বা এহণং পরত্র বাধিকার নিবৃদ্ধ্যর্থং। ফলক্রিয়ায়াং হেজু ক্রিয়ায়াঞ্চ বর্ত্তমানাদ্ধাতো উব্যে খী বা স্যাধ। জ্ঞান ঈশং নমেচ্চেৎ শং কল্যাণং যায়াৎ প্রাপ্নাধ। ঈশ নমস্কারো হেজুঃ কল্যাণ প্রাপ্তিঃ ফলং। পক্ষে শ্রীশং নংস্যতি চেৎ শং যাস্যতি। ভ্রেব্য কিং হস্তি প্রায়তে।

৪২৪। কামোকে ২কচিতি।

कां मः ভरक्यः ভवान् ভर्गः किक मिक्षार्ड निवः।

মণ্ড্ৰপুতাধিকারাৎ সংদত্যসুবর্ত্তভে। কামোক্ত মিচ্ছাপ্রকাশঃ। তিমারব্বে সর্বেষু কালেয়ু শীস্যা রতু কচিছে শন্দপ্রয়োগে। কামং ভজেদিতাদি।
ভবান্ কামং যথেন্টং যথা স্যান্তথা ভর্গং শিবং ভজেদিতি বক্তুরিচ্ছয়া
এতবাকাং অকচিচিদিতি কিং কচিচদচ্চিষ্যতে শিবং ইতি কচিছে শন্দেন বক্তুরিচ্ছা বাজ্যাতে তথাচ কচিছে কামবেদনে ইতামনঃ।

8रदा शी किस्तिर्थः।

ইচ্ছামি সর্বাং সেবেড শ্রীপতিং সেবতাং ভবান্। কামোক্ত ইতি কিং। ইচ্ছন্ করোতি।

ইচ্ছাথৈবিংগাৰে সৰ্বেষ্ কালেষু কামোক্তে খাগীচ স্যাৎ। ইচ্ছামীপ্তাদি অহমিচ্ছামি ভবানু শৰ্কং সেবেত শ্ৰীপতিং সেবতাং বা। পৃথগ্ৰোগাৎ কচিচ-দেবাগে হপি ইচ্ছামি কচিচৎ সেবেত শ্ৰীপতিং সেবতাং ভবানিতি কন্চিৎ ইচ্ছানু করোতীতি ইচ্ছাবানু যঃ সকরোতীপ্তর্থঃ। অত্র বজুরিচ্ছা নাতীতি নখীগো)।

8२७। विधि निमञ्जन। मञ्जन। (धावन मध्यक्त श्रार्थना श्रिया श्राद्धकानारमो ।

সদা যাগং কুর্যাৎ ইহ ভুঞ্জীত ভবান্ ইহ শরীত ভবান্ পুত্র মধ্যাপয়েৎ ভবান্ কিং ভো বেদ মধীয়ীয় উত্তর্জ মধীয়ীয় ভো ভোজনং লভেয় প্রেষিভজ্ঞং গঙ্গাং গচ্ছেঃ। প্রাপ্ত কোল স্তপঃ কুর্যাঃ। এবং গী।

विशिष्ठ निमञ्जाक जामजाक जार्थामक मध्यक्षण आर्थनां (श्रवाक्ष श्री के विश्व का निष्ण का निष्ण का निष्ण । मरम जिव् जिंद्र। अवर्ष्य मर्क्य का निष्य थी भी के मार्थ। ज्ञान । ज्ञान कि विश्व । वथा चांगर कूर्या निज । निमञ्जनमामञ्जाक निर्वाचन विरामक उत्त विश्व । वथा चांगर कूर्या निज । निमञ्जनमामञ्जलक ज्ञान विश्व । वभा का निष्ण का व्यान का निज । निमञ्जनमामञ्जलका अञ्चलका निज । निमञ्जनमञ्जलका अञ्चलका निष्ण । मर्था का प्रवाद । वथा का व्यान मर्था विश्व विष्य । वथा विश्व विश्व विषय । वथा विश्व वि

8२१। नमर्थना भिरवा भी।

সিন্ধুমপি শোষয়াণি।

ইফীর্থস্যাশংসন মাশীঃ। स्नीत् ए खरानिशामि।

৫২৮। তুহে। স্তাতঙ্বা শিষি।

পাতু পাতাদ্বা শিবঃ পাহি পাতাদ্বা শিবঃ।

তুহোতাত ও বাসা দাখিব। সর্বব্যবাদেখাহয়ং। তেন ডিজেপি নান্তাসা স্থানে। কিঞাসা ডিজং ভবানু রাজস্বং কুরুতাদিলাদা বঞ্চণার্বং। বশঁলু স্পৃহি ভবানু স্বর্গ মুন্টাদিলাদো জিঞাপ্তার্থঞ।

৪২ন। মুক্ত ভূশার্থে হি ত স্ব ধরং।

পৌनः পুনা ২ তিশয়ে চার্থে সদা কালে গ্যা हि छ স্ব धार स्थाः। মূহু ছ শং বা লুনাতি লুলাব লবিষাতি বা লুনীছি লুনীত লুনীম্ব লুনীধাং।

পৌনঃপুন্য হতিশরে চার্থে সর্কের কালের লিকে রুজাদি অন্সদিচ প্রযুক্যামানে তেষা মেকছে দিছে বহুছেচ গা। হি ত স্বধমিতি চছারি বচনানি সারি
তার্থঃ তত্রীয়ং বিশেষঃ। কর্তুরিবাচ্চা পরদৈশপদিনো হি ত ইতি দয়ং। আত্মনেপদিনঃ স্বধমিতি ধ্রুং উভয়পদিন চছারীতি। ক্রিয়াসমূচ্চয়ে সজ্ফোরাইং
বিধিরিতি বজ্জবাং। তথাহি পুরী মবক্ষদ লুনীহি নন্দনং মুষাণ রজানি হ্রামরা
ক্রাঃ। বিগৃহ্ছ চক্রে নমুচিছিয়ো বলী য ইথমস্বাস্থ্য মহর্দিবং দিব ইতি মাঘঃ।
খমট দ্যামটাটোরী মিতাটস্তোহতিপাবনাঃ। যুম্মাদৌ বিজ্ঞানীত মনোবৃক্তিং শুভাং মন। রসাকুরে দীপাস্ব ধাস্তং অহি নভোত্রম। ইতীহ্মানন্তিমাংশোর্ষ্তং জ্রাভুং ঘটস্বমে ইতি ভটিঃ। কেচিজু লুনীহান্তাদি পদানা মব্যক্র ভয়া তেন ধাতুনা তেন কারকেণাকুপ্রয়োগে সক্তেবায়ং বিধিরিতাছঃ। কিঞ্চ মাঘভট্রাদাবসুপ্রয়োগং বিনাপি দর্শনা দনেনোপেক্রিঙঃ।

8%। भारत्यन घीरछेते।

मान्यमत्यन रंगारा नमा घीरहोो छः। मान्य ভतम्नः थः मान्यक्र् भाकः।

মান্সবোগোইতাব্যবহিতে। ব্যবহিতত। তেন ভবজুংখং মান্সভুছেকৈ-মান্সইতাপি। ৪৩১। দাটীবা।

মাথোগে দদা টা ভাদ্বা। মাবিরংদীৎ সূথং মা বিরমতু মাবি-ারংক্ততি।

জত্রাপি যোগোহব্যবহিতো ব্যবহিত্য। তেন মানুখং বিরং নীদিতাপি। জত্র বাশন্দ্যা ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ মাযোগাভাব্তহপি আমস্ত্রণে হর্থে ভবিষ্যৎ কালেহপি চীদ্যাদা। তেন মৌনিত্রে মামুপায়ংস্থাঃ ক্যামিচ্চু র্মাশ্বদামিতি ভটিঃ।

80२। जा निवि।

की वा फितः मज्जनः।

ইন্টার্থস্যাশংসন্সাশীঃ। আশিষি গন্যধানাগ্নং টীস্যাৎ। আশী উব্যাএর সম্ভবতিঃ

800। सुर्शि स्वायमि खडीरङ।

স্মরণার্থেরোগে হতীতে কালে তীয়াং। যচ্চদদ্চে র প্রযুজ্যতে
যাপবাদোরং। স্মরয়েনং নংস্থানীশং যৎসারস্থা নমঃ শিবং।

শ্ধাতোরর্থইব অর্থা বেষাং তে সুর্থাঃ। তৈঃ ঘাপবং দোহয়ং ইতি।
এতেন ষদঃ প্রয়োগে হস্যাপ্রাপ্তে ঘী এব স্যাৎ নতু দী চ্যাবিজ্ঞাধি। অষদী জ্বস্
অন্তব্য পরতা না সুবৃদ্ধিঃ। সারস্যদো দাশর পি তবি নুভবান মুং বনাস্তাদনি তাপহারিণং। পরোধি মাবিদ্ধচনজ্জনাবিলং বিলংঘা লক্ষাং নিক্ষা হনিষ্যতীতি
মাঘঃ।

808। वा श्लकमार्या।

জনেকস্মার্য্যে প্রযোক্তরি স্মরণার্থে,র্যোগে হতীতে তীবা স্থাৎ। ধ্যায়সীদং যদীশানং দ্রুস্ফাতি স্ক্রোয়তে ভবান্।

মার্যাসিতি প্রান্তাং কর্মণি যা। অনেকমেকভিন্নং আর্যাং সার্ণীয়ং বেন সোহনেক সার্যাঃ। গ্যায়সীদমিত্যাদি ভবান্ যৎ ঈণানং দ্রক্ষাতি তোষা তেচ ইদং দ্বং খ্যায়দি সার্সীত্যর্থঃ। পক্ষে গ্যায়সীদং যদদ্রাকীদন্তাবীচ্চ শিবং ভবানিতি। সার্যাস্যা পরস্পার সাকীঙ্ক্ষণ্ডে বিধিরয়ং। তেন সার্সি মন্তর্ক মপঠঃ কাশীমগক্ষ ইত্যাদৌ ন সাং।

8°ए। ध्वर्शमञ्चत थी।

্ধো রর্থস্থানিম্পত্তো সদা থী স্থাৎ। জ্ঞান ঞ্চে দভবিষ্যৎ সুখ-মভবিষ্যৎ।

পরত্বাৎ সর্বেষাৎ বাগকোহয়ৎ। জ্ঞানঞ্চেত্তাদি। জ্ঞানস্যাসম্ববাৎ সূপ-স্যাপাসম্বব ইতি ধর্থাসম্ববঃ। তবিষাৎকাল এবায়ং বিধিরিতি কেচিং। জ্ঞোম-রাম্ব ভূতে ভবিষাতি চেমং বিগায় ভূতে ষদ্যন্নার্থী পথিকোহত্রসূফোইভবিষ্যৎ তদা অভোক্ষাত। ভবিষাৎকালে যদি মৎসমীপ মাগমিষ্যৎ ভবান্ তদা ঘৃতে-নাম্মভোক্ষাত ইত্যুদাহরস্তি।

## ৪০৬ । লি মুম্ম দক্ষদি ত্যাদি ত্রিশঃ।

লৌ যুম্মদি অন্মদি চ তাস্তাৰ্থে প্ৰযুজ্যমানে ত্যাদীনি ত্ৰীণি ত্ৰীণি ক্ৰমাৎ স্থাঃ। জানাতি যো ংথিলং যঞ্চন জানীতঃ শ্ৰুতি স্থৃতী।
শাস্ত্ৰাণি চন জানতি সম্য়া সেবাতে শিবঃ। ভাগি ছমেকো
বিশ্বেশ ভাগে। হচ্যত শিবৌ যুবাং। ভাথ যুমং হরিহর ত্রহ্মাদ্যাঃ
পাহ্য নেকশঃ। একো ভবানি স্মাভবৈংহমাদৌ দারৈ রথোভৌ
ন্ম ভবাব জাবাং। বয়ং ভবানো বহবঃ স্ম পুত্রৈ স্ক্রমার্মাহদ্যাপি বিভো প্রসীদ।

তাস্যার্থে ইতি কর্ন্তরি কর্মণি চেতার্থঃ। যথা নবশঃ পমে ইত্যাদিনা কর্ন্তরি বাচ্যে প্রত্যাদের কর্ন্তরি বাচ্যে প্রত্যাদের কর্ন্তরি বাচ্যে প্রত্যাদের কর্ন্তরি বাচ্যে প্রত্যাদের কর্মদি কর্ন্তরি দিবাদিত্রয়ং মুম্মদি কর্ন্তরি দিবাদিত্রয়ং। এবমায়নেপ্রদেহপি চভাবে মমিতানেন কর্মণিবাচ্যে প্রত্যায়ে কর্ন্তব্যে কর্ন্তব্যে কর্ন্তব্যে কর্ন্তব্যে কর্মণি তে আদিত্রয়ং যুম্মদি কর্মণি সে আদিত্রয়ং অম্মদি কর্মণি এ আদিত্রয়ং ইতি। তথাপি তেষা ক্ষেত্র বিজ্বীবহু স্বেল্ বিভ্কানামপ্যেকবচন দিবচন বহুবচনানীতি। জ্ঞানাতীত্যাদি। যোহিবিল্থ সকলং জ্ঞানাতি শ্রুতি ক্রানিত্য জ্ঞাপমিতুং ন শকুতঃ অন্তর্ভূত ক্যার্থেহিয়ং। শাস্ত্রাণিচ ষং ন জ্ঞানন্তি জ্ঞাপমিতুং ন শকুতঃ অন্তর্ভূত ক্যার্থেহিয়ং। শাস্ত্রাণিচ ষং ন জ্ঞানন্তি জ্ঞাপমিতুং ন শকুবং অন্তর্নিপ্রত্যায়ঃ। স হরি ম্মা সেব্যত্তেইতি কর্মণিপ্রত্যায়ঃ। হে বিখেশ সুং একোভাগি হে অচ্যত শিবৌ মুবাং ভাগঃ

হে হরি হর ব্রহ্মাদ্যা অনেকাশো যুরং ভাগ পাহি মুহত্ শং বা পাথেতার্থঃ। मूछ्ज्भार्थ हेजानिन। हि। जत मश्माद्य आएमी उपलक्षिकारन अरकाश्हर ভবামি ক্ষা সোহহং দারৈঃ সহ উত্তো আবাং ভবাবঃ ক্ষ। তথা পুল্রিঃ সহ বহুবো বয়ং ভবামঃ হা। এতৎ সর্বং ছ্মায়য়া। অতএব ছে বিভো অদ্যাপি ছং প্রদীদ প্রসন্ধোভর বথা পুন ন ভবামীত্যভিপ্রারঃ। হে নিভো প্রদীদ ইত্যু-मारुत्रका युवानमात्मात्रधाराष्ट्राद्यश्री भेधामत्त्रयः स्मयत्वायः माजिमिकि स्रुटिकः **एक भिशा किर अठिम अपनर अठिमोजािष मिकर।** ইमा विमान्विखरेनवािन ভাত্র ছয়োর্বিশেষায়োঃ শৈবানিভাক বিশেষণ কণনেৰ দ্যোর্বভূনাং যুগপ-क्राको भवमा वनवज्ञः ऋष्ठिः। তেनावां भि नित्र वृत्राप्तमाः वृत्रभक्ताः তিবাদিত্রয়ং সিবাদিত্রয় মিবাদিত্রয়াণাং যুগপংপ্রাপ্তৌ ষুং পরং ভবতি **उत्परमारः। उज्ञां शि ममूनायमा मःशां स्माद्रंग विरुठनः रह्यहनः दि**। किक्षात निकामीनार भाठककम मनामृठा ভবিষাধিভজীनार भव्रष्टमव প্রাহৃং। যথা কর্ত্তরি বাচ্চো সচ অঞ্চ চম্দ্রং পশাথঃ অঞ্চ সচ পশাথঃ স চাহঞ্চ शामानिः व्यर्थः मह शामानिः प्रथार्थः शामानिः व्यर्थः प्रथः प्राप्तः मह प्रथ्रार्थः भागांबः व्यव्धं प्रथं मह भागांबः। कर्मानिवाटहाकू हेहत्त्व मह प्रथं मृत्नार्थ चुक्र मह मृत्मारथ महारक्ष मृन्गावरर . जरुक्ष मह मृन्गावरर चक्षारुक्ष मृन्गावरर व्यक्थ प्रथ मृण्यांवरह मह प्रश्नाहक्ष मृण्यांमरह व्यक्थ एक मह मृत्यांमरह। उत्राह অহঞ্চ ভাষ্যকারত কুশাগ্রীয় ধিয়াবুভে । নৈব শব্দাস্থুখেঃ পারং কিমন্যে জড়-বুদ্ধয় ইভি। অত্র ঐব ইভি ক্রিয়াপদং ইলগভাবিভি ঘীবিভক্তের্বেকৃতে অখাগম দমং নগতবন্তা বিতাৰ্থঃ। এবং বিভক্তীনাং লিক্ষানাঞ্চ পরস্য বলবস্থমিতি ইমা বিমানিত্যত্র লিখিতং। ভবং শব্দস্য বুদ্মং সমানার্থস্যাপি লিঙ্গবিহিতা বিভ-ক্তিঃ। ভবাস্ চন্দ্রং পশ্যতি চৈত্রেণ ভবাস্ দৃশ্যতে। এবং যুখ্যদমদোরপি মুখ্য য়োরের গ্রহণং। গৌণয়োস্ত লিক্সবিহিতা বিভক্তিঃ। ঋত্বং ভবতি জনহুং ভবতি অতিদ্বং ভবতি অতাহং ভবতি চৈত্রেণ অত্বং দৃশ্যতে অনহং দৃশ্যতে ইত্যাদি। অত্র পরিহাসে গম্যমানে মন্যতে স্তত্ত্বাকী ধাতোরূপি মধ্যমত্রবস্যা শেষ ত্রেরং। (भव ख्रित्र) मध्यम ख्रवः त्रांपिकि वक्कवाः। वशा। विक् कः मत्ना द्रत्थनाहः यामानि । अवः अवः मनाम द्रायन दः यामामीछि । अजालि विष्यु रङ्ख् হপ্যেকবচনমিতি ছুৰ্গসিংইঃ। এবং প্রকৃতে বিকৃতের্বাপি যত্রোজ্জত্বং ছয়ে।-রপি। বাচৰঃ প্রকৃতেঃ সংখ্যাং গৃহ্নীয়াদ্বিকৃতে নঁতু ইতি প্রাঞ্চঃ। ম্পা.একো

व्षः शक्ष मोना छर्ड शक्ष्यका बना मो उरहीजामि। यकु को को माधामि मार्गा मग्रमृष्टेखितिज्ञमरतारको मामि कियाशिमः उर माधामा बन्धामूर्ताधार बर रेनयरधरेशि विज्ञारमक न यम् रिमार कृर्डा न निस्तुस्रम्भ छन्वारेश्वर्यः। अमानि उर्छन निक्षाग्रर्थायुग्रं विकानवर्षाण्डकुताः भितः श्विज
मिछि॥ अमार्थः। उन नरमन विकानयन्ताण्डकुताः भितःश्वर्ङ निक्षाग्रर्थायूग्रं अमानि। अर्ज हिन्दा ইতি ध्वक्षि कर्माणा वहर्षि निक्षाग्रर्थायुग्रिणि विक्षाग्रर्थान्।
विक्षि कर्मानः बक्षा ममानी छ बन्दहनास्तः कियाशिष्ठ उन्न ममीहीनरः।
हिक्षिश्वराः।

## लाः।

৪৩৭। কুদ্ধোঃ ক ভাবে।

বক্ষামাণস্তাঃ রুৎসংজ্ঞঃ স্থাৎ সচ ধোঃ পরঃ স্থাৎ সচ কেভাবে চ স্থাৎ।

প্রকরণ ভেদাৎ পূর্ব্বোজ্ঞানা মমুবৃত্তাভাবে বক্ষামাণমাকিপতি। বক্ষামাণস্ববাদি চণম্পর্যান্ত ন্তাঃ প্রভায় সমূহঃ ক্ঁৎসংজ্ঞঃ স্যাদিতার্থঃ। সচ ধাতুবিশেবাদিহিতোপি প্রয়োগাসুসারা দনাক্ষাদিপ স্যাদিতাত আহ সচ ধাঃ পরঃ
স্যাদিতি। ধাে র্যাতুমান্ত্রাদিতার্থঃ। তেন শীব্রজ্ঞাদিভাে বিহিতঃ কাপ্ ঈর
সাভােরপি স্যাৎ যথা ইর্যা। তথাচ ব্রজ্ঞাটাটা পর্যাটনং চর্যাত্মিয়া পথস্থিতিরিভামরঃ। এবং সকৃৎ ন্তন্থাদিপরাৎ ক্রাদেবিহিতােপি ইঃ প্রভায়ঃ
দেবাদি পূর্বাৎ ষজ্ঞভেল্চ স্যাৎ যথা দেবানু যজ্ঞতীতি দেবয়ঞ্জঃ। তথাচ
স্বাদ্মা বিজ্ঞান দেবয়ঞ্জীরিহয় ইতি ভট্টিঃ। এবং অর্থবিশেষে বিহিতােপি কৃৎ
প্রয়োগামুসারাদর্থান্তরেহপি স্যাদিভাত আহ সচ কে ভাবেচার্থে ইতি। তেন
চভাবয়ােবিহিত ভবাে বসতেঃ কর্ত্বমুপি স্যাৎ। যথা বসতীতি বাস্তবাঃ।
আন্ত মনীষাদিত্রাছন্তিঃ। এবং ভিয়াহপাদানেপি তবাঃ। ভেতবা রজনী।
এবঞ্চ সম্প্রদানকরণাধিকরণেম্বপি জনীয়ঃ স্যাৎ। যথা দদাভাবেম ইতি দানীয়াে
বিপ্রঃ। স্নায়তে হবেনেতি স্নানীয়ং জনং। রমাতে হিম্মানিতি রমণীয়ং পৃহং।
এবং কর্ত্ব্যিপি ঘাণ্। যথা নিয়াজুমহতি নিয়োগাঃ প্রভুরিতি। এবং ক্ষায়তে
ইতি জনাঃ। এবঞ্চ গাং হন্তি ষবিম স গোম্বোহািত্থিঃ। জন্ত হনচর্গ ফক্

ইত্যানেন কর্ত্তরি বিহিত্তীক্ সম্প্রদানেহিপি স্যাদিতি। অতথ্য কুদ্ধাঃ কভাব ইত্যুক্তে রন্যক্রাপি প্রয়োগত ইতি স্বয়ং বক্ষাতি। বিশেষেণ সামান্যস্য বা ধনং নিয়ময়তি।

৪৩৮। সৰূপো বাধাঃ। সমানৰূপ স্তাঃ কুতা বাধাতে নত্ম সৰূপঃ।

বিশেষেণ কৃতা সামানাঃ কৃৎসরূপএর বাগ্যতে ইতার্থঃ। সরূপত্বস্ত অমু-বন্ধং হিত্তা স্থায়িভাগেন একাবয়বত্বং। যথা বিশেষেণ ঘাণা সামানেয়া ষএব বাধ্যতে। নতু তব্যানীয়ে। এবং একার্থেএব সরূপত্বং গৃহতে নতু তিরার্থত্বে; তেন পঢ়াদিত্বাৎ কর্ত্তরি বিহ্নিতেন বিশেষেণ জনা সামান্যঃ সরূপোহপি ঘঞ্ন বাধ্যতে। অভ এব পচতীতি পচঃ পচনং পাকঃ ইত্যাদি স্যাদেব। এবং ঞীষি শ্ৰন্থি প্ৰান্থি ইত্যাদিনা বিহিতেন অনেন অনট্ন বাগ্যতে জ্ৰীবিহিতত্ত্বন অৰ্থ-ভেদাৎ। তেন কারণা কারণং যাতনা যাতনং সূচুনা সূচনং বিম্মাপনা বিম্মাপনং অতিশায়না অতিশায়নং মারণা মারণং বিদারণা বিদারণং ইতাদমঃ সিদ্ধাঃ। এবং সেমক্তাৎসরোরিতি বিহিতেন অপ্রতায়েনাপি ঘঞকৌন বাধ্যেতে। **उनं 6िक ही दर में १ इंटरिक अहिक हारम हे जानि** (वी शरम वहा अवश्व मण्याम ইতি বিহিতেন অপ্রতায়েনাপি ঘঞ্জো ন বাধ্যেতে। তেন ললং কেপ্সে প্রক্রে শজীপে ৯জ্ঞ জিঘাংনে ইত্যাদি বোপদেনঃ। অতএব বিশেষেণাপি সামানো। ন বাধ্যতে কচিৎ ইতি জেমিরাঃ। কিঞাত্র সমোবাধ্য ইত্যনেনা-পীট্টসিন্ধে সরপ গ্রহণং জ্ঞাপয়তি। স্ত্রীবিহিতপ্রত্যয়েন কচিদসরুপোহপি স্ত্রীবিহিতপ্রতারো বাধাতে। তেন শংস্তাদ ইতি অপ্রতারেন ঞীযি শ্রন্থি ইতি অনপ্রতায়েনাপি জের্বাধাৎ চিকীর্য কারি ইত্যেত্রোঃ চিকীষ্টি'ঃ কার্ত্তি-রিতি নস্যাৎ। কচিন্নবাধ্যতেচ ডেন শংসতেঃ শক্তিঃ পঞ্চয়তেঃ পঞ্জিঃ আস্তে क्रभाखितिज्ञापि निक्षिति । এवश्च क्रेयपूर्म्भूर्तिकं धारजाः भवविधानाः विरम-ষাভাাং খল্ অন ইতি দাভাাং অসক্লা হলি তব্যাদয়ঃ লক্ষ্ণ বাধ্যন্তে। তেন ছঃখেন ক্রিয়তেহসৌ ছক্ষরো ধর্মঃ। এবং তুর্গমো দেখঃ তুর্দ্দর্শঃ তুর্দ্দর্শনঃ সুর্ব্য रेजाएमी खगामस्या न मृत्यद ।

800। जवा नीम या एखारव।

ধো রেতে স্থার্চভাবে। চেতবাং চয়নীয়ং চেরং পুণার্বভবিতবাং ভবনীয়ং ভবাং স্বয়া।

· ৪৪০। না ২টো হন্তরহচুর্নেঃ প্রাগ্র্লোহখ্যা ভা ভু পুঞ্কম গম পাায় বেপানিজাদীদিতো ঞি হ্যাদীজুঙ স্ত বা।

অন্তরো তুর্বর্জনেশ্চ পরস্থ ণবিধিহেতো সতি নস্তাচঃ পরস্থ গঃ
স্থাৎ নতু খাাদেঃ ইজাদিবর্জেদিতশ্চ এগস্তাদ্ধসাদীজুউস্ত বা।
অন্তর্যাণীয়ং প্রযাণীয়ং প্রযাপনীয়ং প্রযোপনীয়ং প্রকোপণীয়ং
প্রকোপনীয়ং । খাাদেস্ত প্রখাশনীয়ং প্রভাপনীয়ং প্রতবদীয়ং
প্রাপ্রনীয়ং প্রক্ষনীয়ং প্রগমনীয়ং প্রপ্যায়নীয়ং প্রবেপনীয়ং
প্রকম্পনীয়ং। ইজাদেস্ত। প্রেজ্ঞানীয়ং।

नां कि द्वरं तां राहि हा । अपून्ता मि निष्कि अद्वर्ति । अस्त व अद्वर्ति अस्त अद्वर्ति अस्त । इत् आपि र्यम म इस्वि । नां कि इस्वि यत । सिन् आपि र्यम म इस्वि । नां कि इस्वि यत । सिन् अपि व अपि र्यम म इस्वि । नां कि इस्वि यत । सिन् अपि के अपि व अपि के अपि । नां कि अपि के अपि क

প্রমেহনীয়ং হামেহনীয়ং ইত্যাদি। খ্যাদেন্ত খ্যাদীনাং কেবলানাং এগন্তানাঞ্চ বর্জনাৎ প্রখ্যানীয়ং প্রখ্যাপনীয়ং প্রভানীয়ং প্রভাপনীয়ং প্রভবনীয়ং প্রভাবনীয়ং প্রপবনীয়ং প্রপাবনীয়ং প্রকমনীয়ং প্রকামনীয়ং প্রগমনীয়ং প্রপ্যায়নীয়ং প্রবেপনীয়ং প্রকম্পনীয়ং। গমাদীনাং কেবলানাং এগন্তানাঞ্চ জত্র তুলাং রূপং। ইন্ধাদেন্ত প্রেম্বানীয়ং জত্র নিত্যং গত্বং। অচঃ কিং প্রভুয়ঃ প্রবিয়ঃ। প্রার্থং কিং প্রতিধানীয়ং।

৪৪১। খনাটোরে যে।

थन जान्सक ह रहे रत कार रव शरत। रथप्रश्राम्पर।

খম্চ আচে খনাতে। খনাতে। ষ্টিঃ খনাট্টিঃ। তস্য। প্রকরণবদাং যেইতি
ল্যাসংজ্ঞাকে যকারে ইতার্থঃ। খেয়মিতি খনতে ইস্ফ্রানোরিতি ঘাণি অনেন
টে রেকারঃ। দেয়মিতি দাস্বরূপাৎ তব্যানীয় যাইতি যে টে রেকারঃ। ল্য সংজ্ঞাকে ইতি কিং খন্যতে দীয়তে প্রখন্য প্রদায় ইত্যাদৌ ন স্যাৎ। এবং যেপরে গণয়তে রপি টে রেকারো বা বক্তবাঃ। তেন গণেয়ঃ গণাঃ।

৪৪২। ঘাণো রাবভাকে।

উবর্ণাস্তা দবশ্রস্তাবে ২র্থে ঘাণ্ স্থাৎ চভাবে। ব্রিপ্রেণ শুচিনা ভাব্যং।

स्काशकातमा विश्वाकातः। जारणाम् हेठामा कारत रक्ष क्र त वार्षे र्लाभ हेठि टिर्लाल स्वावणार एक स्वावणारमय स्वावणाकर सार्थकः। मक्ष्क-भूजिशिकातार एकारव हेठानू वर्षु एक । केवर्नास्त्रकारका टिल्लावक सान् मा। कियाया स्वावणास्त्रारव हर्ष । स्वाविष्क्री । कावामिक स्थारका स्वावणास्त्र हर्ष । स्वाविष्क्री । कावामिक स्थारका स्वावणास्त्र स्वावणास्त्र । स्वावणास्त्र स्वावणास्त्र । स्वावणास्त्र स्वावणास्त्र । स्वावणास्य । स्वावणास्त्र ।

৪৪৩। হসৃ যা সোঃ।

হসন্তা দূৰণান্তাৎ যৌতে রাম্বনোতেশ্চ ঘাণ্ আৎ চভাবে। বাহুং ঘাত্যং জনাং বধ্যং কার্যাং যাব্যং আসাব্যং।

হস্চ ঋষ্চ যুশ্চ আসুশ্চেভি ভক্ষাৎ। পৃথগ্ৰোগা, দাবশাক ইভাসা নালু-

वृष्टिः। वाश्विषिठ वह शास्त्र श्रांति वृष्तिः। घाश्विषिठ इन पास्त्र प्रांति। विद्या देखि हैन प्रांति। विद्या देखि हैन प्रांति विद्या है कि उद्धा स्वापिठ कलाव हेजूर एकः कर्जु विद्या विश्विष्ठ विश्व है कि वृष्ट्य कर्षि चान्। स्वाप्ता स्वाप्ति वृष्ट्य क्ष्य है विद्या विद्या है विद्या विद्या है विद्या विद

৪৪৪। চজোঃ কগৌ ঘিত্য ২সেম্ক্ত যজ্ঞাঙ্গমন্ত গত্যর্থবঞ্চাং। ঘিতি পরে চজোঃ কগৌ স্তো নতু সেম্ক্তাদেঃ। পাক্যং রোগ্যং গতৌ ভু। বঞ্চাং। অন্যত্র বস্কাং কার্সং।

দেশ্ জ্ঞো যন্মাৎ স সেশ্ ক্তঃ। যজ্ঞ সাঙ্গং যজ্ঞাঙ্গং যজ্ঞাঙ্গং যজ্ঞাঙ্গং গতার্থ ভালে বিন্ত চেতি গতার্থ বন্ত। সেশ্ জ্ঞান্ত যজ্ঞান্ত যজ্ঞান্ত গতার্থ বন্ত। সেশ্ জ্ঞান্ত যজ্ঞান্ত যজ্ঞান্ত গতার্থ বন্ত চেতি। ততো নক্র সমাসঃ। তেবাং। পাক্যমিতি ভুক্জো ব পচ ঘানি বৃদ্ধো চন্য কঃ। এবং যিচ পশোক্ত সেকাং রোগ্যমিতি রক্জশো ভলে ঘানি গুনে কঃ। এবং যন্ত্রে ক্র সক্ষানিতি। এবং ঘক্তি পাকঃ সেকঃ রোগঃ সক্ষঃ। সেশ্জাদেস্ত টুডু বাচ্ঞা রাচাঃ। লোচ্ জীকে লোচাঃ। যজ্ঞান্ত যজ্ঞ ঘক্তি প্রাক্তঃ উপাং শুমাজঃ ঝতুমাজঃ। প্রধানযজ্ঞ লাঙ্গান্ত যজ্ঞান্ত তি কিং বাগঃ প্রধান যজ্ঞ ইতার্থঃ। বন্চু গত্যাং। বজ্যো গ্রামঃ। অনেকার্থজাৎ বক্রীভাবে কর্ত্তরি ঘানি বঙ্গাং কান্তিং। কেচিত্র শানং পচতীতি শ্রপাকঃ এবং মাংসপাকঃ কপোতপাকঃ উল্কপাকঃ এবু চাং বরিতি বনি পরেহপি চকারস্য ককারমিছ্স্তি। স্বমতেতু পচ্যতে হ্লাবিত্র কর্মনি ঘক্তি পাকঃ। ততঃ শ্বাপাকো যন্য সশ্বপাকঃ ইত্যাদি। এবু শহুভিশ্বাদিবং বিশেষণ্য্য পর স্থিতিরিতি।

৪৪৫। নাবভাকে তাজ যজ প্রবচাঞ্চ ঘাণি।

আবশ্যকে হর্থে এষাং চজোঃ কগৌ ন স্তো ঘানি। অবশ্রুং পাচাং ত্যাক্সঃ যাজাঃ প্রবাচাঃ।

ক্রিয়ায়া অবশাস্তাবেহর্থে সর্বেষাং গ্রাভুনাং চজোঃ কর্গোনস্তো ঘাণিপরে স্থান্তমন্ত্র অবিশ্যকেহনাবশ্যকে চার্থে চল্লোঃ কর্গোনস্তো ঘাণি পত্নে ইতার্থঃ। অবশাং পাচাং এবং অবশাং রোজাং। অজ্ঞাদেপ্ত তাজাঃ। যাজাঃ প্রবাচাঃ ইতি। সমাহারেশৈবেইটিনিছো প্রবচামিতি বহুবচনাৎ কেষাঞ্চিদনিম্ জ্ঞানামিপ নিসাৎ। তেন মুচ্চশপথ্যে মোলে মোচাং ওচ শোকে শোচাইতাদি। ওচে বেমনহেতাদিনা বেমন্বাক্ষেমতীশীতি ইমো নিষেধা দনিম্জাদং।

৪৪৬। ভুজ বচ নিপ্রযুজো হন্নাশব্দ শক্যে।

ভূজে। ভক্ষ্যে ২র্থে বঁচে। ২শব্দে ২র্থে নিপ্রপূর্বস্থ যুজঃ শক্যে-২র্থে চজোঃ কগৌ ন স্ত্রো ঘানি। ভোজাং বাচাং নিযোজাঃ প্রযোজাঃ। এবু কিং। ভোগ্যা ভূঃ বাকাং পদসমুদায়ঃ নিয়োজু মহতি নিয়োগাঃ প্রভুঃ।

ভুক্ত বচন্চ নিপ্রাভ্যাং যুক্ত চ তস্য। অর্থ্য অশক্ষণ্ট শক্যঞ্চিত তিনিন্। ভূক্তাতে বং তদ্তোক্সাং অরাদি। বাচাং বচনীয়মিতার্থঃ। নিযোজ্যুং শক্য-তেহসেই নিযোক্সাঃ প্রযোক্ষাঃ সেবকঃ। এষু কিং ভোগ্যা ভূঃ উপভোগ্যা পালনীয়া বা ইতার্থঃ। বাক্যং পরস্পরাকাঞ্কাযুক্তপদসমূহঃ। নিয়োজুমইতি যোগ্যা ভবতি। নিয়োগ্যঃ প্রভুঃ অত্ত কভাব ইত্যুক্তেঃ কর্ত্তরি ঘাণ্।

889। পাষ্য ধাষ্য প্রণাষ্যা নাষ্য কুণ্ডপাষ্য সঞ্চাষ্য রাজসুর সালাষ্য নিকাষ্য পরিচাষ্যো পচাষ্য চিত্যা গ্লিচিত্যা সমূহ্য মাবস্থা মাবাস্থা যাজ্যাঃ।

এতে ঘাণন্তা নিপাতান্তে। পাযাং মানং দ্ধাতাগিমিতি ধাযা।
সামধেনী ধায়া ঋতিকঃ প্রণায়ো অসমতঃ প্রিয়ো বা। আনাযো দক্ষিণাগ্নিঃ কুলৈঃ পীয়তে অত্র সোম ইতি কুণ্ডপায়ঃ ক্রতুঃ
সঞ্চায়াঃ ক্রতুঃ রাজ্ঞা স্থাতে রাজস্থাঃ ক্রতুঃ সামাযাং হবিঃ নিকাযো নিবাসঃ পরিচায়ো হগ্নিঃ উপচায়ো হগ্নিঃ চিত্যো হগ্নিঃ
অগ্নে শ্রুমমিতি অগ্নিচিত্যা সমূহো হগ্নিঃ সমান্ত ইত্যর্থঃ অমা
সহ বসতো হলাং চন্দ্রাকাবিত্যমাবালা অমাব্লা বজন্তি অন্যা
ইতি যাজ্যা নিপাতো হার্থবিশেষে।

পাপানে चानि পাষাং পরিমানং পেয় মনাং। মধান্তায়িমিভি ধাষা। সামধেনী অয়িজালন মন্তঃ। এবং ধাষা ঋতিক্ ধেয় মনাং। প্রণীয়ভেহসৌ
প্রণায়াঃ অসমতঃ প্রিয়োবা। অনাত্র প্রণেয়ঃ। গার্হপভ্তাদয়ে রানীয় ধাে
দক্ষিণায়িঃ প্রণীয়তে স আনাবাঃ। অনাত্র প্রানেয়ঃ। কুলৈঃ পীয়তেহত্র নােম
ইতি কুপ্তপাষাঃ ক্রতুঃ। সোমাে লভাবিশেষনা রমঃ। অনাত্র কুপ্তপেয়ং
কুলাং। সঞ্চীয়তেইসৌ সঞ্চাষাঃ ক্রতুঃ। অনাত্র সঞ্চেয়ং পুণাং। সূন্তঃ সদ্ধা
ক্রেদ্পীড়ামস্থে। রাজা স্মতে মঙ্গলপুর্বাকং সায়তেহনিয়িতি রাজস্মঃ
ক্রতুঃ। সংনীয়তেইদং সয়ায়াং হবিঃ। অনাত্র সংনেয়ং। চিনচিঞ চিন্তাং
নিচীয়তে হসৌ নিকাষ্যাে নিবাসঃ অত্র চনা কঃ। অনাত্র নিচেয়ং। পরিচীরতে হসৌ পরিচাযােহিয়ঃ উপচীয়তেহসৌ উপচাযােহিয়ঃ উপচেয়মনাং।
চীয়তেহসৌ চিন্তায়িঃ চেয়মনাং। অয়েশ্চয়ন ময়িচিন্তা। সংপ্রবিহৈক্রো
সমুন্তহেসৌ সমুন্থায়িঃ অত্র ঘানি নিপাতনাং ক্রিঃ তন্য দীর্ঘণ্ট। অনাত্র
সংবাহাঃ। অমা চন্দ্রন্য আদা৷ কলা। তয়া সহ বনতোহস্যাং তিথে চন্দ্রাকৌ
ইত্যর্থে হ্মাবান্যা হমাবন্যা ইতি দুয়ং যজস্কা নয়েতি ষাজ্যা ঋক্। এতে হর্থ
বিশেষাঃ কুতো লভান্তে ইক্যালক্ষাহ্ নিপাতে। হ্র্থবিশেষ ইতি।

৪৪৮। পু শক সহ তক চত যত শসোংচম বপা রপা লপ ত্রপ দভো যে। ভজ জপ যজানম স্তুবা।

পিবর্গান্তাৎ শকাদে শচ চমাদিবর্জাৎ যঃ স্থাৎ চভাবে ভজাদেন্ত বা। রম্যং শক্যং সহাং তকাং চত্যং যত্যং শাস্যং ভজাং ভাগাং জপাং জাপ্যং যজাং যাজাং আনম্যং আনামাং। চমাদেন্ত। আচামাং বাপাং রাপাং লাপাং ত্রাপাং দাভাং অনকারনির্দেশাৎ।

পুশ্চ শকশ্চ সহশ্চ তকশ্চ চত্রশ্চ যতশ্চ শসচেতি তয়াং। চমশ্চ বপশ্চ
রপশ্চ লগেশ্চ ত্রপশ্চ দভচ তে ন বিদ্যান্তে তে যত্র সোহচম বপ রপ লপ ত্রপ
দভ তয়াং। ভঙ্গশ্চ অপশ্চ যজ্জশ্চ আনমাচেতি তয়াং। হসস্তথাং প্রাপ্তবাস্য
হাগো বাধকোহয়ং। রমুভজৌ রমাং এবং তপো তপাং শপৌঞ শপাঃ
কব্প্রস্তা বর্ণে কবাঃ। লভাগ হিংসে লভাঃ। শক্যমিত্যাদি সুগমং। দাভা
মিতি দন্তু দস্তে ইতাস্য দভ ইতি নকাররহিত পাঠাং নকারস্য লোপে
বৃদ্ধিবিত্যর্থঃ।

৪৪ন। ব্যালভো মুণ্।

আঙ পুর্বন্ত লভো মুণ্ ক্তাৎ যকারে। আলস্ক্র্যা গৌঃ।

আঙ্পৃর্বিদ্য লভোমুণ্ দাং যেপরে। নিত্তা দন্তাচঃ পরঃ। আঙ্পৃর্বে লভ ধাতু মারণে বর্ত্ততে। আলস্তা গৌ মারণীয়া ইতার্থঃ।

৪৫০। উপাৎ স্তুতৌ।

উপপুর্কিন্স লভো মুণ্ স্থাৎ যে পরে প্রশংসারীং। উপলস্ত্যঃ সাধুঃ। স্তুতৌ কিং। উপলভ্য মন্মাৎ কিঞ্ছিৎ।

উপলস্তাঃ माधुः खवा ই छार्यः।

৪৫১। গদ মদ যম চরাচরে। ২েগে র্যঃ।

অগিভা এভাা যঃ স্থাৎ চভাবে। গদ্যং মৃদ্যং মৃদ্যং চর্যাং আচর্যাং। অগেঃ কিং। প্রগাদ্যং অভিচার্যাং।

অংগঃ কিং প্রগাদ্যং প্রমাদ্ধঃ প্রধামাং এমু হৃদস্তাৎ ঘ্যারের চরঃ কেবলস্য আঙ্পুকাস্ট এইগাৎ চর্যাং আচর্যাং। অন্তর্জভিচার্যাদিতি। যেপরে ২ন্তুতেহর্থে আচরেঃ সুম্বাচ্যঃ। আশ্চর্যাং।

80२। श्राप्ति वर्षा वर्षा वर्षा व्या व्या क्या क्या व्या (र्या श्रम्भा) क्याः।

এতে যাস্তা নিপাতান্তে। পণ্যং বিক্রেয়ং অবৃদ্যং অনিষ্ঠং বর্যা।
কন্যা বর্ষ্যং শ্রের্কং আচার্য্যো গুরুঃ উহুতে ২নেনেতি বহুং শকটং
জেতুং শক্যং জ্বয়ং এবং ক্ষয়ং ক্রয়ং হট্টে প্রদারিতং। অর্ষ্যঃ
স্বামী বৈখ্যো বা উপব্রিয়ত ইত্যুপদর্য্যা শ্লুমতী ন জীর্য্যতাজ্ব্যাং
সঙ্গতং।

পণঙ্বাবহৃতে স্তি পণাং বিক্রেরং দ্রবাং। অন্যত্ত পণাে বিষ্ণুঃ শুবা ইতার্থঃ। নঞ্পূর্বসা বদতেঃ অবদাং নিন্দনীয়ং। অন্যত্ত অবাদাং বাকাং। বৃঞ্গ সম্ভক্তে বর্ষা কনাা বর্ষাং অস্তিং। অন্যত্ত বার্ষাঃ ৮আচার্বাে গুরুঃ অন্যত্ত আচর্যাং। উহাতে হবেনেতি বহাং শকটং। জনাত্র বাহাং। জাষাং জাষ্থ জাতুং শকাং। জানাত্র জায়ং। জাষাং কাছং শকাং। জানাত্র জায়ং। কাষাং হাটি প্রারিতং। জানাত্র ক্রেয়ং। ঝাগতো আর্যাঃ স্বামী বৈশ্যো বা। জানাত্র আর্যাং। উপস্রিয়তে ইতি উপসর্য্যা ঝাতুমতী। জানাত্র উপসার্যাং। নজ্পার্যান্ত জার্যাং সঙ্গতং জানাত্র জজার্যাং।

৪৫০। দৃ ভূ জুষ জ্ব্নি শাসূত্ত রজো ২ক্কপ চৃত থাচ পাণিসূজ সমবসূজঃ,কাস্।

जारन अंकारतारक्षा इक्ष्ण क्रुशानिवर्जाय काश् छाय ए जारव ।

ঝং উড় যস্য স ঋতৃঙ্। দৃশ্চ ভূশ্চ জুষশ্চ স্তশ্চ ইনচ শাসচ ঋচঙ্চ বৃঞ্ চেভি ভিন্মাং। পাণেঃ স্কল্পাণিস্কল্। সমোহবঃ সমবঃ সমবাং স্কল্সমব-স্কল্। কুপশ্চ চৃভশ্চ ঋচশ্চ পাণিস্কল্চ সমবস্কল্চ ন বিদ্যান্তে তে যত্ৰ সোহ-কৃপ চৃত ঋচ পাণিস্কল্সমবস্কল্ভিয়াং।

৪৫৪। স্বস্তন্পিতি।

স্বাস্থ্য তন্ স্থাৎ পিতি। আদৃত্য: ভ্ত্য: জ্বাঃ স্ত্তাঃ ইত্য: শিষ্যঃ র্ধাঃ র্ত্যঃ। কুপাদেস্ত । কুপাং চত্যং অর্চ্যং পাণি-স্বাসা সমবস্বাসা রজ্জুঃ।

শাস্ত্রদাত ল্লাং পিতি কৃতি। অত্র যেন কেনাপি প্রকারেণ স্বাস্ত্রদার এইণং। নতু সভাব স্বাস্ত্রদার। তেন প্রবস্তু প্রভন্ত ইত্যাদোর নতনেতি গুম্বোপে হনেন তন্। আদৃত্য ইতি। আঙ্পুর্বে দৃঙশাদরে কাপি কিত্তালুণা-ভাবে পিত্তাং তন্। শিষ্য ইতি শাস্তেঃ কাপি শাস্তিতি আকারদা ইকারে শাস বস স্বদেতি ষত্বং। বৃধ্য ইতি বৃধু ইত্যাসাস্তর্ভ প্রার্থিং সকর্মাকত্বে কর্মণি কাপ্। বৃত্যু ইতি প্রাক্ত্রমা বৃঞ্জ বরণ ইত্যায় গ্রহণাং বৃষ্ণ সম্ভত্তেনি ক্রামান ক্রিক্তার। কল্পামিতি কুপুঙ্ক কল্পানে কুপ কৃপ ইতি ক্পাদেশে ঘাণি গুণঃ। চৃতশ চর্ভ্যুং গ্রচশ জ্বর্জাং। পাণিজ্যাং স্ক্রাতেহ্সো পাণিসর্গ্যারজ্বঃ। অত্র চজ্যোঃ কগাবিতি জন্য গঃ। এবং সমবসর্গ্যা।

৪৫৫। ক্ন র্য মৃজ গুহ ছহ শন্স সংভূ প্রত্যাপিগ্রহো বা। এভাঃ কাপ্ স্থাৎ বা তভাবে। ক্নত্যং কার্যাং র্যাং ব্যাং মৃজ্যং মার্ব্যং গুষ্ঠং গোষ্ঠং দুষ্ঠং দোষ্ঠং শক্তং শংক্তং সংভার্ব্যঃ প্রতিগৃহ্যং প্রতিগ্রাহ্যং অপিগৃহ্যং অপিগ্রাহ্যং ।

সমোভূ সম্ভূ প্রত্যাপিভাং এই প্রতাপিএই। কৃষ্ট বৃষ্ট স্থাচ গুইষ্ট কুহ্ণ শন্দণ্ট সংভূদ্য প্রতাপিএই চেভি ভ্রমাৎ। গুহুং গোহামিতি ঘাণিগুণে আচঃ পরস্বান্থাবাৎ গুহোণোরুরিত্যনেন উর্ন্যাদিতি ভত্তৈব ব্যাখ্যাতং। আনাং সুসমং।

৪৫৬। গৃহ বিনীয় বিপুয় জিত্যা সূর্য্য ক্রচ্যা ব্যথ্য ভিদ্যোদ্ধা পুষা সিদ্ধা তিষ্যা জ্যা যুগ্য ক্রফীপচ্য কুপ্য ভার্ষ্যাঃ।

এতে কাবন্তা নিপাতান্তে। প্রকৃহাং পদং কৃষণ্ডাঃ কৃষণ্ডাঃ
গৃহ্যো থলৈরী প্রামণ্ডা প্রামনাতা বিনীয়ঃ কক্ষঃ বিপুয়ো
মুঞ্জঃ জিত্যা হলি সরতীতি সুর্যাঃ : এবং রুচাঃ অব্যথাঃ। কূলং
ভিনতীতি ভিদ্যো নদঃ বার্যুজ্বতীতি উদ্ব্যো নদঃ কার্যাং পুষণ
তীতি পুষাঃ নক্ষত্রং কার্যাং সাধয়তীতি সিধাঃ সএব তিষ্যো থপি
আজ্যং ঘৃতং যুগাং বাহুনং কৃষ্টে স্বয়ং পচ্যত ইতি কৃষ্টপচ্যো
ত্রীহিঃ কুপাঃ স্বর্ণরূপ্যাভ্যামনাৎ ভার্যা বধঃ ক্ষতিয়া চ।

ব্রীহিঃ কুপ্যং সুবর্ণৰূপ্যাভ্যামন্যৎ ভার্য্যা বধুঃ ক্ষত্রিরা চ।

পদ পক্ষ পরতন্ত্র বহির্ভূতের গৃহপদং নিপাত্যতে। যথা প্রগৃহং পদং ষৎ
স্বরেণ সমুদ্ধীয়তে। কৃষ্পৃহাঃ কৃষ্পক্ষঃ পাশুর ইত্যর্থঃ। গৃহ্যাহদৈরী অধীন
ইত্যর্থঃ। প্রামপৃহ্যা প্রামনাহাা নদীতার্থঃ। এভ্যোহনাত্র প্রাহাং। বিনীয়ঃ
কক্ষঃ। কক্ষোহন্ত্রী সমনোনায়েইত্যমরঃ। অন্যক্র বিনেয়ঃ। বিপুয়েয়য়য়য়পুংধ ইত্যর্থঃ। অন্যক্র বিপায়ঃ। জিত্যা হলি মহর্দ্ধনমিত্যর্থঃ। অন্যক্র বিপায়ঃ। সরতি গছ্তীতি সুর্য্যোহর্কঃ। স্বর্যাদয়ঃ বিষ্যান্তা কর্ত্তরি
কারস্তাঃ। সন্যক্র সার্যাঃ। রোচতে ক্রচাঃ। নবাধতে অব্যধ্যঃ। কৃশং ভিনজীতি ভিদ্যোনদঃ। বারি উজ্জ্বতীতি উল্ক্যো নদঃ। কার্যাং পুঞ্চাতীতি পুয়োনক্ষরে। অনুজুধ্পি অল্যান্ডে মুক্ষাতে অবেনেতি আজ্ঞাং যৃতং। বুজ্ঞাতে
ইতি বুগাং বাহনং। কৃষ্টে ক্ষেত্রে স্বয়ং পচ্যতে ইতি কর্ম্মকর্ত্তরি কৃষ্ট পচ্যো
বীহিঃ। গুপুরক্ষে গুণাতে ইদং কুপাং স্বর্ণ রূপ্যাভ্যা মন্যক্র গন্য কঃ অন্যক্র
গোপাং বচঃ। ব্রিয়তে হদৌ ভার্যা। বধুঃ ক্ষত্রিয়াচ।

809। त्लं वंमः काश रयो।

লেঃ পরাত্দঃ কাপ্ যৌ স্তো ঢভাবে। ব্রহ্মণা উদ্যতে ইতি ব্রহ্মোদ্যা ব্রহ্মবদ্যা কথা। মূবোদ্যং নিতাং।

बक्कान छेमा छ दे छ कर्ष्मान काशि शहर पिठिएको बद्यामा। य बक्काना-कथा। छाँदव बद्धामाः बक्कानाः बक्कानाः । इठाएको मामारखाशशममा कृषरखन श्रांकुना ममारमा वक्काः। बवः आंखाः निविभः वताहः छेमिका देखांकि। छेश्मर्ताममारमा वज्रवाः। बवः आंखाः निविभः वताहः छेमिका देखांकि। छेश्मर्ताममारमा व मार। जनःकृषा कृषानः छेश्मर्ताममारमा व मार। जनःकृषा कृषानः छेश्मर्तामका काला छाजूः। छेश्मर्ताकु अकृष्ठा अञ्चल्लाः। निर्मिष्ठे मिक्छोमिक नामार क्षांकि मनामावायमाशि मार। उन नगः अने देखांकि। मृत्यामार। यथा निविभिन्न कालाः।

৪৫৮। ভূহনঃ কাপ্ভাবে ন তশ্চ। লেঃ পরাভ্যামাভ্যাং কাপ্সাৎ ভাবে হনো নস্ত তশ্চ। ত্রন্ধ-ভূরং ত্রন্ধহং ত্রন্ধহত্যা।

ব্ৰহ্মণে ভাৰঃ ব্ৰহ্মণ্ড ব্ৰহ্মণে হননং ব্ৰহ্মহত্যা অভিধানাৎ জীবং। । ৪৫ন। ধ্ৰোঃ কেলিমো চমে।

ধোঃ পরঃ কেলিমঃ ফাৎ ঢঘে। স্বয়মের পচাস্তে ইতি পচে-লিমাঃ তণ্ডলাঃ। এবং ভিদেলিমাঃ মাষাঃ।

ঢঞ্ তং ঘশ্চেতি ঢঘঃ তিমান্। ধো রূপাদানং সর্ব্ব ধাতু প্রাপ্তার্থং। তেন সর্ব্ব ধাতুভাঃ কেনিমঃ স্যাৎ কর্ম কর্তুরি। কিন্তামগুণঃ। স্বয়মেব পচ্যস্ত ইতি, পচেলিমা স্তপুলাঃ। এবং ভিদেলিমং কাঠং মুচেলিমং বারি।

৪৬০। তে ল্যাঃ শক্যা হ্য প্রেষ্যা মুজ্ঞা প্রাপ্তকালে বা।

তব্যাদয়ো লাশংজ্ঞাঃ স্থাঃ তে চ শক্যাদ্যর্থেষু বা স্থাঃ। বোচুং শক্যো বোঢ়বাঃ বহনীয়ঃ বাছঃ। তোতুমহাঃ স্তোতব্যঃ স্তবনীয়ঃ স্তত্যঃ। প্রেষিতস্তৃং স্বয়া গস্তব্যং গমনীয়ং গমাং। অনুজ্ঞাতস্তৃং স্বয়া অধ্যেতব্যং অধ্যয়নীয়ং অধ্যেয়ং। প্রাপ্তত্তে কালঃ স্বয়া ধ্যাতব্যং ধ্যানীয়ং ধ্যেয়ং

শক্যতে ২সে শক্যঃ কর্ম্মণি যঃ অর্হ যোগ্যত্বে অন্তর্ভূত ঞার্থত্বাৎ সকর্ম-কত্বে কর্মার্ণি ঘাণি অর্হাতে যোগ্যঃ ক্রিয়তে হসা বিভি অর্হাঃ। নির্থকার পাঠেতু কর্মণি ঘঞ্। শকাশ্চ অর্হান্চ প্রেয়ান্চ অমুক্তাচ প্রাপ্তকালশ্চেতি ত স্মিন্। তে তবা অনীয় ৰ ঘাণ্কাপ্ কেলিমা লা সংজ্ঞাঃ সুঃ। পৃথগ্যো-গাৎ ভাবে চঘেচ ইতি দয়ো রমুবৃষ্ধ্যভাব ইত্যাদ্যবাসুবৃত্তিঃ। তেচ শক্যাদ্য-र्थियु कर्म्य ভावरयाः मृष्टः। अञ्च वाश्वममा मञ्जूक्यार्थेषार भकामार्था ভारव्शि কেবলয়ো র্ভাবয়োশ্চ স্থারিতার্থঃ। তত্ত্র কেবলয়োঃ কর্মভাবয়োস্ত চেতবাৎ हम्मीय १ (हम् १ पूर्वामिकामिनि धार्यत जैमाल्डवान् । हेमानील भकामार्व्यू উদাহরভি। বোচুং শক্য ইত্যাদি বহৈকে। প্রাপণে শক্যার্থে কর্ম্মণি ভব্যে হোড়োভাবিতি হৃদ্য চত্ত্বে সহবহোরিতি অকার্দ্য ওত্তে চভাক্তথোরিতি তদ্য ধত্বে ফুভিরিতি ধদা ঢত্বে ঢ্রোট্রীতি চদা লোপঃ। বোঢ়নাঃ স্বল্পোভার ইত্যর্থঃ। এবং বহুনীয়ে। বাহঃ। স্তোতব্য ইতি স্তোতব্যে গুরুঃ শিষ্যেণ স্তোত্তং যোগ্যঃ ক্রিয়তে ইতার্থঃ। এবং স্তবনীয়ঃ স্তত্যঃ। অর্চান্টেতি চকারাৎ শকার্থেহপি। ষণা কবিনা ব্যেতব্যঃ স্তবনীয়ঃ স্তত্যো রাজা ব্যেত্তং শক্যতে ইতার্থঃ। তব্যা-দীনাং কালবিশেষাস্পদেশে হপি ভবদ্ভুতভবো ইতাত্র ভবিষাৎকালে ভবাশক প্রয়োগাৎ তব্যাদয়ো ভবিষাংকালে স্থারিতি বোধাং। কিঞ্চ ব্রহ্মণা উদ্যত ইতি ব্ৰক্ষোদ্যা ইতি জ্ঞাপকাৎ বৰ্ত্তমানেহাল স্থারিতি।

ইভি गাপাদ।

## ज्वामिः।

৪৬১। ভূগকৌ ঘে। ঁধো ভূগকৌ স্তো যে। করোতি ইতি কর্ত্ত। কারকঃ দরিদ্রায়কঃ।

তৃৰ ইছাসা দস্তাৰকারো ঘাব স্বস্তৃণ ইত্যাদে উণাদিক প্রতায়াস্তানাৎ পিত্রাদীনাং অপ্রাপ্তরে বিশেষণার্থঃ। গক্স্য গকারো বৃদ্ধার্থঃ। দরিক্রায়ক ইতি দরিদ্র আলোপ ইস্তাত্র অক বর্জনাদাকার নোপাভাবে বন্ ঞিং কুদীতি ষন্। তচ্ছীন ভদ্ধ তৎ সাধুকারিণাপি কর্ত্তরি তৃন্ স্যাৎ। অধিকন্ত প্রবিষ্টং ৰভু তদ্বানিরিতি ন্যায়াৎ। শীলং ফল নিরপেকপ্রবৃত্তিঃ। জনাপবাদং বদিতা খলঃ। ধর্মঃ শান্তবিহিত আচাবঃ প্রয়াগাদৌ মুঞ্চতি। সাধ গ্রু-

৪৬২। গলেচোপক পাদহারকো তে। এতো নিপাভো তে।

এতে কর্মণি ণকান্তো নিপার্জো গলে চুপাতে হসে গলেচোপকঃ অন্ত্র ক্ষেত্রলুক্। পাদাভ্যাং হ্রিয়তে হসে ইতি বাক্যং।

৪৬৩। মার্ছাৎ ক্রমোনেম্ভূবঃ।

প্রকন্তা উপকন্তা। র্জনাত্র ক্রমিতা।

মং জর্হতীতি মার্চঃ ভন্মাৎ। আর্রনেপদবোগ্যাৎ ক্রমঃ পরস্য তৃণ ইম ন স্যাৎ। প্রক্রন্তেভাদি থোপাদারন্ত ইতি আন্মনেপুদ যোগ্যন্ত্। ম্যোগ্যাৎ কিং ক্রমিতা অতিক্রমিতা।

8७8। धर्निम शहांदा विन नान् छ।

গ্রহাদে নিণ্ নন্দ্যাদে রনঃ পচাদে রন্ স্থাৎ ঘে। গ্রাহী স্থায়ী প্রপায়িণো নন্দনঃ বিচক্ষণঃ জনার্দনঃ মধুসুদনঃ লবণঃ পচঃ দেবঃ লেল্যঃ লোলুবঃ রোক্ষঃ।

এহণ্চ নন্দিন্ট পচণ্ড তে আদয়ে হল্য স গ্রহনন্দি পচাদিঃ তয়াং। বিন্তু জনশ্চ জন্চেতি। নিলঃ পূর্বেণকারো বৃদ্ধার্যঃ। জনো হকারান্তঃ। জ্বিজ্ঞান নকারো যড়োলুথেতি সুত্রে জনিতু নিজ্ঞানজ্র শংস্তাদঃ ইতি জপ্রজ্যমায় জপ্রাপ্তরে বিশেষণার্থঃ গণাশ্চ প্রয়োগাসুসারেণ বোধ্যাঃ। গৃহ্যতীতি গ্রাহী নিজ্বাছৃদ্ধিঃ। স্থায়ীতি জাদস্তত্বাং যন্ প্রপায়িণে ইতি নৌচোহস্তর মুর্গ ইতি গত্বং। নন্দ্রতীতি নন্দনঃ। জনে প্রে লোপাঃ। বিচক্ষণ ইতি চক্ষঃ কর্যাঞ্জ ইজ্র জন বর্জনা র ক্যাঞ খাঞে বুর্গ ইতি গত্বং। জনং অন্দ্রতীতি জনা-দিনঃ। মধুং সুদয়তীতি মধুসুদনঃ। সুনাতীতি লবণঃ বজ্নঃ। রসে বাচ্যে লবণ ইতি গত্বং। পচ্জীতি পচ, দীবাজীতি দেবঃ জার ক্গুজ্জেতি কপ্রত্যায়সা বাধ-কোহরং। লেলা ইতি যন্তমাৎ লেলীয় ইতালাদিনি জনিতুনিতামিতুজের্বঙো লুক্ বঙলুক্ ক্যলোপে ইতি গুণনিবেধে শুধোরিতি যঃ। লোলুর ইতি যন্তমান দিনি যঙো লুকি শুধোরিতুরে। রুল ধনো যিঙি ঘোহজ্বয়রে ইতি দীর্ঘে রোর্মান্তাগাং জনি হুংখাদ্বাধিৎ পর বিহিত্সয় যঙো ন লুক্। ত্বানীয়্যা ইত্যমাৎ

ষ্মাণোরাবশাকে ইতাত্র যথা ঢভাবে ইতাসুবর্ত্ততে। তথা ভৃন্নকোষে ইত্যন্তাৎ মণ্ডুকপ্পুতাধিকারা দত্রাপি ঘে ইতাস্যাত্র্তা বপীটাসিন্দে অধিকং ঘগ্রহণং यांचु ब्लाभग्न जिन्दर विवृत्निम । यथा नेका भूकी र यांच वस वस वत्ना निस्। ন ষাচতীতি অযাচী। এবং অবাদী অব্রাঞ্চী অবাসী। এভাঃ কিং অপ্রিতা অপা-ঠকঃ। নঞঃ পরা দক্ষস্তা দচেতনে কর্ত্তরি। অকারী ঘর্মাদ্য বালাতপঃ। নঞঃ কিৎ ছেদকর্ত্তা বজ্ঞা। আচেতনে কিং অক্তা বিপ্রঃ। যিকো দেশা। বিষয়ী দেশাঃ। মনীবাদিতা রবৃদ্ধিঃ। ব্যভিপরে ভুবঃ। বিভাবী অভিভাবী পরিভাবী পরিক্রী अत मनीयां मित्रानगूनः। अवः উৎमाही छवामी निटवणी। शृतीमाञ्चानः ममारङ, পটুমানিনী অত্র পুসং জ্বাক্ত ইতি পুসদ্ভাবঃ। স্বাত্যুপদর্গভিদ্পপুর্বক গাডো-স্তাচ্ছীলো ণিন্। উক্ভোজী। জাতিপূর্কাজু বাক্ষণান্ আমন্ত্রিতা। জন শী-नার্থে তৃন্ কর্মণি ষঞ্জী নস্যাৎ। উপসর্গপূর্ক্তান্তু সংভোক্তা উপভোক্তা। উন্মদ ৰিষ ক্ৰত্ত হত হব আক্ৰীড় অসুক্ৰম আয়ম আয়ম অভিচর অপচর ব্যাঙ্ মুব অভ্যাহন পরিদিব পরিক্ষিপ এভাতাচ্ছীলো ণিন্। উন্মাদী দেয়ী দোহী रमायी आक्तीफ़ी अयूरवाधी आग्रामी आग्रामी अखिठावी अलठावी व्याटमायी অভিঘাতী আঘাতী পরিদেবী পরিকেপী। উদাদাবী প্রস্তাদাবী ব্রহ্মবাদী সাধুদারী ইত্যাদিযু তাচ্ছীল্যাভাবেশি এইাদিস্বালিন্। কর্তু কুণমানাৎ। খর-ইব ক্রোশতি খরক্রোশী। এবং উফ্রকোশী। স্বাতিপূর্ববেইপি ভাচ্ছীল্যা-ভাবেহপি স্যাদিতি পৃথগ্চনং। ব্রতা ভীক্ষায়োঃ। ব্রতং শাস্ত্রীয় নিয়মঃ। আভীক্ষাং পৌনঃপুনোম করণং। অলবণভোঞ্জী নব্তংভোঞ্জী অপ্রাদ্ধভোঞ্জী। জভীক্ষ্যেতু ক্ষীরপায়িণঃ উধীনরাঃ। 'দৌধীরপায়িণো বাহ্লীকাঃ। ক্ষায়-পারিণো গান্ধারাঃ। করণান্ধজ্ঞোহতীতে। অগ্নি-ফামেন যঞ্জতে মা। অগ্নি-টোম্যাক্ষী। কদাচিৎ ভবিষাৎকালে হপি। কল্কী ভাবী গ্রামং গামী পাস্থঃ। এবং কদাচিদ্বন্ধাভাবে আমং গমীতাপি স্যাৎ। এবং ক্ষণপরিশোধনেপি। মোক্ষম্ণংদায়ী। উভয়ত্ত ভবাৰ্বার্থণিনঃ কর্মণি ন যকী। শাদাদিভাঃ। শামী তभी पभी व्यभी जभी कभी कभी। असू अवनवध रें जि इत्यः। मरमा ज्वित व्विज्ञाः। সংজ্ঞরী সংঘ্রী। জ্বর ঘ্রো ঞে ঘটাদিত্বাৎ হ্রুপে তালোপে তালকণ্মিতি ना। য়াং অঃ বারধানের পুর র্ব ক্রিঃ। বেঃ কথ অন্তু কদ লসেভাঃ। বিকথী বিস্তভী বিকাসী বিলাসী। প্রাশ্বথ ফ বদ বস লপেভাঃ। প্রমাথী প্রস্তাবী ध्यनामी वरमञ्ज ध्यनामी ध्याली। शरतः स महिन्ताः। शतिमावी शतिमाही।

असार्थ हेना अन निरक्षी निमुक्तनः जाष्हीना निनकाग्राटमङासुरनी निरमधार्थः। পরেঃ किপ वर्षे वम वामि (मविष्डा)। वन्छ। পরিকেপী পরিকেপকঃ পরিবাটী পবিবাটকঃ পরিবাদী পরিবাদকঃ। পরিবাদয়ভীক্তর্থে হপ্যেবং। পরিদেবী পরিদেবকঃ। অত্র তাচ্ছীলাবিহিত প্রস্তায়েন অসরপোহপি তৃন্ বাধ্যতে ইতি বোধাং। নিন্দ হিংদ ক্লিশ খাদ গণ বিনাশি ব্যাভাষা 🕏 য়েভ্যো ণকঃ। নিন্দকঃ হিংদকঃ ক্লেশকঃ থাদকঃ গণকঃ বিনাশিকঃ ব্যাভাষকঃ অসুমকঃ। উপদর্গাৎ দেবি ক্রুশাভ্যাং। আদেবকঃ আকোশকঃ। কর্মপূর্বক নিন্দার্থ হস্তে রভা-ছু লৈ। হলি নিন্ন পিভ্ষাতী মাতৃঘাতী কুমারঘাতী। প্রাংজ্মুর ইন্। অর মসুবন্ধ শূন্যঃ। প্রজাবী সূপ্রসবে প্রস্বী। ইণ জি দৃ কি বিশ্রি বম অভাম অব্যথেভাত এভা স্থাচ্ছীলো ইন্ সাৎ। অত্যয়ী বিজয়ী আদরী কয়ী বিশ্রমী বমী অভামী নবাধতে অবাধী। যুক্ত ভক্ত ভুক্ত হাল্প সংস্কারনুক্ত ভনুক্ত বিবিচ সংপৃচিক্তো স্মিনি স্তাচ্ছীলো। শাক্টায়নাসুরোধাদ্যা শেষ ইকার উচ্চার-ণার্থঃ। যুজ্জর যুজ্জােও যােগী ভাগী ভাগী ছাাগী সংদর্গী ঘিভিপরে এষাং অস্যাগঃ। রাগী ইতাত্রতু রন্জোপষকেতা[দনান লোপে ণিজ্বাদৃদ্ধে অস্য গঃ। ভঙ্গী বিরেকী সম্পর্কী। নিশি বাসি মদি দূষি সাধি শোভি বর্দ্ধিভো ঞাস্তে-(छा) श्रारखोद्गी मनः। नन्तः वामनः मृतः प्रता घरो विष् इ वः। वृष्वः प्रताः ছুষে রোদূরিভি-দীর্ঘঃ। দাধনঃ শোভনঃ বর্দ্ধনঃ। সংজ্ঞায়ান্ত চন্দনঃ স্পৃণিঃ বিভীষণ ইত্যাদি। সহ তপ দম অংশ সম হৃষ খন স্পূৰ্ণাদে রঞান্তাৎ। সহনঃ তপ্নঃ দমনঃ অক্টেপ্নঃ রমণঃ হর্ষণঃ শ্বনঃ স্পর্শনঃ ইত্যাদি। ক্রোধ কম্প ভূষা শকার্থেভ্যো হনঃ। ক্রোধনঃ কোপনঃ কম্পনঃ চলনঃ ভূষণঃ মপ্তনঃ শক্তনঃ রবণঃ। শব্দার্থাদকর্মকাদেব। তেন বিদাৎপাঠতা বিপ্রঃ। রুচাদেশ্চ হুলাঞ্দঃ। রোচনঃ বর্দ্ধনঃ জুগুপদনঃ তিতিক্ষণঃ মীমাংদনঃ বীভংসনঃ। হসাদেঃ কিং এধিতা। অত্রাপি অকর্মকাদেবেতি বোধ্যং তেন বস্ত্র বসিতা জনঃ। চংক্রম্য मश्क्षमा अनु स्था अन अठ नव<sup>\*</sup> नं उत्तर ना । हः क्रमनः प्रश्नमनः छेल प्रक्र हमाह्माल देखि अकांत्र लाल्य यकांतुरनालः। अवनः मत्रवः भर्तनः जननः শোচনঃ অভিনধণঃ প্রপতনঃ প্রপদনঃ। অত্ত পতপদো প্রুকেন বাধিতত্বাৎ অনস্য অপ্রাপ্টোবচনং। তেন ভাচ্ছীল্যে প্রস্তায়েন বিশৈষেণ অসরপৌহপি শামান্যো বাধ্যতে ইতি বোধাং।

৪৬৫। চিক্লিদ চক্লদ চরাচর চলাচল পতাপত বদাবদ ঘনা-ঘন পাটূপটা বা।

এতে অনন্তা নিপাতান্তে বা। পক্ষে ক্লেদঃ ক্লসঃ চরঃ চলঃ পতঃ বদঃ হনঃ পাটঃ।

ক্লিদ্য ইর্ক্লেদে। ক্লম্মুদ্দতো। তর্গমনে হদনে। চলজাগতো। পতুগতাং বদৈবাচি হনলো গতো বধে। পটকচ দ্বিষি। ইতাইভাঃ পচাদিদ্বাৎ অনি এতে বানিপাতান্তে। পক্ষে ক্লেদ ইত্যাদি। পাট ইতি চুরাদিদ্বাৎ থেটা বৃদ্ধি।

৪৬৬। রাত্তে মন্বাকৃতি।

রাত্রে মন্ স্থাৎ বা ক্ষতি। রাত্তিঞ্রঃ রাত্তিচরঃ।

রাজেঃ পরত্র কৃত্তাহসন্থবাৎ কৃদন্তে ধাতৌ পরে ইতার্থঃ। রাজৌ চরতীতি পাচাদিছা দনি আনেন মনি রাজিঞ্জরঃ পক্ষে রাজিচরঃ। এবং রাজৌ অট-তীতি রাজিমটঃ রাজ্রাটঃ। বাশন্দোহত্র ব্যবস্থাবাচী চ। তেনেদং বিবৃণোমি। অগদ সত্যা স্তৃনাং মন্ কারে। অগদং করোত্রীতি ঢাংবন্ধিতি বণি বৃদ্ধো কারে-পরে হগদস্য মনি অগদস্থারঃ এবং সত্যক্ষারঃ। অস্তম্বারো দেব বিশেষঃ। অস্ত ইতাব্যয়শন্তঃ। অগিনস্য গিলেও তিমিংগিরতীতি কৃগ্ন্পাঞ্চীতি কপ্রত্যয়ে শ্লাদরণাবিতি ইরি গ্রোরল ইতাত্র বক্ষব্যাৎ রেফস্য লত্মে হনেন মনি তিমিলিলঃ এবং রিপুলিলঃ। অগিলস্যেতি কিং গিলগিলঃ তিমিলিলগিল্পঃ। তথাচ অন্তি মৎস্য স্তিমিন্দাম শতবোজন বিস্তৃতঃ। তিমিলিল গিলোপান্তি তিদিলোপান্তি রাঘ্ব ইতি।

৪৬৭। কু গুজ্ঞা প্রীজুঙঃ কো ছহো ঘঙ্চ।
কোদে রিজুঙ শ্চ কঃ আং তিমিংশ্চ ছহো মঙ্ আং ঘে। কিরঃ
গিরঃ জঃ প্রিয়ঃ ক্ষিপঃ ভুকুহঃ কামছ্য। গৌঃ।

ইচ্ উঙ্ যদ্য স ইজু ছু কু শ্চ গু শ্চ জ্ঞাশ্চ প্রীশ্চ ইজু ছু চেভি তন্মাৎ। ফু হো ঘণ্ড চেভি চকারাৎ ইজু ওস্তবাৎ কে সভীত্যর্থঃ। কিরতীতি কিরঃ অত্র কপ্রতারে ঝুদিরণাবিতি ইর্। গিরতীতি গিরঃ। জানাতীতি জ্ঞঃ। পরত্র আদস্তবাৎ ভপ্র-ভারে নৈবেন্টসি দ্বো ইহ জ্ঞাগ্রহণং কথমিতি চেন্ন পরত্র উপপদপুর্বাদেব ভো বিধীয়তে ইহু কেবলা জ্জানাতেঃ ক ইতি ভেদাৎ। প্রীণাতীতি প্রিয়ঃ কিপ- তীতি ক্ষিপঃ ভূবি রোহতীতি ভূকংঃ। কামং দোক্ষীতি কপ্রতায়ে কৃতে হস্য ঘঙি স্ক্রিয়ামত আপি কামছুঘা। চকারস্যাস্ক্র সমুক্রয়ার্ঘহাৎ ভূক্ষং পরিমাষ্টি ভূক্ষপরিমার্জঃ ছল্সএব। অন্যত্র ঢাৎ বি ভূক্ষপরিমার্জঃ শিশুঃ। এবং শোক্ষপস্থতীতি শোকাপস্থ আনক্ষকর এব। অন্যত্র ঢাৎ বি শোকাপ-নাদো ধর্ম্মকথকঃ। অত্র ইজুঙ্ মাত্র নিমিন্তক তয়া বিশেষেণ কপ্রতায়েন কর্মপরছাছিশেষাহপি সর্ব্ধাতুনিমিন্তক তয়া সামান্যো ঢাৎ বণ্ বাধ্যতে। এবঞ্চ কাকেভো। এইতবাঃ কাকসূহা তিলাঃ। ইতাত্র কর্মণি অপি কঃ।

८७४। इन जनाकामार परः।

হনো জন আদস্তাৎ গমাদেশ্চ ডঃ স্থা দেয়। শোকাপহঃ বরাহঃ সরসিজং পক্ষজঃ অজঃ গোদঃ দ্বিপঃ প্রহন্ধঃ আশুগঃ নগঃ গিরিশঃ বারি চরতীতি বার্চে। হংসঃ।

বরং ভালত লাজ গমাদিশেততি তথাং। শোকং অপহন্তীতি শোকাপহঃ।
বরং ভালতীতি বরাহঃ। এবং তলোহপহঃ ছঃখাপহঃ জরাপহঃ। কোশংহন্তি
গাছতীতি কোশহঃ বাতপিত্ত কফাপহঃ বিশ্বামিদর্পাপহঃ। ইত্যাদি উদাহরণদর্শনাং শোক বরাদি কৃর্মপুর্বকতয়া জাতি বিশেষেণ ভপ্রভায়েন সর্বা কর্মপুর্বক সামান্যে। হন চর গইক বাধাতে। দারু আহন্তীভ্যাদি বাক্যে দার্বাঘাতঃ এবং চার্বাঘাতঃ বর্ন সংঘাতঃ পাণিঘাতঃ পাণিঘ ইত্যাদয়ে। নিপাভাতে। সরসিজং সরোজং বিভক্তেরসুক্ মনীয়াদিয়াং। পলাভ্যারতে
পক্ষেঃ ন আয়তে জজঃ। এবং দির্জায়তে দিজঃ। অত্র মনীয়াদিয়াং সূচঃ
সস্য লোপঃ পরিজঃ অভিজঃ পুমাংসমসুজাতঃ পুমসুজঃ। এবং জ্রাসুজঃ
সহজঃ প্রজায়তে প্রজা ব্রিয়াং। গাং দদাতীতি গোদঃ দাভাাং পিরতীতি
দিপঃ প্রস্কারতে প্রজা ব্রিয়াং। গাং দদাতীতি গোদঃ দাভাাং পিরতীতি
দিপঃ প্রস্কারত প্রজা ব্রিয়াং। গাং দদাতীতি গোদঃ দাভাাং পিরতীতি
বিপঃ প্রস্কারতি প্রস্কঃ অত্রভ্রতায় প্রাপ্তেঃ পুর্বাবেছায়া মশিতিবিষয়ে
এচোইশিতোতি আকারে আদস্তমাৎ ভঃ। আস্ত শীত্রং গছতীতি আশুগঃ।
ন গছতীতি নগঃ এবং অগঃ গিরৌ শেভে গিরিলঃ। পরিধনাতে ইতি পরিধা
কর্মণি ভঃ। ভবা আখুনামুঝানং আখুবং ভাবে ভঃ। এতৌ নিপাভোঁ।

८७०। (४६ मृभ भा खा धाः मः।

এভ্যঃ শঃ স্থাৎ্যুদেব। উদ্ধয়ঃ উৎপৃশ্যঃ উৎপিবঃ উজ্জিঘ্রঃ উদ্ধয়ঃ।

উদ্ধয়তীতি উদ্ধয়ঃ। শপ্রভায়ো হস্য শিস্তা দ্রসংজ্ঞায়াং শপি লোপে। হতোহদেচোরিত্যকার লোপঃ। এবমুৎপশ্য ইত্যাদ্যদানেত্যাদেশাশ্চ। সাহচর্ব্যাৎ পা ইতি ভৌবাদিক এব। উদ্ধয় ইত্যাদ্যদাহরতা সোপসর্বানাদে-বায়ং বিধিরিতি স্কৃতিং। অন্যত্তাপি প্রয়োগত ইত্যুক্তেঃ পশ্যতীতি পশ্যঃ ব্যান্ত্র ইত্যত্তা সংজ্ঞাসুরোধাৎ ভ এব।

890। সাহি সাতি চেতি বেদ্যে জি ধারি পারি লিম্প বিন্দো-২গেঃ।

অধিক ভা এভাঃ শঃ স্থানের। সাহয়ঃ সাত্য়ঃ চেতরঃ বেদয়ঃ এজয়ঃ ধারয়ঃ পারয়ঃ লিম্পঃ বিন্দঃ গোবিন্দঃ।

893। इनो जूषनामा खु मृश्या (न। न।

অগিভা এভা। গঃ ফাদের বা। দাবং দবং নায়ং নয়ং ভাবং ভবং আবালঃ অলঃ চালঃ চলঃ আবাবং আবাবং সংস্রাবং সংস্রাবং ।

ত্ৰোতীতি দাবঃ ণিত্তাদ্দিঃ। পক্ষে পচাদিত্বাৎ°অনি দবঃ। নয়তীতি নায়ঃ নয়ঃ। ভবতীতি ভাবঃ ভবঃ। জলতীতি জালঃ জ্বলঃ। চলতীতি চালঃ চলঃ এবং কোচতীতি কোচঃ পক্ষে ইঞ্ভত্তাৎ কে কুচঃ আশ্রবতীতি আশ্রবঃ আশ্রবঃ সংশ্রবঃ। উভয়ত্ত্ব ক্রু দন্ত্যাদিঃ। তথাচ জব-শ্যায় কণাশ্রাবাশ্চাক্র মুক্তাফলত্তিয়া কুর্বস্তি চিস্তসংশ্রাবং চলৎ পর্বাগ্রসমূতাইতি ভট্টিঃ। অগেঃ কিং প্রদর ইত্যাদি। আসংস্লোবিত্যনেনৈবেইটসিদ্ধে আক্রসংশ্রোবিতি গৌরবং জ্ঞাপয়তি। গৃহ্গতেরপি ঘে ণোবাস্যাদিতি। গ্রাহো হিংশ্রম্বলক্ষন্তঃ। গ্রহঃ স্থ্যাদিঃ। এব্দক্ষাৎ ক্রত্যয়ে গ্রহ্মপ্রদ্যাদিঃতি ক্রিক্টাতি গৃহং গৃহাঃ।

89२। श्रंग तार्थन उन पा वक् नः।

এভাগিঃ ভাদের। স্থাসঃ ব্যাধঃ প্রত্যায়ঃ অবতানঃ দায়ঃ ধায়ঃ ভাবহারঃ অবসায়ঃ।

হাণ্চ সাণ্ট হ সৌ অবাৎক্ত সৌ অবক্ত সৌ। শ্বনণ্ট ব্যধণ্ট ইম্চ ভম্চ দাণ্ট অবক্সেনা চেতি ভমাৎ। পৃথগ্যোগো নিত্যার্থে। হগে বিতাস্য নিবৃত্তার্থণ্ট। শ্বনিতীতি শ্বাসঃ বিধাতীতি ব্যাধঃ। প্রতেতাতীতি প্রতায়ঃ। অবতনোতীতি অবতানঃ। দা ইতি সংজ্ঞা। তেন দদাতীতি দায়ঃ দধাতীতি ধায়ঃ। অবক্রতীতি অবহারঃ। সা ইতি যোয় নাশে অবস্যতীতি অবসায়ঃ। এয়ু আদন্তত্বাদ্মন্। দিহি নিহি মিবিভাঃ কস্য বাধকো গো বাচাঃ। দেশ্বীতি দেহঃ নেতীতি নেহঃ। সিবাতীতি প্রেবঃ। তথা অবাদ্দ্শ্যাভাগং গঃ। অবক্রনোতীতি অবদারঃ অবশায়তে ইতি অবশায়ঃ।

८१७। नृद्धन तन्षः षकः। এভ্যঃ षकः श्राटित्व। नर्छकी, थनकी त्रक्षकी।

নৃত্যতীত নৰ্ত্তকী খনতীতি খনকী রঞ্জতীতি রঞ্জকী বকে পরে ন লোপঃ। সর্ব্বত্র ধিস্ত্রাদীপুণ

8981 (भागमहे शदको।

গায়তে রেতৌ ঘে স্তঃ। গায়নী গাথকঃ। হায়নঃ। অয়ং নিপা-তাতে। ভাবং জহাতীতি হায়নো বর্ষঃ। অসু জহাতীতি হায়নো ব্রীহিঃ।

গায়তীতি গায়নী বিতি আদস্তত্বাৎ শ্বন্ টিব্রাদীপ্। হায়নঃ। বংসর ব্রীহিভা মন্যত্র হাতা। বিপাতো হর্থবিশেষে ইত্যুক্তঃ।

890। अफ अपूर् ल्वा २वः।

এভ্যে ২কঃ স্থাদের। প্রবকঃ দ্রবকঃ সরকঃ লবকঃ।

बरला १कः माम्ब माधूकादिनि। माधूश्रवात श्रवकः। बदः स्वर्केषि स्वकः। जूनाजीति नवकः। माधूकादिनि किः (श्राफा। ৪৭৬। আশিষ।

জীবভাদিতি জীবক:।

পৃথগ্যোগাৎ সর্ব্ধ ধাতুভো হকঃ স্যাৎ আদিবি কর্ত্তি। জীবভাদিভি জীবকঃ। এবং মন্দকঃ বর্দ্ধকঃ।

৪৭৭। নামানোতিক্চ।

ধো রাশিষি অন্যেপি ক্তঃ স্থাঃ তিক্চ সংজ্ঞারাং। .দেবরাতঃ রস্তিঃ।

ধো রাশিষি গম্যমানায়াং সংজ্ঞায়াং কর্তুরি অন্যোপ কৃতঃ স্যাত্তক্চু
স্যাথ। দেবার রায়াথ দেবরাতঃ। এবং দেবার দেয়াথ দেবদক্তঃ যজার দেয়াথ
যজ্ঞদক্তঃ। এষু কর্তুরি জঃ। এবঞ্জ অন্য বীরোভুয়াদিতি বীরভূঃ অন্য মিত্রং
ভূয়াদি মিত্রভূঃ। ইত্যাদে কিপ্। তিকিভু রমতাং রস্তিঃ। অত্র বনতনেভাত্র তিপ্পর্কার মলোপঃ। এবং তমুতাথ ভস্তিঃ অগ্নিরসাভূয়াথ ইতি অগ্নিভূতিঃ ইত্যাদি।

৪৭৮। সতি সাতী বা। এতেটা নিপাতোট সন্তিক।

সভিক্ষ সাভিক্ষ সভি সাভী। সনোতে রাশিষি ভিগন্তস্য এতে বা নিপা-ভো)। পক্ষে সমুভা দিভি বাক্যে ভিকি কৃতে হবততে বিভি ইম্নিষেধে বন-ভনেভাত্ত ভিগ্নন্দ্রনাপাভাবে সন্তিঃ।

. ৪৭ ন। ঢাৎ বণ্।

ঢাৎ পরাদ্ধোঃ বণ্ ফাদেব। কুন্তকারঃ অঘটং ঘটং করোভীতি

ঘটাকারঃ।

কুন্তং করোডীতি কুন্তকারঃ। মহান্তঃ ঘটং করোতি অত্র সাপেক্ষত্বা সম্যাৎ। অঘটং ঘটং করোডীতি ঘটীকারঃ। অত্রতু সাপেক্ষত্বেপি অভিধানাং স্যাদেব। আদিত্যং পশ্যতি হিমবস্তং শৃণোতি ব্রহ্ম বদতি গ্রামং গছতি ইত্যাদৌ অনতিধানা স্ন্যাং। হ্লয়তি বয়তি মাডিভা আদন্তাং ভপ্রতায়ম্য বাধকঃ বণ্ বাচ্যঃ। স্বৰ্গহ্বায়ঃ তন্ত্রবায়ঃ ধান্যায়ঃ। এবং কন্মপূর্ক্কাৎ সোপ- मर्गः मामखार कर्माहिर ভবাধকঃ यग् वाहाः গোদশায়ঃ। ঈक कर्मा हैति दिमिछाः यट्यावाधरकारम् वाहाः। मृथश्रेडीका वद्यक्या कन्मागाहाद्रो मटनाद्रमा। श्रार्थ-শীলি কামি ভক্ষিভ্যো বা। পূজার্হা পূজার্হী মাংদশীলা মাংদশীলী পুত্রকামা পুত্রকামী মাংসভক্ষা মাংসভক্ষী। খানং পচতীতি শ্বপাক শ্বপটো নিপাত্যো।

৪৮০। হন চর গ ফীক্।

ঢাৎ পরেভ্য এভা ফক্ স্থানের। পাপন্নঃ কুরুচরঃ সামগঃ।

ুপাপং হস্তীতি পাপদ্ধ কিন্তাৎ গুণে হনগমিত্যুঙ্ লোপে হনোহোদ্ধঃ।
কুরন্ চরতীতি কুরাচরঃ। সামগায়তীতি সামগঃ। অত্র উসোচীত্যাকারলোপঃ।
টিন্তাদীপি পাপদ্মীক্তাদি। এবং বাতদ্বঃ পিস্তদ্ধঃ কফদ্মঃ শক্রদ্ধঃ ইক্তাদি।
লক্ষণে আয়া পতিভাহে হনঃ। আয়াদ্বোব্যলঃ পতিদ্বী পাণিরেখা। হতিবাহ কপাটেভাা দেঃ শক্তো। হতিদ্বঃ বাহদ্বঃ কপাটদ্বঃ। নগরাদহতিনি।
নগরদ্বোহিয়ঃ। অহতিনি কিং নগরদাতো হতী। ব্রহ্ম জন বৃত্রা জনো হতীতে
বিজ্ঞেব। ব্রহ্মাণং হতবান্ ব্রহ্মা এবং জ্রণহা বৃত্রহা। সুরা মীধুভাা মগেঃপিবতে উক্বাচাঃ। সুরাপী সীধুশী জ্রী। অগেঃ কিং সুরা প্রপায়ঃ। পিবতেঃ
কিং সুরাং প্রাতীতি সুরাপায়ঃ। কদাচিদ্ধান্তঃ ধন্নপি দৃশ্যতে। আখুবাভঃ
চৌরঘাতঃ বৃষণ ইক্তাদি।

8651 मुक् रहेः।

ঢাৎ পরাভ্যাং আভ্যাং টঃ স্থানের। পুরঃসরী যশকরী বিদ্যা ভাক্ষরঃ ক্ষপাকরঃ কর্মকরী দাসী।

পুরোহয়ং সরতীতি পুরঃসরী। যশঃ করোতীতি ষশক্ষরীবিদা। টিড্বালিপ। ভাসং করোতীতি ভাকরঃ। ক্ষপাং করোতীতি ক্ষপাকরঃ। কর্মকরী দাসী। পুরোহয়ে য়ভোভাঃ সরতে ফৌ বাচাঃ। পুরঃসরঃ অগ্রেসরঃ। অনুসপ্তমা, অলুগভিধাদাং। অগ্রভঃসরঃ। পূর্বাং কর্তুন্চ। পূর্বোভূত্বা সরতীতি পূর্বাসরঃ। পূর্বাংকর্তুঃ কিং পূর্বাং সরতীতি পূর্বাসারঃ। এবং ভদনুসার ইত্যাদি। কুন্তকার ইত্যাদিক মুদাহরভাগি ইং কৃঞ্জে: মহণং যানি জ্ঞাপন্মতি তানাহং বির্ণোমি। যথা কর্মণঃ পরাং ক্রেগ হেতু ভাজীগাম্পুলামা স্বর্থেষু কর্ত্রিটিঃ স্থাংলামাং অনুকূরতা। হেতে যশঃ করোতীতি ক্লিরপেক্ষাপ্রবৃত্তিঃ। আনুলোমাং অনুকূরতা। হেতে যশঃ করোতীতি

ৰশক্ষী। তাঁ্ছীলো জ্বাপবাদকরঃ ধলঃ। আসুলোদো প্রান্ধকরঃ ইত্যাদি। এবং তদাদ্যাদ্যাদিভ্যাং পরাৎ কৃঞ ফীক্। তদাদে র্যথা তৎকরঃ মৎকরঃ এতৎকরঃ ইদঙ্করঃ কিঞ্করঃ। আদাদে র্যথা। আদিকরঃ অন্তকরঃ বছকরঃ वाष्ट्रकतः जरुक्षतः विভाकतः निभाकतः এककतः दिकतः व्यिकतः रुष्ट्रक्षतः প্রভাকরঃ ভাকরঃ চিদ্রকরঃ নান্দীকরঃ শ্রীকরঃ লিপিকরঃ বলিকরঃ ভক্তিকরঃ ক্ষেত্রকরঃ জংখাকরঃ ধতুষ্করঃ অক্লন্ধরঃ রজনীকরঃ ক্ষপাকরঃ ক্ষণদাকরঃ দিন-করঃ দিবাকরঃ ইস্তাদি। কর্মশব্দাৎ পরাৎ কৃঞো ভূতেট টঃ। ভূতিঃ কর্ম-मूनाए। कर्म्मकरत्रा रेवछनिकः। कर्म्मकत्री मानी अनाज कर्म्मकात्रः। मञ् क्षांक कनर गांथा रेवत हा हू सूत्र मञ्ज शब्द कुछ क्रम शम सूशीकाटमः श्रदार কুঞ্স্ত হেড়াদ্যর্থে তদভাবেহপি ষয়েন। শব্দকারঃ প্লোককারঃ কলহকারঃ গাথাকারঃ বৈরকারঃ চাটুকারঃ স্ত্রকারঃ মন্ত্রকারঃ গ্রন্থকারঃ কুন্তকারঃ ক্রম-কারঃ পদকারঃ স্পকারঃ অন্ধকারঃ ইজাদি। ঢাৎপরাৎ কুঞো হবছনে হনু। ष्यः भहरता माम्रामः वाधिहतः अवधः प्रत्यक्ता मण्याखाः । वहर न हू जातहारता रेवजनिकः। वरप्रारवाधक वहरमछ। कवहरद्रा युवा। जाछ खाळ्हीरना। शूच्या হরঃ কুশাহরঃ। অদশুসুত্রাৎ প্রাহরণাৎ ধুকঃ। বক্তাধরঃ চক্রাধরঃ গদাধরঃ সূলধরঃ ধুমুর্দ্ধরঃ। অদশুসুত্রাদিতি কিং দশুধারঃ সুত্রধারঃ। দশুধর ইতাপি দৃশ্যতে। সুত্রবর্জনাৎ প্রহরণ ভিন্নাদিপি ভূপরঃ অকটাধরঃ মহীধরঃ গঙ্গাধরঃ বিদ্যাধরঃ। দশুদিভ্যো এহোবা। দশুগ্রহঃ দশুগ্রাহঃ ধসুর্গ্রহঃ ধনুর্গাহঃ। শক্তি লাসূল অঙ্কুশ যষ্টি ভোমর সুত্র ঘট ঘটীভো) এহোহন্। শক্তিং গৃহাভীতি শক্তিগ্ৰহঃ। এবং नाञ्च्नश्रदः चङ्ग्नश्रहः यष्टिश्रदः তৌমরগ্রহः সূত্রগ্রহং ঘট-গ্ৰহঃ খটাগ্ৰহঃ।

৪৮২। শক্ত স্থাদ্তি নাথাৎ কলে রজো মলাৎ দেব বাতাৎ কু হা গ্রহাপ ইঃ।

এভাঃ পরেভাঃ ক্রমাদেতেভা ইংস্থাদেয়। শক্তংকরিঃ বৎসঃ স্তম্বকরিঃ ব্রীহিঃ দৃতিহরিঃ শ্বা নাথহরিঃ পশুঃ কলেগ্রহিঃ মলগ্রহিঃ দেবাপিঃ বাতাপিঃ।

পৃথক্ পদকরণং ষধা সংখার্থং। তেন শক্ৎ কন্ধান্তাং কৃঞঃ ফলে রজো মংলভ্যোগ্রহঃ দেববাতান্তামাপঃপর ইঃ স্যাদের ইতার্থঃ। শকুৎক্রিরিত্যাদি। শকুং তালবাদি বিষ্ঠাবাচকঃ। শকুৎ করোজীতি শকুৎ করি বিৎনঃ। এবং खन्नकति बीहिः। मृष्डि म्हर्मा जार इत्रजीषि मृष्डिहितः भा। बदर नाथहितः शसः। कनः भृक्षाञीकि करनश्रद्धिः। करन ই ভোকারান্ত श्रद्धा प्रकारमा একারঃ এবং রজোমহিঃ মলগ্রহিঃ। দেবং আপ্নোতীতি দেবাপিঃ এবং বাতাপিঃ।

৪৮০। কুক্ষা আে দরাৎ ভুঃ থিঃ।

**पडाः পরাৎ ভূঞः थिः छाएए।** 

"কুকি"চ জান্মাচ উদরঞ্জেতি তন্মাৎ।

3৮৪।. খিতা বাজি রুষো মন্ স্বৌ দ্বীকান্তবং ত্রেকাজিচঃ।

वावर्ष्या अरुमा इत्यार मन् माद धवाकि छ दोका खदः माद विनेत्य (थो भरत । कूक्तियतिः यात्रसतिः উদরম্ভরিः।

नांखि तार यज तांश्ताः अतान्तारभी अन्ति अवाह अतांक अक्रम्ह ष्मवाष्ट्रकर्म् उमा हो दिञीया उमाह कर এकवरनर दोकर खटला यमा म दीकालह ত্তম্য ভাবঃ দ্বীকান্তন্ত্ৰং। একাচ্চাপৌ ইচ্ ইজন্ত শ্চেতি একাজিচ্ ত্ৰম্। কুক্ষিং বিভর্তি ইতি কুক্ষিস্তরিঃ। পূর্বাং, খিপ্রকারে ইনেন পূর্বসামন্। আঝানং বিভক্তীতি আৰু স্থবিঃ। জুত্র জেলুকি বিরামে নস্য লুপি নঞানির্দিষ্ট মুনিজ্ঞ-মিতি ন্যায়াৎ তদাদি বিধে নিবেধস্যানিতাত্বে মনু ন্যাৎ এবং উদরস্তরিঃ।

8661 খদেজেঃ।

ঢ| পরা **দেজ**য়তে: খশ্ভাদেব। জনমেজয়ঃ।

এক্সেরিতি এজ কল্পে ইতাস্য ঞান্তস্য গ্রহণং। জ্বানং এজয়ভীতি জনমে-ব্দয়ঃ। খশঃ শিত্বাদ্রত্বে শুপি ঞের্লোপাভাবে নোপোহত ইস্তকার লোপে পূর্বাস মন্।

8bडे। मनाए चार्ष।

আত্মানং গাং মন্যতে গাংমন্যঃ প্রিয়ংমন্যা।

ঢাৎ পরাৎ মন্যতেঃ খশ্ স্যাৎ কর্জুরি স্বার্থে স্থনিমিন্তক ধাত্তে। আত্মানৎ গাং মন্যতে ইতি গাং মন্যঃ। অত্ৰ ৰখঃ শিক্ষান্ত্ৰছে দিবসুভদেতি শ্যনি লোপো হত ইত্যকার লোপে লোশক্ষ্যা দিতীয়ৈক বচনান্তবং। এবং শ্রেরংমন্যা।

৪৮৭। মূঞ কুলা অ পুষ্পা দ্বেটঃ।

এভাঃ পরাদ্ধেটঃ খশ স্থাদেব। মুঞ্জারঃ কুলস্কারঃ আস্থিসারঃ পুপ্পান্ধরঃ মুঞ্জারী ধেট ফিজ্ব। দীপ্।

মুঞ্জন্তীতি মুঞ্জন । অত্র শিতি পরে এচোহশিক্তা ইক্স্যাপ্রাপ্তের একারদ্যায়ঃ। খিদন্তে পরে পূর্ববিদ্য শন্। এবং কুলন্ধর ইক্তাদি। ধেট ষ্টিজ্বাদিতি যত্র ধেট গাডোরেকারদ্য অযাদেশঃ দ্যাক্তত্রৈব টিজাদীপ্ ইক্তর্থঃ। তেন মুঞ্জন্মী। এবং ধেট দৃশপাত্রেতি শপ্রক্তামে উন্ধনী। নাড়ী শুনীক্তাদিনা ২শ্প্রক্তামে নাড্নিন্ধান্তাদিনা শিশ্প্রক্তামে নাড্নিন্ধান্তাদিনা শিশ্প্রক্তামে নাড্নিন্ধান্তাদিনা স্প্

8bb। नाष्ट्री खनी खन कत ग्रुष्ठि পानि नामिकान् धा मह।

এভাঃ পরাৎ ধ্যো ধেটশ্চ খশ্ স্থান্তে। নাড়িক্সমঃ নাড়িক্সয়ঃ।
নাড়ীচ শুনীচ স্তনশ্চ করশ্চ মুষ্টিশ্চ পাণিশ্চ নাসিকা চেতি তক্ষাং। নাড়ীং
ধনতীতি নাড়িক্সমঃ। খশঃ শিত্তাদ্রত্বে শপি ধনাদেশে খিত্তাং পূর্ক্স্য
মনুস্থো। এবং নাড়িক্স্য ইক্সাদি।

৪৮ন। ঘটা থারী বাতা জিল্প রু স্তিলা দমুর্যোগ্রা লগাটা ক্মিত নথ মানাৎ ধ্যা তুদ দূশ উপ পচঃ।

এভাঃ পরেভাঃ ক্রমাদেতেভাঃ খশ্ ফাঁদের। ঘটিক্রমঃ খারিক্রমঃ বাতক্রমঃ বিধুক্তদঃ অক্রদঃ তিলক্তদঃ অসুর্যাংপশ্যঃ উগ্রংপশ্যঃ ললাটং তপঃ মিতংপ্চঃ নথংপচঃ ডৌণংপচঃ।

্পৃথক্ পদকরণং ধ্যাদিভি র্যথা সংখ্যার্থং। তেন ঘটা ধারী বাতেভ্যোধ্যঃ বিধ রু স্তিলেভা স্তনঃ অসুর্যোগ্রাভ্যাং দৃশঃ ললাটান্তপঃ মিত নথ মানেভ্যঃ পচঃ পরঃ ধশ্ স্যাৎ কর্ত্তরি। ঘটাং ধমতীতি ঘটিন্ধমঃ। খশঃ শিত্তাৎ শপি ধমা-দেশে খিত্তাৎ পূর্বস্য মনুস্থো। এবং ধরীং গর্মরীং ধমতীতি ধরিন্ধমঃ। ধারীতি পাচে পরিমাণবিশেষঃ। অরু স্তদতীতি অরুস্তদঃ অত্র খশঃ শিত্যাদ্রসংজ্ঞায়াং দিবসুস্তদেতি শপ্রজ্ঞার তম্য ভিত্তাকানুণাভাবে লোপোছত ইত্যকার লোপে পূর্বস্য মনি স্যাদেঃ গোলোপ ইতি সলোপঃ। সুর্যাং ন পশ্যতীতি অসুর্যাং পশ্যঃ। মানমিহ পরিমাণবাচকং দ্রোণাঢ্কাদি। তেন দ্রোণম্পচঃ আঢ়কম্পচঃ ইত্যাদি। অন্যং সুগ্রং।

৪৯০। কুলা ছুক্তজুৱহঃ।

কুলাৎ আভাং খশ্ ভাদে। কূলমুক্তজা নদী কুলমুদ্ধং।

উভরত্র উদোগ্রহণং স্পান্তার্থং। ক্লমশো ভঙ্কে। কুলমুক্তজভীতি কূল-মুক্তজঃ। খশঃ শিল্তাদ্রত্বে দিবসুক্তদেতি শপ্রস্তারে ডিল্তাদ্গুণাভাবে পূর্ব্বস্তা মন্। এবং কূলমুদ্ধঃ।

৪০১। প্রিয় বশা ভয়র্ত্তি মেঘাৎ সর্ব কুলা ভ করীষা ছদ ক্ল ক্ষঃ খঃ।

এভাঃ পরেভাঃ ক্রমাদেতেভাঃ খঃ স্থাদের। প্রিয়মদঃ বশ্যদঃ ভয়স্করঃ ঝতিক্করঃ মেঘ্রুরঃ সর্কক্ষয় কুলক্ষয় অভ্রক্ষয় করীযক্ষয়।

পৃথক্ পদকরণং বদাদিভি র্যপা সংখ্যার্থং। তেন প্রিয়বশাভ্যাং বদঃ ভয়র্দ্তি মেঘেভ্যঃক্ঞঃ সর্ফাকুলাভ্রকরীবেভ্যঃ কষঃ পরঃখঃ স্যাং। প্রিয়ংবদ্ধি কথ্যতীতি প্রিয়ন্থদঃ এবং বশন্বদঃ। ভয়ং করোতীতি ভয়ন্করঃ এবং ঋতিকরঃ মেঘক্ষরঃ। সর্কাং ক্যতি হস্তীতি সর্কাংকষঃ। এবং কুলক্ষঃ ভাত্রকাঃ করীয়ক্ষমঃ।

৪৯২। কেম প্রিয় মতাৎ কুর্বা।

এভাঃ কুঞঃ খোঁবা স্থাদেয়। ক্ষেমক্ষরঃ প্রিয়ন্তরঃ মডক্ষরঃ। পক্ষে ক্ষেমকারঃ।

ক্ষেমইবোতীতি ক্ষেমকরঃ। পক্ষে বাশব্দস্য ব্যবস্থাবাচিত্বাৎ হেতু তাচ্ছী-ল্যাসুলোম্যেম্বর্থেষু তদভাবেহপি ঢাৎ ষণ্ণেব। তেন ক্ষেমকার ইস্তাদি।

৪৯৩। ভাব ধে ত্বাশিতা দ্ৰুবঃ।

আশিতা দ্বঃ খঃ স্থাৎ বে ধে বা। আশিতং ভবং বর্ত্ততে আশিতং ভবতা নেনেতি আশিতংভবঃ ওদনঃ।

আশিতত্ত্তঃ আশিতসা ভবনং আশিতস্তবং অত্র ভাবে খঃ। আশিত-স্তবস্তানেনেতি আশিতস্তব ওদনঃ অত্র করণে খঃ।

৪৯৪। তুভূর দুজি ধৃতপ্যম দম মদ লিহ গম সহাজো নামি। এভাঃ খঃ স্থাৎ সংজ্ঞারাং। রথেন তরতীতি রথস্তরঃ বিশ্বউরঃ পতিষরা পুরক্ষরঃ ভগক্ষরঃ ধনঞ্জয়ঃ বস্ক্ষরা শত্রুস্তপঃ পরস্তপঃ বাচং যমঃ অরিক্ষমঃ। ইরয়া মাদ্যতীতি ইরম্মদো হন্তী বহংলিহঃ ভুজক্ষমঃ স্কংসহঃ বাত্মজঃ।

ত্তরে ভূলি ভূতি পুষ্টোঃ বৃনগঞ বৃত্তে দুযগি বিদারে জিজারে ধৃঞ্চ श्रुकाः उरली परिवणारमाः वरमो छ विवरको प्रमुक्टेर्मरम ममी जिर्विक हर्षि गर স্বাদে উগমু গত্যাং সহস্কঙ্ শক্তে । অজ কেপে গতে। ইত্যেতেভাই বঃ সাাদ্বামি। রপেন তরতীতি রথস্তরঃ বিশ্বং বিভন্তীতি বিশ্বস্তরঃ। পতিং বৃণোতীতি পতি स्रदा। भूदर मोर्गाजीजि भूदम्मतः। এবং खनमदः। धनर सम्रजीजि धनक्षपः বসুনি ধরতীতি বসুন্ধরা। শত্রুৎ ওপতীতি শত্রুন্তপঃ এবং পরন্তপঃ বাচাং যছতীতি বাচংযমঃ অত্র খিতিপরে পূর্ববিদ্য মন্ আপোহপি হ্রঃ। অরীনু দামাতীতি অরিক্ষঃ। ইরা জলং ইরা ভূবাক্ সূরাপসু স্যাদিজ্ঞ মরাৎ ইরয়া-मामाजीजि देवसारमा वज्जाधिः। वहः (न होिज वहः निहः। सनि शमि समीश्चत ইনুকরণ জ্ঞাপকাদত্র নগুণঃ। ভূজেন গচ্ছতীতি ভূজক্সঃ। ভূজোশো বক্রণে কুন্ধোঃ কভাব ইতি ভাবে কপ্রস্তায়ে ভুম্বো বক্রণং। এবং প্লবেন গচ্ছতীতি প্লবক্ষমঃ। সর্বাহে সহতে সর্বাহেসহঃ। বাতমজ্ঞতীতি বাতমজ্ঞো মুগবিশেষঃ। ন্ত্রি গদি মদীভাত্র ইড়ুকরণ জ্ঞাপকা দত্তে নবী আদেশঃ। এষূপদেম্বের সংজ্ঞা সম্ভবতীতি উপপদ নিয়মো বোধাঃ। কিঞা কদাচিদনায়ি চ দৃশ্যতে। যথা রিপুঞ্জয় বলাত্তে কুল্তকর্বাদয়ঃ ইতি মহানাটকং। এবং জনতে জনয়য়য়ঃ সধা ইতি কালিদাসঃ।

ি৪৯৫। শর্কংজহোরক্সমোরণ ভুরণ ভুরক্স বিহণ বিহক্স ভুজগ ভুজক পতগ পতক প্লবগ প্লবকাঃ।

এতে খাস্তা নিপাতাস্তে। শর্দ্ধং জহাতীতি শর্দ্ধং জহোমায়ঃ উরসা গচ্ছতীতি উরগঃ উরক্ষঃ। বিহারসা গচ্ছতীতি বিহক্ষঃ বিহগঃ।

শৃধুঞ ক্লেদনে। শর্জং আর্দ্রত্ব জহাতীতি শর্জংজহা মাধাঃ। উরসা গচ্ছ-তীতি উরজমঃ উরগঃ। স্বরমা গচ্ছতীতি তুরজমঃ তুরগঃ। বিহায়সা গচ্ছতীতি বিহলমঃ বিহগঃ। তুজেন গচ্ছতীতি তুজগঃ তুজসঃ। প্তাতে হনেনেতি পতঃ পক্ষঃ পতেন গছতীতি পতগঃ পতকঃ। প্লবেন গছতীতি প্লবগঃ প্লবকঃ। বহুবচনা দন্যেহপি স্বরয়া গছতীতি তুরক্ষঃ বিহায়দা গছতীতি বিহকঃ।

৪৯৬। নগ্ন পলিত প্রিয়া ऋ সুল সুভগাঢ়াৎ কু: খনট্ ধে চ্যুর্থে।

এভাঃ পরাৎ ক্রঞঃ খনট্ স্থান্ধে চ্যুর্থে। অনগ্রো নগ্রঃ ক্রিয়তে হনেনেতি নগ্রং করণং দ্যুতং পলিতং করণং প্রিয়ন্তরণং অন্ধং করণং শোকঃ স্থুলং করণং দ্ধি সুভগং করণং ক্রপং আচ্যং করণং বৈত্তং।

অনংগ্নানগঃ ক্রিয়তে হলেনেতি নগ্নং করণং ধিত্তাৎ পূর্ম্বস্য মন্। অপ্রিয়ঃ প্রিয়ঃ ক্রিয়তে হলেনেতি প্রিয়ঙ্করণী সেনা টিত্তাদীপ্। চেনুরর্থে প্রত্যয় বিধান নাৎ চিপ্রত্যয়োন স্যাৎ। তেন নগ্নীকরো ত্যানেনেতাত্র খনট্ন স্যাৎ। অন-টিচন স্যা দিত্যেকে।

৪৯৭। ভুবোঘে খিফু খুক্জৌ।

নগ্নাদিভাঃ পরাৎ ভূব শ্চার্থে এতেই ঘেস্তঃ। নগ্নং ভবিষ্ণু: নগ্নস্থাবুকঃ।

জনগ্নো নগ্নো ভবতীতি নর্মং ভবিষ্ণুঃ বিত্তাৎ পূর্ববিদ্য মন্। এবং পলিতন্ত-বিষ্ণুঃ প্রিয়ন্তবিষ্ণুঃ অন্ধন্তবিষ্ণুঃ সূলন্তবিষ্ণুঃ স্ভগন্তবিষ্ণুঃ আচান্তবিষ্ণুঃ। এবং নগ্নং ভাবুকঃ ইত্যাদো বিত্তাৎ পূর্ববিদ্য মন্ থিত্তা দৃদ্ধিঃ।

अल्पा ए। एक **उक् वर मर**श विश्।

টাৎ পরেভা এভ্যো বিণ্ স্থাৎ। স্থভাক্ প্রষ্ঠবাট্ ভুরাষাট্।

সৃখং ভন্ধতীতি সুখভাক্ বিণ ইকার উচ্চারণার্থঃ। ণকারো বৃদ্ধার্থঃ ভোগ বমাত্র ইতি বস্য লোপঃ। প্রঠঃ পুরোগঃ ডং বহতীতি প্রঠবাট্। তুরাবেগঃ তুরাংসহতে তুরাবাট্ জাত্র হোড়োভাবিতি দ্বে শাস বস ঘস সাদাধ্যেতি সবং। ভল্পতে রূপসর্পপূর্বকাদপি বিলিত্যেকে। প্রভাক্ বিভাক্। বহি বহিভ্যাং ছন্দ্রোব বিলিত্যেকে।

,৪৯৯। অন্ত ক্ষেত্রবাহাদিঃ। (ম)

এতে বিণস্তা নিপাতাস্তে। অনো বহতীতি অনজানু রুষঃ শ্বেতৈরুহ্নতে শ্বেতবা ইন্দ্রুঃ অবয়জতীতি অবয়াঃ উক্তানি শংস-তীতি উক্থশাঃ যজমানঃ পুরোড। হবিঃ পুরোডাশঃ।

খেতবাহ আদি র্যা স খেতবাহাদিঃ অত্র বিরামেপি ডসঙে। হপ্রাপ্তিঃ সূত্র দ্বাং। অনঃ শকটং বহতীতি অনুজ্বানু বৃষঃ। খেতৈরুহৃতে ইতি খেতবা ইস্ক্রঃ। অত্র কর্ত্তুঃ পরাৎবহেঃ কর্মণি বাচ্চে বিণ্। অবষজ্ঞতী ভাবয়াঃ কর্ম পুর্যবক্তা-ভাবেহপি বিণ্। উজানি শংসতীতি উক্থশাঃ ষঞ্জানঃ অত্র ভকারস্য थकारत मध्मा के नामि वृक्षिक। श्रुत खामी मामा ए वर म श्रुता हि हि অত্র কর্মণি বিণি দকারস্য ভকারঃ পুংজ্বঞ। পুরোভাশ ইত্যকারাস্তোহপি। তথাচ সদা পুরোডাশ পবিত্রিভাগর ইতি।

००। क्रम शम थन मन करना विष्।

এভাে বিট্ স্থাদেব।

অথে গছতীতি অথগা ইতাধিকরণা দপি বিট্ দ্যাদিত্যাশকা ঢাদিতি নোকে?।

৫०५। विषुत्ना छ।।

ধো রক্তম্ম ঙা মাৎ বিটি বনি চ। উদ্ধিকাঃ অগ্রেগাঃ বিষধাঃ গোষাঃ অজাঃ।

विष् माहहसार खनी वरश्व श्राष्ट्रः। एउन मूलीवा ध्यांजित्रचा देखारमी कनिशि न अनमः। উपधिर कांमजी ि উपधिकाः भूरर्यन विष् । गार नमजि দদাতীতি গোষা ইতি সম্ধাতোঃ সদ্য কৃতত্বাৎ ষত্বং অংসু জারতে অক্তাঃ।

৫०२। जाञ्चित्रमम् कनिश्वनिश् विष् किलः।

(धारतरक साः क ভाবেচ। मोत्ररक खरमरमिक रमखः मःको मङ्गी यांकुः উक्रवां न न काः तकः वकः नकः निर्वे सर्वे न निर्वे रूपांचा गया।

ত্ৰশ্চ জন্চ উন্চ ইন্চ মন্চ কলিপ্চ বিচ্চ কিপ্চ তে। পৃথগুষোগাৎ দৰ্ক ধাতুভ্যোবিহিতা জ্বপি প্রয়োগাসুসারাৎ ধাতুবিশেষেভ্য এব কারকবিশেষে ভাবেচ স্থারিতি বোধাং। জনাথা গন্তং ইত্যাদাপ প্রয়োগাপক্তেঃ। নীয়তে হলেনেতি নেত্রং । দশ্যতে হনয়েতি দংষ্টা অত্র নস্যাসুস্থারে শছ্যাঞ্জেতিষ্টি ফুভিরিতি তস্য টত্ত্বে অভিধানাৎ স্ত্রীত্বে আপ্। নহুতে হনয়েতি নদ্ধী রজ্জঃ। অত্র নহোধন্ড ভাবিতি হস্য চভাস্কথোরিতি তদ্য ধত্বে ঝপ্রসোরিতি পূর্বর थमा मर्द शिवानार खीरब नमामिबामील्। यूग्रस्ड श्रान्ति थात्तर। अनर यू कि र्थी क र्योक्ट मान नृत्नी माज्य भा भारन भाजर कूमरकीन छालुर মিছে সিটি মেটুং বিণগঞ বন্ধে সেত্রং সিচপশোঞ সেজুং ফুঞল স্তভৌ স্তোক্ত লাস বধে শুস্ত্রং অস্যা ইর্ অস্ত্রং পৃঞ্জ শোগে পোত্রং পতু ৰূ পত্রং ভদলি ছ্যাতৌ ভক্তা অমগতে অস্ত্ৰীত্যাদি। এমু যে সেম স্তেভ্যোহন এতেনিতি ৰক্ষামাণাদিম্ নিষেধঃ। অসমাহ। উরুৎ মহাস্তং বিচতি উরুবাচাঃ বাচোঞ্জিরিতাত্ত অস্-বৰ্জনাত্মজিঃ। নরং চটে নৃচক্ষাঃ চক্ষঃ ক্যাঞ ইডাত্র অস্বজনাত্মাদেশঃ। রজ্ঞাতে হনেনেতি রজঃ রশ্জোহপ্যকেতি ন লোপঃ। এবং বিধশ বিধে विथजीजि (तथाः। छेनमारः। ठक्षन्य तरम अपनकार्यशास्त्रभागिः। ठरसे হনেনেতি চক্ষুঃ চক্ষঃ কলাঞ ইত্যক্রেউন্, বর্জনারাদেশঃ। এবং ধনরবে ধরুঃ। ইনমাহ। সপিতাঁতি সপিঃ এবং চূরতে ব তদ্ধবিঃ। মনমাহ। সৃধু দদটৌ ডি সুদামা। গচ্ছতীতি গলা। অংক্র গোর্মন ইতি মদানঃ।

৫০০। হৰ ত্ৰ তে ৰ্মে

ক্তো হবস্ত ত্রস্ত তেশ্চ ইম্ন স্তাৎ। সুশর্মা সুপীবা প্রাতরিত্বা সুত্বা ভূরিদাবা বারিজাবা দোমপাঃ রেট্ রোট্ জুঙ্ যুঙ্ প্রত্যঙ্ অক্ষদুঃ মিত্রশীঃ আশীঃ গীঃ বহজট্ যুতস্পৃক্ শস্তাৎ ক্রবাৎ।

हत.हेि (भव क्कांतासः श्राणांशातः। उन क्ष्मक् वृष्णक् शृंद्रुः वृष्णः तकः वृद्धः हें हार्गा हेग् न गारि। नि हक्दिताल ग्रांशातमण श्री हा स्वातालः प्रस्ता हे नि क्कांतालः प्रस्ता हे नि क्वांतालः प्रस्ता है नि विद्याले हिन्दे होता है नि स्वाताले हैं नि स्वात्ले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वात्ले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वात्ले हैं नि स्वाताले हैं नि स्वा

ভী। প্রাতরেতি প্রাতরিত্বা সুনোতীতি সূত্বা উভয়ত্র কিত্তাদ্গুণাভাবে পিত্তাৎ त्रगा उन्। कर्मा शूर्वरक मृत्मा १ और किन्। त्रतः मृस्येतान् त्रत्रमृत्रा बदः বহুদৃখা। রাজ দহাভ্যাং যুগোহপাতীতে। রাজাযুদ্ধা সহযুধা এবং রাজানং ক্তবান্ রাজক্ষা। বনিপমাহ। ভূরি দদাতীতি ভূরিদাবা। বারিণি জায়তে বারিজাবা উভয়ত্র বিভূনোরিভি গ্রা। এবং বজতেমা বজা অত্র তানিগদিমদী-তাত্র ইন্ধুকরণ জ্ঞাপকাৎ ন আদেশঃ। বিচমাহ। সোমৎ পিবভীতি গোমপাঃ অত্র বিচ ইকার উচ্চারণার্থঃ চকারস্ত্র প্রাচীনমতানুবাদার্থো নম্বর্যমার্থঃ। ভ্যোবমাত্র ইতি বস্য লোপঃ। রেষতি রোষতীতি রেট্ রেট্ বিচি গুণঃ। ক্রন্ট্ গত্যাং বিচি ক্রুভ্ অন্ধাং কিপ্ নদ্যাদনভিধানাং। কিপ্যাহ। অসা ইকার উচ্চারণার্থঃ কিন্তাদ্ধণাভাবাদিঃ। পিত্তাৎ স্বস্য তন্ ত্যোবমাত্র ইতি বসঃ লোপঃ। যুনজীতি যুঙ্ অত্র কিপি ন লোপেহপি যুজিরোহনে ইতি সুণ্। প্রত্য ঞ্জীতি পূজার্থস্য ন লোপাভাবে প্রত্যন্ত। গতার্থস্যতু নকারলোপে পি ব্রিদ-চোহদেরিতি সুনি প্রতান্ত। অকৈ দীবাতীতি অকদ্যঃ ছোঃ শৃটাবিতি উট্। মিত্রং শাস্তীতি মিত্রশীঃ কৌদ্বাশাসশ্চেত্যুক্তেঃ আকার্য্য ইকারে শাস্বসেতি বন্ধং। আশাসন মাশীঃ ইকারে বন্ধং। আশাস ইতি কিং প্রশাঃ। পুণাতীতি গীঃ অত্র শ্লবিবাবিতি ইর্। বদ্তীতি বংখা ঘোটকাদিঃ। তক্ষাং ভ্রশ্যতি বহ লট হৃষ্ণু ইতি ন লোপে শছাজেতি ষঙ্। মৃতং স্পৃশতীতি হৃতস্পৃক্ কিত্বা-রগুণঃ। শদামন্তীতি শদাাৎ। এবং ক্রব্যাৎ। ঈবদুঃ দোঃ পরাদিহিতামা-ভ্যামন बनाच्या । अनक्रभागा । उत्यानीना वाद मर्भना कर्मा भूर्वक धारखाः পরবিহিতে অসরপাবপি ৰিপ্ বিচো ঢাৎ ব্যত্তি হ্নচরেত্যাদি স্কুষ্ট ইত্তে-তৈঃ কচিদাধ্যেতে। কচিদিতি কিং ক্রব্যাৎ ক্রব্যাদঃ অত্র কিপ্যণ্চ। শক্তহাঃ শক্রাত্মঃ অত্র বিট্টক্চ। কর্মাক্ৎ কর্মাকরঃ অত্র কিপ্টশ্চ। অয়েশিচঞঃ গোমাৎ সুক্রোহতীতে কিপ্। অগ্নিং চিত্রান্ অগ্নিচিৎ এবং গোমসৃৎ। সু পুণ্ পাপ ধর্ম মন্ত্র পদেভাঃ ক্ঞোহতীতে কিপ্। স্থা কৃতবাম সুকৃৎ পাপকৃৎ গর্মাকৃৎ মন্ত্রকুৎ পদকৃৎ। সমাহারেলৈবেইটিনিছো বিচ্কিপ ইতি বন্ত্রচনং প্রভায়াস্তরপ্রাপ্তার্থং। তেন কুৎসায়াং বিক্রীণাতে রিপ্নভীতে কর্ত্তরি। সেচুমং निकी जनाम् भाग निकारी अवर शक रिकारी एंड निकारी गर्न निकारी लोह-বিক্রমী বিপ্রঃ।

৫-৪। ছাদে अपन की म् (घ यः।

ছাদয়তেঃ স্বঃ ক্তাৎ ত্রে মনি কা বিসি ঘেচ। ছত্ত্রং ছদিঃ ছঘ তনুচ্ছৎ।

ছদকিও সংবৃত্তী। ছাদাতে হনেনেতি ছ্ত্রং অত্র হবত্রতেরিতীম্নিবেধে একেলিপে হনেন হুলে নাপ্নাসোরিতি দলা তঃ। ছদ্ম ইতি মনি হুলঃ। তমুং ছাদয়তীতি তমুক্তং অত্র কিপি হুলঃ। ছাদ্যতে হনেনেতি ছ্দিঃ অত্র ইসি হুলঃ। যে পরে হুলবিধানাং ছাদয়তেঃ কর্ত্তরি পুংসি সংজ্ঞায়াং ঘঃ প্রতায়ো মন্তবাঃ। তেক উরশ্হাদয়তীতি উরশহ্দঃ এবং প্রাছ্দঃ দেশুচ্ছদঃ ছ্দঃ এযু

৫০৫। দদৃ জ্বৃহ্ বাক্ প্রাট্ এ। সুক্র স্বা মৃতস্কু কটপু পরিবাট দিছা জ্বগৎ দধৃক্ স্তাফিহঃ।

এতে কিবন্তা নিপাতান্তে। দীৰ্যাতীতি দৃৎ জুহোতানয়েতি জুহুং বক্তানয়েতি বাক্ পৃচ্ছতীতি প্ৰাট্ শ্ৰয়তোনাং ঞীং দ্ৰবতীতি দ্ৰং জবতীতি জ্বং আয়তং স্তেটিত আয়তস্থা কটং প্ৰবতে কটপুঃ পরিব্রজতি পরিব্রাট্ দ্যোততৈ , দিন্তাৎ গচ্ছতীতি জগৎ ধৃষ্ণো তীতি দধৃক্ সূজাতে ইতি স্রক্ উদ্ধৃৎ মিহ্নতি উষ্ণিক্।

ষোড়শৈতে কিবস্তা নিপাত্যন্তে।

৫०७। की र्घा श्लाः।

অস্ত্যো জীর্ঘঃ স্থাৎ। মিত্রং দ্বয়তীতি মিত্রহুঃ।

অন্তঃ কৃৎপ্রস্তারাব্যবহিত পূর্ববন্তী। মিত্রহুরিতি কিপি গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জো অনেন দীর্ঘঃ। এবং হৃতঃ হৃতবান্ হৃতিঃ হ্রা। জ্যাগি জ্বায়াং জীনঃ টুওমি পূনঃ। অন্তঃ কিং ইষ্টিঃ উন্টঃ পৃন্টঃ।

৫०१'। ति था शार को।

ঊঃ ধীঃ আপীঃ। ধাা পো। রভ এব জিঃ।

ত এতি বে স্থাতে বয়তীতি উঃ কিপ্ত গ্ৰহম্বপাদ্যোৱিতি ক্ষোপুর্বেণ দীর্ঘে নিক্ষে নিয়মঃ। তেন অসা ক্ষেঃকানের দীর্ঘো নান্যত্র কাবিতি কিং উতঃ উতিঃ উত্বা ধ্যায়স্ত্রনয়া ইতি ধীঃ। আপ্যায়তে আপীশ্চ। এতয়োঃ কৌ জে রস-স্তবেহপি জে দীর্ঘবিধানাৎ কৌ জিঃ ততো দীর্ঘশ্চ।

৫০৮। এঃমুগ্রকাণী চাতিকি।

अभन्यस्थाएँ। र्यः भागतो करम को ह नजू विकि। अभाग्।

ক্রম্ব্র প্রাপ্ত । তা উঙ্ক্রমুঙ্। প্রশাস্তীতি প্রশাস্কিপি উটো দীর্ঘে ধার্মন ইতি মসা নঃ। এবং কনীক্রি প্রকান্। অনোবাসেতু শাস্তঃ শাস্তিঃ শাস্তা। বীসি কিং প্রশাস। অনো কিং গন্তা। হতিঃ ইতঃ ইড়াইন্ডা-নোতু বনতনেতি ক্রম্লোপে ক্রমস্তবাভাবারদীর্ঘঃ। অতিকীতি কিং রস্তিঃ ভিস্তিস্থাদি।

৫০ন। ত্রিবাব মব স্বর স্বরো বৃডুগ্ডা এথমে চ।

এবাং ব উঙা সহ উট্ স্থাৎ কৌ ঝিসি ২ণৌ এখনে চ। সু; উঃ মূ: জূঃ ভূঃ।

सित्र (भारत গতে)। স্রীব্যতীত সুঃ। অবরক্ষাদে অবতীতি উঃ। মবনহে মবতীতি মুঃ। এবামে কারাদে ধারিযুবচীতি উবি ফ্রবে উবে মুবে ইভাদি। জ্বর্ম রোগে জ্বতীতি জুঃ। ঞিব্রুষমঙ্গাদে ত্বতে তুঃ অবে বাসেতু
সূতঃ সুতিঃ। উতিঃ মৃতিঃ জূর্ত্তিঃ তৃত্তিঃ। এবে সুমনি স্রোমা। অবতে মনি
মনীষাদিত্বাৎ মনষ্টিলোপে শুণে ওম্।

৫১०। ता एका त्लीभः।

রাৎ পরয়োঃ ছবয়ো র্লোপঃ স্থাৎ, কৌ অস্তানো এইমে চ।
মুক্তা মুঃ ধুকী ধুঃ।

মুৰ্ফ্ট মোহ উছ্ য়ে হ্ৰস্বী কিপি অনেন ছুলোপে ব্যন্ত সীতি দীর্ঘে মুং। অচিন্ত মুবেগ মুবঃ ইত্যাদে হ্ৰম্বিডিঃ। ধুবা হিংলে হ্ৰম্বী কিপি রলোপে ব্যন্ত ভন্ত মীতি দীর্ঘে ধুরেগ ধুরঃ। অণো নাসিতু মুর্ভঃ মুর্ভিঃ ধূর্ত্তঃ ধূর্ত্তিঃ। অত্র বেফ সালিধ্যাৎ বকারো দন্ত্য এব গ্রাহঃ। তেন ঘর্বগতে নর্বগতে ইত্যাদে ন ধ্যসকঃ।

५১১। जा पूर्ण जिः।

অবর্ণাৎ পরভোটে। বিঃ স্থাৎ। জ্বান্ অবতীতি জ্নোঃ।

জনানবতীতি জনোঃ অত্র অবর্ণান্ত কর্মোপপদস্য কিবন্তথাতুনা সমাসে হলেন ব্রিঃ। বত্রাদৌ কিপ্ততঃ সমাসন্তত্র গুণএব। তেন জনস্য উঃ জনোঃ তবউঃ তবোঃ ইতি জসমাসেহপি গুণএব। একপদেতু শব বিকারে কিপি ছোঃ স্টাবিতি উটি অনেন বৃদ্ধৌ শৌঃ শাবে শাবিঃ। ধাবুঞ জবে ধৌঃ ধাবে ধাবঃ। জৌ শৌতিঃ। এবং ধৌতঃ ধৌতঃ ধৌতঃ ধৌতা।

৫১২। বন্ধ মন তন গমোহস্তলোপঃ কৌ। সংযৎ পরিমৎ পরীতৎ বনগৎ।

৫১৩। স্রি বিষণেদ্বস্থ টে রদ্রা থেটা কৌ। ত্সে বিষচে। দেবস্তাচ টে রদ্রিঃ স্থাৎ কিবস্তে ২ঞ্ডো। সর্বা-নঞ্তীতি সর্বদ্রাঙ্বিশ্বজাঙ্দেবজ্ঞাঙ্।

স্লিন্দ বিস্বক্ষ্ণ দেবশ্চেতি ভস্য। বিস্বগিতি মুৰ্দ্ধন্য মধ্যং চান্তমবায়ং বিস্ব-গঞ্চতীতি বিস্কান্ত্।

৫১৪। অমুদ্রাঙ্ অমুমুমঙ্ অদমুমুজ্ অদদ্রাঙ্। অমুমঞ্তীতার্থে এতে নিপাতাত্তে।

मूर्गमः ।

৫১৫। সহ স স্থিরঃ স্থি সমি তিরি। এবাং ক্রমাদেতে স্থাঃ কিবস্তে ২ঞ্জে। স্থাঙ্ সমাঙ্ তির্বাঙ্। সহ অঞ্জীতি স্থাঙ্। সমঞ্জীতি সমাঙ্ তিরোহঞ্জীতি তির্বাঙ্। ५ । बीक्रटश ४७ को। वीक्र९।

বিপূৰ্ব্বস্য ক্ৰোধঙ্ সাং কৌ। বে দীৰ্ঘন্য বীশ্বং ষম্মনেজন্ত নিৰিতং। ৫১৭। তদাদি ভবং সমানা ম্যোপমানা দৃশ ষ্টক্ সক্ কিপো ঢে।

তদাদে ভবতঃ সমানা দন্যস্মাচ্চোপমানাৎ দুশ এতে সুঃ ঢে।

তৎ আদি র্যসাস তদাদিঃ। তদাদিশ্চ ভবাংশ্চ সমানশ্চ অন্যশ্চেতি। তদাদি ভবৎ সমানান্যং তচ্চ তৎ উপমানপ্থেতি তদাদি সমানান্যোপমানং তমাং। উপমান ভূতেভাঃ এভাঃ পরাদ্দাঃ পরা এতেস্যু র্চে।

७५। खर्षा।

স্রে জা আং টগাদাজে দুশি। সইব দৃশ্যতে তাদৃশঃ তাদৃকঃ তাদৃক্ ভবাদৃশঃ।

िद्धा प्रसामा द्वारत। महेर मृणार् हें कि किद्धान् श्वेषां विद्धान् । এবং मिक् किद्धान् श्वेषां विद्याने । अवर मिक् किद्धान् श्वेषां विद्याने । अवर मिक् किद्धान् श्वेषां विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने । अवर्थ कि किद्धान् श्वेषां विद्याने । अवर्थ कि किद्धान् श्वेषां विद्याने । अवर्थ कि किद्धान् श्वेषां विद्याने । अवर्थ वामृणः अवामित मृणार्थ अमामृणः विद्याने विद्याने विद्याने । अविद्याने व्यानि विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने । अवर्थ विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने विद्याने । अवर विद्यानि विद्याने विद्याने । अवर विद्यानि विद्याने विद्याने ।

৫১৯। সমানেদং কিমদঃ সে কা মূ। এষাং স্থানে স ঈ কী অমূ এতে ক্রমাৎ স্থাঃ উগাদ্যন্তে দৃশি।

সদৃশঃ ঈদৃশঃ কীদৃশঃ অমৃদৃশং অন্যাদৃশঃ।

সমানশ্চ ইদম্চ কিম্চ অদস্চেতি। সশ্চ ঈশ্চ কীশ্চ অমুশ্চেতি। সমান-ইব দৃশ্যতে সদৃশঃ অন্নমিব দৃশ্যতে ঈদৃশঃ কইব দৃশ্যতে কীদৃশঃ অসাবিব দৃশ্যতে অমুদৃশঃ। অন্যাইব দৃশ্যতে অন্যাদৃশঃ। ইতি তৃণাদিপাদঃ।

## ক্তাদিঃ।

৫২০। ক্তাক্তবভূভূতে ভাবে ঘে।

ধো রতীতে ২থে চভাবে ক্তো ঘে ক্তবতুঃ স্থাৎ। উকাবিতো। স্তুত স্তুয়া বিষ্ণু: স্লাতং ময়া বিষ্ণু বিশ্বং ক্তবান্।

ফুঞ্জন স্তুত্তে কর্মণি জঃ বেম সহেতি বেমত্বেংপি বৃত্প্প্রতি ইমোনিষেধে কিন্তাদ্গুণাভাবে স্ততঃ। স্থাল শোধনে ভাবে জঃ স্নাতং। কৃঞ্চ দ ভুকর্ত্তির জুবঁতুঃ কিন্তাদ্গুণাভাবে উদিস্তাদ্গিদচ ইতি মুণি অব্নোধোরিতি দীর্ঘে কৃত-বামু।

৫২১। टक्क र्घा ६८० जात देनना ट्क्कारण जूता।

क्कि र्घः खाद नजूर ए जातदेनना ट्क्कारण जूता जरहाँ शतदाः।

खित्रणेश किन्न शत हिश्माया किक्करेय प्रारंगः किन तामन ट्याः। है जि

৫२२ सूल्। (मार्गि मूर्की यलकार्डान डा २१ मुर्क्टथा। था मरमा मन्द्र।

स्राविकास स्राविका स

৫২৩। বৃছ আ ঞূর্ণোঃ কিতো নেম্। র্ঞো বৃছ ৠদন্তঃ ছবর্ণান্তাৎ আঞ্জ উর্ণোশ্চ কিত ইম ন স্থাৎ। সুনঃ সুনবান্দীনঃ লুনঃ জীনঃ রুগ্ন জুগ় প্রহীণঃ মিলঃ নির্কিরঃ প্যানঃ গ্লানঃ প্রাণঃ। প্রাদেস্ত। পুর্তঃ মূর্ত্তঃ খ্যাতঃ ধ্যাতঃ মত্তঃ বৃতঃ ভূতঃ প্রতঃ সৃতঃ উর্তঃ।

বৃশ্চ ৠচ্চ উশ্চ শ্রিঞ্চ উর্শেতি ভন্মাং। বুৠতোঃ সাাদৃাদুদুরিতি रवमरद अग्ररङ जम्म अमृ हेि रामरद नम् छी भी छा निना करक र दा दिम् নিষেধে সিদ্ধে হব এতেরিক্যাদিনা জ্ঞাদীনাঞ্ ই গ্লিষেধে সিচ্ছে এবাং ক্রয়:গা মিহোপাদানং ক্রাচ ইম্ নিষেধার্থমের। ডেন বৃত্বা তীত্বা শ্রিত্বা ইতি। এবং উবর্ণাস্তত্তেনৈবপ্রাপ্তো উর্বোঃ পৃণক্ এইণং কথমিতি চেৎ সন্তং। ভদ্জশ্রিষ্ ইভাত্র উর্নো র্বেসত্বে নেম্ভী শ্বী তানেন বেমধাতৃতাঃ জজনত্বারিন্নিষেধে ভবৈত্রব অবেকাচো বর্জনাৎ উর্বোরিমঃ প্রসন্তেন পুনর্নিষেধার্য মিহোপাদানং। সাদিমাহ। সুন ইতি সুষৌঙ সুতৌ কৰ্মণি জ্ঞঃ অসেন ইম্নিষেধে পূৰ্কেণ তসা নঃ। এবং সুনবান্। ওদীঙ্য ক্ষয়ে দীনঃ। লাদিমাহ। লৃঞ্গিছিদি ল্নঃ। জ্যানি জ্বরায়াং অত্র বক্ষামাণেন,কর্ত্তরি ক্রে গ্রহস্বপাদ্যোরিতি জৌ कीरचीरछा ইতি मीर्घ कीनः। अमिलमारु। जूरकारमी वकरण जूमः जलतम-খান্তিরবকাশখাচ আবে চুঙ্কুভিড অসা গকারে পশ্চাৎ ক্রমা নঃ। ওহালি जार्त अहीनः अत मार्गातं हेि ही नार्ताक्ष्यत्वि नद्दः। मास्त्रमाह । देर्मिमा স্মেহনে মিশ্বঃ। জাদিত ইতি বক্ষ্যাণা, দিম্নিষেধে পূর্বেণ ডস্য নঃ। নির্ফিন্ন ইতি বিদ্যোও ভাবে পূর্ব্বাপরহায়ণাদিত্বাগ্নত্বং। নির্বিগ্রোহধ্যয়নে স্কড় ইত্যর্থঃ। রাস্তদাতু গঙাঁশি উদানে গূর্নঃ। চূর্ত্বী দহি চূর্ন ইত্যাদি উছং। এযু নেম্ভীশ্বী छाटनन टेरमा निरवधः। यमगांखमारः। क्षि क्रांस क्षांतः खान खंदम खांनः। এবং দ্যৈ ন্যক্করণে দ্যানঃ। যলসাতি ইতি ধাতোরের নতুপসর্গস্য। তেন নিৰ্যাতঃ নিৰ্কাত ইত্যাদৌ ন প্ৰদক্ষঃ। অত্ৰ মূৰ্চ্ছ বৰ্জনাৎ যেন কেনাপি প্ৰকা (दन वा दान समामिन उद्यो खगा नः गामिन स्किनः। 'उन द्राष्ट्रां विभावता । 'उन द्राप्ट्रां विभावता । 'उन द्राप्ट्रां विभावता । 'उन द्राप्ट्रां विभाव ইতি ছবয়োর্লোপে সুর্ছ ক্ষুর্ছাতু বিশ্বতো। আদিত ইতি ইমো নিষেধে সূর্বঃ স্ফূর্বঃ। থুর্বে প্রবিধে নেম্ভীশীতি ইমোলিষেধে পূর্বঃ দূর্ব ইতি। এবং কুশ বিক্ষেপে তৃতরেহভিভবে ইত্যাদীনাং ইরিক্তে কীর্নঃ তীর্নঃ ইত্যাদি। অত্র ধূরী হিংস ইতাসাজু বকারলোপে হপি কিতবে বাচ্যে মনীধাদিত্বান্তস্য মোনস্যাৎ। তেন ধূর্ত্তঃ কিতবঃ। অন্যত্র ধূর্বো মৃগঃ সিংছেন হত ইত্যর্থঃ। প্রাদেস্ত। ঞিপূ

গিলিতু পাননে। জন্য লাদিবাৎ প্রাপ্তে নিষেধে পূর্ত্তঃ। মূচ্ছ্যু নোহ উছুয়ে আদিত ইতি ইনো নিষেধে রাচ্ছোরিতি ছুনোপে মূর্ত্তঃ। খ্যাত ধ্যাত ইতি যদ্যযুক্তাকারান্ত তয়া প্রাপ্তে নিষেধঃ। মন্ত ইতি মদীভির্যতি হর্ষে দান্তবাৎ প্রাপ্তে নিষেধঃ। বৃত্ত প্রিভাস্য উদাহরণমাহ। বৃত্ত ইতি ব্নগঞ বৃত্ত বৃত্তো বৃঞ্দং ভ্রেণ ইতি ন্রাণাঞ্।

৫২৪। দিব্য ঞ্চ খ্যো ২ জিগীয়া জা স্পর্দে নত স্তরোঃ।

দিবে রক্তিগীষারা মঞ্চতে রজে-শ্যারতে রম্পর্শে তয়ো স্তম্য নঃ
শ্যাৎ। আচুনেঃ সমকঃ।

. দিবিশ্ব অঞ্চল শাংশতি। ন জিগীষা অজিগীষা। জং জপাদানং সজং অজং। নম্পর্শে হিম্পর্শঃ। অজিগীষাচ অজ্ঞ অম্পর্শশেষতি তক্ষিন্। এযু নঞ্ সমাসঃ স্পন্থার্থঃ। আদূান ইন্তি আঙপূর্বাংদিব্যুজিগীষাদো অকর্মক- ত্বাং কর্ত্তবি ক্তে নেম্ভীশীতি ইন্যো নিষেধে ছোঃ শৃটাবিভ্যুটি অনেন তস্য নঃ। সমক ইতি অন্চুগতি পূজনয়োঃ কর্মণি জে নেম্ভীশীতি ইমোনিষেধে হস্তুইত্বি লোপে চুঙিতি কুঙি অনেন তস্য নঃ।

०२०। घन म्लार्म (छ। छि:।

घत्म স্পর্শে চার্থে শ্রে। জিঃ স্যাৎ তয়োঃ। শীনং মৃতং। জিগী-বাদৌ তু। দ্যুতং। উদক্তমুদকং কুপাৎ। শীতং জলং। ঘন-স্পর্শে কিং। সংখ্যানো র্শিচকঃ শীতাৎ সংকুচিত ইত্যর্থঃ।

ঘনে দ্রবাস্য ঘনীভাবে ইতার্থঃ। শীনমিতি শৈটে গতৌ জে অনেন জৌ জীর্ঘোহস্তাঃ পূর্বেণ ওঁস্য নঃ। পূর্বেস্য প্রত্যুদাহরণমাহ। দ্যুতমিতি ভাবে জঁঃ জিগীষায়াং তদ্য নোন স্যাৎ। উদক্তমিতি উদ্যাতমিস্তর্থঃ। অত্র কুপাদিতি অপাদানপ্রয়োগাং তদ্য নোন স্যাং। শীতমিতি স্পর্শার্থে জিঃ দ্যাং তদ্য নোন স্যাং। সংশান ইতি ঘনস্পর্শাভাবে জির্ম স্যাং তদ্যতু নকারঃ স্যাং।

৫২৬। প্রতেঃ।

প্রতিপুর্বিশ্য খো জিঃ শ্রাৎ তয়োঃ। প্রতিশীনঃ।
প্রগ্যোগাৎ ঘনস্পর্শ রো না সুবৃত্তিঃ।
৫২৭। অভাবা দা।

অভ্যবাৎ পরেক্য খো। জিঃ ক্যাত্ব। তয়োঃ। অভিশীনঃ অভিশানঃ অবশীনঃ অবশ্বানঃ।

भूगमः ।

a २ । विद्या ए च न ला शास्त्र।

যিঞঃ পরস্থ তয়ে। স্তম্ম নঃ স্থাৎ চঘে গ্রাদে বাচ্যে। দিনো গ্রাসঃ স্বয়মেব।

ধিনগঞ বন্ধে ইতাসাৎ কর্মা কর্ত্তরি জ্বন্য তদ্য নকারঃ দ্যাৎ প্রাদে বাচ্যে। প্রাদঃ করলঃ। দিনোপ্রাদঃ স্বয়মের বন্ধ ইত্যর্থঃ। প্রাদে কিং দিত শ্রেরঃ স্বয়মের। বাদর মধ্যবর্ত্তিত্বা দেতদাদীনাৎ চতুর্বাং নিত্যতা।

(२२। शूर्व्या नाद्रम।

श्रुता नकः। अनाज शृकः शिविकः।

পূঞ শোধে ইত্যাস্য অনেকার্যতাল্লাশার্থে তয়োস্তম্য নকারঃ ম্যাৎ।

**७०। इत्यार्घन्छ।** 

আভাাং তরো স্তম্ম नः स्राप्ट जरता र्यन्त। पूनः शृनः।

ছটোলোপতাপে গুশিস্ক বিষ্ঠোৎসর্গে ইত্যেতাভাগং তয়োলস্য নঃ স্যাৎ তয়োদীর্ঘশ্চ। ওদুঙ্য থেদে গৃওশি বিট্স্স্সে ইতি দীর্ঘান্তাং এবেইট নিজে এত বিধানং হসান্তয়োঃ ছপোঃ প্রয়োগ নিবেধার্থং।

৫०)। खरम्हः कष्ट्रहा

·ब्राष्ट्र । इकः।

নচ চুজ্জিত্যনেনৈবেষ্টসিজো ইহ কঙ্বিধানং বৃধেতি বাচাং। শছাঞ্জিতি বিশেষ বিধানাৎ ষঙঃ প্রাপ্তব্যত্বাৎ। বৃক্ল ইতি ব্রশ্চূশ ছেদে কর্মণি জে নেম্-ভীশীতি ইমো নিষেধে গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জো অনেন তস্য নত্তে চস্যচ কঙি-নৈমিস্কক্যাপ্যভাব ইতি ন্যায়ান্তালব্যশ্যা দন্তাত্ত্বে স্যাদেঃ সোলোপঃ।

৫৩२। दो बाद्यान्म त्रूम विस्मा वा।

এভা স্তরো স্তম্ম না আৎ বা। হীণঃ হীতঃ আণঃ আতঃ আণঃ আতঃ উলঃ উত্তঃ মুলঃ মুতঃ বিলঃ বিতঃ। द्वी देखि द्वी न त्रांक कर्खित एक कारनन छमा मह। शरक द्वी छह। खा नक्ष-श्रह्म कर्मान एक खानः खानः देख शाना न कर्मान एक खानः खानः । केन्सी क्रिया कर्चित एक नम्छोशील हेया निया कर्मान एक तना विद्या । प्रकार कर्मान एक सूत्रः सूक्षः। धोरिष स्मीमारम कर्मान एक विद्या विद्या। मरुखा-ग्राख (प्रवाखां हे एक वानंसमा वावक्षां विद्या।

৫৩০। কৈ শুপালে মক বং।

এভা স্তরে<del>।</del> স্তম্ভ মক্ব এতে ক্রমাৎ স্থাঃ। ক্রামঃ শুস্কঃ প্রকঃ।

কৈ ক্ষরে ক্ষানঃ শুষ্ঠোই শোষে শুক্ষঃ। উভরত্ত্র অকর্মকত্বাৎ কর্ত্তরি জঃ। ভূঞোষ পচ পাকে কর্মণি জে অন্তরঙ্গত্ত্বির কাশত্বাচ্চ আদে। চুজ্তিতি কুঙি পশ্চাদনেন ত্কারস্য বঃ পকঃ।

৫৩৪। প্রস্তোম বাজিশ্চ।

প্রস্তা স্তরো স্তয় মং ফাৎ বা জিশ্চ। প্রস্তীমং প্রস্তীতঃ। প্রাৎ কিং। সংস্ত্যামঃ।

অত্র বাশস্মা মকারেণৈর সম্বন্ধাৎ জি নির্তাঃ। বৈচা সংহতী ধনৌ কর্ত্তরি জে প্রস্তীমঃ প্রবীতঃ। প্রাৎ কিং স্ত্যানঃ সংস্ত্যানঃ।

৫০৫। নির্কাণ ভিত্তর্ণ বিত্ত ফুলোৎফুল সংফুল প্রফুল কীব কুশ পরিকশো লাঘাঃ।

্থতে জান্তা নিপাতান্তে। নির্মাণঃ শান্তঃ নির্মাণং মুক্তিঃ ভিত্তং খণ্ডং ঋণং বিশোধাং বিত্তং ধনং বিত্তঃ প্রতীতঃ। ফুলোবিকসিতঃ উৎফুলঃ সংফুলঃ প্রফুলশ্চ। ক্ষীবো মতঃ রুশস্তমুঃ পরিরুশশ্চ উল্লায়ো নীরুকঃ।

বালগমন হিংসয়েঃ নির্বাণঃ শাস্তঃ নির্বাণং মুক্তিঃ। উভরত্র নোচো হস্তরেতি গত্বং। অন্যত্র নির্বাভঃ। এথোভিদির ভিত্তং খণ্ডং। অন্যত্র ভিত্তং ঋণতৃঞ গতে ঋণং বিশোধ্যং অন্যত্র ঋতং। বিদল্পতো বিভং ধনং বিভঃ আতীতঃ অন্যত্র বিদিতঃ। ফুল্ল বিকসনে ইমোহভাবে তকারস্যণোপে হকা-রুষা, পুর্বেণ বোগে ফুল্লাদি চতুইয়ং। কেবলসা উৎসংগ্র পুর্বিসাচ নিপা- ৫৩। কুধ বস পুজার্থাঞ্চ। গার্ধ্যার্থ লুভ: ক্রেন্ম্। এভাঃ পরয়ো স্তয়োঃ ক্রেন্ম্ শ্রাৎ। ক্রুধিতঃ উবিতঃ অঞ্চিতঃ লুভিতঃ। গতৌ তু। অক্তঃ। গার্ধার্থে তু। লুকঃ।

गर्धिः विश्वा। गार्धामर्था यता न गार्धार्यः न गार्धार्यः न गार्धार्यः । महारमे नुस्टि क्यार्थार्थं नुस्ट उद्धार क्ष्यं क

৫ । भू क्रिम वम क्रश वाश्वन खरहा वी।

এভা স্তারোরিম্ভাৎ বা।

পুঙ পৃথ্যোঃ বুছ্প্রাত্যাদিনা নিষেধাৎ ক্লিপ্য উপতাপে ক্লিপ্গর্ভু বিবাধে ইত্যেত্যো র্বেন তয়া নেম্ভীমীত্যনেন নিষেধাদপ্রাপ্তৌ বমাদীনাং নিত্য প্রাপ্তৌ বিভাবেয়ং।

৫৬৮। পুশী ধৃষ মিদ ক্ষিদ স্বিদ ক্ষমার্থ মৃষাং সেমোর্ণঃ। এষাং গুঃ স্থাৎ তয়োঃ সেমোঃ। প্রবিতঃ পুতঃ ক্লিশিতঃ ক্লিইঃ বমিতঃ বাস্তঃ জপিতঃ জপ্তঃ বিশ্বসিতঃ বিশ্বস্তঃ আশ্বস্তি আশ্বস্ত শয়িতং ধর্ষিতং মেদিতং কেদিতং স্বেদিতং মর্ষিতং। ক্ষমার্থঃ কিং। অপমৃষিতং বাকাং।

ক্ষমার্থশ্চাসে ম্বচেতি ক্ষমার্থ মৃষ । ততঃ পুশ্চ শীশ্চ বৃষশ্চ মিদশ্চ ক্ষিদশ্চ ক্ষিদশ্চ ক্ষিদশ্চ ক্ষমার্থ মৃষচ তেষাং। সহ ইমা বর্ত্ততে যৌ তৌ সেমো তরোঃ। পবিত ইতি পুর্বেণ ইমি অনেন গুণঃ। ঞিধুষাম্ প্রাগল্ভো ভাবে জে ভাবাদি চেনেতি ইম্পক্ষে হনেন গুণে ধর্মিভিমিতি। এবং ইন্মিদ্যা স্কেচনে ৯ক্ষিঞি মোক্ষে এবামপি সাধ্যং। মর্মিভিমিতি ম্বাঞ্চ ক্ষান্তো বনোহরস্যেতি ইমি হনেন গুণঃ। অপুম্বিতং নিশ্বিতং বাক্যমিতার্থঃ।

৫৩৯। ভাবা দিঢে বো ছঙ্গে হন্সভঃ।

বিহিতাপ উদ্ধো ভাবা দিটয়োর্বা স্থাৎ তয়োঃ দেমোঃ। দ্যোতিতং ছাতিতং তেন। অনপস্তা কুধিতং।

व्यक्तिम् किमानसः। जल् मत्मा निर्धात উপচারাং। जल् व्यस्तमा क्रिया है स्वार ह

०८०। लाला (धः।

ঞে লোপঃ স্থাৎ তয়োঃ সেমোঃ। ভাবিতঃ ভাবিতবান্।

ভাবিত ইতি ঞেলোঁপে জালোপে জালকণমিতি ন্যায়াদ্দিঃ। এবং ঞিমু-দঙ্ মোদিতঃ মোদিতবান্। বৃধুঙ্ব৯ বৰ্দ্ধিতঃ ইজাদে গুণঃ। ভন্জোধে ভঞ্জিত ইজাদে অঞ্গনিমিস্তকোন লোপোন স্যাং। ৫৪১। নেম্ডী শ্বী দি ছেমে ইপত্য নেকাজ্ নিষ্কৃষঃ। ডীঙঃ শ্বয়তে রীকারেতো বিকশ্পিতেমক্ষ পত্যাদিবজাওয়োরিম্ ন স্থাৎ। পতিতঃ দরিদ্রিতঃ নিষ্কৃষিতঃ।

**৫**8२। जामिण्डः।

আকারেত স্তরোরিম্ন ভাৎ। মিলঃ।

আৎ ইৎ বন্য স আদিৎ তন্মাৎ। ইশ্মিদা স্নেহনে অকর্মকত্বাৎ কর্তুরি জে অনেন ইম্নিষেধে স্ন্তুলাদ্যাদীতি তন্য দ্যাচনে মিশ্লঃ। এবং নিশ্লবান্। ৫৪৩। ভাষা দিচে বা।

মিনং মেদিতং তেন। প্রমিন্নঃ প্রমেদিতঃ সং।

আদি ঢং ক্রিয়ারস্তঃ। ভাবশ্চ আদি ঢঞেতি ত্রিমন্। আকারেতো ধাতো ভাবে আদি কর্মণিচ বিহিতয়ো ভয়োরিম্ন স্যাধা। ভাবা দিচয়োঃ জবতো-রসম্ভবাৎ জনৈয়ন। ইর্মিদ্যা মিশ্বং পক্ষে পূশী ধ্যেতি শুণে মেদিতং তেন এবং প্রমিশ্বঃ প্রমেদিতঃ সঃ। অত্র বক্ষামাণাৎ কর্ত্তরি জঃ।

৫৪৪। শকে র্চে। শকিতে । ২চিচতুং শিবস্তেন শক্তঃ। শকেঃ কর্মণি বিহিত্যোরিষ্ ন সাধা। কর্মণি তুজারতার্গস্তবেহপি জয়োরিভাসাকুরর্নং নেম্সন্নিরার্দ্দ ইত্যাদে সার্থকং। চে কিং তেন শক্তং অত্তবেষত্তিশ্বাতি নেম্।

৫৪৫। স্কুৰ বাঢ় স্বান্ত ধ্বান্ত কাণ্ট কন্ট যুক্ত লগ্ন মুন্ট বিনিৰ এট বিশস্ত পৰিবৃঢ় দৃঢ় শৃত বৃত্তা ভাৰ্নাঃ।

এতে ক্রান্তা নিপাতাতে। কুনো মন্তঃ বাচং ভূশং স্বান্তং মনঃ ধ্বান্তং তমঃ কান্টং ক্যারভেদঃ ক্ষ্টং ক্ষ্ট্রেং যুক্তং শক্ষিতং লগ্নং সক্তং মিটিং অস্পর্যথ বিরিদ্ধঃ স্বরঃ ধৃষ্টঃ প্রগ্নভঃ বিশস্তঃ পরির্দ্ধঃ প্রভূঃ দৃট্যেবলী শৃতং প্রুং রুত্তে। গুণঃ ছাত্রেণ অভ্যর্ণং সমীপং।

ক্ত৯ও সঞ্জে। ক্রে। মতঃ আলোড়িত ইতি যাবং। অনাত্র ক্তিতঃ। বাহেও যত্নে বাঢ়ং ভূশং। অন্যত্র বাহিতং। স্বনগশন্দে স্বাস্তং মনঃ। অন্যত্র স্থনিতং। মিধন রবে ধান্তং তমঃ। অনাত্র ধনিতং। ফণণ নিস্নেহে নিস্নেহো হনায়াদেনোৎপত্তিঃ। ভদ্য প্রেরণ্ঞো ফাণ্টুৎ জনায়াস কৃতঃ ক্যায়ভেদ ইতার্থঃ। অলায়াসকৃতং কাণ্টমিতামরাঃ। অলাত্র কাণিতং। ক্ষবধে ক্ষটং ক্ছুং। অন্যত্র ক্ষিতং । ঘুষ্কি ইন্কুতি বিশব্দে ঘুটাং শব্দিতং শার্থে নিপাতাং। লগ্নে সজে লন্নং সক্তং স্বার্থে নিপাতাং। ত্রেচ্ছ কি দেশ্যোক্তো মুষ্টং অস্পষ্টং। অনাত্র মেডিতং। ওরেভূশব্দে বিরিকঃ শ্বরঃ অনাত্র রেভিতং। ঞিবুদান শ্রীগৰেভা। ধৃষ্টঃ প্রগৰভঃ। স্বার্থে নিপাতাঃ। কিঞা স্বাদিত ইতি ইম্ নিষেধাদেবেউসিদ্ধে নিপাতনং আদিকর্মণি কর্ত্তরি জে ভাবাদি ঢেবৈতি পাক্ষিক্স্য ইমো নিষেধার্থং। উশস বধে বিশক্তঃ প্রগণভঃ ক্রাবেম তয়া নেস্ভীশ্বীত্তানেন ইম্নিধেধাদেবেফীসিজো প্রগল্ভাদনাত্র বিশসিত ইতাত্র ইম্ প্রাপ্তার্থং নিপাতেনং। বৃহি বৃংদ্ধা। পরিবৃঢ়ঃ প্রভুঃ অনাত্র পরিবৃংহিতং। पृष्टि व्रको पृर्णावनी अनास पृश्हिज्ः। आवा शास्त्र स्वरत्मा कासमा পৃতং প্রং। এভচ্চ কীরে হবিষিচ বাচ্যে নিপাতনং। অন্যক্ত শ্রাণা শ্রপিতা ষবাগৃঃ। বৃত্তুবন বর্ত্তনে। ঞাস্তদা বৃষ্তঃ গুণো গ্রন্থবিশেষ শহাত্ত্রেণ অধীত ইত্যর্থঃ। অন্যত্র বর্ত্তিতঃ। অর্দ যাতনাগতি যাচনে অভ্যর্ণং সমীপং। অন্যত্র অভ্যদিতঃ।

৫৪৬। নেম্পনি বা দ্বঃ।
সংনিবিপুর্বাৎ অর্দতে স্তরোরিম্ন স্থাৎ। সমর্বঃ নার্বঃ।
অর্দ্ধ বাতনাদৌ অনেন ইম্নিধেধে তসা দসাচ নে সমর্বঃ এবং সমর্বান্
এভাঃকিং অর্দ্বিঃ প্রাদ্ধিতঃ প্রাদ্ধিবান্।

৫৪৭। বা রুষা ম হাষ শ্বর সংঘুষা স্বনঃ। এত্য স্তারোরিম্ন স্থাৎ বা। রুষ্টঃ রুষিতঃ স্বান্তঃ স্বান্তঃ হাষিতঃ তৃর্বঃ শ্বরিতঃ সংঘুষ্টং সংঘুষিতং আস্থান্তং আস্থানিতং। "

कृषि कृषि कृषि कृषि कृषि वृषि वृषि । अमा तममदृष्ठि तमदृष्ठि तमदृष्ठि विषय । विषय । अमा तममदृष्ठि तमदृष्ठि विषय । अमा अमादृष्ठि विषय । अमादृष्ठि । अस्य अमृद्धमानावि । विषय । अस्य अमृद्धमानावि । विषय । अस्य अमृद्धमानावि । विषय । अस्य । अस्य । अस्य विषय । विषय । अस्य । अस्य विषय । विषय । अस्य वि

৫৪৮। দান্ত শান্ত পূর্ণ দন্ত স্পর্য চ্ছন জ্ঞা বা। এতে এয়ন্তাং ক্রান্তা নিপাতান্তে বা। পক্ষে দ্যিতঃ শমিতঃ পুরিতঃ দাসিতঃ স্পাশিতঃ ছাদিতঃ জ্ঞাপিতঃ।

দমাদীনাং জ্যান্তানাং এতে ক্রান্তা বা নিপাতান্তে। দন্তু ইর্শমে শমুভি-র্বশমে প্রেরণঞো কর্মনি জে দান্তঃ শান্ত ইতি। পক্ষে ঘটাদীতি হুন্দে বমে দ্বরস্যেতীমি লোপো জেরিতি জের্লোপে দমিতঃ শমিত ইতি পূরীঙ পুর্জেপি প্রেরণজ্যে পূর্বঃ। পক্ষে ইমি জের্লোপে পূরিতঃ। দস্য ইর্ভুৎক্ষেপণে প্রেরণজ্যে দন্তঃ। পক্ষে দাসিতঃ। স্পশ্ঞ গ্রন্থ্যাঃ প্রেরণজ্যে স্পন্তঃ। পক্ষে দাসিতঃ। স্পশ্ঞ গ্রন্থ্যাঃ প্রেরণজ্যে স্পন্তঃ। পক্ষে দাসিতঃ। জ্প শঞ্জি গংবুতো। স্বার্থিণ্ডে ছ্রঃ। পক্ষে ছাদিতঃ। জ্ঞান অভু জ্রেণ্ডে স্বার্থিণ্ডে জ্ঞান প্রার্থিণ্ডে।

৫৪৯। ক্ষায়ঃ কীবা। কীতঃ কীতবান্ কাতঃ কাতবান্।

न्कांग्री ७ भः युष्को त्रेषिञ्चाषित्रा नित्यतः न्की उः न्की उतान्। शतक यून-ल्लांश देखि यत्नात्श न्कांछः न्कांख्यान्। ৫৫০। পার্ট্য়া হলেঃ পা স্বাক্ষে তুরা।

ভাগেঃ পাায়ঃ পী স্থাৎ স্বাঙ্গা দনাত্র তুবা তয়োঃ। পীনং মুখং পাানঃ পীনঃ স্বেদঃ।

ওপ্যায়ী ও বৃদ্ধো ক্তে ঈদিন্তাদিমো নিষেধে ওদিন্তান্ত্র না পীনং মুখং। ভাগেঃ কিং প্রপ্যানং মুখং যোলোপি •ইতি যলোপঃ। ভাষাভেতু প্যানঃ পোনঃ স্বেদঃ।

१८८। · आर्ड़ा शक् धरमाः।

আড়ঃ পরশ্র প্যায়ঃ পী স্থাৎ তয়োঃ অন্ধুধনোঃ। আপীনো•২দ্ধঃ অনুপীনং উধঃ।

আন্তঃ পরস্য প্যায়ঃ পী স্য: স্কংয়াঃ পরয়োঃ অন্ধ্রো উধসি চ বাচ্চে। অন্ধ্রুঃ কুপঃ উধো গবাদেঃ শুনঃ।

००२। इलामः यः एको छ।

स्वामः यः मा उत्याः त्लो ह। अस्वतः।

হলাদীও মোদনে কর্ত্তরি জে ইনিজাদিদে। নিখেগে অনেন ছংখ দান্তথা-শুসা দস্য চন্দ্রে প্রহলয়ঃ ফ্লায়বান্ জেনি হলজিঃ।

৫৫७। त्ना सा मा चार डि छा तो।

এষাং ডিঃ স্থাদনো তকারে পরে। দিতঃ সিতঃ মিতঃ স্থিতঃ।

দোষ ছেদে দিতঃ। যোয় নাশে নিতঃ। মা ইতি স্বরূপাৎ মেড প্রতিদানে মাঙলি শব্দে মাণ্চ নানে মাও্যচ মানে ইত্যেতেষাং মিতঃ। ঞিঠাস্থানে স্থিতঃ এবং দিতবানু দিতিঃ দিয়া। অংগী কিং দাতা দান্তং দাত্র মিস্তাদি।

৫৫৪। ছাশোর্কা।

ছিতঃ ছাতঃ শিতঃ শংতঃ।

ছা শোর্ডিঃ স্যাদা অংশী ভকারে। ছোষলূনে। এচোহশিতা। ছিতঃ ছাতঃ। এবং শোষ নিশানে শিভঃ শাভঃ।

'৫৫৫। শো ব্ৰতে নিত্যং।

সংশিতং ব্রতং।

্শোৰ নিশাৰে ইতাস্য নিজ্ঞাং ডিঃ স্যাদণী তকাকে ব্ৰতে বাচ্চ্য। সংশিতং ব্ৰডং। অত্য ব্ৰতে বাচ্চা জ্বলীৰ প্ৰয়োগঃ।

**००७। शां**क्या हिः।

ধাঞো হিঃ স্থাৎ অণৌ তে পরে। হিডঃ।

হিতঃ হিতবাশু হিতিঃ হিতা হিত্রিসং।

৫৫৭। চর কলো ২ছঃ।

অনমাে রকার উঃ স্থাৎ অণৌ তে। চূর্ণঃ প্রফুল্ডঃ।

हर्गमत श्वान जाहारत ज्यार ककार दांश काहण वरमाध्यरणाडि हेमि जाग्रहिड उकातां जांबाक्र कातां जार हित्र हित्स हित्र ह

००४। मटमा ३४:।

मानश्क्रकस्य धावर्जस्य मृद्या मृद्या एक । मुख्य । व्यथः किः श्रीखः ।

দাল লুনৌ দাতু দানে তুদাঞ্চিদেও পালবে ইতি চতুর্বাং দত্তঃ এবং দত্তবান্ দক্তিঃ দত্তা। তুদাঞ্লি দানে ইতাস্তু দল্রিদং ইতাপি। আয়ঃ কিং খেট পানে তেঃ দামানৈ হাকেতি ভী ধীতঃ ইতাদি।

৫৫৯। গাচ স্ত বা।

গে রচঃ পরস্তাধো দস্তো বা হ্যা দণৌ তে। প্রন্তঃ প্রদন্তঃ।

প্রস্তঃ প্রস্তবাদ্ প্রস্তিঃ। তুদাঞ্লি ইজুদ্যতু প্রজ্ঞিমনিজ্ঞা। পক্ষে প্রদক্তঃ ইজ্ঞাদি। অধঃ কিং ধেট পানে প্রধীতঃ অচঃ কিং নির্দ্ধন্তঃ।

०७०। धी मांटक भीवः।

नीखः । इतः किः । अखः निर्म्नखः ।

वाषत्र मधावर्ष्डिदारमञ्जामान्छानाः निक्छद्धः। श्वितिहा मीर्घः मान्धान कारङ छकारत्र भरत्। मीक्षमिङि शृर्द्धन मान्धारन छकारत् श्रत्मन तन मीर्घः। अदः मीक्षाम् मीक्षिः भत्नीकः अञ्चरः हेडः किः श्राक्षः। (७)। ब्रह्मा २८मा यिन ह। व्यटमा कक्षः स्था मटनो एक यिन ह। कक्षः।

आप्ती कः आतन अक्षारम् । भणामवरारम् भणीकेनिरक्षी यशः श्वश्यहगः आविष्ठा वर्षारम् । अक्ष्यहणः किमिन कार्यः मगामिति । उन विमूष्ठा हेक्षारमे न कुष्ठ अदिन्य हेक्षारमे न कुष्ठ अदिन्य हेक्षारमे न कुष्ठ अदिन्य हेक्षारमे न कुष्ठ अदिन्य हेक्षारमे न कः। आश्रेक्ष अमीदा अद्ध भकाद छेर्षे नसः। अदः उक्त शरंद कर्षे अक्षारम् नगुर्मिक्षि। उन अवः विम्न उक्ष्र न कृष्ट । वद्ध किन्न । अक्षारम् अवः अव्युक्तार् उद्ध न गारम् । अक्षारम् कृष्ट । वद्ध किन्न । अक्षारम् वर्षः । वद्ध किन्न । अक्षारम् अवः ।

(७२। घानि छ उंहा।

আদিতে বিহিতঃ ক্তোঘে তাৎ চভাবয়োশ্চ। প্রকৃতঃ কটং সং প্রকৃতঃ কটন্তেন। ক্ষের্ঘ ইতি প্রক্ষীণঃ সং প্রক্ষীণং প্রক্ষিতং তেন ক্ষীণঃ ক্ষিতোহয়ং তপস্বী ক্ষীণায়ুঃ ক্ষিতায়ুঃ।

কর্মশন্ত ক্রিয়া ব্যাপানাচী ক্রিয়া মাত্র বাচীচ কর্ম ক্রিয়া তৎ সাততো ইত্যমরাং। তেন ক্রিয়াব্যাপ্য কর্মণো চসংজ্ঞা বিধানেন ক্রিয়ায়া জলি চ-সংজ্ঞা সিল্বিঃ। ভত্তক স্থাদিতং আদিক্রিয়া ক্রিয়ারপ্ত ইতি বাবং। প্রকৃতঃ কটং সঃ কটং কর্জুমারন্ধনানিতার্বঃ। প্রকৃতঃ কটজেন কটঃ কর্জুমারন্ধ ইত্যর্বঃ। অত্র প্রশন্ধ আদিন্ধ দ্যোভকঃ। ক্রাচিং প্রশন্ধাভাবেশি আদি-কর্মপ্রেরাণা দৃশাতে। বথা নুরক্ত ক্রে বিট্ খুলৈঃ সাক্ষোণালৈরিহোদিতা ইত্যমরঃ। ধাতবঃ পাঠতাঃ পাঠ সূত্র লোকাগমন্থিতা ইতি বোপদেনতা। প্রক্রিণঃ সইতি কর্জুরি জে ক্রেম্ব ইতি দীর্ঘে সুব্যাদ্যোদ্বিদিতি তন্য নকারে মুর্ ইতি গন্ধঃ। প্রক্রীণং প্রক্রিডং তেন। অত্র ভাবে জে দীর্ঘপক্রে প্রক্রীণং ভদভাবে প্রক্রিঙঃ। দৈন্যেতু ক্রীণঃ ক্রিভোইয়ং তপন্থী। অত্রাক্র্মকন্থাৎ কর্জুরি জঃ উপত্র ইত্যর্থঃ। আক্রোশেত্ ক্রীণায়ুঃ ক্রিভায়ুঃ শক্রুঃ অত্রাপি কর্জুরি জঃ।

৫৬০। গতার্থায় শী স্থাস বস জন জু লিব রুহঃ। এভ্যো ঘে ক্তঃ স্থাৎ চভাবরোশ্চ। গঙ্গাং গতঃ কুষ্ণং প্রাপ্তঃ শরিতঃ শেব মধিশৃয়িতো বিষ্ণুঃ বৈকুণ্ঠমধিষ্ঠিতঃ শিব মুপাসিতঃ হরিদিনমুপোষিতঃ রামমমুক্তাতো হচ্যুতঃ বিশ্ব মনুজীর্নে। হনস্তঃ লক্ষীমাল্লিফে। মুকুক্ষঃ গরুড় মধিকচে। গোবিক্ষঃ।

नान्ति एः (स्वार एक अगृहः। श्रकार्थाण्य अगृहात्मकाणि समाहाद्व कमार। দে চ জঃ ইতি ত্রেম্ম কুবর্ত্ততে। গঙ্গাংগত ইতি উগমঠ গত্যাং কর্তুরি জে বন-एरनिक न रमार्भः। भेकार्थ धार्श्वार्थपत्रादिकाः पर्मप्रसाह। कृष्णः धार्श्व हेकि আপুনৌ कि ব্যাপনে।. এবং লভ ভ্ৰে ওষ প্রাপ্তে ধনং লব্ধঃ। পরস্থত্তে নৈবেষ্ট সিন্দেরত্র গভার্থগ্রহণং জ্ঞাপয়তি। গভার্থ প্রাপ্তার্থারো দ্বৈক্যাৎ দাভাাং কর্ত্তরি জুঃ সাং।:অধিকরণেভু গভার্থাদেব ক্তো নভু প্রাপ্তার্থাদিতি। শীওনঞি স্থার অকন্মকত্বাৎ কর্তুরি ক্তে বদোহরদ্যোতীমি পূশী ধূষেতি গুণে শক্তিও। व्यक्तीकद्वारमविधारश्ची मौद्धामीनाः श्रहनः मकत्त्रकरद्वश्य धाश्चार्थः। उन অধিকরণস্য কর্মাছেপি শেষ মধিশয়িতঃ। ঞি গ্রান্থানে অধিকরণস্য কর্মাছে-হপি কর্ত্তরি ক্তে দোনোমাস্থামিতি ভৌ বৈকুণ্ঠমধিষ্টিতঃ। ঞিলাসভ উপবেশে উপপূর্বজেন আরাধনার্থজাৎ সকর্মকজেহপি শিবমুপাসিতঃ। অধিকরণস্য कर्मा द्वश्मि धायमधानिष्यः। वरेन्छ निवास्य मणाधकारमञ्जानिन। कानमा কর্মবেপি কর্ত্তরি ক্তে ক্ষুধ বঁসেতি ইমি এহম্বপাদ্যোরিতি জৌ শাসবদেতি यरक् इतिमिन सूरभाविष्टः। अनीमा ७ अपनी । अपूरेत्यमा हरे हराज्याः कर्मा-সম্ভবেহলি পৃথগ্গ্হণং জ্ঞাপয়তি। অমুপুর্কায়োরেডয়োঃ প্রয়োগে ষদ্য পশ্চাজ্জননং যস্য পশ্চাজ্জরণঞ্চ তস্য কর্মছং স্যাদিতি। তেন রামমসুস্থাতে। হচ্যতঃ অত্র নেম্ভীখাতি ইমো নিষেধে খনসনেভি ঙা। বিশ্বমমুজীংণাইনস্তঃ। चत वृद्धाि हरमा निरम्द श्रमत्रगीवि हित्र वीमहत्रभी कि मीर्च स्नारमा मिनिष्ठि छता नः। शियोयक्रिक श्राय **आनिजनार्थ मकर्मकर्**षणि नन्ती माश्चिरको प्रकृत्मः। किञ्ज करही अना१। चारवाहगार्थं नकर्मकर्षि कर्जुति ক্তে উদিস্তাদিমোহভাবে হোটোভাবিস্তাদি কার্ব্যে গরুড়মধিরতঃ। এবং ব্ব-মারুড়ঃ শিবঃ।

৫৬৪। ধ্রেন্তা হদনাথা ড্ডেচ।

নিশ্চলার্থাৎ গভার্থাৎ ভোজনার্থাচ্চ ক্তো তে আৎ চভাবে ঘে চ। মুকুন্দক্তানিতমিদ মিদং যাতং রমাপতেঃ। ভুক্ত মেত দনস্ত-ভেত্যুচু র্গোপো দিদৃক্ষবঃ। দ্রুগের নিশ্চন স্তুস্য ভাবো গ্রেবিছে। মুকুক্সেন্ডানাদ মুকুক্সং দিদৃক্ষবো গোপ্য ইত্যুক্তঃ। তৎ কিমিডাাহ মুকুক্সেন্ডানং কুপ্পমাসিড্ং। ফিলাসঙ উপ-বেশে। উপ্বেশনার্থছেন নিশ্চনার্থছাদধিকরণে জে আসিতং। অত্র ইদ-মিডাধিকরণ মুক্তং। রমাপতে রিদং কুপ্পং বাতং। বালগতে জিধিকরণে জে বাতং অত্র ইদ মিডাধিকরণ মুক্তং। অনন্তুস্য এতৎ তক্তবলং ভুক্তং ভুজো গৌ-ত্রাণে ভক্ষে অধিকরণে জে ভুক্তং অত্র এতদিতি অধিকরণ মুক্তং। সর্কত্র কামুক সজ্জেত্যাদিনা কর্ত্তরি ষন্তী। চকারাৎ চভাব ঘেষু চেতি। কর্মণি বথা মুকুক্সেন পীঠ মধ্যাসিতং। মুকুন্দেন মথুরা বাতা মুকুন্দেন বাজ্ঞিকারং ভুক্ত মিতি। ভাবেতু মুকুন্দেন আসিতং বাতং ভুক্তমিতি কর্ত্তরিতু মুকুক্ষং পাঠে আসিতঃ মুথুরাং বাতঃ বাজ্ঞিকারং ভুক্ত ইতি।

७७०। का एक क्षार्थ की क्लीनारमः गाउँ।

এভ্যো বর্ত্তমানে ক্রঃ স্থাৎ তেষু। বিদিতঃ পুজিতঃ বাঞ্চিতঃ ইদ্ধঃ • শীলিতঃ শিবে। ২নুবর্ত্তবে।

জ্ঞানং জ্ঞান্চ শুর্কাচ ইন্টাচ জ্ঞাচ্চেল্টাঃ। জ্ঞাচ্চেল্টা শর্পা বেষাং, তে জ্ঞাচ্চেল্টাঃ। ফ্রিরিং যদ্য স ঞীং। জ্ঞাচ্চেল্টাগাদ ঞীক্ত শীলাদি-শেতি তন্মাংশ পূর্বত শ্চনারোহসুবর্ভতে। তেন এভায় বর্ত্তমানে জ্ঞা সাং চকারা দতীতেচ। এতজু কাল মাত্র বিধায়কং কর্মভাব কর্ত্বযু তু বধা সম্ভবং সাাদিশুর্জঃ। বিদলমতে বিদিতঃ জ্ঞায়তে ইত্যর্জঃ। পৃক্ষক পূল্পে পৃক্তিতঃ লোপোন্টেরিতি প্রেলোপঃ। পৃক্ষাতে ইত্যর্জঃ। বাছি কামে বাঞ্চিতঃ বাঞ্চাতে ইত্যর্জঃ। এরু কর্মণি জ্ঞা। ইন্ধীঞিগুল্প হাতে অকর্মকন্ধাং কর্ত্তরি ক্তে নেমু-ভীশ্বীতি ইমো নিবেধে হসুভূইতি ন লোপে চভান্তথোরিতি তদ্য ধে ঝপ্রমােরিতি থস্য দকারে ইন্ধা দোভতে ইত্যর্জঃ। ক্রিশালনে রক্ষিত ইত্যাদি। সমতে তু শীলাদরোহণি ঞিকারান্সবন্ধাঃ। শিবোহসুবর্জতে ইতি প্রতিপদেন শিব ইতি পদং যোজ্বয় মিত্যর্জঃ। মচ বিশেষ বিধানাদেভায় বর্জ্বমানে এব ক্তঃ স্যান্নত্বীত ইতি বন্ধীং জ্ঞাতি বন্ধতর প্রয়োগ দর্শনাং। বথা পরস্পরেণ বিজ্ঞাত স্থেক্পায়ন পাণিমু। রাজ্ঞা হিম্বতঃ সারো রাজ্ঞঃ সারো হিদ্বান্তিণেতি কালিদাসঃ। জ্ঞাতো গ্রেশ্বরঃ কৃছু। দাপ্পনেহেন ত্রুত ইতি দণ্ডী। জানৈরবি-

দিত বিভাবো ভবানীপতিরিতি ভারবিঃ। সপুণ্যকর্মা ভুবি পৃঞ্জিতো দ্পৈ-রিত্যাদি। নচ এম্বপি বর্ত্ত্বমানে জ্ব ইতি বাচ্যং বর্ত্ত্বমানে ক্তে কামুক সজ্জেতি কর্ত্তবিষষ্ঠ্যাপজ্যে।

(७७। श्रि**भ म** वद क्यू क्रांति।

ধো রেতৌ ক্রমাৎ ঠাাঃ প্রবহ স্তঃ। বভজান জলাগর্কান জ্জান গ্রান্ত্দাবান দিদিবান বিবিশ্বান বিবিদ্ধান্।

৫৬१। वरता र्घरतका क्रिनां उद्देश।

খন একাচো হর্তে রিণ আদন্তাজ বদ্যো রিম্ ক্যানান্তঃ ধ জক্ষি-বান্ আদিবান্ আরিবান্ ঈয়িবান্ দদিবান্।

धमह একাচ্চ ঋণ্ট ইণ্চ আচেতি তন্মাৎ। ঘদঃ পৃথগ্ এইণাৎ একা জিডি বিশ্বে
কৃতেহিলি য একাচ্ সএব গ্রাহ্যঃ। নেমসুমিতানেন অসুম্ক্রাদি ভিন্নধাতুভাঃ
ঠা। ইমঃ প্রাপ্তাবলি হব এতেরিতি নিষেধাদ প্রাপ্তে পুনবিই ইমস্থানাং মধ্যে
ঘদতে বিশ্বে প্যেকাচ আদস্তানাং ঋ ইতি ধাভাগিঃ পরস্য বসোরিষ্ স্যাদিতি
ঘদাদেবিধী সূত্রামন্যতোহপ্রাপ্তে নান্যত ইতি জ্ঞাপয়তি কদাচিদন্যতোহলি স্যাদিতি। তেন ক্ষত্রায় সাধুঃ ক্ষত্রিয়ঃ ইত্যাদে ক্ষিক্রবিধাবপাকারকাৎ
প্রতায়ো জ্ঞাতঃ। জ্ঞাকিবানিতি। অদ্বোক্রসো ঠাাং বেতি ঘ্যাদেশে অনেন
ইমি বিশ্বাদি কার্য্যে ইনগ্রমতি গ্রপ্যাসোরিতি ঘ্যা করে শাধ্বণেতি ধন্ধঃ।

०७৮। इन शम पृभ विभ विद्न्या व।।

এত্যো বদোরিম্ভাছা। জয়িবান্জঘয়ান্জয়িবান্জগয়ান্
দদৃশিবান্দদৃশান্বিবিশিবান্বিবিশান্বিবিদিবান্বিবিদান্।

हनती करमी देनि दिएव हन्नरमिठ छेड् लार्प्स हरनाङ् देठि प्रारम्भ अप्तिनान्। शुंद्ध त्यर्ट्घाय हेठि हमी य अपनान्। उन्म करमी देनि छेड् लार्प्स अपितान्। परक त्यामंन देठि ममा नकारत अन्नान्। देत्रम्रभौ करमी देभि प्रमृणितान् परक प्रमृत्यान्। त्योतिण करमी देनि विविणतान् परक विवि सान्। क्षिम्भारको नार्छ करमी देनि विविणतान्।

৫৬৯। দাখান্সাহ্বান্মীঢ়ান্।

এতে বস্তম নিপাত্যতো চক্রাণঃ জজারাণঃ জজাতাণঃ অনুচানঃ।

দাশৃঙ দানে তালবাছঃ দাখান্। দস্তান্ত ইতোকে। সহকি শক্তে নাহবান্ মিহে নিচি মীঢ়ান্। কানমুদাহরতি। ক্ঞদত্চ উভয়পদিবাৎ কর্তুরি কানে চক্রাণঃ কুস্তং কুন্তকারঃ। এবং কর্মনি কানে কুন্তকারেণ কুন্তকানঃ ভাবেতু ছাত্রেণ স্বস্থানাহ। স্বাস্ক্র স্থাগরে কালস্য কর্মবাৎ সকর্মকত্বে কর্মনি কানে স্বাত্যাহ্বকীতি বিভাষয়া গুণে পান্থেন মাসো স্ক্রাথাণঃ স্ক্রা-

গরাণ ইতার্বঃ। অমুপূর্বে ক্রনঞুজে কানে বচাদেশে দিবে থে মূলিদাচ ক্রো অফুচানঃ।

৫৭০। কীপ মবৎ শতৃ শানৌ।

ধো রেতো ক্রমাৎ ক্যাঃ পমবৎ স্তঃ। পচন্।

क्लीलिय देव कीलमवर। बाउन वर्छमानकारण कर्छित लग्रेसलि छाः भक्र खांद्रात्मलि हिं। बाउर वर्छमार कर्मि मक- च्रांद्र खांद्र है खाद कर्मि कर्मि मक- च्रांद्र खांद्र है खाद कर्मि कर्मि मक- च्रांद्र खांद्र है खाद कर्मि कर्मि है खाद खांद्र है खाद कर्मि है खांद्र है

৫৭১। শানে ২তো মন্।

অকারশু মন্ ক্তাৎ শানে। প্রমানঃ।

পচমান ইতি কর্তুরি শানঃ। কর্তুরি বিপ্র ওদনং পচমান আত্তৈ কর্মনি বিপ্রেণ পচ্যমান ওদনঃ শোভতে। ভাবেতু বিপ্রেণ দীপ্যমানং।

'৫৭২। যাসেখিস্থা

আসং পরস্বাস্ত শান্ত আ ঈ তাৎ। আসীনঃ।

ঈ আ ইত্যুভয়ং লুপ্তপ্রথমৈকং। আসঃ পর্স্য শার্ষ্য আকার ঈকারঃ স্যাদিত্যর্থঃ। ঞিলাসঙ্ কর্ত্তরি শাবে শপ্তস্য লুকি অনেন আকারস্য ঈকারে আসীনঃ।

৫৭৩। বেজেঃ শতুঃ কস্তর্ব। বিদঃ পরশু শতুঃ কসুঃ শুদ্ধ। বিদ্যান বিদনু। বেন্ডেঃ পরস্য শব্তঃ কসুঃ স্যাধা। শতৃ স্থানজ্ঞাতত্ত্বন ধিত্বং অভীত বোধক-ত্বঞ্চ ন স্যাধ। বিদশমতৌ শতৃ তয়্য স্থানে হর্নেন কমৌ বিধান্। পক্ষে বিদন্।

৫৭৪। শক্তি বয় স্তাচ্ছীল্যে শতুঃ শানঃ। শত্রুং নিম্নানঃ কবচং বিভ্রাণঃ ভোগং ভূঞানঃ।

अवर्यस् में खः हाति मानः गार। इक्ष् निम्नान हे ि हनती गर्छ में कु में कार्य रतन में खः हाति मानिमाली मूर्कि हनगिन् जाड़ लालि हति हिन्दि मानिमाली मुकि हनगिन जाड़ लालि हति मानि हिन्दि मानिमाली मुकि हानि हिन्दि मानि विद्या । कर्ष रतन में खः हाति मानि मानि में ली मूर्कि हानि हिन्दि हिन्दि । विद्या । विकास के कि प्रकार में कार्य में कार्य मानि स्वामि निम्ना हिन्दि । विद्या मानि कार्य कि मानि स्वामि निम्ना हिन्दि । विद्या मानि कार्य हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्दि हिन्दि । विद्या मानि हिन्दि हिन्

৫৭৫। তীপ মবৎ শুভূ শুমানো। ধোরেতৌ, ক্রমাৎ আঃ পমবৎ স্তঃ। করিয়ান্ করিয়ামাণ:।

তেন ভবিষাৎকালে কন্তবি প্রশৈষপদিভাঃ দাতৃ আঝনেপদিভাঃ দামানঃ উভয়পদিভো৷ ঘ্যং দাাং। এবং ভবিষাৎকালে নকন্মকেভো৷ ভাবেত্বকর্ম-কেভাঃ দামানঃ দাাদিভার্থঃ।

ইতি জ্ঞাদিপাদঃ।

## इक्षामिः।

৫৭%। ঞি আজ ভু সহ রুচ চর রুধ রুত প্রজ্ঞনা পত্রপাই-লংকু নিরাকুমাদ প্রত পচ ইয়ু র্যে।

এতা ইফুঃ স্থানেয়। কার্য্যিকুঃ ভ্রাজিফুঃ ভবিফুঃ সহিষ্ণুঃ রোচিফুঃ চরিফুঃ বর্জিফুঃ বর্ত্তিফুঃ প্রজানিফুঃ অপত্রপিফুঃ অলংক-রিষ্ণু নিরাক্রিফুঃ উদ্মানিফুঃ উৎপতিফুঃ উৎপচিফুঃ।

[ इस्थितः ।

প্রাৎ জন প্রজন অপাত্রপ অপত্রপ অনমঃ ক্ অনংক্। নির আনিরা তথাৎ ক্ নিরাক্। মদচ পতচ পচচেতি মদ পত পচ উদাদ পত পচ। ততো ক্রিণ্ট আজ্ঞান্ডভাদি তথাৎ। ক্রিক্টান্তঃ। মণ্ডুকপ্লুতাধিকারাৎ শক্তিবয়ন্তাদ্দীন্যে ইতামাৎ তাচ্ছীন্যমনুষ্ঠ্তে তদাচ স্বয়ং শংবিসংপ্রাদিতি প্রান্তেম্ধিকারঃ। তেন কার্য়িভুং শীন্মসোত্যাদিবাকো কার্য্যুক্তিতাদি।

৫৭৭। ফুক্ ভুজেঃ।

षा । अर्थः क्र्र् सारात्। जूकः कियुः।

ভুফুঃ অত্র কিন্তাব্দুপ্রশ্রীত ইম্ ন দ্যাৎ গুণাভাবক।

৫৭৮। গ্লামা স্থাকি পচ পরিমৃজঃ মু:।

এভাঃ सुः चारित्व। গ্রায়ুঃ ম্রায়ুঃ স্থায়ুঃ কেইছঃ পক্ষুঃ পরিমার্কুঃ।

শাসুরিত্যাদি ত্রয়ং স্গমং। ক্ষেঞ্ রিতি একা জ্বিবর্ণান্তত্ত্বাদিমো নিষেধে গুণে ষত্ত্বা পকুরিতি উদিত্ত্বারেন্ চৃত্তিতি কুতি ষত্ত্বং পরিমার্কুরিতি মৃজলূব তত্ত্বি উদিত্ত্বাদনিম্পক্ষে মৃজ্যেইকডিতি ইতি বৃদ্ধো শচ্বাজ্ঞেতি ষঙি ষটোঃ কঃ সে ইতি ষস্য কত্বে কিলাদিতি ষত্ত্বং অস্য ইম্পক্ষে ন প্রয়োগঃ।

৫৭ ন। কিপ অস গ্ধ ধৃষঃ কুঃ।

এভাঃ কুঃ স্থাদেব। কিপুঃ ত্রমুঃ গ্রুঃ ধৃফুঃ।

ক্ষিপশথ্যে কিপো কিপুঃ কিন্তারগুণঃ। ত্রস্য ত্রদীণ ভয়ে ত্রন্তুঃ। পৃথি-সুচি লিপেন পৃথুঃ। ঞিপুষা ন প্রাগঞ্জো পৃষ্টু।

৫৮०। শू ऋ। जू कम शम इन लय इय পত शामा ध्युकः।

এভা। এপুকঃ স্থাদেব। শারুকঃ স্থায়ুকঃ ভাবুকঃ কামুকঃ গামুকঃ
মাতুকঃ লামুকঃ বর্ষঃ পাতুকঃ পাছ্কঃ।

শুনি হিংদে ঞিগ স্থানে। ভূমরপং। কমুও স্পৃহি। উগমু গতাাং। হনলো গতো। লগ্য লয়ঞ স্পৃহি। বৃষু গেচনে। পভুজ গতাাং। পদে।ঙ গতো। এভো। ঞুকঃ স্যান্যে। ঞিত্তাদৃদ্ধিঃ। স্থায়ুক ইতাত্র ঘনঞি,ং কৃদি-নীতিষন্। ঘাতুক ইতাত্র ধের্হোঘ ইতি হ্লা ঘে হনস্তঙ্গিতি তণ্ড্।

७५५। ङिक जण कुछ लुक इ. वा का का

এভাঃ योकः शारित। ভিকাকী खुणाकी कृष्ठीकी लूकिकी वताकी।

ভিক্ষত লাভাদে। অসপবাচি। কুটকত প্রতাপনে কুটক কুৎসাছিদো-রিভি ধরং। লুন্টকাবজন চৌর্যো বৃত্তব সংভজেন। এভাঃ ধাকঃ ন্যাদেয বিজ্ঞাদীপি।

৫৮২। পতি গহি স্পৃহি শীও আৰুঃ।

এতা আবুং তাদের। পতয়াবুং গৃহয়াবুং স্পৃহয়াবুং শয়াবুং।

ু পতৎ কৈশুগত্যোঃ। গৃহৎ কওগ্রহে। স্পৃহৎ কেপেন। ত্রেয়াদহন্ত চুরাদয়ঃ। শীঙলঞি স্বপ্নে। এতা আলুং স্যাদের। ঞেলোপ ইতাত্র আলুবর্জনামঞে-র্লোপঃ।

**८५०। मन् मन् मि (४ मि) इः।** 

এভা রুঃ স্থাদের। শক্তঃ সক্তঃ দেরুঃ দারুঃ ধারুঃ।

णम अरको শাতে। यम अरकोण वियाम । गिनशक वस्त्र। (४० পানে। গেটঃ পৃথগ্রহণাৎ দা ইতি স্বর্জং । তেব দাব লুনৌ দাতু দানে ভূদাঞ্চি দেও পালনে দৈপ শোধনে দোষ্চেছদে ইতি ধরাং এহণং এভোা রুঃ সামদেব।

১৮৪। ঘদ আদঃ কারেঃ।

এভ্যঃ ক্রিঃ স্থাদেব। ঘশ্মরঃ সুমরঃ অম্রঃ।

৯ খনো ভক্ষে। স্থাতৌ। স্বাদ্ধে ভক্ষে। এভাঃ করঃ সাক্ষে কি বারগুণঃ। ৫৮৫। মিভাস ভন্জো যুবঃ।

এভ্যো ঘুরঃ স্যাদেব। মেছুরঃ ভাস্করঃ ভঙ্গুরঃ।

ইর্নিদ্যা স্বেহনে। ভাস্ত দাথোঁ। ভন্জধোঁ মোটনে। এভ্যো ঘুরং স্যাদেন। ভন্জ ধাতোরনেকার্থবাদক্রীভাবে ঘুরে কৃতে ঘিতি জাস্য গকারে ভঙ্গুরং কাঠং বক্রমিতাথঃ। যত্ত্ব পরং ভনজি তত্ত্বভঙ্জা ইত্যেব।

**৫৮७। ছি ডি ছि ए: कूतः।** 

এভাঃ কুরঃ ফাংদেব। ছিছ্রঃ ভিছ্রঃ বিছ্রঃ।

ene। यभ ज्य पृत्या <u>। ध</u>क्त्।

এভাে জুজ্ সাদেব। স্বপ্র ভ্ষণক্ ধৃষ্ণক্।

স্পিতীতি স্থাক্। তৃষাতীতি তৃষ্ণক্ ধ্ষোতীতি ধ্যাক্ ইত্যুভয়ত্ত হব-এতেরিতি ইম্নিষেধে ডিত্বা মণ্ডাঃ।

०२१। भू तम आंकः।

ष्याच्या माकः चारम्य । भताकः वन्माकः ।

শুণাতীতি শরারঃ। বন্দতে ইতি বন্দারঃ।

৫৯৮। জু ক্লুকৌ ভিয়ঃ।

ভীক্ণ ভীলুকঃ।

ভিষ এতে ি স্যাতাংঘে। বিভেতীতি ভীরঃ ভীলুকঃ উভয়ত্র কিন্তান্নগুণঃ। ৫৯৯। স্পৃহি গৃহি শ্রু দু জে রাখ্যঃ।

এভা আখাঃ ভাদেব। স্পৃহরাষ্ট গৃহরাষ্ট ভাবাষ্ট দরাষ্ট জয়াষ্ট।

স্পৃহি পৃহি স্পৃহৎ কেলো গৃহৎকঙ্মহে। ধাবদন্ত চুরাদী। ব্রুনগড়ো ব্রুড়োড়ার ক্রেলোপ ইস্তাদৌ আবাবর্জনাৎ ন ক্রেলোপঃ।

৩০০। গণ্ডি মণ্ডি জি জনি নন্দিভাে ২ন্তঃ।

এতা। ২ন্তঃ স্থাদেয়। গণ্ডয়ন্তঃ মণ্ডয়ন্তঃ জয়ন্তঃ জনয়ন্তঃ নন্দ য়ন্তঃ।
গড়ি গণ্ডে। কি মড়ি ভূবে। জি জায়ে। জনীযাও জানা। টুনদি সংবৃধি।
জাত্র জিবজাঃ সর্কে ঞান্তাঃ। গশুয়ন্ত ইত্যাদিষু ঞেলোপ ইত্যাদে অন্তবর্জন

७०५। छनि अपि मि श्रमि मूर्य ति बुः।

এভা हेन्द्रः काटल्य। छन्तिन्द्रः भन्तिन्द्रः भन्तिन्द्रः सन्तिन्द्रः स्वितिन्द्रः स्वितिन्द्रः ।

জনংকাত্র শব্দে। গদংকাত্র ধনৌ। ছাবদন্ত চুরাদী। মদীভির্যঞি হর্ষে জন্য গর্কে প্লেপনে বা মানুবন্ধবাৎ প্রেই হ্রমে দি। হৃত্মদঃ। হৃৎ করোডাচক্টে বা ইতি ঞো ক্ৰিরিতি। ইছু বাো বৈক্তে। অস্য ঞো গুণেঃ দ্বেবোদ্রিতি উকারে দুবিঃ। এভা ইড়ুঃ স্যাদেন। শুন্মিজুরিভাদিষু ঞেলোপ ইড়াদেরি ইছু বর্জনান্ধ ঞেলোপঃ। অত্র ছু ইতি ক্তেপি ইমা এবেইসিদ্ধে ঞেলোপ ইডাত্র ইছুবর্জনে পাবক্তব্যে ইছুকরণং জ্ঞাপন্থতি কচিছিহিডোহপি ন স্যাদিতি তেন বহংলিছ ইতাত্র ন গুণঃ। বাতমক্ষ ইতাত্র বী আদেশোন স্যাৎ।

७०२। কুগুজাপ্তঃ किः। এভাঃ कि श्रेणाएक। कीर्किः গীर्किः जागृतिः।

কুশ রিক্ষেপে গুশ নিগরণে গুগি শব্দে ইতি দয়ং জাগৃক্ষু জাগরে। এভাঃ কিঃ স্যাদের। কিরতীতি কীর্বিঃ অত্র কিন্তাৎ হবত্রতেরিতি ইমো নিষেধে য়াদিরণাবিতি ইরি ব্যানচত্তমীতি দীর্ঘঃ। গিরতি গৃণাতি বা গীর্বিঃ। জাগৃনি-রিতি জাগ্রোহণব্বীতাত্র বি বর্জনান্ধগণঃ।

৬০৩। স্বয়ং শং বি সং প্রা দ্ভুবো ডুঃ।

এভ্যে। ডুং স্থাদেব। স্বর্ড্যু: শর্ডুং বিভূং সন্তুঃ প্রভূং।

এভাঃ পরাৎ ভবতে ভুঃ ম্যান্দে। ভিন্নাঞ্চিলোপঃ। স্বয়ন্ত্রাদিঃ সন্তুদ্ ইতি ধ্য়ং কাওঁল্লনুমতং। এতৎপর্যান্তেমু তাঁছীল্যাধিকারঃ।

৩০৪। তর ধুখন সূচর পুসহ বহ ইতো ধে।

এভ্যিঃ ইত্রঃ স্থাদ্ধে। লবিত্রং স্থারিত্রং ধবিত্রং শ্বনিত্রং দবিত্রং চরিত্রং পবিত্রং সহিত্রং বহিত্রং।

লুঞার ছিদি। ৠপ্রাপেচ। ধূমর্গিঞ কম্পে। খমুঞ বিদারে। স্থান স্থান্তা। চর্গমনেহদনে আবিচারে। পূঞ্জি শাধে। সহকি শজ্জী সহ্ যাওচ। বহৈঞো প্রাপণে। এভা ইত্রঃ স্যাৎ করণে। লুয়তে হনেনেতি লবিত্রং এবং অরিত্রং,ধবিত্রং খদিত্রং সবিত্রং চরিত্রং পবিত্রং সহিত্রং বহিত্রং।

७०৫। घण ल न छ। २८घ।

ধো রেতে স্থা ন্তু ঘে। প্রাকারঃ পাদঃ দাসঃ উপাধ্যায়ঃ প্রাসাদঃ সমাজঃ শমঃ কামঃ বামঃ আচামঃ অমঃ আমঃ যমঃ যামঃ বিশ্রামঃ।

অর্থাকুকানিপি ঘদ্য বর্জনাৎ কৃন্ধোঃ কভাব ইত্যুক্তেঃ কারকভাবয়োঃ প্রাপ্তে ধারেতে সাঃ কর্তৃভিদ্ধ কারকেয়ু ভাবেচ ইত্যর্থঃ। ঘঞো ঘকার শচজোঃ कर्गार्थः। क्षकारता वृक्षार्थः। यक्षा भाकः जान हेजानि। जाना नकात्र की विकल्क केकात्रवर धांहीनमणाञ्चामार्थः। अनहे केकात नेवर्थः। ज्यारवश्न-মেতি ভূষণী। ভু কৃ ঞ প্রকর্ষেণ ক্রিয়তে হসে ইতি কর্মণি যঞি ঞিত্তা দৃদ্ধৌ আকারঃ। প্রস্য দীর্ঘবিধানাৎ যঞ্জধাতে পরে কচি ছুপসর্বস্য দীর্ঘঃ স্যাদিতি স্কৃতিতং। তেন প্রাসাদঃ নীশারঃ নীহারঃ নীবারঃ ব্যতীহারঃ ব্যতীপাতঃ পরী-রন্তঃ পরীবাদঃ প্রতীকারঃ অতীসারঃ ইত্যাদি। করণে পদেটি গতৌ পদাকে रुरनरनिक भामः। मञ्जानारन माम्यः मारन माम्यरुरुरेया देखि मार्गा विधाः। অপাদানে উপেতা অধীয়তে অমাদিতি উপাধ্যায়ঃ। অধিকরণে প্রসীদন্তি মনাংসি অমিরিতি প্রানান্ত। ভাবেতু সমজনং সমাজঃ সমূহঃ জত্র বাজো-হরেবেত্যক্র ঘঞ বর্জনামবী। শমুভির্য শমে ঘঞি বৃদ্ধৌ জ্বনবধ ইতি হ্রন্থে শমঃ। কমুঙ স্পৃহি বারে ইতি ঞিডে। হপ্রাপ্তি পক্ষে ঘঞি বৃদ্ধে কম বম চমাং বর্জ-नार द्वां जाद काम अवर वाम आहाम । अम यम विधामार वा द्वां अम **তামিঃ** যমঃ যামঃ বিশ্রমঃ বিশ্রামঃ। নমু ভাবো ভুধাতোরর্থস্ততশ্চ সর্বাধাতুভাঃ কথং ভাবে প্রত্যয়াঃ স্থারিতি চেৎ সক্যং। ভাব ইহ ক্রিয়া মাত্র বাচী। অত-এব ধাত্বর্থঃ কেবলোভার ইতি। এবং কুভুত্তয়ঃ ক্রিয়া সামান্য বচনাইতি প্রাঞঃ। এবঞ্জ অবস্থে ছে ক্রিয়ায়া স্তঃ সাধাতা সিদ্ধতাপি চ। সাধাতা ত্যাদি वांछा। मार मिक्का स्वारस्ट्रावर । स्वाराव्य घ्या किमालियां निटक्रन भर्था-য়েতি। তেন পাকঃ পাকে পাকাঃ।

,৬০৬। ক ভাবে হমী।

প্রঘদঃ বধঃ ধরঃ করঃ নিলয়ঃ সমজঃ ময়ঃ লয়ঃ। জ্ঞানং মানং দানং প্রবেপণং বপানং বয়নং অজ্ঞানং দরিজাণং শয়নং। छीदन সীবনে বা। প্রেফ র্ষ্ঠেবনং সেবনং।

যঞ্জীদয়ঃ কর্ত্তরি দস্য রিত্যুক্তাপি আমী সর্ব্ধ কারকের ভাবে চ স্থারিতুক্ত-বতা প্ররোগাসুসারেণ সংজ্ঞায়াং কচিৎ কর্ত্তর্যাপি স্থারিতি স্থাচিতং। যঞ্জি যথী রক্ত্তীতি রোগঃ। উচাতীতি ওকঃ সরতি কালান্তরং সারঃ স্থিরোভাগঃ অতিসরতীতি অতীসারো ব্যাধিঃ। অবি প্রান্তীতি, প্রঘমঃ। বিশৃতি চিক্তং

বেশঃ। স্পূশতি দেহং স্পর্শঃ। ক্ষয়তীতি ক্ষয়ো বাাধিঃ। ধরতীত্তি ধরঃ পর্বেত-एक्षः। अन्ति अवर वक्कीकि अकवहनर अवर विवहनर वह्नतिनर। कृतिमिकि ি নদতীতি নদঃ অত্র সংজ্ঞায়ামপি পচাদিয়াদলেব। প্রথম ইত্যাদি। মান্ত ভক্ষে কর্ত্ত্র্যানি ঘুদুদ ইতি ঘুদাদেশঃ। হননং বধঃ ভাবে অলি হনে। \cdots দশং। ধরতীতি ধরঃ কর্ত্তবালু। ক্রিয়তে হলেনেতি করণে হলি করঃ। নিলাগতে হস্মিধিতি অধিকরণে হলি নিলাগঃ। মিম্যোরিভাত্ত অল্বর্জনাৎ নঙ!। সমজনং সমজঃ পাগুনাং সমূহঃ ভাবে হলি বাজো হরেবেডাল্ল জাল্বজ ৰামবী। ভুমিঞন কেংপে মীঞ্গ বধে ইতি দাভাাং ভাবে হলি ময়ঃ। মিমো!-রিতাত্র অবল্বর্জনা রঙা। লীগি লিবি ভাবে হলি লয়ঃ। সাম্বরূপাণাং নিম্যো-রিজ্ঞপি ভাবে হনটি মিমোরিতি ভাদেশে মানং। প্রবেপনমিতি নোহচো-হস্তরিকার বেপবর্জাল্ল গত্বং। অঞ্চল্লেপে গতে ভাবে হনটি ব্যক্ষোরে ইকার বী আদেশে বয়নং পক্ষে অজনং। দিরিদ্রাতে তাঁবে হনটি দরিদ্র আলোপ ইত্যত্রাল্ বর্জনা দালোপাভাবে দরিক্রাণং শীঙ লঞিভাবে হনটি শয়নং। করেকে ছুছিদাতে হনেনেতি ছেদনঃ ধড়রঃ রাজভোজনাঃ শালয়ঃ। সাধনী तस्त्रनी बब्द्ध विख्यामि । कीवन । प्रिर्म निवारम मित्रा ज्लाम एउटी अखरवार्जारव হনটি দীর্ঘে কা নিপাত্যতে। পকে গুড়া স্কীব নিরাসে ইতি দীর্ঘবতা এবেই-मिटकी निलाउन पीर्चरेटः कांच्छामामसाइषा । अत वानसमा अवादा प्रम আনেকার্থথাদিদং বিবৃণোমি। যথা ব্যুপাভ্যাং শীঙঃ পর্যায়ে ঘঞ্। তব রাজ ৰ্শায়ঃ রাজেপশায়ঃ। রাজঃ সন্তর্শায়িতং পর্যায় ইতার্থঃ। উলিভ্যাৎ গ্রিরঃ। উদ্গারঃ নিগারঃ। কিরতে র্ধান্যে। উৎকারঃ নিকারঃ ধান্যস্য। ধান্যে কিং পুষ্পনিকরঃ পুষ্পোৎকরঃ। অত্র অলের। বে স্তোহশব্দে বিস্তীর্নে। পট্সা विञ्चातः मारमञ् वाकामा विखतः। त्रात्रामा १ व्यापाः। त्राः कि यामः। নের্শ্চ। নেঃ প্রাদক্তেণো হল্চ স্যাৎ। ন্যাদঃ নিঘ্সঃ। প্রসংভ্যাৎ মদো-इद्यं २ ला। अभागः नमानः। इद्यं किए आमानः। खरा र्वाधंकानमानः। वाधः 🗃পঃ মদঃ। গেস্ত আব্যাধঃ উপজ্ঞাপঃ উন্মাদঃ। স্বন হুসাভ্যাৎ বা। স্বনঃ স্বানঃ হুদঃ হাদঃ। গেস্তু প্রশানঃ প্রচাদঃ। যমঃ সংনিব্যুপেভাশ্চ। এভাই পরাৎ কেবলাচচ যমে। হল্সাভা। সংযমঃ সংযামঃ নিয়মঃ নিয়ামঃ বিষমঃ বিষামঃ উপৰমঃ উপৰামঃ ৰমঃ ৰামঃ। লে ৰ্গদ নদ পঠ শ্বনি হ্দিভাঃ। নিগদঃ নিগদঃ নিৰদঃ নিৰাদঃ নিপঠঃ নিপাঠঃ নিখনঃ নিখানঃ নিহয়ঃ নিহাসঃ। লেঃ কিং

পাঠঃ। অপেশ্চ কণোবীণারাণ। কণঃ কালঃ প্রকালঃ প্রকালঃ নিকালঃ নিকালঃ। আভোর পুভাং। আরবঃ আরাবঃ আপ্লবঃ আপ্লাবঃ। অবাদ্গ্রহো বৃষ্টি বিঘাতে। व्यवस्थ व्यवसारः। श्राप्तरक्ती। श्राप्तरः श्राप्ताः त्रब्तः। भरतक्त्र्रा २वब्ताग्रारः। পরিভবঃ পরিভাবঃ। পণঃ পরিমাণে নিত্য মল্। পর্নঃ। পরিমাণে কিং দাস্যাঃ পাণঃ। গ্লেছক বিষয়ে। গ্লঃ। সরতে র্গর্ভগ্রহণে। গ্রামুপ্সরঃ। অন্যত্ত উপদারঃ। অভ্যুপনিবিভাো হ্লো হুচ্চ। এভাঃ পরাৎ হ্রয়তে রল্ দ্যাস্ত্রদা হ রাদেশশ্চ। অভিহবঃ উপহবঃ নিহবঃ বিহবঃ। এভাঃ কিং প্রহ্বায়ঃ। আড়ো যুদ্ধে। আহুয়ত্তে বোদারো হিন্মনিতি আহবো যুদ্ধং। অন্যত্রতু আহুয়তে পানায় গাবোহত্র স আহাবো জ্বলাশয়ঃ। অত্র ঘঞি ত্রাদেশো নিপাডাঃ। कांठित्न। रुत्सर्यनारमण्ड । प्रदेश चनः घनः पि टेजिङ् खाल्पार । व्याकारिक-(मर्ग इरना चक्छ। शृरेक्करमरण बारठा श्राञ्जरस्य चंकरलीरस्था इरस चंनारमणण I প্রঘানঃ প্রঘনঃ উভয়ত্র নত্ত নিপাত্যং। অয়ো বি ক্রভ্যো হস্তে রল্করণে चनारमण्डा अरप्राह्नाटक श्रानाकि अरप्राचनः। এবং विचनः स्मचनः। श्रात র্ডান্টা পরিপুর্বান্ধন্তে র্ডঃ দ্যাৎ করণে ঘনাদেশন্ট। পরিহন্যতে হনেনেতি পরিঘঃ। পরেঃ কিং বিঘাতঃ। সমুদ্রাং গণপ্রশংসরো ইন্তে ভোঁ ঘনাদেশক। সম্মে। হল্তে ডঃ দ্যাদ্যণে উদ্দোহন্তে ডঃ স্যাৎ প্রশংসায়াং। উভয়ত্র ঘনা-দেশঃ। সংহ্ননং সংহ্নাতে হিমিরিতি বা সংঘঃ সমূহঃ। উৎকৃষ্টং হ্নাতে জ্ঞায়তে ইতি উদ্যঃ প্রশন্ত ইতার্বঃ। উপাৎক আশ্রায়। উপাদ্ধন্তেঃ কঃ সাাদাশ্রয়ে। কিত্তাদ্ধনগমিত্যুঙ্লোপে হনোছোত্ম ইতি ত্মাদেশ উপত্মঃ আশ্রয়ঃ। স্তম্মাৎ করণে কঃ। স্তম্মো হন্যতে হনেনেতি কে কিত্তাদ্ধনগমিত্যুঙ্ লোপে হনোক্ষেত্রে স্তম্বদ্ধাদশুঃ। উদ্বনান্তর্যনৌ অলস্তে নিপাত্তাে। উর্কৃৎ হন্যতে হসিব্লিতি উদ্যুদঃ অন্তর্হন্যতে হসিব্লিতি অন্তর্ঘনো দেশঃ।

৬০৭। মুণ্লভোহনেক ছঃ সোর্গেঃ ঋল্ঘঞোঃ।

কেবল ছঃ সুবর্জাৎ গেঃ পরস্থ লভো মুণ্ স্থাৎ থলি ঘঞি চ। প্রলম্ভঃ। অন্যত্ত তুর্লাভঃ। একেতি কিং। অতি তুর্লম্ভঃ।

একৌ অধিতীয়েচি ভৌ ছঃস্কুচেতি একছঃ মুনবিদ্যেতে ভৌ যন্ত্ৰ সোহনেক ছঃ সুঃ তন্মাং। যথা এলি অভিত্লভঃ অভিসুশন্তঃ ঘণ্ডি প্ৰলন্তঃ। সুন্তঃ ইক্সনেনৈবেক্টসিক্ষো এত দিধানং নিয়মার্থং। তেন খলি ছুর্লভঃ সুলভঃ। ঘঞি লাভঃ তুর্লভঃ সুলাভঃ। এয়ু পুর্কোণপি তুণ্ ন ম্যাৎ।

৬০৮। স্তদৈ ধা বোদ হিমশ্রথ প্রশ্রথ কার কাল রাগ কায় নিকায়া কায়াঃ।

এতে ঘঞ্জা নিপাতাতে। ফাদো বেগঃ এখঃ ইথাং অবোদঃ অৰক্ষেণঃ হিমশ্রথঃ হিমশ্রন্থ প্রশ্রেখঃ প্রশ্রন্থ ফারঃ কোরণং ক্ষালঃ ক্ষেণলন্থ রজাতে হনেনেতি রাগঃ। কায়ো দেহঃ নিকা-য়ো নিবাসঃ আকায় শিচতিঃ।

সান্দুঙ্বঠ ক্রতে সাদে। বেগঃ অনাত্র সান্দঃ ইদ্ধী ঞিধঙ গ্রাতে । এখঃ কাঠিং অনাত্র ইদ্ধঃ। অব পূর্বে উদ্দিশী ক্লেদে অবোদঃ অবক্লেদঃ। অবাদনাত্র ইদ্ধঃ প্রোদ্ধঃ। অব পূর্বে উদ্দিশী ক্লেদে অবোদঃ অবক্লেদঃ। অবাদনাত্র ইদ্ধঃ প্রোদ্ধঃ। অন্তর্গ মোক্ষে। হিম্যা অন্তনং হিম্প্রথঃ। প্রজ্ঞান্তঃ পরিপ্রস্থঃ। ফ্রুরিলি ক্লুক্তি প্রজ্ঞান্তমা ক্লারঃ। ক্রীজ্ঞান্ত ইত্যানে ন উকারস্যাকারে নৈবেই্টিলিজ্বা নিপাতনং পক্ষে ক্লোর ইত্যানিই্টপদ নিরাস্থার্থ। ফ্রুরিলি ক্লুক্তে । প্রজ্ঞান্তর্গা ক্লালঃ। ক্ষ্রলা চাল্লি ইত্যানে নৈবেই্টিলিজ্বা নিপাত্রং ক্লোল ইত্যানিই নিবারগার্থং। রন্ত্রঞ্জ রাগে ভাবে করণে বা ঘঞি রাগঃ অনাত্র রজঃ। চিন চিঞ্জ চিত্যাং কার্যো দেইঃ। অনাত্র চায়ঃ। এবং নিকায়ো নিবাসঃ। অনাত্র নিচায়ঃ। আকায় শ্চিতিঃ অত্র ক্লার এক নিশাত ফলং।

৬০ । খনোড ডরে কে কর্বকাঃ १

আখঃ আখরঃ আ্থনিকঃ আখনিকবকঃ।

ডণ্চ ভরশ্চ ইকশ্চ ইকবকশ্চ তে।

৬১০। ব্যাপ্তো ভাবে ণিনঃ।

ধোর্ভাবে নিনঃ স্থাদ্যাপ্তো সত্যাং নিনান্তাৎ স্বার্থে ষ্ণঃ। সাংরা-বিনং বর্ত্ততে।

সংপূর্ণর রুগধনো ভাবে নিনে নিজাদ্দ্ধে সংরাবিণ ইতি স্থিতে স্বার্থে ফে নিষ্কে ব্রিরাদ্যট ইতি বৃদ্ধে যয়োলোপ ইত্যকারলোপে সাংরাবিণং হট্টসা। সম্যক্রশন্দো ব্যাপ্ত ইত্থিঃ। ७১১। बाजिश्दात पन् छी।

ধোর্ভাবে পন্ স্থাৎ বাতিহারে পনন্তাৎ স্বার্থে কঃ তদন্তম্চ স্থিয়াং। ব্যাবহারী।

ननः अश्यम नकारता वृक्षार्थः। स्मार्था मस्ताः नकात्रस्त र्यायू ममास्स देखात क्रुनी चूखनारमा छ विविद्यम नक्षरास्मा अक्षार्थस्य विरम्भवनार्थः। वावभूर्वरूक्ष क्रुणा मरनन नि वृक्ष्यो वावदात देखि स्टिंग्ड सार्थ स्मार्थम देखात नस्स वर्षात्रमा देशाद्यो विरस्ति विद्या विर्माण क्रिणा वर्षात्रमा देखात्रमा देखात्रमा देखात्रमा वावद्यामा वावद्यामा

৬১২। দ্বিতো হথু ভাবে।

টুকারেতে। ধো রথু: স্থাৎ ভাবে। বেপথু:।

টুরিৎ যদ্য স দ্বিৎ ভদ্মাৎ পৃথগ্যোগাৎ ব্যতীহারদ্য স্ত্রী ইভাদাচ নাকু-বুজিঃ: টু, গুবেপ চক্রন। বেপনং বেপথুঃ। এবং যাচথুরিভ্যাদি।

৬১৩। ডি্ত স্তক্তে ত্রিমক্।

ভুকারেত দ্রিমক্ স্থাৎ ধর্মপানিস্পানে। করণাজ্জাতং ক্রিমং।
ভুরিং বস্য স ভি্থ তথাং। তথাক্ষাত্মিভি হনজনাদিতি ভপ্রতারে
ভক্তং তথ্যিন্। ভুক্ ঞ ত্রিমকে কিত্তাংগুণাভাবে ক্রিমং। এবং ভুগাঞ হিত্রিমং। এবং ভুগাঞ দক্রিমমিভীদি।

৬১৪। স্থপ রক্ষ যত প্রচ্ছ বিচ্ছে যাচ যজো নঙ্ভাবে ন জিঃ। এতাো নঙ্ভাৎ ভাবে ন চজিঃ। স্থাং রক্ষঃ যতুঃ প্রশাং বিশাং যাচ্ঞা যজাঃ।

স্বংগী যু , ঞি শংশ স্থপঃ। ঞিরক্ষ পালনে রক্ষঃ। বতীও বত্নে ষত্মঃ। প্রাছিল জীতেল প্রশ্ন জাত্র নজিরিতি নিষেধাৎ গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জিনিসাৎ। ছোঃ শৃটা বিতি ছস্য শঃ। বিছ্শ গতৌ বিশ্বঃ ছ্স্য শঃ। টুজু বাচ্ঞ বাচনে নিউ স্তুশ্ভিরিতি নস্য ঞ্কারে অভিধানাৎ ত্রীত্বে জাপি বাচ্ঞা। বজৈঞোঁ যজঃ। রক্ষ বড় বিছু বাচ এভাগ হব ত্রতেরিতি ইম্ নিষেধঃ।

৬১৫। কি দে। হন্ত র্গেঃ।

অন্তরো গেশ্চ পরাৎ দা সংজ্ঞকাৎ কিঃ স্থান্তাবে। অন্তর্জিঃ আদিঃ।

অন্তর্জানং অন্তর্জিঃ কিন্তাদ্পানে উস্যেচীতি আলোপঃ। আদিরিতি। আঙ্ পূর্ববাণাং দাকু দানে ইত্যাদি দাখরপাণাং কৌ আদিঃ।

৬১৬। ঢাড্ডে।

ঢাৎ পরা দঃ কিঃ স্থাৎ ডে। বারিধিঃ পরোনিধিঃ।

ু খাঞালি ধারণে। বারি ধীয়তে হিমান্নিতি বারিধিঃ। এবং পয়ে নিধী-য়তে পয়েনিধিঃ।

७১१। क्रिञ्चा २८घ।

ধোঃ ক্তিঃ স্থাৎ নতু ঘে তদন্তশ্চ স্ত্রিয়াং। ক্তিঃ বৃদ্ধিঃ মতিঃ স্থৃতিঃ প্রকৃতিঃ। [হলাদঃ স্বঃ ক্তৌ চ] প্রহল্তিঃ ভূতিঃ ফুলিডঃ।

ঘদ্য বর্জনাৎ কর্তৃ ভিন্নকারকের ভাবেচ স্যাদিতার্থঃ তুক্ এ ক্রিয়তে অসাবিতি কর্মণি করণমিতি ভাবেচ কৃতিঃ। বুগোঙ বেদনে। বুগাতেহ দরা বোধনমিতি বা বুদ্ধিঃ। অত্র চভাজপোরিতি ভসা ধে বাপ্রাসোরিতি ধসা দঃ। স্মানেং স্ফানিং। হলাদীও মোদনে জেনি হবক্রতেরিতি ইমো নিষেধে হলাদঃ স্ফানিং হবেদু বাপ্রাসোরিতি দস্য তে এহলক্রিঃ। ভুরতেহনয়া ইতি ভুতিঃ সম্পত্তিঃ ভবনমিতি বা ভূতিঃ। অত্র বুক্সীতি ইম্ নিষেধঃ। ঞিক্রনা ভিদি হবক্রতে রিতি ইম্নিষেধে চরকলোছরিতাকারস্য উকারে ফুলিডঃ।

७১৮। कृ शृका। शा हा नाम निः।

এভাঃ পরস্থাঃ কে নিঃ স্থাৎ। কীর্নিঃ গীর্নিঃ জ্যানিঃ গ্লানিঃ হানিঃ লুনিঃ পুর্নিঃ।

কুত গুত জ্ঞাত প্লাত পাত হাত লৃত তে তে আদরো যদ্য দঃ তথাং। ক্রাদিস্ত থাদিভিন্ন দীর্ঘক্ষবস্তাঃ। যথা কুল বিক্লেপে গুল নিগরণে জুইর্মাচ গুৰাচ তুতরে দুস্তরে দুষ্বি বিদারে নুমনীতো পুলি পালনে। দলৈতে। চুরাদেনিতা ঞারেথেং প্রদন্ত মাজীতি। কীর্নিরিভি। জানেন জেঃ স্থানে দৌ কুত্ত

স্থানিব ন্তারেঃ কিন্তে বৃদ্ধ শীতি ইমো নিষেধে শ্লাদিরণাবিতীরি বানচতরীতি দীর্ঘঃ। এবং গার্নিরিভাদি। জ্ঞা ইভাসা লাদির্বাদের প্রাপ্ত প্রথাহণং জ্ঞাপরতি। জ্ঞাদেঃ পরসা নি আদেশসা স্থানিবন্তং নাজীতি। তেলাসা কিন্তা ভাবাৎ জ্ঞানিরিভাত্র ন জিঃ। এবং সংজ্ঞাবিশেষে জ্ঞাদির্বাৎ ক্রে নি আদেশে প্রোণি নিভিন্তঃ প্রোণিঃ পংজি রিভ্যাদে গুণঃ। গ্লাদিন্ত গ্লৈরুমে গ্লানিঃ এবং দ্রৈ মানিঃ। হাদিন্ত ওহালি ভ্যাপে হানিঃ। অত্র দামাগৈ ইভাত্র গৌরব জ্ঞাপ কাৎ নঙীঃ। হাদেঃ পৃথিবিধানং জ্ঞাপরতি জিঃ ক্রাঘে ইভাত্র অঘ ইতি নক্ষো হল্পার্ত্বাৎ বহুপ্রভৃত্তে নামি কর্ত্তরি ক্ষো তস্য নি আদেশে স্থানিবন্তাভাবাৎ জ্যেরভাবে বহুপ্রভিত্ত কামি কর্ত্তরি ক্ষো তস্য নি আদেশে স্থানিবন্তাভাবাৎ জ্যেরভাবে বহুপ্রভিত্ত মা নিষেধঃ। ঞি পু গিলিতু পালনে বৃদ্ধু শীতি ইমো নিষেধঃ। ক্রি পুরিভিত্ত পুরীষভ্ত পুরেষভাবিতি উরি বানচভরীতি দীর্ঘ্য পুর্বী ভুর্বীভ্যেতাল্য বর্জন্বিত্বা পুর্বেগিরভালের ক্রিভালি।

৬১৯। সাতি হৈতি যুতি জুতি শুতি হিনোতি যৌতি জবতীনাং। এতে ক্রান্তা নিপাত্যন্তে।

সোয়নাশে নিপাতনাৎ দোসোমাস্থামিতি ডি নঁস্যাৎ। হিনোতেগ্রণঃ। যুব মিশ্রণে জুরং হসি ইত্যেতয়ো দীর্ঘঃ।

৩২০। শী এজ যজ বিদ স্থাস মন চর ভ্র টাট্টো ন সমজ নিপাত নিসদঃ কাপ্।

অভাে ভাবে ক্পে স্থান্তদন্ত স্তিরাং। শ্যা বিজা ইজা বিদা সুত্যা আস্থা মন্যা চর্যা ভূতাা অটাটা ইত্যা সমজা নিপত্যা নিষ্দাা।

অত্র স্বরে ভাবে ইতি নোক্তা বৃদ্ধেভাবে ইতি ব্যাখ্যানাদরে প্ররোগাসু-সারেণ ভাবে কর্ভিন্ন কারকে চ স্যাৎ। পরস্বরেষু তু ভাবস্যৈবাসুবৃদ্ধিঃ কদা-চিৎ কারকস্যেতি জ্ঞাপনার্থং। ষথা শীঞ্জনঞি স্বপ্নে শেতেহস্যামিতি ক্যপি শীঙো ভ্রেষ্যাণাবিতি ভ্রিস্ত্রীদ্বাদাপি শ্র্যা ধট্বাদিঃ। ব্রহ্মগতী ব্রহ্মনং ব্রহ্মা। বলৈঞো বঙ্গনং ইক্ষ্যা গ্রহ্মপাদ্যোরিতি ক্ষিঃ। বিদ্যান্যতি বিদ্যান্যা ইতি विषा मवन श्रुण कालि किञ्चाम् छ्वां छाति समा छन्। थिनाम छ सामन था सामन था प्राप्त हा स्वाप्त हा स्व

७२५ | कुः माम्ह।

করেতিঃ শঃ ফাৎ কাপ্ চ ভাবে সচ স্ত্রিয়াং। ক্রিয়া রুভা। গ

ভুক্ঞ ভাবে শপ্রতায়ে রতনোর্নগিণাবিতি যঁকি ঋদিঃ শয়গিতি অকারসা রিকারে ক্রিয়া। কাপি জঞ্চণাভাবে স্বস্যেতি তদি কৃত্যা। জন্ত চকারেণ জ্জে-রূপি সমুচ্চয়াৎ কৃতিরপি। এবং চকারাৎ মৃগয়তেরপি শপ্রতায়ে মৃগয়া।

७२२। मुझ् १ थ र्यः।

আভ্যাং য়ঃ-ন্তাৎ ভাবে সচ শ্রেমাং । পরিসর্ব্যা জাগর্ব্যা । পরিসর্ব্যা পরিস্কৃত্তি । পরিসর্ব্যা জাগরণং জাগর্ব্য । ভাগরণং জাগর্ব্য । ভংগ্রা দঃ ।

আভা মঃ স্থাৎ ভাবে সচ স্ত্রিয়াং। প্রশংসা দিদুক্ষা জটাটা কণ্ডুয়া।

শলাচ ত্যাল্ডেক শংস্তাৎ তন্মাৎ। শন্মু হংগা স্তত্যোঃ। প্রশংসনং প্রশংসা তাঃ প্রত্যায়ান্তঃ ইদু শোপ্রেকে সনি শছাজেতি বজি বঢ়োঃ কঃ সে ইতি বস্য ককারে দিদৃক্ষজাগা দনেন ভাবে ক্ষপ্রতায়ে লোপোহত ইতি সনোহকার লোপে প্রীদ্বাদাপ দিদৃক্ষা। এবং স্থার্থে সনস্তাদপি চিকিৎসা ইত্যাদি। জট গতৌ যিউ জটাট্যভাগাদপ্রতায়ে হসাল্লোপ ইত্যকার লোপে পুনস্তবৈব বকারলোপে হপি জটাটা। কণ্ট্যকাৎ কোত্তে কণ্ট্যভাগাদপ্রতায়ে কণ্ট্যা। এবং পুল্রকাস্যা জ্ঞানীয়া ইত্যাদি। ক্ষপ্রতেতি ইয়াদৌ শ্বতীয়া গোপায়া।

৬২৪। দেম্ক্রাৎ সরোঃ।

যক্ষাৎ কো বিহিভঃ সেম্স সেম্ক্রঃ ভক্ষাজ্মভো ধোরং স্থাৎ সচ স্তিয়াং। ঈহা জাগরা। সেম্ক্রাৎ কিং। নীতিঃ রাদ্ধিঃ ক্রমভঃ কিং। পটিঃ।

সহ ইমা বর্ত্তে বঃ স সেম্। সেম্ ক্রো বন্ধাৎ স সেম্জাঃ তন্ধাৎ। বন্ধা-ক্ষাতোঃ পরস্য জন্য ইম্ সন্তবতি স সেম্জাঃ। সেম্জাদগুর্ককরবতো ধাতোরঃ স্যাদিতার্থঃ। সহঙ্গ চেফৌ সহা জাগ্লু, জাগরে। সেম্জাৎ কিং নীঞ প্রাপণে নীতিঃ। রাখ্যো সিজো রাজিঃ। ক্রমতঃ কিং পটগতো পড়িঃ।

৬২৫। তুলে চ্ছারা ভারাধারা কারা গোধা হারা রেখা লেখা চূড়াঃ।

এতে আন্তা নিপাত্যন্তে। চোদনা চূড়া।

৬২৬। ভীষি চিন্তি পুজি কথি কৃষি চর্চ্চ স্পৃহি তোলি দোলি বিভিদাদ্যাত্ম ঘটাদে র্জঃ।

এভ্যা ভাবে ঙঃ স্থাৎ সচ স্তিমাং। ভীষা চিন্তা পুজা কথা কুমা

ष्ट्रिंग प्रदेश दोला मिला পहा जिमा हिना छहा निमा किया जना भीषा नता तना क्रजा घटे। नाथा देता।

य दे९ बना न विर। क्रिम जानि र्यमा न क्रिमंग्रिः। जांबत बत शर्या छः সচাসৌ ঘটাদিশেচতি আত্বৰ্ঘটাদিঃ। ততো ভীৰিশ্চ চিল্পিশেচভ্যাদি সমাুহারঃ ভন্মাং। ঞিভীলি ভাত্যাং ঞো ভীষাদেশ পক্ষে ভীষিঃ। চিতিকমৃতে পুষ্পক পুষ্টে। কথৎক বাক্যপ্রবন্ধে। কুবিকি ব্যুত্যাং। চর্চকেন্ড সমঃ। স্পূচ্ৎ কেপো। তুক্ষকি উল্লিডৌ। তুলকুাৎ ক্ষেপে। নবৈডেঞাস্তাঃ। এভ্যোঞীষি আন্থীত্যাদিনা প্রাপ্তব্যং অনং বাধিত্ব। অনেন ঙপ্রত্যয়ে ঞের্লোপে দ্রীত্বাদাপি ভীষা ইত্যাদি। ষিতস্ত ডুঞোষ পচ পাকে পচা। এবং কিনগষ কিয়া। মৃজ-লুষ ওংকৌ সৃজ্যকি ভূষেচ ইতি ৰয়োঃ স্ভা। লভড়েভিষ লভা। কন্মুঙ ঞিষ क्रमा देखि। जिमारमञ्जा जिमित जिमा। क्रिमित क्रिमा। अङ्थ अङ्। विमन मरछी विषा। किरायरकी किरा। अयु डिखा स्थार। अस्तीमा डसरनी स्नारम তাত্ৰ ঙৰৰ্জনান্ধ লোপঃ। পীভূক পীড়া অত্ৰ ঞান্তবাদন প্ৰাপ্তোভঃ। স্থগতী সরা। ঙেপরে দৃশ্রোরিভি গুঃ। ইর্বনৈ নিবাসে। রুজ্বোশ্রে রুজা অত্র ডিজা ক্লগুণঃ। ইত্যাদি রাকৃতিগণঃ। সুজো বিসংর্গ স্থলা ইত্যাপি কেচিং। আত্ব-र्घोषिछ। पृष्ठिमम ७ ८० छेटन अपूर्वमू । आदिनी। कवि कवार म ७ उगारन शर्छा। व्यथमण्ड चार्र्छा वाथमण्ड। द्वार्थ कम क्रम क्रमण्ड रेवक्रवा विकल-**ष्ट्र**याः । <u>भ</u>षाय ७ (क्लोप रन श्रेषा ७४ विष्ता द्वालेश्य म ७ । कूली ग्रां ९ कार य ७ তু ভবে দক্ষৰও হিংদদে। ত্রপূর্যমিঞ্জ লজ্জায়াৎ প্রসারত প্রসারে ততে। ঞিছ र्सम् (तर्त मान्मी जावर्ष होनग्रः। घडी वाश हेजानग्रः।

#### ৬২৭। আতো ২স্তঃ প্রকোঃ।

এভাঃ পরা দাদস্তাৎ ডঃ স্থাৎ সচ স্তিয়াং। অন্তর্কা শ্রনা সংজ্ঞা প্রমাণ

অন্তর্দ্ধানং অন্তর্দ্ধা। এবং শ্রেদ্ধাং শ্রেদিতাব্যয়ং। সংজ্ঞায়তে হনয়া সংজ্ঞা নাম। প্রমীয়তে হনয়া প্রমাণমিতি বা প্রমা। এয়ু উস্যোচীত্যাকার লোপে স্ত্রীদ্বাদাপ্।

৯২৮। এটা বি শ্রন্থি হু হু বেন্তি বন্দা গোংনং।

এভা ২নঃ স্থাৎ সচ জ্রিয়াং। কারণা ঈষণা অন্তনা গ্রন্থনা বেদনা বন্দনা আসনা।

ক্রিক্সন্তঃ।কারণা।ঈযুঞ্ ঈষণা। গ্রন্থকিগ দর্ভে গ্রন্থনা। প্রন্থ মোকে প্রতিক্রষি প্রন্থনা। বিদলাভৌ বেদনা। বদিও সুত্যভিবাদয়োঃ বন্দনা। কিলাসঙ উপবেশে আসনা।

৬২৯। প্রশ্ন খ্যানে ণিঃ।

প্রশ্নে আখ্যানে চ ধোর্ণিঃ স্থাৎ সচ প্রিয়াং। কাক্ষারিমকার্যীঃ সর্কাংকারিমকার্যং।

ক্ঞাদভূচ ণে বিদ্বাদ্যক্ষী কারিঃ। কেচিন্তু প্রশ্নে আখ্যানেচ শকং জিং শং কা পঞ্জ কৃত্বা কাংকারিকাং কাংকৃতিং কাংক্রিয়াং কাংকৃত্যাং অকার্যীঃ সর্ব্বাং কারিকাং সর্ব্বাংকৃতিং সর্ব্বাংক্রিয়াং সর্ব্বাংকৃত্যাং অকার্যং ইত্যুদাহরন্তি।

৬৩০। নঞ্জোহন্যাক্রোশে স্ত্রী।

নঞঃ পরা দ্বো রনিঃ স্থা দাকোশে সচ স্ত্রিয়াং। অজীবনিস্তস্থ ভূয়াৎ অপ্রয়াণিঃ।

জীবপ্প প্রাণে অনিঃ অজীবনিঃ। যাত্র গড়ো অপ্রয়ানিঃ। নোচ ইতি গছং। স্ত্রাধিকারে পি স্ত্রীগ্রহণং স্ত্রাধিকার নিবৃত্ত্যর্থং।

७०८। ঈष मृः भाः थल् ভार ए।

এভাঃ পরাদ্ধোঃ খল ফাডাবে ঢে চ। ঈষদাঢাং ভবং ভবতা। জুরাঢাং ভবং ভবতা ঈষৎকরঃ কট স্বয়া ছম্করঃ।

এবাসবায়ত্বাৎ থিৎ কার্য্যাভাবেপি ঈষদ্বঃ দোঃ পরাৎ থাতোঃ খল্বিথানাদাঢ়াদি শন্ধবাবধানেহপি স্যাৎ তেন ঈয়দাঢ়োপপদাৎ ভবতের্ভাবে খলিগুণে থিত্বা দাঢ়াস্য মনি ঈয়দাঢ়াং ভবং। এবং ছরাঢ়াং ভবং। ঈয়ৎ ক্লিয়তেহসে ইতি কর্মণি খলি ঈয়ৎকরঃ এবং ছঃখেন ফ্রিয়তেহসে ছক্ষরঃ। সুখেন
ক্রিয়তে হসে সুকরঃ।

७०२। चार्छ। श्रा श्राहिसः।

मরিত্র। বর্জা দাদস্তা দীষদ্ধুঃ সোঃ পরা দনঃ শুভারে তে চ। ঈষৎ পানঃ তুপ্পানঃ সুপানঃ। অদরিত্রঃ কিং ঈষদ্বিত্রং। ঈষৎ পীরতেহসে ইতি কর্মণি অনে ঈষৎ পানঃ। এবং দুর্জানঃ। অত্ত দুর্বর্জনাত্ম ণত্তং। সৃপানঃ। অদ্বিদ্রঃ কিং ঈষদ্বিদ্রায়তে ইতি ভাবে খলি দ্বিদ্র আলোপে ঈষদ্বিদ্রং।

### ७००। पृत्र नाम यूथ धृष पृरवा वा।

ঈयमुःरिगाः প্রেভাঃ এভা হনঃ ছাৎ ভাবে চে বা। সুদর্শনঃ সুদর্শঃ ছংশাসনঃ ছংশাসঃ ছর্ব্যোধনঃ ছর্ব্যোধঃ সুধর্ষ। ঈবস্মর্ধনঃ ঈষমূর্বঃ।

गृर्थनः मृश्चरिक्ष कि कर्मानि अस्त गृमर्गनः थित गृमर्गः। এবং সৃংখন

শিষাতে হুসৌ সৃশাসনঃ সৃশাসঃ। এবং ছঃশাসনঃ ছঃশাসঃ। যুগোঙ যুদ্ধ
অন্তর্ভুত কার্যজ্ব সকর্মকত্বে ছঃখেন যুগ্যতেহসৌ ইতি কর্মানি জনে ছর্গোধনঃ খলি ছর্গোধঃ ধ্যা কি অ্মর্যে জমর্য ইহ অভিতরঃ। সৃংখন ব্যাতে হসৌ
সৃধ্বনঃ সুধ্রঃ। মৃষুক্র ক্ষান্তো। ঈষক্ষ্যতে হসৌ ঈষক্ষ্যণঃ ঈষক্ষ্যঃ।

#### ৬০৪। তাদর্থ্যে চতুম্। ধো শচতুম্ স্থাৎ তাদর্থ্যে। ক্রক্ষং ত্রফুং যাতি।

म शावर्षः मेठातो व्यर्था व्यन्त स्थित उपर्थः उमा ভावसापर्थः जियम्।
यमा शावार्यः व्यना शावर्षमा अद्याखनः छवि उपाद्याद्याद्यः जित्राद्यः व्यन्त शावर्षः व्यन्त शावर्षमा अद्याखनः छवि उपाद्याद्याद्यः । हिन् त्यो अदिक हिन् विद्यान्ति । हिन् त्यो विद्यान्ति विद्यानि वि

# ७०६। जाह् वा निष्या १ वर्ष श्राम्या। निष्यं धार्य देवा वर्षा वर्या वर्षा वर्ष

চকারোহবারার্থঃ। শীব্রজ ইত্যাদি সুদ্রেস্য বৃদ্ধে ভাবপদ ব্যাখ্যানাৎ ইত্যাদে ভাবস্যৈবাসুবৃদ্ধিঃ। তেন ভুদাঞ্চিল দানে ভাবে জ্যাচি দদ্দেধ ইতি দতাদেশে দত্থা। পক্ষে হনটি সহ্বারণেত্যাদিনা তৃতীয়া দানেন। পাপানে ভাবে ক্রাচি দামাগৈ ইতি ঙী পীত্ব পক্ষে পানেন। ७०७। , शूर्ककारन।

পুর্কিমিন্ কালে স্থিতাদ্ধোঃ জাচ্ স্থাৎ। বিঞুঁং নদ্ধা স্তৌতি।

यमा कर्ला क्रिया वयर क्रिया ज्ञार करता ि उमा भव क्रिया भिक्र मृद्धत्रिम्कारम वर्लमाना क्रार्टा जीरव क्रिया मार हेळार्थः। उन भक्ता ज्र्ह्र क्रिया क्रया क्रिया क्

७०१। न कि९ कन्त्र सम्पः।

কন্ত। শুন্তা।

আভাং পরঃ ক্রাচ্ কিল্লসাং। ক্রান্থি লোষণে। ক্রান্থ কি ব্রাভাবাং হসুঙু ইতানেন ন লোপাভাবে বাপ্রাসোরিতি দকারস্য তকারে ক্রন্ত্রা। সান্দুঙ্গ ক্রতে ক্রাচি উদিত্রাদিনোহভাবপক্ষে সান্ত্রা। অত্র নঞানির্দিষ্ট মনিতামিতি ন্যায়াং ক্রাচ্ স্থানজ্ঞাতসমূষপঃ কিত্রে প্রক্ষদ্য প্রসাদ্ধার নলোপঃ সাং।

ভেতি। সেম কুষ কুষ ক্লিশ গুধ মৃড় মৃদ বদ বস গ্রহঃ।
ধােঃ পর ইম্সহিতঃ জাচ্ কিল্ল ফাৎ নতু কুধাদেঃ। শ্রিদ্রা।
সেম্কিং। শ্রেদা। কুধাদে স্তা। কুধিদ্বা।

সহ ইমা বর্ত্তে ষোহসৌ স সেম্। শীও নঞি জ্বাচ্বসোহরস্যেতি ইমি জনেন কিন্তুনিষেধে গুণে শরিত্বা। এবং শ্বচশমুক্তাং জচিত্বাইক্তাদি। সেম্ কিং জিত্বা শ্রুত্বা। কুশ্বনেষ্ ক্রাচি কুশ্বসেতি ইমি কুণিত্বা। কুষণ নিক্ষর্যে। কুষিত্বা। ক্রিশ্যঞ্চোপতাপে। ক্লিশুগতু রিবাধে এতয়োরিম্পক্ষে ক্লিশিত্বা। গুণা বেষ্টে গুণগ ক্ষি গুণঙ জ্বীড়ে ইতি ত্রয়াণাং গুধিত্বা। মৃড্- গশ মোদে মৃড়িত্বা মৃদগ ক্ষুদি মৃদিত্বা এবু কিন্তা দ্বগণঃ। বলৈ বাচি গ্রহম্বপাদ্যোদিতি জ্বো উদিত্বা বলৈও নিবাদে ক্ষ্বদেতি ইনি গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জ্বো শাদ বসেতি যত্বে উষিত্বা। গগ্রহঞ্চ গ্রহম্বপাদ্যোরিতি জ্বো গ্রহে রিমোর্ঘ ইতি দার্ঘে গৃহীত্বা। ক্ষুধ ক্লিশ বস ইতি ক্রিভ্যো হলেয়েবু বসোহরসোতীম্।

७७२। छ्व युव क्रन वश्र लू शृट्दा वा।

এভাঃ সেম্কাচ্কিন্ন ভাৎ বা। তর্ষিত্বা মর্ষিত্বা বঞ্জিব। লুঞ্জিবা পক্ষে তৃষিত্বা।

हेर्स कि कृष कृषि। क्लांकः किखाकार धार किया किरशास कृषिया। बरश् मृषु (महरत मूमके बु म्याक कारको बयार मर्सिया म्यिया। कृष्णि र्यू कार्या। कर्षिया कृष्णिया। वन्तू भेजार विश्वया किरशास वृष्ठिया। बरश जून्हाशनग्रत जुक्षिया जुहिया। अञ्चलक्तिकारग्राः कर्षिया अञ्चल।

৩৪০। থকা মুদ্রঃ।

নকারোঙ স্থান্ত কান্তাচ কিন্ন হাছা। প্রতিষ্থা প্রথিত্বা প্রথিত্বা প্রথিত্বা প্রতিষ্থা প্রকিত্বা প্রকিত্বা । কুঙা কিং। কোথিত্বা রেকিত্বা।

শ্রন্থ নোক্ষে শ্রন্থির শ্রন্থ প্রাণির । গুনুষণ গ্রন্থে গুকিরা ওফিরা। নকারো ৬ঃ কিং কুথাতু পুতিত্বে কোথিবা। রিফশর্ফে রেফিরা।

७८। ने भ्रा ३ नि महा

নশো জান্তাক মুঙো হনিমঃ পারঃ কাচ্ কিন্ন স্থাদা। নফুৰ নংকা ভকা ভংকা। অনিমঃ কিং। অঞ্জিদ্ধা। বুটভোহবো হসাদেরিতি ] দোগতিদ্ধা হাতিদ্ধা লেখিদ্ধা লিখিদ্ধা। রুদাদেন্তা। রুদিদ্ধা বিদিদ্ধা মুবিদ্ধা। অবঃ কিং। দেবিদ্ধা। হসাদেঃ কিং এবিদ্ধা ওবিদ্ধা।

নশচ জ্ঞাচেতি ভক্ষাং। নশুষ্ নাশে উদিত্তা ছে মূদিতানেন ইনোহভাব পক্ষে সূণ্রধ ইতি সুণি কিংপকে হস্তু ইতি ন লোপে শছাজেতি বঙি নফুলি অনুজোধো মোটদো উদিত্তাদিমোহভাবে ন লোপে চঞিতি জ্গা গকারে

৬৪২। পুক্লিশুদিত ইম্।

এভঃ কাচ্ইম্ ভাষা। পবিষাপূখা ক্লিখা ক্লিখা শমিখা শাস্য।

বুছ শ্রীজ্ঞানেন কিতা মিম্ নিষেধাৎ পৃ ইক্তস্যাপ্রাপ্তে বিৰুপ্পার্থং গ্রহণং।
ক্লিশুপঞ্চ চোপতাপে অস্য স্বমতে উদিত্ত্বেপি পুনর্গ্রহণং অন্যেষাং মতে
উদ্স্ত্রাভাবাং। পুসরপাৎ ক্তাচোহনেন ইমি সেম ক্লুং কুষেজ্ঞাদিনা কিত্ত্ব
নিষেধাং গুণে প্রিদ্বা পক্ষে পূত্রা। ক্লিশুগঞ্জ ক্রাচ ইমি সেম ক্লুংখজ্ঞ ক্লিশ্ব বর্জনাং গুণাভাবে ক্লিশিত্বা পক্ষে ক্লিফ্ট্যা। শমুভির্ণ শমে উণিত্তাদনেন ইমি
শমিদ্বা পক্ষে ঞ্মুঙ্ বাস্যাবিতি দীর্ঘে শাস্ত্রা।

७८७। जन्मा (यी वा।

ক্রমিদ্বা ক্রান্তা।

কিনোর্ঘঃ স্যাৎ জ্বাচি। ক্রমু গর্জে জ্বাচ্ বেট্থাদিনো হভাব পক্ষে হনেন দীর্ঘে ক্রান্ত্র। পক্ষে ক্রস্তু। ইম্পক্ষে ক্রমিত্ব। ইতি বোধাং।

७ 88। जुबस्कान जिः।

জাভাং কাচ ইম্ ভাৎ নতু ত্রশ্চে জিঃ। জরিত্বা ত্রশ্চিত্বা।

विভাষা पत्र मधाव जिंदा मगा निकाद । स्व प्रक्र भार वृद्ध श्रीका तन कि जा मिम् नित्य त्थ श्री स्व स्व क्षेत्र क तमर्ज्ञान करनेन निर्श्वाम बिण्डा। तम्युक्तानः निर्द्धान्य रक्षत-श्वारक्षो क्षत स्व निर्द्धा कालग्रिक नग्रानि विदेश निर्द्धान्त श्वाकिः मानि । তেन इव तहरू दिन इम्निर्द्धा श्रीण उगामः एक दिम् मार । यथा छनि छः मश्कृति किः निकृति छिः क्षारमानि छः शिष्ठिः भृशै छिः सिहि छै। छनि छः मृति छः मीर्थि दिश्वामि ।

৬৪৫। হাকোহিঃ। হিন্তা।

शक्ति। हिन्ना। होकः किং ওহাঙলি গতৌ हাবা। ১৪৬। বাদ নঞঃ জে যপ্সে।

নঞ্ বর্জাৎ ব্যাৎ পরাৎ ধোঃ কো যপ্ ফাৎ সে সভি। প্রকর্ষেণ কৃষা প্রকৃতা প্রবৃত্য প্রতৃত্য প্রহৃত্য উদজ্য প্রদায় প্রমায় প্রগায় প্রহার প্রপার প্রসায় প্রসায়। [দীঙ্ঠ্যামিতি যপি ঙা] প্রদায় [মিমাা রিতি ঙা] প্রমায় প্রলায় প্রলীয়।

৩৪৭। ম্রোপো বা নিমঃ।

ভানিমো মন্ত লোপং ভাৎ ব যপি। প্রণত্য প্রণমা। ভানিমং কিং। প্রশমা। नत्मी भ्यनत्थाः भरमार्थ यमा छनि ध्ववछा श्रांक ध्ववमा। बद देशम धानश्च धानमा ध्वनिमः किरं विक्रमा धानमा। निर्धिष्ठ धाम्छ विष्ठ देशापी धानमारमप्ता तानमा वनवद्या मार्गा धनानत्म ध्विम्ब्राद्व देखि म मार।

৬৪৮। ঘো ঞে রয়ঃ।

मू शूर्वम (धः तमः मार यित्। विभागा। चाः किः मः धर्मार्ग।

লঘোরবাবহিত পরস্য ঞেরসম্ভবাৎ হস বাবধানে ইতার্পঃ। গণৎক সংশ্যা-নে। ঞৌ হসাল্লোপ ইতাকারলোপে গণি ভাগাৎ জ্বাচো যপি জনেন ঞেরবি বিগণষ্য এবং বিঘটষা ইত্যাদি। ঘোঃ কিং সংপ্রপূর্বাৎ ধৃক মৃত্যাং ঞৌ ধারি-ভাগাৎ জ্বাচো যপি ওর্বক্ষরপূর্ববাৎ ঞেরয়াভাবে ঞের্লোপে মন্ত্রধার্য। এবং প্রপাঠ্য প্রভাব্য ইত্যাদি।

৩৪ন। বাপঃ।

ব্দাপঃ পরস্থ ঞে রয়ং স্থাদ্বা যপি। প্রাপ্যা প্রাপ্য।

धांभरा धांभा। चत धन्नभूर्यदार चथारशे विভारा।

७०। वात्म कार्म कि को।

মেঙো মিঃ কোঃ কীঃ ভাষা যপি। অপমিতা অপমায় প্রকীয় প্রকিতা।

মেঙ প্রতীদানে ক্রাচো বপি জনেন মি আদেশে স্বস্য তনি জপমিতা। পক্ষে এচোহশিত্যা অপমায়। কি স্বরপাৎ ক্রাচো বপি দীর্ঘাস্তাদেশে প্রক্ষীয় পক্ষে স্বস্য তনি প্রক্ষিতা। পুনর্বাগ্রহণং পরতো বাধিকার নিবৃদ্ধার্থং।

७৫১। - न (व जा) (वा) जिः।

क्वां कि नें छा पि । अवात्र अकात अवात ।

केकरव स्रार्फी स्नानि स्वतानार स्वारेक ब्राप्त असर अस् नर्शासात्रिकि स्वारक्षी स्निर्माण विश्व

७৫२। मःপরি ব্যোবা।

আভাং ব্যেঞা জিবা ভাৎ যপি। সংবীয় সংবাার পরিবীয় পরিবাায়। সংপরিপূর্ক্তন্য ব্যেকে বৃতা বিভাস্য জির্বা ন্যাৎ যপি। সংবীর পরিবীয়। উভ রক্ত জৌক্তে জীর্ঘোছন্তা ইতি দীর্ঘঃ। সংপরিপূর্ক্তন্য কিং প্রবায় প্রতিব্যার। ৩৫৩। চণমা ভীক্ষ্যে পুর্ক্তকালে।

ধাঃ পূর্বকালে চণয় স্থাৎ পৌনঃপুনা। সৃত্যা সৃত্যু নমসি
ন্দারং ন্দারং নমসি। কতো যেযক্র বিহিতান্তক্র নুনং ভবন্তি তে।
কুদ্ধোঃ কভাব ইত্যুক্তে রন্যক্রাপি প্রয়োগতঃ। তথাচ। কুন্তুদ্ধিত
সুমাসানা মভিধানং নিয়ামকং। লক্ষণং স্থনভিজ্ঞানাং তদভিজ্ঞান
স্কুচকং। বছলং ব্রহ্মণি। যদিদং লৌকিকপ্রয়োগ ব্যুৎপত্তরে
লক্ষণমুক্তং তদ্বৈদিকপ্রয়োগব্যুৎপত্তী বছলং ক্রেয়ং। ক্রচিৎ
বিহিতং ন স্থাৎ। ক্রচিন্নিষিদ্ধং স্থাৎ। ক্রচিন্না স্থাৎ। ক্রচিন্ততো
হন্যক্র পীতার্থঃ। যথা পুর্বেভিঃ ব্রাক্ষণাস্ইত্যাদৌ বেদসিদ্ধৌ
ব্রহ্মণক্ষোহত্ত মঙ্গলার্থঃ।

अञ्चेत्वर प्रविधान । मृ मृ विद्धान वा का विष्य मिन कि मान । विद्यान कि कि मान । विद्यान कि कि मान । विद्यान वा कि विद्यान वा मिन । विद्यान वा कि विद्यान वि

ভোক্সয়তি। বাবতো জীব বিন্দাৎ। যাবজ্জীবসধীতে যাবজ্জীবতি তাবদগীতে वेकार्थः। योवर ८वमः पूष्णक योवसः विकाजि जावसः पूष्णकः वेकार्यः। हत्या দরাভাাং পুরেঃ। চর্মপুরং দদাতি। উদরপুরং ভুত্তে উদরং পুরয়িশ্বা जू ६ एक रे छार्थः। वर्षे अमार्ग छेका ब्राह्मा ना वा। त्राच्यम अर् त्राच्यम शृब्ध वृरकोरमर्देः शाष्ट्रभनः शृत्रशिष्ठा ववर्षजार्थः। वज्रार्थार क्रार्लः। वज्रार्थार পরাৎ এ নত কুর ধাতোশচণম্ স্যাদর্ধ প্রমাণে। বস্ত্র ক্লোপং চেল ক্লোপং বৃট্টো দেবঃ বস্ত্ৰং আর্ড্র ফুড়াব্ট ইভার্থঃ। নিমূল সমুশাভাগে গতার্থকষঃ। নিমূল-কাৰং সমূলকাৰং কৰতি সমূলং কৰতীতাৰ্থঃ। যত্ৰ গতাৰ্থাৎ চণম্দ্যান্তত্ৰ ভদ্ধাতু রকুপ্রযুক্ষ্যতে। গভার্থাদিভি কিং চেলক্লোপং ব্কৌদেবঃ। সমূলাৎ গভার্থ हासा । मम्नवां ७९ हसि मम्न १ हसी छार्थः। एक हूर्न कका का दार्थि नियः ; **अकर**्षर शिनष्टि अकर शिनक्षी छ। यह हुर्न त्थर क्रकर्णस् । स्त्रीवा-দাতার্থপ্রহঃ। জীবপ্রাহং গৃহাতি জীবং গৃহাতীতার্ধঃ। অকৃতা দাতার্থ কৃঞঃ। অক্তকারং করোতি অক্তং করোতীত্যর্থঃ। করণা দগতার্থ হস্তেঃ। পাদঘাতং ভূমিং হত্তি পাদেন ভূমীং হন্তীতার্থঃ। হন্তার্থকরণাদ্যতার্থ এহ বর্তি বৃতঃ। হত্তথাহং গৃহাতি হত্তেন গৃহাতীতার্থঃ। হত্তবর্ত্তং বর্ত্তয়তি হত্তেল বর্ত্তয়তী-ভার্বঃ। করবর্ত্তং বর্ত্ততে করেণ বর্ত্তত ইতার্থঃ। আত্মা ত্মীয় বন্ধু বিস্ত বাচকাৎ করণাৎ গতার্থপুরঃ। স্বপোরং পুঞাতি স্বেন পুঞাতীত্যর্থঃ। এবং জাল্পপোষ্ৎ আন্মীয়পোষং জ্ঞাতিপোষং বন্ধুপোষং ধনপোষং। স্নেহনাৎ করণা দাভার্থ-পিষঃ। স্মিহৃতে হনেনেতি স্নেহনং জলাদি। উদকপেষং পিনষ্টি উদকেন পিন ফীতার্থঃ। এবং তৈলপেষং মৃতপেষং। আধারা দগতার্থ বন্ধঃ। চক্রবন্ধং বন্ধঃ हृदक्तवकः हें छार्थः। प्रृष्टिवक्तः वक्तः प्रूरकोवकः हे छार्थः। मृश्कामाकः। त्कोकवक्तः বদ্ধঃ। এবং ময়ূরিকাবস্কং বন্ধ ইত্যাদি। বন্ধনবিশেষাণামিয়ং সংজ্ঞা। কর্ত্ত্বীব ১ পুরুষা দোতার্থ নশ বহং ক্রমাৎ। জীবনাশং নদ্টঃ জীবোনফ্টঃ ইত্যর্থঃ। পুরুষ-বাহং বহতি পুরুষোভূতা বহতীতার্থঃ। বিদ্যাৎপ্রণাশং। অয়ং নিপাভাতে। বিছাৎপ্রণাশং নশুতি বিছাদিব নশুতীতার্থঃ। উদ্ধৃ। দাতার্থ শুষিপুরেঃ। উদ্ধৃণি কর্ত্তুঃ পরাভ্যাং গতার্থ শ্বরি পুরিভ্যাং চণম্ন্যাং। উদ্ধৃ শোষং শুদ্ধঃ। উদ্ধৃ পুরং পূর্বঃ । তৃতীয়ান্তাছাপপদেন চণমন্তমা সমাসোবা বজবাঃ। তৃতীয়ান্তাছপ-पर्रमा তৃতীয়ান্তপদাত্পদংশে শুলম্ গাবে। তৃতীয়াত্তেন সমাসশত বা। मूमित्करनाभारभार जूएएक मूनत्काभारभार जूएएक। हिश्मावीटिककर्मकार।

ভূতীয়ান্তাদি পদা দ্বিং দার্থাতে। শ্চাকু প্রয়োগেন সংহক্ষক্র চণ্ম্ স্যাৎ र्जन ममामण वा । मरश्वरनाभषां ज्य मरश्वाभघां जैश गोणां नग्न जि । रकरण्यू (करेण র্বা প্রাহৎ যুধ্যন্তে কেশগ্রাহৎ যুধ্যন্তে। পার্শ্বন্যাঃ পার্শ্বাভ্যাং বা উপপীড়ং শেতে। মুষ্টিপীড়ং দধানে ইতি ভট্টিঃ।,এবং পাণ্যপকর্ষণ ভক্ষয়তি পাণিনা উপক্ষা অনে। ভক্ষতীভাৰ্থঃ। অপাদানা দ্বাতো দ্পন্ম প্রায়াং সমাসদ্বা। শ্যার। উত্থানং শ্যোতারং ধাবতি। বিতীয়ান্তাল্ধাতে। শুণম্ সমাসশ্চ বা। লোক্তং প্রাহং লোক্ট প্রাহং যুখ্যক্তে। স্বাহ্লাচ্চা প্রবাদ্ধাতোশ্চণম্সমাসশ্চ বা। यभित्रतक हिर्देश প্রণী न गुग्रट्ड उर অঞ্চাर। জ্বাবিকেপ্ং জবিকেপং বক্তি। অঞ্বাদিতি কিংশির উৎক্ষিপ্য কথয়তি। পরিপীভ্যমান স্বাঙ্গাদ্ধাতো **म्हनम् ममामम्ह ता। छेत्रमि পরিপেষং উরঃ পরিপেষং মুধ্যস্তে কৃৎসমূরঃ** পীড়রিত্বা যুখান্তে ইতার্বঃ। উরোবিদারং প্রতিচক্ষরে নবৈরিতি মাঘঃ। উপ-शम्बीश्मात्राः (धाण्डवम् मा। मामण्डः भिनाग्राः भिनाग्रामू विकालान-(तभः नजाः नजामयूलाजा नजायूलाजः। नमीः नमीमतस्वमा नमातस्वसमिजि। नाम जानिम श्रेष्ट प्रमामण वा। नामानारमण नामारमण मनाजि अवर नागनिश्रोहर नामश्रहर जास्त्रप्ति। उनस्याकार (धाण्ठवम् कुरिको नमानण्डता। मूर्थकः कादः मूर्थकः कृषा मूर्थकः कृषा बाद्यः। जनस्य बनावा प्रचार क्वाटा यश्। उमञ्चाकांकृशीमण जूनण्यम् कार्का ममामण्या। मूर्यत्वाकारः मून्यता ज्य मूर्या पूषा चारस । बर जुकीश्वाय जुकीश्वुम जुकीश्वुषा । बरक প্রয়োগাসুসারাৎ ধাতু বিশেষেতাঃ অর্থ বিশেষেষু প্রত্যয়বিশেষাশৃ ক্তা হল্যেপি সাঁধুশব্দা ব্যুৎপাদ্যাঃ। অণা উনিকৃতে করোতীতি কারুঃ। বাতীতি वाद्यः ভाতीত ভरान्। विरच्छामानिष्ठि स कृष्ठ छीम छीत्यो निशात्छो। এবং ধাতুমান্ত্রান্তাবে ইঃ। বধা ভবনং ভবিঃ ত্যজ্ঞনং তাজিঃ নর্ভূনং নৃতিঃ অত্র কিঃ নোদনং সুদিঃ দর্শনং দৃশিরিত্যাদি। ধাডোঃ স্বরূপ কথনে তিপ্। यथा ভব্তিঃ অভিঃ দীব্যতিঃ। এবং স্বরপকথনে ই ব্রুবাদে নচ গুণঃ। ভবিঃ श्रहिः त्रमुखिः। व्यवारमञ्ज व्यविः युक्तिः प्रूहिः नििः व्यव्हिः पृणितिकापि। জত এব নামচ ধাতুলীমাহ নিরুজে ব্যাকরণে শক্টিন্য চ তোকং। যশ্পদার্থ-বিশেষ সমুখং প্রভারতঃ প্রকৃতেশ্চহি দৃষ্টমিতি প্রাঞ্চঃ। কৃতোবে বতা। ষেকৃতঃ যত্র ষেম্বর্থের বিহিতা তে তক্র তেরু তুনং নিশ্চিতং ভবস্তি। প্রারো-গতঃ মহাক্ৰিপ্ৰেরাগামুদারেণ অন্যত্তাপি সূত। ভত্তহেতু মাহ। কৃষ্কোঃ

ककाव देखि वहनार। छेमाहद्रभेट खरेत्वव क्षाचेवार। न क्ष्वव महरमवर द्ववीमि ध्याद्धार श्रित माहः देखाछ जाह कृष्णिक मयामामामिछि। वहनर। वहवः ध्येमाद्राः मछामा वहनर हूड़ानिषाल्लः। ज्ञथा वहन ज्ञथीम् वार्षि भृङ्गांखि वहनर। श्रित्वां वाणीवमनर मरुक् कथनर मूक्त्मारकीर्ज्ञनक देखाल्ला है। गीर्व्वार्थणामि। गीर्व्वार्थ वाणीवमनर मरुक् कथनर मूक्त्मारकीर्ज्ञनक देखाल्ला है। गीर्व्वार्थणामि। गीर्व्वार्थ खर्जि। छक्त छेखार म मूक्तिवां प्रमारकीर्ज्ञनक देखार ज्ञित्वां माह्य क्षावां म

ইতি ইঞ্চিপাদঃ।

ছুর্গাদালো ব্যবচয়দিমাং মুধ্ধবোষস্য টীকাং, নানা বিশ্বত বিশ্বিতা নাশ্তবোধাং সুবোধাং। আলোকস্তা মপিশুন বুধাঃ স্কুমানাঃ স্বভাবা-দ্যোবং ত্যক্ষা ন্বম্পি গুণং ভুরিবদ্ভাবয়ন্ত।।

ইতি জীন্নগান বিদ্যাবাগীশ বিরচিতারাং মুধ্ববোধন্য টীকাশাং
- কুদন্তাখ্যায়ঃ।

मण्भूरवीष्ट्रप्रः श्रञ्हः।